हरियाणवी बाइबिल

The Holy Bible in the Haryanvi Language of India

हरियाणवी बाइबिल
The Holy Bible in the Haryanvi Language of India

Copyright © 2021 The Love Fellowship

Language: हरियाणवी (Haryanvi)

Contributor: The Love Fellowship

Read and download Bible and several other Christian materials in various formats : www.freebiblesindia.in

This translation is made available to you under the terms of the Creative Commons Attribution Share-Alike license 4.0.

You have permission to share and redistribute this Bible translation in any format and to make reasonable revisions and adaptations of this translation, provided that:

You include the above copyright and source information.

If you make any changes to the text, you must indicate that you did so in a way that makes it clear that the original licensor is not necessarily endorsing your changes.

If you redistribute this text, you must distribute your contributions under the same license as the original.

Pictures included with Scriptures and other documents on this site are licensed just for use with those Scriptures and documents. For other uses, please contact the respective copyright owners.

Note that in addition to the rules above, revising and adapting God's Word involves a great responsibility to be true to God's Word. See Revelation 22:18-19.

2023-04-08

PDF generated using Haiola and XeLaTeX on 21 Feb 2024 from source files dated 9 Apr 2023

58901dbd-3931-5bbb-bd57-5dfafb882aee

Contents

मत्ती 1
मरकुस 45
लूका 76
यूहन्ना 125
प्रेरितों के काम 162
रोमियों 207
1 कुरिन्थियों 228
2 कुरिन्थियों 249
1 गलातियों 262
इफिसियों 270
फिलिप्पियों 277
कुलुस्सियों 282
1 थिस्सलुनीकियों 287
2 थिस्सलुनीकियों 292
1 तीमुथियुस 295
2 तीमुथियुस 301
तीतुस 306
फिलेमोन 309
इब्रानियों 311
याकूब 326
1 पतरस 332
2 पतरस 338
1 यूहन्ना 342
2 यूहन्ना 348
3 यूहन्ना 350
यहूदा 352
प्रकाशित वाक्य 354

मत्ती के जरिये लिख्या गया सुसमाचार

???????

मत्ती के जरिये लिख्या गया सुसमाचार यो सन्देस देवै सै, के यीशु मसीह ए वो उद्धारकर्ता सै, जिसके आण की भविष्यवाणी करी गई थी। परमेसवर नै पुराणे नियम हजारां साल पैहले अपणे माणसां तै करे गए करार ताहीं उस्से उद्धारकर्ता के जरिये पूरा करया। यो सन्देस सिर्फ यहूदी माणसां खात्तर ए कोनी, जिन म्हं यीशु पैदा होया अर पाळा-पोस्या गया, पर सारी दुनिया खात्तर सै।

वर्णन सै। इसकै बाद इस सुसमाचार म्हं यीशु की गलील परदेस तै यरुशलेम नगर तक का सफर अर यीशु मसीह की जिन्दगी के आखरी हफ्ते का वर्णन सै, जिस म्हं उसका क्रूस पै चढ़ाया जाणा अर दुबारा जिन्दा हो जाणा सै।

इस सुसमाचार म्हं यीशु मसीह ताहीं एक महान गुरु के रूप म्हं पेश करया गया सै। उस ताहीं परमेसवर के नियम-कायदा ताहीं व्याख्या करण का हक सै अर वो परमेसवर के राज्य की शिक्षा देवै सै। उसकी शिक्षा ताहीं पाँच भाग्गां म्हं बाट्या जा सकै सै: (1) पहाड़ी उपदेश, जो सुर्ग के नागरिकां के चरित्र, फर्ज, खास अधिकार, अर आखरी उम्मीद तै सै (पाठ 5-7); (2) बारहा चेल्यां ताहीं सेवकाई करण की शिक्षा देणा (पाठ 10); (3) सुर्ग के राज्य तै सम्बन्धित उदाहरण (पाठ 13); चेल्यां तै सम्बन्धित शिक्षाएँ (पाठ 18); (5) सुर्ग राज्य के आगमन अर आण आळे युग तै सम्बन्धित शिक्षाएँ (पाठ 24-25)

रूप-रेखा

पीढ़ी अर यीशु मसीह का जन्म 1:1-2:23
यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा के सेवा के काम 3:1-12
यीशु का बपतिस्मा अर उसका इम्तिहान 3:13-4:11
गलील परदेस म्हं यीशु के जरिये माणसां की सेवा 4:12-18:25
गलील परदेस तै यरुशलेम नगर तक सफर 19:1-20:34
यरुशलेम नगर म्हं आखरी हफ्ता 21:1-27:66
प्रभु यीशु का दुबारा जिन्दा हो जाणा अर उसका दिखाई देणा 28:1-20

???? ?? ??????
(???? 3:23-38)

1 ये यीशु मसीह के पूर्वजां के नाम सै। वो राजा दाऊद का वंशज था, अर राजा दाऊद अब्राहम
का वंशज था।
2 अब्राहम का बेट्टा इसहाक था, अर इसहाक का बेट्टा याकूब था, फेर याकूब तै यहूदा अर
उसके भाईयाँ का जन्म होया।
3 यहूदा के बेट्टे फिरिस अर जोरह थे। (फिरिस अर जोरह की माँ का नाम तामार था।) फिरिस
का बेट्टा हिस्रोन था। हिस्रोन का बेट्टा एराम था,
4 एराम का बेट्टा अम्मीनादाब था। अम्मीनादाब तै नहशोन, अर नहशोन तै सलमोन का जन्म
होया,
5 सलमोन का बेट्टा बोआज था। (बोआज की माँ का नाम राहाब* था।) बोआज अर रुत तै
ओबेद का जन्म होया, अर ओबेद का बेट्टा यिशै था।
6 अर यिशै का बेट्टा राजा दाऊद था। (राजा सुलैमान दाऊद का बेट्टा था।) जो उस बिरबान्नी
तै जन्मा था जो पैहले उरिय्याह की घरआळी थी,

* **1:5** 1:5 तामार, राहाब, रुत, बेतसीबा गैर जात की थी

7 सुलैमान का बेट्टा रहबाम था। अर रहबाम का बेट्टा अबिय्याह था। अर अबिय्याह तै आसा
का जन्म होया।
8 आसा का बेट्टा यहोशाफात था। फेर यहोशाफात तै योराम अर योराम तै उज्जियाह का जन्म
होया।
9 उज्जियाह का बेट्टा योताम था अर योताम, आहाज का। फेर आहाज तै हिजकिय्याह का जन्म
होया।
10 हिजकिय्याह तै मनश्शिह का जन्म होया। मनश्शिह का बेट्टा आमोन था, अर आमोन तै
योशिय्याह का जन्म होया।।
11 फेर इस्राएल के माणसां नै कैदी बणाकै बेबीलोन देश ले जाण के बखत योशिय्याह तै
यकुन्याह, अर उसके भाईयाँ का जन्म होया।
12 बेबीलोन देश म्ह पोहचाये जाये पाच्छै यकुन्याह तै शालतियेल का जन्म होया, फेर
शालतियेल तै जरुब्बाबिल का जन्म होया।
13 जरुब्बाबिल तै अबीहूद का जन्म होया, अबीहूद तै एलयाकीम का अर एलयाकीम तै अजोर
का जन्म होया।
14 अजोर का बेट्टा सदोक था। सदोक तै अखीम अर अखीम तै इलीहूद का जन्म होया।
15 इलीहूद का बेट्टा इलियाजार था। अर इलियाजार मत्तान का। मत्तान का बेट्टा याकूब था।
16 अर याकूब तै यूसुफ का जन्म होया, जो मरियम का धणी था। अर मरियम तै यीशु जो मसीह
कुह्वावै सै, पैदा होया।
17 इस तरियां अब्राहम तै दाऊद तक चौदहा पीढ़ी होई, अर दाऊद तै लेकै इस्राएलियाँ नै कैदी
बणाकै बेबीलोन देश भेज्जे जाण तक चौदहा पीढ़ी, अर इस्राएलियाँ कैदी बणाकै बेबीलोन देश म्ह
भेज्जे जाण कै बखत तै मसीह तक चौदहा पीढ़ी और होई।

???? ?? ????

18 यीशु मसीह का जन्म इस तरियां होया, कै जिब उसकी माँ मरियम की सगाई यूसुफ कै गैल
होग्यी, तो उनका ब्याह होण तै पैहल्याए बेरा पाटया के वा पवित्र आत्मा की शक्ति तै गर्भवती
सै। 19 पर उसका धणी यूसुफ जो एक धर्मी माणस था, उसनै बदनाम न्ही करणा चाहवै था, इस
खात्तर उस ताहीं चुपके तै छोड़ण का विचार करया।
20 जिब वो इन बात्तां नै सोच्चै ए था तो परमेसवर का सुर्गदूत उसनै सपनै म्ह आकै कहण लाग्या,
"हे यूसुफ! दाऊद के वंशज, तू अपणी घरआळी मरियम नै अपणे उरै ल्याण तै ना डरै, क्यूँके जो
उसकी कोख म्ह सै, वो पवित्र आत्मा की ओड़ तै सै। 21 वो बेट्टा जाम्यैगी अर तू उसका नाम
यीशु धरिये, क्यूँके वो अपणे माणसां का उनकै पापां तै उद्धार करैगा।"
22 यो सारा इस खात्तर होया के जो वचन प्रभु नै यशायाह नबी कै जरिये कह्या था, वो पूरा
हो 23 देक्खो एक कुँवारी गर्भवती होगी अर एक छोरा जण्येगी, अर उसका नाम इम्मानुएल धरया
जावैगा, जिसका मतलब सै "परमेसवर म्हारै गैल सै।"
24 फेर यूसुफ नींद तै जाग कै परमेसवर कै सुर्गदूत के हुकम कै मुताबिक मरियम नै अपणी घरआळी
बणाकै अपणे याड़ै ले आया। 25 अर जिब ताहीं उसनै छोरा ना जण्या जिब तक यूसुफ उसकै धोरै
न्ही गया अर उसनै बाळक का नाम यीशु धरया।

2

??????????? ?? ???

1 हेरोदेस राजा जिब यहूदिया परदेस पै राज करण लागरया था, तो उस परदेस के बैतलहम नगर
म्ह यीशु का जन्म होया। तो थोड़े बखत बाद कई विद्वान जो तारां का ज्ञान राक्खै थे, पूरब तै
यरुशलेम नगर म्ह आये। 2 वो आकै बुज्झण लाग्गे, यहूदियाँ का राजा जिसका जन्म होया सै, वो

कित्त सै? हमनै पूरब दिशा म्ह उसका तारा देख्या सै, जो उसके जन्म के बारें म्ह बतावै सै, इस करकै
हम उसकी आराधना करण आये सां।
3 यो सुणकै हेरोदेस राजा अर उसकै गैल यरुशलेम नगर के सारे लोग चिन्ता करण लाग्गै। 4 फेर
उसनै माणसां के सारे प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ ताहीं कठ्ठा करकै उनतै बुझ्झया, के पवित्र
ग्रन्थ के कहवै सै? "मसीह का जन्म कित्त होणा चाहिये?" 5 उननै उस ताहीं कह्या, "यहूदिया
परदेस के बैतलहम नगर म्ह," क्यूँके नबियाँ कै जरिये योए पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या गया सै:
6 "हे बैतलहम नगर, तू जो यहूदा कै परदेस म्ह सै, तू किसे भी ढाळ तै यहूदा कै अधिकारियां म्ह
सारा तै छोट्टा कोन्या। क्यूँके तेरे म्ह तै एक राजा लिकड़ैगा, जो मेरी प्रजा इस्राएल की रुखाळी
करैगा।"
7 हेरोदेस जाणणा चाहवै था के उस बाळक की उम्र कितनी सै, इस करकै उसनै तारां का ज्ञान
राक्खण आळा ताहीं लुह्क्मा बुलाकै उनतै बुझ्झया के तारा ठीक किस बखत दिख्या था। 8 अर राजा
नै यो कहकै उन ताहीं बैतलहम नगर भेज्जा, "जाओ, उस बाळक कै बारें म्ह ठीक-ठाक बेरा पाड़ो,
अर जिब वो मिल ज्या तो मन्नै खबर द्यो, ताके मै भी आणकै उसकी आराधना करुँ।"
9 वे राजा की बात सुणकै चले गए, अर जो तारा उननै पूरब दिशा म्ह देख्या था, वो उनकै आग्गै-
आग्गै चाल्या। अर जड़ै बाळक था, उस घर कै उप्पर जाकै रुक ग्या। 10 उस तारे नै देखकै वे घणे
आनन्दित होए, जो उस घर के उप्पर रुक ग्या था। 11 उननै उस घर म्ह जाकै उस बाळक ताहीं उसकी
माँ मरियम कै गैल देख्या, अर झुककै बाळक की आराधना करी, अर अपणा-अपणा झोळा खोल कै
उस ताहीं सोन्ना, लोबान, अर गन्धरस की भेट चढ़ाई। 12 फेर सपनै म्ह परमेसवर नै या चेतावनी
दी के हेरोदेस राजा कै धोरै फेर ना जाइयो, वे राजा ताहीं बिना बताये दुसरे राह तै अपणे देश म्ह
चले ग्ये।

[illegible]

13 विद्वानां कै चले जाणकै बाद परमेसवर कै एक सुर्गदूत नै सपनै म्ह आकै यूसुफ तै कह्या, "उठ!
उस बाळक नै अर उसकी माँ नै लेकै मिस्र देश म्ह भाग ज्या। अर जिब ताहीं मै तेरे तै ना कहूँ, जिब
ताहीं ओड़ैए रहिये। क्यूँके हेरोदेस राजा इस बाळक नै टोह्कै उस ताहीं उसनै मरवाणा चाहवै सै।"
14 फेर वो रात नै ए उठकै बाळक अर उसकी माँ नै लेकै मिस्र देश नै चाल पड्या। 15 अर हेरोदेस
राजा कै मरण तक ओड़ैए रह्या। ताके वो वचन जो प्रभु नै होशे नबी कै जरिये कह्या था वो पूरा हो
"मन्नै अपणे बेट्टै ताहीं मिस्र देश तै बुलाया।"

[illegible]

16 जिब हेरोदेस राजा नै यो देख्या, के विद्वानां नै उसकै गैल धोक्खा करया सै, फेर वो छो म्ह
भरग्या। उसनै सैनिकां ताहीं भेजकै विद्वानां कै जरिये ठीक-ठाक बताये होड़ बखत के मुताबिक
बैतलहम नगर अर उसकै लोवै-धोवै की जगहांया के सारे छोरयां ताहीं जो दो साल के या उसतै
छोट्टे थे, वे सब मरवा दिए। 17 फेर जो वचन यिर्मयाह नबी कै जरिये कह्या ग्या था, वो पूरा होया,
18 "रामाह नगर म्ह एक रोण की आवाज सुणाई देई, रोणा अर घणाए बिलाप।
राहेल अपणे बाळकां कै खात्तर रोवै थी, अर चुप न्ही होणा चाहवै थी,
क्यूँके वे इब मरगे थे।"

[illegible]

19 हेरोदेस राजा कै मरण कै पाच्छै, परमेसवर का सुर्गदूत मिस्र देश म्ह यूसुफ तै सपनै म्ह बोल्या,
20 "उठ, बाळक अर उसकी माँ नै लेकै इस्राएल कै देश म्ह चल्या ज्या, क्यूँके हेरोदेस राजा अर
उसके माणस जो बाळक नै मारणा चाहवै थे, वे मर लिये सै।"
21 यूसुफ नींद तै जाग्गा, अर बाळक अर उसकी माँ नै गेल्या लेकै इस्राएल देश म्ह बोहड़ आया।
22 पर या सुणकै के अरखिलाउस अपणे पिता हेरोदेस राजा की जगहां यहूदिया परदेस पै राज करै सै,
ओड़ै जाण तै डरग्या। फेर सपनै म्ह परमेसवर की ओड़ तै चेतावनी पाकै गलील परदेस म्ह चल्या

गया। 23 अर नासरत नाम कै नगर म्ह जा बस्या, ताके वो वचन पूरा हो, जो नबियाँ कै जरिये यीशु
के बारें कह्या गया था: "वो नासरी* कुह्‌वैगा।"

3

[illegible]
([illegible] 1:1-8; [illegible] 3:1-18; [illegible] 1:6-8,15-34)

1 उन दिनां म्ह यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा आकै यहूदिया परदेस के जंगल-बियाबान म्ह यो
प्रचार करण लाग्या: 2 "पाप करणा छोड़ द्यो, क्यूँके सुर्ग का राज्य धोरै आ लिया सै।" 3 यो वोए
सै, जिसका जिक्र यशायाह नबी कै जरिये करया गया: "जंगल-बियाबान म्ह तै ए कोए रुक्का देवै
सै, के प्रभु का राह तैयार करो अर उसकी सड़क सीध्धी करो।"

4 यूहन्ना ऊँट के रुए के लत्ते पहरणीया अर अपणी कड़ म्ह चमड़े की पेट्‌टी-बाँधे रहवै था। उसका
खाणपान टिड्डियाँ अर शहद था।

5 फेर यरुशलेम नगर अर सारे यहूदिया परदेस अर यरदन नदी कै लोवै-धोवै की सारी जगहां
के माणस उसकै धोरै आ ग्ये। 6 उन सारया नै अपणे-अपणे पापां नै मानकै यरदन नदी म्ह उसतै
बपतिस्मा लिया।

7 जिब उसनै घणे सारे फरीसियाँ अर सदूकियाँ ताहीं अपणे धोरै बपतिस्मा लेण खात्तर आन्दे
देख्या, तो बोल्या, "हे साँप के सप्पोलों जिसे माणसों, थम नरक की सजा तै किस ढाळ बचोगे?
8 इस खात्तर जै थमनै सच म्ह पाप करणा छोड़ दिया सै तो यो दिखाण खात्तर भले काम तो करो।
9 अर अपणे-अपणे मन म्ह न्यू मतना सोच्चो के म्हारा पिता अब्राहम सै। क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं
के परमेसवर इन पत्थरां तै अब्राहम कै खात्तर ऊलाद पैदा कर सकै सै। 10 इब कुहाड़ा दरखतां की
जड़ पै धरया सै, इस करकै जो-जो दरखत बढ़िया फळ न्ही ल्यांदा, वो काटया अर आग म्ह झोक्या
जावैगा। इसका मतलब यो सै परमेसवर उन सारया नै दण्ड देवैगा जो पाप करणा न्ही छोड़ते।

11 "मै तो थमनै पाणी तै, पापां ताहीं छोड़ण का बपतिस्मा देऊ सूं, पर जो मेरै पाच्छै आवैगा, वो
मेरै तै भी शक्तिशाली सै। मै उसकी जूत्ती ठाण जोग्गा भी कोनी। वो थमनै पवित्र आत्मा अर आग
तै बपतिस्मा देवैगा। 12 उसका छाज उसकै हाथ म्ह सै, अर वो अपणा खलिहाण आच्छी तरियां
साफ करैगा, अर अपणे नाज नै अपणे कोठार (गोदाम) म्ह कठ्ठा करैगा, पर भुरळी ताहीं उस आग
म्ह जळावैगा जो कदे बुझै कोनी।"

[illegible]
([illegible] 1:9-11; [illegible] 3:21,22; [illegible] 1:31-34)

13 उस बखत यीशु गलील परदेस तै यरदन नदी कै कन्ठारे यूहन्ना कै धोरै उसतै बपतिस्मा लेण
आया। 14 पर या कहकै यूहन्ना उसनै रोक्कण लाग्या, "कै मन्नै तो तेरे हाथ तै बपतिस्मा लेण की
जरूरत सै, अर तू मेरै धोरै आया सै?"

15 यीशु नै उसतै जवाब दिया, "कै इब तो योए होण दे, क्यूँ कै हमनै इस्से तरियां तै सारी धार्मिकता
पूरी करणा ठीक सै।" फेर उसनै उसकी बात मान ली।

16 अर यीशु बपतिस्मा लेकै जिब पाणी तै उप्पर आया, अर अकास खुलग्या, अर उसनै परमेसवर
की पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां उतरते अर अपणे उप्पर आन्दे देख्या। 17 अर देक्खो,
परमेसवर सुर्ग म्ह तै बोल्या, "कै यो मेरा प्यारा बेट्टा सै, जिसतै मै भोत घणा राज्जी सूं।"

4

[illegible]
([illegible] 1:12-13; [illegible] 4:1-13)

* **2:23** 2:23 नासरत नगर का रहण आळा

1 बपतिस्मे के बाद पवित्र आत्मा यीशु नै जंगल-बियाबान म्ह लेग्या, ताके शैतान* उस ताहीं
परखै।
2 वो चाळीस दिन अर चाळीस रात, बिना खाए पिए रह्या, फेर उसनै भूख लाग्गी। 3 फेर शैतान
नै धोरै आणकै उसतै कह्या, "जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो कहकै साबित करदे, के ये पत्थर रोट्टी
बण जावै, ताके तू इननै खा सकै।"
4 यीशु नै जवाब दिया: "पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै,
'माणस सिर्फ रोट्टी तै ए न्ही, पर परमेसवर के हरेक वचन तै जो उसनै मान्नै सै, जिन्दा रहवैगा।' "
5 फेर शैतान उसनै पवित्र नगर यरुशलेम म्ह लेग्या अर मन्दर की चोट्टी पै खड्या कर दिया।
6 अर उसतै बोल्या, "जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो अपणे-आपनै तळै गेर कै साबित कर। क्यूँके
पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: वो तेरे बाबत अपणे सुर्गदूत्तां नै हुकम देगा, अर वे तन्नै हाथों हाथ
उठा लेवैगें कदे इसा ना हो के तेरे पायां म्ह पत्थर तै ठेस लाग्गै।"
7 यीशु नै उसतै कह्या, "यो भी पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के 'तू अपणे प्रभु परमेसवर नै ना
परखै।' "
8 फेर शैतान उसनै घणे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या अर सारी दुनिया का राजपाट अर उसकी शानों-
शोकत दिखाकै, 9 उसतै बोल्या, "जै तू झुककै मेरी भगति करै, तो मै सारा किमे तन्नै दे दियुँगा।"
10 फेर यीशु उसतै बोल्या, "हे शैतान दूर हो ज्या, पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: तू प्रभु अपणे
परमेसवर की भगति कर, अर सिर्फ उस्से की सेवा करया कर।"
11 फेर शैतान उसकै धोरै तै चल्या ग्या, अर देख्ये, सुर्गदूत आणकै उसकी सेवा करण लाग्गे।

[illegible]
([illegible] 1:14,15; [illegible] 4:14-15,31)

12 जिब उसनै न्यू सुण्या के यूहन्ना कैदी बणा लिया सै, तो वो यहूदिया परदेस तै लिकड़कै गलील
परदेस म्ह चल्या ग्या।
13 अर फेर वो गलील परदेस के नासरत नगर नै छोड़कै कफरनहूम नगर म्ह, जो गलील समुन्दर
कै किनारे था, कफरनहूम उस क्षेत्र म्ह गलील के समुन्दरी तट पै था, जड़ै जबूलून अर नप्ताली के
गोत्र के माणस रहवै थे। 14 ताके जो यशायाह नबी कै जरिये कह्या गया था, वो पूरा हो
15 "जबूलून अर नप्ताली जात्ति कै परदेस, गलील समुन्दर कै किनारे यरदन नदी के पार, गलील
परदेस म्ह रहण आळे गैर यहूदी माणस"
16 "जो माणस अन्धकार म्ह जीण लागरे थे, उननै तेज चान्दणा देख्या। वे उस जगहां म्ह जीण
लागरे थे, जित्त हर घड़ी मौत का खतरा था, उनपै चान्दणा चमक्या।"
17 उस बखत तै यीशु नै प्रचार करणा अर कहणा शरु करया, "पाप करणा छोड़ द्यो, क्यूँके सुर्ग
का राज्य धोरै आया सै।"

[illegible]

18 गलील परदेस म्ह गलील समुन्दर के किनारे घूमदे होए उसनै दो भाईयाँ ताहीं शमौन जो पतरस
कुह्वावै सै, अर उसके भाई अन्द्रियास ताहीं समुन्दर म्ह जाळ गेरते देख्या, क्यूँके वे मच्छवारे थे।
19 यीशु नै उनतै कह्या, "मेरै पाच्छै आओ, मै थमनै माणसां ताहीं कठ्ठे करण आळे बणाऊँगा ताके
वो मेरे चेल्लें बणे।" 20 वे जिब्बे जाळां नै छोड़कै उसके चेल्लें बणण खात्तर उसकै पाच्छै हो लिये।
21 ओड़ तै आग्गै चालकै, यीशु नै दो और भाईयाँ ताहीं यानी जब्दी के बेट्टे याकूब अर उसकै
भाई यूहन्ना ताहीं देख्या। वे अपणे पिता जब्दी कै गैल किस्ती पै अपणे जाळां ताहीं ठीक करै थे।
यीशु नै उन ताहीं भी बुला लिया। 22 वे जिब्बे किस्ती अर अपणे पिता नै छोड़कै उसके चेल्लें बणण
खात्तर उसकै पाच्छै हो लिये।

[illegible]

* **4:1** 4:1 शैतान ताहीं यूनानी भाषा इबलीस कहवै सै

23 यीशु सारे गलील परदेस म्ह फिरता होया उनकै आराधनालयाँ म्ह उपदेश सुणान्दा, अर राज्य
का सुसमाचार सुणान्दा अर माणसां की हरेक ढाळ की बीमारी अर कमजोरियाँ नै दूर करदा रह्या।
24 अर सारे सीरिया[†] परदेस म्ह उसका यश फैलग्या, अर माणस सारे बिमारां नै, जो कई ढाळ की
बिमारियाँ अर दुखां तै जकड़े होए थे, जिन म्ह भुंडी आत्मा थी, अर मिर्गी आळे अर लकवे के रोग्गी
नै उसकै धोरै ल्याए उसनै उन ताहीं ठीक करया। 25 अर गलील परदेस, दिकापुलिस नगर, यरुशलेम
नगर, यहूदिया परदेस अर यरदन नदी कै पार तै भीड़ की भीड़ उसकै पाच्छै हो ली

5

[illegible]
1 यीशु उस भीड़ नै देखकै पहाड़ पै चला ग्या, अर जब बैठग्या तो उसके चेल्लें उसकै धोरै आए।
2 अर वो अपणी ऊँच्ची आवाज म्ह उननै या शिक्षा देण लाग्या:

[illegible]
([illegible] 6:20-23)

3 "धन्य सै वे, जो या जाणे सै के उननै परमेसवर की जरूरत सै, क्यूँके सुर्ग का राज्य उननै का सै।
4 धन्य सै वे, जो शोक करै सै, क्यूँके वे परमेसवर तै शांति पावैगें।
5 धन्य सै वे, जो नम्र सै, क्यूँके वे परमेसवर के जरिये धरती के हकदार होंगे।
6 धन्य सै वे, जो धार्मिकता का जीवन जीण खात्तर भूखे अर तिसाए सै, क्यूँके वे परमेसवर के जरिये छिकाए जावैंगे।
7 धन्य सै वे, जो दया करण आळे सै, क्यूँके परमेसवर भी उनपै दया करैगा।
8 धन्य सै वे, जिनके मन शुद्ध सै, क्यूँके वे परमेसवर नै देखैगें।
9 धन्य सै वे, जो मेल कराण आळे सै, क्यूँके वे परमेसवर के बेट्टा-बेट्टी कुह्वावैगें।
10 धन्य सै वे, जो धार्मिकता के कारण सताए जावै सै, क्यूँके सुर्ग का राज्य उन्हे का सै।"

11 "धन्य सों थम, जिब माणस मेरै कारण थारी बुराई करै सतावै अर झूठ बोल-बोलकै थारे बिरोध
म्ह सारी तरियां की बुरी बात फैलावै, क्यूँके थम मेरे चेल्लें सों। 12 फेर खुश अर मग्न होइयो, क्यूँके
थारे खात्तर सुर्ग म्ह बड्डा ईनाम सै। इस करकै के उननै उन नबियाँ ताहीं भी इस्से ढाळ सताया था,
जो थारे तै भी भोत पैहल्या थे।"

[illegible]
([illegible] 9:50; [illegible] 14:34,35)

13 "थम धरती पै लोग्गां खात्तर नूण की तरियां सों, पर जै नूण का सुवाद जान्दा रहवै, तो वो
किस चीज तै नमकीन करया जावैगा? फेर वो किसे काम का न्ही, सिर्फ इसकै के बाहर फेक्या ज्या
अर माणसां के पैरां तळै चिकल्या ज्या।"
14 "थम दुनिया के लोग्गां खात्तर चाँदणा की तरियां सों। जो नगर पहाड़ पै बस रह्या सै वो लुह्क
न्ही सकदा। 15 अर माणस दीवा जळा कै बरतन कै तळै न्ही पर टांडी पै धरै सै, फेर उसतै घर के सारे
माणसां ताहीं चान्दणा ज्या सै। 16 उस्से तरियां थारा चान्दणा माणसां कै स्याम्ही चमकै के वे थारे
भले काम्मां नै देखकै थारे पिता की, जो सुर्ग म्ह सै बड़ाई करै।"

[illegible]
17 "या ना समझो, के मै मूसा के नियम-कायदा या नबियाँ के लेख नै मिटाण आया सूं, मिटाण
न्ही, पर पूरा करण आया सूं।[*] 18 क्यूँके मै थमनै सच कहूँ सूं, के जब ताहीं धरती अर अकास सै, जद
ताहीं नियम-कायदा म्ह लिखी हरेक छोट्टी तै छोट्टी बात पूरी होए बिना न्ही रहवैगी। 19 इस
करकै जो कोए इन छोट्टे तै छोट्टे हुकम म्ह तै किसे एक नै भी न्ही मानता, अर दुसरे माणसां नै
भी उसाए सिखावै, वो सुर्ग के राज्य म्ह सारा तै छोट्टा कुह्वावैगा, पर जो कोए उन सारे हुकमां पै

[†] **4:24** 4:24 गलील परदेस के उत्तर दिशा म्ह सै
[*] **5:17** 5:17 (रोम-10:4)

चाल्लैगा अर उननै सिखावैगा, वोए सुर्ग राज्य म्ह महान् कुह्वावैगा। 20 क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं, के
जै थारा आत्मिक जीवन शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ के आत्मिक जीवन तै बढ़कै न्ही हो, तो थम सुर्ग
के राज्य म्ह कदे बड़ न्ही पाओगें।”

[illegible] [illegible] [illegible]

21 “थमनै सुण्या होगा, के थारे पूर्वजां तै कह्या, गया था के ‘खून ना करियो’, अर ‘जो कोए खून
करैगा वो कचेहड़ी म्ह दण्ड के लायक होगा।’ 22 पर मै थमनै या कहूँ सूं, के जो कोए अपणे भाई पै
गुस्सा करैगा, वो कचेहड़ी म्ह दण्ड के लायक होगा, अर जो कोए अपणे भाई नै निकम्मा कहवैगा
वो बड्डी सभा म्ह दण्ड के लायक होगा, अर जो कोए कहवै ‘अरै बेकूफ’ वो नरक की आग के दण्ड
के लायक होगा।”
23 “इस करकै जै तू अपणा चढ़ावा मन्दर म्ह वेदी† पै चढ़ावै, अर ओड़ै तू याद करै, के तेरे भाई के
मन म्ह तेरे खात्तर किमे बिरोध सै, 24 तो तू अपणा चढ़ावा ओड़ैए वेदी कै धोरै छोड़दे, अर ज्याकै
अपणे भाई तै मेळ-मिलाप कर अर फेर आकै अपणा चढ़ावा चढ़ा।”
25 “जिब तक तू अपणे बैरी के गेल्या राह म्ह सै, तो उसतै जिब्बे मेळ-मिलाप करले, कदे इसा ना
हो के बैरी तन्नै न्यायाधीश के हवालै, अर न्यायाधीश तन्नै सिपाही के हवालै करदे, अर तू जेळ म्ह
गेर दिया जावै। 26 मै तन्नै सच कहूँ सूं के जिब ताहीं तू पाई-पाई न्ही भरदे जद ताहीं जेळ तै छुटण
न्ही पावैगा।”

[illegible]

27 “थमनै परमेसवर का हुकम सुण्या होगा के कह्या गया था, ‘जारी ना करियो।’ 28 पर मै थमनै
न्यू कहूँ सूं, के जो कोए किसे बिरबान्नी पै भुंडी निगांह गेरै वो अपणे मन म्ह उसतै जारी करग्या।
29 जै तेरी सोळी आँख तेरे तै पाप करवावै सै, तो उसनै लिकाड़ के फेंक दे, क्यूँके तेरे खात्तर योए
ठीक सै के तेरे अंगा म्ह तै एक नाश हो ज्या अर तेरी सारी देह नरक म्ह ना गेरी जावै। 30 जै तेरा
सोळा हाथ तेरे तै पाप करवावै सै, तो उसनै काट के फेंक दे, क्यूँके तेरे खात्तर योए आच्छा सै के तेरे
बाक्की अंगा म्ह तै एक नाश हो जावै अर तेरी सारी देह नरक म्ह न्ही गेरी जावै।”

[illegible]
([illegible] 19:9,11,12; [illegible] 16:18)

31 “यो भी कह्या गया था, ‘जो कोए अपणी घरआळी नै तलाक देणा चाहवै, तो उसनै तलाकनामा
दे।’ 32 पर मै थमनै यो कहूँ सूं के जो कोए अपणी घरआळी नै जारी कै सिवा किसे और कारण तै
तलाक दे, तो वो उसतै जारी करवावै सै। अर जो कोए उस छोड्डी होई तै ब्याह करै, वो जारी करै
सै।”

[illegible] [illegible] [illegible]

33 “फेर थमनै सुण्या होगा के थारे पूर्वजां तै कह्या गया था, ‘झूठ्ठी कसम ना खाईयों, पर प्रभु
के खात्तर अपणी कसम नै पूरी करियो।’ 34 पर मै थमनै या कहूँ सूं के कदे कसम ना खाईयों, ना तो
सुर्ग की, क्यूँके वो परमेसवर का सिंहासन सै। 35 ना धरती की, क्यूँके वा उसकै पैरां की पिड्ढी सै, ना
यरुशलेम नगर की, क्यूँके वो महाराजा का नगर सै। 36 अपणे सिर की भी कसम ना खाईयों क्यूँके
तू एक बाळ नै भी ना तो धोळा, अर ना काळा कर सकै सै। 37 पर थारी बात ‘हाँ’ की हाँ, या ‘ना’ की
ना हो, क्यूँके जो किमे इसतै घणा होवै सै वो शैतान की ओड़ तै होवै सै।”

[illegible]
([illegible] 6:29,30)

38 “थमनै नियम-कायदा म्ह सुण्या होगा के कह्या था, आँख कै बदले आँख, अर दाँत कै बदले
दाँत। 39 पर मै थमनै कहूँ सूं के बुरे माणस तै झगड़ा मोल ना लियो, पर जो कोए तेरे सोळे गाल

---

† **5:23** 5:23 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

पै थप्पड़ मारै उस कान्ही दुसरा भी फेर दे। 40 जै कोए तेरे पै दाब देकै तेरा कुड़ता लेणा चाहवै, तो
उसनै अंगोच्छा भी दे दे। 41 जै कोए अधिकारी तन्नै एक कोस मुफ्त म्ह ले जावै, तो उसकै गेल्या
दो कोस चल्या ज्या। 42 जो कोए तेरे तै माँग्गै, उसनै दे, अर जो कोए तेरे तै उधार लेणा चाहवै,
उसतै मुँह ना मोड़।"

43 "थमनै नियम-कायदा म्ह सुण्या होगा के कह्या गया था, अपणे पड़ोसी तै प्यार राखिये, अर
अपणे बैरी तै बैर। 44 पर मै थमनै कहूँ सूं के अपणे बैरियाँ तै प्यार राक्खों अर अपणे सतावण आळे
के खात्तर प्रार्थना करो,‡ 45 जिसतै थम अपणे सुर्गीय पिता की सिध्द ऊलाद मान्ने जाओगे। क्यूँके
वो भले अर बुरे लोग्गां पै अपणा सूरज उगाया करै सै, अर धर्मी अर अधर्मी लोग्गां पै मिह बरसावै
सै। 46 क्यूँके जै थम अपणे प्यार करण आळा तै ए प्यार करो सों, तो कौण सा बड़ा काम करो सों?
के चुंगी लेण आळे भी इसाए न्ही करदे? 47 जै थम अपणे भाईयाँ नै ए नमस्कार करो, तो कौण्सा
बड्ड़ा काम करो सों? के गैर यहूदी भी इसाए न्ही करदे? 48 इस करकै जरूरी सै के थम भी सिध्द
बणो, जिसा थारा सुर्गीय पिता सिध्द सै।"

6

[illegible]

1 "चौक्कस रहो! थम माणसां नै दिखाण कै खात्तर धर्म के काम* ना करो, न्ही तो अपणे सुर्गीय
पिता तै कुछ भी ईनाम न्ही पाओगे।"

2 "इस करकै जिब तू दान करै, तो अपणे आग्गै ढिंडोरा ना पिटवाईये, जिसा कपटी, आराधनालयाँ
अर गळियाँ म्ह करै सै, ताके माणस उनकी बड़ाई करै। मै थारे ताहीं साच्ची कहूँ सूं के उननै अपणा
ईनाम माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा लिया। 3 पर जिब तू दान करै, तो उसका किसे और नै बेरा
न्ही पाटणा चाहिए। 4 ताके तेरा दान छिप्या रहवै, अर जिब तेरा पिता जो गुप्त म्ह देक्खै सै, तन्नै
ईनाम देवैगा।"

[illegible]
([illegible] 11:2-4)

5 "जिब तू प्रार्थना करै, तो कपटियाँ के तरियां ना हो, क्यूँके माणसां नै दिखाण खात्तर
आराधनालयाँ म्ह अर सड़कां कै मोड़ां पै खड़े होकै प्रार्थना करणा उननै आच्छा लाग्गै सै। मै
थमनै साच्ची कहूँ सूं के उननै अपणा ईनाम माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा लिया। 6 पर जिब तू
प्रार्थना करै, तो अपणी कोठड़ी म्ह जा, अर किवाड़ बन्द करकै अपणे पिता तै, जो गुप्त म्ह सै उसतै
प्रार्थना कर। जद तेरा पिता, जो तेरे लुहक कै करे होए काम्मां नै देक्खै सै, तो तन्नै उनका ईनाम
देवैगा। 7 प्रार्थना करदे बखत दुसरी जात्तां की तरियां बडबडाइये ना, क्यूँके वे समझै सै के उनकै
एक बात के बार-बार बोल्लण तै उनकी सुणी जावैगी। 8 इस करकै थम उनकी तरियां ना बणो, क्यूँके
थारा पिता थारे माँगण तै पैहल्याए जाणै सै के थारी के-के जरूरत सै। 9 इस करकै थम इस तरियां
तै प्रार्थना करया करो

'हे म्हारे पिता, तू जो सुर्ग म्ह सै, तेरा नाम पवित्र मान्या जावै।'†
10 'तेरा राज्य आवै। तेरी इच्छा जिसी सुर्ग म्ह पूरी होवै सै, उसी धरती पै भी हो।'
11 'म्हारे दिन भर की रोटी आज हमनै दे।'
12 'अर जिस तरियां हमनै अपणे कसूरवारां ताहीं माफ करया सै, उस्से तरियां तू भी म्हारे कसूरां नै माफ करदे।'
13 'अर म्हारे ताहीं परखै ना, पर बुराई‡ तै बचा, (क्यूँके राज्य, वीरता अर महिमा सदा तेरे ए सै।' आमीन।)

---

‡ **5:44** 5:44 (रोम-12:14) * **6:1** 6:1 धार्मिकता के काम † **6:9** 6:9 (लूका 11:2) ‡ **6:13** 6:13 बुराई बुरे शैतान तै बचा

14 “इस करकै जै थम माणसां के कसूर माफ करोगे, तो थारा सुर्गीय पिता भी थमनै माफ करैगा।
15 अर जै थम माणसां के कसूरां नै माफ न्ही करोगे, तो थारा पिता भी थारे कसूर माफ न्ही करैगा।”

□□□□

16 “जिब थम ब्रत करो, तो कपटियाँ की तरियां थारे मुँह पै उदासी छाई ना रहवै, क्यूँके वे अपणा
मुँह बणाई राक्खै सै, ताके माणस उननै ब्रती जाणै। मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के वे अपणा ईनाम
माणसां की बड़ाई के रूप म्ह पा चुके। 17 पर जिब तू ब्रत करै तो अपणे सिर पै तेल लगा अर मुँह
धो, 18 ताके माणस न्ही पर तेरा पिता तन्नै ब्रती जाणै। तेरा पिता जो तेरे उस गुप्त म्ह करे होए
ब्रत नै देक्खै सै, तो तन्नै उनका ईनाम देगा।”

□□□□□□□□ □□
(□□□□ 12:33-34)

19 “अपणे खात्तर धरती पै धन कठ्ठा ना करो, जड़ै कीड़ा अर काई नाश करै सै, अर जड़ै चोर
सेंध लगावै अर चोरै सै। 20 पर अपणे खात्तर सुर्ग म्ह धन कठ्ठा करो, जड़ै ना तो कीड़ा अर ना काई
नाश करै सै, अर जड़ै चोर ना सेंध लगावै अर ना चोरै सै। 21 क्यूँके जड़ै तेरा धन सै उड़ै तेरा मन
भी लाग्या रहवैगा।”

□□□ □□ □□□□□□
(□□□□ 11:34-36)

22 “देह का दीवा आँख सै इस करकै जै तेरी नजर सही सै तो तेरी सारी देह भी चाँदणे म्ह सै।
23 पर जै तेरी नजर खराब सै तो तेरी सारी देह भी अन्धेरे म्ह सै, इस कारण जो तू सोच्चै सै के मै
चाँदणे म्ह सूं, पर वो अन्धेरा हो, तो सोचकै देख वो अन्धेरा कितना बड्ड़ा होगा!”

□□□□□□□□ □□ □□
(□□□□ 16:13; 12:22-31)

24 “कोए माणस दो मालिकां की सेवा एक बखत पै न्ही कर सकदा, क्यूँके वो एक तै बैर अर दुसरे
तै प्यार राक्खैगा, या एक तै मिल्या रहवैगा अर दुसरे नै छोट्टा जाणैगा। थम परमेसवर अर धन
दोनुआ की सेवा न्ही कर सकदे।
25 “इस करकै मै थमनै कहूँ सूं के अपणे जीवन के खात्तर या चिंता ना करियो के हम के खावांगें
अर के पीवागें, अर ना अपणी देह के खात्तर के पैहरागें। के जीवन खाणे तै, के देह लत्यां तै बढ़कै
कोन्या? 26 अकास के पंछियाँ नै देक्खों! वे ना बोवै सै, ना काटै सै, अर ना कुठले (गोदाम) म्ह
कठ्ठा करै सै, फेर भी थारा सुर्गीय पिता उन ताहीं खुवावै सै। के थम पंछियाँ तै घणे कीमती कोनी?
27 थारे म्ह कौण सै, जो चिंता करकै अपणी उम्र म्ह एक पल भी बढ़ा सकै सै?”
28 “अर लत्यां के खात्तर क्यूँ चिंता करो सों? जंगळी फूल्लां पै ध्यान करो के वे किस तरियां बढ़ै
सै, वे ना तो मेहनत करै सै, ना लत्तें बणावै सै। 29 तोभी मै थारे तै कहूँ सूं के राजा सुलैमान भी,
अपणे सारे शानों-शोकत म्ह उन म्ह तै किसे के समान लत्ते पैहरे होए कोनी था। 30 इस करकै जिब
परमेसवर मैदान की घास नै इसी सुन्दरता देवै सै, जो आज सै अर काल बाड़ म्ह झोक्की जावैगी,
तो हे बिश्वास म्ह कमजोर माणसों, वो थारी चिन्ता क्यूँ न्ही करैगा?” 31 “इस करकै थम चिंता
करकै न्यू ना कहियो के हम के खावांगें, या के पीवागें, या के पैहरागें? 32 क्यूँके गैर यहूदी इन सारी
चिज्जां की टोह म्ह रहवै सै, पर थारा सुर्गीय पिता जाणै सै के थमनै इन सारी चिज्जां की जरूरत सै,
इस करकै चिन्ता ना करो। 33 इस करकै पैहल्या थम परमेसवर के राज्य की खोज करो अर पवित्र
जीवन जिओ§, तो ये सारी चीज भी थमनै अपणे-आप मिल ज्यागीं।* 34 इस करकै कांल की चिंता
ना करो, क्यूँके कांल का दिन अपणी चिंता आप कर लेवैगा, आज कै खात्तर आज का ए दुख भतेरा
सै।”

§ **6:33** 6:33 परमेसवर के राज्य अर उसकी धार्मिकता * **6:33** 6:33 (लूका 12:31)

7

[illegible]
([illegible] 6:37,38,41,42)

1 “दुसरयां पै दोष ना लाओ न्ही तो लोग थारे पै भी दोष लगावैंगे। 2 क्यूँके जिस तरियां थम
दुसरयां पै दोष लगाओ सों, उस्से तरियां परमेसवर भी थारे पै दोष लगावैगा, जिस तरियां तै थम
दुसरयां का न्याय करो सों, उस्से तरियां थारा भी न्याय करया जावैगा।”
3 “तू क्यूँ अपणे भाई की आँख कै तिन्कै जिसी छोट्टी सी बुराई नै देक्खै सै, अर अपणी आँख
म्ह लठ जिसी बड़ी बुराई तन्नै कोनी दिखदी?” 4 जिब तेरी-ए आँख म्ह लठ सै, तो तू अपणे भाई
तै किस तरियां कहवै सै, “ल्या मै तेरी आँख तै तिन्का लिकाड़ द्यु।” 5 इस करकै हे कपटी, पैहल्या
अपणे जीवन की बड़ी बुराई नै दूर कर फेर तू अपणे भाई नै आच्छी दाऊँ बुराई तै बचा सकैगा*।
6 “उन माणसां ताहीं परमेसवर का वचन ना सुणाओ जो उस ताहीं सुणणा न्ही चाहन्दे। जै तू इसा
करै सै तो पवित्र चीज कुत्याँ कै आग्गै अर मोत्ती सूअरां के आग्गै फेक्कण की ढाळ होगा, इसा
न्ही हो के वे उननै पैरां तळै चिकलै अर उल्टके थमनै पाड़ले।”

[illegible], [illegible]
([illegible] 11:9-13)

7 “परमेसवर तै माँग्गो, तो वो थमनै देवैगा, टोव्होगें तो थम पाओगे, खटखटाओ, तो थारे खात्तर
खोल्या जावैगा। 8 क्यूँके जो कोए माँग्गै सै, उसनै मिलै सै, अर जो टोव्है सै, वो पावै सै, अर जो
खटखटावै सै, उसकै खात्तर खोल्या जावैगा।”
9 “थारे म्ह तै इसा कौण माणस सै, के जै उसका बेट्टा रोट्टी माँग्गै, तो वो उसनै पत्थर देवै?
10 या मच्छी माँग्गै, तो उसनै साँप देवै? 11 इस करकै जिब थम बुरे होकै, अपणे बाळकां नै आच्छी
चीज देणा जाणो सों, तो थारा सुर्गीय पिता अपणे माँगण आळा नै आच्छी चीज क्यूँ न्ही देवैगा?†
12 इस कारण जो किमे थम चाहो सों के माणस थारे गेल्या करै, थम भी उनकै गेल्या उसाए करो,
क्यूँके नियम-कायदे अर नबियाँ की शिक्षा याए सै।”

[illegible]
([illegible] 13:24)

13 “थम परमेसवर के राज्य म्ह भीड़े फाटक तै ए दाखल हो सको सों, क्यूँके चौड़ा सै वो फाटक
अर सीध्धा सै वो रास्ता जो नाश नै पोहच्यै सै, अर घणेए सै जो उस म्ह दाखल होवै सै। 14 क्यूँके
भीड़ा सै वो फाटक अर मुश्किल सै वो राह जो अनन्त जीवन की ओड़ पुहचावै सै, अर भोत थोड़े
सै वे लोग जो उसनै पावै सै।”

[illegible]

15 “झूठ्ठे नबियाँ तै चौक्कस रहो, जो भेड्डां के भेष म्ह थारे धोरै आवै सै, पर भित्तर तै वे पाडण
आळे भेड़िये सै। 16 उनकै काम्मां तै ए थम उन ताहीं पिच्छाण ल्योगे। के माणस झाड़ियाँ तै अंगूर,
या झाड़ बोझड़े तै अंजीर तोड़ै सै? 17 इस तरियां हरेक आच्छा दरखत आच्छा फळ ल्यावै सै अर
निकम्मा दरखत बुरा फळ ल्यावै सै। 18 आच्छा दरखत बुरा फळ न्ही ल्या सकदा, अर ना निकम्मा
दरखत आच्छा फळ ल्या सकै सै। 19 जो-जो दरखत आच्छा फळ न्ही ल्यान्दा, वो काटया अर आग
म्ह गेरया ज्या सै, उस्से तरियां झूठ्ठे नबियाँ कै गैल भी इसाए होवैगा। 20 झूठ्ठे नबियाँ नै उनके
काम्मां तै थम उन ताहीं पिच्छाण ल्योगे।”
21 “जो मेरै तै, ‘हे प्रभु! हे प्रभु!’ कहवै सै, उन म्ह तै हर एक सुर्ग के राज्य म्ह दाखल न्ही होगा,
पर वोए दाखल होगा जो मेरै सुर्गीय पिता की मर्जी पै चाल्लै सै। 22 न्याय के दिन घणखरे-ए माणस
मेरै तै कहवैगें, ‘हे प्रभु, हे प्रभु, के हमनै तेरे नाम तै भविष्यवाणी न्ही करी, के हमनै तेरे नाम तै
ओपरी आत्मायाँ ताहीं न्ही लिकाडया, अर तेरे नाम तै घणेए अचम्भे के काम न्ही करे?’ 23 फेर मै

---

* **7:5** 7:5 पैहले अपणी आँख म्ह तै लठ लिकाड़ ले फेर तू अपणे भाई की आँख का तिन्का दाऊँ तरियां देखकै लिकाड़ सकैगा।
† **7:11** 7:11 (लूका 11:13)

उनतै खुलकै कह दियुँगा, मन्नै थारे ताहीं कदे न्ही अपणाया। हे भुन्डे काम करण आळो, मेरै धोरै तै
चले जाओ।”‡

[illegible]

24 “इस करकै जो कोए मेरी इन बात्तां नै सुणकै उनन्नै मान्नै सै, वो उस अकलमंद माणस की ढाळ
होगा जिसनै अपणे घर की नीम चट्टान पै धरी। 25 अर मिह बरसया, बाढ़ आयी, आँधी आई, अर
उस घर तै टकराई, फेर भी वो कोनी गिरया, क्यूँके उसकी नीम चट्टान पै धरी ग्यी थी। 26 पर जो
कोए मेरी ये बात सुणै सै अर उनपै न्ही चाल्दा, वो उस बेकूफ माणस की ढाळ सै, जिसनै अपणे घर
की नीम बाळूरेत पै धरी। 27 अर मिह बरसया, बाढ़ आयी, आँधी चाल्ली, अर उस घर तै टकराई अर
पड़कै उसका सत्यानाश होग्या।”

28 जिब यीशु नै ये बात कह ली, तो इसा होया के भीड़ उसके उपदेश तै हैरान होगी, 29 क्यूँके वो
उन ताहीं शास्त्रियाँ की तरियां न्ही पर अधिकार कै गैल उनन्नै उपदेश देवै था।

8

[illegible]

1 जिब यीशु उस पहाड़ तै उतरा, तो एक बड्डी भीड़ उसके पाच्छै हो ली।

2 अर, एक कोढ़ी नै धोरै आकै उस ताहीं नमस्कार करया अर कह्या, “हे प्रभु, जै तू चाहवै, तो
मन्नै ठीक कर सकै सै।”

3 यीशु नै हाथ बढ़ाकै उस ताहीं छुआ, अर कह्या, “मै चाहूँ सूं, के तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।”
अर वो जिब्बे कोढ़ तै ठीक होग्या। 4 यीशु नै उसतै कह्या, “देख किसे तै ना कहिये, पर जाकै अपणे-
आपनै याजक ताहीं दिखा अर अपणे कोढ़ तै ठीक होण कै बारै म्ह जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र
ग्रन्थ म्ह चढ़ावा बताया सै उसनै चढ़ा, के माणसां खात्तर या गवाही हो, के तू ठीक होग्या सै।”

[illegible]

5 जिब यीशु कफरनहूम नगर म्ह आया तो एक सूबेदार* नै धोरै आकै उसतै बिनती करी,

6 “हे प्रभु, मेरा नौक्कर लकवे के रोग तै घणा दुखी होरया सै।”

7 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “मै आकै उसनै ठीक करुँगा।”

8 सूबेदार नै जवाब दिया, “हे प्रभु, मै इस लायक कोनी के तू मेरे घरां आवै, पर सिर्फ मुँह तै कह
दे तो मेरा नौक्कर ठीक हो ज्यागा। 9 क्यूँके मै जाणु सूं, के मै भी किसी के आदेशां का पालन करुँ
सूं, अर सिपाही मेरै आदेशां का पालन करै सै। जिब मै एक तै कहूँ सूं, जा, तो वो जावै सै, अर दुसरे
तै कहूँ, आ, तो वो आवै सै, अर अपणे नौक्कर तै कहूँ सूं, यो कर, तो वो करै सै।”

10 यो सुणकै यीशु कै अचम्भा होया, अर जो लोग उसकै पाच्छै आवै थे उनतै कह्या, “मै थमनै
साच्ची कहूँ सूं के मन्नै इस्राएल देश म्ह भी इसा बिश्वास न्ही देख्या, जिसा इस सूबेदार का सै।
11 अर मै थमनै कहूँ सूं के पूरब अर पच्छिम तै घणेए गैर यहूदी आवैगें अर भोज म्ह अब्राहम अर
इसहाक अर याकूब के गेल्या सुर्ग के राज्य म्ह बैठैगें। 12 पर राज्य की ऊलाद (यहूदी लोग) बाहर
अन्धेरे म्ह गेर दिये जावैंगे उड़ै रोणा अर दाँत पिसणा होगा।”

13 जिब यीशु नै सूबेदार तै कह्या, “घर चला जा, जिसा तेरा बिश्वास सै, उसाए तेरे खात्तर होगा।”
अर उसका नौक्कर उस्से बखत ठीक होग्या।

[illegible]

14 यीशु जिब पतरस के घरां आया, तो उसनै उसकी सास्सू ताहीं बुखार म्ह पडया देख्या। 15 उसनै
उसका हाथ पकडया अर उसका बुखार उतर ग्या, अर वा उठकै उसकी सेवा-पाणी करण लाग्गी।

16 जिब साँझ होई फेर माणस उसके धोरै घणेए माणसां नै ल्याए जिन म्ह ओपरी आत्मा थी अर
यीशु नै उन आत्मायाँ ताहीं अपणे वचन तै लिकाड़ दिया, अर सारे बिमारां ताहीं ठीक कर दिया।

‡ **7:23** 7:23 (लूका 13:27) * **8:5** 8:5 सूबेदार-रोमी सेना के सौ सिपाही कै उप्पर हो सै

17 ताके जो वचन यशायाह नबी के जरिये कह्या गया था वो पूरा हो "उसनै खुद ए म्हारी कमजोरी
ले ली अर म्हारी बीमारी उठा ली।"†

[illegible]

18 यीशु नै जिब अपणे चौगरदू एक भीड़ देक्खी तो अपणे चेल्यां ताहीं गलील समुन्दर के परली
ओड़ जाण का हुकम दिया। 19 यीशु अर उसके चेल्लें किस्ती की ओड़ जाण लागरे थे, तो एक
शास्त्री नै धोरै आके उसतै कह्या, "हे गुरु, जड़ै किते तू जावैगा, मै तेरे पाच्छै हो ल्यूँगा, क्यूँके मै
तेरा चेल्ला बणणा चाहूँ सूं।"
20 यीशु नै उसतै कह्या, "लोमड़ियां की घुरखाण अर अकास के पंछियाँ के बसेरे हो सै, पर मुझ
माणस के बेट्टै खात्तर सिर छिपाण की भी जगहां कोनी सै।"
21 एक और चेल्लै नै उसतै कह्या, "हे प्रभु, पैहले मन्नै घर जाणदे, मै अपणे पिता के मरण कै बाद
उस ताहीं दफना के आऊँगा, फेर तेरा चेल्ला बणुगाँ।"
22 यीशु नै उसतै कह्या, "तू मेरै पाच्छै हो ले, अर मेरा चेल्ला बण जा अर जो आत्मिक रूप तै
मर चुके सै, उननै मुर्दे दफणाण दे।"

[illegible]

23 जिब यीशु किस्ती पै चढया, तो उसके चेल्लें उसकै पाच्छै हो लिए। 24 अर देक्खो, समुन्दर
म्ह एक इसा बड्ड़ा अन्धोड़ उठ्या के किस्ती झाल्लां तै ढक्ण लाग्गी, अर वो सोण लाग रह्या था।
25 फेर चेल्यां नै धोरै आके उस ताहीं जगाया अर कह्या, "हे प्रभु, हमनै बचा, हम डूबके मरण आळे
सां।"
26 यीशु नै उनतै कह्या, "हे बिश्वास म्ह कमजोर माणसों, क्यूँ डरो सों?" फेर उसनै उठकै आँधी
अर पाणी ताहीं धमकाया, अर सब शान्त होग्या।
27 अर वे अचम्भा करकै कहण लाग्ये, "यो किसा माणस सै के आँधी अर पाणी भी उसका हुकम
मान्नैं सै।"

[illegible]

28 जिब यीशु गलील समुन्दर कै परली ओड़ गदरेनियां के देश म्ह पुँह्चा, तो दो माणस जिन म्ह
ओपरी आत्मा थी कब्रिस्तान म्ह तै लिकड़कै उसनै मिले। वे इतने डरावणे थे के कोए उस रास्ते तै
जा न्ही सकै था। 29 दोन्नु माणसां नै किल्की मारकै कह्या, "हे परमेसवर के बेट्टे, म्हारा तेरे तै के
काम? के तू बखत तै पैहल्या हमनै दुख देण आड़ै आया सै?"‡
30 उनतै थोड़ी सी दूर पै घणेए सूअरां का टोळ चरै था। 31 ओपरी आत्मायाँ नै उसतै या कहकै
बिनती करी के, "जै तू हमनै लिकाड़ै सै, तो सूअरां के टोळ म्ह भेजदे।"
32 उसनै उन ताहीं कह्या, "जाओ!" अर वे ज्या के सूअरां म्ह बैठगी अर देक्खो, सारा टोळ ढळान
पै तै झपटकै पाणी म्ह ज्या पड्या, अर डूब मरया। 33 उनके पाळी भाज्ये, अर नगर म्ह जाकै ये
सारी बात अर जिन म्ह ओपरी आत्मा थी उनका सारा हाल कह सुणाया। 34 फेर सारे नगर के माणस
यीशु तै फेटण नै लिकड़ाए, अर उस ताहीं देख के बिनती करी के म्हारी सीमा तै बाहर चल्या ज्या।

9

[illegible]

1 फेर यीशु किस्ती म्ह चढ़कै उस पार गया, अर बोहड़कै अपणे नगर म्ह आया। 2 अर देक्खो, कई
माणस लकवे के एक मरीज नै खाट पै लिटा के उसकै धोरै ल्याए। यीशु नै उनका बिश्वास देखकै,
उस लकवे के मरीज तै कह्या, "हे बेट्टे, धीर बाँध, मन्नै तेरे पाप माफ कर दिये।"
3 इसपै कई शास्त्रियाँ नै सोच्या, "यो तो परमेसवर की बुराई करै सै"

† **8:17** 8:17 (1 पत-2:24) ‡ **8:29** 8:29 (लूका 4:34)

4 यीशु नै उनकै मन की बात जाणकै कह्या, “थम माणस अपणे-अपणे मन म्ह बुरा विचार क्यूँ
आण देओ सों? 5 आसान के सै? यो कहणा, ‘तेरे पाप माफ होए’, या यो कहणा, ‘उठ अर हाँड-फिर।’
6 पर इस करकै के थम जाण ल्यो के मुझ माणस के बेट्टै नै धरती पै पाप माफ करण का हक सै।” फेर
उसनै लकवे के मरीज तै कह्या, “उठ, अपणे बिस्तर ठाकै, अपणे घरां चल्या जा।” 7 वो उठकै अपणे
घरां चल्या गया। 8 माणस यो देखकै डरगे अर परमेसवर की बड़ाई करण लाग्ये जिसनै माणस ताहीं
इसा हक दिया सै।

[illegible]

9 ओड़ै तै आग्गै बढ़ कै यीशु नै मत्ती नाम के एक आदमी ताहीं चुंगी की चौकी पै बेठ्या देख्या,
अर उसतै कह्या, “मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।” अर वो उठकै उसकै पाच्छै हो लिया।
10 जिब वो अर उसकै चेल्लें मत्ती के घर म्ह खाणा खाण खात्तर बेठ्ठे तो भोत-से चुंगी लेण आळे
अर जिननै लोग पापी कहवै सै वे आकै उनकै गेल्या खाणा खाण बेठ्ठे। 11 या देखकै फरीसियाँ नै
उसकै चेल्यां ताहीं कह्या, “थारा गुरु चुंगी लेण आळे अर पापी माणसां गेल्या क्यूँ खावै-पीवै सै?”
12 या सुणकै यीशु नै उनतै कह्या, “वैद आच्छे-बिच्छयां खात्तर कोनी पर बिमारां खात्तर जरूरी
सै। 13 इस करकै थम जाओ अर समझ ल्यो के पवित्र ग्रन्थ के इस वचन का मतलब के सै: ‘मै
बलिदान न्ही पर दया चाहूँ सूं।’ क्यूँके जो अपणे-आपनै धर्मी कहवै मै उननै न्ही, पर जो अपणे-आपनै
पापी कहवै सै उननै बुलाण आया सूं।”*

[illegible]

14 फेर बपतिस्मा देण आळे यूहन्ना के चेल्यां नै धोरै आणकै कह्या, “के कारण सै के हम अर फरीसी
इतने ब्रत करा सां, पर तेरे चेल्लें ब्रत न्ही करदे?”
15 यीशु नै उनतै कह्या, “के बराती, जिब ताहीं बन्दड़ा उसके गेल्या सै, शोक मना सकै सै? पर वे
दिन आवैगें जिब बन्दड़ा उनतै न्यारा करया जावैगा, उस बखत वे ब्रत करैगें।”
16 “नये लत्यां की थेग्ळी पुराणे लत्यां पै कोए न्ही लगान्दा, क्यूँके वा थेग्ळी लत्ते तै और भी
लत्ता खुस्का दे सै, अर वो और भी घणा पाट ज्या सै। 17 अर माणस नया अंगूर का रस पुराणी मशक
म्ह न्ही भरदे, क्यूँके इसा करण तै मशक पाट ज्या सै, अर अंगूर का रस खिंड ज्या सै, अर मशक फूट
ज्या सै, पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरा जावै सै तब वे दोनु बचे रहवै सै।”

[illegible]

18 वो उनतै ये बात कहण ए लागरया था, के जिब्बे आराधनालयाँ कै सरदारां म्ह तै एक याईर
नाम के आदमी नै आकै उस ताहीं नमस्कार करया अर कह्या, “मेरी बेट्टी इब्बे मरी सै, पर तू चाल
के अपणा हाथ उसपै धरै, तो वा जिन्दा हो ज्यागी।” 19 यीशु उठकै अपणे चेल्यां समेत उसके पाच्छै
हो लिया।
20 अर देक्खो, एक बिरबान्नी नै जिसकै बारहां साल तै लहू बहण की बीमारी थी, पाच्छै तै आकै
उसकै लत्ते के कोणे ताहीं छू लिया।† 21 क्यूँके वा अपणे मन म्ह कहवै थी, “जै मै उसकै लत्ते नै छू
ल्यूँगी तो ठीक हो जाऊँगी।”
22 यीशु नै घूमकै उस ताहीं देख्या अर कह्या, “बेट्टी धीरज राख, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक
करया सै।” अर वा बिरबान्नी उस्से बखत ठीक होगी।
23 जिब यीशु याईर कै घर म्ह पुँहचा अर बाँसली बजाण आळे अर भीड़ नै रोळा मचांदे देख्या,
24 फेर कह्या, “हट जाओ, छोरी मरी कोनी, पर सोवै सै।” इसपै वे उसका मजाक उड़ाण लाग्ये।
25 पर जिब भीड़ लिकाड़ दी, तो उसनै भित्तर ज्या के उस छोरी का हाथ पकड्या, अर वा जी उठी।
26 अर इस बात का जिक्र सारे देश म्ह फैलग्या।

[illegible]

---
* **9:13** 9:13 (होशे 6:6) † **9:20** 9:20 (मत्ती 14:36)

27 जिब यीशु ओड़ै तै आग्गै बढ़ा, तो दो आन्धे उसकै पाच्छै या कहन्दे होए चाल्ले, "हे दाऊद
की ऊलाद, म्हारै पै दया कर!"
28 जिब वो घर म्ह पुहचा, तो वे आन्धे उसके धोरै आये, अर यीशु नै उनतै कह्या, "के थमनै
बिश्वास सै के मै थमनै चंगा कर सकू सूं?" उननै उसतै कह्या, "हाँ प्रभु!"
29 फेर उसनै उनकी आँखां कै हाथ लगाकै कह्या, "थारे बिश्वास के मुताबिक थम चंगे होजाओ।"
30 अर वे जिब्बे देक्खण लाग्गे। यीशु नै उनतै समझां के कह्या, "सावधान, किसे ताहीं या बात ना
बताइयो, के मन्नै थारे खात्तर के करया सै।" 31 पर उननै मिलकै सारे देश म्ह उसका नाम फैला
दिया।

[illegible]

32 जिब वे दोन्नु आन्धे बारणै जाण लागरे थे, तो देक्खो, कई माणस एक गूँगे नै उसके धोरै ल्याए
जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, जो उसनै बोल्लण कोनी देवै थी। 33 अर जिब यीशु नै ओपरी आत्मा
लिकाड़ दी, तो गूँगा बोलण लाग्या। इसपै भीड़ नै अचम्भा करकै कह्या, "इस्राएल म्ह इसा कदे
न्ही देख्या गया।"
34 पर फरीसियाँ नै कह्या, "ओपरी आत्मायाँ के सरदार इस ताहीं शक्ति देवै सै, इस करकै यो
ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ै सै।"

[illegible]

35 यीशु अर उसके चेल्लें सारे नगरां अर गाम्मां म्ह फिरता होया अर उनकै आराधनालयाँ म्ह
उपदेश सुणान्दा, अर परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणादा, अर हरेक ढाळ की बीमारी अर
कमजोरियाँ नै दूर करदा रह्या।
36 जिब उसनै भीड़ देखी तो उसनै माणसां पै तरस आया, क्यूँके वे उन भेडचा की तरियां थे, जिनका
कोए पाळी ना हो, वे बेचैन अर भटके होए से थे।‡ 37 फेर उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या, "पके होए
खेत्तां की तरियां लोग तो भोत सै जो परमेसवर के वचन नै सुणणा चाहवै सै, पर फसल काट्टण आळे
की तरियां लोग कम सै जो जाकै परमेसवर का वचन सुणावै। 38 इस करकै खेत के माल्लिक यानी
परमेसवर तै बिनती करो, के वो और लोग्गां नै भेज्जै, ताके परमेसवर का वचन भोत सारे लोग्गां
ताहीं सुणावै।"

10

[illegible]

1 फेर यीशु नै अपणे बारहां चेल्यां ताहीं धोरै बुलाकै, उन ताहीं ओपरी आत्मायाँ पै हक दिया के
उननै लिकाड़ै अर सारी ढाळ की बिमारियाँ अर सारी ढाळ की कमजोरियाँ नै ठीक करै।
2 इन बारहां प्रेरितां के नाम ये सै: पैहल्या शमौन, जो पतरस कुह्वावै सै, अर उसका भाई
अन्द्रियास, जब्दी का बेट्टा याकूब, अर उसका भाई यूहन्ना,
3 फिलिप्पुस, अर बरतुल्मै, थोमा, अर चुंगी लेण आळा मत्ती, हलफई का बेट्टा याकूब, अर तद्दै,
4 शमौन जेलोतेस*, अर यहूदा इस्करियोती जिसनै वो पकड़वा भी दिया।

[illegible]

5 इन बारहां चेल्यां ताहीं यीशु नै यो हुकम देकै भेज्या: "गैर यहूदी लोग्गां कान्ही ना ज्याइयो,
अर सामरियाँ के किसे नगर म्ह दाखल ना होइये।† 6 पर इस्राएल के कुण्बे की ए खुई होड़ी भेड्डां
के धोरै जाईये। 7 अर चालते-चालते यो प्रचार करो: सुर्ग का राज्य धोरै आ ग्या। 8 बिमारां नै ठीक
करो, मरै होए नै जीवाओ, कोढ़ियाँ नै शुद्ध करो, ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ो। थमनै मुफ्त लिया
सै मुफ्त द्यो।"

---

‡ **9:36** 9:36 (1 राजा-22:17) * **10:4** 10:4 (एक कट्टर पंथी राजनैतिक दल का नाम था जिसका वो सदस्य था) † **10:5** 10:5 (यिर्म-50:6)

9 “अपणे अंगोच्छां म्ह ना तो सोन्ना, ना चाँदी, अर ना ताम्बे के सिक्के राखियो। 10 रास्ते खात्तर
ना झोळी लियो, ना दो कुड़ते, ना जूत्ते अर ना लाठ्ठी लियो, क्यूँके मजदूर नै उसका खाणा मिलणा
चाहिए। 11 जिस किसे नगर या गाम म्ह जाओ, तो बेरा पाड़ो के कुण लायक सै। अर जिब ताहीं
उड़ै तै ना लिकड़ो, उस्से के गेल्या रहों। 12 घर म्ह बढ़ते आणी उसनै आशीर्वाद दिए। 13 जै उस घर
के माणस लायक होंगे तो थारा आशीर्वाद उनपै पुहँचगा, पर जै वे लायक ना हों तो थारा आशीर्वाद
थारे धोरै उल्टा ए आ ज्यागा। 14 जो कोए थमनै न्ही अपणावै अर थारी बात ना सुणै, उस घर या
उस नगर तै लिकड़दे आणी अपणे पैरां की धूळ झाड़ लियो। 15 मै थमनै सच्ची कहूँ सूं के न्याय के
दिन उस नगर की हालत तै सदोम अर अमोरा‡ के नगर की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी।”

[illegible]

16 “देक्खो, मै थमनै भेड्डां की तरियां भेड़ियाँ के बिचाल्ये भेज्जू सूं, इस करकै साँपां की तरियां
अकलमंद अर कबूतरां की तरियां भोळे बणो। 17 पर माणसां तै चौक्कस रहों, क्यूँके वे थमनै बड़े
आराधनालयाँ म्ह सौपैगें, अर अपणी सभा म्ह थारे कोड़े मारैगें। 18 थम मेरै खात्तर राज्यपालों अर
राजयां के स्याम्ही अर गैर यहूदी लोग्गां म्ह भेज्जे जाओगें। ताके थम मेरे बारें म्ह गवाही दे सको
19 जिब वे थमनै पकड़वावैगें तो या फिक्र ना करियो के हम किस तरियां तै या के कहवागें, क्यूँके
जो किमे थारे ताहीं कहणा होगा, वो उस्से बखत थारे ताहीं बता दिया जावैगा। 20 क्यूँके बोलण
आळे थम न्ही सों, पर थारे सुर्गीय पिता का आत्मा थारे म्ह बोल्लै सै। 21 भाई, भाई नै अर पिता
बेट्टे नै, मारण खात्तर सौंप देंगें, अर बाळक अपणे माँ बाप के बिरोध म्ह खड़े होकै उन ताहीं मरवा
देवैगें।§ 22 मेरै नाम के कारण सारे माणस थारे तै बैर करैगें, पर जो अन्त ताहीं धीरज धरैगा उस्से
का उद्धार होगा। 23 जिब वे थमनै नगर म्ह सतावै, तो दुसरे म्ह भाग ज्याइयो। मै थमनै सच कहूँ
सूं, थम इस्राएल के सारे नगरां म्ह न्ही घूम सकोगें के मै माणस का बेट्टा आ जाऊँगा।”

[illegible]

24 “चेल्ला अपणे गुरु तै बड्डा न्ही होंदा, अर ना नौक्कर अपणे माल्लिक तै। 25 चेल्लै का गुरु
के, अर नौक्कर का माल्लिक के बराबर होणा ए भोत सै। जिब उननै घर के माल्लिक तै शैतान कह्या
तो उसके घरआळां नै के कुछ न्ही कहवैगें!”

[illegible]?

26 “इस करकै माणसां तै ना डरो, क्यूँके कुछ ढकया कोनी, जो उजागर न्ही करया जावैगा, अर
ना कुछ लुहक्या सै जिसका बेरा न्ही पटै। 27 जो मै थारे तै अन्धेरे म्ह कहूँ सूं, उसनै थम चाँदणे
म्ह कहो, अर जो कान्नो-कान सुणो सों, उसनै छात्तां पै चढ़ के प्रचार करो। 28 जो देह नै घात करै
सै, पर आत्मा नै घात न्ही कर सकदे, उनतै ना डरियो, पर उस परमेसवर तै डरो जो आत्मा अर देह
दोनुआ नै नरक म्ह गेरकै नाश कर सकै सै। 29 छोट्टी चिड़ियाँ दो पिस्या की बिकै सै, जो ना कै
बराबर सै तोभी जै वो धरती पै पड़कै मरै सै तो पिता परमेसवर नै उसका भी बेरा सै क्यूँके पिता
परमेसवर सब कुछ जाणण आळा सै। 30 थारे सिर के बाळ भी सारे गिणे होड़े सै।* 31 इस करकै डरो
मतना, थम घणी गौरैयाँ (एक छोट्टी चिड़ियाँ) तै बढ़कै सो।”

[illegible]

32 “जो कोए माणसां कै स्याम्ही मन्नै मान लेवैगा, उसनै मै भी अपणे सुर्गीय पिता के स्याम्ही
मान ल्यूँगा। 33 पर जो माणसां कै स्याम्ही मेरै बारै म्ह इन्कार करैगा, उसनै मै भी अपणे सुर्गीय पिता
के स्याम्ही इन्कार करुँगा।”

---

‡ **10:15** 10:15 सदोम अर अमोरा ये वे नगर थे जिस म्ह अब्राहम का भतिज्जा लूत रहया करै था परमेसवर नै ओड़ै के माणसां ताहीं उनके बुरे काम्मां के कारण उन ताहीं आग गेर कै नाश कर दिया था § **10:21** 10:21 (मीका 7:6) * **10:30** 10:30 (लूका 12:7)

34 “यो ना समझो के मै धरती पै माणसां का मिलाप करवाण आया सूं, मै मिलाप करवाण न्ही, पर
न्यारे करण आया सूं। 35 मै तो आया सूं, ताके माणस नै उसके पिता तै, अर बेट्टी नै उसकी माँ तै,
अर बहू नै उसकी सास तै न्यारा कर द्यु।”

36 “माणस के बैरी उसके घर के ए लोग होंगे।”

37 “जो अपणे माँ-बाप नै मेरै तै घणा प्यारा मान्नै सै, वो मेरा चेल्ला बणण कै लायक कोनी, अर
जो बेट्टा या बेट्टी नै मेरै तै घणा प्यारा मान्नै सै, वो मेरै लायक कोनी।† 38 अर जो अपणा दुखां
का क्रूस लेकै मेरै पाच्छै न्ही चाल्लै वो मेरै लायक कोनी। 39 जो अपणी जान बचावै सै, वो उसनै
खोवैगा, अर जो मेरै कारण अपणी जान खोवैगा, वो उसनै पावैगा।”

[illegible]

40 “जो थमनै अपणावै सै, वो मन्नै अपणावै सै, अर जो मन्नै अपणावै सै, वो उस परमेसवर नै
अपणावै सै, जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै। 41 जो नबियाँ नै नबी जाण के अपणावै, वो नबियाँ के जिसा
फळ पावैगा, जिसा नबी नै मिलै सै, अर जो धर्मी नै धर्मी जाण के अपणावै, वो धर्मी के जिसा फळ
पावैगा। 42 जो कोए मेरे इन चेल्यां म्ह तै एक नै भी मेरा चेल्यां जाण के सिर्फ एक कटोरा ठंडा पाणी
पियावैगा, मै थमनै सच कहूँ सूं, वो किसे तरियां भी अपणा फळ न्ही खोवैगा।”

11

[illegible]

1 अपणे बारहां चेल्यां ताहीं इस तरियां समझाण कै बाद यीशु ओड़ै तै चाल पड्या, अर गलील
परदेस के नगरां म्ह उपदेश अर प्रचार करदा घूमता रह्या।

2 यूहन्ना नै जेळ म्ह मसीह के काम्मां की खबर सुणी अर अपणे चेल्यां ताहीं यीशु तै न्यू बुझ्झण
भेज्या, 3 अर उसतै कह्या, “के आण आळा वो मसीहा जिसका वादा परमेसवर नै करया था, तू ए सै,
या हम किसे और की बाट देक्खां?”

4 यीशु नै जवाब दिया, “जो कुछ थम सुणो सो अर देक्खो सो, यो सारा जाकै यूहन्ना ताहीं कह
द्यो, 5 के आन्धे देक्खैं सै अर लंगड़े चाल्लै-फिरै सै, कोढ़ी ठीक करे जावै सै अर बहरे सुणै सै, मुर्दे
जिन्दे करे जावै सै, अर कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणाया जावै सै। 6 अर धन्य सै वे, जो मेरै पै शक
न्ही करते, अर बिश्वास करणा न्ही छोड़ते।”

[illegible]

7 जिब यूहन्ना के चेल्लें ओड़ै तै जाण लागरे थे तो यीशु भीड़ म्ह माणसां तै यूहन्ना कै बारै म्ह
कहण लागग्या, “थम जंगल-बियाबान म्ह के देखण गये थे? के हवा म्ह हाल्दे होए सरकंडया नै?
8 तो फेर थम के देखण गये थे? के सुथरे लत्ते पहरे होड़ माणस ताहीं? देक्खो, जो सुथरे लत्ते पहरै
सै, वे राजघरां म्ह रहवैं सै। 9 तो फेर क्यांतै गये थे? के किसे नबी नै देखण ताहीं? हाँ, मै थमनै कहूँ
सूं, बल्के नबी तै भी बड़े नै।” 10 यूहन्ना वोए सै जिसकै बारै म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: के
“ ‘देख, मै अपणे दूत ताहीं तेरे आग्गै भेज्जू सूं
जो तेरे आग्गै तेरा रास्ता त्यार करैगा।’ ”*
11 मै थमनै कहूँ सूं के जो बिरबानियाँ तै जणे सै, उन म्ह तै यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे तै बड्ड़ा
कोए न्ही होया, पर जो सुर्ग कै राज्य म्ह छोट्टे तै भी छोट्टा सै वो उसतै बड्ड़ा सै। 12 यूहन्ना
बपतिस्मा देण आळे के दिनां तै इब ताहीं सुर्ग का राज्य बलपूर्वक बढ़ण लाग रहया सै, अर बिरोधी
लोग उसनै रोकण की कोशिश करण लागरे सै। 13 यूहन्ना के आण तक सारे नबी अर मूसा के नियम-
कायदा म्ह, सुर्ग के राज्य की भविष्यवाणी करी गई। 14 जै थम सच म्ह भविष्यवाणीयाँ पै बिश्वास
करो सों, तो सुणो यूहन्ना ए वो एलिय्याह सै जो दोबारा आण आळा था।† 15 जिसके कान हों, वो
ध्यान तै सुण ले।

---

† **10:37** 10:37 (लूका 14:26) * **11:10** 11:10 (मला-3:1) † **11:14** 11:14 (मला-4:5)

16 “मै आज की पीढ़ी के माणसां की बराबरी किसतै करुँ? वे उन बाळकां की ढाळ सै, जो बजारां
म्ह बेठ्ठे होए एक-दुसरे तै रुक्के मारकै शिकायत करै सै:”
17 “हमनै थारे खात्तर बाँसली बजाई, अर थम कोनी नाच्चे, हमनै बिलाप करया, अर थमनै छात्ती
कोनी पिट्टी।”
18 “इस्से तरियां यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा ना रोट्टी खाया करदा अर ना अंगूर का रस पिया
करदा, अर थम कहो सो, ‘उस म्ह ओपरी आत्मा सै।’ 19 मुझ माणस के बेट्टे का खाण-पान और
माणसां की तरियां साद्दा ए सै, लखाओ, थमनै मेरे ताहीं पेट्टू अर पियक्कड़ माणस, चुंगी लेणिये
का अर पापियाँ का साथी घोषित कर दिया! पर ज्ञान अपणे काम्मां म्ह सच्चा ठहराया गया सै।”

[illegible]

20 फेर यीशु उन नगरां ताहीं उल्हाणा देण लाग्या, जिन म्ह उसनै घणे सामर्थ के काम करे थे,
क्यूँके उननै पाप करणा न्ही छोडया अर ना ए परमेसवर के राह पै चाल्लै। 21 “धिक्कार सै थारे पै
खुराजिन नगर के माणसों! धिक्कार सै थारे पै बैतसैदा नगर के माणसों! जो सामर्थ के काम थारे
म्ह करे गये, जै वे सूर अर सैदा नगरां म्ह करे जान्दे, तो टाट ओढ़ कै, अर राख म्ह बैठकै वे कदे के
पाप करणा छोड़ देन्दे। 22 पर मै थमनै कहूँ सूं के न्याय कै दिन थारी हालत तै सूर अर सैदा नगरां
की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी। 23 हे कफरनहूम नगर के माणसों, थम के सोच्चों सों, के थम
सुर्ग ताहीं ऊँच्चे करे जाओगें? थम तो अधोलोक तक नीच्चै जाओगें, जो सामर्थ के काम थारे म्ह
करे गये सै, जै सदोम नगर म्ह करे जान्दे, तो वो आज ताहीं बण्या रहन्दा। 24 पर मै थमनै कहूँ सूं
के न्याय के दिन तेरी हालत तै सदोम नगर की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी।”

[illegible]

25 उस्से बखत यीशु नै कह्या, “हे पिता, सुर्ग अर धरती के प्रभु, मै तेरा शुक्रियादा करुँ सूं के
तन्नै इन बात्तां ताहीं ज्ञानियाँ अर समझदार माणसां तै ल्कोए राख्या, अर बाळकां ताहीं दिखा दिया
सै। 26 हाँ, हे पिता, क्यूँके तन्नै योए भाया।”
27 “मेरे पिता नै मेरै ताहीं सब कुछ सौप्या सै, अर कोए बेट्टै ताहीं कोनी जाण्दा, सिर्फ पिता के
अलावा, अर कोए पिता ताहीं कोनी जाण्दा, सिर्फ बेट्टे के अलावा, अर हरेक वो माणस जो परम
पिता नै जाणे सै, जिसकै खात्तर बेट्टे नै उस ताहीं जाहिर करणा चाह्या सै।”
28 “हे सारे मेहनत करण आळो अर बोझ तै दबे होड़े माणसों, मेरै धोरै आओ, मै थमनै सुख-चैन
दियुँगा। 29 मेरा जूआ अपणे उप्पर ठा ल्यो, अर मेरै तै सीखो, क्यूँके मै नरम अर मन का दीन सूं:
अर थम अपणे मन म्ह सुख-चैन पाओगे। 30 क्यूँके मेरा जूआ सोखा अर मेरा बोझ हल्का सै”

12

1 तकरीबन उस्से बखत आराम कै दिन यीशु चेल्यां कै गैल खेत्तां म्ह तै होकै जाण लागरया था,
अर उसके चेल्यां नै भूख लाग्गी तो वे गेहूँ की बालें तोड़-तोड़कै खाण लाग्गे। 2 फरीसियाँ नै न्यू
देखकै उसतै बोल्ले, “देख, तेरे चेल्लें वो काम करै सै, जो नियम-कायदा के मुताबिक आराम कै दिन
करणा ठीक कोनी।”
3 यीशु नै उनतै कह्या, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढ़या, के दाऊद अर उसके साथियाँ
नै जिब वे भूक्खे होए तो के करया था? 4 वो किस तरियां परमेसवर कै घर म्ह गया, अर भेंट की
रोट्टी खाई, जिनका खाणा ना तो उस ताहीं अर ना उसके साथियाँ ताहीं पर सिर्फ याजकां ताहीं
सही था? 5 यो थमनै नियम-कायदा म्ह न्ही पढ़या के आराम कै दिन मन्दर के याजक ए आराम कै
दिन की विधि ताहीं तोड़ै सै फेर भी उन ताहीं कोए कुछ न्ही कहन्दा? 6 पर मै थमनै कहूँ सूं के उरै
वो सै जो मन्दर तै भी बड्ड़ा सै। 7 जै थम पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या सै, उसका मतलब जाणदे
के, ‘मै बलिदान न्ही पर दया चाहूँ सूं।’ तो थम बेकसूर ताहीं कसूरवार कोनी ठहरान्दे। 8 मै माणस
का बेट्टा तो आराम कै दिन का भी प्रभु सूं।”

9 ओड़े तै चालकै वो उनके आराधनालय म्ह आया। 10 ओड़े एक माणस था, जिसका हाथ सूखरया
था। फरीसी लोग्गां नै यीशु पै दोष लाण खात्तर उसतै बुझ्झया, "मूसा के नियम-कायदा के मुताबिक
आराम कै दिन ठीक करणा सही सै?"
11 यीशु नै उनतै कह्या, "थारे म्ह तै इसा कौण सै जिसकी एक ए भेड़ हो, अर वा आराम कै दिन
खडहे म्ह पड़ जावै, तो वो उस ताहीं पकड़कै न्ही काड्डै? 12 फेर माणस तो भेड़ तै भोत घणे खास
सै! ज्यांतै आराम कै दिन भलाई करणा ठीक सै, जिसा के माणसां नै चंगा करणा।"
13 फेर यीशु नै उस माणस तै कह्या, "अपणा हाथ बढ़ा।" उसनै बढ़ाया, अर वो दुसरे हाथ की
तरियां ठीक होग्या। 14 फेर फरीसियाँ नै बाहरणै जाकै उसकै बिरोध म्ह सलाह करी के उसका नाश
किस तरियां करया जावै।
15 न्यू जाणकै यीशु ओड़ै तै चल्या गया। अर घणे माणस उसकै पाच्छै हो लिए, अर उसनै सारया
ताहीं ठीक करया, 16 अर उन ताहीं चेतावनी दी, के मेरै बारै म्ह किसे तै ना कहियो के मै कौण सूं।
17 ताके जो वचन यशायाह नबी कै जरिये कह्या गया था, वो पूरा हो
18 "देक्खो, यो मेरा सेवक सै, जिस ताहीं मन्नै चुण्या सै, मेरा प्यारा, जिसतै मेरा मन राज्जी सै,
मै अपणा आत्मा उसपै तारुगाँ, अर योए दुसरी जात्तां नै न्याय की खबर देवैगा।
19 "वो ना माणसां के गैल झगड़ा करैगा, अर ना किल्की मारैगा, ना बजारां म्ह उसका कोए शब्द
सुणैगा।
20 "वो कुचले होए सरकण्डे की समान कमजोर माणसां ताहीं कोनी लताड़ैगा, अर बुझते होए
दीवे के समान, माणस मरता हो तो वो उसनै न्ही मारैगा, वो जिब ताहीं डटया रह्वैगा जिब ताहीं
न्याय ना दुवा दे।
21 "अर दुसरी जात उसकै नाम पै आस राक्खैगी।"
22 फेर माणस एक आन्धे-गूँगे नै जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, जो उसनै देखण अर बोल्लण कोनी
देवै थी, उसकै धोरै ल्याए, अर उसनै उस ताहीं ठीक करया, अर वो गूँगा बोलण अर देखण लाग्या।
23 इसपै सारे माणस अचम्भा करकै कहण लाग्गे, "यो के दाऊद की ऊलाद सै!" 24 पर फरीसियाँ नै
न्यू सुणकै कह्या, "यो तो ओपरी आत्मायाँ के सरदार शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ै
सै।"
25 उसनै उनकै मन की बात जाणकै उनतै कह्या, "जिस किसे राज म्ह फूट होवै सै, वो उजड़ जावै
सै, अर कोए नगर या घराना जिसम्ह फूट होवै सै, बण्या कोनी रहवैगा। 26 अर जै शैतान ए शैतान
नै काड्डै, तो वो अपणा ए बिरोधी बणग्या, फेर उसका राज किस तरियां बण्या रहवैगा? 27 भला,
जै मै शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काढ्ढू सूं, तो थारी पीढ़ी किसकी मदद तै काड्डै सै?
इस करकै वैए थारा न्याय करैगें। 28 पर जै मै परमेसवर के आत्मा की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै
काढ्ढू सूं, तो परमेसवर का राज्य थारे धोरै आण पोंहच्या सै।"
29 "या किस तरियां कोए माणस किसे ठाड्डे माणस कै घर म्ह बड़कै उसका माळ लूट सकै सै
जिब ताहीं के पैहल्या उस ठाड्डे ताहीं ना जुड़ ले? जिब वो उसका घर लूट लेवैगा।"
30 "जो मेरै गेल्या न्ही वो मेरै बिरोध म्ह सै, अर जो मेरै गेल्या न्ही कठ्ठा करदा, वो खिंडावै
सै। 31 ज्यांतै मै थारे तै कहूँ सूं के माणस का सारे ढाळ का पाप अर बुराई माफ करी जावैगी, पर
पवित्र आत्मा की बुराई माफ कोनी करी जावैगी। 32 जो कोए माणस के बेट्टे कै बिरोध म्ह कोए
बात कहवैगा, उसका यो कसूर माफ करया जावैगा, पर जो कोए पवित्र आत्मा कै बिरोध म्ह कुछ
कहवैगा, उसका कसूर ना तो इस लोक म्ह अर ना परलोक म्ह माफ करया जावैगा।"
33 "दरखत अपणे फळ तै ए पिच्छाणा जावै सै, जै दरखत नै बढ़िया कहो, तो उसकै फळ नै भी
बढ़िया कहो, या दरखत नै निकम्मा कहो, तो उसकै फळ नै भी निकम्मा कहो। 34 हे साँप के सप्पोलों
जिसे माणसों, थम भुन्ड़े होकै किस तरियां बढ़िया बात कह सको सो? क्यूँके जो मन म्ह भरया सै,
वोए मुँह पै आवै सै। 35 भला माणस अपणे मन के भले भण्डार तै भली बात लिकाड़ै सै, अर बुरा

माणस अपणे मन के बुरे भण्डार तै बुराई की बात काढै सै। 36 अर मै थारे तै कहूँ सूं के जो-जो निकम्मी
बात माणस कहवैगें, न्याय कै दिन वे हरेक उस बात का लेखा देवैगें। 37 क्यूँके तू अपणी बात्तां कै
कारण बेकसूर, अर अपणी बात्तां ए कै कारण कसूरवार ठहराया जावैगा।”

38 इसपै कुछ शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ नै उसतै कह्या, “हे गुरु, हम तेरे तै एक चिन्ह-चमत्कार
देखणा चाहवां सा।”

39 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “इस युग के बुरे अर जार माणस निशान्नी टोह्वैं सै, पर योना नबी
की निशान्नी नै छोड़ कोए और निशान्नी उन ताहीं कोनी दी जावैगी। 40 जिस तरियां योना नबी
तीन रात अर तीन दिन बड़ी मच्छली कै पेट म्ह रहया, उस्से तरियां ए मै माणस का बेट्टा तीन रात
अर तीन दिन धरती कै भीत्तर रहूँगा। 41 निनवे नगर के माणस न्याय कै दिन इस युग के माणसां
कै गेल्या उठकै उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगें, क्यूँके उननै योना नबी का प्रचार सुणकै अपणे पापां
ताहीं स्वीकार किया, अर देक्खो, उरै वो सै जो योना नबी तै भी बड्ड़ा सै। 42 दक्षिण देश की राणी
न्याय कै दिन इस युग के माणसां कै गेल्या उठकै उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगी, क्यूँके वा राजा
सुलैमान का ज्ञान सुणण कै खात्तर धरती कै दुसरे सिरे तै आई, अर देक्खो, उरै वो सै जो सुलैमान तै
भी बड्ड़ा सै।”

43 “जिब ओपरी आत्मा माणस म्ह तै लिकड़कै जावै सै, तो सूक्खी जगहां म्ह आराम टोह्न्दी
फिरै सै, अर पांदी कोनी। 44 फेर कहवै सै, ‘मै उस्से माणस म्ह जड़ै तै लिकड़ी थी बोहड़ जाऊँगी।’
अर आकै उस माणस नै घर जिसा झाड़ा-बुहारा अर सजा-धज्या पावै सै। 45 फेर वा ओपरी आत्मा
जाकै अपणे तै और भुंडी सात आत्मायाँ नै अपणे गेल्या ले आवै सै, अर वे उस माणस म्ह बड़कै
ओड़ै वास करै सै, अर उस माणस की पाच्छली हालत पैहल्या तै भी भुंडी हो जावै सै। इस युग के
बुरे माणसां की हालत भी इसीए होवैगी।”

46 जिब वो भीड़ तै बात करण ए लागरया था, तब उसकी माँ अर उसके भाई बाहरणै खड़े थे अर
उसतै बात करणा चाहवै थे।

47 किसे नै उसतै कह्या, “देख, तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै खड़े सै, अर तेरे तै बात करणा चाहवै
सै।”

48 या सुणकै यीशु नै कहण आळे ताहीं जवाब दिया, “कौण सै मेरी माँ? अर कौण सै मेरे भाई?”
49 अर अपणे चेल्यां कान्ही अपणा हाथ बढ़ाकै कह्या, “देक्खो, मेरी माँ अर मेरे भाई ये सै। 50 क्यूँके
जो कोए मेरे सुर्गीय पिता की इच्छा पै चाल्लै वोए मेरा भाई, मेरी बेब्बे अर मेरी माँ सै।”

13

1 उस्से दिन यीशु घर तै लिकड़कै गलील समुन्दर कै किनारे जा बेठ्या। 2 अर उसकै धोरै इसी भीड़
कठ्ठी होई के वो किस्ती पै चढ़ग्या, अर सारी भीड़ किनारे पै खड़ी रही। 3 अर उसनै उनतै उदाहरणां
म्ह घणीए बात कही “एक किसान बीज बोण लिकड़या। 4 बोंदे बखत कुछ बीज राही कै किनारे पड़े
अर पंछियाँ नै आकै उन ताहीं चुग लिया। 5 कुछ बीज पथरीली धरती पै पड़े, जड़ै उनताही घणी
माट्टी ना मिली अर डून्घी माट्टी ना मिलण कै कारण वे तोळाए जामगे। 6 पर सूरज लिकड़णै पै
वे जळगे, अर जड़ ना पकड़ण कै कारण सुखगे। 7 कुछ बीज झाड़ियाँ म्ह पड़े, अर झाड़ियाँ नै बढ़कै
उन ताहीं दाब लिया। 8 पर कुछ बीज आच्छी धरती पै पड़े, कोए सौ गुणा, कोए साठ गुणा, अर
कोए तीस गुणा फळ ल्याए। 9 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले।”

10 चेल्यां नै धोरै आकै उसतै कह्या, “तू माणसां तै उदाहरणां म्ह क्यांतै बात करै सै?”

11 उसनै जवाब दिया, “थारे ताहीं सुर्ग के राज्य के भेद की समझ दे राक्खी सै, पर उन ताहीं न्ही।
12 क्यूँके जिसकै धोरै सै, उसतै और दिया जावैगा, अर उसकै धोरै घणा हो जावैगा, पर जिसकै धोरै
कुछ न्ही सै, उसतै जो कुछ उसकै धोरै सै, वो भी ले लिया जावैगा। 13 मै उनतै उदाहरणां म्ह ज्यांतै
बात करुँ सूं, के वे देखदे होए कोनी देखदे अर सुणदे होए कोनी सुणदे, अर न्ही समझदे।”

14 “उनकै बाबत यशायाह नबी की या भविष्यवाणी पूरी होवै सै: ‘थम सुणोगे, पर समझोगे कोनी,
अर देक्खोगे, पर थमनै कोनी सूझैगा।’ ”

15 “क्यूँके इन माणसां का मन मोट्टा होग्या सै, अर वे कान्ना तै ऊँच्चा सुणै सै, अर उननै अपणी
आँख मूंद ली सै, कदे इसा ना हो के वे आँखां तै देक्खै, अर कान्ना तै सुणै अर मन तै समझै, अर
पलट जावै, अर मै उननै ठीक करुँ।”

16 पर धन्य सै थारी आँख, क्यूँके वे देक्खै सै, अर थारे कान क्यूँके वे सुणै सै। 17 मै थमनै साच्ची
कहूँ सूं के घणखरे नबियाँ नै अर धर्मियाँ नै चाह्या के जो बात थम देक्खो सो, देक्खै, पर न्ही देख
पाए, अर जो बात थम सुणो सो, सुणै, पर न्ही सुण पाए।

18 “इब थम बोण आळे के उदाहरण का मतलब सुणो 19 जो कोए राज्य का वचन सुणकै कोनी
समझदा, यो वोए सै जो राही कै किनारे बोया गया था, उस ताहीं दुष्ट आकै खोस ले जावै सै। 20 अर
जो पथरीली धरती पै बोया गया सै, यो वो माणस सै, जो वचन सुणकै जिब्बे खुशी कै गेल्या मान
लेवै सै। 21 पर अपणे म्ह जड़ न्ही पकड़ण कै कारण वो माड़े से दिन का सै, अर जिब वचन कै कारण
क्लेश या संकट आवै सै, तो जिब्बे ठोक्कर खावै सै। 22 जो झाड़ियाँ म्ह बोया गया, यो वो सै, जो
वचन ताहीं सुणै सै, पर इस दुनिया की फिक्र अर धन का धोक्खा वचन नै दाबै सै, अर वो फळ कोनी
ल्यांदा। 23 जो आच्छी धरती पै बोया गया, यो वो सै, जो वचन ताहीं सुणकै समझै सै, अर फळ
ल्यावै सै, कोए सौ गुणा, कोए साठ गुणा, अर कोए तीस गुणा।”

24 यीशु नै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया: “सुर्ग का राज उस किसान जिसा सै जिसनै अपणे
खेत मै बढ़िया बीज बोया। 25 पर जिब माणस सोवै थे तो उसका बैरी आकै गेहूँ कै बिचाळै जंगळी
बीज बोकै चल्या गया। 26 जिब अंकुर लिकड़े अर बाल लाग्गी, तो जंगळी दाण्या के पौधे भी दिखण
लाग्गे।”

27 “इसपै घरेलू नौकरां नै आकै उसतै कह्या, ‘हे माल्लिक, के तन्नै अपणे खेत म्ह बढ़िया बीज
कोनी बोया था? फेर जंगळी दाण्या के पौधे उस म्ह कित्त तै आए?’ ”

28 “उसनै उनतै कह्या, ‘यो किसे बैरी का काम सै।’ नौकरां नै कह्या, ‘के तेरी मर्जी सै के हम जाकै
उन जंगळी पौधां नै कठ्ठे करा?’ ”

29 “उसनै कह्या, ‘ना, इसा ना हो के जंगळी दाण्या के पौधे कठ्ठे करदे हाण थम उनकै गेल्या
गेहूँ नै भी पाड़ ल्यो। 30 लामणी तक दोनुआ नै एक सेत्ती बधण द्यो, अर लामणी के बखत मै काटण
आळा तै कहूँगा के पैहल्या जंगळी दाण्या के पौधे कठ्ठे करकै बाळण खात्तर उनके भरोट्टे जुड़
ल्यो, अर गेहूँ ताहीं मेरै खत्ते म्ह कठ्ठा करो’।”

31 उसनै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया: “सुर्ग का राज राई कै एक दाणै की ढाळ सै, जिस
ताहीं किसे माणस नै लेकै अपणे खेत म्ह बो दिया। 32 वो सारे बीज्जां तै छोट्टा तो होवै सै पर जिब
बध जावै सै फेर सारे साग-पात तै बड्ड़ा होवै सै, अर इसा दरखत हो जावै सै के अकास के पंछी
आकै उसकी डाळियाँ पै बसेरा करै सै।”

33 उसनै एक और उदाहरण उन ताहीं सुणाया “सुर्ग का राज खमीर की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे
बिरबान्नी नै लेकै तीन पसेरी (पन्द्रह किलो) चून म्ह रळाया अर होन्दे-होन्दे वो सारा चून खमीर
बणग्या।”

34 ये सारी बात यीशु नै उदाहरणां म्ह माणसां तै सिखाई, अर इस तरियां की शिक्षा देण खात्तर
वो उदाहरणां का ए इस्तमाल करया करदा। 35 के जो वचन नबी कै जरिये कह्या गया था, वो पूरा
होवै: “मै उदाहरण कहण नै अपणा मुँह खोल्लूँगा, मै उन बात्तां नै जो दुनिया की शरुआत तै लुक्ही
होई सै, जाहिर करुँगा।”

36 फेर वो भीड़ नै छोड़कै घरां आया, अर उसके चेल्यां नै उसकै धोरै आकै कह्या, “खेत म्ह जंगळी
दाणै का उदाहरण म्हारै ताहीं समझा दे।”

37 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, "बढ़िया बीज का बोण आळा, मै माणस का बेट्टा सूं। 38 खेत
दुनिया के लोग सै, बढ़िया बीज राज्य की ऊलाद, अर जंगळी बीज शैतान की ऊलाद सै। 39 जिस
बैरी नै उन ताहीं बोया वो शैतान सै। लामणी दुनिया का खात्मा सै, अर काटण आळे सुर्गदूत सै।"

40 आखर म्ह जिस तरियां जंगळी पौधे कठ्ठे करे जावै अर बाळे जा सै उस्से तरियां दुनिया का
खात्मा होवैगा। 41 मै माणस का बेट्टा अपणे सुर्गदूत्तां नै भेज्जूँगा, अर वे उसकै राज्य म्ह तै सारे
जो खुद पाप करै सै अर दुसरयां नै पाप करण खात्तर उकसावै सै, अर भुन्डे काम करणीया नै कठ्ठे
करैगें। 42 अर उननै आग कै कुण्ड म्ह गेरैगें, जड़ै रोणा, अर दाँत पिसणा होवैगा। 43 उस बखत धर्मी
लोग अपणे पिता कै राज्य म्ह सूरज की ढाळ चमकैगें। जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले।

44 सुर्ग का राज्य खेत म्ह लुह्के होड़ धन की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे माणस नै पाया अर लह्को
दिया, अर खुशी के मारे अपणा सारा कुछ बेच दिया अर उस खेत ताहीं मोल ले लिया।

45 फेर सुर्ग का राज्य एक व्यापारी की तरियां सै जो आच्छे मोतियाँ की टोह् म्ह था। 46 जिब
उसनै एक घणा महँगा मोत्ती मिल्या तो उसनै जाकै अपणा सारा कुछ बेच दिया अर उस ताहीं मोल
ले लिया।

47 फेर उसनै कह्या, सुर्ग का राज्य उस मछली के बड़े जाळ की ढाळ सै जो समुन्दर म्ह गेरया
जावै, अर हरेक ढाळ की मच्छी ताहीं समेट ल्यावै। 48 अर जिब जाळ भरग्या, तो मछुआरे उस
ताहीं किनारे पै खींच ल्यावै, अर बैठकै बढ़िया-बढ़िया मच्छी तो बासणा म्ह कठ्ठी करी अर बेकार
बगा दी। 49 दुनिया के अन्त म्ह इस तरियां ए होवैगा। सुर्गदूत आकै दुष्ट लोग्गां नै धर्मियाँ तै न्यारे
करैगें, 50 अर सुर्गदूत, दुष्ट लोग्गां नै आग कै कुण्ड म्ह गेरैगें। जड़ै रोणा, अर दाँत पिसणा होवैगा।

51 "के थमनै ये सारी बात समझी?" उननै उसतै कह्या, "हाँ।"

52 यीशु नै उनतै कह्या, "इस करकै हरेक शास्त्री जो सुर्ग कै राज्य का चेल्ला बण्या सै, उस
घरवासे की तरियां सै जो अपणे भण्डार तै नयी अर पुराणी चीज काड्डै सै।"

53 जिब यीशु नै ये सारे उदाहरण कह लिये, तो ओड़ै तै चल्या गया।

54 अर अपणे नगर नासरत म्ह आकै उनकै आराधनालय म्ह उननै इसा उपदेश देण लागग्या के
वे हैरान होकै कहण लाग्ये, "इसनै यो ज्ञान अर सामर्थ के काम कित्त तै मिले? 55 के यो खात्ती का
छोरा कोनी? अर के इसकी माँ का नाम मरियम अर इसके भाईयाँ का नाम याकूब, यूसुफ, शमौन
अर यहूदा कोनी? 56 अर के इसकी सारी बेब्बे म्हारै बिचाळै कोनी रह्न्दी? फेर इसनै यो सारा कित्त
तै मिल्या?" 57 इस तरियां उननै उसकै कारण ठोक्कर खाई, पर यीशु नै उनतै कह्या, "नबी का अपणे
गाम अर घर नै छोड़ और किते निरादर कोनी होन्दा।"

58 अर उसनै ओड़ै उनके अबिश्वास कै कारण घणे चमत्कार के काम न्ही करै।

14

1 उस बखत चौथाई देश के गलील परदेस के राजा हेरोदेस नै यीशु का जिक्र सुण्या, 2 अर उसनै
अपणे नौकरां तै कह्या, "यो यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा सै! वो मरे होया म्ह तै जिन्दा उठया सै,
इस्से करकै उसतै ये सामर्थ के काम दिक्खै सै।"

3 यूहन्ना ताहीं पकड़कै बाँधया अर जेळ म्ह गेर दिया था। क्यूँके हेरोदेस नै अपणे भाई फिलिप्पुस
के जिन्दा रहन्दे उसकी घरआळी हेरोदियास ताहीं अपणे धोरै राखली थी, 4 क्यूँके यूहन्ना नै उसतै
कह्या था के इस ताहीं राखणा मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक तेरे खात्तर ठीक कोनी। 5 ज्यांतै
वो उसनै मारणा चाहवै था, पर माणसां तै डरै था क्यूँके वे यूहन्ना नै नबी मान्नै थे।

6 पर जिब हेरोदेस का जन्म दिन आया, तो हेरोदियास की बेट्टी नै त्यौहार म्ह नाच दिखाकै
हेरोदेस ताहीं राज्जी करया। 7 इसपै उसनै कसम खाकै वचन भर लिया, "जो कुछ तू माँगैगी, मै
तन्नै दियुँगा।"

8 वा अपणी माँ कै उकसाण तै बोल्ली, “यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे का सिर थाळ म्ह उरै मन्नै
मँगवा दे।” 9 राजा घणा दुखी होया, पर अपणी कसम, अर गेल्या बैठण आळा कै कारण, हुकम दिया
के दे दिया जावै।
10 अर उसनै जेळ म्ह सैनिकां ताहीं भेजकै यूहन्ना का सिर कटवा दिया।
11 अर उसका सिर थाळ म्ह ल्याया गया अर छोरी ताहीं दिया गया, जिस ताहीं वा अपणी माँ
धोरै लेगी। 12 फेर यूहन्ना के चेल्लें आए अर उसकी लाश ताहीं ले जाकै गाड़ दिया, अर जाकै यीशु
ताहीं खबर दी।
13 जिब यीशु नै सुण्या, तो वो किस्ती पै चढ़कै ओड़ै तै किसे सुनसान जगहां ताहीं, एकान्त म्ह
चल्या गया। माणस न्यू सुणकै नगर-नगर तै पांए-पाँ उसकै पाच्छै हो लिये। 14 यीशु किनारे पै पुहुचा
तो एक बड्डी भीड़ देक्खी अर उनपै तरस खाया, अर उनके बिमारां ताहीं ठीक करया।
15 जिब साँझ होई तो उसकै चेल्यां नै उसकै धोरै आकै कह्या, “या सुनसान जगहां सै, अर वार
होरी सै, माणसां ताहीं बिदा करया जावै के वे बस्तियाँ म्ह जाकै अपणे खात्तर खाणा मोल लियावै।”
16 पर यीशु नै उनतै कह्या, “उनका जाणा जरूरी कोनी! थमे इन्नै खाण नै द्यो।”
17 उननै यीशु तै कह्या, “उरै म्हारै धोरै पाँच रोट्टी अर दो मच्छियाँ नै छोड़कै और कुछ कोनी
सै।”
18 यीशु बोल्या, “उन ताहीं उरै मेरै धोरै लियाओ।”
19 फेर यीशु नै माणसां ताहीं घास पै बैठण खात्तर कह्या, अर उन पाँच रोट्टी अर दो मच्छियाँ
ताहीं लिया; सुर्ग कान्ही लखाकै खाणे खात्तर परमेसवर का धन्यवाद करया अर रोट्टी तोड़-तोड़कै
चेल्यां ताहीं दी, अर चेल्यां नै माणसां ताहीं। 20 जिब सारे खाकै छिकगे, तो चेल्यां नै बचे होए
टुकड्या तै भरी होई बारहां टोकरी ठाई। 21 अर खाण आळे लुगाईयाँ अर बाळकां नै छोड़कै, पाँच
हजार माणसां कै करीबन थे।
22 फेर उसनै जिब्बे अपणे चेल्यां ताहीं किस्ती पै चढ़ण कै खात्तर मजबूर करया के वे उसतै पैहल्या
पार चले जावै, जिब ताहीं वो अपणे माणसां ताहीं बिदा करै। 23 वो माणसां ताहीं बिदा करकै, प्रार्थना
करण खात्तर उनतै अलग होकै पहाड़ पै चल्या गया; अर साँझ ताहीं वो ओड़ै एक्ला था। 24 तब
तक किस्ती समुन्दर कै किनारे तै भोत दूर जा ली थी अर झाल्लां तै थपेड़े खाकै डगमगाण लागरी
थी, क्यूँके हवा स्याम्ही की थी।
25 यीशु सबेरै तीन बजे कै लोवै-धोवै यीशु समुन्दर पै चाल्दे होए उनकै धोरै आया। 26 चेल्लें उस
ताहीं समुन्दर पै चाल्दे होए देखकै घबरागे। अर बोल्ले, “यो भूत सै!” अर भय के मारे किल्की मारण
लाग्गे।
27 फेर यीशु नै जिब्बे उनतै बात करी अर बोल्या, “होसला राक्खो! मै सूं, डरो मतना!”
28 पतरस नै उसतै जवाब दिया, “हे प्रभु, जै तू ए सै, तो मन्नै अपणे धोरै पाणी पै चालकै आण
का हुकम दे।”
29 यीशु बोल्या, “आ!” फेर पतरस किस्ती पै तै उतरकै यीशु कै धोरै जाण ताहीं पाणी पै चाल्लण
लाग्या।
30 पर हवा नै देखकै डरग्या, अर जिब डूब्बण लाग्या तो किल्की मारकै बोल्या, “हे प्रभु, मन्नै
बचा!”
31 यीशु नै जिब्बे हाथ बढ़ाकै थाम लिया अर उसतै बोल्या, “हे अल्पबिश्वासी, तन्नै क्यांतै शक
करया?”
32 जिब वे किस्ती पै चढ़गे, तो हवा थमगी। 33 इस घटना नै देखकै उसके चेल्यां नै जो किस्ती पै
थे, उसकी बड़ाई करकै कह्या, “साच्चए, तू परमेसवर का बेट्टा सै।”
34 वे गलील समुन्दर पार करकै गन्नेसरत परदेस म्ह पोहचे। 35 ओड़े के माणसां नै उस ताहीं
पिच्छाण लिया अर लोवै-धोवै के सारे देश म्ह खबर भेज दी, अर सारे बिमारां नै उसकै धोरै ल्याए।
36 अर उसतै बिनती करण लाग्गै के वे उननै अपणे लत्ते कै पल्ले तै ए छू लेण दे अर जितन्या नै उस
ताहीं छुआ वे ठीक होगे।

15

1 फेर यरुशलेम नगर तै कुछ फरीसी अर शास्त्री यीशु कै धोरै आकै बोल्ले, 2 “तेरे चेल्लें बुजुर्गां
के रीति-रिवाजां ताहीं क्यांतै टाळै सै, क्यूँ बिना हाथ धोए रोट्टी खावै सै?”
3 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “थम भी अपणी रीति-रिवाज कै कारण क्यांतै परमेसवर का हुकम
टाळौ सो? 4 क्यूँके परमेसवर नै कह्या, ‘अपणे माँ-बाप की इज्जत कर, अर जो कोए माँ-बाप नै भुंडा
बोल्लै, वो मार दिया जावै।’ 5 पर थम कहो सो के जै कोए अपणे माँ-बाप तै कहवै, ‘जो कुछ मन्नै
थारे ताहीं अपणी सम्पत्ति म्ह तै देणा था, वो मन्नै परमेसवर ताहीं अर्पण ताहीं कर दिया’, 6 तो वो
पिता का आदर ना करै, इस तरियां थमनै अपणी रीत-रिवाजां कै कारण परमेसवर का वचन टाळ
दिया। 7 हे कपटियों, यशायाह नबी नै थारे बारै म्ह या भविष्यवाणी ठीक करी सै”
8 ये माणस होठ्ठां तै तो मेरा आदर करै सै, पर उनका मन मेरै तै दूर रहवै सै।
9 “अर वे खांम-खा मेरी भगति करै सै, क्यूँके माणसां के तरीक्यां नै धर्म उपदेश करकै सिखावै सै।”
10 फेर उसनै माणसां ताहीं अपणे धोरै बुलाकै उनतै कह्या, “सुणो, अर समझो 11 जो मुँह म्ह जावै
सै, वो माणस नै अशुद्ध कोनी करदा, पर जो मुँह तै लिकड़ै सै, वोए माणस नै अशुद्ध करै सै।”
12 फेर चेल्यां नै आकै उसतै कह्या, “के तन्नै बेरा सै के फरीसियाँ नै यो वचन सुणकै ठोक्कर खाई?”
13 उसनै जवाब दिया, “हरेक पौधा जो मेरै सुर्गीय पिता नै न्ही लगाया, उखाड़ा जावैगा। 14 उन
ताहीं जाण द्यो; वे आन्धे राह बताणीये से अर आन्धा जै आन्धे नै राह दिखावै, तो दोन्नु ए खड्डे
म्ह गिरैगें।”
15 न्यू सुणकै पतरस नै उसतै कह्या, “यो उदाहरण म्हारै ताहीं समझा दे।”
16 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम भी इब ताहीं नासमझ सो? 17 के थमनै न्ही बेरा के जो कुछ मुँह
म्ह जावै वो पेट म्ह पड़ै सै, अर संडास कै जरिये लिकड़ जावै सै? 18 पर जो कुछ मुँह तै लिकड़ै
सै, वो मन तै लिकड़ै सै, अर वोए माणस ताहीं अशुद्ध करै सै। 19 क्यूँके भुन्ड़े विचार, हत्या, जारी,
बिगान्नी बिरबान्नी धोरै जाणा, चोरी, झूठ्ठी गवाही अर बुराई मन तै ए लिकड़ै सै। 20 येए सै जो
माणस नै अशुद्ध करै सै, पर हाथ बिना धोए रोट्टी खाणा माणस नै अशुद्ध कोनी करदा।”

[illegible]
([illegible] 7:24-30)

21 यीशु ओड़ै तै लिकड़कै, सूर अर सैदा के परदेसां कान्ही चल्या गया। 22 उस परदेस तै एक
कनानी बिरबान्नी लिकड़ी, अर किल्की मारकै कहण लाग्गी, “हे प्रभु! दाऊद की ऊलाद, मेरै पै
दया कर! मेरी बेट्टी ताहीं ओपरी आत्मा घणी सतावै सै।”
23 पर यीशु नै उसतै कुछ जवाब कोनी दिया। फेर उसके चेल्यां नै आकै उसतै बिनती करी, “इस
ताहीं बिदा करो, क्यूँके वा म्हारै पाच्छै रुक्के मारदी आवण लागरी सै।”
24 यीशु नै जवाब दिया, “इस्राएल कै कुण्बे की खोई होड़ भेड्डां नै छोड़ मै किसे कै धोरै कोनी
भेज्या गया।”
25 पर वा आई, अर यीशु ताहीं प्रणाम करकै कहण लाग्गी, “हे प्रभु, मेरी मदद कर।”
26 यीशु नै जवाब दिया, “छोरयां की रोट्टी लेकै कुत्त्या कै आग्गै गेरणा ठीक कोनी।”
27 उसनै कह्या, “साच्ची सै प्रभु, पर कुत्ते भी तो मेज कै तळै बाळकां की रोट्टी के टुकड़े खा लेवैं
सै।”
28 इसपै यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे नारी, तेरा बिश्वास पक्का सै। जिसा तू चाहवै सै, तेरे
खात्तर उसाए हो।” अर उसकी बेट्टी उस्से घड़ी तै चंगी होग्यी।
29 यीशु ओड़ै तै गलील समुन्दर कै धोरै आया, अर पहाड़ पै चढ़कै बैठग्या। 30 फेर भीड़ की भीड़
उसकै धोरै आई। वे अपणे गेल्या लंगड़ा नै, आन्धा नै, टुंडयाँ नै, गूंगया नै अर दुसरे घणेए माणसां नै
उसकै धोरै ल्याए, अर उन ताहीं उसके पायां म्ह गेर दिया, अर उसनै उन ताहीं ठीक करया। 31 जिब
माणसां नै देख्या के गूँगे बोल्लै सै, अर टुंडे चंगे होवै सै, अर लंगड़े चाल्लै सै, अर आन्धे देक्खै सै
तो हैरान होकै इस्राएल के परमेसवर की बड़ाई करी।

32 यीशु नै अपणे चेल्यां ताहीं बुलाया अर कह्या, "मन्नै इस भीड़ पै तरस आवै सै, क्यूँके वे तीन
दिनां तै मेरै गेल्या सै अर उनकै धोरै कुछ खाण नै भी कोनी। मै उननै भूक्खा बिदा करणा न्ही चाह्न्दा,
कदे इसा ना हो राह म्ह थक हार कै बेहोस हो जावै।"
33 चेल्यां नै उसतै कह्या, "हमनै इस बण म्ह कित्त तै इतनी रोट्टी मिलैगी के हम इतनी बड्डी
भीड़ ताहीं छिकावा?"
34 यीशु नै उनतै बुझ्झया, "थारे धोरै कितनी रोट्टी सै?" उननै कह्या, "सात, अर माड़ी-सी
छोट्टी मच्छी।"
35 फेर उसनै माणसां ताहीं धरती पै बैठण का हुकम दिया। 36 अर उन सात रोट्टी अर मच्छियाँ
ताहीं लिया, परमेसवर का धन्यवाद करकै तोडया, अर अपणे चेल्यां ताहीं देन्दा गया, चेल्लें माणसां
ताहीं। 37 इस तरियां सारे खाकै छिकगे अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकडया तै सात टोकरे ठाए। 38 खाण
आळे बिरबानियाँ अर बाळकां नै छोड़कै चार हजार माणस थे। 39 जिब वो भीड़ नै बिदया करकै
किस्ती म्ह चढ़ग्या अर मगदन देश की सीमा म्ह आया।

16

1 फरीसियाँ अर सदूकियाँ नै धोरै आकै उस ताहीं परखण कै खात्तर उसतै कह्या, "हमनै सुर्ग की
कोए निशान्नी दिखा।"
2 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, "साँझ नै थम कहो सो, 'मौसम खुला रहवैगा, क्यांतैके अकास
लाल सै', 3 अर तड़कैए नै कहो सो, 'आज आँधी आवैगी, क्यूँके अकास लाल अर धूळ-भरया सै।'
थम अकास के लच्छण देखकै उसका भेद बता सको सो, पर आज कै बखत म्ह जो होण लाग रह्या सै
उसनै देखकै भेद क्यूँ न्ही बता सकदे? 4 इस युग के बुरे अर जार माणस चिन्ह-चमत्कार टोह्वैं सै,
पर योना नबी के चिन्ह-चमत्कार नै छोड़ उन ताहीं और कोए चिन्ह-चमत्कार कोनी दिया जावैगा।"
अर वो उननै छोड़कै चल्या गया।
5 चेल्लें समुन्दर कै परली ओड़ पोहचे, पर वे रोट्टी लेणा भूलगे थे। 6 यीशु नै उनकी कपट रूपी
शिक्षा के बारें म्ह उनतै कह्या, "देक्खो, फरीसियाँ अर सदूकियाँ कै खमीर तै चौकन्ने रहियो।"
7 वे आप्पस म्ह विचार करण लाग्गे, "हम रोट्टी कोनी ल्याए ज्यांतै वो इस तरियां कहवै सै।"
8 न्यू जाणकै यीशु नै उनतै कह्या, "हे अल्प बिश्वासियों, थम क्यांतै विचार करो सो के म्हारै धोरै
रोट्टी कोनी सै? 9 के थम इब ताहीं न्ही समझे? के थमनै उन पाँच हजार की पाँच रोट्टी याद कोनी,
अर ना यो के थमनै कितनी टोकरियाँ ठाई थी? 10 अर उन चार हजार की सात रोट्टी, अर ना यो के
थमनै कितने टोकरे ठाए थे? 11 थम क्यांतै न्ही समझदे के मन्नै थारे तै रोटियाँ कै बाबत न्ही कह्या,
पर यो के फरीसियाँ अर सदूकियाँ के खमीर तै चौकन्ने रहियो।" 12 फेर उनकै समझ म्ह आया के
उसनै रोट्टी कै खमीर तै न्ही, पर फरीसियाँ अर सदूकियाँ की शिक्षा तै चौकन्ने रहण नै कह्या था।
13 यीशु कैसरिया फिलिप्पी के परदेस म्ह आया, अर अपणे चेल्यां तै बुझ्झण लाग्या, "लोग मुझ
माणस कै बेट्टे नै के कहवै सै?"
14 वे बोल्ले, "कुछ तो यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा कहवै सै, अर कुछ एलिय्याह, अर कुछ
यिर्मयाह या नबियाँ म्ह तै कोए एक कहवै सै।"
15 उसनै उनतै कह्या, "पर थम मन्नै के कहो सो?"
16 शमौन पतरस नै जवाब दिया, "तू जिन्दे परमेसवर का बेट्टा मसीह सै।"
17 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "हे शमौन, योना के बेट्टे, तू धन्य सै; क्यूँके माँस अर लहू
नै न्ही, पर मेरै पिता नै जो सुर्ग म्ह सै, या बात तेरे पै जाहिर करी सै। 18 अर मै भी तेरे तै कहूँ सूं
के तू पतरस सै, अर मै इस पत्थर पै अपणी कलीसिया बणाऊँगा, अर अधोलोक के फाटक उसपै
हावी कोनी होवैगें। 19 मै तन्नै सुर्ग के राज्य की ताळी दियुँगा जो कुछ तू धरती पै बांधैगा, वो सुर्ग
म्ह बंधैगा; अर जो तू धरती पै खोलैगा, वो सुर्ग म्ह खुलैगा।" 20 फेर उसनै चेल्यां ताहीं चिताया के
किसे तै ना कहियो के मै मसीह सूं।

21 उस बखत तै यीशु अपणे चेल्यां तै बताण लाग्या, “जरूरी सै के मै यरुशलेम म्ह जाऊँ अर
यहूदी अगुवें, प्रधान याजकां, शास्त्रियाँ के हाथ्थां तै घणा दुख ठाऊँ; अर मार दिया जाऊँ; अर
तीसरे दिन जी उठूँ।”

22 इसपै पतरस उसनै न्यारा ले जाकै झिड़कण लाग्या, “हे प्रभु, परमेसवर इसा ना करै! तेरे
गेल्या इसा कदे ना होवैगा।”

23 उसनै पलटकै पतरस तै कह्या, “हे शैतान, मेरै स्याम्ही तै दूर हो! तू मेरै खात्तर ठोक्कर का
कारण सै; क्यांतैके तू परमेसवर की बात्तां पै न्ही, पर माणसां की बात्तां पै मन लगावै सै।”

24 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, “जो कोए मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो अपणी ए इच्छा
पूरी ना करै बल्के अपणे दुखां का क्रूस ठाकै, मेरै पाच्छै हो लेवै। 25 क्यूँके जो अपणी जान बचाणा
चाहवैगा, वो उसनै खोवैगा; अर जो कोए मेरै खात्तर जान खोवैगा, वो उसनै पावैगा। 26 जै माणस
सारी दुनिया नै पा लेवै, अर अपणी जान का नुकसान ठावै, तो उसनै के फायदा होगा? या माणस
अपणी जान कै बदले के देवैगा? 27 मै माणस का बेट्टा अपणे सुर्गदूत्तां कै गेल्या अपणे पिता की
महिमा म्ह आऊँगा, अर उस बखत ‘मै हरेक नै उसकै काम्मां कै मुताबिक प्रतिफळ देऊँगा।’

28 “मै थारे तै साच्ची कहूँ सूं जो आड़ै खड़े सै उन म्ह तै कुछ इसे सै के जिब तक वे मुझ माणस
के बेट्टे नै उसके राज्य म्ह आन्दे होए ना देख लेगें तब ताहीं मौत उननै छू भी न्ही पावैगी।”

17

1 छः दिनां पाच्छै यीशु नै पतरस अर याकूब अर उसके भाई यूहन्ना ताहीं गेल्या लिया, अर उन
ताहीं एक्ले म्ह किसे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या। 2 ओड़ै उनकै स्याम्ही उसका रूप म्ह बदलाव होया, अर
उसका मुँह सूरज की ढाळ चमक्या अर उसके लत्ते चाँदणे की ढाळ धोळे होग्ये। 3 अर मूसा नबी
अर एलिय्याह उसकै गेल्या बात करदे होड़ दिक्खे।

4 इसपै पतरस नै यीशु तै कह्या, “हे प्रभु, म्हारा उरै रहणा ठीक सै। जै तेरी मर्जी हो तो मै उरै
तीन मण्डप बणाऊँ, एक तेरे खात्तर, एक मूसा नबी खात्तर, एक एलिय्याह नबी खात्तर।”

5 वो बोल्लणए लागरया था के एक चमकदा होया बादळ उनपै छाग्या, अर उस बादळ म्ह तै या
वाणी लिकड़ी, “यो मेरा प्यारा बेट्टा सै, जिसतै मै राज्जी सूं: इसकी सुणो।”

6 चेल्लें न्यू सुणकै मुँह कै बळ गिरगे अर घणे डरगे। 7 यीशु नै धोरै आकै उन ताहीं छुया, अर
बोल्या, “उठो, डरो मतना।” 8 फेर उननै अपणी निगांह करी अर यीशु नै छोड़ और किसे ताहीं कोनी
देख्या।

9 जिब वे पहाड़ पै तै उतरण लागरे थे, तो यीशु नै उनतै यो हुकम दिया, “जिब ताहीं मै माणस
का बेट्टा मरे होया म्ह तै जिन्दा न्ही हो जाऊँगा, तब ताहीं जो कुछ थमनै देख्या सै किसे तै ना
कहियो।”

10 इसपै उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्झया, “फेर शास्त्री क्यांतै कहवै सै के एलिय्याह का पैहल्या
आणा जरूरी सै।”

11 उसनै जवाब दिया, “एलिय्याह जरुर आवैगा, अर सारा कुछ सुधरैगा। 12 पर मै थमनै कहूँ
सूं के एलिय्याह आ लिया, अर माणसां नै उस ताहीं न्ही पिच्छाणा, पर जिसा चाह्या उसाए उसकै
गेल्या करया। इस तरियां तै मै माणस का बेट्टा भी उनकै हाथ्थां तै दुख ठाऊँगा।” 13 फेर चेल्यां नै
समझया के उसनै म्हारै तै यूहन्ना बपतिस्मा देणीये कै बाबत कह्या सै।

14 जिब वो भीड़ कै धोरै पोहचे, तो एक माणस उसकै धोरै आया, अर गोड्डे टेक कै कहण लाग्या,
15 “हे प्रभु, मेरे बेट्टे पै दया कर! क्यूँके उस ताहीं मिर्गी आवै सै, अर वो घणा दुख ठावै सै; अर
बार-बार आग म्ह अर बार-बार पाणी म्ह पड़ ज्या सै। 16 अर मै उसनै तेरे चेल्यां धोरै ल्याया था, पर
वे उसनै ठीक कोनी कर सके।”

17 यीशु नै जवाब दिया, “हे अबिश्वासी अर जिद्दी माणसों, मै कद ताहीं थारे गेल्या रहूँगा? कद
ताहीं थारी सहूँगा? उसनै उरै मेरै धोरै ल्याओ।” 18 फेर यीशु नै ओपरी आत्मा ताहीं धमकाया, वा
उस म्ह तै लिकड़ग्यी अर छोरा उस्से बखत ठीक होग्या।
19 फेर चेल्यां नै एक्ले म्ह यीशु कै धोरै आकै कह्या, “हम उसनै क्यांतै न्ही काढ सके?”
20 उसनै उनतै कह्या, “अपणे बिश्वास की कमी कै कारण, क्यूँके मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, जै थारा
बिश्वास राई कै दाणै कै बराबर भी हो, तो इस पहाड़ तै कह सकोगे, ‘उरै तै सरककै ओड़ै चल्या जा’,
तो वो चल्या जावैगा, अर कोए बात थारे खात्तर मुश्किल कोनी होवैगी।” 21 (पर या जात बिना
प्रार्थना अर ब्रत कै कोनी लिकड़दी।)
22 जिब वे गलील परदेस म्ह थे, तो यीशु नै उनतै कह्या, “मै माणस का बेट्टा माणसां कै हात्थां
म्ह पकड़वाया जाऊँगा। 23 वे मन्नै मार देवैगें, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” इसपै वे घणे
उदास होए।
24 जिब वे कफरनहूम पोहचे, तो मन्दर का कर लेण आळा नै पतरस कै धोरै आणकै बुझ्झया, “के
थारा गुरु, मन्दर का कर कोनी देंदा?”
25 उसनै कह्या, “हाँ, देवै सै।” जिब वो घरां आया, तो यीशु नै उसकै बुझ्झण तै पैहल्याए उसतै
कह्या, “हे शमौन, तू के सोच्चै सै? धरती के राजा चुंगी किन तै लेवै सै? अपणे बेटयाँ तै या बिगान्याँ
तै?”
26 पतरस नै उसतै कह्या “बिगान्याँ तै।” यीशु नै उसतै कह्या “तो बेट्टे बचगे। 27 तोभी इस खात्तर
के हम उननै ठोक्कर ना खुवावा, तू झील कै किनारे जाकै कांडा गेर, अर जो मच्छी पैहले लिकड़ै,
उसनै ले, उसका मुँह खोल्लण पै तेरे ताहीं एक सिक्का (जिसकी किम्मत चार दिन की मजदूरी कै
बराबर हो सै) मिलैगा, उस्से नै लेकै मेरै अर अपणे बदले म्ह दे दिये।”

18

1 उस घड़ी चेल्लें यीशु कै धोरै आकै बुझ्झण लाग्गे, “सुर्ग कै राज्य म्ह बड्ड़ा कौण सै?”
2 इसपै उसनै एक बाळक ताहीं धोरै बुलाकै उनकै बिचाळै खड्या करया, 3 अर कह्या, “मै थमनै
सच कहूँ सूं के जिब ताहीं थम न्ही बदलो अर बाळकां की ढाळ नम्र न्ही बणो, थम सुर्ग कै राज्य
म्ह बड़ न्ही सकदे। 4 जो कोए अपणे-आपनै इस बाळक की ढाळ छोट्टा करैगा, वो सुर्ग कै राज्य
म्ह बड्ड़ा होवैगा। 5 अर जो कोए मेरै नाम तै एक इसे बाळक ताहीं अपणावै सै वो मन्नै अपणावै
सै।”
6 पर जो कोए इन छोटया बाळकां समान जो मेरै पै बिश्वास करै सै, किसे तै भी पाप करवावै,
तो उसकै खात्तर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसकै गळ म्ह लटकाया जावै, अर वो
डून्घा समुन्दर म्ह डबोया जान्दा। 7 ठोकरां कै कारण दुनिया पै हाय! ठोकरां का लागणा जरूरी सै;
पर धिक्कार सै उस माणस पै जिसकै जरिये ठोक्कर लाग्गै सै। 8 जै तेरा हाथ या तेरा पैर तेरे तै पाप
करवावै सै, तो उसनै काटकै बगा दे, टुंडा या लंगड़ा होकै जीवन म्ह दाखल होणा इसतै भला सै के
दो हाथ या दो पैर रहंदे होए तू अनन्त आग म्ह गेरया जावै। 9 जै तेरी आँख तेरे तै पाप करवावै सै,
तो उस ताहीं लिकाड़कै फैक दे, काणा होकै अनन्त जीवन म्ह बड़णा तेरे खात्तर भला सै, ना के दो
आँख रहंदे होए तू नरक की आग म्ह गेरया जावै।
10 देक्खो, थम इन छोटया म्ह तै किसे नै तुच्छ ना जाणीयो, क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं के सुर्ग म्ह
उनके सुर्गदूत मेरे सुर्गीय पिता की मौजूदगी म्ह सदा रहवै सै। 11 (क्यूँके मै माणस का बेट्टा खोये
होया नै बचाण आया सूं।)
12 थारा इसके बारें म्ह के विचार सै? जै किसे माणस की सौ भेड़ हों, अर उन म्ह तै एक भटक
जावै, तो के वो निन्यानवे ताहीं छोड़कै, अर पहाड़ां पै जाकै, उस भटकी होई नै कोनी टोहवैगा?
13 अर जै इसा हो के उसनै पावै, तो मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, के वो उन निन्यानवे भेड्डां कै खात्तर

जो भटकी कोनी थी, इतणा आनन्द कोनी करैगा जितना के इस भेड़ कै खात्तर करैगा। 14 इस्से ढाळ
थारे पिता की जो सुर्ग म्ह सै या मर्जी कोनी के इन छोटयां म्ह तै एक भी नाश हो।

15 "जै तेरा बिश्वासी भाई तेरे खिलाफ कसूर करै, तो जा अर एक्ले म्ह बतळा कै उसनै समझा,
जै वो तेरी सुणकै पछतावै तो तन्नै अपणे भाई ताहीं पा लिया। 16 जै वो तेरी न्ही सुणै, तो एक या
दो जन नै अपणे गेल्या और ले जा, क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक 'हरेक बात दो या
तीन तै ज्यादा गवाह के स्याम्ही सच साबित हो जावै।' 17 जै वो उनकी भी न्ही मान्नै, तो कलीसिया
तै कह दे, पर जै वो कलीसिया की भी कोनी मान्नै तो तू यो समझ ले के वो गैर यहूदी अर चुंगी लेण
आळे जिसा सै।"

18 "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, जो कुछ थम धरती पै बांधोगे, वो सुर्ग म्ह बंधैगा अर जो कुछ थम
धरती पै खोल्लोगे, वो सुर्ग म्ह खुलैगा।"

19 "फेर मै थमनै कहूँ सूं, जै थारे म्ह तै दो जणे धरती पै किसे बात कै खात्तर एक मन होकै बिनती
करै, तो वा मेरे पिता की ओड़ तै जो सुर्ग म्ह सै, उनकै खात्तर हो जावैगी। 20 क्यूँके जड़े दो या तीन
मेरै नाम पै कठ्ठे होवै सै, ओड़ै मै उनकै बिचाळै म्ह होऊँ सूं।"

21 जिब पतरस नै धोरै आकै उसतै कह्या, "हे प्रभु, जै मेरा भाई कसूर करदा रहवै, तो मै कितनी
बार उस ताहीं माफ करुँ? के सात बार?"

22 यीशु नै उसतै कह्या, "मै तेरे तै यो न्ही कहन्दा के सात बार, बल्के सात बार के सत्तर गुणा तक
माफ करिये।"

23 "इस करकै सुर्ग के राज्य की तुलना इस उदाहरण तै करी जा सकै सै, किसे राजा नै अपणे नौकरां
का लेक्खा (ब्यौरा) लेणा चाह्या। 24 जिब वो लेक्खा लेण लाग्या, तो एक जणा उसकै स्याम्ही ल्याया
गया जो दस हजार तोड़े* का कर्जवान था। 25 जिब के चुकता करण नै उसकै धोरै कुछ कोनी था,
तो उसकै माल्लिक नै कह्या, 'यो अर इसकी घरआळी अर बाळ-बच्चे अर जो कुछ इसका सै सारा
बेच्या जावै, अर कर्ज चुकता करया जावै।' "

26 "इसपै उस नौक्कर नै उसके पायां म्ह पड़कै उस ताहीं कह्या, 'हे राजा धीरज धर, मै सारा कुछ
भर दियुँगा।' 27 इसपै राजा नै तरस खाकै उस नौक्कर ताहीं छोड़ दिया, अर उसका कर्जा भी माफ
कर दिया।"

28 "पर जिब वो नौक्कर बाहरणै लिकड़या, तो उसके साथ के नौकरां म्ह तै एक उसतै मिल्या जो
उसके सौ दीनार (100 दिन की मजदूरी) का कर्जदार था; उसनै पकड़कै उसका गळा घोटया अर
कह्या, 'जो कुछ मेरा तेरे पै कर्ज सै भर दे।' "

29 "इसपै उसका साथ का नौक्कर पायां म्ह पड़कै उसतै बिनती करण लाग्या, 'धीरज धर, मै सारा
कुछ भर दियुँगा।' "

30 वो न्ही मान्या, पर जाकै उस ताहीं जेळ म्ह गेर दिया के जिब ताहीं कर्जा ना भर दे, तब तक
ओड़ैए रहवै। 31 उसके गेल्या के नौक्कर यो जो होया था देखकै घणे उदास होए, अर जाकै अपणे
राजा ताहीं पूरा हाल बता दिया।

32 "फेर राजा नै उस ताहीं बुलाकै उसतै कह्या, 'हे दुष्ट नौक्कर, तन्नै जो मेरै तै बिनती करी, तो
मन्नै तेरा वो सारा कर्जा माफ कर दिया। 33 ज्यांतै जिस ढाळ मन्नै तेरे पै दया करी, उस्से तरियां के
तन्नै भी अपणे साथ के नौक्कर पै दया न्ही करणी चाहिये थी?' 34 अर उसकै माल्लिक नै छो म्ह
आकै उस ताहीं दण्ड देणआळे के हाथ्थां म्ह सौप दिया, के जिब ताहीं वो सारा कर्जा भर न्ही देवै,
तब तक उनकै हाथ्थां म्ह रहवै।

35 "इस्से ढाळ जै थारे म्ह तै अपणे भाई नै ना माफ करै तो मेरा पिता जो सुर्ग म्ह सै थारे तै उसाए
करैगा।"

---

* **18:24** 18:24 (1 तोड़ा 15 साल की मजदूरी के बराबर सै)

19

1 जिब यीशु नै ये बात कह ली, तो गलील परदेस तै चल्या गया; अर यरदन नदी कै परली ओड़
यहूदिया परदेस म्ह आया। 2 फेर बड्डी भीड़ उसकै पाच्छै हो ली, अर उसनै ओड़ै उन ताहीं चंगा
करया।
3 फेर फरीसी उसनै परखण खात्तर धोरै आकै बोल्ले, "के किसे भी कारण तै अपणी घरआळी ताहीं
छोड़णा ठीक सै?"
4 उसनै जवाब दिया, "के थमनै न्ही पढ़या के जिसनै उन ताहीं बणाया, उसनै शरुआत तै नर अर
नारी बणाकै कह्या, 5 इस कारण माणस अपणे माँ-बाप तै न्यारा होकै अपणी घरआळी कै गेल्या
रहवैगा अर वे दोन्नु एकए तन होवैगें? 6 इस करकै इब वे दो न्ही, पर एक तन सै। इस करकै जिन
ताहीं परमेसवर नै जोड़या सै, उन ताहीं माणस न्यारा ना करै।"
7 उननै उसतै कह्या, "फेर मूसा नबी नै यो क्यातै ठहराया के तलाक देकै उस ताहीं छोड़दे?"
8 उसनै उनतै कह्या, "मूसा नबी नै थारे मन की कठोरता कै कारण थारे तै अपणी-अपणी घरआळी
ताहीं छोड़ देण का हुकम दिया, पर शरुआत म्ह इसा कोनी था। 9 अर मै थमनै कहूँ सूं, के जो कोए
जारी नै छोड़कै और किसे कारण तै अपणी घरआळी नै छोड़कै दुसरा ब्याह करै, वो जारी करै सै,
जो उस छोड्डी होई तै ब्याह करै, वो भी जारी करै सै।"
10 चेल्यां नै यीशु तै कह्या, "जै माणस का बिरबान्नी कै गेल्या इसा सम्बन्ध सै, तो ब्याह करणा
आच्छा कोनी।"
11 यीशु नै उनतै कह्या, "हरेक कोए इन उपदेशां पै चाल न्ही सकदे, सिर्फ वे जिन ताहीं या शक्ति
देई गई सै। 12 क्यूँके कुछ नपुंसक इसे सै, जो माँ के पेट या गर्भ ए तै इसे जन्मे; अर कुछ नपुंसक
इसे सै, जिन ताहीं माणस नै नपुंसक बणाया; अर कुछ नपुंसक इसे सै, जिन नै सुर्ग कै राज्य कै
खात्तर खुद ताहीं नपुंसक बणाया सै। जो इस बात ताहीं समझ सकै सै, वे समझ ले।"
13 फेर माणस बाळकां नै उसकै धोरै ल्याए, के वो उनकै उप्पर हाथ धरै अर प्रार्थना करै; पर
चेल्यां नै उन ताहीं धमकाया।
14 यीशु नै कह्या, "बाळकां नै मेरै धोरै आण द्यो, अर उन ताहीं मना मतना करो, क्यूँके सुर्ग का
राज्य इसाए का सै।" 15 अर वो उनपै हाथ धरकै ओड़ै तै चल्या गया।
16 एक माणस यीशु कै धोरै आया अर उसतै कह्या, "हे गुरु, मै कौण सा भला काम करुँ के अनन्त
जीवन पाऊँ?"
17 यीशु नै उसतै कह्या, "तू मेरै तै भलाई कै बाबत क्यातै बुझ्झै सै? भला तो एकैए सै, पर जै तू
जीवन म्ह दाखल होणा चाहवै सै, तो हुकमां नै मान्या कर।"
18 उसनै यीशु तै कह्या, "कौण-से हुकम?" यीशु बोल्या, "खून ना करियो, जारी ना करियो, चोरी
ना करियो, झूठ्ठी गवाही ना दियो, 19 अपणे माँ-बाप का आदर करियो, अर अपणे पडौसी तै अपणे
जिसा प्यार राखियो।"
20 उस जवान नै उसतै कह्या, "इन सारया ताहीं तो मन्नै मान्या सै, इब मन्नै किस बात की कमी
सै?"
21 यीशु नै उसतै कह्या, "जै तू सिध्द होणा चाहवै सै तो जा, अपणा सारा माळ बेचकै कंगालां
ताहीं दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा; अर आकै मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।"
22 पर वो जवान या बात सुणकै उदास होकै चल्या गया, क्यूँके वो घणा साहूकार था।
23 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के साहूकार का सुर्ग के राज्य म्ह
बड़णा ओक्खा सै। 24 थारे ताहीं फेर कहूँ सूं के जिस तरियां तै ऊँट का सूई कै मोरै म्ह तै लिकड़णा
आसान हो सकै सै। पर परमेसवर के राज्य म्ह साहूकार का बड़णा भोत मुश्किल सै।"
25 न्यू सुणकै चेल्यां नै हैरान होकै कह्या, "फेर किसका उद्धार हो सकै सै।"
26 यीशु नै उनकी ओड़ लखाकै कह्या, "माणसां तै तो यो कोनी हो सकदा, पर परमेसवर तै सारा
कुछ हो सकै सै।"

27 इसपै पतरस नै उसतै कह्या, “देख, हम तो सारा कुछ छोड़कै तेरे पाच्छै हो लिए सा: तो हमनै
के मिलैगा?”
28 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के नयी सृष्टि म्ह जिब माणस का बेट्टा अपणी
महिमा के सिंहासन पै बैठैगा, तो थम भी जो मेरै पाच्छै हो लिए सो, बारहां सिंहासनां पै बैठकै
इस्राएल के बारहां गोत्रां का न्याय करोगे। 29 अर जिस किसे नै घर, या भाई-भाण, या माँ-बाप,
या बाळ-बच्चे, या खेत्तां ताहीं मेरै नाम कै खात्तर छोड़ दिया सै, उस ताहीं सौ गुणा मिलैगा, अर
वो अनन्त जीवन का हकदार होवैगा। 30 पर भोत-से जो पैहले सै, पाच्छले होंगे; अर जो पाच्छले
सै, पैहले होंगे।”

20

1 यीशु नै अपणे चेल्यां ताहीं सिखाण खात्तर एक और उदाहरण दिया, “सुर्ग का राज्य किसे घर
के माल्लिक की ढाळ सै, जो तड़कैए लिकड़या के अपणे अंगूर के बाग म्ह मजदूरां नै लावै। 2 वो
मजदूरां नै एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) रोज की दिहाड़ी पै ल्याया अर उननै अपणे अंगूर के
बाग म्ह भेज्या।”
3 “फेर सबेरै के नौ बजे पाच्छै उसनै लिकड़कै और माणसां ताहीं बजार म्ह खड़े देख्या, 4 अर
उसनै कह्या, ‘थम भी अंगूर के बाग म्ह जाओ, अर मै एक दिन की जो भी मजदूरी थारी बणै सै वा
थमनै दियुँगा।’ अर वे भी काम पै चले गये। 5 फेर उसनै बारहां बजे अर तीन बजे कै लोवै लिकड़कै
उस्से तरियां करया। 6 तकरीबन पाँच बजे फेर वो अपणे घर तै गया अर उसनै फेर कई माणसां ताहीं
ओड़ै खड़े देख्या, अर उसनै कह्या, ‘थम क्यांतै सारे दिन उरै बेकार खड़े रहो सों?’ उननै उसतै कह्या,
‘ज्यांतै के किसे नै म्हारै ताहीं मजदूरी पै कोनी लगाया।’ ”
7 “उसनै उनतै कह्या, ‘थम भी मेरे अंगूर के बाग म्ह काम करण खात्तर जाओ।’ ”
8 “साँझ नै अंगूर के बाग के माल्लिक नै अपणे भण्डारी तै कह्या, ‘मजदूरां ताहीं बुलाकै पाच्छल्यां
तै लेकै पैहल्या ताहीं उननै मजदूरी दे-दे।’ ”
9 “जो पाँच बजे लगाये थे, उन ताहीं एक-एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) मिल्या। 10 जो
पैहल्या आये उननै यो सोच्या के म्हारै ताहीं घणा मिलैगा, पर उननै भी एक-एक दीनार (एक दिन
की मजदूरी) ए मिल्या। 11 मजदूरी तो उननै ले ली पर वे अंगूर के बाग के माल्लिक पै बिरड़ाकै
कहण लाग्गे, 12 ‘जो पाच्छै लाग्गे थे, उननै बस एक घंटा काम करया, अर तन्नै म्हारै ताहीं भी
उतनाए दिया जितना उन ताहीं, जिब के हमनै दिन-भर बोझ ठाया अर घाम सहया?’ ”
13 “बाग के माल्लिक नै उन म्ह तै एक ताहीं जवाब दिया, ‘हे दोस्त, मन्नै तेरे गैल कोए अन्याय
कोनी करया। के तन्नै ए मेरै तै एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) कोनी तय करया था? 14 जो तेरा
सै, ठा ले अर चल्या जा; मेरी मर्जी, के जितना तन्नै दियुँ उतनाए इस पाच्छले ताहीं भी दियुँ। 15 के
यो ठीक कोनी के मै अपणे धन का जो चाहूँ वो करुँ? के मेरै भले होण कै कारण तू कड़वी नजर तै
देक्खै सै?’ ”
16 “इस तरियां तै जो पाच्छले सै, वे पैहले होंगे, जो पैहले सै, पाच्छले होवैगें।”
17 जब यीशु अपणे बारहां चेल्यां गैल यरुशलेम नगर म्ह जाण लागरया था तो उन ताहीं एकान्त
म्ह लेग्या, अर राह म्ह चालते-चालते उनतै बोल्या, 18 “देक्खो, हम यरुशलेम नगर म्ह जावां सा;
अर मै माणस का बेट्टा प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ कै हाथ्थां पकड़वाया जाऊँगा, वे मेरे खात्तर
मौत की सजा तय करैगें। 19 अर मेरे ताहीं गैर यहूदियाँ कै हाथ्थां म्ह सौपैगें, वे मेरा मजाक उड़ावैगें,
कोड़े मारैगें, क्रूस पै चढ़ावैगें, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।”
20 फेर जब्दी कै बेटयाँ की माँ नै, अपणे बेटयाँ कै गेल्या यीशु कै धोरै आकै प्रणाम करया, अर
उसतै कुछ माँगण लाग्गी।
21 यीशु नै उसतै कह्या, “तू के चाहवै सै?” वा यीशु तै बोल्ली, “मन्नै वचन दे, के मेरे ये दो बेट्टे
तेरे राज्य म्ह एक तेरे सोळे अर दुसरा तेरे ओळै कान्ही बेठ्ठै।”

22 यीशु नै जवाब दिया, “थमनै न्ही बेरा के थम के माँग्गो सों। जो दुख का कटोरा मै पीण पै सूं,
के थम वो दुख का कटोरा पी सको सो?” उननै उस ताहीं कह्या, “पी सकां सा।”
23 उसनै उनतै कह्या, “थम मेरे दुख का कटोरा तो पी ल्योगे, पर अपणे सोळे अर ओळै कान्ही
किसे ताहीं बिठाणा मेरा काम कोनी, पर जिनकै खात्तर मेरै पिता की ओड़ तै त्यार करया गया, उननै
ए खात्तर सै।”
24 न्यू सुणकै दसो चेल्लें उन दोन्नु भाईयाँ पै छो करण लाग्गे। 25 यीशु नै उन ताहीं धोरै बुलाकै
कह्या, “थम जाणो सो के गैर यहूदियाँ के हाकिम उनपै राज करै सै; अर जो बड़े सै, वे उनपै हक
जमावै सै। 26 पर थारे म्ह इसा कोनी होवैगा; जो कोए थारे म्ह बड्ड़ा होणा चाहवै, वो थारा सेवक
बणै, 27 अर जो थारे म्ह प्रधान होणा चाहवैं, वो दास बणै, 28 जिसा के मै माणस का बेट्टा, ज्यांतै
कोनी आया के मेरी सेवा-पाणी करी जावै, पर ज्यांतै आया के खुद सेवा-पाणी करुँ, अर घणखरयां के
छुटकारै कै खात्तर अपणी जान देऊँ।”
29 जिब वे यरीहो नगर तै लिकड़ै थे, तो एक बड्डी भीड़ यीशु कै पाच्छै हो ली। 30 अर दो आन्धे,
जो सड़क कै किनारे बेठ्ठे थे, न्यू सुणकै के यीशु जाण लागरया सै, रुक्का मारकै कहण लाग्गे, “हे
प्रभु, हे दाऊद की ऊलाद, म्हारै पै दया कर।”
31 माणसां नै उन ताहीं धमकाया के बोल-बाल्ले रहवै; पर वे और भी रुक्के मारकै बोल्ले, “हे प्रभु,
दाऊद की ऊलाद, म्हारै पै दया कर।”
32 फेर यीशु नै खड़े होकै, उन ताहीं बुलाया अर कह्या, “थम के चाहवो सो के मै थारे खात्तर करुँ?”
33 उननै उसतै कह्या, “हे प्रभु, योए के हम देक्खण लाग जावां।”
34 यीशु नै तरस खाकै उनकी आँखां पै हाथ लगाया, अर वे जिब्बे देखण लाग्गै; अर उसकै पाच्छै
हो लिये।

21

1 जिब वे यरुशलेम नगर कै लोवै पोहचे अर जैतून पहाड़ पै बैतफगे गाम कै धोरै आये, तो यीशु
नै दो चेल्यां ताहीं न्यू कहकै भेज्या, 2 “स्याम्ही कै गाम म्ह जाओ। ओड़ै पोहोचदये एक गधी बंधी
होई, अर उसकै गेल्या बच्चा थमनै मिलैगा। उननै खोल कै मेरै धोरै ल्याओ। 3 जै थारे तै कोए कुछ
कहवै, तो कहियो के प्रभु नै इसकी जरूरत सै, अर वो तोळा उसनै भेज देवैगा।”
4 यो ज्यांतै होया के जो वचन नबी के जरिये कह्या गया था, वो पूरा हो
5 “यरुशलेम के लोग्गां तै कहो, ‘देख, थारा राजा थारे धोरै आवै सै; वो नम्र सै, अर गधे पै बेठ्या
सै; बल्के गधी के बच्चे पै।’ ”
6 चेल्यां नै जाकै, जिसा यीशु नै उनतै कह्या था, उस्से तरियां करया। 7 अर गधी अर बच्चे ताहीं
ल्याकै, उसपै अपणे लत्ते गेरे, अर वो उसपै बैठग्या। 8 फेर घणखरे माणसां नै अपणे लत्ते राह म्ह
बिछाये, अर माणसां नै दरखतां तै डाळियाँ काटकै राह म्ह बिछाई।
9 जो भीड़ आग्गै-आग्गै अर पाच्छै-पाच्छै चाल्ली आवै थी, रुक्के मार-मारकै कहवै थी, “दाऊद
की ऊलाद ताहीं होशाना*, धन्य सै वो जो प्रभु के नाम तै आवै सै, अकास म्ह होशाना।”
10 जिब वो यरुशलेम म्ह बड़या, तो सारे नगर म्ह खलबल्ली माचगी, अर माणस कहण लाग्गे,
“यो कौण सै?”
11 माणसां नै कह्या, “यो गलील परदेस के नासरत नगर का नबी यीशु सै।”
12 यीशु नै परमेसवर कै मन्दर म्ह जाकै उन सारया ताहीं, जो मन्दर म्ह लेण-देण कररे थे, काढ
दिया, अर सर्राफां (पईसा का लेण देण करण आळे) के पीढ़े अर कबूतर बेचणीयाँ की चौकियाँ उल्ट
दी; 13 अर उनतै कह्या, “लिख्या सै, ‘मेरा घर प्रार्थना का घर कुह्वावैगा’; पर थम उसनै डाकुवां की
गुफा बणाओ सो।”

---

* **21:9** 21:9 होशाना परमेसवर म्हारे ताहीं बचाओ

14 फेर आन्धे अर लंगड़े, मन्दर म्ह उसकै धोरै आये, अर उसनै उन ताहीं ठीक करया। 15 पर जिब
प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ नै इन अनोक्खे काम्मां ताहीं, जो उसनै करे, अर छोरयां ताहीं मन्दर
म्ह दाऊद की ऊलाद ताहीं होशाना रुक्के मारदे देख्या, तो वे छो म्ह भरगे,
16 अर उसतै कहण लाग्गे, "के तू सुणै सै के ये के कहवै सै?" यीशु नै उनतै कह्या, "हाँ; के थमनै
यो कदे कोनी पढ्या: 'बाळकां अर दूध पीन्दे बच्चां कै मुँह तै तन्नै घणी जै-जै कार कराई?' "
17 फेर वो उननै छोड़कै नगर कै बाहरणै आकै बैतनिय्याह गाम म्ह गया अर ओड़ै रात बिताई।
18 तड़कैए जिब वो नगर नै बोहड़ण लागरया था तो उसनै भूख लाग्गी। 19 सड़क कै किनारै अंजीर
का एक दरखत देखकै वो उसकै धोरै गया, अर पत्त्या नै छोड़ उस म्ह और कुछ ना पाकै उसतै कह्या,
"इब तै तेरे म्ह फेर कदे फळ कोनी लाग्गै।" अर अंजीर का दरखत जिब्बे सूखग्या।
20 न्यू देखकै चेल्यां नै हैरानी होई अर उननै कह्या, "यो अंजीर का दरखत जिब्बे किस तरियां
सूखग्या?"
21 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, जै थम बिश्वास राक्खो अर शक ना
करो, तो ना केवल यो करोगे जो इस अंजीर कै दरखत गेल्या करया गया सै, पर जै इस पहाड़ नै
कहोगे, 'उखड़ जा, अर समुन्दर म्ह जा पड़', तो यो भी हो जावैगा। 22 अर जो कुछ थम प्रार्थना
म्ह बिश्वास तै माँगोगे वो सारा थमनै मिलैगा।"
23 वो मन्दर जाकै उपदेश देवै था, तो प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै उसकै धोरै आकै
बुझ्झया, "तू ये काम किसकै हक तै करै सै? अर तेरे ताहीं यो हक किसनै दिया सै?"
24 यीशु नै उनतै जवाब दिया, "मै भी थारे तै एक बात बुझ्झु सूं; जै वो मन्नै बताओगे, तो मै भी
थमनै बताऊँगा के ये काम किस हक तै करुँ सूं;। 25 यूहन्ना का बपतिस्मा कित्त तै था? सुर्ग की ओड़
तै या माणसां की ओड़ तै?" फेर वे आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे, "जै हम कह्वां 'सुर्ग की ओड़ तै'
तो वो म्हारै तै कहवैगा, 'फेर थमनै उसका बिश्वास क्यांतै न्ही करया?' 26 अर जै कह्वां 'माणसां की
ओड़ तै' तो हमनै भीड़ का डर सै, क्यूँके वे सारे यूहन्ना ताहीं नबी मान्नै सै।"
27 फेर उननै यीशु ताहीं जवाब दिया, "हमनै न्ही बेरा।" यीशु नै भी उनतै कह्या, "तो मै भी थमनै
कोनी बतान्दा के ये काम किस हक तै करुँ सूं।"
28 "आच्छा बताओ थम इस बारें म्ह के कहो सो? के किसे माणस कै दो बेट्टे थे; उसनै पैहले कै
धोरै जाकै कह्या, 'हे बेट्टे, आज अंगूर कै बाग म्ह काम कर।' "
29 "पर बेट्टे नै जवाब दिया, 'मै कोनी जान्दा', पर कुछ बखत के बाद अपणे दिए होए जवाब पै
उसनै भोत पछतावा होया अर वो चल्या गया।"
30 "फेर पिता नै दुसरे कै धोरै जाकै न्यूए कह्या, उसनै जवाब दिया, 'जी हाँ जाऊँ सूं', पर कोनी
गया।"
31 "इन दोनुवां म्ह तै किसनै पिता की मर्जी पूरी करी?" उननै कह्या, "पैहले नै।" यीशु नै उनतै
कह्या, "मै थारे तै साच्ची कहूँ सूं के चुंगी लेण आळे अर बेश्याएँ थारे तै पैहल्या परमेसवर के राज्य
म्ह दाखल हो जावैंगे। 32 यो मै इस खात्तर कहूँ सूं क्यूँके यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा धर्म की
राह दिखान्दे होए थारे धोरै आया, अर थमनै उसका बिश्वास कोनी करया; पर चुंगी लेण आळे अर
बेश्यायाँ नै उसका बिश्वास करया अर थमनै न्यू देखकै भी पाप करणा कोनी छोड्या अर ना ए
उसका बिश्वास करया।"
33 एक और उदाहरण सुणो एक घर का माल्लिक था, जिसनै अंगूर का बाग लगाया, अर उसकै
चौगरदे नै बाड़ा बाँधया, अर रस का कुण्ड खोद्या, अर रुखाळ खात्तर एक मचान बणाया; अर
किसानां ताहीं उसका ठेक्का देकै परदेस चल्या गया। 34 जिब फळ का बखत लोवै आया, तो उसनै
अपणे नौकरां ताहीं उसका फळां का हिस्सा लेण नै किसानां धोरै भेज्या।
35 पर किसानां नै उसके नौकरां ताहीं पकड़कै, किसे ताहीं छेत्या, अर किसे ताहीं मार दिया, अर
किसे पै पत्थर बरसाए। 36 फेर उसनै पैहल्या तै घणे और नौकरां ताहीं भेज्या, अर उननै भी उस्से

तरियां करया। 37 आखर म्ह उसनै अपणे बेट्टे ताहीं उनकै धोरै न्यू सोचकै भेज्या के वे मेरै बेट्टे की
इज्जत करैगें
38 "पर किसानां नै बेट्टे ताहीं देखकै आप्पस म्ह कह्या, 'यो तो वारिस सै, आओ, इसनै मार देवा
अर इसकी विरासत ले लेवां।' " 39 अर उननै उस ताहीं पकड्या अर अंगूर के बाग तै बाहरणै काढकै
मार दिया।
40 "इस करकै जिब अंगूर के बाग का माल्लिक आवैगा, तो उन किसानां कै गेल्या के करैगा?"
41 उननै उसतै कह्या, "वो उन भुन्ड़े माणसां का भुंडी ढाळ नाश करैगा; अर अंगूर के बाग का
ठेका दुसरे किसानां ताहीं देवैगा, जो बखत पै उस ताहीं फळ दिया करैगें।"
42 यीशु नै उनतै कह्या, "के थमनै कदे भी पवित्र ग्रन्थ म्ह यो कोनी पढ्या: 'जिस पत्थर ताहीं
राजमिस्त्रियाँ नै बेकार ठहराया था, वोए कुणे के सिरे का पत्थर होग्या? यो प्रभु की ओड़ तै होया,
अर म्हारी निगांह म्ह अनोक्खा सै।' "
43 "ज्यांतै मै थमनै कहूँ सूं के परमेसवर का राज्य थारे तै ले लिया जावैगा अर इसी जात ताहीं
दिया जावैगा, जो उसका आच्छा फळ ल्यावै सै। 44 जो इस पत्थर पै पड़ैगा, वो चकणाचूर हो
जावैगा; अर जिसपै वो पड़ैगा, उसनै पिस देवैगा।"
45 प्रधान याजक अर फरीसी उसके उदाहरणां नै सुणकै समझगे, के वो उनकै बाबत कहवै सै।
46 अर उननै उस ताहीं पकड़णा चाह्या, पर माणसां तै डरगे क्यूँके वे उसनै नबी मान्नै थे।

22

[illegible]

1 इसपै यीशु फेर उनतै उदाहरणां म्ह कहण लाग्या,
2 "सुर्ग का राज्य उस राजा की ढाळ सै, जिसनै अपणे बेट्टे का ब्याह करया। 3 अर उसनै अपणे
नौकरां ताहीं भेज्या, के न्योंदे होड़ माणसां ताहीं ब्याह के जिमणे म्ह बुलावै; पर उननै आणा न्ही
चाह्या।"
4 "फेर उसनै और नौकरां ताहीं न्यू कहकै भेज्या, 'न्योंदे होड़ माणसां ताहीं कहो देक्खों, मन्नै
भोज त्यार कर लिया सै, अर मेरे बळध अर पळे होड़ डान्गर काट लिये सै: सारा कुछ त्यार सै;
ब्याह के जिमणे म्ह आओ।' "
5 पर वे बेपरवाह होकै चले गये, कोए अपणे खेत्तां म्ह, कोए अपणे धन्धे पै। 6 और कई माणसां नै
तो राजा के नौकरां ताहीं पकड़कै उनकी बेजती करी अर उन ताहीं मार दिया। 7 जिब राजा नै यो
सुण्या तो छो म्ह भरग्या, अर अपणी पलटन भेजकै उन हत्यारा का नाश करया, अर उनके नगर
फूँक दिए।
8 फेर राजा नै अपणे नौकरां तै कह्या, ब्याह का भोज तो त्यार सै, पर के न्योंदे होड़ माणस इस
जोग्गे कोनी ठहरे। 9 इस करकै चौराहयाँ पै जाओ, अर जितने माणस थमनै मिलै, सारया ताहीं
ब्याह कै भोज म्ह बुला ल्याओ। 10 इस तरियां उसके नौकरां नै सड़कां पै जाकै के भुन्ड़े, के आच्छे,
जितने मिले सारया ताहीं कठ्ठा करया; ब्याह का घर मेहमानां तै भरग्या।
11 जिब राजा मेहमानां नै देखण भीत्तर आया, तो उसनै ओड़ै एक माणस ताहीं देख्या, जो ब्याह
आळे लत्ते कोनी पहररया था। 12 उसनै उसतै बुझ्झया, हे दोस्त, तू ब्याह म्ह पैहरे जाण आळे लत्ते
पहरे बिना उरै क्यातै आ ग्या। उसका मुँह बन्द होग्या।
13 फेर राजा नै नौकरां तै कह्या, इसके हाथ-पैर जुड़कै उस ताहीं बाहरणै अन्धेरे म्ह गेर द्यो, ओड़ै
रोणा, अर दाँत पिसणा होवैगा।
14 "क्यूँके बुलाये होड़ तो घणे सै पर चुणे होए कम सै।"
15 फेर फरीसियाँ नै आकै आप्पस म्ह विचार करया, के उसनै किस ढाळ बात्तां म्ह फसावा। 16 इस
तरियां उननै अपणे चेल्यां ताहीं हेरोदेस राजा के समर्थकां कै गेल्या उसकै धोरै न्यू कहण नै भेज्या,
"हे गुरु, हमनै बेरा सै, के तू साच्चा सै, अर परमेसवर की राह सच्चाई तै सिखावै सै; अर किसे की

परवाह कोनी करदा, क्यूँके तू माणसां का मुँह देखकै बात कोनी करदा। 17 इस करकै हमनै बता तन्नै
के समझ आवै सै? कैसर तै चुंगी देणा ठीक सै के न्ही।"

18 यीशु नै उनका कपट जाणकै कह्या, "हे कपटियों, मन्नै क्यांतै परखो सो? 19 कर का सिक्का मेरै
ताहीं दिखाओ।" फेर उसकै धोरै एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) लियाये। 20 उसनै उनतै कह्या,
"या छाप अर नाम किसका सै?"

21 उननै उसतै कह्या, "कैसर का।" फेर उसनै उनतै कह्या, "जो कैसर का सै, वो कैसर ताहीं; अर
जो परमेसवर का सै, वो परमेसवर ताहीं द्यो।"

22 न्यू सुणकै उननै हैरानी होई, उस ताहीं छोड़कै चले ग्ये।

23 उस्से दिन सदूकी जो कहवै सै के मरे होया का दुबारा जिन्दा उठणा सै ए कोनी, उसकै धोरै
आये अर उसतै बुझ्झया, 24 "हे गुरु, मूसा नबी नै कह्या था के जै कोए माणस बेऊलादा मर जावै,
तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह करकै अपणे भाई कै खात्तर पीढ़ी पैदा करै। 25 इब म्हारै
उरै सात भाई थे; पैहल्ड़ा ब्याह करकै मरग्या, अर ऊलाद ना होण कै कारण अपणी घरआळी अपणे
भाई कै खात्तर छोड़ ग्या। 26 इस्से तरियां दुसरे अर तीसरे नै भी करया, अर सातुवां तक योए होया।
27 सारया पाच्छै वा बिरबान्नी भी मरगी। 28 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा सातुवां म्ह तै किसकी
घरआळी होवैगी? क्यूँके वा सारया की घरआळी बण ली थी।"

29 यीशु नै उनतै जवाब दिया, "थारी गलती या सै के थम पवित्र ग्रन्थ अर परमेसवर की सामर्थ
नै न्ही जाणते। 30 क्यूँके मरकै जिन्दा हो जाणकै बाद ब्याह शादी कोनी होन्दी, पर सुर्ग म्ह परमेसवर
के सुर्गदूत्तां की ढाळ होवैगें। 31 पर मरकै जिन्दा हो जाणकै बाबत के थमनै यो वचन कोनी पढ़्या
जो परमेसवर नै थारे तै कह्या 32 'मै अब्राहम का परमेसवर, अर इसहाक का परमेसवर, याकूब का
परमेसवर सूं'? वो मरे होया का न्ही, पर जिन्दा का परमेसवर सै।"

33 न्यू सुणकै माणस उसके उपदेश तै हैरान होए।

34 जिब फरीसियाँ नै सुण्या के यीशु नै सदूकियाँ का मुँह बन्द कर दिया, तो वे कठ्ठे होए।
35 शास्त्री समाज के माणसां म्ह तै एक नै उस ताहीं परखण कै खात्तर उसतै बुझ्झया, 36 "हे गुरु,
नियम-कायदा म्ह कौण सा हुकम बड्ड़ा सै?"

37 यीशु नै उसतै कह्या, "तू परमेसवर अपणे प्रभु तै अपणे पूरे मन अर अपणे सारे प्राण अर
अपणी सारी बुद्धि के साथ प्यार राख। 38 पैहला अर बड्ड़ा हुकम तो योए सै। 39 अर उस्से जिसा
यो दुसरा भी सै के तू अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार राख। 40 ये दो हुकम सारे नियम-कायदे अर
नबियाँ का निचोड़ (आधार) सै।"

41 जिब फरीसी कठ्ठे थे, तो यीशु नै उनतै बुझया, 42 "मसीह कै बारै म्ह थम के सोच्चो सो? वो
किसका बेट्टा सै?" उननै यीशु तै कह्या, "दाऊद का।"

43 यीशु नै उनतै बुझया, "तो दाऊद आत्मा म्ह होकै उसनै प्रभु क्यांतै कहवै सै?"

44 " 'प्रभु नै, मेरै प्रभु तै कह्या, मेरै सोळे कान्ही बैठ, जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ ताहीं तेरे पायां
म्ह ना झुका दियुँ।' "

45 "भला, जिब दाऊद उसनै प्रभु कहवै सै, तो वो उसका बेट्टा किस ढाळ होया?" 46 उसके
जवाब म्ह कोए भी एक बात न्ही कह सक्या। पर उस दिन तै दुबारै उसतै कीमे और बुझ्झण की
हिम्मत कोनी करी।

23

1 फेर यीशु नै भीड़ तै अर अपणे चेल्यां ताहीं कह्या, 2 "शास्त्री अर फरीसी माणसां नै मूसा नबी
के नियम-कायदे सिखाण का हक सै; 3 ज्यांतै वे थारे तै जो कुछ कहवै वो करियो अर मानियो, पर उन
जिसे काम ना करियो; क्यूँके वे सिखावै तो सै पर खुद करदे कोनी। 4 वे थारे पै कई नियम लाग्गू करै

सै जिसका पालन करणा ओक्खा सै, वे माणसां नै उनपै चाल्लण खात्तर मजबूर करै सै; पर वे खुद
अपणे नियमां नै कोनी मानते।”
5 वे अपणे सारे काम माणसां ताहीं दिखाण कै खात्तर करै सै: वे अपणे ताबिजां नै चौड़ा करै सै
जिनपै वे पवित्र ग्रंथ के वचन लिखकै शरीर पै बाँधले सै, अर अपणे लत्यां की झाल्लर बधावै सै,
ताके लोग उननै धर्मी समझै। 6 भोज म्ह खास-खास जगहां, अर आराधनालयाँ के खास-खास जगहां
बैठणा, 7 बजारां म्ह नमस्कार, अर माणसां म्ह गुरु कुह्वाणा उननै भावै सै।
8 पर थम गुरु ना कुह्वाणा, क्यूँके थारा एके गुरु सै, अर थम सारे भाई-भाण के समान सों। 9 धरती
पै किसे नै अपणा पिता ना कहियो, क्यूँके थारा एके आत्मिक पिता सै, जो सुर्ग म्ह सै। 10 अर स्वामी
भी ना कुह्वाणा, क्यूँके थारा एके माल्लिक सै, यानिके मसीह। 11 जो थारे म्ह बड्ड़ा हो, वो थारा
सेवक या नौक्कर बणै। 12 जो कोए अपणे-आपनै बड्ड़ा बणावैगा, वो छोट्टा करया जावैगा: अर
जो कोए अपणे-आपनै छोट्टा बणावैगा, वो बड्ड़ा करया जावैगा।
13 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम माणसां कै खात्तर सुर्ग राज्य का
बारणा बन्द करो सो, ना तो थम खुद उस म्ह दाखल होवो सो अर ना उस म्ह दाखल होण आळा
नै दाखल होण द्यो सो। 14 (हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम बिधवा के
घरां नै खा जाओ सो, अर अपणे-आपनै धर्मी दिखाण खात्तर घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहो सो:
ज्यांतै थारे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै घणा दण्ड मिलैगा।)
15 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम एक माणस ताहीं अपणे पंथ म्ह
ल्याण कै खात्तर दूर-दूर ताहीं हान्डो सो, अर जिब वो पंथ म्ह आ जावै सै, तो खुद तो नरक म्ह
जाओ सों पर दुसरयां नै अपणे तै दुगणा नरक जाण का भाग्गी बणा द्यो सो।
16 हे आन्धे अगुवों, थारे पै धिक्कार सै! थम जो या शिक्षा द्यो सो, के जै कोए मन्दर की सूह
खावै तो किमे न्ही, पर जै कोए मन्दर कै सोन्ने की सूह खावै तो उसतै बन्द जावैगा। 17 हे बेअक्लो
अर आंध्यो, कौण बड्ड़ा सै; मन्दर का सोन्ना या वो मन्दर जिसनै उस सोन्ने ताहीं पवित्र बणाया
सै? 18 थम यो भी सिखाओ सो के जै कोए वेदी* की सूह खावै तो किमे न्ही, पर जो भेंट उसपै सै, जै
कोए उसकी कसम खावै तो बन्द जावैगा। 19 हे आंध्यो, कौण बड्ड़ा सै; भेंट या वेदी† जिसम्ह भेंट
पवित्र होवै सै? 20 इस करकै जो वेदी की कसम खावै सै, वो उसकी अर जो कुछ उसपै सै, उसकी
भी कसम खावै सै। 21 जो मन्दर की कसम खावै सै, वो परमेसवर जो उस म्ह रहवै सै, उसकी भी
कसम खावै सै। 22 जो सुर्ग की कसम खावै सै, वो परमेसवर कै सिंहासन की अर उसपै बैठण आळे
की भी कसम खावै सै।
23 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम पुदीने, सौंफ, जीरै का दसमां
हिस्सा तो द्यो सो, पर थमनै नियम-कायदा की गहरी बात्तां ताहीं यानिके न्याय, दया, अर वफादारी
का तिरस्कार करो सों; थमनै दसमां हिस्सा भी देणा चाहिये पर उन खास बात्तां नै भी नजरअंदाज
ना करो। 24 हे आन्धे अगुवों, थम छोट्टे-छोट्टे नियमां का पालन करण का तो भोत ध्यान राक्खों
सों, जिस तरियां पाणी म्ह तै माच्छर ताहीं तो छाण ल्यो सो, पर परमेसवर के खास हुकम का पालन
कोनी करते, जो ऊँट नै निगळ जाणकै समान सै।
25 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! क्यूँके थम लालची अर स्वार्थी सों,
पर थम अपणे-आपनै पवित्र राक्खण का ढोंग करो सों, इस खात्तर थम उन कटोरे अर थाळी के
समान सों जो उप्पर तै तो साफ सै पर भित्तर तै वे गन्दे सै। 26 हे आन्धे फरीसियों, पैहल्या माणस नै
लूटणा बन्द करो जिब्बे थम धर्म के काम का पालन कर पाओगे अर फेर थम उस कटोरे अर थाळी
के समान होवैगें जो भीत्तर बाहर तै भी साफ हों सै। 27 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे
पै धिक्कार सै! थम चुन्ने फिरी होई कब्रां के जिसे सो जो उप्पर तै तो सुथरी दिक्खै सै, पर भीत्तर

---

* **23:18** 23:18 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां † **23:19** 23:19 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

मुर्दां की हाड्डियाँ अर सारे ढाळ की गन्दगी तै ढुकी होई सै। 28 इस्से तरियां तै थम भी उप्पर तै
माणसां ताहीं धर्मी दिक्खो सो, पर भीत्तर अधर्म अर कपट तै भरे सो।

29 हे कपटी शास्त्रियो अर फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम उन नबियाँ की कब्र समारो सो
अर धर्मियाँ की कब्र सजाओ सो, जिन ताहीं थारे पूर्वजां नै मारा था। 30 "अर कहो सो, 'जै हम
अपणे बाप-दाद्यां के दिनां म्ह होन्दे तो नबियाँ की हत्या म्ह उनके साझ्झी कोनी होन्दे।' 31 इसतै तो
थम अपणे आप ए या गवाही द्यो सो के थम नबियाँ के हत्यारां के वंशज सो। 32 ठीक सै थम अपणे
पूर्वजां कै पाप का घड़ा भरते जाओ।"

33 हे साँप के सप्पोलों जिसे माणसों, थम नरक की सजा तै किस ढाळ बचोगे? 34 इस करकै देक्खो,
मै थारे धोरै नबियाँ अर समझदार अर शास्त्रियाँ ताहीं भेज्जू सूं, अर थम उन म्ह तै कुछां नै मार
द्योगे अर क्रूस पै चढ़ावोगे, अर कुछां नै अपणे आराधनालयाँ म्ह कोड़े मारोगे अर एक नगर तै
दुसरे नगर ताहीं भजांदे फिरोगे। 35 जिसतै धर्मी हाबिल तै लेकै बिरिक्याह के बेट्टे जकर्याह तक,
जिस ताहीं थमनै मन्दर अर वेदी कै बिचाळै मार दिया था, जितने भी धर्मी माणसां ताहीं मारया सै,
वो सारा दण्ड थारे सिर पै पड़ैगा। 36 मै थमनै सच कहूँ सूं, ये सब का दण्ड इस पीढ़ी के माणसां नै
भुगतणा पड़ैगा।

37 "हे यरुशलेम नगर के लोगों, हे यरुशलेम नगर के लोगों! थम नबियाँ नै मार देओ सो, अर जो
थारे धोरै भेज्जै गए, उनपै पत्थर बरसाओ सो। कितनी ए बर मन्नै चाह्या के जिस ढाळ मुर्गी अपणे
बच्चां ताहीं अपणे पाक्खां कै तळै छुपा ले सै, उस्से तरियां ए मै भी थारे बाळकां नै कठ्ठा कर ल्यूँ,
पर थमनै कोनी चाह्या। 38 देक्खो, थारा घर थारे खात्तर उजाड़ छोड्या जावै सै। 39 क्यूँके मै थमनै
साच्ची कहूँ सूं के इब तै जिब ताहीं थम न्ही कहोगे, 'धन्य सै वो, जो प्रभु कै नाम तै आवै सै' तब
तक थम मन्नै फेर दुबारै कदे कोनी देक्खोगे।"

24

1 जिब यीशु मन्दर तै लिकड़कै जाण लागरया था, तो उसके चेल्लें उस ताहीं मन्दर की बणावट
दिखाण कै खात्तर उसकै धोरै आये। 2 यीशु नै उनतै कह्या, "के थम ये सारी इमारत न्ही देखते? मै
थमनै साच्ची कहूँ सूं, उरै पत्थर पै पत्थर भी कोनी रहवैगा, जो गेरया ना जावैगा।"

3 जिब यीशु जैतून कै पहाड़ पै बेठ्या था, तो चेल्यां नै एक्ले म्ह उसकै धोरै आकै कह्या, "हमनै
बता, ये बात कद होवैगीं? तेरे आण का अर दुनिया कै अन्त की के निशान्नी होवैगी?"

4 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, "चौकन्ने रहियो! कोए थमनै भकाण न्ही पावै, 5 क्यूँके घणखरे
इसे होवैगें जो मेरै नाम तै आकै कहवैगें, मै मसीह सूं, अर घणाए ताहीं भकावैगें। 6 थम रोळे अर
लड़ाईया का जिक्र सुणोगे, तो घबराईयो ना क्यूँके इनका होणा जरूरी सै, पर उस बखत खात्मा
कोनी होवैगा। 7 क्यूँके जात पै जात, अर राज्य पै राज्य चढ़ाई करैगा, अर जगहां-जगहां अकाळ
पड़ैगें, अर हाल्लण आवैगें। 8 ये सारी बात दुखां की शरुआत होवैगी।"

9 फेर माणस क्लेश देण कै खात्तर थमनै पकड़वावैगें, अर थमनै मार देवैगें, अर मेरै नाम कै कारण
सारी जात्तां के माणस थारे तै बैर राक्खैगें, क्यूँके थम मेरे पै बिश्वास करो सों। 10 फेर घणखरे मेरे
पै बिश्वास करणा छोड़ देंगें, अर एक-दुसरे नै पकड़वावैगें, अर एक-दुसरे तै बैर राक्खैगें। 11 घणखरे
झूठ्ठे नबी आवैगें, अर घणाए ताहीं भकावैगें। 12 अधर्म कै बढ़ण तै वे एक-दुसरे तै प्यार करणा छोड़
देंगे, 13 पर जो अन्त ताहीं मेरे पै बिश्वास राक्खैगा, उस्से ताहीं बचाया जावैगा। 14 अर परमेसवर
के राज्य का यो सुसमाचार सारी दुनिया म्ह प्रचार करया जावैगा, ताके सारी जात्तां नै इस ताहीं
स्वीकार करण का मौक्का मिलै, ताके थम मेरे गवाह होओ, फेर दुनिया का अन्त आ जावैगा।

15 इस करकै जिब थम उस उजाड़ण आळी घृणित चीज ताहीं जिसका जिक्र दानिय्येल नबी कै
जरिये होया था, पवित्र जगहां पै खड़े देक्खो (जो पढ़ै, वो समझै), 16 फेर जो यहूदिया परदेस म्ह
हो, वे पहाड़ां पै भाज जावै। 17 जो छात पै हो, वो अपणे घर म्ह तै समान लेण नै तळै न्ही उतरै,

18 अर जो खेत म्ह हो, वो अपणा लत्ता लेण नै पाच्छै न्ही बोहड़ैं। 19 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर
दूध पिलान्दी बिरबान्नी होवैगीं, उनकै खात्तर भागणा भी मुश्किल होगा! 20 प्रार्थना करया करो के
थमनै जाड्डे म्ह या आराम कै दिन भाजणा ना पड़ै। 21 क्यूँके उस बखत इसा भारया क्लेश होवैगा,
जिसा दुनिया की शरुआत तै ना इब ताहीं होया ना कदे होवैगा।

22 "अर जै वे दिन घटाए न्ही जान्दे तो कोए प्राणी कोनी बचदा, पर छाँटे होया कै कारण वे
दिन घटाए जावैंगे। 23 उस बखत जै कोए थमनै कहवै, 'देक्खो, मसीह उरै सै!' या 'ओड़ै सै!' तो
बिश्वास ना" करियो। 24 क्यूँके झूठ्ठे मसीह अर झूठ्ठे नबी उठ खड़े होवैगें, अर बड़े-बड़े चमत्कार,
अर अनोक्खे काम दिखावैगें के जै हो सक्या तो छाँटे होया ताहीं भी भका देवैगें। 25 देक्खो, मन्नै
पैहल्याए थारे तै यो सारा कुछ कह दिया सै।

26 "इस करकै जै वे थारे तै कहवै, 'देक्खो, वो बण म्ह सै', तो बाहरणै ना लिकड़यो; या 'देक्खो,
वो कोठड़ी म्ह सै', तो बिश्वास ना करियो। 27 क्यूँके जिस तरियां बिजळी पूरब तै लिकड़कै पश्चिम
ताहीं चमकै सै, उस्से तरियां मुझ माणस के बेट्टे का भी आणा होवैगा। 28 जड़ै लाश हो, उड़ैए चील
कठ्ठे होवैगें।"

29 उन दिनां के क्लेश कै पाच्छै जिब्बे सूरज अन्धेरै म्ह हो जावैगा, चाँद का चाँदणा जान्दा
रहवैगा, अर तारे अकास तै तळै पड़ैगें, अर अकास की शक्तियाँ हलाई जावैंगी।

30 फेर माणस के बेट्टे का निशान अकास म्ह दिखैगा, अर फेर धरती के सारे खानदान्ना के माणस
छात्ती पिटैगें; अर माणस के बेट्टे ताहीं बड्डी सामर्थ अर महिमा कै गेल्या अकास के बादळां पै
आन्दे देक्खोगे। 31 वो तुरही की तेज आवाज कै गेल्या अपणे सुर्गदूत्तां नै खन्दावैगा, अर वे अकास
के इस सिरे तै उस सिरे ताहीं, च्यारु दिशायां तै उसके चुणे होया नै कठ्ठे करैगें।

32 अंजीर के दरखत तै यो उदाहरण सीक्खो: जिब उसकी डाळी कोमल हो जावै अर पत्ते लिकड़ण
लाग ज्या सै, तो थम जाण ल्यो के गर्मी का बखत लोवै सै। 33 इस्से तरियां तै जिब थम इन सारी
बात्तां नै देक्खो, तो जाण ल्यो के वो लोवै सै, बल्के दरबाजे पै सै। 34 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के
जिब ताहीं ये सारी बात पूरी ना हो लेवै, जद ताहीं इस पीढ़ी का अन्त कोनी होवैगा। 35 धरती अर
अकास टळ जावैंगे, पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी।

36 "उस दिन अर उस बखत कै बारै म्ह कोए न्ही जाण्दा, ना सुर्गदूत अर ना बेट्टा, पर सिर्फ पिता।
37 जिसा पूर्वज नूह के दिनां होया था, उस्से तरियां ए माणस के बेट्टे का आणा होगा। 38 क्यूँके जिस
तरियां बाढ़ तै पैहले के दिनां म्ह, जिस दिन ताहीं नूह जहाज पै न्ही चढ़या, उस दिन ताहीं माणस
खावै-पीवै थे, अर उन म्ह ब्याह होवै थे। 39 अर जिब ताहीं बाढ़ आकै उन सारया ताहीं बहा न्ही
लेग्या, जद ताहीं उननै किमे बेरा न्ही पाटया; इस्से तरियां ए मुझ माणस के बेट्टे का आणा भी
होगा। 40 उस बखत दो जणे खेत म्ह होंगे, एक ठाया जावैगा अर दुसरा छोड़ दिया जावैगा। 41 दो
बिरबान्नी एक साथ चाक्की पीसदी होवैगी, एक ठा ली जावैगी अर दुसरी छोड़ दी जावैगी।"

42 इस करकै जागदे रहो, क्यूँके थमनै न्ही बेरा के थारा प्रभु किस दिन आवैगा। 43 पर न्यू जाण
ल्यो के जै घर का माल्लिक नै बेरा हो के चोर किस घड़ी आवैगा तो जागदा रहन्दा, अर अपणे घर
म्ह सेंध लागण न्ही देन्दा। 44 ज्यांतै थम भी त्यार रहो, क्यूँके जिस घड़ी कै बारै म्ह थम सोचदे भी
कोनी, उस्से घड़ी मै माणस का बेट्टा आ जाऊँगा।

45 "आखर म्ह वो बिश्वास जोग्गा अर अकलमंद दास कौण सै, जिस ताहीं माल्लिक नै अपणे
नौक्कर-चाकरां पर सरदार ठहराया के बखत पै उननै खाणा देवै? 46 धन्य सै वो नौक्कर, जिस ताहीं
उसका माल्लिक आकै इसाए करदा पावै। 47 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, वो उसनै अपणी सारी धन-
सम्पत्ति का माल्लिक बणावैगा। 48 पर जै वो दुष्ट दास सोच्चण लाग्गै के मेरै माल्लिक कै आण
म्ह वार सै, 49 अर अपणे साथी नौकरां नै पिट्टण लाग्गै, अर शराबियाँ कै गेल्या खावै-पीवै। 50 तो
उस नौक्कर का माल्लिक उस दिन बोहड़ैगा, जिब वो उसकी बाट ना देख्दा हो, अर इसे बखत म्ह

आवैगा जिसका उसनै ना बेरा हो, 51 जिब वो उसनै भारी सजा देगा उसकी गिणती कपटियाँ कै म्ह
गिणी जावैगी: ओड़ै रोणा अर दाँत पिसणा होगा।"

25

1 यीशु नै अपणे चेल्यां ताहीं एक और उदाहरण देकै कह्या, "सुर्ग का राज्य उन दस कुँवारियाँ
के जिसा होगा जो अपणी मशाल लेकै बन्दड़े तै फेटण लिकड़ी। 2 उन म्ह पाँच बेअक्ल अर पाँच
समझदार थी। 3 बेअक्ली कुवारियाँ नै अपणी मशाल तो ली, पर अपणे गेल्या फालतू तेल न्ही
लिया; 4 पर समझदारां नै अपणी मशालां कै गेल्या अपणी कुप्पियाँ म्ह तेल भी भर लिया। 5 जिब
बन्दड़े कै आण म्ह वार होई, तो वे सारी ऊँघण लाग्गी अर सोगी।"

6 "आध्धी रात नै धूम माच्ची: 'देक्खो, बन्दड़ा आण लागरया सै! उसतै फेटण नै चाल्लों।' "

7 "फेर वे सारी कुँवारियाँ उठकै अपणी मशाल ठीक करण लाग्गी। 8 अर बेअक्लियाँ नै समझदारां
तै कह्या, 'अपणे तेल म्ह तै कुछ हमनै भी द्यो, क्यूँके म्हारी मशाल बुझ्झण लागरी सै।' "

9 "पर समझदारां नै जवाब दिया, 'कदे यो म्हारै अर थारे खात्तर पूरा ना पड़ै; भला तो योए सै के
थम बेचणीयाँ कै धोरै जाकै अपणे खात्तर मोल लियाओ।' "

10 जिब वे मोल लेण नै जावै थी तो बन्दड़ा आण पोंहच्या, अर जो त्यार थी, वे उसकै गेल्या
ब्याह कै घर म्ह चली गई अर बारणा मूंद दिया गया।

11 "इसकै पाच्छै वे दुसरी कुँवारियाँ भी बोहड़कै आई अर बन्दड़े तै कहण लाग्गी, 'हे माल्लिक,
हे माल्लिक, म्हारै खात्तर किवाड़ खोल दे।' "

12 "उसनै जवाब दिया, 'मै थारे ताहीं साच्ची कहूँ सूं, मै थमनै कोनी जाण्दा।' "

13 इस करकै चोक्कने रहो, क्यूँके मेरे आण के उस दिन नै थम कोनी जाणते, ना उस घड़ी नै जिस
दिन म्ह आऊँगा।

14 सुर्ग का राज्य उस माणस के उदाहरण के समान भी सै, जिसनै परदेस जान्दे बखत अपणे
नौकरां ताहीं बुलाकै अपणी कुछ सम्पत्ति उन ताहीं सौप दी, ताके वे व्यापर करकै घणा धन जोड़
ले। 15 उसनै एक तै पाँच तोड़े (1 तोड़ा 15 साल की मजदूरी के बराबर सै), दुसरे ताहीं दो, अर तीसरे
ताहीं एक; यानिके हरेक नै उसकी काबिलियत कै मुताबिक दिया, अर फेर परदेस चल्या गया।
16 फेर, जिस ताहीं पाँच तोड़े मिले थे, उसनै जिब्बे जाकै उनतै लेण-देण करया, अर पाँच तोड़े* और
कमाए। 17 इस्से तरियां तै जिस ताहीं दो मिले थे, उसनै भी दो और कमाए। 18 पर जिस ताहीं एक
मिल्या था, उसनै जाकै माट्टी खोद्दी, अर अपणे माल्लिक का धन लहको दिया।

19 घणे दिनां पाच्छै उन नौकरां का माल्लिक आया, अर उनतै हिसाब लेण लाग्या, के उननै उन
पईसा तै के कुछ करया। 20 जिसनै पाँच तोड़े मिले थे, उसनै पाँच तोड़े और ल्याकै कह्या, हे माल्लिक,
तन्नै मेरै ताहीं पाँच तोड़े सौप्पे थे, लखा, मन्नै ये पाँच तोड़े और कमाए सै।

21 उसकै माल्लिक नै उसतै कह्या, शाबाश, हे भरोस्से के लायक आच्छे नौक्कर, तू थोड़े-से धन म्ह
भी भरोसमंद लिकड़या, मै तन्नै घणी चिज्जां का अधिकारी बणाऊँगा। अपणे माल्लिक कै आनन्द
म्ह साझ्झी हो।

22 फेर जिस ताहीं दो तोड़े मिले थे, उसनै भी आकै कह्या, हे माल्लिक, तन्नै मेरै ताहीं दो तोड़े
सौप्पे थे, देख, मन्नै दो तोड़े और कमाए सै।

23 उसकै माल्लिक नै उसतै कह्या, शाबाश, हे भरोस्से के लायक आच्छे नौक्कर, तू थोड़े म्ह भी
भरोसमंद लिकड़या; मै तन्नै घणी चिज्जां का अधिकारी बणाऊँगा। अपणे माल्लिक कै आनन्द म्ह
साझ्झी हो।

24 फेर जिस ताहीं एक तोड़ा† मिल्या था, उसनै आकै कह्या, हे माल्लिक, मै तन्नै जाणु था, के तू
इसा माणस सै: जित्त किते तू बीज न्ही बोन्दा ओड़ै फसल काट्टै सै, अर जित्त न्ही खिंडान्दा ओड़ै

* **25:16** 25:16 (1 तोड़ा 15 साल की मजदूरी के बराबर सै) † **25:24** 25:24 (1 तोड़ा 15 साल की मजदूरी के बराबर सै)

तै कठ्ठा करै सै। 25 जै मै तेरा तोड़ा खो देता तो तू मन्नै दण्ड देता, ज्यांतै मै डरग्या अर जाकै तेरा
तोड़ा माट्टी म्ह दबा दिया। देख, जो तेरा सै, वो यो सै।
26 उसकै माल्लिक नै उस ताहीं जवाब दिया, हे दुष्ट अर आलसी नौक्कर, जिब तन्नै न्यू बेरा था
के जित्त मन्नै बीज न्ही बोया ओड़ै तै फसल काट्टू सूं, अर जित्त मन्नै न्ही खिंडाया ओड़ै तै कठ्ठा
करुँ सूं; 27 जै तन्नै बेरा था के मै इसा सूं, तो तू मेरा धन सर्राफां नै ए दे देंदा, फेर मै आकै अपणा
धन ब्याज सुधां ले लेन्दा।
28 माल्लिक नै अपणे नौकरां तै कह्या, ज्यातै वो तोड़ा‡ उसतै ले ल्यो, अर जिसकै धोरै दस तोड़े
सै उसनै दे द्यो। 29 क्यूँके जिस किसे धोरै सै, उस ताहीं और दिया जावैगा; अर उसकै धोरै घणा हो
जावैगा: पर जिसकै धोरै न्ही सै, उसतै वो भी जो उसकै धोरै सै, ले लिया जावैगा। 30 इस निकम्मे
नौक्कर नै बाहर अन्धेरै म्ह गेर द्यो, जित्त रोणा अर दाँत पिसणा होगा।
31 जिब मै माणस का बेट्टा अपणी महिमा म्ह आऊँगा अर सारे सुर्गदूत मेरे गेल्या आवैगें, तो
मै अपणी महिमा कै सिंहासन पै बैठ्ठुंगा। 32 अर सारी जात मेरे स्याम्ही कठ्ठी करी जावैगी; अर
जिस ढाळ पाळी भेड्डां नै बकरियाँ तै न्यारी कर देवै सै, उस्से तरियां मै उननै एक-दुसरे तै न्यारा
करुँगा। 33 मै भेड्डां नै अपणी सोळी ओड़ अर बकरियाँ नै ओळी ओड़ खड्या करुँगा।
34 "फेर मै राजा अपणी सोळी ओड़ आळा नै कहूँगा, 'हे मेरे पिता के धन्य माणसों, आओ, उस
राज्य के हकदार हो जाओ, जो दुनिया की शरुआत तै थारे खात्तर त्यार करया गया सै। 35 क्यूँके जिब
मै भूक्खा था, तो थमनै मेरै ताहीं खाण नै दिया; मै तिसाया था, तो थमनै मेरै ताहीं पाणी पिलाया;
मै परदेशी था, तो थमनै मेरै ताहीं अपणे घरां ठहराया; 36 मै उघाड़ा था, तो थमनै मेरै ताहीं लत्ते
पिहराए; मै बीमार था, तो थमनै मेरा बेरा लिया, मै जेळ म्ह था, तो थम मेरै तै मिलण आये।' "
37 "फेर धर्मी उस ताहीं जवाब देवैगें, 'हे प्रभु, हमनै कद तेरे ताहीं भूक्खा देख्या अर खुवाया?
या कद तिसाया देख्या अर पाणी पिलाया? 38 हमनै कद तेरे ताहीं परदेशी देख्या अर अपणे घरां
ठहराया? या उघाड़ा देख्या अर लत्ते पिहराये? 39 हमनै कद तेरे ताहीं बीमार या जेळ म्ह देख्या अर
तेरा बेरा लेण आये?' "
40 "फेर मै राजा उननै जवाब देऊँगा, 'मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के थमनै जो मेरे इन छोटचा तै
छोट्टे बिश्वासी भाईयाँ म्ह तै किसे एक कै गेल्या करया, वो मेरै ए गेल्या करया।' "
41 "फेर मै ओळै कान्ही आळा ताहीं कहूँगा, 'हे श्रापित माणसों, मेरै स्याम्ही तै उस अनन्त आग
म्ह चले जाओ, जो परमेसवर नै शैतान अर उसके दूत्तां खात्तर त्यार करी सै। 42 क्यूँके मै जिब भूक्खा
था, तो थमनै मेरै ताहीं खाण नै कोनी दिया; मै तिसाया था, तो थमनै मेरै ताहीं पाणी कोनी पियाया;
मै जिब परदेशी था, तो थमनै मेरै ताहीं अपणे घरां कोनी ठहराया; 43 मै नंगा था, तो थमनै मेरै ताहीं
लत्ते कोनी पिहराए; मै जिब बीमार था, तो थमनै मेरा बेरा कोनी लिया, मै जेळ म्ह था, तो थम मेरै
तै मिलण कोनी आये।' "
44 "फेर वे जवाब देवैगें, 'हे प्रभु, हमनै तेरे ताहीं कद भूक्खा, या तिसाया, या परदेशी, या उघाड़ा,
या बीमार, या जेळ म्ह देख्या, अर तेरी सेवा-पाणी न्ही करी?' "
45 "फेर मै उननै जवाब देऊँगा, 'मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के थमनै जो मेरे इन छोटचा तै छोटचा
म्ह तै किसे एक कै गेल्या न्ही करया, वो मेरै गेल्या भी न्ही करया।' "
46 "अर अधर्मी जन अनन्त दण्ड भोगैगें पर धर्मी जन अनन्त जीवन म्ह दाखल होंगे।"

26

1 जिब यीशु नै ये सारी बात कह ली तो अपणे चेल्यां तै कहण लाग्या, 2 "थमनै बेरा सै के दो
दिनां पाच्छै फसह का त्यौहार सै, अर मै माणस का बेट्टा क्रूस पै चढ़ाण कै खात्तर पकड़वाया
जाऊँगा।"

‡ **25:28** 25:28 (1 तोड़ा 15 साल की मजदूरी के बराबर सै)

3 फेर प्रधान याजक अर प्रजा के यहूदी अगुवें, काइफा नामक महायाजक कै आँगण म्ह कठ्ठे
होए, 4 अर आप्पस म्ह विचार करण लाग्गे के यीशु ताहीं धोक्खे तै पकड़कै मार देवा। 5 पर वे कहवै
थे, "त्यौहार कै बखत न्ही, कदे इसा ना हो के माणसां म्ह रोळा माच ज्या।"
6 जिब यीशु बैतनिय्याह गाम म्ह शमौन कोढ़ी कै घरां था, 7 तो एक बिरबान्नी संगमरमर कै बरतन
म्ह महँगा खसबूदार तेल लेकै उसकै धोरै आई, अर जिब वो खाणा खाण नै बेठ्या था तो उसकै सिर
पै उंडेल दिया।
8 न्यू देखकै उसके चेल्लें खीजकै अर कहण लाग्गे, "इसका क्यांतै नाश करया गया? 9 इस ताहीं
तो बढ़िया दाम्मां पै बेचकै कंगालां म्ह बांडया जा सकै था।"
10 न्यू जाणकै यीशु नै उनतै कह्या, "बिरबान्नी नै क्यांतै सताओ सो? उसनै मेरै गेल्या भलाई करी
सै। 11 कंगाल तो थारे गेल्या सारी हाण रहवै सै, पर मै थारे गेल्या सारी हाण कोनी रहूँगा। 12 उसनै
मेरी देह पै जो यो महँगा खसबूदार तेल उंडेला सै, वो मेरे गाड़े जाणकै खात्तर करया सै। 13 मै थमनै
साच्ची कहूँ सूं, के सारे दुनिया म्ह जित्त किते भी यो सुसमाचार प्रचार करया जावैगा, ओड़ै उसकै
इस काम का जिक्र भी उसकी याद म्ह करया जावैगा।"
14 फेर यहूदा इस्करियोती नै, जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था, प्रधान याजकां कै धोरै जाकै कह्या,
15 "जै मै यीशु नै थारे हात्थां म्ह पकड़वा दियुँ, तो मन्नै के द्योगे?" उननै तीस चाँदी के सिक्के तौलकै
दे दिये। 16 अर वो उस्से बखत तै यीशु नै पकड़वाण का मौक्का टोह्ण लाग्या।
17 अखमीरी रोट्टी कै त्यौहार कै पैहल्ड़े दिन, चेल्लें यीशु कै धोरै आकै बुझ्झण लाग्गे, "तू कित्त
चाहवै सै के हम तेरे खात्तर फसह खाण की त्यारी करा?"
18 यीशु बोल्या, "नगर म्ह फलाणा माणस नै जाकै उसतै कहो, 'गुरु कहवै सै के मेरा बखत लोवै
सै। मै अपणे चेल्यां कै गेल्या तेरे उरै फसह का त्यौहार बणाऊँगा'।"
19 आखर चेल्यां नै यीशु का हुकम मान्या अर फसह का भोज त्यार करया।
20 जिब साँझ होई तो यीशु बारहां चेल्यां कै गेल्या खाणा खाण कै खात्तर बेठ्या। 21 जिब वे
खाण लागरे थे तो यीशु नै कह्या, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के थारे म्ह तै एक मन्नै धोक्खा देकै
पकड़वावैगा।"
22 इसपै चेल्लें घणे उदास होए, अर हरेक उसतै बुझ्झण लाग्या, "हे गुरु, के वो मै सूं?"
23 यीशु नै जवाब दिया, "जिसनै मेरै गेल्या थाळी म्ह हाथ घाल्या सै, वोए मन्नै पकड़वावैगा।
24 मै माणस का बेट्टा तो जिसा मेरे बारै म्ह लिख्या सै, अर जावै ए सै; पर उस माणस पै धिक्कार
सै जिसकै जरिये मै माणस का बेट्टा पकड़वाया जाऊँगा: जै उस माणस का जन्म ए न्ही होंदा, तो
उसकै खात्तर भला होंदा।"
25 फेर यीशु कै पकड़वाण आळे यहूदा नै कह्या, "हे गुरु, के वो मै सूं?" यीशु उसतै बोल्या, "तन्नै
कह लिया।"
26 जिब वे फसह खाण लागरे थे, तो यीशु नै रोट्टी ली, अर आशीष माँगकै तोड़ी, अर चेल्यां
ताहीं देकै कह्या, "ल्यो, खाओ; या मेरी देह सै।"
27 फेर यीशु नै अपणा कटोरा लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर उन ताहीं देकै कह्या, "थम
सारे इस म्ह तै पियो, 28 क्यूँके यो करार का मेरा वो लहू सै, जो घणखरयां कै खात्तर पापां की माफी
कै खात्तर बहाया जावै सै। 29 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के अंगूर का यो रस उस दिन ताहीं कदे न्ही
पिऊँगा, जिब थारे गेल्या अपणे पिता कै राज्य म्ह नया न्ही पीऊँ।"
30 फेर वे भजन गाकै जैतून कै पहाड़ पै गए।
31 फेर यीशु नै उनतै कह्या, "थम आज ए रात नै मेरै बाबत ठोक्कर खाओगे, क्यूँके लिख्या सै:
'मै पाळी नै मारूँगा, अर टोळ की भेड़ तित्तर-बितर हो जावैंगी।' "
32 "पर मै अपणे जिन्दा उठण कै बाद थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह मिलूगाँ।"
33 इसपै पतरस नै उसतै कह्या, "जै सारे छोड़ै तो छोड़ै, पर मै तेरा साथ कदे न्ही छोड़ूँगा।"

34 यीशु नै उसतै कह्या, "मै तेरे तै सच कहूँ सूं के आज ए रात नै मुर्गे के बाँग देण तै पैहल्या, तू
तीन बर मेरै बारै म्ह मुकरैगा।"

35 पतरस नै उसतै कह्या, "जै मन्नै तेरे गेल्या मरणा भी पड़ै, तोभी मै तेरा इन्कार कदे कोनी
करुँगा।" इस्से तरियां और सारे चेल्यां नै भी न्यूए कह्या।

36 फेर यीशु अपणे चेल्यां कै गेल्या गतसमनी नामक एक जगहां म्ह आया अर अपणे चेल्यां तै
कहण लाग्या, "उरैए बेठ्ठे रहियो, जिब ताहीं मै ओड़ै प्रार्थना करुँ।" 37 वो पतरस अर जब्दी के
दोन्नु बेट्टा नै गेल्या लेग्या, अर उदास अर कांल होण लाग्या। 38 फेर उसनै उनतै कह्या, "मेरा
मन घणा उदास सै, उरै ताहीं के मेरा जी लिकड़ण नै होरया सै। थम उरै ठहरो अर जागदे रहो।"

39 फेर वो माड़ा और आग्गै सरक कै मुँह कै बळ गिरया, अर या प्रार्थना करण लाग्या, "हे मेरे
पिता, जै हो सकै तो यो दुख का कटोरा मेरै तै टळ जावै, तोभी जिसा मै चाहूँ सूं इसा न्ही, पर जिसा
तू चाहवै सै उस्से तरियां ए होवै।"

40 फेर उसनै चेल्यां कै धोरै आकै उन ताहीं सोन्दे पाया अर पतरस तै कह्या, "के थम मेरै गेल्या
एक घड़ी भी कोनी जाग सके? 41 जागदे रहो, अर प्रार्थना करदे रहो के थम परखे ना जाओ, आत्मा
तो त्यार सै पर देह कमजोर सै।"

42 फेर उसनै दुसरी बार जाकै या प्रार्थना करी, "हे मेरे पिता, जै यो मेरै पिए बिना न्ही हट सकदा,
तो तेरी मर्जी पूरी हो।" 43 फेर उसनै आकै उन ताहीं फेर सोन्दे पाया, क्यूँके उनकी आँखां म्ह नींद
भरी थी। 44 उननै छोड़कै वो फेर चल्या गया, अर उन्हे शब्दां म्ह फेर तीसरी बार प्रार्थना करी।

45 फेर उसनै चेल्यां कै धोरै आकै उनतै कह्या, "इब सोन्दे रहो, अर आराम करो: देक्खो, बखत
आण पोंहच्या सै, अर मै माणस का बेट्टा पापियाँ के हाथ्थां पकड़वाया जाऊँगा। 46 उठो, चाल्लां;
देक्खो, मेरा पकड़ाण आळा धोरै आण पोंहच्या सै।"

47 वो न्यू कहण ए लागरया था के यहूदा जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था आया, अर उसकै गेल्या
प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां की ओड़ तै बड्डी भीड़, तलवार अर लाठ्ठी लिये होए, आई।
48 यीशु कै पकड़वाण आळे यहूदा नै उन ताहीं यो इशारा दिया था: "जिस ताहीं मै चूम ल्यूँ वोए सै;
उस ताहीं पकड़ लियो।" 49 अर जिब्बे यीशु कै धोरै आकै कह्या, "हे गुरु, नमस्कार!" अर उस ताहीं
घणा चुम्या।

50 यीशु नै उसतै कह्या, "हे दोस्त, जिस काम कै खात्तर तू आया सै, उसनै करले।" फेर उननै धोरै
आकै यीशु पै हाथ गेरया अर उस ताहीं पकड़ लिया। 51 यीशु के साथियाँ म्ह तै एक नै हाथ बढ़ाकै
अपणी तलवार खींच ली अर महायाजक के नौक्कर पै चलाकै उसका कान उड़ा दिया।

52 फेर यीशु नै उसतै कह्या, "अपणी तलवार म्यान म्ह धर ले क्यूँके जो तलवार चलावै सै वे सारे
तलवार तै नाश करे जावैंगे। 53 के तन्नै न्ही बेरा के मै अपणे पिता तै बिनती कर सकूँ सूं, अर वो
सुर्गदूत्तां की बारहां पलटन तै घणे मेरै धोरै इब्बे हाजर कर देवैगा? 54 पर पवित्र ग्रन्थ की ये बात
के इसाए होणा जरूरी सै, किस ढाळ पूरी होवैगी?"

55 उस बखत यीशु नै भीड़ तै कह्या, "के थम तलवार अर लाठ्ठी लेकै मन्नै डाकू की ढाळ पकड़ण
कै खात्तर लिकड़े सो? मै हरेक दिन मन्दर म्ह बैठकै उपदेश दिया करुँ था, अर थमनै मेरै ताहीं कोनी
पकड्या। 56 पर यो सारा ज्यांतै होया सै के नबियाँ के वचन पूरे होवै।" फेर सारे चेल्लें उसनै छोड़कै
भाजगे।

57 फेर यीशु के पकड़ण आळे उस ताहीं काइफा नामक महायाजक कै धोरै लेगे, जित्त शास्त्री
अर यहूदी अगुवें कठ्ठे होए थे। 58 पतरस दूर ए दूर उसकै पाच्छै-पाच्छै महायाजक कै आँगण ताहीं
गया, अर भीत्तर जाकै अन्त देखण नै सिपाहियाँ कै गेल्या बैठग्या।

59 सारे प्रधान याजक अर यहूदी अगुवां की सभा यीशु नै मारण कै खात्तर उसकै बिरोध म्ह
झूठ्ठी गवाही की टोह् म्ह थे, 60 पर घणखरे झूठ्ठे गवाह कै आण पै भी कोनी पाई। आखर म्ह दो

जणे आये, 61 अर बोल्ले, “इसनै कह्या सै के मै परमेसवर कै मन्दर नै गेर सकूँ सूं अर उस ताहीं तीन
दिन म्ह बणा सकूँ सूं।”
62 फेर महायाजक नै खड़े होकै यीशु तै कह्या, “के तू कोए जवाब न्ही देंदा? ये माणस तेरे बिरोध
म्ह के गवाही देवै सै?” 63 पर यीशु बोल-बाल्ला रहया। फेर महायाजक नै उसतै कह्या, “मै तन्नै
जिन्दे परमेसवर की कसम दियुँ सूं के जै तू परमेसवर का बेट्टा मसीह सै, तो म्हारै ताहीं कह दे।”
64 यीशु नै उसतै कह्या, “तन्नै आप ए कह दिया; बल्के मै तेरे तै यो भी कहूँ सूं के इब तै थम
मुझ माणस के बेट्टे नै सब तै सर्वशक्तिमान की सोळी ओड़ बेठ्ठे, अर अकास के बादळां पै आन्दे
देक्खोगे।”
65 फेर महायाजक नै अपणे लत्ते पाड़कै कह्या, “इसनै परमेसवर की बुराई करी सै, इब हमनै गवाह
की के जरूरत? देक्खो, थमनै इब्बे या बुराई सुणी सै! 66 थम के सोच्चो सो?” उननै जवाब दिया,
“यो मारण जोग्गा सै।”
67 फेर उननै उसकै मुँह पै थुक्या अर उसकै घुस्से मारे, दुसरयां नै थप्पड़ मारकै कह्या, 68 “हे
मसीह, म्हारै तै भविष्यवाणी करकै कह के किसनै तेरे ताहीं मारया?”
69 पतरस बाहरणै आँगण म्ह बेठ्या था के एक नौकराणी उसकै धोरै आई अर बोल्ली, “तू भी तो
गलीलवासी यीशु कै गेल्या था।”
70 उसनै सारया कै स्याम्ही यो कहकै नाट्या, “मन्नै न्ही बेरा तू के कहवै सै।”
71 जिब वो बाहरणै देहळियाँ म्ह गया, तो दुसरी नौकराणी उसनै देखकै उनतै जो ओड़ै थे कह्या,
“यो भी तो यीशु नासरी* कै गेल्या था।”
72 वो कसम खाकै फेर नाट्या: “मै उस माणस नै कोनी जाणदा।”
73 माड़ी बार पाच्छै माणसां नै जो ओड़ै खड़े थे, पतरस कै धोरै आकै उसतै कह्या, “साच्चए तू भी
उन म्ह तै एक सै, क्यूँके तेरी बोल्ली तेरा भेद खोल्लै सै।”
74 फेर वो धिक्कारण अर कसम खाण लाग्या: “मै उस माणस नै कोनी जाणदा।” जिब्बे मुर्गे नै
बाँग देई। 75 जिब पतरस नै यीशु की कही होई बात याद आई “मुर्गे कै बाँग देण तै पैहल्या तीन बर
तू मेरा इन्कार करैगा।” अर वो बारणै ज्याकै फूट-फूटकै रोण लाग्या।

27

1 तड़कै ए तड़कै सारे प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं मारण की सलाह करी।
2 उननै यीशु ताहीं बाँधया अर ले जाकै पिलातुस राज्यपाल कै हात्थां म्ह सौप दिया।
3 जिब उसकै पकड़वाण आळे यहूदा नै अहसास होया के यीशु ताहीं मौत की सजा सुणाई गई सै
तो वो पसताया अर वे तीस चाँदी के सिक्के प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां ताहीं बोहड़ाया 4 अर
कह्या, “मन्नै बेकसूर माणस ताहीं मारण कै खात्तर पकड़वाकै पाप करया सै।” उननै कह्या, “हमनै
के मतलब? तू ए जाणै।”
5 फेर वो उन सिक्का नै मन्दर के आँगण म्ह बगाकै बाहरणै चल्या गया, अर जाकै अपणे-आप
ताहीं फाँसी लगा ली।
6 प्रधान याजकां नै उन सिक्का ताहीं लेकै कह्या, “म्हारे नियम-कायदे इस बात की इजाजत कोनी
देंदा के हम इन सिक्कयां नै मन्दर के खजान्ने म्ह धरा, क्यूँके इसका इस्तमाल किसे ताहीं मारवाण
खात्तर करया गया सै, या लहू की किम्मत सै।” 7 आखर म्ह उननै सलाह करकै उन सिक्कयां तै
परदेशियाँ के गाड्डे जाणकै खात्तर कुम्हार का खेत मोल ले लिया। 8 इस कारण वो खेत आज ताहीं
लहू का खेत कुह्वावै सै। 9 ताके जो वचन यिर्मयाह नबी कै जरिये कह्या गया था वो पूरा होया: “उननै
वे तीस सिक्के यानिके उस ठहराए होए मोल ताहीं (जिस ताहीं इस्राएल की ऊलाद म्ह तै कितन्याँ

* **26:71** 26:71 नासरत नगर का रहण आळा

नै ठहराया था) ले लिया, 10 अर जिस तरियां प्रभु नै मेरै ताहीं हुकम दिया था, उस्से तरियां ए उननै
कुम्हार के खेत नै खरीदण खात्तर उसका इस्तमाल करया।"
11 जिब यीशु राज्यपाल कै स्याम्ही खडया था तो राज्यपाल नै उसतै बुझ्झया, "के तू यहूदियाँ
का राजा सै?" यीशु नै उसतै कह्या, "तू आप ए कहण लागरया सै।"
12 जिब प्रधान याजक अर यहूदी अगुवें उसपै इल्जाम लावै थे, तो उसनै कुछ जवाब कोनी दिया।
13 इसपै पिलातुस नै उसतै कह्या, "के तू न्ही सुणदा के ये तेरे बिरोध म्ह कितनी गवाही देवै सै?"
14 पर उसनै उस ताहीं एक बात का भी जवाब कोनी दिया, उरै ताहीं के राज्यपाल ताहीं घणी हैरानी
होई।
15 राज्यपाल का यो रिवाज था के उस त्यौहार म्ह माणसां कै खात्तर किसे एक कैदी नै जिसनै वे
चाहवै थे, रिहा कर देवै था।
16 उस बखत उनकै उरै बरअब्बा नाम का एक मान्या होड़ कैदी था। 17 आखर जिब वो कठ्ठे होए,
तो पिलातुस नै उनतै कह्या, "थम किसनै चाहो सो के मै थारे खात्तर रिहा करुँ? बरअब्बा ताहीं, या
यीशु ताहीं जो मसीह कुह्वावै सै।" 18 क्यूँके उसनै बेरा था के उननै उस ताहीं जळण तै पकड़वाया
था।
19 जिब वो न्याय की गद्दी पै बेठया होया था तो उसकी घरआळी नै उस ताहीं कुहवां भेज्या, "तू
उस धर्मी कै मामलै म्ह हाथ ना गेरिये, क्यूँके मन्नै आज सपनै म्ह उसकै कारण घणा दुख ठाया सै।"
20 प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै माणसां ताहीं उकसाया के वे बरअब्बा नै माँग ले, अर
यीशु का नाश करावै।
21 राज्यपाल नै उसतै बुझ्झया, "इन दोनुआ म्ह तै किसनै चाहो सो के मै थारे खात्तर छोड़ दियुँ?"
उननै कह्या, "बरअब्बा ताहीं।"
22 पिलातुस नै उनतै कह्या, "फेर यीशु ताहीं, जो मसीह कुह्वावै सै, के करुँ?" सारया नै उसतै
कह्या, "यीशु क्रूस पै चढ़ाया जावै!"
23 हाकिम नै कह्या, "क्यांतै, उसनै के बुरा करया सै?" पर वे और भी रुक्के मारण लाग्गे, "वो
क्रूस पै चढ़ाया जावै।"
24 जिब पिलातुस नै देख्या के किमे न्ही बण पडरया पर उल्टा दंगा बढ़दा जावै सै, तो उसनै पाणी
लेकै भीड़ कै स्याम्ही अपणे हाथ धोए अर कह्या, "मै इस धर्मी कै लहू तै बेकसूर सूं: थमे जाणो।"
25 सारे माणसां नै जवाब दिया, "इसकी मौत के जिम्मेदार हम अर म्हारी ऊलाद होवांगे!"
26 इसपै उसनै बरअब्बा ताहीं उनकै खात्तर रिहा कर दिया, अर यीशु कै कोड़े लगवाकै सौप दिया,
के क्रूस पै चढ़ाया जावै।
27 फेर राज्यपाल के सिपाहियाँ नै यीशु ताहीं किले* म्ह ले जाकै सारी पलटन उसकै चौगरदे नै
कठ्ठी करी, 28 अर उसके लत्ते तारकै उस ताहीं लाल रंग का चोग्गा पिहराया, 29 अर काण्डयाँ का
ताज गुन्दकै उसकै सिर पै धरया, अर उसकै सोळे हाथ्थां म्ह सरकण्डा दिया अर उसकै आग्गै गोड्डे
टेक कै उसका मखौल उड़ाण लाग्गे अर कह्या, "हे यहूदिया परदेस के राजा, नमस्कार!" 30 अर उसपै
थुक्या; अर वोए सरकण्डा लेकै उसकै सिर पै मारण लाग्गे। 31 जिब उननै उसका मखौल कर लिया,
तो वो चोग्गा उसपै तै तारकै फेर उस्से के लत्ते उस ताहीं पिहराए, अर क्रूस पै चढ़ाण कै खात्तर ले
चाल्ले।
32 बाहरणै जान्दे होए, उन ताहीं शमौन नाम का एक कुरेनी माणस मिल्या। उननै उस ताहीं बेकार
म्ह पकडया के उसका क्रूस ठाकै ले चाल्लै। 33 उस जगहां पै पोहचे जो "खोपड़ी" यानी इब्रानी
भाषा म्ह "गुलगुता" कुह्वावै सै। 34 उननै सिरका मिल्या होड़ अंगूर का रस उस ताहीं पीण नै दिया,
पर उसनै चाखकै पीणा न्ही चाह्या। 35 फेर उननै उस ताहीं क्रूस पै चढ़ाया, अर पर्ची गेर कै उसके

* **27:27** 27:27 जो प्रिटोरियुम कुह्वावै सै

लत्ते बांड लिये, 36 अर ओड़ै बैठकै उसका पैहरा देण लागगे। 37 अर उसका दोषपत्र लिखकै उसकै
सिर पै लगाया, के, “यो यहूदियाँ का राजा यीशु सै।”
38 फेर उसकै गेल्या दो डाकू एक सोळी ओड़ अर एक ओळी ओड़, क्रूस पै चढ़ाए गए। 39 राह
म्ह आण-जाण आळे सिर हला-हलाकै उसकी बेजती करै थे, 40 अर वे कहवै थे, “हे मन्दर नै ढाण
आळे अर तीन दिनां म्ह बणाण आळे, अपणे-आपनै तो बचा! जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो क्रूस
पै तै उतर आ।” 41 इस्से तरियां तै प्रधान याजक भी शास्त्रियाँ अर यहूदी अगुवां सुधा मजाक
करकै कहवै थे, 42 “इसनै औरां ताहीं बचाया, अर अपणे-आपनै न्ही बचा सकदा। यो तो ‘इस्राएल
का राजा’ सै। इब क्रूस पै तै उतर आवै तो हम उसपै बिश्वास करां। 43 उसनै परमेसवर पै भरोस्सा
राख्या सै; जै वो इसनै चाहवै सै, तो इब इसनै छुड़ा लेवै, क्यूँके इसनै कह्या था, ‘मै परमेसवर का
बेट्टा सूं’।” 44 इस्से ढाळ डाक्कू भी जो उसकै गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, उसकी बेजती करै थे।
45 दोफारी तै लेकै तीन बजे ताहीं उस सारे देश म्ह अँधेरा छाया रहया। 46 तीसरे पहर कै लोवै
यीशु नै जोर तै बोल्या, “एली, एली, लमा शबक्तनी?” यानिके “हे मेरे परमेसवर, हे मेरे परमेसवर,
तन्नै मेरै ताहीं क्यांतै छोड़ दिया?”
47 जो उड़ै खड़े थे, कितन्याँ नै न्यू सुणकै कह्या, “वो तो एलिय्याह ताहीं बुलावै सै।”
48 उन म्ह तै एक जिब्बे भाज्या, अर स्पंज (फोम) लेकै सिरके म्ह डबोया, अर सरकण्डे पै धरकै
उस ताहीं चुसाया। 49 औरां नै कह्या, “रहज्या, देक्खो एलिय्याह उसनै बचाण आवै सै के न्ही।”
50 फेर यीशु नै जोर तै किल्की मारकै जी दे दिया।
51 अर देक्खो, मन्दर का पड़दा उप्पर तै तळै ताहीं पाटकै दो टुकड़े होग्या अर धरती काम्बगी
चट्टान तड़कगी, 52 अर कब्रे खुलगी, अर मरे होड़ भोत-से पवित्र माणस जो पैहले मुर्दे थे वे
जिन्दा होग्ये, 53 अर उसकै जिन्दा होण कै पाच्छै वे कब्रां म्ह तै लिकड़कै पवित्र नगर म्ह गए अर
घणाए ताहीं दिक्खे।
54 फेर सूबेदार अर जो उसकै गेल्या पैहरा दे रे थे, हाल्लण अर जो कुछ होया था उस ताहीं देखकै
घणे डरगे अर कह्या, “साच्चए यो परमेसवर का बेट्टा था।”
55 ओड़ै घणखरी बिरबान्नी जो गलील परदेस तै यीशु की सेवा कर दी होई उसकै गेल्या आई थी,
दूर तै देक्खै थी। 56 उन म्ह मरियम† मगदलीनी, अर याकूब अर योसेस की माँ मरियम, अर जब्दी
के बेटयाँ की माँ थी।
57 जिब साँझ होई तो यूसुफ नामका अरिमतिया गाम का एक साहूकार माणस, जो खुदे यीशु
का चेल्ला था। 58 उसनै पिलातुस धोरै जाकै यीशु की लाश माँगी। इस करकै पिलातुस नै यीशु की
लाश देण का हुकम दिया। 59 यूसुफ नै यीशु की लाश ली, उस ताहीं धोळी चाद्दर म्ह लपेटया,
60 अर उस ताहीं अपणी नई कब्र म्ह धरया, जो उसनै चट्टान म्ह खुदवाई थी, अर कब्र के बारणै
पै एक बड्डा पत्थर गिरड़ा कै चल्या गया। 61 मरियम मगदलीनी‡ अर दुसरी मरियम ओड़ैए कब्र
कै स्याम्ही बेठ्ठी थी।
62 आगला दिन आराम का दिन§ था, उस दिन प्रधान याजकां अर फरीसियाँ नै पिलातुस कै धोरै
कठ्ठे होकै कह्या, 63 “हे महाराज, म्हारै ताहीं याद सै के उस धोक्खेबाज नै जिब वो जिन्दा था, तो
उसनै न्यू कह्या था, ‘मै मरण के तीन दिन पाच्छै जिन्दा हो जाऊँगा।’ 64 इस करकै हुकम दे के तीसरे
दिन ताहीं कब्र की रुखाळी सावधानी तै करी जावै, इसा ना हो के उसके चेल्लें आकै उसकी लाश
नै चुरा ले जावै, अर माणसां तै कहण लाग्गै, ‘वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होग्या सै।’ फेर पाच्छला
धोक्खा पैहल्ड़े तै भी बड्डा होगा।” (पैहला धोक्खा के वो खुद नै परमेसवर का बेट्टा बतावै सै,
दुसरा यो के इब वो तीसरे दिन मरे होया मै तै जी उठ्ठुँगा)

† **27:56** 27:56 मगदला गाम की मरियम ‡ **27:61** 27:61 मगदला गाम की मरियम § **27:62** 27:62 जो के तैयारी
के बाद का दिन था

65 “पिलातुस नै उनतै कह्या, ‘थारे धोरै पहरेदार तो सै जाओ, अपणी समझकै मुताबिक कब्र की
रुखाळी करो’। 66 आखर वे पैहरेदारां नै गैल लेकै ग्ये, अर कब्र के पत्थर पै मोंहर लगाकै कब्र की
रुखाळी करी।”

28

1 आराम कै दुसरे दिन पाच्छै, हफ्तै के पैहल्ड़े दिन, तड़कै ए तड़कै मगदला कस्बे की मरियम अर
दुसरी मरियम कब्र नै देखण आई।
2 अर देक्खो, एक बड्ड़ा हाल्लण आया, क्यूँके प्रभु का सुर्गदूत सुर्ग तै उतरया अर धोरै आकै
उसनै पत्थर ताहीं गिरड़या दिया, अर उसपै बैठग्या।
3 उसका रूप बिजळी बरगा था अर उसके लत्ते पाळे की ढाळ धोळे थे। 4 उसकै डर तै पहरेदार
काम्बगें, अर मुर्दे की ढाळ होग्ये।
5 सुर्गदूत नै बिरबानियाँ ताहीं कह्या, “मतना डरो, मन्नै बेरा सै के थम यीशु नै जो क्रूस पै
चढ़ाया गया था, टोह्वो सो। 6 वो उरै न्ही सै, पर अपणे वचन कै मुताबिक जिन्दा होग्या सै। आओ,
या जगहां देक्खो, जित्त प्रभु राख्या गया था, 7 अर तावळे जाकै उसके चेल्यां ताहीं कहो के वो मरे
होया म्ह तै जिन्दा होग्या सै, अर वो थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह जावै सै, उड़ै उसका दर्शन
पाओगे! देक्खो, मन्नै थारे तै कह दिया।”
8 वे भय अर घणी खुशी कै गेल्या कब्र तै तावळी बोहड़कै उसके चेल्यां ताहीं खबर देण नै भाज्जी
गई। 9 फेर यीशु उन ताहीं मिल्या। अर कह्या, “सुखी रहो।” उननै धोरै आकै अर उसके पाँ पकड़कै
उस ताहीं प्रणाम करया। 10 फेर यीशु नै उनतै कह्या, “मतना डरो; मेरे चेल्यां तै जाकै कहो के
गलील परदेस म्ह चले जावै, उड़ै वो मन्नै देखैगें।”
11 जिब वे चेल्यां ताहीं या खबर देण जाण लागरी थी। तो पैहरेदारां म्ह तै, जो कब्र की रुखाळी
करै थे, उन म्ह तै कईयाँ नै नगर म्ह आकै सारा हाल प्रधान याजकां तै कह सुणाया। 12 फेर उननै
यहूदी अगुवां कै गेल्या कठ्ठे होकै सलाह करी अर सिपाहियाँ ताहीं घणाए धन देकै हुकम दिया,
13 “के माणसां तै न्यू कहियो के जिब हम रात नै सोण लागरे थे, तो उसके चेल्लें आकै उसकी लाश
नै चुरा लेगे। 14 जै थारे सोण की खबर राज्यपाल कै कान्नां ताहीं पोहोचैगी, तो हम उसनै समझा
लेवैगें अर थमनै जोखिम तै बचा लेवांगें।” 15 आखर उननै रपिये लेकै जिसे सिखाए गये थे, उस्से
तरियां ए करया। या बात आज ताहीं यहूदी माणसां म्ह मान्नी जावै सै।
16 ग्यारहां चेल्लें गलील परदेस म्ह उस पहाड़ पै गये, जिस ताहीं यीशु नै उन ताहीं बताया था।
17 उननै उसका दर्शन पाकै उस ताहीं प्रणाम करया, पर कईयाँ नै शक होया के यीशु जिन्दा
होग्या सै। 18 यीशु नै उनकै धोरै आकै कह्या, “सुर्ग अर धरती का सारा हक मेरै ताहीं दिया गया सै।
19 इस करकै थम जाओ, सारी जात्तां के माणसां ताहीं चेल्ला बणाओ; अर उननै पिता, पुत्र अर
पवित्र आत्मा कै नाम तै बपतिस्मा द्यो, 20 अर उननै सारी बात जो मन्नै थारे ताहीं हुकम दिया सै,
मानना सिखाओ: अर देक्खो मै दुनिया कै अंत तक सदा थारे गैल रहूँगा।”

मरकुस के जरिये लिख्या गया सुसमाचार

[illegible]

मरकुस के जरिये लिख्या गया सुसमाचार इस बात तै शरु होवै सै, “परमेसवर के बेट्टे यीशु मसीह का सुसमाचार।” इस म्ह यीशु ताहीं एक अधिकार कै साथ काम करणीये माणस के रूप म्ह दिख्या ग्या सै। उसका अधिकार उसकी शिक्षाओं म्ह, ओपरी आत्मायाँ पै, उसके अधिकार म्ह, अर माणसां के पापां ताहीं माफ करण म्ह दिखाई देवै सै। इस म्ह यीशु अपणे-आप ताहीं “माणस का बेट्टा” कहवै सै। वो इस करकै आया के माणसां नै पापां तै छुटकारा देण खात्तर अपणी जान देवै। मरकुस यीशु के वचन अर शिक्षा पै न्ही बल्कि उसके काम्मां पै जोर देवै सै। इस करकै वो उसकी कहाँनी नै सीध्धे, आसान अर असरदार तरियां तै पेश कर सै। यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा अर यीशु का बपतिस्मा अर उसकी परख तै जुड़ी एक साफ जानकारी के बाद, लेखक जिब्बे यीशु के चंगाई, शिक्षा अर सेवा के काम्मां का जिक्र करण लाग जावै सै। जिस तरियां बखत बीतता ग्या उस्से तरियां यीशु के चेल्लें उसनै और भी आच्छी तरियां समझदे ग्ये, पर यीशु के बिरोधी और ज्यादा उग्र होन्दे ग्ये। आखरी पाठ म्ह यीशु के संसारिक जीवन के आखरी हफ्ता की घटनायां का जिक्र पेश करै सै। जिन म्ह तै खास सै, उसका क्रूस पै चढ़ाया जाणा अर उसका दुबारा जिन्दा हो जाणा।

रूप-रेखा

सुसमाचार की शरुआत 1:1-13
गलील परदेस म्ह यीशु के जरिये माणसां की सेवा करणा 1:14-9:50
गलील परदेस तै यरुशलेम नगर ताहीं का सफर 10:1-52
यरुशलेम नगर म्ह आखरी हफ्ता 11:1-15:47
यीशु का दुबारा जिन्दा हो जाणा 16:1-8
जिन्दा हो जाणकै बाद प्रभु का दिखाई देणा अर सुर्ग जाणा 16:9-20

[illegible]
([illegible] 3:1-12; [illegible] 3:1-18; [illegible] 1:19-28)

1 यो सुसमाचार यीशु मसीह के बारें म्ह सै। जो परमेसवर का बेट्टा सै। अर इसकी शरुआत इस
तरियां होई 2 जिसा के यशायाह नबी की किताब म्ह परमेसवर नै अपणे बेट्टे ताहीं कह्या सै:
“देख, मै अपणे दूत नै तेरे आग्गै भेज्जू सूं,
जो तेरे खात्तर लोग्गां नै तैयार करैगा।*
3 जंगल-बियाबान म्ह एक रुक्का मारणीये का बोल सुणाई देवै सै के
प्रभु के आण खात्तर अपणे-आपनै तैयार करो।”†
4 वो दूत यूहन्ना था, जो जंगल-बियाबान म्ह कहवै था, “पाप करणा छोड़ द्यो अर बपतिस्मा ल्यो
परमेसवर थारे पाप माफ कर देगा।” 5 सारे यहूदिया परदेस के, अर यरुशलेम नगर के सारे बासिन्दे
लिकड़कै उसकै धोरै गए, अर अपणे पापां नै मानकै यरदन नदी म्ह उसतै बपतिस्मा लिया।
6 यूहन्ना ऊँट के रुए के लत्ते पहरे, अर अपणी कड़ म्ह चमड़े की पेट्टी बाँधे रहवै था, अर
टिड्डियाँ अर शहद खाया करै था।‡ 7 अर न्यू प्रचार करै था, “मेरे पाच्छै वो आण आळा सै, जो
मेरै तै शक्तिशाली सै, मै इस लायक कोनी के झुककै उसके जूत्याँ के फित्ते खोल्लूं। 8 मन्नै तो थारे
ताहीं पाणी तै बपतिस्मा दिया सै पर वो थमनै पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा देवैगा।”

[illegible]
([illegible] 3:13-4:11; [illegible] 3:21-22; 4:1-13)

---
* **1:2** 1:2 मत्ती 11:10, मला-3:1 † **1:3** 1:3 यशा-40:3 ‡ **1:6** 1:6 2 राजा-1:8, मत्ती 3:4

9 उन दिनां म्ह यीशु नै गलील परदेस के नासरत नगर तै होकै, यरदन नदी म्ह यूहन्ना तै बपतिस्मा
लिया। 10 अर जिब वो पाणी म्ह तै लिकड़कै उप्पर आया, तो जिब्बे उसनै अकास ताहीं खुल्दे अर
पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां अपणे उप्पर आन्दे देख्या। 11 अर परमेसवर सुर्ग म्ह तै
बोल्या, "तू मेरा प्यारा बेट्टा सै, तेरे तै मै राज्जी सूं।"
12 फेर पवित्र आत्मा नै जिब्बे उस ताहीं जंगल-बियाबान कान्ही भेज्या। 13 जंगल-बियाबान म्ह
चाळीस दिन ताहीं शैतान उस ताहीं परखता रहया, अर वो जंगल-बियाबान म्ह पशुआं कै गेल्या
रह्या, अर सुर्गदूत उसकी सेवा करदे रहे।

[illegible]
([illegible] 4:12-17; [illegible] 4:14-15)

14 यूहन्ना कै पकड़े जाणकै कुछ बखत पाच्छै, यीशु नै गलील परदेस म्ह आकै परमेसवर कै राज्य
का सुसमाचार प्रचार करया, 15 अर कह्या, "बखत पूरा होया सै, अर परमेसवर का राज्य धोरै आरया
सै; पाप करणा छोड़ द्यो, अर परमेसवर के सुसमाचार पै बिश्वास करो।"

[illegible]
([illegible] 4:18-22; [illegible] 5:1-11)

16 गलील परदेस म्ह गलील समुन्दर कै किनारे जान्दे होड़, उसनै शमौन अर उसके भाई
अन्द्रियास ताहीं समुन्दर म्ह जाळ गेर दे देख्या; क्यूँके वे मछवारे थे। 17 यीशु नै उनतै कह्या,
"मेरै पाच्छै आओ, मै थमनै माणसां ताहीं कठ्ठे करण आळे बणाऊँगा ताके वो मेरे चेल्लें बणे।"
18 वे जिब्बे जाळां नै छोड़कै उसके चेल्लें बणण खात्तर उसकै पाच्छै हो लिये।
19 थोड़ा आग्गै चालकै, उसनै जब्दी के बेट्टे याकूब अर उसकै भाई यूहन्ना ताहीं, किस्ती पै
जाळां ताहीं ठीक करदे देख्या। 20 उसनै जिब्बे उन ताहीं बुलाया; अर वे अपणे पिता जब्दी ताहीं
मजदूरां कै गेल्या किस्ती पै छोड़कै, उसके चेल्लें बणण खात्तर उसकै पाच्छै हो लिये।

[illegible]
([illegible] 4:31-37)

21 जिब यीशु अर उसके चेल्लें कफरनहूम नगर म्ह आए, अर वो जिब्बे आराम कै दिन
आराधनालय म्ह जाकै उपदेश देण लाग्या। 22 अर माणस उसकै उपदेश तै हैरान होगे; क्यूँके वो
उननै शास्त्रियाँ की ढाळ न्ही, पर अधिकार तै उपदेश देवै था। 23 उस्से बखत, उनकै आराधनालय
म्ह एक माणस था, जिसम्ह ओपरी आत्मा थी। 24 उसनै रुक्का मारकै कह्या, "हे नासरत के यीशु,
हमनै तेरे तै के काम? के तू म्हारा नाश करण नै आया सै? मै तन्नै जांणु सूं, तू कौण सै? तू परमेसवर
की ओड़ तै भेज्या होया पवित्र मसीह सै!"
25 यीशु नै उसतै धमकाकै कह्या, "चुपचाप रहै, अर इस माणस म्ह तै लिकड़ जा।" 26 फेर ओपरी
आत्मा ऊँच्ची आवाज म्ह किल्की मारकै उस म्ह तै लिकड़गी।
27 इस बात पै सारे माणस अचम्भा करदे होए आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे, "या के बात सै? यो
तो कोए नया-ए उपदेश सै! वो हक कै गेल्या ओपरी आत्मायाँ नै भी हुकम देवै सै, अर वे उसका
हुकम मान्नै सै।"
28 अर उसका नाम जिब्बे गलील के पूरे परदेस म्ह हरेक जगहां फैलग्या।

[illegible]
([illegible] 8:14-17; [illegible] 4:38-41)

29 यीशु अर उसके सारे चेल्लें जिब्बे आराधनालय म्ह तै लिकड़कै, याकूब अर यूहन्ना कै गेल्या
शमौन अर अन्द्रियास कै घरां आये। 30 शमौन की सास्सू कै बुखार चढ़रया था, अर उसके चेल्यां
नै जिब्बे उसकै बाबत यीशु ताहीं बताया। 31 फेर यीशु नै धोरै जाकै उसका हाथ पकड़कै उस ताहीं
ठाया, अर उसका बुखार उतर ग्या, अर वा उनकी सेवा-पाणी करण लाग्गी।

32 साँझ कै बखत जिब सूरज डूबग्या तो माणस सारे बिमारां ताहीं अर उननै, जीनम्ह ओपरी
आत्मा थी, यीशु कै धोरै ल्याए। 33 अर साब्ता नगर दरबाजे पै कठ्ठा होया। 34 उसनै घणखरयां
ताहीं जो कई ढाळ की बिमारियाँ तै दुखी थे, ठीक करया, घणखरी ओपरी आत्मायाँ ताहीं काढया,
अर ओपरी आत्मायाँ ताहीं बोल्लण कोनी दिया, क्यूँके वे उसनै पिच्छाणै थी, के यीशु परमेसवर की
ओड़ तै भेज्या होया मसीह सै।

[illegible]
([illegible] 4:42-44)

35 तड़कैए दिन लिकड़ण तै पैहल्या, यीशु शमौन के घर तै उठकै लिकड़या, अर एक बियाबान
जगहां म्ह गया अर उड़ै प्रार्थना करण लागग्या। 36 फेर शमौन अर उसके साथी उसकी टोह् म्ह
गए। 37 जिब वो मिल्या, तो उस ताहीं कह्या, "सारे नगर के माणस तन्नै टोहवै सै।" 38 उसनै उनतै
कह्या, "आओ; हम और किते लोवै-धोवै की बस्तियों म्ह जावां, के मै उड़ै भी प्रचार करुँ, क्यूँके मै
इसे खात्तर आया सूं।" 39 अर वो सारे गलील परदेस म्ह उनके आराधनालयाँ म्ह जा-जाकै उन ताहीं
उपदेश सुणान्दा अर ओपरी आत्मायाँ ताहीं लिकाड़दा रह्या।

[illegible]
([illegible] 8:1-4; [illegible] 5:12-16)

40 एक कोढ़ी उसकै धोरै आया, उसतै बिनती करी, अर उसकै आग्गै गोड्डे टेककै उस ताहीं कह्या,
"जै तू चाहवै तो मन्नै ठीक कर सकै सै।" 41 उसनै उसपै तरस खाकै हाथ बढ़ाकै, अर उस ताहीं छू
कै कह्या, "मै चाहूँ सूं, के तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।" 42 अर जिब्बे उसका कोढ़ जान्दा रह्या,
अर वो ठीक होग्या। 43 फेर उसनै उस ताहीं चेतावनी देकै जिब्बे बिदा करया, 44 अर उसतै कह्या,
"लखा, किसे तै कुछ मतना कहिये, पर जाकै अपणे-आपनै याजक ताहीं दिखा, अर अपणे कोढ़ तै
ठीक होण कै बारै म्ह जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र ग्रन्थ म्ह चढ़ावा बताया सै उसनै चढ़ा,
के माणसां खात्तर या गवाही हो, के तू ठीक होग्या सै।" 45 पर वो बाहरणै जाकै इस बात का घणा
प्रचार करण अर याड़ै ताहीं फैलाण लागग्या के यीशु दुबारै सरेआम नगर म्ह कोनी जा सक्या, पर
बाहरणै सुनसान स्थानां म्ह रह्या, अर चौगरदे तै माणस उसकै धोरै आन्दे रहे।

2

[illegible]
([illegible] 9:1-8; [illegible] 5:17-26)

1 थोड़े दिनां पाच्छै यीशु फेर कफरनहूम नगर म्ह आया, अर माणसां नै सुण्या के वो घर म्ह
सै। 2 फेर इतने माणस कठ्ठे होए के दरबाजे धोरै भी जगहां कोनी थी, अर वो उननै परमेसवर के
वचन सुणाण लागरया था। 3 अर चार माणस एक लकवे कै मरीज ताहीं बिस्तर पै लिटाकै उसकै धोरै
ल्याए। 4 पर जिब वे भीड़ कै कारण उसकै धोरै कोनी पोहच सके, तो उननै उस छात ताहीं जिसकै
तळै यीशु था, खोल दिया; तो उस बिस्तर समेत जिसपै वो लकवे का मरीज लेटया था, नीच्चै उतार
दिया। 5 यीशु नै उनका बिश्वास देखकै उस लकवे के मरीज ताहीं कह्या, "हे बेट्टे, मन्नै तेरे पाप
माफ कर दिये।"
6 फेर घणे शास्त्री जो उड़ै बेठ्ठे थे, अपणे-अपणे मन म्ह सोच्चण लाग्गे, 7 "यो माणस न्यू क्यांतै
कहवै सै? यो तो परमेसवर की बुराई करै सै! परमेसवर नै छोड़कै और कौण पाप माफ कर सकै सै?"*
8 यीशु नै जिब्बे अपणे मन म्ह जाण लिया के वे अपणे-अपणे मन म्ह इसा विचार क्यांतै करण
लागरे सै? अर उनतै कह्या, "थम अपणे-अपणे मन म्ह यो विचार क्यूँ करण लागरे सो? 9 आसान
के सै? के लकवे कै मरीज ताहीं यो कहणा के तेरे पाप माफ होए, या फेर यो कहणा के उठ अपणा
बिस्तर ठाकै हाँड-फिर? 10 पर जिसतै थम जाण ल्यो के मुझ माणस कै बेट्टे नै धरती पै पाप माफ
करण का भी हक सै।" उसनै उस लकवे कै मरीज ताहीं कह्या, 11 "मै तेरे तै कहूँ सूं, उठ, अपणे बिस्तर

* **2:7** 2:7 (यशा-43:25)

ठाकै अपणे घरां चल्या जा।” 12 वो उठया अर जिब्बे बिस्तर ठाकै उसकै स्याम्ही तै लिकड़ग्या; इसपै
सारे हैरान होगे, अर परमेसवर की बड़ाई करकै कहण लाग्गे, “हमनै इसा पैहल्या कदे कोनी देख्या।”

[illegible]
([illegible] 9:9-13; [illegible] 5:27-32)

13 यीशु दुबारा लिकड़कै गलील समुन्दर कै किनारे गया, अर सारी भीड़ उसकै धोरै आई, अर वो
उननै उपदेश देण लाग्या। 14 जान्दे होए उसनै हलफई के बेट्टे लेवी जिसका नाम मत्ती था, चुंगी
की चौकी पै बेठ्ठे देख्या, अर उसतै कह्या, “मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।” अर वो
उठकै उसकै पाच्छै हो लिया।
15 जिब वो मत्ती के घर म्ह खाणा खाण बेठ्या, तो घणेए् चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी
कहवै थे, यीशु अर उसकै चेल्यां गेल्या खाणा खाण बेठ्ठे; क्यूँके वे घणे सारे थे, अर उसकै साथ हो
लिए थे। 16 शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ नै न्यू देखकै के वो तो पापी अर चुंगी लेण आळा गेल्या खाणा
खावै सै, उसके चेल्यां ताहीं कह्या, “वो तो चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग पापी कहवै सै, उनकै
गेल्या खावै-पीवै सै।”
17 यीशु नै या सुणकै उनतै कह्या, “आच्छे-बिच्छयां नै वैद की जरूरत कोनी, पर बिमारां नै सै:
जो अपणे-आपनै धर्मी कहवै सै, मै उननै न्ही, पर जो अपणे-आपनै पापी कहवै सै उननै बुलाण आया
सूं।”

[illegible]
([illegible] 9:14-17; [illegible] 5:33-39)

18 यूहन्ना के चेल्लें, अर फरीसी ब्रत करया करै थे, तो उननै आकै उसतै कह्या, “यूहन्ना के चेल्लें
अर फरीसियाँ के चेल्लें ब्रत क्यांतै करै सै, पर तेरे चेल्लें ब्रत न्ही राखदे?”
19 यीशु नै उनतै कह्या, “जिब ताहीं बन्दड़ा बरातियाँ कै गेल्या सै, के वे ब्रत राख सकै सै? आखर
जिब ताहीं बन्दड़ा उनकै गेल्या सै, जद ताहीं वे ब्रत कोनी कर सकदे। 20 पर वे दिन भी आवैगें जिब
बन्दड़ा उनतै न्यारा करया जावैगा; उस बखत वे ब्रत करैगें।
21 “नये लत्यां की थेग्ळी पुराणे लत्यां पै कोए न्ही लगान्दा, न्ही तो वा थेग्ळी उस म्ह तै खुस्का
लेवैगी, यानिके नया, पुराणे तै, अर वो पैहल्या तै घणा पाट जावैगा। 22 नये अंगूर के रस ताहीं
पुराणी मशकां म्ह कोए कोनी राखदा, न्ही तो अंगूर का रस मशकां नै पाड़ देवैगा, अर अंगूर का रस
अर मशक दोनुआ का नाश हो जावैगा, पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरया जावै सै।”

[illegible]
([illegible] 12:1-8; [illegible] 6:1-5)

23 न्यू होया के आराम कै दिन यीशु चेल्यां कै गैल खेत्तां म्ह तै होकै जाण लागरया था, अर उसके
चेल्लें चाल्दे होए गेहूँ की बाल तोड़ण लाग्गे।† 24 तो फरीसियाँ नै उस ताहीं कह्या, “देख, ये आराम
कै दिन वो काम क्यांतै करै सै? जो नियम-कायदा के खिलाफ सै।”
25 यीशु नै उनतै कह्या, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढ़या के जिब म्हारे पूर्वज दाऊद
नै जरूरत होई, अर जिब वो अर उसके साथी भूक्खे होए, फेर उसनै के करया था? 26 उसनै किस
ढाळ अबियातार महायाजक कै बखत, परमेसवर कै घर म्ह जाकै भेंट की रोट्टी खाई, जिनका खाणा
याजकां नै छोड़ और किसे कै खात्तर खाणा ठीक कोनी, अर अपणे साथियाँ ताहीं भी दी?”
27 फेर उसनै उन ताहीं कह्या, “आराम का दिन माणस खात्तर बणाया गया सै, ना के माणस आराम
कै दिन के खात्तर। 28 इस करकै मै माणस का बेट्टा आराम कै दिन का भी माल्लिक सूं।”

3

[illegible]
([illegible] 12:9-14; [illegible] 6:6-11)

† **2:23** 2:23 (व्य-23:25)

[1] यीशु फेर आराम कै दिन आराधनालय म्ह गया; उड़ै एक माणस था जिसका हाथ सूखरया था,
[2] अर फरीसी यीशु पै दोष लाण खात्तर उसकी टाह म्ह थे के देक्खै, वो आराम कै दिन उसनै ठीक
करै सै के न्ही। [3] उसनै सूखे हाथ आळे माणस तै कह्या, "बीच म्ह खड्या होज्या"
[4] अर उनतै कह्या, "के मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक आराम कै दिन भला करणा ठीक सै या
बुरा करणा, जान बचाणा या मारणा?" पर वे बोल-बाल्ले रहे।
[5] फेर उसनै उनकै मन की कठोरता तै काल होकै, उन ताहीं छो तै चोगरदेनै देख्या, अर उस माणस
ताहीं कह्या, "अपणा हाथ बढ़ा।" उसनै बढ़ाया, अर उसका हाथ ठीक हो गया। [6] फेर फरीसी बाहरणै
जाकै जिब्बे हेरोदेस राजा के समर्थकां कै गेल्या उसकै बिरोध म्ह सलाह करण लाग्गे के उसका नाश
किस तरियां करया जावै।

[illegible]

[7] यीशु अपणे चेल्यां गेल्या गलील समुन्दर कान्ही चल्या गया: अर गलील तै एक बड्डी भीड़
उसकै पाच्छै हो ली; [8] अर यहूदिया नगर, अर यरुशलेम नगर, अर इदूमिया परदेस, अर यरदन
नदी के परली ओड़, अर सूर अर सैदा नगर के लोवै-धोवै तै एक बड्डी भीड़ न्यू सुणकै के वो किसे
अचम्भे आळे काम करै सै, उसनै देक्खण आई। [9] यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, "भीड़ की बजह तै
एक छोट्टी किस्ती मेरै खात्तर त्यार राखियों ताके वे मन्नै दाब न्ही सकै।" [10] क्यूँके उसनै घणखरयां
ताहीं ठीक करया था, इस करकै जितने माणस बीमार थे, उस ताहीं छूण खात्तर उसपै पड़ण लागरे
थे। [11] जिन म्ह ओपरी आत्मा भी जिब उस ताहीं देक्खै थी, तो उसकै स्याम्ही गिर ज्या थी, अर
किल्की मारकै कहवै थी, तू परमेसवर का बेट्टा सै। [12] अर उसनै ओपरी आत्मायाँ ताहीं चेतावनी
देकै कह्या के मेरै बारै म्ह किसे तै ना कहियो के मै कौण सूं।

[illegible]
([illegible] 10:1-4; [illegible] 6:12-16)

[13] फेर यीशु पहाड़ पै चढ़ग्या, अर जिन नै वो चाहवै था उन ताहीं अपणे धोरै बुलाया; अर वे
उसकै धोरै आए। [14] फेर उसनै उन म्ह तै बारहा चेल्यां ताहीं नियुक्त करया के वे उसकै गेल्या-गेल्या
रहवै, अर वो उननै भेज्जै के वे प्रचार करै, [15] अर ओपरी आत्मा ताहीं काढ़ण का हक राक्खै। [16] वे
बारहा चेल्लें ये सै: "शमौन जिसका नाम उसनै पतरस धरया, [17] अर जब्दी का बेट्टा याकूब अर
याकूब का भाई यूहन्ना, जिसका नाम उसनै बुअनरगिस यानिके 'गरजण का बेट्टा' धरया।" [18] अर
अन्द्रियास, अर फिलिप्पुस, अर बरतुल्मै, अर मत्ती, अर थोमा, अर हलफई का बेट्टा याकूब, अर
तद्दै, अर शमौन कनानी, [19] अर यहूदा इस्करियोती जिसनै उस ताहीं पकड़वा भी दिया था।

[illegible]
([illegible] 12:22-32; [illegible] 11:14-23; 12:10)

[20] फेर यीशु घरां आया; अर इसी भीड़ कठ्ठी होई, के यीशु अर उसके चेल्यां पै रोट्टी भी कोनी
खाई गई। [21] जिब उसके कुण्बा आळा न्यू सुण्या, तो वे उस ताहीं घरां ले जाण खात्तर लिकड़े; क्यूँके
वे कहवै थे, "के उसका दिमाग ठिकाणै कोनी सै"
[22] शास्त्री भी जो यरुशलेम नगर तै आये थे, वे कहवै थे, "उस म्ह शैतान सै," अर न्यू भी के "वो
ओपरी आत्मायाँ के सरदार शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ै सै।"
[23] ज्यातै यीशु उननै धोरै बुलाकै उदाहरणां म्ह कहण लाग्या, "शैतान क्यूँकर ओपरी आत्मायाँ नै
काढ सकै सै?" [24] जै किसे राज्य म्ह फूट पड़ै, तो वो राज्य किस तरियां टिक्या रह सकै सै? [25] अर
जै किसे घर म्ह फूट पड़ै, तो वो घर क्यूँकर डटया रह सकैगा? [26] इस करकै जै शैतान खुद का ए
बिरोधी होकै अपणे म्ह फूट गेरै, तो वो किस तरियां बण्या रहै सकै सै? उसका तो नाश हो जावै
सै। [27] "पर कोए माणस किसे ताड्डे माणस कै घर म्ह बड़कै उसका माळ कोनी लूट सकदा, जिब
तक के पैहल्या उस ताड्डे माणस ताहीं ना जुड़ ले; जिब वो उसके घर नै लूट लेवैगा। [28] मै थमनै
साच्ची-साच कहूँ सूं के माणसां के सारे पाप अर बुराई जो वे करै सै, माफ करे जावैंगे, [29] पर जो कोए

पवित्र आत्मा कै बिरोध म्ह बुराई करै सै, वो कदे माफ कोनी करया जावैगा: बल्के वो अनन्त पाप
का कसूरवार बण ज्यागा।”
30 क्यूँके वे न्यू कहवै थे के उस म्ह ओपरी आत्मा सै।

□□□□ □□ □□□ □□ □□□
(□□□□□ 12:46-50; □□□□ 8:19-21)

31 फेर यीशु की माँ अर उसके भाई आए, अर बाहरणै खड़े होकै उस ताहीं बुलावा भेज्या। 32 भीड़
उसकै लोवै-धोवै बेठ्ठी थी, अर उनने उसतै कह्या, “देख, तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै तन्नै टोहवै
सै।”
33 यीशु नै उनतै जवाब दिया, “मेरी माँ अर मेरे भाई कौण सै?”
34 अर जो उसकै लोवै-धोवै बेठ्ठे थे, उनपै निगांह करकै कह्या, “देक्खों, मेरी माँ अर मेरे भाई ये
सै। 35 क्यूँके जो कोए परमेसवर की इच्छा पै चाल्लै, वोए मेरा भाई, मेरी बेब्बे, अर मेरी माँ सै।”

4

□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□
(□□□□□ 13:1-9; □□□□ 8:4-8)

1 यीशु फेर गलील समुन्दर कै किनारे उपदेश देण लागग्या: अर इसी बड्डी भीड़ उसकै धोरै
कठ्ठी होगी के वो समुन्दर म्ह एक किस्ती पै चढ़कै बैठग्या, अर सारी भीड़ जमीन पै समुन्दर कै
किनारे खड़ी रही। 2 अर वो उननै उदाहरणां म्ह घणीए बात सिखाण लाग्या, अर अपणे उपदेश म्ह
उन ताहीं कह्या, 3 “सुणो! एक किसान बीज बोण लिकड़या। 4 बोंदे बखत कुछ राही कै किनारे पड़े,
अर पंछियाँ नै आकै उन ताहीं चुग लिया। 5 कुछ पथरीली धरती पै पड़े जड़ै उसनै घणी माट्टी ना
मिली, अर ढुंघी माट्टी ना मिलण कै कारण तोळाए उग्या, 6 अर जिब सूरज लिकड़या तो जळगे,
अर जड़ ना पकड़ण कै कारण सुखगे। 7 कुछ झाड़ियाँ म्ह पड़े, अर झाड़ियाँ नै आग्गै बढ़कै उन
ताहीं दाब दिया, अर वो फळ कोनी ल्याये। 8 पर कुछ आच्छी धरती पै पड़े, अर वो उग्या अर बढ़कै
फळ ल्याये; अर कोए तीस गुणा, कोए साठ गुणा अर कोए सौ गुणा फळ ल्याया।”
9 फेर उसनै कह्या, “जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले।”

□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□
(□□□□□ 13:10-17; □□□□ 8:9-10)

10 जिब यीशु एक्ला रहग्या, तो उसके साथियाँ नै उन बारहां चेल्यां सुधा उसतै इन उदाहरणां
कै बारै म्ह बुझ्झया। 11 उसनै उनतै कह्या, “थारे ताहीं तो परमेसवर कै राज्य के भेद की समझ दे
राक्खी सै, पर बाहर आळा खात्तर सारी बात उदाहरणां म्ह होवै सै।” 12 इस करकै के
“वे देखदे होए देक्खै पर उननै दिखाई ना देवै
अर सुणदे होए सुणै भी पर ना समझै;
इसा ना हो के वे पाप करणा छोड़दे, अर वे माफ करे जावै।”*

□□□ □□□ □□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□□□□□
(□□□□□ 13:18-23; □□□□ 8:11-15)

13 फेर यीशु नै उनतै कह्या, “के थम यो उदाहरण कोनी समझे? तो फेर और सारे उदाहरणां नै
किस तरियां समझोगे? 14 किसान जो बीज बोण आळा सै वो वचन बोण आळे कै समान सै। 15 राही
कै किनारे गिरे बीज उन माणसां की तरियां सै जो वचन सुणै सै, तो शैतान जिब्बे आकै वचन नै जो
उन म्ह बोया गया था, ठा ले जावै सै। 16 उस्से तरियां-ए जो पथरीली धरती पै बीज गिरे सै, ये वे
सै जो वचन सुणकै जिब्बे खुश होकै अपणा लेवैं सै। 17 पर उनकै भीत्तर जड़ न्ही पकड़ण कै कारण
थोड़े-से दिनां कै खात्तर रहै सै; इसकै बाद जिब वचन कै कारण उनपै क्लेश या संकट आवै सै, तो वे
जिब्बे ठोक्कर खा जावै सै। 18 जो झाड़ियाँ म्ह बीज गिरे ये वे सै जिन नै वचन सुण्या, 19 अर दुनिया

* **4:12** 4:12 (यशा-6:9-10, यिर्म-5:21)

की फिक्र, अर धन का धोक्खा, अर दुसरी चिज्जां का लालच म्हं पड़कै वचन नै दाब देवै सै अर वो
फळदा कोनी। 20 अर जो आच्छी धरती पै बीज गिरे, ये वे सै जो वचन सुणकै अपणा लेवैं सै अर
फळ ल्यावै सै, कोए तीस गुणा, कोए साठ गुणा अर कोए सौ गुणा।"

[illegible]
([illegible] 8:16-18)

21 यीशु नै उनतै एक और उदाहरण दिया, "के दीवै नै इस खात्तर कोनी जळान्दे, के उसनै बरतन
या खाट कै तळै धर देवां? पर इस खात्तर के टांडी पै धरया जावै? 22 इसा कुछ भी न्ही जो लुक्या
हो, अर खोल्या न्ही जावैगा अर ना कुछ गुप्त सै, जिसके बारें म्हं बेरा ना लाग्गै। 23 जै किसे के
कान हों, तो ध्यान तै सुण ले।"
24 फेर उसनै उनतै कह्या, "चौक्कस रहियो की के सुणो सो। जिस नाप तै थम नाप्पो सों उस्से
नाप तै थारे खात्तर भी नाप्या जावैगा। अर थारे ताहीं घणा दिया जावैगा। 25 क्यूँके जिसकै धोरै सै,
उस ताहीं दिया जावैगा, अर जिसकै धोरै न्ही सै, उसतै वो भी जो उसकै धोरै सै, ले लिया जावैगा।"

[illegible]

26 फेर यीशु नै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया, "परमेसवर का राज्य इसा सै, जिसा कोए माणस
धरती पै बीज छिड़कै सै, 27 अर रात नै सोग्या अर सबेरै जाग ग्या, अर वो बीज इसा उगै अर बधै
सै के उसनै बेराए कोनी लाग्या। 28 धरती खुद-बै-खुद फळ लावै सै, पैहल्या अंकुर, फेर बाल, अर
फेर बाल म्हं त्यार दाणा। 29 पर जिब दाणा पक जावै सै, फेर वो जिब्बे दांती लावै सै, क्यूँके लामणी
का बखत आण पोहचा सै।"[†]

[illegible]
([illegible] 13:31-32-34; [illegible] 13:18-19)

30 फेर यीशु नै उन ताहीं एक और उदाहरण दिया, "हम परमेसवर के राज्य की बराबरी किसतै
करां अर किस उदाहरण तै उसका खुलास्सा करां? 31 वो राई कै दाणै की ढाळ सै: जिब धरती म्हं
बोया जावै सै तो धरती के सारे बीज्जां तै छोट्टा होवै सै, 32 पर जिब बोया गया, तो जामकै सारे
सागपात तै बड्डा हो जावै सै, अर उसकी इतनी बड्डी डाळी लिकड़ै सै के अकास के पंछी उसकी
छाया तळै बसेरा कर सकै सै।"
33 यीशु उन ताहीं इस तरियां कै घणे उदाहरण दे-देकै उनकी समझकै मुताबिक वचन सुणावै था,
34 अर इस तरियां की शिक्षा देण खात्तर वो उदाहरणां का ए इस्तमाल करया करदा; पर एक्ले म्हं
वो अपणे चेल्यां ताहीं सारी बात्तां का मतलब बतावै था।

[illegible]
([illegible] 8:23-27; [illegible] 8:22-25)

35 उस्से दिन जिब साँझ होई, तो यीशु नै चेल्यां तै कह्या, "आओ, हम समुन्दर के परली ओड़
चाल्लां।" 36 अर वे भीड़ नै छोड़कै जिसा वो था, उसाए उस ताहीं किस्ती पै गेल्या ले चाल्ले; अर
उसकै गेल्या और भी किस्ती थी। 37 फेर बड़ीए आँधी आई, अर पाणी की झाल किस्ती कै उरै ताहीं
लाग्गी के वा पाणी तै भरण नै होगी। 38 पर यीशु पाच्छले हिस्से म्हं गद्दी लगाई सोण लाग रह्या
था। फेर उननै उस ताहीं जगाकै उसतै कह्या, "हे गुरु, के तन्नै चिन्ता कोनी के हम डूबके मरण आळे
सां?"
39 फेर उसनै उठकै आँधी ताहीं धमकाया, अर पाणी की झाल तै कह्या, "शांत रहै, थम ज्या।"
अर आँधी थमगी अर पूरी तरियां शान्ति छागी।
40 उसनै उनतै कह्या, "थम क्यूँ डरो सों? के थमनै इब ताहीं बिश्वास कोनी?"[‡]
41 वे घणे डरगे, अर आप्पस म्हं बोल्ले, "यो कौण सै के आँधी अर पाणी की झाल भी उसका हुकम
मान्नैं सै?"

---
† **4:29** 4:29 (योए-3:13) ‡ **4:40** 4:40 (भज-107:29)

5

[illegible]
([illegible] 8:28-34; [illegible] 8:26-39)

1 यीशु अर उसके चेल्लें गलील समुन्दर कै परली ओड़ गिरासेनियों कै परदेस म्ह पोहचे, 2 जिब
यीशु किस्ती पै तै उतरया तो जिब्बे एक माणस जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, कब्रिस्तान म्ह तै लिकड़कै
उसतै मिल्या। 3 वो कब्रिस्तान म्ह रह्या करै था अर कोए उस ताहीं बेल्लां तै भी कोनी जुड़ सकै था,
4 क्यूँके वो घणीए बर बेड़ियाँ अर बेल्लां तै जुड्यां गया था, पर उसनै बेल्लां ताहीं तोड़ दिया था अर
बेड़ियाँ के टुकड़े-टुकड़े कर दिये थे, अर कोए उस ताहीं बस म्ह कोनी कर सकै था। 5 वो सारीहाण
रात-दिन कब्रिस्तानां अर पहाड़ां म्ह किल्की मारदा अर खुद नै पत्थरां तै जख्मी करै था।
6 वो यीशु नै दूर तै ए देखकै भाजकै आया, उसके पायां म्ह पड़कै घुटने टेक दिए, 7 अर जोर
तै किल्की मारकै कह्या, "हे यीशु, परमप्रधान परमेसवर के बेट्टे, मन्नै तेरे तै के काम? मै तन्नै
परमेसवर की कसम दियुँ सूं के मन्नै काल ना करै।"* 8 क्यूँके उसनै उसतै कह्या था, "हे ओपरी
आत्मा, इस माणस म्ह तै लिकड़ आ!"
9 यीशु नै उसतै बुझ्झया, "तेरा के नाम सै?" उसनै उस ताहीं कह्या, "मेरा नाम सेना सै, क्यूँके
हम घणे सां।" 10 अर उसनै यीशु तै घणी बिनती करी, "के हमनै इस परदेस तै बाहरणै ना खन्दावै।"
11 उड़ै पहाड़ पै सूअरां का एक बड्ड़ा टोळ चरै था। 12 ओपरी आत्मायाँ नै यीशु तै बिनती करकै
कह्या, "हमनै उन सूअरां म्ह भेजदे के हम उनकै भीत्तर समा जावां।" 13 यीशु नै उन ताहीं हुकम
दिया अर ओपरी आत्मा लिकड़कै सूअरां कै भीत्तर समागी अर टोळ, जो कोए दो हजार का था,
ढळान पै तै झपटकै गलील समुन्दर म्ह पड़कै डूब मरया।
14 उनके पाळीयाँ नै जो डरे होए थे, भाजकै कस्बे अर गाम्मां म्ह खबर सुणाई, अर जो होया
था, माणस उस ताहीं देक्खण आए। 15 अर यीशु कै धोरै आकै वे उस ताहीं जिसम्ह ओपरी आत्मा
थी, यानिके जिस म्ह सेना बड़री थी, लत्ते पहरे अर सोध्दी म्ह बेठ्ठे देख्या। 16 अर देखण आळा
नै उसका, जिसम्ह ओपरी आत्मा थी, अर सूअरां का पूरा किस्सा उन ताहीं कह सुणाया। 17 फेर वे
उसतै बिनती करकै कहण लाग्गे के म्हारी सीमा तै लिकड़ज्या।
18 जिब यीशु किस्ती पै चढ़ण लागग्या, तो वो जिस म्ह पैहल्या ओपरी आत्मा थी, उसतै बिनती
करण लाग्या, के "मन्नै अपणे गेल्या रहण दे।" 19 पर यीशु नै उस ताहीं मंजूरी कोनी देई, अर उसतै
बोल्या, "अपणे घरां जाकै अपणे माणसां नै बता, के तेरे पै दया करकै प्रभु नै तेरे खात्तर किसे बड़े-
बड़े काम करे सै।" 20 वो जाकै दिकापुलिस नगर म्ह इस बात का प्रचार करण लाग्या, के यीशु नै
मेरै खात्तर किस ढाळ के बड़े काम करे; अर जिसनै भी यो सुण्या वे सारे अचम्भा करण लाग्गे।

[illegible]
([illegible] 9:18-26; [illegible] 8:40-56)

21 जिब यीशु किस्ती तै दुसरे किनारे पै गया, तो एक बड्डी भीड़ उसकै धोरै कठ्ठी होगी; वो
गलील समुन्दर का किनारा था। 22 आराधनालयाँ कै सरदारां म्ह तै एक याईर नाम का आदमी
आया, अर उसनै देखकै उसकै पायां के म्ह पड़ग्या, 23 अर न्यू कहकै उस ताहीं बिनती करी, "मेरी
छोट्टी छोरी मरण नै होरी सै: तू आकै उसपै हाथ धरदे, तो वा ठीक होकै जिन्दा हो जावै।" 24 फेर
वो उसकै गेल्या चाल्या; अर बड्डी भीड़ उसकै पाच्छै हो ली, याड़ै ताहीं के माणस उसपै पड़ण
लागरे थे।
25 एक बिरबान्नी थी, जिसकै बारहा साल तै लहू बहण की बीमारी थी। 26 उसनै घणे डाक्टरां तै
ईलाज करवा कै भी बड़ा दुख ठाया, अर उसनै अपणा सारा रपियाँ खर्च कै भी कोए फायदा कोनी
होया, पर उसकी बीमारी और भी घणी बढ़गी थी।

---
* **5:7** 5:7 (मत्ती 8:29, 1 राजा-17:18)

27 वा बिरबान्नी यो सुणकै, यीशु माणसां नै ठीक करै सै भीड़ म्ह उसकै पाच्छै तै आई अर उसकै
लत्ते ताहीं छू लिया, 28 अर वा या भी कहवै थी, "जै मै उसकै लत्ते नै छू ल्यूँगी, तो ठीक हो जाऊँगी।"
29 अर जिब्बे उसका लहू बहणा बन्द हो गया, अर उसनै अपणे देह म्ह बेरा लागग्या के मै उस बीमारी
तै चंगी होगी सूं।

30 यीशु नै जिब्बे खुद तै बेरा पाटग्या के मेरै म्ह तै सामर्थ लिकड़ी सै, अर भीड़ कै पाच्छै फिरकै
बुझ्झया, "मेरे लत्ते किसनै छुए?"

31 उसके चेल्यां नै उसतै कह्या, "तू देक्खै सै के भीड़ तेरपै गिरण-पड़ण लागरी सै, अर तू पूच्छै सै
के किसनै मेरै ताहीं छुया?"

32 फेर उसनै उस ताहीं देखण खात्तर जिसनै यो काम करया था, चोगरदेनै निगांह घुमाई। 33 फेर
वा बिरबान्नी न्यू जाणकै के मेरी किसी भलाई होई सै, डरगी अर काम्बदी होई आई, अर उसकै पायां
म्ह पड़कै उस ताहीं सारा हाल सच-सच कह दिया। 34 यीशु नै उसतै कह्या, "बेट्टी, तेरे बिश्वास नै
तेरे ताहीं ठीक करया सै, खुशी-खुशी जा, अर अपणी इस बीमारी तै ठीक रह।"†

35 यीशु न्यू कहवै था के आराधनालय कै सरदार याईर कै घर तै माणसां नै आकै कह्या, "तेरी
छोरी तो मर ली सै, इब गुरु नै क्यांतै कांल करै सै?"

36 जो बात वे कहरे थे, उस ताहीं यीशु नै बेगौरी करकै, आराधनालय कै सरदार तै कह्या, "मतना
डरै, सिर्फ बिश्वास राख।"

37 अर उसनै पतरस अर याकूब अर उसकै भाई यूहन्ना नै छोड़, किसे दुसरे ताहीं अपणे गेल्या
आण ना दिया।

38 आराधनालय कै सरदार कै घर म्ह पोहचकै, उसनै माणसां ताहीं घणे रोन्दे अर किल्की मारदे
देख्या। 39 फेर उसनै भीत्तर जाकै उनतै कह्या, "थम क्यांतै रोळा मचाओ अर रोओ सो, छोरी मरी
कोनी, पर सोवै सै।" 40 वे उसका मजाक उड़ाण लाग्गे, पर उसनै सारया ताहीं बाहर लिकाड़कै छोरी
कै माँ-बाप अर अपणे चेल्यां कै गेल्या भीत्तर गया, जित्त छोरी पड़ी थी। 41 अर छोरी का हाथ
पकड़कै उसतै कह्या, "तलिता कूमी!" जिसका मतलब सै, "हे छोरी, मै तेरे तै कहूँ सूं, उठ!" 42 अर
वा छोरी जो बारहा साल की थी, जिब्बे उठकै चाल्लण-फिरण लाग्गी; अर इसपै माणस घणे हैरान
होगे। 43 फेर उसनै उन ताहीं चेतावनी देकै हुकम दिया के इस बात का किसे नै भी बेरा ना पाट्टण
दियो अर कह्या, "इसनै कुछ खाण नै द्यो।"

6

[illegible]
([illegible] 13:53-58; [illegible] 4:16-30)

1 कफरनहूम नगर तै लिकड़कै यीशु अपणे नासरत नगर म्ह आया, अर उसके चेल्लें भी उसकै
पाच्छै गए। 2 आराम कै दिन वो आराधनालय म्ह उपदेश देण लागग्या, अर घणखरे माणसां नै सुणकै
अचम्भा करया अर कहण लाग्गे, "इसनै इतनी बात कड़े तै आगी?" यो कौण सा ज्ञान सै जो उस
ताहीं दिया होया सै? किस ढाळ के सामर्थ के काम उसकै हाथ्थां तै दिक्खै सै? 3 के यो वोए खात्ती
कोनी, जो मरियम का छोरा, अर याकूब, योसेस, यहूदा, अर शमौन का भाई सै? के उसकी सारी
बेब्बे याड़ै म्हारै बिचाळै कोनी रहन्दी? इस करकै उननै उसका बिश्वास कोनी करा।

4 यीशु नै उनतै कह्या, "नबी का अपणे गाम, अपणे कुण्बे, अर अपणे घर नै छोड़कै और किते भी
निरादर कोनी होन्दा।" 5 वो उड़ै कोए चमत्कार के काम न्ही कर सक्या, सिर्फ थोड़े-से बिमारां पै हाथ
धरकै उन ताहीं ठीक करया।

6 अर यीशु नै उनकै अबिश्वास पै हैरानी होई अर चौगरदे के गाम्मां म्ह उपदेश सुणान्दा हांडया।

† **5:34** 5:34 (लूका 8:48)

[illegible]
([illegible] 10:5-15; [illegible] 9:1-6)

7 यीशु नै बारहां चेल्यां ताहीं अपणे धोरै बुलाया अर उननै ओपरी आत्मायाँ पै हक दिया अर उननै
दो-दो करकै भेजण लागग्या;।
8 उसनै चेल्यां ताहीं हुकम दिया, "रास्ते खात्तर लाठ्ठी नै छोड़ और कुछ ना लियो, ना तो रोट्टी,
ना झोळी, ना बटुए म्ह पईसे, 9 जूत्ते तो पैहरियो पर पैहरण खात्तर दो कुड़ते ना लियो।" 10 अर
यीशु नै चेल्यां ताहीं कह्या, "जित्त किते थम जिस घर म्ह जाओ, तो जिब ताहीं उड़ै तै बिदा ना
होइयो तब तक उस्से घर म्ह ठहरे रहो। 11 जिस जगहां के माणस थमनै न्ही अपणावै अर थारी न्ही
सुणै, उड़ै तै चाल्दे-ए अपणे ताल्वां की धूळ झाड़ दियो के या उनकै बिरुध्द गवाही होवै।"
12 फेर चेल्यां नै जाकै प्रचार करया के पाप करणा छोड़ द्यो, 13 अर घणीए ओपरी आत्मा ताहीं
काढया, अर घणे बिमारां पै तेल मळ कै उन ताहीं ठीक करया।

[illegible]
([illegible] 14:1-12; [illegible] 9:7-9)

14 राजा हेरोदेस नै भी यीशु का जिक्र सुण्या, क्यूँके उसका नाम फैलग्या था, अर उसनै कह्या,
के "यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा मरया होया म्ह तै जिन्दा होया सै, इस्से करकै उसतै ये सामर्थ के
काम होवै सै।"
15 दुसरे माणसां नै कह्या, "यो एलिय्याह सै।" पर कुछ दुसरयां नै कह्या, "वो एक नबी सै पुराणे
नबियाँ म्ह तै किसे कै बरगा।"
16 हेरोदेस नै न्यू सुणकै कह्या, "जिस यूहन्ना का सिर मन्नै कटवाया था, वोए जिन्दा होया सै।"
17 हेरोदेस नै अपणे भाई फिलिप्पुस की घरआळी हेरोदियास कै कारण, जिसतै उसनै ब्याह कर
लिया था, माणसां ताहीं भेजकै यूहन्ना ताहीं पकड़वाकै जेळ म्ह गेर दिया था। 18 क्यूँके यूहन्ना
नै हेरोदेस तै कह्या था, "अपणे भाई की घरआळी ताहीं राखणा मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक
तेरे खात्तर ठीक कोनी।"* 19 इस करकै हेरोदियास यूहन्ना तै बैर राख्या करै थी अर वा चाहवै थी
के उसनै मरवा देवै, पर इसा हो न्ही सक्या, 20 क्यूँके हेरोदेस यूहन्ना नै धर्मी अर पवित्र माणस
जाणकै उसतै डरै था, अर उसका बचाव करै था, अर उसकी बात सुणकै घणा घबरावै था, फेर भी
उसकी बात्तां नै आनन्द तै सुणै था।
21 आखिरकार एक इसा मौक्का आया, जिब हेरोदेस नै अपणे जन्म दिन पै अपणे प्रधानां,
सेनापतियाँ, अर गलील कै बड़े माणसां कै खात्तर जीमणा करया। 22 तो हेरोदियास की बेट्टी
भीत्तर आई, अर नाचकै हेरोदेस ताहीं अर उसकै गेल्या बैठण आळा ताहीं राज्जी करया। फेर
राजा नै छोरी तै कह्या, "तू जो चाहवै मेरै तै माँग ले, मै तन्नै वोए दियुँगा।" 23 हेरोदेस नै कसम
खाई, "मै अपणा आध्धा राज्य तक जो कुछ तू मेरै तै माँगैगी मै तन्नै दियुँगा।"†
24 उसनै बाहरणै जाकै अपणी माँ तै बुझया, "मै के माँग्गू?" वा बोल्ली, "यूहन्ना बपतिस्मा देण
आळे का सिर।"
25 वा जिब्बे राजा धोरै भीत्तर आई अर उसतै बिनती करी, "मै चाहूँ सूं के तू इब्बे यूहन्ना
बपतिस्मा देण आळे का सिर एक थाळ म्ह मन्नै मँगवा दे।"
26 फेर राजा घणा दुखी होया, पर अपणी कसम कै कारण अर गेल्या बैठण आळा कै कारण उस
ताहीं टाळणा कोनी चाह्या। 27 आखर म्ह राजा नै जिब्बे एक सिपाही ताहीं हुकम देकै भेज्या के
उसका सिर काट ल्यावै। 28 उसनै जेळखान्ने म्ह जाकै उसका सिर काटया, अर एक थाळ म्ह धरकै
ल्याया अर छोरी ताहीं दिया, अर छोरी नै अपणी माँ तै दिया। 29 न्यू सुणकै यूहन्ना के चेल्लें आए,
अर उसकी लाश नै लेगे अर कब्र म्ह धर दी।

---

* **6:18** 6:18 (लैव्य-18:16, लैव्य-20:21) † **6:23** 6:23 (एस्ते-5:3,6, एस्ते-7:2)

[illegible]
([illegible] 14:13-14; [illegible] 9:10)

30 चेल्लें बोहड़कै यीशु कै धोरै आये, जो कुछ उननै करया अर सिखाया था, सब कुछ उस ताहीं
बता दिया।
31 यीशु नै चेल्यां तै कह्या, “आओ हम किसे एकान्त जगहां म्ह चालकै माड़ा आराम करां।” क्यूँके
घणे माणस आवै-जावै थे, अर उननै खाण का मौक्का भी कोनी मिलै था।
32 ज्यांतै वे किस्ती पै चढ़कै सुनसान जगहां म्ह न्यारे चले गए।

[illegible]
([illegible] 14:15-21; [illegible] 9:11-17; [illegible] 6:1-14)

33 घणा नै यीशु अर उसके चेल्यां ताहीं जान्दे देखकै पिछाण लिया, अर सारे नगरां तै कठ्ठे होकै
उड़ै पांए-पाँ भाज लिए अर उनतै पैहल्या जा पोहचे।
34 उसनै उतरकै बड्डी भीड़ देक्खी, अर उनपै तरस खाया, क्यूँके वे उन भेडया की तरियां थे,
जिनका कोए रुखाळा ना हो; अर वो उननै घणीए बात सिखाण लाग्गया।‡
35 जिब दिन घणा ढळग्या, तो उसके चेल्लें उसकै धोरै आकै कहण लागगे, “या सुनसान जगहां
सै, अर दिन घणा ढळग्या सै। 36 उननै बिदा करकै चौगरदेकै गाम्मां अर बस्तियाँ म्ह जाकै, अपणे
खाण खात्तर कुछ मोल लियावै।”
37 यीशु नै जवाब दिया, “थमे उननै खाण नै द्यो।” चेल्यां नै उस ताहीं कह्या, “के हम दो सौ दीनार
(200 दिन की मजदूरी) की रोट्टी मोल ल्यावां, अर उननै खुआवां?”
38 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “जाकै देक्खो थारे धोरै कितनी रोट्टी सै?” उननै कह्या, “पाँच रोट्टी
अर दो मच्छी भी।”
39 फेर यीशु नै उन ताहीं हुकम दिया के सारया नै हरी घास पै टोळ म्ह बिठा द्यो।
40 वे सौ-सौ अर पचास-पचास करकै टोळ म्ह बैठगें। 41 यीशु नै उन पाँच रोट्टी अर दो मच्छियाँ
ताहीं लिया, अर सुर्ग कै कान्ही लखाकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर रोट्टी तोड़-तोड़कै चेल्यां
ताहीं देन्दा गया के वे माणसां ताहीं बांडै, अर वे दो मच्छियाँ भी उन सारया म्ह बांड दी।
42 सारे खाकै धापगे, 43 अर उननै टुकडया अर मच्छियाँ तै भरी होई बारहा टोकरियाँ ठाई। 44 जिन
नै रोट्टी खाई, वे पाँच हजार आदमी थे।

[illegible]
([illegible] 14:22-33; [illegible] 6:15-21)

45 फेर यीशु नै जिब्बे अपणे चेल्यां ताहीं किस्ती पै चढ़ण कै खात्तर मजबूर करया, ताके वे उसतै
पैहल्या उस पार बैतसैदा नगर म्ह चले जावै, जिब तक के वो माणसां ताहीं बिदा करै। 46 चेल्यां नै
बिदा करकै यीशु पहाड़ पै प्रार्थना करण खात्तर गया।
47 जिब साँझ होई, तो किस्ती समुन्दर कै बिचाळै थी, अर यीशु एक्ला किनारे पै था। 48 जिब
उसनै देख्या के वे किस्ती चलाणा म्ह घणी मेहनत करण लागरे सै, क्यूँके हवा उनके स्याम्ही की
थी, तो सबेरै तीन बजे कै लोवै-धोवै यीशु समुन्दर पै चाल्दे होए उनकै धोरै आया; अर उनतै आग्गै
लिकड़ जाणा चाहवै था।
49 पर चेल्यां नै उस ताहीं समुन्दर पै चाल्दे देखकै समझया के भूत सै, अर किल्की मारण लाग्गे;
50 क्यूँके सारे उसनै देखकै घबरागे थे। पर उसनै जिब्बे उनतै बात करी अर कह्या, “होसला राक्खो, मै
सूं; डरो मतना!” 51 फेर वो उनकै धोरै किस्ती पै आया, अर हवा थमगी: अर वे घणा अचम्भा करण
लाग्गे। 52 चेल्लें उस रोट्टी की घटना के बारै म्ह कोनी समझे थे, क्यूँके उनके दिल कठोर होरे थे।

[illegible]
([illegible] 14:34-36)

‡ **6:34** 6:34 (2 इति-18:16, 1 राजा-22:17)

53 वे गलील समुन्दर पार करकै गन्नेसरत परदेस म्ह पोहचे, अर किस्ती घाट पै लाई। 54 जिब
यीशु किस्ती पै तै उतरया तो माणसां नै उस ताहीं पिच्छाण लिया, 55 लोवै-धोवै कै सारे नगर म्ह
भाज्जे-भाज्जे, अर बिमारां नै खाट्टां पै लादकै, जित्त-जित्त खबर मिली के यीशु ओड़ै सै, उड़ै-उड़ै
लिए हान्डे। 56 अर जित्त किते भी वो गाम्मां, नगरां, या बस्तियाँ म्ह जावै था, माणस बिमारां नै
बजारां म्ह धरकै उसतै बिनती करै थे के वो उननै अपणे लत्ते कै पल्ले तै ए छू लेण दे: अर जितने
उसनै छुवै थे, सारे ठीक हो जावै थे।

7

[illegible]
([illegible] 15:1-9)

1 एक दिन कुछ फरीसी अर शास्त्री जो यरुशलेम नगर तै आए थे, यीशु कै धोरै कठ्ठे होए, 2 अर
उननै उसके कुछ चेल्यां ताहीं बिना सुच्चे होए यानिके बिना हाथ धोए रोट्टी खांदे देख्या। 3 क्यूँके
फरीसी अर सारे यहूदी, बड़े बुजुर्गां के रीति-रिवाजां पै चाल्लै सै अर जिब ताहीं ठीक ढाळ हाथ न्ही
धो लेंदे जद ताहीं कोनी खान्दे। 4 अर बजार तै आकै, जिब तक के अपणे हाथ न्ही धो लेते, जद ताहीं
रोट्टी कोनी खान्दे; और घणीए बात सै, जो उनके रीति-रिवाजां का हिस्सा सै, जिस तरियां कटोरे,
अर लोट्टे, अर ताम्बे के बरतनां ताहीं धोणा मान्जणा।
5 इस करकै उन फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ नै यीशु तै बुझ्झया, "तेरे चेल्लें क्यांतै बड़े बुजुर्गां के
रीति-रिवाजां पै कोनी चाल्दे, अर बिना हाथ धोए रोट्टी खावै सै?"
6 यीशु नै फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ ताहीं कह्या, "यशायाह नबी नै थम कपटियाँ कै बारै म्ह घणी
ठीक भविष्यवाणी करी; जिसा लिख्या सै:
'ये माणस होठ्ठां तै तो मेरा आदर करै सै
पर उनका मन मेरै तै दूर रहवै सै।*
7 वे खामखां मेरी पूजा करै सै,
क्यूँके माणसां कै हुकमां नै धर्म का उपदेश करकै सिखावै सै।' "†
8 "क्यूँके थम परमेसवर कै हुकम नै टाळकै माणसां के रिवाजां ताहीं मान्नो सो।"
9 उसनै उन ताहीं कह्या, "थम अपणे रिवाजां नै मानण कै खात्तर परमेसवर का हुकम कितनी
बढ़िया ढाळ टाळ द्यो सो। 10 क्यूँके मूसा नबी नै कह्या सै, 'अपणे माँ-बाप की इज्जत कर' अर 'जो
कोए अपणे माँ-बाप नै भुंडा बोल्लै, वो जरुर मारया जावै।'‡ 11 पर थम कहो सो के जै कोए अपणे
माँ-बाप तै कहवै, 'जो कुछ मन्नै थारे ताहीं अपणी सम्पत्ति म्ह तै देणा था, वो मन्नै परमेसवर ताहीं
अर्पण कर दिया।' 12 तो थम उननै उसके माँ बाप की कुछ भी सेवा करण न्ही देन्दे। 13 इस तरियां थम
अपणी रीत-रिवाजां तै, जिन ताहीं थमनै ठहराया सै, परमेसवर का वचन टाळ द्यो सो; अर इसे-इसे
घणखरे काम करो सो।"

[illegible]
([illegible] 15:10-20)

14 फेर यीशु नै माणसां ताहीं अपणे धोरै बुलाकै कह्या, "थम सारे मेरी सुणो, अर समझो। 15 इसी
कोए चीज कोनी जो माणस म्ह बाहर तै बड़कै उस ताहीं अशुद्ध करै; पर जो चीज माणस कै भीत्तर
तै लिकड़ै सै, वैए उस ताहीं अशुद्ध करै सै। 16 (जै किसे के कान हो तो वो ध्यान तै सुण ले।)"
17 जिब यीशु भीड़ नै छोड़कै घरां आया, तो उसके चेल्यां नै इस उदाहरण कै बारै म्ह उसतै
बुझ्झया। 18 यीशु नै उनतै कह्या, "के थम भी इसे नासमझ सो? के थमनै न्ही बेरा के जो चीज बाहर
तै माणस कै भीत्तर जावै सै वा उसनै अशुद्ध कोनी कर सकदी? 19 क्यूँके वा उसकै मन म्ह न्ही, पर

* 7:6 7:6 (यशा-29:13) † 7:7 7:7 (यशा-29:13) ‡ 7:10 7:10 (निर्ग-20:12, व्य-5:16)

पेट म्ह जावै सै, अर संडास म्ह लिकड़ जावै सै?” न्यू कहकै उसनै सारी खाणे की चिज्जां ताहीं शुद्ध ठहराया।
20 फेर उसनै कह्या, “जो माणस म्ह तै लिकड़ै सै, वोए माणस नै अशुद्ध करै सै। 21 क्यूँके भीत्तर
तै, यानिके माणस के मन तै, भुन्डे-भुन्डे ख्याल, जारी, चोरी, हत्या, बिगान्नी बिरबान्नी कै धोरै
जाणा, 22 लोभ, दुष्टता, छळ, लुचपण, जलन, बुराई, घमण्ड, अर बेअक्ली लिकड़ै सै। 23 ये सारी
भुंडी बात भीत्तर तै ए लिकड़ै सै अर माणस नै अशुद्ध करै सै।”

[illegible] ([illegible] 15:21-28)

24 फेर यीशु ओड़ै तै उठकै सूर अर सैदा के परदेस म्ह आया; जित्त एक घर म्ह गया अर वो चाहवै
था ताके किसे नै उनके बारें म्ह बेरा न्ही लाग्गै, पर वो लुह्क न्ही सक्या। 25 अर जिब्बे एक बिरबान्नी
जिसकी छोट्टी छोरी म्ह ओपरी आत्मा थी, उसका जिक्र सुणकै आई, अर उसकै पायां म्ह पड़गी।
26 वा सुरुफिनिकी परदेस के यूनानी जात की थी। बिरबान्नी नै उसतै बिनती करी के मेरी छोरी म्ह
तै ओपरी आत्मा लिकाड़ दे।
27 उसनै उसतै कह्या, “पैहल्या मेरे बच्चें जो यहूदी सै उननै खा लेण दे, क्यूँके बाळकां की रोट्टी
लेकै कुत्याँ कै आग्गै गेरणा ठीक कोनी।” (यहूदी दुसरी जात के माणसां नै कुत्याँ कै समान समझै
थे)
28 उसनै उस ताहीं जवाब दिया, “साच्ची सै प्रभु; पर कुत्ते भी तो मेज कै तळै बाळकां की रोट्टी
के टुकड़े खा लेवैं सै।”
29 यीशु नै उसतै कह्या, “तेरी बात सुणकै तेरे बिश्वास का बेरा पाट्टै सै इस कारण चली जा;
ओपरी आत्मा तेरी छोरी म्ह तै लिकड़ग्यी सै।” 30 उसनै अपणे घरां आकै देख्या के छोरी खाट पै
पड़ी सै, अर ओपरी आत्मा लिकड़ग्यी सै।

[illegible]

31 फेर यीशु सूर अर सैदा के परदेसां तै लिकड़कै दिकापुलिस नगर तै होंदा होड़ गलील समुन्दर
पै पोंहच्या। 32 तो आदमियाँ नै एक बैहरै ताहीं जो हाकळा भी था, उसकै धोरै आकै उसतै बिनती
करी के अपणा हाथ उसपै धरै।
33 फेर यीशु उसनै भीड़ तै न्यारा लेग्या, अपणी आन्गळी उसकै कान्ना म्ह घाल्ली, अर अपणी
आन्गळी पै थूककै उसकी जीभ ताहीं छुया; 34 अर सुर्ग कान्ही देखकै आह भरी, अर उसतै कह्या,
“इप्फत्तह!” यानिके “खुल ज्या!” 35 वो सही तरियां सुणण, अर वो सुथरी-ढाळ बोल्लण लाग्या।
36 फेर उसनै उन ताहीं चिताया कह्या के किसे तै ना कहियो; पर जितना यीशु नै उन ताहीं बताया
उतनाए वे और प्रचार करण लाग्गे। 37 वे घणे हैरान होकै कहण लाग्गे, “उसनै जो कुछ करया सारा
ठीक करया सै; वो बैहरया नै सुणण की, गूँगा नै बोल्लण की ताकत देवै सै।”

8

[illegible] ([illegible] 15:32-39)

1 एक दिन जिब भीड़ कठ्ठी होई, अर उनकै धोरै इब कुछ खाण नै कोनी बचा था, तो यीशु नै
अपणे चेल्यां ताहीं धोरै बुलाकै उनतै कह्या, 2 “मन्नै इस भीड़ पै तरस आवै सै, क्यूँके ये तीन दिनां तै
बराबर मेरै गेल्या सै, अर इब उनकै धोरै कुछ खाण नै भी कोनी बचा। 3 जै मै उननै भूक्खा घरां भेज
द्यु, तो राह म्ह थक हार कै बेहोस हो ज्यांगें; क्यूँके इन म्ह तै कई लोग दूर तै आरे सै।”
4 उसकै चेल्यां नै जवाब दिया, “उरै जंगल-बियाबान म्ह इतनी रोट्टी कोए कित्त तै ल्यावै के वे
छिक्क ज्या?”
5 यीशु नै उनतै बुझ्झया, “थारे धोरै कितनी रोट्टी सै?” उननै कह्या, “सात।”

6 फेर उसनै माणसां ताहीं धरती पै बैठण का हुकम दिया, अर वे सात रोट्टी ली अर परमेसवर
का धन्यवाद करकै तोड़ी, अर अपणे चेल्यां नै देन्दा गया, अर उननै वे रोटी माणसां कै आग्गै परोस
दी। 7 उनकै धोरै माड़ी-सी छोट्टी मच्छियाँ भी थी; उसनै परमेसवर का धन्यवाद करकै उन ताहीं
माणसां कै आग्गै धरण का हुकम दिया। 8 वे खाकै छिकगे अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड्या के सात
टोकरे भरकै ठाए। 9 अर सारे लोग चार हजार कै करीबन थे; फेर यीशु नै उन ताहीं भेज दिया, 10 अर
वो जिब्बे अपणे चेल्यां कै गेल्या किस्ती म्ह चढ़कै दलमनूता परदेस नै चल्या गया।

[illegible]
(16:1-4)

11 जब फरीसियाँ नै देख्या के यीशु दलमनूता परदेस म्ह आ ग्या तो वे उसतै बहस करण लाग्गे,
अर यो परखण खात्तर के परमेसवर नै यीशु ताहीं भेज्या सै, उसतै कोए सुर्गीय चिन्ह-चमत्कार की
माँग करी। 12 यीशु नै अपणी आत्मा म्ह आह भरकै कह्या, "इस बखत के माणस क्यांतै चिन्ह-
चमत्कार टोह्वैं सै? मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं, के इस बखत के माणसां नै कोए चिन्ह-चमत्कार
कोनी दिया जावैगा।" 13 अर वो उननै छोड़कै फेर किस्ती पै चढ़ग्या अर गलील समुन्दर के परली
ओड़ चल्या गया।

[illegible]
([illegible] 16:5-12)

14 चेल्लें रोट्टी लेणा भूलगे थे, पर किस्ती म्ह उनकै धोरै सिर्फ एक-ए रोट्टी थी। 15 यीशु नै
उनकी कपट रूपी शिक्षा के बारें म्ह चिताया, "लखाओ, फरीसियाँ अर हेरोदेस के खमीर तै चौकन्ने
रहो।"
16 वे आप्पस म्ह विचार करकै कहण लाग्गे, "म्हारै धोरै तो रोट्टी सै कोनी।"
17 न्यू जाणकै यीशु नै उनतै कह्या, "थम क्यांतै आप्पस म्ह यो विचार कररे सो के म्हारै धोरै रोट्टी
कोनी? के इब ताहीं थम न्ही जाणे अर न्ही समझे? के थारा मन कठोर होग्या सै? 18 के आँख होते
होए भी कोनी देखदे, अर कान होते होए भी कोनी सुणदे? के थारे याद कोनी। 19 के जिब मन्नै पाँच
हजार माणसां कै खात्तर पाँच रोट्टी तोड़ी थी तो थमनै बचे होड़ टुकड्या के कितने टोकरे भरकै ठाए
थे, उननै उसतै कह्या, बारहा टोकरे।"
20 "अर जिब चार हजार माणसां कै खात्तर सात रोट्टी थी तो थमनै बचे होड़ टुकड्या के कितने
टोकरे भरकै ठाए थे?" उननै उसतै कह्या, "सात टोकरे।"
21 उसनै उनतै कह्या, "के थम इब ताहीं न्ही समझदे?"

[illegible]

22 यीशु अर उसके चेल्लें बैतसैदा कस्बे म्ह आए; अर आदमी एक आन्धे नै उसकै धोरै लियाये
अर उसतै बिनती करी के उसनै छुवै। 23 वो उस आन्धे का हाथ पकड़कै गाम तै बाहरणै लेग्या, अर
अपणी आंगळी पै थूककै उसकी आँखां पै हाथ धरते होए उसतै बुझ्झया, "के तू कुछ देक्खै सै?"
24 उसनै निगांह ठाकै कह्या, "मै माणसां नै देक्खूँ सूं; वे मन्नै चाल्दे होए दरख्तां की ढाळ दिक्खै
सै।"
25 फेर उसनै दुबारा उसकी आँखां पै हाथ धरे, अर आन्धे नै ध्यान तै देख्या। वो ठीक होग्या, अर
सारा कुछ सुथरी-ढाळ देक्खण लाग्या। 26 उसनै उस ताहीं न्यू कहकै घरां भेज्या, "इस गाम म्ह भी
ना जाईये।"

[illegible]
([illegible] 16:21-23; [illegible] 9:22)

27 यीशु अर उसकै चेल्लें कैसरिया फिलिप्पी परदेस के गाम्मां म्ह चले गये। राह म्ह उसनै अपणे
चेल्यां तै बुझ्झया, "माणस मन्नै के कहवै सै?"
28 उननै जवाब दिया, "यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा, पर कोए एलिय्याह अर कोए-कोए तो उसनै
पुराणे नबियाँ म्ह तै एक सै भी कहवै सै।"

29 उसनै उनतै बुज्झया, “पर थम मन्नै के कहो सो?” पतरस नै जवाब दिया, “तू मसीह सै।”
30 फेर उसनै उन ताहीं समझाकै कह्या के मेरै बारै म्ह यो किसे तै ना कहियो।

[illegible]

31 फेर यीशु चेल्यां नै सिखाण लाग्या के माणस कै बेट्टे (उसनै अपणे बारें म्ह कह्या था) खात्तर
जरूरी सै के वो घणा दुख ठावै, यहूदी अगुवें, प्रधान याजकां, अर शास्त्री उसनै तुच्छ समझकै
मार देवैं, अर वो तीसरे दिन म्ह जिन्दा हो जावैगा। 32 उसनै या बात उनतै साफ-साफ कह दी। इसपै
पतरस उसनै न्यारा ले जाकै झिड़कण लाग्या, क्यूँके उसनै सोच्या के मसीह मर न्ही सकदा।
33 पर यीशु नै पलटकै अपणे चेल्यां कान्ही देख्या, अर पतरस तै झिड़ककै कह्या, “हे शैतान, मेरै
स्याम्ही तै दूर हो; क्यूँके तू परमेसवर की बात्तां पै न्ही, पर माणसां की बात्तां पै मन लगावै सै।”

[illegible]
([illegible] 16:24-28; [illegible] 9:23-27)

34 यीशु नै भीड़ ताहीं अपणे चेल्यां सुधा बुलाकै कह्या, “जो कोए मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो
अपणी ए इच्छा पूरी ना करै बल्के अपणे दुखां का क्रूस ठाकै, मेरै पाच्छै हो लेवै। 35 क्यूँके जो
कोए अपणी जान बचाणा चाहवै वो अनन्त काल खात्तर गवावैगा, पर जो कोए मेरै अर सुसमाचार
खात्तर अपणी जान गवावैगा, वो उसनै अनन्त काल खात्तर बचावैगा। 36 जै माणस सारी दुनिया
की चिज्जां नै पा लेवै अर फेर भी अनन्त जीवन नै न्ही पा सकै, तो उसतै के फैयदा होगा? 37 कोए
भी माणस अनन्त जीवन की तुलना दुनिया की किसी भी चीज तै न्ही कर सकता? 38 जो कोए इस
जार अर पापी युग कै बिचाळै मेरै तै अर मेरे वचन तै इन्कार करैगा, तो मै माणस का बेट्टा भी जिब
पवित्र सुर्गदूत्तां कै गेल्या अपणे पिता की महिमा सुधा आऊँगा, तो मै भी उसतै इन्कार करुँगा।”

9

[illegible]
([illegible] 17:1-13; [illegible] 9:28-36)

1 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारे तै साच्ची कहूँ सूं के जो उरै खड़े सै, उन म्ह तै कई इसे माणस सै,
के जिब ताहीं परमेसवर के राज्य नै सामर्थ सुधा आन्दा होया न्ही देख लेवैंगे, जद तक न्ही मरैंगे।”
2 छः दिनां पाच्छै यीशु नै पतरस अर याकूब अर यूहन्ना ताहीं गेल्या लिया, अर एकान्त म्ह
किसे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या। ओड़ै उनकै स्याम्ही उसका रूप बदल ग्या, 3 अर उसके लत्ते इसे चमकण
लाग्गे उरै ताहीं जमा धोळाधप होया, के धरती पै कोए धोब्बी भी उसा धोळा न्ही लिकाड़ सकदा।
4 अर उननै मूसा नबी कै गेल्या एलिय्याह नबी दिख्या; वे यीशु कै गेल्या बात करै थे।
5 इसपै पतरस नै यीशु तै कह्या, “हे गुरु, म्हारा उरै रहणा ठीक सै: इस करकै हम तीन मण्डप
बणावा; एक तेरे खात्तर, एक मूसा नबी खात्तर, एक एलिय्याह नबी खात्तर।” 6 क्यूँके उसनै कोनी
बेरा था, के वो के जवाब देवै, ज्यांतै के वे घणे डरगे थे।
7 फेर एक बादळ उनपै छाग्या, अर उस बादळ म्ह तै परमेसवर नै कह्या, “यो मेरा प्यारा बेट्टा
सै, इसकी सुणो।”*
8 फेर उननै चाणचक चौगरदेकै निगांह घुमाई, अर यीशु नै छोड़ अपणे गेल्या और किसे ताहीं
कोनी देख्या।
9 पहाड़ तै उतरदी आणी यीशु नै उन ताहीं हुकम दिया के जिब ताहीं मै माणस का बेट्टा मरे होया
म्ह तै जिन्दा न्ही हो जाऊँगा, तब तक जो कुछ थमनै देख्या सै वो किसे तै ना कहियो। 10 चेल्यां नै
या बात अपणे मन म्ह ए राक्खी, अर आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे, के “मरे होया म्ह तै जी उठण
का के मतलब हो सकै सै?”
11 अर उननै उसतै बुज्झया, “शास्त्री क्यांतै कहवै सै के एलिय्याह नबी का पैहल्या आणा जरूरी
सै?”

---
* **9:7** 9:7 (2 पत-1:17, भज-2:7)

12 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “यो सच सै एलिय्याह नबी पैहल्या आकै सारा कुछ सुधारैगा,
पर मेरे बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह यो क्यांतै लिख्या सै के वो घणा दुख ठावैगा, अर तुच्छ गिण्या
जावैगा? 13 पर मै थमनै कहूँ सूं के एलिय्याह नबी तो (जो यूहन्ना सै) आ लिया, अर जिसा के
उसकै बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, उननै जो कुछ चाह्या उसकै गेल्या करया।”

[illegible]
([illegible] 17:14-21; [illegible] 9:37-43)

14 यीशु अर उसके तीन चेल्लें दुसरयां चेल्यां कै धोरै आये, तो देख्या के उनकै चौगरदे नै घणी
भीड़ लागरी सै अर शास्त्री उनकै गेल्या बहस कररे सै। 15 यीशु ताहीं देखदे ए सारे घणे हैरान होण
लाग्गे, अर उननै यीशु कान्ही भाजकै उसतै नमस्कार करया।
16 यीशु नै उनतै बुझ्झया, “थम इनतै के बहस कररे सो?”
17 भीड़ म्ह तै एक नै उसतै जवाब दिया, “हे गुरु, मै अपणे बेट्टे ताहीं जिसम्ह ओपरी आत्मा सै,
जो उसनै बोल्लण कोनी देती। मै उस ताहीं तेरे धोरै ल्याया था। 18 जित्त किते ओपरी आत्मा उसनै
पकड़ै सै, उड़ैए पटक देवै सै: अर वो मुँह म्ह तै झाग भर लावै सै, अर दाँत पिसदा, अर सुखदा जावै
सै। मन्नै तेरे चेल्यां तै कह्या के वे ओपरी आत्मा नै काढ देवै, पर वे काढ न्ही सके।”
19 न्यू सुणकै यीशु नै उनतै जवाब देकै कह्या, “हे अबिश्वासी माणसों, मै कद ताहीं थारे गेल्या
रहूँगा? अर कद ताहीं थारी सहूँगा? बाळक नै मेरै धोरै ल्याओ।”
20 फेर वे बाळक नै यीशु कै धोरै लियाये: अर जिब ओपरी आत्मा नै यीशु ताहीं देख्या, तो उस
ओपरी आत्मा नै जिब्बे उस ताहीं मरोडया, अर वो धरती पै पड़ग्या, अर मुँह तै झाग बगान्दे होए
लोट्टण लाग्या।
21 यीशु नै उसकै पिता तै बुझ्झया, “इसकी या हालत कद तै सै?” उसनै कह्या, “बाळकपण तै।
22 उसनै इस ताहीं नाश करण खात्तर कदे आग अर कदे पाणी म्ह गेरया, पर जै तू कुछ कर सकै, तो
म्हारै पै तरस खाकै म्हारा भला कर।”
23 यीशु नै उसतै कह्या, “या के बात होई! जै तू कर सकै सै? बिश्वास करण आळा खात्तर सारा
कुछ हो सकै सै।”
24 बाळक कै पिता नै जिब्बे जोर तै कह्या, “हे प्रभु, मै बिश्वास करुँ सूं, मेरै अबिश्वास का उपाय
कर।”
25 जिब यीशु नै देख्या के माणस भाजकै भीड़ लावै सै, तो उस ओपरी आत्मा ताहीं न्यू कहकै
धमकाया, “हे गूँगी अर बैहरी करण आळी ओपरी आत्मा, मै तन्नै हुकम दियुँ सूं, उस म्ह तै लिकड़
आ, अर उस म्ह फेर कदे ना बड़ीये।”
26 फेर वा किल्की मारकै अर उस ताहीं घणा मरोड़कै, लिकड़ आई; अर बाळक मरया होया-सा
होग्या, उरै ताहीं के घणे आदमी कहण लाग्गे के वो मरग्या। 27 पर यीशु नै उसका हाथ पकड़कै उस
ताहीं ठाया, अर वो खडया होग्या।
28 जिब वो घरां आया, तो उसके चेल्यां नै एक्ले म्ह उसतै बुझ्झया, “हम उस ताहीं क्यांतै न्ही
काढ सके?”
29 उसनै उनतै कह्या, “या जात, बिना प्रार्थना किसे और उपाय तै कोनी लिकड़ सकदी।”

[illegible]
([illegible] 17:22-23; [illegible] 9:43-45)

30 फेर यीशु अर उसके चेल्यां नै ओड़ै तै लिकड़कै, गलील परदेस का राह लिया। यीशु न्ही चाहवै
था के कोए उननै जाणै, क्यूँके वो अपणे चेल्यां ताहीं सिखाणा चाहवै था 31 यीशु उपदेश देन्दा अर
अपणे बारै म्ह चेल्यां तै कहवै था, मै “माणस का बेट्टा माणसां कै हाथ्थां म्ह पकड़वाया जाऊँगा,
अर वे मन्नै मार देवैगें, अर मै मरण कै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।” 32 पर या बात उनकी समझ
म्ह कोनी आई, अर वे उसतै बुझ्झण तै डरै थे।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?
([illegible] 18:1-5; [illegible] 9:46-48)

33 यीशु अर उसके चेल्लें कफरनहूम कस्बे म्ह आये; अर घर म्ह आकै उसनै चेल्यां तै बुझ्झया,
"राह म्ह थम किस बात पै बहस कररे थे?" 34 वे बोल-बाल्ले रहे, क्यूँके राह म्ह उननै आप्पस म्ह
या बहस करी थी के म्हारै म्ह तै बड्डा कौण सै।
35 फेर यीशु नै बैठकै बारहा चेल्यां ताहीं बुलाया अर उनतै कह्या, "जै कोए बड्डा होणा चाहवै,
तो सारया तै छोट्टा अर सारया का सेवक बणै।"
36 अर उसनै एक बाळक लेकै उनकै बिचाळै खडया करया अर उस ताहीं गोद्दी म्ह लेकै उन ताहीं
कह्या, 37 "जो कोए मेरै नाम तै इसे बाळकां म्ह तै किसे एक नै भी अपणावै सै, वो मन्नै अपणावै
सै; अर जो कोए मन्नै अपणावै सै, वो मन्नै न्ही, बल्के मेरै भेजण आळे नै अपणावै सै।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible], [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 9:49-50)

38 यूहन्ना नै यीशु ताहीं कह्या, "हे गुरु, हमनै एक माणस ताहीं तेरे नाम तै ओपरी आत्मा नै
लिकाड़दे देख्या अर हम उसनै मना करण लाग्गे, क्यूँके वो म्हारी तरियां तेरा चेल्ला न्ही था।"
39 उसनै कह्या, "उस ताहीं मना मत करो; क्यूँके इसा कोए न्ही जो मेरै नाम तै अदभुत काम करै,
अर दुसरे पल मेरी बुराई करै 40 क्यूँके जो म्हारै बिरोध म्ह न्ही, वो म्हारै कान्ही सै। 41 जै कोए एक
कटोरा पाणी भी थमनै ज्यांतै प्यावै के थम मसीह के सो तो मै थमनै सच कहूँ सूं के वो अपणा ईनाम
किसे तरियां भी न्ही खोवैगा।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 18:6-9; [illegible] 17:1-2)

42 पर जो कोए इन छोट्टे बाळकां कै समान जो मेरै पै बिश्वास करै सै, किसे तै भी पाप करवावै
तो उसकै खात्तर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का पाट उसकै गळ म्ह लटकाया जावै अर वो
समुंदर म्ह गेरया जावै। 43 जै तेरा हाथ तेरे तै पाप करवावै तो उसनै काट दे। टुंडा होकै अनन्त
जीवन म्ह बड़णा तेरे खात्तर भला सै इसके बजाये के दो हाथ रहंदे होए नरक की आग म्ह गेरया
जावै जो कदे न्ही बुझै। 44 (जड़ै उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी।) 45 जै तेरा पैर
तेरे तै पाप करवावै तो उसनै काट दे। लंगड़ा होकै अनन्त जीवन म्ह बड़णा तेरे खात्तर भला सै इसके
बजाये के दो पैर रहंदे होए नरक की आग म्ह गेरया जावै। 46 (जड़ै उनका कीड़ा कोनी मरदा अर
आग कोनी बुझदी।) 47 जै तेरी आँख तेरे तै पाप करवावै तो उसनै लिकाड़ दे। काणा होकै परमेसवर
कै राज्य म्ह बड़णा तेरे खात्तर भला सै के दो आँख रहंदे होए तू नरक म्ह गेरया जावै। 48 "जड़ै
उनका कीड़ा कोनी मरदा अर आग कोनी बुझदी।"
49 हरेक माणस आग तै शुद्ध करया जावैगा, जिस तरियां बलिदान नूण तै शुद्ध करया जावैगा।
50 "नूण एक जरूरत की चीज सै, पर जै नूण का सुवाद जान्दा रहवै तो उसनै किस तरियां नमकीन
करोगे? अपणे म्ह नूण जिसा गुण राक्खो, अर आप्पस म्ह मेळ-मिलाप तै रहो।"

10

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 19:1-12; [illegible] 16:18)

1 यीशु ओड़ै तै उठकै यहूदिया नगर की सीमा नै पार करकै, यरदन नदी कै परली ओड़ आया।
भीड़ उसकै धोरै कठ्ठी होग्यी, अर अपणी रीत कै मुताबिक उननै दुबारै उपदेश देण लाग्या।
2 फेर फरीसियाँ नै यीशु कै धोरै आकै उस ताहीं परखण खात्तर उसतै बुझ्झया, "के यो ठीक सै के
माणस अपणी घरआळी नै छोड्डै?"
3 यीशु नै उनतै पूच्छया, "मूसा नबी नै थारे ताहीं के हुकम दिया सै?"
4 उननै कह्या, "मूसा नबी नै तो तलाकनामा देकै अर छोड़ण का हुकम दिया सै।"

5 यीशु नै उनतै कह्या, “थारे मन की कठोरता कै कारण उसनै थारे खात्तर यो हुकम लिख्या।”
6 “पर सृष्टि की शरुआत तै परमेसवर नै नर अर नारी करकै उन ताहीं बणाया सै। 7 इस कारण
माणस अपणे माँ-बाप तै न्यारा होकै अपणी घरआळी गेल्या रहवैगा, 8 अर वे दोन्नु कठ्ठे रहवैंगे;
ज्यांतै के वे इब दो न्ही पर एक तन सै। 9 इस करकै जिस ताहीं परमेसवर नै जोड़या सै उस ताहीं
माणस न्यारा ना करै।”
10 जब वे दोबारा घरां आये, तो चेल्यां नै तलाक कै बारें म्ह उसतै फेर बुझ्झया। 11 यीशु नै उनतै
कह्या, “जो कोए अपणी घरआळी नै छोड़कै दुसरी तै ब्याह करै तो वो उस पैहल्ड़ी कै बिरोध म्ह
जारी करै सै; 12 अर जै घरआळी अपणे धणी नै छोड़कै दुसरे तै ब्याह करै तो वा जारी करै सै।”

[illegible]
([illegible] 19:13-15; [illegible] 18:15-17)

13 फेर माणस अपणे बाळकां नै उसकै धोरै ल्याण लाग्गे के वो उनपै हाथ धरै, पर चेल्यां नै उन
ताहीं धमकाया। 14 यीशु नै न्यू देख छो म्ह होकै कह्या, “बाळकां नै मेरै धोरै आण द्यो अर उननै मना
मतना करो, क्यूँके परमेसवर का राज्य बाळकां के समान सै। 15 मै थमनै सच कहूँ सूं के जो कोए
परमेसवर के राज्य नै बाळक की तरियां न्ही अपणावै, वो उस म्ह कदे न्ही बड़ण पावैगा।” 16 अर
उसनै उन ताहीं गोद्दी म्ह लिया, अर उनपै हाथ धरकै उन ताहीं आशीर्वाद दिया।

[illegible]
([illegible] 19:16-30; [illegible] 18:18-30)

17 जिब यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम की ओड़ जाण लागरे थे, तो एक माणस उसकै धोरै भाज्दा
होया आया, अर उसकै आग्गै घुटने टेक कै उसतै बुझ्झया, “हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का हकदार
होण खात्तर मै के करुँ?”
18 यीशु नै उसतै कह्या, “तू मन्नै उत्तम क्यांतै कहवै सै? परमेसवर नै छोड़कै कोए उत्तम कोनी।
19 तन्नै हुकमां का तो बेराए सै: ‘खून न्ही करणा, जारी न्ही करणा, चोरी न्ही करणा, झूठ्ठी गवाही
न्ही देणा, छळ न्ही करणा, अपणे माँ-बाप का आदर करणा।’ ”*
20 उसनै यीशु तै कह्या, “हे गुरु, इन सारया नै मै बाळकपण तै मानता आऊँ सूं।”
21 यीशु नै उसपै निगांह करकै उसतै प्यार करया, अर उसतै कह्या, “तेरे म्ह एक बात की कमी सै।
जा, जो कुछ तेरा सै उसनै बेचकै कंगालां ताहीं दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा, अर आकै मेरा
चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।”
22 इस बात तै उसकै मुँह पै उदासी छाग्यी, अर वो दुखी होंदा होया चल्या गया, क्यूँके वो घणा
साहूकार था।
23 यीशु नै चौगरदेकै देखकै अपणे चेल्यां तै कह्या, “साहूकारां का परमेसवर कै राज्य म्ह दाखल
होणा कितना ओक्खा सै।”
24 चेल्लें उसकी बात तै हैरान होए। इसपै यीशु नै उनतै दुबारै कह्या, “हे बाळकों, जो धन पै
भरोस्सा राक्खै सै, उनकै खात्तर परमेसवर कै राज्य म्ह बड़णा कितना ओक्खा सै! 25 ऊँट का सूई
कै छेद म्ह तै लिकड़णा आसान हो सकै सै। पर परमेसवर के राज्य म्ह साहूकार का बड़णा भोत
मुश्किल सै।”
26 वे घणेए हैरान होकै आप्पस म्ह कहण लाग्गे, “तो फेर किसका उद्धार हो सकै सै?”
27 यीशु नै उनकी ओड़ देखकै कह्या, “माणसां तै तो यो न्ही हो सकदा, पर परमेसवर तै हो सकै
सै; क्यूँके परमेसवर खात्तर कुछ भी मुश्किल कोनी।”†
28 पतरस उसतै कहण लाग्या, “देख, हम तो सब कुछ छोड़कै तेरे चेल्लें बणगे सा।”
29 यीशु नै कह्या, “मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के इसा कोए कोनी, जिसनै मेरै अर मेरै सुसमाचार
कै खात्तर घर, भाण-भाई, माँ-बाप, बाळ-बच्चे या जमीन-जायदाद ताहीं छोड़ दिया हो, 30 अर इब

* **10:19** 10:19 रोम-13:9 † **10:27** 10:27 लूका 1:37

इस युग म्ह सताव के बदले म्ह घर, भाण-भाई, माँ-बाप या बाळ-बच्चे अर जमीन-जायदाद का सौ
गुणा पर आण आळे बखत म्ह अनन्त जीवन पावैगा। 31 पर घणखरे जो पैहले सै, पाच्छले होंगे;
अर जो पाच्छले सै, वे पैहले होंगे।"

[illegible]
([illegible] 20:17-19; [illegible] 18:31-34)

32 वे यरुशलेम नगर म्ह जान्दे होए राह म्ह थे, अर यीशु उनकै आग्गै-आग्गै जाण लाग रहया
था: चेल्लें हैरान थे अर जो चेल्यां कै गैल-गैल चाल्लै थे, वे डरे थे। फेर वो उन बारहां चेल्यां नै
न्यारा ले ज्याकै उनतै ये बात कहण लाग्या, जो उसकै गेल्या होण आळा था, 33 "देक्खो, हम यरुशलेम
नगर म्ह जावां सा, अर मै माणस का बेट्टा प्रधान याजकां अर शास्त्रियाँ कै हाथ्थां पकड़वाया
जाऊँगा, अर वे मन्नै मारण खात्तर गैर यहूदियाँ कै हाथ्थां म्ह सौपैगें। 34 वे मेरा मजाक उड़ावैगें,
मेरै पै थूकैगें, मेरै कोरड़े मारैगें अर मन्नै मार देवैगें, अर तीसरे दिन मै जिन्दा हो जाऊँगा।"

[illegible]
([illegible] 20:20-28)

35 कुछ दिनां बाद जब्दी के दोन्नु बेट्टे याकूब अर यूहन्ना नै यीशु कै धोरै आकै कह्या, "हे गुरु,
हम चाहवां सां के जो कुछ हम तेरे तै माँग्गा, वो तू म्हारै खात्तर करै।"

36 यीशु नै उनतै कह्या, "थम के चाहो सो के थारे खात्तर करुँ?"

37 उननै यीशु तै कह्या, "हमनै यो हक दे, के तेरी महिमा म्ह म्हारै म्ह तै एक तेरे सोळे अर दुसरा
तेरे ओळै कान्ही बेठ्ठै।"

38 यीशु नै उनतै कह्या, "थम न्ही जाणदे के थम के माँग्गो सो? अर जो दुख का कटोरा मै पीण पै
सूं, के थम पी सको सो? अर जो मौत का बपतिस्मा मै लेण पै सूं, के थम ले सको सो?"

39 उननै यीशु तै कह्या, "हम कर सका सां।" यीशु नै उनतै कह्या, "जो दुख का कटोरा मै पीण पै
सूं, थम पी ल्योगे; अर जो बपतिस्मा मै लेण पै सूं, उसनै ले भी ल्योगे। 40 पर जिन खात्तर वा जगहां
त्यार करी गई सै, उन ताहीं छोड़ और किसे नै अपणी सोळी अर अपणी ओळी ओड़ बिठाणा मेरा
काम कोनी।"

41 न्यू सुणकै बाकी दस चेल्लें याकूब अर यूहन्ना तै चिड़गे। 42 तो यीशु नै उन ताहीं धोरै बुलाकै
उनतै कह्या, "थमनै बेरा सै के जो गैर यहूदियाँ के हाकिम समझे जावै सै, वे उनपै राज करै सै; अर
उन म्ह जो बड़े सै, उनपै हक जमावैं सै। 43 पर थारे म्ह इसा न्ही होणा चाहिये, बल्के जो कोए थारे
म्ह बड्ड़ा होणा चाहवैं वो थारा सेवक बणै; 44 अर जो थारे म्ह प्रधान होणा चाहवैं, वो सारया का
दास बणै। 45 क्यूँके मै माणस का बेट्टा ज्यांतै कोनी आया के अपणी सेवा-पाणी करवाऊँ, पर ज्यांतै
आया के खुद सेवा-पाणी करुँ, अर घणखरयां के छुटकारै कै खात्तर अपणी जान देऊँ।"

[illegible]
([illegible] 20:29-34; [illegible] 18:35-43)

46 यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम नगर जाते बखत यरीहो नगर म्ह आये, अर जिब वो अर उसके
चेल्लें, अर एक बड्डी भीड़ यरीहो नगर तै लिकड़ै जाण लागरी थी, तो सड़क कै किनारे एक आन्धा
भिखारी बेठ्या था, जो तिमाई का बेट्टा बरतिमाई था, 47 उसनै न्यू सुणकै के नासरत का यीशु उरै
सै, रुक्के मार-मारकै कहण लाग्या, "हे दाऊद की ऊलाद, यीशु मेरै पै दया कर!"

48 घणाए नै उस ताहीं धमकाया के बोल-बाल्ला रह, पर वो और भी रुक्के मारण लाग्या, "हे
दाऊद की ऊलाद, मेरै पै दया कर!"

49 फेर यीशु नै ठहरकै कह्या, "उस ताहीं बुलाओ।" अर आदमियाँ नै उस आन्धे ताहीं बुलाकै
उसतै कह्या, "धीरज धर! उठ! यीशु तन्नै बुलावै सै।" 50 वो अपणा चोगा बगाकै तोळा उठ्या, अर
यीशु कै धोरै आया।

51 इसपै यीशु नै उसतै कह्या, “तू के चाहवै सै के मै तेरे खात्तर करुँ?” आन्धे नै उसतै कह्या, “हे
गुरु, योए के मै देक्खण लाग्गू।”
52 यीशु नै उसतै कह्या, “चल्या जा, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै।” वो जिब्बे देखण
लाग्या, अर राह म्ह उसकै पाच्छै हो लिया।

11

[illegible]
([illegible] 21:1-11; [illegible] 19:28-40; [illegible] 12:12-19)

1 जिब यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम नगर कै लोवै, जैतून पहाड़ पै बैतफगे अर बैतनिय्याह
गाम कै धोरै आये तो उसनै अपणे चेल्यां म्ह तै दोयां ताहीं न्यू कहकै भेज्या, 2 “स्याम्ही कै गाम म्ह
जाओ, अर उस म्ह पोहचदे एक गधी का बच्चा, बन्धया होया थमनै मिलैगा। जिसकी सवारी किसे
नै इब ताहीं न्ही करी सै, उसनै खोल ल्याओ। 3 जै थारे तै कोए बुझ्झै, यो के करो सो? तो कहियो,
‘प्रभु नै इसकी जरूरत सै, अर वो तोळा उसनै भेज देवैगा।’ ”
4 चेल्यां नै जाकै उस गधी के बच्चे ताहीं बाहरणै दरबाजे कै धोरै आँगण म्ह बन्धया होया पाया,
अर खोल्लण लाग्गे।
5 उन म्ह तै जो ओड़ै खड़े थे, कई कहण लाग्गे, “यो के करो सो, गधी कै बच्चे नै क्यांतै खोल्लो
सो?” 6 जिसा यीशु नै कह्या था, उस्से तरियां उननै कह दिया; फेर माणसां नै उन ताहीं जाण
दिया। 7 चेल्यां नै गधी कै बच्चे ताहीं यीशु कै धोरै ल्याकै उसपै अपणे लत्ते बिछाये अर वो उसपै
बैठग्या। 8 फेर घणखरे माणसां नै अपणे लत्ते राह म्ह बिछाये अर औरां नै खेत्तां म्ह तै डालियाँ
काटकै फैला दी। 9 जो उसकै आग्गै-आग्गै अर पाच्छै-पाच्छै चाल्लै थे, रुक्के मार-मारकै कहन्दे
जावै थे, “होशाना!” “धन्य सै वो जो प्रभु कै नाम तै आवै सै!”
10 म्हारै पिता दाऊद का राज्य जो आवै सै; “धन्य सै! अकास म्ह होशाना!”
11 यीशु यरुशलेम नगर पोहचकै मन्दर म्ह आया, अर चौगरदे की सारी चिज्जां नै देखकै बारहां
चेल्यां कै गेल्या बैतनिय्याह गाम म्ह गया, क्यूँके साँझ होग्यी थी।

[illegible]
([illegible] 21:18-19)

12 आगले दिन सबेरै जिब यीशु अर उसके चेल्लें बैतनिय्याह गाम तै लिकड़े तो यीशु नै भूख
लाग्गी। 13 यीशु दूर तै अंजीर का हरा दरखत देखकै उसकै धोरै गया के, के बेरा उस म्ह कुछ पा
ज्या: पर पत्त्या नै छोड़कै उस म्ह कुछ न्ही पाया; क्यूँके फळ लाग्गण का बखत कोनी था। 14 यीशु
नै उस दरखत ताहीं देखकै उस ताहीं कह्या, “आज कै पाच्छै कोए तेरा फळ न्ही खावैगा!” अर उसकै
चेल्लें सुणण लागरे थे।

[illegible]
([illegible] 21:12-17; [illegible] 19:45-48; [illegible] 2:13-22)

15 फेर यीशु अर उसके चेल्लें यरुशलेम म्ह आये, अर वो मन्दर म्ह गया; अर ओड़ै जो व्यापार
करै थे उननै बाहरणै लिकाड़ण लाग्या, सर्राफां (पईसा का लेण देण करण आळे) के पीढ़े अर कबूतर
बेचणीयाँ की चौकियाँ उल्ट दी, 16 अर मन्दर म्ह किसे ताहीं भी व्यापार करण खात्तर आण-जाण
कोनी दिया। 17 अर उपदेश देकै उनतै कह्या, “के पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही लिख्या सै, के मेरा घर
सारी जात्तां कै खात्तर प्रार्थना का घर कुह्वावैगा? पर थमनै इस ताहीं डाकुआं की गुफा बणा दी
सै।”*
18 या घटना सुणकै सारे प्रधान याजक अर शास्त्री लोग उसनै मारण का मौक्का टोह्ण लाग्गे;
पर वे भीड़ तै डरै थे, क्यूँके सारे माणस उसकै उपदेश तै भोत परभाबित होवै थे।

---
* **11:17** 11:17 लूका 19:46

19 अर उस दिन साँझ होन्दे यीशु अर उसके चेल्लें रात काट्टण खात्तर यरुशलेम नगर तै बाहरणै
चले गये।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 21:20-22)

20 फेर तड़कैए नै जिब यीशु अर उसके चेल्लें ओड़ै कै जावै थे तो उननै उस अंजीर कै दरखत ताहीं
जड़ तै ए सूख्या होया देख्या।
21 पतरस नै वा बात याद आई, अर उसनै उसतै कह्या, "हे गुरु, देख! यो अंजीर का दरखत जिस
ताहीं तन्नै श्राप दिया था, वो सूख ग्या सै।"
22 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "परमेसवर पै बिश्वास राक्खो। 23 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के
जो कोए इस पहाड़ नै कहवै, 'तू उखड़ जा, अर समुन्दर म्ह जा पड़,' अर अपणे मन म्ह शक ना
करै, बल्के बिश्वास करै के जो कहूँ सूं वो हो जावैगा, तो उसकै खात्तर वोए होवैगा। 24 ज्यांतै मै
थमनै कहूँ सूं के जो कुछ थम प्रार्थना करकै माँग्गो, तो बिश्वास कर ल्यो के थमनै मिलग्या, अर
थारे खात्तर हो जावैगा। 25 अर जिब कदे थम प्रार्थना खात्तर खड़े होओ, तो जै थारे मन म्ह किसे
कै बिरोध म्ह कुछ हो, तो उसनै माफ करो: ज्यांतै के थारा सुर्गीय पिता भी थारे अपराध माफ करै।
26 अर जै थम माफ ना करो तो थारा पिता भी जो सुर्ग म्ह सै, थारा कसूर माफ कोनी करैगा।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 21:23-27; [illegible] 20:1-8)

27 यीशु अर उसके चेल्लें फेर यरुशलेम म्ह आये, अर जिब वो मन्दर म्ह टहलरया था तो सारे
प्रधान याजक अर शास्त्री अर यहूदी अगुवें उसकै धोरै आकै बुझ्झण लाग्गे, 28 "तू ये काम किस
हक तै करै सै? अर यो हक तेरे ताहीं किसनै दिया सै के तू ये काम करै?"
29 यीशु नै उनतै कह्या, "मै भी थारे तै एक बात बुझ्झु सूं; मन्नै जवाब दियो तो मै थमनै बताऊँगा
के ये काम किस हक तै करुँ सूं। 30 यूहन्ना ताहीं बपतिस्मा देण का हक परमेसवर की ओड़ तै था या
माणसां की ओड़ तै था? मन्नै जवाब द्यो।"
31 फेर वे आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे के जै हम कह्वां, परमेसवर की ओड़ तै, तो वो कहवैगा,
फेर थमनै बिश्वास क्यांतै न्ही करया? 32 अर जै हम कह्वां, माणसां की ओड़ तै, तो माणसां की भीड़
का डर सै, क्यूँके सारे जाणै सै के यूहन्ना साच्चीये नबी था।
33 उननै यीशु ताहीं जवाब दिया, "हमनै न्ही बेरा।" यीशु नै उनतै कह्या, "मै भी थारे तै कोनी
बतान्दा के ये काम किस हक तै करुँ सूं।"

12

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 21:33-46; [illegible] 20:9-19)

1 यीशु उदाहरणां म्ह उनतै बात करण लाग्या: "किसे माणस नै अंगूर का बाग लगाया, अर
उसकै चौगरदे नै बाड़ा बाँधया, अर रस का कुण्ड खोद्या, अर रुखाळ खात्तर एक मचान बणाया;
अर किसानां ताहीं उसका ठेक्का देकै परदेस चल्या गया। 2 फेर फळ तोड़ण का बखत लोवै आया,
तो बाग के माल्लिक नै अपणे नौक्कर ताहीं उसका फळ लेण नै किसानां धोरै भेज्या के किसानां
तै अंगूर के बाग के फळां का हिस्सा लेवै। 3 पर किसानां नै उस नौक्कर ताहीं पकड़कै छेत्या अर
खाल्ली हाथ भेज दिया। 4 फेर उसनै एक और नौक्कर ताहीं उनकै धोरै भेज्या; उननै उसकी बेजती
करी उसका सिर फोड़ दिया अर। 5 फेर उस माल्लिक नै एक और ताहीं भेज्या; उननै उस नौक्कर
ताहीं भी मार दिया। फेर उसनै और घणाए ताहीं भेज्या; उन म्ह तै उननै कुछ तो छेत्ते अर कुछ मार
दिये।"
6 "इब माल्लिक कै धोरै एकैए आदमी रहग्या जो उसका प्यारा बेट्टा था; आखर म्ह उसनै अपणे
बेट्टे ताहीं भी उनकै धोरै न्यू सोचकै भेज्या के वे मेरै बेट्टे की इज्जत तो जरुर करैगें।"

7 पर उन किसानां नै आप्पस म्ह कह्या, “योए् तो वारिस सै; आओ, हम इसनै मार द्या, फेर यो
अंगूर का बाग म्हारा हो जावैगा।” 8 अर उननै उस ताहीं पकड़कै मार दिया, अर अंगूर के बाग तै
बाहरणै बगा दिया।
9 इस करकै अंगूर के बाग का माल्लिक के करैगा? वो आकै उन किसानां का नाश करैगा, अर
अंगूर के बाग का ठेक्का दुसरे किसानां नै दे देवैगा। 10 के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो वचन कोनी
पढ्या: जिस पत्थर ताहीं राजमिस्त्रियाँ नै बेकार बताया था, वोए् कोणे का खास पत्थर होग्या;
11 यो प्रभु की ओड़ तै होया, अर यो म्हारे खात्तर अनोक्खा सै!
12 फेर यहूदियाँ के प्रधान नै उस ताहीं पकड़णा चाह्या; क्यूँके वे समझगे थे, के उसनै म्हारै बिरोध
म्ह यो उदाहरण कह्या सै: पर वे माणसां तै डरगे, अर उसनै छोड़कै चले गये।

[illegible]
([illegible] 22:15-22; [illegible] 20:20-26)

13 फेर यहूदियाँ के प्रधान नै यीशु ताहीं बात्तां म्ह उलझाण खात्तर कुछ फरीसियाँ अर हेरोदेस
राजा के समर्थकां ताहीं उसकै धोरै भेज्या। 14 उननै आकै यीशु तै कह्या, “हे गुरु, हमनै बेरा सै, के
तू साच्चा सै, अर किसे की परवाह न्ही करदा, क्यूँके तू माणसां का मुँह देखकै बात कोनी करदा, पर
परमेसवर की बातें सच्चाई तै सिखावै सै। तो के कैसर* ताहीं कर देणा ठीक सै या कोनी? 15 हम
देवां, या न्ही देवां?” उसनै उनका कपट जाणकै उनतै कह्या, “मन्नै क्यांतै परखो सो? एक दीनार
(एक दिन की मजदूरी) मेरै धोरै ल्याओ, के मै उसनै देक्खूँ।” 16 वे लियाए, अर उसनै उनतै कह्या,
“या छाप अर नाम किसका सै?” उननै कह्या, “कैसर का।”
17 यीशु नै उनतै कह्या, “जो कैसर का सै वो कैसर ताहीं, अर जो परमेसवर का सै परमेसवर ताहीं
द्यो।” फेर वे उसपै घणे हैरान होण लाग्गे।

[illegible]
([illegible] 22:23-33; [illegible] 20:27-40)

18 फेर सदूकी लोग भी, जो कहवै सै के मरे होए् जिन्दा होए् न्ही सकदे; उसकै धोरै आकै उसतै
बुज्झया, 19 “हे गुरु, मूसा नबी नै म्हारै खात्तर पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के जै किसे का भाई
बेऊलादा मर जावै अर उसकी घरआळी रह जावै, तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह कर लेवै
अर अपणे भाई खात्तर पीढ़ी पैदा करै। 20 उदाहरण के तौर पै सात भाई थे। पैहल्ड़ा भाई ब्याह करकै
बेऊलादा मरग्या। 21 फेर दुसरे भाई नै उसकी बिरबान्नी तै ब्याह कर लिया अर वो भी बेऊलादा
मरग्या; अर उस्से तरियां तीसरे नै भी करया। 22 अर सातुवां कै ऊलाद कोनी होई। सारया पाच्छै,
वा बिरबान्नी भी मरगी। 23 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा उन म्ह तै किसकी घरआळी होवैगी? क्यूँके
वा सातुवां की घरआळी हो ली थी।”
24 यीशु नै उनतै कह्या, “थारी गलती या सै के थम पवित्र ग्रन्थ अर परमेसवर की सामर्थ नै न्ही
जाणते। 25 क्यूँके जी उठण कै बाद ब्याह शादी कोनी होन्दी, पर सुर्ग म्ह वो परमेसवर के सुर्गदूत्तां
की ढाळ होवैगें। 26 मरे होया कै जिन्दा होण कै बारें म्ह के थमनै मूसा नबी की किताब म्ह जळती
होई झाड़ी की कथा म्ह कोनी पढ़्या के परमेसवर नै उसतै कह्या, ‘मै अब्राहम का परमेसवर, अर
इसहाक का परमेसवर, अर याकूब का परमेसवर सूं’? 27 परमेसवर मरे होया का न्ही बल्के जिन्दयां
का परमेसवर सै; थम बड्डी भूल म्ह पड़े सो।”

[illegible]
([illegible] 22:34-40; [illegible] 10:25-28)

28 शास्त्री समाज के माणसां म्ह तै एक नै आकै उन ताहीं बहस करदे सुण्या, अर न्यू जाणकै
उसनै उन ताहीं ठीक ढाळ तै जवाब दिया, अर उसतै बुज्झया, “सारया तै खास हुकम कौण सा सै?”

* **12:14** 12:14 रोमी सम्राट

29 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “सारे हुकमां म्ह तै यो खास सै: ‘हे इस्राएल के माणसों सुणो!
प्रभु म्हारा परमेसवर सिर्फ एक ही प्रभु सै, 30 अर तू प्रभु अपणे परमेसवर तै अपणे सारे मन तै,
अर अपणे सारे प्राण तै, अर अपणी सारी समझ तै, अर अपणी सारी शक्ति तै प्यार राखणा।’ 31 अर
दुसरा यो सै, ‘तू अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार राखणा।’ इसतै बड्ड़ा और कोए हुकम कोनी।”
32 शास्त्री नै उसतै कह्या, “हे गुरु, जमा ठीक! तन्नै साच्ची कही के परमेसवर एक-ए सै, अर उस
ताहीं छोड़कै और कोए कोनी। 33 अर उसतै सारे मन तै, अर सारे प्राण तै, अर सारी समझ तै, अर
सारी शक्ति तै प्यार राखणा; अर पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार राखणा, ये दोन्नु हुकम होमबलियाँ
अर बलिदानां तै बाध सै।”
34 जिब यीशु नै देख्या के उसनै समझदारी तै जवाब दिया, तो उसतै कह्या, “तू परमेसवर कै राज्य
तै दूर कोनी।” अर किसे नै फेर उसतै बुझ्झण की हिम्मत कोनी होई।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]?
([illegible] 22:41-46; [illegible] 20:41-46)

35 फेर यीशु नै मन्दर म्ह उपदेश देन्दे होए न्यू कह्या, “शास्त्री क्यूँ कहवै सै के मसीह दाऊद
का बेट्टा सै? 36 क्यूँके दाऊद नै खुद ए पवित्र आत्मा म्ह होकै कह्या सै, ‘परमेसवर यहोवा नै मेरै
प्रभु तै कह्या, “मेरै सोळी ओड़ बैठ, जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ नै हरा कै, तेरे पायां की चौक्की
न्ही बणा दियुँ।” ’
37 “दाऊद तो खुद ए उसनै प्रभु कहवै सै, फेर वो उसका बेट्टा किस ढाळ होया?” अर भीड़ के
माणस उसकी राज्जी होकै सुणै थे।

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 23:1-36; [illegible] 20:45-46)

38 यीशु नै अपणे उपदेश म्ह उनतै कह्या, “शास्त्रियाँ तै चौकन्ने रहियो, जो लाम्बे-लाम्बे चोगे
पहरे होड़ हाँडै अर बजारां म्ह नमस्कार चाहवैं सै, 39 अर आराधनालयाँ म्ह खास-खास जगहां बैठणा,
जिम्मण म्ह खास-खास जगहां भी चाहवैं सै। 40 वे बिधवायाँ के घर खा जावै सै अर दिखाण खात्तर
घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहवै सै। ये घणा दण्ड पावैगें।”

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 21:1-4)

41 यीशु मन्दर कै भण्डार कै स्याम्ही बैठकै देक्खै था के आदमी मन्दर कै दानपात्र म्ह किस तरियां
पईसे घालैं सै; अर घणखरे साहूकारां नै घणाए कुछ घाल्या। 42 इतनै म्ह एक कंगाल बिधवा नै आकै
दो दमड़ी घाल्लीं। (जो एक धेले कै बराबर होवै सै)
43 फेर उसनै अपणे चेल्यां ताहीं धोरै बुलाकै कह्या, “मै थमनै सच कहूँ सूं के मन्दर कै दानपात्र
म्ह घाल्लण आळा म्ह तै इस कंगाल बिधवा नै सारया तै बाध घाल्या सै; 44 क्यूँके सारया नै अपणे
धन की बढ़दी म्ह तै घाल्या सै, पर इसनै अपणी घटदी म्ह तै जो उसकै धोरै जीवन चलाण खात्तर
था, वो सारा घाल दिया।”

13

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 24:1-2; [illegible] 21:5-6)

1 जिब यीशु मन्दर तै लिकड़ै था, तो उसकै चेल्यां म्ह तै एक नै उसतै कह्या, “हे गुरु, लखा, किसे
बड़े-बड़े पत्थरां तै बणाये होए किसे सुथरे भवन सै!”
2 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम ये बड़े-बड़े पत्थरां के भवन देक्खो सो: पर उरै एक पत्थर भी कोनी
बचैगा जो गेरया न्ही जावैगा।”

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 24:3-14; [illegible] 21:7-19)

3 जिब यीशु मन्दर कै स्याम्ही जैतून कै पहाड़ पै बेठ्या था, तो पतरस, याकूब, यूहन्ना अर
अन्दि्रयास नै न्यारे जाकै उसतै बुझ्झया, 4 "हमनै बता के ये बात कद होवैगी? अर जिब ये सारी
बात पूरी होण पै होवैगी उस बखत की के निशान्नी होवैगी?"
5 यीशु उनतै कहण लाग्या, "चौकन्ने रहियो के कोए थमनै भकावै न्ही। 6 क्यूँके घणखरे मेरै नाम
तै आकै कहवैगें, 'मै मसीह सूं!' अर घणाए नै भकावैगें। 7 जिब थम रोळे, अर लड़ाईया का जिक्र
सुणो, तो घबराईयो ना; क्यूँके इनका होणा जरूरी सै, पर उस बखत खात्मा कोनी होवैगा। 8 क्यूँके
जात पै जात, राज्य पै राज्य चढ़ाई करैगा। भोत सारी जगहां पै हाल्लण आवैगें, अर अकाळ पड़ैगें,
ये तो दुखां की शरुआत ए होवैगी।"
9 "पर थम अपणे बारै म्ह चौकन्ने रहो; क्यूँके माणस थारे ताहीं बड्डी सभा म्ह सौपैगें अर थम
आराधनालयों म्ह छितोगे, अर मेरै कारण हाकिमां अर राजां कै आग्गै खड़े करे जाओगे, ताके थम
मेरे बारें म्ह गवाही दे सको। 10 पर जरूरी सै के पैहल्या सुसमाचार सारी जात्तां म्ह प्रचार करया
जावै। 11 जिब वे थमनै ले जाकै सौपैगें, तो पैहल्या तै फिक्र ना करियो इब हम के कहवागें; पर जो
कुछ थमनै उस बखत बताया जावै वोए कहियो; क्यूँके बोल्लण आळे थम कोनी सो, पर पवित्र
आत्मा सै।"
12 "भाई नै भाई, पिता नै बेट्टा मारण खात्तर सौंप देंगें, अर बाळक माँ-बाप कै बिरोध म्ह खड़े
होकै उन ताहीं मरवा देवैगें।* 13 अर मेरै नाम कै कारण सारे माणस थारे तै बैर करैगें; पर जो आखर
ताहीं धीरज धरैगा, उस्से का उद्धार होवैगा।"

[illegible]-[illegible]
([illegible] 24:15-28; [illegible] 21:20-24)

14 (पढ़ण आळा इस बात नै समझ लेवै) "जिस दिन थम मन्दर म्ह उस उजाड़ण आळी घृणित
चीज नै खड़े देक्खो, जिस ताहीं मन्दर म्ह न्ही होणा चाहिये, तब जो यहूदिया परदेस म्ह हो वे पहाड़ां
पै भाज जावै; 15 जो छात पै हो, वो घर म्ह कुछ लेण खात्तर भीत्तर ना जावै, 16 अर जो खेत म्ह हो,
वो अपणे लत्तें लेण खात्तर घर नै ना बोहड़ैं। 17 उन दिनां म्ह जो गर्भवती अर दूध पिलान्दी बिरबान्नी
होवैगीं, उनकै खात्तर भागणा भी मुश्किल होगा! 18 अर प्रार्थना करया करो के यो जाड्यां म्ह न्ही
हो। 19 क्यूँके वे दिन इसे क्ळेश के होवैगें के सृष्टि की शरुआत तै, जो परमेसवर नै रचाई सै, इब
ताहीं ना तो होए अर ना फेर कदे होवैगें।"†
20 अर जै प्रभु उन दिनां नै न्ही घटान्दा, तो कोए जीव भी कोनी बचदा; पर उन छाँटे होया
कै कारण जिन ताहीं उसनै छाटया सै, उन दिनां ताहीं घटाया। 21 उस बखत जै कोए थमनै कहवै,
देक्खो, मसीह उरै सै, या देक्खो, ओड़ै सै, तो बिश्वास ना करियो; 22 क्यूँके झूठ्ठे मसीह अर झूठ्ठे
नबी उठ खड़े होवैगें, अर बड़े-बड़े चमत्कार अर अनोक्खे काम दिखावैगें के जै हो सक्या तो छाँटे
होया ताहीं भी भका देवैगें।‡ 23 पर थम चौकन्ने रहियो; देक्खो, मन्नै थारे तै सारी बात बखत तै
पैहल्याए बता दी सै।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 24:29-31; [illegible] 21:25-28)

24 उन दिनां म्ह, उस क्ळेश कै पाच्छै सूरज अन्धेरा हो जावैगा, अर चाँद चाँदणा कोनी देवैगा;
25 अर अकास के तारे पड़ण लागैगें; अर अकास की शक्तियाँ हलाई जावैंगी।§
26 फेर मुझ माणस कै बेट्टे नै बड्डी सामर्थ अर महिमा कै गेल्या सब लोग बादळां पै आन्दे
देक्खैंगे।* 27 उस बखत मै अपणे सुर्गदूत्तां नै भेजकै, धरती कै इस सिरे तै अकास कै उस सिरे ताहीं,
च्यारु दिशायां तै अपणे चुणे होए माणसां नै कठ्ठा करुँगा।†

* **13:12** 13:12 लूका 21:16 † **13:19** 13:19 (मत्ती 24:21) ‡ **13:22** 13:22 (मत्ती 24:24) § **13:25** 13:25 प्रका-6:13 * **13:26** 13:26 प्रका-1:17 † **13:27** 13:27 मत्ती 24:31

[illegible]
([illegible] 24:32-35; [illegible] 21:29-33)

28 अंजीर के दरखत तै यो उदाहरण सीक्खो: जिब उसकी डाळी कोमल हो जावै, अर पत्ते लिकड़ण
लागैं सै; तो थम जाण ल्यो सो के गर्मी का बखत लोवै सै। 29 इस्से तरियां जिब थम इन बात्तां नै
होन्दे देक्खो, तो जाण ल्यो के वो भोत तावळा आण आळा सै। 30 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के जिब
ताहीं ये बात न्ही हो लेन्दी, जद ताहीं ये पीढ़ी खतम न्ही होवैंगी। 31 धरती अर अकास टळ जावैंगे,
पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी।‡

[illegible]
([illegible] 24:36-44)

32 "उस दिन या उस बखत कै बारै म्ह कोए न्ही जाण्दा, ना सुर्गदूत अर ना बेट्टा; पर सिर्फ पिता
जाणै सै। 33 लखाओ, जागदे अर प्रार्थना करदे रहो; क्यूँके थमनै न्ही बेरा के वो बखत कद आवैगा।
34 मेरे आण का बखत उस माणस के समान सै, जो परदेस जान्दे बखत अपणा घर छोड़ जावै, अर
अपणे नौकरां ताहीं हक देवै, अर हरेक नै उसका काम बता देवै, अर पहरेदार ताहीं जागदे रहण का
हुकम देवै।

35 "इस करकै जागदे रहो, क्यूँके थमनै न्ही बेरा के घर का माल्लिक कद आवैगा, साँझ नै या
आध्धी रात नै, या मुर्गे के बाँग देण के बखत या तड़कै ए तड़कै नै। 36 इसा ना हो के वो चाणचक
आकै थमनै सोंदे पावै। 37 अर जो मै थमनै कहूँ सूं, वोए सारया नै कहूँ सूं: जागदे रहो!"

14

[illegible]
([illegible] 26:1-5; [illegible] 22:3-6; [illegible] 11:45-53)

1 दो दिनां पाच्छै फसह अर अखमीरी रोट्टी का त्यौहार होण आळा था। प्रधान याजक अर
शास्त्री इस बात की टाह म्ह थे के यीशु ताहीं किस ढाळ कपट तै पकड़कै मार देवै; 2 पर वे कहवै
थे, "त्यौहार कै दिन न्ही, कदे इसा ना हो के माणसां म्ह रोळा माच्चै।"

[illegible]
([illegible] 26:6-13; [illegible] 12:1-8)

3 जिब यीशु बैतनिय्याह नगर म्ह आया, ओड़ै यीशु शमौन नाम के माणस जो कोढ़ तै ठीक होया
था, उसके घरां खाणा खाण बेठ्या, तो एक बिरबान्नी संगमरमर कै बरतन म्ह जटामांसी का शुद्ध
महँगा खसबूदार तेल लेकै आई, अर बरतन तोड़कै महँगा खसबूदार तेल उसकै सिर पै उंडेल दिया।

4 पर उन म्ह तै कई माणस अपणे मन म्ह बड़बड़ाने लाग्गे, "इस महँगे खसबूदार तेल का क्यांतै
सत्यानाश कर दिया? 5 क्यूँके यो महँगा खसबूदार तेल तो तीन सौ दीनार (तीन सौ दिन की मजदूरी)
तै भी घणी किम्मत पै बेचकै कंगालां म्ह बांडया जा सकै था।" अर उस बिरबान्नी ताहीं झिड़कण
लाग्गे।

6 यीशु नै कह्या, "उस ताहीं छोड़ द्यो; उसनै क्यांतै सताओ सो? उसनै मेरै गेल्या भलाई करी सै।
7 कंगाल थारे गेल्या सारी हाण रहवै सै, अर थम जिब चाहो जद उनतै भलाई कर सको सो; पर मै
थारे गेल्या सारी हाण कोनी रहूँगा। 8 जो कुछ वा कर सकी, उसनै करया; उसनै मेरै गाड्डे जाण की
त्यारी म्ह पैहला ए महँगा खसबूदार तेल मेरी देह पै उंडेला सै। 9 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के सारे
दुनिया म्ह जित्त किते भी सुसमाचार प्रचार करया जावैगा, जो उसनै करया वो सदा याद करया
जावैगा।"

[illegible]
([illegible] 26:14-16; [illegible] 22:3-6)

‡ **13:31** 13:31 लूका 21:33

10 फेर यहूदा इस्करियोती जो बारहा चेल्यां म्ह तै एक था, प्रधान याजकां कै धोरै गया के यीशु
ताहीं उनके हाथ पकड़वा देवै। 11 वे न्यू सुणकै राज्जी होगे, अर उस ताहीं रपिये देण खात्तर मानगे;
अर वो मौक्का टोह्ण लाग्या के उस ताहीं किसे ढाळ पकड़वाया जावै।

12 अखमीरी रोट्टी कै त्यौहार कै पैहल्ड़े दिन, जिसम्ह वे फसह खात्तर मेम्ने का बलिदान करै थे,
उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्झया, "तू कित्त जाणा चाहवै सै के हम जाकै तेरे खात्तर फसह भोज की
त्यारी करा?"

13 उसनै अपणे चेल्यां म्ह तै दो ताहीं न्यू कहकै भेज्या, "यरुशलेम नगर म्ह जाओ, अर एक
माणस पाणी का पैंढ़ा ठाए होए थमनै मिलैगा, उसकै पाच्छै हो लियो; 14 अर वो जिस घर म्ह जावै,
उस घर कै माल्लिक ताहीं कहियो, 'गुरु कहवै सै के बैठक कित्त सै? जिसम्ह मै अपणे चेल्यां गेल्या
फसह भोज खाऊँ।' 15 वो थमनै एक सजी-सजाई, अर त्यार करी होड़ बड़ी अटारी दिखा देवैगा,
ओड़ै म्हारै खात्तर त्यारी करो।"

16 चेल्लें लिकड़कै नगर म्ह आये, अर जिसा यीशु नै उनतै कह्या था, उस्से तरियां पाया; अर
फसह का भोज त्यार करया।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 26:17-25; [illegible] 22:7-14; 21-23; [illegible] 13:21-30)

17 जिब साँझ होई, तो यीशु बारहा चेल्यां कै गेल्या आया। 18 जिब वे बेठ्ठे खाणा खावै थे, तो
यीशु नै कह्या, "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के थारे म्ह तै एक, जो मेरै गेल्या खाणा खाण लागरया सै,
वो मन्नै धोक्खा देकै पकड़वावैगा।"

19 उनपै उदासी छाग्गी अर वे एक-एक करकै उसतै कहण लाग्गे, "के वो मै सूं?"

20 उसनै उनतै कह्या, "वो बारहां चेल्यां म्ह तै एक सै, जो मेरै गेल्या थाळी म्ह हाथ घालै सै।
21 क्यूँके मै माणस का बेट्टा तो, जिसा मेरे बारै म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै; मेरा मर जाणा
तो पक्का सै, पर उस माणस पै धिक्कार सै जिसकै जरिये मै माणस का बेट्टा पकड़वाया जाऊँगा!
जै उस माणस का जन्म ए न्ही होंदा, तो उसकै खात्तर भला होंदा।"

[illegible]-[illegible]
([illegible] 26:26-30; [illegible] 22:14-20; 1 [illegible] 11:23-25)

22 जिब वे खाण ए लागरे थे, उसनै रोट्टी लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर आशीष माँगकै
तोड़ी, अर उन ताहीं दी, अर कह्या, "ल्यो, या मेरी देह सै।"

23 फेर यीशु नै अंगूर के रस का कटोरा लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया, अर उन ताहीं दिया;
अर उन सारया नै उस म्ह तै पिया।

24 अर उसनै उनतै कह्या, "यो अंगूर का रस मेरे लहू नै दर्शावै सै, जिसका करार परमेसवर नै
लोग्गां तै करया जो घणाए खात्तर बहाया जावै सै।"

25 "थमनै साच्ची कहूँ सूं, के अंगूर के रस नै मै इब तै इसनै उस दिन तक न्ही पिऊँगा, जिब ताहीं
परमेसवर के राज्य म्ह थारे गेल्या नया रस न्ही पीऊँ।"

26 फेर वे भजन गाकै बाहरणै जैतून कै पहाड़ पै गए।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 26:31-35; [illegible] 22:31-34; [illegible] 13:36-38)

27 जिब यीशु अर उसके चेल्लें राह म्ह थे, तो उसनै उनतै कह्या, "थम सारे मेरा साथ छोड़कै
चले जाओगे," "क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै:" मै रुखाळे नै मारूँगा, अर झुण्ड की सारी भेड़
तित्तर-बितर हो जावैगी।

28 पर मै अपणे जी उठण कै बाद थारे तै पैहल्या गलील परदेस म्ह मिलूँगाँ।

29 पतरस नै उसतै कह्या, "जै सारे छोड़ै तो छोड़ै, पर मै तेरा साथ कदे न्ही छोड़ूँगा।"

30 यीशु नै उसतै कह्या, “मै तेरे तै सच कहूँ सूं आज ए इस्से रात नै मुर्गे के दो बर बाँग देण तै
पैहल्या, तू तीन बर मेरै बारै म्ह मुकरैगा।”

31 पर उसनै और भी पक्के बिश्वास तै कह्या, “जै मन्नै तेरे गेल्या मरणा भी पड़ै, तोभी मै तेरा
इन्कार कदे कोनी करुँगा।” इस्से तरियां और सारया चेल्यां नै भी कह्या।

[illegible]
([illegible] 26:36-46; [illegible] 22:39-46)

32 फेर यीशु अर उसके चेल्लें गतसमनी नामक बाग म्ह एक जगहां म्ह आए, अर उसनै अपणे
चेल्यां तै कह्या, “उरै बेठ्ठे रहो, जिब ताहीं मै प्रार्थना करुँ।” 33 अर वो पतरस, याकूब अर यूहन्ना
ताहीं अपणे गेल्या लेग्या; अर घणाए कांल अर दुखी होण लाग्या, 34 अर उनतै कह्या, “मेरा मन
घणा उदास सै, उरै ताहीं के मै मरण पै सूं: थम उरै ठहरो, अर जागदे रहो।”

35 फेर वो माड़ा आग्गै सरक्या अर धरती पै पड़कै प्रार्थना करण लाग्या के जै हो सकै तो या
मुसीबत की घड़ी मेरै पै तै टळ जावै, 36 अर कह्या, “हे अब्बा, हे पिता, तू सारा कुछ कर सकै सै;
इस दुख का कटोरे ताहीं मेरै धोरै तै हटा ले: तोभी जिसा मै चाहूँ सूं उसा न्ही, पर जो तू चाहवै सै
वोए हो।”

37 फेर यीशु आया अर चेल्यां ताहीं सोन्दे पाकै पतरस तै कह्या, “हे शमौन, तू सोवै सै? के तू एक
घड़ी भी कोनी जाग सक्या? 38 जागदे रहो अर प्रार्थना करदे रहो के थम इम्तिहान म्ह ना पड़ो।
इस म्ह कोए शक कोनी के आत्मा तो त्यार सै, पर देह कमजोर सै।”

39 अर यीशु फेर चल्या गया अर दोबारा भी वाए प्रार्थना करी। 40 फेर आकै उन ताहीं सोन्दे
पाया, क्यूँके चेल्यां की आँख नींद तै भरी थी; अर न्ही जाणै थे, के उसनै के जवाब देवै।

41 फेर तीसरी बर आकै उनतै कह्या, “थम इब भी सोण लागरे सोण सों? बखत आ लिया; देक्खो, मै
माणस का बेट्टा पापियाँ के हाथ्थां पकड़वाया जाऊँ सूं। 42 उठो, चाल्लां! लखाओ, मेरा पकड़वाण
आळा लोवै आण पोंहच्या सै।”

[illegible]
([illegible] 26:47-56; [illegible] 22:47-53; [illegible] 18:3-12)

43 यीशु न्यू कहण ए लागरया था के यहूदा जो बारहा चेल्यां म्ह तै एक था, अपणे गेल्या प्रधान
याजकां अर शास्त्रियाँ अर यहूदी अगुवां की ओड़ तै एक बड्डी भीड़ लेकै जिब्बे आण पोंहच्या,
जो तलवार अर लाठ्ठी लेरे थे।

44 यीशु कै पकड़वाण आळे नै उन ताहीं यो इशारा दिया था के जिस ताहीं मै चुमूँ वोए यीशु
होगा, उस ताहीं पकड़कै सावधानी तै ले जाईयो। 45 वो आया, अर जिब्बे उसकै धोरै जाकै बोल्या,
“हे गुरु!” अर उस ताहीं चुम्या। 46 फेर उननै उसपै हाथ गेर कै उस ताहीं पकड़ लिया। 47 उन बारहा
चेल्यां म्ह जो धोरै खड़े थे, एक नै तलवार खिंचकै महायाजक के नौक्कर पै चलाई, अर उसका कान
उड़ा दिया।

48 यीशु नै उनतै कह्या, “के थम डाकू जाणकै मन्नै पकड़ण कै खात्तर तलवार अर लाठ्ठी लेकै
लिकड़े सो? 49 मै तो हरेक दिन मन्दर म्ह थारे गेल्या रहकै उपदेश दिया करुँ था, अर जिब थमनै
मेरै ताहीं कोनी पकड्या: पर न्यू ज्यांतै होया सै के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिखी बात पूरी होवै।” 50 यो
सब देखकै सारे चेल्लें उसनै छोड़कै भाजगे।

51 एक जवान अपणी उघाड़ी देह पै चाद्दर ओढ़े होड़ उसकै पाच्छै हो लिया, अर माणसां नै उस
ताहीं पकड्या। 52 पर वो चाद्दर छोड़कै उघाड़ा भाजग्या।

[illegible]
([illegible] 26:57-68; [illegible] 22:54,55; [illegible] 18:13-14,19-24)

53 फेर वे यीशु ताहीं महायाजक कै धोरै लेगे, अर सारे प्रधान याजक, यहूदी अगुवें अर शास्त्री
उसकै ओड़ै कठ्ठे होगे। 54 पतरस दूर ए दूर उसकै पाच्छै-पाच्छै महायाजक कै आँगण कै भीत्तर
ताहीं गया, अर सिपाहियाँ कै गेल्या बैठकै आग पै सीकण लाग्या।
55 प्रधान याजक अर यहूदी अगुवां की सभा यीशु ताहीं मारण कै खात्तर उसकै बिरोध म्ह गवाही
की टोह् म्ह थे, पर कोन्या मिली। 56 क्यूँके घणखरे उसकै बिरोध म्ह झूठ्ठी गवाही देवै थे, पर उनकी
गवाही एक सी कोनी थी।
57 फेर कुछ माणसां नै उठकै यीशु कै बिरोध म्ह या झूठ्ठी गवाही दी, 58 "हमनै इस ताहीं कहन्दे
सुण्या सै, 'मै इस हाथ कै बणाए होड़ मन्दर नै गेर दियुँगा, अर तीन दिन म्ह दुसरा बणाऊँगा, जो
हाथ्थां तै न्ही बण्या हो।' " 59 इस बात म्ह भी उनकी गवाही एक सी कोनी लिकड़ी।
60 फेर महायाजक नै बिचाळै खड़े होकै यीशु तै बुझ्झया, "तू कोए जवाब न्ही देंदा? ये माणस तेरे
बिरोध म्ह के गवाही देवैं सै?" 61 पर वो बोल-बाल्ला रहया, अर कुछ जवाब न्ही दिया। महायाजक
नै उसतै दुबारा बुझ्झया, "के तू ए परम धन्य परमेसवर का बेट्टा मसीह सै?"
62 यीशु नै कह्या, "हाँ मै ए सूं: अर थम मुझ माणस के बेट्टे ताहीं सर्वशक्तिमान परमेसवर की
सोळी ओड़ बेठ्ठे, अर अकास के बादळां कै गेल्या आन्दे देक्खोगे।"
63 फेर महायाजक नै अपणे लत्ते पाड़कै कह्या, "इब हमनै गवाह की और के जरूरत सै?"*
64 थमनै या बुराई सुणी। थारी के राय सै? उन सारया नै कह्या के यो मारण कै जोग्गा सै। 65 फेर
कई तो उसपै थूकते, अर कई उसका मुँह ढकते होए, कई उसकै घुस्से मारते होए उसतै कहण लाग्गे,
जै तू नबी सै, "तो भविष्यवाणी कर!" के तेरे कौण मारै सै, अर सिपाहियाँ नै उस ताहीं पकड़कै
थप्पड़ मारे।

[illegible]
([illegible] 26:69-75; [illegible] 22:56-62; [illegible] 18:15-18,25-27)

66 जिब पतरस तळै आँगण म्ह था, तो महायाजक की नौकराणियाँ म्ह तै एक उड़ै आई, 67 अर
पतरस ताहीं आग सिक्दे देखकै उस ताहीं गौर तै देख्या अर कहण लाग्गी, "तू भी तो उस नासरत
के यीशु कै गेल्या था।"
68 पतरस मुकरग्या, अर बोल्या, "मै ना ए जाण्दा अर ना ए समझू सूं के तू के कहवै सै।" फेर वो
बाहरणै देहळीया म्ह गया; अर मुर्गे नै बाँग दी।
69 वा नौकराणी उसनै ओड़ै देखकै उनतै जो धोरै खड़े थे, दुबारा कहण लाग्गी, "यो उन म्ह तै
एक सै।" 70 पर वो फेर मुकरग्या। माड़ी बार पाच्छै उननै जो धोरै खड़े थे फेर पतरस ताहीं कह्या,
"पक्का तू उन म्ह तै एक सै, क्यूँके तू गलीली भी सै।"
71 फेर वो धिक्कारण अर कसम खाण लाग्या, "मै उस माणस नै, जिसका थम जिक्र करो सो,
कोनी जाण्दा।"
72 फेर जिब्बे दुसरी बार मुर्गे नै बाँग देई। पतरस ताहीं वाए बात जो यीशु नै उसतै कही थी याद
आई "मुर्गे कै दो बर बाँग देण तै पैहल्या तू तीन बार मेरा इन्कार करैगा।" अर वो इस बात नै सोचकै
फूट-फूटकै रोण लाग्या।

15

[illegible]
([illegible] 27:1-2; 11-14; [illegible] 23:1-4; [illegible] 18:28-38)

1 सबेरा होन्दे जिब्बे सारे प्रधान याजकां, यहूदी अगुवां अर शास्त्रियाँ नै बल्के यहूदी अगुवां
की सभा नै सलाह करकै यीशु ताहीं बंधवाया, अर उस ताहीं ले जाकै यहूदिया परदेस के हाकिम
पिलातुस कै हाथ्थां म्ह सौप दिया।

---

* **14:63** 14:63 (मत्ती 26:65)

2 पिलातुस नै यीशु तै बुझ्झया, “के तू यहूदियाँ का राजा सै?” उसनै उस ताहीं जवाब दिया, “तू
आप ए कहण लागरया सै।”
3 प्रधान याजक यीशु पै घणी बात्तां के इल्जाम लावै थे। 4 पिलातुस नै उसतै फेर बुझ्झया, “के
तू कुछ जवाब कोनी देंदा, लखा, ये तेरे पै कितनी बात्तां के इल्जाम लावै सै?”
5 यीशु नै फेर कुछ जवाब कोनी दिया; उरै ताहीं के पिलातुस नै घणी हैरानी होई।

???????-????? ?? ??????
(?????? 27:15-26; ????? 23:13-25; ??? 18:39; 19:16)

6 पिलातुस उस त्यौहार म्ह किसे एक कैदी नै जिसनै वे चाहवै थे, उन माणसां खात्तर छोड़ दिया
करै था।
7 बरअब्बा नाम का एक माणस उन रोळे करणीया गेल्या कैदी था, जिन नै रोळे म्ह खून करया
था। 8 अर भीड़ पिलातुस कै धोरै जाकै उसतै बिनती करण लाग्गी, के जिसा तू म्हारै खात्तर करदा
आया सै उस्से तरियां कर।
9 पिलातुस नै उन ताहीं जवाब दिया, “थम के चाह्वो, के मै थारे खात्तर यहूदियाँ के राजा नै छोड़
दियुँ?” 10 क्यूँके पिलातुस जाणै था के प्रधान याजकां नै यीशु ताहीं चाल तै पकड़वाया था। 11 पर
प्रधान याजकां नै माणसां ताहीं उकसाया के वो यीशु की जगहां बरअब्बा नै छोड़ दे।
12 न्यू सुण पिलातुस नै उनतै फेर बुझ्झया, “तो जिसनै थम यहूदियाँ का राजा कहो सो, उसका मै
के करुँ?”
13 वे फेर रुक्के मारण लाग्गे, “उसनै क्रूस पै चढ़ा द्यो!”
14 पिलातुस नै उनतै फेर कह्या, “क्यांतै उसनै के बुरा करया सै?” पर वे और भी रुक्के मारण
लाग्गे, “उसनै क्रूस पै चढ़ा द्यो!”
15 फेर पिलातुस नै भीड़ ताहीं राज्जी करण की चाहन्ना तै, बरअब्बा ताहीं उनकै खात्तर छोड़
दिया, अर यीशु कै कोरड़े लगवाकै सिपाहियाँ के हाथ म्ह सौप दिया के क्रूस पै चढ़ाया जावै।

???????? ?? ?????? ????? ?? ??????
(?????? 27:27-31; ??? 19:2-3)

16 यीशु ताहीं सिपाही किले कै भीत्तर कै आँगण म्ह ले गये जो प्रिटोरियुम कुह्वावै सै, अर सारी
पलटन ताहीं बुला ल्याए। 17 फेर सिपाहियाँ नै उसका मजाक उड़ाण खात्तर उस ताहीं बैंजनी लत्ते
पिहराए अर काण्डयाँ का मुकुट गूँथकै उसकै सिर पै धरया, 18 अर न्यू कहकै उस ताहीं नमस्कार करण
लाग्गे, “हे यहूदियों के राजा, नमस्कार!” 19 वे उसकै सिर पै सरकण्डे मारदे, अर उसपै थूकदे, अर
गोड्डे टेक कै उसनै प्रणाम करदे रहे। 20 जिब उननै उसका मजाक उड़ा लिया, तो उसपै तै बैंजनी
लत्ते उतारकै उस्से के लत्ते पिहराए; अर फेर उस ताहीं क्रूस पै चढ़ाण कै खात्तर बाहरणै ले गये।

????? ?? ?????? ?? ???????? ?????
(?????? 27:32-44; ????? 23:26-43; ??? 19:17-27)

21 सिकन्दर अर रूफुस का पिता शमौन, जो कुरेन परदेस का बसिन्दा था, वो यरुशलेम की ओड़
आण लागरया था; उननै उस ताहीं बेकार म्ह पकडया ताके यीशु का क्रूस ठाकै ले चाल्लै। 22 वे
यीशु ताहीं गुलगुता नामक जगहां पै लियाए, जिसका मतलब खोपड़ी की जगहां सै। 23 ओड़ै उस
ताहीं सिरका मिल्या होड़ अंगूर का रस देण लाग्गे, पर उसनै कोनी लिया। 24 फेर उननै उस ताहीं
क्रूस पै चढ़ाया अर उसकै लत्यां पै पर्ची गेर कै, के किसनै के मिलै, उननै बांड लिये।
25 अर सबेरै के नौ बजे थे, जिब उननै यीशु ताहीं क्रूस पै चढ़ाया। 26 अर उसका दोषपत्र लिखकै
क्रूस कै उप्पर लगा दिया के “यहूदियाँ का राजा।”
27 उननै उसकै गेल्या दो डाकू, एक उसकी सोळी अर एक उसकी ओळी ओड़ क्रूस पै चढ़ा दिये।
28 (तब पवित्र ग्रन्थ का वो वचन के वो अपराधियाँ गेल्या गिण्या गया, पूरा होया।) 29 अर राह
म्ह जाण आळे सिर हला-हल्लाकै अर न्यू कहकै उसकी बेजती करै थे, “वाह! मन्दर के गेरण आळे,

अर तीन दिन म्ह बणाण आळे! 30 क्रूस पै तै उतरकै अपणे-आपनै बचाले।” 31 इस्से तरियां तै
प्रधान याजक भी, शास्त्रियाँ सुधा, आप्पस म्ह मजाक करकै कहवै थे, “इसनै औरां ताहीं बचाया,
पर अपणे-आपनै न्ही बचा सकदा। 32 इस्राएल का राजा, मसीह, इब क्रूस पै तै उतर आ, के हम
देखकै बिश्वास करया।” अर जो डाकू उसकै गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, वे भी उसकी बेजती करै
थे।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:45-56; [illegible] 23:44-49; [illegible] 19:28-30)

33 दोफारी होण पै सारे देश म्ह अँधेरा छाग्या, अर तीन बजे ताहीं रहया। 34 तीन बजे यीशु नै
बड़े जोर तै रुक्के मारकै कह्या, “इलोई, इलोई, लमा शबक्तनी?” जिसका मतलब यो सै, “हे मेरे
परमेसवर, हे मेरे परमेसवर, तन्नै मेरै ताहीं क्यांतै छोड़ दिया?”

35 जो धोरै खड़े थे, उन म्ह तै कितन्याँ नै न्यू सुणकै कह्या, “लखाओ, वो एलिय्याह ताहीं बुलावै
सै।”

36 अर एक नै भाजकै फोम ताहीं सिरके म्ह डुबोया, अर सरकण्डे पै धरकै उस ताहीं चुसाया अर
कह्या, “ठैहर जाओ, देक्खां, एलिय्याह उस ताहीं उतारण खात्तर आवै सै के न्ही।”

37 फेर यीशु नै बड़े जोर तै किल्की मारकै जी दे दिया।

38 अर मन्दर का पड़दा उप्पर तै तळै ताहीं पाटकै दो टुकड़े होग्या। 39 जो सूबेदार उसकै स्याम्ही
खड्या था, जिब उस ताहीं इस ढाळ किल्की मारकै जी देन्दे देख्या, तो उसनै कह्या, “साच्चए यो
माणस, परमेसवर का बेट्टा था!”

40 कई बिरबान्नी भी दूर तै देक्खै थी: उन म्ह मरियम मगदलीनी*, छोट्टे याकूब अर योसेस
की माँ मरियम, अर सलोमी थी। 41 जिब यीशु गलील परदेस म्ह था, तो ये जनानियाँ जो यीशु की
चेल्ली थी, वो उसकी सेवा-पाणी करया करै थी; अर घणखरी बिरबान्नी भी थी, जो उसकै गेल्या
यरुशलेम नगर तै आई थी।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 27:57-61; [illegible] 23:50-56; [illegible] 19:38-42)

42 यो आराम कै दिन का एक दिन पैहले की तैयारी का दिन था, अर इब साँझ हो गयी थी।†

43 अरिमतिया गाम का बासिन्दा यूसुफ आया, जो बड्डी सभा का खास माणस था अर खुद भी
परमेसवर कै राज्य की बाट देक्खै था। वो हिम्मत करकै पिलातुस कै धोरै गया अर यीशु की लाश
माँगी। 44 पिलातुस नै हैरानी होई के वो इतनी तावळी मरग्या, उसनै सूबेदार ताहीं बुलाकै बुज्झया,
“के उस ताहीं मरे होए वार होई सै?” 45 जिब उसनै सूबेदार कै जरिये हालत जाण ली, तो लाश
यूसुफ ताहीं दुवा दी। 46 फेर उसनै मलमल की एक चाद्दर मोल ली, अर लाश ताहीं उतारकै उस
चाद्दर म्ह लपेटा, अर एक कब्र म्ह जो चट्टान म्ह खोद राक्खी थी धरया, अर कब्र कै बारणै पै एक
पत्थर गिरड़ा दिया। 47 मरियम मगदलीनी‡ अर योसेस की माँ मरियम देक्खै थी के वो कित्त धरया
गया सै।

16

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 28:1-8; [illegible] 24:1-12; [illegible] 20:1-10)

1 जिब आराम का दिन बीतग्या, तो मरियम मगदलीनी*, अर याकूब की माँ मरियम, अर सलोमी
नै खसबूदार चीज मोल ली, ताके आकै यीशु की लाश पै मळै। 2 हफ्ते के पैहल्ड़े दिन तड़कै ए तड़कै
सूरज लिकड़ाए था, वे कब्र पै आई, 3 अर आप्पस म्ह कहवै थी, “म्हारै खात्तर कब्र के दरबाजे पै
तै पत्थर कौण गिरड़ावैगा?”

---

* **15:40** 15:40 मगदला गाम की मरियम † **15:42** 15:42 (यो सब कुछ विश्रामदिन की तैयारी के एक दिन पैहले होया)
‡ **15:47** 15:47 मगदला गाम की मरियम * **16:1** 16:1 मगदला गाम की मरियम

4 जिब उननै कब्र की ओड़ निगांह करी, तो देख्या के पत्थर गिरड़या होया सै! यो घणाए बड्ड़ा
था। 5 कब्र कै भीत्तर जाकै उननै एक जवान ताहीं धोळे लत्ते पहरे होड़ सोळी ओड़ बेठ्ठे देख्या,
अर उननै घणी हैरान होई।
6 उसनै उनतै कह्या, "हैरान मतना होवो, थम यीशु नासरी[†] नै टोह्वो सो, जो क्रूस पै चढ़ाया
गया था, वो जिन्दा होग्या सै, अर उरै कोनी; लखाओ, याए वा जगहां सै, जित्त उननै यीशु की लाश
ताहीं धरया था। 7 पर थम जाओ, अर उसके चेल्यां अर पतरस ताहीं कहो के वो थारे तै पैहल्या
गलील परदेस म्ह जावैगा। जिसा के उसनै थारे तै कह्या था, थम ओड़ैए उसनै देक्खोगे।"
8 अर वे लिकड़कै कब्र तै बाहर भाजग्यी; क्यूँके वे काम्बगी अर उनकै घबराट होगी थी; अर
उननै किसे तै कुछ न्ही कह्या, क्यूँके वे डरै थी।

[illegible]
([illegible] 28:9-10; [illegible] 20:11-18)

9 हफ्तै के पैहल्ड़े दिन सबेर होन्दे यीशु जिन्दा होकै पैहलम-पैहल्या मरियम मगदलीनी ताहीं
जिसम्ह तै उसनै सात ओपरी आत्मा काड्डी थी, दिख्या। 10 उसनै जाकै यीशु के साथियाँ ताहीं खबर
दी, जो दुख म्ह डूबरे थे, अर रोवै थे। 11 उननै न्यू सुणकै के वो जिन्दा सै, अर मरियम मगदलीनी नै
उस ताहीं देख्या सै, उसकी बात का बिश्वास कोनी करा।

[illegible]
([illegible] 24:13-35)

12 इसकै बाद यीशु दुसरे रूप म्ह उन म्ह तै दो चेल्यां ताहीं दिख्या, जिब वे गाम कान्ही जावै
थे। 13 उननै भी यरुशलेम नगर तै बोहड़कै दुसरयां ताहीं इस बारें म्ह खबर दी, पर उननै उनका भी
बिश्वास कोनी करया।

[illegible]
([illegible] 28:16-20; [illegible] 24:36-49; [illegible] 20:19-23; [illegible] 1:6-8)

14 पाच्छै यीशु उन ग्यारहां चेल्यां ताहीं भी दिखया, जिब वे खाणा खाण बेठ्ठे थे, अर उनकै
अबिश्वास अर मन की कठोरता पै उल्हाणा दिया, क्यूँके जिन नै उसकै जिन्दा होण कै पाच्छै उस
ताहीं देख्या था, चेल्यां नै उनका भी बिश्वास कोनी करया था।
15 अर यीशु नै उनतै कह्या, "थम सारी दुनिया म्ह जाकै सारी सृष्टि के माणसां ताहीं सुसमाचार
प्रचार करो। 16 जो बिश्वास करै अर बपतिस्मा लेवै उस्से का उद्धार होवैगा, पर जो बिश्वास कोनी
करैगा वो कसूरवार ठहराया जावैगा; 17 बिश्वास करण आळा म्ह या निशान्नी होवैगी के वे मेरै नाम
तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डैगें, नई-नई भाषा बोल्लैगें, 18 साँप नै हाथ्थां म्ह ठा लेवैगें, अर जै वे
गलती तै जहर भी पी जावै तोभी उनका कुछ न्ही बिगड़ैगा; वे बिमारां पै हाथ धरैगें, अर वे चंगे हो
जावैंगे।"

[illegible]
([illegible] 24:50-53; [illegible] 1:9-11)

19 फेर प्रभु यीशु उनतै बात करण कै पाच्छै सुर्ग पै ठा लिया गया, अर परमेसवर कै सोळी
ओड़ बैठग्या।[‡] 20 अर उननै लिकड़कै हरेक जगहां प्रचार करया, अर प्रभु उनकै गेल्या काम करदा
रहया, अर उन निशान्नी कै जरिये जो गैल-गैल होवै थे, अर साबित करदा रहया के वचन सच्चा
सै। आमीन।

[†] **16:6** 16:6 नासरत नगर का रहण आळा [‡] **16:19** 16:19 (1 पत-3:22)

लूका के जरिये लिख्या गया सुसमाचार

????????
लूका के जरिये लिखे गये सुसमाचार नै यीशु ताहीं इस्राएली माणसां के खात्तर करे होए वादे का मुक्तिदाता अर सारे मानव जात्ति का उद्धारकर्ता, दोनुआ ए कै तौर पै पेश करया सै। लूका लिखै सै के यीशु ताहीं "कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणाण खात्तर" प्रभु की आत्मा नै बुलाया था। इसे कारण यो सुसमाचार कई तरियां की समस्या म्ह पड़े माणसां की चिन्ता तै भरा पड्या सै। लूका के जरिये लिखे गये सुसमाचार म्ह आनन्द के भाव की भी झलक देक्खै सै, खासकर शरुआती पाठां म्ह, जिन म्ह यीशु के आण की घोषणा करी गई सै, अर आखर म्ह भी जड़ै यीशु के सुर्ग जाण का जिक्र सै। यीशु के सुर्ग जाणकै बाद मसीह बिश्वास की बढ़ोतरी अर ब्यौरे का खुलास्सा इस्से लेखक के जरिये प्रेरितां के जरिये करे गए काम की किताब म्ह दिया सै। दुसरे अर छटे भाग म्ह भोत सी बात सिर्फ इसे सुसमाचार म्ह पाई जावै सै। मिसाल के तौर पै, यीशु, के जन्म पै सुर्गदूत्तां का गीत, पाळीयाँ का यीशु ताहीं देखण जाणा, यरुशलेम नगर के मन्दर म्ह बाळक यीशु, दयालु सामरी अर उड़ाऊ बेट्टे की कहाँनी आदि। पूरे सुसमाचार म्ह प्रार्थना, पवित्र आत्मा, यीशु के जरिये माणसां की सेवा म्ह बिरबानियाँ की भूमिका, अर परमेसवर के जरिये पापां की माफी पै घणा ज्यादा जोर दिया सै।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1-4
यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा अर यीशु का जन्म अर बचपन 1:5-2:52
यूहन्ना बपतिस्मा देण आळे कै जरिये माणसां की सेवा 3:1-20
यीशु का बपतिस्मा अर इम्तिहान 3:21-4:13
गलील परदेस म्ह यीशु के जरिये माणसां की सेवा 4:14-9:50
गलील परदेस तै यरुशलेम नगर ताहीं का सफर 9:51-19:27
यरुशलेम नगर म्ह आखरी हफ्ता 19:28-23:56
प्रभु का जिन्दा हो जाणा, दिखाई देणा, अर सुर्ग म्ह जाणा 24:1-53

????? ??? ?????
1 हे जनाब थियुफिलुस, घणखरयां माणसां नै म्हारै बिचाळै घटी बात्तां का ब्यौरा लिखण की
कोशिश करी सै। 2 शरुआत तै ए जो यीशु मसीह की सेवकाई म्ह साथ थे अर वे बाद म्ह वचन के
सेवक बणगे, उननै ए आँखां देक्खी बात म्हारे ताहीं बताई। 3 इस करकै हे जनाब थियुफिलुस, मन्नै
भी यो ठीक लाग्या के उन सारी बात्तां का सारा हाल शरु तै आच्छी दाहू परख कै, उननै तेरे खात्तर
क्रमानुसार* लिखूँ 4 के तू या जाण ले के वो बात जिनकी तन्नै शिक्षा पाई सै, वो सच्ची सै।

????????? ??? ????? ??? ??????
5 यहूदिया परदेस कै राजा हेरोदेस कै बखत म्ह अबिय्याह कै टोळ म्ह जकरयाह नाम का एक
याजक था, अर उसकी घरआळी का नाम एलीशिबा था, अर दोन्नु हारुन की पीढ़ी के थे। 6 वे दोन्नु
परमेसवर कै स्याम्ही धर्मी थे, अर प्रभु कै सारे हुकम अर नियमां पै बेखोट चालण आळे थे। 7 पर
उनकै कोए भी ऊलाद कोनी थी, क्यूँके एलीशिबा बाँझ थी, अर वे दोन्नु ए बूढ़े थे।
8 एक दिन मन्दर म्ह जिब याजक के काम की बारी जकरयाह के टोळ की आई, तो वो परमेसवर
कै स्याम्ही पूजा करण खात्तर ओड़ै मौजूद था, 9 तो याजकां की रीत कै मुताबिक उसकै नाम की
चिट्ठी लिकड़ी के प्रभु कै मन्दर म्ह जाकै धूप जळावै। 10 धूप जळाण कै बखत माणसां की भीड़
बाहरणै आँगण म्ह प्रार्थना करै थी।

* **1:3** 1:3 क्रमानुसार-लंगपतार म्ह

11 उस बखत प्रभु का एक सुर्गदूत धूप की वेदी† कै सोळी ओड़ खड्या दिख्या। 12 जकरयाह देखकै
घबराग्या अर घणा डरग्या। 13 पर सुर्गदूत उसतै बोल्या, “हे जकरयाह, डरै ना, क्यूँके परमेसवर नै
तेरी प्रार्थना सुणली सै, अर तेरी घरआळी एलीशिबा तेरे खात्तर एक बेट्टा जाम्मैगी, अर तू उसका
नाम यूहन्ना धरिये। 14 वो तेरे ताहीं तो आनन्द अर खुशी देवैएगा, साथ म्ह भोत-से माणस भी उसकै
जन्म तै राज्जी होवैगें। 15 क्यूँके वो प्रभु कै स्याम्ही घणा महान् होगा, अर उस ताहीं कदे भी मदिरा,
नशीली चीज न्ही पीणी सै, अर अपणी माँ की कोख तै ए पवित्र आत्मा तै भर ज्यागा। 16 अर
इस्राएल के भोत-से माणसां के मन प्रभु परमेसवर की ओड़ मोड़ देवैगा। 17 यूहन्ना एलिय्याह
नबी की आत्मा अर सामर्थ म्ह भरा होगा, अर वो परमेसवर के राह नै तैयार करैगा, वो माँ-बाप का
मन बाळकां की ओड़ मोड़ देवैगा। हुकम ना मानण आळे अधर्मियाँ की सोच नै धर्मियाँ की सोच म्ह
बदल देवैगा।”

18 जकरयाह नै सुर्गदूत तै बुझया, “इस बात का मै किस तरियां बिश्वास करुँ? के यो म्हारे गैल
होवैगा, क्यूँके मै तो बूढ़ा सूं, अर मेरी घरआळी भी बूढ़ी होरी सै।”

19 सुर्गदूत नै उसतै जवाब दिया, “मै जिब्राईल सूं, जो परमेसवर कै आग्गै खड्या रहूँ सूं, अर
मै तेरे तै बात करण अर सुसमाचार देण खात्तर भेज्या सूं। 20 अर देख जिब ताहीं ये बात पूरी ना
हो लेंगी, तू गूँगा रहवैगा अर बोल न्ही पावैगा क्यूँके तन्नै मेरी बात्तां का बिश्वास न्ही करया, जो
अपणे बखत पै पूरी होंगी।”

21 बाहर जकरयाह की बाट देक्खण आळे माणस अचम्भे म्ह पड़गे, कै उसनै मन्दर म्ह इतनी वार
क्यूँ लाग्गी। 22 जिब वो बाहर आया, तो उन ताहीं बोल न्ही पाया आखर वो जाणगे कै उसनै मन्दर
म्ह कोए दर्शन पाया सै, अर वो उन ताहीं इशारे करदा रह्या, अर गूँगा होग्या।

23 जिब उसकी याजकीय सेवा कै दिन पूरे होए, तो वो यरुशलेम नगर नै छोड़ अपणे घरां चल्या
गया।

24 कई दिनां पाच्छै उसकी घरआळी एलीशिबा गर्भवती होग्यी, अर पाँच महिन्ने तैई अपणे-आप
ताहीं ल्हकोए राख्या, 25 उसनै अपणे-आप तै कह्या, प्रभु नै इन दिनां म्ह दया की मेहर करकै मेरै
खात्तर इसा करया सै, “के माणसां के बीच म्ह मेरा अपमान दूर हो।”

???? ?? ???? ?? ?????

26 एलीशिबा कै छठा महिन्ना चढ़ रह्या था, परमेसवर की ओड़ तै जिब्राईल सुर्गदूत, गलील
परदेस कै नासरत नगर म्ह, 27 एक कुँवारी कै धोरै भेज्या जिसकी सगाई यूसुफ नाम कै दाऊद कै
घराने कै एक माणस तै होई थी, उस कुँवारी का नाम मरियम था। 28 जिब्राईल सुर्गदूत नै उसके धोरै
आकै कह्या, “आनन्द अर जयजयकार तेरी हो तेरे पै ईश्वर का अनुग्रह होया सै! प्रभु तेरे गेल्या
सै!”

29 मरियम या बात सुणकै भोत घबरा ग्यी, अर सोच म्ह पड़गी कै इन बात्तां का के मतलब हो सकै
सै? 30 सुर्गदूत नै उसतै कह्या, “हे मरियम, डरै ना, क्यूँके परमेसवर का अनुग्रह तेरे पै होया सै।
31 अर देख, तू गर्भवती होगी, अर तेरे एक छोरा पैदा होगा, तू उसका नाम यीशु धरिये। 32 वो महान्
होगा अर परमप्रधान का बेट्टा कुह्वावैगा, अर प्रभु परमेसवर उसकै पूर्वज दाऊद का सिंहासन
उसनै देवैगा, 33 अर वो इस्राएल कै घराने पै सदा राज करैगा, अर उसकै राज्य का अंत न्ही होगा।”

34 मरियम नै सुर्गदूत तै कह्या, “यो किस तरियां होगा। मै तो कुँवारी सूं।”

35 सुर्गदूत नै उस ताहीं जवाब दिया, “पवित्र आत्मा तेरे पै आवैगा अर परमप्रधान की सामर्थ
तेरे पै छाया करैगी, इस खात्तर वो जो बाळक पैदा होण आळा सै, पवित्र अर परमेसवर का बेट्टा
कुह्वावैगा। 36 अर सुण, तेरी रिस्तेदार जो एलीशिबा सै उसकै भी बुढ़ापे म्ह बेट्टा होण आळा सै,
जो बाँझ कुह्वावै थी यो उसका, छठा महिन्ना सै। 37 क्यूँके परमेसवर खात्तर कुछ भी मुश्किल कोनी
सै।”

† **1:11** 1:11 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

38 मरियम नै कह्या, "देख, मै प्रभु की दास्सी सूं, मेरै तै तेरे कहैए वचन के मुताबिक हो।" फेर
सुर्गदूत उसके धोरै तै चल्या ग्या।

?????? ?? ????????? ?? ????? ?????

39 कई दिनां बाद मरियम ताव्ली तैयार होकै पहाड़ी परदेस के यहूदा नगर म्ह ग्यी, 40 अर
जकरयाह कै घर म्ह जाकै एलीशिबा ताहीं नमस्कार करया। 41 ज्योंए एलीशिबा नै मरियम का
नमस्कार सुण्या, त्योंए बाळक उसके पेट म्ह उछळ्या, अर एलीशिबा पवित्र आत्मा तै भरगी।
42 अर उसनै ऊँच्ची आवाज म्ह बोलकै कह्या, "तू बिरबानियाँ म्ह धन्य सै, अर तेरी कोख का फळ
धन्य सै! 43 मै खुशनसीब सूं जो प्रभु की माँ मेरै धोरै मिलण खात्तर आई? 44 देख, ज्योंए तेरे
नमस्कार का बोल मेरै कान्ना म्ह पड्या, त्योंए बाळक मेरै पेट म्ह खुशी तै उछळ पड्या। 45 धन्य
सै तू क्यूँके तन्नै बिश्वास करया कै जो बात प्रभु नै तेरे ताहीं कही, वे पूरी होई!"

?????? ?? ?????? ??-?? ???

46 फेर मरियम नै कह्या,
"मेरा जी प्रभु की बड़ाई करै सै
47 अर मेरी आत्मा मेरै उद्धार करण आळे परमेसवर तै खुश होई,"
48 "क्यूँके उसनै अपणी दास्सी की लाचारी पै निगांह करी सै,‡
इस खात्तर देक्खो, इब तै सारे युग-युग के माणस मन्नै धन्य कहवैगें,"
49 "क्यूँके उस शक्तिशाली नै मेरै खात्तर बड़े-बड़े काम करै सै। उसका नाम पवित्र सै,"
50 "अर उसकी दया उनपै, जो उसतै डरै सै, पीढ़ी तै पीढ़ी बणी रहवैं सै।"
51 "उसनै अपणी शक्ति तै बड़े-बड़े काम करै सै, अर जो अपणे-आप म्ह घमण्ड करै थे, उन ताहीं तित्तर-बितर कर दिया।"
52 "उसनै शासकां ताहीं उनकै सिंहासनां पै तै गिरा दिया, अर नम्र लोग्गां ताहीं ऊँच्चा उठा दिया।"
53 "उसनै भूख्या ताहीं बढ़िया चिज्जां तै छिकाया सै, अर साहूकारां ताहीं खाल्ली हाथ भेज दिया।"
54 "उसनै अपणे सेवक इस्राएल ताहीं सम्भाल लिया, ताके अपणी उस दया नै याद करै,"
55 "जो उसनै अब्राहम अर उसकी पीढ़ी पै सदा खात्तर दया करण का वादा करया सै।"
56 मरियम करीब तीन महिन्ने उसकै गेल्या रहकै उल्टी अपणे घरां चली ग्यी।

???????? ????????? ???? ???? ?? ?????

57 फेर एलीशिबा कै दिन पूरे होए अर उसनै बेट्टा जाम्या। 58 उसके पड़ोसी अर रिश्तेदारां नै
या सुणकै के प्रभु नै उसपै बड़ी दया करी सै, उसकै गेल्या खुशी मनाई,
59 आठवे दिन वे बाळक का खतना करण ताहीं आये, अर उसका नाम उसकै पिता के नाम पै
जकरयाह धरणा चाहवै थे। 60 इस पर उसकी माँ एलीशिबा नै जवाब दिया, "ना, इसका नाम यूहन्ना
धरो।"
61 उननै उस ताहीं कह्या, "तेरे रिश्तेदारा म्ह किसे का यो नाम न्ही सै!"
62 फेर उसकै पिता तै इशारा करकै पूच्छया कै तू उसका नाम के धरणा चाहवै सै? 63 उसनै लिखण
की पट्टी पै लिख दिया, "उसका नाम यूहन्ना सै," अर सारा नै अचम्भा होया। 64 फेर उसकी आवाज
बोहड़ आई, अर वो बोल्लण अर परमेसवर का धन्यवाद करण लाग्या। 65 उसके लोवै-धोरै कै सब
रहण आळे डरगे, अर उन सारी बात्तां की चर्चा यहूदिया परदेस कै सारे पहाड़ी देश म्ह फैलगी, 66 अर
सब सुणण आळा नै अपणे-अपणे मन म्ह विचार करकै कह्या, "यो बाळक किसा होगा?" क्यूँके प्रभु
की शक्ति उसकै साथ सै।

??????? ?? ?????? ??-?? ???

67 उसका पिता जकरयाह पवित्र आत्मा तै भरग्या, अर भविष्यवाणी करण लाग्या:

---

‡ **1:48** 1:48 लूका 1:42

68 “प्रभु इस्राएल का परमेसवर धन्य सै, क्यूँके उसनै अपणे माणसां पै निगांह करी अर उनका उद्धार करया सै,
69 अर अपणे दास दाऊद कै घराने म्ह म्हारै खात्तर एक शक्तिशाली उद्धारकर्ता ताहीं भेज्या सै,
70 (भोत पैहले प्रभु नै अपणे पवित्र नबियाँ कै जरिये यो कह्या था)
71 के वो हमनै दुश्मनां तै बचावैगा अर मेरे तै नफरत करण आळे की ताकत तै भी हमनै बचावैगा।
72 उसनै कह्या, के वो म्हारै पूर्वजां पै दया करैगा अर अपणे पवित्र करार नै याद राक्खैगा,
73 अर वो करार जो उसनै म्हारै पूर्वज अब्राहम तै करया था,
74 उसनै वादा करया सै, के वो म्हारे दुश्मनां कै हाथ तै हमनै छुड़ावैगा,
75 ताके जिन्दगी भर उसकै आग्गै पवित्रता अर धार्मिकता तै बिना डरें उसकी सेवा कर सकां।
76 हे मेरे बेट्टे, तू परमप्रधान का नबी कुह्वावैगा, क्यूँके तू प्रभु का रास्ता त्यार करण कै खात्तर आग्गै-आग्गै चाल्लैगा,
77 तू उसकै माणसां नै उद्धार का ज्ञान देगा, जो पापां की माफी तै मिलै सै।
78 यो म्हारे परमेसवर की उस बड़ी दया तै होगा। जिस तरियां सूरज चमकै सै, उसी तरियां मसीहा भी सुर्ग तै म्हारे धोरै आवैगा
79 ताके अन्धेरे अर मौत की छाया म्ह बैठण आळा नै रोशनी दे, वा रोशनी सही राह पै चाल्लण म्ह म्हारी मदद करैगी।”

80 अर बाळक यूहन्ना देह अर आत्मा म्ह मजबूत होन्दा गया, अर इस्राएल के माणसां पै जाहिर होण तै पैहले वो जंगल-बियाबान म्ह रह्या।

2

[illegible]
([illegible] 1:18-25)

1 उन दिनां म्ह औगुस्तुस कैसर की कान्ही तै हुकम लिकड़या के, सारे रोमी साम्राज्य कै माणसां
की जनगणना करकै उनके नाम लिक्खे जावै। 2 (या पैहली नाम लिखाई उस बखत होई, जिब
क्विरिनियुस सीरिया परदेस कै इलाके का राज्यपाल था)। 3 सारे माणस नाम लिखाण कै खात्तर
अपणे-अपणे पुश्तैनी नगर म्ह गए।

4 आखर यूसुफ भी इस करकै के वो भी दाऊद कै कुण्बे अर पीढ़ी का था, गलील परदेस कै नासरत
नगर तै गया, यहूदिया परदेस म्ह दाऊद कै बैतलहम नगर म्ह आया, 5 ताके अपणी मंगेतर मरियम
कै गेल्या जो गर्भवती थी, उस जनगणना म्ह नाम लिखवावै। 6 उनकै बैतलहम नगर रहन्दे होए
उसके जाम्मण के दिन पूरे होए, 7 अर मरियम नै अपणा जेट्ठा छोरा जाम्या अर उस ताहीं लत्ते म्ह
लपेटकै खोर म्ह धरया, क्यूँके उनकै खात्तर सराये म्ह जगहां कोनी थी।

[illegible]

8 अर उस देश म्ह कई पाळी थे, जो रात नै मदानां म्ह रहकै अपणी भेड़डां के टोळ की रुखाळ करै
थे। 9 अर उस्से रात नै प्रभु का एक सुर्गदूत उनकै धोरै आण खडया होया, अर प्रभु का प्रताप उसकै
उप्पर चमक्या, अर वे घणे डरगे। 10 सुर्गदूत नै उनतै कह्या, “मतना डरो, क्यूँके देक्खों, मै थमनै घणी
खुशी की खबर सुणाऊँ सूं, जो सारे माणसां खात्तर होगी, 11 आज दाऊद कै नगर बैतलहम म्ह थारे
खात्तर एक उद्धारकर्ता जाम्या सै, अर योए मसीह प्रभु सै। 12 अर उसकी थारे खात्तर या निशान्नी
होगी के थम एक बाळक नै लत्ते म्ह लिपटया होड़ अर खोर म्ह लेटया होड़ पाओगे।”
13 फेर चाणचक उस सुर्गदूत गेल्या सुर्गदूत्तां का एक टोळ परमेसवर की भगति करदे होए अर न्यू कहन्दे दिख्या,

14 “अकास म्ह परमेसवर की महिमा अर
धरती पै उन माणसां म्ह जिनतै वो राज्जी सै, शान्ति हो।”

15 जिब सुर्गदूत उसकै धोरै तै सुर्ग म्ह चले गए, तो पाळीयाँ नै आप्पस म्ह कह्या, "आओ, हम
बैतलहम नगर जाकै या बात जो होई सै, अर जो प्रभु नै म्हारै ताहीं बताई सै, देक्खां।"
16 अर उननै जिब्बे जाकै मरियम अर यूसुफ ताहीं अर खोर म्ह उस बाळक ताहीं लेटया देख्या।
17 जिब पाळीयाँ नै बाळक ताहीं देख्या तो उननै वे सारी बात जो सुर्गदूत नै इस बाळक कै बाबत
उनतै कही थी, यूसुफ अर मरियम ताहीं बताई। 18 अर पाळीयाँ की ये बात सुणकै सारे सुणण आळा
नै अचम्भा करया। 19 पर मरियम ये बात अपणे मन म्ह धरकै सोचदी रई। 20 अर जिसा पाळीयाँ ताहीं
सुर्गदूत्तां नै कह्या था, सब कुछ उसाए सुणकै अर देखकै, वे परमेसवर की महिमा अर जय-जयकार
करदे होए बोहड़गे।

[illegible]

21 जिब आठ दिन पूरे होए अर उसकै खतने का बखत आया, तो उसका नाम यीशु धरया गया,
अर यो नाम सुर्गदूत के जरिये, मरियम के गर्भ म्ह आण तै पैहल्या बताया गया था।

[illegible]

22 जिब मूसा नबी कै नियम-कायदा कै मुताबिक मरियम अर यूसुफ कै सूंच्चे होण के दिन पूरे होए,
तो वे दोन्नु यीशु नै यरुशलेम नगर के मन्दर म्ह लेगे के प्रभु कै स्याम्ही ल्याए, 23 (जिसा के प्रभु
के नियम-कायदा म्ह लिख्या होड़ सै: हरेक जेट्ठा बेट्टा प्रभु कै खात्तर पवित्र ठहरैगा।) 24 अर
प्रभु कै नियम-कायदा कै वचन कै मुताबिक "एक कबूतर या मोड्डी कै दो बच्चे ल्याकै बलि करै।"

[illegible]

25 उस बखत यरुशलेम नगर म्ह शमौन नाम का एक माणस था। वो धर्मी अर परमेसवर का भगत
था, अर वो मसीह की बाट देखण लागरया था, ताके इस्राएल के माणसां नै शान्ति मिलै अर पवित्र
आत्मा उसपै था। 26 अर पवित्र आत्मा के जरिये उसपै जाहिर होया था के जिब तक वो प्रभु के
मसीह नै देख न्ही लेगा, जद ताहीं मौत नै कोनी देक्खैगा। 27 शमौन आत्मा की अगुवाई तै मन्दर
म्ह आया, अर जिब माँ-बाप उस बाळक यीशु ताहीं भीत्तर ल्याए, ताके उसकै खात्तर नियम-कायदा
के रिवाज कै मुताबिक करै, 28 फेर उसनै बाळक यीशु ताहीं अपणी गोद्दी म्ह लिया अर परमेसवर
का धन्यवाद करकै कह्या
29 "हे प्रभु माल्लिक, इब तू अपणे दास नै अपणे वचन कै मुताबिक शान्ति तै इब मर जाणदे,
30 क्यूँके मेरी आँखां नै उद्धारकर्ता ताहीं देख लिया सै,
31 जिस ताहीं तन्नै सारे देशां के माणसां कै स्याम्ही भेज्या सै,
32 ताके वो गैर यहूदियाँ ताहीं चाँदणा देण कै खात्तर उजाळा, अर तेरे अपणे माणस इस्राएल की
महिमा हो।"
33 यीशु के माँ-बाप इन बात्तां तै, जो शमौन नै यीशु कै बारें म्ह कही थी, सुणकै अचम्भा करै थे।
34 फेर शमौन नै उन ताहीं आशीर्वाद देकै, उसकी माँ मरियम तै कह्या, "देख, यो बाळक इस्राएल
म्ह भोत-से माणसां के पतन अर उत्थान का कारण बणैगा, अर या निशान्नी के रूप म्ह परमेसवर की
ओड़ तै भेज्या होया सै, अर भोत सारे लोग उसकै बिरुध बोल्लैगें। 35 इसका नतिज्जा यो होगा के
भोत सारे मनां के विचार जाहिर हो जावैंगे, अर एक भोत बड़ा दुख तेरे पै आवैगा*।"

[illegible]

36 अशेर कै गोत म्ह तै हन्नाह नामक फनूएल की बेट्टी एक नबी थी। वा घणी बूढ़ी थी, अर ब्याह
होण कै सात साल पाच्छै उसका धणी गुजर ग्या। 37 वा चौरासी साल तै बिधवा थी: अर मन्दर
म्ह जाणा कोनी छोडया करै थी, पर ब्रत अर प्रार्थना कर-करकै रात-दिन भगति करया करै थी।
38 जिब यूसुफ, मरियम अर बाळक यीशु, मन्दर म्ह थे, तो हन्नाह उनकै धोरै आई अर परमेसवर
का धन्यवाद करण लाग्गी, अर उसनै उन सारया ताहीं इस बाळक यीशु के बारें म्ह बताया, जो
यरुशलेम कै छुटकारै की बाट देक्खै थे।

* **2:35** 2:35 अर एक भोत बड़ा दुख तेरे पै आवैगा अर एक तलवार तेरे दिल पै चाल्लैगी

[illegible]

39 यहूदी† नियम-कायदा नै पूरा करण कै बाद यूसुफ अर मरियम गलील परदेस के नासरत नगर
म्ह अपणे घरां बोहड़ आये। 40 अर बाळक यीशु बढ़दा, अर मजबूत होन्दा, अर बुद्धि तै भरपूर
होंदा गया, अर परमेसवर का अनुग्रह उसपै था।

[illegible]

41 यीशु के माँ-बाप हरेक साल फसह कै त्यौहार म्ह यरुशलेम जाया करै थे। 42 जिब यीशु बारहां
साल का होया, तो वे त्यौहार की रीति कै मुताबिक यरुशलेम नगर म्ह गए। 43 जिब यीशु के माँ-
बाप त्यौहार मनाकै अपणे घरां बोहड़ण लागरे थे, तो बाळक यीशु यरुशलेम म्ह रहग्या, अर इसका
उसकै माँ-बाप नै कोनी बेरा था। 44 वे न्यू समझकै के वो दुसरे मुसाफिरां कै गेल्या होगा, एक दिन का
सफर पार करगे: अर उस ताहीं अपणे कुण्बे आळा म्ह अर जाण-पिच्छाण आळा म्ह टोह्ण लाग्गे।
45 पर जिब कोनी मिल्या, टोन्दे-टोन्दे यरुशलेम म्ह दुबारै बोहड़गे, 46 अर तीन दिन कै पाच्छै उननै
वो मन्दर के आँगण म्ह उपदेशकां कै बिचाळै बेठ्ठे, उनकी सुणदे अर उनतै सवाल बुझते पाया।
47 जितने उसकी सुणै थे, वे सारे उसकी समझ अर उसके जवाब तै हैरान थे। 48 फेर उसके माँ-बाप
उस ताहीं देखकै हैरान होए अर उसकी माँ नै उसतै कह्या, "हे बेट्टे, तन्नै म्हारै गेल्या इसा बरताव
क्यातै करया? देख, तेरा बाप अर मै तन्नै ढूँढ-ढूँढके परेशान होरे थे?"
49 उसनै उनतै कह्या, "थम मन्नै क्यातै टोह्वो सो? के बेरा कोनी मन्नै मेरे पिता कै घरां होणा
जरूरी सै?" 50 पर जो बात उसनै उनतै कही, उननै कोनी समझया।
51 फेर वो उनकै गेल्या गया, अर नासरत म्ह आया, अर उनकै बस म्ह रह्या, अर उसकी माँ नै ये
सारी बात अपणे मन म्ह राक्खी। 52 अर यीशु समझ अर कद-काट्ठी म्ह, अर परमेसवर अर माणसां
कै अनुग्रह म्ह बढ़दा गया।

3

[illegible]
([illegible] 3:1-12; [illegible] 1:1-8; [illegible] 1:19-28)

1 जिब रोम साम्राज्य म्ह तिबिरियुस कैसर राजा बण्या तो उसके पंद्रहवें साल म्ह जिब चौथाई
देश म्ह पुन्तियुस पिलातुस यहूदिया परदेस का राज्यपाल था, अर हेरोदेस गलील परदेस म्ह
इतूरैया अर त्रखोनितिस परदेस म्ह उसका भाई फिलिप्पुस राज करै था, अर अबिलेने परदेस म्ह
लिसानियास राज करै था 2 अर जिब हन्ना अर कैफा महायाजक थे, उस बखत परमेसवर का वचन
जंगल-बियाबान म्ह जकरयाह के बेट्टे यूहन्ना के धोरै पोंहच्या। 3 यूहन्ना यरदन नदी कै लोवै-धोवै
के साब्ते परदेस म्ह जाकै, पापां की माफी का प्रचार करण लागग्या, के पाप करणा छोड़ द्यो अर
बपतिस्मा ल्यो। 4 जिसा यशायाह नबी के कहे होए वचनां की किताब म्ह लिख्या सै:

"जंगल-बियाबान म्ह एक रुक्के मारणीये का वचन होरया सै के, प्रभु की राही त्यार करो, उसकी
सड़क सीध्धी बणाओ।
5 हरेक घाटी भर दी जावैगी, अर हरेक पहाड़ अर टिल्ला तळै करया जावैगा, अर जो टेढ़ा सै सीध्धा,
अर जो ऊँच्चा नीच्चा सै वो बरोब्बर राह बणैगा।
6 अर हरेक माणस परमेसवर के उद्धार नै देक्खैगा।"

7 जो भीड़ की भीड़ उसतै बपतिस्मा लेण नै लिकड़ के आवै थी, उनतै यूहन्ना कहवै था, "हे साँप
के सप्पोलों जिसे माणसों, थारे तै कौण बताग्या के परमेसवर के आण आळे छो तै भाग्गो। 8 इस
खात्तर जै थमनै सच म्ह पाप करणा छोड़ दिया सै तो यो दिखाण खात्तर भले काम तो करो, अर
अपणे-अपणे मन म्ह न्यू मतना सोच्चो के हम अब्राहम के वंश तै सां, क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं के
परमेसवर इन पत्थरां तै भी अब्राहम कै खात्तर ऊलाद पैदा कर सकै सै। 9 इब कुहाड़ा दरखतां की

† **2:39** 2:39 यहूदी प्रभु के

जड़ पै धरया सै, इस करकै जो-जो दरखत बढ़िया फळ न्ही ल्यांदा, वो काटया अर आग म्ह झोक्या
जावैगा।" इसका मतलब यो सै परमेसवर उन सारया नै दण्ड देवैगा जो पाप करणा न्ही छोड़ते।
10 फेर माणसां नै उसतै बुझया, "तो हम परमेसवर के दण्ड तै बचण खात्तर के करा?"
11 उसनै जवाब दिया, "जिसकै धोरै दो कुड़ते हों, वो उसकै गेल्या जिसकै धोरै न्ही सै उसकै गैल
बांड ल्यो अर जिसकै धोरै खाणा हो, वो भी न्यूए् करै।"
12 चुंगी लेण आळे भी बपतिस्मा लेण आए, अर उसतै बुझया, "हे गुरु, हम के करा?"
13 उसनै उनतै कह्या, "ईमानदार रहों अर जितना रोमी सरकार नै कर* तय करया सै, उसतै ज्यादा
ना लियो।"
14 कुछ सिपाहियाँ नै भी उसतै बुझया, "हम के करा?" उसनै उनतै कह्या, "किसे पै जुल्म करकै
पईसे ना लियो, अर ना झूठ्ठा इल्जाम लाइयो, अर अपणी तन्खा पै संतोष करियो।"
15 जिब माणस मसीहा की आस लगाये होए थे, अर सारे अपणे-अपणे मन म्ह यूहन्ना के बाबत
विचार कररे थे, के योए मसीह तो न्ही सै। 16 तो यूहन्ना नै उन सारया तै कह्या, "मै तो थमनै पाणी
तै बपतिस्मा दियुँ सूं, पर वो आण आळा सै, जो मेरै तै घणा शक्तिशाली सै, मै तो इस लायक भी
कोनी के उसके जूत्याँ के फित्ते खोल सकूँ, वो थमनै पवित्र आत्मा अर आग तै बपतिस्मा देवैगा।
17 उसका छाज, उसकै हाथ म्ह सै, अर वो अपणा खलिहाण आच्छी तरियां साफ करैगा, अर नाज
नै अपणे कोठार (गोदाम) म्ह कठ्ठा करैगा, पर भुरळी ताहीं उस आग म्ह जळावैगा जो कदे बुझै
कोनी।"
18 आखर वो घणीए् शिक्षा दे-देकै माणसां तै सुसमाचार सुणान्दा रह्या।
19 पर जिब उसनै चौथाई देश म्ह गलील परदेस के राजा हेरोदेस तै उसके भाई फिलिप्पुस की
घरआळी हेरोदियास कै बाबत अर सारे बुरे काम्मां कै बाबत जो उसनै करे थे, उल्हाणा दिया,
20 तो हेरोदेस नै उन सारया तै बढ़कै यो बुरा काम भी करया के यूहन्ना ताहीं जेळ म्ह गेर दिया।

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 3:13-17; [illegible] 1:9-11)

21 जिब सारे माणसां नै बपतिस्मा लिया अर यीशु भी बपतिस्मा लेकै प्रार्थना कर रह्या था,
तो अकास खुलग्या, 22 अर पवित्र आत्मा शारीरिक रूप म्ह कबूतर की तरियां उसपै उतरया, अर
परमेसवर सुर्ग म्ह तै बोल्या "तू मेरा प्यारा बेट्टा सै, मै तेरतै राज्जी सूं।"

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 1:1-17)

23 जिब यीशु खुद उपदेश देण लागग्या, तो करीबन तीस साल की उम्र का था अर (जिसा समझा
जावै सै) यीशु यूसुफ का बेट्टा था, अर यूसुफ एली का बेट्टा था, 24 अर एली मत्तात का बेट्टा
था, अर मत्तात लेवी का बेट्टा था, अर लेवी मलकी का बेट्टा था, अर मलकी यन्ना का बेट्टा
था, अर यन्ना यूसुफ का बेट्टा था, 25 अर यूसुफ मत्तित्याह का बेट्टा था, अर मत्तित्याह आमोस
का बेट्टा था, अर आमोस नहूम का बेट्टा था, अर नहूम असल्याह का बेट्टा था, अर असल्याह
नोगह का बेट्टा था, 26 अर नोगह मात का बेट्टा था, अर मात मत्तित्याह का बेट्टा था, अर
मत्तित्याह शिमी का बेट्टा था, अर शिमी योसेख का बेट्टा था, अर योसेख योदाह का बेट्टा
था, 27 अर योदाह यूहन्ना का बेट्टा था, अर यूहन्ना रेसा का बेट्टा था, अर रेसा जरुब्बाबिल का
बेट्टा था, अर जरुब्बाबिल शालतियेल का बेट्टा था, अर शालतियेल नेरी का बेट्टा था, 28 अर
नेरी मलकी का बेट्टा था, अर मलकी अद्दी का बेट्टा था, अर अद्दी कोसाम का बेट्टा था, अर
कोसाम इलमोदाम का बेट्टा था, अर इलमोदाम एर का बेट्टा था, 29 अर एर येशू का बेट्टा था,
अर येशू इलाजार का बेट्टा था, अर इलाजार योरीम का बेट्टा था, अर योरीम मत्तात का बेट्टा था,
अर मत्तात लेवी का बेट्टा था, 30 अर लेवी शमौन का बेट्टा था, अर शमौन यहूदा का बेट्टा था,
अर यहूदा यूसुफ का बेट्टा था, अर यूसुफ योनान का बेट्टा था, अर योनान इलयाकीम का बेट्टा

---
* **3:13** 3:13 कर चुंगी

था, 31 अर इलयाकीम मलेआह का बेट्टा था, अर मलेआह मिन्नाह का बेट्टा था, अर मिन्नाह
मत्तता का बेट्टा था, अर मत्तता नातान का बेट्टा था, अर नातान दाऊद का बेट्टा था, 32 अर
दाऊद यिशै का बेट्टा था, अर यिशै ओबेद का बेट्टा था, अर ओबेद बोआज का बेट्टा था, अर
बोआज सलमोन का बेट्टा था, अर सलमोन नहशोन का बेट्टा था, 33 अर नहशोन अम्मीनादाब का
बेट्टा था, अर अम्मीनादाब अरनी का बेट्टा था, अर अरनी हिस्रोन का बेट्टा था, अर हिस्रोन
फिरिस का बेट्टा था, अर फिरिस यहूदा का बेट्टा था, 34 अर यहूदा याकूब का बेट्टा था, अर याकूब
इसहाक का बेट्टा था, अर इसहाक अब्राहम का बेट्टा था, अर अब्राहम तिरह का बेट्टा था, अर
तिरह नाहोर का बेट्टा था, 35 अर नाहोर सरूग का बेट्टा था, अर सरूग रऊ का बेट्टा था, अर
रऊ फिलिग का बेट्टा था, अर फिलिग एबिर का बेट्टा था, अर एबिर शिलह का बेट्टा था, 36 अर
शिलह केनान का बेट्टा था, अर केनान अरफक्षद का बेट्टा था, अर अरफक्षद शेम का बेट्टा था,
अर शेम नूह का बेट्टा था, अर नूह लिमिक का बेट्टा था, 37 अर लिमिक मथूशिलह का बेट्टा
था, अर मथूशिलह हनोक का बेट्टा था, अर हनोक यिरिद का बेट्टा था, अर यिरिद महललेल का
बेट्टा था, अर महललेल केनान का बेट्टा था, 38 अर केनान एनोश का बेट्टा था, अर एनोश शेत
का बेट्टा था, अर शेत आदम का बेट्टा था, अर आदम परमेसवर का बेट्टा था।

4

[illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 4:1-11; [illegible] 1:12-13)

1 फेर यीशु पवित्र आत्मा तै भरया होया, यरदन नदी तै बोहड़या, अर चाळीस दिन ताहीं पवित्र
आत्मा कै सिखाण तै जंगल-बियाबान म्ह हाण्डदा रहया, 2 उन चाळीस दिनां म्ह शैतान उस ताहीं
परखता रहया। उन दिनां म्ह उसनै कुछ न्ही खाया, अर जिब वे दिन पूरे होए, तो उसनै भूख लाग्गी।
3 फेर शैतान नै उसतै कह्या, "जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो साबित करदे, अर इस पत्थर तै
कह, के रोट्टी बण जावै, ताके तू इसनै खा सकै।"
4 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: 'माणस सिर्फ रोट्टी तै जिन्दा
कोनी रहन्दा।' "
5 फेर शैतान* उसनै घणे ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या अर उस ताहीं माड़ी वार म्ह दुनिया के राज्य
दिखाए, 6 अर उसतै बोल्या, "मै यो सारा हक, अर उसकी शानों-शोकत तन्नै दियुँगा, क्यूँके वो मेरैतै
सौंप्या गया सै: अर जिसनै चाहूँ उसनै दे दियुँ सूं। 7 इस करकै जै तू मेरी भगति करै, तो यो सब कुछ
तेरा हो ज्यागा।"
8 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "लिख्या सै: 'तू प्रभु अपणे परमेसवर की भगति कर, अर सिर्फ
उस्से की भगति कर।' "
9 फेर उसनै उस ताहीं पवित्र नगर यरुशलेम म्ह ले जाकै मन्दर की चोट्टी पै खड्या करया अर
उसतै बोल्या, "जै तू परमेसवर का बेट्टा सै, तो अपणे-आपनै उरै तै तळै गेर दे अर अपणे-आपनै
साबित करदे।" 10 "क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: 'वो तेरे बाबत अपणे सुर्गदूत्तां नै हुकम
देवैगा, के वे तेरी रुखाळी करै,' "
11 "अर वे तन्नै हाथों-हाथ उठा लेवैगें, इसा ना हो के तेरे पायां म्ह पत्थर तै ठेस लाग्गै।"
12 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "पवित्र ग्रन्थ म्ह यो भी लिख्या सै: 'तू प्रभु अपणे परमेसवर
नै ना परखै।' "
13 जिब शैतान उस ताहीं परख कै हार लिया, तो कुछ बखत खात्तर उसकै धोरै तै चल्या गया।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 4:12-17; [illegible] 1:14-15)

* **4:5** 4:5 (इबलीस)

14 फेर यीशु पवित्र आत्मा की सामर्थ तै भरया होड़ गलील परदेस बोहड़या, अर उसकी चर्चा
लोवै-धोवै के सारे देशां म्ह फैलगी। 15 वो उनके आराधनालयाँ म्ह उपदेश सुणान्दा रह्या, अर सारे
उसकी बड़ाई करै थे।

□□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□
(□□□□□□ 13:53-58; □□ 6:1-6)

16 फेर यीशु नासरत नगर म्ह आया, जड़ै पाळा-पोस्या गया था, अर अपणी रीति कै मुताबिक
आराम कै दिन आराधनालय म्ह जाकै पवित्रग्रन्थ पढ़ण कै खात्तर खड्या होया। 17 यशायाह नबी
की किताब उस ताहीं दी गई, अर उसनै किताब खोल कै, वा जगहां लिकाड़ी जड़ै लिख्या था:
18 "प्रभु का आत्मा मेरै पै सै,
इस करकै के उसनै कंगालां ताहीं सुसमाचार
सुणाण कै खात्तर मेरा अभिषेक करया सै,
अर मेरै ताहीं इस करकै भेज्या सै के कैदियाँ नै छुड़ाण का
अर आंध्याँ नै देखण जोग्गा बणाण की खुशी की खबर का प्रचार करुँ
अर कुचले होया नै छुड़ाऊँ,
19 अर प्रभु कै राज्जी रहण कै साल का प्रचार करुँ।"
20 फेर यीशु नै किताब बन्द करकै सेवक कै हाथ्थां म्ह दे दी अर बैठग्या, अर आराधनालय के
सारे माणसां की निगांह उसपै थी। 21 फेर वो उनतै कहण लागग्या, "आज ए यो पवित्र ग्रन्थ म्ह
लिख्या होड़ वचन थारे स्याम्ही पूरा होया।"
22 सारया नै उस ताहीं सराहया, अर जो अनुग्रह की बात उसकै मुँह तै लिकड़ै थी, उनतै हैरान
होए, अर कहण लाग्गे, "के यो यूसुफ का छोरा कोनी?"†
23 उसनै उनतै कह्या, "थम मेरै पै या कहावत जरुर कहोगे के 'हे वैद्य, खुद नै ठीक कर! जो कुछ
हमनै सुण्या के कफरनहूम नगर म्ह करया गया सै, उसनै उरै खुद कै नगर म्ह भी कर।' "
24 अर उसनै कह्या, "मै थमनै सच-सच कहूँ सूं कोए नबी अपणे गाम म्ह आदर-मान कोनी पान्दा।
25 मेरी सुणो, के एलिय्याह नबी कै दिनां म्ह जिब साढ़े तीन साल ताहीं अकास तै बारिस न्ही होई,
उरै ताहीं के सारे देश म्ह बड्ड़ा अकाळ पड्या, तो इस्राएल देश म्ह घणीए बिधवा थी। 26 पर
एलिय्याह उन म्ह तै किसे कै धोरै कोनी भेज्या गया, सिर्फ सैदा परदेस कै सारफत नगर म्ह एक
बिधवा कै धोरै। 27 अर एलीशा नबी कै बखत इस्राएल देश म्ह घणे कोढ़ी थे, पर सीरिया परदेस का
सेनापति नामान नामक कोढ़ी नै छोड़कै उन म्ह तै कोए शुद्ध कोनी करया गया।"
28 ये बात सुणद-ए जितने आराधनालय म्ह थे, सारया कै छो उठग्या, 29 अर उठकै उस ताहीं
नगर तै बाहरणै लिकाड़या, अर जिस पहाड़ पै उनका नगर बसरया था, उसकी चोट्टी पै ले चाल्ले,
ताके उसनै उड़ै तै तळै गेरकै मार दें। 30 पर यीशु उनकै बिचाळै तै लिकड़कै चल्या गया।

□□ □□□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□□ □□□□ □□□□ □□□□□ □□□□□□ □□□
(□□ 1:21-28)

31 फेर वो गलील परदेस कै कफरनहूम नगर म्ह गया, अर आराम कै दिन माणसां ताहीं उपदेश
देवै था। 32 वे उसके उपदेश तै हैरान होगे क्यूँके उसका वचन हक सुधां था।
33 आराधनालय म्ह एक माणस था, जिस म्ह ओपरी आत्मा थी, उसनै जोर तै किल्की मारी, 34 "हे
नासरत के यीशु, हमनै तेरे तै के काम? के तू म्हारा नाश करण नै आया सै? मै तन्नै जांणु सूं, तू कौण
सै? तू परमेसवर की ओड़ तै भेज्या होया पवित्र मसीह सै!"
35 यीशु नै उसतै धमकाकै कह्या, "चुपचाप रहै, अर इस माणस म्ह तै लिकड़ जा!" फेर ओपरी
आत्मा उसनै बिचाळै पटककै बिना नुकसान करे उस म्ह तै लिकड़गी 36 इसपै सारे हैरान होए, अर
वे आप्पस म्ह बतळाण लाग्गे, "यो किसा वचन सै? क्यूँके वो हक अर सामर्थ कै गेल्या ओपरी

---
† **4:22** 4:22 लूका 2:42

आत्मायाँ नै हुकम देवै सै, अर वे लिकड़ जावै सै।” 37 इस करकै चौगरदे नै हरेक जगहां उसका
जिक्र होण लाग्या।

[illegible]
([illegible] 8:14-17; [illegible] 1:29-34)

38 यीशु आराधनालय म्ह तै उठकै शमौन कै घरां गया। शमौन की सास्सू कै बुखार चढ़रया था,
अर उननै उस खात्तर उसतै बिनती करी। 39 उसनै उसकै धोरै खड्या होकै बुखार ताहीं धमकाया अर
बुखार उतर गया, अर वो जिब्बे उठकै उनकी सेवा-पाणी करण लाग्गी।
40 सूरज डूबदे बखत, जिन-जिनकै उरै माणस कई ढाळ की बिमारियाँ म्ह पड़े होए थे, वे सारे उननै
उसकै धोरै ल्याए, अर उसनै एक-एक पै हाथ धरकै उन ताहीं ठीक करया। 41 अर ओपरी आत्मा भी
किल्की मारदी अर न्यू कहन्दी होई के, “तू परमेसवर का बेट्टा सै” घणखरया म्ह तै लिकड़गी। पर
वो उननै धमकांदा अर बोल्लण न्ही देवै था, क्यूँके वे जाणै थी के यीशु ए परमेसवर की ओड़ तै भेज्या
होया मसीह सै।

[illegible]
([illegible] 1:35-39)

42 जिब सबेरै होई तो यीशु लिकड़कै एक बियाबान जगहां म्ह गया, अर भीड़ की भीड़ उसनै
टोह्न्दी होई उसकै धोरै आई, अर उसनै रोकण लाग्गी के वो उनकै धोरै तै न्ही जावै। 43 पर उसनै
उनतै कह्या, “मन्नै दुसरे नगरां म्ह भी परमेसवर कै राज्य का सुसमाचार सुणाणा जरूरी सै, क्यूँके मै
इसे खात्तर भेज्या गया सूं।” 44 अर वो गलील परदेस के आराधनालयाँ म्ह उपदेश सुणान्दा रह्या।

5

[illegible]
([illegible] 4:18-22; [illegible] 1:16-20)

1 जिब यीशु गन्नेसरत की झील* कै किनारे पै खड्या था, तो भीड़ परमेसवर का वचन सुणण
कै खात्तर उस ताहीं घेरे खड़ी थी, तो इसा होया 2 के उसनै झील कै किनारे दो किस्ती लाग्गी होड़
देक्खी, अर मछुआरे उनपै तै उतरकै मच्छियाँ के जाळ नै धोवै थे। 3 उन किस्तियाँ म्ह तै एक पै,
जो शमौन की थी, चढ़कै यीशु नै उसतै बिनती करी के किनारे तै माड़ा सा डिगा ले चाल्लै। फेर वो
किस्ती पै बैठकै माणसां नै उपदेश देण लाग्ग्या।
4 जिब यीशु नै माणसां तै ये बात कर ली, तो शमौन तै बोल्या, “डुंघे म्ह ले चाल, अर मच्छी
पकड़ण खात्तर अपणा जाळ गेर।”
5 शमौन नै उसतै जवाब दिया, “हे गुरु, हमनै सारी रात मेहनत करी अर कुछ न्ही मिल्या, फेरभी
तेरे कहण तै जाळ गेरूँगा।”
6 जिब पतरस अर उसके साथियाँ नै इसा करया, तो घणी मच्छी घेर ल्याए, अर उनके जाळ
पाट्टण नै होण लाग्गे। 7 इस करकै उननै दुसरी किस्ती म्ह बेठ्ठे अपणे साथियाँ ताहीं भी इशारा
करकै मदद खात्तर बुलाया, वे आ ग्ये अर उननै आकै दोन्नु किस्ती उरै ताहीं भर ली के डूबण लाग्गी।
8 न्यू देखकै शमौन पतरस यीशु कै पायां म्ह पड़ग्या, अर बोल्या, “हे प्रभु, मेरै धोरै तै जा, क्यूँके
मै पापी माणस सूं!” 9 क्यूँके इतनी मच्छियाँ कै पकड़े जाण तै उसनै अर उसके साथियाँ नै घणा
अचम्भा होया, 10 अर उस्से तरियां जब्दी के बेट्टे याकूब अर यूहन्ना नै भी, जो शमौन के दुसरे
साथी थे, अचम्भा होया। फेर यीशु नै शमौन तै कह्या, “मतना डरो, इब तै मै थमनै माणसां ताहीं
कठ्ठे करण आळे बणाऊँगा ताके वो मेरे चेल्लें बणे।” 11 अर वे किस्तियाँ नै किनारे पै लियाए अर
वे जिब्बे सब कुछ छोड़कै उसके चेल्लें बणण खात्तर उसकै पाच्छै हो लिये।।

[illegible]
([illegible] 8:1-4; [illegible] 1:40-45)

* **5:1** 5:1 गलील समुन्दर

12 जिब वो किसे नगर म्ह था, तो उड़ै कोढ़ तै भरया होया एक माणस आया, अर उसनै यीशु ताहीं
देखकै अर मोध्धा पड़कै बिनती करी, "हे प्रभु, जै तू चाहवै तो मन्नै ठीक कर सकै सै।"
13 उसनै हाथ बढ़ाकै उस ताहीं छुया अर बोल्या, "मै चाहूँ सूं, तू इस बीमारी तै ठीक हो ज्या।"
अर उसका कोढ़ जिब्बे जान्दा रह्या।
14 फेर उसनै उस ताहीं समझाकै कह्या, "किसे तै ना कहिए, पर जाकै अपणे-आपनै याजक ताहीं
दिखा, अर अपणे कोढ़ तै ठीक होण कै बारै म्ह जो कुछ मूसा नबी नै जो पवित्र ग्रन्थ म्ह चढ़ावा
बताया सै उसनै चढ़ा, के माणसां खात्तर या गवाही हो, के तू ठीक होग्या सै।"
15 पर यीशु का जिक्र हरेक जगहां फैल्दा गया, अर भीड़ की भीड़ उसकी सुणण कै खात्तर अर
अपणी बिमारियाँ तै ठीक होण कै खात्तर कठ्ठी होई। 16 पर वो सुनसान जगहां म्ह न्यारा जाकै
प्रार्थना करया करै था।

[illegible]

17 एक दिन इसा होया के यीशु उपदेश देण लागरया था अर ठीक करण खात्तर प्रभु की सामर्थ
उसकै गेल्या थी, अर फरीसी अर शास्त्री उड़ैए बेठ्ठे थे, जो गलील अर यहूदिया परदेस कै हरेक
गाम अर यरुशलेम नगर तै आए थे। 18 उस बखत कई माणस एक माणस नै जो लकवे का बीमार
था, खाट पै ल्याए, अर वे उसनै भीत्तर ले जाण अर यीशु कै स्याम्ही धरण का जुगाड़ टोह्ण लागरे
थे। 19 पर जिब भीड़ कै कारण उसनै भीत्तर कोनी ले जा सके तो उननै छात पै चढ़कै अर टाट्टी
हटाकै, उस ताहीं बिस्तर समेत बिचाळै यीशु कै स्याम्ही उतार दिया।
20 उसनै उनका बिश्वास देखकै उसतै बोल्या, "हे भाई, मन्नै तेरे पाप माफ कर दिये।"
21 फेर शास्त्री अर फरीसी बहस करण लाग्गे, "यो कौण सै जो परमेसवर की बुराई करै सै?
परमेसवर नै छोड़ और कौण पाप माफ कर सकै सै?"
22 यीशु नै उनकै मन की बात जाणकै, उनतै कह्या, "थम अपणे मन म्ह क्यूँ विवाद करण लागरे
सो की मै परमेसवर की बुराई करुँ सूं? 23 आसान के सै? के यो कहणा के 'तेरे पाप माफ होए', या
यो कहणा के 'उठ अर हाँड-फिर'? 24 पर इस करकै के थम जाणो, के मुझ माणस कै बेट्टे नै धरती
पै पाप माफ करण का भी हक सै।" उसनै उस लकवे के मरीज तै कह्या, "मै तेरे तै कहूँ सूं के अपणे
बिस्तर ठाकै अपणे घरां चल्या जा।" 25 वो जिब्बे उनकै स्याम्ही उठया, अर जिस खाट पै पडया था
उसनै ठाकै, परमेसवर की बड़ाई करदा होया अपणे घरां चल्या गया। 26 फेर सारे हैरान होए अर
परमेसवर की बड़ाई करण लाग्गे अर घणे डरकै बोल्ले, "आज हमनै अनोक्खी बात देक्खी सै।"

[illegible]

27 इसकै बाद यीशु बाहरणै गया अर लेवी नाम के एक चुंगी लेण आळे ताहीं चौकी पै बेठ्ठे देख्या,
अर उसतै बोल्या, "मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै हो ले।" 28 फेर वो सारा कुछ छोड़कै उसकै
पाच्छै हो लिया।
29 फेर लेवी नै अपणे घरां उसकै खात्तर बड्ड़ा जिम्मण का न्योंदा दिया, अर चुंगी लेण आळे अर
दुसरे माणसां की जो उसकै गेल्या खाणा खाण नै बेठ्ठे थे, एक बड्डी भीड़ थी। 30 इसपै फरीसी
अर उनके शास्त्री उसके चेल्यां तै न्यू कहकै बिरड़ाण लाग्गे, "थम चुंगी लेण आळे अर जिननै लोग
पापी कहवै सै, उनकै गेल्या खाओ-पीओ सो?"

[illegible]

31 यीशु नै उनतै जवाब दिया, "वैद आच्छे-बिच्छयां खात्तर कोनी, पर बिमारां खात्तर जरूरी सै।
32 मै धर्मियाँ नै न्ही, पर पापियाँ नै मन पलटन कै खात्तर बुलाण आया सूं।"
33 उननै उसतै कह्या, "यूहन्ना के चेल्लें तो बराबर ब्रत अर प्रार्थना करया करै सै अर उस्से
तरियां फरीसियाँ के चेल्लें भी, पर तेरे चेल्लें तो खावै-पीवै सै।"
34 यीशु नै उनतै कह्या, "के थम बरातियाँ तै, जिब्बताहीं बन्दड़ा उनकै गेल्या रहवैं, ब्रत करा
सको सो?"

⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰

35 “पर वे दिन भी आवैगें, जिब बन्दड़ा न्यारा करया जावैगा, फेर वे उन दिनां म्ह ब्रत करैगें।”
36 यीशु नै एक और उदाहरण दिया, “कोए माणस नये लत्यां म्ह तै पाड़कै पुराणे लत्यां पै थेग्ळी
न्ही लगान्दा, न्ही तो नया पाट ज्यागा अर वा थेग्ळी पुराणे पै मेळ भी न्ही खावैगी। 37 अर कोए
नया अंगूर का रस पुराणी मश्क म्ह न्ही भरदा, न्ही तो नया अंगूर का रस पुराणी मशकां नै पाड़कै
बह ज्यागा, अर मश्क फूट ज्या सै। 38 पर नया अंगूर का रस नई मशकां म्ह भरणा चाहिए। 39 कोए
माणस पुराणा अंगूर का रस पीकै नया अंगूर का रस कोनी चाह्न्दा क्यूँके वो कहवै सै, के पुराणा-ए
बढ़िया सै।”

6

⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰

1 फेर आराम कै दिन यीशु चेल्यां कै गैल खेत्तां म्ह तै होकै जाण लागरया था, अर उसके चेल्लें
गेहूँ की बालें तोड़-तोड़कै अर हाथ्थां तै मसळ-मसळ कै खाण लागरे थे। 2 फेर फरीसियाँ म्ह तै कुछ
कहण लाग्गे, “थम यो काम क्यांतै करो सो जो आराम कै दिन करणा ठीक कोनी?”
3 यीशु नै उनतै जवाब दिया, “के थमनै पवित्र ग्रन्थ म्ह यो न्ही पढ़या के दाऊद नै, जिब वो
अर उसके साथी भूक्खे थे तो के करया? 4 वो किस तरियां परमेसवर कै घर म्ह गया, अर भेंट की
रोट्टी खाई, जिनका खाणा याजकां नै छोड़ और किसे खात्तर ठीक कोनी, अर अपणे साथियाँ ताहीं
भी दी?” 5 अर उसनै उनतै कह्या, “मै माणस का बेट्टा आराम कै दिन का भी प्रभु सूं।”

⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰

6 इसा होया के किसे और आराम कै दिन वो आराधनालय म्ह जाकै उपदेश देण लाग्या, अर उड़ै
एक माणस था जिसका सोळा हाथ सूखरया था। 7 शास्त्री अर फरीसी यीशु पै दोष लाण के मौक्कै
की टाह म्ह थे के देक्खै वो आराम कै दिन ठीक करै सै के न्ही। 8 पर वो उनकी सोच जाणै था, इस
करकै उसनै सूखे हाथ आळे माणस कह्या, “उठ, बिचाळै खडया होज्या।” वो उठ खडया होया।
9 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारे तै बुझ्झु सूं के मूसा के नियम-कायदा कै मुताबिक आराम कै दिन
के ठीक सै, भला करणा या बुरा करणा, जान बचाणा या नाश करणा?”
10 फेर उसनै चोगरदेनै उन सारया कान्ही देखकै उस सूखे हाथ आळे माणस तै बोल्या, “अपणा
हाथ बढ़ा।” उसनै न्यूए करया, अर उसका हाथ दुबारा ठीक होग्या। 11 पर वे फरीसी अर शास्त्री
आप्पे तै बाहर होकै आप्पस म्ह बहस करण लाग्गे के हम यीशु कै गैल के करा?

⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰

12 उन दिनां म्ह यीशु पहाड़ पै प्रार्थना करण लागग्या, अर परमेसवर तै प्रार्थना करण म्ह सारी
रात बिताई। 13 जिब दिन लिकड़या तो उसनै अपणे चेल्यां ताहीं बुलाकै उन म्ह तै बारहां छाँट लिए,
अर उन ताहीं प्रेरित कह्या,
14 अर वे ये सै: शमौन जिसका नाम उसनै पतरस भी धरया, अर उसका भाई अन्द्रियास, अर
याकूब, अर यूहन्ना, अर फिलिप्पुस, अर बरतुल्मै, 15 अर मत्ती, अर थोमा, अर हलफई का बेट्टा
याकूब, अर शमौन जो जेलोतेस* कुह्वावै सै, 16 अर याकूब का बेट्टा यहूदा, अर यहूदा इस्करियोती
जो उसका पकड़वाण आळा बण्या।

⍰⍰⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰ ⍰⍰⍰⍰⍰

17 फेर यीशु उनकै गेल्या उतरकै चौरस जगहां म्ह खडया होया, अर उसके चेल्यां की बड्डी भीड़,
अर सारे यहूदिया परदेस अर यरुशलेम नगर, सूर अर सैदा नगर के समुन्दर कै किनारे तै घणे माणस,
18 जो उसकी सुणण अर अपणी बिमारियाँ तै चंगे होण खात्तर उसकै धोरै आए थे, उड़ै थे, अर ओपरी

---
* **6:15** 6:15 एक कट्टर पंथी राजनैतिक दल का नाम था जिसका वो सदस्य था

आत्मा तै सताए होए भी ठीक करे जावै थे। 19 सारे उसनै छूणा चाहवै थे, क्यूँके उस म्ह तै सामर्थ
लिकड़कै सारया नै ठीक करै थी।

???? ?? ??? ???

20 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां कान्ही देखकै कह्या, “धन्य सो थम जो दीन सो, क्यूँके परमेसवर का
राज्य थारा सै।”
21 धन्य सो थम जो इब भूक्खे सो, क्यूँके थम परमेसवर के जरिये छिकाए जाओगे। धन्य सो थम
जो इब रोओ सो, क्यूँके हांसोगे।
22 धन्य सो थम जिब मुझ माणस के बेट्टे कै बाबत माणस थारे तै बैर करैगें, अर थमनै लिकाड़
देवैगें, अर थारी बुराई करैगें, अर थारा नाम बुरा जाणकै काट देवैगें।
23 उस दिन आनन्द तै उछळियो, क्यूँके लखाओ, थारे खात्तर सुर्ग म्ह बड्ड़ा ईनाम सै, उनके
पूर्वजां नै भी नबियाँ कै गेल्या भी इसाए करया करै थे।
24 पर धिक्कार सै थारे पै! जो साहूकार सो, क्यूँके थमनै अपणे सारे सुख भोग चुके सों।
25 धिक्कार सै थारे पै! जो छिकरे सो, क्यूँके भूक्खे होओगे। धिक्कार सै थारे पै! जो इब हाँस्सो
सो, क्यूँके थम बिलख-बिलख कै रोओगे।
26 “धिक्कार सै थारे पै! जिब सारे माणस थारे ताहीं आच्छा कहवै, क्यूँके थारे पूर्वज भी झूठ्ठे
नबियाँ कै गेल्या भी इसाए करै थे।”

??????? ?? ?????

27 “पर मै थम सुणण आळा तै कहूँ सूं, के अपणे बैरियाँ तै प्यार राक्खो, जो थारे तै बैर करै, उनका
भला करो। 28 जो थमनै श्राप देवै, उननै आशीष दो, जो थारी बेजती करै, उनकै खात्तर प्रार्थना
करो। 29 जो तेरे एक गाल पै थप्पड़ मारै उसकी ओड़ दुसरा भी फेर दे, अर जो तेरी धोत्ती खोस ले,
उसनै कुड़ता लेण तै भी मना मत करो। 30 जो कोए तेरे तै माँग्गै, उसनै दे, अर जो तेरी चीज खोस
ले, उसतै माँग्गै ना। 31 जिसा थम चाहो सो के माणस थारे गेल्या करै, थम भी उनकै गेल्या उसाए
करो।”
32 “जै थम अपणे प्यार करण आळा तै ए प्यार करो, तो उसका के फायदा? क्यूँके पापी भी अपणे
प्यार करण आळा कै गेल्या प्यार करै सै। 33 जै थम अपणे भलाई करण आळा ए गेल्या भलाई करो
सों, तो थारी के बड़ाई? क्यूँके पापी भी इसाए करै सै। 34 जै थम उननै ए उधार द्यो सो जिनतै थमनै
दुबारै मिल जाण की आस हो सै, तो कौण सी बड़ी बात सै? क्यूँके पापी, पापियाँ नै उधार देवै सै, के
उतनाए दुबारै पावै। 35 बल्के अपणे बैरी तै प्यार करो, अर भलाई करो, अर दुबारै मिलण की उम्मीद
राखकै उधार ना द्यो, तो थारे खात्तर बड्ड़ा ईनाम होवैगा, अर थम परमप्रधान की ऊलाद मान्ने
जाओगे, क्यूँके परमेसवर का धन्यवाद ना करण आळा अर बुरे माणस पै भी दया करै सै। 36 जिसा
थारा पिता दयालु सै, उस्से ए ढाळ थम भी दयालु बणो।”

??? ?? ???

37 “दोष ना लाओ, तो थारे पै भी दोष न्ही लगाया जावैगा। कसूरवार ना ठहराओ, तो थमनै भी
कोए कसूरवार कोनी ठहरावैगा। माफ कर द्यो, तो थम भी माफ करे जाओगे। 38 दिया करो तो थारे
ताहीं भी दिया जावैगा। माणस पूरा नाप दबा दबाकै अर हला-हलाकै अर उभरदा होया थारी गोद्दी
म्ह घाल्लैगें, क्यूँके जिस नाप तै थम नाप्पो सों, उस्से नाप तै थारे खात्तर भी नाप्या जावैगा।”
39 फेर उसनै उनतै एक उदाहरण कह्या, “के आन्धा, आन्धे नै राह बता सकै सै? के दोन्नु खड्डे
म्ह कोनी गिरैगें?” 40 चेल्ला अपणे गुरु तै बड्ड़ा न्ही, पर जो कोए आच्छा सीखा होगा, वो अपणे
गुरु के ढाळ होगा।
41 “तू क्यूँ अपणे भाई की आँख कै तिन्कै जिसी छोट्टी सी बुराई नै देख्ये सै, अर अपणी आँख
म्ह लठ जिसी बड़ी बुराई तन्नै कोनी दिखदी?” 42 जिब तू अपणी ए आँख का लठ कोनी देख्दा, तो
अपणे भाई तै किस तरियां कह सकै सै, “हे भाई, आ मै तेरी आँख म्ह तै तिन्का लिकाड़ द्यु?” हे

कपटी, पैहल्या अपणी जीवन की बुराई दूर कर फेर तू अपणे भाई नै आच्छी दाऊँ बुराई तै बचा
सकैगा।

[illegible]

43 “कोए आच्छा दरखत कोनी जो बेकार फळ ल्यावै, अर ना तो कोए बेकार दरखत सै जो आच्छा
फळ ल्यावै। 44 हरेक दरखत अपणे फळ तै पिच्छाणा जावै सै, क्यूँके माणस झाड़ियाँ तै अंजीर कोनी
तोड़दे अर ना बड़बेरी तै अंगूर। 45 भला माणस अपणे मन के भले भण्डार तै भली बात लिकाड़ै सै,
अर बुरा माणस अपणे मन के बुरे भण्डार तै बुराई की बात लिकाड़ै सै, क्यूँके जो मन म्ह भरया सै
वोए उसकी जुबान पै आवै सै।”

[illegible]

46 “जिब थम मेरा कहणा न्ही मान्दे तो क्यातै मन्नै ‘हे प्रभु, हे प्रभु’ कहो सो? 47 जो कोए मेरै
धोरै आवै सै अर मेरी बात्तां नै सुणकै उननै मान्नै सै, मै थमनै बताऊँ सूं के वो किसकी तरियां सै:
48 वो उस माणस की ढाळ सै, जिसनै घर बणादें बखत धरती डून्घी खोदकै चट्टान पर नीम बणाई,
अर जिब बाढ़ आई तो धारा उस घर पै लाग्गी पर उसनै हला न्ही सकी, क्यूँके वो पक्का बणरया था।
49 पर जो सुणकै कोनी मान्दा वो उस माणस की ढाळ सै, जिसनै माट्टी पै बिना नीम घर बणाया,
जिब उसपै धारा लाग्गी तो वो जिब्बे पड़ग्या अर पड़कै उसका सत्यानाश होग्या।”

7

[illegible]

1 जिब उसनै माणसां तै ये सारी बात कह दी, तो कफरनहूम नगर म्ह आया। 2 उड़ै किसे सूबेदार
का एक नौक्कर जो उसका प्यारा था, बीमारी तै मरण पै था। 3 उसनै यीशु का जिक्र सुणकै यहूदिया
परदेस के कई यहूदी अगुवां ताहीं उसतै या बिनती करण नै उसकै धोरै भेज्या के आकै मेरै नौक्कर
नै ठीक करै। 4 वे यीशु कै धोरै आए, अर उसतै घणी बिनती करकै कहण लाग्गे, “वो इस जोग्गा सै
के तू उसकै खात्तर न्यू करै, 5 क्यूँके वो म्हारी जात तै प्यार राक्खै सै, अर उस्से नै म्हारे आराधनालय
ताहीं बणवाया सै।”
6 यीशु उनकै गेल्या गया, पर जिब वो घर तै माड़ी-सी दूर था, तो सूबेदार नै उसके धोरै कई
साथियाँ तै न्यू कहवां भेज्या, “हे प्रभु, कांल ना होवै, क्यूँके मै इस लायक कोनी के तू मेरी छात कै
तळै आवै। 7 इसे करकै मन्नै खुद ताहीं इस लायक भी कोनी समझा के तेरे धोरै आऊँ, पर सिर्फ मुँह
तै कह दे तो मेरा नौक्कर ठीक हो ज्यागा। 8 क्यूँके मै जाणु सूं, के मै भी किसी के आदेशां का पालन
करुँ सूं, अर सिपाही मेरै आदेशां का पालन करै सै। जिब मै एक तै कहूँ सूं, जा, तो वो जावै सै, अर
दुसरे तै, आ, तो वो आवै सै, अर अपणे नौक्कर तै कहूँ सूं, यो कर, तो वो करै सै।”
9 यो सुणकै यीशु कै अचम्भा होया अर उसनै मुँह फेरकै उस भीड़ तै जो उसकै गेल्या आवै थी,
कह्या, “मै थमनै कहूँ सूं के मन्नै इस्राएल म्ह भी इसा बिश्वास न्ही देख्या।” 10 फेर भेज्जे होए वे
माणस जिब घरां बोहड़े तो उननै उस नौक्कर ताहीं निरोग्गी पाया।

[illegible]

11 थोड़े दिनां पाच्छै यीशु नाईन नाम के एक नगर म्ह गया, अर उसके चेल्लें अर बड्डी भीड़
उसकै गेल्या जाण लागरी थी। 12 जिब वो नगर कै फाटक कै धोरै पोंहच्या, तो लखाओ, माणस एक
मुरदे नै बाहरणै लेकै जावै थे, जो अपणी माँ का एक्ला बेट्टा था, अर वा बिधवा थी, अर नगर के
घणखरे माणस उसकै गेल्या थे। 13 बिधवा ताहीं देखकै प्रभु नै उसपै तरस आया, अर उसतै कह्या,
“मतना रोवै।”
14 फेर यीशु नै धोरै आकै अर्थी ताहीं छुया, अर अर्थी ठाण आळे ठैहरगे। फेर यीशु नै कह्या, “हे
जवान, मै तन्नै कहूँ सूं, उठ!” 15 फेर वो मुर्दा उठ बेठ्या, बोल्लण लाग्या। उसनै उस ताहीं उसकी
माँ तै सौंप दिया।

16 इस घटना तै सारे डरगे, अर वे परमेसवर की बड़ाई करकै कहण लाग्गे, “म्हारे बिचाळै एक
बड्ड़ा नबी आया सै, अर परमेसवर नै अपणे माणसां पै दया की निगांह करी सै।” 17 अर उसकै बारै
म्ह या बात सारे यहूदिया परदेस अर लोवै-धोवै के सारे परदेसां म्ह फैलगी।

[illegible]

18 यूहन्ना ताहीं उसके चेल्यां नै इन बात्तां की खबर दी। 19 फेर यूहन्ना नै अपणे चेल्यां म्ह तै
दोयां ताहीं बुलाकै प्रभु कै धोरै न्यू बुझ्झण खात्तर भेज्या, “के आण आळा तूए सै, या हम किसे और
की बाट देक्खां?”

20 उननै उसकै धोरै आकै कह्या, “यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे नै म्हारै ताहीं तेरे धोरै न्यू बुझ्झण
नै भेज्या सै, के आण आळा वो मसीहा जिसका वादा परमेसवर नै करया था, तू ए सै, या हम किसे
और की बाट देक्खां?”

21 उस्से बखत उसनै घणाए ताहीं बिमारियाँ, अर कांल्ली, अर ओपरी आत्मायाँ तै छुटाया, अर
घणाए की आँख खोल दी, 22 अर उसनै उनतै कह्या, “जो कुछ थमनै देख्या अर सुण्या सै, जाकै
यूहन्ना ताहीं कह द्यो, के आन्धे देक्खैं सै, लंगड़े चाल्लै-फिरै सै, कोढ़ी शुद्ध करे जावै सै, बहरे सुणै
सै, मुर्दे जिन्दे करे जावै सै, अर कंगालां ताहीं सुसमाचार सुणाया जावै सै। 23 धन्य सै वे जो मेरै पै
शक न्ही करते, अर बिश्वास करणा न्ही छोड़दे।”

24 जिब यूहन्ना के भेज्जे होड़ माणस चले गये तो यीशु यूहन्ना कै बारै म्ह माणसां तै कहण
लागग्या, “थम जंगल-बियाबान म्ह के देखण गये थे? के हवा म्ह हाल्दे होए सरकंडे नै?” 25 तो फेर
थम बण म्ह के देखण गये थे? के कोमल लत्ते पहरे होए माणस नै? लखाओ, जो चमकदे लत्ते पहरै
अर असो-आराम म्ह रहवैं सै, वे राजघरां म्ह रहवैं सै। 26 तो फेर थम बण म्ह के देखण गये थे? के
किसे नबी नै? हाँ, मै थमनै कहूँ सूं, बल्के नबी तै भी बड़े नै। 27 यो वोए सै, जिसकै बारै म्ह लिख्या
सै: लखा, “मै अपणे दूत नै तेरे आग्गै-आग्गै भेज्जू सूं, जो तेरे आग्गै तेरी राही सीध्धी करैगा।”

28 “मै थमनै कहूँ सूं के जो बिरबानियाँ तै जणे सै, उन म्ह तै यूहन्ना बपतिस्मा देणआळे तै बड्ड़ा
कोए न्ही पर जो परमेसवर कै राज्य म्ह छोट्टे तै छोट्टा सै, वो उसतै भी बड्ड़ा सै।”

29 फेर हरेक किसे नै, उरै ताहीं के चुंगी लेण आळे माणसां नै भी यूहन्ना की बात सुणकै उसतै
बपतिस्मा लेकै यो मान लिया के परमेसवर ए धर्मी सै। 30 पर फरीसियाँ अर शास्त्रियाँ नै यूहन्ना
तै बपतिस्मा कोनी लेकै परमेसवर कै मनसां ताहीं अपणे बारै म्ह टाळ दिया।

31 “पर मै इस युग कै माणसां की बराबरी किसतै करुँ के वे किसकी ढाळ सै?” 32 वे उन बाळकां
की ढाळ सै जो बजारां म्ह बेठ्ठे होए एक-दुसरे तै रुक्के मारकै शिकायत करै सै, हमनै थारे खात्तर
बाँसली बजाई, अर थम कोनी नाच्चे, हमनै बिलाप करया, अर थम कोनी रोए!

33 क्यूँके यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा ना रोट्टी खाया होया करदा अर ना अंगूर का रस पिया
होया करदा, अर थम कहो सो, उस म्ह ओपरी आत्मा सै। 34 मुझ माणस के बेट्टे का खाण-पान और
माणसां की तरियां साद्दा ए सै, लखाओ, थमनै मेरे ताहीं पेट्टू अर पियक्कड़ माणस, चुंगी लेणिये
का अर पापियाँ का साथी घोषित कर दिया। 35 पर ज्ञान अपणे काम्मां म्ह सच्चा ठहराया गया सै।

[illegible]

36 फेर किसे फरीसी नै उसतै बिनती करी के वो उसकै गेल्या खाणा खावै, आखर वो उस फरीसी
कै घरां जाकै खाणा खाण बेठ्या। 37 उस नगर की एक पापण* बिरबान्नी न्यू जाणकै के यीशु फरीसी
कै घर म्ह खाणा खाण बेठ्या सै, संगमरमर कै बरतन म्ह महँगा खसबूदार तेल ल्याई, 38 अर उसकै
पायां कै धोरै, पाच्छै खड़ी होकै, रोंदी होई उसकै पायां नै आसूआं तै भेण लाग्गी अर अपणे सिर कै
बाळां तै पूंझण लाग्गी, अर उसके पायां नै बार-बार चूमकै उनपै महँगा खसबूदार तेल मळ्या।

* **7:37** 7:37 बेश्या या किसे साथ गलत सम्बन्ध हो, बुरे चाल-चलण आळी

39 न्यू देखकै शमौन फरीसी जिसनै यीशु ताहीं बुलाया था, अपणे मन म्ह सोच्चण लागग्या, "जै
यो नबी होन्दा तो जाण जान्दा के या जो उसनै छूण लागरी सै, वा कौण अर किसी बिरबान्नी सै,
क्यूँके वा तो पापण सै।"
40 यीशु नै उसके मन के विचार जाणकै उस ताहीं उदाहरण म्ह कह्या, "हे शमौन, मन्नै तेरे तै कुछ
कहणा सै।" वो बोल्या, "हे गुरु, कह।"
41 यीशु नै एक और उदाहरण दिया, "किसे साहूकार के दो देणदार थे, एक पाँच सौ अर दुसरा
पचास दीनार (50 दिन की मजदूरी) का देणदार था। 42 जिब उनकै धोरै चुकाण नै कुछ न्ही रह्या
तो उसनै दोनुआ का कर्ज माफ कर दिया। इस करकै उन दोन्नु माणसां म्ह तै कौण उसतै घणा प्यार
राक्खैगा?"
43 शमौन नै जवाब दिया, "मेरी समझ म्ह वो माणस, जिसका घणा कर्जा माफ होया।" यीशु नै
उसतै कह्या, "तन्नै ठीक कह्या सै।"
44 अर उस बिरबान्नी कान्ही पलटकै उसनै शमौन तै कह्या, "तन्नै देख्या सै के इस बिरबान्नी नै के
करया सै? मै तेरे घरां आया पर तन्नै मेरे पैर धोण नै पाणी भी कोनी दिया, पर इसनै मेरे पैर आँसुआँ
तै भेये अर अपणे बाळां तै पूंजे। 45 तन्नै मेरै ताहीं चुम्या[†] न्ही, पर जिब तै मै आया सूं जिब्बे तै इसनै
मेरे पायां ताहीं चुमना न्ही छोडया। 46 तन्नै मेरे सिर पै तेल कोनी मळ्या, पर इसनै मेरे पायां पै
इत्र मळ्या सै। 47 इस करकै मै तन्नै कहूँ सूं के इसनै कई पाप करे थे, जो माफ होगे, क्यूँके इसनै
मेरे तै घणा प्यार करया सै, पर जिसका पाप कम माफ होया सै, वो कम प्यार करै था।"
48 अर उसनै बिरबान्नी तै कह्या, "तेरे पाप माफ होए।"
49 फेर जो माणस उसकै गेल्या खाणा खाण नै बेठ्ठे थे, वे अपणे-अपणे मन म्ह सोच्चण लाग्गे,
"यो के परमेसवर सै, जो पापां नै भी माफ कर सकै सै?"
50 पर उसनै उस बिरबान्नी ताहीं कह्या, "परमेसवर नै तेरे ताहीं बचाया सै, क्यूँके तन्नै मेरे पै
बिश्वास करया सै, खुश होकै चली जा।"

8

[illegible]

1 इसकै बाद यीशु नगर-नगर अर गाम-गाम्मां म्ह प्रचार करदा होया, अर परमेसवर कै राज्य का
सुसमाचार सुणादा होया हांडण लाग्या, अर वे बारहां चेल्लें उसकै गेल्या थे, 2 अर कुछ बिरबान्नी भी
थी जो ओपरी आत्मायाँ तै अर बिमारियाँ तै छुटाई गई थी, अर वे ये सै: [*]मरियम जो मगदलीनी
कुह्वावै थी, जिसम्ह तै सात ओपरी आत्मा लिकड़ी थी, 3 अर हेरोदेस राजा के भण्डारी खुजा की
घरआळी योअन्ना, अर सूंसन्नाह, अर घणखरी दुसरी बिरबान्नी। ये अपणे धन तै यीशु अर उसके
चेल्यां की सेवा-पाणी करै थी।

[illegible]

4 जिब बड्डी भीड़ कठ्ठी होई अर नगर-नगर के माणस उसकै धोरै चालकै आवै थे, तो उसनै
उदाहरण म्ह कह्या 5 "एक किसान बीज बोण लिकड़या। बोंदे होए कुछ बीज राही कै किनारे पड़े,
अर रोंद्या गया, अर अकास के पंछियाँ नै उस ताहीं चुग लिया। 6 कुछ बीज चट्टान पै पडया, अर
जामग्या, पर नमी ना मिलण कै कारण सूख ग्या। 7 कुछ झाड़ियाँ कै बिचाळै पडया, अर झाड़ियाँ
नै गेलै-गेलै बढ़कै उस ताहीं दबा लिया। 8 कुछ आच्छी धरती पै पडया, अर उगकै सौ गुणा फळ
ल्याया।" न्यू कहकै वो जोर तै बोल्या, "जिसके कान हो वो ध्यान तै सुण ले।"

[illegible]

[†] **7:45** 7:45 चुमना-यहूदी संस्कृति के मुताबिक स्वागत करणा [*] **8:2** 8:2 मगदला गाम की मरियम

9 उसके चेल्यां नै उसतै बुझ्झया के इस उदाहरण का के मतलब सै? 10 उसनै कह्या, "थारे ताहीं
परमेसवर कै राज्य के भेद की समझ दे राक्खी सै, पर औरां नै उदाहरणां म्ह सुणाया जावै सै, इस
करकै के 'वे देखदे होए भी कोनी देक्खै, अर सुणदे होए भी कोनी समझै।' "

[illegible]

11 उदाहरण का मतलब यो सै: बीज परमेसवर का वचन सै 12 राही कै किनारे के वे सै, जिन नै
सुण्या, फेर शैतान आकै उनकै मन म्ह तै वचन ठा ले जावै सै के कदे इसा ना हो के वे बिश्वास करकै
उद्धार पावै। 13 चट्टान पै के वे सै, के जिब सुणै सै, तो खुश होकै वचन नै अपणावै सै, पर जड़ कोनी
पकड़दे वे माड़ी वार ताहीं बिश्वास राक्खैं सै अर मुसीबत कै बखत बहक जावै सै। 14 जो झाड़ियाँ
म्ह पडया, यो वे सै जो सुणै सै, पर आग्गै जाकै फिक्र, अर धन, अर जिन्दगी के ऐसो-आराम म्ह
फँस जावै सै अर उनका फळ कोनी पकदा। 15 पर आच्छी धरती के वे सै, जो वचन सुणकै भले अर
आच्छे मन तै साम्भ्ये राक्खैं सै, अर धीरज तै फळ ल्यावै सै।

[illegible]

16 "कोए दीवा जळा कै बरतन तै कोनी ढकदा, अर ना खाट तळै धरै सै, पर टांडी पै धरै सै ताके
भीत्तर आण आळे नै चाँदणा मिलै। 17 कुछ लुहक्या कोनी जो दिखाया कोनी जावै, अर ना किमे
लुहक्या सै जिसका बेरा न्ही पटै। 18 ज्यांतै चौक्कस रहो के थम किस तरियां सुणो सो? क्यूँके जिसकै
धोरै सै उसतै दिया जावैगा, अर जिसकै धोरै न्ही सै उसतै वो भी ले लिया जावैगा, जिसनै वो अपणा
समझै सै।"

[illegible]

19 यीशु की माँ अर उसके भाई उसकै धोरै आए, पर भीड़ कै कारण उसतै मिल न्ही सके 20 उसतै
कह्या गया, "तेरी माँ अर तेरे भाई बाहरणै खड़े होए, तेरे तै मिलणा चाहवैं सै।"
21 यीशु नै इसकै जवाब म्ह उनतै कह्या, "मेरी माँ अर मेरे भाई येए सै, जो परमेसवर का वचन
सुणै अर मान्नैं सै।"

[illegible]

22 फेर एक दिन वो अर उसके चेल्लें किस्ती पै चढ़े, अर उसनै उनतै कह्या, "आओ, समुन्दर के
परली ओड़ चाल्लां।" आखर उननै किस्ती खोल दी। 23 पर जिब किस्ती चालरी थी, तो वो सोग्या
अर समुन्दर पै आँधी आगी, अर किस्ती पाणी तै भरण लाग्गी अर वे खतरे म्ह थे।
24 फेर उननै धोरै आकै उस ताहीं जगाया, अर कह्या, "हे माल्लिक! हे माल्लिक! हम डूबके
मरण आळे सां।" फेर उसनै उठकै आँधी ताहीं अर पाणी की झाल्लां ताहीं धमकाया अर वे थमगे
अर शान्ति होई। 25 फेर उसनै उनतै कह्या, "थारा बिश्वास कित्त था?" पर वे डरगे अर हैरान होकै
आप्पस म्ह कहण लाग्गे, "यो कौण सै जो आँधी अर पाणी नै भी हुकम देवै सै, अर वे उसकी मान्नैं
सै?"

[illegible]

26 फेर वे गिरासेनियों कै देश म्ह पोहचे, जो उस पार गलील समुन्दर कै स्याम्ही सै। 27 जिब वो
किनारे पै उतरया तो उस नगर का एक माणस उसतै मिल्या जिसम्ह ओपरी आत्मा थी। वो घणे दिनां
तै उघाड़ा था अर ना घरां रहवैं था बल्के कब्रिस्तान म्ह रह्या करै था। 28 वो यीशु नै देखकै जोर तै
किल्की मारकै उसकै स्याम्ही पड़कै जोर तै बोल्या, "हे परमप्रधान परमेसवर के बेट्टे यीशु! मन्नै
तेरे तै के काम? मै तेरे तै बिनती करुँ सूं, मन्नै काल ना करै।" 29 क्यूँके वो उस ओपरी आत्मा ताहीं
उस माणस म्ह तै लिकड़ण का हुकम देवै था, इस करकै के वो उसपै बार-बार हावी होवै थी। ऊतो
माणस उसनै साँकळां अर बेलां तै जुड़ै थे फेरभी वो बन्धनां नै तोड़ देवै था, अर ओपरी आत्मा उसनै
बण म्ह भजाए फिरै थी।
30 यीशु नै उसतै बुझ्झया, "तेरा के नाम सै?" उसनै कह्या, "सेना," क्यूँके घणीए ओपरी आत्मा
उस म्ह रहवैं थी। 31 उननै यीशु बिनती करी के हमनै अथाह कुण्ड म्ह जाण का हुकम ना देवै।

32 उड़ै पहाड़ पै सूअरां का एक बड्ड़ा टोळ चरै था, इस करकै उननै उसतै बिनती करी के हमनै
उन म्ह बैठणे दे। उसनै उन ताहीं जाण दिया।
33 फेर ओपरी आत्मा उस माणस म्ह तै लिकड़कै सूअरां म्ह जा पड़ी अर वो टोळ ढळान पै तै
झपटकै गलील समुन्दर म्ह जा पड्या अर डूब मरया।
34 पाळी यो जो होया था देखकै भाज्ये, अर नगर म्ह अर गाम्मां म्ह जाकै उसकी खबर दी।
35 माणस जो होया था उसनै देखण नै लिकड़े, अर यीशु कै धोरै आकै जिस माणस तै ओपरी आत्मा
लिकड़ी थी, उसनै यीशु के पायां कै धोरै लत्ते पहरे अर सोध्दी म्ह बेठ्ठे देखकै डरगे, 36 अर देखण
आळा नै उन ताहीं बताया के वो ओपरी आत्मायाँ का कांल करया होड़ माणस किस तरियां ठीक
होया। 37 फेर गिरासेनियों कै लोवै-धोवै के सारे माणसां नै यीशु तै बिनती करी के म्हारै उरै तै चल्या
जा, क्यूँके वे घणे डरगे थे। आखर म्ह वो किस्ती पै चढ़कै बोहड़ आया।
38 जिस माणस म्ह ओपरी आत्मा लिकड़ी थी वो उसतै बिनती करण लाग्या के मन्नै अपणे गेल्या
रहण दे, पर यीशु नै उस ताहीं बिदा करकै कह्या, 39 "अपणे घरां बोहड़ जा अर माणसां तै बता के
परमेसवर नै तेरे खात्तर किसे बड़े-बड़े काम करे सै।" वो जाकै सारे नगर म्ह प्रचार करण लाग्या के
यीशु नै मेरै खात्तर किसे बड़े-बड़े काम करे।

[illegible]

40 जिब यीशु बोहड़या तो माणस उसतै राज्जी होकै मिले, क्यूँके वे सारे उसकी बाट देक्खै थे।
41 इतनै म्ह याईर नाम का एक माणस आया, जो आराधनालय का सरदार था, अर यीशु कै पायां
म्ह पड़कै उसतै बिनती करण लागग्या के मेरै घरां चाल, 42 क्यूँके उसकी बारहां साल की एकलौती
बेट्टी थी, अर वा मरण नै होरी थी। जिब वो जाण लागरया था, जद माणस उसपै पड़ण लागरे थे।
43 एक बिरबान्नी नै जिसकै बारहां साल तै लहू बहण की बीमारी थी, अर जो अपणी सारी कमाई
डाक्टरां कै पाच्छै बरतगी थी, फेरभी किसे कै हाथ तै चंगी कोनी हो सकी थी, 44 पाच्छै तै आकै
उसकै लत्ते ताहीं छुया, अर जिब्बे उसका लहू बहणा बन्द होगा।
45 इसपै यीशु नै कह्या, "मेरैताहीं किसनै छुया?" जिब सारे नाट्टण लाग्गे, तो पतरस अर उसके
साथियाँ नै कह्या, "हे माल्लिक, तन्नै तो भीड़ दबाण लागरी सै अर तेरे पै पड़ण लागरी सै।"
46 पर यीशु नै कह्या, "किसे नै मेरै ताहीं छुआ सै, क्यूँके मन्नै बेरा पाटग्या के मेरै म्ह तै सामर्थ
लिकड़ी सै।"
47 जिब बिरबान्नी नै देख्या के मै लुहक कोनी सकदी, फेर काम्बदी होई आई अर उसकै पायां पै
पड़कै सारे माणसां कै स्याम्ही बताया के उसनै किस कारण उस ताहीं छुया, अर किस तरियां जिब्बे
चंगी होई। 48 उसनै उसतै कह्या, "बेट्टी, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै, खुशी-खुशी चली
जा।"
49 वो न्यू कहवै था के किसे नै आराधनालय कै सरदार याईर कै उरै तै आकै कह्या, "तेरी छोरी मर
ली सै: गुरु नै कांल ना करै।"
50 यीशु नै न्यू सुणकै उसतै जवाब दिया, "मतना डरै, सिर्फ बिश्वास राख, तो वा बच जावैगी।"
51 घर म्ह आकै उसनै पतरस, यूहन्ना, याकूब, अर छोरी के माँ-बाप नै छोड़ दुसरे किसे नै अपणे
गेल्या भीत्तर कोनी आण दिया। 52 सारे उसकै बाबत रोण-पिट्टण लागरे थे, पर उसनै कह्या, "रोओ
मतना, वा मरी कोनी पर सोवै सै।"
53 वे न्यू जाणकै के वा मरगी सै उसका मजाक उड़ाण लाग्ये। 54 पर उसनै उसका हाथ पकड्या,
अर रुक्का मारकै कह्या, "हे छोरी, उठ!" 55 फेर उसका जी बोहड़ आया अर वा जिब्बे उठ बेठ्ठी।
फेर उसनै हुकम दिया के उसनै कुछ खाण नै द्यो। 56 उसकै माँ-बाप हैरान होए, पर उसनै उन ताहीं
चिताया के यो जो होया सै किसे तै ना कहियो।

9

[illegible]

1 फेर उसनै अपणे बारहां चेल्यां ताहीं बुलाकै उननै सारी ओपरी आत्मायाँ अर बिमारियाँ ताहीं
दूर करण की सामर्थ अर हक दिया, 2 अर उननै परमेसवर कै राज्य का प्रचार करण अर बिमारां
ताहीं आच्छा करण खात्तर भेज्या। 3 उसनै उनतै कह्या, "राह खात्तर कुछ ना लियो, ना तो लाठ्ठी,
ना झोळी, ना रोट्टी, ना रपिये अर ना दो-दो कुड़ते। 4 जिस किसे घर म्ह उतरो, उड़ैए रहो, अर
उड़ैए तै बिदा होइयो। 5 जो कोए थमनै न्हीं अपणावै, उस नगर तै जान्दे होए अपणे पायां की धूळ
झाड़ दियो के उनपै गवाही होवै।" 6 आखर म्ह वे लिकड़कै गाम-गाम सुसमाचार सुणान्दे, अर हरेक
माणसां नै ठीक करदे होए हांडदे रहे।

[illegible]

7 चौथाई देश के गलील परदेस का राजा हेरोदेस यो सारा सुणकै घबराग्या, क्यूँके कईयाँ नै कह्या,
के यूहन्ना मरे होया म्ह तै जिन्दा होया सै, 8 अर कईयाँ नै न्यू कह्या के एलिय्याह दिख्या सै, अर
औरां नै न्यू के पुराणे नबियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै। 9 पर हेरोदेस नै कह्या, "यूहन्ना का तो
मन्नै सिर कटवाया, इब यो कौण सै जिसकै बाबत इसी बात सुणु सूं?" अर उसनै उस ताहीं देखण
की चाहन्ना करी।

[illegible]

10 फेर प्रेरितां नै बोहड़कै जो कुछ उननै करया था, उस ताहीं बता दिया, अर वो उननै न्यारे
करकै बैतसैदा नामक नगर म्ह लेग्या। 11 न्यू जाणकै भीड़ उसकै पाच्छै हो ली, अर वो राज्जी होकै
उनतै मिल्या, अर उनतै परमेसवर कै राज्य की बात करण लाग्या, अर जो चंगे होणा चाहवै थे उन
ताहीं ठीक करया।
12 जिब दिन छिपण लाग्या तो बारहां नै आकै उसतै कह्या, "भीड़ नै जाणदे के चौगरदे के गाम्मां
अर बस्तियाँ म्ह जाकै ठहरै अर खाणे का जुगाड़ करै, क्यूँके हम उरै बियाबान जगहां म्ह सां।"
13 यीशु नै उनतै कह्या, "थमे उननै खाण नै द्यो।" उननै कह्या, "म्हारै धोरै पाँच रोट्टी अर दो
मच्छियाँ नै छोड़कै और कुछ कोनी, पर हाँ, जै हम जाकै इन सारया खात्तर खाणा मोल ल्यावां,
फेर हो सकै सै।" वे माणस तो पाँच हजार माणसां कै करीबन थे। 14 फेर उसनै अपणे चेल्यां तै
कह्या, "उननै पचास-पचास करकै लैणपतार म्ह बिठा द्यो।" 15 उननै न्यूए करया, अर सारया ताहीं
बिठा दिया। 16 फेर यीशु नै वे पाँच रोट्टी अर दो मच्छियाँ ली, सुर्ग कान्ही लखाकै परमेसवर का
धन्यवाद करया, अर रोट्टी तोड़-तोड़कै चेल्यां ताहीं देंदा गया के माणसां ताहीं बांडै। 17 फेर सारे
खाकै छिकगे, अर चेल्यां नै बचे होड़ टुकड्या तै भरी होई बारहां टोकरी ठाई।

[illegible]

18 जिब वो एक्ले म्ह प्रार्थना करै था अर चेल्लें उसकै गेल्या थे, तो उसनै उनतै बुझ्झया, "माणस
मन्नै के कहवै सै?"
19 उननै जवाब दिया, "यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा, अर कोए एलिय्याह, अर कोए यो के पुराणे
नबियाँ म्ह तै कोए जिन्दा होया सै।"
20 उसनै उनतै बुझ्झया, "पर थम मन्नै के कहो सो?" पतरस नै जवाब दिया, "परमेसवर का
मसीह।" 21 फेर उसनै उनतै चिताकै कह्या के यो किसे तै ना कहियो।।

[illegible]

22 फेर उसनै कह्या, "मुझ माणस कै बेट्टे खात्तर जरूरी सै के मै घणा दुख ठाऊँ, अर यहूदी अगुवें,
प्रधान याजक अर शास्त्री मन्नै तुच्छ समझकै मार देवै, अर मै तीसरे दिन जिन्दा हो जाऊँगा।"

[illegible]

23 उसनै सारया तै कह्या, "जो कोए मेरै मेरा चेल्ला बणणा चाहवै, वो अपणी ए इच्छा पूरी ना
करै बल्के हरेक दिन अपणे दुखां का क्रूस ठाकै, मेरै पाच्छै हो लेवै। 24 क्यूँके जो कोए अपणी
जान बचाणा चाहवैगा वो उसनै खोवैगा, पर जो कोए मेरी खात्तर अपणी जान खोवैगा वोए उसनै
बचावैगा। 25 जै माणस सारी दुनिया नै पा लेवै अर अपणी जान खो दे या उसका नुकसान ठावै, तो

उसनै के फायदा? 26 जो कोए मेरै तै अर मेरी बात्तां तै सरमावैगा, मै माणस का बेट्टा भी, जिब
अपणी अर अपणे पिता की अर पवित्र सुर्गदूत्तां की महिमा सुधां आऊँगा, तो उसतै सरमावैगा।
27 "मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, के जो याड़ै खड़े सै, उन म्ह तै कुछ इसे सै के जिब ताहीं परमेसवर
का राज्य ना देख लेवैं, जद ताहीं मौत उननै कदे छू भी न्ही पावैगी।"

[illegible]

28 इन बात्तां कै कोए आठ दिनां पाच्छै वो पतरस, यूहन्ना अर याकूब नै गेल्या लेकै प्रार्थना
करण खात्तर पहाड़ पै गया। 29 जिब वो प्रार्थना करै था, तो उसके मुँह का रूप बदल ग्या, अर उसके
लत्ते धोळे होकै चमकण लाग्गे। 30 अर लखाओ, मूसा नबी अर एलिय्याह नबी ये दो माणस उसकै
गेल्या बतळावै थे। 31 ये महिमा सुधां दिक्खे अर यीशु के मरण का जिक्र करै थे, जो यरुशलेम म्ह
होण आळा था। 32 पतरस अर उसके साथी नींद म्ह होरे थे, अर जिब ठीक तरियां सोध्दी म्ह आए,
तो उसकी महिमा अर उन दो माणसां नै, जो उसकै गेल्या खड़े थे, देख्या। 33 जिब वे उसकै धोरै तै
जाण लाग्गे, तो पतरस नै यीशु तै कह्या, "हे माल्लिक, म्हारा उरै रहणा भला सै: आखर म्ह हम
तीन मण्डप बणावा, एक तेरे खात्तर, एक मूसा नबी खात्तर, एक एलिय्याह नबी कै खात्तर।" उसनै
बेरा कोनी था के कह के रह्या सै।

34 वो न्यू कहवैए था के एक बाद्दळ आकै उनपै छाग्या, अर जिब वे उस बाद्दळ तै घिरण लाग्गे
तो वे डरगे। 35 फेर उस बाद्दळ म्ह तै या वाणी लिकड़ी, "यो मेरा बेट्टा अर मेरा चुण्या होया सै,
इसकी सुणो।" 36 या आवाज होन्दे यीशु एक्ला होग्या, अर वे बोल-बाल्ले रहे, अर जो कुछ देख्या
था उसकी कोए बात उन दिनां म्ह किसे तै न्ही कही।

[illegible]

37 दुसरे दिन जिब वो पहाड़ तै उतरया तो एक बड्डी भीड़ उसतै आ मिली। 38 अर लखाओ, भीड़
म्ह तै एक माणस नै किल्की मारकै कह्या, "हे गुरु, मै तेरे तै बिनती करुँ सूं के मेरे बेट्टे पै दया की
निगांह फेर दे, क्यूँके वो मेरा एक्ला बेट्टा सै। 39 अर दे, एक भुंडी ओपरी आत्मा उसनै पकड़ै थी,
अर वो चाणचक किल्की मारै था, अर वा उसनै इसा मरोड़ै थी के वो मुँह म्ह तै झाग भर लावै सै,
उसनै रोंदकै घणी मुश्किल तै छोड्डै थी। 40 मन्नै तेरे चेल्यां तै बिनती करी के उसनै लिकाड़ै, पर वे
कोनी काढ सके।"
41 यीशु नै जवाब दिया, "हे अबिश्वासी अर जिद्दी माणसों, मै कद ताहीं थारे गेल्या रहूँगा अर
थारी सहूँगा? अपणे बेट्टे नै उरै लिया।"

42 जिब वो आवै था तो ओपरी आत्मा नै उस ताहीं पटककै मरोड्या, पर यीशु नै उस ओपरी
आत्मा ताहीं धमकाया अर छोरे ताहीं ठीक करकै पिता तै थमा दिया। 43 फेर सारे माणस परमेसवर
कै घणे सामर्थ तै हैरान होए। पर जिब सारे माणस उन सारे काम्मां तै जो वो करै था, हक्के-बक्के थे,
तो उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या,

[illegible]

44 "थम इन बात्तां पै गौर करो, क्यूँके मै माणस का बेट्टा माणसां कै हाथ्थां म्ह पकड़वाया जाण
पै सूं।" 45 पर वे इस बात नै कोनी समझै थे, अर या बात उनतै लुक्ही रही के उननै उसका बेरा न्ही
पाट्टै, अर वे इस बात कै बारै म्ह उसतै बुझ्झण तै डरै थे।

[illegible]

46 फेर उन म्ह या बहस होण लाग्गी के म्हारै तै बड्डा कौण सै। 47 पर यीशु नै उनकै मन के
विचारां ताहीं पढ़ लिया, अर एक बाळक नै लेकै अपणे धोरै खड्या करया, 48 अर उनतै कह्या, "जो
कोए मेरै नाम तै इस बाळक नै अपणावै सै, वो मन्नै अपणावै सै, अर जो कोए मन्नै अपणावै सै, वो
मेरै भेजण आळे नै भी अपणावै सै, क्यूँके जो थारे म्ह सारया म्ह छोट्टे तै छोट्टा सै, वोए बड्डा
सै।"

[illegible]

49 फेर यूहन्ना नै कह्या, "हे स्वामी, हमनै एक माणस ताहीं तेरे नाम तै ओपरी आत्मा लिकाड़दे
देख्या, अर हमनै उसतै मना करया, क्यूँके वो म्हारी तरियां तेरा चेल्ला न्ही था।" 50 यीशु नै उसतै
कह्या, "उसनै नाट्टो ना, क्यूँके जो थारे बिरोध म्ह न्ही, वो थारे कान्ही सै।"

[illegible]

51 जिब उसके उप्पर ठाए जाण के दिन पूरे होण पै थे, तो उसनै यरुशलेम जाण का विचार पक्का
करया। 52 उसनै अपणे आग्गै दूत भेज्जै। वे सामरियाँ कै एक गाम म्ह गए ताके उसकै खात्तर जगहां
त्यार करै। 53 पर उन माणसां नै उस ताहीं उतरण कोनी दिया, क्यूँके वो यरुशलेम जावै था। 54 न्यू
देखकै उसके चेल्लें याकूब अर यूहन्ना नै कह्या, "हे प्रभु, तू के चाहवै सै के हम हुकम देवां, के अकास
तै आग गिरकै उननै भस्म करदे?" 55 पर उसनै बोहड़कै उन ताहीं धमकाया (अर कह्या, "थम न्ही
जाणदे के थम किसी आत्मा के सो। क्यूँके माणस का बेट्टा लोग्गां नै जान तै मारण कोनी आया,
बल्के उननै बचाण आया सै।") 56 अर वे किसे दुसरे गाम म्ह चले गये।

[illegible]

57 जिब वे राह म्ह जावै थे, तो किसे नै उसतै कह्या, "जित्त-जित्त तू जावैगा, मै तेरे पाच्छै हो
ल्यूँगा।"
58 यीशु नै उसतै कह्या, "लोमड़ियां की घुरखाण अर अकास के पंछियाँ के बसेरे हो सै, पर माणस
के बेट्टे खात्तर सिर छिपाण की भी जगहां कोनी।"
59 उसनै दुसरे तै कह्या, "मेरै पाच्छै हो ले।" उसनै कह्या, "हे प्रभु, पैहले मन्नै घर जाणदे, मै
अपणे पिता के मरण कै बाद उस ताहीं दफना के आऊँगा, फेर तेरा चेल्ला बणुगाँ।"
60 उसनै उसतै कह्या, "जो आत्मिक रूप तै मर चुके सै, उननै मुर्दे दफणाण दे। पर तू जाकै परमेसवर
कै राज्य की कथा सुणा।"
61 एक और नै भी कह्या, "हे प्रभु, मै तेरे पाच्छै हो लूँगा, पर पैहल्या मन्नै जाणदे के अपणे घर
के माणसां तै बिदा ले आऊँ।"
62 यीशु नै उसतै कह्या, "जो कोए अपणा हाथ हळ पै धरकै पाच्छै देक्खै सै, वो परमेसवर के राज्य
कै जोग्गा कोनी।"

10

[illegible]

1 इन बात्तां कै बाद प्रभु यीशु नै सत्तर और चेल्लें तैयार करे, अर जिस-जिस गाम अर जगहां पै
वो खुद जाण आळा था, उड़ै उननै दो-दो करकै अपणे आग्गै भेज्या। 2 उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या,
"पके होए खेत्तां की तरियां लोग तो भोत सै जो परमेसवर के वचन नै सुणणा अर समझणा चाहवै
सै। पर फसल काट्टण आळे थोड़े लोग सै, जो उन ताहीं जाकै परमेसवर का वचन सुणा अर समझा
सकै। इस करकै खेत के माल्लिक यानी परमेसवर तै बिनती करो, के वो और लोग्गां नै भेज्जै, ताके
परमेसवर का वचन सारे लोग्गां तक पोहच सकै सै।" 3 जाओ, देक्खों, मै थमनै भेड्डां की तरियां
भेड़ियाँ के बिचाल्ये भेज्जू सूं। 4 इस करकै ना बटुआ, ना झोळी, ना जूत्ते ल्यो, अर ना राह म्ह किसे
तै नमस्कार करो।
5 जिस किसे घर म्ह जाओ, पैहले कहो, इस घर का कल्याण हो। 6 जै उड़ै कोए कल्याण कै जोग्गा
होगा, तो थारा कल्याण उसपै थमैगा, न्ही तो थारे धोरै उल्टा ए आ ज्यागा। 7 उस्से घर म्ह रहो, अर
जो कुछ उनतै मिलै, वोए खाओ-पीओ, क्यूँके मजदूर नै अपणी मजदूरी मिलणी चाहिए, घर-घर
न्ही हांडणा।
8 जिस नगर मै जाओ, अर उड़ै के माणस थमनै उतारै, तो जो कुछ थारे स्याम्ही धरया जावै वोए
खाओ। 9 उड़ै के बिमारां नै ठीक करो अर उनतै कहो, परमेसवर का राज्य थारे धोरै आण पोंहच्या सै।
10 पर जिस नगर म्ह जाओ, अर उड़े कै माणस थमनै न्ही अपणावै, तो उनके बजारां म्ह जाकै कहो,
11 थारे नगर की धूळ भी, जो म्हारे पायां म्ह लाग्गी सै, हम थारे स्याम्ही झाड़ देवां सां, फेरभी न्यू

जाण ल्यो के परमेसवर का राज्य थारे धोरै आण पोंहच्या सै। 12 मै थमनै कहूँ सूं, "के उस दिन उस
नगर की हालत तै सदोम नगर की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी।"

[illegible]

13 "धिक्कार सै थारे पै खुराजिन नगर के माणसों! धिक्कार सै थारे पै बैतसैदा नगर के माणसों!
जो सामर्थ के काम थारे म्ह करे गये, जै वे सूर अर सैदा नगर म्ह करे जान्दे, तो टाट ओढ़ कै, अर
राख म्ह बैठकै वे कदे के पाप करणा छोड़ देन्दे। 14 पर न्याय कै दिन थारी हालत तै सूर अर सैदा
नगर की हालत घणी सहण जोग्गी होवैगी। 15 अर हे कफरनहूम नगर, तू के सोच्चै सै, के तू सुर्ग
ताहीं ऊँच्चा करया जावैगा? तू तो अधोलोक तक नीच्चै जावैगा।

16 "जो थारी सुणै सै, वो मेरी सुणै सै, अर जो थमनै तुच्छ समझै सै, वो मन्नै तुच्छ समझै सै, अर
जो मन्नै तुच्छ समझै सै, वो मेरे भेजण आळे ताहीं तुच्छ समझै सै।"

[illegible]

17 वे सत्तर चेल्लें राज्जी होन्दे होए बोहड़े अर बोल्ले, "हे प्रभु, तेरे नाम तै ओपरी आत्मा भी
म्हारा कहणा मान्नै थी।"

18 यीशु नै उनतै कह्या, "जिब थम ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ो थे तो मन्नै शैतान ताहीं सुर्ग तै
बिजळी की तरियां पड़ता होया देख्या। 19 लखाओ, मन्नै थारे ताहीं साँपां अर बिच्छुआं ताहीं पायां
तळै रोंदण का, अर बैरी की सारी सामर्थ पै हक दिया सै, अर किसे चीज तै थमनै कुछ नुकसान कोनी
होवैगा। 20 फेरभी इतने राज्जी मतना होवो के आत्मा थारा कहणा मान्नै सै, पर इसतै राज्जी होवो
थारे नाम सुर्ग पै लिक्खे सै।"

[illegible]

21 उस्से बखत यीशु पवित्र आत्मा म्ह होकै खुशी तै भरग्या, अर कह्या, "हे पिता, सुर्ग अर
धरती के प्रभु, मै तेरा शुक्रियादा करुँ सूं, के तन्नै इन बात्तां ताहीं ज्ञानियाँ अर समझदारां तै ल्कोए
राख्या, अर बाळकां ताहीं दिखा दिया सै।" हाँ, हे पिता, क्यूँके तन्नै योए भाया।

22 मेरे पिता नै मेरै ताहीं सब कुछ सौप दिया सै, अर किसे नै न्ही बेरा के बेट्टा कौण सै, सिवा
पिता के, अर पिता कौण सै न्यू भी किसे नै कोनी बेरा सिवाए बेट्टे कै, अर वो जिसपै बेट्टा उस
ताहीं जाहिर करणा चाहवै।

23 फेर चेल्यां की ओड़ बोहड़कै एक्ले म्ह बोल्या, "धन्य सै वे आँख, जो ये बात जो थम देक्खो
सो। 24 क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं के घणखरे नबियाँ अर राजयां नै चाह्या के जो बात थम देक्खो सो,
देक्खै, पर न्ही देक्खी, अर जो बात थम सुणो सो, सुणै पर न्ही सुणी।"

[illegible]

25 एक दिन यीशु माणसां नै उपदेश देण लागरया था, तो एक शास्त्री उठ्या अर न्यू कहकै उस
ताहीं परखण लाग्या, "हे गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होण खात्तर मै के करुँ?"

26 यीशु नै उसतै कह्या, "नियम-कायदा म्ह के लिख्या सै? अर तू उसनै किस तरियां समझै सै?"

27 उसनै जवाब दिया, "तू प्रभु, अपणे परमेसवर तै अपणे सारे मन, अपणे पूरे प्राण अर अपणे
सारी शक्ति अर अपणी सारी बुद्धि कै गेल्या प्यार राख, अर अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार
राख।"

28 यीशु नै उसतै कह्या, "तन्नै ठीक कह्या, न्यूए करिये जिब्बे तू अनन्त जीवन पावैगा।"

29 पर उसनै खुद ताहीं धर्मी जाहिर करण की इच्छा तै यीशु तै बुझ्झया, "तो मेरा पड़ोसी कौण
सै?"

30 यीशु नै एक कहाँनी बताकै जवाब दिया, "एक माणस यरुशलेम नगर तै यरीहो नगर म्ह जावै
था, के डाकुआं नै घेर कै, उसका सब कुछ खोस कै, उस ताहीं नंगा कर दिया, अर पिट-छेतकै उस
ताहीं अधमरा छोड़कै चले गये। 31 अर इसा होया के उस्से राही तै एक यहूदी याजक जावै था,

पर उसनै उस ताहीं देखकै उसकी मदद कोनी करी अर चल्या गया। 32 इस्से ढाळ एक लेवी* उस
जगहां पै आया, उसनै भी उसकी मदद कोनी करी, अर वो चल्या गया। 33 फेर सामरी गाम का
एक राहगीर ओड़ै तै लिकड़या, अर उस माणस ताहीं देखकै उसपै तरस खाया। 34 उसनै उसकै धोरै
आकै उसके घायाँ पै तेल अर अंगूर का रस गेर कै पट्टी बाँध्धी, अर अपणे गधे पै चढ़ाकै सराय†
म्ह लेग्या, अर उसकी सेवा-पाणी करी। 35 दुसरे दिन उसनै दो दीनार (दो दिन की मजदूरी) काढ कै
सराय कै माल्लिक तै दिये, अर कह्या, इसकी सेवा-पाणी करिये, अर जो कुछ तेरा और लाग्गैगा,
वो मै बोहड़दा होया भर द्युगां।"

36 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "इब यो बता तेरी समझ तै जिस माणस ताहीं डाकुआं नै घायल करा
था, उन तीनां म्ह तै उस माणस का सच्चा पड़ोसी कौण था?"

37 उसनै कह्या, "वोए जिसनै उसपै दया करी।" यीशु नै उसतै कह्या, "जा, तू भी न्यूए करया कर।"

[illegible]

38 जिब यीशु अर उसके चेल्लें जावै थे तो वो एक गाम म्ह गया, अर मार्था नाम की एक बिरबान्नी
नै बड़ी उदारता तै उसका आदर-सत्कार करया। 39 मरियम नाम की उसकी एक बेब्बे थी। वा प्रभु कै
पायां म्ह बैठकै उसका वचन सुणै थी। 40 पर मार्था सेवा-पाणी करदे-करदे परेशान होगी, अर उसकै
धोरै आकै कहण लाग्गी, "हे प्रभु, के तन्नै कुछ भी फिक्र कोनी के मेरी बेब्बे नै सारा काम का बोझ
मेरै पै गेर दिया सै? इस करकै उसतै कह के मेरी मदद करै।"

41 प्रभु यीशु मसीह नै मार्था तै जवाब दिया, "मार्था, हे मार्था, तू घणी बात्तां खात्तर फिक्र करै,
अर परेशान हो ज्या सै। 42 पर एक बात जरुर सै, अर उस बढ़िया हिस्से ताहीं मरियम नै छाँट लिया
सै जो उसतै खोस्या कोनी जावैगा।"

11

[illegible]

1 यीशु किसे जगहां प्रार्थना करण लागरया था। जिब उसनै प्रार्थना कर ली, तो उसके चेल्यां म्ह
तै एक नै उसतै कह्या, "हे प्रभु, जिस तरियां यूहन्ना नै अपणे चेल्यां ताहीं प्रार्थना करणी सिखाई
उस्से तरियां ए तू भी हमनै सीखा दे।"

2 उसनै उनतै कह्या, "जिब थम प्रार्थना करो, तो कहो,
'हे पिता,
तेरा नाम पवित्र मान्या जावै,
तेरा राज्य आवै,
3 म्हारी दिन भर की रोट्टी हरेक दिन हमनै दिया कर,
4 अर म्हारे पापां नै माफ कर,
क्यूँके हम भी अपणे हरेक कसूरवार ताहीं माफ करां सां,
अर म्हारे ताहीं परखै ना।' "

[illegible]

5 फेर यीशु नै चेल्यां तै कह्या, "मान ल्यो थारा एक दोस्त सै, अर थम आध्धी रात नै उसकै धोरै
ज्याकै उसतै बिनती करो, 'हे दोस्त, मन्नै तीन रोट्टी दे। 6 क्यूँके मेरा एक दोस्त सफर करकै मेरै धोरै
आया सै, अर उस ताहीं खुआण खात्तर मेरै धोरै कुछ भी कोनी।' 7 अर वो भीत्तर तै थमनै जवाब
देवै सै, मन्नै दुखी ना करै, इब तो मन्नै कुवाड़ मूंद राक्खे सै अर मेरे बाळक मेरै धोरै बिछाणा पै सै,
इस करकै मै उठकै तन्नै कुछ भी न्ही दे सकदा? 8 मै थमनै कहूँ सूं, हालाकि वो माणस उस ताहीं
रोट्टी ना भी देणा चाहवै, तोभी दोस्त होण के नाते वो जरुर उठैगा, अर दोस्त के बार-बार बिनती
करण पै, उसकी जरूरत के मुताबिक उस ताहीं जरुर देवैगा।"

---

* **10:32** 10:32 (मन्दर म्ह यहूदी याजक की मदद करण आळा एक माणस) † **10:34** 10:34 (धर्मशाला)

9 अर मै थारैतै कहूँ सूं, के माँग्गो तो थमनै दिया जावैगा, टोव्होगें, तो थम पाओगे, खटखटाओ,
तो थारे खात्तर खोल्या जावैगा। 10 क्यूँके जो कोए माँग्गै सै, उसनै मिलै सै, अर जो टोह्वैं सै, वो
पावै सै, अर खटखटावै सै, उसकै खात्तर खोल्या जावैगा।
11 थारे म्ह तै इसा कौण पिता होगा, के जिब उसका बेट्टा रोट्टी माँग्गै, तो उसनै पत्थर देवै, या
मच्छी माँग्गै, तो बदले म्ह उसनै साँप देवै? 12 या अंडा माँग्गै तो उसनै बिच्छु दे? 13 इस करकै जिब
थम बुरे होकै, अपणे बाळकां नै आच्छी चीज देणा जाणो सों, तो थारा सुर्गीय पिता अपणे माँगण
आळा नै पवित्र आत्मा क्यूँ न्ही देवैगा।

???? ?? ??????

14 फेर यीशु नै एक गूँगा माणस म्ह तै ओपरी आत्मा ताहीं लिकाड़या। जिब ओपरी आत्मा
लिकड़गी तो गूँगा बोलण लागग्या, अर माणसां कै अचम्भा होया। 15 पर उन म्ह तै कुछ नै कह्या,
"यो तो ओपरी आत्मायाँ के प्रधान शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै लिकाड़ै सै।" 16 औरां नै
उस ताहीं परखण कै खात्तर उसतै अकास की एक निशान्नी माँगी।
17 पर उसनै उनकै मन की बात जाणकै, उनतै कह्या, "जिस-जिस राज्य म्ह फूट आवै सै, वो राज्य
उजड़ जावै सै, अर जिस घर म्ह फूट होवै सै, वो नाश हो जावै सै।" 18 जै शैतान खुद का बिरोधी
हो जावै, तो उसका राज्य किस तरियां बण्या रहवैगा? क्यूँके थम मेरै बाबत कहो सो के यो शैतान
की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै काड्डै सै। 19 भला जै मै शैतान की मदद तै ओपरी आत्मायाँ नै
काढ्ढू सूं, तो थारी ऊलाद किसकी मदद तै काड्डै सै? इस करकै वैए थारा न्याय करैगें। 20 पर जै मै
परमेसवर के सामर्थ तै ओपरी आत्मायाँ नै काढ्ढू सूं, तो परमेसवर का राज्य थारे धोरै आण पोंहच्या
सै। 21 जिब ठाड्डा माणस हथियार लिये होए अपणे घर की रुखाळी करै सै, तो उसका धन बचा
रहवैगा। 22 पर जिब उसतै बाध कोए और ठाड्डा धावा बोलकै उसनै जीत लेवै सै, तो उसकै वे राछ
जिनपै उसका बिश्वास था, खोस लेवै सै अर उसका धन लूटकै बांड देवै सै।
23 जो मेरै गेल्या न्ही वो मेरै बिरोध म्ह सै, अर जो मेरै गेल्या न्ही कठ्ठा करदा, वो खिंडावै सै।

????? ????? ?? ??????

24 "जिब ओपरी आत्मा माणस म्ह तै लिकड़कै जावै सै, तो सूक्खी जगहां म्ह आराम टोह्न्दी फिरै
सै, अर वा पांदी कोनी। फेर वा कहवै सै, 'मै उस्से माणस म्ह जड़ै तै लिकड़ी थी बोहड़ जाऊँगी।'
अर आकै उस माणस नै घर जिसा झाड़ा-बुहारा अर सजा-धज्या पावै सै। 25 अर आकै उसनै झाड़ा-
बुहारा अर सजा-धज्या पावै सै। 26 फेर वा ओपरी आत्मा जाकै अपणे तै भुंडी सात और आत्मायाँ
नै अपणे गेल्या ले आवै सै, अर वे उस म्ह बड़कै वास करै सै, अर उस माणस की पाच्छली हालत
पैहल्या तै भी भुंडी हो जावै सै।"

???? ??? ???

27 जिब यीशु ये बात कहवै था तो भीड़ म्ह तै किसे बिरबान्नी नै जोर तै बोलकै कह्या, "धन्य सै
वो बिरबान्नी जिस तू जन्मा अर उसका तन्नै दूध पिया।"
28 उसनै कह्या, "हाँ, पर धन्य वे सै, जो परमेसवर का वचन सुणै अर मान्नै सै।"

??????? ????? ?? ????

29 जिब बड्डी भीड़ कठ्ठी होंदी जावै थी तो वो कहण लाग्या, "इस युग के माणस बुरे सै, वे
चिन्ह-चमत्कार टोह्वैं सै, पर योना नबी के चिन्ह-चमत्कार नै छोड़कै उन ताहीं कोए और चिन्ह-
चमत्कार कोनी दिया जावैगा। 30 जिसा योना नबी निनवे के आदमियाँ खात्तर निशान्नी ठहरी, उस्से
तरियां मै माणस का बेट्टा भी इस युग के आदमियाँ कै खात्तर ठहरूँगा। 31 दक्षिण देश की राणी
न्याय कै दिन इस बखत के माणसां कै गेल्या उठकै उन ताहीं कसूरवार ठैहरावैगी, क्यूँके वा राजा
सुलैमान का ज्ञान सुणण खात्तर धरती कै सिरे तै आई, अर देक्खों, उरै वो सै जो राजा सुलैमान तै
भी बड्डा सै। 32 निनवे नगर के माणस न्याय कै दिन इस युग कै माणसां कै गेल्या उठकै, उन ताहीं

कसूरवार ठैहरावैगें, क्यूँके उननै योना नबी का प्रचार सुणकै अपणे पापां ताहीं स्वीकार करया, अर
देक्खो, उरै वो सै जो योना नबी तै भी बड्ड़ा सै।

[illegible]

33 "कोए माणस दीवा जळा कै बरतन कै तळै न्ही धरदा, पर टांडी पै धरै सै के भीत्तर आण आळा
नै चाँदणा मिलै। 34 देह का दीवा आँख सै, इस करकै जिब तेरी निगांह आच्छी सै तो तेरी सारी
देह भी उजाळा होगा। पर जिब तेरी आँख ठीक कोनी सै तो तेरी सारी देह भी अँधेरे म्ह सै। 35 इस
करकै चौकन्ने रहो के जो चाँदणा थारे म्ह सै वो अँधेरा ना हो जावै। 36 इस करकै जै तेरी देह म्ह
चाँदणा हो अर उसका कोए हिस्सा अन्धेरे म्ह ना रहवैं तो सारा का सारा इसा चाँदणा होगा, जिसा
उस बखत होवै सै जिब दीवा अपणी चमक तै थारे ताहीं चाँदणा देवै सै।"

[illegible]

37 जिब वो बात करै था तो किसे फरीसी नै उसतै बिनती करी के मेरै उरै आकै खाणा खाईयों।
वो भीत्तर जाकै खाणा खाण नै बेठग्या। 38 फरीसी नै न्यू देखकै हैरानी होई के उसनै खाणा खाण तै
पैहल्या हाथ कोनी धोए।

39 प्रभु नै उसके मन के विचारां ताहीं पढ़कै उसतै कह्या, "हे फरीसियों, थम कटोरे अर थाळी
नै उप्पर-उप्पर तै तो माँजो सो, पर थारे भीत्तर अन्धेर अर बुराई भरी सै। 40 हे बेअक्लो! जिसनै
बाहरणै का हिस्सा बणाया, के उसनै भीत्तर का हिस्सा कोनी बणाया? 41 पर हाँ, भीत्तर आळी
चिज्जां नै दान कर द्यो, तो देक्खो, सारा कुछ थारे खात्तर पवित्र हो जावैगा।"

42 पर हे फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम पुदीने अर सुदाब का अर कई तरियां के साग-पात
का दसमां हिस्सा द्यो सो, पर न्याय ताहीं अर परमेसवर कै प्यार ताहीं टाळ द्यो सो, आच्छा तो था
के इन्नै भी करदे रहन्दे अर उननै भी कोनी छोड़दे।

43 हे फरीसियों, थारे पै धिक्कार सै! थम आराधनालयाँ म्ह खास-खास आसन नै चाहो सो अर
बजारां म्ह नमस्कार चाहो सो।

44 "धिक्कार सै थारे पै! क्यूँके थम उन लुक्ही होई कब्रां की तरियां सो, जिनपै माणस चाल्लै सै
पर कोनी जाणदे।"

45 फेर एक शास्त्री नै उसतै जवाब दिया, "हे गुरु, इन बात्तां नै कहकै तू म्हारी बुराई करै सै।"

46 पर यीशु नै जवाब दिया, "हे शास्त्रियो थारे पै धिक्कार सै! थम नियम-कायदा का इसा बोझ
जिनका ठाणा ओक्खा सै, माणसां पै लाद्दो सो, पर थम खुद उनकी मदद खात्तर उस बोझ नै अपणी
आन्गळी तै भी कोनी छुन्दे।"

47 "धिक्कार सै थारे पै! थम उन नबियाँ की कब्र बणाओ सो, जिन ताहीं थारे पूर्वजां नै मार दिया
था।" 48 आखर म्ह थम गवाह सो, अर अपणे पूर्वजां कै काम्मां तै रजामंद सो, क्यूँके उननै उन ताहीं
मार दिया अर थम उनकी कब्र बणाओ सो। 49 इस करकै परमेसवर की समझ नै भी कह्या सै, "के मै
उनकै धोरै नबियाँ अर प्रेरितां नै भेज्जूंगी, अर वे उन म्ह तै कईयाँ नै मार देंगे, अर कईयाँ नै दुखी
करैगें।" 50 ताके जित्त नबियाँ का लहू दुनिया की शरुआत तै बहाया गया सै, सारया का ब्यौरा इस
युग के माणसां तै लिया जावै, 51 हाबिल की हत्या तै लेकै जकर्याह की हत्या ताहीं, जो वेदी अर
मन्दर कै बिचाळै मारया गया। मै थारे तै सच कहूँ सूं, इन सारया का ब्यौरा इस्से बखत के माणसां
तै लिया जावैगा।

52 "धिक्कार सै थम शास्त्रियाँ पै! थमनै ज्ञान की ताळी तो ले ली, पर थम खुद कोनी दाखल
होए, अर दाखल होण आळे ताहीं भी रोक द्यो सो।"

53 जिब वो उड़ै तै लिकड़या, तो शास्त्री अर फरीसी भुण्डी तरियां उसकै पाच्छै पड़गे अर छेड़ण
लाग्गे के वो घणखरी बात्तां का जिक्र करै, 54 अर ताक म्ह लाग्गे रहे के उसकै मुँह तै कही होई कोए
बात पकड़ै।

12

[illegible]
1 इतनै म्ह जिब हजारां की भीड़ लाग्गी, उरै ताहीं के वे एक-दुसरे पै पड़ण लाग्गे थे, तो यीशु
नै सारया तै पैहल्या अपणे चेल्यां तै यो कह्या, "फरीसियाँ कै कपट रूपी खमीर तै चौकन्ने रहो।
2 कुछ ढकया कोनी, जो उघाड़या न्ही जावैगा, ना कुछ लुहक्या सै, जिसका बेरा न्ही पटै। 3 इस
करकै जो कुछ थमनै अन्धेरे म्ह कह्या सै, वो उजाळै म्ह सुण्या जावैगा, अर जो थमनै कोठड़ियाँ
म्ह चुपके-चुपके कह्या सै, वो छात पै तै प्रचार करया जावैगा।

[illegible]?
4 "मै थारे तै जो मेरे साथी सो कहूँ सूं, के जो देह नै घात करै सै पर उसतै ज्यादा और कुछ न्ही कर
सकदे, उनतै ना डरियो। 5 मै थमनै समझाऊँ सूं के थमनै किसतै डरणा चाहिये, घात करण कै बाद,
जिस ताहीं नरक म्ह गेरण का हक सै, उस्से तै डरियो। हाँ, मै थारे तै कहूँ सूं उस्से तै डरियो। 6 के दो
पिस्या की पाँच गौरैयाँ (एक छोट्टी चिड़ियाँ) न्ही बिकदी? फेरभी परमेसवर उन म्ह तै एक नै भी
कोनी भुल्दा। 7 थारे सिर के एक-एक बाळ भी गिणे होड़े सै, इस करकै डरो मतना, थम घणी गौरैयाँ
तै बढ़कै सो।"

[illegible]
8 "मै थारे तै कहूँ सूं जो कोए माणसां कै स्याम्ही मन्नै मान लेवैगा, उसनै मै माणस का बेट्टा
भी परमेसवर कै सुर्गदूत्तां कै स्याम्ही मान लेऊँगा। 9 पर जो माणसां कै स्याम्ही मेरा इन्कार करैगा,
उसका भी परमेसवर कै सुर्गदूत्तां कै स्याम्ही इन्कार करया जावैगा।" 10 जो कोए मुझ माणस कै
बेट्टे कै बिरोध म्ह कोए बात कहवै, उसका वो कसूर माफ कर दिया जावैगा, पर जो पवित्र आत्मा
की बुराई करै, उसका वो कसूर माफ कोनी करया जावैगा।
11 जिब माणस थमनै आराधनालयाँ अर हाकिमां अर अधिकारियां कै स्याम्ही ल्यावै, तो फिक्र
ना करियो के हम किस तरियां तै, या के जवाब देवां, या के कहवागें। 12 क्यूँके पवित्र आत्मा उस्से
बखत थमनै सीखा देगा के, के कहणा चाहिये।

[illegible]
13 फेर भीड़ म्ह तै एक नै यीशु तै कह्या, "हे गुरु, मेरे भाई तै कह के बाप कै जमीन-जायदाद नै
मेरै गेल्या बांड लेवै।"
14 उसनै उसतै कह्या, "हे भले माणस, किसनै मेरै ताहीं थारा जमीन-जायदाद बटवारा करण आळा
न्यायी बणा दिया सै?" 15 अर यीशु नै उनतै कह्या, "चौकन्ने रहो, अर सारी तरियां कै लोभ-लालच
तै खुद नै बचाकै राक्खो, क्यूँके किसे का जीवन उसकै घणी जमीन-जायदाद तै कोनी होंदा।"
16 यीशु नै उनतै एक उदाहरण देकै कह्या, "किसे साहूकार की धरती म्ह घणी पैदावार होई।"
17 फेर वो अपणे मन म्ह विचार करण लाग्या, मै के करुँ? क्यूँके मेरै धोरै जगहां कोनी जित्त अपणी
उपज वैगरा धरुँ।
18 अर उसनै कह्या, मै न्यू करुँगा मै अपणे नाज के गोदाम नै तोड़कै, उनतै नाज के और बड़े
गोदाम बणाऊँगा, अर उड़ै अपणा सारा नाज अर धन धरुँगा, 19 अर अपणे-आप तै कहूँगा, के तेरे
धोरै घणे साल खात्तर घणा धन धरया सै, चैन कर, खा, पी, मौज कर।
20 पर परमेसवर नै उसतै कह्या, हे बेकूफ, तू इस्से रात मर जावैगा, फेर जो कुछ तन्नै कठ्ठा
करया सै, वो किसका होगा?
21 "इस्से तरियां वो माणस भी सै, जो अपणे खात्तर धन कठ्ठा करै सै, पर परमेसवर की निगांह
म्ह साहूकार कोनी।"

[illegible]
22 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, "इस करकै मै थमनै कहूँ सूं, अपणे जीवन के खात्तर या
चिंता ना करो के हम के खावांगें, ना अपणी देह की के, के पैहरागें। 23 क्यूँके जीवन खाणे तै बढ़कै सै,

अर देह लत्यां तै बढ़कै सै। 24 कागगां* पै ध्यान द्यो, वे ना बोवै सै, ना काटै सै, अर ना उनके भण्डार
अर गोदाम होवै सै, फेरभी परमेसवर उननै पाळै सै। थारी किम्मत पंछियाँ तै बाध सै।" 25 थारे म्ह
तै इसा कौण सै, जो चिंता करण तै अपणी उम्र का एक पल भी बढ़ा सकै सै? 26 इस करकै जै थम
अपणी जिन्दगी म्ह छोट्टे-छोट्टे काम भी न्ही कर सकदे, तो जिन्दगी की बड़ी-बड़ी बात्तां खात्तर
क्यातै फिक्र करो सो?

27 "जंगळी फूल्लां पै ध्यान करो, के वे किस तरियां बढ़ै सै, वे मेहनत करकै अपणे खात्तर लत्तें
कोनी बणाते। तोभी मै थारे तै कहूँ सूं, के राजा सुलैमान भी, अपणे सारे शानों-शोकत म्ह, उन म्ह
तै, किसे के समान लत्ते पैहरे होए कोनी था। 28 इस करकै जै परमेसवर मैदान की घास नै, जो आज
सै अर काल बाड़ म्ह झोक्की जावैगी, इसे लत्तें पहरावै सै, तो हे बिश्वास म्ह कमजोर माणसों, वो
थारी चिन्ता क्यूँ न्ही करैगा? 29 अर थम इस बात की टोह् म्ह ना रहो के, के खावांगें अर के पीवागें,
अर शक ना करो। 30 क्यूँके परमेसवर ताहीं ना जाणण आळे लोग, इन सारी चिज्जां की टोह् म्ह
रहवै सै: पर थारा सुर्गीय पिता जाणै सै, के थमनै इन चिज्जां की जरूरत सै। 31 पर परमेसवर कै
राज्य की खोज करो तो ये चीज भी थमनै मिल ज्यागीं।"

[illegible]

32 "हे छोट्टे टोळ, मतना डरै, क्यूँके थारे सुर्गीय पिता नै न्यू भाया सै, के थमनै अपणा राज्य
देवै। 33 अपणा धन बेचकै दान कर द्यो, अर अपणे खात्तर इसे बटुए बणाओ, जो पुराणे कोनी होन्दे,
यानिके परमेसवर नै खुश करण आळे भले काम करकै सुर्ग म्ह इसा धन कठ्ठा करो जो खतम कोनी
होन्दा, अर जिसकै धोरै चोर कोनी जान्दा, अर कीड़ा कोनी बिगाड़दा। 34 क्यूँके जड़ै थारा धन सै,
उड़ै थारा मन भी लाग्या रहवैगा।"

[illegible]

35 "हमेशा परमेसवर के काम्मां खात्तर तैयार रहों, अर थम प्रभु के आण खात्तर, दीवे जळा कै
तैयार रहों, 36 अर थम उन माणसां कै बरगे बणो, जो अपणे माल्लिक की बाट देखते रहवै सै, के
वो ब्याह तै कद बोहड़ैगा, ताके जिब आकै दरबाजा खटखटावै, तो जिब्बे उसकै खात्तर खोल द्यो।
37 धन्य सै वे नौक्कर जो माल्लिक के बोहड़ण की बाट देखते होए तैयार रहवै सै, मै थमनै साच्ची
कहूँ सूं, के माल्लिक भी खुद एक नौक्कर की तरियां उन ताहीं खाणा खुआण खात्तर बिठावैगा, अर
खुद उनकी सेवा-पाणी करैगा। 38 जै वो आध्धी रात नै या उसकै बाद आकै उन ताहीं तैयार पावै, तो
वे नौक्कर धन्य सै। 39 पर न्यू जाण ल्यो, के जै घर का माल्लिक नै बेरा हो, के चोर ठीक किस घड़ी
आवैगा तो वो तैयार रहन्दा, अर अपणे घर म्ह चोरी न्ही होण देन्दा। 40 थम भी मेरे बोहड़ के आण
खात्तर तैयार रहो, क्यूँके जिस घड़ी कै बारै म्ह थम सोचदे भी कोनी, उस्से घड़ी मै माणस का बेट्टा
सुर्ग तै आ जाऊँगा।"

[illegible]

41 फेर पतरस बोल्या, "हे प्रभु, के यो उदाहरण तन्नै म्हारै खात्तर दिया से या सारया खात्तर
दिया सै।"
42 प्रभु नै जवाब दिया, "वो बिश्वास जोग्गा अर अकलमंद भण्डारी कौण सै, जिसका माल्लिक
उस ताहीं नौक्कर-चाकरां पै सरदार ठैहरावै, के उननै बखत पै खाणा देवै।" 43 धन्य सै वो नौक्कर,
जिस ताहीं उसका माल्लिक आकै इसाए करदा पावै। 44 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं, वो उस ताहीं अपणी
सारी धन-सम्पत्ति का माल्लिक बणावैगा। 45 पर जै वो नौक्कर सोच्चण लाग्गै के मेरा माल्लिक
आण म्ह वार कर रह्या सै, उसके साथ के नौक्कर नौकराणियाँ ताहीं मारण लागज्या अर खाण-पीण
अर दारूबाज होण लाग्गे। 46 तो उस नौक्कर का माल्लिक इसे दिन आवैगा, जिब वो उसकी बाट
देख्दा ना हो, अर इसे बखत म्ह आवैगा जिसका उसनै ना बेरा हो, अर उसनै भारी सजा देकै उसकी
गिणती बिश्वास लायक माणसां म्ह कोनी करी जावैगी।

* 12:24 12:24 कौवों

47 वो नौक्कर घणा छितैगा, जो अपणे माल्लिक की मर्जी जाणै था, अर तैयार न्ही रह्या अर
ना उसकी मर्जी के मुताबिक चाल्या। 48 पर हरेक वो नौक्कर जो अपणे माल्लिक की मर्जी नै कोनी
जाणै, फेर इसा काम करै सै जो मार खाण के लायक सै, वो कम छितैगा। इस करकै जिस ताहीं
घणा दिया गया सै, उसतै घणा माँगया जावैगा, अर जिस ताहीं घणा सौप्या सै, उसतै घणा लिया
जावैगा।

[illegible]

49 "मै धरती पै आग लाण नै आया सूं, अर कितना आच्छा होन्दा, के या इस्से बखत सुलग
जान्दी! 50 मन्नै तो एक बड़ी भारी बिप्दा का बपतिस्मा लेणा सै, अर जिब ताहीं वो ना हो ले जद
ताहीं मै इस्से बिप्दा म्ह रहूँगा! 51 के थम समझो सो के मै धरती पै मिलाप करवाण आया सूं? मै
थमनै कहूँ सूं, ना, बल्के न्यारे करण आया सूं। 52 क्यूँके इब तै एक घर म्ह पाँच माणस आप्पस म्ह
बिरोध राक्खैगें, तीन जन जो मेरे पै बिश्वास न्ही करते, वो उन दो जन का बिरोध्द करैगें जो मेरे पै
बिश्वास राक्खै सै। 53 पिता बेट्टे तै, अर बेट्टा बाप तै बिरोध राक्खैगा, माँ बेट्टी तै, अर बेट्टी
माँ तै, सास्सू बहू तै, अर बहू सास्सू तै बिरोध राक्खैगी।"

[illegible]

54 यीशु नै भीड़ तै कह्या, "जिब थम बाद्दळ नै पश्चिम† तै उठदे देक्खो सो, तो जिब्बे कहो सो के
मिह आवैगा, अर न्यूए होवै सै, 55 अर जिब दक्षिणी हवा‡ चाल्दी देक्खो सो, तो कहो सो के बड़ी
गर्मी पड़ैगी, अर न्यूए हो सै। 56 हे कपटियों! थम धरती अर अकास कै रूप-रंग म्ह भेद जाण सको
सो, पर परमेसवर जो इस युग म्ह करण लागरया सै उसका भेद क्यातै न्ही जाणदे?

[illegible]

57 "थम खुद फैसला क्यातै कोनी कर लेंदे के ठीक सै?" 58 जिब तू अपणे बैरी कै गेल्या हाकिम कै
धोरै जावै सै, तो राही म्ह उसतै छुटण की कोशिश करले, इसा ना हो के वो तन्नै न्यायाधीश कै धोरै
घसीट कै ले जावै, अर न्यायाधीश तन्नै सिपाही के हवालै करदे अर सिपाही तन्नै जेळ म्ह गेर दे।
59 मै तेरे तै कहूँ सूं के जिब ताहीं तू पाई-पाई न्ही भर देवैगा, तब तक जेळ तै छुटण न्ही पावैगा।

13

[illegible]

1 उस बखत कुछ माणस आण पोहचे, अर यीशु तै उन गलीली माणसां का जिक्र करण लाग्गे,
जिन ताहीं पिलातुस नै मन्दर म्ह बलिदान करते बखत मार दिया था, अर उनका ए लहू बलिदान की
भेट तै मिला दिया था। 2 न्यू सुणकै उसनै उनतै जवाब म्ह कह्या, "के थम समझो सो के ये गलीली
माणस और बाकी सारे गलीलवासियाँ तै घणे पापी थे के उनपै इसी बिप्दा आण पड़ी? 3 मै थमनै कहूँ
सूं के ना, पर जै थम पाप करणा न्ही छोड़ोगे तो थम भी इस्से तरियां नाश होओगे। 4 अर थम के
सोच्चों सों, के उन अठारह माणसां के बारें म्ह जिनपै शीलोह का गुम्मट पड्या, अर वे दब कै मरगे:
यरुशलेम के दुसरे सारे बासिन्दयां तै घणे अपराधी थे? 5 मै थमनै कहूँ सूं, के जै थम पाप करणा न्ही
छोड़ोगे तो थम भी इस्से तरियां नाश होओगे।"

[illegible]

6 फेर यीशु नै यो उदाहरण भी देकै कह्या, "किसे अंगूर के बाग म्ह अंजीर का दरखत लागरया
था। वो उस म्ह फळ टोह्ण आया, पर कोनी मिल्या। 7 फेर उसनै बाग कै रुखाळै तै कह्या, लखा, तीन
साल तै म्ह इस अंजीर कै दरखत पै फळ टोह्ण आऊँ सूं, पर कोनी पान्दा। इसनै काट बगा के यो
धरती नै भी क्यूँ रुंधै।"
8 उसनै उसतै जवाब दिया, "हे माल्लिक, इस साल और रहण दे के मै इसकै चौगरदेकै माट्टी
खोदकै खाद गेरू। 9 जै आगले साल इसकै फळ आ ग्या तो ठीक, न्ही तो इसनै कटवा दियो।"

† **12:54** 12:54 पश्चिम-भूमध्यसागर तै उठण आळा बादल ‡ **12:55** 12:55 दक्षिणी हवा-रेगिस्तान तै आन्दी हवा

[illegible]

10 आराम कै दिन यीशु एक आराधनालय म्ह उपदेश देवै था। 11 उड़ै एक बिरबान्नी थी जिसम्ह
अठारह साल तै एक कमजोर करण आळी ओपरी आत्मा थी, अर वा कुबड़ी होगी थी अर किसे
तरियां भी सीध्धी कोनी हो सकै थी। 12 यीशु नै उस ताहीं देखकै बुलाया अर कह्या, "हे नारी, तू
अपणे इस रोग तै मुक्त होगी सै।" 13 फेर उसनै उसपै हाथ धरया, अर वा जिब्बे सीध्धी होगी अर
परमेसवर की बड़ाई करण लाग्गी।

14 इस करकै के यीशु नै आराम कै दिन उस ताहीं ठीक करया था, आराधनालय का सरदार चिड़ कै
माणसां तै कहण लाग्या, "काम करण के छः दिन सै, उन ए दिनां म्ह आकै अपणे रोग ठीक कराओ,
पर आराम कै दिन न्ही।"

15 न्यू सुणकै प्रभु यीशु नै जवाब दिया, "हे कपटियों, के आराम कै दिन थारे म्ह तै हरेक अपणे
बळध या गधे नै थान म्ह तै खोल कै पाणी पियाण कोनी ले जान्दा? 16 तो के या बिरबान्नी जो
अब्राहम की पीढ़ी सै, जिस ताहीं शैतान नै अठारह साल तै जुड़ राख्या था, के इस ताहीं आराम कै
दिन इसके बन्धन तै मुक्त करणा न्ही चाहिये था?"

17 जिब यीशु नै ये बात कही, तो उसके सारे बिरोधी शर्मिन्दा होगे, अर साब्ती भीड़ उन महान्
काम्मां तै जो वो करै था, राज्जी होई।

[illegible]

18 फेर यीशु नै कह्या, "परमेसवर का राज्य किस जिसा सै? अर मै उसका उदाहरण किसतै द्यु?
19 वो राई कै दाणै की ढाळ सै, जिस ताहीं किसे माणस नै लेकै अपणे बाग म्ह बोया: अर वो बढ़कै
दरखत बणग्या, अर अकास के पंछियाँ नै उसकी डाळियाँ पै बसेरा करया।"

[illegible]

20 यीशु नै दुबारै कह्या, "मै परमेसवर के राज्य का उदाहरण किसतै द्यु? 21 वो खमीर की ढाळ
सै, जिस ताहीं किसे बिरबान्नी नै लेकै तीन पसेरी (पन्द्रह किलो) चून म्ह रळाया, अर होन्दे-होन्दे
सारा चून खमीर बणग्या।"

[illegible]

22 यीशु अर उसके चेल्लें नगर-नगर, अर गाम-गाम होकै उपदेश देन्दे होए यरुशलेम नगर की
ओड़ जावै थे, 23 तो किसे नै उसतै बुझ्झया, "हे प्रभु, के थोड़े ए माणसां का उद्धार होगा?" यीशु
नै उनतै कह्या, 24 "भीड़ै दरबाजे तै बड़ण की कोशिश करो, क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं के घणखरे उस म्ह
बड़णा चाहवैगें, अर कोनी बड़ सकैगें। 25 क्यूँके परमेसवर जो घर का माल्लिक सै उठकै दरबाजा
भेड़ देगा, अर थम बाहरणै खड़े होए खटखटाकै कहण लागो, हे प्रभु, म्हारै खात्तर दरबाजा खोल
दे, अर वो जवाब देवै, मै थमनै कोनी जाण्दा, थम कित्त के सो?"

26 फेर थम कहण लागोगे, हमनै तेरे स्याम्ही खाया-पिया अर तन्नै म्हारे बजारां म्ह उपदेश दिया।

27 पर वो कहवैगा, मै थमनै कहूँ चुक्या सूं, मै कोनी जाण्दा, थम कित्त के सो। हे भुन्डे काम करण
आळो, थम सारे मेरै तै दूर रहो।

28 जिब अब्राहम अर इसहाक अर याकूब अर सारे नबियाँ ताहीं परमेसवर राज्य म्ह बेठ्ठे, अर
खुद नै बाहरणै लिकाड़े होए देक्खोगे, "उड़ै रोणा अर दाँत पिसणा होगा। 29 पूरी दुनिया के माणस
आकै परमेसवर कै राज्य के भोज म्ह शामिल होवैंगे। 30 अर सच्चाई या सै के जो पाच्छले सै वे
पैहले होंगे, अर जो पैहले सै वे पाच्छले होंगे।"

[illegible]

31 उस्से बखत कुछ फरीसियाँ नै आकै यीशु तै कह्या, "उरै तै लिकड़ज्या, क्यूँके हेरोदेस तन्नै मार
देणा चाहवै सै।"

32 यीशु नै उनतै कह्या, “जाकै उस लोमड़ी* तै कह द्यो के लखा, मै आज अर काल ओपरी
आत्मायाँ नै काढ्ढू सूं अर बिमारां नै ठीक करुँ सूं, अर तीसरे दिन अपणा काम पूरा करुँगा। 33 फेर
भी यो जरूरी सै के मै आज, काल अर परसो सफर करुँ, क्यूँके हो न्ही सकदा के कोए नबी यरुशलेम
नगर के बाहरणै मारया जावै।

[illegible]

34 “हे यरुशलेम के माणसों! हे यरुशलेम के माणसों! तन्नै भोत-से नबियाँ ताहीं मारया सै, जो
भोत पैहले रहवै थे, अर उन माणसां ताहीं भी पत्थरां तै मार दिया जिन ताहीं थारे धोरै भेज्जे थे।
कितनी ए बर मन्नै न्यू चाह्या के जिस ढाळ मुर्गी अपणे बच्चां नै अपणे पाक्खां तळै कठ्ठे करै सै,
उस्से तरियां ए मै भी तेरे बाळकां नै कठ्ठा करुँ, पर थमनै न्यू न्ही चाह्या। 35 देक्खो, थारा घर थारे
खात्तर उजाड़ छोडया जावै सै, मै थमनै कहूँ सूं: जिब ताहीं थम न्ही कहोगे, ‘धन्य सै वो, जो प्रभु
कै नाम तै आवै सै,’ ‘जद ताहीं थम मन्नै दुबारै कदे न्ही देक्खोगे।’ ”

14

[illegible]

1 एक खास मौक्कै पै जिब मसीह आराम कै दिन फरीसियाँ के सरदारां म्ह तै किसे कै घरां रोट्टी
खाण नै गया, अर वे सारे उननै घणी उत्सुकता तै देखण लागरे थे। 2 उड़ै एक माणस था, जिसम्ह
जलोदर* की बीमारी थी। 3 इसपै यीशु नै शास्त्रियाँ अर फरीसियाँ तै कह्या, “के नियम-कायदा के
मुताबिक आराम कै दिन आच्छा करणा ठीक सै या न्ही?” 4 पर वे बोल-बाल्ले रहे। फेर यीशु नै
उस रोगी पै हाथ धरकै उस ताहीं ठीक करकै, उस ताहीं बिदा कर दिया। 5 अर उनतै कह्या, “थारे म्ह
तै इसा कौण सै, के जै थारा बेट्टा या बळध कुएँ म्ह आराम कै दिन पड़ज्या अर वो उसनै जिब्बे
बाहरणै कोनी लिकड़ै?” 6 वे इन बात्तां का कुछ जवाब कोनी दे पाए।

[illegible]

7 जिब यीशु नै देख्या के न्योंदे होए माणस किस तरियां खास-खास जगहां छाँट लेवैं सै तो एक
उदाहरण देकै कह्या, 8 “जिब कोए तन्नै ब्याह म्ह बुलावै, तो खास माणसां की जगहां पै न्ही बैठणा,
कदे इसा ना हो के उसनै तेरे तै भी बड़े ताहीं न्योंद राख्या हो, 9 अर जिसनै तेरे ताहीं अर उस ताहीं
दोनुआ ताहीं न्योंदा दिया सै, आकै कहवै, ‘इसनै जगहां दे,’ अर फेर तन्नै शर्मिन्दा होकै सारया तै
पाच्छै बैठणा पड़ै। 10 पर जिब तू न्योंदा जावै तो सारया तै पाच्छली जगहां बैठ के जिब वो, जिसनै
तेरे ताहीं न्योंदा सै आवै, तन्नै कहवै, ‘हे दोस्त, आग्गै बढ़कै बैठ,’ फेर तेरे गेल्या बैठण आळा के
स्याम्ही तेरी बड़ाई होवैगी। 11 क्यूँके जो कोए अपणे-आपनै बड्ड़ा बणावैगा, वो छोट्टा करया
जावैगा, अर जो कोए अपणे-आपनै छोट्टा बणावैगा, वो बड्ड़ा करया जावैगा।”
12 फेर यीशु नै फिरीसी तै जिसनै उसका न्योंदा दिया था उसतै कह्या, “जिब तू दिन का या रात
का भोज करै, तो अपणे साथियाँ या भाईयाँ या कुण्बे या साहूकार पड़ोसियाँ नै ना न्योंद, कदे इसा
ना हो के वे भी तन्नै न्योंदा देवै, अर तेरा बदला हो जावै। 13 पर जिब तू भोज करै तो कंगाल, टुंडे,
लंगड़े अर आंध्याँ नै न्योंद। 14 तब तू धन्य होवैगा, क्यूँके उन माणसां कै धोरै बदले म्ह देण खात्तर
कुछ कोनी, परमेसवर तन्नै उस काम का बदला धर्मियाँ कै जिन्दा होण के बाद देवैगा।”

[illegible]

15 यीशु कै गेल्या खाणा खाण आळा म्ह तै एक नै ये बात सुणकै उसतै कह्या, “धन्य सै वो जो
परमेसवर के राज्य म्ह भोज खावैगा।”
16 यीशु नै उसतै कह्या, “किसे माणस नै बड्ड़ा भोज करया अर घणा ताहीं न्योंदा। 17 जिब खाणा
त्यार होग्या तो उसनै अपणे नौक्कर कै हाथ न्योंदे होए माणसां ताहीं कहवां भेज्या, ‘आओ, इब

---

* **13:32** 13:32 लोमड़ी चलाक होवै सै इस करकै यीशु नै हरोदेस ताहीं लोमड़ी कह्या सै

* **14:2** 14:2 (जलोदर एक इसा रोग सै जिस म्ह रोगी के हाथ-पाँ सूज जावै सै)

खाणा त्यार सै।' " 18 "पर वे सारे के सारे माफी माँगण लाग्गे। पैहल्ड़े नै उसतै कह्या, 'मन्नै खेत
मोल लिया सै, अर जरूरी सै के उसनै देक्खूँ, मै तेरे तै बिनती करुँ सूं मन्नै माफ करदे।' "
19 दुसरे नै कह्या, "मन्नै पाँच जोड़े बळध मोल लिए सै, उननै परखण जाऊँ सूं, मै तेरे तै बिनती
करुँ सूं, मन्नै माफ करदे।"
20 एक और नै कह्या, "मन्नै ब्याह करया सै, इस करकै मै न्ही आ सकदा।"
21 उस नौक्कर नै आकै अपणे माल्लिक ताहीं ये बात कह सुणाई। फेर घर कै माल्लिक नै खुन्दक
म्ह आकै, अपणे नौक्कर तै कह्या, "नगर के बजारां अर गळियाँ म्ह इब्बे जाकै कन्गालाँ नै, टुंडयां
नै, लंगडयां नै, अर आंध्याँ नै उरै लेकै आओ।"
22 नौक्कर नै दुबारै कह्या, "हे माल्लिक, जिस ढाळ तन्नै कह्या था, उस्से तरियां ए करया गया
सै, अर फेर भी जगहां सै।"
23 माल्लिक नै नौक्कर तै कह्या, "सड़कां पै अर बाड़या की कान्ही जा अर माणसां नै मजबूर
करकै लिया ताके मेरा घर भरज्या। 24 क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं के उन पैहले बुलाए होड़ माणसां म्ह तै
कोए मेरै खाणे नै कोनी चाखैगा।"

[illegible]

25 जिब बड्डी भीड़ यीशु कै गेल्या जावै थी, तो उसनै बोहड़कै उनतै कह्या, 26 जै कोए मेरा
चेल्ला बणणा चाहवै सै, अर अपणे माँ-बाप अर घरआळी अर बाळकां नै अर भाईयाँ नै अर भाणां
नै बल्के अपणे जीवन नै भी मेरे तै ज्यादा प्यार करै सै, तो वो मेरा चेल्ला न्ही हो सकदा। 27 अर जो
कोए अपणे दुखां का क्रूस ना ठावै, अर मेरै पाच्छै न्ही आवै, वो भी मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा।
28 उदाहरण के तौर पै "थारे म्ह तै कौण सै जो घर बणाणा चाहन्दा हो, अर पैहल्या बैठकै खर्चा
न्ही फैळावै के पूरा करण की गुंजास मेरै धोरै सै के न्ही? 29 जै वो आस ना होया करदा हो, तो जिब
वो नीम धर ले पर काम पूरा ना कर पावै, तो सारे देक्खण आळे न्यू कहकै उसका मखौल उड़ावैंगे,
30 'के यो माणस बणाण तो लाग्या पर पूरा कोनी कर पाया?' "
31 या कौण इसा राजा सै जो दुसरे राजा तै युध्द करण जान्दा हो, अर जो विचार करले के जो
बीस हजार सैनिक लेकै मेरै पै चढ़या आवै सै, के मै दस हजार सैनिक लेकै उसका सामना कर सकूँ सूं
के न्ही? 32 न्ही तो उसके दूर रहन्दे होए वो दूत्तां नै भेजकै उसतै मिलाप करणा चाहवैगा। 33 इस्से
ढाळ थारे म्ह तै कोए अपणा सारा कुछ त्याग न्ही देवै, वो मेरा चेल्ला कोनी हो सकदा।

[illegible]

34 "नूण[†] तो बढ़िया सै, पर जै नूण का सुवाद जान्दा रहवै, तो वो किस चीज तै नमकीन करया
जावैगा। 35 वो ना तो धरती कै अर ना खाद कै खात्तर काम म्ह आवै सै: उसनै तो माणस बाहरणै
बगा देवै सै। जिसके कान हों वो ध्यान तै सुण ले।"

15

[illegible]

1 सारे चुंगी लेण आळे अर पापी माणस, यीशु कै धोरै आया करै थे ताके उसकी सुणै। 2 पर फरीसी
अर शास्त्री बरड़ाकै कहण लाग्गे, "यो तो पापियाँ तै मिलै सै अर उनकै गेल्या खावै भी सै।" 3 फेर
उसनै उनतै यो उदाहरण कह्या 4 "थारे म्ह तै कौण सै जिसकी सौ भेड़ हों, अर उन म्ह तै एक खुज्या,
तो निन्यानमै नै बण म्ह छोड़कै, उस खुई होड़ नै जिब ताहीं पा न्ही लेन्दी टोहन्दा ना रहवैं? 5 अर
जिब पा ज्या सै, फेर वो घणा राज्जी होकै उस ताहीं कंधे पै ठा लेवै सै, 6 अर अपणे घरां आकै
साथियाँ अर पड़ोसियाँ नै कठ्ठा करकै कहवै सै, 'मेरै गेल्या खुशी मनाओ, क्यूँके मेरी खुई होड़ भेड़
पागी सै।' 7 मै थमनै कहूँ सूं, के इस्से तरियां तै पापां नै छोड़ण आळे एक पापी खात्तर उन निन्यानबे

† **14:34** 14:34 नमक-यीशु के चेल्यां के बारें म्ह बताया गया सै

धर्मियाँ की तुलना म्ह सुर्ग म्ह इसतै भी घणा आनन्द मनाया जावै सै, जिननै पापां की माफी माँगण
की जरूरत कोनी।”

[illegible]

8 यीशु नै एक और उदाहरण दिया “के कौण इसी बिरबान्नी होगी जिसकै धोरै दस सिक्के हों, अर
उन म्ह तै एक खुज्या, तो वा दीवा बाळ कै अर घर झाड़-बुहारकै, जिब ताहीं पा न्ही जावै जी लाकै
टोह्न्दी ना रहवैं? 9 अर जिब पा ज्या सै, तो वा अपणी सहेलियाँ अर पड़ोसणां नै कठ्ठा करकै कहवै
सै, ‘मेरै गेल्या खुशी मनाओ, क्यूँके मेरा खुया होया सिक्का पाग्या सै।’ 10 मै थमनै कहूँ सूं के इस्से
ढाळ जिब कोए माणस अपणे पापां नै छोड़कै परमेसवर की राह पै चाल्लणा शरु करै सै तो उसके
खात्तर भी, परमेसवर के सुर्गदूत्तां कै स्याम्ही उतणा ए आनन्द मनाया जावै सै।”

[illegible]

11 फेर यीशु नै एक और उदाहरण देकै कह्या, “किसे माणस के दो बेट्टे थे। 12 उन म्ह तै छोट्ळै नै
पिता तै कह्या, हे पिता, सम्पत्ति म्ह तै जो मेरा बांडै आवै सै वो मन्नै इब्बे दे द्यो। इस करकै पिता नै
उन ताहीं अपणी सम्पत्ति का बंडवारा कर दिया। 13 घणे दिन कोनी बीते थे के छोट्टा बेट्टा सारा
कुछ कठ्ठा करकै दूर देश म्ह चल्या गया, अर उड़ै बुरे काम्मां म्ह अपणा धन उड़ा दिया। 14 जिब
वो सारा कुछ खर्च कर ग्या, तो उस देश म्ह भारया अकाळ पड्या, अर वो कंगाल होग्या, अर उसकै
धोरै खाण नै कुछ भी न्ही रह्या। 15 इस करकै वो उस देश के बाशिंद्यां म्ह तै एक कै धोरै काम करण
खात्तर, अर उसनै उस ताहीं अपणे खेत्तां म्ह सूअर चराण खात्तर भेज्या। 16 वो भोत भूक्खा था अर
वो चाहवै था के उन फळियाँ म्ह तै जिन नै सूअर खावै थे, अपणा पेट भरै, अर उस ताहीं कोए कुछ
कोनी देवै था। 17 जिब छोट्टे बेट्टे के होश ठिकाणै आये अर अपणे-आप तै कहण लाग्या, मेरै पिता
कै धोरै इसे भोत मजदूर सै जिनकै खाणा खाण कै बाद भी घणाए बच जावै सै, पर मै उरै भूक्खा मरण
लाग रह्या सूं। 18 इस करकै मै इब उठकै अपणे पिता धोरै जाऊँगा अर उसतै कहूँगा के पिता जी,
मन्नै परमेसवर जो सुर्ग म्ह सै, उसके अर तेरे बिरोध म्ह पाप करया सै। 19 इब इस जोग्गा कोनी
रह्या के तेरा बेट्टा कुह्वाऊँ, मन्नै अपणे एक मजदूर की ढाळ राख ले।”
20 “पर वो उस देश नै छोड़ के अपणे बाप कै घर की ओड़ चाल्या, वो इब्बे कुछ ए दूर था के
उसकै बाप नै उस ताहीं देख्या उसपै तरस आया, अर भाजकै अपणे बेट्टे ताहीं छात्ती कै लगाकै,
उस ताहीं चुम्ता रह्या। 21 बेट्टे नै उसतै कह्या, पिता जी, मन्नै परमेसवर जो सुर्ग म्ह सै, उसके अर
तेरे बिरोध म्ह पाप करया सै, अर इब इस जोग्गा कोनी रह्या के तेरा बेट्टा कुह्वाऊँ। 22 पर बाप नै
अपणे नौकरां तै कह्या, ‘ताव्ळ करकै सुथरे-सुथरे लत्ते लिकाड़कै उसनै पिहराओ, अर उसकै हात्थां
म्ह गुठ्ठी, अर पायां म्ह जूत्ती पहराओ, 23 अर बढ़िया भोज तैयार करो ताके हम खावां अर खुशी
मनावां। 24 क्यूँके मेरा यो बेट्टा मरग्या था, दुबारै जीग्या सै: खुग्या था अर इब पाग्या सै।’ अर वे
खुशी मनाण लाग्गे। 25 पर उसका जेट्ठा बेट्टा खेत म्ह काम करण लागरया था। जिब वो आन्दे
होए घर कै धोरै पोंहच्या, तो उसनै गाण-बजाण अर नाचण का बोल सुण्या। 26 आखर म्ह उसनै एक
नौक्कर बुलाकै बुझ्झया, यो के होण लाग रह्या सै? 27 उसनै उस ताहीं कह्या, तेरा भाई बोहड़ आया
सै, अर तेरे बाप नै बढ़िया भोज तैयार करवाया सै, इस करकै के वो ठीक-ठाक घरा आ ग्या सै। 28 न्यू
सुणकै वो छो तै भरग्या अर भीत्तर जाणा कोनी चाह्या, पर उसका बाप बाहरणै आकै उसनै मनाण
लाग्या। 29 उसनै बाप तै कह्या, ‘देख, मै इतने साल तै तेरी सेवा-पाणी कर रह्या सूं, अर कदे भी
तेरा हुकम कोनी टाळया, फेरभी तन्नै मेरै ताहीं कदे भी कोए बढ़िया चीज कोनी दी, ताके मै अपणे
साथियाँ गेल्या आनन्द कर सकूँ। 30 पर जिब तेरा यो बेट्टा आया, जिसनै तेरी सम्पत्ति अयाशियाँ
म्ह उड़ा दी सै, तो उसकै खात्तर तन्नै बढ़िया भोज तैयार करया।’ 31 उसकै बाप नै उसतै कह्या, मेरे
बेट्टे, तू सारी हाण मेरै गेल्या सै, अर जो कुछ मेरा सै वो सारा तेराए सै। 32 पर इब आनन्द अर
मगन होणा चाहिये क्यूँके यो तेरा भाई जो मरे होए माणसां की तरियां था दुबारा जी ग्या सै, खुग्या
था, इब पाग्या सै।”

16

[illegible]

1 फेर यीशु नै चेल्यां ताहीं एक और उदाहरण देकै कह्या, “किसे साहूकार का एक भण्डारी था,
अर लोग्गां नै उसकै स्याम्ही उसपै यो इल्जाम लाया के वो तेरा सारा धन उड़ा देवै सै। 2 आखर म्ह
उसनै अपणे भण्डारी ताहीं बुलाकै कह्या, ‘यो के सै मै तेरे बाबत के सुणु सूं?’ अपणे भण्डारीपण का
हिसाब दे, क्यूँके तू आग्गै तै भण्डारी कोनी रह सकदा।”
3 फेर भण्डारी सोच्चण लाग्या, इब मै के करुँ? क्यूँके मेरा माल्लिक इब भण्डारी का काम मेरै तै
खोस्सै सै। माट्टी खोदण का काम मेरै तै होवै कोनी, अर भीख माँगदे होए मन्नै शर्म आवैगी। 4 मै
जाण ग्या के मै के करुँ, ताके मै जिब भण्डारी कै काम तै हटाया जाऊँ तो माणस मन्नै अपणे घरां म्ह
ले लेवै।
5 फेर उसनै अपणे माल्लिक के देणदारां ताहीं एक-एक करकै बुलाया अर पैहल्या तै बुझ्झया,
“तेरे उप्पर मेरै माल्लिक का कितना कर्जा सै?”
6 उसनै कह्या, “सौ मण* तेल,” फेर उसनै उसतै कह्या, “अपणा खात्ता अर बही ले अर बैठकै
तावळा पचास लिख दे।”
7 फेर उसनै दुसरे तै बुझ्झया, “तेरे पै कितना कर्जा सै?” दुसरे नै कह्या, सौ मण† गेहूँ, फेर उसनै
उसतै कह्या, “अपणा खात्ता अर बही लेकै अर बैठकै अस्सी लिख दे।”
8 माल्लिक नै उस अधर्मी भण्डारी ताहीं सराहया के उसनै कितनी चतुराई तै काम करया सै।
क्यूँके इस दुनिया के माणस अपणे बखत के माणसां के गेल्या व्यवहार म्ह चाँदणे के माणसां‡ तै घणे
चलाक सै। 9 अर मै थमनै कहूँ सूं के दुनिया की धन-दौलत तै भले काम करकै अपणे खात्तर साथी
बणा ल्यो, ताके जिब वो धन दौलत न्ही रहवैं तो अनन्त काल के घर म्ह थारे स्वागत हो।
10 वे लोग जो थोड़े-तै भी थोड़े म्ह भी बिश्वास जोग्गे सै, वे घणे म्ह भी बिश्वास जोग्गे होंगे,
जो थोड़े-तै भी थोड़े म्ह बेईमान सै, वो घणा म्ह भी बेईमान होंगे। 11 इस करकै जिब थम संसारिक
धन म्ह बिश्वास जोग्गा न्ही ठहरे, तो साच्चा धन थमनै कौण देवैगा? 12 अर जै थम संसारिक
धन-दौलत न इस्तमाल करण म्ह भरोस्सेमंद न्ही ठहरे, तो परमेसवर थमनै सुर्गीय धन क्यूँ देवैगा?
13 “कोए नौक्कर दो मालिकां की सेवा एक बखत पै न्ही कर सकदा, क्यूँके वो एक तै बैर अर दुसरे
तै प्यार राक्खैगा, या एक तै मिल्या रहवैगा अर दुसरे नै छोट्टा जाणैगा। थम परमेसवर अर धन
दोनुआ की सेवा न्ही कर सकदे।”

[illegible]

14 फरीसी जो लोभ्भी थे, ये सारी बात सुणकै, मखौल करण लाग्गे। 15 यीशु नै उनतै कह्या, “थम
तो माणसां कै स्याम्ही खुद नै धर्मी ठहराओ सो, पर परमेसवर थारे मन नै जाणै सै, क्यूँके जो चीज
माणसां की निगांह म्ह महान् सै, वा परमेसवर कै लोवै घृणित सै।”
16 जब तक यूहन्ना आया, जिब ताहीं मूसा के नियम-कायदे अर नबी का प्रभाव माणसां पै रह्या।
उस बखत तै परमेसवर के राज्य का सुसमाचार सुणाया जाण लागरया सै, अर हरेक उस म्ह तेज्जी तै
इसकी ओड़ खिचे आण लागरे सै। 17 अकास अर धरती का टळ जाणा आसान सै, पर नियम-कायदा
की हर छोट्टी बात भी पूरी होकै रहवैगी।
18 उदाहरण के तौर पै “जो कोए अपणी घरआळी नै छोड़कै दुसरी तै ब्याह करै सै, वो जारी करै
सै, अर जो कोए इसी छोड्डी होई बिरबान्नी तै ब्याह करै सै, वो भी जारी करै सै।”

[illegible]

19 फेर यीशु नै कह्या, “एक साहूकार माणस था जो बैंजनी अर मलमल के महँगे लत्ते पहरदा अर
हरेक दिन ऐसो-आराम तै अर मौज तै रहवैं था। 20 लाजर नाम का एक कंगाल जिसकै घा: होरे थे

---

* 16:6 16:6 3700 लिटर † 16:7 16:7 4000 किलो ‡ 16:8 16:8 चाँदणे के माणस-बिश्वासी माणसां नै कहवै सै

उसकी देहळी पै छोड़ दिया जावै था। 21 अर वो चाहवै था, के साहूकार के मेज की जूठण तै अपणा
पेट भरै, उरै ताहीं के कुत्ते भी आकै उसके घा: नै चाटग्या करै थे।"
22 इसा होया के वो कंगाल मरग्या, अर सुर्गदूत्तां नै उस ताहीं लेकै अब्राहम की गोद म्ह
पोंहच्या। वो साहूकार भी मारया अर गाड्या गया, 23 साहूकार नरक म्ह गेरया गया, अर नरक
की ताड़ना तै दर्द म्ह पड़े होए अपणी निगांह ठाई, दूर तै ए अब्राहम के साथ लाजर ताहीं देख्या।
24 फेर उसनै रुक्का मारकै कह्या, हे पिता अब्राहम, मेरै पै दया करकै लाजर नै भेजदे, ताके वो
अपणी आन्गळी का कुणा पाणी म्ह डबोकै मेरी जीभ नै शीळी करै, क्यूँके मै इस आग तै तड़फूं सूं।
25 "पर अब्राहम बोल्या, 'हे बेट्टे, याद कर, के तन्नै अपणी जिन्दगी म्ह बढ़िया तै बढ़िया चीज
ले ली सै', अर उस्से तरियां लाजर नै तुच्छ चीज, पर इब वो उरै सुख अर शान्ति पा रह्या सै, अर तू
तड़फ रह्या सै। 26 इन सबके अलावा म्हारै अर तेरै बिचाळै एक बड़ी खाई ठहराई गई सै, के जो उरै
तै तेरी ओड़ आणा चाहवै, वे ना जा सकै, अर ना कोए उड़ै इस पास्सै म्हारै धोरै आ सकै।"
27 साहूकार बोल्या, तो हे पिता, मै तेरे तै बिनती करुँ सूं, के उस ताहीं मेरै बाप कै घरां भेज,
28 क्यूँके मेरे पाँच भाई सै, वो उनकै स्याम्ही इन बात्तां की गवाही दे, इसा ना हो के वे भी दुख की
जगहां म्ह आवै।
29 अब्राहम नै उसतै कह्या, उनकै धोरै तो मूसा के नियम-कायदे, नबी अर नबियाँ की किताब सै,
वे उनकी सुणै।
30 साहूकार बोल्या, "न्ही, पिता अब्राहम, पर जै कोए मरे होया म्ह तै उनकै धोरै जावै, तो वे
पाप करणा छोड़ देंगे।"
31 अब्राहम नै उसतै कह्या, "जिब वे मूसा नबी अर नबियाँ की न्ही सुणदे, तो जै मरे होया म्ह तै
कोए जी भी जा, तोभी उसकी कोनी मान्नैगें।"

17

[illegible]

1 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै कह्या, "हो न्ही सकदा के ठोक्कर ना लाग्गै, पर धिक्कार सै, उस
माणस पै जिसकै बाबत ठोक्कर लाग्गै सै। 2 पर जो कोए इन छोटया बाळकां समान जो मेरै पै
बिश्वास करै सै, किसे तै भी पाप करवावै तो उसकै खात्तर भला योए सै के एक बड्डी चाक्की का
पाट उसकै गळ म्ह लटकाया जावै अर वो समुंदर म्ह गेरया जावै।"
3 सावधान रहों, "जै तेरा बिश्वासी भाई पाप करै तो उसनै समझा, अर जै पछतावै तो उसनै माफ
करदे। 4 जै हरेक दिन वो तेरे बिरुध्द म्ह सात बार भी पाप करै, अर सात्तु बार तेरे धोरै आकै कहवै,
मै पछताऊँ सूं, तो उसनै माफ करदे।"

[illegible]

5 फेर प्रेरितां नै प्रभु यीशु तै बिनती करी, "के म्हारे बिश्वास नै बढ़ा।"
6 प्रभु बोल्या, "जै थमनै राई कै दाणै बराबर भी बिश्वास होन्दा, तो थम इस शहतूत कै दरखत
नै कहन्दे के जड़ तै उखड़कै समुन्दर म्ह जा लाग, तो वो थारी मान लेन्दा।"

[illegible]

7 फेर यीशु नै कह्या, "मान ल्यो थारे म्ह तै किसे कै धोरै एक नौक्कर सै जो नौक्कर हळ चलान्दा
या भेड़ चरान्दा हो, अर जिब वो खेत तै बोहड़ आवै, तो के थम उसतै कहोंगे, 'आकै मेरे गैल खाणा
खाण बैठ ज्या?' 8 पर इसकै बजाये के वो अपणे नौक्कर न्यू कोनी कहवैगा, 'मेरे खात्तर खाणा त्यार
कर, अर मेरे ताहीं खाणा परोसण खात्तर तैयार हो ज्या, जिब ताहीं मै खाऊँ पीऊँ तब ताहीं मेरी
सेवा-पाणी कर, इसकै पाच्छै तू भी खा-पी लिये?' 9 के वो उस नौक्कर का श्यान मान्नैगा के उसनै
वैए काम करे जिसका हुकम दिया सै? 10 इस्से तरियां तै थम भी जिब उन सारे काम्मां नै कर ल्यो

जिसका हुकम थारे ताहीं दिया गया सै, तो उस ताहीं कर लेण के बाद थमनै कहणा चाहिये, 'हम
नौक्कर सां, हम किसे बड़ाई के हकदार कोनी हमनै तो बस अपणा फर्ज निभाया सै।' "

[illegible]

11 फेर जिब यीशु यरुशलेम जाण लागरया था तो सामरिया अर गलील परदेस कै बिचाळै की
सीमा तै होन्दा होया लिकड्या। 12 तो गाम म्ह बड़दे बखत उसनै दस कोढ़ी मिले वे दूर खड़े थे।
13 वे जोर तै रुक्का मारकै बोल्ले, "हे यीशु, हे माल्लिक, म्हारै पै दया कर!"
14 यीशु नै उन कान्ही लखाकै कह्या, "यरुशलेम के मन्दर म्ह जाओ, अर खुद नै याजकां ताहीं
दिखाओ, ताके वो भी देक्खै के थम ठीक होए सों के न्ही।" अर जान्दे ए जान्दे वे कोढ़ तै मुक्त होग्ये।
15 फेर उन म्ह तै एक न्यू देखकै के मै ठीक होग्या सूं, जोर-जोर तै परमेसवर की बड़ाई करदा होया
यीशु कै धोरै बोहड़या, 16 अर यीशु कै पायां पै मुँह कै बळ पड़कै उसका धन्यवाद करण लाग्या, अर
वो सामरी था।
17 इसपै यीशु नै कह्या, "के दस कोढ़ी चंगे न्ही होए, तो फेर नौ कित्त सै? 18 के गैर यहूदी नै छोड़
कोए और न्ही लिकड़या जो परमेसवर की बड़ाई करदा?" 19 फेर उसनै उस ताहीं कह्या, "उठकै
चल्या जा, तन्नै बिश्वास करया इस खात्तर तू ठीक होग्या सै।"

[illegible]

20 फेर फरीसियाँ नै यीशु तै बुज्झया के परमेसवर का राज्य कद आवैगा, तो उसनै उनतै जवाब
दिया, "परमेसवर का राज्य इस ढाळ आवैगा के थम उसनै अपणी आँखां तै न्ही देख सकदे। 21 अर
ना ए माणस इसके बारें म्ह न्यू कह सकैगे, देक्खों यो सै परमेसवर का राज्य। क्यूँके परमेसवर का
राज्य थारे बिचाळै सै।"
22 फेर यीशु नै चेल्यां तै कह्या, "वो दिन आवैगा, जिब थम उस दिन नै देखणा चाहोंगे जिब मै
माणस का बेट्टा बोहड़ के आऊँगा पर थम उस दिन नै देख न्ही पाओगे।" 23 माणस थारे तै कहवैगें,
लखाओ, "मसीहा उड़ै सै!" या लखाओ, "वो आड़ै सै!" पर थम यो सुणकै चले ना जाइयो, अर ना
उनकै पाच्छै लागियो। 24 क्यूँके जिस तरियां बिजळी अकास कै एक छोर तै कोंध कै अकास कै दुसरे
छोर ताहीं चमकै सै, उस्से तरियां मै माणस का बेट्टा भी अपणे दिनां म्ह जाहिर होऊँगा। 25 पर
पैहल्या जरूरी सै के मै घणा दुख ठावै, अर इस युग कै माणस मेरे ताहीं नकार देंगें।
26 जिसा पूर्वज नूह के दिनां म्ह होया था, उस्से तरियां मुझ माणस के बेट्टे के दिनां म्ह भी होवैगा।
27 जिस दिन तक नूह जहाज म्ह न्ही चढ़या, उस दिन तक माणस खावै-पीवै थे, अर उन म्ह ब्याह
होवै थे। फेर बाढ़ नै उन सारया का नाश करया।
28 ठीक याए हालात लूत कै दिनां म्ह होई थी, जिब वो सदोम नगर म्ह रहवै था। माणस खावै-
पीवै, लेणा-देणा करदे, दरखत लगान्दे अर घर चिणैं थे, 29 पर जिस दिन लूत सदोम तै लिकड़या,
उस दिन आग अर गन्धक अकास तै बरसी सारे नगर के माणसां ताहीं नाश कर दिया। 30 यो उस
दिन की तरियां होगा जिब मै माणस का बेट्टा बिना बताये आ जाऊँगा।
31 "उस दिन जो छात पै हो, अर उसका समान घर म्ह हो, अर वो उसनै लेण खात्तर तळै न्ही उतरैं,
अर उस्से तरियां जो खेत्तां म्ह हो, वो पाच्छै न्ही बोहड़ैं। 32 याद राखियों लूत की घरआळी कै गैल
के होया था! 33 जो कोए अपणी जान बचाणा चाहवै, वो उसनै खोवैगा, अर जो कोए उसनै खोवै
वो उसनै जिन्दा राक्खैगा। 34 मै थमनै कहूँ सूं, उस रात नै दो माणस एक खाट पै होंगे, एक ठाया
जावैगा अर दुसरा छोड़ दिया जावैगा। 35 दो बिरबान्नी एक साथ चाक्की पीसदी होवैगी, एक ठा
ली जावैगी अर दुसरी छोड़ दी जावैगी। 36 (दो जणे खेत म्ह होंगे, एक ठाया जावैगा अर दुसरा
छोड्या जावैगा।)"
37 न्यू सुण उननै उसतै बुज्झया, "हे प्रभु, यो कित्त होवैगा?" यीशु नै उनतै कह्या, "जड़ै लाश
हो सै, उड़ैए चील कठ्ठे होवै सै, उस्से तरियां यो हरेक कोए जाण लेवैगा के यो कित्त होगा।"

18

[illegible]

1 फेर यीशु नै अपणे चेल्यां तै इसकै बाबत कह्या, के रोज प्रार्थना करणी चाहिये अर हिम्मत
न्ही हारनी चाहिये, उनतै यो उदाहरण दिया, 2 "किसे नगर म्ह एक न्यायाधीश रहवैं था, जो ना
परमेसवर तै डरै था अर ना किसे माणस की परवाह करया करै था। 3 उस्से नगर म्ह एक बिधवा भी
रहवैं थी, जो उसकै धोरै आ-आकै कह्या करै थी, मेरा न्याय चुकाकै मन्नै बैरी तै बचा।"
4 कुछ बखत ताहीं तो वो कोनी मान्या पर आखर म्ह मन म्ह सोचकै बोल्या, "ऊंतो मै परमेसवर
तै कोनी डरदा, अर ना माणसां की कुछ परवाह करुँ सूं, 5 फेरभी या बिधवा मन्नै कांल राक्खै सै, इस
करकै मै उसका न्याय चूकाऊँगा, कदे इसा ना हो के घड़ी-घड़ी आकै आखर म्ह मेरी नास्सा म्ह दम
करदे।"
6 प्रभु यीशु नै कह्या, "सुणो, इस अधर्मी न्यायाधीश नै देख के सीखों। 7 के परमेसवर अपणे चुणे
होया का न्याय कोनी करैगा, जो दिन-रात उसके नाम की दुहाई देंदे रहवैं सै? के वो उनकी मदद
करण म्ह वार लगावैगा? 8 मै थमनै कहूँ सूं, वो जिब्बे उनका न्याय करैगा। फेर भी मै माणस का
बेट्टा जिब आऊँगा, तो के मै धरती पै मेरे पै बिश्वास करणीया नै पाऊँगा?"

[illegible]

9 यीशु नै उन माणसां तै यो उदाहरण दिया, जो अपणे बारें म्ह यो सोच्चै थे, के हम धर्मी सां, अर
दुसरयां नै नकारै थे। 10 "दो माणस मन्दर म्ह प्रार्थना करण नै गए, एक फरीसी था अर दुसरा चुंगी
लेण आळा, 11 फरीसी खडया होकै अपणे मन म्ह न्यू प्रार्थना करण लाग्या, हे परमेसवर, मै तेरा
धन्यवाद करुँ सूं के मै और माणसां की तरियां अन्धेर करण आळा, जुल्मी, अर जार कोनी, अर ना
इस चुंगी लेण आळे की तरियां सूं। 12 मै हफ्ते म्ह दो बर ब्रत राक्खूँ सूं, मै अपणी सारी आमदणी
का दसमां हिस्सा भी तेरे ताहीं देऊँ द्यु सूं।"
13 पर चुंगी लेण आळे नै दूर खड़े होकै, सुर्ग कै कान्ही निगांह ठाणा भी कोनी चाह्या, बल्के दुखी
होकै अपणी छात्ती पीट-पीटकै कह्या, "हे परमेसवर, मुझ पापी पै दया कर!"
14 "बिश्वास करो वास्तव म्ह योए चुंगी लेण आळा माणस (परमेसवर की ओड़ तै) धर्मी ठहराया
जाकै घरां गया, ना के वो फरीसी माणस। क्यूँके जो कोए अपणे-आपनै बड्ड़ा बणावैगा, वो छोट्टा
करया जावैगा, अर जो कोए अपणे-आपनै छोट्टा बणावैगा, वो बड्ड़ा करया जावैगा।"

[illegible]

15 फेर माणस अपणे बाळकां नै भी उसकै धोरै ल्याण लाग्गे के वो उनपै हाथ धरै, पर चेल्यां नै
देख उन ताहीं धमकाया। 16 यीशु नै बाळकां ताहीं धोरै बुलाकै कह्या, "बाळकां नै मेरै धोरै आण द्यो
अर उननै रोक्को मतना: क्यूँके परमेसवर का राज्य इसाए का सै। 17 मै थमनै सच कहूँ सूं के जो
कोए परमेसवर कै राज्य नै बाळक की तरियां कोनी अपणावै वो उस म्ह कदे न्ही बड़ सकदा।"

[illegible]

18 किसे सरदार नै उसतै बुझ्झया, "हे उत्तम गुरु, अनन्त जीवन का हकदार होण खात्तर मै के
करुँ?" 19 यीशु नै उसतै कह्या, "तू मन्नै उत्तम क्यांतै कहवै सै? कोए उत्तम कोनी, सिर्फ एक, यानिके
परमेसवर। 20 तन्नै हुकमां का तो बेराए सै: 'जारी ना करिये, खून ना करिये, अर चोरी ना करिये,
अर झूठ्ठी गवाही ना दियो, अपणे माँ-बाप का आदर करियो।' "
21 उसनै कह्या, "मै तो इन सारया नै बाळकपण तै ए मान्दा आऊँ सूं।"
22 न्यू सुणकै यीशु नै उसतै कह्या, "तेरे म्ह इब भी एक बात की कमी सै, अपणा सब कुछ बेचकै
कंगालां ताहीं बांड दे, अर तन्नै सुर्ग म्ह धन मिलैगा, अर आकै मेरा चेल्ला बणण खात्तर मेरै पाच्छै
हो ले।"
23 वो न्यू सुणकै घणा उदास होया, क्यूँके वो घणा साहूकार था। 24 यीशु नै उस ताहीं देखकै कह्या,
"साहूकारां का परमेसवर कै राज्य म्ह बड़णा कितना ओक्खा सै। 25 जिस तरियां तै ऊँट का सूई कै

मोरै म्ह तै लिकड़णा मुश्किल सै। उस्से तरियां परमेसवर के राज्य साहूकार का बड़णा भी मुश्किल
सै।"
26 इसपै सुणण आळा नै कह्या, "तो फेर किसका उद्धार हो सकै सै?"
27 उसनै कह्या, "जो माणसां तै न्ही हो सकदा वो परमेसवर तै हो सकै सै।"
28 पतरस नै कह्या, "लखा, हम तो घर-बार छोड़कै तेरे पाच्छै हो लिये सां।"
29 उसनै उनतै कह्या, "मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं के इसा कोए कोनी जिसनै परमेसवर के राज्य
कै खात्तर घर, या घरआळी, भाई, या माँ-बाप, या बाळ-बच्चे ताहीं छोड़ दिया हो, 30 अर इस बखत
कई गुणा घणा न्ही पावै अर परलोक म्ह अनन्त जीवन।"

[illegible]

31 फेर उसनै बारहां चेल्यां ताहीं गैल लेकै उनतै कह्या, "देक्खो, हम यरुशलेम नगर म्ह जावां
सां, अर जितनी बात मुझ माणस कै बेट्टे खात्तर नबियाँ नै लिक्खी होई सै, वे सारी पूरी होवैगी।
32 क्यूँके मै गैर यहूदियाँ कै हाथ्थां म्ह सौप्या जाऊँगा, अर मेरा मजाक उड़ावैगें, मेरी बेजती करैगें,
अर मेरे पै थूकैगें, 33 अर मेरै कोड़े मारैगें, अर मन्नै छेतैगें अर मार देवैगें, अर मै तीसरे दिन जिन्दा
हो जाऊँगा।"
34 पर उनने इन बात्तां म्ह तै कोए बात न्ही समझी, अर या बात उनतै लुक्ही रही, अर जो कह्या
गया था वो उनकी समझ कोनी आया।

[illegible]

35 जिब वो यरीहो नगर कै लोवै पोंहच्या, तो एक आन्धा सड़क कै किनारे बेठ्या होया भीख
माँगण लागरया था। 36 वो भीड़ कै चाल्लण की आवाज सुणकै बुझण लाग्या, "यो के होरया सै?"
37 उनने उसतै बताया, "यीशु नासरी* जाण लागरया सै।"
38 फेर उसनै रुक्का मारकै कह्या, "हे यीशु, दाऊद की ऊलाद, मेरै पै दया कर!"
39 जो आग्गै-आग्गै जाण लागरे थे, वे उसनै धमकाण लाग्ये के बोल-बाल्ला रहै, पर वो और भी
रुक्का मारण लाग्या, "हे दाऊद की ऊलाद, मेरै पै दया कर!"
40 फेर यीशु नै खड़े होकै हुकम दिया के उसनै मेरै धोरै ल्याओ, अर जिब वो धोरै आया तो उसनै
उसतै बुझ्झया, 41 "तू के चाहवै सै के मै तेरे खात्तर करुँ?" उसनै कह्या, "हे प्रभु, योए के मै देक्खण
लाग्गू।"
42 यीशु नै उसतै कह्या, "देक्खण लाग, तेरे बिश्वास नै तेरे ताहीं ठीक करया सै।" 43 फेर वो
जिब्बे देखण लाग्या अर परमेसवर की बड़ाई करदा होया उसकै पाच्छै हो लिया, अर सारे आदमियाँ
नै देखकै परमेसवर की जै-जै कार करी।

19

[illegible]

1 यीशु यरीहो नगर म्ह बड़ण लागरया था। 2 ओड़ै जक्कई नाम का एक माणस था जो चुंगी लेण
आळा का सरदार, अर साहूकार था। 3 वो यीशु नै देखणा चाहवै था के वो कौण सै। पर भीड़ कै कारण
देख न्ही सकै था, क्यूँके वो बोन्ना था। 4 फेर उस ताहीं देक्खण खात्तर वो आग्गै भाजकै गुलर कै
दरखत पै चढ़ग्या, क्यूँके यीशु नासरी* उस्से राह तै जाण आळा था।
5 जिब यीशु नासरी उसकै धोरै आया, तो उप्पर लखाकै उसनै कह्या, "हे जक्कई, तोळा उतरया,
क्यूँके आज मन्नै तेरे घरां जरुर रहणा सै।" 6 वो दरखत तै उतरकै राज्जी होकै यीशु नै अपणे घरां
लेग्या।
7 न्यू देखकै सारे माणस बरड़ाण लाग्गे, "वो तो एक पापी माणस कै घरां रुकरया सै।"

* **18:37** 18:37 नासरत नगर का रहण आळा
* **19:4** 19:4 नासरत नगर का रहण आळा

8 जिब यीशु जक्कई के घर खाणा खाण लागरया था तो जक्कई नै खड़े होकै प्रभु तै कह्या, "हे
प्रभु यीशु, देख, मै अपणी आध्धी सम्पत्ति कंगालां नै द्यु सूं, अर किसे का कुछ भी जुल्म करकै ले
लिया सै तो उस ताहीं चौगुणा बोहड़ा द्यु सूं।"
9 फेर यीशु नै उसतै कह्या, "आज इस घर के माणसां पै उद्धार आया सै, इस करकै के यो भी
अब्राहम के वंश तै सै। 10 मै माणस का बेट्टा खोए होया नै टोह्ण अर उनका उद्धार करण आया
सूं।"

[illegible]

11 जिब वे ये बात सुणै थे, तो यीशु नै एक उदाहरण देकै कह्या, इस करकै के वो यरुशलेम कै धोरै
था, अर वे समझै थे के परमेसवर का राज्य इब्बे जाहिर होण आळा सै। 12 आखर उसनै कह्या, "एक
साहूकार माणस दूर देश तै चल्या के राजपद पाकै बोहड़ै।" 13 उसनै अपणे नौकरां म्ह तै दस ताहीं
बुलाकै उन ताहीं दस मोंहर दी अर उनतै कह्या, "मेरै बोहड़ण ताहीं लेण-देण करियो।"
14 पर उसकै नगर के बासिन्दे उसतै बैर राक्खै थे, अर उसकै पाच्छै दूत्तां तै कुह्वा भेज्या, "हम
न्ही चाहन्दे के यो म्हारै पै राज करै।"
15 "जिब माल्लिक राजपद पाकै बोहड़या, तो इसा होया के उसनै अपणे नौकरां ताहीं जिन ताहीं
रपिये दिये थे, अपणे धोरै बुलाया ताके बेरा करै के उननै लेण-देण म्ह के-के कमाया।"
16 फेर पैहल्ड़े नै आकै कह्या, "हे माल्लिक, तेरी मोंहर तै दस और मोंहर कमाई सै।"
17 उसनै उसतै कह्या, "शाबाश, हे आच्छे नौक्कर! तू घणेए थोड़े म्ह भरोसमंद लिकड़या इब दस
नगरां का हक राख।"
18 दुसरे नौक्कर नै आकै कह्या, "हे माल्लिक, तेरी मोंहर तै पाँच और मोंहर कमाई सै।"
19 माल्लिक नै उसतै कह्या, "तू भी पाँच नगरां पै हाकिम होज्या।"
20 तीसरे नौक्कर नै आकै कह्या, "हे माल्लिक, देख, तेरी मोंहर या सै: जिस ताहीं मन्नै अंगोच्छे
म्ह जुड़ राक्खी थी। 21 क्यूँके मै तेरे तै डरुँ था, इस करकै के तू कठोर माणस सै: जो तन्नै न्ही धरया
उसनै ठा ले सै, अर जो तन्नै न्ही बोया, उस ताहीं काट्टै सै।"
22 माल्लिक नै उसतै कह्या, "हे दुष्ट नौक्कर, मै तेरैए मुँह तै तन्नै कसूरवार ठहराऊँ सूं। जिब
तन्नै मेरा बेरा सै के करड़ा माणस सूं, जो मन्नै न्ही धरया उसनै ठा ल्यु सूं, अर जो मन्नै न्ही बोया,
उस ताहीं काट्टू सूं, 23 तो तन्नै मेरे रपिये सर्राफां कै धोरै क्यातै कोनी धरे के मै आकै ब्याज सुधां ले
लेन्दा?"
24 अर जो माणस धोरै खड़े थे, उसनै उनतै कह्या, "वा मोंहर उसतै ले ल्यो, अर जिसकै धोरै दस
मोंहर सै उसनै दे द्यो।"
25 उननै उसतै कह्या, "हे माल्लिक, उसकै धोरै दस मोंहर तो सै।"
26 "मै थमनै कहूँ सूं के जिसकै धोरै सै, उस ताहीं दिया जावैगा, अर जिसकै धोरै न्ही सै, उसतै वो
भी जो उसकै धोरै सै ले लिया जावैगा। 27 पर मेरे उन बैरियाँ ताहीं जो न्ही चाहवैं थे के मै उनपै राज
करुँ, उन ताहीं उरै ल्याकै मेरै स्याम्ही घात करो।"

[illegible]

28 ये बात कहकै यीशु यरुशलेम नगर कै कान्ही चेल्यां कै आग्गै-आग्गै चाल्या। 29 जिब वो जैतून
नामक पहाड़ पै बैतफगे अर बैतनिय्याह गाम कै धोरै पोंहच्या, तो उसनै अपणे चेल्यां म्ह तै दोयां
ताहीं न्यू कहकै भेज्या, 30 "स्याम्ही के गाम म्ह जाओ, अर उस म्ह पोहोचदये एक गधी का बच्चा
जिसपै कोए कदे न्ही बेठ्या हो, बन्धया होड़ थमनै मिलैगा, उसनै खोल कै लियाओ। 31 जै थारे तै
कोए बुझ्झै के क्यातै खोल्लो सो, तो कहियो के प्रभु नै इसकी जरूरत सै।"
32 जो भेज्जै गए थे, उननै जाकै जिसा यीशु नै कह्या था, उस्से तरियां पाया। 33 जिब वे गधी कै
बच्चे नै खोल्लै रहे थे, तो उसके मालिकां नै उनतै बुझ्झया, "इस बच्चे नै क्यांतै खोल्लो सो?"
34 चेल्यां नै कह्या, "प्रभु नै इस ताहीं काम म्ह ल्याणा सै।"

35 वे उसनै यीशु कै धोरै लियाए, अर अपणे लत्ते उस गधी के बच्चे पै गेरकै यीशु ताहीं उसपै
बिठा दिया। 36 जिब वो जाण लागरया था, तो वे अपणे लत्ते राह म्ह बिछान्दे जावै थे।
37 यरुशलेम नगर कै धोरै आन्दे होए जिब यीशु जैतून पहाड़ की ढलाण पै पोंहच्या, तो चेल्यां
का सारा टोळ उन सारे सामर्थ के काम्मां कै कारण जो उननै देक्खे थे, राज्जी होकै जोर तै परमेसवर
की जय-जयकार करण लाग्गे
38 "धन्य सै वो राजा, जो प्रभु के नाम तै आवै सै! सुर्ग म्ह शान्ति अर अकास मण्डप म्ह महिमा
हो!"
39 फेर भीड़ म्ह तै कुछ फरीसी यीशु तै कहण लाग्गे, "हे गुरु, इस बात के कारण अपणे चेल्यां नै
धमका।"
40 उसनै जवाब दिया, "मै थमनै कहूँ सूं, जै ये बोल-बाल्ले रहे तो स्तुति इन पत्थरां तै लिकड़ण
लाग्गैगी।"

[illegible]

41 जिब यीशु यरुशलेम नगर कै धोरै आया तो नगर नै देखकै माणसां खात्तर रोया 42 अर बोल्या,
"कितना भला होन्दा के तू, हाँ, तू ए आज इतणाए समझ लेन्दा की परमेसवर के साथ शान्ति का
के मतलब सै, पर यो तेरे तै लहको के राख्या गया सै। 43 क्यूँके वे दिन तेरे म्ह आवैगें के तेरे बैरी
मोर्चा बाँधकै तन्नै घेर लेवैगें, अर चौगरदे तै तन्नै दबावैंगें ताके थारा राह बन्द होज्या, 44 अर तेरा
बैरी तन्नै अर तेरे बाळकां ताहीं जो तेरे म्ह सै, माट्टी म्ह मिलावैंगें, अर तेरे म्ह पत्थर पै पत्थर
भी कोनी रहवैगा, जो गेरया ना जावैगा, क्यूँके तन्नै उस मौक्के ताहीं जिब तेरे पै दया की निगांह
होई थी तो तन्नै कोनी पिच्छाणा।"

[illegible]

45 फेर वो मन्दर म्ह जाकै समान बेचण आळा ताहीं बाहरणै लिकाड़ण लाग्या, 46 अर उनतै कह्या,
"पवित्र शास्त्र म्ह लिख्या सै, 'मेरा घर प्रार्थना का घर होगा,' पर थमनै इस ताहीं डाकुआं की
गुफा बणा दिया।"
47 वो हरेक दिन मन्दर म्ह उपदेश दिया करै था, अर प्रधान याजक अर शास्त्री अर माणसां के
मुखिया उसका नाश करण का मौक्का टोह्वैं थे। 48 पर कोए जुगाड़ कोनी काढ सकै थे, के यो किस
तरियां करा, क्यूँके सारे माणस घणे चाह तै उसकी सुणै थे।

20

[illegible]

1 एक दिन इसा होया के जिब यीशु मसीह मन्दर म्ह माणसां नै उपदेश देवै था अर सुसमाचार
सुणावै था, तो प्रधान याजक अर शास्त्री, यहूदी अगुवां कै गेल्या धोरै आकै खड़े होए, 2 अर कहण
लाग्गे, "म्हारै ताहीं बता, तू इन काम्मां नै किसकै हक तै करै सै, अर वो कौण सै जिसनै तेरे ताहीं यो
हक दिया सै?"
3 उसनै उनतै कह्या, "मै भी थारे तै एक बात बुज्झु सूं, मन्नै बताओ। 4 यूहन्ना का बपतिस्मा सुर्ग
की ओड़ था या माणसां की ओड़ तै था?"
5 फेर वे आप्पस म्ह कहण लाग्गे, "जै हम कह्वां, 'सुर्ग की ओड़,' तो वो कहवैगा, 'फेर थमनै उसका
बिश्वास क्यांतै न्ही करया?' 6 अर जै हम कह्वां, 'माणसां की ओड़,' तो सारे माणस म्हारै पै पत्थर
बरसावैगें, क्यूँके सारे जाणै सै के यूहन्ना साच्चीये नबी था।"
7 आखर उननै जवाब दिया, "हमनै न्ही बेरा के वो किस ओड़ तै था।"
8 यीशु नै उनतै कह्या, "तो मै भी कोनी बतान्दा के मै ये काम किस हक तै करुँ सूं।"

[illegible]

9 फेर वो माणसां तै यो उदाहरण कहण लाग्या: "किसे माणस नै अंगूर का बाग लगाया, अर
किसानां तै उसनै ठेक्का दे दिया अर घणे दिनां खात्तर परदेस चल्या गया। 10 जिब बखत आया तो
उसनै किसानां कै धोरै एक नौक्कर ताहीं भेज्या के वे अंगूर के बाग के कुछ फळां का हिस्सा उसनै

देवै, पर किसानां नै उस ताहीं छेतकै रित्ते हात्थां बोहड़ा दिया। 11 फेर उसनै एक और नौक्कर ताहीं
भेज्या, अर उननै उस ताहीं भी छेतकै अर उसकी बेजती करकै रित्ते हात्थां बोहड़ा दिया। 12 फेर
उसनै तीसरा भेज्या, उननै उस ताहीं भी घायल करकै लिकाड़ दिया।"
13 फेर अंगूर के बाग कै माल्लिक नै कह्या, "मै के करूँ? मै अपणे प्यारे बेट्टे नै भेज्जूगा, हो सकै
सै वे उसकी इज्जत करै।"
14 जिब किसानां नै उस ताहीं देख्या तो आप्पस म्ह विचार करण लाग्गे, "यो तो वारिस सै, आओ,
हम इसनै मार दया के विरासत म्हारी हो जावै।" 15 अर उननै उस ताहीं अंगूर के बाग तै बाहरणै
लिकाड़कै मार दिया। इस करकै अंगूर के बाग का माल्लिक उनकै गेल्या के करैगा? 16 वो आकै उन
किसानां का नाश करैगा, अंगूर के बाग औरां नै सोपैगा। न्यू सुणकै उननै कह्या, "परमेसवर करै इसा
ना हो।"
17 उसनै उनकी ओड़ देखकै कह्या, फेर यो के लिख्या सै: "जिस पत्थर नै राजमिस्त्रियाँ नै
निकम्मा ठहराया था, वोए कोणे का सिरा होग्या।
18 "जो कोए उस पत्थर पै पड़ैगा वो चकणाचूर हो ज्यागा, अर जिसपै वो पड़ैगा, उसनै पिस
देवैगा।"

[illegible]

19 उस्से बखत शास्त्रियाँ अर प्रधान याजकां नै उस ताहीं पकड़णा चाह्या, क्यूँके वे समझगे थे
के उसनै म्हारै पै यो उदाहरण कह्या, पर वे माणसां तै डरगे।
20 अर वे उसकी टाह म्ह लाग्गे अर भेदिए भेज्जै के धर्म का भेष धरकै उसकी कोए ना कोए बात
पकड़ै, ताके उस ताहीं राज्यपाल कै हाथ अर अधिकार म्ह सौंप दें। 21 उननै उसतै न्यू बुझ्झया, "हे
गुरु, हमनै बेरा सै के तू ठीक कहवै अर सिखावै भी सै, अर किसे की मेरै कोनी लेन्दा, बल्के परमेसवर
की राह सच्चाई तै बतावै सै। 22 के म्हारा कैसर तै चुंगी देणा ठीक सै या कोनी?"
23 उसनै उनकी श्याणपत ताहीं ताड़कै उनतै कह्या, 24 "एक दीनार (एक दिन की मजदूरी) मन्नै
दिखाओ। इसपै किसकी छाप अर नाम सै?" उननै कह्या, "कैसर का।"
25 उसनै उन ताहीं कह्या, "तो जो कैसर का सै, वो कैसर नै द्यो, अर जो परमेसवर का सै, वो
परमेसवर नै द्यो।"
26 वे माणसां कै स्याम्ही इस बात म्ह उसनै पकड़ कोनी सके, बल्के उसकै जवाब तै हैरान होकै
बोल-बाल्ले रहगे।

[illegible]

27 फेर सदूकी जो कहवै सै के मरे होया का जिन्दा होणा सै ए कोनी उन म्ह तै कुछ नै उसकै
धोरै आकै बुझ्झया, 28 "हे गुरु, मूसा नबी नै म्हारै खात्तर यो लिख्या सै: जै किसे का भाई अपणी
घरआळी कै रहन्दे बेऊलादा मर जावै, तो उसका भाई उसकी घरआळी तै ब्याह करले, अर अपणे
भाई कै खात्तर पीढ़ी पैदा करै। 29 सात भाई थे, पैहल्ड़ा भाई ब्याह करकै बेऊलादा मरग्या। 30 फेर
दुसरे 31 अर तीसरे नै भी उस बिरबान्नी तै ब्याह कर लिया। इस तरियां तै सात्तु बेऊलादे मरगे।
32 आखर म्ह वा बिरबान्नी भी मरगी। 33 आखर म्ह जिन्दा होण पै वा उन म्ह तै किसकी घरआळी
होवैगी, क्यूँके वा सातुवां की घरआळी हो ली थी।"
34 यीशु नै उनतै कह्या, "इस युग की ऊलादां म्ह ब्याह होवै सै, 35 पर जो माणस इस जोग्गे
ठहरैगें के उस युग नै अर मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्ठणके पद नै पा लेवै, उन म्ह ब्याह शादी कोनी
होन्दी। 36 वे दुबारै मरण के भी कोनी, क्यूँके वे सुर्गदूत्तां की ढाळ होवैगें, अर पुनरुत्थान की ऊलाद
होणे तै परमेसवर की भी ऊलाद होवैगें। 37 पर इस बात ताहीं के मरे होए जिन्दा होवै सै, मूसा नबी
नै भी झाड़ी की कहाँनी म्ह दिखाया सै के वो प्रभु ताहीं 'अब्राहम का परमेसवर, अर इसहाक का
परमेसवर अर याकूब का परमेसवर कहवै सै।' 38 परमेसवर तो मुर्दा का कोनी पर जिन्दा का परमेसवर
सै: क्यूँके उसकै लोवै सारे जिन्दे सै।"

39 फेर न्यू सुणकै शास्त्रियाँ म्ह तै कुछ नै न्यू कह्या, “हे गुरु, तन्नै ठीक कह्या।” 40 अर उननै
दुबारै उसतै कुछ और बुझ्झण की हिम्मत कोनी करी।

[illegible]?

41 फेर उसनै उनतै बुझ्झया, “मसीह नै दाऊद की ऊलाद किस तरियां कहवै सै?” 42 दाऊद खुदे
भजन संहिता की किताब म्ह कहवै सै:
43 प्रभु नै मेरै प्रभु तै कह्या, “मेरै सोळे कान्ही बैठ, जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ तेरे पायां म्ह
न्ही झुका दियुँ।”
44 दाऊद तो उसनै प्रभु कहवै सै, “तो फेर वो उसकी ऊलाद किस ढाळ होया?”

[illegible]

45 जिब सारे सुणै थे, तो उसनै अपणे चेल्यां तै कह्या, 46 “शास्त्रियाँ तै चौकन्ने रहियो,
जिनताहीं लाम्बे-लाम्बे चोगे पहरकै हांडणा आच्छा लाग्गै सै, अर जिन नै बजारां म्ह नमस्कार,
अर आराधनालयाँ म्ह खास बैठणा अर जिम्मण म्ह खास जगहां प्यारी लाग्गै सै। 47 वे बिधवायाँ के
घर खा जावै सै, अर दिखाण खात्तर घणी वार ताहीं प्रार्थना करदे रहवै सै: ये घणा दण्ड पावैगें।”

21

[illegible]

1 फेर उसनै निगांह ठाकै सहूकारां ताहीं अपणा-अपणा दान भण्डार म्ह घालदे देख्या। 2 उसनै एक
कंगाल बिधवा ताहीं भी उस म्ह दो दमड़ी (जो एक धेले कै बराबर होवै सै) घालदे देख्या। 3 फेर
उसनै कह्या, “मै थमनै सच कहूँ सूं के इस कंगाल बिधवा नै सारया तै बाध घाल्या सै। 4 क्यूँके उन
सारया नै अपणी-अपणी बढ़दी म्ह तै दान म्ह कुछ घाल्या सै, पर इसनै अपणी घटी म्ह तै अपणी
सारी कमाई घाल्ली सै।”

[illegible]

5 जिब घणखरे माणस मन्दर कै बाबत कहरे थे के वो किसे सुथरे पत्थरां अर भेटां की चिज्जां तै
समारया गया सै, तो उसनै कह्या, 6 “वे दिन आवैगें, जिन म्ह यो सारा जिन नै थम देक्खो सो, उन
म्ह तै उरै किसे पत्थर पै पत्थर भी कोनी रहवैगा, जो गेरया न्ही जावैगा।”

[illegible]

7 उननै उसतै बुझ्झया, “हे गुरु, यो सारा कद होवैगा? अर ये बात जिब पूरी होण पै होवैगी, तो
उस बखत की के निशान्नी होवैगी?”
8 उसनै कह्या, “चौकन्ने रहियो के भकाए ना जाओ, क्यूँके घणखरे मेरै नाम तै आकै कहवैगें, ‘मै
वोए सूं,’ अर न्यू भी के, ‘बखत लोवै आण पोंहच्या सै।,’ थम उनकै पाच्छै ना चले जाइयो। 9 जिब
थम रोळे अर झगड़े का जिक्र सुणो तो घबराईयो ना, क्यूँके इनका पैहल्या होणा जरूरी सै, पर उस
बखत जिब्बे खात्मा कोनी होवैगा।”
10 फेर उसनै उनतै कह्या, “जात पै जात अर राज्य पै राज्य चढ़ाई करैगा, 11 अर बड़े-बड़े हाल्लण
आवैगें, अर जगहां-जगहां अकाळ अर महामारियाँ पड़ैंगी, अर अकास म्ह खतरनाक बात अर बड़े-
बड़े निशान जाहिर होवैगें।”
12 पर इन सारी बात्तां तै पैहल्या मेरै नाम कै बाबत थमनै पकड़ैगें, अर कांल करैगें, अर
आराधनालयाँ म्ह सौपैगें, अर जेळ म्ह गिरवावैंगे, राज्यपालों अर राजयां कै स्याम्ही ले जावैंगे।
13 पर यो थारे खात्तर गवाही देण का मौक्का हो जावैगा। 14 इस करकै अपणे-अपणे मन म्ह ठान
ल्यो के हम पैहल्या तै जवाब देण की फिक्र कोनी करागें। 15 क्यूँके मै थारे ताहीं इसा बोल अर
समझ दियुँगा के थारे सारे बिरोधी सामना या खण्डन कोनी कर सकैगें। 16 थारे माँ-बाप, अर भाई
अर कुण्बा, अर साथी भी थमनै पकड़वावैगें, उरै ताहीं के थारे म्ह तै कईयाँ नै मरवा देवैगें। 17 मेरै
नाम कै कारण सारे माणस थारे तै बैर राक्खैगें। 18 पर थारे सिर का एक बाळ भी बाँका कोनी होवैगा।
19 अपणे धीरज तै थम अपणी जान नै बचाए राक्खोगे।

[illegible]
20 “जिब थम यरुशलेम की पलटन तै घिरया होया देक्खो, तो जाण लियो के उसका उजड़ जाणा
लोवै सै। 21 फेर जो यहूदिया परदेस म्ह हों पहाड़ां पै भाज जावै, अर जो यरुशलेम नगर कै भीत्तर
हों वे बाहरणै लिकड़ जावै, अर जो गाम्मां म्ह हों वे उस म्ह न्ही जावै। 22 क्यूँके ये बदला लेण
के इसे दिन होंगे, जिन म्ह लिक्खी होई सारी बात पूरी हो जावैगी। 23 उन दिनां म्ह जो गर्भवती
अर दूध पिलान्दी बिरबान्नी होवैगीं, उनकै खात्तर भागणा भी मुश्किल होगा! क्यूँके देश म्ह बड्ड़ा
क्ळेश अर इन माणसां पै बड्ड़ा प्रकोप होवैगा। 24 वे तलवार की कौर हो जावैंगे, अर सारे देश कै
माणसां म्ह कैदी होकै पोहुचाये जावैंगे, अर जिब ताहीं गैर यहूदी का बखत पूरा कोनी होवै, जद
ताहीं यरुशलेम गेरजात्तां तै रोंद्या जावैगा।

[illegible]
25 “सूरज, चाँद, अर तारां म्ह निशान्नी दिखैगी, अर धरती पै देश-देश के आदमियाँ पै संकट
होगा, क्यूँके वे समुन्दर कै गरजण अर लहरां के रोळे तै घबरां जावैंगे। 26 भय कै कारण अर दुनिया
पै आण आळी घटनायां की बाट देखदे-देखदे माणसां कै जी म्ह जी कोनी रहवैगा, क्यूँके अकास की
शक्तियाँ हलाई जावैगी। 27 फेर वे माणस के बेट्टे नै सामर्थ अर बड्डी महिमा कै गेल्या बादळां
पै आन्दे देखैगें। 28 जिब ये बात होण लाग्गै, तो सीध्धे होकै अपणे सिर उप्पर ठाईयो, क्यूँके थारा
छुटकारा लोवै होगा।”

[illegible]
29 यीशु नै उनतै एक उदाहरण देकै कह्या, “अंजीर के दरखत अर सारे दरखतां नै देक्खो। 30 ज्योए
उन म्ह कोंपले लिकड़ै सै, तो थम खुद जाण ल्यो सो, के गर्मी का बखत लोवै सै। 31 इस तरियां तै
जिब थम ये बात होन्दे देक्खो, तो जाण ल्यो के परमेसवर का राज्य लोवै सै।”
32 मै थमनै साच्ची कहूँ सूं के जिब ताहीं ये सारी बात न्ही हो ले, जद तक इस पीढ़ी का कदे भी
अन्त कोनी होवैगा। 33 धरती अर अकास टळ जावैंगे, पर मेरी बात कदे न्ही टळैगी।

[illegible]
34 “इस करकै चौकन्ने रहियो, इसा ना हो के थारा मन खुमार, अर मतवालेपण, अर इस जिन्दगी
की फिक्र तै सुस्त हो जावै, अर वो दिन थारे पै फन्दे की ढाळ चाणचक आण पड़ै। 35 क्यूँके वो सारी
धरती के सारे बासिन्दा पै इस तरियां आण पड़ैगा। 36 इस करकै जागदे रहो अर हर बखत प्रार्थना
करदे रहो के थम इन सारी आण आळी घटनायां तै बचण अर माणस के बेट्टे कै स्याम्ही खड़े होण
कै जोग्गे बण सको।”
37 वो दिन म्ह मन्दर म्ह उपदेश देवै था, अर रात नै बाहरणै जाकै जैतून नामक पहाड़ पै रह्या करै
था, 38 अर सबेरै नै तड़कै सारे माणस उसकी सुणण की खात्तर मन्दर म्ह उसकै धोरै आया करै थे।

22

[illegible]
1 अखमीरी रोट्टी का त्यौहार जो फसह कुह्वावै सै, धोरै था, 2 अर प्रधान याजक अर शास्त्री
इस बात की टोह् म्ह थे। के यीशु नै किस तरियां मारै, पर वे माणसां तै डरै थे।

[illegible]
3 फेर शैतान यहूदा म्ह बडग्या, जो इस्करियोती कुह्वावै अर बारहां चेल्यां म्ह गिण्या जावै था।
4 उसनै जाकै प्रधान याजकां अर पहरेदार के सरदारां के गेल्या बातचीत करी के किस तरियां यीशु
नै उनके हाथ पकड़वांवां। 5 वे राज्जी होए, अर उस ताहीं रुपिये देण का वादा किया। 6 वो मान ग्या
अर मौक्का टोह्ण लाग्या के जिब भीड़ न्ही हो तो उसनै उनके हाथ पकड़वा दे।

[illegible]
7 फेर अखमीरी रोट्टी कै त्यौहार का दिन आया, जिसम्ह फसह का मेम्ना बलि करणा जरूरी था।
8 यीशु नै पतरस अर यूहन्ना ताहीं यो कहकै भेज्या, “जाकै म्हारै खाण खात्तर फसह त्यार करो।”

9 उननै यीशु तै बुझया, “तू कित्त चाहवै सै के हम उसनै त्यार करा?”
10 यीशु नै चेल्यां ताहीं कह्या, देक्खो, नगर म्ह बड़तेए एक आदमी पाणी का पैंढ़ा ठाए होए
थमनै मिलैगा, जिस घर म्ह वो जावै थम उसके पाच्छै चले जाइयो, 11 अर उसके घर के माल्लिक तै
कहियो, “गुरु तेरे तै बुझ्झै सै के वा बैठक कित्त सै जिस म्ह मै अपणे चेल्यां के गेल्या फसह खाऊँ?”
12 वो थमनै एक सजी-सजाई बड़ी अटारी दिखा देवैगा, ओड़ैए त्यारी करियो। 13 उननै जाकै, जिसा
उसनै उनतै कह्या था, उस्से तरियां पाया अर फसह का भोज त्यार करया।

□□□□□□-□□□

14 जद वा घड़ी आगी, के यीशु प्रेरितां गेल्या खाणा खाण बेठ्या। 15 अर उसनै उन ताहीं कह्या
“मन्नै बड़ी लालसा थी के मरण तै पैहल्या यो फसह भोज थारे गेल्या खाऊँ। 16 क्यूँके मै थमनै सच
कहूँ सूं के मै इसनै जिब तक न्ही खाऊँगा जब तक यो परमेसवर के राज्य म्ह पूरा न्ही हो।”
17 फेर उसनै अंगूरां के रस का कटोरा लेकै परमेसवर का धन्यवाद करया अर कह्या, “इसनै ल्यो
अर आप्पस म्ह बाँट ल्यो। 18 क्यूँके के मै थमनै कहूँ सूं के जिब ताहीं परमेसवर का राज्य न्ही आवै
तब तक मै अंगूर का रस इब तै कदे न्ही पिऊँगा।”
19 फेर यीशु नै रोट्टी ली अर परमेसवर का धन्यवाद करकै तोड़ी, अर चेल्यां ताहीं या कहकै दी,
“या मेरी देह सै जो थारे खात्तर दी जा सै: मेरी याद म्ह न्यूए करया करो।”
20 इसे तरियां तै उसनै खाणे के पाच्छै कटोरा भी यो कहन्दे होए दिया, “यो कटोरा मेरै उस लहू
म्ह जो थारे खात्तर बहाया जा सै नया करार सै। 21 पर देक्खो, जो मन्नै पकड़वावैगा वो म्हारे गेल्या
इस भोज म्ह शामिल सै। 22 क्यूँके मै माणस का बेट्टा तो जिसा मेरे खात्तर तय करया गया सै, ठीक
उस्से तरियां होण लागरया सै, पर धिक्कार सै उस माणस पै जिसकै जरिये मै पकड़वाया जाऊँ सूं!”
23 फेर वे आप्पस म्ह पूच्छताछ करण लाग्ये के म्हारै म्ह तै कौण सै, जो यो काम करैगा।

□□□□□□ □□□□? □□ □□□□-□□□□□□

24 उन म्ह या बहस भी होगी के म्हारे मै तै कौण बड्ड़ा समझा जावै सै।
25 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “और गैर यहूदियाँ के राजा उनपै राज करै सै, अर जो उनपै हक जमावैं
सै वे भले कुह्वावै सै। 26 पर थम इसे ना होइयो, बल्के जो थारे म्ह बड्ड़ा सै वो छोट्टे कै बरोब्बर
अर जो प्रधान सै, वो सेवक कै बरोब्बर बणै। 27 क्यूँके बड्ड़ा कौण सै, वो जो खाणे पै बेठ्या सै, या
वो जो सेवा करै सै? के वो न्ही जो ज़िम्मण बेठ्या सै? पर मै थारे बिचाळै सेवक बरोब्बर सूं। 28 थम
वो सों, जो मेरी मुसीबतां म्ह लगातार मेरै गेल्या रहे, 29 अर जिस तरियां मेरै पिता नै मेरै खात्तर
एक राज्य ठहराया सै, उस्से तरियां मै भी थारे खात्तर ठहराऊँ सूं, 30 ताके थम मेरै राज्य म्ह मेरी
मेज पै खाओ-पीओ बल्के सिंहासनां पै बैठकै इस्राएल के बारहां गोत्रां का न्याय करो।”

□□□□□ □□ □□□□□□□ □□ □□□□□□□□□□□□

31 “शमौन, हे शमौन! देख शैतान नै परमेसवर तै हुकम ले लिया सै, के थारे ताहीं परखै जिस
तरियां किसान गेहूँ नै भूसी तै न्यारा करै सै। 32 पर मन्नै तेरे खात्तर बिनती करी ताके थम मेरे पै
बिश्वास करणा ना छोड़ दे, अर जिब थम पाप करणा छोड़ दे, तो अपणे भाईयाँ नै भी इसाए करण
खात्तर कहियो।”
33 उसनै उसतै कह्या, “हे प्रभु मै, तेरे गेल्या जेळ जाण, बल्के मरण नै भी त्यार सूं।”
34 उसनै कह्या, “हे पतरस, मै तन्नै सच कहूँ सूं, के आज मुर्गा बाँग न्ही देवैगा जब ताहीं तू तीन
बर मेरै बारै म्ह मुकरैगा जावैगा, के मै तन्नै न्ही जाणदा।”

□□□□□, □□□□□ □□ □□□□□□

35 फेर यीशु नै चेल्यां ताहीं कह्या, “जिब मन्नै थारे ताहीं वचन सुणाण खात्तर बटुए, अर झोळी,
अर जूत्याँ कै बिना भेज्या था, तो के थमनै किसे चीज की कमी होई थी?” उननै कह्या, “किसे चीज
की न्ही।”

36 उसनै चेल्यां तै कह्या, “पर इब जिसकै धोरै बटुआ ना हो वो उसनै ले अर उस्से तरियां जिसकै
धोरै तलवार न्ही हो तो वो अपणे लत्ते बेचकै एक मोल लेवै। 37 क्यूँके मै थमनै कहूँ सूं, यो जो पवित्र
ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, ‘वो गुन्हेगार गेल्या गिण्या गया,’ उसका मेरै म्ह पूरा होणा जरूरी सै, क्यूँके
मेरै बारै म्ह लिखी सारी बात्तां का होणा जरूरी सै।”
38 चेल्यां नै कह्या, “हे प्रभु याड़ै दो तलवार सै।” यीशु नै उन ताहीं कह्या, “भतेरी सै।”

[illegible]

39 फेर यीशु बारणै लिकड़कै अपणी रीत के मुताबिक जैतून कै पहाड़ पै गया, अर चेल्लें उसकै
पाच्छै हो लिये। 40 उस जगहां पोहुच कै उसनै चेल्यां तै कह्या, “प्रार्थना करो कै थम परखे ना
जाओ।” 41 अर आप उनतै न्यारा एक डळा फेकण के बराबर जितनी दूर गया, अर गोड्डे टेक कै
प्रार्थना करण लाग्या, 42 “हे पिता जै तू चाहवै तो इस दुख के कटोरे नै मेरै धोरै तै हटा ले, तोभी
मेरी न्ही पर तेरी मर्जी पूरी हो।” 43 फेर सुर्ग तै एक सुर्गदूत उसनै दिख्या जो उसनै सामर्थ दिया करै
था। 44 वो और घणे संकट म्ह काल होकै और भी मन तै प्रार्थना करण लाग्या, अर उसका पसीन्ना
मान्नो लहू की बड्डी-बड्डी बूँदां के जू धरती पै गिरै था।
45 फेर वो प्रार्थना तै उठया अर अपणे चेल्यां कै धोरै आकै उन ताहीं उदासी कै मारै सोन्दे पाया।
46 अर उनतै कह्या, “क्यूँ सोवों सों? उठ्ठो, प्रार्थना करो के थम परखे ना जाओ।”

[illegible]

47 यीशु न्यू कहण ए लागरया था, के एक भीड़ आई, अर उन बारहां चेल्यां म्ह तै एक जिसका
नाम यहूदा था उसकै आग्गै-आग्गै आण लाग रह्या था। वो यीशु कै धोरै आया के उसनै चूम ले।
48 यीशु नै उसतै कह्या, “हे यहूदा, के तू चुम्मा लेकै माणस के बेट्टा नै पकड़वावै सै?”
49 उसकै साथियाँ नै जद देख्या के, के होण आळा सै, तो कह्या “हे प्रभु, के हम तलवार चलावां?”
50 अर उन म्ह तै एक नै महायाजक के नौक्कर पै तलवार चलाकै उसका सोळा कान उड़ा दिया।
51 इसपै यीशु नै कह्या, “इब बस करो।” अर उसका कान छू कै उस ताहीं ठीक करया।
52 फेर यीशु नै प्रधान याजकां अर मन्दर कै पैहरेदारां कै सरदारां अर यहूदी अगुवां तै, जो उसपै
चढ़ ग्ये थे, कह्या, “के थम मन्नै डाकू जाणकै तलवार अर लाठ्ठी लेकै लिकड़े सो? 53 जद मै मन्दर
म्ह हरेक दिन थारे गेल्या था, तो थमनै मेरै हाथ भी कोनी लाया, पर यो थारा बखत सै, अर अन्धकार
का हक सै।”

[illegible]

54 फेर वे यीशु नै पकड़कै ले चाल्ले, अर महायाजक कै घर म्ह लाये, पतरस दूरे ए दूर उसकै
पाच्छै-पाच्छै चाल्लै था। 55 अर जद वे आँगण म्ह आग सुलगाकै कठ्ठे बेठ्ठे, तो पतरस भी उसके
बिचाळै बैठग्या। 56 फेर एक नौकराणी उस ताहीं आग कै चाँदणे म्ह बेठ्या देखकै अर उस कान्ही
देखकै कहण लाग्गी, “यो भी तो उसकै गेल्या था।”
57 पर पतरस नै यो कहकै मना कर दिया, के “हे, जनानी मै उसनै कोनी जाणदा।”
58 थोड़ी हाण पाच्छै किसे और नै पतरस ताहीं देखकै कह्या, “तू भी तो उन म्ह तै ए सै।” उसनै
कह्या, “हे भाई, मै वो कोनी।”
59 कोए एक घंटे कै पाच्छै एक और माणस पक्के बिश्वास तै कहण लाग्या, “सही म्ह यो भी तो
उसकै गेल्या था, क्यूँके यो गलीलवासी सै।”
60 पतरस नै कह्या, “हे भाई, मै न्ही जाण्दा के तू के कहवै सै!” वो या कहवैए था के मुर्गे नै बाँग
देई 61 फेर घूमकै प्रभु नै पतरस की ओड़ देख्या अर पतरस नै प्रभु की बात याद आई जो उसनै
कही थी: “आज मुर्गे कै बाँग देण तै पैहल्या, तू तीन बर इन्कार करैगा।” 62 अर वो बारणै लिकड़कै
नै फूट-फूटकै रोण लाग्या।

[illegible]

63 जो माणस यीशु नै पकड़े होए थे, वे उसका मजाक बणाकै पीटण लाग्गे, 64 अर उसकी आँख
ढँक कै उसतै बुझया, "भविष्यवाणी करकै बता के तेरे किसनै मारया!" 65 अर उननै घणीए बुराई की
बात उसकै बिरोध म्ह कही।

[illegible]

66 जिब दिन लिकड़या तो यहूदी अगुवें, प्रधान याजक अर शास्त्री कठ्ठे होए, अर उस ताहीं
अपणी बड्डी सभा म्ह ल्याकै बुझया, 67 "जै तू मसीह सै, तो म्हारै ताहीं कह दे!" उसनै उनतै कह्या,
"जै मै थारे तै कहूँ, तो बिश्वास कोनी करोगे, 68 अर जै बुझ्झु, तो जवाब न्ही द्योगे। 69 पर इब तै मै
माणस का बेट्टा सर्वशक्तिमान परमेसवर कै सोळी ओड़ बेठ्या रहूँगा।"

70 इसपै सब नै कह्या, "तो के तू परमेसवर का बेट्टा सै?" यीशु नै उन ताहीं कह्या, "थम अपणे-
आप्पे कहो सों, क्यूँके मै सूं।"

71 फेर उननै कह्या, "इब हमनै गवाह की के जरूरत सै, क्यूँके हमनै आप्पे उसकै मुँह तै सुण लिया
सै।"

23

[illegible]

1 फेर सारी मंडळी उठकै यीशु नै राज्यपाल पिलातुस कै धोरै लेग्यी। 2 वो ये कहकै उसपै इल्जाम
ल्याण लाग्गे, "हमनै इस ताहीं माणसां नै भकांदे, अर कैसर नै चुंगी देण तै मना करदे, अर खुद नै
मसीह, राजा कहन्दे होए सुण्या सै।"

3 पिलातुस नै उसतै बुझ्झया, "के तू यहूदियाँ का राजा सै?" उसनै उस ताहीं जवाब दिया, "तू
आप ए कहण लागरया सै।"

4 फेर पिलातुस नै प्रधान याजकां तै अर माणसां तै कह्या, "मन्नै इस आदमी म्ह कोए खोट न्ही
पाया।"

5 पर वे और भी बिश्वास के गेल्या कहण लाग्गे, "यो गलील परदेस तै लेकै याड़ै ताहीं, सारे
यहूदिया परदेस के माणसां नै उपदेश देकै दंगा करवावै सै।"

6 या सुणकै पिलातुस नै बुझया, "के यो आदमी गलीलवासी सै?" 7 अर या जाणकै के वो हेरोदेस
की रियासत का सै, उस ताहीं हेरोदेस के धोरै भेज दिया, क्यूँके उस बखत वो भी यरुशलेम म्ह था।

[illegible]

8 हेरोदेस यीशु नै देखकै घणा राज्जी होया, क्यूँके वो घणे दिनां तै उसनै देखणा चाहवै था, इस
खात्तर के उसके बारै म्ह सुण्या था, अर उसतै किमे चमत्कार देखण की आस राक्खै था। 9 वो उसतै
भोत-सी बात बुझता रह्या, पर उसनै उस ताहीं कोए भी जवाब न्ही दिया। 10 प्रधान याजक अर
शास्त्री खड़े होए तन मन तै उसपै इल्जाम लगान्दे रहे। 11 फेर हेरोदेस नै अपणे सिपाहियाँ के
गेल्या उसकी बेजती करकै मजाक उड़ाया, अर भड़कीले लत्ते पिराह के उस ताहीं पिलातुस के धोरै
भेज दिया। 12 उस्से दिन पिलातुस अर हेरोदेस साथी बणगे, इसतै पैहल्या वे एक-दुसरे के दुश्मन
थे।

[illegible]

13 पिलातुस नै प्रधान याजकां, सरदारां अर माणसां नै बुलाकै उन ताहीं कह्या, 14 "थम इस
आदमी नै माणसां का भकाण आळा बताकै मेरै धोरै ल्याए सों, अर देक्खो, मन्नै थारे स्याम्ही उसकी
जाँच करी, पर जिन बात्तां का थम उसपै इल्जाम लगाओ सों उन बात्तां के बारै म्ह मन्नै इस म्ह
कोए भी खोट कोनी पाया, 15 ना हेरोदेस नै दोषी पाया, क्यूँके उसनै इस ताहीं म्हारै धोरै भेज दिया
सै: अर देक्खो, उसतै इसा कुछ कोनी होया के वो मौत की सजा के काबिल ठहराया जावै। 16 इस
खात्तर मै इसनै छित्वा कै छोड़ द्यु सूं।" 17 (पिलातुस त्यौहार के बखत उनकै खात्तर एक कैदी नै
छोड़ण पै मजबूर था।)

18 फेर सारे मिलकै चिल्ला उठे, "इसका काम तमाम करदे, अर म्हारै खात्तर बरअब्बा नै छोड़दे!"
19 वो किसे बलवे के कारण जो नगर म्ह होया था, अर हत्या के कारण जेळ म्ह गेरया ग्या था
20 पर पिलातुस नै यीशु ताहीं छोड़ण की इच्छा तै माणसां ताहीं फेर समझाया, 21 आखर उननै
रुक्के मारकै कह्या, "उसनै क्रूस पै चढ़ा, क्रूस पै!"
22 उसनै तीसरी बर उन ताहीं कह्या, "क्यांतै उसनै के बुरा करया सै? मन्नै उस म्ह मौत की सजा
के काबिल कोए बात कोनी पाई। इस तरियां मै इसनै छित्वा कै छोड़ देऊ सूं।"
23 पर वे रुक्के मार-मारकै पाच्छै पड़ ग्ये के वो क्रूस पै चढ़ाया जावै, अर उनका रुक्के मारणा
तेज होग्या। 24 आखर पिलातुस नै हुकम दिया के उनकी बिनती के मुताबिक करया जावै। 25 उसनै
उस आदमी के जो बलवे अर हत्या के कारण जेळ म्ह गेरया ग्या था, अर जिसनै वो माँग्गै थे, छोड़
दिया, अर यीशु नै उनकी इच्छा के मुताबिक सौप दिया।

[illegible]

26 जिब वो यीशु नै लेकै जावै थे, तो उननै एक माणस जिसका नाम शमौन कुरेनी था, जो गाम
म्ह तै आवै था, पकड़कै उसपै क्रूस लाद दिया के उस्से यीशु के पाच्छै-पाच्छै ले चाल्लै। 27 माणसां
की भीड़ उसकै पाच्छै-पाच्छै हो ली उन म्ह घणीए बिरबान्नी भी थी जो उसकै खात्तर छात्ती पीट्टै
अर रोवै धोवै थी। 28 यीशु नै उनकै कान्ही मुड़कै कह्या, "हे यरुशलेम की बेटियों, मेरै खात्तर ना
रोओ, पर अपणे अर अपणे बाळकां के खात्तर रोओ 29 क्यूँके देक्खो, वे दिन आवै सै, जिन म्ह माणस
कहवैंगें, 'धन्य सै वे जो बिरबान्नी जो बाँझ सै अर वे गर्भ जिननै ऊलाद न्ही पैदा करी, अर वे स्तन
जिन नै दूध न्ही पियाया।' 30 उस बखत 'माणस पहाड़ां अर टीलां तै कहण लाग्ये के म्हारै पै आण
पड़ो, अर हमनै ढँक ल्यो।' "
31 क्यूँके वे जिब हरे रुखां गेल्या इसा करै सै, तो सूख्या कै गेल्या के किमे न्ही करया ज्यागा?
32 वे और दो माणसां नै भी जो बुरे काम करण आळे थे यीशु कै गेल्या मारण नै ले चाल्ले। 33 जद
वे उस जगहां पै पोहचे जो "खोपड़ी" यानी इब्रानी भाषा म्ह "गुलगुता" कुह्वावै सै, तो उननै ओड़ै
यीशु ताहीं अर बुरे काम करण आळे ताहीं भी, एक नै सोळी अर दुसरे नै ओळी ओड़ क्रूस पै चढ़ाए।
34 फेर यीशु नै कह्या, "हे पिता इन्हनै माफ कर, क्यूँके ये न्ही जाणदे के ये के करै सै।" अर उननै पर्ची
गेर कै उसके लत्ते बांड लिए।
35 माणस खड़े-खड़े देक्खै थे, अर सरदार भी मजाक करकै कहवै थे "इसनै औरां ताहीं बचाया, जै
यो परमेसवर का मसीह सै, अर उसका छाटया होए सै, तो अपणे-आपनै बचाले।"
36 सिपाही भी धोरै आकै अर सिरका देकै उसका मजाक बणा के कहवै थे, 37 "जै तू यहूदियाँ का
राजा सै, तो अपणे-आपनै बचाले!"
38 अर उसकै उप्पर एक दोषपत्र भी लगा दिया: "यो यहूदियाँ का राजा सै।"

[illegible]

39 जो बुरे काम करणीये ओड़े लटकाए गए थे, उन म्ह तै एक नै उसकी बेजती करकै कह्या, "के तू
मसीह कोनी? फेर अपणे-आपनै अर हमनै बचा!"
40 इसपै दुसरे नै उस ताहीं धमका के कह्या, "के तू परमेसवर तै भी कोनी डरदा? तू भी तो वाए
सजा पा रया सै, 41 हम तो न्याय के मुताबिक सजा पारे सां, क्यूँके हम अपणे काम्मां की ठीक सजा
पारे सां, पर उसनै कोए गलत काम न्ही करया।"
42 फेर उसनै कह्या, "हे यीशु, जद तू अपणे राज्य म्ह आवै, तो मेरी खियास करिये।"
43 उसनै उस ताहीं कह्या, "मै तन्नै सच कहूँ सूं के आजे तू मेरै गेल्या सुर्गलोक म्ह होगा।"
44 करीबन दोफ्फारै तै तीन बजे ताहीं सारे देश म्ह अन्धेरा होया रह्या, 45 अर सूरज का चाँदणा
जान्दा रह्या, अर मन्दर का पड़दा बिचाळै तै पाटग्या, 46 अर यीशु नै जोर तै किल्की मारकै कह्या,
"हे पिता, मै अपणी आत्मा तेरे हात्थां म्ह सौंप्पू सूं।" अर या कह के जी दे दिया।

47 सूबेदार नै जो कुछ होया था देखकै परमेसवर की बड़ाई करी, अर कह्या, “पक्का यो माणस
धर्मी था।” 48 अर भीड़ जो यो देक्खण नै कठ्ठी होई थी, इस घटना नै देखकै दुख के मारे छात्ती
पीटती होई बोहड्गी। 49 पर उसकै सब जाण-पिच्छाण, अर जो बिरबान्नी गलील परदेस तै उसकै
गेल्या आई थी, दूर खड़ी यो सब देक्खै थी।

[illegible]

50 ओड़ै यूसुफ नाम का यहूदी अगुवां की सभा का एक सदस्य था जो आच्छा अर धर्मी आदमी
था 51 वो सभा के फैसले अर इस काम तै राज्जी कोनी था। वो यहूदिया परदेस के नगर अरिमतिया
गाम का रहण आळा अर परमेसवर के राज्य की बाट देखण आळा था। 52 उसनै पिलातुस के धोरै
जाकै यीशु की लाश माँग्गी, 53 अर उस ताहीं उतार के मलमल की चाद्दर म्ह लपेटया, अर एक कब्र
म्ह धरया, जो पत्थरां म्ह खुदी होए थी, अर उस म्ह कोए कदे न्ही राख्या ग्या था। 54 वो त्यारी का
दिन था, अर आराम का दिन शरु होण आळा था।
55 उन बिरबानियाँ नै जो उसके गेल्या गलील परदेस तै आई थी, पाच्छै-पाच्छै जाकै उस कब्र
ताहीं देख्या, अर यो भी के उसकी लाश किस रीति तै राक्खी गयी सै। 56 फेर उननै घर बोहड़ के
खुशबुदार चीज अर इत्र त्यार करया, अर आराम कै दिन उननै हुकम के मुताबिक आराम करया।

24

[illegible]

1 पर हफ्ते कै पैहल्ड़े दिन तड़कै-तड़कै नै वे उन खुशबुदार चिज्जां नै जो उननै बणाई थी, लेकै
यीशु की कब्र पै आई। 2 उननै पत्थर कब्र पै तै गिरड़या होया पाया, 3 पर भीत्तर जाकै प्रभु
यीशु की लाश कोनी पाई। 4 जब वे इस बात तै हैरान होरी थी तो देक्खो दो माणस चमकदे होए
लत्ते पहरी होए उनकै धोरै आण खड़े होए। 5 जिब वे डरगी अर धरती की ओड़ मुँह झुकाए रही तो
उननै उन ताहीं कह्या, “थम जान्दे नै मरे होया म्ह क्यूँ टोह्वो सो? 6 वो उरै कोनी, पर जिन्दा होग्या
सै। याद करो कै उसनै गलील परदेस म्ह रहंदे होए थारे तै कै कह्या था, 7 जरूरी सै कै मै माणस
का बेट्टा पापियाँ कै हाथ्थां म्ह पकड़वाया जाऊँ, अर क्रूस पै चढ़ाया जाऊँ, अर तीसरे दिन जी
उठ्ठु।” 8 फेर उसकी बात उनकै याद आई,
9 अर कब्र तै उल्टे आकै उननै उन ग्यारहां नै अर, सारया ताहीं ये सब बात कह दी। 10 जिन नै
प्रेरितां तै ये बात कही वे *मरियम मगदलीनी अर योअन्ना अर याकूब की माँ मरियम अर उसकै
साथ की और भी बिरबान्नी थी। 11 पर उनकी बात उन ताहीं कहाँनी-सी लाग्गी, अर उननै उसका
बिश्वास कोनी करया। 12 फेर पतरस कब्र पै भाज्या ग्या, अर झुककै लत्यां की पट्टियाँ का ढेर
पड़े देक्खे, अर जो होया था उसतै अचम्भा होया करदा होया अपणे घरां चल्या ग्या।

[illegible]

13 उस्से दिन उन म्ह तै दो चेल्लें इम्माऊस नाम के गाम म्ह जाण लागरे थे, जो यरुशलेम तै कोए
सात कोंस की दूरी पै था। 14 वे इन सब बात्तां पै जो होई थी, आप्पस म्ह बातचीत करदे जाण लागरे
थे, 15 अर जद वे आप्पस म्ह बातचीत अर पूछताछ करै थे तो यीशु खुद धोरै आकै उनकै गेल्या
चाल्लण लाग्या। 16 पर परमेसवर नै उनकी आँख न्यू बन्द कर दी थी कै यीशु ताहीं पिच्छाण ना
सकै।
17 यीशु नै उनतै बुझया, “ये कै बात सै, जो थम चाल्दे-चाल्दे आप्पस म्ह करो सों?” वे खड़े होगे
अर उनका मुँह भोत उदास था। 18 या सुणकै चेल्यां म्ह तै क्लियुपास नाम के एक चेल्लें नै कह्या,
“इसा लाग्गै सै के तू यरुशलेम म्ह एक्ला परदेशी सै, जो न्ही जाणदा के इन दिनां म्ह इस नगर म्ह
के-के होया सै?”

* 24:10 24:10 मगदला गाम की

19 यीशु नै उनतै बुझया, “कौण सी बात? उननै उस ताहीं कह्या, यीशु नासरी[†] जो नबी था उसकी
बात, जो परमेसवर अर सारे माणसां कै स्याम्ही काम अर वचन म्ह सामर्थी था। 20 अर प्रधान
याजकां अर म्हारै सरदारां नै उस ताहीं पकड़वा दिया ताके उसतै मौत का हुकम दिया जावै, अर उस
ताहीं क्रूस पै चढ़वाया। 21 पर हमनै उम्मीद थी के योए इस्राएल नै रोमी साम्राज्य तै छुटकारा
देवैगा। इन सारी बात्तां कै सिवा इस घटना नै होए आज तीसरा दिन सै, 22 अर म्हारै म्ह तै कई
बिरबानियाँ नै भी म्हारै ताहीं उळझन म्ह गेर दिया, जो आज सबेरै कब्र पै ग्यी थी, 23 अर जिब
उसकी लाश कोनी पाई तो वा या कहन्दी आई के हमनै सुर्गदूत्तां के दर्शन पाये, जिन नै कह्या के
यीशु जिन्दा सै। 24 फेर म्हारै साथियाँ म्ह तै कई कब्र पै गये, अर जिसा बिरबानियाँ नै कह्या था
उसाए पाया, पर वो कोनी देख्या।”
25 फेर यीशु नै उन दो चेल्यां तै कह्या, “हे सब बेकुफों अर नबियाँ की सारी बात्तां पै बिश्वास
करण म्ह नासमझों! 26 के जरूरी कोनी था के मसीह ये दुख उठाकै अपणी महिमा म्ह दाखल हो?”
27 फेर उसनै मूसा नबी तै अर सारे नबियाँ तै शरु करकै सारे पवित्र ग्रन्थां म्ह तै अपणे बारै म्ह
लिक्खी बात्तां का मतलब, उन ताहीं समझा दिया।
28 इतनै म्ह वो उस गाम कै धोरै पोहचे जित्त वे जावै थे, अर उसके ढंग तै इसा लाग्या के वो
आग्गै जाणा चाहवै सै। 29 पर उननै यो कहकै उस ताहीं रोक्या, “म्हारै गेल्या रह, क्यूँके साँझ होली
सै अर दिन इब घणा ढळग्या सै।” फेर वो उनकै गेल्या रहण के खात्तर भीत्तर ग्या।
30 जद वो उनकै गेल्या खाणा खाण बेठ्या, तो उसनै रोट्टी लेकै धन्यवाद करया अर उस ताहीं
तोड़कै उननै देण लाग्या। 31 फेर उनकी आँख खुलगी, अर उननै उस ताहीं पिच्छाण लिया, अर वो
उनकी आँखां तै ओन्झळ होग्या। 32 उननै आप्पस म्ह कह्या, “जद वो म्हारै तै रास्ते म्ह बात करै था
अर पवित्र ग्रन्थ का मतलब हमनै समझावै था, तो कै म्हारै मन म्ह जोश न्ही आया?”
33 वो उस्से बखत जिब्बे उठकै यरुशलेम नगर म्ह चले गये, अर उन ग्यारहां चेल्यां अर उनकै
साथियाँ ताहीं उननै कठ्ठे मिलगे। 34 वो कहवै थे, “प्रभु साच्चेए जी उठ्या, अर शमौन नै दिख्या।”
35 फेर उन दो चेल्यां नै भी राह म्ह होई घटना के बारें ब्यौरा सुण्या अर किस तरियां खाणा खान्दे
बखत उननै मसीह यीशु ताहीं पिच्छाणा लिया था।

[illegible]

36 वे ये बात करै ए थे के वो खुद ए उनके बिचाळै आण खड्या होया, अर उन ताहीं कह्या, “थमनै
शान्ति मिलै।”
37 पर वे घबरागे अर डरगे, अर समझे के हम किसे भूत नै देक्खां सां। 38 यीशु नै उनतै कह्या के,
“क्यूँ घबराओ सों? अर थारे मन म्ह क्यूँ बैहम हो सै? 39 मेरै हाथ-पायां नै देक्खो के मै वोए सूं।
मन्नै छू के देक्खो, क्यूँके आत्मा के हाड-माँस कोनी होन्दे जिसा मेरै म्ह देक्खो सों।”
40 न्यू कहकै उसनै उन ताहीं अपणे हाथ पैर के घा दिखाए। 41 जद खुशी के मारै उननै बिश्वास
कोनी होया, अर वो अचम्भा मान्नै थे, तो यीशु नै उन ताहीं बुझया, “के याड़ै थारे धोरै किमे खाण नै
सै?” 42 चेल्यां नै उस ताहीं भुनी होई मच्छी का टुकड़ा दिया। 43 उसनै वो मच्छी का टुकड़ा लेकै
उनकै आग्गै खाया।
44 फेर उसनै उन ताहीं कह्या, “ये मेरी वे बात सै, जो मन्नै थारे गेल्या रहंदे होए थारे तै कही थी
के जरूरी सै जितनी बात मूसा नबी की नियम-कायदा अर नबियाँ अर भजनां की किताबां म्ह मेरै
बारै म्ह लिक्खी सै, सारी पूरी हों।”
45 फेर उसनै पवित्र ग्रन्थ बुझण के खात्तर उनकी बुद्धि खोल दी, 46 अर उनतै कह्या, “यो
पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के मसीह दुख ठावैगा, अर तीसरे दिन मरे होया म्ह तै जी उठ्ठैगा,
47 अर यरुशलेम तै लेकै सारी जात्तां म्ह पापां नै छोड़ण का अर पापां की माफी का प्रचार, उसकै-
ए नाम तै करया जावैगा। 48 थम इन सारी बात्तां के गवाह सों। 49 अर देक्खो, मै थारे पै पवित्र

[†] **24:19** 24:19 नासरत नगर का रहण आळा

आत्मा भेज्जूँगा जिसा मेरे पिता नै कह्या सै, जिब तैई पवित्र आत्मा थारे पै न्ही आवै, अर थम सुर्ग
तै सामर्थ ना पाओ, जब ताहीं इसे नगर म्ह रुके रहो।”

[illegible]

50 फेर यीशु उननै बैतनिय्याह गाम ताहीं बाहर लेग्या, अर अपणे हाथ ठाकै उन ताहीं आशीर्वाद
दिया, 51 अर उननै आशीष देंदे होए वो उनतै न्यारा होग्या अर सुर्ग पै उठा लिया। 52 फेर वो उसनै
नमस्कार करकै बड़ी खुशी तै यरुशलेम चले गए, 53 अर वे लगातार मन्दर म्ह हाज्जर होकै परमेसवर
की भगति करया करै थे।

यूहन्ना के जरिये लिख्या गया सुसमाचार

[illegible]

यूहन्ना के जरिये लिखे गये सुसमाचार म्ह यीशु ताहीं परमेसवर अनन्त वचन के तौर पै पेश करया ग्या सै, जिसनै देह धारण करकै म्हारे बीच म्ह डेरा करया। इस किताब म्ह यो साफ कह्या सै, कै यो सुसमाचार ज्यातै लिखा ग्या के इसके पढ़णियें बिश्वास करै, के यीशु ए वादा करया होया, मुक्ति देणिया अर परमेसवर का बेट्टा सै, अर वे सारे यीशु मसीह म्ह बिश्वास के जरिये जिन्दगी पा सकै (20:31) सै। भूमिका म्ह यीशु ताहीं परमेसवर के अनन्त वचन के रूप म्ह दिखाया ग्या सै, उसकै बाद सुसमाचार के पैहले भाग म्ह सात चमत्कारां या अदभुत काम्मां का जिक्र सै, उनतै यो जाहिर होवै सै, के यीशु वादा करया होया उद्धारकर्ता अर परमेसवर का बेट्टा सै। दुसरा भाग उपदेश सै। उन म्ह यो समझाया ग्या सै, के इन चमत्कारां का मतलब के सै। इस भाग म्ह यो बताया ग्या सै, के किस तरियां कुछ माणसां नै यीशु पै बिश्वास करया अर उसके चेल्लें बणगे, जिब के दुसरे माणसां नै उसका बिरोध करया अर बिश्वास करण तै नाटगे थे। 13-17 पाठ म्ह यीशु ताहीं पकड़वाये जाण आळी रात नै, यीशु की उसके चेल्यां के गैल गहरी संगति, अर सूळी पै चढ़ाये जाण तै पैहले साँझ नै चेल्यां ताहीं तैयार करणा अर उननै होसला देण आळे यीशु के वचनां का विस्तारपूर्वक वर्णन सै। आखरी के पाठां म्ह यीशु का पकड़वाया जाणा अर मुकदमे, उसका क्रूस पै चढ़ाया जाणा, जिन्दा हो जाणा, अर जिन्दा होण के बाद चेल्यां पै जाहिर होण का वर्णन सै। यूहन्ना मसीह के जरिये अनन्त जीवन के दान पै जोर देवै सै। यो एक इसा दान सै जो इब शरु होवै सै, अर उन ताहीं मिलै सै जो यीशु नै राह, सच्चाई अर जिन्दगी के रूप म्ह पावै सै। आत्मिक बात्तां नै दिखाण खात्तर रोज की साधारण चिज्जां नै निशान्नी के तौर तै इस्तमाल करणा, यूहन्ना की एक खास बात सै, जिस तरियां-पाणी, रोटी, चाँदणा, पाळी अर उसकी भेड़, अर अंगूर की बेल अर उसके फळ।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1-18
यूहन्ना बपतिस्मा देण आळा अर यीशु के पैहले चेल्लें 1:19-51
यीशु के जरिये माणसां की सेवा 2:1-12:50
यरुशलेम नगर म्ह आखर के थोड़े दिन 13:1-19:42
प्रभु यीशु का जिन्दा हो जाणा अर उसका दिखाई देणा 20:1-31
समापन गलील परदेस म्ह दुबारा दिखाई देणा 21:1-25

[illegible]

1 दुनिया बणण तै पैहल्या वचन था, अर वचन परमेसवर कै गेल्या था, अर वचन परमेसवर था।
2 यो वचन ए शरुआत तै परमेसवर कै गेल्या था। 3 दुनिया की हरेक चीज उस्से कै जरिये बणी सै,
अर उसके बिना किसे भी चीज की रचना न्ही होई। 4 वो जीवन का जरिया था, अर वो जीवन मानव
जात्ति कै खात्तर चाँदणा था। 5 चाँदणा अन्धेरै म्ह चमकै सै, अर अन्धेरा उस ताहीं बुझा न्ही सक्या।
6 परमेसवर कै ओड़ तै भेज्जा होया एक माणस आया, जिसका नाम यूहन्ना था। 7 वो गवाही देण
खात्तर आया के माणसां नै चाँदणे की गवाही देवै, के सारे माणस उसकै जरिये चाँदणे पै बिश्वास करै।
8 वो खुद तै वो चाँदणा कोनी था, पर माणसां नै उस्से चाँदणे की गवाही देण खात्तर आया था।
9 जो साच्चा चाँदणा था, हरेक माणस नै ज्ञान का चाँदणा देवै सै, वो धरती पै आण आळा था। 10 वो
दुनिया म्ह था, अर दुनिया उसकै जरिये बणी, अर दुनिया के माणसां नै उस ताहीं न्ही पिच्छाण्या।
11 वो अपणे यहूदी माणसां कै धोरै आया अर उसके अपणे लोग्गां नै उस ताहीं कोन्या अपणाया।
12 पर जितन्या नै उस ताहीं अपणाया, उसनै उन ताहीं परमेसवर के ऊलाद होण कि हक दिया। 13 वे

कुदरती तौर पै ना तो पूर्वजां तै, ना देह की मर्जी तै, ना माणसां की मर्जी तै, पर परमेसवर की मर्जी
तै पैदा होए सै।
14 अर वचन देह धारण करकै आया, अर अनुग्रह अर सच्चाई तै भरकै म्हारै बिचाळै रहण लाग्या,
अर हमनै उसकी इसी महिमा देक्खी, जिसी पिता कै इकलौते बेट्टे की महिमा।
15 यूहन्ना नै उसकै बारै म्ह गवाही दी, अर रुक्का मारकै बोल्या, "यो वोए सै, जिसका मन्नै
जिक्र करया के जो मेरै पाच्छै आण लागरया सै, वो मेरतै घणा महान् सै क्यूँके वो मेरतै पैहल्या
था।" 16 क्यूँके उसकी करुणा अर सच्चाई की भरपूरी म्ह तै हम सारया नै आशीष पै आशीष पाई।
17 इस खात्तर के नियम-कायदे तो मूसा नबी तै मिले, पर अनुग्रह अर सच्चाई यीशु मसीह कै जरिये
पोहची। 18 परमेसवर ताहीं किसे नै कदे कोन्या देख्या, पर परमेसवर के इकलौते बेट्टे नै, जो सदा
परमपिता कै गैल सै, उस्से नै म्हारे ताहीं दिखाया।

[illegible]
([illegible] 3:1-12; [illegible] 1:1-8; [illegible] 3:1-18)

19 यूहन्ना की गवाही या सै, के जिब यहूदी अगुवां नै यरुशलेम तै याजकां अर लेवियाँ नै उसतै
यो बुझ्झण नै भेज्या, के "तू कौण सै?" 20 फेर उसनै नाटया कोनी, पर मान लिया के "मै मसीह
कोनी।"
21 फेर उननै यूहन्ना तै बुझ्झया, "तो फेर तू कौण सै? के तू एलिय्याह नबी सै?" उसनै साफ-साफ
कह दिया के, "मै मसीह कोनी।" "तो के तू वो नबी सै?" उसनै जवाब दिया, "ना।"
22 फेर उननै यूहन्ना तै बुझ्झया, "फेर तू सै कौण? ताके हम अपणे भेजण आळा ताहीं जवाब देवां।
तू अपणे बारै म्ह के कहवै सै?" 23 वो बोल्या, "जिसा यशायाह नबी नै बोल्या सै: 'मै जंगल-बियाबान
म्ह एक रुक्का देवण आळे का वचन सूं, के थम प्रभु का रास्ता सीध्धा करो।' "
24 वे फरीसियों के कान्ही तै भेज्जै होड़ थे।
25 उननै उसतै यो सवाल बुझ्झया, "जै तू ना मसीह सै, अर ना एलिय्याह, अर ना वो नबी सै, तै
फेर बपतिस्मा क्यांतै देवै सै?"
26 यूहन्ना नै उन ताहीं जवाब दिया, "मै तो थमनै पाणी तै बपतिस्मा देऊँ सूं, पर थारे बीच म्ह
एक माणस खडया सै जिसनै थम कोनी जाणदे। 27 यानी मेरै पाच्छै आण आळा सै, जिसके जूत्याँ
के फित्ते भी मै खोल्लण जोग्गा कोनी।"
28 ये बात यरदन नदी तै परली ओड़ बैतनिय्याह गाम म्ह होई, जड़ै यूहन्ना माणसां ताहीं
बपतिस्मा दिया करदा।

[illegible]

29 दुसरे दिन यूहन्ना नै यीशु ताहीं अपणी ओड़ आन्दे देखकै बोल्या, "देक्खो, यो परमेसवर का
मेम्ना सै जो दुनिया का पाप ठावै सै। 30 यो वोए सै जिसकै बारै म्ह मन्नै कह्या था, एक माणस मेरै
बाद आवै सै जो मेरतै महान् सै, ज्यातै वो मेरतै पैहल्या था। 31 मै खुद तो उसनै कोनी पिच्छाणु था,
पर इस्से खात्तर मै पाणी तै बपतिस्मा देन्दा होया आया, ताके इस्राएल के माणस उसनै जान ले।"
32 अर यूहन्ना नै या गवाही दी: "मन्नै सुर्ग तै पवित्र आत्मा ताहीं कबूतर की तरियां अकास तै
उतरदे अर उस ताहीं मसीह यीशु पै ठहरते देख्या सै।" 33 मै तो उसनै पिच्छाणु कोनी था, पर जिसनै
मेरै ताहीं पाणी तै बपतिस्मा देण कै खात्तर भेज्या, उस्से नै मेरै ताहीं कह्या, "जिसपै तू आत्मा नै
उतरदे अर ठहरदे देक्खै, वोए पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा देणिया सै।" 34 "अर मन्नै देख्या, अर
गवाही दी सै, के योए परमेसवर का बेट्टा सै।"

[illegible]

35 आगले दिन यूहन्ना अपणे दो चेल्यां कै गैल फेर ओड़ै खड़े थे, 36 अर उसनै यीशु ताहीं जो
उसकै धोरै तै जाण लागरया था, उसकी ओड़ लखाकै बोल्या, "देक्खो, यो परमेसवर का मेम्ना सै।"
37 जिब्बे वे दोन्नु चेल्लें उसकी या बात सुणकै यीशु कै गैल हो लिए। 38 यीशु नै मुड़कै उन ताहीं
गैल आन्दे देख्या अर उनतै बोल्या, "थम के चाह्वो सो?" वे उसतै बोल्ले, "हे गुरु, तू कित्त रहवै सै?"

39 यीशु उनतै बोल्या, "चाल्लों, तो देख लियो।" फेर उननै उसकै रहण की जगहां देक्खी, अर
उस दिन उसकै गेल्या रहे। क्यूँके साँझ के करीब चार बजगे थे।
40 उन दोनुआ म्ह तै, जो यूहन्ना की बात सुणकै यीशु कै गेल्या हो लिए थे, एक तो शमौन पतरस
का भाई अन्द्रियास था। 41 उसनै पैहल्या अपणे सगे भाई शमौन तै मिलकै उसतै बोल्या, "हमनै
ख्रिस्त यानी मसीह (परमेसवर का अभिषिक्त) मिलग्या।"
42 फेर अन्द्रियास शमौन नै यीशु कै धोरै ल्याया। यीशु नै उसकी ओड़ लखाकै कह्या, "तू यूहन्ना
का बेट्टा शमौन सै: तू कैफा यानिके पतरस कुआवैगा।"

[illegible]

43 आगले दिन यीशु नै गलील परदेस जाण का इरादा करया। वो फिलिप्पुस तै मिल्या अर बोल्या,
"मेरै पाच्छै हो ले।"
44 फिलिप्पुस, अन्द्रियास अर पतरस के नगर बैतसैदा का रहणीया था। 45 फिलिप्पुस नतनएल
तै मिल्या अर उसतै बोल्या, "जिसका जिक्र मूसा नबी नै नियम-कायदा म्ह अर नबियाँ नै करया
सै, वो हमनै मिलग्या सै! वो यूसुफ का बेट्टा, यीशु नासरी* सै।"
46 नतनएल नै उसतै बुझ्झया, "के कोए उत्तम चीज भी नासरत तै लिकड़ सकै सै?" फिलिप्पुस
उसतै बोल्या, "चालकै देख ले।"
47 यीशु नै नतनएल ताहीं अपणी ओड़ आन्दे देखकै उसकै बारै म्ह कह्या, "देक्खो, यो साच्चए
इस्राएली सै: इस म्ह कपट कोनी।"
48 नतनएल नै उसतै बुझ्झया, "तू मन्नै किस तरियां जाणै सै?" यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया,
"इसतै पैहल्या के फिलिप्पुस नै तेरे ताहीं बुलाया, तो मन्नै तेरे ताहीं देख्या था जिब तू अंजीर कै
दरखत तळै था।"
49 नतनएल नै उस ताहीं जवाब दिया, "हे गुरु, तू परमेसवर का बेट्टा सै, तू इस्राएल का राजा
सै।"
50 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "मन्नै जो तेरे तै कह्या के मन्नै तेरे ताहीं अंजीर कै दरखत तळै
देख्या, के तू इस्से बात पै बिश्वास करै सै? तू इसतै भी बड़े-बड़े काम देक्खैगा।" 51 फेर उसनै कह्या,
"मै तेरे तै सच-सच कहूँ सूं, के थम सुर्ग नै खुल्या होड़ अर परमेसवर के सुर्गदूत्तां ताहीं मुझ माणस
कै बेट्टे कै खात्तर नीच्चै उतरदे अर उप्पर जान्दे होए देक्खोगे।"

2

[illegible]

1 फेर तीसरे दिन गलील परदेस कै काना नगर म्ह किसे का ब्याह था, अर यीशु की माँ भी ओड़ैए
थी। 2 यीशु अर उसके चेल्लें भी उस ब्याह म्ह न्योंद राक्खे थे। 3 जिब अंगूर का रस खतम होग्या,
फेर यीशु की माँ उसतै बोल्ली, "उनकै धोरै अंगूर का रस कोनी रहया।"
4 यीशु नै उसतै कह्या, "हे नारी, या बात तू मेरे तै क्यूँ कहवै सै? इब्बै मेरा बखत कोनी आया।"
5 पर उसकी माँ नै नौकरां तै कह्या, "जो कुछ यो थारे ताहीं कहवै, न्यूए करियो।"
6 यहूदी परम्परा के मुताबिक शुद्ध* करण† कै खात्तर ओड़ै छः पत्थर के पैण्डे धरे थे, जिन म्ह
दो-दो, तीन-तीन मण‡ पाणी आवै था।
7 यीशु नै उनतै कह्या, "पैंढ़ा म्ह पाणी भर द्यो।" अर उननै वे मुँह तक भर दिए।
8 फेर यीशु नै नौकरां ताहीं कह्या, "इब काढकै भोज कै प्रधान धोरै ले जाओ।" अर वे लेगे। 9 जिब
भोज कै प्रधान नै वो पाणी चाख्या, जो अंगूर का रस बणग्या था अर वे न्ही जाणै था के वो कड़ै तै
आया सै पर जिन नौकरां नै पाणी काढया था वे जाणै थे फेर भोज कै प्रधान नै बन्दड़े ताहीं बुलाकै
उसतै कह्या,

---

* **1:45** 1:45 नासरत नगर का रहण आळा * **2:6** 2:6 शुद्ध सुच्चा † **2:6** 2:6शुद्ध करण यहूदी परम्परा के मुताबिक हाथ-पैर धोणा ‡ **2:6** 2:6 मण सौ सवा सौ लिटर

10 “हरेक माणस पैहल्या बढ़िया अंगूर का रस देवै सै, अर जिब माणस पीकै छिक्क जावै सै, फेर
हल्का देवै सै, पर तन्नै बढ़िया अंगूर का रस इब ताहीं राख राख्या सै।”
11 यीशु नै गलील परदेस के काना नगर म्ह अपणा यो पैहला चिन्ह-चमत्कार दिखाकै अपणी
महिमा जाहिर कर दी अर जिसकी बजह तै उसके चेल्यां नै उसपै बिश्वास करया।
12 इसकै बाद वो अर उसकी माँ अर उसके भाई अर उसके चेल्लें कफरनहूम नगर म्ह गए अर
ओड़ै कुछ दिन रहे।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 21:12-13; [illegible] 11:15-17; [illegible] 19:45-46)

13 यहूदियाँ का फसह का त्यौहार लोवै था, अर यीशु यरुशलेम नगर म्ह गया। 14 उसनै मन्दर
म्ह बळध, भेड़ अर कबूतर बेच्चण आळे अर सर्राफां (पईसा का लेण देण करण आळे) ताहीं बेठ्ठे
होए पाया। 15 फेर उसनै जेवड़ियां का कोरड़ा बणाकै, सारी भेड्डां अर बळधां ताहीं मन्दर तै काढ
दिया, अर सर्राफां के पईसे खिन्डा दिए अर उनके पीढ़े पलट दिए, 16 अर कबूतर बेचण आळा ताहीं
बोल्या, “इन्हनै उरै तै ले जाओ। मेरै पिता कै घर नै व्यापर का घर ना बणाओ।” 17 फेर उसकै चेल्यां
नै याद आया के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या होड़ सै, “तेरे घर की धुन मन्नै खा ज्यागी।”
18 इसपै यहूदी अगुवां नै यीशु तै कह्या, “तू म्हारै ताहीं कौण सा अदभुत निशान दिखा सकै सै?”
जो इस तरियां के काम तू करै सै, यो साबित हो सकै, के तू उसका हक राक्खै सै।
19 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “इस मन्दर नै ढ़ा दो, मै इसनै तीन दिन म्ह बणा दियुँगा।”
20 यहूदी अगुवां नै कह्या, “इस मन्दर कै बणाण म्ह छियालिस साल लाग्गे सै, अर के तू इसनै
तीन दिन म्ह बणा देवैगा?” 21 पर यीशु नै उनतै अपणी देह रूपी मन्दर कै बारै म्ह कह्या था।
22 आखर म्ह जिब वो मरे होया म्ह तै जिन्दा होया, जिब उसकै चेल्यां नै याद आई, के उसनै यो
कह्या था, अर उननै पवित्र ग्रन्थ के वचन जो यीशु के जिन्दा होण के बारें म्ह बतावै सै, अर उननै
यीशु के जरिये कहे होए वचनां पै बिश्वास करया।

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]

23 फसह के त्यौहार के दिन्नां म्ह जिब यीशु यरुशलेम नगर म्ह था, तो उसके जरिये करे गये
चिन्ह-चमत्कार के काम्मां नै देखकै घणे माणसां नै उसपै बिश्वास करया। 24 पर यीशु नै अपणे-आप
ताहीं उनकै भरोसै पै कोनी छोड्या, ज्यातै वो सारया नै जाणै था, 25 अर उसनै इस बात की जरूरत
कोनी थी के कोए आकै उसनै माणसां के बारै म्ह बतावै, क्यूँके वो खुदे जाणै था के माणस कै मन म्ह
के सै?

3

[illegible] [illegible] [illegible]

1 फरीसियाँ म्ह तै नीकुदेमुस नाम का एक माणस था, जो यहूदियाँ का प्रधान था। 2 उसनै रात
नै यीशु के धोरै आकै उस ताहीं कह्या, “हे गुरु, हमनै बेरा सै के तू परमेसवर की ओड़ तै म्हारे ताहीं
सिखाण खात्तर आया सै, ज्यातैए कोए इन चिन्ह-चमत्कारां नै जिननै तू दिखावै सै, जै परमेसवर
उसकै गेल्या ना हो, तो दिखा कोन्या सकदा।”
3 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मै थारे ताहीं सच कहूँ सूं, जै कोए नए सिरे तै ना जन्म ले तो
परमेसवर का राज्य देख न्ही सकदा।”
4 नीकुदेमुस नै उस ताहीं कह्या, “माणस जिब बूढ़ा होज्या, तो किस ढाळ जन्म ले सकै सै? के वो
अपणी माँ कै गर्भ म्ह दुसरी बर भीत्तर बड़कै जन्म ले सकै सै।”
5 यीशु नै जवाब दिया, “मै तेरे तै सच कहूँ सूं, जिब ताहीं कोए माणस पाणी* अर आत्मा तै ना
जन्मे तो वो परमेसवर के राज्य म्ह बड़ न्ही सकदा। 6 क्यूँके मानव देह म्ह जन्म सिर्फ देह का जन्म

---
* **3:5** 3:5पाणी अर आत्मा बपतिस्मा नै दिखावै सै

सै, जिब के आत्मा तै जन्म नया जन्म सै। 7 हैरान ना होवै, के मन्नै तेरे तै कह्या, के थारे ताहीं नए
सिरे तै जन्म लेणा जरूरी सै। 8 हवा जितोड़ चाहवै सै उतोड़ चाल्लै सै, अर तू उसकी आवाज सुणै
सै, पर जाण्दा कोनी, के वा कड़ै तै आवै सै अर कितोड़ नै जावै सै? जो कोए पवित्र आत्मा तै जन्मा
सै वो इसाए सै।"

9 नीकुदेमुस नै उस ताहीं जवाब दिया, के या बात किस ढाळ हो सकै सै?

10 या सुणकै यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "तू इस्राएलियाँ का गुरु होकै भी के इन बात्तां नै
कोनी समझदा?" 11 मै तेरे तै साच्ची-साच कहूँ सूं के हम जो जाणां सां, वो कह्वां सां, अर जिस
ताहीं हमनै देख्या सै उसकी गवाही देवां सां, अर जो हम कह्वां सां, उसका थम बिश्वास कोनी करदे।
12 जिब मन्नै थारैतै दुनिया की बात कही, अर थम बिश्वास न्ही करदे, तो जै मै थमनै सुर्ग की बात
कहूँ, तो फेर किस ढाळ बिश्वास करोगे? 13 अर कोए सुर्ग पै कोनी चढ़ा, सिर्फ वोए एक सै जो सुर्ग
तै उतरा यानिके मै माणस का बेट्टा। 14 अर जिस ढाळ तै मूसा नबी नै जंगल-बियाबान म्ह कांस्सी
का साँप बणाकै उस ताहीं ऊँच्चे पै चढ़ाया, उस्से ढाळ तै जरूरी सै के मै माणस का बेट्टा भी ऊँच्चे
पै चढ़ाया जाऊँ। 15 ताके जो कोए मेरे पै बिश्वास करै वो अनन्त जीवन पावै।

16 क्यूँके परमेसवर नै दुनिया के माणसां तै इसा प्यार राख्या के उसनै अपणा इकलौता बेट्टा
दे दिया, ताके जो कोए उसपै बिश्वास करै, वो नाश कोनी होवै, पर अनन्त जीवन पावै। 17 क्यूँके
परमेसवर नै अपणा बेट्टा दुनिया म्ह इस खात्तर न्ही भेज्या, के दुनिया पै दण्ड का हुकम देवै, पर
इस खात्तर भेज्या के दुनिया उसकै जरिये उद्धार पावै। 18 जो परमेसवर के बेट्टे पै बिश्वास करै सै,
उसपै दण्ड का हुकम कोन्या होन्दा, पर जो उसपै बिश्वास न्ही करदा, वो कसूरवार बणैगा, ज्यांतै के
उसनै परमेसवर के इकलौते बेट्टै कै नाम पै बिश्वास कोनी करया। 19 अर दण्ड कै हुकम का कारण
यो सै के चान्दणा दुनिया म्ह आया सै, अर माणसां नै अन्धेरै ताहीं चाँदणे तै घणा प्यारा जाण्या
क्यूँके उनके काम बुरे थे। 20 क्यूँके जो कोए पाप करै सै, वो चाँदणे तै बैर राक्खै सै, अर चाँदणे धोरै
कोनी आन्दा, क्यूँके उसके पाप उजागर हो जावैंगे। 21 पर जो सच्चाई पै चाल्लै सै वो चाँदणे धोरै
आवै सै, ताके ये साबित हो जावै के उसके काम परमेसवर की ओड़ तै कराये गये सै।

[illegible]

22 फेर यीशु अर उसके चेल्लें यहूदिया परदेस म्ह पोहचे, अर वो ओड़ै उनकै गेल्या रहकै माणसां
ताहीं बपतिस्मा देण लाग्या। 23 यूहन्ना भी शालेम नगर कै धोरै ऐनोन नामक गाम म्ह बपतिस्मा
देवै था, क्यूँके ओड़ै घणाए पाणी था, अर माणस आकै बपतिस्मा लेवै थे। 24 यूहन्ना उस बखत ताहीं
जेळखान्ने म्ह कैद न्ही करया था। 25 ओड़ै यूहन्ना के कुछ चेल्यां का किसे यहूदी गेल्या पाणी तै
शुद्धिकरण कै बारै म्ह बहस होगी। 26 अर यूहन्ना कै चेल्यां नै आकै उस ताहीं कह्या, "हे गुरु, जो
माणस यरदन नदी कै परली ओड़ तेरी गेल्या था, अर जिसके बारें म्ह तन्नै कह्या सै, देख, वो यीशु
बपतिस्मा देवै सै, अर सारे उसकै धोरै आवै सै।"

27 यूहन्ना नै जवाब दिया, "माणस नै तब तक कुछ न्ही मिल सकता, जिब तक वो सुर्ग तै ना
दिया जावै।" 28 थारे ताहीं तो पैहले मन्नै बताया था के "मै मसीह कोनी, पर उसतै पैहले भेज्या
गया सूं।" 29 बन्दड़ा बन्दड़ी तै ब्याह करै सै, पर बन्दड़े का साथी जो खड्या होया उसकी आवाज
सुणै सै, बन्दड़े कै वचन तै घणा खुश होवै सै, अर मै भी खुश सूं। 30 जरूरी सै के वो बधै अर मै घटूँ।

31 जो सुर्ग तै आवै सै, वो सारया म्ह सबतै महान् सै, जो धरती कान्ही तै आवै सै वो धरती का
सै, अर धरतीए की बात कहवै सै: जो सुर्ग कान्ही तै आवै सै, वो सारया तै उप्पर सै।† 32 उसनै जो
कुछ देख्या अर सुण्या सै, वो उस्से की बात करै सै, पर उसकी गवाही कोए न्ही मानता। 33 जिसनै
उसकी गवाही अपणाई उसनै इस बात पै छाप लगा दी के परमेसवर साच्चा सै। 34 क्यूँके जिस ताहीं
परमेसवर नै भेज्या सै, वो परमेसवर की बात कहवै सै, क्यूँके परमेसवर उननै बिना किसे माप के

† **3:31** 3:31 यूह-8:23

पवित्र आत्मा देवै सै। 35 पिता अपणे बेट्टै तै प्यार करै सै, अर उसनै सारी चीज उसकै हाथ्थां म्ह
दे दी सै। 36 जो बेट्टै पै बिश्वास करै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै, पर जो बेट्टै की बात कोनी
मान्दा, उसनै वो अनन्त जीवन कोनी मिलै, इसकी बजाये उसपै परमेसवर का छो बण्या रहवैगा।

4

[illegible]

1 फेर जिब यीशु नै बेरा पाटया के फरीसियाँ नै सुण्या सै के यीशु यूहन्ना तै घणे चेल्लें बणावै सै
अर उननै बपतिस्मा देवै सै। 2 (ऊतो यीशु खुद न्ही बल्कि उसके चेल्लें बपतिस्मा देवै थे) 3 फेर वो
यहूदिया परदेस नै छोड़कै दुबारै गलील परदेस म्ह चल्या गया,

4 इस बार उसनै सामरिया परदेस होकै जाणा पड्या था। 5 इस करकै वो सामरिया परदेस के सूखार
नामक एक नगर म्ह आया, यो नगर उस जगहां कै धोरै था जो याकूब नै अपणे बेट्टे यूसुफ ताहीं
दिया था। 6 अर याकूब का कुआँ भी ओड़ैए था। यीशु सफर का थक्या होड़ उस कुएँ पै न्यूए बैठग्या।
दोपहर का बखत होरया था।

7 इतनै म्ह एक सामरी बिरबान्नी पाणी भरण आई। यीशु नै उस ताहीं कह्या, "मन्नै पाणी पिया।"
8 क्यूँके उसके चेल्लें नगर म्ह खाणा मोल लेण जारे थे।

9 उस सामरी बिरबान्नी नै उस ताहीं कह्या, "तू यहूदी होकै मेरे तै सामरी बिरबान्नी तै पाणी क्यांतै
माँग्गै सै?" (क्यूँके यहूदी सामरियाँ तै नफरत करै थे।)

10 यीशु नै जवाब दिया, "जै तू जाणदी के परमेसवर तन्नै के देणा चाहवै सै, अर वो कौण सै, जो
तेरे तै कहवै सै, 'मन्नै पाणी पिया,' फेर तू उसतै माँगदी, अर वो तन्नै जीवन का पाणी देन्दा।"

11 बिरबान्नी नै उस ताहीं कह्या, "हे प्रभु, तेरे धोरै पाणी भरण नै तो किमे सै भी कोनी, अर कुआँ
डून्घा सै, तो फेर वो जीवन का पाणी तेरे धोरै कड़ै तै आया? 12 के तू म्हारै पूर्वज याकूब तै बड्ड़ा
सै, जिसनै म्हारै ताहीं यो कुआँ दिया, अर खुद भी अपणे ऊलादां, अर अपणे डान्गरां सुधा इस म्ह
तै पिया?"

13 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "जो कोए यो पाणी पीवैगा वो फेर तिसाया होगा, 14 पर जो
कोए उस पाणी म्ह तै पीवैगा जो मै उस ताहीं दियुँगा वो फेर अनन्त काल ताहीं तिसाया कोनी
होवैगा, बल्के जो पाणी मै उस ताहीं दियुँगा वो उस म्ह तै एक चोवा बण ज्यागा जो अनन्त जीवन
खात्तर उमड़दा रहवैगा।"

15 बिरबान्नी नै उस ताहीं कह्या, "हे प्रभु, वो पाणी मन्नै दे ताके मै तिसाई ना होऊँ अर ना पाणी
भरण नै इतनी दूर आऊँ।"

16 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "जा अपणे धणी नै याड़ै बुला ल्या।"

17 बिरबान्नी नै जवाब दिया, "मै बिना धणी की सूं।" यीशु नै उस ताहीं कह्या, "तू ठीक कहवै सै,
'मै बिना धणी की सूं।' 18 क्यूँके तन्नै पाँच धणी कर लिए सै, अर जिस माणस कै गेल्या तू इब सै वो
भी तेरा धणी कोनी। या तन्नै साच्ची-ए कही सै।"

19 बिरबान्नी नै उस ताहीं कह्या, "हे प्रभु, मन्नै लाग्गै सै तू नबी सै। 20 म्हारै सामरी पूर्वजां
नै इस्से पहाड़ पै भगति करी, अर यहूदी लोग कहवै सै, के वा जगहां जड़ै भगति करणी चाहिए
यरुशलेम नगर म्ह सै।"

21 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "हे नारी," मेरी बात का भरोस्सा कर, के वो बखत आवै सै, के थम
ना तो इस पहाड़ पै पिता की भगति करोगे, ना यरुशलेम म्ह। 22 थम जिसनै कोनी जाणदे, उसकी
भगति करो सो, अर हम यहूदी लोग जिसनै जाणा सा उसकी भगति करा सां, क्यूँके उद्धार यहूदियाँ
म्ह तै सै। 23 पर वो बखत आवै सै, बल्कि इब भी सै, जिसम्ह सच्चे भगत पिता की भगति आत्मा
अर सच्चाई तै करैगें, क्यूँके पिता अपणे खात्तर इसेए भगतां नै टोहवै सै। 24 परमेसवर आत्मा सै
अर जरूरी सै के उसकी भगति करण आळे आत्मा अर सच्चाई तै उसकी भगति करै।

25 बिरबान्नी नै उस ताहीं कह्या, "मै जांणु सूं के मसीह" जो ख्रिस्त कुहावै सै, "आण आळा सै,
जिब वो आवैगा, फेर म्हारै ताहीं सारी बात बता देवैगा।"
26 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "मै जो तेरे तै बोल्लण लागरया सूं, मै वोए सूं।"

[illegible]

27 इतनै म्ह उसके चेल्लें आण पोहचे, अर हैरान होण लागगे के वो बिरबान्नी तै बतळावै था, फेर
भी किसे नै कोनी बुज्झया, "तू के चाहवै सै? या क्यातै उसतै बतळावै सै?"
28 फेर बिरबान्नी अपणा पैंढ़ा छोड़कै नगर म्ह चली गई, अर माणसां तै कहण लाग्गी, 29 "आओ
एक माणस नै देक्खो, जिसनै सारा किमे जो मन्नै करया मेरै तै बता दिया। कदे योए तो मसीह न्ही
सै?" 30 तब वे नगर के बासिन्दे गाम तै लिकड़कै यीशु कै धोरै आण लाग्गे।
31 इस बिचाळै उसके चेल्यां नै यीशु तै या बिनती करी, "हे गुरु, किमे खा ले।"
32 पर उसनै उन ताहीं कह्या, "मेरै धोरै खाण खात्तर इसा खाणा सै जिसनै थम कोनी जाणदे।"
33 फेर चेल्यां नै आप्पस म्ह कह्या, "के कोए उसकै खात्तर खाणा लेकै आया सै?"
34 यीशु नै उनतै कह्या, "मेरा खाणा यो सै के अपणे भेजण आळे की मर्जी कै मुताबिक चाल्लुँ
अर उसके काम नै पूरा करुँ जो उसनै कह्या सै। 35 के थम कोनी कहन्दे, 'लामणीयां के इब्बै चार
महिन्ने रहरे सै?' अपणी आँखां तै देक्खों जितने माणस आण लागरे सै, वो उस खेत की तरियां सै
जो काट्टण खात्तर तैयार सै। 36 पैहले तै मजदूर काम करण लागरया सै अर अपणी मजदूरी पाण
लागरया सै, इसका मतलब यो सै के वो माणसां नै कठ्ठा करण लागरया सै जो अनन्त जीवन पागे।
37 क्यूँके याड़ै या कहावत ठीक बेठ्ठै सै: बोणआळा और सै, अर काट्टण आळा और। 38 मन्नै थारे
ताहीं वो खेत काट्टण खात्तर भेज्या जिसम्ह थमनै मेहनत कोन्या करी दुसरयां नै मेहनत करी अर
थम उनकी मेहनत कै फळ म्ह हिस्सेदार होए।"

[illegible]

39 उस नगर के घणखरे सामरियाँ नै उस बिरबान्नी कै कहण तै यीशु पै बिश्वास करया, क्यूँके
उसनै कह्या था, के "उसनै सारा किमे जो मन्नै करया सै, मेरै तै बता दिया।" 40 ज्यांतै जिब सामरी
उसकै धोरै आए, तो उसतै बिनती करण लागगे के म्हारै याड़ै रह। आखर म्ह वो ओड़ै दो दिन ताहीं
रहया। 41 उसके वचन कै कारण और भी घणखरे माणसां नै बिश्वास करया
42 अर उस बिरबान्नी तै कह्या, "इब हम तेरे कहण तैए बिश्वास कोनी करदे, क्यूँके हमनै खुदे सुण
लिया, अर जाणगे सा के योए साच्चए म्ह दुनिया का उद्धार करणीया सै।"
43 फेर दो दिनां कै पाच्छै वो ओड़ै तै लिकड़कै गलील परदेस म्ह गया। 44 क्यूँके यीशु नै खुदे
गवाही दी के नबी अपणे गाम म्ह आदर मान कोनी पान्दा। 45 जिब वो गलील परदेस म्ह आया, तो
गलील परदेस के माणस राज्जी होकै उसतै मिले, क्यूँके जितने काम उसनै यरुशलेम म्ह त्यौहार कै
बखत करे थे, उननै उन सारया ताहीं देख्या था, क्यूँके वे भी त्यौहार म्ह जारे थे।

[illegible]

46 फेर वो दुबारै गलील परदेस कै काना नगर म्ह आया, जड़ै उसनै पाणी ताहीं अंगूर का रस
बणाया था। ओड़ै राजा का एक कर्मचारी था जिसका बेट्टा कफरनहूम नगर म्ह बीमार था। 47 वो
या सुणकै के यीशु यहूदिया परदेस तै गलील परदेस म्ह आ रहया सै, उसकै धोरै गया अर उसतै
बिनती करण लाग्ग्या के चालकै मेरै बेट्टै नै ठीक कर दे: क्यूँके वो मरण आळा था।
48 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "जिब ताहीं थम चमत्कार अर अचम्भे के काम कोनी देखदे जद ताहीं
कदे भी बिश्वास कोनी करोगे।"
49 राजा कै कर्मचारी नै उसतै कह्या, "हे प्रभु, मेरै बाळक की मौत होण तै पैहल्या चाल।"
50 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "जा, तेरा बेट्टा जिन्दा सै।" उस माणस नै यीशु की कही होई बात
का बिश्वास करया अर चल्या गया। 51 वो रास्ते म्ह था के उसके नौक्कर उसतै आ मिले अर कहण

लाग्गे, “तेरा छोरा जिन्दा सै।” 52 उसनै उसतै बुझ्झया, “किस बखत वो ठीक होण लागग्या?” उननै
उस ताहीं कह्या, “काल दोफहरै एक बजे उसका बुखार उतर गया।”
53 फेर बाप जाण गया के यो उस्से बखत होया जिस बखत यीशु नै उस ताहीं कह्या, “तेरा बेट्टा
जिन्दा रहवैगा,” अर उसनै अर उसके सारे कुण्बे नै बिश्वास करया।
54 यो दुसरा अचम्भे का काम था जो यीशु नै यहूदिया परदेस तै गलील परदेस म्ह आकै दिखाया।

5

[illegible]

1 इन बात्तां कै पाच्छै यहूदियाँ का एक त्यौहार आया, अर यीशु यरुशलेम नगर म्ह गया।
2 यरुशलेम म्ह भेड़-फाटक कै धोरै एक कुण्ड सै जो इब्रानी भाषा म्ह बैतहसदा कुह्वावै सै, उसके
पाँच घाट सै। 3 इन म्ह घणखरे बीमार, आन्धे, लंगड़े अर सूखे अंगआळे (पाणी कै हाल्लण कै आस
म्ह) पड़े रहवै थे। 4 (क्यूँके खास बखत पै परमेसवर के सुर्गदूत कुण्ड म्ह उतरकै पाणी नै हलाया करै
थे। पाणी हाल्दे जो कोए पैहल्या उतरदा वोए ठीक हो जान्दा चाहे उसकै कोए बीमारी क्यूँ ना हो।)
5 उड़ै एक माणस था, जो अड़तीस साल तै बीमारी म्ह पड्या था। 6 यीशु नै उस ताहीं पड्या होया
देखकै अर न्यू जाणकै के वो घणे दिनां तै इसी हाल्लत म्ह पड्या सै, उसतै बुझ्झया, “के तू ठीक
होणा चाहवै सै?”
7 उस बीमार नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे प्रभु, मेरै धोरै कोए माणस कोनी के जिब पाणी हलाया
जावै, तो मन्नै कुण्ड म्ह उतारै, पर मेरे पोंहोचदे-पोंहोचदे दुसरा मेरतै पैहल्या पाणी म्ह उतर जावै
सै।”
8 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “उठ, अपणे बिस्तर ठाकै, हाँड-फिर।” 9 वो माणस जिब्बे ठीक होग्या,
अर अपणे बिस्तर ठाकै हाँड़ण-फिरण लागग्या।
10 वो आराम का दिन था। ज्यांतै यहूदी उस ताहीं जो ठीक होया था, कहण लाग्गे, “आज तो
आराम का दिन सै, तेरा बिस्तर ठाणा नियम-कायदा के मुताबिक ठीक कोनी।”
11 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, “जिसनै मेरै ताहीं ठीक करया, उस्से नै मेरै ताहीं कह्या, ‘अपणा
बिस्तर ठा अर हाँड-फिर।’ ”
12 उननै उसतै बुझ्झया, “वो कौण माणस सै जिसनै तेरे तै कह्या, ‘बिस्तर ठा, अर हाँड-फिर?’ ”
13 पर जो ठीक होया था वो कोनी जाणै था के वो कौण सै, क्यूँके उस जगहां पै भीड़ होण कै कारण
यीशु ओड़ै तै चला ग्या था।
14 इन बात्तां कै पाच्छै वो यीशु नै मन्दर म्ह मिल्या। यीशु नै उस ताहीं कह्या, “देख, तू ठीक
होग्या सै: दुबारा पाप ना करिये, इसा ना हो के इसतै कोए भारी संकट तेरे पै आण पड़ै।” 15 उस
माणस नै जाकै यहूदियाँ तै कह दिया के जिसनै मेरै ताहीं ठीक करया वो यीशु सै।
16 इस कारण यहूदी अगुवें यीशु नै तंग करण लाग्गे, क्यूँके वो इसे काम आराम कै दिन करया
करदा। 17 इसपै यीशु नै उन ताहीं कह्या, “मेरा पिता सारी हाण काम करै सै, अर मेरे ताहीं भी करते
रहणा सै।” 18 यीशु की बात के कारण यहूदी अगुवें और भी घणे उस ताहीं मारण खात्तर कोशिश
करण लाग्गे, क्यूँके वो ना सिर्फ आराम कै दिन का नियम तोड्या करदा, पर परमेसवर नै अपणा
पिता कहकै खुद ताहीं परमेसवर कै बरोबर भी ठैहरावै था।

[illegible]

19 इसपै यीशु नै उस ताहीं कह्या, “मै थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, बेट्टा* खुद तै किमे न्ही कर
सकदा, सिर्फ वो जो पिता नै करदे देक्खै सै, क्यूँके जिन-जिन काम्मां नै वो करै सै उननै बेट्टा भी
इस्से ढाळ करै सै। 20 क्यूँके पिता बेट्टै तै प्यार करै सै अर जो-जो काम वो खुद करै सै, वो सारे उसतै
दिखावै सै: अर वो इसतै भी बड़े काम उस ताहीं दिखावैगा, ताके थम हैरान होओ। 21 जिसा पिता

* **5:19** 5:19 बेट्टा यीशु खुद नै बेट्टा कहकै सम्बोधित करै से

मरे होया नै ठावै अर जिवांवै सै उस्से ढाळ बेट्टा भी जिननै चाहवै सै उननै जिवांवै सै। 22 पिता
किसे का न्याय कोनी करदा, पर न्याय करण का सारा काम बेट्टै ताहीं सौंप राख्या सै, 23 ताके सारे
माणस जिस ढाळ पिता की इज्जत करै सै उस्से ढाळ बेट्टै की भी इज्जत करै। जो बेट्टै की इज्जत
कोनी करदा, वो पिता की भी इज्जत कोनी करदा, जिसनै उस ताहीं भेज्या सै।"

24 मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, जो मेरा वचन सुणकै उसपै बिश्वास करै सै, जिसनै मेरै ताहीं
भेज्या सै, वो अनन्त जीवन पावै सै, अर उसपै दण्ड का हुकम कोनी होन्दा, पर वो मौत नै पार
करकै जीवन म्ह दाखल हो लिया सै। 25 "मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, वो बखत आवै सै, अर इब
सै, जिसम्ह मरे होड़ परमेसवर के बेट्टै का वचन सुणैगें, अर जो सुणैगें वे जिवैंगे। 26 क्यूँके जिस
ढाळ तै पिता खुद म्ह जीवन राक्खै सै, उस्से ढाळ तै उसनै बेट्टै ताहीं भी यो अधिकार दिया सै के
खुद जीवन राक्खै। 27 बल्के मेरे ताहीं माणसां के न्याय करण का भी अधिकार दिया सै, ज्यांतै के मै
माणस का बेट्टा सूं।"

28 इसतै हैरान मतना होओ: क्यूँके वो बखत आवै सै के जितने मरे होए लोग कब्रां म्ह सै वे मेरा
वचन सुणकै लिकड़ आवैगें। 29 जिन नै भले काम करे सै वे जीवन कै पुनरुत्थान खात्तर जी जावैंगे
अर जिन नै बुरे काम करे सै वे दण्ड के पुनरुत्थान खात्तर जी जावैंगे।

[illegible]

30 "मै खुद तो कुछ कोनी कर सकदा, जिसा सुणु सूं, उस्से तरियां न्याय करुँ सूं, अर मेरा न्याय
साच्चा सै, क्यूँके मै अपणी मर्जी कोनी पर अपणे भेजण आळे की मर्जी चाहूँ सूं।"

31 जै मै खुदे अपणी गवाही द्यूँ, तो मेरी गवाही साच्ची कोनी। 32 एक और सै जो मेरा पिता सै,
वो मेरी गवाही देवै सै, अर मै जाणु सूं, के मेरी जो गवाही वो देवै सै, वा साच्ची सै।

33 थमनै यूहन्ना तै बुझवाया अर उसनै सच्चाई की गवाही दी सै। 34 पर मै अपणे बारै म्ह माणसां
की गवाही कोनी चाहन्दा, फेर भी मै ये बात ज्यांतै कहूँ सूं के थारा उद्धार हो। 35 यूहन्ना तो बळदे
अर चमकदे होए दीवै कै समान था, अर थमनै किमे वार ताहीं उसके चाँदणे म्ह मगन होणा भाया।

36 पर मेरै धोरै जो गवाही सै वा यूहन्ना की गवाही तै बड्डी सै, क्यूँके जो काम पिता नै मेरै
ताहीं निपटाण नै सौप्या सै यानिके योए काम जो मै करुँ सूं, वे मेरे गवाह सै के पिता नै मेरै ताहीं
भेज्या सै। 37 अर पिता जिसनै मेरै ताहीं भेज्या सै, उस्से नै मेरी गवाही दी सै। थमनै ना कदे उसका
वचन सुण्या, अर ना उसकी शक्ल देक्खी सै, 38 अर उसकै वचन ताहीं मन म्ह बणाए कोनी राखदे,
क्यूँके जिस ताहीं उसनै भेज्या थम उसका बिश्वास कोनी करदे। 39 थम पवित्र ग्रन्थ म्ह टोव्हो
सो, क्यूँके समझों सो के उस म्ह अनन्त जीवन थारे ताहीं मिलै सै, अर यो वोए सै जो मेरी गवाही
देवै सै, 40 फेर भी थम अनन्त जीवन पाण खात्तर मेरै धोरै आणा कोनी चाहन्दे।

41 मै माणसां तै आदर कोनी चाहन्दा। 42 पर मै थमनै जाणु सूं, के थारे म्ह परमेसवर खात्तर प्यार
कोनी। 43 थम मेरे ताहीं पसन्द न्ही करते जिब के मै अपणे पिता कै नाम तै आया सूं, जै दुसरा कोए
खुद कै नाम तै आवै, तो उसनै थम अपणा लोगे। 44 थम मेरै पै किस तरियां बिश्वास कर सको सो?
क्यूँके थम तो आप्पस म्ह एक-दुसरे तै तारीफ सुणणा चाहो सो, अर उस तारीफ की ओड़ देखते भी
कोनी जो एकमात्र परमेसवर तै आवै सै।

45 न्यू ना समझियों के मै पिता के स्याम्ही थारे म्ह खोट काढ्ढू सूं, थारे म्ह खोट काढणिया तो
मूसा नबी सै, जिसपै थमनै भरोस्सा करया सै। 46 क्यूँके जै थम मूसा नबी पै बिश्वास करदे, तो मेरा
भी बिश्वास करदे, ज्यांतै के उसनै मेरै बारै म्ह लिख्या सै। 47 पर जै थम उसके पवित्र ग्रन्थ म्ह
लिक्खी होई बात्तां पै बिश्वास कोनी करदे, तो मेरी बात्तां पै किस तरियां बिश्वास करोगे?

6

[illegible]
([illegible] 14:13-21; [illegible] 6:30-44; [illegible] 9:10-17)

1 इन बात्तां कै पाच्छै यीशु गलील समुन्दर यानिके तिबिरियास की झील के धोरै गया। 2 अर एक
बड्डी भीड़ उसकै गेल्या हो ली क्यूँके जो अचम्भे के काम वो बिमारां पै दिखावै था वे उननै देख्या
करै थे। 3 फेर यीशु पहाड़ पै चढ़के अपणे चेल्यां कै गेल्या बैठग्या। 4 यहूदियाँ के फसह का त्यौहार
लोवै था।
5 जिब यीशु नै अपणी आँख ठाकै एक बड्डी भीड़ ताहीं अपणे कान्ही आन्दे देख्या, फेर फिलिप्पुस
ताहीं कह्या, "हम इनकै खाणे कै खात्तर कड़ै तै रोट्टी मोल ल्यावां?" 6 उसनै या बात उस ताहीं
आजमाण ताहीं बोल्ली, क्यूँके वो खुदे जाणै था के वो के करैगा।
7 फिलिप्पुस नै उस ताहीं जवाब दिया, "दो सौ दीनार (200 दिन की मजदूरी) की रोट्टी भी उन
खात्तर पूरी कोनी पड़ै के उन म्ह तै हरेक नै माड़ी-माड़ी मिल जा।"
8 उसके चेल्यां म्ह तै शमौन पतरस का भाई अन्द्रियास नै उस ताहीं कह्या, 9 "याड़ै एक छोरा
सै जिसकै धोरै जौ की पाँच रोट्टी अर दो मच्छी सै, पर इतने माणसां खात्तर वे के सै?"
10 यीशु बोल्या, "माणसां नै बिठा द्यो।" उस जगहां घणी घास थी: फेर माणस जिन म्ह आदमियाँ
की गिणती करीबन पाँच हजार की थी, बैठगे। 11 फेर यीशु नै रोट्टी ली अर परमेसवर का धन्यवाद
करकै बैठण आळा ताहीं बांड दी: अर उस्से ढाळ मच्छियाँ म्ह तै जितनी वे चाहवै थे, बांड दी।
12 जिब वे खाकै छिकगे फेर वो चेल्यां तै बोल्या, "बचे होड़ टुकड़े कठ्ठे कर ल्यो के किमे बगायां
न्ही जावै।" 13 आखर म्ह उननै कठ्ठा करया, अर जौ की पाँच रोटियाँ के टुकड्या तै जो खाण आळा
तै बची होड़ थी, बारहा टोकरी भरी।
14 फेर जो अचम्भे के काम उसनै कर दिखाये उसनै वे माणस देखकै कहण लाग्गे, "वो नबी जो
दुनिया म्ह आण आळा था, पक्का योए सै।" 15 यीशु न्यू जाणकै के वे मन्नै राजा बणाण खात्तर
पकड़णा चाहवै सै, फेर पहाड़ पै एक्ला चल्या गया।

[illegible]
([illegible] 14:22-33; [illegible] 6:45-52)

16 जिब साँझ होई, तो उसके चेल्लें झील के किनारे गए, 17 अर किस्ती पै चढ़कै झील कै परली
ओड़ कफरनहूम नगर म्ह जाण लाग्गे। उस बखत अन्धेरा होग्या था, अर यीशु इब ताहीं उनकै
धोरै कोनी आया था। 18 अर आँधी कै कारण समुन्दर म्ह झांल उठ्ठण लाग्गी। 19 जिब वे खेते-खेते
तीन-चार कोस कै करीबन लिकड़गे, फेर उननै यीशु ताहीं समुन्दर पै चाल्दे अर किस्ती कै धोरै आन्दे
देख्या, अर डरगे। 20 पर उसनै उनतै कह्या, "मै सूं, डरो मतना।" 21 आखर म्ह वे उसनै किस्ती पै
चढ़ाण नै राज्जी होए अर जिब्बे वा किस्ती उस जगहां पै जा पोहची जड़ै वे जाण लागरे थे।

[illegible]

22 जो लोग गलील समुन्दर के उस पार रहगे थे, उननै दुसरे दिन देख्या के याड़ै सिर्फ एक ए किस्ती
थी, अर यीशु अपणे चेल्यां गेल्या उस किस्ती पै कोनी चढ़या था, पर सिर्फ उसके चेल्लें एक्ले ए चले
गए थे। 23 तिबिरियास नगर की कुछ किस्ती उस जगहां कै धोरै आकै रुकी, जड़ै प्रभु नै परमेसवर
का धन्यवाद करकै भीड़ ताहीं रोट्टी खुआई थी। 24 जिब भीड़ नै देख्या के याड़ै ना यीशु सै अर
ना उसके चेल्लें, फेर वे भी छोट्टी-छोट्टी किस्तियाँ पै चढ़कै यीशु नै टोन्दे होए कफरनहूम नगर
पोहचे।

[illegible]

25 गलील समुन्दर कै परली ओड़ जिब वे उसतै मिले तो बोल्ले, "हे गुरु, तू याड़ै कद आया?"
26 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, "मै थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, थम मन्नै ज्यांतै कोनी टोव्हो
सो के थमनै अचम्भे के काम देक्खे, पर ज्यांतै के थमनै पेट भरकै रोट्टी खाई थी।" 27 उस खाणे खात्तर
मेहनत ना करो जो सड़ जावै सै, पर उस खाणे खात्तर जतन करो जो कदे खराब न्ही होंदा अर अनन्त
जीवन देवै सै, मै माणस का बेट्टा यो खाणा थारे ताहीं देऊँगा, क्यूँके पिता परमेसवर नै मेरे ताहीं
इसा करण का हक दिया सै।

28 वे उसतै बोल्ले, “परमेसवर के काम करण खात्तर हम के करा?”
29 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “परमेसवर चाहवै सै, के थम उसपै बिश्वास करो, जिस ताहीं
उसनै भेज्या सै।”
30 फेर वे उसतै बोल्ले, “फेर तू कौण सा निशान दिखावै सै के हम उसनै देखकै तेरा बिश्वास करा?
तू कौण सा काम दिखावै सै? 31 म्हारै पूर्वजां नै जंगल-बियाबान म्ह मन्ना खाया, जिसा पवित्र
शास्त्र म्ह लिख्या सै, ‘परमेसवर नै उन ताहीं खाण खात्तर सुर्ग तै रोट्टी देई।’ ”
32 यीशु नै उनतै कह्या, “मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के मूसा नबी नै थारे ताहीं वा रोट्टी
सुर्ग तै कोनी दी, पर मेरा पिता थमनै सुर्ग तै असली रोट्टी देवै सै। 33 क्यूँके परमेसवर की रोट्टी
वाए सै, जो सुर्ग तै उतरकै दुनिया के माणसां ताहीं जिन्दगी देवै सै।”
34 फेर यो सुणकै यीशु तै बिनती करी, “के हे प्रभु, वा रोट्टी हमनै सदा दिया कर।”
35 यीशु नै उनतै कह्या, “जीवन की रोट्टी मै सूं: जो मेरै धोरै आवैगा, वो कदे भूक्खा कोनी
रहवैगा, अर जो कोए मेरै पै बिश्वास करैगा, वो कदे तिसाया कोनी होवैगा। 36 पर मन्नै थारे ताहीं
पैहले तै कह्या था, के थमनै मेरैताहीं देख भी लिया सै, फेर भी बिश्वास कोनी करदे। 37 वे सारे जो
पिता नै मेरे ताहीं दिये सै, वे मेरै धोरै आवैगें, अर हर एक जो कोए मेरै धोरै आवैगा उसनै मै कदे
भी कोनी छोड्डूंगा। 38 पर मै अपणी मर्जी कोनी पर अपणे भेजण आळे पिता की मर्जी पूरी करण
खात्तर सुर्ग तै उतरया सूं। 39 अर मेरै भेजण आळे की मर्जी या सै के जो किमे उसनै मेरै ताहीं दिया
सै, उस म्ह तै मै किसे नै ना खोऊँ, पर उसनै आखर के दिनां म्ह दुबारै जिन्दा कर द्यूँ। 40 क्यूँके मेरै
पिता की मर्जी या सै के जो कोए बेट्टे नै अपणा कै उसपै बिश्वास करै, वो अनन्त जीवन पावै, अर
मै उसनै आखरी के दिनां म्ह दुबारै जिन्दा करुँगा।”
41 इसपै यहूदी उसपै बिरड़ाण लागगे, क्यूँके उसनै कह्या था, “जो रोट्टी सुर्ग तै उतरी, वा मै सूं।”
42 अर वे बोल्ले, “के यो यीशु सै, यूसुफ का बेट्टा, जिसकै माँ-बाप नै हम जाणां सां? फेर वो किस
ढाळ कह सकै सै के मै सुर्ग तै उतरया सूं?”
43 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “आप्पस म्ह मतना बिरड़ाओ।” 44 कोए मेरै धोरै कोनी आ
सकदा जिब ताहीं पिता, जिसनै मेरैताहीं भेज्या सै, उसनै खींच न्ही लेवै, अर मै उसनै आखर के दिनां
म्ह फेर जिन्दा करुँगा। 45 नबियाँ के लेखां म्ह यो लिख्या सै: “वे सारे परमेसवर की ओड़ तै सिखाए
होए होवैगें।” जिस किसे नै पिता तै सुण्या अर सिख्या सै, वो मेरै धोरै आवै सै। 46 किसे नै पिता ताहीं
कोनी देख्या, सिवाए उसके, जो परमेसवर की ओड़ै तै सै, सिर्फ उस्से नै पिता ताहीं देख्या सै। 47 मै
थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो कोए बिश्वास करै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै। 48 जीवन
की रोट्टी मै सूं। 49 थारे पूर्वजां नै जंगल-बियाबान म्ह मन्ना खाया अर मरगे। 50 या वा रोट्टी सै
जो सुर्ग तै उतरी सै, ताके माणस उस म्ह तै खावै अर ना मरै। 51 जीवन की रोट्टी जो सुर्ग तै उतरी
सै, मै सूं। जै कोए इस रोट्टी म्ह तै खावै, तो सारी हाण जिन्दा रहवैगा, अर जो रोट्टी मै दुनिया कै
जीवन खात्तर दियुँगा, वो मेरा माँस सै।
52 इसपै यहूदी न्यू कहकै आप्पस म्ह बहस करण लागगे, “यो माणस किस ढाळ हमनै अपणा
माँस खाण नै दे सकै सै?”
53 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “मै थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के जिब ताहीं थम मुझ माणस
कै बेट्टे का माँस ना खाओ, अर मेरा लहू ना पियो, थारे म्ह जीवन कोनी। 54 जो मेरा माँस खावै
अर मेरा लहू पीवै सै, अनन्त जीवन उस्से का सै, अर आखरी के दिनां म्ह मै उसनै दुबारै जिन्दा कर
दियुँगा। 55 क्यूँके मेरा माँस सच म्ह खाण की चीज सै, अर मेरा लहू सच म्ह पीण की चीज सै। 56 जो
मेरा माँस खावै अर मेरा लहू पीवै सै वो मेरै म्ह डटया रहवै सै, अर मै उस म्ह। 57 जिसा जिन्दे पिता
नै मेरैताहीं भेज्या सै, अर मै पिता कै कारण जिन्दा सूं, उस्से ढाळ वो भी जो मन्नै खावैगा मेरै कारण
जिन्दा रहवैगा। 58 जो रोट्टी सुर्ग तै उतरी सै याए सै, उस रोट्टी बरगी कोनी जो पूर्वजां नै खाई

अर मरगे, जो कोए या रोट्टी खावैगा, वो सदा ताहीं जिन्दा रहवैगा।” 59 ये बात उसनै कफरनहूम
नगर कै एक आराधनालय म्ह उपदेश देन्दे बखत कही।

[illegible]

60 उसके चेल्यां म्ह तै घणखरा नै या सुणकै कह्या, “या सख्त शिक्षा सै, इसनै कौण सुण सकै सै?”
61 यीशु नै अपणे मन म्ह न्यू जाणकै के मेरे चेल्लें आप्पस म्ह इस बात पै बिरड़ावै सै, उन ताहीं
बुझ्झया, “के इस बात तै थारे ताहीं ठेस लाग्गै सै?” 62 जै थम मुझ माणस कै बेट्टे नै जड़े मै पैहल्या
था, ओड़ैए उप्पर जान्दे देक्खोगे, तो के होगा? 63 आत्मा ए सै जो देह नै जीवन देवै सै, देह का कोए
महत्व कोनी, जो वचन मन्नै थारैतै कह्ये सै, वे आत्मा सै, अर जीवन भी। 64 पर थारे म्ह तै किमे इसे
सै जो बिश्वास कोनी करदे। क्यूँके यीशु पैहल्या तै ए जाणै था के जो बिश्वास न्ही करदे, वे कौण
सै, अर कौण मेरै ताहीं पकड़वावैगा। 65 अर वो बोल्या, “ज्यांतै मन्नै थारे ताहीं कह्या था के जिब
ताहीं किसे नै पिता की ओड़ तै यो वरदान ना मिलै तब ताहीं वो मेरै धोरै कोनी आ सकदा।”

[illegible]

66 इसपै उसकै चेल्यां म्ह तै घणखरे उल्टे हटगे अर उसकै बाद उसकै गेल्या कोनी चाल्ले।
67 फेर यीशु नै उन बारहां चेल्यां तै कह्या, “के थम भी चले जाणां चाहो सो?”
68 शमौन पतरस नै उस ताहीं जवाब दिया, “हे प्रभु, हम किसकै धोरै जावां? अनन्त जीवन की
बात तो तेरैए धोरै सै, 69 अर हमनै बिश्वास करया अर जाणगे सै के परमेसवर का पवित्र जन तूए
सै।”
70 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “के मन्नै थम बारहां चेल्यां ताहीं कोन्या छाटया? फेरभी थारे
म्ह तै एक जन शैतान सै।” 71 यो उसनै शमौन इस्करियोती के बेट्टे यहूदा कै बारै म्ह कह्या था,
क्यूँके वोए जो बारहां चेल्यां म्ह तै एक था, उस ताहीं पकड़वाण म्ह था।

7

[illegible]

1 इन बात्तां कै हो लेण कै पाच्छै यीशु गलील परदेस म्ह सफर करण लाग्या, वो यहूदिया परदेस म्ह
जाणा कोनी चाहवै था, क्यूँके यहूदी लोग उस ताहीं मारण की ताक म्ह थे। 2 यहूदियाँ का झोपड़ियाँ
का त्यौहार लोवै था। 3 ज्यांतै उसके भाईयाँ नै उस ताहीं कह्या, “याड़ै तै यहूदिया परदेस नै जा, ताके
जो काम तू करै सै उननै तेरे चेल्लें ओड़ै भी देक्खै। 4 क्यूँके इसा कोए न्ही होगा जो मशहुर होणा
चाहवै, अर लुह्क कै काम करै। जै तू यो काम करै सै, तो खुद नै दुनिया म्ह साबित कर।” 5 क्यूँके
उसके भाई भी उसपै बिश्वास कोनी करै थे। 6 फेर यीशु नै उनतै कह्या, “मेरे खात्तर इब्बै सही बखत
कोनी आया, पर थारे खात्तर सारा बखत सही सै। 7 दुनिया थारे तै बैर कोनी कर सकदी, पर वा मेरै
तै बैर करै सै क्यूँके मै उसकै बिरोध म्ह या गवाही दियुँ सूं के उसके काम भुन्डे सै। 8 थम त्यौहार म्ह
जाओ, मै इब्बै इस त्यौहार म्ह कोनी जान्दा, क्यूँके इब्बै मेरा सही बखत कोनी आया।” 9 वो उनतै
ये बात कहकै गलील परदेस म्ह रहग्या।

[illegible]

10 पर जिब उसके भाई त्यौहार म्ह जा लिए तो वो खुद भी, जाहिर म्ह न्ही पर मान्नो गुप्ती तै
गया। 11 त्यौहार म्ह कुछ यहूदी लोग यीशु ताहीं टोह्न्दे होए पूछताछ करण लागरे थे, “के वो कड़ै
सै?” 12 फेर भी यीशु के बारें म्ह बड़ी बहस होण लागरी थी, कई माणस कहवै थे, “के वो भला माणस
सै।” अर कईयाँ का कहणा था, “के ना, वो माणसां नै बहकावै सै।” 13 फेर भी यहूदियाँ कै डरकै मारे
कोए भी माणस यीशु कै बारै म्ह खुलकै कोनी बोल्लै था।

[illegible]

14 जिब त्यौहार के आध्धे दिन बीतगे, फेर यीशु मन्दर म्ह जाकै उपदेश देण लागग्या। 15 फेर
यहूदियाँ नै हैरान होकै कह्या, “इसनै बिना पढ़े ज्ञान किस तरियां आ ग्या?” 16 यीशु नै उन ताहीं

जवाब दिया, “जो उपदेश मै देऊँ सूं, मेरा अपणा कोनी, पर उसतै आवै सै जिसनै मेरे ताहीं भेज्या
सै। 17 जै कोए माणस उसकी मर्जी पै चाल्लण का प्रण करै, तो उस ताहीं यो बेरा लाग ज्यागा,
के यो उपदेश परमेसवर की ओड़ तै सै, या मै अपणी ओड़ तै देऊँ सूं। 18 जो अपणी ओड़ तै कुछ
कहवै सै, वो खुद की बड़ाई चाहवै सै, पर जो अपणे भेजण आळे की बड़ाई चाहवै सै वोए साच्चा
सै, अर उस म्ह अधर्म कोनी। 19 के मूसा नबी नै थारैताहीं नियम-कायदे कोनी दिये? फेरभी थारैम्ह
तै कोए नियम-कायदा पै कोनी चाल्दा। थम मन्नै क्यातै मारणा चाहो सो?” 20 माणसां नै जवाब
दिया, “तेरे म्ह ओपरी आत्मा सै! कौण तन्नै मारणा चाहवै सै?” 21 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया,
“मन्नै आराम कै दिन एक चमत्कार करया, अर थम सारे छो म्ह होगे। 22 इस्से खात्तर मूसा नबी नै
थारैताहीं खतने का नियम दिया था (यो नियम मूसा नबी का न्ही था बल्के या थारे पूर्वजां तै ए लाग
लागरी सै) अर थम आराम कै दिन माणस का खतना करो सो। 23 जिब आराम कै दिन माणस का
खतना करया जावै सै ताके मूसा नबी कै नियम-कायदा का हुकम न्ही टळै। फेर थम मेरै पै क्यांतै
छो करो सो के मन्नै आराम कै दिन एक माणस ताहीं पूरी तरियां ठीक करया। 24 मुँह देख्या न्याय
मतना करो, पर सही-सही न्याय करो।”

[illegible]

25 फेर यरुशलेम म्ह रहण आळे माणसां म्ह तै कईयाँ नै कह्या, “के यो वोए कोनी जिस ताहीं
यहूदी अगुवें मार देणा चाहवै सै?” 26 पर लखाओ, “वो तो सरेआम बात करै सै अर कोए उसतै किमे
कोनी कहन्दा। के यो न्ही हो सकता के यहूदी अगुवां नै साच्चे बेरा पाटग्या सै, के योए मसीह सै?
27 इसकै बारै म्ह हमनै बेरा सै यो कितका सै, पर मसीह जिब आवैगा तो कोए कोनी जाणै के वो
कितका सै।” 28 फेर यीशु नै मन्दर म्ह उपदेश देन्दे होए रुक्का मारकै कह्या, “थम मन्नै जाणो सो,
अर न्यू भी जाणो सो के मै कित्त तै आया सूं। मै तो खुद कोनी आया, पर मेरा भेजण आळा साच्चा
सै, उसनै थम कोनी जाणदे। 29 पर मै उसनै जाणु सूं, क्यूँके मै उसकै कान्ही तै आया सूं, अर उस्से
नै मेरै ताहीं भेज्या सै।” 30 यो सुणकै यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं पकड़णा चाह्या, फेरभी किसे नै
उसकै हाथ कोनी लाया, क्यूँके उसके मरण का सही बखत इब्बै कोनी आया था। 31 फेर भी भीड़ म्ह तै
घणखरे माणसां नै उसपै बिश्वास करया, अर बोल्ले, “मसीह जिब आवैगा तो के इसतै घणे अचम्भे
के काम दिखावैगा जो इसनै दिखाए?”

[illegible]

32 फरीसियाँ नै भीड़ म्ह माणस ताहीं यीशु के बारें म्ह चुपके-चुपके बात करते सुण्या, तो प्रधान
याजक अर फरीसियाँ नै यीशु ताहीं पकड़ण खात्तर मन्दर के सिपाहियाँ ताहीं भेज्या। 33 मसीह
यीशु बोल्या, “मै थोड़ी बार ताहीं थारे गेल्या सूं, फेर अपणे भेजण आळे धोरै उल्टा चल्या जाऊँगा।
34 थम मन्नै टोहओगे, पर कोनी पाओगे, अर जड़ै मै सूं, ओड़ै थम कोनी आ सकदे।” 35 इसपै यहूदी
अगुवां नै आप्पस म्ह कह्या, “यो कित्त जावैगा, के हम इसनै कोनी टोह् सकदे? के यो जो यूनानी
परदेशियाँ म्ह तो बसणा न्ही चाहन्दा, ताके यूनानियाँ ताहीं भी उपदेश दे? 36 इसकी इस बात का
के मतलब सै? जो उसनै बोल्ली सै, के थम मन्नै टोहओगे, पर कोनी पाओगे, अर जड़ै मै सूं, ओड़ै
थम न्ही आ सकदे।”

[illegible]

37 त्यौहार कै आखरी दिन, जो खास दिन सै, यीशु खड्या होया अर रुक्का मारकै कह्या, “जै कोए
तिसाया हो तो मेरै धोरै आवै अर पीवै। 38 जो कोए मेरै पै बिश्वास करैगा, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह
लिख्या सै, ‘उसकी अंतरआत्मा म्ह तै जीवन कै जल की नदियाँ बह लिकड़ैंगी, जो अनन्त जिन्दगी
देवै सै।’ ” 39 यीशु नै यो वचन पवित्र आत्मा कै बारै म्ह कह्या, जो बिश्वास करण आळा नै मिलण
आळी थी, क्यूँके इब ताहीं पवित्र आत्मा कोनी उतरया था, क्यूँके यीशु इब ताहीं अपणी महिमा
म्ह कोनी पोंहच्या था। 40 फेर भीड़ म्ह तै कईयाँ नै या बात सुणकै कह्या, “साच्चे योए वो नबी सै,
जिसके आण की हम आस देक्खां थे।” 41 अर कईयाँ नै कह्या, “यो मसीह सै” पर कई बोल्ले, “मसीह

गलील परदेस तै तो न्ही आवैगा?” 42 पवित्र ग्रन्थ यो कहवै सै, के मसीह दाऊद की पीढ़ी तै अर
बैतलहम नगर तै आवैगा, जड़ै दाऊद रहवै था? 43 आखर म्ह उसकै कारण माणसां म्ह फूट पड़ी।
44 उन म्ह तै कई उस ताहीं पकड़णा चाहवै थे, पर किसे नै उसकै हाथ कोनी लाया।

[illegible]

45 फेर सिपाही, प्रधान याजकां अर फरीसियाँ कै धोरै बोहड़ आए, उननै उन ताहीं कह्या, “थम
उसनै क्यातै न्ही ल्याए?” 46 सिपाहियाँ नै जवाब दिया, “इसी बात बताण आळा माणस हमनै आज
ताहीं कदे भी कोनी मिल्या।” 47 फरीसियाँ नै उन ताहीं जवाब दिया, “के थम भी भळोई म्ह आग्गै?
48 के सरदारां या फरीसियाँ म्ह तै किसे नै भी उसपै बिश्वास करया सै? 49 पर ये माणस जो मूसा
नबी के नियम-कायदे कोनी जाणदे, परमेसवर की ओड़ तै सरापित सै।” 50 नीकुदेमुस जो उन म्ह
तै एक था, वो मसीह यीशु तै पैहल्या मिल चुका था, उन ताहीं बोल्या, 51 “के म्हारे नियम-कायदे
किसे माणस नै, जिब ताहीं पैहल्या उसकी सुणकै जाण ना लेवै, के वो के करै सै, कसूरवार मान्नै सै?”
52 उननै नीकुदेमुस ताहीं जवाब दिया, “तू भी गलील परदेस का सै? पवित्र ग्रन्थ म्ह ढूँढ़ अर देख
के गलील परदेस तै कोए नबी कोनी आवै।” 53 फेर सारे अपणे-अपणे घरां चले गए।

8

[illegible]

1 यीशु अपणे चेल्यां कै गैल जैतून कै पहाड़ पै गया।

2 तड़कैए आगले दिन यीशु फेर मन्दर म्ह आया। भोत सारे माणस उसकै धोरै आए अर वो
बैठकै उननै उपदेश देण लाग्या। 3 जिब वो बोलण लागरया था, तो जिब्बे शास्त्री अर फरीसी
एक बिरबान्नी नै ल्याए, जो जारी करते होए रंगे हाथ पकड़ी गयी थी, अर उस ताहीं माणसां के
स्याम्ही खडया कर दिया, अर यीशु ताहीं कह्या, 4 “हे गुरु, या बिरबान्नी जारी कर दी रंगे हाथ
पकड़ी गयी सै। 5 मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह उसनै म्हारै ताहीं हुकम दिया सै, के इसी बिरबान्नी
नै पत्थर बरसा कै मार द्यो। पर तू इस बिरबान्नी कै बारै म्ह के कहवै सै?” 6 उननै यीशु ताहीं परखण
खात्तर या बात कही, ताके उस म्ह खोट लिकाड़ण का कोए सुराग मिलै जावै। पर यीशु कोड्डा होकै
आन्गळी तै धरती पै लिखण लाग्या। 7 जिब वे बार-बार उसतै सवाल करते रहे, तो फेर उसनै सीध्धा
होकै उन ताहीं कह्या, “थारे म्ह जिसनै भी कोए पाप न्ही करया हो, वोए उसकै सबतै पैहला पत्थर
मारै।” 8 फेर यीशु कोड्डा होकै आन्गळी तै धरती पै लिक्खण लाग्या।

9 जिब माणसां नै यो सुण्या तो सबतै पैहले बूढ़े माणस अर फेर एक-एक करकै ओड़ै तै खिसकण
लाग्गे, क्यूँके वे सब जाणै थे, के हम सब पापी सां, अर सिर्फ यीशु अर वा बिरबान्नी ओड़ै रहगे।
10 यीशु खडया होया अर उस बिरबान्नी ताहीं कह्या, “हे नारी, वे कित्त गए? के किस्से नै तेरे ताहीं
दण्ड न्ही दिया?”

11 वा बोल्ली, “हे प्रभु, किसे नै न्ही।” यीशु बोल्या, “मै भी तेरे ताहीं दण्ड न्ही देऊँगा, जा, अर
दुबारा कदे पाप ना करिए।”

[illegible]

12 मन्दर म्ह अपणे उपदेश नै दुबारै शरु करदे होए यीशु नै माणसां तै कह्या, “दुनिया का चाँदणा
मै सूं, जो कोए मेरै पाच्छै चाल्लैगा, वो अन्धेरै म्ह कदे कोनी चाल्लैगा, पर वो चाँदणा पावैगा जो
अनन्त जीवन देवै सै।” 13 फरीसियाँ नै उस ताहीं कह्या, “तू अपणी गवाही खुद देवै सै, इस खात्तर
तेरी गवाही साच्ची कोनी।”

14 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, “भलाए मै अपणी गवाही खुद देऊँ सूं, फेर भी मेरी गवाही
मान्नी जावैगी, क्यूँके मै जाणु सूं, के मै कित्त तै आया सूं, अर कितोड़ जाऊँ सूं? पर थम कोनी
जाणदे के मै कित्त तै आऊँ सूं, या कितोड़ जाऊँ सूं। 15 थम मानवीय सोच तै, न्याय करो सो, मै
किसे का न्याय कोनी करदा। 16 जै मै न्याय करूँ भी तो वो सही ए होगा, क्यूँके मै एक्ला कोनी, पर

परम पिता, जिसनै मेरै ताहीं भेज्या सै, वो अर मै दोन्नु मिलकै न्याय करा सां। 17 थारे मूसा नबी के
नियम-कायदा म्ह भी लिख्या सै, के दो जण्यां की गवाही सच के रूप म्ह मान्नी जा सकै सै। 18 एक
तो मै खुद अपणी गवाही दियुँ सूं, अर दुसरा मेरा पिता मेरी गवाही देवै सै, जिसनै मेरैताहीं भेज्या।"
19 उननै उस ताहीं कह्या, "तेरा पिता कित्त सै?" यीशु नै जवाब दिया, "ना थम मन्नै जाणो सो,
ना मेरै पिता नै, जै मन्नै जाणदे तै मेरै पिता नै भी जाणदे।" 20 यीशु नै ये वचन मन्दर म्ह उपदेश
देन्दे होए भण्डार घर म्ह बोल्ली, अर किसे नै उस ताहीं कोनी पकड्या, क्यूँके उसके दुख ठाण का
अर मरण का बखत इब ताहीं कोनी आया था।

[illegible]

21 यीशु नै फेर उन ताहीं कह्या, "मै जाऊँ सूं, अर थम मन्नै टोहओगे, अर अपणे पाप म्ह मरोगे।
जड़ै मै जाऊँ सूं, ओड़ै थम न्ही आ सकदे।"
22 इसपै यहूदी अगुवां नै कह्या, "के वो खुद नै मार देवैगा, जो कहवै सै, 'जड़ै मै जाऊँ सूं, ओड़ै
थम न्ही आ सकदे?' "
23 यीशु नै उन ताहीं कह्या, "थम इस दुनिया म्ह पैदा होए सों, अर मै सुर्ग तै आया सूं। थम इस
दुनिया के सो, मै इस दुनिया का कोनी। 24 ज्यांतै मन्नै थारे ताहीं कह्या के थम अपणे पापां म्ह मरोगे,
जै थारा मेरे म्ह बिश्वास कोनी के मै कौण सूं, तो थम मरोगे, अर थारे पाप माफ कोनी होंगे।"
25 यहूदी अगुवां नै यीशु ताहीं कह्या, "के तू कौण सै?" वो उनतै बोल्या, जिब तै मन्नै प्रचार
करणा शरु करया सै, तब तै मै थमनै कहन्दा आया सूं, "के मै कौण सूं?" 26 "थारे बारै म्ह कहण खात्तर
अर फैसला करण खात्तर मेरे धोरै भोत कुछ सै, पर सच्चाई याए सै के जिसनै मेरे ताहीं भेज्या सै,
मै वोए कहूँ सूं, जो मन्नै उसतै सुण्या सै, वोए दुनिया के माणसां तै कहूँ सूं।"
27 वे न्यू न्ही समझै के म्हारै तै, पिता कै बारै म्ह कहवै सै। 28 फेर यीशु बोल्या, "जिब थम मुझ
माणस कै बेट्टै नै ऊँच्चे पै चढ़ाओगे, जिब जाणोगे के मै वोए सूं। मै खुद तै किमे कोनी करदा, पर
जिस तरियां मेरै पिता नै, मेरै ताहीं सिखाया सै, उस्से ढाळ ये बात कहूँ सूं। 29 मेरा भेजण आळा
मेरै गेल्या सै, उसनै मेरैताहीं एक्ला कोनी छोड्या क्यूँके मै सारी हाण वैए काम करुँ सूं, जिसतै वो
राज्जी होवै सै।" 30 वो ये बात कहणे लागरया था, के घणखरयां नै उसपै बिश्वास करया।

[illegible]

31 फेर यीशु नै उन यहूदियाँ तै जिन नै उसपै बिश्वास करया था, बोल्या, "जै थम मेरै वचन म्ह
बणे रहोगे, तो साच-ए मेरे चेल्लें ठहरोगे।" 32 थम सच नै जाणोगे अर सच थमनै आजाद करैगा।
33 उननै उस ताहीं जवाब दिया, "हम तो अब्राहम के वंशज सा, कदे किसे के गुलाम कोनी बणे।
फेर तू किस तरियां कहवै सै, के थम आजाद हो जाओगे?"
34 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, "मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो कोए पाप करै सै, वो पाप
का गुलाम सै। 35 गुलाम सारी हाण घर म्ह कोनी रहन्दा, बेट्टा सारी हाण घरां रहवै सै। 36 ज्यांतै
जै बेट्टा थमनै आजाद करैगा, तो साच्चे थम आजाद हो जाओगे। 37 मै जाणु सूं, के थम अब्राहम
के वंश के सो, फेर भी थम मेरे वचनां नै कोनी मानते, ज्यांतै थम मन्नै मारणा चाहो सो। 38 मै वोए
कहूँ सूं, जो मेरे पिता नै मेरे ताहीं दिखाया सै, अर थम वोए करो सों, जो थमनै अपणे पिता तै सुण्या
सै।"
39 उननै उस ताहीं जवाब दिया, "म्हारा पूर्वज तो अब्राहम सै।" यीशु उनतै बोल्या, "जै थम
अब्राहम के वंशज होन्दे, तो अब्राहम जिसे काम करदे। 40 पर इब थम मेरै ताहीं मारणा चाहो सो,
जिसनै थारे ताहीं वो साच्चा वचन बताया जो परमेसवर तै सुण्या, इस तरियां तो अब्राहम नै कोनी
करया था। 41 थम अपणे पिता कै जिसे काम करो सो।" उननै यीशु ताहीं कह्या, "हम जारी तै कोनी
जणे, म्हारा एक ए पिता सै यानिके परमेसवर।"

42 यीशु उनतै बोल्या, “जै परमेसवर थारा पिता होन्दा, तो थम मेरै तै प्यार करदे, क्यूँके मै
परमेसवर की ओड़ तै आया सूं। मै खुद कोनी आया, पर उस्से नै मेरै ताहीं भेज्या। 43 थम मेरी बात
क्यांतै न्ही समझदे? ज्यांतै के थम मेरे वचनां नै अपणादे कोनी। 44 थम अपणे पिता शैतान की ओड़
तै सो, अर अपणे पिता की मर्जी पूरी करणा चाहो सो। वो तो शरु तै ए खून्नी सै, अर सच पै टिक्या
ए कोनी रहया, क्यूँके सच उस म्ह सै ए कोनी। जिब वो झूठ बोल्लै सै, तो अपणे सुभाव तै ए बोल्लै
सै, क्यूँके वो झूठ्ठा सै बल्के झूठ का बाप सै। 45 पर मै जो सच बोल्लू सूं, इस्से करकै थम मेरा
बिश्वास कोनी करदे। 46 थारे म्ह तै कौण मन्नै पापी ठैहरावै सै? जै मै सच बोल्लू सूं, तो थम मेरा
बिश्वास क्यांतै न्ही करदे? 47 जो परमेसवर कान्ही तै होवै सै, वो परमेसवर की बात सुणै सै, अर थम
ज्यांतै कोनी सुणदे के परमेसवर की ओड़ तै कोनी सो।”

[illegible]

48 न्यू सुण यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “के हम ठीक कोनी कहन्दे के तू सामरी सै, अर तेरे म्ह
भुन्ड़ी ओपरी आत्मा सै?”
49 यीशु नै जवाब दिया, “मेरै म्ह भुन्ड़ी ओपरी आत्मा कोनी,” पर मै अपणे बाप की इज्जत करुँ
सूं, अर थम मेरी बेजती करो सो। 50 पर मै अपणा मान-सम्मान कोनी चाहन्दा, हाँ, एक सै जो चाहवै
सै, अर न्याय करण आळा सै। 51 मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं, “के जै कोए माणस मेरे वचनां नै
मान्नैगा, तो वो अनन्त काल ताहीं कोनी मरै।”
52 यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “इब हम जाणगे के तेरे म्ह भुन्ड़ी ओपरी आत्मा सै। अब्राहम
मरग्या अर नबी भी मरग्ये सै, अर तू कहवै सै, ‘जै कोए मेरे वचनां नै मान्नैगा, तो वो अनन्त काल
ताहीं कोनी मरै।’ 53 म्हारा पूर्वज अब्राहम तो मरग्या। के तू उसतै भी बड्ड़ा सै? अर नबी भी
मरग्ये। तू अपणे-आपनै के मान्नै सै?”
54 यीशु नै जवाब दिया, “जै मै खुद अपणी महिमा करुँ, तो मेरी महिमा किमे कोनी। पर मेरी
महिमा करण आळा मेरा पिता सै, जिसनै थम कहो सो के वो थारा परमेसवर सै। 55 थमनै तो उस
ताहीं कोनी जाण्या, पर मै उस ताहीं जाणु सूं। जै मै कहूँ के मै उस ताहीं कोनी जाण्दा, तो मै थारी
ढाळ झूठ्ठा ठहरुँगा, पर मै उस ताहीं जाणु अर उसके वचनां नै मान्नु सूं। 56 थारा पूर्वज अब्राहम
मेरा दिन देक्खण की आस म्ह घणा मगन था, अर उसनै देख्या अर आनन्द करया।”
57 यहूदियाँ नै उस ताहीं कह्या, “इब ताहीं तू पचास साल का कोनी, फेरभी तन्नै अब्राहम ताहीं
देख्या सै?”
58 यीशु उनतै बोल्या, “मै थमनै साच्ची-साच कहूँ सूं, के पैहल्या इसकै के अब्राहम पैदा होया,
मै सूं।” 59 या बात सुणकै माणसां नै यीशु ताहीं मारण खात्तर पत्थर ठाए, पर यीशु लुह्ककै मन्दर
तै लिकड़ ग्या।

9

[illegible]

1 ओड़ तै जान्दे होए राह म्ह एक यीशु ताहीं जन्म तै आन्धा एक माणस मिला। 2 उसके चेल्यां
नै उसतै बुझ्झया, “हे गुरु, किसनै पाप करया था के यो आन्धा पैदा होया, इस माणस नै या इसकै
माँ-बाप नै?”
3 यीशु नै जवाब दिया, “ना तो इसनै पाप करया था, ना इसके माँ-बाप नै पाप करया, पर यो
ज्यांतै आन्धा पैदा होया ताके परमेसवर की शक्ति दिखाई जा सकै। 4 जिसनै मेरै ताहीं भेज्या सै,
हमनै उसके काम दिन-ए-दिन म्ह करणा जरुरी सै। वा रात आण आळी सै, जिस म्ह कोए माणस
काम न्ही कर पावैगा। 5 जिब ताहीं मै दुनिया म्ह सूं, जद ताहीं दुनिया का चान्दणा सूं।”

6 न्यू कहकै यीशु नै धरती पै थुक्या, अर उस थूक तै माट्टी का लेप बणाया, अर उस लेप ताहीं
आंधै की आँखां पै लगाकै। 7 उसतै बोल्या, "जा," "शीलोह कै कुण्ड म्ह" (शीलोह का मतलब भेज्या
होया सै)। उसनै जाकै अपणा मुँह धोया, अर जिब वो बोहड़ा तो उसनै दिक्खण लाग्या।

8 फेर भिखारी के पड़ोसी अर उन माणसां नै जिननै उस ताहीं पैहल्या भीख माँगदे देख्या था, एक-
दुसरे तै कहण लाग्गे, "के यो वोए न्ही सै, जो बेठ्या भीख माँगया करै था?" 9 कई माणस बोल्ले,
"यो वोए सै," दुसरे बोल्ले, "कोनी, पर उसकै जिसा सै।" उसनै कह्या, "मै वोए सूं।"

10 फेर वे उसतै बुझ्झण लाग्गे, "तेरी आँखां की रोशनी किस तरियां आगी?"

11 उसनै जवाब दिया, "यीशु नामक एक माणस नै माट्टी का लेप बणाया, अर मेरी आँखां पै लाकै
मेरै ताहीं बोल्या, 'जा, शीलोह म्ह जाकै अपणा मुँह धो ले,' बस फेर के था मै गया अर अपणा मुँह
धोया अर देक्खण लाग्या।"
12 उननै उसतै बुझ्झया, "वो माणस कित्त सै?" वो बोल्या, "मै कोनी जाण्दा।"

[illegible]

13 माणस उसनै जो आन्धा था फरीसियाँ कै धोरै ले आए। 14 जिस दिन यीशु नै माट्टी लगाकै
उसकी आँख खोल्ली थी, वो आराम का दिन था। 15 फेर फरीसियाँ नै भी उनतै बुझ्झया के उसकी
आँखां की रोशनी किस ढाळ मिली। उसनै उन ताहीं कह्या, "उसनै मेरी आँखां पै माट्टी लाई, फेर
मन्नै अपणा मुँह धो लिया, अर इब देक्खूँ सूं।"

16 इसपै कई फरीसी कहण लाग्गे, "यो माणस परमेसवर की ओड़ तै कोनी, क्यूँके वो आराम कै
दिन नै कोनी मान्दा।" दुसरे बोल्ले, "पापी माणस इसे अचम्भे के काम किस ढाळ दिखा सकै सै?"
आखर म्ह उन म्ह फूट पड़गी।

17 उननै उस आंधै तै फेर कह्या, "जिस माणस नै तेरे ताहीं आँखां की रोशनी दी सै। तू उसकै बारै
म्ह के कहणा चाहवै सै?" उसनै कह्या, "वो नबी सै।"

18 पर यहूदी अगुवां नै बिश्वास कोनी होया, के वो आन्धा था, अर इब वो देक्खै सै, इस खात्तर
उननै उसके माँ-बाप ताहीं बुलाया। 19 अर उनतै बुझ्झया, "के यो थारा बेट्टा सै, जिसके बारें मै थम
कहों सों, के वो जन्म तै आन्धा था? फेर इब वो किस तरियां देक्खै सै?"

20 उसकै माँ-बाप नै जवाब दिया, "हाँ, या तो जाणा सा के यो म्हारा बेट्टा सै, अर या भी के यो
आन्धा जन्मा था, 21 पर न्यू कोनी जाणदे, के इब यो किस तरियां देक्खण लाग्या, अर ना न्यू जाणदे
के किसनै इसकी आँखां की रोशनी दी सै। वो बाळक कोनी सै, उस्से तै बुझल्यो, वो अपणे बारै म्ह
खुद ए बतावैगा।" 22 ये बात उसकै माँ-बाप नै ज्यांतै कही क्यूँके वे यहूदी अगुवां तै डरै थे, क्यूँके
यहूदी अगुवां नै एक्का कर लिया था, के जै कोए कहवै के वो मसीह सै, तो उस ताहीं आराधनालय
म्ह तै लिकाड़ दिया जावैगा। 23 इस्से कारण उसकै माँ-बाप नै कह्या, "वो बाळक कोनी, उस्से तै
बुझल्यो।"

24 फेर यहूदी अगुवां नै उस माणस ताहीं जो आन्धा था, दुसरी बर बुलाकै उसतै कह्या, "सच बता
अर जो तू ठीक होया सै, तो तू सच बोलकै परमेसवर की महिमा कर, हम जाणां सां के वो माणस
पापी सै।"

25 उसनै जवाब दिया, "मै न्ही जाण्दा, के वो पापी सै के न्ही, मै एक बात जाणु सूं, के मै आन्धा
था अर इब देक्खूँ सूं।"

26 उननै उस ताहीं फेर दुबारै कह्या, "उसनै तेरे गेल्या के करया? अर किस ढाळ तेरी आँखां की
रोशनी आगी?"

27 उसनै उन ताहीं कह्या, "मन्नै तो थारे ताहीं पैहले भी बता दिया, पर थम उस बात नै सुणते
कोनी, इब दुसरी बर क्यांतै सुणणा चाहवो सो? के थम भी उसके चेल्लें बणाणा चाहवो सो?"

28 फेर वे उसतै आच्छा-भुन्ड़ा कहकै बोल्ले, "तूए उसका चेल्ला सै, हम तो मूसा नबी के चेल्लें
सां। 29 हम जाणा सां, के परमेसवर नै मूसा नबी तै बात करी, पर इस माणस नै कोनी जाणदे के कड़ै
तै आया सै।"
30 उसनै उन ताहीं जवाब दिया, "या तो अचम्भे की बात सै, के थम न्ही जाणदे के वो कित्त का
सै, फेर भी उसनै मेरी आँखां की रोशनी दे दी। 31 हम जाणां सां, के परमेसवर पापियाँ की कोनी
सुणदा, पर जै कोए परमेसवर का भगत हो अर उसकी मर्जी पै चाल्दा हो, तो वो उसकी जरुर सुणै
सै। 32 दुनिया कै शरुआत तै यो कदे सुणनै म्ह कोनी आया, के किसे नै जन्म तै आन्धै की आँखां की
रोशनी दी हो। 33 जै यो माणस परमेसवर कै कान्ही तै न्ही होन्दा, तो किमे भी कोनी कर सकदा।"
34 उननै उस ताहीं जवाब दिया, "तू तो जमाए पापां म्ह जन्मा सै, तू हमनै के सिखावै सै?" अर
उननै उस ताहीं आराधनालय तै बाहरणै लिकाड़ दिया।

[illegible]

35 यीशु नै सुण्या के उननै उस ताहीं बाहरणै लिकाड़ दिया सै, अर जिब उसतै मिल्या तो बोल्या,
"के तू परमेसवर कै बेट्टे पै बिश्वास करै सै?"
36 उसनै जवाब दिया, "हे जनाब, परमेसवर का बेट्टा कौण सै, के मै उसपै बिश्वास करुँ?"
37 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "तन्नै उस ताहीं देख्या भी सै, अर जो तेरे गेल्या बात करण लाग
रह्या सै, वो मै ए सूं।"
38 उसनै कह्या, "हे प्रभु, मै तेरे पै बिश्वास करुँ सूं।" अर उस ताहीं मोध्धा पड़कै प्रणाम करया।
39 फेर यीशु बोल्या, "मै इस दुनिया म्ह न्याय खात्तर आया सूं, ताके जो आन्धे सै, वे देक्खै, अर
जो देक्खै सै, वे आन्धे हो जावै।"
40 जो फरीसी उसकै गेल्या थे, उननै या बात सुणकै उस ताहीं कह्या, "के हम भी आन्धे सां?"
41 यीशु नै उन ताहीं कह्या, "जै थम आन्धे होन्दे तो पापी कोनी होते, पर इब जिसा के थम कहो
सो, के थम देक्खों सों, तो सच म्ह थारा पाप माफ न्ही हो सकदा।"

10

[illegible]

1 यीशु नै कह्या, "मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो कोए भेडचा के बाड़े म्ह दरबाजे तै
न्ही आन्दा, बल्के बाड़ा कूदकै बड़ै सै, वो चोर अर डाकू सै। 2 पर जो दरबाजे तै भीत्तर बड़ै सै वो
भेड्डां का पाळी सै। 3 उस खात्तर द्वारपाल दरबाजा खोल देवै सै, अर भेड़ उसका बोल सुणै सै, अर
वो अपणी उन भेड्डां नै नाम ले-लेकै बुलावै सै, अर बाड़ै तै बाहरणै ले जावै सै। 4 जिब वो अपणी
सारी भेड्डां नै बाहरणै काढ लेवै सै, तो उनकै आग्गै-आग्गै चाल्लै सै, अर भेड़ उसकै गैल-गैल हो ले
सै, क्यूँके वे उसका बोल पिच्छाणै सै। 5 पर भेड़ बिगान्ने कै गेल्या कोनी चाल्लै, पर उसतै भाज्जैंगी,
क्यूँके वे बिगान्ने का बोल कोनी पिच्छाणदी।" 6 यीशु नै उन ताहीं यो उदाहरण देकै कह्या, पर वे
कोनी समझे के वो उनतै के समझणा चाहवै।

[illegible]

7 फेर यीशु नै उन ताहीं दुबारै कह्या, "मै थारैताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, भेड्डां का दरबाजा मै
सूं। 8 जितने मेरै तै पैहल्या आए वे सारे चोर अर डाक्कू सै, पर मेरी भेड्डां नै उनकी एक न्ही सुणी।
9 दरबाजा मै सूं, जै कोए मेरै जरिये भीत्तर बड़ै सै, तो वो उद्धार पावैगा, अर भीत्तर बाहर आण-
जाण लाग ज्यागा अर खाण खात्तर खाणा पावैगा।" 10 चोर किसे और काम खात्तर कोनी पर सिर्फ
चोरी करण अर घात करण अर नुकसान करण नै आवै सै, मै ज्यांतै आया के वे जिन्दगी पावै अर
भोत-ए घणी पावै।
11 आच्छा पाळी मै सूं, आच्छा पाळी भेड्डां कै खात्तर अपणी मर्जी तै जान देवै सै। 12 मजदूर
जो ना पाळी सै अर ना भेड्डां का माल्लिक सै, भेड़िये नै आन्दे देखकै भेड्डां नै छोड़कै भाज जावै

सै, अर भेड़िया उननै पकड़ै सै, अर उनपै हमला करै देवै सै। 13 वो ज्यांतै भाज जावै सै क्यूँके वो
मजदूर सै, उसनै भेड्डां की फिक्र कोनी।
14 "काम्मल चरवाहा मै सूं, मै अपणी भेड्डां नै जाणु सूं, अर मेरी भेड़ मन्नै जाणै सै। 15 जिस
ढाळ पिता मन्नै जाणै सै, अर मै पिता नै जाणु सूं, अर मै अपणी भेड्डां खात्तर अपणी जान दियुँ सूं।
16 मेरी और भी भेड़ सै, जो इस बाड़े की कोनी। मन्नै उन ताहीं भी ल्याणा जरूरी सै। वे मेरा बोल
पिच्छाणैगी, फेर एकैए रेवड़ अर एकैए पाळी होगा। 17 पिता ज्यांतै मेरै तै प्यार करै सै, क्यूँके मै
अपणी जान अपणी मर्जी तै दियुँ सूं, के उसनै दुबारै ले लूँ। 18 कोए मेरी जान मेरै तै खोसदा कोनी,
बल्के मै उसनै खुदे उसनै अपणी मर्जी तै दियुँ सूं। मन्नै उसकै देण का भी हक सै, अर उस ताहीं दुबारा
लेण का भी हक सै, यो हुकम मेरै पिता नै मेरै ताहीं दिया सै।"
19 इन बात्तां कै कारण यहूदियाँ म्ह दुबारै फूट पड़ी। 20 उन म्ह तै घणखरे माणस कहण लागगे,
"उस म्ह ओपरी आत्मा सै, अर वो बावळा सै, उसकी क्यांतै सुणो सो?"
21 दुसरे माणसां नै कह्या, "ये वचन इसे माणस की न्ही हो सकदे, जिसम्ह ओपरी आत्मा हो। के
ओपरी आत्मा आन्धयां नै आँखां की रोशनी दे सकै सै?"

[illegible]

22 यरुशलेम नगर म्ह स्थापन का त्यौहार मनाया जारया था, अर जाड्यां का मौसम था। 23 यीशु
मन्दर म्ह सुलैमान कै बराम्दा म्ह हान्डण लागरया था। 24 फेर यहूदियाँ नै उस ताहीं आ घेरया अर
बुझ्झया, "तू म्हारै मन नै कद ताहीं दुबिध्या म्ह गेरे राक्खैगा? जै तू मसीह सै, तो म्हारै तै साफ-साफ
बता दे।"
25 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, "मन्नै थारैतै कह दिया पर थम बिश्वास करदेए कोनी। जो काम
मै अपणे पिता कै नाम तै करुँ सूं, वैए मेरे गवाह सै, 26 पर थम ज्यांतै बिश्वास कोनी करदे क्यूँके
थम मेरी भेड्डां म्ह तै कोनी सो। 27 मेरी भेड़ मेरा बोल पिच्छाणै सै, मै उननै जाणु सूं, अर वे मेरै
पाच्छै-पाच्छै चाल्लै सै 28 अर मै उन ताहीं अनन्त जीवन दियुँ सूं। वे कदे नाश कोनी होवैगीं, अर
कोए उननै मेरै हाथ तै खोस न्ही सकदा। 29 मेरा पिता, जिसनै उन ताहीं मेरै तै दिया सै, सारया तै
बड्डा सै, अर कोए उननै पिता कै हाथ्थां तै खोस कोनी सकदा। 30 मै अर पिता एक सां।"
31 यहूदियाँ नै यीशु पै मारण खात्तर दुबारा पत्थर ठा लिये। 32 इसपै यीशु नै उन ताहीं कह्या,
"मन्नै थारे तै अपणे पिता की ओड़ तै घणे भले काम दिखाए सै, उन म्ह तै कौण से काम खात्तर थम
मेरै पै पत्थर मारणा चाह्वो सो?"
33 यहूदियाँ नै उस ताहीं जवाब दिया, "भले काम खात्तर हम तेरे पै पत्थर कोनी मारदे, पर
परमेसवर की बुराई करण कै कारण, अर ज्यांतै के तू माणस होकै खुद नै परमेसवर कहवै सै।"
34 यीशु नै उन ताहीं जवाब दिया, "के थारे मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह कोनी लिख्या सै, 'मन्नै
कह्या, थम ईश्वर सो?' 35 जै उसनै उन ताहीं ईश्वर कह्या, जिनकै धोरै परमेसवर का वचन पोंहच्या
(अर पवित्र ग्रन्थ की बात झूठ न्ही हो सकदी), 36 तो जिस ताहीं पिता नै पवित्र ठहराकै दुनिया
म्ह भेज्या सै, थम मेरे ताहीं कहो सो, 'तू बुराई करै सै, ज्यांतै के मन्नै यो कह्या,' 'मै परमेसवर का
बेट्टा सूं?' 37 जै मै अपणे पिता के काम कोनी करदा, तो मेरा बिश्वास ना करो। 38 पर जै मै करुँ सूं,
तो चाहे मेरा बिश्वास ना भी करो, पर उन काम्मां का तो बिश्वास करो, ताके थम जाणो अर समझो
के पिता मेरै म्ह सै अर मै पिता म्ह सूं।" 39 फेर यहूदियाँ नै दुबारै उस ताहीं पकड़ण की कोशिश करी
पर वो उनके हाथ्थां तै लिकड़ ग्या।
40 यीशु दुबारै यरदन नदी कै परली ओड़ै उस जगहां पै चल्या गया, जड़ै यूहन्ना पैहल्या बपतिस्मा
दिया करै था, अर वो ओड़ैए रहया। 41 घणखरे माणस उसकै धोरै आकै कहवै थे, "यूहन्ना नै तो कोए
चमत्कार कोनी दिखाया, पर जो किमे यूहन्ना नै इसकै बारै म्ह कह्या था, वो सारा कुछ साच्ची था।"
42 अर ओड़ै भोत-से माणसां नै यीशु पै बिश्वास करया।

11

[illegible]

1 लाजर नामका एक माणस बीमार था, जो बैतनिय्याह गाम का था, अर उसकी दो भाण थी
मरियम अर मार्था। 2 या वाए मरियम थी जिसनै बाद म्ह प्रभु पै खसबूदार तेल गेर कै उसके पायां
ताहीं बाळां तै पुन्जयां था*, लाजर इस्से का भाई था जो बीमार था। 3 इस करकै उसकी भाणां नै
यीशु ताहीं कुहवां भेज्या, "हे प्रभु, लखा, जिसतै तू प्यार करै सै, वो बीमार सै।"
4 न्यू सुणकै यीशु न्यू बोल्या, "या बीमारी मरण का कारण कोनी, पर परमेसवर की महिमा खात्तर
सै, ताके उसकै जरिये परमेसवर कै बेट्टे की महिमा होवै।" 5 मार्था उसकी बेब्बे अर लाजर तै यीशु
प्यार करै था। 6 पर जिब उसनै सुण्या के लाजर बीमार सै, तो जिस जगहां पै वो था, ओड़ै दो दिन
और रुक ग्या। 7 दो दिन बाद फेर उसनै चेल्यां ताहीं कह्या, "आओ, हम फेर यहूदिया परदेस म्ह
चाल्लां।"
8 चेल्यां नै उस ताहीं कह्या, "हे गुरु, कुछ दिन पैहल्या तो यहूदी तेरे पै पत्थर बरसा कै तन्नै
मारणा चाहवै थे, अर के तू फेर भी उड़ैए जाणा चाहवै सै?" 9 यीशु नै जवाब दिया, "के दिन के बारहा
घन्टे कोनी होन्दे? जै कोए दिन म्ह चाल्लै तो ठोक्कर कोनी खान्दा, क्यूँके वे इस दुनिया के उजाळे
नै देक्खै सै। 10 पर जै कोए रात म्ह चाल्लै तो ठोक्कर खावै सै, क्यूँके उस म्ह उजाळा कोनी।"
11 उसनै ये बात कही, अर इसके बाद उन ताहीं कहण लाग्या, "के म्हारा साथी लाजर सो ग्या सै,
पर मै उसनै जगाण जाऊँ सूं।"
12 फेर चेल्यां नै उस ताहीं कह्या, "हे प्रभु, जै वो सो ग्या सै तो वो ठीक हो ज्यागा।" 13 यीशु नै
तो उसकी मौत कै बाबत कह्या था, पर उननै सोच्या के उसनै नींद तै सोण कै बाबत कह्या सै।
14 फेर यीशु नै उन ताहीं साफ-साफ कह दिया, "लाजर मर लिया सै, 15 यो थारे ए हित म्ह सै, के
मै उड़ै कोनी था, क्यूँके इब थम मेरे पै बिश्वास कर सकोगे, आओ, हम उसकै धोरै चाल्लां।"
16 फेर थोमा नै जो दिदुमुस कुह्वावै सै, अपणे गेल्या के चेल्यां ताहीं कह्या, "आओ, हम भी प्रभु
कै गेल्या मरण नै चाल्लां।"

[illegible]

17 बैतनिय्याह गाम पोहचे पाच्छै यीशु नै न्यू बेरया पाटया के लाजर नै कब्र म्ह धरे चार दिन
हो लिए सै। 18 बैतनिय्याह गाम यरुशलेम कै धोरै कोए दो कोस† की दूरी पै था, 19 घणखरे यहूदी
माणस मार्था अर मरियम कै धोरै उसकै भाई की मौत कै बाबत दीलास्सा देण नै आरे थे। 20 जिब
मार्था नै यीशु कै आण की खबर सुणी, तो मार्था उसतै मिलण खात्तर गई, पर मरियम घरा ए बेठ्ठी
रही।
21 मार्था नै यीशु ताहीं कह्या, "हे प्रभु, जै तू आड़ै होंदा, तो मेरा भाई कदे न्ही मरदा। 22 अर इब
भी मन्नै बेरा सै, जो कुछ तू परमेसवर तै माँगैगा, परमेसवर तन्नै देवैगा।"
23 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "तेरा भाई जी ज्यागा।"
24 मार्था नै उस ताहीं कह्या, "मन्नै बेरा सै, के आखर के दिन म्ह पुनरुत्थान के बखत वो जी
ज्यागा।"
25 यीशु नै मार्था तै कह्या, "पुनरुत्थान अर जीवन मै ए सूं, जो कोए मेरै पै बिश्वास करैगा, वो
जै मर भी जावै फेर भी जिवैगा, 26 अर जो कोए जीवै सै, अर वो मेरै पै बिश्वास करै सै, वो अनन्त
काल ताहीं कोनी मरैगा। के तू इस बात पै बिश्वास करै सै।"
27 मार्था नै यीशु तै कह्या, "हाँ, हे प्रभु, मै बिश्वास करुँ सूं, के परमेसवर का बेट्टा मसीह जो
दुनिया म्ह आण आळा था, वो तूए सै।"

[illegible]

---

* **11:2** 11:2 12:1-8 † **11:18** 11:18 तीन किलो. मी.

28 न्यू कहकै मार्था चली गयी, अर अपणी बेब्बे मरियम ताहीं एक्ले म्हं बुलाकै चुपके तै कह्या,
“गुरु याड़ैए सै अर तन्नै बुलावै सै।” 29 न्यू सुण तिए मरियम जिब्बे उठकै उसकै धोरै आई। 30 यीशु
इब्बे गाम तै बाहरे था, पर उस्से जगहां था जड़ै मार्था उसतै मिली थी। 31 फेर जो यहूदी माणस
उसकै गेल्या घर म्हं थे अर उस ताहीं दीलास्सा देवै थे, न्यू देखकै के मरियम जिब्बे उठकै बारणै चली
गयी सै, न्यू समझे के वा कब्र पै रोण नै जावै सै, तो उसकै पाच्छै हो लिये।

32 जिब मरियम उड़ै गई जड़ै यीशु था, तो उसनै देखदे उसकै पायां म्हं पड़कै कह्या, “हे प्रभु, जै
तू आड़ै होन्दा फेर मेरा भाई कोनी मरदा।”

33 जिब यीशु नै जो यहूदी माणस उसकै गेल्या आये थे, रोन्दे होए देख्या, तो आत्मा म्हं घणाए
दुखी अर उदास होग्या,

34 अर कह्या, “थमनै उसकी लाश कित्त धर राक्खी सै?” उननै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, चालकै
देख ले।”

35 यीशु रोण लाग्या।

36 फेर यहूदी माणस कहण लाग्गे, “लखाओ, वो लाजर तै कितना प्यार करै था।”

37 पर उन म्हं तै कईयाँ नै कह्या, “के यो जिसनै आंध्याँ ताहीं रोशनी दे दी, के यो लाजर ताहीं
मरण तै न्ही बचा सकै था?”

[illegible]

38 यीशु मन म्हए फेर घणाए दुखी होकै कब्र पै आया। वा एक गुफा थी अर एक पत्थर उसपै
धरया था। 39 यीशु नै कह्या, “पत्थर हटादो।” लाजर की बेब्बे मार्था उसतै कहण लाग्गी, “हे प्रभु,
उस म्हं तै इब तो बदबू आवै सै, क्यूँके उसनै मरे चार दिन हो लिए सै।”

40 यीशु नै उन ताहीं कह्या, “के मन्नै तेरे तै कोनी कह्या था के जै तू बिश्वास करैगी, तो परमेसवर
की महिमा नै देक्खैगी।” 41 फेर उननै पत्थर ताहीं हटाया। यीशु नै सुर्ग कान्ही निगांह ठाकै कह्या,
“हे पिता, मै तेरा धन्यवाद करुँ सूं, के तन्नै मेरी सुण ली सै। 42 अर मन्नै बेरा था के तू सारी हाण
मेरी सुणै सै, पर जो भीड़ आसै-पासै खड़ी सै, उनकै बाबत मन्नै कह्या, ताके वे बिश्वास करै, के तन्नै
मेरैताहीं भेज्या सै।”

43 न्यू कहकै ठाड्डू आवाज म्हं रुक्का मारया, “हे लाजर, लिकड़ आ।” 44 जो मर लिया था उसके
हाथ पैर पट्टियाँ तै बंधे हुए थे, अर उसकै मुँह पै अंगोच्छा लिपटरया था। यीशु नै उन ताहीं कह्या,
“उसनै खोलदो अर जाण द्यो।”

[illegible]
([illegible] 26:1-5; [illegible] 14:1-2; [illegible] 22:1-2)

45 फेर जो यहूदी मरियम धोरै मिलण आरे थे, अर उसका यो चमत्कार देख्या था, उन म्हं तै
घणखरयां नै उसपै बिश्वास करया। 46 पर उन म्हं तै कईयाँ नै फरीसियाँ धोरै जाकै यीशु के काम्मां
की खबर दी। 47 ज्यांतै प्रधान याजकां अर फरीसियाँ नै यहूदी अगुवां की सभा करी, अर कह्या,
“हमनै के करणा चाहिये? यो माणस तो घणे चमत्कार दिखावै सै। 48 जै हम उसनै न्यूए करण द्या,
तो फेर सारे उसपै बिश्वास करैगें, अर रोमी सैनिक आकै म्हारे देश अर मन्दर दोनुवां पै कब्जा कर
लेवैगें।”

49 फेर उन म्हं तै काइफा नामका एक माणस नै जो उस साल का महायाजक था, उन ताहीं कह्या,
“थम किमे न्ही जाणदे! 50 अर ना ए थमनै इस बात की समझ सै, के इस्से म्हं थारा फायदा सै, के
बजाये इसके के सारे माणस ए नाश हो जावै, सब खात्तर एक आदमी नै मरणा होगा।”

51 पर या बात उसनै अपणी ओड़ तै कोन्या कही, पर उस साल का महायाजक होण के नाते या
भविष्यवाणी करी, के यीशु उस जात खात्तर मरैगा। 52 अर ना सिर्फ यहूदी जात खात्तर बल्के ज्यांतै
के परमेसवर की खिंड-मिंड ऊलादां नै एक करदे। 53 इस तरियां उस्से दिन तै यहूदी अगुवें उस ताहीं
मारण खात्तर साजिस रचाण लाग्गे।

54 ज्यांतै यीशु उस बखत तै यहूदी लोग्गां म्ह घाट दिक्खण लागग्या, अर यरुशलेम नगर नै
छोड़कै वो जंगल-बियाबान कै धोरै इफ्राईम नामक एक नगर कान्ही चल्या गया, अर अपणे चेल्यां
गैल उड़ैए रहण लाग्या।
55 यहूदियाँ का फसह का त्यौहार लोवै था, अर घणेए माणस फसह तै पैहल्या अपणे गाम्मां म्ह
तै यरुशलेम नगर म्ह गए, के खुद नै पवित्र करै। 56 वे यीशु नै टोह्ण लाग्गे अर मन्दर म्ह खड़े होकै
आप्पस म्ह बतलाण लाग्गे, "थम के सोच्चो सो? के वो त्यौहार म्ह कोनी आवैगा?" 57 अर प्रधान
याजकां अर फरीसियाँ नै हुकम दे राख्या था, के जै कोए न्यू जाणै सै, के यीशु कित्त सै तो बतावै,
ताके वे उसनै पकड़ ले।

12

[illegible]
([illegible] 26:6-13; [illegible] 14:3-9)

1 फेर यीशु फसह का त्यौहार तै छः दिन पैहल्या बैतनिय्याह गाम म्ह आया जित्त लाजर था,
जिस ताहीं यीशु नै मरया होड़ म्ह तै जिन्दा करया था। 2 उड़ै उननै यीशु कै खात्तर भोज तैयार करया,
अर मार्था सेवा करण लागरी थी, अर लाजर भी उन म्ह तै एक था जो उसकै गेल्या खाणा खाण बेठ्ठे
थे। 3 फेर मरियम नै जटामांसी फूल का आध्धा सेर घणा महँगा खसबूदार तेल लेकै यीशु के पायां
पै गेरया, अर अपणे बाळां तै उसके पैर पुन्झे, अर खसबूदार तेल की खस्बू तै घर खसबूदार होग्या।
4 पर उसके चेल्यां म्ह तै यहूदा इस्करियोती नामका एक चेल्ला जो उस ताहीं पकड़वाणा चाहवै
था, कहण लाग्या, 5 "यो महँगा खसबूदार तेल तीन सौ दीनार (तीन सौ दिन की मजदूरी) म्ह बेचकै
कंगालां ताहीं क्यातै कोनी दिया गया?" 6 उसनै या बात ज्यातै कोनी कही के उसनै कंगालां की
फिक्र थी बल्के ज्यांतै के वो चोर था, अर उसकै धोरै पिस्या की थैल्ली रह्या करै थी अर उस म्ह जो
कुछ गेरया जान्दा, वो काढ लेवै था।
7 यीशु नै कह्या, "उस ताहीं यो करण द्यो, यो मेरे गाड्डे जाण की तैयारी कै खात्तर सै। 8 क्यूँके
कंगाल तो थारे गेल्या सारी हाण रहवैंगे, पर मै थारे गेल्या सारी हाण कोनी रहूँगा।"

[illegible]

9 फसह का त्यौहार म्ह आई यहूदियाँ की एक बड़ीए भीड़ नै जिब बेरा लागग्या के वो बैतनिय्याह
गाम म्ह सै, तो वे ना सिर्फ यीशु कै बाबत आये पर ज्यांतै भी के लाजर नै देक्खै, जिस ताहीं यीशु
मसीह नै मरया होड़ म्ह तै जिन्दा करया था। 10 फेर प्रधान याजकां नै लाजर ताहीं भी मारण की
सलाह करी। 11 क्यूँके उसकै बाबत घणखरे यहूदी चले गये अर यीशु पै बिश्वास करया।

[illegible]-[illegible]
([illegible] 21:1-11; [illegible] 11:1-11; [illegible] 19:28-40)

12 दुसरे दिन घणखरे माणसां नै जो फसह के त्यौहार म्ह आरे थे न्यू सुण्या, के यीशु यरुशलेम
नगर म्ह आरया सै। 13 ज्यांतै उननै खजूर की डाळी ली, अर उसतै फेट्टण नै लिकड़े, अर रुक्के
मारण लाग्गे,
"होशाना! (मतलब जै-जै कार हो) धन्य इस्राएल का राजा, जो प्रभु कै नाम तै आवै सै।"
14 जिब यीशु यरुशलेम नगर कै धोरै आया, तो उसनै एक गधे का बच्चा मिल्या, फेर वो उसपै
बैठग्या,
15 जिसा पवित्र शास्त्र म्ह लिख्या सै,
"हे सिय्योन की बेट्टी, मतना डरै, लखा, तेरा राजा गधी के बच्चे पै चढ़ा होड़ चाल्या आवै सै।"
16 यीशु के चेल्लें ये बात पैहल्या कोनी समझे थे, पर जिब यीशु की महिमा दिक्खी फेर उनकै
याद आया के ये बात उसकै बाबत लिक्खी होड़ थी, अर माणसां नै उसकै गेल्या न्यूए बरताव करया
था।

17 फेर उसकै गैल जो भीड़ थी उननै या गवाही दी, जो उस बखत उसकै गेल्या थे, जिब उसनै
लाजर ताहीं कब्र म्ह तै बुलाकै मरया होया म्ह तै जिन्दा करया था।

18 ज्यांतै माणस यीशु तै फेट्टण नै आरे थे क्यूँके उननै सुण्या था के उसनै यो अचम्भे का काम
करया था।

19 फेर फरीसियाँ नै आप्पस म्ह कह्या, "सोचकै तो देक्खो, के थारे तै कुछ भी कोनी बणदा। लखाओ,
दुनिया उसकै गैल हो ली सै।"

[illegible]

20 जो माणस उस फसह के त्यौहार म्ह भगति करण नै आये थे उन म्ह तै कुछ यूनानी थे। 21 उननै
गलील परदेस कै बैतसैदा नगर के बासिन्दे फिलिप्पुस कै धोरै आकै उसतै बिनती करी, "श्रीमान,
हम यीशु तै फेटणा चाहवां सां।" 22 फिलिप्पुस नै आकै अन्द्रियास तै कह्या, फेर अन्द्रियास अर
फिलिप्पुस नै जाकै यीशु ताहीं कह्या।

23 इसपै यीशु नै उन ताहीं कह्या, "वो बखत आ ग्या सै के मुझ माणस के बेट्टै की महिमा हो।
24 मै थारे तै साच्ची-साच कहूँ सूं, के जिब ताहीं गेहूँ का दाणा धरती म्ह पड़कै मर न्ही जान्दा, वो
एक्ला रहवै सै, पर जिब मर जावै सै, तो वो अनगणित दाण्या नै जन्म देवै सै। 25 जो अपणे जीवन
नै प्यारा जाणै सै, वो उसनै खो देवै सै, अर जो इस दुनिया म्ह अपणे जीवन नै प्यारा कोनी जाण्दा,
वो अनन्त जीवन कै खात्तर उसकी रुखाळी करैगा। 26 जै कोए मेरी सेवा करै, तो वो मेरा चेल्ला
बण जावै, अर जिब जड़ै मै सूं, उड़ै मेरा सेवक भी होवैगा। जै कोए मेरी सेवा करै, तो पिता उसका
आदर करैगा।

[illegible]

27 "इब मेरा जी भोत दुखी सै। ज्यांतै इब मै के कहूँ? 'हे पिता, मन्नै इस दुख की घड़ी तै बचा?' पर
मै इस्से खात्तर इस दुनिया म्ह आया सूं, ताके मै दुख सहु। 28 हे पिता अपणे नाम की महिमा कर।"
फेर या अकास वाणी होई, "मन्नै इसकी महिमा करी सै, अर फेर भी करुँगा।" 29 फेर जो माणस
खड़े होए सुणरे थे, उननै कह्या के बाद्दळ गरजा। दुसरयां नै कह्या, "कोए सुर्गदूत उसतै बोल्या।"

30 इसपै यीशु नै कह्या, "या आवाज मेरै खात्तर न्ही, पर थारे खात्तर आई सै। 31 इब इस दुनिया
का न्याय होवै सै, इब इस दुनिया का अधिकारी काढ्या जावैगा। 32 अर मै जै धरती पै तै ऊँच्चे
पै चढ़ाया जाऊँगा, तो सारया नै अपणे कान्ही खिच्चुगाँ।" 33 न्यू कहकै उसनै यो बता दिया के वो
किस ढाळ की मौत तै मरैगा।

34 इसपै माणसां नै यीशु ताहीं कह्या, "हमनै मूसा नबी के नियम-कायदा की या बात सुणी सै के
मसीह सदा जिन्दा रहवैगा, फेर तू क्यातै कहवै सै के माणस का बेट्टा ऊँच्चे पै चढ़ाया जाणा जरूरी
सै? यो माणस का बेट्टा कौण सै?"

35 यीशु नै उन ताहीं कह्या, "चाँदणा (यीशु नै अपणे-आप तै कह्या सै) इब थोड़ी देर ताहीं थारे
बिचाळै सै। जिब ताहीं चाँदणा थारे गेल्या सै जद ताहीं चाल्दे रहो, इसा ना हो के अँधेरा थारे ताहीं
घेर लेवै, जो अँधेरे म्ह चाल्लै सै वो कोनी जाण्दा के कड़ै जावै सै। 36 जिब ताहीं चाँदणा थारे गेल्या
सै, चाँदणे पै बिश्वास राक्खो ताके थम चाँदणे की ऊलाद बणो।" ये बात कहकै यीशु चल्या गया
अर उनतै दूर रह्या।

[illegible]

37 यीशु मसीह नै उनकै स्याम्ही इतने चमत्कार दिखाए, फेर भी उननै उसपै बिश्वास कोनी करया,
38 ताके यशायाह नबी का वचन पूरा हो जो उसनै कह्या "हे प्रभु, म्हारै संदेश का किसनै बिश्वास
करया सै? अर प्रभु की शक्ति किसपै जाहिर होई सै?"

39 इस बाबत वे बिश्वास कोनी कर सके, क्यूँके यशायाह नै न्यू भी कह्या सै:

40 "उसनै उनकी आँख आँधी, अर उनके मन कठोर कर दिए सै, कदे इसा ना हो के वे आँखां तै
देक्खै, अर मन तै समझै, अर पलटै, अर मै उननै ठीक करुँ।"

41 यशायाह नै ये बात ज्यांतै कही, के उसनै यीशु मसीह की महिमा देक्खी, अर उसनै उसकै बारें
म्ह बताया।
42 फेरभी यहूदी सरदारां म्ह तै घणाए नै उसपै बिश्वास करया, पर फरीसियाँ कै कारण खुलकै
कोनी मान्नै थे, क्यूँके उननै डर था कदे वे आराधनालय म्ह तै लिकाड़े ना जावै 43 क्यूँके माणसां की
ओड़ तै करी जाण आळी बड़ाई उननै परमेसवर की ओड़ तै बड़ाई की बराबरी म्ह घणी प्यारी लाग्गै
थी।

[illegible]

44 यीशु नै रुक्का मारकै कह्या, "जो मेरै पै बिश्वास करै सै, वो मेरै पै न्ही बल्के मेरै खन्दानआळै पै
बिश्वास करै सै। 45 अर जो मन्नै देक्खै सै, वो मेरै खन्दानआळै नै देक्खै सै। 46 मै दुनिया म्ह चाँदणा
बणकै आया सूं, ताके जो कोए मेरै पै बिश्वास करै वो अँधेरे म्ह कोनी रहवै।"
47 "जै कोए मेरे वचन सुणकै भी उननै न्ही मानता, तोभी मै उसनै कसूरवार कोनी ठहरान्दा,
क्यूँके मै दुनिया के माणसां ताहीं कसूरवार ठहराण खात्तर कोनी, पर दुनिया के माणसां का उद्धार
करण खात्तर आया सूं। 48 जो कोए मन्नै नकारै सै, अर मेरे सुसमाचार नै कोनी अपणावै, उस ताहीं
कसूरवार ठहराण आळा तो एके सै, यानिके जो वचन मन्नै कह्या सै, वोए पाच्छले दिन म्ह उस ताहीं
कसूरवार ठहरावैगा। 49 क्यूँके मै अपणी ओर तै बात न्ही कहन्दा, पर पिता जिसनै मेरै ताहीं भेज्या
सै, उसनै मेरै ताहीं हुकम दिया सै के, के मै कहूँ अर किस तरियां बोल्लूँ? 50 अर मन्नै बेरा सै के
उसका हुकम अनन्त जीवन देवै सै। ज्यांतै मै जो कुछ कहूँ सूं, ठीक उसाए कहूँ सूं, जिसा पिता नै
मेरै ताहीं कहण का हुकम दिया सै।"

13

[illegible]

1 फसह कै त्यौहार तै पैहल्या, जिब यीशु नै बेरा लागग्या, के मेरा वो बखत आ लिया सै, के
दुनिया छोड़कै पिता कै धोरै उल्टा जाऊँ, तो अपणे मानण आळा तै, जो दुनिया म्ह थे, जिसा प्यार
वो करया करदा, आखर ताहीं उसाए प्यार करदा रह्या।
2 यीशु अर उसके चेल्लें साँझ नै खाणा खाण लागरे थे। शमौन के बेट्टे यहूदा इस्करियोती के
मन म्ह शैतान नै यो विचार घाल दिया था, के वो यीशु कै गेल्या धोक्खा करै। 3 यीशु यो जाणै था,
के पिता नै सब कुछ उसके हाथ म्ह सौप दिया सै, अर यो भी के वो परमेसवर की ओड़ तै आया सै,
परमेसवर कै धोरै ए उल्टा जाण लागरया सै। 4 इस खात्तर वो खाणा छोड़कै खड्या होग्या, उसनै
अपणे उप्परले लत्ते उतार दिये, अंगोच्छा लेकै अपणी कमर म्ह बाँध लिया। 5 फेर बास्सण म्ह पाणी
भरकै चेल्यां के पैर धोये, अर जो अंगोच्छा कमर पै बाँध राख्या था, उस्से तै पूंझण लागग्या।
6 जिब वो शमौन पतरस कै धोरै आया, फेर पतरस नै उस ताहीं कह्या, "हे प्रभु, के तू मेरे पैर
धोवैगा?"
7 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "जो मै करूँ सूं, तू उसका मतलब इब्बे न्ही समझ पावैगा, पर
इसकै बाद समझैगा।"
8 पतरस नै उस ताहीं कह्या, "मै अपणे पैर तेरे ताहीं कदे न्ही धोण दियुँगा।" न्यू सुणकै यीशु नै
उस ताहीं कह्या, "जै मै तेरे पैर ना धोऊँ, तो तू मेरा चेल्ला न्ही कुह्वावैगा।"
9 शमौन पतरस नै उस ताहीं कह्या, "हे प्रभु, फेर मेरे पैर ए न्ही बल्के मेरे हाथ अर सिर भी
धोदे।"
10 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "जो माणस न्हा लिया हो उस ताहीं पैर कै सिवाय और कुछ धोण की
जरूरत कोनी, पर वो पूरी तरियां साफ हो चुका सै, थम सारे साफ सो, पर एक नै छोड़ के।" 11 यीशु
तो अपणे पकड़वाण आळे नै जाणै था, ज्यांतै उसनै कह्या, "थम सारे साफ सो, पर एक नै छोड़ के।"
12 जिब यीशु नै पैर धो लिये, अर अपणे लत्ते दुबारा पहरकै फेर बैठग्या, तो उन ताहीं कहण
लागग्या, "के थम समझे के मन्नै थारे गेल्या के करया?" 13 थम मन्नै गुरु अर प्रभु कहो सो, अर

सही कहो सो, क्यूँके मै वोए सूं। 14 जिब मन्नै गुरु अर प्रभु होकै थारे पैर धोए, तो थमनै भी मेरी
तरियां एक-दुसरे के पैर धोणे चाहिये। 15 क्यूँके मन्नै थारे ताहीं नमूना दिखाया सै, के जिसा मन्नै
थारे गेल्या करया सै, थम भी उसाए करया करो। 16 मै थारे तै साच्ची-साच कहूँ सूं, नौक्कर अपणे
माल्लिक तै बड्डा कोनी, अर ना प्रेरित अपणे भेजण आळे तै। 17 इब थम ये बात जाणगे सों, जै
उनपै चाल्लों तो थम सुखी रहोगे।

18 मै थम सारया के बारें म्ह कोनी कहन्दा, मै उननै जांणु सूं, जिनताहीं मन्नै छाँट लिया सै, (अर
यो भी के यहूदा बिश्वासघाती सै) क्यूँके मन्नै उस ताहीं इस खात्तर छाटया सै, ताके पवित्र ग्रन्थ
का यो वचन पूरा हो, "जो मेरी रोट्टी खावै सै, उसनै मेरै पै लात ठाई।"

19 "ये सब कुछ मन्नै थारे ताहीं पैहले ए बता दिया था, के जब न्यू हो जावै तो थम बिश्वास
करियो के मै वोए सूं। 20 मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो मेरे भेज्जै होया नै अपणावै सै, वो
मन्नै अपणावै सै, अर जो मन्नै अपणावै सै, वो मेरे भेजण आळे नै अपणावै सै।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 26:20-25; [illegible] 14:17-21; [illegible] 22:21-23)

21 ये बात कहकै यीशु आत्मा म्ह दुखी होया अर या गवाही दी, "मै थारे ताहीं साच्ची-साच कहूँ
सूं, के थारे म्ह तै एक मन्नै धोक्खा देकै पकड़वावैगा।"

22 चेल्लें यो शक करते होए के वो किसकै बाबत कहवै सै, एक-दुसरे कै कान्ही लखाण लागगे।
23 उसके चेल्यां म्ह तै यूहन्ना जिस ताहीं यीशु प्यार राक्खै था, यीशु कै धोरै बेठया था। 24 शमौन
पतरस नै यूहन्ना कान्ही इशारा करकै उस ताहीं बुझ्झया, "बता तो, वो किसकै बाबत कहवै सै?"

25 फेर उसनै उस्से ढाळ यीशु की छात्ती कै कान्ही झुककै उस ताहीं बुझ्झया, "हे प्रभु, वो कौण
सै?"

26 यीशु नै जवाब दिया, "जिस ताहीं मै यो रोट्टी का टुकड़ा डुबोकै द्युगां वोए सै।" अर उसनै
टुकड़ा डुबोकै शमौन के बेट्टे यहूदा इस्करियोती ताहीं दिया।

27 टुकड़ा खान्दे शैतान यहूदा इस्करियोती म्ह बड़ग्या। फेर यीशु नै उस ताहीं कह्या, "जो तू करै
सै, तोळा कर।" 28 भोज पै बैठण आळे चेल्यां म्ह तै किसे नै भी यो कोनी बेरा लाग्गण पाया के उसनै
या बात उसतै किस मतलब तै कही। 29 कईयाँ नै सोच्या के रपियाँ की थैल्ली यहूदा कै धोरै रहवै
सै, ज्यांतै यीशु उस ताहीं कहवै सै के त्यौहार कै खात्तर जरूरी समान मोल ले आओ या गरीबां नै
कुछ देवै, इस खात्तर यहूदा नै रोट्टी का टुकड़ा लिया। 30 आखर म्ह वो टुकड़ा खाकै जिब्बे बाहरणै
लिकड़ग्या, अर रात का बखत था।

[illegible] [illegible]

31 जिब यहूदा बाहरणै लिकड़ग्या तो यीशु नै कह्या, "इब मुझ माणस के बेट्टे की महिमा होई
सै, अर परमेसवर की महिमा मेरे म्ह होई सै, 32 परमेसवर भी अपणे बेट्टे की महिमा करैगा, अर वो
जिब्बे करैगा।"

33 हे बाळकों, मै थोड़ी सी वार और थारे धोरै सूं, फेर थम मन्नै टोहओगे, अर जिसा मन्नै यहूदियाँ
ताहीं कह्या, "जड़ै मै जाऊँ सूं, उड़ै थम कोनी आ सकदे, न्यू इब मै थारे ताहीं भी कहूँ सूं।"

34 "मै थमनै नया हुकम द्यु सूं, के एक-दुसरे तै प्यार करो, जिसा मन्नै थारैतै प्यार करया सै, उस्से
तरियां थम भी एक-दुसरे तै प्यार करो। 35 जै आप्पस म्ह प्यार राक्खोगे, तो इसतै सारया नै बेरा
पाट्टैगा के थम मेरे चेल्लें सो।"

[illegible] [illegible] [illegible] [illegible] [illegible]
([illegible] 26:31-35; [illegible] 14:27-31; [illegible] 22:31-34)

36 शमौन पतरस नै उस ताहीं कह्या, "हे प्रभु, तू कित्त जा सै?" यीशु नै जवाब दिया, "जड़ै मै
जाऊँ सूं, उड़ै तू इब्बे मेरै पाच्छै न्ही आ सकदा, पर इसकै बाद मेरै गेल्या आवैगा।"

37 पतरस नै उसतै कह्या, “हे प्रभु, इब्बे मै तेरे पाच्छै क्यातै न्ही आ सकदा? मै तो तेरी खात्तर
अपणी जान भी देण नै तैयार सूं।”
38 यीशु नै जवाब दिया, “के तू मेरी खात्तर अपणी जान दे देवैगा? मै तेरे तै सच कहूँ सूं, के मुर्गे
के बाँग देण तै पैहल्या तू तीन बार मेरे बारें म्ह मुकरैगा।

14

[illegible]

1 “अपणे मन नै दुखी ना होण द्यो, थम परमेसवर पै बिश्वास राक्खो सो, अर मेरै पै भी बिश्वास
राक्खो। 2 मेरै पिता कै घर म्ह घणीए रहण की जगहां सै, जै न्ही होंदी तो मै थारे ताहीं कह देंदा,
क्यूँके मै थारे खात्तर जगहां त्यार करण नै जाऊँ सूं। 3 अर जै मै जाकै थारे खात्तर जगहां त्यार करुँ,
तो फेर दुबारै आकै थमनै अपणे उरै ले जाऊँगा के जड़ै मै रहूँ उड़ै थम भी रहो। 4 अर जित्त म्ह जाऊँ
सूं, थम ओड़ै की राह जाणो सों।”
5 थोमा नै उसतै सवाल करया, “हे प्रभु, हमनै तेरे ठिकाणै का ए कोनी बेरा तो उसका राह किस
तरियां जाण सका सां?”
6 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, “मै ए वो राह अर सच अर अनन्त जीवन सूं, बिना मेरै जरिये
कोए पिता धोरै कोनी पोहच सकदा। 7 जै थम सच म्ह ए मन्नै जाणदे होन्दे, तो मेरै पिता नै भी
जाणदे, इसकै बाद थमनै उस ताहीं जाण लिया सै, अर उस ताहीं देख भी लिया सै।”
8 फिलिप्पुस नै उस ताहीं कह्या, “हे प्रभु, तू म्हारै ताहीं पिता के दर्शन ए करा दे, योए म्हारै
खात्तर भतेरा होगा।” 9 यीशु नै उस ताहीं कह्या, “हे फिलिप्पुस, मै इतने दिन तै थारे गेल्या सूं, के
तू मन्नै कोनी जाण्दा? जिसनै मेरैताहीं देख्या सै उसनै पिता ताहीं देख्या सै। फेर क्यातै कहवै सै
के पिता नै म्हारैताहीं दिखा?” 10 के तन्नै बिश्वास कोनी के मै पिता म्ह सूं, अर पिता मेरै म्ह सै?
ये वचन जो मै थारे ताहीं बताऊँ सूं, अपणी ओड़ तै कोनी बतान्दा, पर मेरे भित्तर बसा पिता ए सै,
जो मेरे म्ह होकै अपणे काम पूरा करण लागरया सै। 11 मेरा-ए बिश्वास करो के मै पिता म्ह सूं, अर
पिता मेरै म्ह सै, ना तो काम्मां कै कारण मेरा बिश्वास करो। 12 मै थारैतै साच्ची-साच कहूँ सूं, के जो
मेरै पै बिश्वास राक्खै सै, ये काम जो मै करुँ सूं, वो भी करैगा, बल्के इनतै भी बड़े-बड़े काम करैगा,
क्यूँके मै इब पिता कै धोरै जाऊँ सूं। 13 मेरै नाम तै थम जो कुछ माँगोगे, वोए मै करुँगा, जिसतै
बेट्टे कै जरिये पिता की महिमा हो। 14 जै थम मेरै तै मेरै नाम तै कुछ माँगोगे, तो मै उस ताहीं पूरा
करुँगा।

[illegible]

15 “जै थम मेरै तै प्यार करो सो, तो मेरे हुकमां नै मान्नोगे। 16 मै पिता तै बिनती करुँगा, अर वो
थारे ताहीं एक और मददगार देवैगा के वो सारीहाण थारे गेल्या रहवै। 17 यानिके सच का आत्मा,
जिस ताहीं दुनिया कोनी अपणा सकदी, क्यूँके वो ना उसनै देक्खै सै, अर ना उस ताहीं जाणै सै,
थम उसनै जाणो सो, क्यूँके आज वो थारे गेल्या सै, अर आण आळे बखत म्ह भी वो थारे म्ह बणा
रहवैगा।” 18 “मै थारे ताहीं अनाथ कोनी छोड्डूँगा, मै थारे धोरै बोहड़ के आऊँगा। 19 थोड़ा ए बखत
बाकी सै, जिब दुनिया मेरै ताहीं कोनी देक्खैगी, पर थम मन्नै देक्खोगे, ज्यांतै के मै जिन्दा सूं, थम
भी जिन्दा रहोगे। 20 जिब मै बोहड़ के आऊँगा, उस दिन थमनै बेरा लाग्गैगा, के मै अपणे पिता म्ह
सूं, अर थम मेरै म्ह, मै थारे म्ह। 21 वो, जो मेरे हुकम नै मान्नै सै अर उननै निभावै सै, वोए मेरतै
प्यार करै सै, अर जो मेरतै प्यार करै सै, वोए मेरे पिता का प्रियजन होगा, मै उसतै प्यार करुँगा,
अर अपणे-आप ताहीं उसपै जाहिर करुँगा।”
22 उस यहूदा नै (जो इस्करियोती कोनी था) यीशु ताहीं कह्या, “हे प्रभु, इसा के होया के तू
अपणे-आप ताहीं म्हारै पै जाहिर करणा चाहवै सै, अर दुनिया के माणसां पै न्ही?” 23 यीशु नै उस
ताहीं जवाब दिया, “जै कोए मेरै तै प्यार करै सै, तो वो मेरी शिक्षा का पालन करैगा, वो मेरे पिता का

प्रियजन बणैगा, अर हम उसकै धोरै आकै उसकै गेल्या वास करागें।" 24 वो, जो मेरतै प्यार कोनी
करदा, वो मेरै वचन नै कोनी मानता, अर जो वचन थम सुणो सो वो मेरे कोनी बल्के पिता के सै, जो
मेरा भेजण आळा सै।
25 "ये बात मन्नै थारे गेल्या रहंदे होए थारैतै कही। 26 पर मददगार यानिके पवित्र आत्मा जिस
ताहीं पिता मेरै नाम तै भेज्जैगा, वो थारे ताहीं इन सारी बात्तां की शिक्षा देवैगा, अर जो कुछ मन्नै
थारे तै कह्या सै, वो सारा कुछ थारे ताहीं याद दुआवैगा।" 27 मै थारे ताहीं शान्ति देकै जाऊँ सूं,
अपणी शान्ति थारे ताहीं दियुँ सूं, जिसी दुनिया थारे ताहीं शान्ति देवै सै, मै थमनै उसी शान्ति कोनी
देंदा अपणे मन नै दुखी ना होण द्यो अर ना डरियो।
28 थमनै सुण्या के मन्नै थारे ताहीं के कह्या, "मै जाऊँ सूं, अर थारे धोरै फेर आऊँगा।" जै थम मेरै
तै प्यार करदे, तो यो जाणकै राज्जी होन्दे, के मै पिता कै धोरै जाऊँ सूं, जो मेरै तै घणा महान् सै।
29 यो सब होण तै पैहल्या मन्नै थारे ताहीं इसके बारै म्ह बता दिया सै, के जिब यो हो जावै, तो थम
बिश्वास करो। 30 मै इब थारे तै घणा कुछ न्ही कहूँगा, क्यूँके इस दुनिया का शासक (शैतान) आवै
सै। मेरै पै उसका कोए हक कोनी, 31 दुनिया यो समझ ले के मै पिता तै प्यार करुँ सूं, योए कारण सै
के मै उसके सारे हुकमां का पालन करुँ सूं। उठो, हम याड़ै तै चाल्लां।

15

[illegible]

1 यीशु नै कह्या, "मै सच्ची अंगूर की बेल की तरियां सूं, अर मेरा पिता किसान की तरियां सै।
2 मेरे मै लाग्गी हरेक डाळी जो फळ न्ही देन्दी, उस ताहीं वो काट देवै सै, पर हरेक एक फळ देण
आळी डाळी ताहीं छांगै सै ताके वा और घणा फळ ल्यावै। 3 थम तो उस वचन कै कारण जो मन्नै
थारैताहीं कह्या सै, शुद्ध होगे सो। 4 थम मेरै म्ह बणे रहो, अर मै थारे म्ह, जिस तरियां डाळी जै
अंगूर की बेल म्ह बणी न्ही रहवै तो खुद तै कोनी फळ सकदी, उस्से तरियां थम भी जै मेरै म्ह बणे
न्ही रहो तो कोनी फळ सकदे।"
5 मै अंगूर की बेल की ढाळ सूं अर थम डाळी सो। जो मेरै म्ह बण्या रहवै सै अर मै उस म्ह, वो
घणाए फळ फळै सै, क्यूँके मेरै तै न्यारे पाटकै थम कुछ न्ही कर सकदे। 6 जै कोए मेरै म्ह न्ही बण्या
रहंदा, तो वो डाळी की तरियां बगा दिया जावैगा, अर सूख जावै सै, अर माणस उन ताहीं कठ्ठे
करकै आग म्ह झोक देवै सै, अर वे बळ जावै सै। 7 जै थम मेरै म्ह बणे रहो अर मेरे वचन थारे म्ह
बणे रहवै, तो थारे माँगण पै थारी इच्छा पूरी करी जावैगी। 8 थारे फळ की भरपूरी म्ह मेरै पिता की
महिमा अर थारा मेरे चेल्लें होण का सबूत सै।
9 जिसा पिता नै मेरै तै प्यार करया, उसाए मन्नै थारैतै प्यार करया, मेरै प्यार म्ह बणे रहो। 10 जै
थम मेरे हुकमां नै मान्नोगे, तो मेरै प्यार म्ह बणे रहोगे, जिस ढाळ के मन्नै अपणे पिता का हुकम
मान्या सै, अर उसकै प्यार म्ह बणा रहूँ सूं। 11 मन्नै ये बात थारे तै ज्यांतै कही, के जो आनन्द मेरे
म्ह सै, वो थारे म्ह भी हो अर बढ़ता जावै।
12 "मै थमनै नया हुकम द्यु सूं, के एक-दुसरे तै प्यार करियो, जिसा मन्नै थारैतै प्यार करया सै,
उसाए थम भी एक-दुसरे तै प्यार करियो। 13 इसतै बड्ड़ा प्यार किसे का कोनी के कोए अपणे दोस्तां
कै खात्तर अपणी जान दे। 14 जो हुकम मै थारे ताहीं दियुँ सूं, जै थम उसपै चाल्लों सों तो थम मेरे
साथी सो।" 15 मन्नै थारे ताहीं नौक्कर न्ही, पर साथी मान्या सै, क्यूँके नौक्कर माल्लिक के काम्मां
तै अनजाण रहवै सै, मन्नै थारे ताहीं वे सारी बात बता दी सै, जो मन्नै पिता तै मिली सै। 16 थमनै
मेरै ताहीं कोनी चुण्या पर मन्नै थारे ताहीं चुण्या सै अर थारैताहीं काम पै लाया सै, के थम जाकै
फळ ल्याओ अर थारा फळ बणा रहवै, के थम मेरै नाम तै जो कुछ पिता तै माँग्गो, वो थारे ताहीं दे
दे। 17 मेरा हुकम यो सै के थम एक-दुसरे तै प्यार करो।

[illegible]

18 “जै दुनिया के माणस थारैतै बैर राक्खै सै, तो जाण ल्यो के उसनै थारैतै पैहल्या मेरै तै बैर
राख्या सै। 19 जै थम दुनिया के माणसां जिसे होन्दे, तो दुनिया थारे तै आपण्यां जिसा प्यार करदी,
पर थम दुनिया के कोनी, बल्के मन्नै थारैताहीं दुनिया म्ह तै छाँट लिया सै, इस करकै दुनिया के
माणस थारे तै बैर राक्खै सै। 20 याद राक्खों मन्नै थारे तै के कह्या था, ‘नौक्कर अपणे माल्लिक तै
बड्ड़ा कोनी होंदा,’ जिब उननै मेरै ताहीं सताया, तो थारैताहीं भी सतावैगें। जै उननै मेरी शिक्षा
मान्नी, तो थारी भी माँन्नैगें। 21 पर यो सब कुछ माणस मेरै नाम कै कारण थारे गेल्या करैगें, क्यूँके
माणस मेरै भेजण आळे नै कोनी जाणदे। 22 जै मै न्ही आन्दा, अर उनतै बात न्ही करदा, फेर वे पापी
कोनी ठहरदे, पर इब उननै उनकै पाप खात्तर कोए बहान्ना कोनी। 23 जो मेरै तै बैर राक्खै सै, वो
मेरै पिता तै भी बैर राक्खै सै। 24 जै मै उनके बीच म्ह वे काम न्ही करदा, जो और किसे नै कोनी करे,
तो वे पापी कोनी ठहरदे, पर इब तो जो कुछ मन्नै करया सै उननै मेरै ताहीं देख लिया सै, उननै मेरै
ताहीं अर मेरे पिता दोनुआ तै बैर करया। 25 पर यो इस करकै होया के जो उनकै नियम-कायदा म्ह
लिख्या सै वो सच हो सकै, ‘उननै मेरै तै खामखां बैर करया।’ ”

26 पर जिब वो मददगार (सच का आत्मा जो पिता की ओड़ तै आवै सै) धोरै आवैगा, जिसनै मै
थारे धोरै पिता की ओड़ तै भेज्जूँगा, तो वो मेरी गवाही देवैगा, 27 अर थम भी मेरे गवाह सो, क्यूँके
थम शरु तै मेरै गेल्या रहे सो।

16

1 “ये बात मन्नै थारैतै ज्यांतै बताई सै के थारा बिश्वास डगमगा न्ही जावै।” 2 वे थमनै
आराधनालयाँ म्ह तै काढ देवैगें, बल्के वो बखत आवै सै, के जो कोए थमनै मार देवैगा, वो न्यू
समझैगा के मै परमेसवर की सेवा करुँ सूं। 3 इसा वे ज्यांतै करैगें के उननै ना पिता ताहीं जाण्या सै,
अर ना मन्नै जाणै सै। 4 पर ये बात मन्नै ज्यांतै थारैतै कही, के जिब इनका बखत आवै तो थमनै
याद रहवै के मन्नै थारैतै पैहल्याए उसकै बारें म्ह बता दिया था। “मन्नै शरु म्ह थारैतै ये बात ज्यांतै
कोनी कही क्यूँके मै थारे गेल्या था।”

[illegible]

5 पर इब मै अपणे भेजण आळे कै धोरै जाऊँ सूं, अर थारे म्ह तै कोए मेरै तै कोनी बुझता, “तू
कित्त जावै सै?” 6 पर मन्नै जो ये बात थारैतै कही सै, ज्यांतै थारा मन दुख तै भरग्या सै। 7 फेरभी
मै थारैतै साच्ची कहूँ सूं, के मेरा जाणा थारे खात्तर ठीक सै, क्यूँके जै मै ना जाऊँ तो वो मददगार
थारे धोरै कोनी आवैगा, पर जै मै जाऊँगा, तो उस ताहीं थारे धोरै भेज्जूँगा। 8 वो आकै दुनिया के
माणसां ताहीं पाप अर धार्मिकता अर न्याय कै बाबत बतावैगा। 9 पाप कै बारै म्ह ज्यांतै के वे मेरै पै
बिश्वास कोनी करदे। 10 अर धार्मिकता कै बारै म्ह ज्यांतै के मै पिता कै धोरै जाऊँ सूं, अर थम मन्नै
दुबारै कोनी देक्खोगे, 11 न्याय कै बारै म्ह ज्यांतै के दुनिया का शासक कसूरवार ठहराया जा चुक्या
सै।

12 मन्नै थारे तै और भी घणीए बात कहणी सै, पर इब्बे थम उननै सह न्ही सकदे। 13 पर जिब वो
यानिके सच का आत्मा आवैगा, तो थम सारया नै सच का रास्ता बतावैगा, क्यूँके वो अपणी ओड़
तै कोनी कहवैगा पर जो कुछ सुणैगा वोए कहवैगा, अर होण आळी बात थारे ताहीं बतावैगा। 14 वो
मेरी महिमा करैगा, क्यूँके उस ताहीं मेरी ओड़ तै जो मिला सै, वो थारे ताहीं मेरी बात्तां म्ह तै लेकै
बतावैगा। 15 वो सब कुछ, जो पिता का सै, वो सारा मेरा सै, ज्यांतै मन्नै कह्या के वो मेरी बात्तां म्ह
तै लेकै थारे ताहीं बतावैगा।

[illegible]

16 “थोड़ी देर म्ह थम मन्नै कोनी देक्खोगे, अर फेर थोड़ी देर म्ह मन्नै दुबारा देक्खोगे।”

17 फेर उसके कुछ चेल्यां नै आप्पस म्ह कह्या, “उसका इस बात तै के मतलब सै जो वो म्हारै
ताहीं कहवै सै, ‘थोड़ी देर म्ह थम मन्नै कोनी देक्खोगे, अर फेर थोड़ी देर म्ह मन्नै दुबारा देक्खोगे?’

अर यो 'ज्यांतै के मै पिता कै धोरै जाऊँ सूं?' " 18 फेर उननै कह्या, "यो 'थोड़ी देर' जो वो कहवै सै,
या के बात सै? हम कोनी जाणदे के वो के कहवै सै।"
19 यीशु नै न्यू जाणकै के वे मेरतै बुझणा चाहवै सै, उन ताहीं कह्या, "के थम आप्पस म्ह मेरी
इस बात बाबत जाँच-पड़ताळ करो सो, 'थोड़ी देर म्ह थम मन्नै कोनी देक्खोगे, अर फेर थोड़ी देर
म्ह मन्नै दुबारा देक्खोगे?' 20 मै थारे तै साच्ची-साच कहूँ सूं, के जिब मै मरूँगा तो थम रोओगे अर
बिलाप करोगे, पर दुनिया राज्जी होवैगी। थमनै दुख होगा, पर थारा दुख आनन्द म्ह बदल जावैगा।
21 जाप्पै कै बखत बिरबान्नी नै दुख होवै सै, क्यूँके उसकै दुख का बखत आरया सै, पर जिब वा बाळक
नै जन्म दे सै, तो इस खुशी तै, के दुनिया म्ह एक माणस पैदा होया, उस दुख नै फेर याद कोनी कर
दी। 22 उस्से तरियां थारे म्ह भी इब तो दुख सै, पर मै थारे तै दुबारा मिलूँगा अर थारे मन आनन्द तै
भर जावैंगे, थारा आनन्द कोए थारे तै खोस न्ही सकदा। 23 उस बखत थम मेरतै कुछ न्ही बुझ्झोगे।
मै थारैतै सच कहूँ सूं, जै थम पिता तै कुछ माँगोगे, तो वो मेरै नाम तै थमनै देवैगा। 24 इब ताहीं
थमनै मेरै नाम तै पिता तै कुछ न्ही मांग्या, माँग्गो, तो पा ल्योगे ताके थारा आनन्द पूरा हो जावै।

?????? ?? ???

25 "मन्नै ये बात थारैताहीं उदाहरणां म्ह कही सै, पर वो बखत आवै सै, जिब पिता के बारें म्ह
मै उदाहरणां म्ह न्ही कहूँगा, पर साफ शब्दां म्ह थारे ताहीं बताऊँगा। 26 उस दिन थम मेरै नाम
तै माँगोगे, अर मै थारैतै न्यू कोनी कहन्दा के मन्नै ए थारे खात्तर पिता तै बिनती करणी पड़ैगी,
27 क्यूँके मेरा पिता तो खुदे थारैतै प्यार करै सै, ज्यांतै के थमनै मेरतै प्यार करया सै अर यो बिश्वास
करया सै के मै पिता की ओड़ तै भेज्या होड़ सूं। 28 मै पिता की ओड़ तै दुनिया म्ह आया सूं, अर इब
दुनिया नै छोड़कै पिता कै धोरै जाऊँ सूं।"
29 उसकै चेल्यां नै कह्या, "हाँ, इब तू उदाहरणां म्ह न्ही, बल्के साफ शब्दां म्ह समझाण लागरया
सै। 30 इब हम समझगे सां, के तू सब कुछ जाणै सै, अर इब किसे नै तेरे तै कोए सवाल पूच्छण जुरत
कोनी, इस खात्तर हम बिश्वास करा सां के तू परमेसवर की ओड़ तै आया सै।"
31 न्यू सुणकै यीशु नै उन ताहीं कह्या, "के थमनै इब बिश्वास होया सै?" 32 लखाओ, वो बखत
आवै सै बल्के आण पहोंच्या सै के थम सारे खिंड-मिन्ड होकै अपणे-अपणे घर बोहड़ जाओगे, अर
मन्नै एक्ला छोड़ दोगे, फेरभी मै एक्ला कोनी क्यूँके पिता मेरै गेल्या सै।
33 "मन्नै ये बात थारैतै ज्यांतै कही सै, के थम मेरै म्ह शान्ति पाओ। दुनिया म्ह थारे पै क्ळेश
होवै सै, पर हिम्मत राखियो, मन्नै दुनिया ताहीं जीत लिया सै।"

17

????? ?? ?????????? ?????????? ??? ?? ???????

1 यीशु नै ये बात कही अर अपणी नजर अकास कान्ही ठाकै कह्या, "हे पिता, वो बखत आण
पहोंच्या सै, अपणे बेट्टे की महिमा कर, के बेट्टा भी तेरी महिमा कर सकै, 2 क्यूँके तन्नै उस ताहीं
सारी मानवजात्ति पै हक दिया, के वो सब नै अनन्त जीवन देवै जो तन्नै उस ताहीं सौप्या सै। 3 अर
अनन्त जीवन यो सै के वे तुझ, जो के एकमात्र सच्चे परमेसवर अर यीशु मसीह नै जिस ताहीं
तन्नै भेज्या सै, जाणै। 4 जो काम तन्नै मेरै ताहीं सौप्या था, उस ताहीं पूरा करकै मन्नै धरती पै तेरी
महिमा करी सै। 5 जो महिमा मेरी तेरे गैल दुनिया की सृष्टि तै पैहल्या थी, इब हे पिता, तू अपणे
गेल्या मन्नै भी महिमावान कर।"

????? ????????? ?? ???????? ????????????

6 "मन्नै तेरा नाम उन माणसां पै जाहिर करया सै दुनिया म्ह तै जिनताहीं तन्नै छाटकै मेरै ताहीं
सौप्या था, वे तेरे थे पर तन्नै उन ताहीं मेरै ताहीं सौप्या सै, अर उननै तेरे वचन का पालन करया
सै।" 7 इब जाणगे सै के जो कुछ तन्नै मेरै ताहीं दिया सै, वो सारा तेरी ओड़ तै सै, 8 क्यूँके जो बात
तन्नै मेरै ताहीं बताई, मन्नै उन ताहीं उनकै धोरै पहोंच्या दी सै, अर उननै उन ताहीं अपणालिया,

अर सच म्ह ए जाण लिया सै के मै तेरी ओड़ तै आया सूं, अर उननै बिश्वास भी कर लिया सै के तू
ए मेरा भेजण आळा सै। 9 मै उन खात्तर बिनती करुँ सूं, दुनिया के माणसां कै खात्तर बिनती कोनी
करदा पर उन्नैए कै खात्तर करुँ सूं जिन ताहीं तन्नै मेरै ताहीं दिया सै, क्यूँके वे तेरे सै, 10 अर जो
कुछ मेरा सै वो सारा तेरा सै, अर जो तेरा सै वो मेरा सै, अर मन्नै उनके जरिये महिमा पाई सै।
11 इब मै इस दुनिया म्ह कोनी रहूँगा, अर मै तेरे धोरै आऊँ सूं, पर ये दुनिया म्ह रहवैंगे, हे पवित्र
पिता, अपणे नाम की शक्ति तै उनकी रुखाळ कर, जो तन्नै मेरै ताहीं दिया सै, ताके जिस तरियां
मै अर तू एक सां, वे भी एक हो सकै। 12 जिब मै उनकै गेल्या था, तो मन्नै उन ताहीं तेरे नाम म्ह,
जो तन्नै मेरै ताहीं दिया था, उनकी रुखाळ करी, अर उन म्ह तै किसे का नाश कोनी होया, सिवाए
उसके जिस ताहीं खोणा जरूरी था, वो भी ज्यांतै के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या होड़ सच हो।
13 पर इब मै तेरे धोरै आऊँ सूं, अर ये बात दुनिया म्ह रहते होए कहूँ सूं, ताके वे अपणे मनां म्ह
मेरे भरपूर आनन्द नै पा सकै। 14 मन्नै तेरा वचन उन ताहीं पोहोचा दिया सै, अर दुनिया के माणसां
नै उनतै बैर करया, क्यूँके जिस तरियां मै इस दुनिया का कोनी, उस्से तरियां वे भी इस दुनिया के
कोनी। 15 मै या बिनती कोनी करदा के उननै तू दुनिया तै लिकाड़ ले, बल्के तू उननै उस शैतान तै
बचाए राख। 16 जिस तरियां मै दुनिया का कोनी, उस्से तरियां वे भी दुनिया के कोनी। 17 तेरा वचन
साच्चा सै, सच कै जरिये तू उननै अलग करण खात्तर समर्पित* कर। 18 जिस तरियां तन्नै मेरै ताहीं
दुनिया म्ह भेज्या, उस्से तरियां मन्नै भी उन ताहीं दुनिया म्ह भेज्या, 19 मै उनकै खात्तर खुद नै तेरी
सेवा म्ह समर्पित करुँ सूं, ताके वे भी सच कै खात्तर समर्पित हो जावै।

[illegible]

20 "मै केवल इन्हे खात्तर बिनती कोनी करदा, पर उन माणसां खात्तर भी जो इनकै वचन कै जरिये
मेर पै बिश्वास करैगें, 21 ताके वे सब एक हों, जिस तरियां हे पिता तू मेरै म्ह सै, अर मै तेरे म्ह सूं,
उस्से तरियां वे भी म्हारै म्ह एक हो, जिसतै दुनिया के माणस बिश्वास करै के तन्नै ए मेरै ताहीं भेज्या
सै। 22 वा महिमा जो तन्नै मेरै ताहीं दी, मन्नै उन ताहीं दी सै, ताके वे उस्से तरियां ए एक होवै जिस
तरियां हम एक सा, 23 मै उन म्ह अर तू मेरे म्ह ताके वे सिध्द होकै एक हो जावै, अर दुनिया नै बेरा
पाट्टै के तन्नै ए मेरै ताहीं भेज्या, अर जिस तरियां तन्नै मेरै तै प्यार करया उस्से तरियां उनतै प्यार
करया।"
24 हे पिता, मै चाहूँ सूं, के जिन ताहीं तन्नै मेरैताहीं सौप्या सै, जड़ै मै सूं उड़ै वे भी मेरै गेल्या
हो, के वे मेरी उस महिमा नै देक्खै जो तन्नै मेरैताहीं दी सै, क्यूँके तन्नै दुनिया नै बणाण तै पैहल्या
मेरतै प्यार करया सै।
25 "हे धार्मिक पिता, दुनिया के माणसां नै तो तेरे ताहीं कोनी जाण्या, पर मन्नै तेरे ताहीं जाण
लिया सै, अर मेरे चेल्यां नै भी बेरा पाटग्या के तन्नै ए मेरैताहीं भेज्या सै। 26 मन्नै तेरे ताहीं उनपै
जाहिर करया सै, अर जाहिर होन्दा रहूँगा, के जो प्यार तन्नै मेरतै करया था वोए प्यार उन म्ह बस
जावै, अर मै उन म्ह रहूँ।"

18

[illegible]
([illegible] 26:47-56; [illegible] 14:43-50; [illegible] 22:47-53)

1 जिब यीशु नै प्रार्थना खतम कर ली, तो वो अपणे चेल्यां कै गेल्या किद्रोन नाळे कि परली
ओड़ गया। उड़ै एक फूल्लां का बाग था, जिस म्ह वो अर उसके चेल्लें गए।
2 यीशु का पकड़ाण आळा यहूदा भी उस जगहां नै जाणै था, क्यूँके यीशु अपणे चेल्यां कै गैल उड़ै
जाया करै था। 3 फेर यहूदा, सिपाहियाँ कै एक टोळ नै अर प्रधान याजकां अर फरीसियाँ की ओड़
तै मन्दर के पैहरेदारां नै लेकै, दीवे अर मशाल अर हथियारां नै लेकै उड़ै आया।

* **17:17** 17:17 समर्पित पवित्र कर

4 फेर यीशु, उन सारी बात्तां नै जो उसपै बीत्तण आळी थी जाणकै, लिकड़कै उन ताहीं पूच्छा,
"किसनै टोह्वो सो?"
5 उननै उस ताहीं जवाब दिया, "यीशु नासरी* नै।" यीशु नै उन ताहीं कह्या, "मैए सूं।" यीशु नै
पकड़वाण आळा यहूदा भी उनकै गेल्या खड्या था। 6 जिब यीशु नै उनतै कह्या, "मै सूं," वे पाच्छै
हटकै धरती पै पड़गे।
7 फेर उसनै दुबारै उन ताहीं बुज्झया, "थम किसनै टोह्वो सो?" वे बोल्ले, "यीशु नासरी† नै।"
8 यीशु नै जवाब दिया, "मन्नै तो थारे ताहीं कह दिया सै के वो मै सूं, जै थम मन्नै टोह्वो सो तो
इन माणसां नै जाण दो।" 9 यो इस करकै के खुद उसके जरिये कह्या गया यो वचन पूरा हो, "मन्नै
उन म्ह तै एक भी न्ही खोया, जिन ताहीं तन्नै मेरतै सौप्या था।"
10 फेर शमौन पतरस नै तलवार, जो उसकै धोरै थी, खींच्ची अर महायाजक के नौक्कर पै चलाकै
उसका सोळा कान उड़ा दिया, उस नौक्कर का नाम मलखुस था।
11 फेर यीशु नै पतरस तै कह्या, "अपणी तलवार म्यान म्ह धर। जो दुख का कटोरा पिता नै मेरै
ताहीं दिया सै, के मै उसनै न्ही पीऊँ?"

[illegible]

12 फेर रोमी सिपाहियाँ अर उनकै सूबेदार अर यहूदिया परदेस के मन्दर के पैहरेदारां नै यीशु ताहीं
पकड़कै बाँध लिया, 13 अर पैहल्या उस ताहीं हन्ना कै धोरै ले गए, क्यूँके वो उस साल के महायाजक
काइफा का सुसरा था। 14 यो वोए काइफा था, जिसनै यहूदियाँ ताहीं सलाह दी थी के म्हारे माणसां
खात्तर एक आदमी का मरणा ठीक सै।

[illegible]

15 शमौन पतरस अर एक और दुसरा चेल्ला भी यीशु कै पाच्छै हो लिए। यो चेल्ला महायाजक
का जाण-पिच्छाण का था, ज्यांतै वो यीशु कै गेल्या महायाजक कै आँगण म्ह गया, 16 पर पतरस
बाहरणै दरबाजे पै खड्या रह्या। फेर दुसरा चेल्ला जो महायाजक की जाण-पिच्छाण का था, वो
बाहरणै लिकड़या अर पहरेदारणी तै कहकै पतरस ताहीं भीत्तर लियाया।
17 उस नौकराणी नै, जो पहरेदारणी भी थी, पतरस तै कह्या, "कदे तू भी इस माणस के चेल्यां म्ह
तै तो न्ही सै?" उसनै कह्या, "मै कोनी।"
18 नौक्कर अर मन्दर के पहरेदारां नै जाड्डे कै कारण आग जळा राक्खी थी, अर खड़े होकै सेक्कै
थे, अर पतरस भी उनकै गेल्या खड्या आग सेक्कै था।

[illegible]

19 फेर महायाजक नै यीशु तै उसकै चेल्यां कै बाबत अर उसकै उपदेशां कै बाबत जाँच-पड़ताळ
करी।
20 यीशु नै उस ताहीं जवाब दिया, "मन्नै हरेक माणस तै खुलकै बात करी, मन्नै सभायां अर
आराधनालयाँ म्ह, जड़ै सारे यहूदी कठ्ठे होया करै सै, सारी हाण उपदेश दिया अर लुह्क कै कुछ
कोनी कह्या। 21 तू क्यूँ मेरे तै सवाल बुज्झै सै? सवाल उनतै कर जिननै मेरे वचन सुणे सै, वे जाणे
सै, के मन्नै उन ताहीं के-के कह्या।"
22 जिब उसनै न्यू कह्या, तो मन्दर के पैहरेदारां म्ह तै एक नै जो धोरै खड्या था, यीशु कै थप्पड़
मारकै कह्या, "के तन्नै महायाजक ताहीं इस तरियां जवाब देण की हिम्मत किसी करी?"
23 यीशु नै उसतै जवाब दिया, "जै मेरा कहणा गलत सै तो साबित करो पर मन्नै जो कह्या सै वो
सही सै तो फेर थम मेरै क्यूँ मारण लागरे सों?" 24 इस खात्तर यीशु ताहीं जो इब भी बाँधे होए थे,
हन्ना नै काइफा महायाजक कै धोरै भेज दिया।

[illegible]

* **18:5** 18:5 नासरत नगर का रहण आळा † **18:7** 18:7 नासरत नगर का रहण आळा

25 शमौन पतरस खड्या होया आग सेक्कै था, फेर उननै उसतै कह्या, “कदे तू भी उसकै चेल्यां
म्ह तै तो न्ही सै?” उसनै नाट-कै कह्या, “मै कोनी।”
26 महायाजक के नौकरां म्ह तै एक, जो उसकै कुण्बे म्ह तै था, जिसका कान पतरस नै काट दिया
था, बोल्या, “के मन्नै तेरे ताहीं यीशु कै गेल्या फूल्लां के बाग म्ह कोनी देख्या था?” 27 पतरस फेर
नाटग्या, अर जिब्बे मुर्गे नै बाँग देई।

[illegible]

28 फेर वे यीशु ताहीं काइफा कै धोरै तै किले‡ म्ह लेगे, अर तड़कैए का बखत था, पर वे खुद किले
कै भीत्तर कोनी गए ताके वे फसह का भोज खाण तै पैहल्या अशुद्ध ना हों जावै। 29 फेर राज्यपाल
पिलातुस उनकै धोरै बाहरणै लिकड़कै आया अर कह्या, “थम इस माणस पै किस बात का दोष लाओ
सो?”
30 उननै उस ताहीं जवाब दिया, “जै वो बुरे काम करणीया न्ही होंदा तो हम इसनै तेरै धोरै कोनी
ल्यान्दे।”
31 पिलातुस नै उनतै कह्या, “थमे इसनै ले जाकै अपणे नियम-कायदा कै मुताबिक इसका न्याय
करो।” यहूदी अगुवां नै उसतै कह्या, “हमनै हक कोनी के किसे की जानलेवां।” 32 “यो इस करकै
होया, ताके यीशु की वा बात पूरी हो जो उसनै यो इशारा देंदे होड़ कही थी के उसकी मौत किस
ढाळ होगी।”
33 फेर पिलातुस दुबारै किले कै भीत्तर गया, यीशु ताहीं बुलाकै उसनै बुझ्झया, “के तू यहूदियाँ
का राजा सै?”
34 यीशु नै जवाब दिया, “के तू या बात अपणी ओड़ तै कहवै सै या दुसरयां नै मेरै बाबत तेरे तै
न्यू कह्या सै?” 35 पिलातुस नै जवाब दिया, “के मै यहूदी न्ही सूं, तेरी-ए कोम अर प्रधान याजकां
नै तेरे ताहीं मेरै हाथ म्ह सौंप्या सै। तन्नै के करया सै?”
36 यीशु नै जवाब दिया, “मेरा राज्य इस दुनिया का कोनी, जै मेरा राज्य इस दुनिया का होंदा,
तो मेरे सेवादार लड़दे के मै यहूदी अगुवां कै हाथ्थां सौंप्या कोनी जान्दा पर सच्चाई तो या सै के
मेरा राज्य आड़ै का सै ए कोनी।”
37 पिलातुस नै उसतै कह्या, “के तू राजा सै?” यीशु नै जवाब दिया, “तू कहवै सै के मै राजा सूं।
मन्नै ज्यांतै जन्म लिया अर ज्यांतै दुनिया म्ह आया सूं, के सच की गवाही दियुँ। जो कोए सच का
सै, वो मेरा वचन सुणै सै।”

[illegible]

38 पिलातुस नै उसतै कह्या, “सच के सै?” न्यू कहकै वो फेर यहूदी अगुवां कै धोरै लिकड़ आया
अर उन ताहीं कह्या, “मै तो उस म्ह कुछ खोट कोनी पांदा।”
39 पर थारे यो रिवाज सै के मै फसह पै थारे खात्तर एक माणस नै छोड़ दियुँ। आखर के थम चाह्वो
सो, “के मै थारे खात्तर यहूदियाँ के राजा नै छोड़ दियुँ?”
40 फेर उननै रुक्के मारकै कह्या, “इसनै न्ही, पर म्हारै खात्तर बरअब्बा नै छोड़दे।” जिब के
बरअब्बा बिद्रोही था।

19

1 फेर पिलातुस राज्यपाल नै यीशु कै कोड़े लगवाण खात्तर सिपाहियाँ के हाथ सौप दिया।
2 सिपाहियाँ नै काण्डयाँ का मुकुट गूँथकै उसकै सिर पै धरया, अर उस ताहीं बैंजनी लत्ते पिहराये,
3 अर उसकै धोरै आ-आकै कहण लाग्गे, “हे यहूदियाँ के राजा, प्रणाम!” अर उसकै थप्पड़ भी मारे।
4 फेर पिलातुस नै दुबारै बाहरणै लिकड़कै माणसां ताहीं कह्या, “लखाओ, मै उसनै थारे धोरै फेर
ल्याया सूं, ताके थमनै बेरा लाग्गै के मै उस म्ह कुछ भी खोट कोनी पान्दा।” 5 फेर यीशु ताहीं

‡ **18:28** 18:28 जो प्रिटोरियुम कुह्यावै सै

काण्डयाँ का मुकुट अर बैंजनी लत्ते पहरे होड़ बाहरणै लेग्या, अर पिलातुस नै उन ताहीं कह्या,
“देक्खों, इस माणस नै!”
6 जिब प्रधान याजकां अर मन्दर के पैहरेदारां नै उस ताहीं देख्या, तो रुक्के मारकै कह्या, “उस
ताहीं क्रूस पै चढ़ा, क्रूस पै!” पिलातुस नै उनतै कह्या, “थमे उसनै ले जाकै क्रूस पै चढ़ाओ,
क्यूँके मै उस म्ह कोए खोट कोनी पान्दा।”
7 यहूदी अगुवां नै उस ताहीं जवाब दिया, “म्हारे नियम-कायदे सै अर उस नियम-कायदा कै
मुताबिक इस माणस नै मौत की सजा मिलणी चाहिये, क्यूँके इसनै खुद ताहीं परमेसवर का बेट्टा
होण का दावा करया सै।”
8 जिब पिलातुस नै या बात सुणी तो और भी घणा डरग्या, 9 अर दुबारै किले* के भीत्तर गया अर
यीशु तै कह्या, “तू कितका सै?” पर यीशु नै उसतै कुछ भी जवाब कोनी दिया। 10 इसपै पिलातुस नै
उसतै कह्या, “मेरतै क्यातै न्ही बोल्दा? के तन्नै कोनी बेरा के तेरे ताहीं छोड़ देण का हक मेरै ताहीं
सै, अर तेरे ताहीं क्रूस पै चढ़ाण का भी मेरै ताहीं हक सै।”
11 यीशु नै जवाब दिया, “जै तेरे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै हक न्ही दिया जान्दा, तो तेरा मेरै पै
कोए हक कोनी होंदा, ज्यांतै जिसनै मेरै ताहीं तेरे हाथ पकड़ाया सै उसका पाप घणा सै।”
12 इस बात नै सुणकै पिलातुस नै उस ताहीं छोड़ देणा चाह्या, पर यहूदी माणसां की भीड़ नै रुक्के
मार-मारकै कह्या, “जै तू इसनै छोड़ देवैगा, तो तू कैसर का बिरोध्दी बण जावैगा। जो कोए खुद नै
राजा होण का दावा करै सै, वो कैसर का बिरोध्द करै सै।”
13 ये बात सुणकै पिलातुस यीशु नै बाहरणै ल्याया अर उड़ै न्याय की गद्दी पै बैठग्या, जो इब्रानी
भाषा म्ह “गब्बता” कुह्वावै सै, जिसका मतलब चोतरा हो सै। 14 यो फसह की त्यारी का दिन था,
अर दोफाहरा का बखत था। फेर उसनै यहूदी माणसां ताहीं कह्या, “यो रह्या थारा राजा!”
15 पर उननै और ऊँच्ची आवाज म्ह कह्या, “उस ताहीं मार द्यो! उस ताहीं मार द्यो! उस ताहीं
क्रूस पै चढ़ा!” पिलातुस नै उनतै कह्या, “के मै थारे राजा नै क्रूस पै चढ़ाऊँ?” प्रधान याजकां नै
जवाब दिया, “कैसर नै छोड़ म्हारा और कोए राजा कोनी।” 16 फेर पिलातुस नै यीशु ताहीं क्रूस पै
चढ़ाण खात्तर उनकै हवालै कर दिया।

[illegible]

17 फेर सिपाही यीशु नै ले गए, अर यीशु अपणा क्रूस ठाए होए उस जगहां तक बाहर गया, जो
“खोपड़ी” यानी इब्रानी भाषा म्ह “गुलगुता” कुह्वावै सै। 18 उड़ै उननै उस ताहीं अर उसकै गेल्या
और दो माणसां ताहीं क्रूस पै चढ़ाया, एक इस ओड़ अर एक दुसरी ओड़, अर बिचाळै यीशु ताहीं।
19 पिलातुस नै एक दोषपत्र लिखकै क्रूस पै लगवा दिया, अर उसपै लिख्या होया था, “यीशु
नासरी†, यहूदियाँ का राजा।”
20 यो दोषपत्र घणखरे यहूदियाँ नै पढ़या, क्यूँके यरुशलेम नगर जड़ै यीशु क्रूस पै चढ़ाया गया
था नगर कै धोरै थी, अर दोषपत्र इब्रानी अर लतीनी अर यूनानी म्ह लिख्या होया था। 21 फेर
यहूदियाँ के प्रधान याजकां नै पिलातुस तै कह्या, “ ‘यहूदियाँ का राजा’ मतना लिखै पर यो के उसनै
कह्या, ‘मै यहूदियाँ का राजा सूं।’ ” 22 पिलातुस नै जवाब दिया, “मन्नै जो लिखणा था, लिख दिया।”
23 जिब सिपाहियाँ नै यीशु ताहीं क्रूस पै चढ़ा दिया, तो उसके लत्ते लेकै चार हिस्यां म्ह बांड
लिए, हरेक सिपाही खात्तर एक हिस्सा, अर कुड़ता भी लिया, पर कुड़ता बिन सिलाई उप्पर तै तळै
ताहीं सिम्या होया था।
24 इस करकै सिपाहियाँ नै आप्पस म्ह कह्या, “हम इस ताहीं पाड़ा कोनी, पर इसपै पर्ची गेर कै, के
यो किसका होवैगा।” न्यू इस करकै होया के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो लिख्या होया वो पूरा हो, “उननै
मेरे लत्ते आप्पस म्ह बांड लिए अर मेरे लत्ते पै पर्ची गेरी।”

* 19:9 19:9 जो प्रिटोरियुम कुह्वावै सै † 19:19 19:19 नासरत नगर का रहण आळा

25 आखर म्ह सिपाहियाँ नै इसाए करया। यीशु कै क्रूस कै धोरै यीशु की माँ, अर उसकी मौस्सी,
क्लोपास की घरआळी मरियम, अर मगदल गाम की मरियम खड़ी थी। 26 जिब यीशु नै अपणी माँ,
अर उस चेल्लें ताहीं जिसतै वो प्यार करै था, धोरै खड़े देख्या तो अपणी माँ तै कह्या, "हे नारी, लखा,
यो तेरा बेट्टा सै।" 27 फेर उस चेल्लें तै कह्या, "या तेरी माँ सै।" अर उस्से बखत वो चेल्ला उस
ताहीं अपणे घरां लेग्या।

[illegible]

28 इसकै पाच्छै यीशु नै बेरा लागग्या के इब उसनै सारा काम पूरा कर लिया सै, ज्यांतै के पवित्र
ग्रन्थ म्ह जो कह्या गया वो पूरा हो, कह्या, "मै तिसाया सूं।" 29 उड़ै सिरके तै भरया होड़ एक बास्सण
धरया था, आखर म्ह सिपाहियाँ नै सिरके म्ह भेकै स्पंज (फोम) ताहीं जुफे की लाठ्ठी पै धरकै उसकै
मुँह कै लगाया 30 जिब यीशु नै वो सिरका चख्या, तो कह्या, "पूरा होया," अर सिर झुकाकै जी दे
दिया।

[illegible]

31 इब यो त्यारी का दिन था, अर आगला दिन आराम का दिन अर फसह का दिन था, यो यहूदी
माणसां खात्तर एक खास दिन था, अर वे न्ही चाहवै थे, के इस दिन देह क्रूस पै टंगी रहवै, इस
करकै यहूदियाँ नै पिलातुस तै बिनती करी के उन माणसां की टाँग तोड़ दी जावै, जो क्रूस पै चढ़ाये
गये थे। 32 आखर म्ह सिपाहियाँ नै आकै उन माणसां म्ह तै पैहले की टाँग तोड़ी फेर दुसरे की भी,
जो उसकै गेल्या क्रूस पै चढ़ाए गए थे, 33 पर जिब यीशु कै धोरै आकै देख्या के वो मर लिया सै,
तो उसकी टाँग कोनी तोड़ी। 34 पर सिपाहियाँ म्ह तै एक नै बरछी तै उसका पंजर चीर दिया, अर
उस म्ह तै जिब्बे लहू अर पाणी लिकड़या। 35 जिस माणस नै यो देख्या‡, उसनै गवाही दी सै, अर
उसकी गवाही साच्ची सै, अर उननै बेरा सै के वो साच्ची कह सै के थम भी बिश्वास करो। 36 ये
बात ज्यांतै होई के पवित्र ग्रन्थ म्ह जो कह्या गया वो पूरा हो, "उसकी कोए हाड्डी कोनी तोड़ी
जावैगी।" 37 फेर एक और जगहां पै पवित्र ग्रन्थ म्ह न्यू लिख्या सै, "जिस ताहीं उननै बेधा सै,
उसनै वे देक्खैगें।"

[illegible]

38 इन बात्तां पाच्छै अरिमतिया गाम के यूसुफ नै जो यीशु का चेल्ला था, पर यहूदी अगुवां कै
डर के मारे इस बात नै ल्कोए राक्खै था, पिलातुस तै बिनती करी, के वो यीशु की लाश ले जा सकै
सै। पिलातुस नै उसकी बिनती सुणी, अर वो आकै उसकी लाश लेग्या। 39 नीकुदेमुस भी, जो पैहले
यीशु कै धोरै रात नै गया था, पचास सेर कै करीबन रळा होड़ गन्धरस अर एलवा (काण्डयाँ आळा
पौधा) लियाया। 40 फेर उननै यीशु की लाश ली, अर यहूदियाँ कै गाड्डण कै रिवाज कै मुताबिक उस
ताहीं खुशबुदार द्रव्य कै गेल्या कफन म्ह लपेट्या। 41 उस जगहां पै जड़ै यीशु क्रूस पै चढ़ाया
गया था, एक फूल्लां का बगीचा था, अर उस फूल्लां की क्यारी म्ह एक नई कब्र थी जिसम्ह कदे
कोए कोनी राख्या ग्या था। 42 ज्यांतै उननै यीशु की लाश ताहीं उस्से कब्र म्ह धर दिया, क्यूँके वा
लोवै ए थी, अर वो यहूदियाँ के आराम की त्यारी का दिन भी था।

20

[illegible]

1 हफ्तै कै पैहल्ड़े दिन तड़कैए सूरज लिकड़ण तै पैहल्या अन्धेरै रहंदे ए मगदल गाम की मरियम
कब्र पै गई, अर पत्थर ताहीं कब्र पै तै हटया होड़ देख्या। 2 फेर वा भाज्जी अर शमौन पतरस अर
उस दुसरे चेल्लै कै धोरै जिसतै यीशु प्यार राक्खै था, आकै कह्या, "वे प्रभु की लाश नै कब्र म्ह तै
काढ लेगे सै, अर हमनै न्ही बेरा के उस ताहीं कित्त धर दिया सै।"

‡ **19:35** 19:35 जिस माणस नै यो देख्या यूहन्ना नै यूहन्ना 21:24

3 फेर पतरस अर वो दुसरा चेल्ला* लिकड़कै कब्र कै कान्ही चाल्ले। 4 वे दोन्नु गैल-गैल भाजरे
थे, पर दुसरा चेल्ला पतरस तै तेज भाजकै कब्र पै पैहल्या पोंहच्या, 5 अर झुककै लत्ते पड़े देक्खे,
तोभी वो भीत्तर कोनी गया। 6 फेर शमौन पतरस उसकै पाच्छै-पाच्छै पोंहच्या, अर कब्र कै भीत्तर
गया अर उसनै भी लत्ते पड़े देक्खे, 7 अर वो अंगोच्छा जो उसकै सिर पै बन्धया होड़ था, लत्यां कै
गेल्या कोनी पडया था, पर न्यारा एक जगहां लपेटकै धरया होया देख्या। 8 फेर दुसरा चेल्ला भी
जो कब्र पै पैहल्या पोंहच्या था, भीत्तर गया अर देखकै बिश्वास करया के यीशु मुर्दा म्ह तै जिन्दा
होग्या। 9 पतरस अर दुसरा चेल्ला इब ताहीं पवित्र ग्रन्थ की वा बात कोनी समझे थे के उसनै मरे
होया म्ह तै जी उठणा होगा। 10 फेर चेल्लें अपणे घरां बोहड़गे।

?????? ????????? ?? ?????? ?????

11 पर मरियम† रोंदी होई कब्र कै धोरै ए बाहरणै खड़ी रही, अर रोन्दे-रोन्दे कब्र कै कान्ही
कोड्डी होकै, 12 दो सुर्गदूत्तां ताहीं धोळे-चमकदे लत्ते पहरे होड़ एक सिरहाणै अर दुसरे ताहीं पांयां
की ओड़ बेठ्ठे देख्या, जड़ै यीशु की लाश धरी गई थी।
13 उननै उस ताहीं कह्या, "हे नारी, तू क्यातै रोवै सै?" उसनै उन ताहीं कह्या, "वे मेरै प्रभु की
लाश नै ठा लेगे अर मन्नै कोनी बेरा के उसनै कित्त धर राख्या सै।" 14 न्यू कहकै वा पाच्छै मुड़ी अर
यीशु ताहीं खड़े देख्या, पर पिच्छाण्या कोनी के यो यीशु सै।
15 यीशु नै उसतै कह्या, "हे नारी, तू क्यातै रोवै सै? किसनै टोहवै सै?" उसनै माळी समझकै उस
ताहीं कह्या, "हे श्रीमान, जै तन्नै उस लाश ताहीं ठा लिया सै, तो मन्नै बता के उस ताहीं कित्त धर
राख्या सै, अर मै उसनै ले जाऊँगी।"
16 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "मरियम!" उसनै बोहड़कै उस ताहीं इब्रानी म्ह कह्या, "रब्बुनी!"
यानिके "हे गुरु"।
17 यीशु नै उस ताहीं कह्या, "पैरां म्ह लिपटकै मन्नै मतना छुओ, क्यूँके मै इब ताहीं पिता कै धोरै
उप्पर कोनी गया, पर मेरे भाईयाँ कै धोरै जाकै उनतै कह दे, के मै अपणे पिता अर थारे पिता, अर
अपणे परमेसवर अर थारे परमेसवर कै धोरै उप्पर जाकै आऊँ सूं।"
18 मरियम मगदलीनी नै जाकै चेल्यां ताहीं बताया, "मन्नै प्रभु ताहीं देख्या, अर उसनै मेरै तै ये
बात कही।"

???????? ?? ?????? ?????

19 उस्से दिन जो हफ्तै का पैहल्ड़ा दिन था, साँझ कै बखत यहूदियाँ कै डर के मारे चेल्लें जिब
किवाड़ मूंदे होड़ एक कमरे म्ह थे, तो यीशु उनकै बिचाळै आ खडया होया अर उनतै बोल्या, "थमनै
शान्ति मिलै।" 20 अर न्यू कहकै उसनै अपणे हाथ्थां के घा अर अपणा पंजर उनतै दिखाए। फेर चेल्लें
यीशु नै देखकै राज्जी होए।
21 यीशु नै फेर उनतै कह्या, "थमनै शान्ति मिलै: जिस तरियां पिता नै मेरै ताहीं दुनिया म्ह भेज्या
सै, उस्से तरियां ए मै थमनै दुनिया म्ह भेज्जू सूं।" 22 न्यू कहकै उसनै उनपै फूँक मारी अर उसनै
कह्या, "पवित्र आत्मा ल्यो। 23 जिनके पाप थम माफ करो, वे उनकै खात्तर माफ करे गए सै, जिनके
थम राक्खो, वे राक्खे गए सै।"

????? ?? ?????? ?????

24 पर बारहा चेल्यां म्ह तै एक, यानिके थोमा जो दिदुमुस कुह्वावै सै, जिब यीशु आया तो उनकै
गेल्या कोनी था। 25 जिब दुसरे चेल्लें उसतै कहण लाग्गे, "हमनै प्रभु ताहीं देख्या सै," फेर उसनै
उनतै कह्या, "जिब ताहीं मै उसकै हाथ्थां म्ह कील्लां के छेद न्ही देख ल्यूँ, अर कील्लां के छेदां म्ह
अपणी आंगळी न्ही घाल ल्यूँ, अर उसकै पंजर म्ह अपणा हाथ ना घाल ल्यूँ, जद ताहीं बिश्वास
कोनी करुँगा।"

---
* **20:3** 20:3 दुसरा चेल्ला यूहन्ना † **20:11** 20:11 मरियम मगदला गाम की

26 आठ दिन कै पाच्छै उसके चेल्लें फेर घर कै भीत्तर थे, अर थोमा उनकै गेल्या था, अर किवाड़
मूंद राक्खे थे, फेर यीशु आया अर उनकै बिचाळै खड्या होकै कह्या, "थमनै शान्ति मिलै।" 27 फेर
उसनै थोमा तै कह्या, "अपणी आंगळी याड़ै ल्याकै मेरै हात्थां नै देख अर अपणा हाथ ल्याकै मेरै
पंजर म्ह घाल, अर अबिश्वासी न्ही पर बिश्वासी बण।"
28 न्यू सुणकै थोमा नै जवाब दिया, "हे मेरे प्रभु, हे मेरे परमेसवर!"
29 यीशु नै उसतै कह्या, "तन्नै तो मेरै ताहीं देखकै बिश्वास करया सै, धन्य वे सै जिन नै बिन
देक्खे बिश्वास करया।"

[illegible]

30 यीशु नै और भी घणखरे चमत्कार चेल्यां कै आग्गै दिखाए, जो इस किताब म्ह कोनी लिक्खे
गए, 31 पर ये ज्यांतै लिक्खे गए सै के थम बिश्वास करो के यीशु ए परमेसवर का बेट्टा मसीह सै,
अर बिश्वास करकै उसकै नाम म्ह अनन्त जिन्दगी पाओ।

21

[illegible]

1 इन बात्तां कै पाच्छै यीशु नै खुद ताहीं तिबिरियास झील कै किनारे चेल्यां पै जाहिर करया,
अर इस ढाळ जाहिर करया 2 शमौन पतरस, अर थोमा जो दिदुमुस कुह्वावै सै, अर गलील परदेस
कै काना नगर का नतनएल, अर जब्दी के बेट्टे[*], अर उसकै चेल्यां म्ह तै दो और जणे कठ्ठे थे।
3 शमौन पतरस नै उन ताहीं कह्या, "मै मच्छी पकड़ण नै जाऊँ सूं।" उननै उसतै कह्या, "हम भी तेरे
गेल्या चाल्लां सां।" इस करकै वे लिकड़कै किस्ती पै चढ़े, पर उस रात उननै कुछ न्ही पकड्या।
4 सबेर होन्दे-ए यीशु किनारे पै आ खड्या होया, फेरभी चेल्यां नै कोनी पिच्छाणा के यो यीशु
सै।
5 फेर यीशु नै उन ताहीं कह्या, "हे बाळकों, के थारे धोरै कुछ खाण नै सै?" उननै जवाब दिया,
"कोनी।"
6 यीशु नै उन ताहीं कह्या, "किस्ती कै सोळी ओड़ जाळ गेरो फेर पाओगे।" आखर उननै जाळ
गेरया, अर इब घणी मच्छियाँ कै बाबत जाळ उनपै खिच्या कोनी।
7 फेर उस चेल्लें[†] नै जिसतै यीशु प्यार करै था, पतरस तै कह्या, "यो तो प्रभु सै!" शमौन पतरस
नै न्यू सुणकै के वो तो प्रभु सै, अपणा बाहरी कपड़ा लपेटया अर झील म्ह कूद पड्या, क्यूँके उस
बखत वो अंगोच्छें-अंगोच्छें म्ह था। 8 पर दुसरे चेल्लें डोंगी पै मच्छी तै भरया होड़ जाळ खिंचदे
होए आए, क्यूँके वे किनारे तै घणी दूर कोनी, पर कोए दो सौ हाथ (सौ मीटर) की दूरी पै थे।
9 जिब चेल्लें किनारे पै उतरे, तो उननै कोयले की आग अर उसपै मच्छी धरी होई, अर रोट्टी
देक्खी।
10 यीशु नै उनतै कह्या, "जो मच्छी थमनै इब्बे पकड़ी सै, उन म्ह तै कुछ ल्याओ।" 11 फेर शमौन
पतरस नै डोंगी पै चढ़कै एक सौ तरेपन बड्डी मच्छियाँ तै भरया होड़ जाळ किनारे पै खिच्या, अर
इतनी मच्छी होन्दे होए भी जाळ कोनी पाटया। 12 यीशु नै उनतै कह्या, "आओ, खाणा खाओ।"
चेल्यां म्ह तै किसे की हिम्मत कोनी होई, के उसतै बुझ्झै, "तू कौण सै?" क्यूँके उननै बेरा था, के
हो ना हो यो प्रभु ए सै। 13 यीशु आया अर रोट्टी लेकै उन ताहीं दी, अर उस्से ढाळ मच्छी भी।
14 यो तीसरी बार सै के यीशु मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्ठण कै पाच्छै चेल्यां नै दिखाई दिया।

[illegible]

15 खाणा खाणे कै पाच्छै यीशु नै शमौन पतरस तै कह्या, "हे शमौन, यूहन्ना के बेट्टे, के तू चेल्यां
तै बाध मेरतै प्यार करै सै?" उसनै उसतै कह्या, "हाँ प्रभु, तन्नै तो बेरा सै के मै तेरे तै प्यार राक्खूँ
सूं।" उसनै उसतै कह्या, "मेरे मेम्ना नै चरा।"[‡]

---

[*] **21:2** 21:2 जब्दी के बेट्टे यूहन्ना अर याकूब [†] **21:7** 21:7 उस चेल्लें यूहन्ना [‡] **21:15** 21:15 इन शब्दां नै यीशु अपणे अनुयायिओं कै खात्तर इस्तमाल म्ह लाता था

16 उसनै दुसरी बर उसतै कह्या, "हे शमौन, यूहन्ना के बेट्टे, के तू मेरै तै प्यार राक्खै सै?" उसनै
उसतै कह्या, "हाँ प्रभु, तन्नै तो बेरा सै के मै तेरे तै प्यार राक्खूँ सूं।" उसनै उसतै कह्या, "मेरी भेड्डां
की रुखाळी कर।"
17 उसनै तीसरी बर उस ताहीं कह्या, "हे शमौन, यूहन्ना के बेट्टे, के तू मेरतै प्यार राक्खै सै?"
पतरस कांल होया के उसनै उसतै तीसरी बर इसा कह्या, "हे शमौन, यूहन्ना के बेट्टे, के तू मेरतै
प्यार राक्खै सै?" अर उसतै कह्या, "हे प्रभु, तन्नै तो सारा कुछ बेरा सै, तन्नै न्यू बेरा सै के मै तेरे
तै प्यार राक्खूँ सूं।" यीशु नै उसतै कह्या, "मेरी भेड्डां नै चरा।" 18 मै तेरे तै साच्ची-साच कहूँ सूं,
"जिब तू जवान था तो अपणी कड़ बाँधकै जड़ै चाहवै था उड़ै हाँडै था, पर जिब तू बूढ़ा होगा तो
अपणे हाथ पसारैगा, अर दुसरा तेरी कड़ बाँधकै जड़ै तू ना चाहवैगा उड़ै तन्नै ले जावैगा।" 19 यीशु
नै इन बात्तां तै इशारा करया के पतरस किसी मौत तै परमेसवर की महिमा करैगा, अर फेर उसनै
उसतै कह्या, "मेरै पाच्छै हो ले।"

[illegible]

20 पतरस नै बोहड़कै उस चेल्लें ताहीं पाच्छै आन्दे देख्या, जिसतै यीशु प्यार राक्खै था, जो खाणे
कै बखत उसकै साथ बेठ्या था, उसतै बुझ्झया, "हे प्रभु, तेरा पकड़वाण आळा कौण सै?" 21 उस
ताहीं देखकै पतरस नै यीशु तै कह्या, "हे प्रभु, इसका के हाल होगा?"
22 यीशु नै उसतै कह्या, "जै मै चाहूँ के वो मेरै आण ताहीं रुक्या रहवै, तो तन्नै इसतै के? तू मेरै
पाच्छै हो ले।" 23 ज्यांतै भाईयाँ म्ह या बात फैलगी के वो चेल्ला कोनी मरैगा, फेरभी यीशु नै उसतै
न्यू कोनी कह्या के वो कोनी मरैगा, पर यो के, "जै मै चाहूँ के वो मेरै आण ताहीं रुक्या रहवै, तो तन्नै
इसतै के?"

[illegible]

24 यो वोए चेल्ला§ सै जो इन बात्तां की गवाही देवै सै अर जिसनै इन बात्तां ताहीं लिख्या सै,
अर हमनै बेरा सै के उसकी गवाही साच्ची सै।
25 और भी घणेए काम सै, जो यीशु नै करे, जै वे एक-एक करकै लिखे जान्दे, तो मै समझू सूं के
किताब जो लिक्खी जान्दी वा दुनिया म्ह भी कोनी समान्दी।

---

§ **21:24** 21:24 वोए चेल्ला उसका नाम था यूहन्ना

प्रेरितां के काम का वर्णन

????????

प्रेरितां के काम का वर्णन लूका के जरिये लिखे गये सुसमाचार के आग्गै का जिक्र सै। इसका खास मकसद यो बताणा सै, के यीशु के शरुआती चेल्यां नै पवित्र आत्मा के अगुवाई म्ह, यीशु के बारै म्ह सुसमाचार ताहीं यरुशलेम नगर अर सारे यहूदिया अर सामरिया परदेस म्ह, अर धरती के छोर ताहीं (1:8) किस तरियां फैलाया। यो मसीह आन्दोलन का ब्यौरा सै, जो यहूदी माणसां के बीच म्ह शरु होया, अर बढ़ के सारे दुनिया के माणसां का बिश्वास बणग्या। लेखक इस बात का ध्यान राक्खै सै, के उसकै पाठकां नै यो पक्का यकिन हो जावै के मसीह माणस रोमी साम्राज्य के खात्तर एक बिद्रोही राजनैतिक शक्ति न्ही थे, अर मसीह बिश्वास यहूदी धर्म की पूर्ति था। प्रेरितां के काम की किताब ताहीं तीन भागां म्ह बाटया जा सकै सै, जो लगातार बढ़ते क्षेत्र नै दिखावै सै, जिस म्ह यीशु मसीह का सुसमाचार प्रचार करया ग्या अर कलीसियां बणाई गई (: 1) यीशु कै सुर्ग जाण के बाद यरुशलेम म्ह मसीह आन्दोलन की शरुआत; 2) पलस्तीन के दुसरे हिस्सां म्ह इसका बढ़णा, अर 3) भूमध्य सागर के देशां म्ह रोम ताहीं इसका विस्तार। प्रेरितां के काम की एक भोत बड़ी खासियत सै, पवित्र आत्मा का काम करणा। पवित्र आत्मा पिन्तेकुस्त के दिन यरुशलेम म्ह कठ्ठे होए बिश्वासियाँ पै बड़ी शक्ति कै गैल उतरै सै, अर इस किताब म्ह बित्ती घटनाओं के दौराण कलीसिया अर उसके अगुवां ताहीं राह दिखाणा अर उननै शक्ति देणा सै। प्रेरितां के काम म्ह दिए गये कई उपदेशां म्ह शरुआती मसीह सन्देस का सार पेश करया ग्या सै, अर इस म्ह लिखी घटनाऐं बिश्वासियाँ के जिन्दगी म्ह अर कलीसिया की संगति म्ह इस सन्देस की शक्ति नै दिखावै सै।

रूप-रेखा

गवाही खात्तर तैयारी 1:1-26
क-यीशु का आखरी हुकम अर करार 1:1-14
ख-यहूदा का उत्तराधिकारी 1: 15-26
यरुशलेम नगर म्ह गवाही 2:1-8:3
यहूदिया अर सामरिया परदेस म्ह गवाही 8:4-12:25
पौलुस की सेवकाई 13:1-28:31
क-पैहली प्रचार-यात्रा 13:1-14:28
ख-यरुशलेम म्ह सम्मेलन 15:1-35
ग-दुसरी प्रचार-यात्रा 15:36-18:22
घ-तीसरी प्रचार-यात्रा 18:23-21:16
च-यरुशलेम, कैसरिया नगर अर रोम देश म्ह बन्दी पौलुस 21:17-28:31

?????

1 हे थियुफिलुस, मन्नै पैहल्ड़ी किताब उन सारी बात्तां कै बारें म्ह लिक्खी, जो यीशु शरु तै लेकै
सुर्ग म्ह ठाए जाण तक करदा अर सिखान्दा रहया, 2 पर यीशु ताहीं परमेसवर के जरिये सुर्ग म्ह
उठाए जाण तै पैहले उसनै अपणे चुणे होए प्रेरितां ताहीं पवित्र आत्मा के जरिये हुकम दिया।
3 यीशु के दुख ठाण कै पाच्छै उन प्रेरितां कै स्याम्ही भोत-से पक्के सबूत दिखाए के वो जिन्दा सै,
अर वो चाळीस दिन तक उननै दिखदा रहया, अर परमेसवर के राज्य की बात करदा रहया। 4 अर
एक दिन मसीह यीशु नै उनतै कठ्ठे करकै उन ताहीं हुकम दिया, "यरुशलेम नगर नै ना छोड्डो,
पर पिता की उस प्रतिज्ञा की पूरे होण की बाट देखदे रहो, जिसका जिक्र थम मेरै तै सुण चुके

सो। 5 क्यूँके यूहन्ना नै तो पाणी तै बपतिस्मा दिया सै पर थोड़े दिनां पाच्छै थम पवित्र आत्मा तै
बपतिस्मा पाओगे।”

[illegible]

6 चेल्लें जिब यीशु तै दुबारा मिले तो उननै उसतै बुझ्झया, “हे प्रभु, के वो बखत आ ग्या सै, के
तू इस्राएल ताहीं छुड़वा कै उसनै दुबारा बसाकै राजा के रूप म्ह सब पै शासन करैगा।”
7 उसनै उनतै कह्या, “उस बखत या युगा ताहीं, जिन ताहीं पिता नै अपणे अधिकार म्ह कर राख्या
सै, उननै जाणणा थारा काम कोनी। 8 पर जिब पवित्र आत्मा थारे पै आवैगा फेर थम सामर्थ पाओगे,
अर यरुशलेम नगर अर सारे यहूदिया और सामरिया परदेसां म्ह, अर धरती कै सिरे ताहीं मेरे बारें
म्ह गवाही द्योगे।”
9 न्यू कहकै यीशु उनकै देखदे-देखदे परमेसवर के जरिये उप्पर ठा लिया गया, अर बाद्दळ नै उस
ताहीं उनकी आँखां तै लह्को लिया।
10 उसकै जान्दे बखत जिब वे अकास की ओड़ देक्खै थे, तो देक्खो, चाणचक दो माणस धोळे लत्ते
पहरे ओड़ उनकै लोवै आण खड़े होए, 11 अर उनतै कह्या, “हे गलील परदेस के माणसों, थम खड़े
अकास कान्ही क्यांतै लखाओ सो? योए यीशु, जो परमेसवर के जरिये थारे धोरै तै सुर्ग पै ठा लिया
गया सै, जिस तरियां तै थमनै उस ताहीं सुर्ग नै जान्दे देख्या उस्से तरियां तै वो दुबारा आवैगा।”

[illegible]

12 जिब सुर्गदूत चले गये, तो चेल्लें जैतून नाम के पहाड़ तै जो यरुशलेम नगर तै करीब आधे
कोस* की दूरी पै सै, यरुशलेम नगर म्ह बोह्ड़े। 13 जिब वे नगर पोहचे तो उस चुबारै पै गये, जित्त
पतरस अर यूहन्ना अर याकूब अर अन्द्रियास अर फिलिप्पुस अर थोमा अर बरतुल्मै अर मत्ती अर
हलफई का बेट्टा याकूब अर शमौन, जेलोतेस† अर याकूब का बेट्टा यहूदा ये सारे माणस ओड़ै
थे।
14 ये सारे कई बिरबानियाँ अर यीशु की माँ मरियम अर उसके भाईयाँ कै गेल्या कठ्ठे होकै एक
मन तै प्रार्थना म्ह लाग्गे रहे।
15 उन्हे दिनां म्ह पतरस बिश्वासियाँ कै बिचाळै म्ह जो एक सौ बीस आदमियाँ कै करीबन थे,
खड्या होकै कहण लाग्या, 16 हे भाईयो, जरूरी था के पवित्र ग्रन्थ का वो लेख पूरा हो जो
पवित्र आत्मा नै दाऊद के मुँह तै यहूदा कै बाबत, जो यीशु कै पकड़वाण आळा का अगुवां था,
पैहल्याए तै कह्या था। 17 क्यूँके वो तो म्हारै म्ह गिण्या गया, अर इस सेविकाई म्ह साझ्झी होया।
18 “जिसा थम जाणो सों (उसनै पाप की कमाई तै एक खेत मोल लिया, अर सिर के बळ गिरया
अर उसका पेट पाटग्या अर उसकी सारी आन्दड़ी लिकड़गी। 19 इस बात ताहीं यरुशलेम नगर के
सारे रहणीये जाणगे, उरै ताहीं के उस खेत का नाम उनकी भाषा म्ह ‘हक्कलदमा’ यानिके ‘लहू का
खेत’ पड़ग्या।)”
20 “दाऊद नै भजन संहिता म्ह लिख्या सै, ‘उसका घर उजड़ जावै, अर यो भी लिख्या सै, के उस
म्ह कोए न्ही बसै,’ अर ‘उसका पद कोए और ले लेवै।’ ”
21 “इस करकै यो जरूरी सै के एक इसा माणस छाटया जावै, जो प्रभु यीशु के सारे काम्मां के
हरेक बखत का गवाह हो, प्रभु यीशु ताहीं यूहन्ना के जरिये बपतिस्मा दिये जाण तै लेकै, सुर्ग म्ह
स्वीकार किये जाण तक, 22 वो माणस म्हारे गैल प्रभु यीशु के जिन्दा होण का गवाह बणै।”
23 फेर उननै दो नाम सुझाए, एक यूसुफ जो बरसब्बा कुह्वावै था, जिसका उपनाम यूसतुम सै,
दुसरा मत्तियाह ताहीं, 24 अर या प्रार्थना करी, “हे प्रभु, तू जो सारया के मनां नै जाणै सै, न्यू बता
के इन दोनुआ म्ह तै तन्नै किस ताहीं चुण्या सै, 25 के वो इस सेवा के काम अर प्रेरितों की वा खाल्ली
जगहां ले, जिसनै यहूदा छोड़कै अपणी जगहां चल्या गया, जित्त उसनै जाणा चाहिए था।” 26 फेर

* **1:12** 1:12 एक किलो. मी. † **1:13** 1:13 एक कट्टर पंथी राजनैतिक दल का नाम था जिसका वो सदस्य था

उनने उनकै बाबत पर्ची गेरी, अर पर्ची मत्तियाह कै नाम लिकड़ी। आखर वो उन ग्यारहां प्रेरितां कै
गेल्या गिण्या गया।

2

?????? ????? ?? ?????

1 यहूदियाँ के पिन्तेकुस्त त्यौहार के दिन, यीशु के चेल्लें एक जगहां कठ्ठे थे। 2 चाणचक अकास
तै तेज आँधी जिसी आवाज आई, अर उसतै सारा घर जित्त वे बेठ्ठे थे, गूँजग्या। 3 अर उननै एक
आग की लपट दिक्खी, जो जीभ के समान थी, वा आग की लपट अलग-अलग होकै उन सब कै
उप्पर आ उतरी। 4 वे सारे पवित्र आत्मा तै भरगे, अर जो वरदान पवित्र आत्मा नै उन ताहीं दिया,
उसके मुताबिक वो अन्य-अन्य भाषा बोल्लण लाग्गे।
5 उस बखत पूरी दुनिया की हरेक जात म्ह तै यहूदी-भगत यरुशलेम नगर म्ह रहण लागरे थे।
6 जिब आँधी जिसा शब्द गरजा, तो भीड़ लाग्गी अर आदमी घबरागे, क्यूँके हर एक अपणी-अपणी
भाषा म्ह चेल्यां ताहीं बोलदे सुणण लागरे थे। 7 वे सारे हैरान अर अचम्भा करकै कहण लाग्गे,
"देक्खो, जो वे बोल्लण लागरे सै के सारे गलीलवासी कोनी? 8 तो यो के होण लागरया सै, के जो
म्हारे म्ह तै हर एक इन ताहीं अपणी-अपणी जन्म-भूमि की भाषा म्ह बात करते सुणै सै! 9 हम
जो पारथी अर मेदी अर एलामी अर मेसोपोटामिया अर यहूदिया अर कप्पदूकिया अर पुन्तुस अर
आसिया परदेस, 10 कुछ फ्रुगिया, पंफूलिया परदेस अर कुछ मिस्र देश अर लीबिया देश जो कुरेने
नगर कै लोवै-धोरै सै, इन सारे देशां के रहण आळे अर रोमी प्रवासी, 11 यानिके यहूदी माणस अर
यहूदी पंथ धारण करण आळे, क्रेतो दीप अर अरब देश के माणस भी सै, पर अपणी-अपणी भाषा
म्ह उनतै परमेसवर के बड़े-बड़े काम्मां का जिक्र सुणै सै।" 12 अर वे सारे हैरान होए अर घबराकै
एक-दुसरे तै कहण लाग्गे, "यो के होण लागरया सै?"
13 पर औरां नै मखौल करकै कह्या, "वे तो नई मदिरा कै नशै म्ह चूर सै।"

????? ?? ????

14 जिब पतरस उन ग्यारहां प्रेरितां कै गेल्या खड्या होया, अर ठाड्डू आवाज म्ह बोल्या, "हे
यहूदिवासियों अर हे यरुशलेमवासियों, न्यू जाण ल्यो, अर कान लाकै मेरी बात सुणो।" 15 जिसा
थम समझरे सो, ये आदमी नशै म्ह कोनी, क्यूँके इब्बे दिन के नौ बजे सै। 16 जो थम म्हारै साथ होते
होए देखण लागरे सों, यो योएल नबी कै जरिये कही गई भविष्यवाणी का पूरा होणा सै।
17 " 'परमेसवर कहवै सै, के अन्त के दिनां म्ह इसा होवैगा के मै अपणा आत्मा सारे माणसां ताहीं
दियुँगा,' अर थारे बेट्टे अर थारी बेट्टी भविष्यवाणी करैगी, अर थारे जवान दर्शन देखैगें, अर थारे
बुजुर्ग सपना देक्खैगें।"
18 उन दिनां म्ह, मै अपणे दास्सां, अर दासियाँ ताहीं अपणी आत्मा दियुँगा, अर वे भविष्यवाणी
करैगें।
19 अर मै उप्पर अकास म्ह अनोक्खे काम अर तळै धरती पै निशान, यानिके लहू अर आग अर
धुम्मै का बाद्दळ दिखाऊँगा।
20 प्रभु के महान् अर तेजस्वी दिन कै आण तै पैहल्या सूरज अँधेरा अर चाँद लहू-सा हो जावैगा।
21 अर जो कोए प्रभु का नाम लेवैगा, उसका उद्धार होवैगा।
22 "हे इस्राएलियों, इन बात्तां नै सुणो यीशु नासरी एक माणस था जिसका परमेसवर की ओड़ तै
होण का सबूत उन सामर्थ के काम्मां अर हैरानी के काम्मां अर चमत्कारां तै जाहिर सै, जो परमेसवर
नै थारे बिचाळै उसकै जरिये कर दिखाए जिसकै बारै म्ह थमनै खुदे बेरा सै। 23 उस्से यीशु ताहीं, जो
परमेसवर की ठहराई होई योजना अर पूर्व ज्ञान कै मुताबिक पकड़वाया गया, थमनै अधर्मियाँ के
हाथ्थां तै क्रूस पै चढ़ाकै उस ताहीं मार दिया। 24 पर उस्से ताहीं परमेसवर नै मौत के बन्धनां तै
छुड़ाकै जिन्दा करया, क्यूँके यीशु ताहीं अपणे बस म्ह राखणा मौत खात्तर असम्भव था।" 25 राजा

दाऊद यीशु कै बारै म्ह कहवै सै, “मै प्रभु नै सारी हाण अपणे धोरै देख्दा रहया क्यूँके वो मेरी सोळी
ओड़ सै, मै उनतै न्ही डरुँगा जो लोग मेरा नुकसान करणा चाहवै सै।”
26 इस्से कारण मेरा मन आनन्दित होया, अर मै खुशी तै गाऊँगा, बल्के मेरी आस भी उस्से म्ह
बणी रहवैगी।
27 क्यूँके तू मेरै प्राणां नै अधोलोक म्ह कोनी छोड्डैगा, अर ना अपणे पवित्र माणस नै सड़ण
देवैगा। 28 “तन्नै मेरै ताहीं जीण का राह बताया सै, तू मन्नै दर्शन कै जरिये आनन्द तै भर देवैगा।”
29 “हे भाईयो, मै कुलपति राजा दाऊद कै बारै म्ह थारे तै हिम्मत करकै कहूँ सूं के वो तो मरग्या
अर गाड्या भी गया अर उसकी कब्र आज ताहीं म्हारै उरै न्यू-की-न्यू सै। 30 वो नबी था अर उसनै
बेरा था के परमेसवर नै मेरै तै वादा करया सै के मै तेरी पीढ़ी म्ह तै एक माणस नै तेरे सिंहासन पै
बिठाऊँगा, 31 उसनै होण आळी बात ताहीं पैहल्याए तै देखकै मसीह के जिन्दा उठण कै बारै म्ह
भविष्यवाणी करी के ना तो उसका प्राण अधोलोक म्ह छोड्या गया अर ना उसकी देह सड़ण पाई।
32 इस्से यीशु ताहीं परमेसवर नै जिन्दा करया, जिसके हम सारे गवाह सां। 33 इस तरियां परमेसवर
के सोळे हाथ पै सबतै ऊँच्चा पद पाकै, अर पिता तै वो पवित्र आत्मा पाकै जिसका वादा लिया
गया था, उसनै यो उण्डेल दिया सै जो थम देक्खो अर सुणो सो। 34 क्यूँके दाऊद तो सुर्ग पै कोनी
चढ्या, पर वो खुद कहवै सै, ‘प्रभु परमेसवर नै मेरे प्रभु तै कह्या,’ मेरै सोळी ओड़ नै बैठ,
35 “जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ नै तेरे कदमां तळै ना झुका दियुँ।”
36 “आखर इस्राएल का सारा खानदान पक्की तरियां तै जाण लेवै के परमेसवर नै उस्से यीशु
ताहीं जिस ताहीं थमनै क्रूस पै चढ़ाया, प्रभु भी ठहराया अर मसीह भी।”
37 जिब माणसां नै यो सुण्या, तो बिश्वास होग्या था के उननै गलत काम करया सै, अर वे पतरस
अर बाकी प्रेरितां तै बुझ्झण लाग्गे, “हे भाईयो, हम के करा?”
38 पतरस नै उनतै कह्या, “पाप करणा छोड़ द्यो, अर थारे म्ह तै हरेक अपणे-अपणे पापां की माफी
कै खात्तर यीशु मसीह कै नाम तै बपतिस्मा लेवै, जिब थम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। 39 क्यूँके
या प्रतिज्ञा थम, अर थारी ऊलादां, अर उन सारे दूर-दूर के आदमियाँ खात्तर भी सै जिन ताहीं प्रभु
म्हारा परमेसवर अपणे धोरै बुलावैगा।”
40 पतरस नै कई और बात्तां तै, भी गवाही दे-देकै समझाया के अपणे-आपनै इस टेढ़ी जात तै
बचाओ। 41 आखर जिननै उसके वचन पै बिश्वास करकै बपतिस्मा लिया, अर उस्से दिन तीन हजार
माणसां कै करीबन उन म्ह मिलगे।
42 जिननै पतरस के वचन पै बिश्वास करया, वे प्रेरितां तै शिक्षा लेन्दे, अर संगति राखदे, अर
रोट्टी तोड़ण, अर प्रार्थना करण म्ह मग्न रहे।

[illegible]

43 अर सारे के यरुशलेम माणस डरगे, अर घणे अनोक्खे काम अर चमत्कार प्रेरितां कै जरिये
जाहिर होवै थे। 44 अर सारे बिश्वास करणीये कठ्ठे रहवै थे, अर उनकी सारी चीज साझे म्ह थी।
45 वे अपणी-अपणी जायदाद अर सामान बेच-बेचकै जिसकी जरूरत होवै थी बांड दिया करै थे।
46 वे हरेक दिन एक मन होकै मन्दर म्ह कठ्ठे होवै थे, घर-घर रोट्टी तोड़दे होए खुशी अर मन की
सीधाई तै खाणा खावै थे, 47 अर परमेसवर की जय-जयकार करै थे, अर सारे माणस उनतै राज्जी थे
जो उद्धार पावैं थे, उन ताहीं प्रभु हरेक दिन उन म्ह मिला देवै था।

3

[illegible]

1 पतरस अर यूहन्ना दोफाहरै के तीन बजे पाच्छै प्रार्थना कै बखत मन्दर म्ह जाण लागरे थे।
2 अर माणस एक जन्म तै लंगड़े नै ल्यावै थे, जिस ताहीं वे हरेक दिन मन्दर कै बाहरणै पै जो सुन्दर
नामक फाटक कुह्वावै सै, बिठा देवै थे, के वो मन्दर म्ह जाण आळा तै भीख माँग्गै। 3 जिब उसनै
पतरस अर यूहन्ना ताहीं मन्दर म्ह जान्दे देख्या, तो उनतै भीख माँगी। 4 पतरस नै यूहन्ना कै गेल्या

उसकी ओड़ गौर तै देखकै कह्या, “म्हारी ओड़ लखा!” 5 आखर वो उनतै कुछ पाण की आस राखते
होए उनकी ओड़ लखाण लाग्या।
6 फेर पतरस नै कह्या, “चाँदी अर सोन्ना तो मेरै धोरै सै न्ही, पर जो मेरै धोरै सै वो तन्नै दियुँ सूं,
यीशु मसीह नासरी कै नाम तै उठ अर चाल-फिर।” 7 पतरस नै उसका सोळा हाथ पकड़कै उस ताहीं
ठाया, अर जिब्बे उसके पायां अर टाखणयां म्ह ताकत आगी। 8 वो उछळते-कूदते खडया होग्या
अर चाल्लण-फिरण लाग्या, अर चाल्दा, अर कुद्दा, अर परमेसवर की जय-जयकार करदा होया उनकै
गेल्या मन्दर म्ह गया। 9 सारे आदमियाँ नै उस ताहीं चाल्दे-फिरदे अर परमेसवर की जय-जयकार
करदे होए देखकै, 10 उस ताहीं पिच्छाण लिया के यो वोए सै जो मन्दर कै “सुन्दर” नामक फाटक पै
बैठकै भीख मांग्या करै था, अर उस घटना तै जो उसकै गेल्या होई थी वे घणे अचम्भित अर हैरान
होए।

[illegible]

11 जिब वो पतरस अर यूहन्ना ताहीं पकड़े होए था, तो सारे माणस घणे हैरान होन्दे होए उस
बराम्दा म्ह जो सुलैमान का कुह्वावै सै, उनकै धोरै भाज्जे आये। 12 न्यू देखकै पतरस नै माणसां
तै कह्या, “हे इस्राएलियों, थम इस माणस पै क्यांतै हैरान होवो सो, म्हारी ओड़ क्यांतै इस ढाळ
लखाओ सों, के मान्नो हमनै-ए अपणी सामर्थ या भगति तै इस ताहीं चाल्लण-फिरण जोग्गा बणा
दिया। 13 अब्राहम अर इसहाक अर याकूब के परमेसवर, म्हारे पूर्वजां के परमेसवर नै अपणे सेवक
यीशु मसीह की महिमा करी, जिस ताहीं थमनै पकड़वा दिया, अर जिब राज्यपाल पिलातुस नै उस
ताहीं छोड़ देण का विचार करया, फेर थमनै उसकै स्याम्ही उसका इन्कार करया। 14 थमनै उस धर्मी
अर पवित्र का इन्कार करया, अर बिनती करी के एक खून्नी ताहीं थारे खात्तर छोड़ दिया जावै,
15 अर थमनै अनन्त जीवन के कर्ता ताहीं मार दिया, जिस ताहीं परमेसवर नै मरे होया म्ह तै जिन्दा
करया, अर इस बात के हम गवाह सां। 16 मसीह यीशु कै नाम म्ह बिश्वास कै कारण इस माणस नै
जिसनै थम जाणो सों, जिसनै थम इस बखत देक्खण लागरे सों, उस ताहीं ताकत दी सै, यो माणस
यीशु के नाम म्ह अर मसीह यीशु पै बिश्वास के जरिये कती भला चंगा होया सै, जिसा के थम खुद
देख सको सों।”
17 “इब हे भाईयो, मन्नै बेरा सै के थमनै अर थारे अगुवां नै यो काम अज्ञानता म्ह करया, क्यूँके
थम न्ही जाणो थे के वो मसीह सै। 18 पर जिन बात्तां ताहीं परमेसवर नै सारे नबियाँ के मुँह तै
पैहल्याए तै बता दिया था, के उसका मसीह दुख ठावैगा, उन ताहीं उसनै इस्से ढाळ पूरा करया।
19 इस करकै, पाप करणा छोड़ द्यो अर बोहड़ आओ के थारे पाप मिटाए जावै, जिसतै प्रभु के
स्याम्ही तै सुख-चैन के दिन आवै, 20 अर वो यीशु ताहीं भेज्जै, जो थारे खात्तर पैहल्या तै ए मसीह
ठहराया गया सै। 21 जरूरी सै के वो सुर्ग म्ह उस बखत ताहीं रहवै जिब ताहीं के वो सारी बात्तां का
सुधार ना कर लेवै जिसका जिक्र पुराणे बखत तै परमेसवर नै अपणे पवित्र नबियाँ के मुँह तै करया
सै। 22 जिस ढाळ के मूसा नबी नै कह्या, ‘परमेसवर थारे भाईयाँ म्ह तै थारे खात्तर मेरै जिसा एक
नबी भेज्जैगा, जो किमे वो थारे तै कहवै उसकी सुणीयो।’ 23 पर हरेक माणस जो उस नबी की न्ही
सुणै, आदमियाँ म्ह तै नाश करया जावैगा।”
24 “अर शमूएल तै लेकै उसकै पाच्छै आळा ताहीं जितने नबी बोल्ले उन सारया नै इन दिनां का
सन्देशा दिया सै। 25 थम सारे नबियाँ की ऊलाद अर उस करार के हिस्सेदार सो, जो परमेसवर नै
थारे बाप-दाद्यां तै करया, जिब उसनै अब्राहम तै कह्या, ‘तेरी पीढ़ी के जरिये धरती के सारे खानदान
आशीष पावैगें।’ 26 परमेसवर नै अपणे सेवक ताहीं मरे होया म्ह तै ठाकै सब तै पैहल्या थारे धोरै
भेज्या, के थारे म्ह तै हरेक ताहीं उसकी बुराईयाँ तै पलटा कै आशीष देवै।”

4

[illegible]

1 जिब वे आदमियाँ तै न्यू कहण लागरे थे, तो याजक अर मन्दर के सरदार अर सदूकी दल के
लोग उनपै चढ़ आये। 2 क्यूँके वे घणे खुन्दक म्ह थे के वे आदमियाँ ताहीं सिखावै थे, अर यीशु का
उदाहरण दे-देकै प्रचार करै थे, के परमेसवर मुर्दां नै एक दिन जिन्दा करैगा जिसा उसनै यीशु ताहीं
करया। 3 उननै उन ताहीं बन्दी बणाकै दुसरे दिन तक हवालात म्ह राख्या क्यूँके साँझ होग्यी थी।
4 पर वचन के सुणण आळा म्ह तै घणाए नै बिश्वास करया, अर उनकी गिणती पाँच हजार माणसां
कै करीबन होग्यी थी।
5 दुसरे दिन इसा होया के उनके सरदार, यहूदी अगुवें, शास्त्री 6 अर महायाजक हन्ना, कैफा,
यूहन्ना, सिकन्दर अर जितने महायाजक के कुण्बे के थे, सारे यरुशलेम नगर म्ह एक जगहां कठ्ठे
होए। 7 वे उन ताहीं बिचाळै खड्या करकै बुझ्झण लाग्गे के थमनै यो काम किसकै सामर्थ तै अर
किसकै नाम तै करया सै।
8 फेर पतरस नै पवित्र आत्मा तै भरकै उनतै कह्या, 9 "हे माणसां के सरदारो अर यहूदी अगुवों,
इस कमजोर माणस गेल्या जो भलाई करी गयी सै, जै आज म्हारै तै उसकै बारै म्ह पूछताछ करी
जावै सै, के वो किस ढाळ ठीक होया।" 10 तो थम सारे अर सारे इस्राएली आदमी जाण लेवै के
यीशु मसीह नासरी कै नाम तै जिस ताहीं थमनै क्रूस पै चढ़ाया, अर परमेसवर नै मरे होया म्ह तै
जिन्दा करया, यो माणस थारे स्याम्ही भला-चंगा खड्या सै।
11 यीशु मसीह ए वो पत्थर सै जिस ताहीं थम राजमिस्त्रियाँ नै नकार दिया, अर वो सिरे का
पत्थर होग्या।
12 "यीशु के अलावा किसे दुसरे नाम म्ह उद्धार कोनी, क्यूँके सुर्ग कै तळै माणसां म्ह और कोए
दुसरा नाम कोनी दिया गया, सिर्फ यीशु के जरिये हम उद्धार पा सकां सां।"
13 जिब उननै पतरस अर यूहन्ना की हिम्मत देक्खी, अर न्यू बेरा लाग्या के ये अनपढ़ अर
साधारण सा माणस सै, तो अचम्भा करया, फेर उन ताहीं पिच्छाण्या के ये यीशु कै गेल्या रहे सै।
14 उस माणस ताहीं जो ठीक होया था, पतरस अर यूहन्ना कै गेल्या खड़े देखकै, वे बिरोध म्ह किमे
न्ही कह सके। 15 पर उन ताहीं यहूदी अगुवां की सभा तै बाहर जाण का हुकम देकै, वे आप्पस म्ह
विचार करण लाग्गे, 16 "हम इन माणसां कै गेल्या के करा? क्यूँके यरुशलेम नगर के सारे रहणीया
नै बेरा पाटरया सै, के इनकै जरिये एक मशहुर चमत्कार दिखाया गया सै, अर हम उसकै बारै म्ह
नाट न्ही सकदे। 17 पर माणसां म्ह इस सुसमाचार का और घणा प्रसार ना हो।"
18 फेर उन ताहीं बुलाया अर चेतावनी देकै न्यू कह्या, "यीशु कै नाम पै ना तो वे चर्चा करै अर ना
सिखाइयो।" 19 पर पतरस अर यूहन्ना नै उन ताहीं जवाब दिया, "थमे न्याय करो, के यो परमेसवर
कै धोरै भला सै के हम परमेसवर की बात तै बढ़कै थारी बात मान्नां। 20 क्यूँके यो तो म्हारै तै न्ही हो
सकदा के जो हमनै देख्या अर सुण्या सै, वो न्ही कह्वां।"
21 फेर उननै उन ताहीं और धमकाकै छोड़ दिया, क्यूँके आदमियाँ कै कारण उन ताहीं सजा देण
का कोए मौक्का न्ही मिल्या, इस करकै के जो घटना होई थी उसकै कारण सारे आदमी परमेसवर की
बड़ाई करै थे।
22 वो माणस जो अचम्भे के काम तै ठीक होया था, चाळीस बरस तै घणी उम्र का था।

[illegible]

23 वे छूट कै अपणे साथियाँ कै धोरै आए, अर जो किमे प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां नै उनतै
कह्या था, उन ताहीं सुण्या दिया। 24 न्यू सुणकै उननै एक मन होकै ठाड्डू आवाज तै परमेसवर तै
कह्या, "हे माल्लिक," तू वोए सै जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर जो किमे उन म्ह सै बणाया
सै। 25 तन्नै पवित्र आत्मा के जरिये अपणे सेवक म्हारे पूर्वज दाऊद के मुँह तै कह्या, "गैर यहूदियाँ
नै रोळा क्यांतै मचाया? अर देश-देश के माणसां नै क्यांतै बेकार म्ह बात सोच्ची?"
26 प्रभु अर उसके अभिषिक्त के बिरोध म्ह धरती के राजा खड़े होए, अर हाकिम एक सेत्ती कठ्ठे
होए।

27 “क्यूँके साच्चए तेरे सेवक यीशु कै बिरोध म्ह, जिसका तन्नै अभिषेक करया, हेरोदेस अर
पुन्तियुस पिलातुस भी गैर यहूदियाँ अर इस्राएलियाँ कै गेल्या इस नगर म्ह कठ्ठे होए, 28 के जो
किमे पैहल्या तै तेरी सामर्थ अर बुद्धि तै ठहरा था वोए करै। 29 इब हे प्रभु, उनकी धमकियाँ नै
सुण, अर अपणे दास्सां ताहीं यो वरदान दे के तेरा वचन बड़ी हिम्मत तै सुणावै। 30 ठीक करण कै
खात्तर तू अपणा हाथ बढ़ा के चमत्कार अर अनोक्खे काम तेरे पवित्र सेवक यीशु कै नाम तै करे
जावै।”
31 जिब उननै प्रार्थना कर ली, तो वा जगहां जित्त वे कठ्ठे थे काम्बगी, अर वे सारे पवित्र
आत्मा तै भरगे, अर परमेसवर का वचन हिम्मत तै सुणान्दे रहे।

[illegible]

32 बिश्वास करण आळा का टोळ एक चित्त अर एक मन का था, उरै ताहीं के कोए भी अपणी
सम्पत्ति अपणी न्ही कहवै था, पर सारा किमे साझ्झै म्ह था। 33 प्रेरित बड़ी सामर्थ तै प्रभु यीशु के
जिन्दा होण की गवाही देन्दे रहे, अर उन सारया पै घणा अनुग्रह था। 34 अर उन बिश्वासियाँ म्ह
कोए भी गरीब कोनी था, क्यूँके जिनकै धोरै धरती या घर थे, वे उननै बेच-बेचकै, बिकी होई चिज्जां
का दाम ल्यावै थे, अर उस ताहीं प्रेरितां के पायां म्ह धरै थे। 35 अर जिसी जिसकी जरूरत होवै थी,
उसकै मुताबिक हरेक ताहीं बांड दिया करै थे।
36 यूसुफ नाम का साइप्रस टापू का एक लेवी था जिसका नाम प्रेरितां नै बरनबास (यानिके
उत्साहित करण आळा) धरया था। 37 उसकी किमे धरती थी, जिस ताहीं उसनै बेच्या, अर दाम के
रपिये प्रेरितां के पायां म्ह धर दिए।

5

[illegible]

1 हनन्याह नाम का एक माणस अर उसकी घरआळी सफीरा नै अपणी कुछ जमीन बेच्ची। 2 अर
उसकै दाम म्ह तै कुछ अपणे खात्तर राख लिया, अर या बात उसकी घरआळी भी जाणै थी, उसका
एक हिस्सा ल्याकै प्रेरितां के पायां म्ह धर दिया। 3 पतरस बोल्या, “हे हनन्याह! शैतान नै तेरे मन
म्ह या बात क्यांतै घाल्ली के तू पवित्र आत्मा तै झूठ बोल्लै, अर जमीन के दाम म्ह तै किमे राख
लेवै? 4 के बेचण तै पैहल्या वा जमीन तेरी कोनी थी? अर जिब बिकगी तो उस धन पै तेरा हक कोनी
था? तन्नै या बात अपणे मन म्ह क्यांतै सोच्ची? तन्नै माणसां तै न्ही, पर परमेसवर तै झूठ बोल्या
सै।”
5 या बात सुणदे हनन्याह जमीन पै गिर पड्या अर जी लिकड़ग्या, सारे सुणण आळे घणे डरगे।
6 फेर जवानां नै उठकै उसकी लाश ताहीं कपड़े म्ह लपेटा अर बाहरणै ले जाकै गाड़ दिया।
7 करीबन तीन घंटा कै पाच्छै उसकी घरआळी, जिसनै बेराए कोनी था जो किमे होया था, भीत्तर
आई। 8 फेर पतरस नै उसतै कह्या, “मन्नै बता के थम दोनुआं नै वा जमीन इतनै म्ह बेच्ची थी?” वा
बोल्ली, “हाँ, इतनै ए म्ह।”
9 पतरस नै उसतै कह्या, “या के बात सै के थम दोनुआं नै प्रभु की आत्मा ताहीं परखण खात्तर
एक्का करया? लखा, तेरे धणी नै गाड्डण आळे बाहरणै ए खड़े सै, अर तन्नै भी बाहरणै ले जावैंगे।”
10 फेर वा जिब्बे उसकै पायां म्ह गिर पड़ी, अर जी लिकड़ग्या, अर जवानां नै भीत्तर आकै उस
ताहीं मरया पाया, अर बाहरणै ले जाकै उसकै धणी कै धोरै ए उस ताहीं भी गाड़ दिया। 11 यरुशलेम
की सारी कलीसिया अर इन बात्तां के सारे सुणनियें भोत घणे डरगे।

[illegible]

12 प्रेरितां के जरिये घणे चमत्कार अर अनोक्खे काम आदमियाँ कै बिचाळै दिखाए जावै थे, अर
वे सारे एक चित्त होकै सुलैमान के बरामदे म्ह कठ्ठे होया करै थे। 13 पर औरां म्ह तै किसे और की
या हिम्मत कोनी होवै थी के उन म्ह जा मिलै, फेर भी आदमी उनकी बड़ाई करै थे। 14 प्रभु म्ह
बिश्वास करण आळी की गिणती बढ़ती गई भोत घणे बिश्वासी प्रभु म्ह आ मिले, लोग-लुगाईयाँ

का एक भोत बड़ा टोळ बणग्या। 15 जो प्रेरित करण लागरे थे, उसकी बजह तै माणस, बिमारां ताहीं
सड़कां पै ल्या-ल्याकै, खाट-खटोल्यां पै लिटा देवैं थे, के जिब पतरस आवै, तो उसकी छाया-ए उन
म्ह तै किसे पै पड़ जावै। 16 यरुशलेम नगर कै लोवै-धोवै के नगरां तै भी घणे माणस बिमारां अर
भुंडी ओपरी आत्मायाँ के सताए होया ताहीं चेल्यां कै धोरै ल्या-ल्याकै, कठ्ठे होवै थे, अर सारे ठीक
कर दिए जावै थे।

[illegible]

17 फेर महायाजक अर उसके सारे मित्तर जो सदूकियाँ के पंथ के थे, प्रेरितां तै जळण लाग्गे।
18 अर प्रेरितां ताहीं पकड़कै जेळ म्ह बन्द कर दिया। 19 पर रात नै प्रभु के एक सुर्गदूत नै जेळ के
किवाड़ खोल कै उन ताहीं बाहरणै ल्याकै कह्या, 20 "जाओ, मन्दर म्ह खड़े होकै अनन्त जीवन की
सारी बात आदमियाँ ताहीं सुणाओ।"

21 वे न्यू सुणकै सबेरा होन्दे मन्दर म्ह जाकै उपदेश देण लाग्गे। फेर महायाजक अर उसके मित्तरां
नै आकै यहूदी अगुवां की सभा अर इस्राएलियाँ के सारे बुजुर्गां ताहीं कठ्ठे करया, अर जेळ म्ह
कहवां भेज्या के उन ताहीं ल्याओ। 22 पर मन्दर के पैहरेदारां नै उड़ै पोहचकै उन ताहीं जेळ म्ह
कोन्या पाया, अर बोहड़कै संदेशां दिया, 23 "हमनै जेळ ताहीं घणी चौकसी तै बन्द कर राख्या था,
अर पैहरेदारां ताहीं बाहरणै दरवाज्यां पै खड़े पायां, पर जिब खोल्या, तो भीत्तर कोए ना मिल्या।"
24 जिब मन्दर के सरदार अर प्रधान याजकां नै या खबर सुणी, तो वे घबरागे थे, अर वे यो विचार
करण लाग्गे के इन बात्तां का नतिज्जा के होगा!

25 इतनै म्ह किसे नै आकै उन ताहीं बताया, "देक्खो, जिन ताहीं थमनै जेळ म्ह बन्द कर राख्या
था, वे माणस मन्दर म्ह खड़े होकै आदमियाँ नै उपदेश देण लागरे सै।" 26-27 फेर सरदार, पैहरेदारां कै
गेल्या ओड़ै जाकै, प्रेरितां ताहीं यहूदी अगुवां की सभा कै स्याम्ही लीआया, पर हंगे तै न्ही, क्यूँके
वे आदमियाँ तै डरै थे के कदे म्हारै पै पत्थर ना बरसा देवैं। फेर महायाजक नै उनतै बुझ्झया,

28 "के हमनै थारे ताहीं चिताकै हुकम न्ही दिया था के थम इस नाम तै उपदेश ना दियो? फेरभी,
थमनै सारे यरुशलेम नगर ताहीं अपणे उपदेश तै भर दिया सै अर उस माणस की हत्या का कसूर
थम म्हारै पै लगाणा चाहो सो।"

29 फेर पतरस अर दुसरे प्रेरितां नै जवाब दिया, "माणसां के हुकम तै बढ़कै परमेसवर के हुकम का
पालन करणा ए म्हारा फर्ज सै। 30 म्हारै पूर्वजां कै परमेसवर नै यीशु ताहीं मुर्दां म्ह तै जिन्दा करया,
जिस ताहीं थमनै क्रूस पै लटकाकै मार दिया था। 31 उस्से ताहीं परमेसवर नै प्रभु अर उद्धारकर्ता
ठैहराया अर परमेसवर नै मसीह यीशु ताहीं अपणे सोळे हाथ कान्ही बैठाया, ताके इस्राएल के
माणस पाप करणा छोड़ दे, अर अपणे पापां खात्तर उन ताहीं माफी मिल सकै। 32 हम इन बात्तां के
गवाह सां अर उस्से तरियां पवित्र आत्मा भी, जिस ताहीं परमेसवर नै उन ताहीं दिया सै जो उनका
हुकम मान्नै सै।"

33 यहूदी अगुवां की सभा के सारे माणस या बात सुणकै जळगे, अर प्रेरितां ताहीं मारणा चाह्या।
34 पर गमलीएल नामक एक फरीसी नै जो शास्त्री अर सारे आदमियाँ म्ह आदर-मान राक्खै था,
यहूदी अगुवां की सभा म्ह खड़े होकै प्रेरितां ताहीं थोड़ी देर खात्तर बाहरणै ले जाण का हुकम दिया।
35 फेर वो बोल्या, "हे इस्राएलियों, थम जो किमे इन माणसां गैल करणा चाहवो सो, सोच-समझकै
करियो। 36 इन दिनां तै पैहल्या थियूदास भी दावा करै था के मै भी किमे सूं, अर तकरीबन चार सौ
माणस उसकै चेल्लें बणगे, पर वो मारया गया, अर उस ताहीं मानण आळे सब लोग बिखरगे अर
उनका नामो-निशान भी कोनी रह्या। 37 उसकै पाच्छै नाम लिखाई के दिनां म्ह गलीलवासी यहूदा
आया, अर कई आदमी अपणी ओड़ कर लिये, वो भी मर ग्या, अर जितने आदमी उसनै मान्नै थे,
सारे तित्तर-बितर होग्ये। 38 ज्यांतै मै थारे तै कहूँ सूं, इन माणसां तै दूर ए रहो अर इनतै किमे काम
ना राक्खो, क्यूँके जै यो धर्म या काम माणसां की ओड़ तै हो फेर तो मिट जावैगा। 39 पर जै परमेसवर

की ओड़ तै सै, तो थम उन ताहीं कदे भी न्ही मिटा सकदे। कदे इसा ना हो के थम परमेसवर तै भी
लड़णआळे ठहरो।” फेर उननै उसकी बात मान ली।
40 अर प्रेरितां ताहीं बुलाकै छितवाया, अर यो हुकम देकै छोड़ दिया के यीशु कै नाम तै दुबारा
कोए बात ना करणा।
41 वे इस बात तै राज्जी होकै यहूदी अगुवां की सभा कै स्याम्ही तै चले गये, के हम यीशु कै नाम
कै खात्तर बेईज्जत होण कै जोग्गे तो ठहरे। 42 वे हरेक दिन मन्दर म्ह अर घर-घर म्ह उपदेश करण
तै, अर इस बात का सुसमाचार सुणाण तै के यीशु ए मसीह सै न्ही रुके।

6

[illegible]

1 उन दिनां म्ह जिब चेल्यां की गिणती घणी बधण लाग्गी, फेर यूनानी भाषा बोल्लण आळे यहूदी
चेल्लें इब्रानी भाषा बोल्लण आळे यहूदी चेल्यां पै बिरड़ाण लाग्गे, के हरेक दिन पईसा अर खाणे
के मामलै म्ह म्हारी बिधवायाँ की सुध कोनी ली जान्दी। 2 फेर उन बारहां चेल्यां नै उन बिश्वासियाँ
ताहीं जो यरुशलेम म्ह थे, अपणे धोरै बुलाकै कह्या, “यो ठीक कोनी के हम परमेसवर का वचन
छोड़कै खिलाण-पिलाण की सेवा म्ह रह्वां। 3 इस करकै, हे बिश्वासी भाईयो, अपणे म्ह तै सात
बढ़िया नाम्मी माणसां ताहीं जो पवित्र आत्मा अर बुद्धि तै भरे हो, जिनके बारें म्ह सब नै बेरा हो,
छाँट ल्यो, के हम उननै इस काम पै ला देवां। 4 पर हम तो प्रार्थना म्ह अर वचन के प्रचार अर
शिक्षा देण की सेवा म्ह लाग्गे रहवांगें।”
5 या बात सारे टोळ नै आच्छी लाग्गी, अर उननै स्तिफनुस नामक एक माणस ताहीं जो बिश्वास
अर पवित्र आत्मा तै भरया था, अर फिलिप्पुस, अर प्रुखुरुस, अर नीकानोर, अर तीमोन, अर
परमिनास, अर अन्ताकियावासी नीकुलाउस ताहीं जो यहूदी पंथ म्ह आ ग्या था, छाँट लिया।
6 इन ताहीं प्रेरितां कै स्याम्ही ल्याए अर उननै प्रार्थना करकै उनपै हाथ धरे, ताके वे उस काम नै
करै।
7 परमेसवर का वचन फैलदा गया अर यरुशलेम नगर म्ह चेल्यां की गिणती घणी बढ़दी गई, अर
भोत सारे यहूदी याजक भी प्रभु यीशु के सुसमाचार पै बिश्वास करकै मानणआळे होगे।

[illegible]

8 स्तिफनुस अनुग्रह अर सामर्थ तै भरया-पूरा होकै आदमियाँ म्ह बड़े-बड़े अनोक्खे काम अर
चमत्कार दिखाया करै था। 9 फेर वो आराधनालय म्ह तै जो लिबिरतिनों की कुह्वावै थी, अर कुरेनी
अर सिकन्दरिया अर किलिकिया अर आसिया परदेस के आदमियाँ म्ह तै कई माणस उठकै स्तिफनुस
तै बहसण लाग्गे। 10 पर उस ज्ञान अर उस पवित्र आत्मा का जिसतै वो बात करै था, वे सामना न्ही
कर सके।
11 इसपै उननै कई आदमियाँ ताहीं उकसाया जो कहण लाग्गे, “हमनै इस ताहीं मूसा नबी अर
परमेसवर कै बिरोध म्ह बुराई की बात कहन्दे होए सुण्या सै।”
12 उननै स्तिफनुस के बिरुध्द माणसां, यहूदी अगुवां अर शास्त्रियाँ ताहीं उकसाया अर आकै उस
ताहीं पकड़कै यहूदी अगुवां की सभा कै स्याम्ही ले गये। 13 अर उननै झूठ्ठे गवाह खड़े करे, जिननै
स्तिफनुस पै यो इलजाम लगाकै, कह्या, “यो माणस इस पवित्र जगहां अर मूसा के नियम-कायदे
कै बिरोध म्ह बुराई करणा न्ही छोड़दा। 14 क्यूँके हमनै उस ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या सै के योए यीशु
नासरी* इस मन्दर नै गेर देवैगा, अर उन रिवाज्जां नै बदल देवैगा जो मूसा नबी नै म्हारै ताहीं सौंपी
सै।”
15 फेर सारे आदमियाँ नै जो यहूदी अगुवां की सभा म्ह बेठ्ठे थे, उसपै निगांह गड़ाई तो उसका
मुँह सुर्गदूत जिसा दिख्या।

* **6:14** 6:14 नासरत का यीशु

7

[illegible]

1 फेर महायाजक नै स्तिफनुस तै बुझ्झया, "के यो इलजाम सच सै?"
2 उसनै कह्या, "हे भाईयो, अर बुजुर्गों सुणो। म्हारा पूर्वज अब्राहम हारान नगर म्ह बसण तै
पैहल्या जिब वो मेसोपोटामिया परदेस म्ह था, तो तेजोमय परमेसवर नै उस ताहीं दर्शन दिया,
3 अर उसतै बोल्या, 'तू अपणे देश अर अपणे कुण्बे म्ह तै लिकड़कै उस देश म्ह जा, जिस ताहीं मै
तन्नै दिखाऊँगा।' "
4 फेर अब्राहम कसदियो* के देश तै लिकड़कै हारान नगर म्ह जा बस्या। उसकै पिता की मौत कै
पाच्छै परमेसवर नै उस ताहीं ओड़ै तै इस देश म्ह ल्याकै बसाया जिसम्ह इब हम बसां सां, 5 अर उस
ताहीं कुछ भी विरासत न्ही दी, बल्के पैर धरण भर की भी उस म्ह जगहां कोनी देई, पर परमेसवर नै
वादा करया, के मै यो देश तेरे अर तेरे बाद तेरे वंश कै हाथ कर दियुँगा, हालाकि उस बखत उसकै
कोए बेट्टा कोनी था। 6 अर परमेसवर नै यो भी कह्या, "वे लोग उननै गुलाम बणा लेंगे, अर चार
सौ साल ताहीं उनकै गैल भुंडा बरताव करैगें।" 7 फेर परमेसवर नै यो भी कह्या, "के जिस जात के
वे गुलाम होवैंगें, उस ताहीं मै सजा देऊँगा, अर इसकै बाद वे लिकड़कै इस्से देश म्ह मेरी भगति
करैंगें।" 8 अर परमेसवर नै अब्राहम कै गैल खतने का करार करया, जिब अब्राहम के बेट्टे इसहाक
का जन्म होया, तो आंठ्वै दिन उसका खतना करया गया, अर इसहाक तै याकूब अर याकूब तै बारहां
कुलपति पैदा होए।
9 "कुलपतियाँ नै अपणे भाई यूसुफ तै जळण करकै उस ताहीं मिस्र देश जाण आळा ताहीं बेच्या।
पर परमेसवर उसकै गेल्या था, 10 अर परमेसवर नै यूसुफ ताहीं उसके सारे क्लेशां तै छुड़ाकै मिस्र
देश कै राजा फिरौन की निगांह म्ह अनुग्रह अर बुद्धि दी, अर फिरौन नै उस ताहीं मिस्र देश पै
अर अपणे सारे घर पै हाकिम बणा दिया।
11 "जिब यूसुफ मिस्र देश का हाकिम था, तो सारे मिस्र देश अर कनान देश म्ह अकाळ पड़ग्या,
जिसतै हरेक जगहां हाहाकार माचग्या, अर म्हारे पूर्वजां ताहीं नाज कोनी मिलै था। 12 पर याकूब नै
न्यू सुणकै के मिस्र देश म्ह नाज सै, म्हारे पूर्वजां ताहीं नाज मोल लेण खात्तर पैहली बार भेज्या।
13 जिब वे दुसरी बार नाज मोल लेण खात्तर गये, तो यूसुफ नै खुद ताहीं अपणे भाईयाँ पै जाहिर
करया, अर यूसुफ के परिवार के बारें म्ह फिरौन नै बेरा पाटग्या। 14 फेर यूसुफ नै अपणे बाप याकूब
अर अपणे साबतै कुण्बे ताहीं, जो पचत्तर माणस थे, बुलवा भेज्या। 15 फेर याकूब मिस्र देश गया,
अर कुछ साल्लां बाद ओड़ैए वो अर म्हारे पूर्वज मरग्ये। 16 उनकी लाश शकेम नगर म्ह पहुँचाकै
उस कब्र म्ह धरी गई, जिस ताहीं अब्राहम नै चाँदी देकै शकेम नगर म्ह हमोर की ऊलाद तै मोल
लिया था।"
17 "पर जिब उस वादा के पूरे होण का बखत लोवै आया जो परमेसवर नै अब्राहम तै करया था,
तो मिस्र देश म्ह वे आदमी बढ़ग्ये अर घणे होग्ये। 18 फेर मिस्र देश म्ह दुसरा राजा होया जो
यूसुफ ताहीं कोनी जाणै था। 19 उसनै म्हारे जात्ति भाईयाँ तै हेरा-फेरी करकै म्हारे पूर्वजां कै गेल्या
उरै ताहीं भुंडा बीवार करया, के अपणे माँ-बाप नै अपणे बाळकां ताहीं बगाणे पड़गे, के एक भी
बाळक जिन्दा ना रहवैं।
20 "उस बखत मूसा नबी पैदा होया। वो परमेसवर की निगांह म्ह घणा सुथरा था। वो तीन महिन्ने
ताहीं अपणे बाप कै घरां लुह्को कै पाळया गया। 21 जिब उसके परिवार आळे उस ताहीं और न्ही
लह्को सके, तो उननै मूसा ताहीं छोड़णा पडया, फेर फिरौन की बेट्टी नै उस ताहीं ठा लिया, अर
अपणा बेट्टा करकै पाळया। 22 मूसा नबी नै मिस्र देश की सारी विद्या पढ़ाई गई, अर वो बोलण
म्ह अर काम करण म्ह, दोनुआ म्ह सामर्थी था।"

* 7:4 7:4 यह वो जगहां सै जहाँ चाल्दे लोग रहते थे और यो मेसोपोटामिया का दुसरा नाम भी सै।

23 "जिब मूसा नबी चाळीस साल का होया, तो उसकै मन म्ह आया के मै अपणे इस्राएली भाईयाँ
तै मिलूं। 24 उसनै एक इस्राएली माणस पै जुल्म होन्दे देखकै उस ताहीं बचाया, अर उस मिस्री
आदमी ताहीं मारकै सताए होए का बदला लिया। 25 मूसा नै सोच्या के उसके भाई-बन्धु जाण जावैंगे
के उन ताहीं गुलामी तै छुटकारा दुआण खात्तर परमेसवर उसका इस्तमाल करण लाग रह्या सै, पर
वे इस ताहीं समझ न्ही पाये। 26 दुसरे दिन जिब वे आप्पस म्ह लड़ै थे, तो वो उड़ै तै आण लिकड़या,
अर न्यू कहकै उननै मेल करण कै खात्तर समझाया, 'हे भले माणसों, थम तो भाई-भाई सो, एक-दुसरे
पै क्यांतै जुल्म करो सो?' "

27 "पर जो अपणे पड़ोसी पै जुल्म करै था, उसनै उस ताहीं न्यू कहकै धक्का दिया, 'तेरे ताहीं
किसनै म्हारै पै हाकिम अर न्यायाधीश ठहराया सै? 28 के जिस ढाळ तै तन्नै काल उस मिस्री
आदमी ताहीं मार दिया मन्नै भी मार देणा चाहवै सै?' 29 या बात सुणकै मूसा नबी डरकै भाज्या अर
मिधान देश म्ह परदेशी होकै रहण लाग्या, अर ओड़ै उसके दो बेट्टे पैदा होए।"

30 "जिब मूसा ताहीं ओड़ै रहन्दे पूरे चाळीस साल बीतगे, तो परमेसवर नै एक सुर्गदूत के रूप म्ह
सीनै पहाड़ के बण म्ह उस ताहीं बळदी होई झाड़ी की ज्वाला म्ह दर्शन दिया। 31 मूसा नबी नै यो
बळदी होई झाड़ी का दर्शन देखकै हैरानी होई, अर जिब देखण खात्तर लोवै गया, तो प्रभु की या
वाणी सुणाई दी, 32 'मै तेरे पूर्वज, अब्राहम, इसहाक, याकूब का परमेसवर सूं,' फेर मूसा नबी डर
के मारे काम्बग्या, उरै ताहीं के उसकी देखण की हिम्मत भी कोनी होई।"

33 "फेर प्रभु नै मूसा नबी तै कह्या, 'अपणे पायां तै जूत्ती उत्तार ले, क्यूँके जिस जगहां तू खड्या
सै, वा पवित्र धरती सै। 34 मन्नै साच्ये अपणे आदमियाँ की जो मिस्र देश म्ह सै, भुन्ड़ी हालत
देक्खी सै, अर उनकी आह अर उनका रोणा सुण्या सै, ज्यांतै उन ताहीं छुड़ाण कै खात्तर उतरया सूं।
इब आ, मै तन्नै मिस्र देश भेज्जूँगा।' "

35 "जिस मूसा नबी ताहीं उननै न्यू कहकै नकारा दिया था, 'तेरे ताहीं किसनै म्हारै पै हाकिम अर
न्यायाधीश ठहराया सै?' उस्से ताहीं परमेसवर नै हाकिम अर छुड़ाण आळा ठहराकै उस सुर्गदूत
के जरिये जिसनै उस ताहीं झाड़ी म्ह दर्शन दिया था, भेज्या। 36 योए माणस मिस्र देश अर लाल
समुन्दर अर जंगळ म्ह चाळीस साल ताहीं अनोक्खे काम अर चमत्कार दिखा-दिखाकै उन ताहीं
लिकाड़ ल्याया।"

37 यो वोए मूसा नबी सै, जिसनै इस्राएल के माणसां तै कह्या, "परमेसवर थारे भाईयाँ म्ह तै थारे
खात्तर मेरै जिसा एक नबी ठावैगा। 38 यो वोए सै, जिसनै जंगळ म्ह इस्राएली मण्डळी कै बिचाळै
उस सुर्गदूत के साथ सीनै पहाड़ पै उसतै बात करी, अर म्हारे पूर्वजां कै गेल्या था, उस्से ताहीं जिन्दा
वचन मिल्या ताके म्हारै तक पोहोचावै।"

39 पर म्हारे पूर्वजां नै उसकी मानणी कोनी चाह्यी, बल्के उस ताहीं हटाकै अपणे मन मिस्र देश
की ओड़ पलटे, 40 अर मूसा नबी कै भाई हारुन तै, कह्या, म्हारै खात्तर इसा देवता बणा, जो म्हारै
आग्गै-आग्गै चाल्लै, क्यूँके यो मूसा नबी जो हमनै मिस्र देश तै लिकाड़ ल्याया, हमनै न्ही बेरा
के उसकै के होया? 41 उन दिनां म्ह उननै एक बाछड़े की मूर्ति बणाकै उसकै आग्गै बलि चढ़ाई, अर
अपणे हात्थां तै बणाई होई मूर्ति तै मग्न होण लाग्गे। 42 इस खात्तर परमेसवर नै मुँह मोड़कै उन
ताहीं छोड़ दिया, के अकास के सूरज चाँद सितारां ताहीं परमेसवर मानकै पुजै, जिसा नबियाँ की
किताब म्ह लिख्या सै, "हे इस्राएल के घराने, के थम जंगळ म्ह चाळीस साल ताहीं पशुबलि अर
अन्नबलि मेरै ताहीं ए चढ़ान्दे रहे?"

43 "थम उस तम्बू ताहीं जिस म्ह मोलेक देवता की मूर्ति अर अपणे रिफान देवता, के तारे नै लिये
फिरे, यानिके उन मूरतां ताहीं जिन ताहीं थमनै आराधना करण कै खात्तर बणाया था। इस करकै मै
थारे ताहीं बेबीलोन देश तै परली ओड़ ले जाकै बसाऊँगा।"

44 “मिलापआळे तम्बू की जंगल-बियाबान म्ह म्हारै पूर्वजां कै बिचाळै था, जिसा उसनै ठहराया
जिसनै मूसा नबी तै कह्या, ‘जो रूप तन्नै देख्या सै, उसकै मुताबिक इसनै बणा।’ 45 उस्से तम्बू नै
म्हारे पूर्वज पाच्छले बखत तै पाकै यहोशू कै गेल्या उरै लियाये, जिस बखत के उननै उन दुसरी जात्तां
पै हक पाया, जिन ताहीं परमेसवर नै म्हारै पूर्वजां कै स्याम्ही तै लिकाड़ दिया, अर वो तम्बू राजा
दाऊद के बखत ताहीं रहया। 46 दाऊद पै परमेसवर नै अनुग्रह करया, राजा दाऊद नै याकूब के
परमेसवर कै खात्तर रहण की जगहां बणाण की बिनती करी। 47 पर उसके बेट्टे राजा सुलैमान नै
उसकै खात्तर घर बणाया।”
48 पर परमप्रधान हाथ के बणाए होए घरां म्ह कोनी रहन्दा, जिसा के यशायाह नबी की किताब
म्ह कह्या,
49 “परमेसवर कहवै सै, सुर्ग मेरा सिंहासन अर धरती मेरी पायां तळै की पीढ़ी सै, मेरै खात्तर थम
किस ढाळ का घर बणाओगे? अर मेरै आराम कि कौण-सी जगहां होवैगी?”
50 के ये सारी चीज मेरे जरिये न्ही बणाई गई सै?
51 “हे जिद्दी, अर मन अर कान के खतनारहित आदमियो, थम सारी हाण पवित्र आत्मा का
बिरोध करो सो। जिसा थारे पूर्वज करै थे, उस्से तरियां ए थम भी करो सो। 52 के कोए इसा भी नबी
था, जिस ताहीं थारे पूर्वजां नै न्ही सताया हो? उननै तो उस ताहीं भी मार दिया, जिननै भोत पैहले
ए तै उस मसीहा के आण की मुनाद्दी कर दी थी, जिस ताहीं इब थमनै धोक्खे तै पकड़वा दिया अर
मार दिया। 53 थमनै सुर्गदूत्तां कै जरिये ठहराये होए नियम-कायदे तो पाए, पर उसका पालन कोनी
करया।”

[illegible]

54 ये बात सुणकै यहूदी अगुवें छो म्ह भरगे अर स्तिफनुस पै दाँत पिस्सण लाग्गे। 55 पर उसनै
पवित्र आत्मा तै पूरी तरियां भरकै सुर्ग की ओड़ देख्या अर परमेसवर की महिमा अर यीशु ताहीं
परमेसवर के सोळी ओड़ खडया देखकै 56 कह्या, “देक्खो, मै सुर्ग नै खुल्या होया, अर माणस के बेट्टे
ताहीं परमेसवर कै सोळी ओड़ खडया देखु सूं।”
57 फेर ये बात सुणते ए सुणण आळा नै चीखते होए अपणे कान्ना पै हाथ रख लिये, अर वे छो म्ह
एक साथ उसपै टूट पड़े, 58 अर स्तिफनुस ताहीं यरुशलेम नगर कै बाहरणै लिकाड़कै उसपै पत्थर
बरसाण लाग्गे। गवाहां नै अपणे लत्ते शाऊल नामक एक जवान कै पायां कै धोरै उतारकै धर दिए।
59 वे स्तिफनुस पै पत्थर बरसान्दे रहे, अर वो न्यू कहकै प्रार्थना करदा रह्या, “हे प्रभु यीशु,
मेरी आत्मा ताहीं अपणाले।” 60 फेर गोड्डे टेककै ठाड्डू आवाज म्ह रुक्का मारया, “हे प्रभु, यो
पाप उनपै मतना ला।” अर न्यू कह कै उसनै अपणे प्राण दे दिए।

8

[illegible]

1 शाऊल उसकै मारण म्ह सहमत था। उस्से दिन यरुशलेम नगर की कलीसिया म्ह घणा दंगा शरु
होग्या अर प्रेरितां नै छोड़कै सारे के सारे यहूदिया अर सामरिया परदेस म्ह खिंड-मिंड होग्ये। 2 कुछ
परमेसवर भगतां नै स्तिफनुस ताहीं कब्र म्ह धरया अर उसकै खात्तर घणा बिलाप करया। 3 शाऊल
कलीसिया नै सताण लागरया था, अर घर-घर म्ह बड़कै माणसां अर लुगाईयाँ ताहीं घिसड़ा-घिसड़ा
कै जेळ म्ह गेरै था।

[illegible]

4 जो बिश्वासी खिंड-मिन्ड होए थे, वे सुसमाचार सुणान्दे होए हान्डे, 5 अर फिलिप्पुस सामरिया
परदेस के एक नगर म्ह जाकै माणसां म्ह मसीह का प्रचार करण लाग्या। 6 जो बात फिलिप्पुस नै
कही उन ताहीं आदमियाँ नै सुणकै अर जो चमत्कार वो दिखावै था उन ताहीं देख देखकै, एक चित्त
होकै मन लगाया। 7 क्यूँके घणखरयां म्ह तै भुंडी ओपरी आत्मा ठाड्डू आवाज म्ह किल्की मारदी

होई लिकड़ग्यी, अर घणखरे लकवे के बीमार अर लंगड़े भी ठीक करे गये, 8 अर उस नगर म्ह घणी
खुशी मनाई गई।

[illegible]

9 उस नगर म्ह शमौन नाम का एक माणस था, जो जादू-टोणा करकै सामरिया परदेस के आदमियाँ
नै हैरान करदा अर खुद ताहीं एक बड्ड़ा माणस बतावै था। 10 छोटचा तै लेकै बड्डयाँ ताहीं सारे
उसका आदर करकै कहवै थे, "यो माणस परमेसवर की वा शक्ति सै, जो महान् कुह्वावै सै।" 11 उसनै
घणे दिनां तै उन ताहीं अपणे जादू के काम्मां तै हैरान कर राख्या था, ज्यांतै वे उसकी घणी मान्नै
थे। 12 पर जिब माणसां नै परमेसवर के राज्य अर यीशु मसीह के नाम का सुसमाचार, फिलिप्पुस के
संदेश म्ह सुण्या, तो सारे माणसां अर लुगाईयाँ नै बिश्वास करया अर सब नै बपतिस्मा ले लिया।
13 फेर शमौन नै खुद भी फिलिप्पुस के संदेश का बिश्वास करया अर बपतिस्मा लेकै उसकै गेल्या
रहण लाग्या। वो चमत्कार अर बड़े-बड़े सामर्थ के काम होन्दे देखकै हैरान होवै था।

[illegible]

14 जिब प्रेरितां नै जो यरुशलेम नगर म्ह थे, सुण्या के सामरिया परदेस के माणसां नै परमेसवर
का वचन मान लिया सै तो पतरस अर यूहन्ना ताहीं उनकै धोरै भेज्या। 15 उननै ओड़ै जाकै उनकै
खात्तर प्रार्थना करी के पवित्र आत्मा पावै। 16 क्यूँके वो इब ताहीं इन म्ह तै किसे पै भी कोनी
उतरया था, उननै तो सिर्फ प्रभु यीशु कै नाम तै बपतिस्मा लिया था। 17 फेर प्रेरितां नै उनपै हाथ
धरे अर उननै पवित्र आत्मा पाया।

18 जिब शमौन नै देख्या के प्रेरितां कै हाथ धरण तै पवित्र आत्मा दिया जावै सै, तो उनकै धोरै
रपिये ल्याकै कह्या, 19 "या शक्ति मन्नै भी द्यो, के जिस किसे पै हाथ धरुँ वो पवित्र आत्मा पावै।"

20 पतरस नै उसतै कह्या, "तेरे रपिये तेरे गेल्या नाश होज्या, क्यूँके तन्नै परमेसवर का दान रपियाँ
तै मोल लेण का विचार करया। 21 इस बात म्ह ना तेरा हिस्सा सै, ना हक, क्यूँके तेरा मन परमेसवर
कै आग्गै सच्चा कोनी। 22 इस करकै अपणी इस बुरी सोच नै छोड़कै प्रभु तै प्रार्थना कर, हो सकै
सै वो तेरे मन का यो बुरा विचार माफ करदे। 23 क्यूँके मै देक्खूँ सूं के तू कड़वाहट तै भरया सै अर
पाप के चुंगल म्ह फँसा सै।"

24 शमौन नै जवाब दिया, "थम मेरै खात्तर प्रभु तै प्रार्थना करो के जो बात थमनै कही, उन म्ह
तै कोए भी मेरै पै न्ही आवै।"

25 आखर म्ह वे गवाही देकै प्रभु यीशु का वचन सुणाकै यरुशलेम नगर नै बोहड़गे, अर सामरिया
के घणखरे गाम्मां म्ह सुसमाचार सुणान्दे गये।

[illegible]

26 फेर प्रभु कै एक सुर्गदूत नै फिलिप्पुस तै कह्या, "उठ अर दक्षिण की ओड़ उस राह पै जा, जो
यरुशलेम नगर तै गाज़ा नगर म्ह जावै सै।" यो बियाबान राह सै। 27 वो उठकै चल दिया, अर देक्खो,
कूश देश का एक माणस आण लागरया था जो खोजा (किन्नर) अर कूशियों की राणी कन्दाके का
मंत्री अर खजांची था। वो आराधना करण खात्तर यरुशलेम नगर म्ह आया था। 28 वो अपणे रथ पै
बेठ्या होया था, अर यशायाह नबी की किताब पढ़दा होया बोहड़ण लागरया था। 29 फेर पवित्र
आत्मा नै फिलिप्पुस ताहीं कह्या, "लोवै जाकै इस रथ कै गेल्या हो ले।"

30 फिलिप्पुस दौड़ कै रथ कै धोरै पोहचा अर उस ताहीं यशायाह नबी की किताब पढ़ते होए
सुण्या, अर बुझ्झया, "तू जो पढ़ै सै, के उसनै समझै भी सै?"

31 वो बोल्या, "जिब ताहीं कोए मेरै ताहीं न्ही समझावै तो मै किस ढाळ समझूँ।" अर फिलिप्पुस
तै बिनती करी के वो रथ पै चढ़कै उसकै धोरै बेठ्ठै।

32 पवित्र ग्रन्थ का जो पाठ वो पढ़ै था, वो यो था: "वो भेड़ की ढाळ मारण खात्तर पोहचाया
गया, अर जिस तरियां मेम्ना अपणे ऊन काट्टण आळा कै स्याम्ही बोल-बाल्ला रहवै सै, उस्से
तरियां ए उसनै भी अपणा मुँह कोनी खोल्या।"

33 “उस ताहीं अपमानित करया गया अर उस ताहीं कोए न्याय न्ही मिल्या। उसकै बखत के
माणसां का ब्यौरा कौण देवैगा? क्यूँके धरती तै उसका प्राण ठा लिया जावै सै।”
34 इसपै खोजे (किन्नर) नै फिलिप्पुस तै बुझ्झया, “मै तेरे तै बिनती करुँ सूं, न्यू बता के नबी यो
किसकै बारै म्ह कहवै सै, अपणे या किसे दुसरे कै बारै म्ह?” 35 फेर फिलिप्पुस नै बताणा शरु करया,
अर इस्से पवित्र ग्रन्थ तै शरु करकै उस ताहीं यीशु का सुसमाचार सुणाया।
36 राह म्ह चाल्दे-चाल्दे वे किसे तालाब कै धोरै पोहचे। फेर खोजे नै कह्या, “लखा उरै पाणी सै,
इब मन्नै बपतिस्मा लेण म्ह के रोक सै।” 37 फिलिप्पुस बोल्या, “जै तू पूरे मन तै बिश्वास करै सै तो
ले सकै सै।” उसनै जवाब दिया, “मै बिश्वास करुँ सूं के यीशु मसीह परमेसवर का बेट्टा सै।” 38 फेर
उसनै रथ खड्या करण का हुकम दिया, अर फिलिप्पुस अर खोजा (किन्नर) दोन्नु तालाब म्ह बड़गे,
अर उसनै खोजा (किन्नर) ताहीं बपतिस्मा दिया। 39 जिब वे पाणी म्ह तै लिकड़कै ऊपरान आये, तो
प्रभु का आत्मा फिलिप्पुस ताहीं ठा लेग्या, अर खोजे नै उस ताहीं दुबारा न्ही देख्या, अर वो खुश
था क्यूँके परमेसवर नै उस ताहीं बचा लिया सै। 40 फिलिप्पुस अशदोद नगर म्ह आ लिकड़या, अर
जिब ताहीं कैसरिया नगर म्ह न्ही पोंहच्या, तब तक नगर-नगर सुसमाचार सुणान्दा गया।

9

[illegible]

1 शाऊल जो इब ताहीं प्रभु यीशु के चेल्यां ताहीं धमकाण अर मारण की धुन म्ह था, महायाजक
कै धोरै गया 2 अर उसतै दमिश्क नगर के आराधनालयाँ कै नाम पै इस बाबत म्ह चिट्ठियाँ माँगी
के, के चाहे माणस हो, चाहे लुगाई हो, जिन नै वो इस पंथ म्ह पावै उन ताहीं बाँधकै यरुशलेम
नगर लियावै। 3 पर चाल्दे-चाल्दे जिब शाऊल अर उसके साथी दमिश्क नगर कै लोवै पोहुच्ये, तो
चाणचक अकास तै उसकै चौगरदे नै चाँदणा चमक्या, 4 अर वो धरती पै पड़ग्या अर परमेसवर का
यो शब्द सुण्या, “हे शाऊल, हे शाऊल, तू मन्नै क्यांतै सतावै सै?”
5 उसनै बुझ्झया, “हे प्रभु, तू कौण सै?” उसनै कह्या, “मै यीशु सूं, जिस ताहीं तू सतावै सै। 6 पर
इब उठकै नगर म्ह जा, अर जो तन्नै करणा सै वो तेरे तै कह्या जावैगा।”
7 जो माणस उसकै गेल्या थे, वे हैरान रहग्ये, क्यूँके बोल तो सुणै थे पर किसे ताहीं देक्खै कोनी
थे। 8 फेर शाऊल धरती पै तै उठ्या, पर जिब आँख खोल्ली तो उस ताहीं किमे कोनी दिख्या, अर वे
उसका हाथ पकड़कै दमिश्क नगर म्ह ले गये। 9 वो तीन दिन ताहीं कोनी देख सक्या, अर ना खाया
अर ना पिया।
10 दमिश्क नगर म्ह हनन्याह नामक एक चेल्ला था, उसतै प्रभु यीशु नै दर्शन म्ह कह्या, “हे
हनन्याह!” वो बोल्या, “हाँ, प्रभु!”
11 फेर प्रभु नै उसतै कह्या, “उठकै उस गळी म्ह चल्या जा जो ‘सीध्धी’ कुह्वावै सै, अर यहूदा कै
घर म्ह शाऊल नामक एक तरसुसवासी नै बुझ, क्यूँके देख, वो प्रार्थना करण लागरया सै, 12 अर
उसनै दर्शन म्ह हनन्याह नामक एक माणस ताहीं भीत्तर आन्दे अर अपणे उप्पर हाथ धरदे देख्या
सै, ताके दुबारा आँखां की रोशनी पावै।”
13 हनन्याह नै जवाब दिया, “हे प्रभु, मन्नै इस माणस कै बारै म्ह घणाए तै सुण्या सै के इसनै
यरुशलेम नगर म्ह तेरे आदमियाँ गेल्या बड्डी-बड्डी बुराई करी सै, 14 अर उरै भी इस ताहीं प्रधान
याजकां की ओड़ तै हक मिल्या सै के जो माणस तेरे म्ह बिश्वास राक्खै सै, उन सारया नै बाँधकै
यरुशलेम ले जा।”
15 पर प्रभु नै उसतै कह्या, “तू चल्या जा, क्यूँके वो तो गैर यहूदी अर राजयां अर इस्राएलियों
कै स्याम्ही मेरा नाम का प्रचार करण कै खात्तर चुण्या होया पात्र सै। 16 अर मै उसनै बताऊँगा,
के मेरै बारें बताण कै खात्तर उसनै किसा-किसा दुख ठाणा पड़ैगा।”
17 फेर हनन्याह उठकै उस घर म्ह गया जड़ै शाऊल रुक्या था, अर उसपै अपणा हाथ धरकै कह्या,
“हे भाई शाऊल, प्रभु, यानिके यीशु, जो उस राह म्ह, जिसतै तू आया तेरे ताहीं दिखया था, उस्से नै

मेरै ताहीं भेज्या सै के तू दुबारा आँखां की रोशनी पावै अर पवित्र आत्मा तै भरया-पूरा हो जावै।”
18 अर जिब्बे उसकी आँखां तै छिल्के-से पड़े अर वो देखण लाग्या, अर उठकै बपतिस्मा लिया,

[illegible]

19 फेर खाणा खाकै हिम्मत पाई। शाऊल कई दिन उन चेल्यां कै गेल्या रहया जो दमिश्क नगर
म्ह थे। 20 अर वो जिब्बे दमिश्क नगर के आराधनालयाँ म्ह यीशु का प्रचार करण लाग्या, के वो
परमेसवर का बेट्टा सै। 21 सारे सुणण आळे हैरान होकै कहण लाग्गे, “के यो वोए माणस न्ही सै जो
यरुशलेम नगर म्ह उन ताहीं जो यीशु मसीह के बिश्वासी थे, उनका नाश करया करै था, अर उरै
भी इस्से खात्तर आया था, के उननै बाँधकै प्रधान याजकां कै धोरै ले जावै?” 22 पर शाऊल और भी
सामर्थी होंदा गया, अर इस बात का सबूत दे-देकै, के मसीह यीशु-ए सै, दमिश्क नगर के रहणीये
यहूदियाँ का मुँह बन्द करदा रहया।

23 जिब शाऊल नै ओड़ै रहन्दे होए भोत दिन बीतगे, तो यहूदियाँ नै मिलकै उस ताहीं मारण की
साजस रची। 24 पर उनकी साजिस का शाऊल नै बेरा पाटग्या। वे तो उसनै मारण खात्तर रात-दिन
फाटकां पै घात म्ह लाग्गे रहवैं थे। 25 पर रात नै उसके चेल्यां नै उस ताहीं टोकरे म्ह बिठाया, अर
दमिश्क नगर की चारदीवारी पै तै लटकाकै उतार दिया।

[illegible]

26 यरुशलेम नगर म्ह पोहचकै शाऊल नै चेल्यां कै गेल्या मिल जाण की कोशिश करी, पर सारे
उसतै डरै थे, क्यूँके उननै बिश्वास कोनी होवै था, के वो भी चेल्ला सै। 27 पर बरनबास नै उस ताहीं
अपणे गेल्या प्रेरितां कै धोरै ले जाकै उन ताहीं बताया के इसनै किस ढाळ तै राह म्ह प्रभु यीशु
ताहीं देख्या, अर यीशु नै इसतै बात करी, फेर दमिश्क नगर म्ह इसनै किस तरियां हिम्मत दिखाकै
यीशु कै नाम का प्रचार करया। 28 वो उनकै गेल्या यरुशलेम नगर म्ह आन्दा-जान्दा रहया 29 अर
बेधड़क होकै प्रभु का नाम तै प्रचार करै था, अर यूनानी भाषा बोल्लण आळे यहूदियाँ कै गेल्या
बोलचाल अर बहस करै था, पर वे उसनै मारण की कोशिश करण लाग्गे। 30 न्यू जाणकै भाई उस
ताहीं कैसरिया नगर लिआये, अर तरसुस नै भेज दिया।

31 इस तरियां सारे यहूदिया परदेस, अर गलील परदेस, अर सामरिया परदेस की कलीसिया नै
चैन मिल्या, अर उसकी बढ़ोतरी होन्दी गई, अर वा प्रभु कै भय अर पवित्र आत्मा की शान्ति म्ह
चाल्दी अर बढ़दी गई।

[illegible]

32 फेर इसा होया के पतरस हरेक जगहां हांडदा होया, उन पवित्र आदमियाँ कै धोरै भी पोंहच्या
जो लुद्दा नगर म्ह रहवैं थे। 33 ओड़ै उसनै एनियास नामक लकवे का रोग्गी एक माणस मिल्या, जो
आठ साल तै खाट पै पड्या था। 34 पतरस नै उसतै कह्या, “हे एनियास! यीशु मसीह तन्नै ठीक करै
सै। उठ, अपणा बिछ्याणा ठा।” फेर वो जिब्बे उठ खड्या होया। 35 फेर लुद्दा नगर अर शारोन के सारे
रहणीये उस ताहीं देखकै प्रभु की ओड़ फिरे।

36 याफा नगर म्ह तबीता यानिके दोरकास नाम की एक बिश्वासण रहवै थी। वा घणे भले-भले
काम अर दान करया करै थी। 37 उन्हे दिनां म्ह जिब पतरस लुद्दा नगर म्ह था, तो वा बीमार होकै
मरग्यी, अर उननै उस ताहीं नुह्वाकै चुबारै पै धर लिया। 38 लुद्दा नगर याफा नगर कै धोरै था, चेल्यां
नै न्यू सुणकै पतरस ओड़ै सै, दो माणस भेजकै उसतै बिनती करी, “म्हारै धोरै आण म्ह वार ना लावै।”

39 फेर पतरस उठकै उसकै गेल्या हो लिया, अर जिब वो पोंहच्या तो वे उसनै उस चौबारे म्ह ले
गये। सारी बिधवां रोंदी होई उसकै धोरै आण खड़ी होई, अर जो कुड़ते अर लत्ते दोरकास नै उनकै
गेल्या रहंदे होए बणाए थे, दिखाण लाग्गी।

40 फेर पतरस नै सारया ताहीं बाहरणै कर दिया, अर गोड्डे टेक कै प्रार्थना करी अर लाश की
ओड़ लखाकै कह्या, “हे तबीता, उठ!” फेर उसनै अपणी आँख खोल दी, अर पतरस ताहीं देखकै उठ
बेठ्ठी। 41 उसनै हाथ बढ़ाकै उस ताहीं ठाया, अर पवित्र आदमी अर बिधवायाँ ताहीं बुलाकै उस

ताहीं जिन्दा दिखा दिया। 42 या बात साब्बत याफा नगर म्ह फैलग्यी, अर घणखरयां नै प्रभु यीशु
पै बिश्वास करया। 43 अर पतरस याफा नगर म्ह शमौन नामक किसे चमड़े का धन्धा करणीये कै उरै
घणे दिनां ताहीं रहया।

10

[illegible]

1 कैसरिया नगर म्ह कुरनेलियुस नाम का एक माणस था, जो इतालियानी नामक पलटन का
सूबेदार था। 2 वो भगत था, अर अपणे साब्ते कुण्बे सुधा परमेसवर तै डरै था, अर गरीब यहूदी
आदमियाँ ताहीं घणा दान देवै था, अर बराबर परमेसवर की प्रार्थना करै था। 3 उसनै दिन कै बजे कै
लोवै दर्शन म्ह साफ तौर तै देख्या के परमेसवर का एक सुर्गदूत उसकै धोरै भीत्तर आकै कहवै सै,
"हे कुरनेलियुस!"

4 कुरनेलियुस नै उस ताहीं गौर तै देख्या अर डरकै कह्या, "हे प्रभु, के हुकम सै?" उसनै उसतै
कह्या, "तेरी प्रार्थनाएँ अर तेरे दान याद कै खात्तर परमेसवर कै स्याम्ही पोहचे सै, 5 अर याफा नगर
म्ह माणस भेजकै शमौन नै, जो पतरस कुह्वावै सै, बुलवा ले। 6 वो शमौन, चमड़े का धन्धा करण
आळे कै उरै मेहमान सै, जिसका घर समुन्दर कै किनारे सै।"

7 जिब वो सुर्गदूत जिसनै उसतै बात करी थी चल्या गया, तो कुरनेलियुस नै दो नौक्कर, अर जो
उसकै लोवै हाजिर रहया करै थे उन म्ह तै एक भगत सिपाही ताहीं बुलाया, 8 अर उन ताहीं सारी
बात बताकै याफा नगर की ओड़ भेज्या, ताके पतरस ताहीं ले आवै।

[illegible]

9 दुसरे दिन जिब वे तीन आदमी जो कुरनेलियुस जरिये भेज्जे गये थे, चाल्दे-चाल्दे नगर कै धोरै
पोहचे, तो दोफारी कै लोवै पतरस छात पै प्रार्थना करण चढ़या। 10 उसनै भूख लाग्गी अर कुछ
खाणा चाहवै था, पर जिब वे खाणा त्यार करै थे तो वो बेसुध होग्या, 11 अर उसनै देख्या, के अकास
खुलग्या, अर एक बड्डी चाद्दर च्यारु कुणयां तै लटकदी होई, धरती की ओड़ उतरै सै। 12 जिस म्ह
धरती के सारे ढाळ के चार पैरां आळे अर रेंगणेआळे जिनोर अर अकास के पंछी थे। 13 उसनै एक
इसा बोल सुण्या, "हे पतरस उठ, मार अर खा।"

14 पर पतरस नै कह्या, "ना प्रभु, कती भी न्ही, क्यूँके मन्नै कदे कोए अशुद्ध चीज न्ही खाई सै।"

15 फिर दुसरी बर उस ताहीं बोल सुणाई दिया "जो किमे परमेसवर नै शुद्ध कर दिया सै, उस ताहीं
अशुद्ध मतना कहवै।"

16 तीन बर इस तरियां ए होया, फेर जिब्बे वा चाद्दर अकास म्ह ठा ली गई।

17 जिब पतरस अपणे मन म्ह दुबिध्या म्ह था, के यो दर्शन जो मन्नै देख्या इसका के मतलब हो
सकै सै, तो देक्खो, वे माणस जिन ताहीं कुरनेलियुस नै भेज्या था, शमौन कै घर का पता लगाकै
दरबाजे पै आण खड़े होए, 18 अर रुक्का मारकै बुझ्झण लाग्गे, "के शमौन जो पतरस कुह्वावै सै,
याड़ैए सै के?"

19 पतरस तो उस दर्शन पै सोचण ए लागरया था, के पवित्र आत्मा नै उसतै कह्या, "देख, तीन
माणस तेरी टोह् म्ह सै। 20 आखर उठकै तळै जा, अर बेझिझक उनकै गेल्या हो ले, क्यूँके मन्नै ए
उन ताहीं भेज्या सै।"

21 फेर पतरस नै उतरकै उन माणसां ताहीं कह्या, "देक्खो, जिसकी टोह् म्ह थम सो, वो मै सूं। थारे
आण का के कारण सै?"

22 वे बोल्ले, "कुरनेलियुस सूबेदार जो धर्मी अर परमेसवर तै डरणआळा अर सारी यहूदी जात म्ह
नाम्मी माणस सै, उसनै एक पवित्र सुर्गदूत तै यो निर्देश पाया सै के तेरे ताहीं अपणे घरां बुलाकै
तेरे तै वचन सुणै।" 23 फेर उसनै उन ताहीं भीत्तर बुलाकै उनकी मेहमान-नवाजी करी।

[illegible]

दुसरे दिन वो उनकै गेल्या गया, अर याफा नगर के बिश्वासी भाईयाँ म्ह तै कुछ उसकै गेल्या हो
लिए।
24 आगले दिन वे कैसरिया नगर पोहचे, अर कुरनेलियुस अपणे कुण्बे आळा अर प्यारे साथियाँ
ताहीं कठ्ठा करकै उनकी बाट देक्खै था। 25 जिब पतरस भीत्तर आवै था, तो कुरनेलियुस उसतै
मिल्या, अर उसकै पायां म्ह पड़कै उस ताहीं प्रणाम करया, 26 पर पतरस नै उस ताहीं ठा कै कह्या,
"खडचा हो, मै भी तो माणस सूं।"
27 अर उसकै गेल्या बतळान्दा भीत्तर गया, अर घणे आदमियाँ ताहीं कठ्ठे देखकै 28 पतरस नै
उनतै कह्या, "थमनै बेरा सै के हम यहूदियाँ कै खात्तर गैर यहूदियाँ तै संगति करणा या उसकै उरै
जाणा कानून के खिलाफ सै, पर परमेसवर नै मेरै तै बताया सै के किसे माणस ताहीं अपवित्र या
अशुद्ध ना कहूँ। 29 ज्यांतै मै जिब बुलाया गया तो बिना कुछ कहे चल्या आया। इब मै बुझ्झु सूं के
मेरै ताहीं किस काम कै खात्तर बुलाया गया?"
30 कुरनेलियुस बोल्या, "इस्से घड़ी, पूरे चार दिन होए, मै अपणे घर म्ह दोफाहरै पाच्छै तीन बजे
प्रार्थना करण लागरया था, तो एक माणस चमकीला बाणा पहरे होए, मेरै स्याम्ही आण खडचा
होया 31 अर कहण लाग्या, 'हे कुरनेलियुस, तेरी प्रार्थनाएँ अर तेरे दान याद कै खात्तर परमेसवर कै
स्याम्ही पोहचे सै। 32 इस करकै किसे नै याफा नगर भेजकै शमौन जो पतरस कुह्वावै सै, बुलवा ले।
वो शमौन, चमड़े का धन्धा करण आळे कै उरै मेहमान सै, जिसका घर समुन्दर कै किनारे सै।' 33 फेर
मन्नै जिब्बे तेरे धोरै आदमी भेज्जै, अर तन्नै भला करया जो आ ग्या। इब हम सारे उरै परमेसवर कै
स्याम्ही सां, ताके जो किमे परमेसवर नै तेरे तै कह्या उस ताहीं सुणां।"

[illegible]

34 फेर पतरस बोल्या, "इब मेरै पक्का यकिन होग्या के परमेसवर किसे का पक्षपात कोनी करदा,
35 बल्के हरेक जात म्ह जो परमेसवर तै डरै अर धर्म के काम करै सै, वो उसनै भावै सै। 36 थम
जाणो सों के परमेसवर नै इस्राएल के माणसां ताहीं अपणा संदेश भेज्जा, उसनै शान्ति के बारै
म्ह सुसमाचार सुणाया जो माणसां ताहीं यीशु मसीह पै बिश्वास करण कै जरिये मिलै सै। 37 वो
वचन थमनै बेरा सै, जो यूहन्ना के बपतिस्मा के प्रचार कै पाच्छै गलील परदेस तै शरु होकै साब्ते
यहूदिया परदेस म्ह फैलग्या। 38 परमेसवर नै किस तरियां तै यीशु नासरी ताहीं पवित्र आत्मा अर
सामर्थ तै अभिषेक करया, वो भलाई करदा अर सारया ताहीं जो शैतान के सताए होड़ थे, आच्छा
करदा फिरया, क्यूँके परमेसवर उसकै गेल्या था।"
39 "हम उन सारे काम्मां के गवाह सां, जो उसनै यहूदिया परदेस अर यरुशलेम नगर म्ह भी करे,
अर उननै उस ताहीं क्रूस पै लटकाकै मार दिया। 40 उस ताहीं परमेसवर नै तीसरे दिन जिन्दा करया,
अर जाहिर भी कर दिया सै, 41 सारे आदमियाँ पै न्ही बल्के उन गवाह पै जिन ताहीं परमेसवर नै
पैहल्या तै छाँट लिया था, यानिके म्हारै पै जिन नै उसकै मरे होया म्ह तै जिन्दा उठण कै पाच्छै
उसकै गेल्या खाया-पिया, 42 अर उसनै म्हारै ताहीं हुकम दिया के आदमियाँ म्ह प्रचार करो अर
गवाही द्यो, के यो वोए सै जिस ताहीं परमेसवर नै जिन्दा अर मरया होया का न्यायी ठहराया सै।
43 उसकी सारे नबी गवाही देवैं सै के जो कोए उसपै बिश्वास करैगा, उस ताहीं उसकै नाम तै पापां
की माफी मिलैगी।"

[illegible]

44 पतरस ये बात कहण ए लागरया था के पवित्र आत्मा वचन के सारे सुणण आळा पै उतर
आया। 45 अर जितने खतना करे होए बिश्वासी पतरस कै गेल्या आये थे, वे सारे हैरान होए के गैर
यहूदियाँ पै भी पवित्र आत्मा का दान ढाळा गया सै।
46 क्यूँके उननै उन ताहीं कई ढाळ की भाषा बोल्दे अर परमेसवर की बड़ाई करदे सुण्या। इसपै
पतरस नै कह्या, 47 "के कोए पाणी नै रोक सकै सै के ये बपतिस्मा ना पावै, जिननै म्हारै की ढाळ

परमेसवर की ओड़ तै पवित्र आत्मा पाया सै?” 48 अर उसनै हुकम दिया के उननै यीशु मसीह कै
नाम म्ह बपतिस्मा दिया जावै। फेर उननै उसतै बिनती करी के वो कुछ दिन और उनकै गेल्या रहवै।

11

[illegible]

1 फेर प्रेरितां अर बिश्वासी भाईयाँ नै जो यहूदिया परदेस म्ह थे सुण्या के गैर यहूदियाँ नै भी
परमेसवर का वचन मान लिया सै। 2 आखर म्ह जिब पतरस यरुशलेम नगर म्ह आया, तो खतना
किये होए आदमी उसतै बहस करण लाग्गे, 3 “तन्नै खतनारहित आदमियाँ कै उरै जाकै उनकै गेल्या
खाया।”
4 फेर पतरस नै उन ताहीं शरु तै आखर ताहीं सारा किमे कह सुणाया 5 “मै याफा नगर म्ह प्रार्थना
करण लागरया था, अर बेसुध होकै एक दर्शन देख्या के एक बड्डी चाद्दर च्यारु कुणयां तै लटकदी
होई, अकास तै उतरकै मेरै धोरै आई।” 6 जिब मन्नै उसपै गौर करया, तो उस म्ह धरती के चार पैरां
आळे अर बणपशु अर रेंगण आळे जिनोर अर अकास के पंच्छी देक्खे, 7 अर यो बोल भी सुण्या, “हे
पतरस उठ, मार अर खा।”
8 मन्नै कह्या, “ना प्रभु, ना, क्यूँके कोए अशुद्ध चीज मेरै मुँह म्ह कदे न्ही गई।”
9 इसकै जवाब म्ह अकास तै दुसरी बर आवाज होई, “जो किमे परमेसवर नै शुद्ध ठैहराया सै, उस
ताहीं अशुद्ध मतना कहवै।” 10 तीन बर इसा होया, फेर सारा किमे दुबारा अकास पै खींच लिया
गया।
11 जिब्बे तीन माणस जो कुरनेलियुस नै कैसरिया परदेस तै मेरै धोरै भेज्जे थे, उस घर पै जिसम्ह
हम थे, आण खड़े होए। 12 फेर पवित्र आत्मा नै मेरै तै बेझिझक होकै उनकै गेल्या जाण खात्तर
कह्या, अर छः भाई भी मेरै गेल्या हो लिये, अर हम उस माणस कै घरां गये। 13 उसनै म्हारै ताहीं
बताया, के उसनै एक सुर्गदूत ताहीं अपणे घर म्ह खड्या देख्या, जिसनै उसतै कह्या, “याफा नगर
म्ह माणस भेजकै शमौन ताहीं जो पतरस कुह्वावै सै, बुलवा ले। 14 वो थारे तै इसी बात कहवैगा,
जिनकै जरिये तू अर तेरा सारा घराना उद्धार पावैगा।”
15 जिब म्ह बात करण लाग्या, तो पवित्र आत्मा उनपै उस्से तरियां तै उतरया जिस तरियां तै
शरु म्ह म्हारै पै उतरया था। 16 फेर मन्नै प्रभु का यो वचन याद आया, जो उसनै कह्या था, “यूहन्ना
नै तो पाणी तै बपतिस्मा दिया, पर थम पवित्र आत्मा तै बपतिस्मा पाओगे। 17 इस खात्तर जिब
परमेसवर नै उन ताहीं भी वोए दान दिया, जो म्हारै ताहीं प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै
मिल्या था, तो मै कौण था जो परमेसवर नै रोक सकदा?”
18 यो सुणण कै बाद उसके जवाब म्ह वे यहूदी बिश्वासी कुछ भी न्ही बोल पाए, अर परमेसवर
की बड़ाई करकै कहण लाग्गे, “फेर तो परमेसवर नै गैर यहूदियाँ ताहीं भी अनन्त जीवन कै खात्तर
पापां की माफी अर यीशु मसीह पै बिश्वास करण का दान दिया सै।”

[illegible]

19 जो आदमी उस क्लेश के मारे जो स्तिफनुस कै कारण पड्या था, खिंड-मिंड हो गये थे, वे हांडदे-
हांडदे फीनीके परदेस अर साइप्रस टापू अर अन्ताकिया नगर म्ह पोहचे, पर यहूदियाँ नै छोड़ किसे
और ताहीं वचन कोनी सुणावै थे। 20 पर उन म्ह तै कुछ बिश्वासी साइप्रस टापू अर कुरेनवासी थे,
जो अन्ताकिया नगर म्ह आकै यूनानियाँ ताहीं भी प्रभु यीशु का सुसमाचार सुणाण लाग्गे। 21 प्रभु
का हाथ उनपै था, अर घणे आदमी बिश्वास करकै प्रभु की ओड़ फिरे।
22 जिब उनका जिक्र यरुशलेम नगर की कलीसिया के लोग्गां कै सुणण म्ह आया, तो उननै
बरनबास ताहीं अन्ताकिया नगर भेज्या। 23 वो उड़ै पोहचकै अर परमेसवर के अनुग्रह नै देखकै
राज्जी होया, अर सारया ताहीं उपदेश दिया के तन-मन लगाकै प्रभु तै लिपटे रहो। 24 वो एक भला
माणस था, अर पवित्र आत्मा अर बिश्वास तै पूरा भरया था, अर दुसरे घणखरे आदमी प्रभु म्ह
आ मिले।

25 फेर वो शाऊल नै टोह्ण कै खात्तर तरसुस नगर म्ह चल्या गया। 26 जिब वो उसतै मिल्या
तो उस ताहीं अन्ताकिया नगर ल्याया, अर इसा होया के वे एक साल ताहीं कलीसिया कै गेल्या
मिलदे अर प्रभु यीशु मसीह का घणे आदमियाँ ताहीं उपदेश देन्दे रहे, अर चेल्लें सारया तै पैहल्या
अन्ताकिया नगर ए म्ह मसीह कुहाए।
27 उननै दिनां म्ह कई नबी यरुशलेम नगर तै अन्ताकिया नगर आए। 28 उन म्ह तै अगबुस नामक
एक नबी नै खड़े होकै आत्मा की प्रेरणा तै न्यू बताया के सारी दुनिया म्ह बड्ड़ा अकाळ पड़ैगा, वो
अकाळ (रोम के सम्राट) क्लौदियुस के बखत म्ह पडया। 29 फेर चेल्यां नै फैसला लिया के हरेक
अपणी-अपणी पूंजी कै मुताबिक यहूदिया परदेस म्ह रहण आळे भाईयाँ की मदद कै खात्तर किमे
भेज्जै। 30 उननै इस तरियां ए करया, अर बरनबास अर शाऊल कै हाथ कलीसिया के अगुवां कै धोरै
कुछ भेज दिया।

12

???? ?? ??? ?? ??????

1 उस बखत हेरोदेस राजा नै कलीसिया के कई माणसां ताहीं सताण कै मकसद तै बन्दी बणा
लिया। 2 उसनै प्रेरित यूहन्ना के भाई याकूब ताहीं तलवार तै मरवा दिया। 3 जिब उसनै देख्या के
यहूदी माणस इसतै राज्जी होवै सै, तो उसनै पतरस ताहीं भी पकड़ लिया। वे अखमीरी रोट्टी के
त्यौहार के दिन थे। 4 हेरोदेस नै उस ताहीं पकड़कै जेळ म्ह गेरया, अर चार-चार सिपाहियाँ के चार
पहरया म्ह राख्या, इस विचार तै के फसह कै बाद उसनै आदमियाँ कै स्याम्ही ल्यावै।
5 जेळ म्ह पतरस बन्द था, पर कलीसिया उसकै खात्तर लौ लाकै परमेसवर तै प्रार्थना करण
लागरी थी।
6 जिब हेरोदेस राजा उसनै आदमियाँ कै स्याम्ही ल्याण आळा था, उस्से रात पतरस दो जंजीरां
तै बंध्या होड़ दो सिपाहियाँ कै बिचाळै सोण लागरया था, अर पहरेदार दरबाजे पै जेळ की रुखाळी
कररे थे। 7 तो देक्खो, प्रभु का एक सुर्गदूत आण खडया होया अर उस कोठड़ी म्ह चाँदणा चमक्या,
अर उसनै पतरस की पासळी पै हाथ मारकै उस ताहीं जगाया अर बोल्या, "उठ, तावळ कर।" अर
उसकै हात्थां तै बेड़ी खुलकै गिरगी।
8 फेर सुर्गदूत नै उसतै कह्या, "कमर बाँध, अर अपणे जूत्ते पहर ले।" उसनै उस्से ढाळ करया। फेर
उसनै उसतै कह्या, "अपणे लत्ते पहरकै मेरै पाच्छै हो ले।" 9 वो लिकड़कै उसकै पाच्छै हो लिया, पर
उसनै न्यू न्ही बेरा था के जो किमे सुर्गदूत कर रह्या सै वो साच्ची सै, बल्के न्यू समझै था के जणु मै
दर्शन देखण लागरया सूं। 10 फेर वे पैहल्या अर दुसरे पहरे तै लिकड़कै उस लोहे के फाटक पै पोहचे,
जो नगर की ओड़ सै। वो उनकै खात्तर अपणे-आप्पे खुलग्या, अर वे लिकड़कै एक गळी म्ह गए,
अर जिब्बे ए सुर्गदूत उसनै छोड़कै चल्या गया।
11 फेर पतरस नै चेत म्ह होकै कह्या, "इब मन्नै सच का बेरा पटया सै के प्रभु नै अपणा सुर्गदूत
भेजकै मेरै ताहीं हेरोदेस राजा के हात्थां तै छुड़ा लिया, अर यहूदी अगुवां की सारी मनसा पै पाणी
फेर दिया सै।"
12 न्यू जाणकै वो उस यूहन्ना की माँ मरियम कै घरां आया, जो मरकुस कुह्वावै सै। ओड़ै घणे
आदमी कठ्ठे होकै प्रार्थना करण लागरे थे। 13 जिब उननै दरबाजा खटखटाया, तो रूदे नामक एक
नौकराणी देखण नै आई। 14 पतरस का बोल पिच्छाणकै उसनै खुशी के मारे दरबाजा न्ही खोल्या,
पर भाजकै भीत्तर गई अर बताया के पतरस दरबाजे पै खडया सै।
15 उननै उसतै कह्या, "तू बावळी सै।" पर वा पूरे बिश्वास तै बोल्ली के पतरस ए सै। फेर उननै
कह्या, "उसका सुर्गदूत होगा।"
16 पर पतरस खटखटान्दा ए रहया आखर म्ह उननै दरबाजा खोल्या, अर उस ताहीं देखकै हैरान
होग्ये। 17 फेर उसनै उन ताहीं हाथ तै इशारा करया के बोल-बाल्ले रहवैं, अर उन ताहीं बताया के

प्रभु किस ढाळ उस ताहीं जेळ तै लिकाड़ ल्याया सै। फेर बोल्या, "याकूब अर दुसरे भाईयाँ नै या
बात बता दियो।" फेर लिकड़कै दुसरी जगहां चल्या गया।
18 तड़कैए जेळ के सिपाहियाँ म्ह घणी भगदड़ माचगी के पतरस कित्त गया। 19 जिब हेरोदेस
राजा नै उसकी टोहया-टाही करवाई अर न्ही मिल्या, तो पैहरेदारां की जाँच करकै हुकम दिया के वे
मार दिये जावै, अर वो यहूदिया परदेस नै छोड़कै कैसरिया नगर म्ह जाकै रहण लाग्या।

[illegible]

20 हेरोदेस राजा सूर अर सैदा नगर के लोग्गां तै घणा नाराज था। वे एक टोळ बणाकै उसतै
मिलण आये, राजा का एक खास कर्मचारी बलास्तुस ताहीं मनाकै राजा तै मेल करणा चाह्या, क्यूँके
राजा के देश म्ह उनकै देश का पालन-पोषण होवै था।
21 खास दिन पै हेरोदेस राजा राजसी-बाणा पहरकै सिंहासन पै बेठ्या, अर उन ताहीं खुलास्सा
करण लाग्या। 22 फेर आदमियाँ नै रुक्का मारया, "यो तो माणस का न्ही ईश्वर का बोल सै।" 23 उस्से
घड़ी प्रभु कै एक सुर्गदूत नै जिब्बे आकै हेरोदेस राजा ताहीं झिड़का, अर वो कीड़े पड़कै मरग्या।
क्यूँके उसनै परमेसवर की महिमा कोनी करी,
24 पर परमेसवर का वचन बढ़दा अर फैलदा गया।
25 जिब बरनबास अर शाऊल नै अपणी सेवा पूरी कर ली तो यूहन्ना जो मरकुस कुह्वावै था,
गेल्या लेकै यरुशलेम नगर तै बोहड़े।

13

[illegible]

1 अन्ताकिया नगर की कलीसिया म्ह कई नबी अर उपदेशक थे, यानी बरनबास, शमौन जो नीगर
(काळा आदमी) कुह्वावै सै, अर शाऊल अर कुरेनी लूकियुस, मनाहेम जिसका पालन-पोषण चौथाई
देश के राजा हेरोदेस कै गैल होया था। 2 जिब ये लोग प्रभु की आराधना अर ब्रत करण लागरे थे,
तो पवित्र आत्मा नै उनतै कह्या, "मेरै खात्तर बरनबास अर शाऊल नै उस काम कै खात्तर न्यारा
करो जिसकै खात्तर मन्नै उन ताहीं बुलाया सै।" 3 फेर उननै ब्रत अर प्रार्थना करकै अर उनपै हाथ
धरकै उन ताहीं परमेसवर के काम खात्तर बिदा करया।

[illegible]

4 शाऊल अर बरनबास पवित्र आत्मा के भेज्जै होए सिलूकिया बन्दरगाह गये, अर ओड़ै तै
जहाज पै चढ़कै साइप्रस टापू कान्ही चाल्ले, 5 अर सलमीस नगर म्ह पोहचकै, परमेसवर का वचन
यहूदियाँ के आराधनालयाँ म्ह सुणाया। यूहन्ना उनका सेवक था।
6 वे उस सारे टापू म्ह होन्दे होए पाफुस परदेस ताहीं पोहचे। ओड़ै उननै बारयीशु नामक एक यहूदी
जादूगर अर झूठ्ठा नबी मिल्या। 7 वो राज्यपाल सिरगियुस पौलुस कै गेल्या था, जो अकलमंद
माणस था। उसनै बरनबास अर शाऊल ताहीं अपणे धोरै बुलाकै परमेसवर का वचन सुणणा चाह्या।
8 पर इलीमास जादूगर नै (क्यूँके योए उसकै नाम का मतलब सै) उनका बिरोध करकै हाकिम ताहीं
यीशु पै बिश्वास करण तै रोकणा चाह्या। 9 फेर शाऊल नै जिसका नाम पौलुस भी सै, पवित्र आत्मा
तै पूरी तरियां भरकै उसकी ओड़ टकटकी लाकै देख्या अर बोल्या, 10 "हे सारे कपट अर सारी ढ़ाळ
कि चतुराई तै भरे होड़ शैतान की ऊलाद, सारे धर्मां के बैरी, के तू प्रभु के सीध्धी राही नै टेढ़ी करणा
न्ही छोड्डैगा?"
11 इब लखा, "प्रभु का हाथ तेरे बिरोध म्ह उठ्या सै, अर तू कुछ बखत ताहीं आन्धा रहवैगा
अर सूरज नै कोनी देक्खैगा।" फेर जिब्बे धुँधळापण अर अन्धेरा उसपै छा गया, वो आस्सै-पास्सै
टटोळण लाग्या ताके कोए उसका हाथ पकड़कै ले चाल्लै। 12 फेर हाकिम नै जो होया था उस ताहीं
देखकै अर प्रभु के उपदेश तै हैरान होकै यीशु पै बिश्वास करया।

[illegible]

13 पौलुस अर उसके मित्तर पाफुस परदेस तै पाणी का जहाज खोल कै पंफूलिया परदेस के पिरगा
नगर म्ह आये, अर यूहन्ना उननै छोड़के यरुशलेम नगर बोहड़ गया। 14 पिरगा नगर तै आग्गै
बढ़कै वे पिसिदिया परदेस के अन्ताकिया नगर म्ह पोहचे, अर आराम कै दिन आराधनालय म्ह जाकै
बैठग्ये। 15 मूसा के नियम-कायदे अर नबियाँ की किताब नै पढ़ण कै पाच्छै आराधनालय के सरदारां
नै उनकै धोरै कहवां भेज्या, "हे भाईयो, जै आदमियाँ के उपदेश कै खात्तर थारे मन म्ह कोए बात हो
तो कहो।"
16 फेर पौलुस नै खड़े होकै अर हाथ तै इशारा करकै कह्या, "हे इस्राएलियों, अर गैर यहूदी जो
परमेसवर तै डरण आळो, सुणो!"
17 इस्राएल के परमेसवर नै म्हारै पूर्वजां ताहीं छाँट लिया, अर जिब वे मिस्र देश म्ह परदेशी
होकै रहवै थे, तो उनकी बढ़ोतरी करी, अर अपणी शक्ति के दम पै उननै लिकाड़ ल्याया।
18 वो कोए चाळीस साल ताहीं जंगल-बियाबान म्ह उनकी सहण करदा रहया, 19 अर कनान देश
की सात जात्तां का नाश करकै उनका देश कोए साढ़े चार सौ साल म्ह इनकी वसियत म्ह कर दिया।
20 "इसकै बाद परमेसवर नै शमूएल नबी ताहीं उन म्ह न्यायाधीश ठहराया। 21 इसकै पाच्छै
उननै शमूएल तै उनपै एक राजा ठैहराण की माँग करी, फेर परमेसवर नै चाळीस साल कै खात्तर
बिन्यामीन के गोत्र म्ह तै एक माणस, यानिके कीश के बेट्टे शाऊल ताहीं उनपै राजा ठहराया।
22 फेर परमेसवर नै शाऊल ताहीं पद तै हटाकै दाऊद ताहीं उनका राजा बणाया, जिसकै बारै म्ह
उसनै गवाही दी, 'मन्नै एक माणस यिशै का बेट्टा दाऊद, जो मेरी इच्छा कै मुताबिक मिलग्या सै,
वोए मेरी सारी इच्छा पूरी करैगा।' "
23 इस्से पीढ़ी म्ह तै परमेसवर नै अपणे वादा कै मुताबिक इस्राएल कै धोरै एक उद्धारकर्ता,
यानिके यीशु भेज्या। 24 यीशु कै आण तै पैहल्या यूहन्ना नै सारे इस्राएलियाँ नै अपणे पाप मान
के परमेसवर की ओड़ मुड़ण का अर बपतिस्मा का प्रचार करया। 25 जिब यूहन्ना अपणी सेवा पूरी
करण पै था, तो उसनै कह्या, "थम मन्नै के समझो सो? मै मसीह कोनी! बल्के देक्खो, मेरै पाच्छै
एक आण आळा सै, जो भोत महान् सै, जिसके जूत्याँ के फित्ते भी मै खोल्लण जोग्गा कोनी।"
26 "हे भाईयो, थम जो अब्राहम की ऊलाद सो, अर थम गैर यहूदी जो परमेसवर तै डरो सो,
थारे धोरै इस उद्धार का वचन भेज्या गया सै। 27 यरुशलेम नगर के रहणआळो अर उनकै सरदारां नै,
ना मसीह यीशु ताहीं पिच्छाणा अर ना नबियाँ की बात समझी, जो हरेक आराम कै दिन पढ़ी जावै
सै, ज्यांतै उस ताहीं कसूरवार ठहराकै उन बात्तां नै पूरा करया। 28 उननै मारण कै जोग्गा कोए कसूर
उस म्ह कोनी पाया, फेरभी राज्यपाल पिलातुस तै बिनती करी, के वो मार दिया जावै। 29 जिब उननै
उसकै बारै म्ह पवित्र ग्रन्थ लिक्खी होई सारी बात पूरी करी, तो उस ताहीं क्रूस पै तै उतारकै
कब्र म्ह धरया। 30 पर परमेसवर नै उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, 31 अर वो उन ताहीं
जो उसकै गेल्या गलील परदेस तै यरुशलेम नगर आये थे, घणे दिनां ताहीं अपणे चेल्यां नै दिख्दा
रहया, आदमियाँ कै स्याम्ही इब वैए उसके गवाह सै।"
32 हम थमनै उस वादा कै बारै म्ह जो बाप-दाद्या तै करया गया था, यो सुसमाचार सुणावां सां,
33 के परमेसवर नै यीशु ताहीं जिन्दा करकै, वोए वादा म्हारी ऊलाद कै खात्तर पूरा करया, जिसा के
भजन संहिता दो म्ह लिख्या सै, "तू मेरा बेट्टा सै, आज तै ए मै तेरा पिता बणग्या सूं।"
34 अर उसके इस तरियां तै मरे होया म्ह तै जिन्दा होण कै बारै म्ह भी के वो कदे न्ही सड़ै, परमेसवर
नै यो कह्या सै, "मै दाऊद पै की पवित्र अर अटल दया तेरे पै करूँगा।"
35 दाऊद नै और जगहां भी भजन संहिता म्ह भी लिख्या सै, "तू अपणे पवित्र माणस नै सड़ण
न्ही देवैगा।"
36 दाऊद तो परमेसवर की मर्जी कै मुताबिक अपणे बखत म्ह सेवा करकै मर गया, अर अपणे
बाप-दाद्या म्ह जा मिल्या, अर सड़ भी गया। 37 पर जिस ताहीं परमेसवर नै जिन्दा करया, वो सड़ण
कोनी पाया।

38 ज्यांतै, हे भाईयो, थम जाण ल्यो के इस्से के जरिये पापां की माफी का सुसमाचार थारे ताहीं
दिया जावै सै, 39 अर पापां तै मुक्त करण म्ह मूसा नबी के नियम-कायदे हमेशा नाकामयाब रहे सै,
हरेक जो बिश्वास करै सै, वो यीशु के जरिये सारे पापां तै मुक्त करया जावै सै।
40 ज्यांतै चौकन्ने रहो, इसा ना हो के जो नबियाँ की किताब म्ह आया सै, थारे पै भी आण पड़ै
41 "हे बुराई करण आळो, देक्खो, अर हैरान होवो, अर मिट जाओ, क्यूँके मै थारे दिनां म्ह एक काम
करुँ सूं, 'इसा काम के जै कोए थारे तै उसका जिक्र करै, तो थम भी बिश्वास कोनी करोगे।' "
42 जिब पौलुस अर बरनबास यहूदी सभाघर तै बाहरणै लिकड़ण लागरे थे, तो माणस उनतै बिनती
करण लाग्गे के आगले आराम कै दिन म्हारै ताहीं ये बात फेर सुणाई जावै। 43 जिब सभा उठ ली फेर
भोत-से यहूदी अर यहूदी पंथ म्ह आये होए भगतां म्ह तै घणखरे पौलुस अर बरनबास कै पाच्छै हो
लिये, अर उननै उन ताहीं बात करकै समझाया के परमेसवर कै अनुग्रह म्ह बणे रहो।

[illegible]

44 आगले आराम कै दिन नगर के तकरीबन सारे लोग परमेसवर का वचन सुणण नै कठ्ठे हो गये।
45 पर यहूदी भीड़ नै देखकै मन ए मन म्ह जळण लाग्गे, अर बुराई करदे होए पौलुस की बात्तां
कै बिरोध म्ह बोल्लण लाग्गे।
46 फेर पौलुस अर बरनबास हिम्मत करकै कहण लाग्गे, "जरूरी था के परमेसवर का वचन पैहल्या
थारे तै सुणाया जान्दा, इब जिब के थमनै इस ताहीं नकार दिया सै, अर यो करते होए अपणे-आप
ताहीं अनन्त जीवन कै खात्तर अयोग्य घोषित कर दिया सै, तो देक्खो, हम गैर यहूदियाँ कै कान्ही
फिरां सां। 47 क्यूँके प्रभु नै म्हारै ताहीं यो हुकम दिया सै, 'मन्नै तेरे ताहीं गैर यहूदियाँ कै खात्तर
चाँदणा ठहराया, ताके तू धरती कै छोर ताहीं उद्धार का दरबाजा हो।' "
48 न्यू सुणकै गैर यहूदी राज्जी होए, अर परमेसवर कै वचन की बड़ाई करण लाग्गे, अर जितने
अनन्त जीवन कै खात्तर ठहराए गये थे, उननै बिश्वास करया।
49 फेर प्रभु का वचन उस सारे देश म्ह फैलाण लाग्या। 50 पर यहूदी अगुवां नै भगत अर आच्छे
खानदान की लुगाईयाँ ताहीं अर नगर के खास आदमियाँ ताहीं उकसाया, अर पौलुस अर बरनबास
कै खिलाफ दंगा करा कै उन ताहीं अपणी सीमा तै लिकाड़ दिया। 51 फेर पौलुस अर बरनबास उनकै
स्याम्ही पायां की धूळ झाड़कै इकुनियुम नगर म्ह चले गये। 52 अर चेल्लें आनन्द अर पवित्र आत्मा
तै भरदे चले गये।

14

[illegible]

1 इकुनियुम नगर म्ह इसा होया के वे यहूदियाँ के आराधनालय म्ह गैल-गैल गये, अर इस ढाळ
बात करी के यहूदियाँ अर यूनानियाँ म्ह घणखरयां नै बिश्वास करया। 2 पर बिश्वास ना करण आळे
गैर यहूदियाँ के मन बिश्वासी भाईयाँ कै बिरोध म्ह उकसाये अर कड़ुवापण पैदा करया। 3 पौलुस
अर बरनबास घणे दिन ताहीं उड़ै रहे, अर प्रभु कै भरोसै पै हिम्मत तै बात करै थे, अर वो उनकै
हात्थां तै चमत्कार अर अनोक्खे काम करवा कै अपणे अनुग्रह के वचन ताहीं साबित करदा रह्या।
4 पर नगर के लोग्गां म्ह फूट पड़गी थी, इसतै घणेए तो यहूदियाँ कान्ही अर घणेए प्रेरितां कान्ही
होग्ये। 5 जिब गैर यहूदी अर यहूदी उनकी बेजती करण नै अर उनकै पत्थर मारण कै खात्तर अपणे
सरदारां सुधा उन कान्ही भाज्जे, 6 फेर वे इस बात नै जाणगे अर लुकाउनिया परदेस के लुस्त्रा अर
दिरबे नगरां म्ह, अर लोवै-धोरै के परदेसां म्ह भाजगे 7 अर ओड़ै सुसमाचार सुणाण लाग्गे।

[illegible]

8 लुस्त्रा नगर म्ह एक माणस बेठ्या था, जो पायां तै लाचार था। वो जन्म तै ए लंगड़ा था, अर
कदे न्ही चाल्या था। 9 वो पौलुस नै बात करदे सुणै था। पौलुस नै उसकी ओड़ टकटकी लाकै देख्या

के उसनै ठीक होण का बिश्वास सै, 10 अर ठाड्डू आवाज म्ह बोल्या, “अपणे पायां कै बळ सीध्धा
खड्या हो।” फेर वो उछळकै चाल्लण-फिरण लाग्या।
11 लोग्गां नै पौलुस का यो काम देखकै लुकाउनिया की भाषा म्ह ठाड्डू आवाज म्ह कह्या, “देवता
माणस कै रूप म्ह होकै म्हारै धोरै उतर आये सै।” 12 उननै बरनबास ताहीं ज्यूस देवता, अर पौलुस
ताहीं हिरमेस कह्या क्यूँके वो खास संदेश देण आळा था। 13 ज्यूस देवता के उस मन्दर का पुजारी
जो उनकै नगर कै स्याम्ही था, बळध अर फूल्लां के हार फाटकां पै ल्याकै लोग्गां कै गेल्या बलिदान
करणा चाहवै था।
14 पर बरनबास अर पौलुस प्रेरितां नै जिब यो सुण्या, तो अपणे लत्ते पाड़े अर भीड़ म्ह लपके,
अर रुक्का मारकै कहण लाग्गे, 15 “हे भले माणसों, थम के करो सो? हम भी तो थारे तरियां दुख-सुख
भोग्गण आळे माणस सां, अर थमनै सुसमाचार सुणावां सां के थम इन बेकार चिज्जां तै न्यारे होकै
जिन्दे परमेसवर कै कान्ही फिरो, जिसनै सुर्ग अर धरती अर समुन्दर अर जो किमे उन म्ह सै बणाया
सै। 16 उसनै बीत्ते होए बखत म्ह सारी जात्तां ताहीं अपणे-अपणे रास्तयां पै चाल्लण दिया। 17 फेर
भी वो अपणे भले काम करण के जरिये अपणे बारें म्ह गवाही देंदा रहया, अर अकास तै मिह अर
फळआळी ॠतु देकै थारे मन नै खाणे अर खुशी तै भरदा रहया।” 18 न्यू कहकै भी उननै लोग्गां ताहीं
बड्डी मुश्किलां तै रोक्या के उनकै खात्तर बलिदान ना करै।
19 पर कुछ यहूदियाँ नै अन्ताकिया नगर अर इकुनियुम नगर तै आकै लोग्गां ताहीं अपणी ओड़
कर लिया, अर पौलुस पै पत्थर बरसाए, अर मरया होड़ सोचकै उस ताहीं नगर कै बाहरणै घसीट
लेगे। 20 पर चेल्लें जिब उसकै चौगरदेकै आण खड़े होए, तो वो उठकै नगर म्ह गया अर दुसरे दिन
बरनबास कै गेल्या दिरबे नगर कान्ही चल्या गया।

[illegible]

21 वे उस नगर के लोग्गां ताहीं सुसमाचार सुणाकै अर घणे चेल्लें बणाकै, लुस्त्रा अर इकुनियुम
अर अन्ताकिया नगर नै बोहड़ आये, 22 अर चेल्यां के मनां नै स्थिर करदे अर उत्साहित करते होए
या शिक्षा देते रह्ये के बिश्वास म्ह बणे रहो, अर न्यू कहवै थे, “हमनै घणे दुख ठाकै परमेसवर के
राज्य म्ह बड़णा होगा।” 23 अर उननै हरेक कलीसिया म्ह उनकै खात्तर अगुवें ठहराए, अर ब्रत
सुधा प्रार्थना करकै उन ताहीं प्रभु कै हाथ्थां म्ह सौप्या जिसपै उननै बिश्वास करया था। 24 फेर
पिसिदिया परदेस तै होन्दे होए वे पंफूलिया परदेस पोहचे, 25 फेर पिरगा नगर म्ह वचन सुणाकै
अत्तलिया नगर म्ह आये,
26 अर ओड़ै तै वे पाणी के जहाज तै अन्ताकिया नगर गये, जित्त वे उस काम कै खात्तर जो उननै
पूरा करया था परमेसवर के अनुग्रह म्ह सौपे गये थे। 27 अन्ताकिया नगर पोहचकै उननै कलीसिया
कठ्ठी करी अर बताया के परमेसवर नै उनकै गेल्या होकै किसे बड़े-बड़े काम करे, अर गैर यहूदियाँ
कै खात्तर बिश्वास का बारणा खोल दिया। 28 अर वे चेल्यां कै गेल्या घणे दिन ताहीं रहे।

15

[illegible]

1 फेर कुछ यहूदी बिश्वासी यहूदिया परदेस तै आकै भाईयाँ नै सिखाण लाग्गे “जै मूसा नबी की
रीत पै थारा खतना न्ही हो तो थम उद्धार कोनी पा सकदे।” 2 जिब पौलुस अर बरनबास का उनतै
घणा वाद-विवाद अर बहस होई तो यो फैसला लिया गया के पौलुस अर बरनबास अर उन म्ह तै
कुछ माणस इस बात कै बारै म्ह प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां कै धोरै यरुशलेम नगर म्ह जावै।
3 कलीसिया नै उन ताहीं बिदा करया, अर वे फीनीके अर सामरिया परदेसां तै होन्दे होए गैर यहूदियाँ
के जरिये यीशु मसीह पै बिश्वास करण का जिक्र करते गये, जिसतै सारे बिश्वासी भाई घणे राज्जी
होए। 4 जिब वे यरुशलेम नगर पोहचे, तो कलीसिया अर प्रेरित अर कलीसिया के अगुवें उनतै

खुशी कै गैल मिले, अर पौलुस अर बरनबास नै बताया के परमेसवर नै उनकै गेल्या होकै किसे-किसे
काम करे थे।
5 पर फरीसियाँ के पंथ म्ह तै जिन नै बिश्वास करया था, उन म्ह तै कितन्याँ नै उठकै कह्या, "गैर
यहूदियाँ ताहीं खतना कराण अर मूसा नबी के नियम-कायदे नै मानण का हुकम देणा चाहिए।"
6 फेर प्रेरित अर कलीसिया के अगुवें इस बात कै बारै म्ह विचार करण कै खात्तर कठ्ठे होए।
7 फेर पतरस नै घणी बहस हो जाणकै पाच्छै खड़े होकै उनतै कह्या, "हे भाईयो, थमनै बेरा सै के घणे
दिन होए परमेसवर नै थारे म्ह तै मेरै ताहीं छाँट लिया के मेरै मुँह तै गैर यहूदी सुसमाचार का वचन
सुणकै बिश्वास करै। 8 मन कै जाँचण आळे परमेसवर नै उन ताहीं भी म्हारै की तरियां पवित्र आत्मा
देकै यो बताया सै के वे सब भी उसके माणस सै, 9 अर बिश्वास कै जरिये उनके मन शुद्ध करकै म्हारै
म्ह अर उन म्ह किमे फर्क कोनी राख्या। 10 तो इब थम क्यांतै परमेसवर नै परखो सों, ताके गैर यहूदी
चेल्यां के कंध्या पै इसा जूआ धरो, जिसनै ना म्हारे बाप-दाद्दे ठा सकै थे अर ना हम ठा सकां सां?
11 हाँ, म्हारा यो यकिन सै के जिस तरियां तै वे प्रभु यीशु कै अनुग्रह तै उद्धार पावैंगें, उस्से तरियां
तै हम भी पावागें।"
12 फेर सारी सभा चुपचाप बरनबास अर पौलुस की सुणण लाग्गी, के परमेसवर नै उनकै जरिये
गैर यहूदियाँ म्ह किसे बड़े-बड़े चमत्कार, अर अनोक्खे काम दिखाए। 13 उनके भाषण के खतम होण
पै याकूब सभा ताहीं कहण लाग्या, "हे भाईयो, मेरी सुणो।" 14 शमौन पतरस नै बताया के परमेसवर
नै पैहले-पहल गैर यहूदियाँ पै किसी दया की निगांह करी के उन म्ह तै अपणे नाम कै खात्तर एक
प्रजा बणा ले। 15 नबियाँ लेख भी इस बात का समर्थन करै सै, जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या
सै
16 "इसकै पाच्छै मै फेर आकै दाऊद का पड्या होड़ डेरा उठाऊँगा, अर उसके खण्डरां नै दुबारा
बणाऊँगा, अर उस ताहीं खड्या करुँगा,"
17 जिसके कारण बाकी की बची होड़ मानवजात्ति परमेसवर नै पा सकै, अर वे सारी गैर यहूदी भी,
जिनपै मेरै नाम की छाप लाग्गी सै, प्रभु नै टोहवैं,
18 यो वोए प्रभु कहवै सै जो दुनिया की शरुआत तै इन बात्तां की खबर देंदा आया सै।
19 "ज्यांतै मेरा विचार यो सै के हम उन गैर यहूदियाँ खात्तर कोए मुसीबत पैदा ना करा, जो
परमेसवर कै कान्ही फिरै सै, हम उन ताहीं दुख ना देवां, 20 पर आच्छा तो यो होगा के हम उन
ताहीं यो हुकम लिख भेज्जा, के वे मूर्तियाँ नै चढ़ाण आळी चिज्जां अर जारी अर गळा घोट्टे होया
के माँस तै अर लहू तै दूर रहवै। 21 क्यूँके गुजरे बखत तै नगर-नगर मूसा नबी के नियम-कायदे का
प्रचार करण आळे होन्दे चले आये सै, अर वा हरेक आराम कै दिन आराधनालय म्ह पढ़ी जावै सै।"

[illegible]

22 फेर सारी कलीसिया सुधा प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां नै आच्छा लाग्या के अपणे म्ह
तै कुछ माणसां नै चुणै, यानिके यहूदा जो बरसब्बा कुह्वावै सै, अर सीलास ताहीं जो भाईयाँ म्ह
मुखिया थे, अर उन ताहीं पौलुस अर बरनबास कै गेल्या अन्ताकिया नगर खन्दावै। 23 उननै उनकै
हाथ या चिट्ठी लिख भेजी "अन्ताकिया नगर, सीरिया अर किलिकिया परदेस के रहण आळे भाईयाँ
नै जो गैर यहूदियाँ म्ह तै सै, प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवें भाईयाँ का नमस्कार। 24 हमनै सुण्या
सै के म्हारै म्ह तै कुछां नै ओड़ै जाकै, थारे ताहीं अपणी बात्तां तै डरा दिया, अर थारे मन उल्ट दिये
सै पर हमनै उन ताहीं हुकम कोनी दिया था। 25 इस करकै हमनै एक चित्त होकै ठीक जाण्या के छाँटे
होड़ माणसां ताहीं अपणे प्यारे बरनबास अर पौलुस कै गेल्या थारे धोरै भेज्जा। 26 ये इसे माणस सै
जिन नै अपणी ज्यांन म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै नाम कै खात्तर जोख्खम म्ह गेरी सै। 27 ज्यांतै हमनै
यहूदा अर सीलास ताहीं भेज्या सै, के थम खुद उनकै ए मुँह तै इस बारें म्ह सुण सको। 28 पवित्र
आत्मा नै अर हमनै ठीक जाण पाट्टी के इन जरूरी बात्तां नै छोड़, थारे पै और बोझ ना गेरै, 29 के

थम मूर्तियाँ पै बलि करे होया तै अर लहू तै, अर गळा घोट्टे होए पशुआं के माँस तै, अर जारी तै
दूर रहो। इनतै दूर रहो तो थारा भला होगा। बाकी सब ठीक-ठाक सै।”
30 फेर वे बिदा होकै अन्ताकिया नगर पोहचे, अर सभा नै कठ्ठी करकै वा चिट्ठी उन ताहीं दे दी।
31 वे चिट्ठी पढ़कै उस उपदेश की बात तै घणे राज्जी होए। 32 यहूदा अर सीलास नै जो आप भी नबी
थे, घणी बात्तां तै बिश्वासी भाईयाँ ताहीं उपदेश देकै पक्का करया। 33 वे कुछे दिन रहकै, बिश्वासी
भाईयाँ तै शान्ति कै गेल्या बिदा होए के अपणे खन्दाण आळा कै धोरै जावै। 34 (पर सीलास नै ओड़ै
रहणा आच्छा लाग्या।) 35 पर पौलुस अर बरनबास अन्ताकिया नगर म्ह रह गये अर और घणखरे
आदमियाँ कै गेल्या प्रभु यीशु कै वचन का उपदेश करदे अर सुसमाचार सुणान्दे रहे।

[illegible]

36 कुछे दिनां पाच्छै पौलुस नै बरनबास तै कह्या, “जिन-जिन नगरां म्ह हमनै प्रभु का वचन
सुणाया था, आओ, फेर उन म्ह चालकै अपणे बिश्वासी भाईयाँ ताहीं देक्खै के वे किस तरियां सै।”
37 फेर बरनबास नै यूहन्ना ताहीं जो मरकुस कुह्वावै सै, गेल्या लेण का विचार करया। 38 पर पौलुस
नै उस ताहीं जो पंफूलिया परदेस म्ह उनतै न्यारा होग्या था, अर काम पै उनकै गेल्या कोनी गया,
गेल्या ले जाणा ठीक कोनी समझया। 39 आखर म्ह इसा वाद-विवाद होया के वे एक-दुसरे तै न्यारे
पाटगे, अर बरनबास, मरकुस नै लेकै जहाज पै साइप्रस टापू चल्या गया। 40 पर पौलुस नै सीलास
ताहीं छाँट लिया, अर बिश्वासी भाईयाँ तै परमेसवर कै अनुग्रह म्ह सौंप्या जाकै ओड़ै तै चल्या
गया, 41 अर वो कलीसियाओं ताहीं स्थिर करदा होया सीरिया अर किलिकिया परदेस तै होन्दे होए
लिकड़या।

16

[illegible]

1 फेर वो दिरबे अर लुस्त्रा नगर म्ह भी गया। ओड़ै तीमुथियुस नाम का एक चेल्ला था, उसकी
माँ एक यहूदी बिश्वासी थी, पर उसका बाप यूनानी था। 2 वो लुस्त्रा अर इकुनियुम नगर के भाईयाँ
म्ह उसका आच्छा नाम था। 3 पौलुस की मर्जी या थी के वो उसके गेल्या जावै, अर जो यहूदी माणस
उन जगहां म्ह थे उनकै कारण उननै उनका खतना करया, क्यूँके वे सारे जाणै थे, के उनका बाप यूनानी
था। 4 पौलुस अर उसका साथी नगर-नगर जान्दे होड़ चेल्यां ताहीं वे सारे हुकम सौपते जावै थे,
जो यरुशलेम नगर के प्रेरितां अर कलीसिया के अगुवां नै तय करी थी। 5 इस तरियां कलीसिया
बिश्वास म्ह पक्की होंदी गई अर गिणती दिन-ब-दिन बधती गई।

[illegible]

6 वे फ्रुगिया अर गलातिया परदेसां म्ह तै होकै गये, क्यूँके पवित्र आत्मा नै उननै आसिया
परदेस म्ह वचन सुणाण तै मना करया। 7 उननै मूसिया परदेस कै लोवै पोहचकै, बिथुनिया परदेस म्ह
जाणा चाह्या, पर पवित्र आत्मा नै उन ताहीं जाण कोनी दिया। 8 आखर म्ह वे मूसिया परदेस तै
होकै त्रोआस म्ह आये। 9 ओड़ै पौलुस नै रात नै दर्शन देख्या के एक मकिदुनिया परदेस का माणस
खड्या होया उनतै बिनती करकै कहण लागरया सै, “पार उतरकै मकिदुनिया परदेस म्ह आ, अर
म्हारी मदद कर।” 10 उसकै यो दर्शन देखदे हमनै जिब्बे मकिदुनिया परदेस जाणा चाह्या, न्यू सोचकै
के परमेसवर नै म्हारै ताहीं उनतै सुसमाचार सुणाण कै खात्तर बुलाया सै।

[illegible]

11 इस करकै त्रोआस नगर तै जहाज खोल कै हम सीध्धे सुमात्राके टापू अर दुसरे दिन
नियापुलिस नगर म्ह आये। 12 ओड़ै तै हम फिलिप्पी नगर पोहचे, जो मकिदुनिया परदेस का खास
नगर अर रोमियों का मोहल्ला सै, अर हम उस नगर कुछे दिन रहे।
13 आराम कै दिन हम नगर कै फाटक कै बाहरणै नदी कै किनारे न्यू सोचकै गये के ओड़ै प्रार्थना
करण की जगहां होगी, अर बैठकै उन लुगाईयाँ तै जो कठ्ठी होई थी, बतळाण लाग्गे। 14 थुआतीरा

नगर की बैंजनी लत्ते बेचण आळी एक लुदिया नाम की परमेसवर की भगतणी उनकी बात सुणण
लागरी थी। प्रभु नै उसका मन खोल्या ताके वा पौलुस की बात्तां पै मन लगावै। 15 जिब उसनै अपणे
कुण्बे सुधा बपतिस्मा लिया, तो उसनै म्हारै तै बिनती करी, "जै थम मन्नै प्रभु की बिश्वासिणी
समझो सो, तो चालकै मेरै घर म्ह रहो," अर वा हमनै मनाकै ले गई।

[illegible]

16 जिब हम प्रार्थना करण की जगहां पै जाण लागरे थे, तो हमनै एक कम उम्र की दास्सी
मिली जिसम्ह भविष्य बताण आळी आत्मा थी, अर वा भविष्य बताकै अपणे मालिकां कै खात्तर
घणाए कमा लेवै थी। 17 वा पौलुस कै अर म्हारै पाच्छै आकै नै किल्की मारण लाग्गी, "ये माणस
परमप्रधान परमेसवर के दास सै, जो म्हारै ताहीं उद्धार के राह की कथा सुणावै सै।" 18 वा घणे दिनां
ताहीं न्यूए कर दी रही, पर पौलुस परेशान होग्या, अर बोहड़कै उस ओपरी आत्मा तै बोल्या, "मै
तन्नै यीशु मसीह कै नाम तै हुकम दियुँ सूं के उस म्ह तै बाहरणै लिकड़ जा।" अर वा उस्से बखत
लिकड़गी।

19 जिब उसके मालिकां नै देख्या के म्हारी कमाई की आस खतम होग्यी, तो पौलुस अर सीलास
नै पकड़कै चौक म्ह प्रधानां कै धोरै खींच ल्याए, 20 अर उन ताहीं न्यायाधीश कै धोरै ल्याए अर
बोल्ले, "ये माणस जो यहूदी सै, म्हारे नगर म्ह दंगा मचाण लागरे सै, 21 अर इसे रीति-रिवाज बतावै
सै, जिन ताहीं हम रोमियाँ कै खात्तर अपणाना सही कोनी।"

22 फेर भीड़ के माणस उनकै बिरोध म्ह कठ्ठे होकै उनपै चढ़ याए, अर हाकिमां नै उनके लत्ते
पाड़कै उतार दिये, अर उनकै बैत मारण का हुकम दिया।

23 घणी बैत मारे पाच्छै उननै उन ताहीं जेळ म्ह गेर दिया अर दरोग्गा ताहीं हुकम दिया के उननै
चौक्कस राखिये।

24 उसनै इसा हुकम पाकै उन ताहीं भित्तरली कोठड़ी म्ह राख्या अर उनके पाँ काठ की बेड़ियाँ तै
जकड़ दिये।

[illegible]

25 आध्धी रात कै बखत पौलुस अर सीलास प्रार्थना करदे होए परमेसवर के भजन गाण लागरे
थे, अर कैदी उनकी सुणण लागरे थे।

26 इतनै म्ह चाणचक बड्ड़ा हाल्लण आ ग्या, उरै ताहीं के जेळ की नीम भी हालगी, अर जिब्बे
सारे दरबाजे खुलगे, अर सारया के बन्धन खुलकै पड़गे। 27 दरोग्गा जागग्या, अर जेळ के दरबाजे
खुल्ले देखकै समझ गया के कैदी भाजगे सै, इस करकै उसनै तलवार खिंचकै खुद ताहीं मारणा चाह्या।
28 पर पौलुस नै ठाड्डू आवाज म्ह रुक्का मारया, "अपणे-आपनै किमे नुकसान ना पोहोचाइये, क्यूँके
हम सारे उरैए सां।"

29 फेर दरोग्गा दिवां मँगाकै भित्तर आया, अर काम्बदा होया पौलुस अर सीलास कै आग्गै पड्या,

30 अर उन ताहीं बाहरणै ल्याकै बोल्या, "हे भले माणसों, उद्धार पाण कै खात्तर मै के करुँ?"

31 उननै कह्या, "प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास कर, तो तू अर तेरा कुण्बा उद्धार पावैगा।" 32 अर
उननै उस ताहीं अर उसके सारे घर के माणसां ताहीं प्रभु का वचन सुणाया। 33 रात नै उस्से बखत
उसनै उन ताहीं ले जाकै उनके घाव धोये, अर उसनै अपणे सारे माणसां सुधा जिब्बे बपतिस्मा लिया।
34 फेर दरोग्गै नै उन ताहीं अपणे घरां ले जाकै उनकै आग्गै खाणा धरया, अर साब्ते कुण्बे सुधा
परमेसवर पै बिश्वास करकै आनन्द करया।

35 आगले दिन फेर हाकिमां नै सिपाहियाँ के हात्थां कहवां भेज्या के उन माणसां नै छोड़ द्यो।
36 दरोग्गै नै ये बात पौलुस तै कही, "हाकिमां नै थारे ताहीं छोड़ देण का हुकम दिया सै। ज्यांतै इब
खुश होकै जाओ।"

37 पर पौलुस नै उनतै कह्या, “उननै म्हारै ताहीं जो रोमी माणस सै, कसूरवार ठहराए् बिना माणसां
कै स्याम्ही मारया अर जेळ म्ह गेरया। इब के हमनै बोल-बाल्ले लिकाड़ण लागरे सै? इसा कोनी,
पर वे खुद आकै हमनै बाहरणै लिकाड़ै।”
38 सिपाहियाँ नै ये बात हाकिमां तै कही, अर वे न्यू सुणकै के वे रोम के बासिन्दे सै, डरगे, 39 अर
आकै उन ताहीं मनाया, अर बाहरणै ले जाकै बिनती करी के नगर चले जाओ। 40 वे जेळ तै लिकड़कै
लुदिया कै उरै गये, अर बिश्वासी भाईयाँ तै भेंट करकै उन ताहीं शान्ति देई, अर चले गये।

17

[illegible]

1 पौलुस अर सीलास अम्फिपुलिस अर अपुल्लोनिया नगरां तै होकै थिस्सलुनीके नगर म्ह आये,
जित्त यहूदियाँ का एक आराधनालय था। 2 पौलुस अपणी रीत कै मुताबिक उनकै धोरै गया, अर
तीन्नु आराम कै दिनां म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह तै उनकै गेल्या बहस करी, 3 अर वो उनका मतलब
खोल-खोल कै समझावै था के मसीह नै दुख ठाणा, अर मरे होया म्ह तै जिन्दा उठणा, जरूरी था,
अर “योए् यीशु जिसकी मै थमनै कथा सुणाऊँ सूं, मसीह सै।” 4 कितने यहूदी अर परमेसवर के भगत
यूनानियाँ म्ह तै घणखरयां नै, अर घणी आच्छे खानदान की लुगाईयाँ नै मान लिया, अर पौलुस अर
सीलास कै गेल्या मिलगे।
5 पर यहूदियाँ नै जळण तै भरकै बाजारू माणसां म्ह तै कुछ दुष्ट माणसां ताहीं अपणे गेल्या
लिया, अर भीड़ कठ्ठी करकै नगर म्ह दंगा मचाण लाग्गे, अर यासोन कै घर पै चढ़ाई करकै उन
ताहीं आदमियाँ कै स्याम्ही ल्याणा चाह्या। 6 उननै जिब वे ओड़ै न्ही मिले तो वे किल्की मारदे होए्
यासोन अर कुछ बिश्वासी भाईयाँ ताहीं नगर के हाकिमां कै स्याम्ही खींच ल्याए्, “ये माणस जिन
नै दुनिया ताहीं उल्टा-पुल्टा कर दिया सै, उरै भी आ लिए् सै। 7 यासोन नै उन ताहीं अपणे घरां रहण
की इजाजत दी सै। ये सारे के सारे न्यू कहवै सै के यीशु राजा सै, अर कैसर के हुकमां का बिरोध करै
सै।” 8 उननै आदमियाँ ताहीं अर नगर के हाकिमां ताहीं न्यू सुणाकै डरा दिया। 9 ज्यांतै उननै यासोन
अर बाकी माणसां तै जमानत पै उन ताहीं छोड़ दिया।

[illegible]

10 बिश्वासी भाईयाँ नै जिब्बे राते-रात पौलुस अर सीलास ताहीं बिरीया नगर भेज दिया, अर वे
ओड़ै पोहचकै यहूदियाँ के आराधनालय म्ह गये। 11 ये माणस तो थिस्सलुनीके नगर के यहूदियाँ तै
आच्छे थे, अर उननै घणे चाह् तै वचन अपणाया, अर हर-रोज पवित्र ग्रन्थां म्ह टोह्न्दे रहे के ये
बात न्यू सै के न्ही। 12 ज्यांतै उन म्ह तै घणखरयां नै, अर यूनानी आच्छे खानदान की बिरबानियाँ
म्ह तै अर माणसां म्ह तै भी घणखरयां नै बिश्वास करया।
13 पर जिब थिस्सलुनीके नगर के यहूदी जाणगे के पौलुस बिरीया नगर म्ह भी परमेसवर का वचन
सुणावै सै, तो ओड़ै भी माणसां ताहीं उकसाण अर गड़बड़ मचाण लाग्गे। 14 फेर बिश्वासी भाईयाँ
नै जिब्बे पौलुस ताहीं बिदा करया के समुन्दर कै किनारे चल्या जावै, पर सीलास अर तीमुथियुस
बिरीया रहगे। 15 पौलुस के मददगार उस ताहीं एथेंस नगर तक लेगे, अर सीलास अर तीमुथियुस
कै खात्तर या आज्ञा पाकै बिदा होए् के उसकै धोरै घणी तगाजै तै आवै।

[illegible]

16 जिब पौलुस एथेंस नगर म्ह उसकी बाट देक्खै था, तो नगर नै मूर्तियाँ तै भरया होड़ देखकै
भोत परेशान होग्या। 17 इस करकै वो आराधनालय म्ह यहूदियाँ तै अर भगतां तै, अर चौक म्ह जो
माणस उसतै फेटै थे उनतै हरेक दिन बहस करया करै था। 18 फेर इपिकूरी अर स्तोईकी उपदेशकां म्ह
तै कुछे उसतै तर्क करण लाग्गे, अर कुछां नै कह्या, “यो बकवादी के कहणा चाहवै सै?” पर दुसरयां
नै कह्या, “वो दुसरे देवत्यां का प्रचारक दिक्खै सै” क्यूँके वो यीशु का अर पुनरुत्थान का सुसमाचार
सुणावै था। 19 फेर वे उसनै अपणे गेल्या अरियुपगुस नामक आराधनालय म्ह लेगे अर बुझ्झया,

“के हम जाण सकां सां के यो नया पंथ जो तू सुणावै सै, के सै? 20 क्यूँके तू अनोक्खी बात म्हारै ताहीं
सुणावै सै, ज्यांतै हम जाणणा चाहवां सां के इनका के मतलब सै।” 21 (ज्यांतै के सारे एथेंसवासी
अर परदेशी जो ओड़ै रहवै थे, नयी-नयी बात कहण अर सुणण कै सिवाए और किसे काम म्ह बखत
कोनी बितावैं थे।)

[illegible]

22 फेर पौलुस नै अरियुपगुस कै बिचाळै खड़े होकै कह्या, “हे एथेंस के माणसों, मै देक्खूँ सूं के थम
हर बात म्ह देवत्यां के घणे मानण आळे सो। 23 क्यूँके मै हांडदे होए जिब थारी पूज्जण की चिज्जां
नै देखण लागरया था, तो एक इसी वेदी* भी मिली, जिसपै लिख्या था, ‘अनजाणे ईश्वर कै खात्तर।’
इस करकै जिसनै थम बिना बेरे पूज्जो सो, मै थमनै उस्से परमेसवर का सुसमाचार सुणाऊँ सूं।”
24 जिस परमेसवर नै धरती अर उसकी सारी चिज्जां ताहीं बणाया, वो सुर्ग अर धरती का माल्लिक
होकै, हाथ के बणाए होड़ मन्दरां म्ह कोनी रहन्दा, 25 उसनै माणसां की जरूरत कोनी, क्यूँके वो तो
खुदे सारया ताहीं जिन्दगी अर साँस अर सारा किमे देवै सै। 26 उसनै एक ए मूल तै माणसां की सारी
जात सारी धरती पै रहण कै खात्तर बणाई सै, अर उनकै ठहराए होड़ बखत अर रहण या निवास की
हदां ताहीं ज्यांतै बाँधया सै, 27 के वे परमेसवर नै टोहवै, कदाचित उस ताहीं टटोळकै पावै, फेरभी
वो म्हारै म्ह तै किसे तै दूर कोनी। 28 क्यूँके उस्से म्ह म्हारा जीवन, चलणा-फिरणा अर म्हारी पहचान
बणै सै, जिस ढाळ थारे कितने कवियाँ नै भी कह्या सै, “हम तो उस्से के वंशज सां।”
29 “इस करकै म्ह परमेसवर का वंश होकै म्हारा यो समझणा सही कोनी के ईश्वरत्व सोन्ने-चाँदी,
पत्थर के जिसा सै, जो माणसां की कारीगरी अर कल्पना तै गढ़े गये हों। 30 ज्यांतै परमेसवर नै
अज्ञानता के बखत पै खियास कोनी करी, पर इब हरेक जगहां सारे माणसां ताहीं पाप छोड़ण का
हुकम देवै सै। 31 क्यूँके उसनै एक दिन तय करया सै, जिसम्ह वो धार्मिकता म्ह खुद के जरिये ठहराया
गये उस माणस के जरिये दुनिया का न्याय करैगा, जिन ताहीं उसनै मरे होया म्ह तै दुबारा जिन्दा
करकै या बात सारे माणसां के स्याम्ही साबित कर दी सै।”
32 मरे होया के पुनरुत्थान की बात सुणकै कुछ तो मखौल करण लाग्गे, अर कुछां नै कह्या, “या
बात हम तेरे तै फेर कदे सुणांगें।” 33 इसपै पौलुस उनकै बिचाळै तै लिकड़ग्या। 34 पर कई माणस
प्रभु यीशु कै गेल्या मिलगे, अर बिश्वास करया, जिन म्ह दियुनुसियुस जो अरियुपगुस का सदस्य
था, अर दमरिस नामकी एक लुगाई थी, अर उनकै गेल्या कुछ और भी माणस थे।

18

[illegible]

1 इसकै पाच्छै पौलुस एथेंस नगर नै छोड़कै कुरिन्थुस नगर म्ह आया। 2 ओड़ै उसनै अक्विला
नामक एक यहूदी मिल्या, जिसका जन्म पुन्तुस परदेस म्ह होया था। वो अपणी घरआळी
प्रिसकिल्ला कै गेल्या इटली देश तै इब्बे आया था, क्यूँके सम्राट क्लौदियुस नै सारे यहूदियाँ
ताहीं रोम तै लिकड़ जाण का हुकम दिया था। ज्यांतै वो उनकै उरै गया। 3 पौलुस अर अक्विला का
एक ए काम-धन्धा था, इस करकै वो उनकै गेल्या रहया अर वे काम करण लाग्गे, अर उनका काम-
धन्धा तम्बू बणाण का था। 4 पौलुस हरेक आराम कै दिन आराधनालय म्ह बहस करकै यहूदियाँ अर
यूनानियाँ ताहीं भी समझावै था, के यीशु ए मसीह सै।
5 जिब सीलास अर तीमुथियुस मकिदुनिया परदेस तै आये, तो पौलुस वचन सुणाण की धुन म्ह
यहूदियाँ ताहीं गवाही देण लाग्या के यीशु ए मसीह सै। 6 पर जिब यहूदी बिरोध अर बुराई करण
लाग्गे, तो उसनै अपणे लत्यां तै धूळ झाड़कै उनतै कह्या, “इब जै परमेसवर थमनै इस पाप की सजा
देवै तो उसकी मौत के जिम्मेदार थम खुदे हो! मै बेकसूर सूं। इब तै मै गैर यहूदियाँ कै धोरै जाऊँगा।”

* **17:23** 17:23 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

7 पौलुस यहूदी आराधनालय तै लिकड़कै वो तीतुस यूस्तुस नामक परमेसवर के एक भगत कै
घरां आया, जिसका घर आराधनालय तै लाग्या होड़ था। 8 फेर आराधनालय के सरदार क्रिस्पुस नै
अपणे सारे कुण्बे सुधा प्रभु पै बिश्वास करया, अर घणखरे कुरिन्थवासी सुणकै बिश्वास लाये, अर
बपतिस्मा लिया।
9 प्रभु नै एक रात दर्शन कै जरिये पौलुस तै कह्या, "मतना डरै, बल्के कहे जा अर बोल-बाल्ला
मतना रहवै, 10 क्यूँके मै तेरे गैल सूं, अर कोए तेरे पै चढ़ाई करकै तेरा नुकसान कोनी करैगा, क्यूँके
इस नगर म्ह मेरे घणे माणस सै।" 11 ज्यांतै पौलुस उन म्ह परमेसवर का वचन सिखान्दे होए डेढ़
साल ताहीं रहया।
12 जिब गल्लियो अखाया परदेस का राज्यपाल था, तो यहूदी माणस एक्का करकै पौलुस पै चढ़
आये, अर उस ताहीं न्याय गद्दी कै स्याम्ही ल्याकै कहण लाग्गे, 13 "यो माणसां नै समझावै सै, के
परमेसवर की आराधना इस ढाळ तै करो, जो नियम-कायदे कै उल्ट सै।"
14 जिब पौलुस बोल्लण पैए था, तो गल्लियो नै यहूदियाँ ताहीं कह्या, "हे यहूदियों, जै या किमे
अन्याय या दुष्टता की बात होन्दी, तो सही था के मै थारी सुणदा। 15 पर जै या बहस शब्दां, अर
नाम्मां, अर थारे उरै के नियम-कायदे कै बारै म्ह सै, तो थमे जाणो, क्यूँके मै इन बात्तां का न्यायाधीश
कोनी बणणा चाहन्दा।" 16 अर उसनै उन ताहीं न्याय गद्दी कै स्याम्ही तै लिकाड़ दिया। 17 जद सारे
माणसां नै आराधनालय के सरदार सोस्थिनेस ताहीं पकड़कै न्याय गद्दी कै स्याम्ही मारया। पर
गल्लियो नै इन बात्तां की भी किमे चिन्ता कोनी करी।

[illegible]

18 पौलुस घणे दिन ताहीं कुरिन्थुस नगर रहया। फेर बिश्वासी भाईयाँ तै बिदा होकै किंख्रिया
बन्दरगाह म्ह ज्यांतै सिर मुण्डाया, क्यूँके उसनै मन्नत मान्नी थी, अर जहाज पै सीरिया परदेस नै
चल्या गया अर उसकै गेल्या प्रिसकिल्ला अर अक्विला थे। 19 उसनै इफिसुस नगर पोहचकै उन
ताहीं ओड़ै छोडया, अर खुद आराधनालय म्ह जाकै यहूदियाँ तै बहस करण लाग्या। 20 जिब माणसां
नै उसतै बिनती करी, "म्हारै गेल्या कुछ और दिन रह।" तो उसनै कोनी मान्नी, 21 पर न्यू कहकै उसतै
बिदा होया, "जै परमेसवर नै चाह्या तो मै थारे धोरै फेर आऊँगा।" फेर वो इफिसुस नगर तै जहाज
खोल कै चाल दिया, 22 अर कैसरिया नगर म्ह उतरकै (यरुशलेम नगर नै) गया अर कलीसिया ताहीं
नमस्कार करकै अन्ताकिया नगर म्ह आया।

[illegible]

23 फेर किमे दिन रहकै वो ओड़ै तै लिकड़या, अर एक और तै गलातिया अर फ्रुगिया परदेसां म्ह
सारे चेल्यां ताहीं स्थिर करदा हांडया।

[illegible]

24 अपुल्लोस नामक एक यहूदी, जिसका जन्म सिकन्दरिया नगर म्ह होया था, जो ज्ञान्नी माणस
था अर पवित्र ग्रन्थ ताहीं आच्छी तरियां तै जाणै था, इफिसुस नगर म्ह आया। 25 उसनै प्रभु
कै राह की शिक्षा पाई थी, अर मन लाकै यीशु कै बारै म्ह सही-सही सुणावै अर सिखावै था, पर वो
सिर्फ यूहन्ना कै बपतिस्मा की बात जाणै था। 26 वो आराधनालय म्ह बिना डरे बोल्लण लाग्या, पर
प्रिसकिल्ला अर अक्विला उसकी बात सुणकै उस ताहीं अपणे उरै लेगे अर परमेसवर की राह उस
ताहीं और भी सही-सही बताई।
27 जिब उसनै फैसला करया के पार उतरकै अखाया परदेस म्ह जावै तो बिश्वासी भाईयाँ नै उस
ताहीं धीरज बन्धाकै चेल्यां ताहीं लिख्या के वे उसतै आच्छी ढाळ फेटै, अर उसनै ओड़ै पोहचकै
उन माणसां की घणी मदद करी जिन नै अनुग्रह कै कारण बिश्वास करया था। 28 क्यूँके वो पवित्र
ग्रन्थ तै सबूत दे-देकै के यीशु ए मसीह सै, घणे तावळेपण तै यहूदियाँ ताहीं सारया कै स्याम्ही
निरुतर (बोलती बन्द) करदा रहया।

19

[illegible]

1 जिब अपुल्लोस कुरिन्थुस नगर म्ह था, तो पौलुस उप्पर के सारे परदेस तै होकै इफिसुस नगर
म्ह आया। ओड़ै कई चेल्यां ताहीं मिल्या। 2 उनतै बोल्या, "के थमनै बिश्वास करदे बखत पवित्र
आत्मा पाया था?" उननै उसतै कह्या, "हमनै तो पवित्र आत्मा का जिक्र भी कोनी सुण्या।"
3 पौलुस नै उनतै कह्या, "तो फेर थमनै किसका बपतिस्मा लिया?" वे बोल्ले, "यूहन्ना का
बपतिस्मा।"
4 पौलुस बोल्या, "यूहन्ना नै न्यू कह्या, के पाप करणा छोड़ दो, अर बपतिस्मा ल्यो, परमेसवर
थारे पाप माफ कर देगा, अर जो मेरै पाच्छै आण आळा सै, उसपै बिश्वास करियो, यानिके यीशु
पै।" 5 न्यू सुणकै उननै प्रभु यीशु कै नाम म्ह बपतिस्मा लिया। 6 जिब पौलुस नै उनपै हाथ धरे, तो
पवित्र आत्मा उनपै उतरया, अर वे अन्य-अन्य भाषा बोल्लण अर भविष्यवाणी करण लाग्गे। 7 ये
सारे करीबन बारहा माणस थे।
8 पौलुस आराधनालय म्ह जाकै तीन महिन्ने ताहीं बिना डरे होकै बोल्दा रहया, अर परमेसवर के
राज्य कै बारै म्ह बहस करदा अर समझान्दा रहया। 9 पर जो माणसां कठोर थे उननै उसका बिश्वास
कोनी करया, बल्के माणसां कै स्याम्ही इस पंथ नै बुरा कहण लाग्गे, तो उसनै उन ताहीं छोड़ दिया
अर चेल्यां ताहीं साथ लेकै तुरन्नुस की पाठशाला म्ह गये, जित्त वे रोज भीड़ तै परमेसवर के बारें
म्ह बहस करया करै थे। 10 दो साल ताहीं न्यूए होन्दा रहया, उरै ताहीं के आसिया परदेस के रहणीये
के यहूदी के यूनानी सारया नै प्रभु का वचन सुण लिया।
11 परमेसवर नै पौलुस ताहीं अदभुत चमत्कार करण की सामर्थ दी। 12 उरै ताहीं के रूमाल अर
अन्गोंछे उसकै गात तै छुआ कै बिमारां पै गेरै थे, अर उनकी बीमारी जान्दी रहवैं थी, अर भुंडी
ओपरी आत्मा उन म्ह तै लिकड़ जाया करै थी।
13 पर कुछ यहूदी लोग जो झाड़ा-फूँक करदे हान्डै थे, न्यू करण लाग्गे के जिन म्ह भुंडी ओपरी
आत्मा हो उनपै प्रभु यीशु का नाम न्यू कहकै फूँके, "जिस यीशु का प्रचार पौलुस करै सै, मै थारे
ताहीं उस्से आदमी की कसम दियुँ सूं।" 14 अर स्क्किवा नाम का एक यहूदी प्रधान याजक के सात
बेट्टे थे, जो इस्से तरियां ए करै थे। 15 पर भुंडी ओपरी आत्मा नै उन ताहीं जवाब दिया, "यीशु ताहीं
मै जांणु सूं, अर पौलुस ताहीं भी पिच्छाणु सूं, पर थम कौण सो?" 16 अर उस माणस नै जिसम्ह भुंडी
ओपरी आत्मा थी उनपै लपककै अर उन ताहीं बस म्ह करकै, उनपै इसा दुर्गति मचाया के वे उघाड़े
अर घायल होकै उस घर तै लिकड़ भाज्जे।
17 या बात इफिसुस नगर के रहण आळे सारे यहूदी अर यूनानी भी जाणगे, अर वे सारे डरगे,
अर प्रभु यीशु कै नाम की बड़ाई होई। 18 जिन नै बिश्वास करया था, उन म्ह तै घणखरयां नै आकै
अपणे-अपणे काम्मां ताहीं मान लिया अर दिखा दिया। 19 जादू करण आळा म्ह तै घणाए नै अपणी-
अपणी सारी पोथी कठ्ठी करकै सारया कै स्याम्ही जळा दी, अर जिब उसका दाम जोड़या गया, तो
पचास हजार चाँदी के सिक्के कै बराबर लिकड़या। 20 इस तरियां प्रभु का वचन सामर्थी तरिक्के तै
फैलदा अर हावी होंदा गया।
21 जिब ये बात हो ली तो पौलुस नै आत्मा म्ह ठाण लिया के मकिदुनिया अर अखाया परदेस तै
होकै यरुशलेम नगर जाऊँ, अर बोल्या, "यरुशलेम जाणकै बाद मन्नै रोम ताहीं भी देखणा जरूरी
सै।" 22 इस करकै अपणी सेवा करणीया म्ह तै तीमुथियुस अर इरास्तुस ताहीं मकिदुनिया परदेस
भेजकै खुद किमे दिन आसिया परदेस म्ह रहग्या।

[illegible]

23 उस बखत उस पन्थ कै बारै म्ह घणा दंगा माच्या। 24 क्यूँके देमेत्रियुस नाम का एक सुनार
अरतिमिस के चाँदी के मन्दर बणवाकै कारिगरां ताहीं घणा काम दुवाया करै था। 25 उसनै उन ताहीं
अर इस्से तरियां की चिज्जां के कारिगरां ताहीं कठ्ठा करकै कह्या, "हे भाईयो, थमनै बेरा सै के इस

काम तै हमनै कितना धन मिलै सै। 26 थम देक्खो अर सुणो सो के सिर्फ इफिसुस नगर म्ह ए कोनी,
बल्के कई बर सारे आसिया परदेस म्ह न्यू कह-कहकै इस पौलुस नै घणे माणसां ताहीं समझाया अर
भकाया भी सै, के जो हाथ की कारीगरी सै, वे ईश्वर कोनी। 27 इसतै इब सिर्फ इस्से बात का ए भय
न्ही सै के म्हारै इस धन्धे की इज्जत-मान जान्दी रहवैगी, बल्के न्यू भी के महान् देवी अरतिमिस
का मन्दर तुच्छ समझया जावैगा, अर जिस ताहीं सारा आसिया परदेस अर दुनिया पूज्जै सै उसका
महत्व भी जान्दा रहवैगा।"

28 कारीगर न्यू सुणकै खुन्दक तै भरगे अर किल्की मार-मारकै कहण लाग्गे, "इफिसियाँ की
अरतिमिस देवी, महान् सै!" 29 अर सारे नगर म्ह घणा दंगा माचग्या, अर माणसां नै मकिदुनियावासी
गयुस अर अरिस्तर्खुस ताहीं जो पौलुस के संगी मुसाफर थे, पकड़ लिया, अर एक सेत्ती रंगशाला
म्ह भाजगे। 30 जिब पौलुस नै माणसां कै धोरै भीत्तर जाणा चाह्या तो चेल्यां नै उस ताहीं जाण न्ही
दिया। 31 आसिया परदेस के हाकिमां म्ह तै भी उसके कई साथियाँ नै उसकै धोरै कहवां भेज्या अर
बिनती करी के रंगशाला म्ह जाकै जोख्खम ना ठाईयो।

32 भीड़ म्ह तै कोए कुछ चिल्लावै था अर कोए कुछ, सारी भीड़ पूरी तरियां घबराई होई थी, अर
घणखरे माणसां नै तो न्यूए कोनी बेरा था के वे क्यांं खात्तर कठ्ठे होए सै। 33 फेर उननै सिकन्दर
ताहीं, जिस ताहीं यहूदियाँ नै खडया करया था, भीड़ म्ह आग्गै बढ़ाया। सिकन्दर हाथ तै इशारा
करकै माणसां कै स्याम्ही जवाब देणा चाहवै था। 34 पर जिब उननै बेरा लागग्या के वो यहूदी सै, तो
सारे के सारे एक बोल म्ह कोए दो घंटे ताहीं चिल्लान्दे रहे, "इफिसियाँ की अरतिमिस देवी, महान्
सै।"

35 फेर नगर के मन्त्री नै माणसां ताहीं शान्त करकै कह्या, "हे इफिसुस नगर के माणसों, किसनै
न्ही बेरा के इफिसियाँ का नगर महान् अरतिमिस देवी के मन्दर, अर ज्यूस की ओड़ तै गिरी होड़
मूर्ति का टहलुआ सै।"

36 आखर म्ह जिब के इन बात्तां का खण्डन ए कोनी हो सकदा, तो सही सै के थम शान्त रहो अर
बिना सोच्चे-समझे किमे ना करो। 37 क्यूँके थम इन माणसां नै ल्याए सो जो ना मन्दर के लुट्टण
आळे सै अर ना म्हारी देवी के बुराई करणीये सै। 38 इस करकै देमेत्रियुस अर उसके मित्तर-कारिगरां
ताहीं किसे तै एतराज हो तो कच्हेड़ी जा सकै सै अर हाकिम भी सै, वे एक-दुसरे पै दोष लावै। 39 पर
जै थम किसे और बात कै बारै म्ह किमे बुझणा चाहो सो, तो बखत पै सभा म्ह फैसला करया जावैगा।

40 आज की इस घटना कै कारण म्हारै पै उपद्रव का इल्जाम लाग्गण का खतरा सै, क्यूँके इसकै
खात्तर कोए भी ठोस कारण दिखाई कोनी देंदा, "हम इस भीड़ के कठ्ठा होण का कोए जवाब कोनी
दे सकांगें।" 41 न्यू कहकै उसनै सभा ताहीं बिदा करया।

20

[illegible]

1 जिब दंगा थम ग्या तो पौलुस नै चेल्यां ताहीं बुलाकै उत्साहित करया, अर उनतै बिदा होकै
मकिदुनिया परदेस की ओड़ चाल दिया। 2 उस सारे परदेस म्ह तै होकै अर चेल्यां ताहीं घणा समझाकै
वो यूनान देश म्ह आया। 3 जिब तीन महिन्ने रहकै वो ओड़ै तै जहाज पै सीरिया परदेस की ओड़
जाण पै था, तो यहूदी अगुवें उसकी टाह म्ह लाग्गे, ज्यांतै उसनै निश्चय करया के मकिदुनिया
परदेस होकै बोहड़ जावै। 4 बिरीयावासी पुर्रुस का बेट्टा सोपत्रुस अर थिस्सलुनीकियों नगर म्ह
तै अरिस्तर्खुस अर सिकुन्दुस, अर दिरबे नगर का गयुस, अर तीमुथियुस, अर आसिया परदेस का
तुखिकुस अर त्रुफिमुस आसिया परदेस ताहीं उसकै गैल हो लिये। 5 ये म्हारे मुसाफिर साथी म्हारे
तै पैहले चले गये। 6 अर हम अखमीरी रोट्टी के त्यौहार के दिनां कै पाच्छै फिलिप्पी तै जहाज पै
चढ़कै पाँच दिन म्ह त्रोआस म्ह उसकै धोरै पोहचे, अर सात दिन ताहीं रहे।

[illegible]

7 हफ्तै के पैहल्ड़े दिन जिब हम प्रभुभोज कै खात्तर कठ्ठे होए, तो पौलुस जो दुसरे दिन चले
जाण पै था, उनतै बात करी, आध्धी रात ताहीं बात करदा रहया। 8 जिस चौबारे पै हम कठ्ठे थे, उस
म्ह घणे दीवे जळण लागरे थे। 9 अर यूतुखुस नाम का एक जवान खिड़की पै बेठ्या होया नींद की
झपकियाँ लेण लागरया था। जिब पौलुस वारी ताहीं बात करदा रहया तो यूतुखुस नींद कै झोक्के
म्ह तीसरी अटारी पै तै पड़ग्या, अर उसकी मौत होगी। 10 पौलुस नीच्चै गया, उसकै धोरै जाकै
उसतै लिपटग्या, अर गळे लाकै कह्या, "घबराओ ना, वो जीवै सै।" 11 अर उसनै दुबारा उप्पर जाकै
रोट्टी तोड़ी* अर खाकै दिन लिकड़ण ताहीं उनतै बात करदा रहया, सबेरा होग्या। फेर वो चल्या
गया। 12 अर वे उस जवान ताहीं जिन्दा लियाए अर माणस भोत खुश होए।

[illegible]

13 हम पाणी के जहाज पै सवार होकै अस्सुस नगर की ओड़ बढ़े, जड़ै हमनै पौलुस ताहीं साथ लेकै
आग्गै बढ़णा था, पर पौलुस ओड़ै पैदल राह तै पोहोचा था, क्यूँके या उसकी पैहले तै बणाई तरकीब
थी। 14 अस्सुस नगर उन ताहीं मिल्या तो हमनै उस ताहीं पाणी के जहाज म्ह अपणे साथ लिया
अर मितुलेने नगर म्ह जा पोहचे। 15 ओड़ै तै जहाज खोल कै हम दुसरे दिन खियुस टापू कै स्याम्ही
पोहचे, अर आगले दिन सामुस टापू म्ह जाण लाग्गे, पर उसके आगले एक दिन कै बाद मीलेतुस
बन्दरगाह म्ह आये। 16 पौलुस नै इफिसुस नगर म्ह ना उतरकै आग्गै बढ़ जाण का इरादा करया
क्यूँके वो चाहवै था के आसिया परदेस म्ह ठैहरण की बजाए जै हो सक्या तो तगाजे तै पिन्तेकुस्त
कै त्यौहार के मौक्कै पै यरुशलेम नगर म्ह पोहच जावै।

[illegible]

17 मीलेतुस नगर तै पौलुस नै इफिसुस नगर म्ह समाचार भेजकै कलीसिया के अगुवां ताहीं
बुलवाया। 18 जिब वे उसकै लोवै आये, तो उनतै कह्या "थमनै बेरा सै के पैहल्ड़े ए दिन तै जिब मै
आसिया परदेस म्ह पोंहच्या, मै हर-बखत थारे गेल्या किस ढाळ रहया, 19 यानिके घणी दीनता तै,
अर आँसू बहा-बहाकै, अर उन मुसीबतां म्ह जो यहूदियाँ की साजिस कै कारण मेरै पै आण पड़ी,
मै प्रभु की सेवा करदा ए रहया। 20 अर जो-जो बात थारे फायदे की थी, उन ताहीं बताण अर
माणसां कै स्याम्ही अर घर-घर सिखाण तै कदे न्ही झिझक्या, 21 बल्के यहूदियाँ अर यूनानियाँ कै
स्याम्ही गवाही देंदा रहया के परमेसवर की ओड़ मन फिराणा अर म्हारै प्रभु यीशु पै बिश्वास करणा
चाहिये।"

22 इब देक्खो, मै पवित्र आत्मा म्ह बन्धया होया यरुशलेम नगर नै जाऊँ सूं, अर मन्नै न्ही बेरा
के ओड़ै मेरै पै के-के बीतैगी। 23 सिर्फ यो के पवित्र आत्मा हरेक नगर म्ह गवाही दे-देकै मेरै तै कहवै
सै के बन्धन अर क्लेश तेरे खात्तर त्यार सै।

24 पर मै अपणी जान नै किमे न्ही समझदा के उसतै प्यार राक्खूँ, बल्के यो के मै अपणी दौड़ ताहीं
अर उस सेवा नै पूरी करुँ, जो मन्नै परमेसवर कै अनुग्रह के सुसमाचार पै गवाही देण कै खात्तर
प्रभु यीशु तै पाई सै।

25 इब देक्खो, मन्नै बेरा सै के थम सारे जिन म्ह मै परमेसवर के राज्य का प्रचार करया सै, मेरा
मुँह दुबारा कोनी देक्खोगे।

26 ज्यांतै मै आज कै दिन थारे तै गवाही देकै कहूँ सूं, के मै किसे की भी मौत का कसूरवार न्ही सूं।

27 क्यूँके मै परमेसवर की सारी इच्छा नै थारे ताहीं बताण म्ह कदे कोनी हिचकिचाया। 28 इस
करकै थम अपणा ध्यान राक्खो अर उस टोळ का भी, जिसका रुखाळा थारे ताहीं पवित्र आत्मा
ठहराया सै, के थम परमेसवर की कलीसिया की रुखाळी करो, जिस ताहीं उसनै खुद अपणे लहू तै
मोल लिया सै। 29 मन्नै बेरा सै के मेरै जाणकै बाद पाड़ण आळे भेड़िये थारे म्ह आवैगें जो टोळ नै
कोनी छोड्डैगें।

* **20:11** 20:11 रोट्टी तोड़णा-प्रभु भोज

30 थारे ए बिचाळै तै भी इसे-इसे माणस उठैंगें, जो चेल्यां ताहीं अपणे पाच्छै खींच लेण ताहीं टेढ़ी-
मेढ़ी बात कहवैगें। 31 इस करकै जागदे रहो, अर याद राक्खो के मन्नै तीन साल्लां ताहीं रात-दिन
आँसू बहा-बहाकै हरेक ताहीं चेतावनी देणा न्ही छोड्या।
32 "अर इब मै थमनै परमेसवर अर उनके अनुग्रह के वचन की देखभाळ म्ह सौपण लागरया सूं,
जिस म्ह थारी बढ़ोतरी करण अर उन सब के साथ मीरास देण की ताकत सै, जो प्रभु खात्तर न्यारे
करे गये सै। 33 मन्नै किसे के चाँदी, सोन्ने या लत्ते का लोभ कोनी करया। 34 थमनै खुदे बेरा सै के
इन्हे हात्थां नै मेरी अर मेरे साथियाँ की जरूरत पूरी करी सै। 35 मन्नै थारे ताहीं सारया किमे करकै
दिखाया के इस तरियां तै मेहनत करदे होए कमजोरां ताहीं सम्भालणा अर प्रभु यीशु के वचन याद
राखणा जरूरी सै, जो उसनै खुदे कह्या सै: 'लेण तै देणा धन्य सै।' "
36 न्यू कहकै उसनै गोड्डे टेक्के अर उन सारया कै गेल्या प्रार्थना करी। 37 फेर वे सारे घणे रोये
अर पौलुस कै गळे लिपटकै उस ताहीं चुम्मण लाग्गे।
38 वे खासकर इस बात तै दुखी थे जो उसनै कही थी के थम मेरा मुँह दुबारा कोनी देक्खोगे। इसके
बाद वे पौलुस के साथ पाणी के जहाज तक गये।

21

[illegible]

1 जिब हमनै उनतै न्यारे होकै जहाज खोल्या, तो सीध्धी राही तै कोस टापू म्ह आये, अर दुसरे दिन
रुदुस टापू म्ह अर ओड़ै तै पतरा टापू म्ह। 2 ओड़ै एक जहाज फीनीके परदेस नै जान्दा होया मिल्या,
अर हमनै उसपै चढ़कै अपणा सफर शरु करया। 3 हमनै ओळै हाथ कान्ही साइप्रस टापू दिखया,
तो हम उसनै छोड़कै सीरिया परदेस की ओड़ बढ़ते गये अर सूर नगर म्ह जा पोहचे, क्यूँके ओड़ै
जहाज तै समान उतारया जाणा था। 4 चेल्यां नै पाकै हम ओड़ै सात दिन ताहीं रहे। उननै पवित्र
आत्मा के सिखाए पौलुस तै कह्या के ओड़ै (यरुशलेम नगर म्ह) पाँ ना धरिये। 5 सात दिन के बाद
जिब ओड़ै तै म्हारे जाण का बखत आया, तो वे पूरे परिवार कै साथ म्हारै ताहीं बिदा करण खात्तर
नगर की सीमा तक आये, अर समन्दर कै किनारे हमनै घुटने टेककै प्रार्थना करी, 6 फेर एक-दुसरे तै
बिदा होकै, हम तो जहाज पै चढ़गे अर वे अपणे-अपणे घरां बोहड़गे।
7 जिब हम सूर नगर तै जहाज पै सफर करकै पतुलिमयिस नगर म्ह पोहचे, अर बिश्वासी भाईयाँ
नै नमस्कार करकै उनकै गेल्या एक दिन रहे। 8 दुसरे दिन हम ओड़ै तै चालकै कैसरिया नगर म्ह
आये, अर फिलिप्पुस सुसमाचार प्रचारक कै घर म्ह जो उन सात आदमियाँ म्ह तै एक था, जिन
ताहीं प्रेरितां नै बिधवा जनानियाँ की सेवा करण खात्तर यरुशलेम म्ह छाटया था, हम उस्से कै घर
म्ह ठहरे। 9 उसकी चार कुँवारी बेट्टी थी, जो भविष्यवाणी करया करै थी।
10 जिब हम ओड़ै घणे दिन ताहीं रह लिये, तो अगबुस नाम का एक नबी यहूदिया परदेस म्ह आया।
11 उसनै म्हारै धोरै आकै पौलुस का कमरबन्द लिया, अर अपणे हाथ-पाँ बाँधकै कह्या, "पवित्र
आत्मा न्यू कहवै सै के जिस माणस का यो कमरबन्द सै, उस ताहीं यरुशलेम नगर म्ह यहूदी इस्से
तरियां तै बाँधैगें, अर गैर यहूदियाँ कै हात्थां म्ह सौंपैगें।"
12 जिब हमनै ये बात सुणी, तो हमनै अर ओड़ै के माणसां नै पौलुस तै बिनती करी के यरुशलेम
नगर नै ना जाइए। 13 पर पौलुस नै जवाब दिया, "थम के करो सो के रो-रोकै मेरा मन तोड़ो सो? मै
तो प्रभु यीशु कै नाम कै खात्तर यरुशलेम नगर म्ह ना सिर्फ बाँधे जाण ए कै खात्तर बल्के मरण कै
खात्तर भी त्यार सूं।" 14 जिब उसनै न्ही मान्नी तो हम न्यू कहकै बोल-बाल्ले रहगे, "प्रभु की मर्जी
पूरी हो।"
15 कई दिनां पाच्छै हमनै त्यारी करी अर यरुशलेम नगर नै चाल दिए। 16 कैसरिया नगर तै भी
कुछ चेल्लें म्हारै गेल्या हो लिए, अर म्हारै ताहीं ठैहराण खात्तर साइप्रसवासी मनासोन के घर ले
गये, वो सब तै पैहले के चेल्यां म्ह तै एक था।

[illegible]

17 जिब हम यरुशलेम नगर म्ह पोहचे, तो बिश्वासी भाई घणी खुशी कै गेल्या हम तै मिले।

18 दुसरे दिन पौलुस म्हारै ताहीं लेकै याकूब कै धोरै गया, जित्त सारे कलीसिया के अगुवें कठ्ठे थे।

19 जद उसनै उन ताहीं नमस्कार करकै, जो-जो काम परमेसवर नै उसकी सेवा के जरिये गैर यहूदियाँ म्ह करे थे, एक-एक करकै सारे बताए।

20 उननै न्यू सुणकै परमेसवर की महिमा करी, फेर उसतै बोल्या, "हे भाई, तू देक्खै सै के यहूदियाँ
म्ह तै कई हजारां नै बिश्वास करया सै, अर सारे नियम-कायदे कै खात्तर मानण म्ह पक्के सै। 21 उननै
यो सुण राख्या सै के तू गैर यहूदी माणसां के बीच म्ह रहन्दे होए यहूदियाँ ताहीं या शिक्षा देण
लागरया सै के मूसा नबी के नियम-कायदा नै छोड़ द्यो, ना तो अपणे बाळकां का खतना करो अर
ना रीति-रिवाज्जां पै चाल्लों। 22 तो फेर के करया जावै? माणस जरुर सुणैगें के तू आया सै। 23 इस
करकै जो हम तेरे तै कह्वां सां, वो कर। म्हारा सुझाव मान उरै इसे चार माणस सै, जिन नै कसम खाई
सै।"

24 तू उनकै गैल जा, शुद्ध होण की विधि पूरी कर, अर उसकै मुण्डन का खर्चा ठा, फेर सारया नै
यो बेरा लाग ज्यागा के जो कुछ भी बात तेरे बारै म्ह कह्या गया सै, उस म्ह कोए सच्चाई न्ही सै
पर तू खुद भी नियम-कायदे का पालन करै सै। 25 पर उन गैर यहूदियाँ कै बारै म्ह जिन नै बिश्वास
करया सै, हमनै यो फैसला करकै लिख भेज्या सै "के वे मूर्तियाँ कै स्याम्ही बलि करे हाड़ माँस तै,
अर लहू तै अर घेट्टी घोट्टे होयां के माँस तै अर जारी तै बचे रहवैं।"

26 फेर पौलुस उन माणसां नै लेकै, अर दुसरे दिन उनकै गेल्या शुद्ध होकै मन्दर म्ह गया, अर ओड़ै बता दिया के शुद्ध होण कै दिन, यानिके उन म्ह तै हरेक कै खात्तर चढ़ावा चढ़ाए जाण तक के दिन कद पूरे होवैगें।

[illegible]

27 जिब वे सात दिन पूरे होण पै थे, तो आसिया परदेस के यहूदियाँ नै पौलुस ताहीं मन्दर म्ह देखकै
सारे माणसां ताहीं उकसाया, अर न्यू रुक्का मारकै उस ताहीं पकड़ लिया, 28 "हे इस्राएलियों, मदद
करो, यो वोए माणस सै, जो माणसां के, अर नियम-कायदे के, अर इस जगहां कै बिरोध म्ह हरेक
जगहां सारे माणसां नै सिखावै सै, उरै ताहीं के यूनानियाँ ताहीं भी मन्दर म्ह ल्याकै उसनै इस पवित्र
जगहां ताहीं अपवित्र करया सै।" 29 उननै इसतै पैहल्या इफिसुसवासी त्रुफिमुस ताहीं पौलुस कै
गेल्या नगर म्ह देख्या था, अर सोच्चै थे के पौलुस उसनै मन्दर म्ह लियाया सै।

30 फेर सारे नगर म्ह दंगा माचग्या, अर माणस भाजकै कठ्ठे होए, अर पौलुस नै पकड़कै मन्दर
कै बाहरणै घसीट ल्याए, अर जिब्बे किवाड़ बन्द करे गये। 31 जिब वे उसनै मार देणा चाहवै थे,
तो पलटन के सरदार नै सन्देशा पोंहच्या के सारे यरुशलेम नगर म्ह दंगा माचरया सै। 32 फेर वो
जिब्बे सिपाहियाँ अर सूबेदारां नै लेकै उनकै धोरै तळै भाज आया, अर उननै पलटन के सरदार अर
सिपाहियाँ ताहीं देखकै पौलुस ताहीं मारणा-छेतणा छोड़ दिया।

33 फेर पलटन के सरदार नै धोरै आकै पौलुस ताहीं पकड़ लिया, अर दो साँकळां तै बाँधण का
हुकम देकै बुझ्झण लाग्या, "यो कौण सै अर इसनै के करया सै?" 34 पर भीड़ म्ह तै कोए किमे अर
कोए किमे चिल्लान्दा रहया। जिब रोले कै कारण वो सही सच्चाई न्ही जाण सक्या, तो उस ताहीं
गढ़ म्ह ले जाण का हुकम दिया। 35 जिब वो सीढ़ी पै पोंहच्या, तो इसा होया के भीड़ की दाब कै
मारे सिपाहियाँ नै उस ताहीं ठाकै ले जाणा पड्या। 36 क्यूँके माणसां की भीड़ न्यू चिल्लान्दी होई
उसकै पाच्छै पड़री थी, "उसनै खतम कर द्यो।"

37 जिब वे पौलुस नै गढ़ म्ह ले जावण आळे थे, तो उसनै पलटन के सरदार तै कह्या, "जै मन्नै इजाजत हो तो मै थारे तै किमे कहूँ?" वो बोल्या, "के तू यूनानी भाषा जाणै सै?

38 "के तू मिस्र देश का कोनी, जो इन दिनां तै पैहल्या बिद्रोही बणकै, चार हजार हथियार सुधा
माणसां नै जंगळ म्ह लेग्या?"
39 पौलुस नै कह्या, "मै तो तरसुस का यहूदी माणस सूं! मै किलिकिया परदेस के तरसुस नगर का
बासिन्दा सूं। मै तेरे तै बिनती करुँ सूं के मन्नै माणसां तै बात करण दे।"
40 जिब उसनै हुकम दिया, तो पौलुस नै सीढ़ी पै खड़े होकै माणसां ताहीं हाथ तै इशारा करया।
जिब वे चुप होए तो वो इब्रानी भाषा म्ह बोल्लण लाग्या:

22

[illegible]

1 "हे भाईयो अर बुजुर्गों, मेरा बदले म्ह जवाब सुणो, जो मै इब थारे स्याम्ही ल्याऊँ सूं।"
2 वे न्यू सुणकै के वो हम तै इब्रानी भाषा म्ह बोल्लै सै, और भी बोल-बाल्ले होगे। फेर उसनै कह्या
3 "मै तो यहूदी माणस सूं, जो किलिकिया के तरसुस नगर म्ह जन्मा, पर इस नगर म्ह गमलीएल
के पायां कै धोरै बैठकै पढ़ाया गया, अर पूर्वजां के नियम-कायदा नै ठीक रीति तै सिखाया गया अर
परमेसवर कै खात्तर इसी धुन लारया था, जिस तरियां थम सारे आज लारे सो। 4 मन्नै माणस अर
लुगाई दोनुआ ताहीं जुड़-जुड़कै अर जेळ म्ह गेर-गेर कै, इस पंथ नै उरै ताहीं सताया के उन ताहीं
मरवा भी दिया। 5 इस बात कै खात्तर महायाजक अर सारे यहूदी अगुवें गवाह सै, के उनतै मै भाईयाँ
के नाम पै चिट्ठियाँ लेकै दमिश्क नगर नै चाल्या जाऊँ था, के जो ओड़ै हों उन ताहीं भी सजा दुवाण
कै खात्तर बाँधकै यरुशलेम नगर लाऊँ।

[illegible]

6 "जिब मै चाल्दे-चाल्दे दमिश्क नगर कै लोवै पोंहच्या, तो इसा होया के दोपहर कै करीबन
चाणचक एक घणा चाँदणा अकास तै मेरै चौगरदे नै चमक्या। 7 अर मै धरती पै गिर ग्या अर यो
शब्द सुण्या, 'हे शाऊल, हे शाऊल, तू मन्नै क्यांतै सतावै सै?' "
8 मन्नै जवाब दिया, "हे प्रभु, तू कौण सै?" उसनै मेरै तै कह्या, "मै यीशु नासरी सूं," जिस ताहीं
तू सतावै सै। 9 मेरे साथियाँ नै चाँदणा तो देख्या, पर मेरै तै जो बोल्लै था उसनै समझ कोनी पाए।
10 फेर मन्नै कह्या, "हे प्रभु, मै के करुँ?" प्रभु नै मेरै तै कह्या, "उठकै दमिश्क नगर म्ह जा, अर
जो किमे तेरे तै करण कै खात्तर ठहराया गया सै ओड़ै तेरे तै सब बता दिया जावैगा।" 11 जिब उस
चाँदणे के तेज के मारे मन्नै किमे कोनी दिख्या, तो मै अपणे साथियाँ का हाथ पकड़े होए दमिश्क
नगर म्ह आया।
12 "फेर हनन्याह नामक नियम-कायदे कै मुताबिक एक भगत माणस, जो ओड़ै के रहणीये सारे
यहूदियाँ म्ह सुनाम्मी था, मेरै धोरै आया," 13 अर खड़े होकै मेरै तै कह्या, "हे भाई शाऊल, फेर देखण
लाग।" उस्से बखत मेरी आँख खुलगी अर मन्नै उस ताहीं देख्या।
14 फेर उसनै कह्या, "म्हारे बाप-दाद्या के परमेसवर नै तेरे ताहीं ज्यांतै ठहराया के तू उसकी मर्जी
नै जाणै, अर उस धर्मी नै देक्खै अर उसकै मुँह की बात सुणै। 15 क्यूँके तू उसकी ओड़ तै सारे माणसां
कै स्याम्ही उन बात्तां का गवाह होगा जो तन्नै देक्खी अर सुणी सै। 16 इब क्यांतै वार करै सै? उठ,
बपतिस्मा ले, अर उसका नाम लेकै अपणे पापां की माफी पा ले।"

[illegible]

17 "जिब मै दुबारा यरुशलेम नगर म्ह आकै मन्दर म्ह प्रार्थना करण लागरया था, तो बेसुध
होग्या, 18 अर उस ताहीं देख्या के वो मेरै तै कहवै सै, 'तावळ करकै यरुशलेम नगर तै झट दे-सी
लिकड़ज्या,' क्यूँके वे मेरै बारै म्ह तेरी गवाही कोनी मान्नैगें।"
19 मन्नै कह्या, "हे प्रभु, उनने तो खुदे बेरा सै के मै तेरे पै बिश्वास करण आळा नै जेळ म्ह गेरू
अर जगहां-जगहां आराधनालय म्ह छित्वाऊँ था। 20 जिब तेरे गवाह स्तिफनुस का लहू बहाया

जाण लागरया था जद मै भी ओड़ैए खड्या था अर इस बात म्ह सहमत था, अर उसकै मारणीयां के
लत्यां की रुखाळी करुँ था।”
21 अर प्रभु नै मेरै तै कह्या, “चल्या जा क्यूँके मै तेरे ताहीं गैर यहूदियाँ कै धोरै दूर-दूर भेज्जूँगा।”
22 माणस इस बात तक उसकी सुणदे रहे, फेर जोर तै चिल्लाए, “इसे माणस का नाश करो, उसका
जिन्दा रहणा ठीक कोनी!”
23 जिब वे चिल्लान्दे अर लत्ते बगान्दे अर अकास म्ह धूळ उड़ावै थे, 24 तो पलटन के सरदार नै
कह्या, “इस ताहीं गढ़ म्ह ले जाओ, अर कोड़े मारकै जाँच्चो, के मन्नै बेरा लाग्गै के माणस किस
कारण उसकै बिरोध म्ह इस ढाळ चिल्लावै सै।” 25 जिब उननै उस ताहीं फित्त्यां तै बाँधया तो पौलुस
नै उस सूबेदार तै जो धोरै खड्या था, कह्या, “के यो सही सै के थम एक रोमी माणस ताहीं, अर वो
भी बिना कसूरवार ठहराए होए, कोड़े मारो?”
26 सूबेदार नै न्यू सुणकै पलटन के सरदार कै धोरै जाकै कह्या, “तू यो के करै सै? यो तो रोमी
माणस सै।”
27 फेर पलटन के सरदार नै उसकै धोरै आकै कह्या, “मन्नै बता, के तू रोमी सै?” उसनै कह्या,
“हाँ।”
28 न्यू सुणकै पलटन के सरदार नै कह्या, “मन्नै रोमी होण का पद घणे रपिये देकै मिल्या सै।”
पौलुस नै कह्या, “मै तो जन्म तै रोमी सूं?”
29 फेर जो माणस उस ताहीं जांच्चण पै थे, वे जिब्बे उसकै धोरै तै हटगे, अर पलटन का सरदार
भी न्यू जाणकै के यो रोमी सै अर मन्नै उस ताहीं बाँधया सै, डरग्या।

[illegible]

30 दुसरे दिन उसनै सही-सही जाणण की मर्जी तै के यहूदी उसपै क्यांतै दोष लावै सै, उसके बन्धन
खोल दिए, अर प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां की सभा ताहीं कठ्ठा होण का हुकम दिया, अर
पौलुस नै तळै ले जाकै उनकै स्याम्ही खड्या कर दिया।

23

1 पौलुस नै यहूदी अगुवां की सभा की ओड़ गौर तै देख्या अर कह्या, “हे भाईयो, मन्नै आज ताहीं
परमेसवर कै खात्तर जमा-कती सच्चे मन तै जीवन बिताया सै।” 2 इसपै हनन्याह महायाजक नै उन
ताहीं जो उसकै धोरै खड़े थे, उसकै मुँह पै थप्पड़ मारण का हुकम दिया। 3 फेर पौलुस नै उसतै कह्या,
“हे चुन्ना फिरी होड़ भीत, परमेसवर तेरे ताहीं मारैगा। तू नियम-कायदे कै मुताबिक मेरा न्याय करण
नै बेठ्या सै, अर फेर के नियम-कायदे कै खिलाफ मेरै ताहीं मारण का हुकम देवै सै?”
4 जो धोरै खड़े थे उननै कह्या, “के तू परमेसवर कै महायाजक नै आच्छा-भुंडा बोल्लै सै?”
5 पौलुस नै कह्या, “हे भाईयो, मन्नै न्ही बेरा था के यो महायाजक सै, क्यूँके वचन म्ह लिख्या सै:
‘अपणे माणसां के प्रधान नै भुंडा ना बोलिए।’ ”
6 फेर पौलुस नै न्यू जाणकै के एक टोळ सदूकी अर दुसरा फरीसी लोग्गां का सै, यहूदी अगुवां की
सभा म्ह रुक्का मारकै कह्या, “हे भाईयो, मै फरीसी अर फरीसी लोग्गां के वंश का सूं, मरे होया की
आस अर पुनरुत्थान कै बारै म्ह मेरा मुकद्दमा होरया सै।” 7 जिब उसनै या बात कही तो फरीसियाँ
अर सदूकियाँ म्ह दंगा होण लाग्या, अर सभा म्ह फूट पड़गी। 8 क्यूँके सदूकियाँ का बिश्वास तो न्यू
कहवै सै, के ना पुनरुत्थान सै, ना सुर्गदूत अर ना आत्मा सै, पर फरीसी इन सारया नै मान्नैं सै।
9 फेर घणा दंगा माच्या अर कुछ शास्त्री जो फरीसियाँ के टोळ के थे, उठ लिए अर न्यू कहकै
दंगा करण लाग्गे, “हम इस माणस म्ह कोए बुराई कोनी पांदे, अर जै कोए आत्मा या सुर्गदूत उसतै
बोल्या सै तो फेर के होग्या?” 10 जिब घणा दंगा होया, तो पलटन के सरदार नै इस भय तै के वे
पौलुस के टुकड़े-टुकड़े ना कर देवै, पलटन ताहीं हुकम दिया के उतरकै उस ताहीं उनकै बिचाळै तै
हाँगै तै लिकाड़ै, अर गढ़ म्ह ले जावै।

11 उस्से रात प्रभु यीशु नै उसकै धोरै खड़े होकै कह्या, "हे पौलुस, धीरज राख, क्यूँके जिसी तन्नै
यरुशलेम नगर म्ह मेरी गवाही देई, उसीए तन्नै रोम म्ह भी गवाही देणी होगी।"

[illegible]

12 जिब दिन लिकड़या तो यहूदियाँ नै साजिस रची अर कसम खाई के जिब ताहीं हम पौलुस नै
मार न्ही देवा, जै हम खावां या पीवां तो म्हारै पै धिक्कार सै। 13 जिन नै आप्पस म्ह या कसम खाई
थी, वे चाळीस जण्यां तै घणे थे। 14 उननै प्रधान याजकां अर यहूदी अगुवां के धोरै जाकै कह्या,
"हमनै न्यू ठान लिया सै के जिब ताहीं हम पौलुस नै मार न्ही देंदे, जद ताहीं जै किमे चाक्खां तो
म्हारै पै धिक्कार सै। 15 इस करकै इब यहूदी अगुवां की सभा सुधा पलटन के सरदार नै समझाओ
के उसनै थारे धोरै लियावै, मान ल्यो के थम उसकै बारै म्ह और भी सही तै जाँच करणा चाहवो सो,
अर हम उसकै पोहोचण तै पैहल्याए उस ताहीं मार देण कै खात्तर त्यार रहवांगें।"
16 पौलुस कै भाण्जे नै सुण्या के वे उसकी टाह म्ह सै, तो गढ़ म्ह जाकै पौलुस ताहीं संदेशां दिया।
17 पौलुस नै सूबेदारां म्ह तै एक ताहीं अपणे धोरै बुलाकै कह्या, "इस जवान नै पलटन के सरदार
कै धोरै ले जाओ, यो उसतै किमे कहणा चाहवै सै।"
18 इस करकै उसनै उस ताहीं पलटन के सरदार कै धोरै ले जाकै कह्या, "कैदी पौलुस नै मेरै ताहीं
बुलाकै बिनती करी के यो जवान पलटन के सरदार तै किमे कहणा चाहवै सै, उस ताहीं उसकै धोरै ले
जा।"
19 पलटन के सरदार नै उसका हाथ पकड़कै अर न्यारा जाकै बुझ्झया, "तू मेरै तै के कहणा चाहवै
सै?"
20 वो बोल्या, "यहूदियाँ नै साजिस रची सै के तेरे तै बिनती करै के काल पौलुस नै यहूदी अगुवां
की सभा म्ह ल्यावै, मान्नो वे और सही ढाळ तै उसकी जाँच करणा चाहवै सै। 21 पर उनकी मानियो
मतना, क्यूँके उन म्ह तै चाळीस कै उप्पर माणस उसनै मारण की टाह म्ह सै, जिन नै न्यू ठान लिया
सै के जिब ताहीं वे पौलुस नै मार न्ही देवै, जद ताहीं ना खावैगें अर ना पीवैगें, अर इब वे त्यार सै
अर तेरे वचन की बाट देखण लागरे सै।"
22 फेर पलटन के सरदार नै जवान ताहीं यो हुकम देकै बिदा करया, "किसे तै ना कहिये के तन्नै
मेरै तै ये बात बताई सै।"

[illegible]

23 फेर उसनै दो सूबेदारां ताहीं बुलाकै कह्या, "दो सौ सिपाही, सत्तर सवार, अर दो सौ भालैत,
रात के नौ बजे कैसरिया नगर नै जाणकै खात्तर त्यार कर करो। 24 अर पौलुस की सवारी कै खात्तर
घोड़े त्यार राक्खो, के उस ताहीं फेलिक्स राज्यपाल कै धोरै राज्जी-खुशी तै पोहोचा दे।"
25 उसनै इस तरियां की चिट्ठी भी लिक्खी
26 महामहिम फेलिक्स राज्यपाल ताहीं क्लौकियुस लूसियास का नमस्कार।
27 इस माणस ताहीं यहूदियाँ नै पकड़कै मार देणा चाह्या, पर जिब मन्नै जाण्या के रोमी सै, तो
पलटन लेकै छुड़ा ल्याया। 28 मै जाणणा चाहूँ था के वे उसपै किस कारण दोष लावै सै, ज्यांतै उस
ताहीं यहूदी अगुवां की सभा म्ह ले गया। 29 फेर मन्नै जाण लिया के वे अपणे नियम-कायदे कै रोळे
कै बारै म्ह उसपै इल्जाम लगावै सै, पर मार देण जोग्गा या बाँधे जाणकै जोग्गा उस म्ह कोए कसूर
कोनी। 30 जिब मेरै ताहीं बताया गया के वे इस माणस की टाह म्ह लागरे सै तो मन्नै जिब्बे उस
ताहीं तेरे धोरै भेज दिया, अर बैरियाँ ताहीं भी हुकम दिया के तेरे स्याम्ही उसपै नालिश करै।
31 आखर म्ह जिसा सिपाहियाँ नै हुकम मिल्या था, उस्से तरियां ए वे पौलुस नै लेकै रातो-रात
अन्तिपत्रिस म्ह आये।
32 दुसरे दिन वे सवारा नै उसकै गेल्या जाणकै खात्तर छोड़कै खुद यरुशलेम म्ह बोहड़े। 33 उननै
कैसरिया पोहचकै राज्यपाल ताहीं चिट्ठी दी, अर पौलुस ताहीं भी उसकै स्याम्ही खडया करया।
34 राज्यपाल नै चिट्ठी पढ़कै बुझ्झया, "यो किस प्रान्त का सै?" 35 अर जिब जाण लिया के

किलिकिया परदेस का सै तो उसतै कह्या, “जिब तेरे बैरी भी आवैगें, तो मै तेरा मुकद्दमा करुँगा।”
अर उसनै उस ताहीं हेरोदेस कै किले म्ह पहरे म्ह राक्खण का हुकम दिया।

24

[illegible]

1 पाँच दिन कै पाच्छै हनन्याह महायाजक कई यहूदी अगुवें अर तिरतुल्लुस नामक किसे वकील
नै गेल्या लेकै कैसरिया नगर आ पोहचे। उननै राज्यपाल कै स्याम्ही पौलुस कि बुराई करी। 2 जिब
पौलुस बुलाया गया तो तिरतुल्लुस उसपै इल्जाम लाकै कहण लाग्या: “हे महामहिम फेलिक्स, तेरे
जरिये हम राज्जी-खुशी सां, अर तेरे इन्तजाम तै इस जात कै खात्तर घणीए बुराईयाँ सुधरदी जावै
सै। 3 इस ताहीं हम हरेक जगहां अर हरेक तरियां तै धन्यवाद कै गैल मान्नां सां। 4 मै तेरा और
ज्यादा बखत कोनी लेऊँ, मै तेरे तै बिनती करुँ सूं के दया करकै दो-एक बात सुण ले।”

5 “बात या सै के इस माणस ताहीं हमनै एक उत्पाती के रूप म्ह पाया सै, सारी दुनिया के यहूदिया
परदेस म्ह इसनै दंगे भड़काए सै, यो नासरियाँ के पंथ का नेता सै। 6 उसनै मन्दर ताहीं अशुद्ध करणा
चाह्या, पर हमनै उस ताहीं पकड़ लिया। (हमनै उस ताहीं अपणे नियम-कायदे कै मुताबिक सजा
दे दी होन्दी, 7 पर पलटन के सरदार लूसियास नै उस ताहीं हाँगै तै म्हारै हाथ तै खोस लिया, 8 अर
बैरियाँ ताहीं तेरे स्याम्ही आण का हुकम दिया।) इन सारी बात्तां नै जिनकै बारै म्ह हम उसपै इल्जाम
लावां सां, तू खुदे ए उसनै जाँच करकै जाण लेवैगा।”

9 यहूदियाँ नै भी उसका साथ देकै कह्या, ये बात इस्से ढाळ तै करी सै।

[illegible]

10 जिब राज्यपाल नै पौलुस ताहीं बोल्लण का इशारा करया, तो उसनै जवाब दिया: “मै न्यू
जाणकै के तू घणे साल्लां तै इस जात का न्याय करण लागरया सै, खुशी तै अपणा बदले का जवाब
देऊँ सूं। 11 तू आप्पे ए जाण सकै सै जिब तै मै यरुशलेम नगर के मन्दर म्ह आराधना करण नै आया,
मन्नै बारहा दिनां तै बाध कोनी होए, 12 उननै मेरै ताहीं ना मन्दर म्ह, ना आराधनालयाँ म्ह, ना
किसे नगर म्ह किसे तै बहस करदे या भीड़ लगांदे पाया, 13 अर ना तो वे उन बात्तां ताहीं, जिनका वे
इब मेरै पै दोष लावै सै, तेरे स्याम्ही साच्ची साबित कर सकै सै। 14 पर मै तेरे स्याम्ही यो मान ल्यु
सूं के जिस पन्थ नै वे बुरा पन्थ कहवै सै, उस्से की रीत पै मै अपणे बाप-दाद्दा के परमेसवर की सेवा
करुँ सूं, अर जो बात नियम-कायदे अर नबियाँ की किताबां म्ह लिक्खी सै, उन सारया पै बिश्वास
करुँ सूं। 15 अर परमेसवर तै आस राक्खूँ सूं जो वे खुद भी राक्खै सै, के धर्मी अर अधर्मी दोनुआ का
जिन्दा उठणा होवैगा। 16 इसतै मै खुद भी कोशिश करुँ सूं के परमेसवर की, अर माणसां की ओड़ तै
मेरा मन सारी-हाण बेकसूर रहवै।”

17 “घणे साल्लां पाच्छै मै गरीबां नै दान पोहोचाण, अर भेंट चढ़ाण आया था। 18 उस्से बखत
इननै मेरै ताहीं मन्दर म्ह, शुद्ध होण की रीति पूरी करते देख्या, ओड़ै ना कोए भीड़ थी, अर ना ए
किसे ढाळ का शोर, पर ओड़ै आसिया परदेस के कई यहूदी थे 19 जै मेरै बिरोध म्ह उनकै धोरै कोए
बात कहण की हो तो उरै तेरे स्याम्ही आकै मेरै पै इल्जाम लांदे। 20 या ये खुद ए बतावै के जिब मै
यहूदी अगुवां की सभा कै स्याम्ही खड्या था, तो उननै मेरै म्ह कौण सा कसूर पाया? 21 इस एक
बात नै छोड़ जो मन्नै उनकै बिचाळै खड्या होकै कही थी: ‘मरे होया के जिन्दा उठण कै बारै म्ह
आज मेरा थारे स्याम्ही मुकद्दमा होण लागरया सै।’ ”

22 फेलिक्स नै, जो इस पन्थ की बात सही-सही जाणै था, उन ताहीं न्यू कहकै टाळ दिया, “जिब
पलटन का सरदार लूसियास आवैगा, तो थारी बात का फैसला करुँगा।” 23 उसनै सूबेदार ताहीं हुकम
दिया के पौलुस ताहीं जेळ म्ह तो राख्या जावै पर उस ताहीं इतनी छूट जरुर दी जावै के उसके खास
साथी आकै उसकी सेवा कर सकै।

[illegible]

24 कुछ दिनां पाच्छै फेलिक्स हाकिम अपणी घरआळी दुसिल्ला ताहीं, जो यहूदी थी, गेल्या लेकै
आया अर पौलुस ताहीं बुलवाकै उस बिश्वास कै बारै म्ह जो मसीह यीशु पै सै, उसतै सुण्या। 25 जिब
पौलुस धर्म, अर संयम, अर आण आळे न्याय का जिक्र करण लागरया था, तो फेलिक्स नै भयभीत
होकै जवाब दिया, "इब तो जा, मौक्का मिल तिए मै तन्नै दुबारा बुलवाऊँगा।" 26 फेलिक्स ताहीं
पौलुस तै कुछ रपिये मिलण की भी आस थी, ज्यांतै और भी बुला-बुलाकै उसतै बात करया करै था।
27 पर जिब दो साल बीतगे तो पुरकियुस फेस्तुस, फेलिक्स की जगहां पै आया, अर फेलिक्स
यहूदियाँ ताहीं राज्जी करण की मर्जी तै पौलुस ताहीं कैदी ए छोड़ ग्या।

25

[illegible]

1 राज्यपाल पद का काम सम्भाळण के तीन दिन बाद फेस्तुस कैसरिया नगर तै यरुशलेम नगर
म्ह गया। 2 फेर प्रधान याजकां अर यहूदियाँ के खास माणसां नै उसकै स्याम्ही पौलुस की बुराई
करी, 3 के वो खियास करकै पौलुस ताहीं यरुशलेम नगर भेजदे, असल म्ह उसकी तरकीब राह म्ह
मौक्का देखकै पौलुस ताहीं मारण की थी। 4 फेस्तुस नै जवाब दिया, "पौलुस कैसरिया म्ह पहरे म्ह
सै, अर मै आप्पे ए तावळ तै ओड़ै जाऊँगा।" 5 फेर बोल्या, "थारे म्ह जो अधिकार राक्खै सै वे गैल
चाल्लै, अर जै इस माणस नै किमे गलत काम करया सै तो उसपै इल्जाम लावै।"
6 उनकै बिचाळै कोए आठ-दस दिन रहकै फेस्तुस कैसरिया चल्या गया, अर दुसरे दिन न्याय-गद्दी
पै बैठकै पौलुस ताहीं ल्याण का हुकम दिया। 7 जिब वो आया तो जो यहूदी अगुवें यरुशलेम नगर
तै आये थे, उननै लोवै-धोवै खड़े होकै उसपै घणे भारया दोष लगाये, जिनका सबूत वे कोनी दे सकै
थे।
8 पर पौलुस नै जवाब दिया, "मन्नै ना तो यहूदियाँ के नियम-कायदे कै अर ना मन्दर कै, अर ना
ए कैसर कै बिरुध्द कोए अपराध करया सै।"
9 फेर फेस्तुस नै यहूदी अगुवां ताहीं राज्जी करण के मकसद तै पौलुस तै कह्या, "के तू चाहवै सै
के यरुशलेम नगर नै जावै, अर ओड़ै मेरै स्याम्ही तेरा यो मुकद्दमा तय करया जावै?"
10 पौलुस नै कह्या, "मै कैसर कै न्याय-गद्दी कै स्याम्ही खड्या सूं, मेरै मुकद्दमे फैसला उरैए होणा
चाहिये। जिसा तन्नै आच्छी ढाळ बेरा सै, यहूदियाँ का मन्नै किमे अपराध कोनी करया। 11 जै मै
अपराधी सूं अर मारण कै जोग्गा कोए काम करया सै, तो मरण तै कोनी नाटदा, पर जिन बात्तां की
ये मेरै पै इल्जाम लावै सै, जै उन म्ह तै कोए भी बात साच्ची न्ही लिकड़ी, तो कोए मेरै ताहीं उनकै
हाथ्थां न्ही सौंप सकदा। मै कैसर की दुहाई द्यु सूं।"
12 फेर फेस्तुस नै मन्त्रियाँ की सभा कै गेल्या बात करकै जवाब दिया, "तन्नै कैसर की दुहाई दी
सै, तू कैसर कै ए धोरै जावैगा।"

[illegible]

13 कुछे दिन बीतण कै पाच्छै अग्रिप्पा राजा अर बिरनीके नै कैसरिया म्ह आकै फेस्तुस तै भेंट
करी। 14 उनकै घणे दिन ओड़ै रहण कै पाच्छै फेस्तुस नै पौलुस कै बारै म्ह राजा ताहीं बताया "एक
माणस सै, जिस ताहीं फेलिक्स कैदी छोड़ ग्या सै।" 15 जिब मै यरुशलेम नगर म्ह था, तो प्रधान
याजक अर यहूदिया परदेस के यहूदी अगुवां नै उसकी बुराई करी अर चाह्या के उसपै दण्ड का हुकम
होवै।
16 पर मन्नै उन ताहीं जवाब दिया के रोमियों की या रीत कोनी के किसे माणस ताहीं सजा कै
खात्तर सौंप देवै, जिब ताहीं मुजरिम ताहीं अपणे बैरियाँ कै स्याम्ही खड़े होकै दोष का जवाब देण
का मौक्का ना मिलै। 17 आखर जिब वे कठ्ठे होए, तो मन्नै किमे वार कोनी करी, पर दुसरे ए दिन
न्याय-गद्दी पै बैठकै उस माणस ताहीं ल्याण का हुकम दिया। 18 जिब उसके बैरी खड़े होए, तो उननै

इसी गलत बात्तां की इल्जाम कोनी लाई, जिसा मै समझूँ था। [19] पर वे अपणे पंथ कै अर यीशु नाम
किसे माणस कै बारै म्ह, जो मरग्या था अर पौलुस उस ताहीं जिन्दा बतावै था, बहस करै थे। [20] मै
उळझन म्ह था के इन बात्तां का बेरा किस ढाळ लाऊँ? ज्यांतै मन्नै उसतै बुझ्झया, के तू यरुशलेम
नगर जावैगा के ओड़ै इन बात्तां का फैसला होवै? [21] पर जिब पौलुस नै दुहाई देई के "उसकै मुकद्दमे
का फैसला सम्राट कै उरै हो, तो मन्नै हुकम दिया के जिब तक उस ताहीं कैसर कै धोरै न्ही भेज्जू,
उस ताहीं हिरासत म्ह राख्या जावै।"

[22] फेर अग्रिप्पा नै फेस्तुस तै कह्या, "मै भी उस माणस की सुणणा चाहूँ सूं।" उसनै कह्या, "तू
काल सुण लेवैगा।"

[23] आखर म्ह दुसरे दिन जिब अग्रिप्पा अर बिरनीके बड्डी धूम-धड़ाकै तै आये अर पलटन के
सरदारां अर नगर के खास आदमियाँ कै गेल्या दरबार म्ह पोहचे। फेर फेस्तुस नै हुकम दिया के वे
पौलुस ताहीं ली यावै। [24] फेस्तुस नै कह्या, "हे राजा अग्रिप्पा, अर हे सारे माणसों जो उरै म्हारै
गेल्या सो, थम इस माणस नै देक्खो सो, जिसकै बारै म्ह सारे यहूदियाँ नै यरुशलेम नगर म्ह अर
उरै भी रुक्के मार-मारकै मेरै तै बिनती करी के इसका जिन्दा रहणा सही कोनी। [25] पर मन्नै बेरा
पाट लिया के उसनै इसा किमे कोनी करया के मार दिया जा, अर जिब के उसनै आप्पे ए सम्राट की
दुहाई दी, तो मन्नै उस ताहीं खन्दाण का फैसला करया। [26] मन्नै उसकै बारै म्ह कोए पक्की बात
कोनी पाई के अपणे माल्लिक कै धोरै लिखूँ। ज्यांतै मै उस ताहीं थारे स्याम्ही अर खासकर हे राजा
अग्रिप्पा तेरे स्याम्ही ल्याया सूं के जाँचे पाच्छै मन्नै किमे लिखण का मौक्का मिलै। [27] क्यूँके कैदी
ताहीं खन्दाणा अर जो दोष उसपै लगाये सै, उन ताहीं न्ही बताणा, मन्नै खामखां लाग्या सै।"

26

[illegible]

[1] अग्रिप्पा नै पौलुस तै कह्या, "तेरे ताहीं अपणे बाबत बोल्लण की आज्ञा सै।" फेर पौलुस हाथ
तै इशारा करकै जवाब देण लाग्या, [2] "हे राजा अग्रिप्पा, जितनी बात्तां का यहूदी अगुवें मेरै पै
इल्जाम लावै सै, आज तेरे स्याम्ही उनका जवाब देण म्ह अपणे ताहीं धन्य समझूँ सूं, [3] खास करकै
ज्यांतै के तू सारी यहूदी प्रथा अर परेशानियाँ नै भली-भाँति जाणै सै। इस करकै मै बिनती करुँ सूं,
धीरज तै मेरी सुण।"

[4] "मेरा चाल-चलण शरुआत तै अपणी जात कै बिचाळै अर यरुशलेम नगर म्ह जिसा था, उसका
सारे यहूदियाँ नै बेरा सै। [5] जै वे गवाही देणा चाहवैं, तो तू मेरै ताहीं तब तै पिच्छाणै सै जिब मै
जवान था, के मै फरीसी होकै अपणे धर्म कै सबतै खरे पन्थ कै मुताबिक चाल्या। [6] अर आज मै
परमेसवर के जरिये म्हारे पूर्वजां नै दिए गये उस वादे की आस के कारण उरै दोषी के रूप म्ह खड्या
सूं। [7] यो वोए वादा सै, जिसके पूरे होण की आस म्हारे बारहां कुल दिन-रात सच्चाई म्ह परमेसवर
की भगति-आराधना करदे होए आये सै। हे राजा, आज मेरे पै यहूदियाँ के जरिये मुकद्दमा इस्से आस
कै कारण चलाया जाण लागरया सै। [8] जिब के परमेसवर मरे होया नै जिन्दा करै सै, तो थारे उरै या
बात क्यांतै बिश्वास कै जोग्गी कोनी समझी जान्दी?"

[9] "मन्नै भी समझया था के यीशु नासरी कै नाम कै बिरोध म्ह मन्नै भोत कुछ करणा चाहिये।
[10] अर मन्नै यरुशलेम नगर म्ह न्यूए करया, अर प्रधान याजकां तै हक पाकै घणखरे पवित्र माणसां
ताहीं जेळ म्ह गेरया, अर जिब वे मार दिये जावै थे तो मै भी उनकै बिरोध म्ह अपणी राय द्यु था।
[11] हरेक आराधनालय म्ह मै उन ताहीं कांल कर-करकै यीशु की बुराई करवाऊँ था, उरै ताहीं के छो
के मारे इसा बावळा होग्या के दुसरे नगरां म्ह भी जाकै उन ताहीं कांल करुँ था।"

[illegible]
([illegible] 9:1-19; 22:6-16)

12 “इस्से धुन म्ह जिब मै प्रधान याजकां तै अधिकार अर हुकम-चिट्ठी लेकै दमिश्क नगर नै
जाण लागरया था, 13 तो हे राजा, राह म्ह दोफारी कै बखत मन्नै अकास तै सूरज कै तेज तै भी बढ़कै
एक चाँदणा, अपणे अर अपणे गेल्या चाल्लण आळा कै चौगरदे नै चमकदा होड़ देख्या। 14 जिब
हम सारे धरती पै पड़गे, तो मन्नै इब्रानी भाषा म्ह, मेरै तै न्यू कहन्दे होए एक बोल सुण्या, ‘हे
शाऊल, हे शाऊल, तू मन्नै क्यांतै सतावै सै? पैने पै लात मारणा तेरे खात्तर ओक्खा सै। (जै तू
मन्नै सतावैगा तो तू खुद नै सतावैगा)’ ”
15 फेर मै बोल्या, “हे प्रभु, तू कौण सै?” प्रभु नै कह्या, “ ‘मै यीशु सूं, जिस ताहीं तू सतावै सै।
16 पर तू उठ, अपणे पायां पै खड्या हो, क्यूँके मन्नै तेरे ताहीं ज्यांतै दर्शन दिया सै के तन्नै उन
बात्तां का भी सेवक अर गवाह ठहराऊँ, जो तन्नै देक्खी सै, अर उनका भी जिनकै खात्तर मै तन्नै
दर्शन दियुँगा। 17 अर मै तन्नै तेरे माणसां तै अर गैर यहूदियाँ तै बचान्दा रहूँगा, जिनकै धोरै मै इब
तन्नै इस करकै भेज्जू सूं 18 के तू उनकी आँख खोल्लै के वे अन्धेरै तै चाँदणे कान्ही, अर शैतान कै
अधिकार तै परमेसवर कै कान्ही पलटै, इस करकै के पापां की माफी अर उन माणसां कै गेल्या जो
मेरै पै बिश्वास करण तै पवित्र करे गये सै, वसियत पावैं।’ ”

[illegible]

19 “इस करकै हे राजा अग्रिप्पा, मन्नै उस सुर्गीय दर्शन की बात कोनी टाळी, 20 मन्नै सबतै
पैहल्या दमिश्क नगर कै, फेर यरुशलेम नगर कै, अर फेर यहूदिया परदेस के बासिन्दा ताहीं, अर
गैर यहूदियाँ म्ह भी यो प्रचार करदा रहया के पाप करणा छोड़कै परमेसवर कान्ही बोहड़ आओ,
अर अपणे सुभाव के जरिये यो साबित करो के थमनै पाप करणा छोड़ दिया सै। 21 इन बात्तां कै
कारण यहूदी मन्नै मन्दर म्ह पकड़कै मार देण की कोशिश करै थे। 22 पर परमेसवर की मदद तै मै
आज ताहीं बण्या सूं छोटचा-बड़या सारया कै स्याम्ही गवाही द्यूँ सूं, अर उन बात्तां नै छोड़ किमे
कोनी कहन्दा जो नबियाँ अर मूसा नबी नै भी कह्या के होण आळी सै, 23 के मसीह नै दुख ठाणा
होगा, अर वोए सब तै पैहल्या मरे होया म्ह तै जी उठकै, म्हारै माणसां म्ह गैर यहूदियाँ म्ह चाँदणे
का प्रचार करैगा।”
24 जिब वो इस तरियां तै जवाब देण लागरया था, तो फेस्तुस नै ऊँच्ची आवाज म्ह कह्या, “हे
पौलुस, तू बावळा सै। घणे ज्ञान नै तेरे ताहीं बावळा कर दिया सै।”
25 पर पौलुस नै कह्या, “हे महामहिम फेस्तुस, मै बावळा कोनी, पर सच्चाई अर बुद्धि की बात
कहूँ सूं। 26 राजा नै भी जिसकै स्याम्ही मै बिना डरे बोल्लण लागरया सूं, इन बात्तां का बेरा सै, अर
मन्नै बिश्वास सै के इन बात्तां म्ह तै कोए उसतै लुक्ही कोनी, क्यूँके यो वाक्या गुप्त म्ह कोनी होया।
27 हे राजा अग्रिप्पा, के तू नबियाँ का बिश्वास करै सै? हाँ, मन्नै बेरा सै के तू बिश्वास करै सै।”
28 फेर अग्रिप्पा नै पौलुस तै कह्या, “तू माड़े-से समझाण तै मन्नै मसीह बणाणा चाहवै सै?”
29 पौलुस बोल्या, “परमेसवर तै मेरी प्रार्थना सै के, देर या सबेर तै, पर ये सारे सुणण आळे, जो
आज मेरी बात सुणै सै, वे मेरै समान हो जावै।”
30 फेर राजा अर अधिकारी अर बिरनीके अर उनकै गेल्या बैठणीये उठ खड़े होए, 31 न्यायालय तै
बाहर लिकाड़कै आप्पस म्ह कहण लाग्गे, “यो माणस इसा तो किमे कोनी करदा, जो मौत की सजा
या जेळ, म्ह गेरण जोग्गा हो।”
32 अग्रिप्पा नै फेस्तुस तै कह्या, “जै यो माणस कैसर की दुहाई न्ही देंदा, तो छूट सकै था।”

27

[illegible]

1 जिब फेस्तुस राज्यपाल के जरिये यो पक्का होग्या के हम जहाज कै जरिये इटली देश जावां, तो
उननै पौलुस अर कुछ दुसरे कैदियाँ ताहीं भी यूलियुस नामक औगुस्तुस सम्राट की पलटन कै एक
सूबेदार कै हाथ्थां सौंप दिया। 2 अद्रमुत्तियुम नगर के एक जहाज पै जो आसिया परदेस कै किनारे

की जगहां पै जाण पै था, पाणी रास्ते हमनै अपणा सफर शरु करया, अर अरिस्तर्खुस नामक जो
मकिदुनिया परदेस के थिस्सलुनीके नगर का एक बसिन्दा था।
3 दुसरे दिन हम सैदा नगर पोह्चाये गये, अर यूलियुस नै पौलुस पै दया करकै उस ताहीं साथियाँ
कै उरै जाण दिया के उनतै जरूरी चीज ले आवां। 4 ओड़ै तै हमनै सफर दुबारा शरु करया, हवा
कै पलट होण कै कारण हम साइप्रस टापू की ओट म्ह होकै चाल्ले, 5 अर किलिकिया परदेस अर
पंफूलिया किनारे कै लोवै कै समुन्दर म्ह होकै लूसिया के मूरा नगर म्ह उतरे। 6 ओड़ै सूबेदार नै
सिकन्दरिया नगर का एक जहाज इटली देश जान्दा होड़ मिल्या, अर उसनै म्हारै ताहीं उस जहाज
पै चढ़ा दिया। 7 जिब हम घणे दिनां ताहीं होळे-होळे चालकै मुश्किल तै कनिदुस कस्बे कै स्याम्ही
पोह्चे, तो इस करकै के हवा म्हारै ताहीं आग्गै बढ़ण कोनी देवै थी, हम सलमोने कै स्याम्ही तै होकै
क्रेते टापू की आड़ म्ह चाल्ले, 8 अर उसकै किनारे-किनारे मुश्किल तै चालकै "शुभलंगरबारी" नामक
एक जगहां पोह्चे, जित्त तै लसया नगर लोवै था।
9 जिब घणे दिन बीत लिये अर पाणी कै सफर म्ह जोख्खम ज्यांतै होवै थी ब्रत के दिन इब बीत
लिये थे। आखर म्ह पौलुस नै उन सारया ताहीं कहकै चेतावनी दी, 10 "हे सज्जनों, मन्नै इसा लाग्गै
सै के इस सफर म्ह मुश्किल अर घणा नुकसान, ना सिर्फ माळ अर जहाज की बल्के म्हारी जान का
भी, होणआळा सै।" 11 पर सूबेदार नै पौलुस की बात्तां तै कप्तान अर जहाज कै माल्लिक की बात्तां
तै बाध मान्या। 12 शुभ लंगरबारी नाम का बंदरगाह जाड्डा काटण कै खात्तर सही कोनी था, ज्यांतै
घणाए् का विचार होया के ओड़ै तै आग्गै बढ़ जावां जै किसे तरियां तै हो सकै तो फीनिक्स पोह्चकै
जाड्डा काटै। यो तो क्रेते टापू का एक बंदरगाह सै जो दक्षिण-पश्चिम अर उत्तर-पश्चिम कान्ही
खुलै सै।

[illegible]

13 जिब दक्षिणी हवा होळे-होळे चाल्लण लाग्गी, तो न्यू सोच्या के उनकी तरकीब पूरी करण
खात्तर बढ़िया बखत था, लंगर उठाया अर किनारे धौरै होन्दे होए् क्रेते टापू कै किनारे जाण लाग्गे।
14 पर माड़ी वार म्ह धरती कै कान्ही तै बड्डी ए आँधी उठी, जो "यूरकुलिन" कुह्वावै सै। 15 जिब
आँधी जहाज पै लाग्गी तो जहाज उसकै स्याम्ही ठैहर कोनी सक्या, इस करकै हमनै जहाज ताहीं हवा
के बाहाव छोड़ दिया, अर इस्से तरियां बहन्दे होए् चाल्ले गये। 16 फेर कौदा नामक एक छोट्टे-से
टापू की आड़ म्ह बहन्दे-बहन्दे हम मुश्किल तै डोंगी नै बस म्ह कर सके। 17 फेर जहाज के मल्लाहां
नै उस ताहीं ठाकै सही उपाय करकै जहाज ताहीं तळै तै रस्यां तै कसकै बाँधया, अर सुरतिस खाड़ी
के चोरबालू पै फँस जाणकै डर तै उननै लंगर ताहीं थोड़े नीच्चै उतारकै जहाज ताहीं हवा के बाहाव
के गैल-गैल बहण कै खात्तर छोड़ दिया। 18 जिब हमनै आँधी तै घणे हिचकोले अर धक्के खाए,
तो दुसरे दिन वे जहाज का माळ बगाण लाग्गे, 19 अर तीसरे दिन उननै अपणे हात्थां तै जहाज
का साज-सामान भी बगा दिया। 20 जिब घणे दिन ताहीं ना सूरज, ना तारे दिक्खे अर बड्डी आँधी
चाल्दी रही, तो आखर म्ह म्हारै बचण की सारी उम्मीद जान्दी रही।
21 जिब वे घणे दिन ताहीं भूखे रह लिये, तो पौलुस नै उनकै बिचाळै खड़े होकै कह्या, "हे भाईयो,
चाहिये था के थम मेरी बात मानकै क्रेते टापू तै आग्गै ए ना बढ़ते तो या मुसीबत न्ही आन्दी अर
ना यो नुकसान ठान्दे। 22 पर इब मै थमनै समझाऊँ सूं के धीरज राक्खो, क्यूँके थारे म्ह तै किसे की
जान का नुकसान कोनी होवैगा, पर सिर्फ जहाज का। 23 क्यूँके परमेसवर जिसका मै सूं, अर जिसकी
भगति करुँ सूं, उसके सुर्गदूत नै आखरी रात मेरै धोरै आकै कह्या, 24 'हे पौलुस, डरै मतना! तन्नै
कैसर कै स्याम्ही खडया होणा जरूरी सै। परमेसवर नै सारया ताहीं जो तेरे गेल्या सफर करै सै,
जीवन दान दिया सै।' 25 ज्यांतै, हे भले माणसों, सब्र करो, क्यूँके मै परमेसवर का बिश्वास करुँ सूं,
के जिसा मेरै तै कह्या गया सै, उसाए् होगा। 26 पर म्हारै ताहीं किसे टापू पै जा टिकणा होगा।"

[illegible]

27 जिब चौदहवीं रात आई, अर हम अद्रिया समुन्दर म्ह भटकदे होए हाँ डरे थे, तो आध्धी रात
के लोवै मल्लाहां नै अंदाजे तै जाण्या के हम किसे देश कै लोवै पोहच रहे सां। 28 पाणी की गहराई
नाप्पण पै उननै एक सौ बीस फुट डून्घा पाया, अर थोड़ा आग्गै बढ़कै दुबारा थाह लेई तो नब्बै फुट
पाया। 29 फेर पथरीली जगहां तै टकराण कै डर तै उननै जहाज की पिछली ओड़ चार लंगर गेरे,
अर सबेरै होण की चाह करदे रहे। 30 पर जिब मल्लाह जहाज पै तै भाजणा चाहवैं थे, अर गलही तै
लंगर गेरण कै बहाणै डोंगी समुन्दर म्ह उतार दी, 31 तो पौलुस नै सूबेदार अर सिपाहियाँ तै कह्या,
"जै ये जहाज पै न्ही रहे, तो थम भी कोनी बच सकदे।" 32 फेर सिपाहियाँ नै जोड़े काटकै डोंगी गेर
दी।
33 जिब सबेरै होण पै था, फेर पौलुस नै न्यू कहकै, सारया ताहीं खाणा खाण कै खात्तर बिनती
करी, "आज चौदहा दिन होगे सै के थम चिन्ता करते-करते भूखे रहे, अर किमे न्ही खाया। 34 ज्यांतै
थारे तै समझाऊँ सूं के किमे खा ल्यो, जिसतै थारा बचाव होवै, क्यूँके थारे म्ह तै किसे का सिर का एक
बाल भी कोनी गिरैगा।" 35 न्यू कहकै उसनै रोट्टी लेकै सारया कै स्याम्ही परमेसवर का धन्यवाद
करया अर तोड़कै खाण लाग्या। 36 इस बात तै वे सारे उत्साहित होकै खाणा खुवाण लाग्गे। 37 हम
सारे मिलकै जहाज पै दो सौ छिहत्तर जणे थे। 38 जिब वे खाणा खाकै छिक्क लिये, तो गेहूँ ताहीं
समुन्दर म्ह बगाकै जहाज हल्का करण लाग्गे।
39 जिब दिन लिकड़या तो उननै उस देश ताहीं कोनी पिच्छाणा, पर एक खाड़ी देक्खी जिसका
किनारा चौरस था, अर विचार करया के जै हो सकै तो इस्से पै जहाज नै टिकावै। 40 फेर उननै लंगरा
ताहीं खोल कै समुन्दर म्ह छोड़ दिया अर उस्से बखत पाल के रस्से ढील्ले कर दिये, अर हवा कै
स्याम्ही आगला पाल चढ़ाकै किनारे कै कान्ही चाल्ले। 41 पर दो समुन्दर के संगम की जगहां पड़कै
उननै जहाज ताहीं टिकाया, अर आगला भाग तो टिक ग्या, पर पिछली ओड़ लहरा तै टूटण लाग्गी।
42 फेर सिपाहियाँ का यो विचार होया के कैदियाँ ताहीं मार देवैं, इसा ना हो के कोए तैर कै लिकड़
भाज्जै। 43 पर सूबेदार नै पौलुस ताहीं बचाण की मर्जी तै उन ताहीं इस विचार तै रोक्या अर न्यू
कह्या, के जो तैर सकै सै, पैहल्या छलाँग मारकै किनारे पै लिकड़ जावै। 44 अर बाकी कोए फट्टा
पै, अर कोए जहाज की दुसरी चीज कै सहारै लिकड़ जावै। इस तरियां तै सारे धरती पै बच लिकड़े।

28

[illegible]

1 जिब हम बच लिकड़े, तो बेरा लाग्या के यो माल्टा टापू कुह्वावै सै। 2 ओड़ै के बासिन्दयां नै
म्हारै पै अनोक्खी दया करी, क्यूँके मिह बरसण कै कारण ठण्ड थी, ज्यांतै आग सुलगाकै हम सारया
ताहीं ठहराया। 3 जिब पौलुस नै लाकड़ियाँ का भरोटा कठ्ठा करकै आग पै धरया, तो एक साँप आँच
पाकै लिकड़या अर उसकै हाथ तै लिपट गया। 4 जिब उन बासिन्दयां नै साँप ताहीं उसकै हाथ तै
लिपटे होड़ देख्या, तो आप्पस म्ह कह्या, "साच्चए यो माणस खून्नी सै के फेर भी समुन्दर तै बच
ग्या, तोभी न्याय नै जिन्दा कोनी रहण दिया।" 5 फेर उसनै साँप ताहीं आग म्ह झटक दिया, अर उस
ताहीं किमे नुकसान कोनी होया। 6 पर वे लोग बाट देक्खै थे के वो सूज जावैगा या चाणचक पड़कै
मर जावैगा, पर जिब वे घणी वार ताहीं देखदे रहे अर देख्या के उसका किमे भी कोनी बिगड़या, तो
अपणा विचार बदलकै कह्या, "यो तो कोए देवता सै।"
7 उस जगहां कै लोवै-धोवै उस टापू कै प्रधान पुबलियुस की धरती थी। उसनै म्हारै ताहीं अपणे
घरां ले जाकै तीन दिन मित्तर की ढाळ सेवा-पाणी करी। 8 पुबलियुस का बाप बुखार अर बवासीर
तै बीमार पड्या था। आखर म्ह पौलुस नै उसकै धोरै कमरे म्ह जाकै प्रार्थना करी अर उसपै हाथ
धरकै उस ताहीं ठीक करया। 9 जिब इसा होया तो उस टापू के बाकी बीमार पौलुस कै धोरै आये अर
वे चंगे करे गये। 10 उननै म्हारा घणा आदर-मान करया, अर जिब हम चाल्लण लाग्गे तो जो किमे
म्हारै खात्तर जरूरी था, उननै जहाज पै धर दिया।

[illegible]

11 तीन महिन्ने कै पाच्छै हमनै सिकन्दरिया जावण आळे जहाज पै सफर शरु करया, यो जहाज
ठण्ड़ के कारण इस टापू म्ह ठैहरा होया था, इस जहाज के आगले भाग पै एक जोड़ी देवत्यां का एक
निशान था। (दियुसकूरी गढ़ी होई थी) 12 सुरकूसा नगर म्ह लंगर गेर कै हम तीन दिन टिके रहे।
13 ओड़ै तै आग्गै बढ़कै हम रेगियुम नगर म्ह आये, अर एक दिन कै पाच्छै दक्षिणी हवा चाल्ली, फेर
हम दुसरे दिन पुतियुली नगर म्ह आये। 14 ओड़ै हमनै बिश्वासी भाई मिले, उनकै कहणे तै हम उनकै
उरै सात दिन ताहीं रहे, अर इस तरियां तै हम रोम देश कान्ही चाल्ले। 15 कुछ बिश्वासी भाई रोम
देश तै म्हारी खबर सुणकै अप्पियुस कै चौक अर तीन-सराए ताहीं म्हारै तै फेटण नै लिकड़ आये,
जिन नै देखकै पौलुस नै परमेसवर का धन्यवाद करया अर बड़ा उत्साहित होया। 16 जिब हम रोम
नगर म्ह पोहचे, तो पौलुस ताहीं एक सिपाही कै गेल्या जो उसकी रुखाळी करै था, एक्ले रहण का
हुकम मिलग्या।

[illegible]

17 तीन दिन कै पाच्छै उसनै यहूदियाँ कै खास माणसां ताहीं बुलाया, अर जिब वे कठ्ठे होए तो
उनतै कह्या, "हे भाईयो, मन्नै अपणे माणसां कै या बाप-दाद्या कै बीवारां कै बिरोध म्ह किमे भी कोनी
करया, तोभी कैदी बणाकै यरुशलेम नगर तै रोमी सरकार कै हाथ्थां सौंप्या गया। 18 उननै मेरै ताहीं
जाँचकै छोड़ देणा चाह्या, क्यूँके मेरै म्ह मौत कै जोग्गा कोए कसूर कोनी था। 19 पर जिब यहूदी
अगुवें इसकै बिरोध म्ह बोल्लण लाग्गे, तो मन्नै कैसर की दुहाई देणी पड़ी यो न्ही के मन्नै अपणे
माणसां पै कोए दोष लाणा था। 20 ज्यांतै मन्नै थारे ताहीं बुलाया सै के थारे तै मिलूं अर बतळाऊँ,
क्यूँके इस्राएल की आस कै खात्तर वो मसीह इस बेल तै जकड़े होए सै।"

21 उननै उसतै कह्या, "ना हमनै तेरे बारै म्ह यहूदिया परदेस तै चिट्ठी पाई, अर ना बिश्वासी
भाईयाँ म्ह तै किसे नै आकै तेरे बारै म्ह किमे बताया अर ना बुरा कह्या। 22 पर तेरा विचार के सै?
वोए हम तेरे तै सुणणा चाहवां सां, क्यूँके हमनै बेरा सै के हरेक जगहां इस पंथ कै बिरोध म्ह माणस
बात करै सै।"

23 फेर जो यहूदी पौलुस कै गैल थे, उननै उसकै खात्तर एक दिन ठहराया, अर घणे माणस उसकै
उरै कठ्ठे होए, अर वो परमेसवर कै राज्य की गवाही देंदा होया, अर मूसा नबी के नियम-कायदे
अर नबियाँ की किताबां तै यीशु कै बारै म्ह समझा-समझाकै सबेरै तै साँझ ताहीं वर्णन करदा रहया।
24 फेर कुछां नै उन बात्तां ताहीं मान लिया, अर कुछां नै बिश्वास कोनी करया। 25 जिब वे आप्पस
म्ह एक पंथ कोनी होए, तो पौलुस की इस बात कै कहण पै चाल्ले गये "पवित्र आत्मा नै यशायाह
नबी कै जरिये थारे बाप-दाद्या तै सही ए कह्या था,"

26 "जाकै इन माणसां तै कह,
के सुणदे तो रहोगे, पर ना समझोगे,
देखदे तो रहोगे, पर ना बुझ्झोगे!
27 क्यूँके 'इन माणसां का मन मोट्टा
अर उनके कान भारया हो गये सै,
अर उननै अपणी आँख मूंद ली सै,
इसा ना हो के वे कदे आँखां तै देक्खै
अर कान्ना तै सुणै अर मन तै समझै
अर पलटै, अर मै उन ताहीं ठीक करुँ।'

28 "इस करकै थम जाणो सो के परमेसवर कै इस उद्धार की कथा गैर यहूदियाँ कै धोरै भेज्जी गयी
सै, अर वे स्वीकार करैगें।" 29 जिब उसनै न्यू कह्या तो यहूदी आप्पस म्ह घणे बहस करण लाग्गे अर
ओड़ै तै चले गये।

30 वो पूरे दो साल अपणे किराए कै घर म्ह रहया, 31 अर जो उसकै धोरै आवै थे, उन सारया तै
मिलदा रहया अर बिना रोक-टोक घणा निडर होकै परमेसवर कै राज्य का प्रचार करदा अर प्रभु
यीशु मसीह की बात सिखान्दा रहया।

रोम नगर के माणसां ताहीं पौलुस की चिट्ठी

रोम नगर के माणसां ताहीं पौलुस की चिट्ठी लिखण का मकसद था रोम म्ह कलीसिया की यात्रा कै खात्तर राह तैयार करणा, जिसकी योजना पौलुस नै बणाई थी। उसकी योजना थी के थोड़े बखत ताहीं वो ओड़े के बिश्वासियाँ के बीच काम करै, फेर उनकी मदद तै स्पेन देश ताहीं जावै। इस किताब म्ह म्हारे ताहीं पौलुस के सन्देस का सारा विवरण मिल्या सै। रोम की कलीसिया के माणसां ताहीं नमस्कार अर उनकै खात्तर अपणी प्रार्थनाओं के बारै म्ह बताण बाद, पौलुस इस चिट्ठी की खास बात का जिक्र कर सै, क्यूँके इस सुसमाचार म्ह परमेसवर की धार्मिकता बिश्वास तै, अर बिश्वास खात्तर जाहिर होवै सै, (1:17)। पौलुस आग्गै इस खास बात नै खुलकै समझावै सै। सारी माणस जात, यहूदी अर गैर यहूदी दोनुआ नै, परमेसवर कै गैल मेलजोल करण की जरूरत सै, क्यूँके सारे समान रूप तै पाप के बस म्ह सै। यीशु मसीह म्ह बिश्वास के जरिये माणसां का परमेसवर के गैल मेलजोल होवै सै। फेर पौलुस मसीह के गैल नए जीवन का जिक्र करै सै, जो परमेसवर के गैल इस नए सम्बन्ध होण के कारण होवै सै। बिश्वासी का परमेसवर के गैल जो मेळ-मिलाप होवै सै, अर परमेसवर का आत्मा पाप अर मृत्यु के अधिकार तै उननै आजाद कर देवै सै। पाठ 5-8 म्ह पौलुस बिश्वासी के जीवन म्ह, परमेसवर के नियम-कायदा का मकसद, अर परमेसवर के आत्मा की शक्ति पै भी जिक्र करै सै। फेर प्रेरित इस सवाल तै जूझै सै, के सारी मानव जात्ति के खात्तर परमेसवर की योजना म्ह यहूदी अर गैर यहूदी किस तरियां आ सकै सै। वो इस नतिज्जें पै पोहंचै सै, के यहूदी माणसां के जरिये यीशु का ठुकराया जाणा भी परमेसवर की उस योजना का एक भाग सै, जो पूरी मानव जात्ति नै यीशु मसीह म्ह परमेसवर के अनुग्रह म्ह ल्याण खात्तर बणाई ग्यी सै, अर उसका बिश्वास सै के यहूदी लोग सदा यीशु तै मुकरते न्ही रहवैंगे। आखिर म्ह पौलुस लिखै सै, के मसीह जीवन किस तरियां जीणा चाहिए, खासकर दुसरयां के गैल प्यार राखणा। वो इन बात्तां नै जिसा के परमेसवर की सेवा, राज्य अर एक दुसरा के खात्तर बिश्वासियाँ का फर्ज, अर अन्तरात्मा के सवालां के रूप म्ह लेवै सै। वो चिट्ठी का समापन निजी सन्देसां अर परमेसवर की बड़ाई के गैल करै सै।

रूप-रेखा

भूमिका अर खास बात 1:1-17
माणस नै उद्धार की जरूरत 1:18-3:20
उद्धार परमेसवर का रास्ता सै 3:21-4:25
मसीह म्ह नया जीवन 5:1-8:39
परमेसवर की योजना म्ह इस्राएल 9:1-11:36
मसीह चाल-चलण 12:1-15:13
समापन अर व्यक्तिगत अभिवादन 15:14-16:27

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का दास सै अर परमेसवर के जरिये प्रेरित
होण कै खात्तर चुण्या गया अर उसका सुसमाचार सुणाण खात्तर न्यारा करया गया सै। 2 यीशु के इस
दुनिया म्ह आण तै भोत पैहले परमेसवर नै वादा करया था, के वो नबियाँ कै जरिये इस सुसमाचार
ताहीं जाहिर करै, जिननै इसके बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै। 3 यो सुसमाचार परमेसवर के
बेट्टे के बारें म्ह सै, जो म्हारा प्रभु यीशु मसीह सै। वो शारीरिक तौर पै तो राजा दाऊद की पीढ़ी
तै पैदा होया, 4 पर पवित्र आत्मा की शक्ति तै मरे होया म्ह तै जिन्दा होण के कारण परमेसवर का
बेट्टा कुह्वाया। 5 मसीह कै जरिये हमनै अनुग्रह अर प्रेरिताई परमेसवर तै मिली, ताके उसकै नाम
कै कारण गैर यहूदी माणस मसीह म्ह बिश्वास करकै उसकी मान्नै, 6 थम गैर यहूदी बिश्वासी जो

रोम नगर म्ह सों, उन माणसां म्ह शामिल सों, जिन ताहीं परमेसवर नै यीशु मसीह के माणस होण
खात्तर बुलाया सै।
7 या चिट्ठी रोम नगर के उन सारे माणसां के नाम सै, जो परमेसवर के प्यारे सै, अर उसके पवित्र
जन होण कै खात्तर बुलाए गये सै। मै प्रार्थना करुँ सूं, के म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह
की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै।

[illegible]

8 सब तै पैहल्या मै थम सारया कै खात्तर यीशु मसीह कै जरिये अपणे परमेसवर का धन्यवाद करुँ
सूं, क्यूँके यीशु मसीह म्ह थारे बिश्वास का जिक्र साब्ती दुनिया म्ह होरया सै। 9 परमेसवर, जिसकी
सेवा मै पूरे मन तै करुँ सूं, अर उसकै बेट्टे के सुसमाचार कै बारै म्ह माणसां ताहीं बताऊँ सूं, वोए
मेरा गवाह सै, के मै अपणी प्रार्थना म्ह थमनै किस तरियां सारी हाण याद करुँ सूं। 10 अर बिनती
करुँ सूं, के जै हो सक्या तो परमेसवर की इच्छा के मुताबिक मै थारे तै मिलण भी आऊँ। 11 क्यूँके मै
थारे तै मिलण की लालसा करुँ सूं, ताके मै थमनै कोए आत्मिक आशीष दियुँ जिसतै थम बिश्वास
म्ह मजबूत हो जाओ। 12 मेरे कहण का मतलब यो सै, के जिब मै थारे तै मिलु, तो मै थारे ताहीं अर
थम मन्नै उत्साहित कर सको, थम मेरे बिश्वास नै जाणकै मजबूत हो जाओ, अर मै थारे बिश्वास
नै जाणकै मजबूत हो जाऊँ। 13 हे बिश्वासी भाईयो, मै चाहूँ सूं के थम इस बात नै जाणो, के मन्नै
कई बार थारे धोरै आण की योजना बणाई, के मै थारे बीच म्ह उसीए आत्मिक बढ़ोतरी देख सकूँ,
जिसी मन्नै बाक्की गैर यहूदियाँ म्ह देक्खी सै, पर इब तक मेरे आण म्ह रुकावट ए होन्दी रही सै।
14 मै उन संस्कारी माणसां का जो यूनानी भाषा अर सभ्यता नै जाणै सै, अर जो माणस उनकी भाषा
अर सभ्यता नै न्ही जाणते, अर अकलमंद अर बेअक्ल माणसां ताहीं वचन सुणाण का मन म्ह बोझ
राक्खूँ सूं। 15 इस करकै म्ह मै थमनै भी जो रोम नगर म्ह रहो सो, सुसमाचार सुणाण खात्तर जमा
उत्सुक सूं।

[illegible]

16 क्यूँके मै मसीह के सुसमाचार के बारें म्ह कोनी सरमान्दा, परमेसवर अपणी शक्ति के जरिये
सब नै बचावै सै जो सुसमाचार पै बिश्वास करै सै, पैहल्या यहूदियाँ ताहीं अर फेर गैर यहूदी ताहीं।
17 क्यूँके सुसमाचार हमनै बतावै सै, के परमेसवर अपणी नजर म्ह हमनै किस तरियां धर्मी बणावै सै।
जो शरु तै लेकै अंत तक मसीह पै बिश्वास करण तै हो सै, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या भी सै,
के परमेसवर अपणी नजर म्ह धर्मी जन बणावै सै, वो बिश्वास तै जिन्दा रहवैगा।

[illegible]

18 परमेसवर का छो तो उन माणसां की सारी अभगति अर अधर्म के काम्मां के कारण जो माणस
करै सै, सुर्ग तै जाहिर हो सै, वो अपणे सब अधर्म के काम्मां तै माणस ताहीं, परमेसवर की सच्चाई
के बारें म्ह जाणण तै रोक्कै सै। 19 वे परमेसवर के बारें म्ह इस करकै सही अर आसान्नी तै जाण
सकै सै, क्यूँके परमेसवर नै उन ताहीं इन बात्तां के बारें म्ह बताया सै। 20 सच यो सै के दुनिया की
शरुआत तै ए परमेसवर के अनदेक्खे गुण, उसकी अनन्त सामर्थ्य अर उनका परमेसवरत्व, दुनिया म्ह
सै, अर दिक्खै भी सै, इस करकै माणस कै धोरै कोए बहाना कोनी, के वो परमेसवर नै न्ही जाणता।
21 परमेसवर का ज्ञान होण पै, भी उननै ना तो उस ताहीं परमेसवर होण कै लायक सम्मान दिया,
अर ना ए उसका धन्यवाद करया। इसके उल्ट वो उसके बारें म्ह बेकार की बात सोच्चण लाग्गे, अर
जिसा उन ताहीं सोचणा चाहिए था उसा न्ही सोच्या, पर बुरा ए सोच्या। 22 वे अपणे-आप ताहीं
अकलमंद मानकै बेअक्ले बणगे, 23 अर अविनाशी परमेसवर की महिमा न्ही करी, बल्के नाशवान
माणस, अर पंछियाँ, रेंगण आळे अर चार पैरां आळे जानवरां की मूर्ति की आराधना करण लाग्गे।
24 इस करकै परमेसवर नै उन ताहीं उनकै मन की बुरी इच्छा कै मुताबिक गलत काम करण खात्तर
छोड़ दिया ताके वे आप्पस म्ह अपणे शरीरां तै गन्दे काम करै। 25 क्यूँके उननै परमेसवर के बारें म्ह
सच्ची बात्तां ताहीं जाणण की बजाये झूठ पै बिश्वास करया, अर सृष्टि की चिज्जां की आराधना

अर सेवा करी, ना के उस सृजनहार परमेसवर की जो सदा खात्तर महिमा के लायक सै! आमीन।
26 ज्यांतै परमेसवर नै उन ताहीं उनकी नीच कामनाओं कै बस म्ह छोड़ दिया, जिस कारण उनकी
लुगाईयाँ नै भी प्राकृतिक संभोग की जगहां अप्राकृतिक संभोग अपणालिया। 27 उस्से तरियां ए
लुगाईयाँ कै गेल्या प्राकृतिक संभोग नै छोड़कै माणस दुसरे माणस कै खात्तर आप्पस म्ह कामुकता
म्ह जळण लाग्गे, अर माणस का माणस कै गेल्या बेशर्मी के काम करणा उनके उप्पर दण्ड लेकै आये।
28 अर जिब उननै परमेसवर ताहीं जाणणा बेवकूफी लाग्या, तो परमेसवर नै भी उन ताहीं उनकै
निकम्मे मन के बस म्ह छोड़ दिया, ताके वे बुरे काम करै। 29 ज्यांतै वे सारे ढाळ के अधर्म, दुष्टता,
लालच, अर बैर-भाव तै भरगे, अर जळण, हत्या, झगड़े, छळ, ईर्ष्या तै भरगे, अर चुगलखोर,
30 बदनाम करण आळे, परमेसवर तै नफरत करण आळे, बुराई करण आळे, दुसरयां की बेजती
करण आळे, डिंगमार, घमण्डी, भुंडी-भुंडी बात्तां कै बणाण आळे, माँ-बाप का हुकम ना मानण आळे,
31 बेअक्ले, बिश्वासघाती, प्यार अर दया की कमी अर निर्दयी होग्ये। 32 वे तो परमेसवर की या
धार्मिक विधि नै जाणै सै, के इसे-इसे काम करण आळे मौत के दण्ड कै जोग्गे सै, फेरभी ना सिर्फ
आप ए इसे काम करै सै, बल्के इसे काम करण आळा तै राज्जी भी होवै सै।

2

[illegible]

1 इस करकै हे मेरे बिश्वासी भाईयो, थम जो कोए भी क्यूँ ना हो, थारे धोरै इस बात का कोए जवाब
कोनी, के थम जो दुसरयां पै दोष लगाओ सों, तो उस बात के कारण खुद अपणे-आप पै दण्ड लेकै
आओ सों, क्यूँके जिस बात के बारें म्ह थम उसनै दोषी बणाओ हो, थम खुद भी वोए काम करो सों।
2 हमनै यो बेरा सै, के परमेसवर उसका न्याय धार्मिकता कै साथ जरुर करैगा, जो इसे बुरे काम करै
सै। 3 जिब के थम जो इसे-इसे काम करणीया पै दोष लगाओ सों, अर खुद वैए काम करो सों, के न्यू
समझों सों के थम परमेसवर के दण्ड तै बच जाओगे? 4 के थम परमेसवर की भलाई, सहनशीलता,
अर धीरजरूपी धन ताहीं तुच्छ जाणो सों? के थम न्ही समझते के परमेसवर की भलाई ए थारे ताहीं
पाप छोड़णा सिखावै सै? 5 पर थम हठिल्ले सों, अर पाप करणा न्ही छोड़दे, अर ना ए अपणे-आपनै
बदलना चाहन्दे। इस करकै जिस दिन परमेसवर अपणा छो दिखावैगा, उस दिन धार्मिकता कै साथ
उसका न्याय जाहिर होवैगा, अर वो थारे ताहीं भारी दण्ड देवैगा। 6 परमेसवर हरेक नै उसकै काम
कै मुताबिक फळ देवैगा। 7 जो माणस भले काम करते रहवै सै, अर परमेसवर की महिमा, आदर
अर अनन्त जीवन की खोज म्ह लाग्गे रहवै सै, परमेसवर उन सारया ताहीं अनन्त जीवन देवैगा।
8 पर जो मतलबी सै अर सच नै कोनी मान्दे, बल्के अधर्म नै मान्नैं सै, उनपै परमेसवर का छो अर
प्रकोप पड़ैगा। 9 क्लेश अर संकट हरेक माणस पै आवैगा। परमेसवर सबतै पैहल्या यहूदियाँ का
अर बाद म्ह उन माणसां का न्याय करैगा जो गैर यहूदी सै। 10 पर महिमा, आदर अर शान्ति हरेक नै
मिलैगी, जो भले काम करै सै, पैहल्या यहूदी ताहीं फेर उन माणसां ताहीं जो गैर यहूदी सै। 11 क्यूँके
परमेसवर किसे का पक्षपात कोनी करदा।
12 वे सारे गैर यहूदी माणस जिननै परमेसवर के नियम-कायदे जो मूसा नबी ताहीं मिले थे, उन
ताहीं जाणे बिना जिसनै पाप करया सै, वे नियम-कायदा नै बिना जाणे नाश भी होवैंगें, पर जिन नै
नियम-कायदे नै जाणकै भी पाप करया सै, उनका न्याय भी नियम-कायदे कै मुताबिक करया जावैगा।
13 क्यूँके परमेसवर की निगांह म्ह नियम-कायदे कै सुणण आळे धर्मी माणस कोनी, पर नियम-कायदे
पै चाल्लण आळा नै धर्मी बणावैगा। 14 फेर जिब गैर यहूदी लोग जिनकै धोरै मूसा नबी के नियम-
कायदे कोनी, कुदरती तौर पैए नियम-कायदे की बात्तां पै चाल्लै सै, तो नियम-कायदे उनकै धोरै ना
होण पै भी, उन ताहीं बेरा सै, के उननै के करणा सै, अर के न्ही करणा। 15 वे नियम-कायदे की बात
अपणे-अपणे दिलां म्ह लिखी होई दिखावै सै अर उनकी अन्तरात्मा भी इसकी गवाही देवैं सै, के
ये बात सच सै, क्यूँके उनके विचार उनपै दोष लगावै सै, या फेर यो बतावै सै के वो ठीक करै सै।

16 यो सब उस दिन स्पष्ट हो जावैगा, जिब परमेसवर मेरै जरिये सुणाये गये सुसमाचार के मुताबिक,
माणसां की लुक्ही होई बात्तां का न्याय, यीशु मसीह कै जरिये करैगा।

[illegible] [illegible] [illegible]-[illegible]

17 थम खुद नै यहूदी कुह्वावै सों, अर मूसा नबी के नियम-कायदे पै भरोस्सा राक्खों सों, परमेसवर
थारे पै दया करै सै, इस कारण थम घमण्ड करण लागरे सों। 18 अर थमनै परमेसवर की मर्जी का बेरा
से, थम आच्छी-आच्छी बात्तां नै तो चाहो सों, क्यूँके थारे ताहीं ये बात मूसा नबी के नियम-कायदे
म्ह तै सिखाई गई सै। 19 अर थमनै इस बात का पूरा भरोस्सा सै, के थम आंध्याँ नै राह दिखाण आळे
अर अन्धकार म्ह भटके होए माणसां खात्तर परमेसवर का चाँदणा सों। 20 अर बेअक्लां नै सिखाण
आळे अर बाळकां के उपदेशक सों। थमनै बेरा सै के परमेसवर के नियम-कायदे थमनै पूरी तरियां तै
ज्ञान अर सच्चाई देवै सै। 21 इस करकै थम जो दुसरयां नै शिक्षा देओ सों, तो अपणे-आपनै शिक्षा
क्यूँ न्ही देन्दे? थम उपदेश देओ सों, के "चोरी ना करियो," के थम खुद चोरी कोनी करते! 22 थम जो
कहवै सों, के "जारी ना करियो," के खुद जारी कोनी करते? थम जो मूर्तियाँ तै नफरत करो सों, के खुद
ए मन्दरां नै कोनी लूटते? 23 थम जो नियम-कायदे नै जाणण का घमण्ड करो सों, के नियम-कायदे नै
ना मानकै परमेसवर का अनादर कोनी करते? 24 "थम यहूदियाँ के कारण गैर यहूदियाँ म्ह परमेसवर
के बारें म्ह बुरा भला कह्या जावै सै, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या भी सै।"
25 मै थमनै कुछ बताऊँ सूं, थारा खतना करया जाणा जिब्बे फायदेमन्द सै, जिब थम नियम-
कायदा नै मान्नो, जै थम इसा न्ही करते तो थम उन माणसां की ढाळ सों जिनका खतना न्ही होया।
26 जै बिना खतना करे होए माणस नियम-कायदे की विधियाँ नै मान्नै, तो परमेसवर उन ताहीं अपणे
माणस क्यूँ न्ही कहवैगा। 27 बिना खतना होए माणस जो परमेसवर के हुकमां नै मान्नै सै, वे थारी
बुराई करैगें जिनकै धोरै परमेसवर के नियम-कायदे सै जिन ताहीं थम मानते न्ही। 28 असली यहूदी
वो कोनी जो सिर्फ यहूदी माँ-बाप तै पैदा होया सै, अर ना ए वो असली खतना सै, जो दिखाण खात्तर
देह म्ह करया गया सै। 29 यहूदी वो सै, जो अपणे मन म्ह यहूदी सै, अर खतना वो सै, जो पवित्र
आत्मा के जरिये मन का करया जावै सै, ना के वो जो नियम-कायदा के मुताबिक करया जावै सै, इस
ढाळ के माणसां की तारीफ माणसां की ओड़ तै न्ही, पर परमेसवर की ओड़ तै करी जावै सै।

3

1 कोए कह सकै सै, के भला यहूदी होण का के फायदा, या खतना कराण का के फायदा? 2 यहूदी
होण के भोत फायदे सै, क्यूँके परमेसवर के वचन यहूदियाँ ताहीं ए सौंपे गये सै। 3 अगर कुछ यहूदी
माणस बिश्वासघाती लिकड़ै भी तो उसतै के फर्क पड़ै सै? परमेसवर अपणे वादे पूरा करण म्ह
बिश्वास जोग्गा सै, तो इसका यो मतलब कोनी के परमेसवर भी बिश्वासघाती सै। 4 न्ही! बिल्कुल
न्ही! बल्के परमेसवर सच्चा सै, अर दुनिया का हरेक माणस झूठ्ठा ठेहरै, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह
परमेसवर के बारें म्ह लिख्या सै, "जिसतै तू अपणी बात्तां म्ह धर्मी साबित हो अर न्याय करदे बखत
तू जीत पावै।" 5 इस करकै जै म्हारे बुरे काम परमेसवर की धार्मिकता साबित कर देवै सै, तो हम के
कह्वां? के न्यू कह्वां के परमेसवर जो छो करै सै, तो के वो अन्यायी सै? (यो तो मै दुनियावी नजरिये
तै कहूँ सूं)। 6 न्ही! बिल्कुल न्ही! जै परमेसवर यहूदी माणसां का न्याय सही तरिक्कें तै न्ही कर
सकता, तो वो दुनिया के माणसां का भी न्याय सही तरिक्कें तै न्ही कर सकता? 7 के कोए कह सकै
सै, जै मेरा झूठ परमेसवर की सच्चाई नै दिखावै अर उसकी महिमा नै बढ़ावै, तो परमेसवर किस
तरियां मन्नै परख के पापी साबित कर सकै सै? 8 कई माणस यो कह के मेरे पै दोष लगावै सै, के
"आओ, हम बुरे काम करा के इसतै ए कुछ भलाई हो जा।" जो मेरे बिरुध्द इसी बात कहवै सै वो
दण्ड के लायक सै।

[illegible] [illegible] [illegible]

9 तो फेर हम के कह सका सां? के हम यहूदी गैर यहूदियाँ तै आच्छे सां? कदे भी न्ही! क्यूँके
हम यहूदी अर गैर यहूदी दोनुवां पै यो दोष ला चुके सां के वे सारे के सारे पाप की शक्ति के बस म्ह
सै। 10 जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै: "कोए भी माणस परमेसवर की नजर म्ह धर्मी कोनी,
एक भी कोनी। 11 कोए भी माणस समझदार कोनी, कोए परमेसवर का टोह्ण आळा कोनी। 12 सारे
माणस परमेसवर की राह तै भटक ग्ये सै, सबके सब परमेसवर की नजर म्ह निकम्मे बणगे सै, कोए
भी भलाई करण आळा कोनी, एक भी कोनी। 13 उनका मुँह खुली होई कब्र की ढाळ सै, जिस म्ह तै
बदबू आवै सै। क्यूँके अपणे मुँह तै वे भुंडा बोल्लै सै, अर वे जो भी बोल बोल्लै सै वो साँप के जहर
की तरियां जहरीले सै। 14 उनका बोल श्राप अर कड़वाहट तै भरया सै। 15 वो लहू बहाण खात्तर
फुर्तीले सै, 16 वे जित्त भी किते जावै सै ओड़ै नाश अर क्लेश लेकै जावै सै, 17 वे न्ही जाणते के
माणसां के गैल खुशी अर शान्ति तै किस तरियां जीणा सै। 18 उन म्ह परमेसवर का डर सै ए कोनी।"
19 हमनै बेरा सै के मूसा नबी के नियम-कायदे जो कुछ कहवै सै, उन्हे तै कहवै सै, जो नियम-कायदे
कै अधीन सै, ताके कोए भी माणस भान्ना न्ही बणा सकै, अर दुनिया के सारे माणस परमेसवर के
स्याम्ही दोषी ठैहराये जावै। 20 क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदे के पुगाण तै कोए माणस उसकै
स्याम्ही धर्मी कोनी बणैगा, क्यूँके नियम-कायदा कै जरिये हमनै बेरा लाग्गै सै के हम पापी सां।

[illegible]

21 पर इब नियम-कायदा नै मान्ने बिना धार्मिकता जो परमेसवर तै मिलै सै, अर जिसके बारें म्ह
मूसा नबी के नियम-कायदा अर नबियाँ की किताब्बां म्ह भोत पैहले लिख्या सै, के परमेसवर हमनै
धर्मी किस तरियां बणावै सै। 22 मतलब यो के हम प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै धर्मी बणा
सां, जो यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै सब माणसां खात्तर सै। क्यूँके परमेसवर की नजर म्ह सब
माणस एक समान सै। 23 क्यूँके सारया नै पाप करया सै, अर सब परमेसवर की महिमा तै दूर होगे
सै, 24 परमेसवर नै म्हारे पै अनुग्रह करया, के उसनै यीशु मसीह के जरिये म्हारे ताहीं म्हारे पापां
के दण्ड तै छुड़ा लिया, अर म्हारे ताहीं बिना कुछ करे धर्मी बणाया। 25-26 परमेसवर नै यीशु मसीह
ताहीं म्हारे पाप की कीमत चुकाण खात्तर इस दुनिया म्ह भेज्जा, यीशु मसीह नै म्हारे खात्तर अपणा
लहू बहा के अपणी जान दे दी। ताके हम उसपै बिश्वास करण के जरिये परमेसवर कै धोरै आ सकां,
अर उसनै इसा यो दिखाण खात्तर करया, के वो पैहले जमाने म्ह भी पापी माणसां गैल सबर तै रहण
म्ह अर उनके पाप माफ करण म्ह धर्मी था, बल्के इब भी उसकी धार्मिकता जाहिर हो जावै, जिसतै
वे खुद धर्मी बणै अर जो प्रभु यीशु म्ह बिश्वास राक्खै सै, वो परमेसवर की नजर म्ह भी धर्मी बण
जावै। 27 तो के हम किसे बात पै घमण्ड कर सकां सां? उसकै खात्तर कोए जगहां न्ही। के नियम-
कायदा के जरिये या उननै मानण कै जरिये सां? न्ही! पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै घमण्ड
करां सां। 28 इस करकै हम इस नतीजै पै पोहचे सा, के परमेसवर म्हारे ताहीं यीशु मसीह पै बिश्वास
करण कै जरिये धर्मी बणावै सै, ना के मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं मानण तै। 29 परमेसवर सिर्फ
यहूदियाँ ए का परमेसवर कोनी, पर वो गैर यहूदियाँ का भी परमेसवर सै। 30 क्यूँके एक ए परमेसवर
सै, जो खतना आळा नै यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै अर बिन-खतना आळा ताहीं भी, बिश्वास
कै जरिये धर्मी बणावै सै। 31 तो के म्हारा बिश्वास नियम-कायदे नै बेकार बतावै सै? न्ही! बिल्कुल
न्ही! बल्के इसके उल्ट जिब हम बिश्वास करा सां तो हम समझ जावां सां, के परमेसवर नै म्हारे
ताहीं नियम-कायदा क्यूँ दिये।

4

[illegible]

1 तो हम यहूदी होण के नाते म्हारे पूर्वज अब्राहम के बारें म्ह के कहवा। 2 जै अब्राहम आच्छे
काम्मां तै धर्मी बणाया जान्दा, तो वो इसका घमण्ड कर सकै था, पर वो परमेसवर के स्याम्ही आच्छे
काम्मां के जरिये घमण्ड न्ही कर सकदा। 3 पवित्र ग्रन्थ के कहवै सै? न्यू के "अब्राहम नै परमेसवर

के वादे पै बिश्वास करया, अर परमेसवर नै उसके बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।”
4 जो मेहनत करै सै उसकी मजदूरी नै ईनाम न्ही कहन्दे, बल्के वो तो उसका हक सै। 5 पर माणस
काम्मां के जरिये धर्मी कोनी बणता, पर भगतिहीन माणस जो परमेसवर पै बिश्वास करै सै उसके
बिश्वास के करण वो धर्मी बणै सै। 6 जिसनै परमेसवर बिना काम्मां के धर्मी बणावै सै, पवित्र ग्रन्थ
म्ह राजा दाऊद भी धन्य उस ताहीं कहवै सै। 7 “धन्य सै, वे जिनके अधर्म माफ होए, अर पाप भूला
दिये गये। 8 धन्य सै वो माणस जिसके पापां का हिसाब परमेसवर न्ही राखदा।” 9 के या आशीष
जिन माणसां का खतना हो लिया, उनकै ए खात्तर सै, या जिनका खतना न्ही होया उन खात्तर भी
सै? हम न्यू कह्वां सां, “अब्राहम नै परमेसवर पै बिश्वास करया, अर परमेसवर नै उसके बिश्वास
के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।” 10 तो यो कद होया? खतने की हालत म्ह या बिना खतने की
हालत म्ह? खतने की हालत म्ह कोनी पर बिना खतने की हालत म्ह। 11 जिब अब्राहम का खतना
न्ही होया था, जिब भी परमेसवर नै उस ताहीं स्वीकार करया, अर उस ताहीं धर्मी बणाया, खतने का
निशान अब्राहम ताहीं अपनाण की छाप सै, इस करकै अब्राहम उन माणसां का आत्मिक पूर्वज
सै, जो बिश्वास करै सै पर जिनका खतना न्ही होया, वो बिश्वास के जरिये धर्मी बणे। 12 अर वो उन
खतना करे होए माणसां का आत्मिक पूर्वज सै, जो ना सिर्फ खतना करे होए सै, पर उनका बिश्वास
उसाए हो जिसा उनके पूर्वज अब्राहम का तब था, जिब उसका खतना न्ही होया था।

[illegible]

13 परमेसवर नै अब्राहम ताहीं अर उसके वंश ताहीं पूरी दुनिया देण का वादा करया, यो इस
करकै कोनी होया के अब्राहम नै नियम-कायदा ताहीं मान्या, क्यूँके उसनै परमेसवर पै बिश्वास
करया, इस बजह तै उसनै उस ताहीं धर्मी बणा दिया। 14 अब्राहम अर उसके वंश ताहीं यो वादा
इस खात्तर दिया गया, क्यूँके उननै नियम-कायदा ताहीं मान्या, तो बिश्वास बेकार अर वादा झूठठा
लिकड़या। 15 परमेसवर का छो नियम-कायदा नै ना मानण आळा पै पड़ै सै, अर जित्त नियम-कायदे
कोनी ओड़ै उसका उल्लंघन भी कोनी।

16 इस बजह तै वादा परमेसवर पै बिश्वास करण तै मिलै सै, जो अनुग्रह के मुताबिक से, यो वादा
अब्राहम के सारे वंशा ताहीं मिल्या सै, ना कै सिर्फ उन ताहीं जो माणस मूसा नबी के नियम-कायदा
नै मान्नै सै, पर उन माणसां कै खात्तर भी जो अब्राहम की ढाळ परमेसवर पै बिश्वास करै सै, क्यूँके
अब्राहम ए म्हारे सारया का पूर्वज सै। 17 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “मन्नै तेरे ताहीं
घणीए जात्तां का पूर्वज बणाया सै” परमेसवर की नजर म्ह अब्राहम म्हारा पूर्वज सै। उसनै उस
परमेसवर पै बिश्वास करया, जो मरे होया नै जिन्दा करै सै, अर जो बात सै ए न्ही उनका नाम इसा
लेवै सै के मान्नो वे सै। 18-19 परमेसवर नै अब्राहम तै कह्या, तेरे भोत-से वंश होवैंगे। पर अब्राहम
नै सोच्या के बुढ़ापे म्ह, मेरै किस तरियां ऊलाद पैदा होगी? क्यूँके वो तकरीबन सौ साल का हो
लिया था, अर सारा भी बूढ़ी होण के कारण बच्चे पैदा कोनी कर सकै थी। इन सारी बात्तां तै साफ
जाहिर था, के उसके भोत-से वंशज न्ही हो सकदे, तोभी अब्राहम का बिश्वास कमजोर न्ही होया,
वो परमेसवर के वादे पै बिश्वास करदा रह्या, अर उसनै आस न्ही तोड़ी। 20 अर ना ए अबिश्वासी
होकै परमेसवर कै वादा पै शक करया, पर बिश्वास म्ह पक्का होकै उसकी महिमा करी। 21 अर पक्के
तौर पै जाण्या के जिस बात का परमेसवर नै वादा करया सै, वो उसनै पूरा करण म्ह भी सामर्थी सै।
22 अर परमेसवर नै उसके बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया। 23 अर पवित्र ग्रन्थ के इस
वचन नै, “बिश्वास के कारण उस ताहीं धर्मी बणा दिया।,” ना सिर्फ यो वचन अब्राहम कै खात्तर
लिख्या गया, 24 बल्के म्हारै खात्तर भी जिनकै खात्तर लिख्या गया, जो बिश्वास के जरिये धर्मी बण
जावैगा, यानिके के म्हारै खात्तर, जो उसपै बिश्वास करा सां, जिसनै म्हारै प्रभु यीशु ताहीं मरे होया
म्ह तै जिन्दा करया। 25 यीशु मसीह म्हारै अपराध्धा कै खात्तर पकड़वाया अर मारा भी गया, अर
म्हारे ताहीं धर्मी बणाण कै खात्तर परमेसवर नै उस ताहीं जिन्दा कर दिया।

5

[illegible]

1 इस करकै जिब हम मसीह पै बिश्वास करण तै धर्मी बणा दिए गये सां, तो परमेसवर तै म्हारा
मेळ-मिलाप अपणे प्रभु यीशु मसीह कै जरिये हो लिया। 2 बिश्वास कै जरिये मसीह नै म्हारी पोहच
पिता के उस अनुग्रह तक कर दी सै। उस अनुग्रह म्ह हम बणे होए सां, अर परमेसवर की महिमा की
आस म्ह खुश सां। 3 सिर्फ योए न्ही, बल्के हम मुसीबतां म्ह भी खुश रहवां, न्यू जाणकै के मुसीबतां
तै धीरज, 4 धीरज तै खरयां लिकड़णा, अर खरे लिकड़ण तै आस होवै सै। 5 अर आस तै निराशा न्ही
होन्दी, क्यूँके पवित्र आत्मा जो परमेसवर नै म्हारै ताहीं दिया सै, उसकै जरिये परमेसवर का प्यार
म्हारै मन म्ह भरया गया सै। 6 क्यूँके जिब हम कमजोर थे, तो मसीह परमेसवर के बताये गये सही
बखत पै बुरे माणसां कै खात्तर मरया। 7 किसे धर्मी माणस कै खात्तर कोए जान देवै यो तो मुश्किल
सै, पर शायद कोए भले माणस खात्तर जान देण खात्तर तैयार हो सकै सै। 8 पर परमेसवर म्हारे पै
अपणे प्यार की भलाई इस तरियां तै साबित करै सै, के जिब हम पापी ए थे, जिब्बे मसीह यीशु म्हारै
खात्तर मरया। 9 जिब के इब यीशु कै लहू बहाण के कारण परमेसवर नै म्हारे ताहीं अपणी नजर म्ह
धर्मी बणाया सै, तो उसकै जरिये परमेसवर कै छो तै क्यांतै न्ही बचांगें? 10 क्यूँके जिब हम परमेसवर
के बैरी थे, तो उसकै बेट्टे की मौत कै जरिये म्हारा मेळ-मिलाप परमेसवर कै गेल्या होया, अर सब
तै आच्छी बात या सै, के मेळ-मिलाप हो जाण के कारण उसकै बेट्टे यीशु मसीह के जरिये दिए गये
जीवन कै कारण म्हारा उद्धार पक्का सै। 11 इब तो म्हारे प्रभु यीशु मसीह कै जरिये, परमेसवर म्ह
म्हारा मेळ-मिलाप होग्या सै, इस खात्तर हम उस म्ह खुश सां।

[illegible]

12 परमेसवर नै एक माणस आदम बणाया, जिसकै कारण दुनिया म्ह पाप आया, अर उस पाप के
करण मौत आई, अर इस तरियां तै मौत सारे माणसां म्ह फैलगी, क्यूँके आदम के वंश होण के कारण
सब पापी बणगे। 13 मूसा नबी के नियम-कायदा कै दिए जाण तै पैहले भी, दुनिया म्ह माणस पाप
करै थे, पर वो पाप गिण्या कोनी जावै था, क्यूँके ओड़ै नियम-कायदे कोनी थे, जिन ताहीं तोड्या जा
सकै। 14 तोभी आदम तै लेकै मूसा नबी तक सब नै मौत आई। जिस तरियां आदम नै परमेसवर के
हुकम ताहीं तोड्या उसकी तरियां हमनै उसके हुकम ताहीं न्ही तोड़ा, अर आदम यीशु मसीह का
नमूना था जो आण आळा था। 15 पर आदम के अपराध अर परमेसवर के अनुग्रह के वरदान के
बीच म्ह एक भोत बड़ा अन्तर सै, क्यूँके जब एक माणस आदम, कै अपराध करण के कारण, भोत-से
माणसां की मौत होई, पर दुसरे माणस यीशु मसीह के जरिये, परमेसवर का अनुग्रह भोत-से माणसां
पै होया सै। 16 तो परमेसवर के वरदान का नतिज्जा आदम के पाप तै भोत अलग सै। उसका पाप
दण्ड लेकै आवै सै, पर परमेसवर का वरदान म्हारे ताहीं धर्मी बणावै सै, भलाए हम कई पापां के दोषी
क्यूँ ना हो। 17 क्यूँके एक माणस के अपराध कै कारण सब नै मौत आई। पर इसतै ज्यादा परमेसवर
का अनुग्रह अर धार्मिकता का वरदान सै, जो उस ताहीं पावै सै, वो पाप अर मौत पै यीशु मसीह
कै जरिये जयवन्त होवै सै, अर वे उसकै गैल अनन्त जीवन म्ह राज करैगें।

18 जिस तरियां आदम का अपराध, सारे माणसां कै खात्तर दण्ड लेकै आया, ठीक उस्से तरियां
ए मसीह यीशु के धार्मिकता के काम करण तै, सारे माणसां नै जिन्दगी मिली, अर वे परमेसवर की
नजर म्ह धर्मी बणै। 19 क्यूँके जिसा एक माणस कै हुकम ना मानण तै भोत-से माणस पापी बणे, उस्से
तरियां ए एक माणस कै हुकम मानण तै भोत-से माणस धर्मी बणैगें। 20 मूसा के नियम-कायदे म्हारे
ताहीं इस खात्तर दिए गये, ताके माणस देख सकै के वे कितने पापी सै पर जिब माणस पाप पै पाप
करै सै, तो ओड़ै परमेसवर का अनुग्रह उसतै भी घणा होया करै। 21 सारे माणसां नै पाप पै पाप
करया, अर वे मरगे, पर म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै जरिये परमेसवर का अनुग्रह हमनै धर्मी बणावै
सै, अर म्हारे ताहीं अनन्त जीवन देवै सै।

6

[illegible]

[1] कोए कह सकै सै? के परमेसवर अपणे अनुग्रह तै म्हारे पाप माफ करै सै, पर इसा मत सोच्चों
के पाप करदे रहवां ताके अनुग्रह घणा हो। [2] न्ही! बिल्कुल न्ही! हम जिब पाप कै खात्तर मरग्ये तो
हमनै आग्गै तै दुबारा पाप न्ही करणा चाहिए। [3] हम जाणा सां, के हम सारे जिननै मसीह यीशु के
नाम म्ह बपतिस्मा लिया सै, यो इसा सै, के जिसा हम मसीह के गैल मर जाणा। [4] इस करकै जिब
हम बपतिस्मा लेवां सां, तो हम उसकै साथ मर जावां सां, अर उसके साथ गाड्डे जावां सां, ताके
जिस तरियां मसीह पिता परमेसवर की महिमा कै जरिये मरे होया म्ह तै जिन्दा करया गया, उस्से
तरियां ए हमनै भी नया जीवन जीणा चाहिए।

[5] क्यूँके जै हम उसकी मौत की समानता म्ह बपतिस्में के जरिये उसके गेल्या एक हो जावां सां, तो
पक्के तौर पै उसकै जिन्दा उठण की समानता म्ह भी एक हो जावांगें। [6] इस्से तरियां म्हारा पुराणा
पापी सुभाव यीशु मसीह कै गेल्या क्रूस पै चढ़ाया गया, ताके जो पापी सुभाव म्हारी देह म्ह सै
वो नाश हो जावै, अर हम आग्गै दुबारा पाप की गुलामी म्ह न्ही रहवां। [7] क्यूँके जिब हम मसीह के
गैल मरा सां, तो हम पाप की शक्ति तै आजाद हो जावां सां। [8] इस करकै जै हम मसीह कै गेल्या
मरगे, तो म्हारा बिश्वास यो सै के उसकै गेल्या जीवांगें भी। [9] क्यूँके न्यू बेरा सै, के मसीह मरे होया
म्ह तै जिन्दा उठकै दुबारा फेर न्ही मरैगा, उसपै फेर मौत का राज न्ही होवैगा। [10] क्यूँके मसीह
पाप कै खात्तर एक ए बार मर गया, पर इब जो जिन्दा सै, तो परमेसवर की महिमा करण कै खात्तर
जिन्दा सै। [11] इस्से तरियां थम भी अपणे-आप ताहीं पाप कै खात्तर तो मरया होड़, पर परमेसवर
की महिमा करण खात्तर मसीह यीशु म्ह जिन्दा समझो। [12] इस करकै पाप की लालसा थारी नाश
होण आळी देह म्ह राज न्ही करै, के थम उसकी लालसाओं के कब्जे म्ह ना रहो। [13] अपणे देह के
अंगा ताहीं अधर्म कै काम्मां खात्तर इस्तमाल ना करो, पर अपणे-आप ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दे
जाणकै अपणी जिन्दगी परमेसवर ताहीं दे दो, अर अपणे देह के अंगा ताहीं धार्मिक काम्मां खात्तर
परमेसवर नै सौंप दो। [14] फेर थारे पै पाप का राज कोनी होवैगा, क्यूँके थम नियम-कायदे कै अधीन
म्ह न्ही, बल्के परमेसवर के अनुग्रह कै अधीन म्ह जीण लागरे सों।

[illegible]

[15] तो इसका मतलब के सै? के हम नियम-कायदे का अधीन म्ह न्ही, बल्के परमेसवर के अनुग्रह
कै अधीन सां, इस करकै के हम पाप कर सका सां? न्ही! बिलकुल न्ही! [16] थम जाणो सों के जिब थम
खुद नै किसे का गुलाम होण खात्तर देओ सों, तो थम वोए करो सों, जो थारा माल्लिक कहवै सै।
थम पाप के गुलाम भी बण सकों सों, जो मौत लेकै आवै सै, या फेर थम परमेसवर के हुकम नै मानकै
धार्मिकता का जीवन जी सको सों। [17] थम पाप के गुलाम थे, पर इब थमनै वे सारी शिक्षा मान्नी
सै, जो थारे ताहीं मिली थी, इस करकै मै परमेसवर का धन्यवाद करूँ सूं। [18] इब पाप की शक्ति तै
छुटाये जाकै परमेसवर के दास बणो ताके थम धर्म के काम करो। [19] मै थारे ताहीं आसान तरिक्कें
लिखूँ सूं, ताके आम आदमी भी आसान्नी तै समझ सकै, के जिब थम अपणी पिच्छली जिन्दगी की
गुलाम थे, अर थम हरेक ढाळ के अशुद्ध अर भुन्डे काम करो थे। तो इब थम अपणी देह नै धार्मिक
जीवन के दास बणा ल्यो, ताके थम पवित्र जीवन जी सको।

[20] जिब थम पाप के गुलाम थे, तो थम धार्मिकता के काम न्ही कर पाओ थे। [21] थम बुरा काम
करो थे, अर इब उन बुरे काम्मां के कारण शर्मिन्दा सों, तो थमनै के मिल्या? इन सारी बात्तां का
नतिज्जा मौत सै। [22] पर इब पाप तै आजाद होकै अर परमेसवर के दास बणकै इब थम वो काम करो
सों, जिसतै थम पवित्र बणो सों, अर उसका नतिज्जा अनन्त जीवन सै। [23] क्यूँके पाप का नतिज्जां
तो मौत सै, पर परमेसवर का वरदान म्हारै प्रभु मसीह यीशु म्ह अनन्त जीवन सै।

7

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, थमनै बेरा सै, (मै नियम-कायदे के जाणण आळा तै कहूँ सूं) के जिब ताहीं
माणस जिन्दा रहवै सै, तब तक उसनै नियम-कायदे मानने पड़ैगें। 2 उदाहरण के तौर पै एक ब्याता
लुगाई नै मरते दम तक नियम-कायदे कै मुताबिक अपणे धणी कै साथ रहणा चाहिये, पर जै धणी मर
जा, तो वा धणी के नियम-कायदे तै आजाद हो जा सै। 3 ज्यांतै जै धणी कै जिन्दे जी वा किसे दुसरे
माणस की हो जावै, तो जार कुह्‌वावैगी, पर जै धणी मर ज्या, तो वा उस नियम-कायदे तै आजाद
हो जा सै, उरै ताहीं के जै किसे दुसरे माणस की हो जावै तोभी जार कोनी ठैहरैगी। 4 उस्से तरियां
ए हे मेरे बिश्वासी भाईयो, जिब थम मसीह कै साथ मरगे, तो थम नियम-कायदा खात्तर मरेगे, इब
थम मसीह के हो, जो मरे होया म्ह तै जिन्दा उठ्या, ताके हम परमेसवर कै खात्तर धार्मिक जीवन
जी सका। 5 क्यूँके जिब हम अपणे देह की इच्छा के मुताबिक जिवां सां, तो पाप की लालसा म्हारै
अंगा म्ह काम करै सै, अर नियम-कायदे ए उन लालसा नै उजाग्गर करकै मौत नै लेकै आवै सै। 6 हम
नियम-कायदा खात्तर मरगे जिसकै बन्धन म्ह हम पैहले थे। इब हम पवित्र आत्मा की मानकै, नये
सिरे तै परमेसवर की सेवा कर सकां सां।

[illegible]

7 तो हम के कह्वां? के मूसा नबी के नियम-कायदे पाप सै? न्ही! बिलकुल न्ही! बल्के नियम-
कायदा ए सै, जो मेरे ताहीं बतावै सै, के पाप के सै! जै नियम-कायदे न्ही कहन्दे, के लालच मतना
करै तो मै लालच नै जाण ए न्ही पान्दा। 8 पर पाप नै मौक्का पाकै, हुकम कै जरिये मेरै म्ह सारी
तरियां का लालच पैदा करया, क्यूँके बिना नियम-कायदे पाप मुर्दा सै। 9 एक बखत था जिब मै मूसा
नबी के नियम-कायदे बिना जीऊँ था, पर जिब मन्नै मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं जाण्या, तो
मेरे म्ह पाप करण की इच्छा होण लाग्गी, अर मै मरे होया जिसा होग्या। 10 अर वो हुकम जिसतै
मन्नै जिन्दगी मिलणी थी वो मेरी आत्मिक मौत का कारण बण्या। 11 क्यूँके पाप नै मौक्का पाकै
हुकम कै जरिये मेरै ताहीं भकाया, अर उस्से कै जरिये मेरी आत्मिक मौत भी हो गई। 12 ज्यांतै हम
यो नतिज्जा लिकाड़ा सां, के नियम-कायदे पवित्र सै, अर हुकम पवित्र, धर्मी अर खरया सै। 13 तो
के मूसा नबी के नियम-कायदे जो खरे थे, मेरै खात्तर मौत लेकै आये? न्ही! बिलकुल न्ही! यो पाप
ए था जिसनै इसा करया। पर नियम-कायदे जो खरे थे, मेरै खात्तर मौत लेकै आये, ताके पाप की
असलियत जाहिर हो जा, अर हुकम दिखावै सै के पाप घणाए बुरा सै।

[illegible]

14 क्यूँके हमनै बेरा सै, के मूसा नबी के नियम-कायदे तो आत्मिक सै, पर मै शारीरिक सूं, अर पाप
का गुलाम सूं। 15 अर जो मै करुँ सूं, उस ताहीं कोनी जाण्दा, क्यूँके जो मै चाहूँ सूं, वो न्ही करया
करदा, पर जिसतै मन्नै घृणा आवै सै वोए करै सूं। 16 जै जो मै न्ही चाहन्दा वोए बुरे काम करुँ सूं,
तो मै मान ल्यूँ सूं, के मूसा नबी के नियम-कायदे खरे सै। 17 तो इसी हालत म्ह जो मेरे म्ह बुरे काम
करै सै, वो मै न्ही, बल्के पाप सै, जो मेरै म्ह बस्या होया सै। 18 क्यूँके मन्नै बेरा सै के मेरै म्ह यानिके
मेरे पापी सुभाव म्ह कोए आच्छी चीज वास कोनी कर दी। मेरा जी तो भले काम करण की इच्छा
तो करै सै, पर भले काम मेरै तै बणदे कोनी। 19 क्यूँके जिस आच्छे काम करण नै मेरा जी करै सै, वो
तो कोनी करदा, पर जो बुरे काम करणा न्ही चाहन्दा, वोए करुँ सूं। 20 इस करकै जै मै वोए करुँ सूं
जो न्ही चाहन्दा, तो उसका करण आळा मै कोनी रहया, पर पाप सै जो मेरै भित्तर म्ह बस रहया सै।
21 इस तरियां तै मन्नै सच का बेरा पटै सै, के जिब मै भलाई करण की इच्छा करुँ सूं, तो बुराई ए
करुँ सूं। 22 क्यूँके मै भीतरी माणस-पण तै तो परमेसवर के नियम-कायदे तै घणा खुश रहूँ सूं। 23 पर
मेरे भित्तर एक नियम-कायदा की शक्ति काम करण लागरी सै, जो मेरी पापी अन्तरात्मा तै युध्द
करै सै। या नियम-कायदा की शक्ति मेरी अन्तरात्मा नै पाप का गुलाम बणावै सै जो इब भी मेरी

देह म्ह सै। 24 मै किसा निरभागा माणस सूं! मन्नै इस पापी सुभाव तै जो मौत लेकै आवै सै, कौण
छुड़ावैगा? 25 म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै जरिये परमेसवर का धन्यवाद होवै। ज्यांतै मै अपणी समझ
तै तो परमेसवर के नियम-कायदे नै मानना चाहूँ सूं, पर पापी सुभाव के कारण मै पाप का गुलाम सूं।

8

[illegible]

1 इस करकै इब जो मसीह यीशु पै बिश्वास करै सै, उनपै दण्ड का हुकम कोनी। 2 क्यूँके पवित्र
आत्मा थमनै वा जिन्दगी देवैगा, जो मसीह यीशु की ओड़ तै आवै सै, अर वो थारे ताहीं पाप अर
मौत तै आजाद करै सै। 3 क्यूँके जो काम मूसा नबी के नियम-कायदे पापी सुभाव कै कारण देह म्ह
न्ही कर सके, उस ताहीं परमेसवर नै करया, यानिके अपणे ए बेट्टे ताहीं इन्सान के रूप म्ह पापबलि
होण कै खात्तर भेज दिया, परमेसवर नै पाप की शक्ति ताहीं अपणे बेट्टे की देह के बलिदान के
जरिये तोड़ दिया। 4 ज्यांतै के मूसा नबी के नियम-कायदे की विधि म्हारै म्ह पूरी करी जावै, जो पापी
सुभाव कै मुताबिक न्ही, बल्के पवित्र आत्मा कै मुताबिक चाल्लै सै, 5 क्यूँके जो अपणे पापी सुभाव
के कारण चाल्लै सै, वो बुरी चिज्जां कै बारें म्ह सोच्चै सै, पर जो-जो पवित्र आत्मा के जरिये चाल्लै
सै, वो उन चिज्जां के बारें म्ह सोच्चै सै, जो पवित्र आत्मा ताहीं खुश करै सै। 6 जै थम अपणी
पापमय लालसा के मुताबिक चाल्लोंगे तो मरोगे, पर पवित्र आत्मा के कहे मुताबिक चाल्लोंगे
तो जिन्दगी अर शान्ति पाओगे। 7 क्यूँके पापमय लालसा के मुताबिक चालणा तो परमेसवर तै बैर
राखणा सै, क्यूँके ना तो वो परमेसवर के नियम-कायदे कै अधीन सै अर ना कदे हो सकै सै। 8 अर जो
पापमय लालसा के मुताबिक चाल्लै सै, वे परमेसवर नै खुश न्ही कर सकदे।

9 पर जिब के परमेसवर का पवित्र आत्मा थारे म्ह बसै सै, तो थम पापमय लालसा के मुताबिक
न्ही पर पवित्र आत्मा के कहे मुताबिक चाल्लों। जै किसे म्ह मसीह का आत्मा कोनी चाल्दा तो वो
परमेसवर का माणस कोनी। 10 जै मसीह थारे म्ह वास करै सै, तो पाप कै कारण देह मरी होई सै, पर
धार्मिकता कै कारण थारी आत्मा जिन्दा सै। 11 जै परमेसवर का आत्मा जिसनै मसीह यीशु ताहीं
मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, थारे म्ह बस्या होया सै, तो जिसनै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा
करया, वो थारी नाश होण आळी देह नै भी अपणे पवित्र आत्मा कै जरिये जिन्दा करैगा, जो थारे
म्ह बस्या होया सै।

12 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, हम पापी सुभाव के कर्जदार कोनी के हम इसकै मुताबिक बरताव
करां। 13 क्यूँके जै थम पापी सुभाव के मुताबिक जीओगे, तो मरोगे जै पवित्र आत्मा तै पापमय
लालसा के काम्मां नै मारोगे तो जिन्दे रहोगे। 14 ज्यांतै के जितने माणस परमेसवर के आत्मा के
चलाए चाल्लै सै, वैए परमेसवर की ऊलाद सै। 15 क्यूँके थारे ताहीं गुलामी की आत्मा कोनी दी गई,
के थम डरो, पर पवित्र आत्मा हमनै परमेसवर की ऊलाद बणावै सै, जिसतै हम हे अब्बा, हे पिता
कहकै बोल्लां सां। 16 पवित्र आत्मा आप ए म्हारी आत्मा कै गेल्या गवाही देवै सै, के हम परमेसवर
की ऊलाद सां, 17 अर जै ऊलाद सां तो वारिस भी, बल्के परमेसवर के वारिस अर मसीह कै संगी
वारिस सां, अगर हम मसीह के ढाळ दुख ठावांगे, तो हम उसकी महिमा म्ह भी शामिल हो पावांगे।

[illegible]

18 मन्नै पक्का यकिन सै, के इस बखत के दुख अर क्लेश उस महिमा कै स्याम्ही, उस महिमा के
समान जो प्रभु म्हारै ताहीं देवैगा, किमे भी कोनी सै। 19 क्यूँके सृष्टि की सारी चिज्जें घणी उम्मीद
भरी निगांह तै परमेसवर की ऊलाद की बाट देखण लागरी सै। 20 परमेसवर की बणाई गई हर एक
चीज नै अपणे मकसद ताहीं खो दिया सै, यो इस करकै न्ही के सृष्टि खुद चाहवै थी, पर परमेसवर
नै इसा करया, पर फेर भी आस सै। 21 सृष्टि भी खुद उस दिन की बाट देक्खै सै, जिब वो मौत
अर विनाश की गुलामी तै छुटकारा पाकै, परमेसवर की महिमा म्ह उसकी ऊलाद कै साथ शामिल
होवैंगे। 22 क्यूँके हमनै बेरा सै के सारी सृष्टि इब ताहीं मिलकै कराहती अर दर्दां म्ह पड़ी, उस जननी

की तरियां सै, जिसा बच्चा होण तै पैहले दर्दां म्ह तड़फै सै। 23 अर सिर्फ परमेसवर की बणाई सृष्टि
ए न्ही, पर हम भी जिस म्ह होण आळी महिमा के पैहले तै स्वाद चखण के रूप म्ह पवित्र आत्मा का
वास सै, हम खुद भी अपणे-आप म्ह कराहवा सां। यो जिब्बे होगा जिब हम देह तै आजाद होवांगे,
अर परमेसवर हमनै अपणी ऊलाद बणाण कै खात्तर अपणावै। 24 आण आळी महिमा की आस के
जरिये ए थारा उद्धार होया सै, जै थम उन चिज्जां की आस राक्खों सों जो थारे धोरै पैहले तै सै, तो
थारी आस धरणा बेकार सै, कोए भी उस चीज की आस कोनी राखदा, जो उसकै धोरै पैहले तै सै।
25 हम उन चिज्जां की आस करां सां, जो म्हारे धोरै इब ताहीं सै कोनी, तो हम धीरज तै बाट देक्खां
सां, जिब तक वो चीज हमनै मिल ना जावै।
26 प्रार्थना करण खात्तर म्हारे धोरै बुद्धि कोनी, पर पवित्र आत्मा म्हारी मदद करै सै, क्यूँके
हमनै न्ही बेरा के किन बात्तां कै खात्तर प्रार्थना करणी चाहिये, पर पवित्र आत्मा आप्पे इसी आह
भर-भरकै, जो बयान तै बाहरणै सै, म्हारै खात्तर बिनती करै सै। 27 परमेसवर जो मनां का जाँचण
आळा सै उसनै बेरा सै, के पवित्र आत्मा का मकसद के सै? क्यूँके वो पवित्र माणसां कै खात्तर
परमेसवर की मर्जी कै मुताबिक बिनती करै सै।
28 हमनै बेरा सै के जो माणस परमेसवर तै प्यार राक्खै सै, उनकै खात्तर सारी बात मिलकै भलाई
ए नै पैदा करै सै, यानिके उनकै खात्तर जो उसकी मर्जी कै मुताबिक चुणे होए सै। 29 क्यूँके जिन
ताहीं परमेसवर नै पैहल्या तै चुण्या होया सै, उन ताहीं उसकै बेट्टे यीशु मसीह जिसे बणण खात्तर
ठहराया भी सै, ताके वो घणे भाईयाँ म्ह पैहल्ड़ा यानी जेट्ठा बणै। 30 फेर जिन माणसां ताहीं उसनै
पैहल्या तै ठैहराया, उन ताहीं चुण्या भी, अर जिन ताहीं चुण्या, उन ताहीं धर्मी भी बणाया सै, अर
जिन ताहीं धर्मी बणाया, उन ताहीं अपणी महिमा म्ह भागीदारी भी बणाया सै।

???????? ?? ??????

31 तो इन बात्तां तै हम यो नतिज्जां लिकाड़ा सां, जै परमेसवर म्हारी कान्ही सै, हमनै कौण हरा
सकै सै? 32 परमेसवर वो सै जिसनै अपणे खुद कै बेट्टे ताहीं भी म्हारे खात्तर बलिदान करण म्ह
कोए संकोच कोनी करया, तो जो उसनै म्हारे तै वादा करया सै, वो सारा कुछ म्हारे ताहीं क्यूँ न्ही
देवैगा? 33 कोए भी हमनै परमेसवर के स्याम्ही दोषी न्ही ठैहरा सकता? परमेसवर ए सै जो म्हारे
ताहीं धर्मी बणावै सै। 34 कोए भी हमनै दोषी न्ही ठैहरा सकता? क्यूँके यीशु मसीह ए सै, जो मरया
बल्के मुर्दां म्ह तै जिन्दा भी उठया, अर परमेसवर कै सोळी ओड़ सै, अर म्हारै खात्तर बिनती भी
करै सै। 35 कौण हमनै मसीह कै प्यार तै न्यारा करैगा? के क्ळेश, संकट, उपद्रव, अकाळ, नंगाई,
जोख्खम, या तलवार? 36 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "तेरे खात्तर लोग हमनै रोज मारण
की धमकी देवै सै, हम मरण आळी भेड्डां की तरियां समझे गये सां।" 37 पर इन सारी बात्तां म्ह हम
उसकै जरिये जिसनै म्हारै तै प्यार करया सै, जयवन्त तै भी बाध सै। 38-39 क्यूँके मै जाणु सूं, के कोए
भी चीज मसीह नै म्हारे तै प्यार करण तै न्ही रोक सकदी। इसतै कोए फर्क न्ही पड़ता के चाहे हम
जिवां या मरा, सुर्गदूत, प्रधानताएँ, शक्तियाँ जो सुर्ग म्ह सै इन म्ह तै कोए भी हमनै मसीह के
प्यार तै अलग न्ही कर सकदी, अर इब जो होण लागरया सै, जो भविष्य म्ह होण आळा सै, गहराई,
ऊँचाई हमनै परमेसवर के प्यार तै, जो म्हारे प्रभु यीशु मसीह म्ह सै अलग न्ही कर सकदी।

9

???????? ?? ????? ?????? ??? ?????

1-3 जै कोए भी चीज हमनै परमेसवर के प्यार तै अलग न्ही कर सकदी, तो क्यूँ इस्राएली, मेरे
यहूदी भाई परमेसवर तै दूर सै? मेरा मन उन खात्तर भोत दुखी सै, जै उन माणसां के छुटकारै खात्तर
मेरे उप्पर चाहे दोष भी लगाये जावै या मसीह तै अलग करया जावै, तोभी मै इसकै खात्तर तैयार
सूं, अर मै मसीह नै गवाह मानते होए सच बोल्लू सूं, पवित्र आत्मा अर मेरी अन्तरात्मा भी या
गवाही देवै सै के मै झूठ कोनी बोल्दा। 4 वे इस्राएल देश के माणस सै, अर वे परमेसवर के गोद लिये
होड़ माणस सै, अर महिमा, करार, नियम-कायदे अर परमेसवर की आराधना करण का हक अर वादे

उन्हे के सै। 5 अब्राहम, इसहाक, याकूब ये सारे पूर्वज भी उन्हे के सै, अर मसीह भी देह कै भाव तै
उन्हे म्ह तै इस्राएली सै। जो सारया कै उप्पर परम परमेसवर सै, युगानयुग धन्य हो। आमीन।

6 पर इसा कोनी के परमेसवर अपणे वादे तै मुकर गया, ज्यांतै के जो इस्राएल के वंशज सै, वे सारे
सच्चे इस्राएली कोनी। 7 अर ना अब्राहम का वंश होण कै कारण सारे उसकी सच्ची ऊलाद होगी,
पर पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "इसहाक के वंश म्ह जन्म लेण तै ए सारे उसकी सच्ची ऊलाद न्ही
हो जान्दी।" 8 यानिके जो दुनियावी तौर पै शारीरिक रूप तै जन्मे होए परमेसवर की ऊलाद कोनी,
पर वायदे की ऊलाद सै। 9 क्यूँके वादे का वचन यो सै: "आगले साल मै इस्से बखत दुबारा आऊँगा,
अर तब सारा कै एक बेट्टा पैदा होवैगा।" 10 अर सिर्फ योए न्ही, पर जिब रिबका कै गर्भ म्ह एक ए
आदमी यानिके म्हारै पूर्वज इसहाक तै जुड़वां बाळक पैदा होए। 11-12 इब तै पैहले के वो पैदा होते
अर कुछ बुरा या भला काम जाणते, परमेसवर नै रिबका तै कह दिया था के "जेट्ठा बेट्टा छोटळे
का गुलाम होवैगा," परमेसवर नै यो दिक्खाण कै खात्तर कह्या था, वो अपणे मन की इच्छा तै खुद
चुनाव करै सै, ना के उनके भले या बुरे काम्मां तै। 13 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "मन्नै
एसाव तै बढ़कै याकूब ताहीं घणा प्यार करया।"

14 ज्यांतै हम के कह्वां? के परमेसवर की अपणी इच्छा तै चुनाव करणा अन्याय सै? न्ही! बिलकुल
न्ही! 15 क्यूँके परमेसवर मूसा नबी तै कहवै सै, "मै जिस किसे पै दया करणा चाहूँ, उसपै दया करुँगा,
अर जिस किसे पै तरस खाणा चाहूँ उस्से पै तरस खाऊँगा।" 16 इस करकै परमेसवर उस ताहीं चुणै
सै, जिसकै उप्पर वो दया दिखाणा चाहवै सै, उसका चुनाव इस बात पै आधारित कोनी, के लोग के
चाहवै सै, अर वे के करण की कोशिश करै सै। 17 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर नै फिरौन (मिस्र
के राजा) तै कह्या, "मन्नै तेरे ताहीं ज्या ए तै राजा बणाया सै, के तेरे म्ह अपणी सामर्थ दिखाऊँ,
अर मेरै नाम का प्रचार सारी धरती पै होवै।" 18 इस करकै वो जिसपै चाहवै सै उसपै दया करै सै,
अर जिस ताहीं चाहवै सै उस ताहीं हठील्ला बणा देवै सै।

??????? ?? ?? ?? ????? ???

19 तब घणखरे माणस मेरै तै कहवैगें, "जै इसा सै, तो परमेसवर किस तरियां कह सकै सै, के हम
गलत सां? क्यूँके परमेसवर जो करणा चाहवै सै उसनै करण तै कौण रोक सकै सै?" 20 हे भले माणस,
भला तू कौण सै जो परमेसवर तै वाद-विवाद करै? के बणाई होई चीज बणाण आळे तै कह सकै सै,
"तन्नै मेरै ताहीं इसा क्यांतै बणाया सै?" 21 के कुम्हार ताहीं माट्टी पै हक कोनी के एक ए लोंदे म्ह
तै एक बासण आदर कै खात्तर, अर दुसरे ताहीं अनाद्दर कै खात्तर बणावै? 22-23 परमेसवर अपणा
छो अर अपणी सामर्थ उनकै बिरुध्द दिखाणा चाहवै सै, जो नाश ए होण लायक सै, पर वो धीरज
धरे सै क्यूँके वो दिखाणा चाहवै सै के वो कितना महान् सै, वो उन माणसां पै दया करै सै, जिन ताहीं
उसनै अपणी महिमा म्ह साँझा करण खात्तर चुण्या सै। 24 यानिके म्हारै पै जिन ताहीं उसनै ना सिर्फ
यहूदी माणसां म्ह तै, बल्के गैर यहूदियाँ म्ह तै भी चुण्या। 25 जिसा के वो होशे नबी की किताब म्ह
भी गैर यहूदियाँ के बारें म्ह कहवै सै, "जो मेरी प्रजा कोनी थी, उन ताहीं मै अपणी प्रजा कहूँगा,
अर जिनतै मै प्यार न्ही करुँ था, उन ताहीं प्यार करुँगा। 26 अर जिस जगहां पै परमेसवर नै इसा
कह्या था, के थम मेरी प्रजा कोनी सो, उस्से जगहां पै परमेसवर उन ताहीं अपणी ऊलाद कहवैगा।"
27 अर यशायाह नबी इस्राएल के माणसां कै बारै म्ह रुक्का मारकै कहवै सै, "चाहे इस्राएल की
ऊलादां की गिणती समुन्दर के बालू कै बराबर हो, तोभी उन म्ह तै थोड़े ए बचैंगें। 28 क्यूँके परमेसवर
धरती पै तावळा-ए आवैगा, अर एक बार म्ह ए सबका न्याय करैगा।" 29 जिसा यशायाह नबी नै
पैहल्या भी कह्या था, "जै सेनाओं का प्रभु म्हारै खात्तर कुछ वंश न्ही छोड़दा, तो म्हारी हाल्लत
सदोम अर अमोरा नगर के जिसी हो जान्दी, जिस ताहीं परमेसवर नै पूरी तरियां तै नाश कर दिया।"

??????? ?? ?????????

30 ज्यांतै हम के कह्वां? गैर यहूदियाँ नै अपणे-आप ताहीं धर्मी बणाण की कोशिश न्ही करी, पर
परमेसवर नै मसीह यीशु पै बिश्वास करण कै कारण उन ताहीं धर्मी बणा दिया। 31 जो इस्राएली
मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानकै धर्मी बणणा चाहवै थे वे धर्मी न्ही बण पाये। 32 यो किस तरियां
हो सकै सै? इस करकै के वे बिश्वास तै न्ही, पर मान्नो आच्छे काम्मां तै धर्मी बणणा चाहवै थे।
उननै उस ठोक्कर कै पत्थर पै ठोक्कर खाई, 33 जिसा पवित्र ग्रन्थ यीशु मसीह के बारें कहवै सै,
"देक्खो, मै यरुशलेम नगर म्ह एक ठेस लाग्गण का पत्थर, अर ठोक्कर खाण की चट्टान राक्खूँ सूं,
अर जो कोए उसपै बिश्वास करैगा वो शर्मिन्दा कोनी होवैगा।"

10

1 हे बिश्वासी भाईयो, मेरै मन की इच्छा अर मेरे यहूदी माणसां खात्तर, परमेसवर तै मेरी याए
प्रार्थना सै के वे बचाए जावै। 2 क्यूँके मै उनकी गवाही द्यूँ सूं, के उन ताहीं परमेसवर कै खात्तर
उत्साह रहवै सै, पर सही समझकै गेल्या न्ही। 3 क्यूँके वा धार्मिकता जो परमेसवर की ओड़ तै आवै
सै, उस ताहीं वे समझण म्ह नाकामयाब रहे अर अपणे तरिक्कें तै धर्मी बणण की कोशिश करी, वे
परमेसवर की धार्मिकता के अधीन न्ही होए। 4 क्यूँके मसीह नै पैहले तै ए उस मकसद ताहीं पूरा
कर लिया सै। जिस खात्तर नियम-कायदे दिए गये थे, उसका नतिज्जां यो होया के जो यीशु मसीह
पै बिश्वास करै सै वो धर्मी बणाए जावैंगे।

?????? ????? ?? ??????

5 क्यूँके मूसा नबी नै नियम-कायदा तै धर्मी बणण के बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ म्ह यो लिख्या सै,
के जो माणस उननै मान्नै सै, वो इस्से कारण तै जिन्दा रह्वैगा। 6 पर बिश्वास के जरिये धर्मी बणाये
जाण के बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ या कहवै सै, के "तू अपणे मन म्ह न्यू ना कहिये, के मसीह ताहीं
नीच्चै ल्याण खात्तर सुर्ग पै कौण चढ़ैगा?" 7 या "अधोलोक म्ह कौण उतरैगा?" (यानिके मसीह
ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा उप्पर लाण कै खात्तर!) 8 पर के कहवै सै, योए के "परमेसवर का वचन
तेरे धोरै सै, ताके तू उसनै अपणे मुँह तै अंगीकार कर सकै अर अपणे मन म्ह राक्ख सकै," यो वोए
बिश्वास का वचन सै, जो हम प्रचार करा सां। 9 जै तू माणसां के स्याम्ही यीशु नै प्रभु मान ले,
अर अपणे मन तै बिश्वास करै के परमेसवर नै उस ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, तो परमेसवर
तन्नै बचावैगा। 10 क्यूँके हम अपणे मन तै बिश्वास करां सां, तो हम परमेसवर के जरिये धर्मी बणाए
जावै सै, अर हम मुँह तै अंगीकार करां सां, के हम मसीह पै बिश्वास करां सां, तो इस करकै हम बच
जावांगे। 11 क्यूँके यशायाह नै पवित्र ग्रन्थ म्ह मसीह के बारें म्ह यो लिख्या सै, "जो कोए उसपै
बिश्वास करैगा वो शर्मिन्दा कोनी होवैगा।" 12 यहूदियाँ अर यूनानियाँ म्ह किमे फर्क कोनी, ज्यांतै
के परमेसवर सारया का प्रभु सै, जो उसका नाम लेवै सै उस ताहीं वो बचावै सै। 13 क्यूँके पवित्र
ग्रन्थ म्ह लिख्या सै के "जो कोए प्रभु का नाम लेवैगा, वो बचाया जावैगा।"
14 पर जिन माणसां नै मसीह पै बिश्वास न्ही करया, तो वे उसनै मदद खात्तर किस तरियां पुकारैंगे?
अर जिसकै बारें म्ह सुण्या न्ही उसपै किस तरियां बिश्वास करैंगें? अर वे किस तरियां सुणैगें जिब
तक कोए प्रचारक ना जावै। 15 जै प्रचारक भेज्जे ना जावै, तो किस तरियां प्रचार करै? जिसा
पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "जो आच्छी बात्तां का सुसमाचार लेकै आवै सै, उनके पाँव कितने
सुहावने सै।" 16 पर सारया नै उस सुसमाचार पै बिश्वास कोनी करया जिसा यशायाह नबी कहवै सै,
"हे प्रभु, किस्से नै भी म्हारै सन्देस पै बिश्वास न्ही करया?" 17 पर मसीह के बारें म्ह वचन सुणण तै
बिश्वास होवै सै। 18 पर मै पूच्छु सूं, के यहूदियाँ नै, मसीह के बारें म्ह न्ही सुण्या? सुण्या तो जरुर
सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "उनके बोल साब्ती धरती पै, अर उनके वचन दुनिया के कुणे
ताहीं पोंहोचगे सै।" 19 फेर मै पूच्छु सूं, के इस्राएली लोग मसीह के बारें म्ह सन्देस ताहीं समझै
सै? पैहल्या तो प्रभु नै मूसा नबी के जरिये यो कह्या, "मै उन गैर यहूदियाँ के जरिये थारे मन म्ह
जळण पैदा करूँगा, मै थमनै यहूदियाँ कै जरिये मूर्ख समझण आळे माणसां तै गुस्सा दिलाऊँगा।"

20 फेर जो बात प्रभु नै कही वा बात यशायाह नबी बड़ी हिम्मत करकै कहवै सै, “जो मन्नै न्ही
टोहवैं थे, उननै मेरै ताहीं पा लिया, अर जो मन्नै बुझ्झै भी कोनी थे, उनपै मै जाहिर होया।” 21 पर
इस्राएल देश के माणसां कै बारै म्ह, परमेसवर यशायाह नबी के जरिये न्यू भी कहवै सै, “मै सारा
दिन अपणे हाथ, एक हुकम ना मानण आळी अर विवाद करण आळी प्रजा कै कान्ही पसारे रहया।”

11

[illegible]

1 ज्यांतै मै पूच्छु सूं, के परमेसवर नै अपणी प्रजा ताहीं छोड़ दिया? न्ही! बिलकुल न्ही! मै भी
तो इस्राएली सूं, मै अब्राहम की पीढ़ी अर बिन्यामीन कै गोत्र म्ह तै सूं। 2 परमेसवर नै अपणी उस
प्रजा ताहीं कोनी छोड्या, जिस ताहीं उसनै पैहल्याए तै चुण्या सै। के थमनै न्ही बेरा के पवित्र
ग्रन्थ एलिय्याह नबी कै बारै म्ह के कहवै सै, वो इस्राएल के माणसां कै बिरोध म्ह परमेसवर तै
शिकायत करै सै। 3 “हे प्रभु, उननै तेरे नबियाँ ताहीं मार दिया, अर तेरी वेदियाँ* ताहीं नाश कर
दिया सै, अर मै ए एक्ला बचा सूं, जो तेरे पै बिश्वास करुँ सूं अर जिन्दा सूं, अर वे मेरी जान भी
लेणा चाहवै सै।” 4 तब परमेसवर नै एलिय्याह नबी तै कह्या, “मन्नै अपणे खात्तर सात हजार माणसां
ताहीं राख राख्या सै, जिन नै बाल देवता की मूर्ति की आराधना करण खात्तर गोड्डे कोनी टेक्के सै।”
5 ठीक इस्से तरियां तै इस बखत भी, परमेसवर के अनुग्रह तै अलग करे होए कुछ यहूदी माणस
बचरे सै, जिन ताहीं उसनै अपणे खात्तर चुण्या सै। 6 जै उन ताहीं परमेसवर नै अपणे अनुग्रह तै
चुण्या सै, तो यो आच्छे काम्मां तै न्ही होया, न्ही तो अनुग्रह फेर अनुग्रह न्ही रहया।
7 फेर इसका नतिज्जा के लिकड़या? हालाकि इस्राएली माणस जो परमेसवर की नजर म्ह धर्मी
बणणा चाहवै थे, पर वो बण न्ही पाए, पर परमेसवर नै जिन ताहीं चुण्या वे उसकै गैल धर्मी बण ग्ये,
अर बचे होड़ माणस हठीले करे गये अर उननै उसकी सुणण तै इन्कार कर दिया। 8 जिसा पवित्र
ग्रन्थ म्ह यशायाह नबी नै लिख्या सै, “परमेसवर नै उन ताहीं आज कै दिन तक सुस्त दिमाग दे
राख्या सै, अर इसी आँख दी जो ना देक्खै, अर इसे कान दिये जो ना सुणै।” 9 अर राजा दाऊद
कहवै सै, “के जिसा एक पंछी खाणा खाण खात्तर जाळ म्ह फँस जावै सै अर जानवर खड्डे म्ह गिर
जावै सै, उसी तरियां ये माणस भी परमेसवर की ओड़ तै दण्ड पावैंगें। 10 उनकी आँख आँधी हो
जावै ताके वो देख न्ही पावै, अर वे सारी हाण मुसीबतां म्ह फसे रहवै।” 11 तो मै पूच्छु सूं, के यहूदी
लोग ठोक्कर खाण कै कारण सदा कै खात्तर नाश होगे? न्ही! बिलकुल न्ही! पर उनकै अबिश्वास
कै कारण गैर यहूदियाँ ताहीं उद्धार मिल्या, ताके इस्राएल के माणसां कै जळण होवै। 12 ज्यांतै जै
उनका अबिश्वास दुनिया की गैर यहूदियाँ कै खात्तर भलाई का कारण बणै, तो इस्राएल के माणसां
का परमेसवर के धोरै बोहड़ के आणा और भी आच्छा क्यूँ न्ही होगा।

[illegible]

13 मै थम दुसरी जात्तां तै ये बात कहूँ सूं। जिब के मै गैर यहूदियाँ कै खात्तर प्रेरित सूं, तो मै अपणी
सेवा की बड़ाई करुँ सूं, 14 ताके किसे तरियां तै मै अपणे कुण्बे आळे माणसां म्ह जळण पैदा करवा
कै उन म्ह तै एक-आधै का उद्धार कराऊँ। 15 क्यूँके जिब इस्राएली माणसां का छोड़ दिया जाणा,
गैर यहूदियाँ का परमेसवर कै साथ मेळ-मिलाप का कारण होया। तो उनका मसीह ताहीं अपणाया
जाणा, इसा होगा, जिसा किसे माणस का मुर्दां म्ह तै जिन्दा जाणा। 16 मै थमनै एक उदाहरण देऊँ
सूं, यो यहूदी माणसां का रिवाज सै, जिब हम चून गुंधा सां, तो उस म्ह तै पैहले रोट्टी का एक पेड़ा
परमेसवर कै खात्तर लिकाड़ा सां, तो पूरा गुन्द्या होया चून भी परमेसवर कै खात्तर सै, उस्से तरियां
जिस तरियां जड़ परमेसवर की सै, तो डाळी भी उस्से की सै।

---

* **11:3** 11:3 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

17 इस्राएल के माणस जैतून की डाळी की तरियां सै अर पिता अब्राहम, इसहाक अर याकूब पेड़
की जड़ की तरियां सै, पर जै कुछ डाळी तोड़ दी गई, अर तू जंगळी जैतून होकै उन म्ह कलम करया
गया, अर यहूदी माणसां ताहीं मिलण आळी आशीष का फायदा थारे ताहीं भी होया, जिसा जैतून
के पेड़ की डाळी पेड़ की जड़ तै रस हासिल करै सै। 18 तो थम यो घमण्ड ना करियो, के थम उन
कटी होई डाळियाँ तै बढ़िया सों, यो याद राक्खों के थम जड़ नै कोनी पर, जड़ थमनै सम्भाळै सै।
19 फेर थम बोल सकों सों के "परमेसवर पेड़ तै टुट्टी होए डाळियाँ की तरियां थमनै छोड़ देगा।"
ताके गैर यहूदियाँ ताहीं अपणाले, जो के उन डाळियाँ की तरियां सै जो कलम करकै लगाई गई सै।
20 यो सच सै के वे तो अबिश्वास कै कारण तोड़ी गई, पर तू बिश्वास तै बण्या रहवै सै ज्यांतै घमण्डी
ना होवै, पर भय मान, 21 क्यूँके जिब परमेसवर नै खुद की डाळियाँ पै दया न्ही करी तो वो थारे पै भी
दया न्ही करैगा। 22 ज्यांतै परमेसवर की दया अर कठोरता नै देख! जो अबिश्वासी माणसां खात्तर
कठोरता अर थारे खात्तर दया सै, जै थम असलियत म्ह उसकी दया की हद म्ह न्ही बणे रहवोंगे,
तो थारे ताहीं भी काट के अलग कर दिया जावैगा। 23 यहूदी लोग भी जै बिश्वास करणा शरु करदे,
तो दुबारा तै लगा दिए जावैंगे, क्यूँके परमेसवर उन ताहीं फेर छांग सकै सै। 24 एक जंगळी डाळी
खात्तर एक आच्छे पेड़ का हिस्सा बणणा कुदरती न्ही सै, अर जो यहूदी कोनी जंगळी जैतून के पेड़
की डाळी की तरियां सै, जो के एक आच्छे जैतून के पेड़ म्ह लगाई गई सै, पर यहूदी एक डाळी की
तरियां सै जो आच्छे पेड़ तै उगै सै, पक्के तौर पै वे अपणे पेड़ म्ह शामिल हो सकै सै।

[illegible]

25 हे बिश्वासी भाईयो, मै न्ही चाहन्दा के थम इस भेद तै अनजाण रहों, इसा ना हो के थम अपणे-
आप पै घमण्ड करण लाग्गों, जिब तक गैर यहूदी परमेसवर के धोरै ना आवै सै, तब तक इस्राएल
के कुछ माणस सख्त बणे रहवैंगे। 26 अर इसके बाद सारे इस्राएल के माणस उद्धार पावैंगें। जिसा
पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "छुटाण आळा यरुशलेम तै आवैगा, अर अभगति नै याकूब के वंश
तै दूर करैगा। 27 अर उनकै गेल्या मेरा यो करार होगा, जिब मै उनके पापां नै माफ कर दियुँगा।"
28 यहूदी लोग परमेसवर के दुश्मन बणगे थे, क्यूँके वे उस सुसमाचार पै बिश्वास करणा न्ही चाहन्दे,
यो थारे खात्तर फायदेमन्द होया, पर परमेसवर उनतै प्यार करै सै, क्यूँके उसनै अपणे खात्तर उन ताहीं
चुण्या सै, योए वो वादा सै जो उसनै म्हारे पूर्वजां तै करया था। 29 क्यूँके परमेसवर अपणे वरदान्नां
तै, अर बुलाहट तै कदे भी पाच्छै कोनी हटदा। 30 एक बखत था जिब थम गैर यहूदियाँ नै परमेसवर
ताहीं ठुकरा दिया था, पर इब इस्राएल के माणसां नै परमेसवर ताहीं ठुकरा दिया, इस कारण थारे
पै दया दिखाई गई। 31 थारे पै दया दिखाण कै कारण उनपै भी दया दिखाई जावैगी। 32 क्यूँके सारे
माणसां नै परमेसवर के हुकम का उलंघण करया सै, योए कारण सै के परमेसवर उनकै गैल कैदियाँ
की ढाळ बरताव करै सै, वो इस करकै इसा करै सै के सब माणसां पै दया हो सकै।

[illegible]

33 ओह! किसा अपार सै परमेसवर की बुद्धि अर ज्ञान का भण्डार! कितने महान् सै उसके फैसले!
अर किसा रहस्यमयी सै उसके काम करण का तरिक्कां! 34 "भला कौण जाण सकै सै परमेसवर के मन
नै? या कौण उसका सलाहकार होया सै? 35 या किसनै परमेसवर ताहीं कुछ दिया सै, जिसका बदला
उस ताहीं दिया जावै?" इसा कोए कोनी। 36 क्यूँके सब कुछ उस्से कै कान्ही तै आवै सै, अर उस्से नै
सब कुछ बणाया सै अर सब कुछ उस्से का सै। उसकी महिमा युगानुयुग होन्दी रहवै आमीन।

12

[illegible]

1 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै परमेसवर की दया याद दुवाकै बिनती करुँ सूं, के अपणी
जिन्दगी ताहीं जिन्दा, पवित्र अर परमेसवर ताहीं भान्दा होया बलिदान करकै चढ़ाओ। योए
परमेसवर की सेवा करण का सही तरिक्कां सै। 2 इस दुनिया के माणसां बरगे ना बणो, पर परमेसवर

थारी सोच नै बदलै, अर थारा चाल-चलण भी बदलता जावै, जिसतै थम परमेसवर की भली, अर
आच्छी लागण आळी, अर सिध्द इच्छा अनुभव तै बेरा पाड़ सको।
3 क्यूँके मै उस अनुग्रह कै कारण जो मेरै ताहीं मिल्या सै, थारे म्ह तै हरेक तै कहूँ सूं, के जिसा
समझणा चाहिये, उसतै बढ़कै कोए भी अपणे-आपनै ना समझै। पर इसकी बजाए सदबुध्दी राखकै,
जिसा परमेसवर नै जितना बिश्वास थारे ताहीं दिया सै उसकै मुताबिक अपणे-आपनै समझो। 4 क्यूँके
जिसा म्हारी एक देह म्ह घण-ए अंग सै, अर सारे अंगा का एके काम कोनी। 5 इस्से तरियां हम जो
मसीह म्ह बिश्वास करा सां, हम उसके देह के कुछ अंग बणगे सां, अर हम दुसरे तै जुड़े होए सां।
6 जिब के उस अनुग्रह कै मुताबिक जो परमेसवर नै म्हारै ताहीं दिया सै, हमनै न्यारे-न्यारे वरदान
मिले सै। तो जिस ताहीं परमेसवर नै भविष्यवाणी का दान दिया सै, वो उन ए बात्तां नै बोल्लै जो उसनै
बिश्वास दिलाते हो के ये परमेसवर की ओड़ तै सै। 7 जै दुसरयां की सेवा करण का दान मिल्या हो,
तो सेवा म्ह लाग्या रहवै, जै कोए सिखाण आळा हो, तो सिखाण म्ह लाग्या रहवै। 8 जो उत्साहित
करण आळा हो, वो उत्साहित करण म्ह लाग्या रहवै, दान देण आळा हो उदारता तै देवै, जो अगुवाई
करै, वो जोश तै करै, जो दया करै, वो खुशी तै करै।
9 प्यार करण का दिखावा ना करो, बुराई तै नफरत करो, भलाई म्ह उत्सुक रहो। 10 एक-दुसरे तै इस
तरियां प्यार करो, जणु एक ए परिवार के हो, आप्पस म्ह एक-दुसरे का बढ़-चढ़कै आदर करो। 11 कड़ी
मेहनत करो अर आलसी ना बणो, आत्मिक जोश तै भरे रहो। प्रभु की सेवा पूरे मन तै करदे रहो।
12 आस म्ह खुश रहो, क्लेश म्ह धीरज धरो, प्रार्थना म्ह सारी हाण लाग्गे रहो। 13 पवित्र माणसां
ताहीं जो किमे जरूरी हो, उस म्ह उनकी मदद करो, अर अजनबी* माणसां की सदा सेवा-पाणी म्ह
लाग्गे रहो।
14 अपणे सताण आळा ताहीं आशीष द्यो, आशीष दो श्राप ना द्यो। 15 आनन्द करण आळा
कै गेल्या आनन्द करो, अर रोण आळा कै गेल्या रोओ। 16 जिस तरियां थम अपणी परवाह करो
सों, उस्से तरियां दुसरयां की परवाह करो, खुद पै घमण्ड ना करो, पर दीन-दुखियाँ कै गेल्या संगति
राक्खो, अपणी नजर म्ह अकलमंद ना होवो। 17 बुराई कै बदले किसे तै बुराई ना करो, जो बात सारे
माणसां कै लोवै आच्छी सै, उनकी फिक्र करया करो। 18 जित्त ताहीं हो सकै, थम पूरे मन तै सारे
माणसां कै गेल्या मेळ-मिलाप राक्खो। 19 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, बदला ना लियो, पर परमेसवर
ताहीं बदला लेण का मौक्का द्यो, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "बदला लेणा मेरा काम सै,
प्रभु कहवै सै मै ए बदला ल्यूँगा।" 20 पर वचन यो भी कहवै "जै तेरा बैरी भूक्खा हो तो उस ताहीं
खाणा खुवा, जै तिसाया हो तो उस ताहीं पाणी पिला, क्यूँके तेरे इसा करण तै वो खुद शर्मिन्दा हो
जावैगा।" 21 बुराई तै ना जीत हासिल करो, पर भलाई तै बुराई नै जीत ल्यो।

13

????? ?? ????? ???????

1 हरेक माणस शासन करण आळे अधिकारियां कै अधीन रहवै, क्यूँके सारे अधिकार परमेसवर की
ओड़ तै आवै सै, अर जो अधिकार सै, वे परमेसवर नै बणाये सै। 2 ज्यांतै जो कोए भी माणस उन
माणसां का पालन करण तै इन्कार करै सै, जिनकै धोरै शासन करण की शक्ति सै, तो वो परमेसवर
की विधि का बिरोध करै सै, अर बिरोध करण आळे दण्ड पावैंगें। 3 क्यूँके हाकिम आच्छे काम के न्ही,
पर भुन्डे काम कै खात्तर डर का कारण सै। जै तू हाकिम तै बिना डरे रहणा चाहवै सै, तो आच्छा
काम कर, ताके उसकी ओड़ तै तेरी बड़ाई हो। 4 क्यूँके वो तेरी भलाई कै खात्तर परमेसवर का सेवक
सै। परन्तु जै तू बुराई करै, तो डर, क्यूँके उसनै दण्ड देण का हक सै, अर वो परमेसवर का सेवक सै
ताके उसकै छो कै मुताबिक भुन्डे काम करण आळे ताहीं सजा देवै। 5 ज्यांतै थम उनके अधीन रहों
ना सिर्फ उसकै दण्ड तै बचण खात्तर बल्के साफ अन्तरात्मा राक्खण खात्तर भी। 6 ज्यांतै चुंगी भी

* 12:13 12:13 अजनबी माणस जो मसीह की सेवकाई कै खात्तर जगहां-जगहां घूमते हो

द्यो क्यूँके शासन करण आळे परमेसवर के सेवक सै अर सारी हाण उस फर्ज नै पूरा करण म्ह लाग्गे
रहवैं सै। 7 ज्यांतै हरेक का हक चुकाया करो, जिस ताहीं चुंगी देणी चाहिये, उस ताहीं चुंगी देओ,
कर देण आळे ताहीं कर* देओ, जिसतै डरणा चाहिये, उसतै डरो, जिसका आदर-मान करणा चाहिये,
उसका आदर-मान करो।

[illegible]

8 एक ए चीज सै जिसके थमनै कर्जदार होणा चाहिए, वो सै थारा आप्पस म्ह प्यार, क्यूँके जो
एक-दुसरे तै प्यार करै सै, उस्से नै परमेसवर के नियम-कायदा ताहीं पूरा करया सै। 9 क्यूँके, मूसा
नबी के नियम-कायदा म्ह भोत-से हुकम सै, "जारी ना करणा, खून ना करणा, चोरी ना करणा, लालच
ना करणा," अर इन्नै छोड़ और कोए भी हुकम हो, तो सारया का निचोड़ इस एक हुकम म्ह पाया
जावै सै, "अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार करो।" 10 प्यार पड़ोसी की कुछ बुराई कोनी करदा,
जो प्यार करै सै, वो परमेसवर के नियम-कायदा नै पूरा करै सै।

11 आप्पस म्ह हरेक नै एक-दुसरे तै प्यार करते रहणा चाहिए, क्यूँके वो बखत आवै सै, के जिब
परमेसवर हमनै इस बुरी दुनिया तै छुड़ावैगा, जिब हमनै पैहली बार मसीह म्ह बिश्वास करया था,
तब तै इब वो बखत धोरै आ लिया सै, तो थारे ताहीं नींद तै जागणा चाहिए अर सावधान रहणा
चाहिए। 12 दुनिया म्ह रहण का म्हारा बखत लगभग एक रात की ढाळ सै, जो खतम होण आळी
सै, अर मसीह के बोहड़ण आळा बखत भोत लवै सै, ज्यांतै हमनै अन्धकार के काम्मां नै छोड़कै,
चाँदणे की ढाळ आच्छे काम करणे चाहिए, जो बुराई का बिरोध करण म्ह म्हारे हथियार बणै सकै।
13 आओ! हम खुद नै सही तरिक्के तै चलाणा शुरु करा, जो उन माणसां की तरियां सै जो चाँदणे
म्ह रहवै सै, पर अँधेरे म्ह रहण आळे माणसां की ढाळ ना बणो जो भोग-विलास, दारूबाजी, जारी,
लुचपण, रोळे अर जळण करण जिसा काम करै सै। 14 बल्के प्रभु यीशु मसीह ताहीं कवच बणा के
पैहर ल्यो, अर देह की पापी अभिलाषायां नै पूरा करण का उपाय ना करो।

14

[illegible]

1 जो माणस बिश्वास म्ह कमजोर सै, उस ताहीं अपणी संगति म्ह ले ल्यो, पर उस ताहीं के करणा
चाहिए के न्ही करणा चाहिए इस बारें म्ह बहस ना करो। 2 एक नै बिश्वास सै, के सारा कुछ खाणा
सही सै, पर जो बिश्वास म्ह कमजोर सै वो साग-पात ए खावै सै। 3 अर माँस-मच्छी खाण आळे
साग-पात खाण आळे ताहीं तुच्छ ना जाणै, अर ना साग-पात खाणआळा, माँस-मच्छी खाणआळै
पै दोष लावै, क्यूँके परमेसवर नै दोनुआ ताहीं अपणाया सै। 4 तू कौण सै जो दुसरे कै नौक्कर पै
दोष लावै सै? पर उसकी कामयाबी या नाकामयाबी उसकै माल्लिक कै ए हाथ्थां म्ह सै, बल्के वो
कामयाब ए कर दिया जावैगा, क्यूँके प्रभु उस ताहीं कामयाब कर सकै सै।

5 इस तरियां कई माणस तो एक दिन नै दुसरे तै बाध मान्नै सै, अर कई माणस सारे दिनां नै एक
जिसा जाणै सै, इस तरियां तै हरेक अपणे ए मन म्ह, इस बात नै पक्का कर लेवै जो वो सोच्चै सै वोए
सही सै। 6 जो कोए किसे दिन नै बाध मान्नै सै, वो प्रभु नै आदर मान देण खात्तर मान्नै सै। जो कोए
माँस-मच्छी खावै सै, वो प्रभु नै आदर मान देण खात्तर खावै सै, क्यूँके वो परमेसवर का धन्यवाद
करै सै, अर जो साग-पात खावै सै, क्यूँके वो प्रभु नै आदर मान देण खात्तर खावै अर परमेसवर का
धन्यवाद करै सै। 7 क्यूँके हम सारे प्रभु के सां। म्हारै म्ह तै ना तो कोए अपणे खात्तर जिन्दा सै, अर
ना कोए अपणे खात्तर मरै सै, पर परमेसवर ताहीं खुश करण खात्तर करै सै। 8 जै हम जिवां सां, तो
प्रभु कै खात्तर जिवां सां, अर जै मरा सां, तो प्रभु कै खात्तर ए मरा सां, हम जिवां या मरा, हम
प्रभु ए के सां। 9 क्यूँके मसीह यीशु इस्से खात्तर मरा अर मुर्दां म्ह तै जिन्दा भी हो गया के वो मरे
होया अर जिन्दयां का, दोनुआं का प्रभु होवै।

* **13:7** 13:7 कर-हरेक ढाळ का टैक्स

10 तू अपणे बिश्वासी भाई पै क्यांतै दोष लावै सै? या फेर क्यांतै अपणे बिश्वासी भाई नै तुच्छ
जाणै सै? परमेसवर हम सारा का न्याय करैगा। 11 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "प्रभु कहवै
सै,
मेरे जीवन की कसम, के हरेक घुटना मेरै स्याम्ही टिकैगा, अर
हरेक कोए अपणी जुबान तै मन्नै परमेसवर मान लेवैगा।"
12 ज्यांतै म्हारै म्ह तै हरेक नै अपणे-अपणे काम का लेक्खा परमेसवर ताहीं देणा पड़ैगा।

[illegible]

13 इस खात्तर आग्गै तै हम एक-दुसरे पै दोष न्ही लावांगें, पर थम या ठान ल्यो के कोए अपणे
बिश्वासी भाई कै स्याम्ही पाप करण की बजह ना बणै। 14 मन्नै बेरा सै अर प्रभु यीशु म्ह मन्नै
पक्का यकिन होया सै, के कोए खाण-पीण की चीज अपणे-आप तै अशुद्ध कोनी, पर जो उस ताहीं
अशुद्ध समझै सै, उसकै खात्तर अशुद्ध सै। 15 जै तेरा बिश्वासी भाई तेरे खाणे कै कारण दुखी होवै सै,
तो फेर तू मसीह की प्यार की रीत पै न्ही चाल्दा, जिसकै खात्तर मसीह मरा, तेरे खाणे की बजह तै
तेरा बिश्वासी भाई मसीह तै पाच्छै ना हटै। 16 इस करकै जै तू अपणी नजर म्ह बढ़िया काम करै सै,
पर दुसरा उसनै बुरा मान्नै सै तो उसनै ना करै। 17 क्यूँके परमेसवर का राज्य खाणा-पीणा कोनी, पर
धार्मिकता अर मेळ-मिलाप म्ह ए खुशी सै, जो पवित्र आत्मा तै मिलै सै। 18 जो कोए इस तरियां
तै मसीह की सेवा करै सै, इसतै परमेसवर खुश होवै सै, अर माणसां म्ह भी उसकी तारीफ होवै सै।
19 ज्यांतै हम उन काम्मां म्ह लाग्गे रह्वां जिनतै मेळ-मिलाप अर शान्ति होवै, अर एक-दुसरे का
बिश्वास मजबूत होवै। 20 खाणे कै खात्तर परमेसवर का काम ना बिगाड़ै। सारी ढाळ का खाणा शुद्ध
सै, पर उस माणस कै खात्तर पाप करण की बजह ना बणो, जिस ताहीं उसकै खाणे तै ठेस लाग्गै सै।
21 भला तो यो सै के तू ना माँस-मच्छी खा अर ना अंगूर का रस पी, ना और किमे इसा करै जिसतै
तेरे बिश्वासी भाई के बिश्वास नै ठेस लाग्गै। 22 जै तू बिश्वास करै के तू सही करै सै, तो इन बात्तां नै
अपणे ए अर परमेसवर के बीच म्ह राख। धन्य सै वो जो उस बात म्ह, जिस ताहीं वो सही समझै सै,
अपणे-आपनै कसूरवार न्ही समझदे। 23 पर इब थारे मन म्ह शक सै, के खाणा सै अर के न्ही खाणा
अर फेर भी खा ल्यो सो, तो पाप करो सों। क्यूँके थम अपणे बिश्वास के मुताबिक न्ही करते अर जै
थम इसा काम करो सों, जिसपै थमनै बिश्वास सै, वो काम गलत सै, तो वो पाप सै।

15

[illegible]

1 हो सकै सै के हम जो बिश्वास म्ह मजबूत सां, हम जाणा सां के इन बात्तां तै कोए फर्क न्ही
पड़ता, हम इस खात्तर यो काम न्ही करते के हम अपणे-आपनै खुश कर सका, हमनै उन माणसां का
डर अर शंका का भी ध्यान करणा सै, के जो यो सोच्चै सै के हम गलत सां। 2 म्हारै म्ह तै हरेक नै
अपणे बिश्वासी भाई कै साथ भले काम करणे चाहिए, जो उसनै खुश करै अर उस ताहीं बिश्वास
म्ह मजबूत बणाए राक्खै। 3 क्यूँके मसीह नै अपणे-आप ताहीं खुश कोनी करया, पर जिसा पवित्र
ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "तेरी बुराई करण आळा नै मेरी बुराई करी सै।" 4 जितनी बात पैहल्या तै
पवित्र ग्रन्थ म्ह लिक्खी गई, वे म्हारी ए सिखाण कै खात्तर लिक्खी गई सै, ताके हम धीरज अर
उत्साह जो म्हारे ताहीं पवित्र ग्रन्थ देवै सै, उसके जरिये हमनै आस मिलै। 5 मै प्रार्थना करुँ सूं के
धीरज अर उत्साह का दात्ता परमेसवर, थमनै यीशु मसीह की तरियां जीवन बिताण अर एक-दुसरयां
कै साथ शान्ति तै रहण म्ह मदद करै। 6 ताके थम सब कठ्ठे होकै म्हारै परमेसवर प्रभु यीशु मसीह
कै पिता की महिमा करो।

[illegible]

7 इस करकै एक-दुसरे नै अपणाओ जिसा मसीह नै थारे ताहीं अपणाया सै, यो इस खात्तर करो के
माणस परमेसवर की जै-जै कार करै। 8 ज्यांतै मै कहूँ सूं के जो वादे म्हारे पूर्वजां ताहीं दिए गये थे,

उन वादा नै मजबूत करण खात्तर मसीह, परमेसवर की सच्चाई साबित करण खात्तर मसीह, यहूदी
माणसां का सेवक बण्या। 9 अर गैर यहूदी भी परमेसवर की दया कै कारण उसकी महिमा करै, जिसा
पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "ज्यांतै मै गैर यहूदी माणसां म्ह तेरा धन्यवाद करूँगा, अर तेरे नाम
के भजन गाऊँगा।" 10 फेर कह्या सै, "हे गैर यहूदी माणसों, परमेसवर की प्रजा कै गैल आनन्द
करो।" 11 अर फेर पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, "हे गैर यहूदी माणसों, प्रभु की जय-जयकार करो, अर
हे राज्य-राज्य के सारे माणसों, उसकी बड़ाई करो।" 12 अर यशायाह नबी पवित्र ग्रन्थ म्ह कहवै
सै, "यिशै* के वंश तै एक बेट्टा पैदा होगा, अर सारी जात्तां पै राज करैगा, वो गैर यहूदी माणसां नै
बचावैगा।" 13 मै प्रार्थना करुँ सूं, के परमेसवर जो आस का दात्ता सै, थारे ताहीं बिश्वास करण म्ह
सारी तरियां के आनन्द अर शान्ति तै भरपूर करै, के पवित्र आत्मा की सामर्थ तै थारी आस बधती
जावै।

????? ?? ????? ?? ?????

14 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, मै अपणे-आप थारे बारै म्ह पक्का जाणु सूं, के थम भी आप ए भलाई
तै भरे होए सों, अर थमनै बेरा होणा चाहिए के थमनै के करणा चाहिए, अर एक-दुसरे नै सीखा
भी सको सों। 15 तोभी मन्नै कई बात्तां के बारें म्ह थारे ताहीं जो हिम्मत करकै लिख्या। यो उस
अनुग्रह कै कारण होया जो परमेसवर नै मेरै ताहीं दिया सै, 16 के मै गैर यहूदियाँ कै खात्तर मसीह
यीशु का सेवक होकै परमेसवर कै सुसमाचार की सेवा याजक कै ढाळ करुँ, ताके गैर यहूदियाँ ताहीं
परमेसवर खात्तर भेट के रूप म्ह दे सकूँ, जिसकै साथ वो खुश होवै सै, जिन ताहीं पवित्र आत्मा नै
पवित्र माणस बणा दिया। 17 ज्यांतै मै यीशु मसीह के कारण ए परमेसवर की सेवा पै गर्व कर सकूँ
सूं। 18 क्यूँके मै हिम्मत कै गैल सिर्फ उन बात्तां बारै म्ह जिक्र करणा चाहूँ सूं, जो मसीह नै मेरे ताहीं
करण के काबिल बणाया, ताके जो मन्नै कह्या अर करया सै उसके जरिये गैर यहूदी माणस परमेसवर
का हुकम मान्नै। 19 पवित्र आत्मा के जरिये दी गई शक्ति तै मै अदभुत चिन्ह-चमत्कार करुँ सूं, इस
कारण जित्त भी मै यरुशलेम नगर तै लेकै चौगरदेकै इल्लुरिकुम परदेस तक गया, ओड़ै मन्नै सारया
ताहीं यीशु मसीह का सुसमाचार सुणाया। 20 पर मेरै मन की इच्छा या सै के जित्त-जित्त मसीह यीशु
का नाम न्ही लिया गया, ओड़ैए सुसमाचार सुणाऊँ, अर उस मकान बणाण आळे मिस्त्री की ढाळ
ना होऊँ जो दुसरे की नीम पै घर बणावै सै। 21 पर जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै मै उस ताहीं
पूरा करणा चाहूँ सूं, "जिनकै धोरै यीशु मसीह का सुसमाचार न्ही पोंहच्या, वैए देखैंगें, अर जिन नै
न्ही सुणा वैए समझैंगें।"

???? ??????? ?? ?????? ?? ??????

22 ज्यांतै मै थारे धोरै आण तै बार-बार रुक्या रहया। 23 पर इब यरुशलेम नगर अर इल्लुरिकुम
परदेस म्ह मन्नै माणसां ताहीं परमेसवर का वचन सुणा दिया सै, जिननै यीशु मसीह के बारें म्ह सुण्या
ए न्ही था, अर इब मै थारे तै आकै मिलूँगा, जिसकी लालसा मन्नै घणे साल्लां तै थी। 24 ज्यांतै जिब
मै स्पेन देश म्ह जाऊँगा, तो थारे धोरै होंदा होया जाऊँगा, क्यूँके मन्नै उम्मीद सै के उस सफर म्ह
थारे तै भेंट होवैगी, अर जिब थारी संगति तै मेरा जी खुश हो जावै, तो थम मेरी स्पेन देश जाण
म्ह मदद कर दिओ। 25 पर इब तो मै यरुशलेम नगर म्ह जाऊँ सूं ताके ओड़ै परमेसवर के पवित्र
माणसां नै दान दे सकूँ। 26 क्यूँके मकिदुनिया अर अखाया परदेस के माणसां नै यो आच्छा लाग्या के
यरुशलेम नगर के गरीब माणसां कै खात्तर कुछ दान कठ्ठा करै। 27 उननै आच्छा तो लाग्या, पर वे
यरुशलेमवासियों कै कर्जदार भी सै, क्यूँके यहूदियाँ नै गैर यहूदियाँ कै साथ परमेसवर की आत्मिक
बात्तां का साँझा करया सै, यो सही सै गैर यहूदियाँ की दुनियावी चिज्जां नै यहूदियाँ कै गैल साँझा
करै। 28 ज्यांतै मै यरुशलेम नगर म्ह जाण लागरया सूं, ताके वो दान दे सकूँ, जो मन्नै कठ्ठा करया

* **15:12** 15:12 यिशै-राजा दाऊद का पिता था

सै, उसकै बाद थारे तै रोम देश म्ह मिलकै स्पेन देश म्ह जाऊँगा। 29 अर मन्नै बेरा सै के जिब मै थारे
धोरै आऊँगा, तो मै मसीह की आशीष नै थारे साथ साँझा करुँगा।
30 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारै प्रभु यीशु मसीह म्ह बिश्वास के कारण अर जो पवित्र आत्मा नै
म्हारे ताहीं जो प्यार दिया सै मै थारे तै बिनती करुँ सूं, के मेरै खात्तर अर मेरे साथ मन तै परमेसवर
तै प्रार्थना करो 31 ताके मै यहूदिया परदेस के अबिश्वासियाँ तै बचा रहूँ, अर जो दान मै यरुशलेम
नगर म्ह लेकै जाण लागरया सूं, वो परमेसवर के पवित्र माणसां खात्तर खुशी का कारण बणै। 32 अर
मै परमेसवर की मर्जी तै थारे धोरै आनन्द कै गैल आकै थारे गेल्या आराम पाऊँ। 33 मै प्रार्थना करुँ
सूं, शान्ति का दात्ता परमेसवर थारे सारया कै गेल्या रहवै। आमीन।

16

[illegible]

1 मै थारे तै फिबे कै खात्तर जो म्हारी बिश्वासी भाण अर किंख्रिया नगर की कलीसिया की सेविका
सै, मै चाहूँ सूं के थम उसका आदर करो। 2 थम यो जाणकै उसका इसा स्वागत करो जिसा थम
परमेसवर के पवित्र माणसां का करो सों, अर जिस किसे बात म्ह उस ताहीं थारी जरूरत होवै,
उसकी मदद करो, क्यूँके वा भी घणखरयां की बल्के मेरी भी उपकार करण आळी रही सै।
3 प्रिसकिल्ला बिश्वासी भाण अर उसके धणी अक्विला नै जो मसीह यीशु म्ह मेरै गैल काम
करणीये सै, उन ताहीं मेरा नमस्कार। 4 उननै मेरै प्राण के खात्तर अपणा ए जीवन जोख्खम म्ह गेर
दिया था, अर सिर्फ मै ए न्ही, बल्के गैर यहूदियाँ की सारी कलीसिया भी उनका धन्यवाद करै सै।
5 अर उस कलीसिया नै भी नमस्कार जो उनकै घर म्ह कठ्ठा होवै सै। मेरे प्यारे भाई इपैनितुस नै,
जिसनै आसिया म्ह सब तै पैहले मसीह पै बिश्वास करया, उस ताहीं भी मेरा नमस्कार। 6 बिश्वासी
भाण मरियम ताहीं, जिसनै थारे खात्तर घणी मेहनत करी, नमस्कार। 7 बिश्वासी भाई अन्द्रुनीकुस
अर उसकी भाण यूनियास नै जो मेरे यहूदी साथी सै, जो मेरै गेल्या कैद होए थे अर प्रेरितां म्ह बड़ा
नाम्मी सै, अर मेरै तै पैहल्या मसीह म्ह आए थे, नमस्कार। 8 बिश्वासी भाई अम्पलियातुस नै, जो
प्रभु मसीह म्ह मेरा प्यारा सै, नमस्कार। 9 बिश्वासी भाई उरबानुस नै, जो मसीह म्ह म्हारा गैल
काम करणीया सै, अर मेरे प्यारे बिश्वासी भाई इस्तखुस नै नमस्कार। 10 बिश्वासी भाई अपिल्लेस
नै जो मसीह म्ह खरयां लिकड़या, नमस्कार। बिश्वासी भाई अरिस्तुबुलुस कै कुण्बे नै नमस्कार।
11 मेरै बिश्वासी साथी हेरोदियोन नै नमस्कार। बिश्वासी भाई नरकीस्सुस का कुण्बे के जो माणस
परमेसवर पै बिश्वास करै सै, उन ताहीं नमस्कार। 12 त्रुफेना अर त्रूफोसा बिश्वासी भाणां नै जो
प्रभु म्ह मेहनत करै सै, नमस्कार। प्यारी बिश्वासी भाण पिरसिस नै, जिसनै प्रभु म्ह घणी मेहनत
करी, नमस्कार। 13 बिश्वासी भाई रूफुस नै जो प्रभु नै अपणा होण खात्तर चुण्या सै, अर उसकी
माँ नै, जो मेरी भी माँ के समान सै, दोनुआ नै, नमस्कार। 14 बिश्वासी भाई अंसुक्रितुस, फिलगोन,
हिर्मेस, पत्रुबास, हर्मास अर उनकै साथ के सारे बिश्वासी भाईयाँ नै, नमस्कार। 15 बिश्वासी भाई
फिलुलुगुस, यूलिया अर नेर्युस अर उसकी बेब्बे, अर बिश्वासी भाई उलुम्पास अर उनकै साथ के सारे
पवित्र माणसां नै नमस्कार। 16 आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै प्यार तै नमस्कार करो। थारे
ताहीं मसीह की सारी कलीसियाओं की ओड़ तै नमस्कार।

[illegible]

17 इब हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करुँ सूं, के जो माणस उस सच्ची शिक्षा कै उल्ट
जो थमनै मिली सै, अर उन माणसां नै जो फूट गेरण अर ठेस लाग्गण का कारण बणै सै, उननै ताड़
लिया करो अर उनतै दूर रहो। 18 क्यूँके इसे माणस म्हारै प्रभु मसीह के न्ही, पर अपणी ए इच्छा
पूरी करै सै, अर चिकणी-चुपड़ी बात्तां तै सीध्धे-साद्दे माणसां नै भका देवैं सै। 19 थारा, परमेसवर के
हुकम मानण का जिक्र सारे माणसां म्ह फैल गया सै, ज्यांतै म्ह थारे बारै म्ह आनन्द करुँ सूं, पर मै
न्यू चाहूँ सूं के थम भलाई कै खात्तर अकलमंद, पर बुराई कै खात्तर भोळे बणे रहो। 20 शान्ति का

परमेसवर शैतान की शक्तियाँ नै खतम करकै, थारे अधीन कर देवैगा। म्हारै प्रभु यीशु मसीह का
अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै। 21 मेरे गैल काम करणीया बिश्वासी भाई तीमुथियुस का, अर मेरे कुण्बे
आळे भाई लूकियुस, यासोन अर सोसिपत्रुस का थारे ताहीं नमस्कार। 22 मै तिरतियुस जो पौलुस
की चिट्ठी लिखण म्ह मदद करण लागरया सूं, मेरा प्रभु म्ह थारे ताहीं नमस्कार। 23 बिश्वासी
भाई गयुस भी थारे ताहीं नमस्कार करै सै मै इब उसके घर म्ह रहण लागरया सूं, जित्त कलीसिया
कठ्ठी हो सै। बिश्वासी भाई इरास्तुस जो नगर का भण्डारी सै, अर भाई क्वारतुस का भी थारे ताहीं
नमस्कार। 24 मै प्रार्थना करुँ सूं के म्हारै प्रभु मसीह का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै।

[illegible]

25 इब जो मन्नै थारे ताहीं सुसमाचार सुणाया सै, यानिके यीशु मसीह कै संदेश कै प्रचार कै
मुताबिक जो थमनै बिश्वास म्ह मजबूत कर सकै सै, उस भेद कै प्रकाशन कै मुताबिक जो पुराणे
बखत तै लुहक्या रहया। 26 पर इब जाहिर होकै, सनातन परमेसवर कै हुकम तै, अर नबियाँ की
किताबां कै जरिये गैर यहूदियाँ ताहीं बताया गया सै, ताके वे भी बिश्वास करकै हुकम मानणआळे
हो जावै, 27 यीशु मसीह कै जरिये उस एकमात्र बुद्धिमान परमेसवर की युगानुयुग महिमा होन्दी
रहवै। आमीन।

कुरिन्थिस नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की पैहली चिट्ठी

पौलुस नै कुरिन्थुस नगर म्ह कलीसिया बणाई थी। उस म्ह मसीह जीवन अर बिश्वास तै जुड़ी भोत सी समस्या पैदा होगी थी। उन समस्याओं के समाधान के खात्तर कुरिन्थियों के नाम पौलुस प्रेरित की पैहली चिट्ठी लिखी गयी सै। उस बखत कुरिन्थुस यूनान का एक अंतराष्ट्रीय नगर था। जो रोमी साम्राज्य के अखाया प्रान्त की राजधानी था। वो अपणे भोत सारे व्यापार, शानों-शोकत, संस्कृति अर कई तरियां के धर्मा खात्तर मशहुर था। पर वो अपणी हद तै ज्यादा बुराई के कारण बदनाम था। प्रेरित की घणी चिन्ता की बात कलीसिया म्ह बटवारा, बुराई, नाजायज रिश्ते, अर अंतरआत्मा तै जुड़े सवाल, कलीसिया का प्रबन्ध, पवित्र आत्मा के दान अर दुबारा जी उठणा था। पौलुस अपणे गहरे आत्मिक ज्ञान तै यो बतावै सै, कै सुसमाचार के जरिये इन सवालां का समाधान किस तरियां हो सकै सै। पाठ 13 म्ह पौलुस बतावै सै के परमेसवर के माणसां नै मिले वरदानां म्ह तै सब तै बढ़िया वरदान प्रेम सै। यो इस किताब का सब तै खास पाठ सै।

रूप-रेखा

भूमिका 1:1-9
कलीसिया म्ह दलबन्दी 1:10-4:21
नैतिकता अर पारिवारिक जीवन 5:1-7:40
मसीह अर मूर्तिपूजा 8:1-11:1
कलीसिया के माणसां का जीवन अर आराधना 11:2-14:40
मसीह यीशु अर बिश्वासियाँ का पुनरुत्थान 15:1-58
यहूदिया परदेस के बिश्वासियाँ खात्तर दान 16:1-4
व्यक्तिगत बात अर समापन 16:5-24

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर की इच्छा तै प्रभु यीशु मसीह का प्रेरित होण
के खात्तर बुलाया गया अर बिश्वासी भाई सोस्थिनेस भी मेरे गैल सै। 2 मै या चिट्ठी परमेसवर
की उस कलीसिया के माणसां ताहीं लिखूँ सूं, जो कुरिन्थुस नगर म्ह सै, अर जिन ताहीं परमेसवर
नै मसीह यीशु म्ह अपणे खात्तर अलग तै छाँट कै राक्खे सै, अर उसनै म्हारे ताहीं अपणे पवित्र
माणस होण कै खात्तर बुलाया सै, अर उन सारया के नाम भी जो हरेक जगहां म्हारे अर अपणे प्रभु
यीशु मसीह की सेवकाई करै सै। 3 हम प्रार्थना करां सां, के म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु
मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै।

4 मै थारे बारै म्ह अपणे परमेसवर का सारी हाण धन्यवाद करुँ सूं, क्यूँके मसीह यीशु म्ह परमेसवर
का अनुग्रह जो थारे पै होया सै, उसके कारण उसनै थारे ताहीं भोत सी आशीष दी सै। 5 थम मसीह
यीशु म्ह सारी *ढाळ तै सम्पन्न करे गये सों, उसनै थारे ताहीं हरेक ढाळ के आत्मिक वरदान दिए
सै, ताके थम दुसरयां नै वचन का ज्ञान अर सुसमाचार सुणा सको। 6 जो खास काबलियत थारे ताहीं
मिली सै, वा साबित करै सै, के मसीह यीशु के बारें जो सन्देस सै, वो सच्चा सै। 7 इस कारण जिब
थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण की बाट देखण लागरे सों, तो पवित्र आत्मा नै थारे ताहीं
हरेक ढाळ के आत्मिक वरदान दिये सै। 8 परमेसवर थमनै आखिर ताहीं बिश्वास म्ह मजबूत करैगा,
ताके थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण के दिन म्ह बेकसूर ठहरो। 9 परमेसवर इसाए करैगा,

* **1:5** 1:5 सम्पन्न-धनी, माळदार

क्यूँके जो वो कहवै सै, उसनै वो करण म्ह बिश्वास लायक सै, अर उसनै थारे ताहीं अपणे बेट्टे, अर
म्हारै प्रभु यीशु मसीह की संगति म्ह बुलाया सै।

[illegible]

10 हे बिश्वासी भाईयो, जो प्रभु यीशु मसीह नै मेरे ताहीं हक दिया सै, उसकै कारण मै थारे तै
बिनती करुँ सूं, के थम सारे एक-दुसरे तै सहमत रहो, थम एकता बणाए राक्खों ताके थारे म्ह फूट
ना होवै, अर थम एक मत हो कै आप्पस म्ह मिले रहो। 11 क्यूँके हे मेरे बिश्वासी भाईयो, खलोए
के कुण्बे के माणसां नै मेरै ताहीं थारे बारै म्ह बताया सै, के थारे म्ह झगड़ें होवै सै। 12 मेरे कहण का
मतलब यो सै के, थारे म्ह तै कोए अपणे-आपनै पौलुस का, कोए अपुल्लोस का, कोए कैफा का, कोए
मसीह का चेल्ला कहवै सै। 13 जो थम करो सों वो ठीक कोनी, के मसीह बट ग्या? के मै पौलुस थारे
खात्तर क्रूस पै चढ़ाया गया? के थमनै मेरे नाम तै बपतिस्मा मिल्या? 14 मै परमेसवर का धन्यवाद
करुँ सूं, बिश्वासी भाई क्रिस्पुस अर गयुस नै छोड़, मन्नै थारे म्ह तै किसे ताहीं भी बपतिस्मा कोनी
दिया। 15 कदे इसा ना हो के कोए थारे म्ह तै कहवै के थमनै मेरै नाम पै बपतिस्मा मिल्या सै। 16 अर
हाँ, मन्नै स्तिफनास के कुण्बे ताहीं भी बपतिस्मा दिया, इन्नै छोड़ मै न्ही जाण्दा के मन्नै और किसे
ताहीं भी बपतिस्मा दिया। 17 क्यूँके मसीह नै मेरै ताहीं बपतिस्मा देण ताहीं न्ही, बल्के सुसमाचार
सुणाण ताहीं भेज्या सै, अर मन्नै माणसां ताहीं सुसमाचार चतुर विचार के मुताबिक कोनी सुणाया,
इसा ना हो के मसीह के क्रूस पै मरण की कथा बेकार ठहरै।

[illegible]

18 क्यूँके क्रूस पै मसीह यीशु के मरण की कथा, नाश होण आळे माणसां कै खात्तर बेकूफी सै, पर
हम उद्धार पाण आळा कै खात्तर परमेसवर की सामर्थ सै। 19 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर नै
कह्या सै, के "जो अपणे-आपनै ज्ञानवान समझ सै, मै उननै दिखा दियुँगा के असलियत म्ह उनका ज्ञान
बेकूफी तै भरया सै, अर वे बेकूफ सै।" 20 कित्त रहया ज्ञान्नी? कित्त रहया शास्त्री? कित्त रहया इस
दुनिया का विवाद करण आळा? के परमेसवर नै दुनिया के ज्ञान ताहीं बेकूफी न्ही ठहराया? 21 क्यूँके
परमेसवर नै यो आच्छा लाग्या के दुनिया के माणस अपणे ज्ञान कै मुताबिक परमेसवर ताहीं न्ही
जाण सकै, तो उसनै म्हारे जरिये सुसमाचार के प्रचार ताहीं इस्तमाल करया, ताके उन माणसां नै
बचा सकै जिननै उसपै बिश्वास करया सै, पर कुछ लोग्गां नै इस ताहीं बेकूफी समझा। 22 यहूदी
लोग ए इस ताहीं बेकूफी समझै सै, क्यूँके वे सुर्ग तै चिन्ह-चमत्कार की बात्तां नै ए सच मान्नै सै, अर
यूनानी लोग ज्ञान की टोह म्ह रहवैं सै। 23 पर हम तो उस क्रूस पै चढ़ाए होड़ मसीह का प्रचार
करा सां, जो यहूदी लोग्गां कै खात्तर ठोक्कर[†] का कारण अर गैर यहूदियाँ कै खात्तर बेकूफी सै। 24 पर
जिन ताहीं परमेसवर नै बुलाया सै, के यहूदी लोग, के यूनानी लोग, योए मसीह यीशु परमेसवर का
सामर्थ अर परमेसवर का ज्ञान सै। 25 क्यूँके जो परमेसवर की बेकूफी लाग्गै सै, वो माणसां के ज्ञान तै
ज्ञानवान सै, अर जो परमेसवर की कमजोरी लाग्गै सै, वो माणसां की ताकत तै घणी ताकतवर सै।
26 हे बिश्वासी भाईयो, याद करो के थम किसे थे जिब परमेसवर नै थारे ताहीं बुलाया था, ना
तो दुनिया के मुताबिक घणे ज्ञानवान, अर ना घणे सामर्थी, अर ना घणे आच्छे खानदान आळे थे।
27 बल्के परमेसवर नै दुनिया के बेकुफां ताहीं छाँट लिया सै के ज्ञानवानां ताहीं शर्मिन्दा करै, अर
परमेसवर नै दुनिया के कमजोरां ताहीं छाँट लिया सै के ठाडयां नै शर्मिन्दा करै। 28 अर परमेसवर
नै उन माणसां ताहीं चुण्या, जो दुनिया की निगांह म्ह नीच अर तुच्छ सै। इनकै जरिये परमेसवर नै,
जो घणे खास समझे जावै सै, उन ताहीं बेकार ठैहरा दिया। 29 परमेसवर नै यो इस करकै करया, ताके
कोए प्राणी उसकै स्याम्ही घमण्ड न्ही करण पावै। 30 परमेसवर के जरिये करे गये काम के नतिज्जें
तै थम मसीह यीशु म्ह सो, जो परमेसवर की ओड़ तै म्हारै खात्तर ज्ञान, धार्मिकता, पवित्रता, अर

[†] **1:23** 1:23 यहूदी लोग्गां कै खात्तर ठोक्कर यहूदी लोग सोच्चै थे के मसीहा सदा खात्तर जिवैगा, इस खात्तर वे बिश्वास कोनी करै थे के यीशु ए मसीह सै

छुटकारा बणगे। 31 ताके जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, उस्से तरियां ए होवै, “जो घमण्ड करै
वो प्रभु नै जो करया उसपै घमण्ड करै।”

2

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे धोरै बात्तां की चतुराई अर ना ए उत्तम ज्ञान का प्रदर्शन करण
आया, बल्के मै थारे धोरै परमेसवर का सन्देस सुणाण आया था। 2 क्यूँके मन्नै यो ठान लिया था, के
मै मसीह यीशु अर उसकी क्रूस की मृत्यु के अलावा, किसे और चीज के बारें म्ह थारे तै ना सुणु।
3 मै कमजोरी अर डरकै गेल्या, घणा थरथराता* होया थारे गेल्या रहया। 4 अर मेरी शिक्षा, अर
प्रचार म्ह ज्ञान की लुभाण आळी बात कोनी, पर पवित्र आत्मा नै सामर्थी रूप तै जाहिर करया सै,
के जो सन्देस मन्नै थारे ताहीं सुणाया सै, वो सच्चा सै। 5 ज्यांतै के थारा बिश्वास माणसां कै ज्ञान पै
न्ही, पर परमेसवर की सामर्थ के आसरै हो।

[illegible]

6 फेर भी मै, जो बिश्वास म्ह मजबूत सै उन ताहीं, ज्ञान भरया सन्देस सुणाऊँ सूं, पर यो इस
दुनिया का अर इस दुनिया के नाश होण आळे हाकिमां का ज्ञान कोनी। 7 पर जो ज्ञान हम सुणावां
सां, वो परमेसवर का ज्ञान सै, जो छिप्या होया था, कोए भी उस ताहीं इब ताहीं न्ही समझ पाया था,
परमेसवर नै दुनिया बणाण तै पैहले ए यो फैसला कर लिया था, के उसका ज्ञान म्हारे खात्तर महिमा
लेकै आवैगा। 8 परमेसवर की योजना ताहीं इस दुनिया के हाकिमां म्ह तै कोए न्ही जाण पाया, क्यूँके
जै वे जाणदे तो तेजोमय प्रभु ताहीं क्रूस पै कोनी चढ़ान्दे। 9 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै,
“जो कदे आँखां तै देख्या कोनी गया, अर कान तै सुण्या कोन्या गया, अर जो बात माणसां के चित्त
म्ह कोनी चढ़ी, वे सारी बात परमेसवर नै उन खात्तर तैयार करी जो उसतै प्यार करै सै।”
10 पर परमेसवर नै उन बात्तां ताहीं अपणे पवित्र आत्मा के जरिये म्हारै पै जाहिर करया, क्यूँके
पवित्र आत्मा सारी बात, बल्के परमेसवर की गहरी बात्तां नै भी जाँच्चै सै। 11 माणसां म्ह तै कौण
किसे माणस की बात्तां नै जाणै सै, सिर्फ माणस की आत्मा जो उस म्ह सै? उस्से तरियां ए परमेसवर
की बात्तां नै भी कोए न्ही जाण्दा, सिर्फ परमेसवर की आत्मा। 12 पर परमेसवर नै म्हारे ताहीं अपणा
आत्मा दिया सै, अर हम इसा न्ही सोचते जो दुनिया के लोग सोच्चै सै, इस करकै हम उन आशीषां नै
पिच्छाण सका सां जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं मुफ्त म्ह दी सै। 13 अर हम ये बात थारे ताहीं बतावां
सां, हम माणसां के ज्ञान की सिखाई होड़ बात्तां नै न्ही, पर पवित्र आत्मा की सिखाई होड़ बात्तां नै
आत्मिक माणसां ताहीं सिखावा सां। 14 पर शारीरिक माणस परमेसवर के आत्मा की बात अपणान्दा
कोनी, क्यूँके वे उसकी निगांह म्ह बेकूफी की बात सै, अर ना वो उन ताहीं जाण सकै सै क्यूँके उनकी
जाँच आत्मिक तरियां तै होवै सै। 15 आत्मिक माणस सारा किमे जाँच्चै सै, पर वो दुसरयां के जरिये
जाँचया न्ही जान्दा। 16 यो सच सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या से, के कोए भी न्ही जाणता के
प्रभु के मन म्ह के सै? पर हम बिश्वासी माणस जाणा सां के मसीह के मन म्ह के सै।

3

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, जिब मै थारे साथ था तो थारे ताहीं आत्मिक बात न्ही सीखा पाया, जिस
तरियां मै आत्मिक माणसां नै सिखाऊँ सूं, पर मन्नै थारे तै दुनियावी माणसां की तरियां बात करी,
क्यूँके थम मसीह म्ह इब भी बाळक के समान सों। 2 मन्नै थारे ताहीं परमेसवर के सुसमाचार की
शरुआती शिक्षा ए सिखाई, जिस तरियां कोए इन्सान छोट्टे बाळक नै दूध पियावै सै, अर मन्नै थारे
ताहीं वचन की गहरी बात न्ही सिखाई जो की रोट्टी की तरियां सै, क्यूँके थम इब्बे उस ताहीं अपणा
न्ही सकदे। 3 क्यूँके इब ताहीं थम दुनियावी माणसां के पापी सुभाव के मुताबिक जीवन जिओ सों।

---
* **2:3** 2:3 थरथराता काम्बदा होया

ज्यांतै के इब भी थारे म्ह जळण अर झगड़े सै, तो के थम दुनियावी माणसां की तरियां कोनी? थम
उन माणसां की तरियां सों जो परमेसवर के कोनी। 4 क्यूँके जिब एक माणस कहवै सै, "मै पौलुस का
चेल्ला सूं," अर दुसरा कहवै सै, "मै अपुल्लोस का चेल्ला सूं," तो के थम दुनियावी माणस की तरियां
कोनी?
5 अपुल्लोस कौण सै? अर पौलुस कौण सै? सिर्फ सेवक, जिनकै जरिये थमनै मसीह म्ह बिश्वास
करया। हम सब नै वोए काम करया जो म्हारे ताहीं प्रभु नै दिया। 6 यो उस पौधे की ढाळ सै, जो
मन्नै लगाया, अपुल्लोस नै सींचा, अर परमेसवर नै बढ़ाया। 7 ज्यांतै ना तो लाणआळा किमे सै अर
ना सींच्चण आळा, पर परमेसवर ए सारा किमे सै जो बढ़ाण आळा सै। 8 पौधा लगाण आळा अर
उस ताहीं सींच्चण आळा दोनुआ का एक्के मकसद सै, पर हरेक माणस अपणी ए मेहनत कै मुताबिक
अपणी ए मजदूरी पावैगा। 9 क्यूँके हम परमेसवर कै गैल काम करणीये सां, अर थम परमेसवर की
खेत्ती अर उस घर की ढाळ सों जिस ताहीं परमेसवर बणाण लाग रह्या सै।
10 परमेसवर नै जो वरदान मेरे ताहीं दिए सै, तो मन्नै एक अकलमंद चिणाई आळे मिस्त्री की
तरियां घर की नीम धरी, अर दुसरा उसपै रद्दा* धरै सै। पर हरेक माणस चौक्कस रहवै के वो उसपै
किसा रद्दा धरै सै। 11 क्यूँके जो नीम धरी सै, वा यीशु मसीह सै, कोए दुसरी नीम कोनी धर सकदा।
12 जै सेवक परमेसवर की सच्ची शिक्षा सिखावै सै, जो परमेसवर नै उस ताहीं दी सै, तो वो उस
राज मिस्त्री की ढाळ सै, जो उस नीम पै आच्छे समान तै, जुकर सोन्ना, चाँदी, बेसकिमती पत्थर
के जरिये, नीम पै घर बणावै सै, अर जै वो झूठ्ठी शिक्षा नै सिखावै सै, तो वो उसकी ढाळ सै, जो
लाकड़ी, घास-फूस तै नीम पै घर बणावै सै। 13 तो हरेक माणस अपणे काम नै देक्खैगा के उसनै
किसा काम करया सै, क्यूँके यीशु मसीह जाहिर कर देवैगा जिब वो बोहड़ के आवैगा, यो उस दिन
की तरियां होगा जिब वो समान आग म्ह डाला जावैगा तो वो देक्खैगा के किसनै किसा काम करया
सै, फेर वो फैसला करैगा के किसनै आच्छा अर किसनै बुरा काम करया सै। 14 जिस किसे का बणाया
गया घर उस नीम पै डटया रहवैगा, तो वोए उसकी मजदूरी पावैगा। 15 जै मसीह तय करै के जो
काम करया सै वो सही कोनी तो मसीह उस काम करण आळे नै मजदूरी न्ही देवैगा, पर वो अनन्त
जिन्दगी नै न्ही खोवैगा जो परमेसवर नै उस ताहीं दी सै। 16 के थमनै न्ही बेरा के थम परमेसवर के
मन्दर सो, अर परमेसवर की आत्मा थारे म्ह वास करै सै? 17 जै कोए परमेसवर कै मन्दर नै नाश
करैगा, तो परमेसवर उसनै नाश करैगा, क्यूँके परमेसवर का मन्दर पवित्र सै, अर वो थम सो।
18 धोक्खे म्ह ना रहों, जै थारे म्ह तै कोए यो सोच बेठ्ठै के वो दुनियावी बात्तां के मुताबिक
अकलमंद सै, तो ठीक तो यो होगा के वो खुद नै बेकूफ बणाले ताके अकलमंद बण जावै। 19 क्यूँके
इस दुनिया का ज्ञान परमेसवर की नजर म्ह बेकूफी सै, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "वो
ज्ञानियाँ ताहीं उनकी श्याणपत म्ह फँसा देवै सै।" 20 अर यो भी लिख्या सै, के "प्रभु ज्ञानियाँ के
विचारां नै जाणै सै, के वो बेकार सै।" 21 ज्यांतै माणसां पै कोए घमण्ड ना करै, क्यूँके सारा किमे थारा
सै। 22 के पौलुस, के अपुल्लोस, के कैफा, के दुनिया, के जीवन, के मरण, के वर्तमान, के भविष्य,
सारा किमे थारा सै, 23 अर थम मसीह के सो, अर मसीह परमेसवर का सै।

4

???? ?? ???????

1 माणस हमनै मसीह के सेवक अर परमेसवर के भेदां के भण्डारी समझै, जो माणसां नै परमेसवर
का भेद समझावै सै। 2 फेर उरै भण्डारी म्ह या बात देक्खी जावै सै, के वो बिश्वास कै जोग्गा हो।
3 पर मेरी निगांह म्ह या घणी छोट्टी बात सै, के थम या माणसां का कोए न्यायाधीश मन्नै परखै,
बल्के मै खुद अपणे-आप ताहीं कोनी परखदा। 4 क्यूँके मेरा मन मेरै ताहीं किसे बात म्ह कसूरवार
कोनी ठहरान्दा, इस म्ह मै बेकसूर कोनी ठहरदा, पर मेरा परखण आळा प्रभु सै। 5 ज्यांतै जिब ताहीं

* **3:10** 3:10 रद्दा ईट का पाळा

प्रभु का आणा ना हो, कोए किसे नै परखै ना, वो माणसां के विचारां नै साफ-साफ जाहिर कर देगा,
अर वो माणसां के मनां के मकसद नै दिखावैगा, फेर परमेसवर की ओड़ तै हरेक की बड़ाई होवैगी।
6 हे बिश्वासी भाईयो, मन्नै अपणा अर अपुल्लोस का जिक्र उदाहरण के तौर पै करया सै, यो
बताण खात्तर के मै थारे ताहीं के कहणा चाहूँ सूं, जै थम उसपै ध्यान करो, जो पवित्र ग्रन्थ
म्ह लिख्या सै, अर उसतै आग्गै ना बढ़ो, इसा ना हो के थम एक माणस का पक्ष ल्यो, अर दुसरे
का अपमान करो। 7 थारे ताहीं कौण कहवै सै, के थम दुसरयां तै उत्तम हो? हर काबलियत थमनै
परमेसवर की ओड़ तै मिली सै, अर सब कुछ परमेसवर के जरिये दिया गया सै, तो थमनै घमण्ड
करण का कोए हक कोनी?
8 थम सोच्चो सों के थारे धोरै पवित्र आत्मा के सारे वरदान सै, जो माणसां ताहीं दिए जावै सै,
थम यो सोच्चों सों के म्हारे बिना सहयोग के थम राजा बणगे सो, अर थम साहूकार भी बण लिए सो,
पर आच्छा तो यो होंदा के थम असलियत म्ह ए राजा बणे होन्दे, अर हम भी थारे गेल्या राज करदे।
9 परमेसवर नै हम प्रेरितां ताहीं सारया तै आखरी जगहां पै राख्या सै। हम उन माणसां की तरियां
सां, जिनकी मौत का हुकम हो लिया सै, क्यूँके हम सुर्गदूत्तां अर दुनिया के माणसां कै खात्तर एक
तमाशा बणे सां। 10 माणस हमनै बेकूफ समझै सै, क्यूँके हम मसीह का प्रचार करया सां। थम या
सोच्चों सों के थम अकलमंद सों, क्यूँके मसीह कै गैल थारा रिश्ता सै। भोत सारे माणस या सोच्चै
सै के प्रेरित होण का म्हारे धोरै अधिकार कोनी, पर थम घमण्ड तै कहो सों, के थारे धोरै परमेसवर
की शक्ति सै। माणस म्हारा न्ही थारा आदर करै सै। 11 हम आज तक भूक्खे-प्यास्से मार खावां सां,
अर पाट्टे-पुराणे लत्यां म्ह रहवां सां, अर ना ए म्हारे घर-बार सै। 12 अर अपणे ए हाथ्थां तै काम
करकै मेहनत करा सां। माणस म्हारै ताहीं बुरा कहवै सै, हम आशीष देवां सां, वे सतावै सै, हम सहण
करा सां। 13 वे बदनाम करै सै, हम प्यार तै बोल्ला सां। आज भी दुनिया के माणस म्हारा आदर कोनी
करते, क्यूँके वे न्यू समझै सै के हम बेकार के माणस सां।

[illegible]

14 मै थमनै शर्मिन्दा करण कै खात्तर ये बात कोनी लिखदा, मेरा मकसद यो सै के मै थमनै सुधारु
क्यूँके थम मेरे उन प्यारे बाळकां की ढाळ सों, जिनतै मै प्यार करुँ सूं। 15 जै मसीह म्ह थारे सिखाण
आळे दस हजार भी होन्दे, तोभी थारे पिता घणे कोनी, क्यूँके मसीह यीशु म्ह थारे ताहीं सुसमाचार
सुणाण कै कारण मै थारा पिता बणग्या। 16 मै थारे तै बिनती करुँ सूं के मेरे जिसा जीवन जिओ। 17 इस
करकै मन्नै तीमुथियुस ताहीं जो प्रभु म्ह मेरा प्यारा अर बिश्वास कै जोग्गा बेट्टा सै, थारे धोरै
भेज्या सै। वो थमनै मसीह यीशु म्ह मेरा चाल-चलण याद करवावैगा, जिस तरियां के हरेक जगहां
मै हरेक कलीसिया म्ह उपदेश देऊँ सूं। 18 थारे म्ह तै घणखरे तो यो सोच्चै सै, के मै थमनै दुबारा
मिलण कोनी आऊँगा, इस करकै वे घमण्डी होगे सै। 19 पर प्रभु नै चाह्या तो मै थारे धोरै तावळा-ए
आऊँगा, अर देखूँगा के ये घमण्डी माणस सिर्फ बणावटी बात करै सै, या इनकै धोरै परमेसवर की
सामर्थ सै। 20 क्यूँके परमेसवर का राज्य बात्तां म्ह न्ही पर परमेसवर की सामर्थ के साथ जीण म्ह सै।
21 थम के चाहो सों, जो मै थारे गैल करुँ? जै थम अपणा बुरा सुभाव न्ही छोड़ोगे तो मै सखताई तै
थारे गैल पेश आऊँ, अर जै बुरा सुभाव छोड़ द्योगे तो मै प्यार अर नरमाई तै थारे धोरै आऊँगा।

5

[illegible]

1 कई माणसां नै थारे बारें म्ह बताया सै, के कलीसिया म्ह कई माणस सै जो जारी करै सै, बल्के
इसी जारी जो अबिश्वासी माणसां म्ह भी कोनी होन्दी, के एक माणस अपणी सौतेल्ली माँ गैल
गलत सम्बन्ध राक्खै सै। 2 कलीसिया के माणसां नै इस बात तै दुखी अर उदास होणा चाहिए,
जिननै इसा काम करया सै, उननै कलीसिया तै काढ देणा चाहिए, पर थम तो इसी बात्तां पै घमण्ड
करो सों। 3 भलाए मै थारे तै दूर था, पर इसा मान्नो, जणु मै आत्मा म्ह थारे धोरै था, अर इसा पाप

करण आळे माणस के बारै म्ह मेरा योए हुकम सै। 4 थमनै यो करणा चाहिए, के जिब थम बिश्वासी
भाई कट्ठे होओ सों, तो यो याद राक्खों के यीशु मसीह का अधिकार थारे धोरै सै, अर इसा मान्नो
जणु मै आत्मा म्ह थारे साथ सूं। जिब परमेसवर का सामर्थ थारे साथ हो, 5 तब वो माणस जो पाप
करण लागरया सै, उस ताहीं कलीसिया तै लिकाड़ द्यो, अर उस ताहीं शैतान के हाथ म्ह सौंप द्यो।
ताके वो अपणे पापां खात्तर माफी माँग ले, अर वो आदमी माफी माँग ले सै, तो वो उस दिन बच
जावैगा, जिस दिन प्रभु यीशु मसीह बोहड़कै आवैगा।

6 थारा घमण्ड करणा आच्छा कोनी, के थमनै न्ही बेरा के माड़ा-सा खमीर पूरे गुन्दे होए आटे ताहीं
खमीर बणा देवै सै। उस्से तरियां जै एक माणस पाप करदा रहवै तो उस ताहीं देखकै और माणस भी
पाप करणा शरु कर देंगे। 7 जिस तरियां यहूदी माणस फसह का त्यौहार मनाण तै पैहले, अपणे घर
तै खमीर काढ देवै सै, उस्से तरियां थम उस जार माणस नै अपणे टोळ म्ह तै लिकाड़ द्यो, तो थम
वो बिश्वासियाँ का टोळ बण जाओगे, जिन म्ह कोए भी जाण-बुझ के पाप करण आळा न्ही होगा,
अर परमेसवर थारे मन नै भित्तर तै साफ करैगा, जै थम मसीह पै बिश्वास करोगे, क्यूँके मसीह म्हारे
खात्तर मरया ताके हमनै पापां तै आजाद करदे, वो उस भेड़ की ढाळ सै, जिस ताहीं यहूदी लोग फसह
के त्यौहार पै बलिदान करै सै। 8 तो आओ, हम फसह का त्यौहार मनावां, ना तो पुराणे खमीर तै,
ना बुराई अर दुष्टता कै खमीर तै, बल्के खराई अर सच्चाई की अखमीरी रोट्टी तै। जिसका मतलब
यो सै, के जिस तरियां थम बिश्वासी बणण तै पैहले जिओ थे, उस तरियां जीणा छोड़कै मसीह कै
पाच्छै चालणा शरु कर द्यो, ताके थारे मनां म्ह कोए बुराई ना रह पावै।

9 मन्नै अपणी पैहले की चिट्ठी म्ह यो लिख्या था, के जारी करणीया की संगति ना करियो।
10 मेरा मतलब यो कोनी, के थम जमाए इस दुनिया के जारी, लालची, अन्धेर या मूर्तिपूजा करण
आळे माणसां तै कोए सम्बन्ध ना राखियों, क्यूँके इस तरियां के माणसां तै बचण खात्तर तो थमनै
दुनिया ए छोड़णी पड़ैगी। 11 पर मेरा कहणा यो सै के जै कोए भाई बिश्वासी कुह्वाकै, जार, लालची,
मूर्तिपूजा करणीये, गाळी देण आळा, दारूबाज, या अन्धेर करणीया हो, तो उसकी संगति मतना
करियो, बल्के इसे माणस कै गेल्या खाणा भी ना खाईयों। 12 अबिश्वासी माणसां का न्याय भला
मै क्यूँ करुँ? मन्नै दुसरयां तै के काम? पर या जिम्मेदारी थारी सै के थम उनकी बारीकी तै जाँच
करो, जो कलीसिया म्ह सै। 13 जिसा के पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के अबिश्वासी माणसां का न्याय
परमेसवर करै सै। ज्यांतै उस बुरे काम करणीये ताहीं अपणे बिचाळै तै लिकाड़ द्यो।

6

[illegible]

1 जै थारे म्ह किसे का दुसरे बिश्वासी गैल झगड़ा हो जावै, तो अपणा फैसला परमेसवर के पवित्र
माणसां कै धोरै ले जाओ, ना के उस न्यायाधीश कै धोरै जो के अबिश्वासी सै। 2 के थमनै बेरा कोनी
के दुनिया का न्याय पवित्र माणस करैगें? ज्यांतै जिब थमनै दुनिया के माणसां का न्याय करणा सै,
तो के थम छोटचा तै छोट्टे झगडचा का भी फैसला करण जोग्गे कोनी? 3 के थमनै न्ही बेरा के हम
सुर्गदूत्तां का न्याय करागें? तो उसकी बराबरी म्ह ये दुनियावी झगड़े के सै? 4 जै थारे बीच दुनियावी
झगड़े सै, तो फैसला करण खात्तर उननै ए बिठाओगे, जो कलीसिया म्ह किमे कोनी समझे जावै सै?
5 मै थमनै शर्मिन्दा करण कै खात्तर न्यू कहूँ सूं। के साच्चए थारे म्ह एक भी अकलमंद न्ही मिलदा,
जो अपणे बिश्वासी भाईयाँ के बीच होए झगड़े नै सुलझा सकै? 6 पर याड़ै तो एक बिश्वासी भाई
दुसरे बिश्वासी भाई नै कचेहड़ी म्ह घसीटै सै, अर वो भी अबिश्वासी माणसां कै स्याम्ही।

7 पर सच म्ह ए थारे म्ह मुकदमे चाल्लण लागरे सै, तो थम मसीह के माणस कोनी, इसकी बजाए
थम खुद ए अन्याय अर अपणा नुकसान क्यांतै न्ही सहन्दे? 8 पर थम तो खुदे अन्याय करो सों,
अर नुकसान पोहोचाओ सो, अर वो भी दुसरे बिश्वासी भाईयाँ ताहीं। 9 के थमनै न्ही बेरा के जुल्मी
माणस परमेसवर के राज्य के वारिस न्ही होवैगें? धोक्खा ना खाओ, बेश्या कै धोरै जाणीए, मूर्ति

पूजणीये, बिगान्नी लुगाई कै धोरै जाणीए, लुच्चे, माणसां कै गेल्या कुकर्म करणीये, 10 चोर, लालची,
दारूबाज, गाळी देणीये अर अन्धेर करणीये परमेसवर कै राज्य के वारिस न्ही होवैगें। 11 अर थारे
म्ह तै कई इसेए थे, पर प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै अर म्हारै परमेसवर के आत्मा तै थारे पाप धोए
गये, अर पवित्र अर धर्मी बणे।

[illegible]

12 थम कह सको सों, के मै कुछ भी करण खात्तर आजाद सूं, पर मै कहूँ सूं, के सारी चीज मेरे
फायदे की कोनी, जिब के मै सब कुछ कर सकूँ सूं, पर मै किसे चीज का गुलाम कोनी। 13 थम कह
सको सों, के "खाणा पेट कै खात्तर, अर पेट खाणे कै खात्तर सै," यो सच सै, पर परमेसवर पेट अर
खाणे नै दोनुआ ताहीं नाश करैगा। उस्से तरियां देह जारी कै खात्तर कोनी, बल्के प्रभु की महिमा
खात्तर सै, अर प्रभु देह का रुखाळिया सै। 14 इस्से तरियां म्हारी देह भी महत्वपूर्ण सै, क्यूँके जिस
तरियां परमेसवर नै अपणी सामर्थ तै प्रभु यीशु ताहीं जिन्दा करया, अर वो म्हारै ताहीं भी जिन्दा
करैगा। 15 के थमनै बेरा सै के थारी देह मसीह का अंग सै? तो के मै मसीह के अंग लेकै उन ताहीं
बेश्या के संग जोड़ द्यूँ? कदे भी न्ही। 16 के थमनै न्ही बेरा के जो कोए बेश्या तै संगति करै सै, वो
उसकै गेल्या एक तन हो जावै सै, क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "वे दोन्नु एक तन होवैगें।"
17 अर जो प्रभु की संगति म्ह रहवै सै, उसकी अर परमेसवर की आत्मा एक हो जावै सै। 18 जारी
तै बचे रहो। और दुसरा कोए पाप म्हारे देह पै असर कोनी गेरै जितना के जारी, पर जारी करणीया
अपणी ए देह कै खिलाफ पाप करै सै। 19 के थमनै न्ही बेरा के थारी देह पवित्र आत्मा का मन्दर
सै, जो थारे म्ह बस्या होया सै, अर थारे ताहीं परमेसवर की ओड़ तै मिल्या सै, अर थम परमेसवर
के सो। 20 क्यूँके थम दाम देकै मोल लिये गये सो, ज्यांतै अपणी देह कै जरिये परमेसवर की महिमा
करो।

7

[illegible]

1 उन बात्तां कै बारै म्ह जो थमनै मेरे ताहीं चिट्ठी म्ह पूच्छी थी, के यो ठीक सै, के माणस ब्याह
ना करै। 2 क्यूँके भोत सारे माणस जारी करै सै, इस करकै हरेक माणस जारी तै बचण खात्तर ब्याह
करले, अर धणी-बीर* एक-दुसरे के प्रति वफादार हो। 3 पति अपणी पत्नी की शारीरिक इच्छा पूरी
करै, अर उस्से तरियां ए पत्नी भी अपणे पति की शारीरिक इच्छा पूरी करै। 4 पत्नी का अपणी देह
पै हक कोन्या पर उसकै पति का हक सै, उस्से तरियां ए पति नै भी अपणी देह पै हक कोनी, पर
पत्नी का सै। 5 थम एक-दुसरे तै न्यारे ना रहो, पर सिर्फ कुछ बखत खात्तर आप्पस म्ह सलाह करकै
प्रार्थना कै खात्तर बखत लिकाड़ो, अर फेर एक साथ रहो, इसा ना हो के थारे असंयम कै कारण
शैतान थमनै इम्तिहान म्ह फँसा ले। 6 पर मेरा यो सुझाव सै, ना के आज्ञा। 7 मेरा तो यो सुझाव सै,
के जिसा मै अकेल्ला सूं, उस्से तरियां ए सारे माणस भी अकेल्ले रहै। हरेक माणस ताहीं परमेसवर
की ओड़ तै एक तरियां का उपहार मिला सै, किसे ताहीं ब्याह का, अर किसे ताहीं एक्ला रहण का।
8 अविवाहितां अर बिधवायां कै बारै म्ह मेरी या सलाह सै, के उनकै खात्तर एक्ला रहणा ठीक
सै, जिसा मै सूं। 9 पर जै वे खुद पै काब्बू ना राख सकै, तो ब्याह करै, क्यूँके ब्याह करणा वासना म्ह
जळण तै भला सै।
10 जिनका ब्याह होग्या सै, उन ताहीं मै न्ही, बल्के प्रभु यीशु हुकम देवै सै, के पत्नी अपणे पति
तै तलाक ना देवै 11 जै तलाक हो भी जावै, तो पत्नी बिना दुसरा ब्याह करे रहवै, या पत्नी अपणे
पति तै दुबारा मेल कर लेवै, अर पति अपणी पत्नी नै तलाक ना दे।
12 दुसरयां तै, प्रभु यीशु मसीह न्ही पर मै ए कहूँ सूं, जै किसे भाई की पत्नी बिश्वास ना राखदी
हो अर उसकै गेल्या रहण म्ह राज्जी हो, तो वो उस ताहीं तलाक ना देवै। 13 जिस बिरबान्नी का
धणी बिश्वास ना राखदा हो, अर उसकै गेल्या रहण म्ह राज्जी हो, तो वा धणी नै तलाक ना देवै।

* 7:2 7:2 धणी-बीर पति-पत्नी

14 बिश्वासी पत्नी होण के कारण अबिश्वासी पति ताहीं भी परमेसवर अपणे ए लोग मान्नै सै, क्यूँके
उसकी पत्नी बिश्वासी सै, इस्से तरियां जै बिश्वासी पति हो तो उसके कारण अबिश्वासी पत्नी ताहीं
भी परमेसवर अपणे ए लोग मान्नै सै, क्यूँके उसका पति बिश्वासी सै, जै यो सच न्ही होन्दा तो
थारा अबिश्वासी पति या पत्नी परमेसवर के न्ही कुहान्दे, अर थारे बाळ-बच्चे भी परमेसवर के न्ही
कुहान्दे, पर इब वे परमेसवर के कुह्वावै सै। 15 पर जो माणस बिश्वास कोनी राखदा, अर जै वो तलाक
देणा चाहवै, तो उस ताहीं तलाक देण द्यो, इसी दशा म्ह बिश्वासी भाई या भाण ब्याह के बन्धन तै
आजाद हो जावै सै। क्यूँके परमेसवर नै म्हारै ताहीं मेळ-मिलाप कै खात्तर बुलाया सै। 16 क्यूँके हे
बिरबान्नी, तू के जाणै सै के तू अपणे धणी का उद्धार करा लेवैगी? अर हे भले माणस, तू के जाणै सै
के तू अपणी पत्नी का उद्धार करा लेवैगा?

[illegible]

17 परमेसवर नै जिस ताहीं जिस दशा म्ह राख्या सै, अर जिस रूप म्ह मसीह पै बिश्वास करण
खात्तर बुलाया सै, वो उस्से म्ह बण्या रहवै। मै सारी कलीसियां ताहीं योए सुझाव देऊँ सूं। 18 जो
यहूदी माणस परमेसवर पै बिश्वास करै सै, उस ताहीं खतने के निशान नै हटाण की जरूरत कोनी,
अर जो गैर यहूदी माणस परमेसवर पै बिश्वास करै सै, उस ताहीं खतना करवाण की जरूरत कोनी।
19 इस बात तै कोए फर्क न्ही पड़ता के किसे माणस का खतना होया सै या कोनी होया, पर सब तै
जरूरी बात या सै, के वो परमेसवर के हुकमां नै मान्नै। 20 हरेक माणस मसीह बणण तै पैहले जिस
हालत म्ह बुलाया गया हो, उस्से हालत म्ह रहवै। 21 जै तू गुलाम की हालत म्ह बुलाया गया सै,
तो फिक्र ना करै, पर जै तू आजाद हो सकै, तो तू आजाद होण की कोशिश कर। 22 क्यूँके जो दास
की हालत म्ह मसीह पै बिश्वास करण खात्तर बुलाया गया सै, वो मसीह का आजाद करया होया
सै। उस्से तरियां ए जो आजादी की हालत म्ह बुलाया गया सै, वो मसीह का दास सै। 23 परमेसवर
नै थम दाम देकै मोल लिये हो, इस करकै थम माणसां के दास न्ही, पर परमेसवर के दास बणो। 24 मै
दुबारा तै कहूँ सूं, हे बिश्वासी भाईयो, मसीह पै बिश्वास करण तै पैहले थम जिस हालत म्ह बुलाये
गये थे, विवाहित या अविवाहित उस्से हालत म्ह परमेसवर कै गेल्या रहों।

[illegible]

25 अविवाहितां कै बारै म्ह प्रभु का कोए हुकम मन्नै कोनी मिल्या, पर प्रभु नै दया करकै मेरे
ताहीं बुद्धि दी सै, जिसपै भरोस्सा करया जा सकै सै, अर मै थमनै सलाह देऊँ सूं। 26 मेरी समझ
म्ह यो ठीक सै के आजकाल के क्लेश कै कारण, जै माणस कुवारा सै, तो वो कुवारा ए रहवै। 27 जै
तेरी पत्नी सै, तो उसनै तलाक देण की कोशिश ना करै, अर जै तेरे पत्नी कोन्या, तो अपणे खात्तर
उसनै टोहवै ना। 28 पर जै तू ब्याह भी करै, तो पाप कोनी, अर जै कोए कुँवारी छोरी ब्याह करै सै,
तो यो कोए पाप कोनी। हालाकि शादीशुदा माणस इस दुनिया म्ह भोत सी परेशानियाँ का सामना
करैंगें, अर मै चाहूँ सूं के थम इन परेशानियाँ म्ह ना पड़ो। 29 हे बिश्वासी भाईयो, मेरा मतलब यो
सै के मसीह के आण का बखत थोड़ा ए बाक्की रह गया सै, इस करकै आज तै या चिन्ता ना करो
के थारी पत्नी सै या न्ही, पर परमेसवर की सेवा म्ह लाग्गे रहों। 30 रोण आळे, आनन्द करण आळे,
अर चिज्जां नै मोल लेण आळे इन चिज्जां के बारें म्ह घणा ना सोच्चै, क्यूँके इन सारी बात्तां की
फिक्र थमनै परमेसवर की सेवा तै भटका देवैगी। 31 जो भी इस दुनिया म्ह सै, उननै अपणे खात्तर
ज्यादा कीमती ना समझों, क्यूँके दुनिया की सारी चीज नाश हो जावैंगी। 32 मेरी इच्छा या सै के
थम संसारिक जिन्दगी की अभिलाषा तै मुक्त रहों। कुँवारे माणस प्रभु की सेवा करण की फिक्र
म्ह रहवै सै के प्रभु ताहीं किस तरियां खुश करै। 33 पर ब्याहता माणस दुनिया की चिज्जां की फिक्र
म्ह रहवै सै, के अपणी पत्नी नै किस तरियां तै खुश करै। 34 कुँवारी अर ब्याहता बिरबान्नी म्ह भी
फर्क सै, कुँवारी बिरबान्नी प्रभु की सेवा की फिक्र म्ह रहवै सै, अर वा देह अर आत्मा म्ह पवित्र
रहण की कोशिश कर दी रहवै सै, पर ब्याहता बिरबान्नी दो बात्तां की फिक्र म्ह रहवै सै, के अपणे
पति नै किस तरियां खुश राक्खूँ, अर परमेसवर नै किस तरियां खुश राक्खूँ। 35 मै या बात थारी ए

भलाई खात्तर कहूँ सूं, ना के थमनै फसाण के मारे, बल्के ज्यांतै के जिसा शोभा देवै सै, उसाए् करया
जावै, के थम एक चित्त होकै प्रभु की सेवा म्ह लाग्गे रहो।
36 जै किसे पिता नै यो लाग्गै के मै अपणी कुँवारी बेट्टी के ब्याह म्ह देर करकै उसकै गैल अन्याय
करुँ सूं, क्यूँके उसकी उम्र ढळण लागरी सै, तो वो वोए् करै जो उसनै ठीक लाग्गै सै, वो उसनै ब्याह
करण दे, यो कोए् पाप कोनी। 37 पर जिस पिता नै मन म्ह यो ठान लिया सै, के वो अपणी छोरी का
ब्याह कोनी करै, तो उस ताहीं कोए् उसका ब्याह करण खात्तर मजबूर ना करै, यो उसका हक सै जो
वो चाहवै वोए करै, अर वो अपणी छोरी नै कुवारी ए राक्ख सकै सै। 38 ज्यांतै जो अपणी कुवारी
छोरी का ब्याह कर देवै सै, तो वो सही करै सै, अर जो ब्याह न्ही करदा, वो और भी सही करै सै।
39 बिरबान्नी जिब ताहीं धणी कै गैल बंधी रहवै सै, जिब ताहीं के उसका धणी जिन्दा सै, पर जै
उसका धणी मर जावै तो जिसतै चाहवै वा ब्याह कर सकै सै, पर वो परमेसवर पै बिश्वास करण आळा
हो। 40 पर जै वा दुबारा ब्याह ना करै, तो मेरै विचार म्ह और भी ज्यादा सुखी सै, अर मै समझूँ सूं,
के परमेसवर का आत्मा मेरी अगुवाई करै सै।

8

[illegible]

1 थारी चिट्ठियाँ म्ह मूर्तियाँ के आग्गै चढ़ाई होड़ चिज्जां कै खाण के बारै म्ह थमनै पूछ्या था। हम
सारया नै इस बात के बारें म्ह कुछ ज्ञान सै। ज्ञान म्हारे म्ह घमण्ड पैदा करै सै, पर प्यार तै बढ़ोतरी
होवै सै, अर प्यार म्हारे ताहीं दुसरयां की मदद करणा सिखावै सै। 2 जै कोए् समझै सै के वो सब कुछ
जाणै सै, तो वो इब ताहीं यो कोनी जाणता के किस तरियां जाणणा चाहिये। 3 पर जै कोए् परमेसवर
तै प्यार करै सै, तो परमेसवर भी उस ताहीं जाणै सै।
4 मूर्तियाँ कै स्याम्ही बलि करी होई चिज्जां कै खाण कै बारै म्ह हम जाणा सां, के दुनिया म्ह कोए्
भी मूर्ति सच्चा परमेसवर कोनी, क्यूँके एकैए् सच्चा परमेसवर सै। 5-6 फेर भी धरती अर अकास पै
भोत सै, जिन ताहीं लोग ईश्वर अर देवता कहवै सै, पर म्हारे खात्तर तो एकैए् परमेसवर सै। यानिके
पिता जिसकी ओड़ तै सारी चीज सै, अर हम उस्से कै खात्तर सां। एकैए् प्रभु सै, यानिके यीशु मसीह
जिसकै जरिये सारी चीज बणाई गई, अर हम भी उस्से के जरिये जिन्दे सां।
7 पर म्हारे कुछ बिश्वासी भाईयाँ नै इब ताहीं बेरा कोनी के मूर्तियाँ म्ह कोए् शक्ति कोनी। क्यूँके
वे पैहले मूर्तियाँ की पूजा करै थे, जिब वे मूर्तियाँ ताहीं दी गई बलि म्ह तै खावै सै, तो गलती तै इब
भी मूर्तियाँ की पूजा करण म्ह शामिल सै, अर गलती तै सोच्चै सै के उननै पाप कर दिया जिब वे
मूर्ति के स्याम्ही चढ़ाई चीज खा लेवै सै। 8 खाणा हमनै परमेसवर कै लोवै कोनी पोहोचान्दा। खाण तै
इन्कार करण तै परमेसवर म्हारे तै खुश न्ही होन्दा, अर ना ए् खाणा म्हारे ताहीं परमेसवर की निगांह
म्ह आच्छा बणादा। 9 पर सावधान! इसा ना होवै के थारी या आजादी कदे बिश्वास म्ह कमजोर
लोग्गां खात्तर ठोक्कर का कारण हो जावै। 10 थम जाणो सों के मूर्त असली देवता कोनी, अर थम
मूरतां के मन्दर म्ह खाओ सों, पर जो बिश्वास म्ह कमजोर आदमी थारे ताहीं ओड़ै खान्दे देक्खै सै
तो वो उत्साहित होवैगा, ताके मूर्ति के स्याम्ही बलि करया गया माँस वो खावै, जिब के उस ताहीं
बेरा सै के यो पाप सै, जै वो इसा काम करै सै। 11 इस तरियां तै तेरे ज्ञान कै कारण वो बिश्वास म्ह
कमजोर भाई जिसकै खात्तर मसीह मरया, मसीह म्ह बिश्वास करणा छोड़ देवैगा। 12 इस तरियां तै
बिश्वासी भाईयाँ कै खिलाफ अपराध करण तै अर उनकी कमजोर अन्तरात्मा ताहीं चोट पोहोचाण
तै, थम मसीह कै खिलाफ अपराध करो सो। 13 इस कारण जै मूर्तियाँ ताहीं दिया गया खाणा खाण
तै दुसरे बिश्वासियाँ खात्तर बिश्वास छोड़ण का कारण बणै सै, तो मै उस तरियां का खाणा कदे न्ही
खाऊँगा ताके दुसरे बिश्वासी भाई बिश्वास करणा ना छोड़ दे।

9

[illegible]

1 जो मै चाहूँ सूं, वो सब कुछ करण खात्तर मै आजाद सूं, मै प्रेरित सूं। मन्नै म्हारे प्रभु यीशु
ताहीं देख्या सै, थम प्रभु म्ह मेरी मेहनत का ईनाम सों। 2 जै दुसरे माणस या न्ही मानते के मै प्रभु
यीशु का प्रेरित सूं, तो भाईयो थमनै बिश्वास करणा होगा, क्यूँके मै वो सूं, जो थारे धोरै सुसमाचार
लेकै आया। थारा प्रभु यीशु मसीह म्ह बिश्वास यो बतावै सै के मै प्रेरित सूं।
3 जो माणस मेरे प्रेरित होण पै शक करै सै, उनकै खात्तर योए मेरा जवाब सै। 4 बरनबास अर मेरे
खात्तर, प्रेरित होण कै कारण म्हारे ताहीं यो हक सै, के हम अपणे काम कै खात्तर थारे तै आर्थिक
मदद ले सका सां। 5 के हमनै यो हक कोनी, के किसे मसीह भाण कै गेल्या ब्याह करकै उस ताहीं
अपणे गैल सफर म्ह लेकै जावां, जिसा दुसरे प्रेरित अर प्रभु का भाई याकूब, यहूदा अर पतरस करै
सै। 6 मेरै अर बरनबास कै धोरै भी यो हक सै, के हम और प्रेरितां के स्याम्ही आर्थिक मदद हासिल
करां अर म्हारे ताहीं जीण खात्तर कोए काम करण की जरूरत कोनी। 7 कौण सा फौज्जी अपणे खर्च
तै जंग लड़ै सै? कौण अंगूर का बाग लगाकै उसका फळ न्ही खान्दा? कौण भेड्डां की रुखाळी करकै
उनका दूध कोनी पीन्दा?
8-9 मै इन बात्तां नै सिर्फ माणस होण के नाते कोनी कहन्दा। मूसा नबी के नियम-कायदे भी योए
कहवै सै, क्यूँके मूसा नबी के नियम-कायदे म्ह लिख्या सै, "नाज लिकाड़ते बखत चाल्दे होए बळध
का मुँह ना बाँधियो।" के परमेसवर बळधां की ए फिक्र करै सै? 10 यो खास करकै म्हारे खात्तर
कह्या गया सै, हाँ, म्हारे खात्तर ए लिख्या गया सै, क्यूँके यो जरूरी सै, के खेत बाहण आळा अर
खलिहाण म्ह, भूसी तै नाज अलग करण आळा फसल का कुछ हिस्सा पाण खात्तर तो आस राक्खै
ए गा। 11 हमनै परमेसवर के सुसमाचार का प्रचार थारे बीच म्ह करया। उस माणस की ढाळ जो
पौधे लगावै सै, हमनै थारे भित्तर परमेसवर के सन्देस ताहीं लगाया सै। इस करकै यो म्हारा हक
सै, के म्हारी आर्थिक जरूरतां कै खात्तर हम थारी मदद हासिल करां। 12 थमनै दुसरे माणसां की
भी आर्थिक मदद करी, जिननै थारे ताहीं सुसमाचार सुणाया था, बरनबास अर मै उनतै भी ज्यादा
आर्थिक मदद पाण का हक राक्खां सां, हालाकि, म्हारे म्ह तै किसे नै भी जोर कोनी दिया के थम उन
चिज्जां नै द्यो जिनकी हमनै जरूरत सै। बल्के हम सब कुछ सहण खात्तर तैयार सां, ताके हम किसे
ताहीं भी मसीह के बारें म्ह सुसमाचार पै बिश्वास करण म्ह अडचन पैदा ना करा। 13 के थमनै न्ही
बेरा के जो मन्दर म्ह काम करण आळे सै, वे मन्दर म्ह तै खाणा खावैं सै? पर जो वेदी* पै बलि चढ़ावै
सै वे बलिदानां का हिस्सा लेवै सै? 14 इस्से तरियां तै प्रभु नै भी ठहराया के जो माणस सुसमाचार
सुणावै सै, उनकी जिन्दगी का गुजारा उन माणसां तै होणा चाहिए जो सुसमाचार सुणै सै।
15 पर मन्नै इन म्ह तै किसे भी अधिकार का इस्तमाल कोनी करया, अर ना ए मै इस मकसद तै
लिखूँ सूं, के मेरै खात्तर इसा कुछ करया जावै। बजाये इसकै, के कोए मन्नै, मेरी इस बात के गर्व तै
अलग करै। इसतै आच्छा मै मर जाणा समझूगाँ। 16 जै मै सुसमाचार सुणाऊँ, तो इस म्ह मन्नै गर्व
करण का कोए हक कोनी। या तो मेरै ताहीं सौप्पी गई जिम्मेदारी सै। जै मै सुसमाचार न्ही सुणाऊँ,
तो मेरै पै धिक्कार सै! 17 जै मै यो काम करुँ सूं, जो मन्नै अपणी मर्जी तै चुण्या सै, तो मेरे ताहीं एक
ईनाम मिलैगा, अर जै या मेरी अपणी मर्जी कोनी, पर एक जिम्मेदारी सै, जो मेरे ताहीं परमेसवर
की ओड़ तै मिली सै, तो मै किसे भी ईनाम की उम्मीद न्ही कर सकता। 18 तो मेरी कौण सी मजदूरी
सै? या मेरी खुशी सै, के बिना भुगताण के मै सुसमाचार का प्रचार करण लागरया सूं, मेरै धोरै खर्चा
मांग्गण का भी हक सै।
19 इसका मतलब यो कोनी के मै माणसां का कहणा मान्नु, भलाए वे लोग मेरी आर्थिक मदद करै
सै, पर मै इसकै खात्तर मजबूर कोनी, फेर भी मै हरेक किसे का दास बणग्या सूं, ताके उन ताहीं मसीह
कै धोरै ल्या सकूँ। 20 जिब मै यहूदी नियम-कायदा नै मानण आळा था, तो मै भी उन नियम-कायदा
के अधीन था, मै यहूदी माणसां कै खात्तर यहूदी बण्या, ताके यहूदी माणसां नै परमेसवर कै धोरै ले

* **9:13** 9:13 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

आऊँ। भलाए मेरे ताहीं नियम-कायदे मानण की जरूरत कोनी, फेर भी मन्नै इसा करया, ताके मै
उन ताहीं मसीह कै धोरै ल्या सकूँ जो नियम-कायदा के अधीन सै। 21 इस्से तरियां जिब मै गैर यहूदी
माणसां कै गैल काम करुँ सूं, तो मै एक गैर यहूदी की तरियां रहूँ सूं, जो यहूदी नियम-कायदा नै कोनी
मानते, ताके मै उन ताहीं मसीह खात्तर जीत सकूँ। पर मन्नै बेरा था के मै परमेसवर के नियम-कायदा
के बिना न्हीं रहूँ था, क्यूँके मै मसीह के नियम-कायदा के अधीन सूं। 22 जिब मै उन माणसां के गैल सूं
जिनका बिश्वास कमजोर सै, तो मै उनकी तरियां बरताव करुँ सूं, ताके मेरी कोशिश के जरिये कुछ
माणसां का उद्धार हो जावै। 23 मै यो सब कुछ सुसमाचार कै खात्तर करुँ सूं ताके उन आशीषां का
हिस्सेदार बण सकूँ जिनका वादा सुसमाचार म्ह करया गया सै।

[illegible]

24 के थमनै न्ही बेरा के दौड़ म्ह तो भाज्जै सारे ए सै, पर ईनाम एक ए ले जावै सै? इस्से तरियां,
हम सब नै वो करणा चाहिए जो हम परमेसवर ताहीं खुश करण कै खात्तर कर सका सां ताके हम उस
ईनाम नै पा सका जो परमेसवर आण आळे बखत म्ह देवैगा। 25 हरेक खिलाड़ी जो प्रतियोगिता
म्ह भाग लेवै सै, कठोर संयम का पालन करै सै। वे तो एक (नाशवान) नाश होण आळे मुकुट नै पाण
कै मकसद तै यो सब करै सै, पर हम यो सब कुछ (अविनाशी) नाश ना होण आळे मुकुट नै पाण
खात्तर करां सां। 26 इस करकै जिसा दौड़ण आळा अपणे मकसद कै गैल दौड़ै सै, अर जिस तरियां
मुक्केबाज अपणे मुक्कयां नै अपणे अधीन राक्खै सै, उस्से तरियां मै भी अपणी मसीह जिन्दगी नै
एक मकसद कै गैल जीण लागरया सूं। 27 मै अपणी देह नै मसीह के अधीन राक्खूँ सूं, ताके मै अपणी
बुरी इच्छा नै पूरी ना करुँ, मै जो दुसरे माणसां खात्तर सुसमाचार का प्रचार करण लाग रह्या सूं,
अर मै खुद ईनाम कै खात्तर अयोग्य करार हो जाऊँ।

10

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, मै न्ही चाहन्दा के थम इस बात तै अनजाण रहो के म्हारे सारे पूर्वजां कै गैल
जंगल-बियाबान म्ह के होया। परमेसवर नै उन सारया की एक बाद्दळ कै जरिये अगुवाई करी, जो
उनकै आग्गै-आग्गै चाल्लै था, अर उन ताहीं लाल समुन्दर कै बिचाळै तै इस तरियां तै पार लेग्या,
जिस तरियां सुखी धरती पै ले जाया गया हो। 2 मूसा नबी कै पाच्छै चाल्लण के कारण, उन सारया
नै बाद्दळ म्ह अर समुन्दर म्ह बपतिस्मा ले लिया था। 3 उन सारया नै वो खाणा खाया जो परमेसवर
नै सुर्ग तै दिया था। 4 उननै वो पाणी पिया जो पत्थर की चट्टान तै लिकड्या था, पत्थर की चट्टान
की तुलना हम मसीह के गैल कर सका सां, जो उनकै गैल चाल्लै था, अर उन ताहीं जीवन देवै था।
5 पर परमेसवर उन म्ह तै घणखरयां तै राज्जी कोन्या होया, ज्यांतै वे जंगल-बियाबान म्ह ढेर होग्ये।
6 ये बात म्हारै ताहीं चेतावनी के रूप म्ह दी सै, ताके हम बुरे काम्मां की लालसा ना करां। 7 अर ना
थम मूर्ति पूजणीये बणो, जिस तरियां के उन म्ह तै कितने बणगे थे, जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या
सै, "लोग एक दावत म्ह खाण-पीण नै बेठ्ठे, अर फेर भोगविलास के काम करण खात्तर उठगे।"
8 अर ना हम जारी करा, जिसा उन म्ह तै कितन्याँ नै करी, अर एक दिन म्ह तेईस हजार मरग्ये।
9 अर ना हम प्रभु नै परखां, जिसा उन म्ह कितन्याँ नै करया, अर साँपां कै जरिये मरगे। 10 अर ना
थम कुड़कुड़ाओ, जिस तरियां तै उन म्ह कितने कुड़कुड़ाए, अर नाश करण आळे सुर्गदूत्तां कै जरिये
मारे गये। 11 पर ये सारी बात, जो उनपै आण पड़ी, चेतावनी की तरियां थी, वे म्हारी चेतावनी कै
खात्तर जो दुनिया के आखरी बखत म्ह रहवै सै, लिक्खी गई सै। 12 इस करकै जै कोए इसा माणस
सै जो कहन्दा हो, के परमेसवर पै उसका भरोस्सा अटूट सै, तो उसनै सावधान रहणा चाहिए, के वो
चाणचक किसे इम्तिहान म्ह ना पड़ जावै अर वो पाप ना कर बेठ्ठै। 13 पाप करण की इच्छा पक्की
हम सब कै धोरै आवै सै। पर परमेसवर साच्चा अर बिश्वास लायक सै, वो थमनै सामर्थ तै बाहर

इम्तिहान म्ह कोनी गेरैगा, जो माणस कै सहण तै बाहरणै सै, बल्के वो थमनै शक्ति देवैगा के थम
पाप ना करो।

[illegible]

14 इस कारण, हे मेरे प्यारे दोस्तों, मूर्तिपूजा तै बचे रहो। 15 मै अकलमंद जाणकै थारे तै कहूँ सूं,
जो मै कहूँ सूं, उसकै बारें म्ह सोच्चों के वो सही सै या गलत। 16 जिब हम उसके कटोरे म्ह तै (अंगूर
का रस) पीवां सां, जिस ताहीं हम प्रभु भोज म्ह इस्तमाल करां सां, जिसकै खात्तर हम परमेसवर
का धन्यवाद करा सां, हम असलियत म्ह मसीह के लहू म्ह साझी होण लागरे सां, अर जिब हम
रोट्टी तोड़ा सां अर इस ताहीं खावां सां, तो हम असलियत म्ह मसीह के देह म्ह साझा करण लागरे
सां। 17 जिब के सिर्फ एकैए रोट्टी सै, जो मसीह सै, भलाए हम घणे सां, फेर भी हम एक देह बण
जावां सां, क्यूँके हम सब एक रोट्टी म्ह तै ए खावां सां। 18 इस्राएल के माणसां के बारें म्ह सोच्चों,
जिब वे सारे माणस खावै सै, जो परमेसवर ताहीं चढ़ाया जावै सै, उसतै वे परमेसवर की आराधना म्ह
शामिल हो जावै सै, इस्से तरियां जो वो खाणा खावै सै, जो मूर्ति कै आग्गै चढ़ाया जावै सै, तो वो भी
मूर्ति की आराधना म्ह शामिल होवै सै, 19 मेरे कहण का मतलब के सै? यो सै के मूर्ति असलियत म्ह
देवता सै, जिनकै खात्तर बलिदान करे जावै सै अर के इस बलिदान की कोए अहमियत सै? 20 न्ही,
बल्के जो माणस मूर्तियाँ नै बलिदान करै सै, वे परमेसवर कै खात्तर न्ही पर ओपरी आत्मायाँ कै
खात्तर बलिदान करै सै, अर मै न्ही चाहन्दा के थम ओपरी आत्मायाँ के गैल-साझ्झी होवो। 21 यो
थारे खात्तर ठीक कोनी के, थम वो खाओ अर पीओ सों, जो ओपरी आत्मायाँ ताहीं चढ़ाया जावै सै,
अर वो भी खाओ अर पीओ सों, जो हमनै प्रभु की मौत की याद दुवावै सै। 22 जै हम इसा करां सां,
तो हम परमेसवर नै घणा गुस्सा दुवावां सां, अर हम परमेसवर तै घणे ताकतवर कोनी।

[illegible]

23 हम सब कुछ करण खात्तर आजाद सां, हम कहवां सां, हाँ, पर सब कुछ म्हारे खात्तर आच्छा
कोनी, हम सब कुछ करण खात्तर आजाद सां, पर सब कुछ म्हारे बिश्वास नै कोनी बढ़ाते। 24 कोए
अपणी ए भलाई नै न्ही, बल्के औरां की भलाई के बारें म्ह सोच्चों। 25 हालाकि जिब थम कस्साइयाँ
धोरै माँस लेण खात्तर बजारां म्ह जाओ सों, तो उनतै या ना पूच्छो, के यो मूर्तियाँ कै आग्गै चढ़ाया
गया सै या न्ही, अर इसतै थारी अन्तरात्मा भी दुखी न्ही होगी। 26 थम इस करकै खा सको सों क्यूँके
पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, "क्यूँके धरती अर धरती पै जो कुछ भी सै सब कुछ प्रभु का सै।" 27 जै
अबिश्वासियाँ म्ह तै कोए थमनै न्योंदा देवै, अर थम खाण खात्तर जाणा चाहो, तो जो किमे थारे
स्याम्ही धरया जावै वोए खा ल्यो, अर थमनै यो न्ही पूछणा चाहिए, के यो चढ़ावा सै या न्ही, ताके
चढ़ावा हो तो थम खुद नै दोषी महसूस कोनी करोगे। 28 पर जै कोए थारे तै कहवै, "यो खाणा तो
मूर्ति ताहीं बलि करया गया था," तो इस ताहीं अपणी अन्तरात्मा कै कारण न्ही, बल्के थमनै बताण
आळे माणस की अन्तरात्मा के कारण इसनै ना खाओ। 29 मै थारी अन्तरात्मा के बारें म्ह न्ही, पर उस
बताण आळे माणस की अन्तरात्मा बारें म्ह कहूँ सूं। जै थम खाण की आजादी पै जोर देओ सों, अर
दुसरे माणस नै लाग्गै सै के यो पाप सै, तो उसका के फायदा सै? कुछ भी तो कोनी। 30 जै मै मूर्तियाँ
कै आग्गै चढ़ाई होए चीज ताहीं धन्यवाद करकै खाणे म्ह शामिल होऊँ सूं, तो उसकै खात्तर मेरे पै
दोष क्यूँ लगाया जावै सै, जिसके खाणे खात्तर मन्नै परमेसवर के प्रति धन्यवाद जाहिर करया?

31 सारी बात्तां का निचोड़ यो सै के थम चाहे खाओ, चाहे पीओ, चाहे जो किमे करो, सारा किमे
परमेसवर की महिमा कै खात्तर करो। 32-33 मै जो कुछ भी करुँ सूं, हरेक ताहीं खुश करण की कोशिश
करुँ सूं, अपणे-आप का भला कोनी सोचदा, बल्के सबके भले कै खात्तर सोच्चुं सूं, ताके वो बचाए जा
सकै। उस्से तरियां थम भी इस्से तरियां जिओ, ताके यहूदी, गैर यहूदी अर परमेसवर की कलीसिया
के माणसां कै खात्तर उद्धार पाण म्ह रुकावट ना बणो।

11

1 जिस तरियां मै मसीह के जिसी चाल चाल्लुँ सूं, थम भी मेरी सी चाल चाल्लों।

[illegible]

2 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारी तारीफ करुँ सूं। क्यूँके थम मेरे ताहीं हर बखत याद करो सों, अर
जितनी शिक्षा मन्नै थारे ताहीं दी सै, उनका सावधानी तै पालन करते रहों। 3 पर एक बात सै जो
मै चाहूँ सूं के थम उसनै जाण ल्यो, वा या सै के हरेक माणस का सिर मसीह सै, अर बिरबान्नी का
सिर उसका धणी सै, अर मसीह का सिर परमेसवर सै। 4 जिब थम कलीसिया म्ह कठ्ठे होओ सों,
तो जो माणस सिर ढके होए प्रार्थना या भविष्यवाणी करै सै, वो मसीह का अपमान करै सै। 5 पर
जो बिरबान्नी उघाड़े सिर प्रार्थना या भविष्यवाणी करै सै, इसका मतलब सै के वा अपणे धणी का
अपमान करै सै, क्यूँके वा गन्जी होण कै बरोब्बर सै। 6 जै बिरबान्नी ओढ़णी ना ओढ़ै तो बाळ भी
कटवा लेवै, जै बिरबान्नी कै खात्तर बाळ कटवाणा या गन्जी होणा बड़े शर्म की बात सै, तो ओढ़णी
ओढ़ै। 7 हाँ, एक माणस नै सिर ढक्ण की जरूरत कोनी, क्यूँके परमेसवर नै उस ताहीं खुद के समान
बणा दिया सै, अर उस ताहीं अपणे जिसा सुभाव अर महिमा दी सै, पर बिरबान्नी मर्द की शोभा सै।
8 क्यूँके पैहला माणस बिरबान्नी तै न्ही होया, पर पैहली बिरबान्नी हव्वा, माणस तै होई। 9 परमेसवर
नै पैहले माणस ताहीं बिरबान्नी की मदद करण खात्तर न्ही बणाया था, बल्के उसनै बिरबान्नी ताहीं
बणाया ताके माणस की मदद करै। 10 अर इस बजह तै सुर्गदूत्तां की मौजूदगी कै कारण बिरबान्नी
खात्तर जरूरी सै, के अधिकार के रूप म्ह उसनै अपणे सिर पै कुछ ओढ़णा चाहिए। 11 फेर भी प्रभु
म्ह ना तो बिरबान्नी माणस तै, अर ना माणस बिना बिरबान्नी तै आजाद सै। 12 भलाए परमेसवर नै
पैहले इन्सान तै पैहली जनानी बणाई, अर या जनानी ए सै जो इन्सान नै जन्म देवै सै, पर सारी चीज
परमेसवर तै सै। 13 थम आप ए विचार करो, के कलीसिया म्ह बिरबान्नी नै उघाड़े सिर परमेसवर तै
प्रार्थना करणा शोभा देवै सै? 14 के सुभाव कै तौर पै भी थमनै न्ही बेरा के जै माणस लाम्बे बाळ
राक्खै, तो उसकै खात्तर अपमान सै। 15 पर जै लुगाई लाम्बे बाळ राक्खै तो उसकै खात्तर शोभा सै,
क्यूँके बाळ उसकी ओढ़णी कै खात्तर दिए गये सै। 16 पर जै कोए मेरे तै सहमत कोनी, तो म्हारे धोरै
अर परमेसवर की कलीसिया कै धोरै आराधना करण का इसकै अलावा कोए और रिवाज कोनी।

[illegible]

17 इब जो बात मै थारे ताहीं बताऊँ सूं, उसकै खात्तर मै थारी बड़ाई कोनी करदा, ज्यांतै के
थारे कठ्ठे होण तै भलाई न्ही, पर नुकसान होवै सै। 18 क्यूँके मेरे सुणण म्ह आया सै, के जिब थम
कलीसिया म्ह आराधना कै खात्तर कठ्ठे होवो सों, तो थारे म्ह फूट होवै सै, अर मै मान्नु सूं के यो
सच सै। 19 पर यकीनन थारे बीच बटवारा होणा चाहिए, ताके जिनकै धोरै परमेसवर की मंजूरी सै,
उन ताहीं पिच्छाणा जावै। 20 आखर म्ह थम जो एक जगहां म्ह कठ्ठे होवो सों, म्हारे प्रभु यीशु
मसीह की मौत नै याद करण कै खात्तर होओ सों, यो प्रभु-भोज खाण कै खात्तर न्ही। 21 क्यूँके खाण
कै बखत एक-दुसरे तै पैहल्या अपणा खाणा खा लेवै सै, इस ढाळ कोए तो भूक्खा रहवै सै अर कोए
मतवाला हो जावै सै। 22 के खाण-पीण कै खात्तर थारे घर कोनी? या थम परमेसवर की कलीसिया
का तिरस्कार अर गरीबां नै शर्मिन्दा करण पै तुले होए सों? इब मै थारे तै के कहूँ? के इस बात म्ह
थारी बड़ाई करुँ? ना! बिलकुल न्ही।

23 मन्नै थारे ताहीं जितनी शिक्षा दी सै वोए शिक्षा सै, जो मन्नै परमेसवर की ओड़ तै मिली थी,
के प्रभु यीशु जिस रात पकड़ाया गया, रोट्टी लेई, 24 अर परमेसवर का धन्यवाद करकै उसनै तोड़ी
अर कह्या, "या मेरी देह सै, जो थारे खात्तर सै: मेरी यादगारी खात्तर न्यूए करया करो।" 25 इसे
तरियां उसनै खाणे कै बाद अंगूर के रस का कटोरा भी लिया अर कह्या, "यो कटोरा मेरे लहू म्ह नया
करार सै: जिब कदे पीओ, तो मेरी यादगारी कै खात्तर न्यूए करया करो।" 26 क्यूँके जिब कदे थम या
रोट्टी खाओ अर इस कटोरे म्ह तै पीओ सो, तो प्रभु की मौत नै जिब ताहीं वो न्ही आवै, प्रचार
करदे रहो।

27 ज्यांतै जो कोए इस तरिक्कें तै प्रभु की रोट्टी खावै या उसकै कटोरे म्ह तै पीवै, जिसतै मसीह
का आनदर हो, तो वो प्रभु की देह अर लहू के बिरुध्द पाप करै सै। 28 ज्यांतै माणस अपणे-आप
ताहीं जाँच लेवै अर इस्से तरियां तै इस रोट्टी म्ह तै खावै, अर इस कटोरे म्ह तै पीवै। 29 क्यूँके
जो खांदे-पिंदे बखत प्रभु की देह* के साथ अपणे रिश्ते नै न्ही पिच्छाणता, वो इस खाणे अर पीणै
तै अपणे उप्पर दण्ड ल्यावै सै। 30 अर दण्ड की शरुआत थारे बीच हो ली सै, इस्से कारण थारे म्ह
तै घणखरे कमजोर अर बीमार सै, अर घणखरे मर भी गये। 31 जै हम अपणे-आपनै जाँचदे तो दण्ड
न्ही पांदे। 32 पर प्रभु म्हारै ताहीं दण्ड देकै म्हारी ताड़ना करै सै, ज्यांतै के हम न्याय के दिन दुसरे
माणसां के साथ दंडित ना करे जावां।
33 इस करकै, हे बिश्वासी भाईयो, जिब थम प्रभु भोज खाण खात्तर कठ्ठे होओ सो, तो एक-दुसरे
कै खात्तर ठहरे रहो, ताके थम मिलकै प्रभु भोज खा सको। 34 जै कोए भूक्खा हो तो अपणे घर म्ह
खा लेवै, ताके जिब थम एक साथ आओगे, तो थम सही तरियां तै बरताव करोगे, अर परमेसवर थारा
न्याय कोनी करैगा। दुसरी बात्तां नै मै जिब्बे सुलझाऊँगा जिब आऊँगा।

12

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, इब पवित्र आत्मा के जरिये दी गई उन खुबियाँ तै तालुकात राखती उन
बात्तां के बारें म्ह मै न्ही चाहन्दा के थम अनजाण रहो। 2 थम जाणो सो, के प्रभु म्ह बिश्वास करण
तै पैहले थम किसे थे, कोए थमनै राह दिखावै था ताके थम मूर्तियाँ की पूजा कर सको जो बोल न्ही
सकदी। 3 ज्यांतै मै थमनै बताणा चाहूँ सूं, के जो कोए परमेसवर की आत्मा की अगुवाई तै बोल्लै
सै, वो न्ही कहन्दा के यीशु श्रापित सै, अर ना कोए पवित्र आत्मा कै बिना कह सकै सै के यीशु
प्रभु सै।
4 आत्मिक वरदान तो कई ढाळ के सै, पर या पवित्र आत्मा ए सै जो इन सबका भण्डार सै। 5 अर
काम भी कई ढाळ के सै, जो हम परमेसवर खात्तर करा सां, पर हम सब एकैए परमेसवर की सेवा करा
सां। 6 परमेसवर म्हारी जिन्दगी म्ह कई ढाळ के तरिक्कां तै काम करै सै, पर यो वोए परमेसवर सै, जो
हमनै उसके काम करण की काबलियत देवै सै। 7 एक इसी काबलियत सै जो म्हारे म्ह तै हरेक ताहीं
दी जावै सै, जो पवित्र आत्मा की मौजूदगी नै दिखावै सै ताके हम अपणे संगी बिश्वासियाँ की मदद
कर सका। 8 परमेसवर की आत्मा एक माणस ताहीं बुद्धि तै भरा सन्देस बोल्लण की काबलियत देवै
सै, अर वाए आत्मा किसे दुसरे माणस नै ज्ञान तै भरा सन्देस बोल्लण की काबलियत देवै सै। 9 वो
एक माणस ताहीं मसीह म्ह मजबुत्ती तै बिश्वास करण की काबलियत देवै सै, अर दुसरे माणस ताहीं
आत्मा, बीमार लोग्गां नै ठीक करण की काबलियत देवै सै। 10 किसे ताहीं सामर्थ के काम करण की
ताकत, अर किसे ताहीं भविष्यवाणी की, अर किसे ताहीं आत्मायाँ की परख, अर किसे ताहीं घणी
ढाळ की भाषा, अर किसे ताहीं भाषायां का मतलब बताणा की काबलियत दी। 11 पर ये परमेसवर
की आत्मा सै, जो सारी काबलियत का भण्डार सै, अर वो हर किसे नै बाट देवै सै, जिसा वो चाहवै
सै।

[illegible]

12 जिस तरियां देह के भोत सारे अंग होवै सै, पर भोत सारे अंग मिलकै एक देह नै बणावै सै, उस्से
ढाळ मसीह देह सै, अर सब बिश्वासी उसके देह के अंग सै। 13 क्यूँके हम सब यहूदी, यूनानी, गुलाम
अर आजाद, एकए देह की तरियां सां, अर परमेसवर हम सब नै पवित्र आत्मा का बपतिस्मा देवै
सै, अर हम सारया नै एके तरियां का पवित्र आत्मा पाया सै।
14 देह म्ह एके अंग न्ही, पर भोत-से सै। 15 जै पैर कहवै के मै हाथ कोनी, इस करकै देह का अंग
कोनी, तो के उसके इसा कहण तै वो देह का अंग कोनी? 16 अर जै कान कहवै, के मै आँख कोनी,
इस करकै देह का अंग कोनी, तो के वो इस कारण देह का अंग कोनी? 17 जै साब्ती देह आँख होन्दी

* **11:29** 11:29 प्रभु की देह कलीसिया नै बोल्लै सै

तो सुणणा कित्त तै होंदा? जै साब्ती देह कान ए होंदी तो सूंघणा कित्त तै होंदा? 18 पर सचमुच
परमेसवर नै देह के सारे अंगा ताहीं अपणी मर्जी कै मुताबिक एक-एक करकै देह म्ह सही जगहां पै
राख्या सै। 19 जै सारे अंग एके अंग होन्दे, तो देह कित्त तै होंदी? 20 बल्के अंग तो भतेरे सै, पर
देह एके सै। 21 आँख हाथ तै कोनी कह सकदी, "मन्नै तेरी जरूरत कोनी," अर ना सिर पैर तै कह
सकै सै, के "मन्नै तेरी जरूरत कोनी।" 22 पर देह के कुछ अंग जो दुसरे अंगा तै कमजोर लाग्गै सै,
भोत-ए जरूरी सै। 23-24 अर देह के जिन अंगा नै हम कम आदर देवां सां, वे सै जिन ताहीं हम बड़ी
सावधानी तै ढका सां, इस करकै उन अंगा की हम सावधानी तै हिफाजत करा सां, जिन ताहीं देख्या
न्ही जा सकता, जिब के आदर के लायक अंगा नै इस खास देखभाळ की जरूरत कोनी। इस करकै
परमेसवर नै देह ताहीं एक साथ राख्या सै, ताके उन अंगां ताहीं खास आदर अर देखभाळ दी जावै,
जिनका महत्व कम सै। 25 ताके देह म्ह फूट ना पड़ै पर देह के सारे हिस्से दुसरे अंगा की देखभाळ
करै। 26 जै देह का कोए अंग दुख पावै सै, तो उसकै गैल देह के सारे अंग दुख पावै सै, अर जै एक
अंग की बड़ाई होवै सै, तो उसकै गेल्या सारे अंग आनन्द मनावै सै।

27 इस्से ढाळ थम सारे मिलकै मसीह की देह सो, अर थारे म्ह तै हरेक उसकै देह के कुछ हिस्सां
के रूप म्ह उसके अंग सों 28 मसीह की इस देह म्ह जो के कलीसिया सै, परमेसवर नै म्हारे ताहीं
न्यारे-न्यारे ढाळ के काम करण कै खात्तर दिया, सब तै पैहल्या प्रेरितां, फेर नबी, तीसरे शिक्षक, फेर
सामर्थ के काम करण आळे, फेर चंगाई देण आळे, भलाई करण आळे, अर अगुवें, अर अन्य भाषा
बोल्लण की काबलियत दी। 29 के सारे प्रेरित सै? न्ही! के सारे नबी सै? न्ही! के सारे उपदेशक सै?
न्ही! के सारे सामर्थ के काम करण आळे सै? न्ही! 30 के सारया नै चंगा करण का वरदान मिल्या सै?
न्ही! के सारे अन्य भाषा बोल्लै सै? न्ही! 31 के सारे अन्य भाषा का मतलब बताणीये सै? न्ही! थम
सबतै उपयोगी वरदानां की धुन म्ह रहो, पर मै थमनै सारया तै बढ़िया राह बताऊँ सूं।

13

??????-?????? ?? ?????? ???????

1 जै मै माणसां अर सुर्गदूत्तां की बोल्ली बोल्लूँ अर दुसरयां तै प्यार ना करुँ, तो मै ठनठनादा होया
पीत्तळ, अर झंझनाती होई झाँझ सूं। 2 अर जै मै भविष्यवाणी कर सकूँ, अर सारे भेद अर सारी ढाळ
के ज्ञान ताहीं समझूँ, अर मन्नै उरै ताहीं इतणा बिश्वास हो के मै पहाड़ां ताहीं हटा दियुँ, पर दुसरयां
तै प्यार ना करुँ, तो मै कुछ भी कोनी। 3 जै अपणा सारा धन कंगालां नै खुवा दियुँ, या अपणी देह
जळाण कै खात्तर दे दियुँ, अर दुसरयां तै प्यार ना करुँ, तो मन्नै किमे भी फायदा कोनी।

4 जो लोग दुसरयां तै प्यार करै सै, वे पूरे धीरज अर दयालु तरिक्कें तै काम करै सै, वे नफरत न्ही
करते, अर वे खुद की बड़ाई न्ही करते। 5 वे दुसरयां का अनादर कोनी करते, वे स्वार्थी कोनी अर ना
ए तावळे नाराज होवै सै, पर आसान्नी तै उन माणसां ताहीं माफ करदे सै जो उनकै खिलाफ बुरा
बरताव करै सै। 6 जिब लोग बुरे काम करै सै तो वे खुश कोनी होन्दे, पर जिब लोग सही काम करै सै
तो वे खुश होवै सै। 7 प्यार सारी बात्तां नै सह लेवै सै, अर हमेशा म्हारे हरेक हालात्तां म्ह बिश्वास
करण म्ह, परमेसवर पै भरोस्सा राक्खण म्ह, अर दुख अर मुसीबतां नै धीरज तै सहण करण म्ह म्हारी
मदद करै सै।

8 प्यार सदा तक रहण आळा सै। जड़ै ताहीं भविष्यवाणीयाँ का सवाल सै, वे थोड़े ए बखत
खात्तर सै, भाषाएँ बिना शब्द की हो जावैंगी अर ज्ञान मिट जावैगा। 9 क्यूँके म्हारा ज्ञान अर म्हारी
भविष्यवाणी का वरदान अधूरा सै। 10 पर जिब हम सिद्धता तक पोहच जावांगे तो, वो सब, जो
अधूरा सै, मिट जावैगा। 11 जिब मै बाळक था, तो मै बाळकां की ढाळ बोल्लू था, बाळकां जिसी
मेरी सोच थी, बाळकां जिसी समझ थी, पर जिब श्याणा हो गया तो बाळकां के जिसी बात छोड़
दी। 12 इब जो हम परमेसवर के बारें म्ह जाणा सां, वो सब शीशे म्ह धुँधळा दिखाई देण की ढाळ सै,
पर बाद म्ह हम उस ताहीं आम्ही-स्याम्ही देक्खांगें, इब्बे हम सब कुछ न्ही जाणते, पर बाद म्ह हम

सब किमे जाण जावांगे जिस तरियां परमेसवर म्हारे ताहीं जाणै सै। 13 ये तीन्नु चीज सदा खात्तर
सै, बिश्वास, आस, अर प्यार पर इन म्ह सारया तै बड्ड़ा प्यार सै।

14

[illegible]

1 एक-दुसरे तै प्यार करण की कोशिश करो, अर आत्मिक वरदान्नां की भी धुन म्ह रहो, खास करकै
यो के भविष्यवाणी करो। 2 क्यूँके जो अन्य भाषा म्ह बात करै सै वो माणसां तै न्ही पर परमेसवर
तै बात करै सै, ज्यांतै के उसकी बात कोए न्ही समझदा, क्यूँके वो भेद की बात पवित्र आत्मा की
शक्ति तै बोल्लै सै। 3 पर जो भविष्यवाणी करै सै, वो बिश्वासियाँ नै मजबूत करण की, उत्साहित
करण की, अर शान्ति की बात कहवै सै। 4 जो अन्य भाषा म्ह बात करै सै, वो अपणा ए बिश्वास
मजबूत करै सै, पर जो भविष्यवाणी करै सै, वो कलीसिया के बिश्वासियाँ के बिश्वास नै मजबूत करै
सै। 5 मै चाहूँ सूं के थारे म्ह तै हरेक नै अन्य भाषायां म्ह बात करण की काबलियत मिलै, पर इसकी
बजाए आच्छा तो यो सै के थमनै भविष्यवाणी की काबलियत मिलै, क्यूँके जो भविष्यवाणी करै सै,
वो उस अन्य भाषा बोल्लण आळा तै, जो उसका मतलब खोल कै बताए बिना अन्य भाषा म्ह बात
करै सै, उसतै आच्छा सै, क्यूँके उसका मतलब खोल कै बताये जाण पैए कलीसिया के बिश्वासियाँ
के बिश्वास की बढ़ोतरी हो सकै सै।

6 ज्यांतै, हे बिश्वासी भाईयो, जै मै थारे तै अन्य भाषा म्ह बात करुँ, तो उसतै थमनै के फायदा
होगा, जै इस म्ह थारे खात्तर कोए प्रकाशन, ज्ञान, भविष्यवाणी या शिक्षा की बात ना हो, तो मै
इस म्ह थारा के भला करुँगा? 7 इस्से ढाळ बेजान चीज म्ह तै भी आवाज लिकड़ै सै, चाहे बाँसुरी
हो या संगीत के साज, जै उनतै लिकड़ै सुरां म्ह फर्क ना हो तो यो किस तरियां बेरा लाग्गैगा के यो
कौण सा साज बजाया जाण लाग रह्या सै। 8 अर जै तुरही का शब्द साफ ना हो, तो कौण लड़ाई
कै खात्तर त्यारी करैगा? 9 इस्से तरियां जै थम अन्य भाषा म्ह बोल्लों सों, अर थारे शब्दां नै कोए
समझ न्ही पावै, के थम के बोल्लण लागरे सों? तो यो तो हवा तै बात करण जिसा होगा। 10 भलाए
दुनिया म्ह कितनी ए ढाळ की भाषा क्यूँ ना हों, पर हरेक भाषा का मतलब सै। 11 पर जै मै किसे
भाषा का मतलब ना समझूँ, तो बोल्लण आळे की निगांह म्ह परदेशी ठहरुँगा, अर बोल्लण आळा
भी मेरी निगांह म्ह परदेशी ठहरैगा। 12 ज्यांतै थम भी जिब आत्मिक वरदानां की खोज म्ह हो, तो
इसे वरदानां की लालसा राक्खों, जिसतै कलीसिया के बिश्वासी माणसां का बिश्वास भी मजबूत हो
सकै।

13 इस कारण जो अन्य भाषा बोल्लै, वो प्रार्थना करै के उसका खोल कै मतलब भी बता सकै।
14 ज्यांतै जै मै अन्य भाषा म्ह प्रार्थना करुँ, तो मेरी आत्मा प्रार्थना करै सै, पर मेरी बुद्धि काम न्ही
देंदी। 15 इस बजह तै मै आत्मा तै भी प्रार्थना करुँगा, अर बुद्धि तै भी प्रार्थना करुँगा, मै आत्मा
तै भी गाऊँगा, अर बुद्धि तै भी गाऊँगा। 16 मान ल्यो के कई आम आदमी थारे गैल परमेसवर की
आराधना म्ह शामिल होवै सै, अर जिब थम अपणी आत्मा के साथ परमेसवर की आराधना करण
लागरे सों, अर जो थम बोल्लो सों वो उननै समझ कोनी आन्दा, तो परमेसवर का धन्यवाद करण
कै बाद, उननै किस तरियां बेरा लाग्गैगा के कद "आमीन" कहणा सै, जो थम कहण लागरे सों?
17 परमेसवर का धन्यवाद करणा थारे खात्तर अदभुत हो सकै सै, पर यो दुसरयां ताहीं उनके बिश्वास
म्ह मजबूत न्ही बणा सकदा। 18 मै अपणे परमेसवर का धन्यवाद करुँ सूं, के मै थम सारया तै घणा
अन्य भाषायां म्ह बोल्लू सूं। 19 पर कलीसिया म्ह अन्य भाषा म्ह दस हजार बात कहण तै यो मन्नै
और भी सही लाग्गै सै, के दुसरयां नै सिखाण कै खात्तर मै बुद्धि तै पाँच ए बात कह सकू।

20 हे बिश्वासी भाईयो, इन बात्तां नै समझण म्ह बाळक ना बणो, बुराई करण म्ह तो बाळक
बणे रहो, पर इस तरियां के मामलां नै समझण म्ह श्याणे बणो। 21 पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के
प्रभु कहवै सै, "के मै अजनबियाँ के जरिये बात करुँगा, जो अन्य भाषा बोल्लैगें, तोभी वे मेरी न्ही
सुणैगें।" 22 ज्यांतै अन्य भाषा बिश्वासियाँ कै खात्तर न्ही, पर अबिश्वासियाँ कै खात्तर निशान्नी

सै, जो ये भाषा न्ही समझते, पर भविष्यवाणी अबिश्वासियाँ कै खात्तर न्ही, पर बिश्वासियाँ कै
खात्तर निशान्नी सै। 23 इस करकै जै कलीसिया एक जगहां कठ्ठी हो, अर सारे के सारे अन्य भाषा
बोल्लै, जो ये भाषा न्ही समझते, या अबिश्वासी माणस भीत्तर आ जावै, तो के वे थमनै बावळे न्ही
कहवैगें? 24 पर जै सारे भविष्यवाणी करण लाग्गे, अर कोए अबिश्वासी माणस या जो भविष्यवाणी
नै न्ही समझते हो, भीत्तर आ जावै, तो उननै अपणे पापां का अहसास होगा अर जो थम बोल्लण
लागरे सों उसकी बजह तै अपणे-आप ताहीं कसूरवार महसूस करैंगें। 25 अर परमेसवर का संदेश उस
ताहीं उसकी बुराई या उसकी गुप्त सोच का अहसास करां देवैगा। वो महसूस करैगा के वो पापी सै,
अर वो पाप करणा छोड़ देगा अर वो झुककै प्रभु की आराधना करैगा, अर मान लेवैगा के सच म्ह
ए परमेसवर थारे बिचाळै सै।

[illegible]

26 हे बिश्वासी भाईयो, सुणो के ये बात किस तरियां होणी चाहिये? जिब थम आराधना खात्तर
कठ्ठे होवो सो, तो थारे म्ह तै कोए तो भजन गावै सै, कोए उपदेश देवै सै, कोए प्रभु के जरिये
दिए गये प्रकाशन सै, कोए अन्य भाषा म्ह बात करै सै, कोए उसका मतलब बतावै सै। इन सारी
बात्तां का मकसद योए सै, के कलीसिया बिश्वास म्ह मजबूत हो सकै। 27 जै अन्य भाषा म्ह बात
करै तो ज्यादा तै ज्यादा दो या तीन माणस बारी-बारी तै बोल्लै, अर एक माणस उन बात्तां का
खोल कै मतलब भी बतावै। 28 पर जै खोल कै मलतब बताणीया ना हो, तो अन्य भाषा बोल्लण
आळा कलीसिया म्ह शान्त रहवै, अर अपणे मन म्ह परमेसवर तै बात करै। 29 नबियाँ म्ह तै दो
या तीन बोल्लै, अर बाकी माणस उनकै वचन नै परखै। 30 जै उस बखत ओड़ै कोए बेठ्या हो जिस
ताहीं ईश्वरीय प्रकाशन मिलै, तो पैहले आळा माणस चुप हो जावै अर दुसरे माणस नै बोल्लण
दे। 31 थम सारे एक-एक करकै भविष्यवाणी कर सको हो, ताके सारे सीखै अर सारे उत्साहित भी
हो जावै। 32 अर नबियाँ की आत्मा नबियाँ कै बस म्ह सै, उसकै भित्तर इतनी काबलियत सै, के वो
अपणी इच्छा के मुताबिक बोल सकै सै, अर चुप भी रह सकै सै। 33 क्यूँके परमेसवर गड़बड़ी का
न्ही, पर शान्ति का परमेसवर सै।

यो वो नियम सै जिसका पालन परमेसवर के माणसां के सारी कलीसियाओं म्ह करया जाणा
चाहिए। 34 बिरबान्नी कलीसिया की सभा म्ह चुपचाप रहवै, क्यूँके उन ताहीं बात करण का हुकम
कोनी, पर अधीन रहण का हुकम सै, जिसा नियम-कायदे म्ह लिख्या भी सै। 35 जै वे किमे सिखणा
चाहवै, तो घर म्ह अपणे-अपणे धणी तै बुझै, क्यूँके बिरबान्नी का कलीसिया म्ह घणा बोलणा शर्म
की बात सै। 36 इसा क्यूँ सै के थारे म्ह तै कुछ पैहले उप्पर लिखे होए नियमां का पालन न्ही करणा
चाहन्दे? के थमनै लाग्गै सै, के थम परमेसवर का वचन देण आळे पैहले आदमी सों?

37 जै कोए माणस खुद नै नबी या आत्मिक माणस समझै, तो न्यू जाण ले के जो बात मै थमनै
लिखूँ सूं, वे प्रभु के हुकम सै। 38 जै कोए माणस इन बात्तां पै बिश्वास न्ही करदा, तो थम भी उसकी
बात्तां पै बिश्वास ना करो, जो वो बोल्लण लागरया सै।

39 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, भविष्यवाणी करण की धुन म्ह रहो, अर अन्य भाषा बोल्लण तै
मना ना करो। 40 कलीसिया म्ह जो कुछ भी करो सों, आच्छी तरियां अर सही ढंग तै करया जावै।

15

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, इब मै थमनै वोए सुसमाचार याद दिवाऊँ सूं, जो पैहल्या सुण्या जा चुक्या
सै, जिस सुसमाचार का थमनै बिश्वास भी करया था, अर थम उस बिश्वास म्ह बणे भी रहो। 2 जै
थम सुसमाचार म्ह बिश्वास करणा जारी राक्खों सों, जो मन्नै थारे ताहीं सुणाया था तो परमेसवर
थमनै सुसमाचार के जरिये बचावैगा, जै थम उस सुसमाचार पै बिश्वास करणा छोड़ द्यो, तो थारा
मसीह पै बिश्वास करणा बेकार सै।

3 इस्से कारण मन्नै थारे ताहीं सब तै खास सन्देस बताया सै, जो मेरे ताहीं प्रभु यीशु तै मिल्या
सै, वो सन्देस यो सै, के पवित्र ग्रन्थ कै वचन कै मुताबिक यीशु मसीह म्हारै पापां कै खात्तर मारया
गया, 4 गाड्या गया, अर पवित्र ग्रन्थ कै मुताबिक तीसरे दिन जिन्दा भी होग्या, 5 अर उसकै बाद
वो पतरस ताहीं अर फेर बारहां चेल्यां नै दिख्या। 6 फेर वो पाँच सौ तै ज्यादा चेल्यां नै एक साथ
दिख्या, जिन म्ह तै घणखरे तो इब ताहीं जिन्दे सै पर कई मर लिये सै। 7 इसकै बाद वो याकूब नै
अर फेर सारे प्रेरितां नै भी दिख्या। 8 सब तै आखर म्ह मन्नै भी दिख्या, मेरे ताहीं प्रभु नै अदभुत
तरिक्कें तै प्रेरित बणाया। 9 क्यूँके मै प्रेरितां म्ह सारया तै कम महत्वपूर्ण सूं, बल्के प्रेरित बणण कै
जोग्गा भी कोनी था, क्यूँके मन्नै परमेसवर की कलीसिया के बिश्वासियाँ ताहीं सताया था। 10 पर
मै जो कुछ भी सूं, परमेसवर के अनुग्रह तै प्रेरित सूं। उसका अनुग्रह जो मेरै पै होया, वो बेकार
न्ही होया, पर मन्नै उन और प्रेरितां तै बाध मेहनत भी करी, तोभी या मेरी ओड़ तै न्ही होई, पर
परमेसवर का अनुग्रह तै होई जो मेरै पै था। 11 ज्यांतै चाहे मै हूँ, चाहे दुसरे प्रेरित हों, हम सब नै
मसीह के बारें म्ह एक जिसा प्रचार करा, अर इस्से पै थमनै बिश्वास भी करया।

[illegible]

12 मै थारे तै एक बात पूच्छु सूं, जिब तै हम सारया नै यो प्रचार करया सै, के परमेसवर नै मसीह
ताहीं मुर्दां म्ह तै जिन्दा करया, तो थारे म्ह तै कई क्यूँ न्ही मानते के बिश्वासी भी मरकै जिवैंगे?
13 जै मरे होया का जी उठणा सै ए कोनी, तो मसीह भी मरे होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया, 14 अर जै
मसीह मरे होया म्ह तै न्ही जी उठया, तो म्हारा प्रचार करणा बेकार सै अर थारा बिश्वास करणा भी
बेकार सै। 15 इसतै भी बढ़कै यो सै के हम परमेसवर के झूठ्ठे गवाह साबित होण लागरे सां, क्यूँके
हमनै उनके बारें म्ह या गवाही दी सै के उननै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया सै, पर जै मरे
होए वास्तव म्ह जिन्दे न्ही करे गये होन्दे तो परमेसवर नै मसीह ताहीं भी जिन्दा न्ही करया। 16 अर
जै मरे होए माणस जिन्दा न्ही होन्दे, तो मसीह भी मरे होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया। 17 अर जै
मसीह मरया होया म्ह तै जिन्दा कोनी होया, तो थारा बिश्वास करणा बेकार सै, अर थम इब ताहीं
अपणे पापां म्ह जीण लागरे सो। 18 बल्के जो मसीह पै बिश्वास करण आळे मर लिये सै, वे भी नाश
होए। 19 जै हम सिर्फ इस्से जीवन म्ह मसीह तै आस राक्खां सां, ना के आण आळी दुनिया कै खात्तर,
तो हम सारे माणसां तै घणे अभागे सां।

20 पर सच म्ह-ए परमेसवर नै मसीह ताहीं मुर्दयां म्ह तै जिन्दा करया सै, अर वो पैहला माणस सै,
जो मरे होया म्ह तै जिन्दा करया गया। 21 क्यूँके जिब एक माणस आदम कै जरिये दुनिया म्ह मौत
आई, तो दुसरा माणस मसीह कै जरिये मरे होया का दोबारा जिन्दा हो जाणा भी होया। 22 अर जिस
तरियां आदम के पाप के जरिये सारे माणस मरै सै, उस्से तरियां ए मसीह नै जो करया, उसके जरिये
सारे माणस मरे होया म्ह तै जिन्दा भी करे जावैंगे। 23 पर हरेक माणस इस तरियां जिन्दा होवैगा,
परमेसवर नै पैहल्या मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा करया, फेर मसीह कै आण पै परमेसवर उन
लोग्गां नै भी जिन्दा करैगा जो मसीह के सै। 24 इसकै बाद दुनिया का अन्त होगा। उस बखत मसीह
सारी प्रधानता, अर सारा हक अर सामर्थ का अन्त करकै राज्य नै परमेसवर पिता कै हाथ म्ह सौंप
देवैगा। 25 क्यूँके जिब तक परमेसवर अपणे बैरियाँ नै पूरी तरियां तै हरा ना देवै, तब तक मसीह का
राज्य करणा जरूरी सै। 26 सारया तै आखरी बैरी जो नाश करया जावैगा, वो मौत सै। 27 पवित्र
ग्रन्थ म्ह भजनकार नै लिख्या सै, के परमेसवर सब कुछ मसीह के अधीन कर देवैगा, तो यो तय
सै, के परमेसवर शामिल कोनी, क्यूँके वोए सै जिसनै मसीह ताहीं अधिकार दिया सै। 28 जिब सब
कुछ मसीह कै अधीन हो जावैगा यानी बेट्टे के अधीन, तो बेट्टा आप भी परमेसवर के अधीन हो
जावैगा, जिसनै उस ताहीं यो अधिकार दिया था। परमेसवर ए प्रभु सै, जो सब कुछ अर हर किसे
म्ह काम करै सै।

29 जै मरे होया का पुनरुत्थान कोनी, तो उस परम्परा का के मतलब सै, जिस म्ह माणस मरे होया
की जगहां पै बपतिस्मा लेण लागरे सै? जै परमेसवर मरे होए माणस ताहीं जिन्दा न्ही करदा, तो

माणस इस परम्परा नै क्यूँ मानण लागरे सै? 30 म्हारे खात्तर जै मुर्दां का जी उठणा सै, तो खुद ताहीं
खतरां म्ह गेरणा बेकूफी सै। 31 हे बिश्वासी भाईयो, मै हर दिन मौत का सामना करुँ सूं, यो भी सच
सै, के प्रभु यीशु मसीह म्ह मन्नै थारे पै गर्व सै। 32 मै इफिसुस नगर म्ह बड़ी तै बड़ी मुसीबतां म्ह
तै गुजरा सूं, जो जंगली-जानवरां की तरियां मेरा बिरोध करै सै, तो मन्नै के फायदा होया? जै मुर्दे
जिन्दे न्ही करे जावैंगे, तो हम कह सका सां, के "आओ, खावां-पीवां, क्यूँके काल तो मरणा ए सै।"
33 धोक्खा ना खाओ, "भुंडी संगति आच्छे चाल-चलण नै बिगाड़ देवै सै।" 34 अपणे सोच्चण के
तरिक्कें नै ठीक कर ल्यो, अर पाप करणा छोड़ द्यो, क्यूँके कुछ इसे सै जो परमेसवर नै न्ही जाणदे।
मै थमनै शर्मिन्दा करण कै खात्तर न्यू कहूँ सूं।

?????????? ?? ???

35 उदाहरण के तौर पै जै कोए न्यू कहवैगा, "के परमेसवर मुर्दां नै किस तरियां तै जिवांवै सै, अर
उनकी देह किसी होवै सै?" 36 हे निरे बेअक्लो! जिब तू बीज नै माट्टी म्ह बोवै सै, तो वो अंकुरित
कोनी होवै सै, अर जिब वो अंकुरित होवै सै तो वो बीज कोनी रहन्दा। 37 जै तू गेहूँ या कोए दुसरा
बीज बोवै सै, तो तू शरु म्ह ए पौधा न्ही लगान्दा, बल्के बीज नै ए लगावै सै, जो बाद म्ह पौधा बणै
सै। 38 परमेसवर जिसा चाहवै उसा आकार पौधे नै देवै सै, हरेक ढाळ के बीज का उगण का अपणा
अलग ए तरिक्कां होवै सै। 39 दुनिया के सब प्राणियाँ की देह एक जिसी कोनी होन्दी, माणसां की
देह न्यारी सै, डांगरां की न्यारी सै, पंछियाँ की देह न्यारी सै, मच्छियाँ की देह न्यारी सै। 40 अर
जिस तरियां धरती पै अलग-अलग तरियां की देह सै, उस्से तरियां अकास म्ह भी सूरज, चाँद अर
तारे सै। अकास म्ह चिज्जां की एक अलग तरियां की खूबसूरती हो सै, अर धरती पै, की चिज्जां की
खूबसूरती अलग ढाळ की हो सै। 41 सूरज का तेज न्यारा सै, चाँद का तेज न्यारा सै, अर तारा के
टोळ का तेज न्यारा सै, (क्यूँके एक तारे तै दुसरे तारे कै तेज म्ह फर्क सै)।
42 तो यो मरे होए माणसां का जी उठणा भी इसाए होगा। देह जिस ताहीं वे दफणावै सै वो गळ
जा सै, पर जिब यो फेर तै जी उठै सै, तो या एक इसी देह होगी जो गळै कोनी। 43 जिब म्हारी देह
दफणाई जावै सै, तो वा बदसूरत अर कमजोर हो सै, पर जिब दुबारतै जीवन मिलै सै, तो वा सुथरी
अर मजबूत हो सै। 44 जिस तरियां म्हारी देह माँस अर लहू तै बणी सै, इस्से तरियां इसी देह भी सै
जिस ताहीं जीवन परमेसवर के आत्मा के जरिये मिलै सै, अर जो म्हारी देह माँस अर लहू तै बणी
सै, उस देह म्ह बदल जावैगा, जिस ताहीं जीवन परमेसवर की आत्मा तै मिलै सै। 45 पवित्र ग्रन्थ
म्ह भी लिख्या सै, के "पैहल्ड़ा माणस, यानिके आदम जिन्दा प्राणी बण्या" अर आखरी आदम जो
मसीह सै, वोए सै जो हमनै अनन्त जीवन देवै सै। 46 माँस अर लहू तै बणी देह पैहल्या वजूद* म्ह
आई, फेर उस देह ताहीं परमेसवर की आत्मा के जरिये जीवन मिलै सै। 47 पैहल्ड़ा माणस धरती तै,
यानिके माट्टी तै बण्या होया था, दुसरा माणस जो मसीह था सुर्ग तै आया। 48 धरती पै रहण आळे
लोग, धरती के पैहले माणस आदम की ढाळ माट्टी तै बणे सै, पर सुर्ग म्ह रहण आळे लोग, सुर्ग
के माणस मसीह यीशु की तरियां सै। 49 हम सबका रूप आदम की ढाळ सै, जो माट्टी तै बण्या सै,
उस्से तरियां एक दिन हमनै मसीह का रूप भी मिलैगा, जो सुर्गीय सै।
50 हे बिश्वासी भाईयो, मै चाहूँ सूं के थम जाण ल्यो, के म्हारी देह जो लहू अर माँस तै बणी सै,
इस देह कै साथ हम परमेसवर के सुर्गीय राज्य म्ह न्ही रह सकदे। हम सुर्ग म्ह उस देह कै साथ न्ही
रह सकदे जो नाश हो जावै सै, क्यूँके ओड़ै कोए मौत कोनी। 51 देक्खो, मै थारे तै एक भेद की बात
बताऊँ सूं, म्हारे म्ह तै कुछ बिश्वासी मरै कोनी, पर उनकी देह बदल जावैगी। 52 अर यो पलभर
म्ह, पलक झपकदे ए जिब आखरी तुरही फूक्की जावैगी तो मुर्दे सदा रहण खात्तर जिन्दा हो जावैंगे,
अर जो जिन्दा सै उनकी देह सुर्गीय देह म्ह बदल जावैंगी। 53 क्यूँके यो जरूरी सै, ताके म्हारी या
नाशवान देह अविनाशी देह म्ह बदल जावै, अर या मरणहार देह कदे ना मरण आळी देह म्ह बदल

* **15:46** 15:46 वजूद अस्तित्व

जावै। 54 जिब इसा होवै सै, तो जो परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, वो पूरा हो जावैगा,
“मौत पूरी तरियां तै हार जावैगी अर वजूद म्ह कोनी रहवैगी। 55 हे मौत, तेरी जीत कित्त रही? हे
मौत, तेरा डंक कित्त रहया?” 56 पाप वो डंक सै जो मौत नै लेकै आवै सै, अर नियम-कायदे पाप नै
शक्ति देवै सै। 57 पर परमेसवर का धन्यवाद हो, जो म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै जरिये हमनै पाप अर
मौत पै जयवन्त करै सै। 58 ज्यांतै हे मेरे प्यारे भाईयो, मजबूत अर पक्के रहो, अर प्रभु कै काम म्ह
सारी हाण बढ़ते जाओ, क्यूँके थम जाणो सो के थारी मेहनत प्रभु म्ह बेकार न्ही सै।

16

[illegible]

1 इब यरुशलेम नगर म्ह परमेसवर के पवित्र माणसां कै खात्तर कठ्ठे करे गये उस चन्दे कै बारै
म्ह, जिसा हुकम मन्नै गलातिया परदेस की सारी कलीसियां ताहीं दिया, उसाए थम भी करो। 2 हफ्तै
कै पैहल्ड़े दिन थारे म्ह तै हरेक, अपणी आमदणी कै मुताबिक कुछ धन अपणे धोरै अलग धरो, ताके
मेरै आण पै थमनै चन्दा कठ्ठा करणा न्ही पड़ै। 3 अर जिब मै ओड़ै होऊँगा, तो उन माणसां ताहीं
दान लेण खात्तर यरुशलेम भेज्जूँगा जिन ताहीं थमनै भरोस्सेमंद समझा सै, मै उन बिश्वासियाँ के
हाथ एक चिट्ठी भी भेज्जूँगा ताके ओड़ै के बिश्वासी भी उन ताहीं जाण सकै। 4 जै मेरा भी जाणा
जरूरी होया, तो वे मेरै गेल्या जावैंगे।

[illegible]

5 पर मन्नै पैहले मकिदुनिया परदेस जाणा सै, फेर मै मकिदुनिया परदेस तै होकै थारे धोरै आऊँगा।
6 पर हो सकै सै, के थारे धोरै ए लम्बे बखत ताहीं ठैहर जाऊँ, अर पूरा जाड्डा थारे धोरै रहूँ, फेर जिस
सफर पै मन्नै जाणा हो उसपै थम मन्नै भेज दियो। 7 जै या परमेसवर की इच्छा सै, तो मै थारे धोरै
बाद म्ह, घणे दिनां खात्तर आऊँगा, बजाए इसके के इब मै थोड़े दिनां खात्तर, थारे धोरै आऊँ। 8 पर
मै पिन्तेकुस्त त्यौहार तक इफिसुस नगर म्ह रहूँगा, 9 क्यूँके याड़ै भोत सारे लोग सै, जो परमेसवर
के वचन के बारें म्ह सुणाणा चाहवै सै, अर मेरा याड़ै रहणा जरूरी सै, हालाकि याड़ै मसीह के भोत
बिरोधी सै।
10 जिब तीमुथियुस कुरिन्थुस नगर म्ह आ जावै सै, तो उसकै गैल सम्मानपूर्वक बरताव करियो,
क्यूँके वो मेरी तरियां प्रभु का काम करै सै। 11 ज्यांतै कोए उसनै तुच्छ न्ही जाणै, पर जो सफर
खात्तर जरूरी चीज सै उसनै दे दिओ, ताके वो मेरै धोरै आ जावै, क्यूँके मै उसकी बाट देक्खूँ सूं, के
वो बिश्वासी भाईयाँ कै गैल आवै। 12 बिश्वासी भाई अपुल्लोस तै मन्नै घणी बिनती करी सै, ताके
वो थारे धोरै और दुसरे बिश्वासी भाईयाँ कै गेल्या आ जावै, पर वो इस सफर कै खात्तर तैयार कोनी,
पर जिब सही बखत होगा तो वो थारे धोरै आ जावैगा।

[illegible]

13 चौक्कस रहो, बिश्वास म्ह डटे रहो, निडर बणे रहों, बिश्वास म्ह मजबूत बणो। 14 जो किमे
करो सो प्यार तै करो। 15 हे बिश्वासी भाईयो, थम स्तिफनास कै कुण्बे नै जाणो सो के वे अखाया
परदेस के पैहले बिश्वासी सै, अर पवित्र माणसां की सेवा कै खात्तर त्यार रहवैं सै। 16 ज्यांतै मै थारे
तै बिनती करुँ सूं, के इस्यां कै अधीन रहो, बल्के हरेक के जो इस काम म्ह कड़ी मेहनती करै सै, अर
जो सच्ची भगति के साथ सेवा करै सै। 17 मै स्तिफनास अर फूरतूनातुस अर अखइकुस कै आण तै
राज्जी सूं, क्यूँके वो मेरी मदद करण लागरे सै, जो थम न्ही कर पाए। 18 उननै मेरी अर थारी आत्मा
ताहीं चैन दिया सै, इस करकै इसे माणसां का आदर करो।
19 आसिया की कलीसियाओं की ओड़ तै थारे ताहीं नमस्कार, अक्विला अर उसकी घरआळी,
प्रिसकिल्ला का अर उनकै घर की कलीसिया का भी, थारे ताहीं प्रभु म्ह दिल तै नमस्कार। 20 सारे
बिश्वासी भाईयाँ का थारे ताहीं नमस्कार। आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै प्यार तै नमस्कार
करो। 21 मुझ पौलुस का थारे ताहीं अपणे हाथ तै यो नमस्कार लिखूँ सूं। 22 जै कोए प्रभु तै प्यार

न्ही राक्खै तो वो श्रापित होवै। हे म्हारे प्रभु आ! 23 प्रभु यीशु का अनुग्रह थारे पै होन्दा रहवै।
24 मै उन सारया तै प्यार करुँ सूं, जिनका मसीह यीशु के साथ रिश्ता सै। आमीन।

कुरिन्थिस नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की दुसरी चिट्ठी

[illegible]

कुरिन्थिस नगर के नाम पौलुस प्रेरित की दुसरी चिट्ठी पौलुस अर कुरिन्थुस की कलीसिया के बीच बिगड़ते सम्बन्धां के बखत लिखी ग्यी थी। कलीसिया के माणसां नै पौलुस के बिरुध्द गम्भीर दोष लगाये थे, पर वो मेळ-मिलाप की अपणी गहरी लालसा नै दिखावै सै। इस चिट्ठी के पैहले भाग म्ह पौलुस कुरिन्थुस नगर की कलीसिया के गैल अपणे सम्बन्धां पै विचार करै सै, अर उननै समझावै सै, के उसनै क्यूँ कलीसिया म्ह अपमान अर बिरोध करण जिसा कठोर बरताव करया, अर फेर अपणी खुशी नै जाहिर करै सै, के उसकी कठोरता का नतिज्जा पछतावा अर मेळ-मिलाप होया। इब वो कलीसिया तै, यहूदिया के गरीब बिश्वासियाँ खात्तर खुल्ले दिल तै दान देण की बिनती करै सै। आखरी पाठां म्ह पौलुस कुरिन्थुस नगर के कई माणसां कै खिलाफ अपणी प्रेरिताई का समर्थन करै सै, जिननै खुद अपणे-आप ताहीं साच्चा प्रेरित होण का दर्जा दे दिया था, जिब के वे पौलुस पै झूठ्ठा प्रेरित होण का दोष लगाया करदे।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1-11
पौलुस अर कुरिन्थुस नगर की कलीसिया 1:12-7:16
यहूदिया के बिश्वासियाँ खात्तर दान 8:1-9:15
पौलुस के जरिये प्रेरित के तौर पै अपणे हक का समर्थन 10:1-13:10
समापन 13:11-14

[illegible]

1 या चिट्ठी पौलुस अर म्हारे बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै सै, मै पौलुस परमेसवर की
इच्छा तै मसीह यीशु का प्रेरित सूं, उस कलीसिया कै नाम जो कुरिन्थुस नगर म्ह सै; अर साब्ते
अखाया परदेस के सारे पवित्र माणसां के नाम। 2 हम प्रार्थना करा सां, के पिता परमेसवर अर
प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै।

[illegible]

3 म्हारै प्रभु यीशु मसीह के पिता अर परमेसवर का धन्यवाद होवै, जो दया का पिता, अर जो
हमेशा तसल्ली देवै सै। 4 परमेसवर म्हारै सारे दुखां म्ह तसल्ली देवै सै, ताके हम उस तसल्ली कै
कारण जो परमेसवर म्हारै ताहीं देवै सै, उन ताहीं भी तसल्ली दे सका, जो इस तरियां के दुखां म्ह
हो। 5 क्यूँके जिस तरियां मसीह म्ह हमनै घणे दुख होवै सै, उस्से तरियां ए मसीह कै जरिये हमनै
घणी तसल्ली भी होवै सै। 6 जै हम दुख पावां सां, तो या थारी तसल्ली अर उद्धार कै खात्तर, क्यूँके
परमेसवर म्हारे ताहीं तसल्ली देवै सै, तो वो थमनै भी तसल्ली देगा ताके थम धीरज कै गेल्या उन
दुखां ताहीं सह लेओ सो, जिन नै हम भी सहवां सां। 7 अर म्हारी आस थारे बारै म्ह पक्की सै, क्यूँके
हमनै बेरा सै, के थम जिस तरियां तै म्हारे दुखां म्ह साझ्झी सों, उस्से तरियां तै थम म्हारी तसल्ली
म्ह भी साझ्झी सों।

8 हे बिश्वासी भाईयो, हम चाहवां सां, के थम म्हारै उन दुखां नै जाणो, जो आसिया परदेस म्ह
म्हारै पै पडया, हम इसे भारया बोझ तै दबगे थे, वो बोझ म्हारे सहण तै बाहर था, उरै ताहीं के हमनै
जिन्दा रहण की आस छोड़ दी थी। 9 बल्के हमनै अपणे मन म्ह समझ लिया था, के म्हारे ताहीं मार
दिया जावैगा, अर हम अपणे-आप पै भरोस्सा ना राक्खां, बल्के परमेसवर पै भरोस्सा राक्खां, जो
मरे होया नै जिन्दा करै सै। 10 उस्से नै म्हारै ताहीं इसी बड्डी मुसीबत तै बचाया, अर बचावैगा, अर
उसपै हमनै भरोस्सा सै, अर वो आग्गै भी म्हारे ताहीं बचान्दा रहवैगा। 11 जिस तरियां थम प्रार्थना

कै जरिये म्हारी मदद करो सों, उन आशीषां कै खात्तर जो भोत सारे माणसां की प्रार्थना की बजह
तै हमनै मिली सै, उसकै कारण भोत-से माणस म्हारी ओड़ तै परमेसवर का धन्यवाद करै सै।

[illegible]

12 क्यूँके म्हारी अन्तरात्मा शुद्ध होण कै कारण हम घमण्ड करा सां, अर दुनिया म्ह अर खास करकै
थारे बिच्चाळै, म्हारा चाल-चलण जो परमेसवर की ओड़ तै सै, वो पवित्रता अर सच्चाई सुधा था,
ना के दुनियावी ज्ञान तै, पर परमेसवर कै अनुग्रह कै साथ था। 13-14 क्यूँके मन्नै अपणी चिट्ठियाँ
म्ह हमेशा साफ-साफ लिख्या सै, ताके जिब थम उन चिट्ठियाँ नै पढ़ों तो आसान्नी तै समझ सकों,
पर इब भी थम उन ताहीं ठीक तै न्ही समझ पाते, मन्नै आस सै के एक दिन जिब प्रभु यीशु बोहड़
के आवैगा, तो थम इन ताहीं पूरी तरियां समझ ल्योगे। तब हम थारे गर्व का कारण बणागे, अर थम
भी म्हारै खात्तर गर्व का कारण बणोगे।

15 मन्नै भरोस्सा सै, के थम मेरी बात्तां नै पूरी तरियां तै समझगे सों, इस करकै मै पैहल्या थारे
धोरै आणा चाहूँ था, ताके मेरे दुबारा आण तै थमनै दुगणी आशीष मिलै। 16 मेरी योजना या थी, के
मै थारे धोरै तै होकै मकिदुनिया परदेस म्ह जाऊँ, अर दुबारा मकिदुनिया परदेस तै थारे धोरै आऊँ;
अर मै उम्मीद करुँ सूं, के थम मन्नै यहूदिया परदेस के सफर खात्तर जरूरत की चीज देकै मेरी मदद
करोगे। 17 थम मेरे तै पूछ सकों सों, के मन्नै अपणी योजना क्यूँ बदली। थम के सोच्चों सों, के मन्नै
या योजना लापरवाही तै बणाई, या फेर मै दुनिया के माणसां की तरियां सूं? जिनके जुबान पै तो हाँ
हो सै, अर मन म्ह ना हो सै। 18 जिसा परमेसवर बिश्वास जोग्गा सै, उस्से तरियां म्हारी बात भी
बिश्वास जोग्गी सै। 19 क्यूँके परमेसवर का बेट्टा यीशु मसीह जिसका म्हारै जरिये यानिके म्हारे अर
सिलवानुस अर तीमुथियुस कै जरिये थारे बिचाळै प्रचार होया, उस मसीह यीशु म्ह "हाँ" अर "ना"
दोन्नु न्ही हो सकदे। पर उस म्ह "हाँ" ए "हाँ" होई। 20 क्यूँके परमेसवर के सारे वादे मसीह यीशु म्ह
पूरे होए सै। ज्यांतै हम आमीन बोल्ला सां यानी "हाँ", ताके म्हारै जरिये परमेसवर की महिमा होवै।
21-22 परमेसवर ए सै, जो हमनै थारे गेल्या मसीह म्ह मजबूत करै सै, परमेसवर नै म्हारे पै अपणी
मोहर लगाकै बयान्ने के रूप म्ह अपणा पवित्र आत्मा म्हारे मन म्ह बसाकै म्हारे ताहीं चुण्या सै।

23 परमेसवर मेरी इस सच्चाई का गवाह सै के मै दुबारा कुरिन्थुस नगर म्ह ज्यांतै कोनी आया, के
मै थमनै दुख देणा कोनी चाहूँ था। 24 इसका मतलब यो कोनी के हम बिश्वास कै बारै म्ह थारे पै हक
जताणा चाहवां सां; पर थारे आनन्द म्ह साझ्झी सां, क्यूँके थम बिश्वास ए तै डटे रहो सो।

2

1 मन्नै अपणे मन म्ह न्यू ठान लिया था, के दुबारा थारे धोरै ओड़ै आकै थमनै दुख ना देऊँ। 2 क्यूँके
जै मै थमनै उदास करुँ, तो थारे अलावा मन्नै आनन्द देण आळा कोए कोनी रह्या, सिर्फ थमे सों,
जिस ताहीं मन्नै उदास करया। 3 अर मन्नै याए बात थारे तै ज्यांतै लिक्खी के कदे इसा ना हो के मेरै
आण पै, जिनतै मन्नै आनन्द मिलणा चाहिये, मै उनतै उदास होऊँ; क्यूँके थम सारया पै मन्नै इस
बात का भरोस्सा सै, के जो मेरा आनन्द सै, वोए थम सारया का भी सै। 4 बड़े क्लेश अर दुखी मन
तै मन्नै घणेए आँसू बहा-बहाकै थारे ताहीं चिट्ठी लिखी, ज्यांतै न्ही के थम उदास होवो पर ज्यांतै
के थम उस घणे प्यार नै जाण ल्यो, जो मन्नै थारे तै सै।

[illegible]

5 अर जै किसे नै उदास करया सै, तो मेरे ताहीं ए न्ही बल्के थोड़ा-थोड़ा थारे सारया ताहीं उदास
करया सै, अर मै उसकी गलतियाँ के बारें म्ह इसतै ज्यादा कुछ और न्ही कहणा चाहन्दा। 6 इसे
माणस कै खात्तर या सजा जो सारे बिश्वासी भाईयाँ नै उस ताहीं देई सै, वा भतेरी सै। 7 ज्यांतै इसतै
भला यो सै, के उसका अपराध माफ करो अर उस ताहीं उत्साहित करो, इसा ना हो के वो माणस
घणी उदासी म्ह डूब जावै। 8 इस कारण मै थारे तै बिनती करुँ सूं के उस ताहीं अपणे प्यार का सबूत
द्यो। 9 क्यूँके मन्नै यो ज्यांतै भी लिख्या था के थमनै परख ल्यूँ, के थम मेरी सारी बात्तां नै मानण

नै त्यार सो के न्ही। 10 जिस ताहीं थम किसे बाबत माफ करो सो, उस ताहीं मै भी माफ करुँ सूं,
क्यूँके जिस बात के बारें मन्नै उस ताहीं माफ करया सै, जै वो सच म्ह माफी लायक था, तो मन्नै
मसीह ताहीं हाजिर जाणकै उस ताहीं थारे खात्तर माफ करया सै। 11 ताके शैतान का म्हारै पै दाँव
ना चाल्लै। क्यूँके हम उसके बुरे इराद्यां तै अनजाण कोनी।

[illegible]

12 जिब मै मसीह का सुसमाचार सुणाण नै त्रोआस नगर म्ह आया, अर प्रभु नै मेरे ताहीं वचन
सुणाण खात्तर एक राह खोल दिया। 13 अपणे बिश्वासी भाई तीतुस ताहीं ओड़ै ना पाकै, मेरै मन नै
चैन कोनी मिल्या, ज्यांतै बिश्वासी भाईयाँ तै बिदा होकै मै मकिदुनिया परदेस म्ह बोहड़ ग्या।

[illegible]

14 पर परमेसवर का धन्यवाद हो, जो मसीह कै साथ म्हारी संगति होण के कारण हमनै जीत कै
उत्सव म्ह लिये फिरै सै, इब परमेसवर म्हारे ताहीं खसबूदार इत्र की ढाळ मसीह का ज्ञान फैलाण
खात्तर हरेक जगहां इस्तमाल करै सै। 15 हम परमेसवर कै खात्तर मसीह के जरिये, जळाई गई उस
धूप की खस्बू की ढाळ सां, जो उद्धार पाण आळे अर नाश होण आळे दोनुआ कै खात्तर सै, यो
परमेसवर का सुसमाचार सै, अर सारे माणसां धोरै फैल्लण लागरया सै। 16 कितन्याँ कै खात्तर तो
मरण कै कारण मौत की गन्ध, अर कितन्याँ कै खात्तर जिन्दगी कै कारण जिन्दगी की खस्बू सां।
कोए भी माणस इस काम नै न्ही कर सकता। 17 हम उन बरगे कोनी जो परमेसवर के वचन नै पईसा
खात्तर प्रचार करै सै; पर यो जाण सां के परमेसवर नै म्हारे ताहीं भेज्या सै अर मन की सच्चाई तै
हम उसका वचन आज्ञाकारिता अर मसीह अधिकार तै सुणावां सां, यो जाणकै के परमेसवर म्हारे
ताहीं देक्खै सै।

3

[illegible]

1 के हम दुबारा अपणी बड़ाई करण लाग्गे? या हमनै और माणसां की ढाळ सिफारिश की चिट्ठियाँ
थारे धोरै ल्याण की या थारे तै लेण की जरूरत सै? 2 थम म्हारे खात्तर एक चिट्ठी की ढाळ सों, जो
म्हारै खात्तर सिफारिश करै सै, अर म्हारे दिलां पै लिक्खी होई सै, उस ताहीं सारे माणस पढ़ सकै, अर
म्हारे भले काम्मां नै पिच्छाण सकै। 3 यो तो साफ दिक्खै सै के थम मसीह की चिट्ठी के समान सों,
जो मसीह की ओड़ तै सै, जो म्हारी सेवकाई का फळ सै, अर जो स्याही तै पत्थर की पटियाँ पै न्ही,
पर जिन्दे परमेसवर की आत्मा तै दिल की माँस रूपी पटियाँ पै लिक्खी सै। 4 हम इस करकै कहवां
सां, के हम मसीह कै जरिये परमेसवर पै भरोस्सा करा सां। 5 हम यो न्ही कहन्दे के म्हारी कुछ करण
की काबलियत खुद तै सै, पर वो काबलियत परमेसवर की ओड़ तै सै। 6 जिसनै म्हारै ताहीं नये करार
के सेवक होण कै लायक भी बणाया, मूसा के नियम-कायदा के सेवक न्ही, बल्के पवित्र आत्मा के
सेवक सां; क्यूँके मूसा के नियम-कायदे ना मानण तै मौत आवै सै, पर पवित्र आत्मा जिन्दगी देवै
सै।

7-8 मूसा नबी के नियम-कायदे जो पत्थर की पट्टियाँ पै लिखे गये थे, तब परमेसवर की महिमा
ओड़ै जाहिर होई थी, उस कारण भोत बखत ताहीं इस्राएल के माणस मूसा नबी का चेहरा भी कोनी
देक्खण पाए थे, क्यूँके उसका चेहरा तेजोमय था, उसके चेहरे का तेज ज्यादा बखत ताहीं कोनी रह
सका, इस करकै मूसा नबी ताहीं जो नियम-कायदे दिए गये थे, वे मौत नै लेकै आवै थे। तो पवित्र
आत्मा का काम जो नये करार के मुताबिक सै, वो और भी तेजोमय होवैगा। 9 क्यूँके जिब माणसां नै
कसूरवार बणाण आळा पुराणा करार तेजोमय था, तो जो माणसां नै धर्मी बणाण आळा नया करार
सै और भी तेजोमय होवैगा। 10 अर जो तेज पुराणे करार तै आवै था, उसका तेज जो इब नये करार
तै आवै सै, उसकै आग्गै कुछ भी कोनी। 11 क्यूँके जो तेज मूसा नबी के नियम-कायदा म्ह था, जिब
वो जो घटदा जावै था, तोभी वो तेजोमय था, तो उस नये करार का तेज जो स्थिर सै, वो और भी
तेजोमय होवैगा।

12 ज्यांतै इसी आस राखकै हम हिम्मत कै गेल्या बोल्लां सां। 13 हम मूसा नबी की ढाळ न्ही,
जिसनै अपणे मुँह पै पड़दा गेरया था। ताके इस्राएली माणस उस घटणआळे तेज कै अन्त नै ना
देख पावै। 14 पर इस्राएल के माणसां की अकल खराब होगी, क्यूँके आज ताहीं पुराणा नियम पढ़ते
बखत उनके दिलां पै वोए पड़दा पड्या रहवै सै, पर वो पड़दा मसीह पै बिश्वास करण तै ए उठ जावै
सै। 15 आज ताहीं जिब कदे भी मूसा नबी की किताब पढ़ी जावै सै, तो उन ताहीं पूरी तरियां समझ
म्ह कोनी आन्दी। 16 पर जिब कदे वो यीशु मसीह पै बिश्वास करैंगें, तो वो पड़दा उठ जावैगा।
17 प्रभु तो आत्मा सै: अर जित्त किते परमेसवर का आत्मा सै, ओड़ै नियम-कायदे तै आजादी सै।
18 हम परमेसवर की महिमा इस तरियां देक्खां सां, जिस तरियां शीशे म्ह अपणा मुँह, उस मुँह के
आग्गै पड़दा कोनी, परमेसवर आत्मा सै। अर वो हमनै अपणे तेजस्वी स्वरूप म्ह थोड़ा-थोड़ा करकै
बदलता जावां सै।

4

?????? ?? ?????? ??? ??

1 ज्यांतै जिब म्हारै पै इसी दया होई के हमनै या परमेसवर के वचन प्रचार करण की सेवा मिली,
तो हम हिम्मत न्ही हारते। 2 हमनै शर्मनाक अर गुप्त काम्मां ताहीं छोड़ दिया, अर ना चतुराई
करते, अर ना परमेसवर कै वचन नै तोड़-मरोड़ के पेश करा सां। पर परमेसवर के वचन की सच्चाई
नै माणसां के स्याम्ही जाहिर करां सां, ताके हरेक माणस परमेसवर के स्याम्ही या गवाही दे सकै सै,
के यो सच सै। 3 पर जै म्हारै सुसमाचार नै कोए समझ न्ही पावै, तो यो नाश होण आळा ए कै खात्तर
गुप्त सै। 4 इस दुनिया के ईश्वर शैतान नै उन अबिश्वासियाँ की अकल ताहीं, आँधी कर दिया सै,
ताके उस चाँदणे नै जो मसीह के तेजोमय सुसमाचार तै आवै सै, उस ताहीं देख ना सकै। जो दिखावै
सै के परमेसवर किसा सै। 5 क्यूँके हम खुद नै न्ही, पर मसीह यीशु नै प्रचार करा सां, के मसीह
यीशु ए प्रभु सै। अर अपणे बारै म्ह न्यू कहवां सां, के हम यीशु कै कारण थारे सेवक सां। 6 ज्यांतै
के परमेसवर नै कह्या, "अन्धकार म्ह तै चाँदणा चमकै," अर परमेसवर म्हारै दिलां म्ह चाँदणा की
तरियां समझ दे, ताके हम परमेसवर की महिमा नै समझ सका, जो यीशु मसीह म्ह सै।

7 हम माट्टी के बासणा की तरियां सां, जिस म्ह धन भरया सै, या घणी सामर्थ म्हारी न्ही, बल्के
परमेसवर की सै। 8 हम चौगरदे तै क्लेश तो भोग्गां सां, पर संकट म्ह न्ही पड़दे, म्हारै धोरै उपाय
तो कोनी, पर निराश न्ही होन्दे। 9 सताए तो जावां सां, पर छोड्डे न्ही जान्दे; गिराए तो जावां सां,
पर नाश न्ही होन्दे। 10 हम हर बखत मौत के खतरे म्ह रहवां सां, जिस तरियां यीशु म्हारे खात्तर
मरया गया, ताके हम दुसरे माणसां नै म्हारे उन काम्मां के जरिये दिखा सका के यीशु म्हारे म्ह बसै
सै। 11 क्यूँके हम जिन्दे जी सारी हाण यीशु कै कारण मौत खतरे म्ह रहवां सां, ताके मसीह यीशु का
जीवन म्हारी मरण आळी देह म्ह जाहिर होवै। 12 इस करकै हम मौत के खतरे म्ह रहवां सां, इसका
नतिज्जा यो होगा के थमनै अनन्त जीवन मिलैगा। 13 पर हम तो प्रचार करते रहवांगे क्यूँके म्हारा
बिश्वास उस भजनकार की ढाळ सै, जिसनै भजन संहिता म्ह कह्या, "मै परमेसवर पै बिश्वास करूँ
सूं," इस खात्तर बोल्लू सूं। 14 इस करकै हमनै बेरा सै के जिसनै प्रभु यीशु ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा
करया, वोए परमेसवर हमनै भी यीशु म्ह जिन्दा करैगा, अर थारे गेल्या हमनै भी अपणी मौजूदगी
म्ह ले जावैगा। 15 क्यूँके सारे दुख हमनै सहे, ताके भोत सारे लोग जाण सकै के परमेसवर कितना
करुणामय सै, अर परमेसवर की महिमा कै खात्तर ज्यादा तै ज्यादा लोग उसका धन्यवाद करै।

16 ज्यांतै हम हिम्मत न्ही हारते; हालाके म्हारी देह नाश होन्दी जावै सै, तोभी म्हारी अन्तरात्मा
हर रोज नई होन्दी जावै सै। 17 क्यूँके म्हारी मौजूदा परेशानियाँ भोत छोट्टी सै, अर वो लम्बे बखत
ताहीं कोनी रहवैगी। क्यूँके ये अनन्त महिमा का कारण बणैगी, जो म्हारे सोचण तै भी बड़ी सै।
18 अर हम तो देक्खी होई चिज्जां ताहीं न्ही पर अनदेक्खी चिज्जां नै देखदे रहवां सां; क्यूँके देक्खी
होई चीज माड़े-से दिन की सै, पर अनदेक्खी चीज सारी हाण बणी रहवैं सै।

5

[illegible]

1 क्यूँके हमनै बेरा सै के पलभर का शारीरिक देह सरीखा घर जो हमनै मिल्या सै, जो नाश करया
जावैगा, तो हमनै परमेसवर कै कान्ही तै सुर्ग पै एक इसा घर मिलैगा, जो हाथ्थां तै बण्या होया न्ही,
पर सारी हाण खात्तर टिकाऊ सै। 2 इस देह म्ह तो हम कराहवा अर बड्डी लालसा राक्खां सां, ताके
अपणे सुर्गीय देह नै पैहर ल्या 3 क्यूँके सुर्गीय देह पैहरण तै हम उघाड़े न्ही पाए जावैंगे। 4 अर हम
शारीरिक देह सरीखे घर म्ह रहन्दे होए बोझ तै दबे रोन्दे-पिटते रहवां सां, क्यूँके हम इसनै छोड़णा
न्ही चाहन्दे, पर हम चाहवां सां के परमेसवर हमनै सुर्गीय देह देवै, ताके शारीरिक देह नाश होण कै
बाद हमनै अनन्त राज्य म्ह सुर्गीय देह मिल जावै। 5 जिसनै म्हारै ताहीं जिस सुर्गीय देह कै खात्तर
त्यार करया सै, वो परमेसवर सै, जिसनै म्हारै ताहीं ब्याने म्ह पवित्र आत्मा भी दिया सै।

6 आखर म्ह हम सारी हाण होसला राक्खां सां, अर या जाणां सां के जिब ताहीं हम देह म्ह रहवां
सां, तब तक प्रभु के सुर्ग तै न्यारे सां, जो सुर्ग म्ह सै। 7 हम प्रभु यीशु पै बिश्वास करण तै जिवां
सां, ना के उस ताहीं देक्खण तै। 8 ज्यांतै हम होसला राक्खां सां, अर हम मरण कै बाद, देह तै न्यारे
होकै प्रभु कै गेल्या रहणा हम और भी घणा बढ़िया समझां सां। 9 इस कारण म्हारै मन की इच्छा या
सै, चाहे हम सुर्ग म्ह परमेसवर कै गैल रहवां, या धरती पै रहवां, पर हम उसनै भान्दे रहवां। 10 क्यूँके
जरूरी सै के हम सब मसीह कै न्याय आसन कै स्याम्ही खड़े होवां, ताके हरेक माणस अपणे-अपणे
आच्छे-भुन्ड़े काम्मां का बदला पावै, जो उसनै शारीरिक देह कै जरिये करे सै।

[illegible]

11 ज्यांतै प्रभु का भय मानकै हम माणसां ताहीं न्यू समझावां सां, के वे इस सच्चाई पै बिश्वास
करै, अर परमेसवर जाणै सै के हम कौण सां, अर मै उम्मीद करुँ सूं, के थम भी अपणी अन्तरात्मा म्ह
हमनै आच्छी तरियां जाण ल्यो। 12 हम फेर भी अपणी बड़ाई थारे स्याम्ही कोनी करदे, बल्के हम
अपणे बारै म्ह थारे ताहीं गर्व करण का मौक्का देवां सां, के थम उननै जवाब दे सको, जो अपणे मन
की बजाये बाहरी रूप पै घमण्ड करै सै। 13 जै कोए कहवै के हम पागल सां, तो परमेसवर कै खात्तर,
अर जै श्याणे सा तो थारे खात्तर सां। 14 क्यूँके मसीह का प्यार हमनै मजबूर कर देवै सै। ज्यांतै के
हम न्यू समझां सां, के जिब एक माणस सारया कै खात्तर मरया तो सारे माणस मरगे। 15 अर मसीह
इस कारण सारे माणसां खात्तर मरया ताके जो जिन्दे सै, वे आग्गै तै अपणे खात्तर न्ही जीवै, पर
मसीह कै खात्तर जीवै, जो उनकै खात्तर मरया अर दुबारा जिन्दा होग्या।

[illegible]

16 इस करकै इब हमनै माणसां ताहीं दुनियावी नजरिये तै देखणा छोड़ दिया सै। हालाके एक
बखत था, जिब हमनै मसीह ताहीं भी दुनियावी नजरिये तै देख्या था, पर इब न्ही, क्यूँके इब हम उस
ताहीं जाणगे सां। 17 जै कोए मसीह म्ह बिश्वास करै सै, तो वो नयी जिन्दगी पा लेवै सै। पुराणा
सुभाव चल्या जावै सै, अर नया सुभाव आ जावै सै। 18 ये सारी बात परमेसवर की ओड़ तै सै, जिसनै
मसीह कै जरिये अपणे गेल्या म्हारा मेळ-मिलाप कर लिया सै, अर मेळ-मिलाप की सेवकाई का
काम म्हारै ताहीं सौंप दिया सै। 19 यानिके परमेसवर नै मसीह म्ह होकै अपणे गेल्या दुनिया का
मेळ-मिलाप कर लिया, अर माणसां के पापां का दोष उनपै न्ही लाया, अर याए बात मेळ-मिलाप
का सन्देस सै, जो परमेसवर नै म्हारै ताहीं सौंप दिया सै।

20 ज्यांतै, हम मसीह के राजदूत सां। परमेसवर म्हारै जरिये माणसां तै बिनती करण लाग रहया
सै। हम मसीह की ओड़ तै थारे तै बिनती करा सां, के परमेसवर कै गेल्या मेळ-मिलाप कर ल्यो।
21 मसीह जो पाप तै अनजाण था, उस्से ताहीं परमेसवर नै म्हारै खात्तर पापी ठहराया, ताके हम
परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बण जावां, क्यूँके यीशु मसीह नै म्हारे पापां का दण्ड अपणे उप्पर ले
लिया।

6

1 हम जो परमेसवर कै गैल काम करणीये सां, या बिनती करां सां, के उसका अनुग्रह जो थारे
पै होया, उसनै बेकार ना जाण द्यो। 2 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह परमेसवर नै कह्या सै, "सही बखत
पै मन्नै तेरी सुण ली, अर उद्धार कै दिन मन्नै तेरी मदद करी।" सुणो, इब्बे वो सही बखत सै; अर
आज ए वो उद्धार का दिन सै। 3 हम परमेसवर कै गैल काम करणीया के कारण, हम किसे बात म्ह
ठोक्कर खाण का कोए भी मौक्का कोनी देन्दे, ताके म्हारी सेवा पै कोए दोष ना आवै। 4 इस करकै
हम सारे हालातां म्ह खुद ताहीं परमेसवर के सच्चे सेवक के समान पेश करां सां, जिसा धीरज तै दुख
सहण म्ह, गरीबी म्ह, हर बखत संकट सहण म्ह, 5 अर कोड़े खाण म्ह, कैद होण म्ह, रोळे-रब्दयां
म्ह, मेहनत म्ह, जागदे रहण म्ह, ब्रत करण म्ह, 6 पवित्रता म्ह, ज्ञान म्ह, धीरज म्ह, करुणा तै,
पवित्र आत्मा तै, 7 सच्चे प्यार म्ह, सच कै वचन म्ह, परमेसवर की सामर्थ म्ह, हम धार्मिकता के
हथियारां नै सोळे हाथ तै लड़ण खात्तर अर ओळे नै बचाव खात्तर इस्तमाल करां सां। 8 जिब माणस
हमनै आच्छे या बुरे माणस कहवै, जिब वे म्हारी बड़ाई करै या अर बेजती करै, तो हम भकाण आळे
जिसे लाग्गा सां, तोभी सच्चे सां। 9 कई माणस हमनै अनजाणा कै बरगे समझै सै, तोभी हम मशहुर
सां, मरे होए बरगे दिक्खां सां पर देक्खो जिन्दे सां, मार खाण आळा कै बरगे सां पर जी तै कोनी मारे
जान्दे। 10 म्हारा पै भी दुख का बखत आवै सै, पर हम सारी हाण आनन्दित रहवां सां, हम खुद तो
कंगालां की तरियां सां, पर घणखरयां नै आत्मिक रूप तै साहूकार बणा देवां सां, हम इसे सा जिस
ढाळ म्हारै धोरै किमे कोनी, तोभी सारा किमे सै, येए सारी बात हमनै परमेसवर का सच्चा सेवक
बणण म्ह मदद करै सै।

11 हे कुरिन्थियों नगर के बिश्वासियों, हमनै खुलकै थारे तै बात करी सै, हम पूरे मन तै थारे तै
प्यार करां सां। 12 म्हारै मन म्ह थारे खात्तर प्यार कम न्ही होन्दा, पर थारा प्यार म्हारे खात्तर कम
होग्या। 13 पर मै अपणे बाळक जाणकै थारे तै कहूँ सूं, के थम भी उसकै बदले पूरे मन तै म्हारे तै
प्यार करो।

[illegible]

14 अबिश्वासियाँ कै गैल साझीदार ना बणो, क्यूँके धार्मिकता अर अधर्म का मेलजोल कोनी। या
चाँदणे अर अन्धकार की संगति कोनी होन्दी। 15 अर मसीह का शैतान कै गैल कोए रिश्ता कोनी
होन्दा, या बिश्वासी कै गेल्या अबिश्वासी का कोए नात्ता कोनी। 16 अर परमेसवर कै मन्दर म्ह
मूर्तियाँ का काम कोनी। क्यूँके हम तो जिन्दे परमेसवर के मन्दर सां, जिसा परमेसवर नै पवित्र
ग्रन्थ म्ह कह्या, "मै अपणे माणसां कै गैल रहूँगा, अर उन म्ह हान्डया-फिरया करुँगा, अर मै उनका
परमेसवर होऊँगा, अर वे मेरे माणस होवैंगें।" 17 ज्यांतै प्रभु अपणे वचनां के जरिये कहवै सै, "उन
माणसां के बिचाळै तै लिकड़ो जो परमेसवर ताहीं न्ही मानते, अर न्यारे रहो, अर अशुद्ध चिज्जां तै
कोए रिश्ता ना राक्खों, तो मै थमनै अपणाऊँगा। 18 अर मै थारा पिता होऊँगा, अर थम मेरे बेट्टे
अर बेटियाँ होओगे। यो सर्वशक्तिमान प्रभु का वचन सै।"

7

1 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिब हमनै वो वादा मिल्या सै, ताके हम परमेसवर की ऊलाद कुह्वावां,
तो आओ, हम अपणी देह अर आत्मा नै गंदा करण आळे सारे बुरे काम छोड़ द्या, अर परमेसवर का
भय मानते होए पूरी रीति तै अपणे-आपनै पवित्र करण की कोशिश करां।

[illegible]

2 थम म्हारे तै पूरे मन तै प्यार करो। हमनै ना किसे पै जुल्म करया, ना किसे गैल अन्याय करया,
अर ना किसे ताहीं ठग्या सै। 3 मै थमनै कसूरवार ठहराण कै खात्तर न्यू न्ही कहन्दा। क्यूँके मै

पैहल्याए तै कह चुक्या सूं, के हम थारे ताहीं पूरे मन तै प्यार करां सां, अर हम थारे गेल्या जीण-
मरण कै खात्तर भी त्यार सां। 4 मै थारे तै घणे बिश्वास कै गेल्या बोल्लण लागरया सूं, मन्नै थारे पै
घणा गर्व सै, मै बड़ा उत्साहित सूं। अपणे सारे क्लेश म्ह, मै आनन्द तै घणा भरपूर रहूँ सूं।

5 त्रोआस नगर तै जिब हम मकिदुनिया परदेस म्ह आये, फेर भी म्हारी देह नै चैन कोनी मिल्या,
पर हम चौगरदे तै क्लेश पावां थे, बाहरणै लड़ाई-झगड़े थे, म्हारे मन म्ह डरावणी बात थी। 6 तोभी
दुखियाँ ताहीं तसल्ली देणआळे परमेसवर नै तीतुस कै आण तै म्हारे ताहीं उत्साहित करया। 7 ना
सिर्फ उसके आण तै, पर उस उत्साह के जरिये भी, जो तीतुस नै थारे म्ह पाया, उसनै थारी लालसा,
थारे दुख, अर मेरै खात्तर थारी धुन की खबर म्हारै ताहीं सुणायी, जिसतै मन्नै और भी खुशी होई। 8 मै
पसताऊ कोनी, के मन्नै थारे ताहीं चिट्ठी लिखी, हालाकि मन्नै अपणी चिट्ठी तै थारे ताहीं दुखी
करया, मै पैहल्या तो पछताया, जिब मन्नै देख्या के थम मेरी चिट्ठी तै थोड़े बखत खात्तर तो उदास
होए सों। 9 पर इब मै खुश सूं, ज्यांतै न्ही के मन्नै थारे ताहीं दुख पोंहचाया, बल्के ज्यांतै के थमनै
उस दुख कै कारण पाप करणा छोड़ दिया, क्यूँके थम दुखी थे, जिसा परमेसवर चाहवै था, के म्हारी
ओड़ तै थमनै किसे बात का नुकसान ना पोहोचै। 10 क्यूँके परमेसवर की ओड़ तै मिलण आळा दुख,
पापां नै छोड़ण का कारण बणै सै, जिसका नतिज्जा छुटकारा सै, उस तरियां के दुख का पछतावा
कोनी होन्दा। पर दुनिया तै मिलण आळा दुख अनन्त मौत का कारण बणै सै। 11 इस करकै सुणो,
परमेसवर की ओड़ तै मिलण आळे दुख तै थम कितने गुणवाण बण गये, थारे म्ह कितना उत्साह,
जबाबदारी, रिस, भय, लालसा, धुन अर बदला लेण का विचार छोड़णा, थमनै सारी तरियां तै न्यू
साबित कर दिया सै, के थमनै इन सारी बात्तां म्ह कोए कमी कोनी छोड्डी। 12 फेर मन्नै पैहले जो
थारे धोरै वो चिट्ठी लिखी थी, वा ना तो उसकै कारण लिखी, जिसनै नाइंसाफी करी, अर ना उसकै
कारण जिसके साथ नाइंसाफी करी गई, पर ज्यांतै के थारा जोश जो म्हारै खात्तर सै, वो परमेसवर
कै स्याम्ही थारे पै जाहिर हो जावै।

13 ज्यांतै हमनै तसल्ली मिली, म्हारी तसल्ली तो तीतुस की खुशी के कारण सै, म्हारे ताहीं और
भी घणी खुशी होई क्यूँके उसका मन थारे कारण और भी ज्यादा खुशमिसाज होग्या सै। 14 क्यूँके जै
मन्नै उसकै स्याम्ही थारे बारै म्ह कुछ गर्व दिखाया, तो मै शर्मिन्दा कोनी होया, पर जिसा हमनै थारे
तै सारी बात सच-सच कह दी थी, उस्से तरियां ए म्हारा गर्व दिखाणा तीतुस कै स्याम्ही भी सच्चा
लिकड़या। 15 जिब तीतुस ताहीं थम सारया के आज्ञाकारी होण की बात याद आवै सै, अर किस ढाळ
थम डरदे अर काम्बदे होए उसतै मिले, तो उसका प्यार थारे खात्तर और भी बधता जावै सै। 16 मन्नै
घणी खुशी हो सै, क्यूँके मन्नै हरेक बात म्ह थारे पै पूरा भरोस्सा सै।

8

[illegible]

1 इब हे बिश्वासी भाईयो, हम थमनै परमेसवर के उस अनुग्रह की खबर देवां सां, जो मकिदुनिया
परदेस की कलीसिया के बिश्वासियाँ पै होया सै। 2 उनकी परख बड़ी मुसीबतां म्ह होवै सै, अर घणी
गरीब होण पै भी खुशी अर खुल्ले दिल तै दुसरे बिश्वासियाँ की मदद करी। 3 उनकै बारै म्ह मेरी या
गवाही सै, के उननै जितना दे सकै थे दिया, बल्के उसतै भी ज्यादा बढ़कै दिया। 4 उननै भोत ज्यादा
बिनती करी के यो दान उन बिश्वासी भाईयाँ म्ह बाटया जावै जो यरुशलेम नगर म्ह सै। 5 उननै
म्हारी सोच तै भी बढ़कै करया, उननै पैहल्या काम यो करया, के उननै अपणे-आप ताहीं परमेसवर के
खात्तर अर फेर म्हारे खात्तर अपणे-आप ताहीं भी दे दिया, जिसा के परमेसवर चाहवै था के वो इसा
करै। 6 ज्यांतै हमनै तीतुस तै बिनती करी, के जिस तरियां उसनै पैहल्या इस दान देण के काम की
शरुआत करी थी, उस्से तरियां ए वो इस सराहनीय काम ताहीं थारे बिचाळै पूरा भी करै ले। 7 ज्यांतै
जिसा थम हरेक बात म्ह यानिके बिश्वास, वचन प्रचार करण म्ह, ज्ञान अर सारी ढाळ की कोशिश

म्ह, अर उस प्यार म्ह जो म्हारै तै करो सो, बढ़दे जाओ सो, उस्से तरियां ए गरीब बिश्वासियाँ खात्तर
दान देण म्ह भी बढ़ते जाओ।
8 मै थमनै कोए हुकम कोनी देंदा, मै सिर्फ बाकियाँ के उत्साह तै थारे प्यार की सच्चाई नै परखण
लागरया सूं। 9 थम म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै अनुग्रह नै जाणो सो, के वो धनी होकै भी थारे खात्तर
कंगाल बण गया, ताके उसकै कंगाल हो जाण तै थम धनी हो जाओ। 10 पिच्छली साल थमनै दान
दिया बल्के दान देण की इच्छा म्ह आग्गै भी थे, इस बारें म्ह मै थमनै एक सलाह देणा चाहूँ सूं, के
दान देण का सब तै बढ़िया तरिक्का के सै? 11 जो काम थमनै शरु करया सै, उस ताहीं पूरा भी करो।
इस काम के खतम होण तक, इसे तरियां उत्साहित बणे रहों, जिस तरियां उसकी योजना तैयार करते
बखत थे। इस काम नै अपणी पूंजी अर काबलियत कै मुताबिक पूरा भी करो, जो इस बखत थारे धोरै
सै। 12 जै किसे की दान देण की इच्छा हो, तो जो कुछ उसकै धोरै सै, उस्से कै मुताबिक उसका दान
लिया जावैगा, ना के उसकै मुताबिक जो उसकै धोरै कोनी। 13 म्हारा मतलब यो कोनी के दुसरयां की
भलाई करण तै थम खुद दुख सहो, म्हारा मकसद सिर्फ सब कै साथ एक जिसा बरताव करो। 14 इस
बखत तो थारी बढ़ोतरी उनकी जरूरत पूरी करण कै खात्तर भोत सै, कदे यो भी हो सकै सै, के थमनै
खुद नै जरूरत पड़े अर वे अपणी बढ़ोतरी म्ह तै थारी मदद करै फेर दोन्नु पक्ष बरोबर हो जावैंगे।
15 जिसा के पवित्र ग्रंथ म्ह लिख्या सै, "जिसनै घणा कठ्ठा करया उसनै कुछ भी घणा न्ही पाया।
अर जिसनै घाट कठ्ठा करया उसनै कुछ कमी कोनी होई।"

[illegible]

16 परमेसवर का धन्यवाद होवे, जिसनै थारे खात्तर वाए चिंता तीतुस कै मन म्ह दे दी। 17 जिब
हमनै उस ताहीं थारे धोरै आण खात्तर बिनती करी, तो उसनै म्हारी बिनती मान ली, अर घणा
उत्साहित होकै वो अपणी मर्जी तै थारे धोरै चल्या गया। 18 हमनै उसकै गेल्या उस बिश्वासी भाई
ताहीं भी भेज्या सै, जिसका नाम सुसमाचार फैलाण के बारें म्ह सारी कलीसिया म्ह फैल्या होया सै।
19 अर इतणाए न्ही, पर वो कलीसिया के माणसां कै जरिये ठहराया भी गया, ताके इस दान कै काम
कै खात्तर म्हारै गेल्या जावै। हम दान देण की या सेवा यरुशलेम के बिश्वासियाँ ताहीं ज्यांतै करा
सां के प्रभु की महिमा अर सेवा करण म्ह म्हारै मन की त्यारी जाहिर हो जावै। 20 हम इस बात म्ह
चौक्कस रहवां सां के खुल्ले दिल तै दान देण की सेवा के इस काम कै बारै म्ह जो हम करा सां, कोए
म्हारै पै दोष ना लाण पावै। 21 क्यूँके जो बात सिर्फ प्रभु ए कै स्याम्ही न्ही, पर माणसां कै स्याम्ही
भी भली सै हम उननै आच्छी तरियां तै करां सां। 22 हमनै उसकै गेल्या अपणे एक और बिश्वासी
भाई ताहीं भी भेज्जा सै, जिस ताहीं हमनै बार-बार परख कै घणी बात्तां म्ह हौसलै आळा पाया सै;
पर इब थारे पै उसनै घणा भरोस्सा सै, इस कारण वो और भी घणा हौसलै आळा सै। 23 जै कोए
तीतुस के बारै म्ह बुझै, तो वो मेरा मित्तर अर थारे खात्तर मेरै गैल काम करणीया सै, अर जै कोए
म्हारै बिश्वासी भाईयाँ कै बारै म्ह बुझै, तो वे कलीसियाओं के भेज्जे होए अर मसीह नै महिमा देण
आळे सै। 24 इस करकै कलीसियाओं के बिश्वासियाँ स्याम्ही अपणे प्यार नै जाहिर करण के जरिये
साबित करो, के म्हारा थारे बारें म्ह गर्व करणा साच्चा सै।

9

[illegible]

1 मन्नै इब उन पवित्र माणसां नै जो यरुशलेम म्ह रहवै सै, उन ताहीं दान देण की सेवकाई कै
बारै म्ह लिखण की जरूरत कोनी। 2 क्यूँके मदद करण की थारी मन की लालसा नै मै पैहले तै ए जांणु
सूं, जिसकै कारण मै थारे बारै म्ह मकिदुनिया कलीसिया के बिश्वासी भाईयाँ कै स्याम्ही गर्व करुँ सूं,
के थम अखाया* परदेस के माणस एक साल पैहल्या तै दान देण खात्तर त्यार थे, अर थारे जोश नै
घणखरे मकिदुनिया परदेस के बिश्वासियाँ ताहीं भी दान देण खात्तर उत्साहित करया सै। 3 पर मै
थारे धोरै तीतुस अर दो बिश्वासी भाईयाँ नै भेज्जू सूं, के हमनै जो गर्व थारे बारै म्ह दिखाया, वो इस

* **9:2** 9:2 यूनान

बात म्ह बेकार ना ठहरै; पर जिसा मन्नै कह्या उसाए थम यरुशलेम के बिश्वासी भाईयाँ नै दान देण
खात्तर त्यार रहो। 4 इसा ना हो के जिब मकिदुनिया के कुछ बिश्वासी भाई मेरै गेल्या आवै अर वो
थमनै दान देण खात्तर त्यार न्ही पावै, तो हो सकै सै, के हम थारे पै भरोस्से करण के कारण शर्मिन्दा
होवां, पर थम म्हारे तै भी ज्यादा शर्मिन्दा होओगे। 5 ज्यांतै मन्नै बिश्वासी भाईयाँ तै या बिनती
करणा जरूरी समझया के वे पैहल्या तै थारे धोरै जावै, अर जो दान देण का वादा थमनै करया था,
उसका इन्तजाम कर ल्यो, जो थमनै कंजूसी तै न्ही पर खुल्ले दिल तै देण खात्तर कह्या।

[illegible]

6 पर बात या सै, जो थोड़ा-सा बोवै सै, वो थोड़ा-सा काट्टैगा भी, अर जो घणा बोवै सै, वो घणा
काट्टैगा। 7 हरेक माणस जिसा मन म्ह सोच्चै उसाए दान करै, ना कुढ़-कुढ़ कै अर मन म्ह दाब तै,
क्यूँके परमेसवर राज्जी होकै देण आळे तै प्यार करै सै। 8 परमेसवर इस योग्य सै, के वो थारे ताहीं
भोत-ए घणा अनुग्रह दे, ताके सब कुछ थमनै हर बात म्ह हर बखत पर्याप्त मात्रा म्ह मिलता
रहवै, अर हरेक भले काम कै खात्तर थारे धोरै भोत घणा होवै। 9 जिसा पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या
सै, "परमेसवर जरूरतमंदां नै खुल्ले दिल तै देवै सै, उसकी धार्मिकता सारी हाण बणी रहवै सै।"
10 परमेसवर ए सै जो किसानां नै बीज अर खाण खात्तर रोट्टी देवै सै। इस तरियां परमेसवर हमेशा
थारे खात्तर धन देवैगा, ताके थम उन माणसां की मदद कर सकों जिन ताहीं धन की जरूरत सै।
11 थम हरेक तरियां तै आशीष पाओ, ताके थम खुल्ले दिल तै दे सकों, अर जिब थारा दान गरीब
माणसां म्ह बाटया जावै तो वे सारे परमेसवर का धन्यवाद करै। 12 क्यूँके इस दान की सेवकाई तै ना
सिर्फ पवित्र माणसां की जरूरत पूरी होवै सै, पर भोत-से लोग भी दिल तै परमेसवर का धन्यवाद
करै सै। 13 क्यूँके इस दान की सेवकाई नै सबूत मानकै, वे परमेसवर की महिमा करैंगें, क्यूँके थमनै
मसीह कै सुसमाचार के हुकम नै मानकै उस ताहीं अपणाया सै, अर गरीब बिश्वासियाँ की मदद
खुल्ले दिल तै करी सै। 14 अर वे थारे खात्तर परमेसवर तै प्रार्थना करै सै। वे थारे तै प्यार करै सै,
क्यूँके वे जाणै सै, के परमेसवर नै थारे पै बड़ा अनुग्रह करया सै। 15 परमेसवर का उसकै उस दान कै
खात्तर धन्यवाद हो। जिस ताहीं हम ब्यान न्ही कर सकदे।

10

[illegible]

1 मै पौलुस, थारे ताहीं मसीह की दयालुता अर नम्रता कै साथ बिनती करुँ सूं, हालाके मन्नै
अहसास सै के थमनै इसा लाग्गै सै, के आम्नै-साम्नै बात करण म्ह डरपोक सूं, अर सिर्फ चिट्ठी
लिखकै शिक्षा देण म्ह ए साहसी सूं। 2 मै थारे तै या बिनती करुँ सूं, के जिब मै थारे धोरै आऊँ तो
मन्नै उन माणसां तै कड़ाई तै बात ना करणी पड़ै, जो ये सोच्चै सै के हम दुनियावी तौर तरिक्कां
कै मुताबिक चाल्लण आळे सां। 3 हालाके हम इस दुनिया म्ह रहवां सां, पर हम इस दुनिया के
बाकी माणसां की ढाळ लड़दे-झगड़ते कोनी। 4 हम इन्सानी विचारां अर झूठ्ठी बहसबाजी नै नाश
करण खात्तर दुनियावी हथियारां का न्ही पर परमेसवर के ताकतवर हथियारां का इस्तमाल करां सां।
5 हम इन्सानी बहस-बाजी की बजह तै आण आळी हरेक रुकावट नै दूर कर देवां सां, जो माणसां नै
परमेसवर तै दूर राक्खै सै, हम उनकी बिद्रोही भावना नै कैद करकै मसीह का आज्ञाकारी बणा देवां
सां, 6 अर जिब वे पूरी रीति तै मसीह के हुकम नै मानण आळे बण जावै सै, तो हम मसीह यीशु के
हुकम नै ना मानण आळा ताहीं दण्ड देवां सां।

7 थम बाहरी दिखावट पै ध्यान देओ सों। जै किसे माणस नै खुद पै यो भरोस्सा हो के वो मसीह
यीशु का सै, तो वो यो भी जाण ले के जिसा वो मसीह यीशु का सै, उस्से तरियां हम भी मसीह यीशु
के सां। 8 क्यूँके जै मै उस हक कै बारै म्ह और भी गर्व करुँ, जो प्रभु नै थारे बिश्वास ताहीं घटाण
खात्तर न्ही पर थारे बिश्वास नै बढ़ाण खात्तर म्हारै ताहीं दिया सै, तो मै शर्मिन्दा न्ही होऊँगा। 9 मै
अपणी चिट्ठियाँ कै जरिये थमनै डराण की कोशिश न्ही करदा। 10 क्यूँके थारे म्ह तै कई माणस कहवै

सै, "की मेरी सारी चिट्ठी तो भोत कठोर अर असरदार सै; पर जिब मै आम्नै-साम्नै मिलु सूं, तो मै
कमजोर अर बोल्लण म्ह बेकार लाग्गू सूं।" 11 जो इसा कहवै सै, वो न्यू समझ लेवै के जिसा पीठ
पाच्छै चिट्ठियाँ म्ह म्हारे सन्देस सै, उस्से तरियां ए थारे स्याम्ही म्हारे काम भी होवैंगें। 12 क्यूँके
म्हारै म्ह या हिम्मत कोनी के हम अपणे-आपनै उन म्ह गिण्या अर मिलावां, जो अपणी बड़ाई खुद
करै सै, अर अपणे-आप ताहीं आप्पस म्ह नाप-तौलकै एक-दुसरे तै बरोबरी करकै बेकूफ ठहरावै सै।
13 हम तो उस काम की हद तै बाहरणै घमण्ड कदे भी न्ही करागें, जो काम परमेसवर नै म्हारे ताहीं
दिया सै, पर उस्से हद तक जो परमेसवर नै म्हारै खात्तर ठहरा दी सै, अर उस म्ह थम भी आगे सो,
अर उन काम्मां की हद म्ह ए घमण्ड करागें। 14 जिब हम पैहली बार थारे धोरै पोहचे तो हम घमण्ड
करण म्ह उस हद नै न्ही लांघे जित्त परमेसवर नै म्हारे ताहीं काम करण खात्तर ठहराया था। उसनै
म्हारे ताहीं थारे इलाके म्ह काम करण खात्तर ठहराया था, अर हम थारे ताहीं मसीह का सुसमाचार
सुणाण आळे पैहले माणस सां। 15 अर हम हद तै बाहरणै दुसरयां की मेहनत पै घमण्ड न्ही करदे; पर
हमनै आस सै के ज्यों-ज्यों थारा बिश्वास बधता जावैगा त्यों-त्यों हम अपणी हद कै मुताबिक थारे
कारण और भी माणसां ताहीं मसीह का सुसमाचार सुणा पावांगें। 16 ताके हम थारी इलाके की हद
तै परै दूर-दूर जगहां म्ह भी माणसां ताहीं सुसमाचार सुणावां, अर न्यू न्ही के हम दुसरयां की हद कै
भीत्तर बणे बणाए काम्मां पै घमण्ड करा। 17 पर जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै,
जै कोए घमण्ड करै, तो वो प्रभु पै घमण्ड करै।
18 क्यूँके जो अपणी बड़ाई करै सै वो न्ही, पर जिसकी बड़ाई प्रभु करै सै, वोए प्रभु की निगांह
म्ह सही कुह्वावै सै।

11

[illegible]

1 थम उन माणसां की सह ल्यो सों जो अपणी खुद की बड़ाई करते रहवै सै, इस करकै मै सोच्चु
सूं, के थम मेरी भी सह ल्योगे जै मै थोड़ा सां बेकुफां के जिसा बरताव करुँ, हाँ, मेरी सह भी ल्यो
सो। 2 क्यूँके मै थारे तै प्यार करुँ सूं, अर थारा ख्याल भी राक्खूँ सूं, जिसा परमेसवर राक्खै सै। थम
एक पवित्र कुवारी के समान सों, जिसकी सगाई मन्नै सिर्फ मसीह यीशु तै करण की, अर उस्से
ताहीं सौंपण का वादा करया सै। 3 पर मै डरुँ सूं के जिस तरियां तै साँप नै अपणी श्याणपत तै पैहली
बिरबान्नी हव्वा ताहीं भकाया, उस्से तरियां ए थारे मन उस सीधाई अर पवित्रता तै जो मसीह कै
साथ चालण तै आवै सै, उसतै कदे बहक न्ही जाओ। 4 जै कोए थारे धोरै आकै किसे दुसरे यीशु का
प्रचार करै, जिसका प्रचार हमनै न्ही करया; या कोए और आत्मा थमनै मिलै, जो पैहल्या ना मिला
था; या और कोए सुसमाचार सुणावै, जिस ताहीं थमनै पैहल्या न्ही मान्या था, तो थम इसनै खुशी
तै स्वीकार कर लेते। 5 मै तो समझूँ सूं के मै किसे बात म्ह बड़े तै बड़े प्रेरितां तै घाट न्ही सूं। 6 जै मै
बोल्लण मै अनाड़ी सूं, तोभी मन्नै सुसमाचार अर मसीह का ज्ञान सै। मन्नै थारे ताहीं जो भी ज्ञान
सिखाया सै, वो ज्ञान मन्नै थारे ताहीं साबित करकै दिखाया सै।
7 इस करकै मन्नै थारे खात्तर परमेसवर के सुसमाचार का प्रचार मुफ्त म्ह करया, के थारे ताहीं
ऊँच्चा करण के मकसद तै मेरा खुद ताहीं नरम बणा लेणा मेरा अपराध था? 8 मन्नै दुसरी कलीसिया
तै दान कठ्ठा करया, ताके मै हर कीमत पै थारी मदद कर सकूँ, थम इस ताहीं चोरी करणा ना कहों।
9 अर जिब मै थारे गेल्या था, अर मेरे ताहीं पईसा की कमी होई, तो मन्नै किसे पै बोझ न्ही गेरया,
क्यूँके बिश्वासी भाईयाँ नै मकिदुनिया परदेस तै आकै मेरी जरूरत नै पूरा करया, अर मन्नै हरेक
बात म्ह अपणे-आप ताहीं थारे पै बोझ बणण तै रोक्या, अर रोक्के रहूँगा। 10 जै मसीह की सच्चाई
मेरै म्ह सै, तो अखाया परदेस म्ह कोए मन्नै इस घमण्ड तै न्ही रोकैगा। 11 मन्नै थारे तै पईसा न्ही
लिया, क्यूँके इस खात्तर न्ही, के मै थारे तै प्यार कोनी करदा? परमेसवर नै न्यू बेरा सै, के मै थारे तै
प्यार करुँ सूं।

12 मै थारे तै आर्थिक मदद कोनी ल्यु, ताके मै उन माणसां नै घमण्ड करण तै रोक सकूँ, जो या
कहवै सै के हम भी परमेसवर की सेवा करां सां, जिसी थम करो सों। 13 क्यूँके इसे माणस झूठ्ठे
प्रेरित, अर छळ तै काम करण आळे सै, अर मसीह के प्रेरित होण का झूठ्ठा दावा करै सै। 14 या
किमे अचम्भे की बात कोनी क्यूँके शैतान खुद भी ज्योतिर्मय सुर्गदूत का रूप धारण करै सै। 15 इस
करकै जै उसकै सेवक भी धर्म के सेवकां का सा रूप धरै, तो कोए बड्डी बात कोनी, पर उनका अन्त
उनकै काम्मां कै मुताबिक होवैगा।

[illegible]

16 मै फेर कहूँ सूं के, कोए मन्नै बेकूफ ना समझै, न्ही तो बेकूफ ए सोचकै मेरी सह ल्यो, ताके
माड़ा-सा मै भी घमण्ड कर सकूँ। 17 बेधड़क कहे होडी मेरी बात प्रभु की ओड़ तै कोनी, ये तो एक
बेकूफ की घमण्ड म्ह कहे होडी बात सै। 18 जिब के घणखरे माणस तो अपणे दुनियावी जीवन पै
घमण्ड करै सै, तो मै भी घमण्ड करुँगा। 19 थम तो श्याणे होकै खुशी तै बेकूफ की सह लेओ सों।
20 क्यूँके जिब थमनै कोए गुलाम बणा लेवै सै, या जो भी थारे धोरै सै सब ले लेवै सै, या फँसा लेवै
सै, या अपणे-आपनै बड्ड़ा बणावै सै, या थारे मुँह पै थप्पड़ मारै सै, तो थम सह लेओ सो। 21 के थम
न्यू सोच्चों सों, के मन्नै शर्मिन्दा होणा पड़ैगा क्यूँके मन्नै यो काम कोनी करया। पर जिस किसे बात
म्ह कोए हिम्मत करै सै, मै बेकूफी तै कहूँ सूं, तो मै भी हिम्मत करुँ सूं।

22 के वे इब्रानी सै? मै भी इब्रानी सूं। के वे इस्राएली सै? मै भी इस्राएली सूं। के वे अब्राहम
के वंशज सै? मै भी अब्राहम का वंशज सूं। 23 के वैए मसीह के सेवक सै--मै बेकूफ कै तरियां कहूँ
सूं-मै उनतै बाध सूं! मन्नै उनतै घणी मेहनत करी सै, उनतै घणा बार-बार कैदी बण्या सूं, अनगणित
बार पिटया गया सूं, कई बार मेरी जान संकट म्ह पड़ी। 24 पाँच बर मन्नै यहूदी अगुवां कै हाथ
तै उन्तालीस कोड़े खाए। 25 तीन बर मन्नै बैत खाई; एक बर मेरै पै पत्थर बरसाए गये; तीन बर
जहाज, जिसपै मै चढ़या था, टूट गए; एक दिन अर एक रात मन्नै समुन्दर म्ह काटया। 26 बार-बार
मन्नै सफर करणा पडया। कदे नदियाँ के, कदे डाकुआं के, कदे अपणे देशवासियाँ के, कदे नगरां के,
जात आळा तै, कदे गैर यहूदियाँ तै, कदे जंगळां के कदे समुन्दरां के, कदे झूठ्ठे बिश्वासी भाईयाँ कै
बिचाळै जोख्मां म्ह रहया। 27 मन्नै कई रात जाग के, भूक्खा-तिसाया रहकै, जाड्डे म्ह; उघाड़ा रह
के, करड़ी मेहनत करी अर भोत सी मुसीबत सहण करी सै। 28 इन सारी मुसीबतां के अलावा रोज
मेरे पै सारी कलीसियां की भलाई अर फिक्र का बोझ बण्या रहवै सै। 29 जिब कोए कलीसियां म्ह
कमजोर हो सै, तो मै अपणे-आपनै कमजोर महसूस करुँ सूं, मै दुखी हो जाऊँ सूं, जिब कोए किसे तै
पाप करवावै सै।

30 जै घमण्ड करणा जरूरी सै, तो मै अपणी कमजोरी की बात्तां पै घमण्ड करुँगा। 31 परमेसवर,
जो यीशु का पिता सै, वो सदा धन्य सै, वो जाणै सै के मै झूठ न्ही बोल्दा। 32 जिब मै दमिश्क नगर
म्ह था, तो अरितास राजा के राज्यपाल नै मेरे ताहीं कैदी बणाण के मकसद तै नगर म्ह पैहरा बिठा
दिया था। 33 अर मै टोकरे म्ह बैठकै खिड़की म्ह तै होकै भीत पै तै तारया गया, अर उसकै हाथ तै
बच लिकड़या।

12

[illegible]

1 ऊतो घमण्ड करणा मेरै खात्तर ठीक कोनी तोभी करणा पड़ै सै; ज्यांतै मै प्रभु के दिए होए
दर्शनां अर प्रकाशनां का जिक्र करुँगा। 2 मै मसीह म्ह एक माणस* नै जांणु सूं; जिसनै चौदहा
साल हो लिए, मै न्ही जाणदा के वो माणस देह म्ह था, या फेर आत्मा म्ह था, सिर्फ परमेसवर ए
जाणै सै, इसा माणस सबतै ऊँच्चे सुर्ग म्ह ठा लिया गया। 3 मै उस्से बात नै दोहराऊ सूं, मै न्ही
जाणदा, के इसा होया था या फेर यो एक दर्शन था, परमेसवर ए जाणै सै। 4 के वो सुर्गलोक पै ठा

* **12:2** 12:2 यो माणस पौलुस ए था जो अपणी बड़ाई न्ही करणा चाहवै था

लिया गया, अर ओड़ै उसनै इसी अदभुत बात सुणी, जिनका जिक्र करणा किसे भी माणस के बस
का कोनी, वे बात दुसरे माणसां ताहीं बताणा मना सै। 5 इसे माणस पै तो मै घमण्ड करुँगा, पर अपणे
पै अपणी कमजोरियाँ नै छोड़, अपणे बारै म्ह घमण्ड न्ही करुँगा। 6 क्यूँके जै मै घमण्ड करणा चाहूँ
भी तो बेकूफ न्ही बणुगाँ, क्यूँके सच बोल्लूँगा; मै अपणी बड़ाई न्ही करणा चाहन्दा, इसा ना होवै
के जिसा कोए मन्नै देक्खै सै या मन्नै सुणै सै, मन्नै उसतै बाध समझै। 7 मेरे ताहीं परमेसवर नै
जो अदभुत बात दिखाई सै, उन ताहीं देखकै मै घमण्ड म्ह ना जाऊँ, इस करकै मेरी देह म्ह काण्डा
चुभाया, यानिके शैतान का एक दूत मेरै घुस्से मारे ताके मै फूल न्ही जाऊँ। 8 इसकै बारै म्ह मन्नै
प्रभु तै तीन बर बिनती करी के मेरै तै यो दूर हो जावै। 9 पर उसनै मेरै तै कह्या, "मेरा अनुग्रह तेरे
खात्तर भोत सै, क्यूँके मेरी सामर्थ कमजोरी म्ह सिध्द होवै सै।" ज्यांतै मै घणा राज्जी होकै अपणी
कमजोरी पै घमण्ड करुँगा के मसीह की सामर्थ मेरै पै छाया कर दी रहवै। 10 इस कारण मै मसीह
के खात्तर कमजोरियाँ म्ह, अर बुराईयाँ म्ह, गरीबी म्ह, अर रोळयां म्ह, अर संकटां म्ह राज्जी सूं;
क्यूँके जिब मै कमजोर होऊँ सूं, तभी मै मसीह की शक्ति म्ह मजबूत होऊँ सूं।

[illegible]

11 मै बेकूफ तो बण्या, पर थमनै ए मन्नै न्यू करण कै खात्तर मजबूर करया। थमनै तो मेरी बड़ाई
करणी चाहिये थी, क्यूँके ऊतो मै किमे भी कोनी, तोभी उन बडचा तै बड़े प्रेरितां तै किसे बात म्ह
घाट कोनी सूं। 12 सच्चे प्रेरित के लक्खण भी थारे बिचाळै सारे ढाळ के धीरज सुधा निशान्नां, अर
अनोक्खे काम्मां, अर सामर्थ के काम्मां तै दिखाए गये। 13 थम कौण-सी बात म्ह दुसरी कलीसियां
तै घाट थे, सिर्फ इस म्ह के मन्नै थारे पै आर्थिक बोझ कोनी गेरया। मेरा यो अपराध माफ करो।
14 देक्खो, मै तीसरी बर थारे धोरै आण नै त्यार सूं, अर मै थारे तै कोए मदद न्ही ल्यूँगा, क्यूँके मै
थारी सम्पत्ति न्ही बल्के थमनै ए चाहूँ सूं। क्यूँके बाळकां नै माँ-बाप कै खात्तर धन कठ्ठा न्ही करणा
चाहिये, पर माँ-बाप नै बाळकां कै खात्तर धन कठ्ठा करणा चाहिये। 15 थारी आत्मा के भले खात्तर
मै पक्का अपणा सब कुछ खर्च करण खात्तर तैयार सूं, बल्के आप भी खर्च हो जाऊँगा। मै थारे तै
प्यार करुँ सूं, पर थम मेरै तै भोत कम प्यार करो सों। 16 कुछ भी हो, मै थारे पै बोझ कोनी बण्या।
फेर भी कोए नै कोए मेरे पै यो दोष जरुर लगा सकै सै, के मन्नै श्याणपत तै थारे ताहीं धोक्खा
देकै फँसा लिया। 17 मन्नै ना ए तो तीतुस अर ना ए किसे और के जरिये अपणे खात्तर थारे तै पईसे
लिये। 18 मन्नै तीतुस ताहीं समझाकै उसकै गेल्या उस भाई ताहीं भेज्या। के तीतुस नै छळ करकै
थारे तै किमे लिया? के म्हारा सुभाव एक ए तरियां तै प्रेरित का न्ही था? के हम उनकी ए लीक† पै
न्ही चाल्ले?

19 थम इब भी योए समझरे सों, के हम थारे स्याम्ही बदले म्ह जवाब देण लागरे सां। हम तो
परमेसवर नै हाजर जाणकै मसीह म्ह बोल्लां सां, हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, हम ये सारी बात थमनै
बिश्वास म्ह मजबूत करण खात्तर कह्वां सां। 20 क्यूँके मन्नै इस बात का डर सै, कदे इसा ना हो के
मै आकै जिसा चाहूँ सूं, उसाए थमनै पाऊँ; अर मन्नै भी जिसा न्ही चाहो सो उसाए पाओ; मन्नै
इस बात का डर सै के ओड़ै झगड़ा, जळण, छो, उदासी, बिरोध, चुगली, घमण्ड अर बखेड़े ना हों;
21 कदे इसा ना हो के जिब मै दुबारा आऊँ, तो मेरा परमेसवर मेरै ताहीं अपमानित करै। अर मन्नै
घणखरयां खात्तर फेर दुखी होणा पड़ै, जिन नै पैहल्या पाप करया था। अर भुन्ड़े काम अर जारी अर
लुचपण के कारण पाप करणा न्ही छोडचा।

13

[illegible]

1-2 पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, के दो या तीन गवाहां कै मुँह तै हरेक बात सच साबित हो जावै
सै। जिब मै दुसरी बार थारे तै मिलण आया था, तो मन्नै उन माणसां ताहीं चेतावनी देई, जो पैहल्या

† **12:18** 12:18 नक्शे-कदम पै

तै पाप करण लागरे थे। इब मन्नै दुसरी बार चिट्ठी लिख के थारे ताहीं अर दुसरे बाकी माणसां तै
भी चेतावनी देकै कह्या के वे पाप ना करै। इब मै तीसरी बार थारे धोरै आण आळा सूं, अर जै इब भी
उन माणसां नै पाप करणा न्ही छोड्या सै, तो कोए भी उननै परमेसवर के दण्ड तै बचा न्ही पावैगा।
3 मन्नै थारे तै कह्या सै, के उन ताहीं दण्ड मिलैगा पर फेर थम सबूत चाहों सों, के ये बात मै मसीह
के जरिये बोल्लू सूं। अर जिब मसीह थारे ताहीं सुधारैगा तो थारे खात्तर कमजोर न्ही पर थारे बीच
म्ह सामर्थी होगा। 4 वो कमजोर होते होए क्रूस पै चढ़ाया तो गया, तोभी परमेसवर की सामर्थ तै
जिन्दा होया। हम भी तो मसीह के समान कमजोर सां, पर थारे खात्तर परमेसवर की सामर्थ तै हम
उसकै साथ जीवांगें।

5 अपणे-आप ताहीं परखो, के बिश्वास म्ह सच्चे सां के न्ही। जै थम अपणे-आपनै सच्चा पाओ,
तो थम इस बात नै जाण ल्योगे, के यीशु मसीह थारे म्ह वास करै सै। अर जै मसीह थारे म्ह वास न्ही
करदा तो थम अपणे परखे जाण म्ह हारगे सों। 6 पर मेरी आस सै के थम या जाण ल्यो, के थम अपणे
परखे जाण म्ह न्ही हारे। 7 भलाए थारे म्ह तै कईयाँ नै यो लाग्गै सै के हम सच्चे प्ररित कोनी। फेर
भी हम अपणे परमेसवर तै या प्रार्थना करा सां के थम कोए बुराई ना करो, बल्के भलाई करो। 8 जै
हम सच्चाई के बिरोध म्ह हम कुछ भी न्ही कर सकदे। हम सच के पक्षधर ए रह सकां सै। 9 जिब
हम कमजोर सां अर थम ठाड्डे सों, तो हम राज्जी होवां सां, अर या प्रार्थना भी करा सां, के थम
बिश्वास म्ह सिध्द हो जाओ। 10 इस करकै मै थारे तै दूर रहकै ये सारी बात लिखूँ सूं, के ओड़ै आण
पै, मन्नै प्रभु के जरिये दिए गये हक तै मन्नै थारे ताहीं दण्ड देणा ना पड़ै, क्यूँके मै इस हक ताहीं
थारे बिश्वास ताहीं मजबूत करण खात्तर इस्तमाल करणा चाहूँ सूं, ना के थारे बिश्वास नै कमजोर
करण खात्तर। 11 हे बिश्वासी भाईयो, आखर म्ह मै थारे तै कहणा चाहूँ सूं, के आनन्दित रहों, सिध्द
बणदे जाओ, अर एक-दुसरे नै उत्साहित करो, एक ए मन रहों, मिल-जुल के रहों। अर प्यार अर
शान्ति का देण आळा परमेसवर थारे गेल्या होवैगा। 12 आप्पस म्ह एक-दुसरे तै गळे मिलकै प्यार
तै नमस्कार करो। 13 सारे पवित्र माणस थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 14 प्रभु यीशु मसीह का
अनुग्रह अर परमेसवर का प्यार अर पवित्र आत्मा का साझ्झापण थारे सारया कै गैल होंदा रहवै।

गलातियां परदेस ताहीं पौलुस की चिट्ठी

[illegible]

जिब यीशु के सुसमाचार का प्रचार अर गैर यहूदी माणसां के बीच म्ह होण लाग्या, तो यो सवाल उठ्या के एक साच्चा बिश्वासी होण खात्तर एक माणस नै मूसा के नियम-कायदा का पालन करणा जरूरी सै या न्ही। पौलुस यो विचार पेश कर सै, के यो जरूरी कोनी। वो कहवै सै के सच म्ह मसीह जीवन का एकमात्र ठोस आधार बिश्वास सै। उसकै जरिये सारे माणसां का परमेसवर के साथ रिश्ता सुधरै सै। पर एशिया माइनर म्ह एक रोमी देश के गलातिया परदेस की कलीसियाओं के माणसां नै पौलुस का बिरोध अर दावा करया, के परमेसवर के साथ सही रिश्ता कायम करण खात्तर एक माणस का मूसा के नियम-कायदा का पालन करणा भी जरूरी सै। गलातियो के नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी इस खात्तर लिखी गई थी, ताके वे माणस जो गलत शिक्षा तै बहक गये थे, उननै सच्चे बिश्वास अर बरताव म्ह उल्टा ल्या जावै। पौलुस इस चिट्ठी की शरुआत यीशु मसीह का एक प्रेरित होण के, अपणे दावे कै साथ करै सै। वो इस बात पै जोर देवै सै, के एक प्रेरित होण खात्तर उसका बुलावा परमेसवर की ओड़ तै सै, ना के किसे माणस की ओड़ तै, अर उसका मकसद खासकर गैर-यहूदियों म्ह सुसमाचार प्रचार करणा सै। फेर वो यो विचार देवै सै के सिर्फ बिश्वास के जरिये माणसां का परमेसवर गैल रिश्ता सुधर सकै सै। आखरी पाठां म्ह पौलुस यो दिखावै सै, के मसीह पै बिश्वास करण तै जो प्रेम पैदा होवै सै, वोए मसीह माणसां का चाल-चलण सै।

रूप-रेखा

भूमिका 1:1-10
प्रेरित के रूप म्ह पौलुस का हक 1:11-2:21
परमेसवर के अनुग्रह का सुसमाचार 3:1-4:31
मसीह आजादी अर जिम्मेदारी 5:1-6:10
समापन 6:11-18

[illegible]

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, मै प्रेरित होण कै खात्तर बुलाया गया सूं। मेरा प्रेरित
होणा किसे माणस या माणसां की ओड़ तै न्ही बल्के यीशु मसीह के जरिये होया सै, जिस ताहीं पिता
परमेसवर नै मरे होए म्ह तै जिवाया। 2 या चिट्ठी गलातिया परदेस की कलीसियाओं कै खात्तर, उन
सारे बिश्वासी भाईयाँ की ओड़ तै सै, जो मेरै गेल्या सै। 3 मै प्रार्थना करुँ सूं, के परमेसवर पिता अर
म्हारे प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। 4 म्हारे परमेसवर अर
पिता की मर्जी के मुताबिक मसीह यीशु नै अपणे-आप ताहीं म्हारे पापां के कारण बलिदान कर दिया
ताके हम आज की दुनिया के माणसां के बुरे असर तै बचे रहवां। 5 परमेसवर का गुणगान अर बड़ाई
युगायुग होंदी रहवै। आमीन।

[illegible]

6 मन्नै अचम्भा होवै सै के परमेसवर नै थारे ताहीं मसीह के अनुग्रह तै बुलाया उसतै थम इतनी
तावळे भटक कै अलग ए तरियां के सुसमाचार पै बिश्वास करण लाग्गे। 7 सच्चा सुसमाचार एके सै,
जो के मसीह का सै, पर बात या सै, के कुछ लोग इसे सै जो मसीह के सुसमाचार नै बदलना चाहवै
सै, अर थमनै भरमाणा चाहवै सै। 8 पर जै म्हारे म्ह तै, या सुर्ग तै उतरया होया कोए सुर्गदूत भी उस
सुसमाचार नै छोड़ जो हमनै थारे ताहीं सुणाया सै, कोए अलग सुसमाचार थारे ताहीं सुणावै, तो
परमेसवर उस ताहीं श्राप देगा। 9 जिसा हमनै पैहल्या कह्या सै, उसाए मै इब फेर कहूँ सूं के उस
सुसमाचार नै छोड़ जिस ताहीं थमनै मान्या सै, जै कोए अलग सुसमाचार सुणावै सै, तो श्रापित

हो। 10 मै माणसां नै खुश करण की कोशिश न्ही करदा, पर परमेसवर नै खुश करण की कोशिश करुँ
सूं, जै मै इब लग माणसां नै खुश करदा रहन्दा तो मसीह का दास न्ही होंदा।

[illegible]

11 हे बिश्वासी भाईयो, मै थमनै बता द्यु सूं, के जो सुसमाचार मन्नै सुणाया सै, वो माणस के जरिये
बणाया गया कोन्या। 12 क्यूँके वो मन्नै मेरे पूर्वजां, की ओड़ तै न्ही पोंहच्या, अर ना माणसां के जरिये
सिखाया गया, पर यीशु मसीह नै सुसमाचार समझण म्ह मेरी मदद करी। 13 थमनै सुणा होगा के
यहूदी पंथ म्ह जो मेरा चाल-चलण था वो किसा था, मै परमेसवर की कलीसिया के बिश्वासियाँ
ताहीं घणा काल अर उन ताहीं नाश करण की कोशिश करया करुँ था। 14 अर मै यहूदी मत म्ह
अपणे पूर्वजां की शिक्षा का अध्यन करण अर उन ताहीं मानण म्ह अपणे हम उम्र के यहूदियाँ म्ह
भोत उत्सुक था। 15-16 पर परमेसवर की जिब इच्छा होई के वो मेरे पै अपणे बेट्टे नै जाहिर करै के
मै गैर यहूदियाँ म्ह उसका सुसमाचार सुणाऊँ, उसनै मेरे ताहीं मेरी माँ की कोख म्ह ए चुण लिया, अर
अपणे अनुग्रह तै मेरे ताहीं बुला लिया था। तो मन्नै किसे की राय कोनी ली, 17 अर ना यरुशलेम
म्ह उनकै धोरै ग्या जो मेरै तै पैहल्या प्रेरित चुणे गये थे, पर जिब्बे अरब देश म्ह चल्या गया अर फेर
ओड़ै तै दमिश्क नगर म्ह बोहड़ ग्या। 18 फेर तीन साल के पाच्छै मै पतरस* जो प्रेरित सै उसतै
मिलण खात्तर यरुशलेम ग्या, अर उसकै धोरै पन्द्रह दिन तैई रह्या। 19 पर मै प्रभु यीशु मसीह
के भाई याकूब नै छोड़ और किसे प्रेरित तै न्ही मिल्या। 20 परमेसवर मेरा गवाह सै के मन्नै थारे
ताहीं जो लिख्या सै उस म्ह कुछ भी झूठ कोनी। 21 उन प्रेरितां के मिलण कै बाद मै सीरिया अर
किलिकिया के परदेसां म्ह आया। 22 पर यहूदिया परदेस की कलीसियां के बिश्वासी भाईयाँ नै जो
मसीह म्ह बिश्वास करै थे, उननै मेरा मुँह कदे न्ही देख्या था, 23 पर न्यूए सुण्या करै थे के एक बखत
था जो हमनै सताण आळा था, इब वोए उस बिश्वास का सुसमाचार सुणावै सै जिसनै पैहल्या नाश
करै था। 24 अर वे मेरै बारै म्ह परमेसवर की बड़ाई लगातार करै थे।

2

[illegible]

1 चौदहा साल कै पाच्छै मै बरनबास के गेल्या फेर यरुशलेम नगर म्ह ग्या, अर तीतुस नै भी
गेल्या लेग्या। 2 मै इस खात्तर ओड़ै गया क्यूँके परमेसवर नै मेरे ताहीं ओड़ै जाण खात्तर कह्या था,
अर जिब मै ओड़ै था तो मै कलीसिया के अगुवां तै एकान्त म्ह मिला, अर उस सुसमाचार के बारें
म्ह उन ताहीं बताया, जो मै गैर यहूदियाँ म्ह प्रचार करुँ सूं, ताके इसा ना हो के जो मन्नै पैहले
अर जो इब भी करण लागरया सूं, उसका कोए नतिज्जा ना लिकड़ै। 3 पर तीतुस जो मेरा संगी
साथी सै अर जो यूनानी सै, उसका कदे खतना कोनी होया पर कलीसिया के अगुवां नै जो यरुशलेम
म्ह सै उस ताहीं अपणालिया, अर उननै उस ताहीं खतना कराण खात्तर मजबूर कोनी करया। 4 तो
या बात एक समस्या बणगी, उन झूठ्ठे भाईयाँ* के कारण होया जो चोरी तै घुस आये थे, के उस
आजादी का जो मसीह यीशु म्ह हमनै मिली सै, भेद लेकै हमनै यहूदी नियम-कायदा के दुबारा तै
दास बणा दे। 5 उनकै साथ एक पल भी हमनै सहमत होणा न्ही चाह्या, ताके थम सुसमाचार की
सच्चाई के मुताबिक जिन्दगी जिओ। 6 उन कलीसिया के अगुवां ताहीं जो यरुशलेम नगर म्ह थे,
उननै मेरे ताहीं मजबूर कोनी करया, के मै अपणे सन्देस नै बदलु, जो मै थमनै सिखाऊँ सूं। इसतै
कोए फर्क कोनी पड़ता, के वो अगुवें मेरे खात्तर के सै, क्यूँके परमेसवर बाहरी रूप नै देखकै न्याय
न्ही करदा। 7 पर इसके उल्ट जिब उन अगुवां नै देख्या के परमेसवर नै पतरस ताहीं हक दे राख्या
सै, वो के यहूदी माणसां ताहीं सुसमाचार सुणावै, उस्से तरियां गैर यहूदियाँ के खात्तर मेरै ताहीं भी

* 1:18 1:18 पतरस का दुसरा नाम कैफा भी था

* 2:4 2:4 झूठ्ठे भाईयाँ-ये वो यहूदी मसीह थे जो यो बिश्वास करै थे, के मसीह के हुकमां साथ-साथ हमनै मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं मानण तै उद्धार होया

सुसमाचार सुणाणा सौप्या ग्या। 8 (क्यूँके जिसनै पतरस तै यहूदी माणसां म्ह प्रेरिताई का काम बड़े
असरदार ढंग तै करवाया, उस्से नै मेरै तै भी गैर यहूदियाँ म्ह असरदार काम करवाया), 9 जो लोग
कलीसिया के खम्भे समझे जावै थे, यानी याकूब, पतरस, अर यूहन्ना, उननै अनुग्रह का वो वरदान
पिच्छाणा जो मेरे ताहीं मिला सै। उननै मेरै ताहीं अर बरनबास ताहीं अपणा साथी समझकै म्हारे
ताहीं खास सहभागी बणा लिया। वे इस बात खात्तर सहमत होगे के हम गैर यहूदियाँ कै धोरै जावै,
अर वे यहूदियाँ के धोरै जावै। 10 उननै म्हारे तै सिर्फ याए बिनती करी के हम यरुशलेम के गरीब
बिश्वासी भाईयाँ की मदद करां, अर इस्से काम नै करण की मै खुद भी कोशिश करुँ था।

[illegible]

11 एक दिन जिब पतरस अन्ताकिया नगर म्ह आया, तो मन्नै बिश्वासी भाईयाँ के स्याम्ही उस
ताहीं फटकारा, क्यूँके जो वो काम करै था वो गलत था। 12 वो पैहले गैर यहूदियाँ कै गैल खाया-पिया
करै था, जिब कुछ बिश्वासी जो याकूब नै यरुशलेम नगर म्ह भेज्जे थे, तो उसनै अपणे-आप ताहीं
गैर यहूदियाँ तै अलग कर लिया, अर उनकै गैल खाणा-पीणा छोड़ दिया अर उसनै यहूदी माणसां
के डरकै मारै इसा करया, क्यूँके वे चाहवै थे, के गैर यहूदियाँ का भी खतना हो। 13 पतरस के गेल्या
बाकी बचे यहूदी माणस भी उसके कपट म्ह शामिल होगे, अर उन म्ह बरनबास भी शामिल था।
14 पर जिब मन्नै देख्या के उनका सुभाव सुसमाचार की सच्चाई के मुताबिक कोनी, तो मन्नै सारे
बिश्वासी भाईयाँ कै स्याम्ही पतरस तै कह्या, "जिब तू यहूदी होकै गैर यहूदियाँ की तरियां चाल्लै सै
अर यहूदी माणसां की तरियां कोनी चाल्दा, तो तू गैर यहूदियाँ नै यहूदी माणसां की तरियां चालण
खात्तर क्यूँ कहवै सै।"

[illegible]

15 हम तो जन्म तै यहूदी सां, अर पापी गैर यहूदियाँ म्ह तै कोन्या। 16 हम यहूदी बिश्वासी यो
जाणा सां, के माणस मूसा नबी के नियम-कायदा तै न्ही, पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण के जरिये
परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणै सै, इस खात्तर हमनै खुद भी प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करया,
ताके हम नियम-कायदा तै न्ही, पर यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै परमेसवर की नजर म्ह धर्मी
बणा, क्यूँके के मूसा नबी के नियम-कायदा तै कोए माणस धर्मी न्ही बणैगा। 17 हम जो मसीह के
जरिये परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणणा चांह्वा सां, बल्के इसकै के हम मूसा नबी के नियम-कायदा
नै मानण के जरिये, तो कुछ यहूदी हमनै पापी समझै सै (क्यूँके इब हम यहूदी नियम-कायदा नै कोनी
मानते) तो के इसका मतलब यीशु मसीह नै म्हारे तै पाप करवाया, न्ही बिलकुल न्ही! 18 पर मै
सचमुच म्ह पाप करुँ सूं जै मै उन काम्मां नै करुँ सूं, जिन ताहीं मन्नै छोड़ दिया था जिसा के माणस
परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणणा चाहवै, मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण के जरिये। 19 मै
जाणु सूं, के मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै मै धर्मी न्ही बण सकता, तो मै सोच्चु सूं, के मै
नियम-कायदा कै खात्तर मर जाऊँ ताके परमेसवर कै खात्तर मै सदा जिन्दा रहूँ। 20 यो इसा सै, के
मान्नो जिसा मै मसीह कै गैल क्रूस पै मारया गया, अर इब मै जिन्दा न्ही रह्या, पर मसीह मेरै म्ह
जीवै सै, अर इब जो मै जीण लागरया सूं, तो सिर्फ परमेसवर कै बेट्टै पै बिश्वास करण के जरिये
जिसनै मेरै तै इतणा प्यार करया के मेरै खात्तर अपणी जान दे दी। 21 मै परमेसवर कै अनुग्रह नै
बेकार न्ही बतान्दा, क्यूँके जै नियम-कायदे धार्मिकता का कारण होन्दे तो मसीह का जान देणा बेकार
हो जान्दा।

3

[illegible]

1 हे बिना अकल के गलातिवासियो! किसनै थारे ताहीं बहका दिया सै? मन्नै थारे ताहीं समझाया
सै के यीशु मसीह के क्रूस पै जान देण के जरिये उसनै के हासिल करया! 2 मेरे ताहीं एक बात

बताओ के थमनै पवित्र आत्मा, मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै पाया था या बिश्वास
की खबर तै जो हमनै थारे ताहीं सुणाई थी? 3 के थम इसे बेअक्ल के सों के थमनै नई जिन्दगी
पवित्र आत्मा के जरिये शरु करी पर इब थम अपणी जिन्दगी का अन्त अपणी ताकत तै करणा
चाहो सों? 4 जिब थम बिश्वासी बणे तो थमनै भोत दुख ठाया, मै उम्मीद करुँ सूं के थमनै बेकार म्ह
ए वो दुख न्ही ठाया। 5 परमेसवर थमनै पवित्र आत्मा भरपूरी तै देवै सै, अर जो थारे म्ह सामर्थ के
काम करै सै, के वो मूसा नबी के नियम-कायदा के मानण तै या मसीह के सुसमाचार पै बिश्वास करण
तै इसा करै सै? 6 अब्राहम के बारें म्ह पवित्र ग्रन्थ या कहवै सै, "अब्राहम नै तो परमेसवर पै
बिश्वास करया अर उसकी बजह तै परमेसवर नै उस ताहीं धर्मी बणा दिया।" 7 तो यो जाण ल्यो के
जो अब्राहम की तरियां बिश्वास करण आळे सै, वेए अब्राहम के वंशज कुह्लावैगें। 8 अर परमेसवर
नै पवित्र ग्रन्थ म्ह पैहल्या तै ए यो कह्या, के वो गैर यहूदियाँ नै बिश्वास के जरिये धर्मी बणावैगा,
परमेसवर नै भोत पैहले तै ए अब्राहम ताहीं यो सुसमाचार सुणा दिया था, के "तेरे म्ह तै सारी
जात आशीष पावैगीं।" 9 जितने मसीह पै बिश्वास करण आळे सै, वे अपणे बिश्वास के कारण वोए
आशीष पावैंगें जो अब्राहम नै पाई थी। 10 इस करकै जितने माणस मूसा नबी के नियम-कायदा नै
मानकै परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणण की सोच्चै सै, वे सारे परमेसवर की ओड़ तै श्रापित सै,
क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "वो श्रापित सै, क्यूँके कोए भी माणस हर पल नियम-कायदा
की किताब म्ह लिखी होई सारी बात्तां नै निभा न्ही सकदा।" 11 पर या बात साफ सै, के मूसा नबी
के नियम-कायदा कै मानण के जरिये परमेसवर की नजर म्ह कोए भी धर्मी न्ही बणदा, क्यूँके पवित्र
ग्रन्थ कहवै सै, के "जो मसीह पै बिश्वास करैगा, परमेसवर उसनै ए धर्मी बणावैगा।" 12 पर मूसा
नबी के नियम-कायदा नै मानकै जीणा अर परमेसवर पै बिश्वास करकै जीणा एक जिसा कोनी, जिसा
पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै पर "जो इन सारी बात्तां नै मान्नैगा, वो उनकै कारण जिन्दा रह्वैगा।"
13 हम सारे परमेसवर के श्राप के लायक थे, क्यूँके हम उसके नियम-कायदा नै पूरी तरियां न्ही
मानते, तोभी मसीह म्हारै ताहीं उस श्राप तै छुड़ावै सै, जो नियम-कायदा के जरिये आवै सै। जिब
मसीह क्रूस पै मारया गया, तो उसनै अपणे उप्पर वो श्राप ले लिया, जिसा के पवित्र ग्रन्थ म्ह
लिख्या सै, के "श्रापित सै वो जो क्रूस पै लटकाया जावै सै।" 14 मसीह नै यो इस करकै करया,
ताके जिसका वादा परमेसवर नै अब्राहम तै करया था, वो आशीष मसीह यीशु पै बिश्वास करण तै
गैर यहूदियाँ तक पोहच सकै, अर हम मसीह म्ह बिश्वास कै जरिये उस पवित्र आत्मा नै पा लेवां,
जिसका देण का वादा उसनै म्हारे तै करया सै।

???? ?? ????

15 हे बिश्वासी भाईयो, मै रोज की जिन्दगी का उदाहरण देकै थमनै समझाऊँ सूं, जिब दो आदमी
कोए करार करै सै अर उस ताहीं पक्का करै सै, तो ना कोए उसनै घटा सकै सै अर ना उस म्ह किमे
बढ़ा सकै सै। 16 इस तरियां परमेसवर नै वादा अब्राहम अर उसकै वंश तै करया था। पवित्र ग्रन्थ
न्यू कोनी कहवै, के तेरी "वंशां नै," जिसका मतलब भोत सारे माणस, पर यो एक माणस के बारें म्ह
कहवै सै "तेरे वंश नै" अर वो मसीह सै। 17 मेरे कहण का मतलब यो सै, के परमेसवर नै अब्राहम के
गैल करार करण कै चार सौ तीस साल के बाद मूसा नबी के नियम-कायदे दिए, जो उस करार नै ना
तो तोड़ पाए, अर ना उसके वादे नै टाळ पाए। 18 परमेसवर माणसां नै इस बजह तै आशीष कोनी
देवै, के वे मूसा नबी के नियम-कायदा नै मान्नै, बल्के वो इस करकै देवै सै, क्यूँके इसका देण का
परमेसवर नै वादा करया था, अर अब्राहम ताहीं भी ये आशीष इस करकै मिली थी। 19 जिब फेर
नियम-कायदे क्यूँ दिये गये? नियम-कायदे इस खात्तर दिए गये ताके लोग जाण सकै के पाप के सै।
मूसा नबी के नियम-कायदे तब तक रहणे थे, जिब तक अब्राहम की पीढ़ी म्ह तै जिसका परमेसवर
नै वादा करया था के वो आ ना जावै। मूसा नबी ताहीं नियम-कायदे सुर्गदूत्तां कै जरिये दिए गये थे

अर मूसा नबी लोग्गां के बीच एक बिचौलिया बण्या। 20 परमेसवर नै अब्राहम तै वादा करया था
इस करकै बिचौलिया की जरूरत कोनी थी।

[illegible]

21 तो के मूसा नबी के नियम-कायदे परमेसवर के वादे कै बिरोध म्ह सै? न्ही बिल्कुल न्ही! क्यूँके
जै इसे नियम-कायदे सै, जो परमेसवर की नजर म्ह हमनै धर्मी बणावै, तो सदा का जीवन मूसा नबी
के नियम-कायदा के मानण तै हम पा सकां सां। 22 पर पवित्र ग्रन्थ हमनै बतावै सै के हम सब
पापी सां, ताके परमेसवर उन माणसां नै जो यीशु मसीह पै बिश्वास करै सै वो दे सकै जिसका उसनै
उसका वादा करया सै। 23 पर इसतै पैहल्या के लोग प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करै हम यहूदी
कैद म्ह थे, नियम-कायदे म्हारी रुखाळी करै थे। हम कैद म्ह जिब ताहीं रहे जिब के मसीह कौण सै
अर हम उस म्ह बिश्वास करते रहवां। 24 नियम-कायदे म्हारे ताहीं इस खात्तर दिए गये, ताके मसीह
के आण तक वो म्हारी अगुवाई कर सकै अर म्हारे ताहीं सम्भाळ सकै, ताके हम मसीह पै बिश्वास
करण के जरिये परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणा। 25 जिब हमनै मसीह यीशु पै भरोस्सा करया सै तो
नियम-कायदा की अगुवाई अर मदद की जरूरत कोनी। 26 थम सारे मसीह यीशु पै बिश्वास करण
के कारण परमेसवर की ऊलाद सों। 27 अर थारे म्ह तै जितना नै मसीह के नाम म्ह बपतिस्मा लिया
सै, उननै नई जिन्दगी पा ली सै। 28 इब मसीह म्ह यहूदी अर गैर यहूदी म्ह कोए फर्क न्ही रह्या,
अर ना नौक्कर ना आजाद म्ह, ना लोग अर लुगाई म्ह कोए फर्क रह्या, क्यूँके थम सारे मसीह यीशु
म्ह एक सों। 29 अर जै थम मसीह के सों तो अब्राहम के वंश अर वादे के मुताबिक वारिस भी सों।

4

1 मै थमनै एक उदाहरण देकै समझाऊँ सूं, के बेट्टा पिता की सम्पत्ति का वारिस होगा, जिब ताहीं
वो बाळक सै, वो एक दास की तरियां सै, इब ताहीं उसका सम्पत्ति पै कोए हक कोनी पर आण आळे
बखत म्ह वो पिता की सम्पत्ति का माल्लिक होवैगा। 2 पर जिब ताहीं बेट्टे की सही उम्र न्ही हो
अर सारी सम्पत्ति का माल्लिक ना बण जावै सै, वो रुखवाळियाँ अर भण्डारीयाँ कै बस म्ह रहवै सै।
3 उस्से तरियां जिब हम मसीह नै न्ही जाणा थे, तो दुनिया की रीति-रिवाजां अर नियम-कायदा के
गुलाम थे। 4 पर जिब सही बखत आया तो परमेसवर नै अपणा बेट्टा इस दुनिया म्ह भेज्या, अर एक
बीरबानी नै उस ताहीं जन्म दिया, वो यहूदी माणसां म्ह पैदा होया अर उसनै मूसा के नियम-कायदा
ताहीं मान्या। 5 ताके हमनै छुड़ाले जो हम मूसा नबी के नियम-कायदा के अधीन सां, अर हमनै
उसकी ऊलाद होण का हक मिल्या। 6 इब थम उसकी ऊलाद सों, इस करकै परमेसवर नै अपणे बेट्टे
की आत्मा नै म्हारे दिलां म्ह भेज्या सै, जो आत्मा परमेसवर ताहीं "हे अब्बा, हे पिता" कहकै नै
बुलावै सै। 7 इस करकै तू इब नौक्कर कोनी, पर उसकी ऊलाद सै, अर परमेसवर वो सारी चीज थमनै
देवैगा जिसनै उसका वादा थारे ताहीं देण का करया सै।

[illegible]

8 जिब थम परमेसवर नै न्ही जाणो थे तो उस बखत थम उसके गुलाम थे, जो असलियत म्ह
परमेसवर सै ए कोनी। 9 इब थारा रिश्ता परमेसवर कै गैल सै, उसनै म्हारे ताहीं अपणा बेट्टा होण
खात्तर बुलाया सै, तो उन कमजोर अर निकम्मी पुराणी शिक्षाओं के गुलाम बणण खात्तर क्यूँ उसकी
ओड़ जाओ सों, के थम दुबारा उनके गुलाम होणा चाह्वो सों? 10 थम गैर यहूदी बिश्वासी लोग
दिन, महिन्ना, सही बखत अर साल्लां नै मान्नो सों, जो मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक
सै। 11 मै थारे बारै म्ह डरुँ सूं, जो थम करो सों, कदे इसा ना हो के जो मेहनत मन्नै थारे खात्तर करी
सै वा बेकार हो जावै। 12 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करुँ सूं, के अपणे-आपनै मूसा नबी
के नियम-कायदा तै आजाद करो, क्यूँके मै भी मूसा नबी के नियम-कायदा तै आजाद होग्या सूं, जिस
तरियां थम गैर यहूदी होण तै नियम-कायदा तै आजाद हो, थमनै मेरे साथ बुरा बरताव न्ही करया।
13 थमनै याद होगा के मन्नै पैहलम पहल देह की बीमारी कै कारण थारे ताहीं सुसमाचार सुणाया।

14 मेरी बीमारी थारे खात्तर मुसीबत थी, फेर भी थमनै ना तो मेरे तै नफरत करी, अर ना ए मेरे ताहीं
तुच्छ जाण्या, पर परमेसवर के सुर्गदूत बल्के खुद मसीह यीशु के समान मेरै ताहीं अपणाया 15 थम
खुश थे, पर इब थारी खुशी कित्त गई? मै थारा गवाह सूं के थम मेरे खात्तर सब कुछ कुरबान कर
सको थे, बल्के अपणी आँख भी लिकाड़कै मन्नै दे देन्दे। 16 तो के थारे तै सच बोलण के कारण मै
थारा बैरी बणग्या सूं? 17 वे थमनै अपणे पक्ष म्ह करणा तो चाहवै सै, पर भले मकसद तै न्ही, बल्के
उनका मतलब तो थारे ताहीं मेरे तै न्यारा पाड़ना सै ताके थम उनके ए चेल्लें बण जाओ। 18 सदा ए
आच्छे मकसद कै खात्तर उत्साही होणा आच्छा सै अर सिर्फ उस्से बखत न्ही, जिब मै थारे गेल्या
रहूँ सूं। 19 हे मेरे बाळकों, जिस तरियां एक औरत बच्चा होण कै बखत जो दर्द सहवै सै उस्से तरियां
मै भी थारे खात्तर दर्द सहु सूं मै जिब ताहीं दर्द म्ह रहूँगा जिब ताहीं थम मसीह म्ह सिध्द ना हो
जाओ। 20 जी तो इसा करै सै, के इस बखत मै थारे धोरै होन्दा अर प्यार तै थारे ताहीं समझान्दा,
क्यूँके मेरी समझ म्ह कोनी आन्दा के मै थमनै के कहूँ।

[illegible]

21 थम जो मूसा नबी के नियम-कायदा कै अधीन होणा चाहवै सों, मेरी बात्तां पै ध्यान द्यो, मै
बताऊँ सूं के मूसा नबी के नियम-कायदा की किताब म्ह के लिख्या सै? 22 पवित्र ग्रन्थ म्ह यो
लिख्या सै, के अब्राहम कै दो छोरे होए, उसका एक छोरा हाजिरा नाम की नौकराणी तै पैदा होया
अर दुसरा सारा तै पैदा होया जो उसकी ब्याहता* थी। 23 पर जो नौकराणी तै पैदा होया था वो एक
साधारण बच्चा था जो शरीर की इच्छा तै पैदा होया, अर जो उसकी ब्याहता बीरबानी तै पैदा होया,
वो परमेसवर के वादे कै मुताबिक पैदा होया जो उसनै अब्राहम तै करया था। 24 इन बात्तां तै हमनै
या सीख मिलै सै, ये बीरबानी मान्नो दो करार सै। करार जो परमेसवर नै सीनै पहाड़ पै इस्राएली
माणसां तै जो करया था वो हाजिरा की तरियां सै। 25 अर हाजिरा मान्नो अरब देश का सीनै पहाड़
सै, अर वो आज के यरुशलेम नगर की तरियां सै जड़ै के माणस मूसा के नियम-कायदा के समान
सै। 26 पर सुर्गीय यरुशलेम अब्राहम की बिरबान्नी सारा के समान सै, अर उसके बाळक गुलाम
कोनी, यो यरुशलेम बिश्वासियाँ कै खात्तर माँ की तरियां सै। 27 जिसा यशायाह नै पवित्र ग्रन्थ
म्ह लिख्या सै, "हे बाँझ बिरबान्नी, तू जो बाळक पैदा न्ही कर सकदी, आनन्दित हो, तू जो प्रसव-
पीड़ा तै अनजाण सै, ऊँच्ची आवाज म्ह जयजयकार कर, क्यूँके छोड्डी होई की ऊलाद सुहागण
की ऊलाद तै भी घणी सै।" 28 हे बिश्वासी भाईयो, थम इसहाक की तरियां हो क्यूँके थारा जन्म
परमेसवर के वादे कै मुताबिक होया सै जो उसनै अब्राहम तै करया सै। 29 अर जिसा उस बखत
शरीर की इच्छा के मुताबिक जन्मा होया बेट्टा परमेसवर की आत्मा के शक्ति कै मुताबिक जन्मे
होए बेट्टे नै सतावै था, उस्से तरियां हम भी उन माणसां तै सताये जावां सां, जो यो चाहवै सै के
परमेसवर की नजर म्ह धर्मी बणण खात्तर मूसा नबी के नियम-कायदा नै मानना जरूरी सै। 30 पर
पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के "नौकराणी अर उसकै बेट्टे नै लिकाड़ दे, क्यूँके वो ब्याहता बिरबान्नी
के बेट्टे कै गैल कदे भी पिता की सम्पत्ति का वारिस न्ही होगा।" 31 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो,
हम नौकराणी की ऊलाद कोनी जो के मूसा नबी के नियम-कायदे सै, बल्के ब्याहता बिरबान्नी की
ऊलाद सां जो के बिश्वास सै।

5

[illegible]

1 मसीह नै म्हारे ताहीं मूसा नबी के नियम-कायदा तै आजाद कर दिया सै, इस करकै अपणी
आजादी बणा के राक्खो, अर मूसा के नियम-कायदा नै मानण खात्तर कोए थमनै गुलाम ना बणावै।
2 सुणो! मै, पौलुस, थारे तै कहूँ सूं के जै खतना करावोगे, तो मसीह तै थमनै किमे फायदा न्ही होगा।
3 फेर भी मै एक खतना कराण आळे नै बता द्यु सूं, के उसनै सारे नियम-कायदे मानने पड़ैंगें। 4 थम जो

* **4:22** 4:22 ब्याहता-जिसके गैल ब्याह होया हो

नियम-कायदा कै जरिये धर्मी बणणा चाह्वो सों, तो फेर थमनै यीशु मसीह तै रिश्ता तोड़ लिया सै,
अर थमनै अपणे-आप ताहीं उस दया तै अलग कर लिया सै जिसके जरिये परमेसवर थमनै बचा सकै
सै। 5 मै यो इस खात्तर कहूँ सूं, क्यूँके हमनै पवित्र आत्मा की ओड़ तै पूरा भरोस्सा सै, के परमेसवर
यीशु मसीह पै बिश्वास करण के कारण हमनै धर्मी बणावैगा। 6 जै थम यीशु मसीह नै मानण आळे
सों, तो उसतै कोए फर्क कोनी पड़ता के थारा खतना होया सै के न्ही होया, पर जरूरी यो सै, के हम
मसीह पै बिश्वास करां, अर परमेसवर अर माणसां प्रति प्यार राक्खा। 7 थम मसीह पै बिश्वास
करण म्ह बढ़ण लागरे थे, पर इब थमनै सच्चाई मानण तै कोए रोक न्ही ले। 8 इसी सीख परमेसवर
की ओड़ तै न्ही आन्दी जो थमनै अपणी ऊलाद होण खात्तर बुलावै सै। 9 सीख जो सच्ची न्ही सै
वो इस कहावत की तरियां सै, थोड़ा-सा खमीर सारे गूँधे होए चून नै खमीर बणा दे सै। 10 पर मै
परमेसवर पै भरोस्सा राक्खूँ सूं, के वो थमनै झूठ्ठी अर भरमाण आळी सीख तै बचाये राक्खैगा, पर
जो थमनै भरमा दे सै चाहे वो कोए भी क्यूँ ना हो परमेसवर तै दण्ड पावैगा। 11 हे बिश्वासी भाईयो,
थम जाणो सों के मै यो प्रचार करुँ सूं, के खतना करवाणा जरूरी कोनी, इस करकै यहूदी माणस मेरे
ताहीं सारी हाण सतावै सै, जै मै क्रूस नै छोड़कै खतना का प्रचार करुँ तो उसतै यहूदी माणस मेरे
ताहीं कोनी सतावैगें। 12 भला होंदा जो थमनै डामाडोल करै सै, वे अपणे-आपनै नपुंसक बणा लेवै।
13 हे बिश्वासी भाईयो, थम आजाद होण कै खात्तर परमेसवर के जरिये बुलाए गये सों, इस खात्तर
थमनै मूसा नबी के नियम-कायदा ताहीं मानण की जरूरत कोनी, पर इसा ना होवै के थम इसनै बुरी
लालसा पूरी करण का जरिया बणा ल्यो, पर हरेक कै गैल प्यार करो अर सेवा करो। 14 क्यूँके सारे
नियम-कायदे इस एक बात म्ह पूरे हो ज्या सै, "तू अपणे पड़ोसी तै अपणे जिसा प्यार कर।" 15 पर
जै थम एक-दुसरे नै जानवरां की ढाळ पाड़ खाओ सों, तो चौक्कस रहो, के थम एक-दुसरे नै नाश
ना कर दियो।

[illegible]

16 पर मै कहूँ सूं, पवित्र आत्मा नै थारे जीवन म्ह अगुवाई करण द्यो, ताके थम अपणी बुरी
आदत्तां नै (लालसा) नै पूरी ना कर सकों। 17 देह की बुरी लालसा पवित्र आत्मा के बिरोध म्ह,
अर पवित्र आत्मा देह की बुरी लालसा के बिरोध म्ह लड़दी रहवै सै। इस कारण जो भले काम थम
करणा चाह्वो सों वो न्ही कर पान्दे। 18 जै थम आत्मा की अगुवाई म्ह चाल्लों सों, तो थम मूसा के
नियम-कायदा के अधीन न्ही सों। 19 देह के काम तो दिक्खै सै, यानी के जारी, भुन्ड़े काम, लुचपण,
20 मूर्तिपूजा, टोणा, बैर, गुस्सा, बिरोध, फूट विधर्म, 21 डाह, मतवालापण, रासलीला अर इनकै
जिसे और काम सै, इनकै बारै म्ह मै थारे तै पैहल्या कह द्यु सूं जिसा पैहल्या कह्या था, के इसे-इसे
काम करणीये परमेसवर के राज्य के वारिस न्ही होंगे। 22 पर आत्मा का फळ प्यार, आनन्द, शांति,
धीरज, करुणा, भलाई, बिश्वास, 23 नम्रता, अर सयंम सै, इसे-इसे काम्मां के बिरोध म्ह कोए भी
नियम-कायदे कोनी। 24 अर जो मसीह यीशु म्ह सै उननै देह की बुरी लालसाओं* ताहीं क्रूस पै
चढ़ा दिया सै। 25 क्यूँके पवित्र आत्मा नै म्हारे ताहीं नई जिन्दगी दी सै, इस खात्तर पवित्र आत्मा
नै जिन्दगी के हरेक क्षेत्र म्ह अगुवाई करण द्यो। 26 हम घमण्डी होकै ना एक-दुसरे नै छेड़ा, अर ना
एक-दुसरे तै जळण करा।

6

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, जै कोए माणस किसे पाप या कसूर म्ह पकड्या भी जावै, तो थम जो
पवित्र आत्मा के चलाए चाल्लों सों, उसनै नरमाई के गेल्या धर्म की राह पै उल्टा ल्यावण म्ह
उसकी मदद करो, अर अपणा भी ध्यान राक्खों के थम भी इसे इम्तिहान म्ह ना पड़ जाओ। 2 म्हारे
म्ह तै जै कोए भी मुसीबत म्ह हो, तो हमनै एक-दुसरे की मदद करणी चाहिए, अर इस तरियां हम

* **5:24** 5:24 बुरी लालसाओं शरीर की बुरी आदत

मसीह के नियम-कायदा नै मान्‍ना सां। 3 क्यूँके जै कोए अपणे-आपनै नै बड़ा समझै सै, तो अपणे-
आपनै धोक्खा देण लाग रहया सै। 4 हरेक माणस अपणे काम्मां नै परख ले, उसके काम आच्छे सै
तो वो अपणे-आपनै पै घमण्ड कर सकै सै, अर उसनै अपणे काम की बराबरी किसे दुसरे के काम गैल
न्ही करणी चाहिए। 5 म्हारे म्ह तै हरेक माणस अपणे सुभाव के खात्तर जिम्मेदार सै। 6 यो जरूरी
सै के जो माणस परमेसवर के वचनां नै सिखावै सै, तो उसकी संसारिक चिज्जां की जरूरत सीखण
आळे तै पूरी हो होणी चाहिए। 7 अपणे-आप ताहीं धोक्खा ना द्यो, कोए माणस यो ना सोच्चै के वो
परमेसवर नै धोक्खा दे सकै सै। 8 क्यूँके जो माणस इसे काम करै सै उसका बुरा सुभाव उसकै खात्तर
मौत लेकै आवै सै, पर जो माणस परमेसवर की इच्छा पूरी करै सै, तो उसका आत्मा उसनै अनन्त
जीवन देवै सै। 9 हम भले काम करण का होसला ना छोड्डा, क्यूँके जै हम हिम्मत ना छोड्डा तो
परमेसवर के बखत पै कटनी काटैगें। 10 इस करकै जड़ै ताहीं मौक्का मिलै हम सारा के गेल्या भलाई
करा, खास करकै बिश्वासी भाईयाँ के गैल।

[illegible]

11 मन्‍नै बड़े-बड़े अक्षरां म्ह थारे तेई अपणे हाथ तै लिख्या सै। 12 इस कारण के यहूदी लोग थमनै
अपणावै, अर वे थारा खतना करवाण के खात्तर मजबूर करै सै, ताके लोग उन ताहीं इस बात का
प्रचार करण खात्तर सतावै ना, के परमेसवर माणसां ताहीं जिब्बे बचावैगा जिब वे बिश्वास करैगें
के मसीह क्रूस पै मरा। 13 क्यूँके खतना कराण आळे खुद तो मूसा नबी के नियम-कायदा पै न्ही
चाल्दे, वो थारा इस खात्तर खतना कराणा चाहवै सै ताके और यहूदियाँ कै स्याम्ही घमण्ड कर सकै,
के थारा खतना उनकी बजह तै होया सै।। 14 खुद कै खात्तर, मै, किसे बात पै घमण्ड कोनी करणा
चाहूँ, पर यीशु मसीह के क्रूस पै जान देण कै कारण, मै घमण्ड करणा चाहूँ सूं, अर जो उसनै करया
उस बजह तै दुनियावी चिज्जां का मेरे उप्पर कोए हक कोनी रह्या, अर इब मेरी दुनियावी चिज्जां म्ह
कोए दिलचस्पी कोनी। 15 क्यूँके ना खतना अर ना बिना खतना कुछ सै, जो जरूरी बण चुके सै, जो
जरूरी सै वो यो सै के परमेसवर हमनै पवित्र आत्मा के जरिये नया इन्सान बणा दे। 16 परमेसवर
अपणी शान्ति अर आशीष उन सारया नै देवैगा, जो उसके हुकम नै मान्‍नै सै। वे परमेसवर के माणस
सै। 17 आग्गै तै मन्‍नै कोए दुख ना दे, क्यूँके जो मेरे देह पै जख्मां के दाग सै वो ये दिखावै सै के
मै यीशु का दास सूं। 18 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थारी आत्मा के
गेल्या रहवै। आमीन।

इफिसुस नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की चिट्ठी

[illegible]

इफिसुस नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की चिट्ठी परमेसवर की योजना जुड़ी सै, के जो कुछ सुर्ग म्ह सै अर जो कुछ धरती पै सै, सारा सब कुछ वो मसीह म्ह कठ्ठा करां (1:10)। इफिसियों के पैहले भाग म्ह लेखक एकता के बारै म्ह बात करै सै, उस राह के बारै म्ह बतावै सै, जिसके जरिये परमेसवर पिता नै अपणे माणसां का चुनाव करया, कै किस तरियां बेट्टे यीशु मसीह के जरिये उन ताहीं अपणे पाप तै माफी मिल्ली अर वे छुड़ाए ग्ये सै, अर किस तरियां पवित्र आत्मा के जरिये परमेसवर का महान वादे नै पूरा करण का भरोस्सा दिया ग्या सै। दुसरा भाग म्ह वो पाठकां ताहीं इसी जिन्दगी जीण की बिनती करै सै, के मसीह म्ह उनकी एकता उनके सामूहिक जीवन की सच्चाई बण जावै।

मसीह तै जुड़े परमेसवर के माणसां म्ह एकता नै दिखाण खात्तर कई मिसाल काम म्ह लाई गई सै, कलीसिया एक देह की तरियां सै, जिसका सिर मसीह सै, या फेर यो एक मकान के तरियां सै, जिस म्ह कुण के सिरे का पत्थर मसीह सै, यो एक पत्नी की तरियां सै जिसका धणी मसीह सै। हर एक बात इस म्ह मसीह के प्रेम, बलिदान, माफी, अनुग्रह अर सिद्धता की रोशनी म्ह देख्या ग्या सै।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1,2
मसीह अर कलीसिया 1:3-3:21
मसीह म्ह नया जीवन 4:1-6:20
समापन 6:21-24

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर की इच्छा तै यीशु मसीह का प्रेरित सै, मै या
चिट्ठी उन पवित्र अर मसीह यीशु म्ह बिश्वासी माणसां कै नाम लिखूँ सूं, जो इफिसुस नगर म्ह
रहवै सै। 2 मै प्रार्थना करुँ सूं, के म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थारे ताहीं
अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै।

[illegible]

3 म्हारे परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के पिता का धन्यवाद हो के उसनै म्हारे ताहीं मसीह
म्ह आत्मिक रूप तै हरेक तरियां तै, उन आशीषां के जरिये आशिषित करया जो सुर्ग तै आवै सै।
4 परमेसवर नै धरती अर अकास बणाण तै पैहले ए उसनै मसीह म्ह म्हारै ताहीं चुण लिया, ताके हम
इसकी निगांह म्ह पवित्र अर बेकसूर होवां। 5 अर प्यार म्ह उसनै अपणी भले मकसद मुताबिक
म्हारे ताहीं अपणे खात्तर पैहले तै ठहराया के यीशु मसीह के जरिये हम उसकी गोद ली होई ऊलाद
हो। 6 तो आओ हम परमेसवर के अदभुत अनुग्रह की महिमा करा, अर यो इस खात्तर होया सै
क्यूँके म्हारा रिश्ता उसके बेट्टे कै गैल सै, जिसतै वो प्यार करै सै। 7 यीशु मसीह के लहू बहाए
जाण के कारण हम छुड़ाए गये, जिसका मतलब यो सै के म्हारे सारे पाप माफ होए। परमेसवर के
भोत अनुग्रह के मुताबिक मसीह म्ह उसके लहू के जरिये छुटकारा यानी पापां तै माफी मिलै सै।
8 परमेसवर नै सारी बुद्धि अर ज्ञान तै म्हारै पै भोत-ए घणी दया करी। 9 परमेसवर नै अपणी इच्छा
का भेद म्हारै पै भले मकसद के मुताबिक जाहिर करया, जिस ताहीं उसनै खुद मसीह म्ह स्थापित
करया। 10 अर परमेसवर की योजना कै मुताबिक, तय करे गए बखत पै, जो किमे सुर्ग अर धरती पै
सै, वो सारा किमे मसीह के हाथ म्ह सौप्पैगा। 11 परमेसवर नै मसीह म्ह हम यहूदी माणसां ताहीं
भी अपणे माणस होण खात्तर छाँट लिया सै, क्यूँके शरु तै ए उसकी या योजना थी, उसनै यो सब
कुछ अपणी इच्छा अर योजना के मुताबिक करया। 12 यो उसनै इस खात्तर करया जिसतै के हम

यहूदियाँ ताहीं जो पैहले माणस सै, जो मसीह पै आस राक्खै सै, अर उसकी महिमा की बड़ाई के
कारण बणा। 13 अर योए थारे गैल भी होया के थमनै सच्चाई का वचन सुण्या, अर वो सुसमाचार यो
सै, के थमनै वो किस तरियां बचा सकै सै, जिब थम मसीह पै बिश्वास करो सों तो परमेसवर थमनै
वादे कै मुताबिक पवित्र आत्मा देवै सै, यो दिखाण खात्तर के थम परमेसवर के माणस सों। 14 क्यूँके
परमेसवर नै म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा दिया सै, तो हम यो जाणा सां के परमेसवर म्हारे ताहीं और
भी आच्छी चीज देवैगा, जिसका उसनै वादा करया सै, अर यो उस बखत होगा जिब परमेसवर अपणे
माणसां नै पूरी तरियां तै छुड़ावैगा, उसके अदभुत अनुग्रह की बड़ाई होवै।

[illegible]

15-16 इस कारण, जिब तै मन्नै भी प्रभु यीशु मसीह म्ह थारे बिश्वास अर पवित्र माणसां के
प्रति थारे प्यार के बारें म्ह सुण्या, तो मै परमेसवर का सदा धन्यवाद करुँ सूं, अर अपणी प्रार्थना
म्ह थमनै हमेशा याद राक्खूँ सूं। 17 मै प्रार्थना करुँ सूं, के महिमामय परमेसवर जो के म्हारे प्रभु
यीशु मसीह का पिता सै, वो थारे ताहीं आत्मिक समझ अर ज्ञान देवै, ताके थम परमेसवर नै पूरी
तरियां जाण सकों। 18 मै या भी प्रार्थना करुँ सूं, के वो सच्चाई जाणण म्ह थारी मदद करै के थम
जाण सकों के परमेसवर के जरिये बुलाये जाण की आस के सै, अर थम जाण सकों के इतनी बड़ी अर
महान् आशीष अपणे पवित्र माणसां खात्तर राख राक्खी सै। 19 मै चाहूँ सूं के थम उसनै जाण सको,
के उस महान् परमेसवर नै यीशु मसीह पै बिश्वास करण आळे खात्तर जो शक्ति राख राक्खी सै, या
वाए बड़ी शक्ति सै। 20 जिसनै मसीह ताहीं मरे होया म्ह तै जिवाया अर सुर्ग म्ह अपणी सोळी ओड़
बैठाया। 21 सारी ढाळ की प्रधानता, हक, सामर्थ, प्रभुता के उप्पर राज करैगा जो इस लोक म्ह
सै, अर आण आळे लोक म्ह भी राज करैगा। 22 परमेसवर नै सारा किमे उसकै पायां तळै कर दिया,
अर उसनै कलीसिया की भलाई खात्तर सब किमे उसके हात्थां म्ह सौप दिया। 23 कलीसिया मसीह
की देह सै, अर उसतै भरपूर सै, वो अपणी मौजूदगी तै हरेक चीज अर हरेक जगहां नै भरै सै।

2

[illegible]

1 पुराणे बखत म्ह थारे धोरै नई जिन्दगी कोनी थी, थम अपणे बुरे काम्मां अर पापां के कारण मरे
होए माणसां के समान थे। 2 थम उस बखत दुनिया की रीति-रिवाज के मुताबिक, बुरी आत्मायाँ के
सरदार जो अकास म्ह सै, उसके मुताबिक चाल्लों थे, जो इब भी उनके मनां म्ह काम करै सै, जो
परमेसवर का हुकम न्ही मानते। 3 इन म्ह हम भी सारे के सारे पैहले अपणी देह की लालसाओं म्ह
दिन बितावा थे, अर देह अर मन की मर्जियाँ नै पूरी करा थे, अर और माणसां की ढाळ सुभाव तै ए
छो की ऊलाद थे। 4 पर परमेसवर नै जो दया का धनी सै, अपणे उस घणे प्यार कै कारण जिसतै उसनै
म्हारै तै प्यार करया। 5-6 अपणे पुराणे जीवन म्ह पापां के कारण हम मरे होए थे तो परमेसवर नै जिस
तरियां यीशु मसीह ताहीं जिन्दा करया, हमनै भी आत्मिक रूप तै जिन्दा करैगा, अर सुर्गीय जगहां
म्ह मसीह कै गेल्या बिठावैगा, अर परमेसवर के अनुग्रह तै ए थारा उद्धार होया सै। 7 परमेसवर नै
यो इस खात्तर करया के अपणी दया तै जो मसीह यीशु म्ह म्हारै पै सै, आण आळे दिनां म्ह दिखा
सकै, के उसका अनुग्रह कितना बड़ा सै, हम जो मसीह म्ह सां, उसनै म्हारे पै भी अनुग्रह दिखाया।
8 जिब थमनै परमेसवर पै बिश्वास करया तो उसनै अपणे अनुग्रह के जरिये थारा उद्धार करया सै,
थारा उद्धार थारी ओड़ तै न्ही, बल्के परमेसवर ओड़ तै दान सै। 9 यो इस करकै न्ही होया के थमनै
कोए भला काम करया सै, अर थम उसपै घमण्ड करो। 10 क्यूँके हम उसके बणाए होए सां, अर मसीह
यीशु म्ह उन भले काम्मां के खात्तर रचे गये जिन ताहीं परमेसवर नै पैहले तै म्हारे करण कै खात्तर
तैयार करया।

[illegible]

11 इस कारण थम याद राक्खों के थम जन्म तै गैर यहूदी सों, अर यहूदी लोग थारा मजाक उड़ावै
सै, के थारा खतना कोनी होया, पर उनका खतना होया सै, इस खात्तर वे परमेसवर के लोग सै। पर
उननै खतना अपणी देह का करवाया सै मन का कोनी करवाया। 12 थम उस बखत मसीह ताहीं कोनी
जाणो थे, अर थम परमेसवर के चुणे होए इस्राएली माणस कोनी थे, अर वादे कै करार के भी साझ्झी
कोनी थे, जो उसनै अपणे माणसां तै बाँधी थी, अर बिना आस अर दुनिया म्ह बिना ईश्वर के थे।
13 पर पैहले जो थम, परमेसवर तै दूर थे, परमेसवर नै थारे ताहीं मसीह यीशु के लहू बहाण के जरिये
धोरै बुला लिये सों। 14 मसीह नै हम यहूदी अर थम गैर यहूदी माणसां म्ह शान्ति बणाई सै, पुराणे
बखत म्ह यो लाग्गै था के यहूदी अर गैर यहूदी माणसां म्ह एक दीवार सै, वो एक-दुसरे तै नफरत
करै थे, पर मसीह नै वा दीवार ढ़ा दी सै, अर दोन्नु दलां* ताहीं एक कर दिया सै। 15 उसनै अपणी
मौत के जरिये मूसा के नियम-कायदा ताहीं रद कर दिया, ताके वो यहूदी अर गैर यहूदी माणसां
म्ह शान्ति लेकै आवै, अर इसके जरिये वो अपणे-आप म्ह यहूदी अर गैर यहूदी की जगहां एक नई
जात बणा दे। 16 उसनै क्रूस पै अपणी जाण देकै यहूदी-अर गैर यहूदी माणसां म्ह बैर का नाश
करकै एक देह बणाकै परमेसवर तै मिला दिया। 17 मसीह नै आकै थम गैर यहूदी जो उसतै दूर थे,
अर थम यहूदी माणस जो परमेसवर कै लोवै थे, दोनुआ ताहीं मेळ-मिलाप का सुसमाचार सुणाया।
18 क्यूँके मसीह म्ह ए हम सब उस एक पवित्र आत्मा कै जरिये ए पिता के धोरै पोहच सका सां।
19 इस करकै थम गैर यहूदी इब विदेशी अर मुसाफिर कोनी रहे, पर पवित्र माणसां के साथी देशी
अर परमेसवर के कुण्बे के होगे सों। 20 थम उस घर की तरियां सों जिसकी नीम प्रेरित अर नबी सै,
अर जिसकै कोणे का पत्थर मसीह यीशु आप सै। 21 मसीह ए सै जिसनै घर ताहीं टिकाकै राख्या
सै, अर उसतै प्रभु कै खात्तर एक पवित्र मन्दर बणदा जावै सै। 22 क्यूँके थम मसीह म्ह सों, इस
खात्तर थम गैर यहूदी बिश्वासी परमेसवर के माणसां गैल एक होगे, ताके थम वो घर बणदे जाओ
जिस म्ह परमेसवर रहवै सै।

3

[illegible]

1 इस कारण मै पौलुस थारे खात्तर कैद म्ह सूं, क्यूँके मै थम गैर यहूदी माणसां नै सुसमाचार सुणाकै
मसीह यीशु की सेवा करुँ सूं। 2 पक्का थमनै सुण्या होगा के परमेसवर नै अपणे अनुग्रह तै थारे ताहीं
सुसमाचार की खबर सुणाण की जिम्मेदारी मेरे ताहीं दी सै। 3 परमेसवर की गुप्त योजना घणे लम्बे
बखत तै छुपी होई थी, पर परमेसवर नै इस ताहीं मेरे उप्पर जाहिर करया, मै इस चिट्ठी के जरिये
परमेसवर के उस गुप्त भेद नै थारे ताहीं समझाणा चाहूँ सूं। 4 जिब थम मेरी चिट्ठी नै पढ़ोगे तो थम
जाण पाओगे, के मै मसीह के उस भेद के बारें म्ह कितनी आच्छी तरियां जाणु सूं। 5 पुराणे बखत
म्ह परमेसवर नै इस भेद ताहीं माणसां के उप्पर जाहिर कोनी करया, पर इब उसनै उस भेद ताहीं
पवित्र आत्मा कै जरिये, अपणे पवित्र प्रेरितां अर नबियाँ पै जाहिर करया। 6 अर वो भेद यो सै
के मसीह यीशु म्ह सुसमाचार कै जरिये गैर यहूदी वाए विरासत हासिल करै, जो यहूदी माणसां कै
धोरै सै, अर एकैए देह के अंग अर परमेसवर के वादे के साझ्झी सै। 7 परमेसवर के अनुग्रह अर बड़ी
सामर्थ के जरिये मेरे ताहीं सुसमाचार सुणाण का काम मिला सै। 8 मेरै पै जो सारे पवित्र माणसां म्ह
तै, छोट्टे तै भी छोट्टा सूं, यो अनुग्रह होया के मै गैर यहूदियाँ नै मसीह का सुसमाचार सुणाऊँ,
अर लोग्गां नै परमेसवर की योजना ताहीं समझण म्ह मदद करुँ। 9 अर हरेक माणसां ताहीं समझा
सकूँ के उसनै उस योजना ताहीं जो उसनै पैहले तै सोच्ची थी, किस तरियां पूरी करी, या योजना
पैहले तै जाहिर कोनी होई थी क्यूँके परमेसवर जो सारी चिज्जां नै रचणियाँ सै, उस ताहीं छिपाए
राख्या। 10 ताके इब कलीसिया कै जरिये, परमेसवर का बेसुमार ज्ञान आसमान के उन प्रधानां अर

* **2:14** 2:14 दलां टोळ, समूह

अधिकारियां पै जाहिर करया जावै। 11 परमेसवर नै दुनिया बणाण तै पैहले या योजना बणाई थी,
जिस ताहीं उसनै म्हारे प्रभु यीशु मसीह के जरिये पूरा करया। 12 क्यूँके म्हारा मसीह पै बिश्वास
सै, अर उसकै कारण परमेसवर की मौजूदगी म्ह हिम्मत अर भरोस्से के गेल्या परमेसवर कै लोवै आ
सका सां। 13 इस करकै मै बिनती करुँ सूं के जो क्ळेश थारे खात्तर मन्नै होवै सै, उनकै कारण हिम्मत
ना छोड़ो, क्यूँके हम पिता परमेसवर कै धोरै जा सका सां।

[illegible]

14 मै इस्से कारण उस पिता परमेसवर कै आग्गै घुटने टेक कै प्रार्थना करुँ सूं। 15 वोए सै जो
सुर्ग अर धरती पै, हरेक वंश का पिता सै। 16 मै प्रार्थना करुँ सूं, के परमेसवर अपणी महिमा के
असीमित धन के मुताबिक थारे पै अनुग्रह करै, ताके थम उसकी पवित्र आत्मा तै अपणे भीतरी
माणसपण म्ह सामर्थ पाकै शक्तिशाली होन्दे जाओ। 17-18 अर बिश्वास कै जरिये मसीह म्हारै मन
म्ह बसै, ताके थम प्यार म्ह मजबूत होकै बणे रहों, अर सारे पवित्र माणसां कै गेल्या आच्छी ढाळ
समझण की ताकत पाओ, के उसके प्यार की चौड़ाई, लम्बाई, अर ऊँचाई, अर गहराई कितनी सै।
19 मै प्रार्थना करुँ सूं, के थम मसीह के उस प्यार नै जाण सको जो ज्ञान तै परै सै, ताके थारा सुभाव
परमेसवर के सुभाव जिसा हो जावै। 20 परमेसवर ताकतवर सै, अर वो म्हारी बिनती अर समझ तै
भी घणा काम कर सकै सै, उस सामर्थ कै मुताबिक जो म्हारे म्ह काम करै सै। 21 कलीसिया म्ह अर
मसीह यीशु म्ह उसकी बड़ाई पीढ़ी तै पीढ़ी तैई युगानुयुग होंदी रहै। आमीन।

4

[illegible]

1 मै प्रभु की सेवा करण के कारण कैद म्ह सूं, अर थारे तै बिनती करुँ सूं, के जिस बुलाहट तै
परमेसवर नै थारे ताहीं बुलाया सै, उस्से तरियां जीवन बिताओ। 2 यानी सारी दीनता अर नम्रता
गैल, धीरज धरकै प्यार तै एक-दुसरे नै सह ल्यो। 3 इसा करण की भरपूर कोशिश करो, के थम रळ-
मिलकै रह सकों, क्यूँके परमेसवर की आत्मा के जरिये थम एक ए होण खात्तर बुलाए गये सों। 4 हम
सारे बिश्वासी, देह के अंगां की ढाळ सां, अर सारया नै एकैए पवित्र आत्मा पाई सै, उस्से ढाळ
जिब परमेसवर नै थारे ताहीं अपणे माणस होण खात्तर बुलाया था, तो थारे ताहीं एक उम्मीद दी गई
थी। 5 सिर्फ एके प्रभु सै, एके बिश्वास सै, हम सारया नै यीशु के नाम म्ह बपतिस्मा पाया सै, 6 सिर्फ
एके परमेसवर सै जो सारे माणसां का पिता सै, जो सब कै उप्पर राज करै सै, अर हम सब कै जरिये
काम करै सै, अर हम सारया के म्ह रहवै सै। 7 पर मसीह नै हम सारया ताहीं उसके काम करण खात्तर
न्यारे-न्यारे ढाळ की खास काबलियत देई सै। 8 इस करकै पवित्र-ग्रन्थ मसीह के बारें म्ह कहवै
सै, "वो ऊँच्चे पै चढ़ा अर कैदियाँ नै बाँधले ग्या, अर माणसां ताहीं आत्मिक दान दिए।" 9 उसकै
ऊँच्चे पै चढ़ण का, के मतलब हो सकै सै, सिवाए इसके के वो अधोलोक म्ह भी उतर ग्या। 10 अर
जो उतर ग्या, यो वोए सै, जो सुर्ग म्ह सारे तै ऊँच्चे पद पै पोहच ग्या, जिसतै के उसका राज सारे
ब्रह्माण्ड म्ह फैल जावै। 11-12 यो मसीह सै जो म्हारे ताहीं वरदान देवै सै, उसनै कईयाँ तै प्रेरित,
अर कईयाँ तै नबी, कईयाँ तै सुसमाचार सुणाण आळे, कईयाँ तै सेवक अर शिक्षक नियुक्त करया,
इनकी जिम्मेदारी या सै के ये और दुसरे माणसां नै सीखा के परमेसवर का काम करवा सकै, अर
कलीसिया जो मसीह की देह सै उस ताहीं मजबूत कर सकै। 13 यो तब तक होन्दा रहवैगा जिब तक
के हम अपणे बिश्वास, अर परमेसवर के बेट्टे कै बारें म्ह अपणी समझ म्ह एक ना हो जावां, फेर हम
सिध्द बणागे जिस तरियां मसीह सिध्द सै, अर हम पूरी तरियां तै उसके जिसे बण जावांगे। 14 मसीह
म्ह बढ़ण अर सिध्द होण कै कारण, हम बाळकां के जिसा बरताव ना करां, हम उस किस्ती की ढाळ
ना बणा, जिसनै झाल* आग्गै-पाच्छै, अर हवा आस्सै-पास्सै उछाळै सै। इसका मतलब यो सै, के
चलाक, अर ठग माणस अपणी झूठ्ठी शिक्षा कै जरिये हमनै धोक्खा न्ही देण पावै। 15 बल्के सच नै

* 4:14 4:14 झाल लहरे

प्यार तै बोल्लों, अर सारी बात्तां म्ह मसीह यीशु की तरियां सिध्द बणो, जो के म्हारा सिर सै। [16] हम
सारे जो मसीह म्ह बिश्वास करां सां, हम उसकी देह के अंग की तरियां सां, जिस तरियां एक माणस
की देह, जोड़ा के जरिये एक साथ जुड़ी हो सै अर जिब देह का हर हिस्सा आच्छी तरियां काम करै
सै, तो देह का विकास होकै मजबूत बणे सै, इस्से तरियां म्हारे म्ह तै जै कोए मसीह का काम करै
सै, जो मसीह नै म्हारे ताहीं दिया सै, तो हम भी मजबूत अर सिध्द होवां सां, अर हम एक-दुसरे तै
ज्यादा प्यार करां सां।

[illegible]

[17] इस करकै परमेसवर नै जो अधिकार मेरे ताहीं दिया सै, उसकी बजह तै मै न्यू कहूँ सूं, के जिसा
अबिश्वासी माणस अपणे मन की बेकार की रीति-रिवाजां म्ह अपणा जीवन जीवै सै, थम आज तै
इसा जीवन ना जिओ। [18] क्यूँके वे समझ न्ही पाण लागरे, के उस अज्ञानता कै कारण, अर उनके मन
की कठोरता कै कारण, जो उन म्ह सै, वे परमेसवर के उस जीवन तै न्यारे करे गए सै जो परमेसवर
देवै सै। [19] वे बुरे काम की बजह तै अपणी गलती महसूस न्ही करते अर उननै अपणे-आप ताहीं
बुरे काम्मां खात्तर सौप दिया सै, वे सारी ढाळ के भुन्डे काम लगातार करते जावै सै। [20] पर थमनै
मसीह की शिक्षायां म्ह इसे काम करणे न्ही सीखे। [21] बल्के जो थमनै यीशु मसीह के बारें म्ह सुण्या
अर जो थारे शिक्षकां नै सिखाया, वोए उसकी ओड़ तै सच्चा सन्देस सै। [22] अर थारे शिक्षकां नै थारे
बुरे काम अर बुरा सुभाव छोड़णा सिखाया सै, थारी बुरी लालसायां नै थारा जीवन नाश कर दिया।
[23] थम पवित्र आत्मा नै थारे सुभाव अर सोच्चण के तरिक्कें नै बदलण द्यो। [24] परमेसवर नै थारे
ताहीं एक नया सुभाव दिया सै, जो के उसके अपणे सुभाव की तरियां सै, इस करकै इस नये सुभाव
के मुताबिक बरताव करो। असलियत म्ह धर्मी अर पवित्र बणो। [25] इस कारण झूठ बोलणा छोड़कै
हरेक अपणे पड़ोसी तै सच बोल्लै, क्यूँके हम आप्पस म्ह हम एक ही देह के अंग सां। [26] जै थारे ताहीं
गुस्सा आ भी जावै तो उस गुस्से म्ह पाप ना करियो, अर सूरज ढळण तै पैहल्या थारा गुस्सा भी न्ही
रहणा चाहिए। [27] अर अपणे-आप ताहीं शैतान नै परखण का मौक्का ना द्यो। [28] चोरी करण आळा
फेर चोरी ना करै, बल्के मेहनत करकै अपणी कमाई के जरिये दुसरे माणसां की भी मदद कर सकै,
जो जरूरत मन्द हो। [29] कोए भी गलत बात थारे मुँह तै ना लिकड़ै, पर जरूरत कै मुताबिक वोए
लिकड़ै जो दुसरयां के बिश्वास की बढ़ोतरी कै खात्तर हो, ताके वा बात जो थारे मुँह तै लिकड़ै सै वा
सुणण आळा नै उत्साहित कर सकै। [30] परमेसवर के पवित्र आत्मा नै दुखी ना करो, जो उसनै थारे
ताहीं दिया सै, जो पक्का छुटकारै कै दिन थमनै बचा सकै सै। [31] इस करकै सारी ढाळ की कड़वाहट,
प्रकोप, गुस्सा, झगड़ा, अर बुराई, सारे बैरभाव नै अपणी जिन्दगी तै लिकाड़ द्यो। [32] एक-दुसरे पै
दयालु अर करुणामय हो, अर जिसा परमेसवर नै मसीह म्ह थारे कसूर माफ करे, उस्से तरियां थम
भी एक-दुसरे के कसूर माफ करो।

5

[illegible]

[1] थम परमेसवर के बाळक सों, जिनतै वो प्यार करै सै, इस करकै उसकी ढाळ बणण की कोशिश
करो। [2] दुसरयां तै प्यार करण आळी जिन्दगी जिओ, जिस तरियां मसीह जिया, जिसनै थारे तै प्यार
करया अर म्हारे पापां नै मिटाण खात्तर अपणे-आप ताहीं कुरबान कर दिया, अर परमेसवर उसकी
कुरबान्नी तै खुश था, क्यूँके वा कुरबान्नी परमेसवर कै खात्तर खसबूदार भेट कै समान थी। [3] जिसा
पवित्र माणसां कै लायक सै, उसाए थारे म्ह जारी अर किसे ढाळ के अशुद्ध काम या लोभ का जिक्र
तैई ना हो, [4] अर ना बेशर्मी, ना मूर्खता की बातचीत, ना मजाक की, क्यूँके ये बात शोभा न्ही देंदी,
बल्के थारे मुँह तै परमेसवर का ए धन्यवाद सुण्या जावै। [5] क्यूँके थम यो आच्छी तरियां तै जाणो सों,
के कोए भी जार, दुराचारी, या लोभी माणस जो मूर्तिपूजकां के समान सै, ये मसीह अर परमेसवर के
राज्य के भागी न्ही हो सकदे। [6] कोए थमनै धोक्खा ना देवै के परमेसवर पाप करण आळे माणसां नै

दण्ड कोनी देवै, क्यूँके परमेसवर का छो हुकम ना मानण आळे पै भड़कै सै। 7 इस करकै थम उनके
पापी काम्मां म्ह उनके साझीदार ना होओं। 8 क्यूँके थम तो पैहल्या उन माणसां की ढाळ थे जो
अन्धकार म्ह थे, पर इब थम परमेसवर के लोग बणगे सों, इस करकै थम इब चाँदणे म्ह सों, तो
इब थमनै उन माणसां की ढाळ जीणा चाहिए जो चाँदणे म्ह सै। 9 क्यूँके जै माणस चाँदणे म्ह सै
तो उसका सुभाव आच्छा अर धर्मी सै, अर उसपै बिश्वास करया जा सकै सै। 10 अर यो परखो के
प्रभु नै के आच्छा लाग्गै सै। 11 थम उनके बुरे काम्मां म्ह उनके साझीदार ना होओं, बल्के लोग्गां
नै बताओ के ये काम बुरे सै। 12 क्यूँके उनकै गुप्त काम्मां का जिक्र भी शर्म की बात सै। 13 जिब
बुरे लोग थारा आच्छा सुभाव देक्खै सै तो उनका बुरा सुभाव जाहिर हो जावै सै, उसकी बजह तै वो
अपणा बुरा सुभाव छोड़ दे सै, अर थारे जिसे आच्छे बण जावै सै। 14 इस कारण एक कहावत सै के
"हे सोण आळे जाग! अर मुर्दां म्ह तै जी उठ! ताके मसीह थारे पै अपणा चान्दणा चमकावै।" 15 इस
करकै ध्यान तै देक्खों, के किसा जीवन जीण लागरे सों। बेअक्ला की तरियां न्ही पर अकलमंद की
तरियां जिओ। 16 मौक्कै नै घणा कीमती समझों, क्यूँके दिन बुरे सै। 17 इस कारण बेअक्ल ना होओं,
पर ध्यान तै समझो के प्रभु की मर्जी के सै। 18 मदिरा पी कै मतवाले ना बणो, क्यूँके इसतै लुचपण
होवै सै, पर पवित्र आत्मा तै भरदे जाओ। 19 जिब थम पवित्र आत्मा के कहे म्ह चाल्लोंगे तो
ये काम करोगे, जिब थम कठ्ठे होओगे तो आप्पस म्ह परमेसवर के भजन, उसकी जै-जै कार अर
आत्मिक गीत गाया करोगे, अर अपणे-अपणे मन म्ह प्रभु के आग्गै गान्दे अर कीर्तन करदे रहो।
20 अर सदा सारी बात्तां कै खात्तर म्हारे प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै परमेसवर पिता का धन्यवाद
करते रहो। 21 मसीह कै प्रति श्रद्धा-भक्ति राक्खण के कारण एक-दुसरे कै अधीन रहो।

[illegible]

22 हे पत्नियों, अपणे-अपणे पति कै इस ढाळ अधीन रहो जिस ढाळ प्रभु के अधीन रहो सों।
23 क्यूँके पति तो पत्नी का सिर सै, जिस ढाळ मसीह कलीसिया का सिर सै, अर कलीसिया मसीह
की देह सै अर उद्धारकर्ता भी सै। 24 पर जिस ढाळ कलीसिया मसीह कै अधीन सै, उस्से तरियां
पत्नियाँ भी हर बात म्ह अपणे-अपणे पति कै अधीन रहै। 25 हे पतियों, अपणी-अपणी पत्नियाँ तै
प्यार राक्खो, जिसा मसीह नै भी कलीसिया तै प्यार करकै उसकै खात्तर अपणी जान दे दी। 26 ताके
वो कलीसिया (बिश्वासी लोग्गां) ताहीं वचन तै नाहण के जरिये पापां तै शुद्ध करै, अर पवित्र
बणावै। 27 वो अपणी कलीसिया खात्तर मरया ताके वो अपणे माणसां नै सिध्द बणाकै अपणी हजुरी
म्ह ल्या सकै, जिस म्ह ना कलंक, ना झुरी, ना कोए और इसी चीज हो बल्के पवित्र अर बेकसूर
हो। 28 इस तरियां सही सै के पति अपणी-अपणी पत्नी तै अपणी देह कै समान प्यार राक्खै। जो
अपणी पत्नी तै प्यार करै सै। वो अपणे-आप तै प्यार करै सै। 29 क्यूँके किसे नै कदे अपणे देह तै बैर
न्ही करया बल्के वो उसका पालन-पोषण करै सै, जिसा मसीह भी कलीसिया कै गैल करै सै। 30 इस
करकै के हम मसीह की देह के अंग के समान सां। 31 जिसा के पवित्रग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "इस
कारण माणस अपणे माँ बाप नै छोड़कै अपणी पत्नी तै मिल्या रहवैगा, अर वे दोनु एक देह होंगे।"
32 यो भेद तो बड़्ड़ा सै, पर मै याड़ै मसीह अर कलीसिया कै बारै म्ह कहूँ सूं। 33 पर थारे म्ह तै हरेक
अपणी पत्नी तै अपणे समान प्यार करै, अर पत्नी भी अपणे पति का डर मान्नै।

6

[illegible]

1-3 पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के "अपणे माँ बाप का आदर कर, तो तेरा भला होगा अर इस धरती
पै तेरी उम्र भी लम्बी होवैगी।" अर यो परमेसवर की ओड़ तै दिया गया पैहला हुकम सै, जिसके
गैल वादा भी सै। हे बाळकां आळो, यो थारे खात्तर सही सै, के थम जो परमेसवर पै बिश्वास करो
सों, तो अपणे माँ-बाप का कहणा मान्नो। 4 हे बाळकां आळो, अपणे बाळकां नै गुस्सा ना दुवाओ,
पर शिक्षा अर चेतावनी देंदे होए उनका पालन-पोषण करो।

[illegible]

[5]हे नौकरों, जो माणस इस दुनिया म्ह थारे माल्लिक सै, उनका हुकम डरदे अर कापते होए मान्नो,
जिस मन तै थम मसीह का हुकम मान्नो सों। [6]माणसां नै खुश करण आळा कै समान दिखावटी सेवा
ना करो, पर थम मसीह के दास सों, इस करकै थम पूरे मन तै वो काम करो जो परमेसवर चाहवै सै।
[7]अर उस सेवा नै माणसां की न्ही, पर प्रभु की सेवा जाणकै सच्चे मन तै करो। [8]क्यूँके थम जाणो
सों के जो कोए जिसा आच्छा काम करैगा, चाहे दास हो चाहे आजाद माणस, प्रभु तै उसका फळ
पावैगा। [9]हे मालिकों, थम भी धमकी देणा छोड़कै नौकरां गैल उसाए व्यवहार करो, क्यूँके थम
जाणो सों के उनका अर थारा दोनुआ का माल्लिक सुर्ग म्ह सै, अर वो किसे का पक्षपात न्ही करदा।

[illegible]

[10]इस करकै मै कहूँ सूं के थम प्रभु म्ह आत्मिक रूप तै शक्तिशाली बणो। [11]परमेसवर के सारे
हथियार बाँध ल्यो ताके थम शैतान की चालां कै स्याम्ही खड़े रह सको। [12]क्यूँके म्हारा यो आत्मिक
युध्द माणसां तै कोनी, पर प्रधानां, अधिकारियां, अर इस संसार के अन्धकार के हाकिमां अर दुष्टता
की आत्मिक सेनाओं तै सै, जो अकास म्ह सै। [13]इस करकै परमेसवर के सारे हथियार बाँध ल्यो ताके
जिब बुरे दिन आवै तो उनका सामना कर सको, अर सब कुछ करण म्ह मजबुत्ती तै डटे रह सको।
[14]इस करकै परमेसवर की सच्चाई के मुताबिक जिओ, यो इस तरियां सै, जिसा एक सिपाही का
बेल्ट तै अपणी कमर कसणा, अर धार्मिकता की झिलम पैहर ल्यो जो थारे आच्छे सुभाव नै दिखावै
सै, जो थमनै शैतान के हमले तै बचावैगा। [15]जिस तरियां एक सिपाही युध्द लड़ण कै खात्तर पैरां म्ह
जूत्ते पैहरै सै, उस्से तरियां थम भी परमेसवर के साथ शान्ति के सुसमाचार के जरिये, शैतान तै लड़ण
खात्तर त्यार हो जाओ। [16]अर इन बात्तां के होन्दे होए जिस तरियां सिपाही, ढाल तै अपणे-आपनै
दुश्मन के तीरां तै बचावै सै, उस्से तरियां मसीह म्ह पक्का बिश्वास करो ताके थम शैतान के हमलां
तै खुद नै बचा सको। [17]जिस तरियां सिपाही युध्द म्ह अपणे सिर नै बचाण खात्तर टोप पैहरै सै,
उस्से तरियां परमेसवर की ओड़ तै मिल्या उद्धार भी म्हारा टोप सै, जो थमनै शैतान के हमलां तै
बचावैगा, अर जिस तरियां सिपाही युध्द म्ह तलवार तै अपणे-आपनै बचावै सै, अर थम भी आत्मा
की तलवार, जो परमेसवर का वचन सै, ले ल्यो, अर शैतान तै खुद नै बचा ल्यो। [18]हरेक बखत अर
हरेक ढाळ तै पवित्र आत्मा की अगुवाई म्ह प्रार्थना अर बिनती करते रहों, इस करकै जागते रहों
अर सारे पवित्र माणसां खात्तर लगातार बिनती करते रहों। [19]अर थम मेरै खात्तर भी प्रार्थना
करो, ताके मेरे बोल्लण कै बखत इसे शब्द दिये जावै के मै हिम्मत कै गैल सुसमाचार का भेद बता
सकूँ। [20]इस्से खात्तर मै बेल्लां तै जकड़ा होया राजदूत के समान सेवा करण लाग रहया सूं, प्रार्थना
करो के जिस तरियां मन्नै बोलणा चाहिए, उस्से ढाळ बेधड़क होकै सुसमाचार का प्रचार कर सकूँ।

[illegible]

[21]तुखिकुस जो प्रभु म्ह मेरा प्यारा भाई अर बिश्वास लायक सेवक सै, वो थारे ताहीं मेरे सारे
हालात अर सारी बात्तां के बारें म्ह बता देवैगा। [22]उस ताहीं मन्नै थारे धोरै इस्से खात्तर भेज्या सै के
थम म्हारी दशा नै जाणो, अर वो थारे मनां नै होसला दे। [23]परमेसवर पिता अर प्रभु यीशु मसीह
की ओड़ तै बिश्वासी भाईयाँ नै शान्ति अर बिश्वास गैल प्यार मिलै। [24]उन सारा पै अनुग्रह होंदा
रहवै, जो म्हारै प्रभु यीशु मसीह तै कदे ना खतम होण आळा प्यार करै सै।

फिलिप्पी नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की चिट्ठी

???????

फिलिप्पी नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की चिट्ठी यूरोप की धरती पै बणाई पैहली कलीसिया ताहीं लिखी गई थी, जिसकी शरुआत पौलुस नै करी थी। या रोमी प्रान्त के मकिदुनिया परदेस म्ह थी। या चिट्ठी उस बखत लिखी गई थी, जिब प्रेरित पौलुस जेळ म्ह था, अर जिब वो दुसरे मसीह कार्यकर्ताओं के जरिये अपणे बिरोध के कारण परेशान अर फिलिप्पी की कलीसिया म्ह घणी गलत शिक्षा तै दुखी था। फेर भी या चिट्ठी एक खुशी अर तसल्ली नै दिखावै सै, के सिर्फ यीशु मसीह म्ह पौलुस के गहरे बिश्वास के जरिये समझया जा सकै सै।

इस चिट्ठी का जिब्बे लिखण का कारण यो था, फिलिप्पियों के बिश्वासियाँ ताहीं धन्यवाद देणा, उस दान खात्तर जो उननै पौलुस की जरूरत के बखत पै उस ताहीं भेज्जा था। वो इस मौक्कै का इस्तमाल उन ताहीं भरोस्सा देण खात्तर करै सै, के वे उसकी अर साथ-साथ खुद अपणी सारी मुसीबतां के बाद भी हिम्मत अर भरोस्सा राक्खै सै। वो उनतै बिनती करै सै, के वे स्वार्थी लालसा अर घमण्ड के बदले यीशु के दीन सुभाव नै अपणावै। वो उननै याद करावै सै, के मसीह म्ह उनका जीवन परमेसवर के अनुग्रह का एक दान सै, जो उननै बिश्वास के जरिये पाया सै, ना के यहूदी नियम-कायदा ताहीं पुगाण के जरिये। वो उस आनन्द अर शान्ति के बारै म्ह लिखै सै, जो परमेसवर उन माणसां ताहीं देवै सै, जो मसीह कै गेल्या एकता का जीवन जीवै सै। मसीह बिश्वास अर जीवन म्ह आनन्द, निश्चय, एकता अर मजबुत्ती पै जोर देणा इस चिट्ठी की खासियत सै। या चिट्ठी फिलिप्पी नगर की कलीसिया के प्रति पौलुस के गहरे प्रेम नै दिखावै सै।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1-11
पौलुस की निजी हालात 1:12-23
मसीह म्ह जीवन 1:27-2:18
तीमुथियुस अर इपफ्रुदीतुस कै खात्तर योजना 2:19-30
दुश्मनां अर खतरां के खिलाफ चेतावनी 3:1-4:9
पौलुस अर उसके फिलिप्पी नगर के मित्तर 4:10-20
समापन 4:21-23

1 या चिट्ठी पौलुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह के दास सै, मै पौलुस
कलीसिया के सारे पवित्र माणसां, अगुवां, अर सेवकां के नाम जो प्रभु यीशु मसीह म्ह होकै
फिलिप्पी नगर म्ह रहवै सै। 2 हम प्रार्थना करां सां के म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह
की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै।

?????? ?? ????????? ?? ???????

3 मै जिब-जिब थमनै याद करुँ सूं, तब-तब अपणे परमेसवर का धन्यवाद करुँ सूं, 4 अर खुशी कै
गैल अपणी हरेक प्रार्थना म्ह थारे सारया खात्तर हमेशा परमेसवर तै मदद की बिनती करुँ सूं। 5 इस
करकै के पैहले दिन तै जिब थमनै सुसमाचार पै बिश्वास करया, तब तै आज तक थम यीशु मसीह
कै प्यार के बारें म्ह सुसमाचार फैलाण म्ह म्हारे साथ रह्यो सों। 6 मन्नै इस बात का भरोस्सा सै, के
परमेसवर जिसनै थारे म्ह आच्छा काम शरु करया सै, वोए उसनै जिब यीशु मसीह बोहड़ के आवैगा
तब तक पूरा करैगा। 7 सही सै ताके मै थारे सारया खात्तर इसाए विचार करुँ। क्यूँके थारे खात्तर मेरै
मन म्ह खास जगहां सै, इब मै कैद म्ह सूं, अर सुसमाचार की सच्चाई नै साबित अर बचाव करण म्ह
लागरया सूं, तो थम सब मेरै गैल परमेसवर के अनुग्रह म्ह साझीदार सों। 8 इस म्ह परमेसवर मेरा

गवाह सै, के मै मसीह यीशु की तरियां लगाव करकै, थारे सारया की मिलण की लालसा करुँ सूं। 9 मै
या प्रार्थना करुँ सूं, कै थारा प्यार वास्तविक ज्ञान अर अन्तरात्मा म्ह और भी बढ़ता जावै। 10 ताके
थम आच्छी तै आच्छी बात नै चुण सकों, अर मसीह कै बोहड़ण तक हरेक बुराई तै बचे रहों, अर
ठोक्कर ना खाओ। 11 अर उस धार्मिकता के काम नै जो यीशु मसीह कै जरिये होवै सै, भरपूर होन्दे
जाओ जिसतै परमेसवर की महिमा अर बड़ाई होंदी रहवै।

[illegible]

12 हे बिश्वासी भाईयो, मै चाहूँ सूं के थम यो जाण ल्यो, के जो मेरै पै बित्या सै, उसतै भोत सारे
माणसां नै सुसमाचार पै बिश्वास करया सै। 13 उरै ताहीं के महाराजा के राजभवन की सारी पलटन
अर बाकी सारे माणस यो जाणगे सै, के मै कैद म्ह सूं, क्यूँके मै मसीह का दास सूं। 14 अर प्रभु म्ह
जो बिश्वासी भाई सै, उन म्ह तै घणखरे मेरै कैद होण कै कारण, साहस कै गैल परमेसवर का वचन
बिना डरे सुणावै सै। 15 कुछ लोग तो जळण अर झगड़े कै कारण मसीह के सुसमाचार के बारें म्ह
सुणावै सै, अर कई माणस भली इच्छा तै, ताके मेरे वचन फैलाण म्ह मदद कर सकै। 16 भली इच्छा
तै प्रचार करण आळे प्यार तै प्रचार करै सै, क्यूँके वो जाणै सै, के मै सुसमाचार के बचाव कै खात्तर
जेळ म्ह बन्द सूं। 17 कई माणस तो जळण अर बिरोध के कारण मसीह का प्रचार करै सै, यो सोचकै
के मेरी कैद म्ह मेरै खात्तर और क्लेश पैदा कर सकै। 18 तो के होया? सिर्फ यो के हर ढाळ तै, बुरी
इच्छा तै चाहे सच्चाई तै, मसीह के वचन का प्रचार हरेक जगहां करया जाण लागरया सै, अर मै
इसतै आनन्दित सूं अर आनन्दित रहूँगा भी।

[illegible]

19 क्यूँके मै जाणु सूं, के थारी बिनती कै जरिये, अर पवित्र आत्मा जो यीशु मसीह की ओड़ तै
आया सै, इसका प्रतिफळ जो मेरे बिश्वास म्ह बणे रहण अर कैद तै लिकड़ण का कारण होगा।
20 मै तो याए मन तै लालसा अर आस राक्खूँ सूं, के मै किसे बात म्ह शर्मिन्दा ना होऊँ, पर साहस कै
साथ परमेसवर का वचन सुणा सकूँ, जिसा पैहले मन्नै सुण्या था, चाहे मै जिन्दा रहूँ या मरु, मसीह
की बड़ाई मेरी देह के जरिये होन्दी रहवै। 21 क्यूँके मेरै खात्तर जिन्दा रहणा मसीह सै, अर मर जाणा
और भी आच्छा सै, क्यूँके मै मसीह कै धोरै चला जाऊँगा। 22 पर जै देह तै जिन्दा रहणा ए परमेसवर
के काम कै खात्तर फायदेमन्द सै, तो मै न्ही जाणदा के किसनै चुणु। 23 क्यूँके मै उळझन म्ह सूं, के
मै के करुँ, जी तो करै सै, के मै दुनिया छोड़कै मसीह कै धोरै चला जाऊँ, क्यूँके यो घणाए आच्छा
सै, 24 पर देह म्ह रहणा थारे कारण और भी जरूरी सै, ताके मै थारी मदद कर सकूँ। 25 इस करकै के
मन्नै इसका भरोस्सा सै। मै जाणु सूं के मै जिन्दा रहूँगा, बल्के सारा कै गेल्या रहूँगा, जिसतै थमनै
बिश्वास म्ह मजबूत कर सकूँ, अर उस म्ह आनन्दित रहों। 26 जिब मै थारे धोरै बोहड़ के आऊँगा
तो यीशु मसीह जो मेरे जरिये काम करण लागरया सै, उसपै थम गर्व कर सकों सों। 27 सिर्फ इतणा
करो, के थारा चाल चलण मसीह कै सुसमाचार कै लायक हो जावै। चाहे मै आकै थमनै देक्खूँ, चाहे
ना भी आऊँ, तोभी थारे बारें म्ह योए सुणु, कै थारा एक ए मकसद हो, अर एक मन होकै बिश्वास तै
जो सुसमाचार तै आवै सै, उसकै खात्तर मेहनत करते रहों। 28 अर किसे बात म्ह बिरोधियाँ तै भय
ना खाओ। उनकै खात्तर विनाश का, अर थारे खात्तर उद्धार का साफ सबूत सै, अर यो परमेसवर की
ओड़ तै सै। 29 क्यूँके मसीह कै कारण थारे पै या अनुग्रह होया के ना केवल उसपै बिश्वास करो पर
उसकै खात्तर दुख भी ठाओ, 30 अर थमनै उसीए मेहनत परमेसवर कै खात्तर करणी सै, जिसी थमनै
मेरै ताहीं पैहले फिलीपी नगर म्ह करते देख्या सै, अर इब भी सुणो सों के मै उसाए करुँ सूं।

2

[illegible]

1 थम यीशु मसीह के कारण उत्साहित हो, अर जो उसका प्यार थारे खात्तर सै, वो थमनै शान्ति
देवै सै, क्यूँके पवित्र आत्मा कै गैल थारी संगति सै, अर मसीह की करुणा अर दया थारे पै सै।

2 तो मेरा यो आनन्द पूरा करो के एक मन रहों, अर एके प्यार, एके चित्त, अर एके मनसा राक्खों।
3 मतलबीपण या झूठ्ठी बड़ाई कै खात्तर कुछ्छ ना करो, पर दीनता तै एक-दुसरे नै अपणे तै घणा
आदर मान द्यो। 4 हरेक अपणे ए हित की न्ही, बल्के दुसरयां कै हित की भी चिंता करै। 5 जिसा
मसीह यीशु का सुभाव था उसाए तेरा भी सुभाव हो। 6 यीशु, परमेसवर कै समान होकै भी होकै भी
परमेसवर कै बराबर होण नै अपणे बस म्ह राक्खण की चीज ना समझा। 7 बल्के अपणा सारा सुर्गीय
हक छोड़ दिया, अर दास का रूप धारण करते होए माणस की समानता म्ह होग्या। 8 अर माणस
कै रूप म्ह जाहिर होकै अपणे-आपनै दीन करया, अर परमेसवर का आज्ञाकारी रहया अर याड़ै तक
के अपराधियाँ की तरियां मौत, हाँ क्रूस की मौत भी सह ली। 9 इस कारण परमेसवर नै उस ताहीं
ऊँच्ची उपाधि दी, अर उसनै वो नाम दिया जो सारे नाम्मां म्ह ऊँच्चा सै, 10 के जो सुर्ग म्ह अर
धरती पै धरती कै नीच्चै सै, वे सारी यीशु कै नाम की बड़ाई करै, 11 अर परमेसवर पिता की महिमा
के खात्तर हरेक इन्सान मान ले के यीशु मसीह ए प्रभु सै।

??????? ???? ???????? ?? ???? ?????

12 इस करकै हे मेरै प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिस ढाळ थम सदा तै हुकम मानते आये सों, उसाए
इब भी ना सिर्फ मेरै गैल रहंदे होए, पर खास करकै इब मेरै दूर रहण पै, भी परमेसवर तै डरदे अर
कापते होए अपणे उद्धार के काम नै पूरा करो। 13 क्यूँके परमेसवर थारे म्ह काम करण लागरया सै,
अर वोए थमनै अपणी इच्छा अर सामर्थ देवै सै, वो काम करो जो उसनै पसन्द सै। 14 सारे काम बिना
कुड़कड़ाए अर बिना विवाद कै करया करो, 15 ताके थम परमेसवर की ऊलाद की तरियां इस दुनिया
के बुरे अर मतलबी माणसां के बीच म्ह पवित्र अर बेदाग जीवन जी सकों। दुनिया के माणसां के
बीच म्ह थम जीवन का वचन लिये होए, आसमान के तारां के समान चमकों। 16 जिब मसीह बोहड़ै
तो मन्नै गर्व करण का कारण हो, ताके मेरी कोशिश अर मेरी मेहनत करणा बेकार ना होवै। 17 जिब
मन्नै थारे ताहीं वचन सुणाया, तो थमनै यीशु मसीह पै बिश्वास करया, अर अपणा जीवन भी सेवा
खात्तर प्रभु ताहीं बलिदान दिया। इस करकै मै प्रभु खात्तर मर भी जाऊँ, तोभी थारे साथ खुश अर
आनन्दित सूं। 18 उस्से तरियां थम भी आनन्दित होओ, अर मेरै गैल आनन्द करो।

?????????? ?? ????????????

19 मन्नै प्रभु यीशु मसीह म्ह आस सै, के मै तीमुथियुस नै थारे धोरै तावळा-ए भेजूगाँ, ताके थारे
हाल नै जाणकै, मै उत्साहित होऊँ। 20 क्यूँके मेरै धोरै तीमुथियुस के जिसा सुभाव आळा माणस
और कोए न्ही सै जो शुद्ध मन तै थारी चिंता करै। 21 क्यूँके सारे अपणे स्वार्थ की खोज म्ह रहवै
सै, परमेसवर के काम्मां खात्तर न्ही। 22 पर थम जाणो सों, के तीमुथियुस तो बिश्वास लायक अर
आच्छे सुभाव का सै, जिसा बेट्टा पिता कै गेल्या रहवै सै, उसाए उसनै सुसमाचार कै फैलाण म्ह मेरै
गैल मेहनत करी। 23 इस करकै मन्नै आस सै, कै ज्यो ही मन्नै बेरा लाग्गैगा के मेरा के हाल होगा,
त्यों ही मै उसनै तावळी सी भेज देऊँगाँ। 24 अर मन्नै प्रभु म्ह भरोस्सा सै, के मै आप भी तावळा
आऊँगा। 25 मन्नै इपफ्रुदीतुस नै थारे धोरै भेजणा जरूरी समझा, जो मेरा भाई अर सहकर्मी साथी
योध्दा, अर जरूरतां म्ह मेरी मदद करण आळा थारी ओड़ तै भेज्जा गया दूत सै। 26 क्यूँके उसका
मन थारे सारया म्ह लाग्या रह्या था, अर वो बेचैन रहवै था क्यूँके थमनै उसकी बीमारी का हाल
सुण्या था। 27 पक्का वो बीमार तो होग्या था, उरै ताहीं वो मरण पै था, पर परमेसवर नै उस ताहीं
मरण न्ही दिया, अर सिर्फ उस्से पै न्ही पर मेरै पै भी दया करी, ताके मन्नै दुख पै दुख ना हो। 28 इस
करकै मन्नै उस ताहीं भेजण का और भी जत्न करया, के तू उसतै फेर मिलकै आनन्दित हो जा, अर
मेरी भी चिन्ता घट जावै। 29 इस करकै तू प्रभु म्ह उसतै घणे आनन्द कै गैल मिलये, अर इसा का
आदर करया करिये। 30 क्यूँके वो मसीह कै काम खात्तर अपणी जान जोखिम म्ह गेर कै मौत कै धोरै
आ ग्या था। ताके वो मेरी मदद कर सकै जिस काम नै थम कर न्ही पाये, क्यूँके थम दूर थे।

3

[illegible]

1 इस करकै हे मेरै बिश्वासी भाईयो, प्रभु म्ह आनन्दित रहों। वेए बात थारे ताहीं बारबार लिखण
म्ह मन्नै तो कोए दिक्कत कोनी होन्दी, पर ये बात थमनै इस्से झूठ्ठे शिक्षाकां तै बचाकै राक्खैगी।
2 उन बुरे माणसां तै चौक्कस रहों जो कुत्याँ कै समान सै, अर जो कहवै सै, के उद्धार पाण खात्तर
खतना करणा जरूरी सै। 3 हम्मे परमेसवर के सच्चे लोग सां, जो पवित्र आत्मा की अगुवाई म्ह
आराधना करा सां, अर मसीह यीशु पै घमण्ड करा सां, पर अपणे उन काम्मां के जरिये न्ही जो हम
शरीर तै करा सां। 4 पर मै तो शारीरिक काम्मां पै घमण्ड राक्ख सकू सूं। जै किसे और का शारीरिक
काम्मां पै घमण्ड राक्खण का विचार हो, तो मै उसतै भी बढ़कै राक्ख सकू सूं। 5 परमेसवर के हुकम के
मुताबिक जन्म के आठवे दिन मेरा खतना होया, मै जन्म तै इस्राएली अर बिन्यामीन कै गोत्र का
सूं, मेरे माँ-बाप इब्रानी थे, इस करकै मै भी इब्रानी सूं, अर (मूसा नबी के) नियम-कायदा नै मानण
के कारण मै फरीसी भी था। 6 उत्साह कै बारें म्ह जै कहो तो कलीसिया का सतावण आळा, अर सारे
यहूदी नियम-कायदा नै मानण आळा था, इस करकै लोग मन्नै धर्मी मान्नै थे। 7 पर जिन बात्तां नै मै
लाभ की समझू था, उन ताहीं मन्नै मसीह यीशु कै कारण नुकसान समझ लिया सै। 8 बल्के अपणे
प्रभु मसीह यीशु नै आच्छी तरियां जाणण के महत्व कै आग्गै, मै बाक्की की सारी बात्तां नै बेकार
समझू सूं। जिसकै कारण मन्नै उन सारी चिज्जां ताहीं छोड़ दिया सै, अर उननै कूड़ा समझू सूं। ताके
मै मसीह नै आच्छी तरियां जाण सकू। 9 अर मै उसका कहलाऊँ, इब मेरी अपणी धार्मिकता वा
कोनी जो नियम-कायदा के पुगाण तै आवै सै, बल्के मेरी धार्मिकता वा सै जो सिर्फ परमेसवर की
ओड़ तै मसीह पै मेरे बिश्वास करण कै कारण आवै सै। 10 मै चाहूँ सूं, के मसीह नै जाण ल्यु। अर
मै उसके पुनरुत्थान के सामर्थ्य नै अनुभव करुँ, अर उसकै गैल दुखां म्ह साझीदार हो कै मसीह की
मृत्यु की समानता नै पा सकू। 11 ताके मै भी मरे होए माणसां म्ह तै जी उठण आळा म्ह शामिल हो
जाऊँ।

[illegible]

12 इसका यो मतलब कोनी के मन्नै यो सारा काम करया सै, या मै सिध्द हो लिया सूं, मै आग्गै
बढ़ण की कोशिश करते जाण लागरया सूं, ताके मन्नै वो मिल जावै, जिसकै खात्तर मसीह यीशु नै
मेरै ताहीं चुण्या सै। 13 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, मेरे विचार तै मै इस ताहीं इब तक पा न्ही सका सूं,
पर हाँ, मै यो जरुर करण लागरया सूं, क्यूँके जो बात हो ली सै, मै उननै भूलकै जो आग्गै होण आळा
सै उसकै खात्तर मेहनत करण लागरया सूं। 14 मै निशान्ने की ओड़ भाज्या चाल्या ज्या सूं ताके वो
ईनाम पाऊँ, अर वो ईनाम यो सै के परमेसवर मन्नै सुर्ग म्ह बुलाण लागरया सै क्यूँके मसीह यीशु
मेरे खात्तर मरया। 15 म्हारै म्ह तै जितने आत्मिक रूप तै सिध्द सै, जो इसा विचार राक्खै सै, अर
जै किसे बात म्ह थारा ए विचार न्ही हो, तो परमेसवर उस ताहीं भी थारे पै जाहिर कर देगा। 16 इस
करकै हमनै सच के मुताबिक चालणा सै, जो परमेसवर नै म्हारे पै जाहिर करया। 17 हे मेरे बिश्वासी
भाईयो, थारा सुभाव मेरे जिसा हो, अर उन माणसां ताहीं पिच्छाणो, जिनका सुभाव मेरे जिसा सै,
अर उनकी तरियां जिन्दगी जिओ। 18 क्यूँके घणेए इसी चाल चाल्लै सै, जिनका जिक्र मन्नै थारे
ताहीं बार-बार करया सै, अर इब भी रो-रोकै कहूँ सूं के उनका सुभाव यो दिखावै सै, के वे मसीह कै
क्रूस पै मरण के सन्देस का बिरोध करै सै। 19 उनका अंत विनाश सै, वो अपणी शारीरिक इच्छा नै
ए पूरी करणा चाहवै सै, अर वे अपणी शर्म के काम जो वे करै सै, उनपै घमण्ड करै सै, अर दुनियावी
चिज्जां के बारें म्ह सोचते रहवै सै। 20 पर म्हारा देश सुर्ग म्ह सै, अर हम एक उद्धारकर्ता प्रभु यीशु
मसीह के ओड़ै तै आण की बेसबरी तै बाट देखण लाग रहे सां। 21 वो अपणी शक्ति कै असर कै
मुताबिक जिसकै जरिये वो सारी चिज्जां नै अपणे बस म्ह कर सकै सै, म्हारी दीन-हीन देह का रूप
बदलकै, अपणी देह कै अनुकूल बणा देगा।

4

[illegible]

1 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, मै थारे ताहीं भोत प्यार करुँ सूं, मन्नै थारे तै मिलण की बड़ी इच्छा सै।
थम मेरा आनन्द अर मुकुट हो, मजबुत्ती तै बिश्वास करो, अर प्रभु के हुकम नै मानते रहों। 2 मै
यूओदिया नै भी समझाऊँ सूं, अर सुन्तुखे नै भी, के थम आप्पस म्ह एक-दुसरे तै बहस मत करो।
3 हे मेरे सच्चे सहकर्मी, मै तेरे तै भी बिनती करुँ सूं के तू उन बिरबानियाँ की लड़ाई बन्द करवाण म्ह
मदद कर, क्यूँके उननै मेरै गैल सुसमाचार फैलाण म्ह, क्लेमेंस अर मेरै और सहकर्मियाँ गैल मेहनत
करी, जिनके नाम जीवन की किताब म्ह लिखे होए सै। 4 प्रभु म्ह सदा आनन्दित रहों, मै फेर कहूँ
सूं, आनन्दित रहों। 5 थारी कोमलता सारे माणसां पै जाहिर हो। प्रभु का आणा लोवै सै, 6 किसे
भी बात की चिंता ना करो, पर हर हालात म्ह थारे निवेदन, प्रार्थना, बिनती अर धन्यवाद कै गैल
परमेसवर कै आग्गै पेश करै जावै। 7 फेर परमेसवर की शान्ति, जो माणस की समझ तै परै सै, थारे
मन अर विचारां नै मसीह यीशु म्ह सुरक्षित राक्खैगी। 8 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, जो बात
सच सै, जो बात आदरणीय, जो धर्मी सै, पवित्र सुहावनी अर जो-जो बात बड़ाई लायक सै, यानी
जो भी सद्गुण अर प्रशंसा की बात सै उनपै ए मन लगाया करो। 9 जो बात थमनै मेरै तै सुणी, मेरे
म्ह देक्खी, सीखी, अर पाई सै, उननै मान्या करो, फेर शान्ति का परमेसवर थारे गैल रहवैगा।

[illegible]

10 मै प्रभु मै घणा आनन्दित सूं के जिब इतने दिनां कै पाच्छै थारी चिंता मेरै बारें म्ह फेर जाग्गी
सै, पक्का थारे शरुआत म्ह भी इसका विचार था, पर थमनै मौक्का न्ही मिला। 11 क्यूँके मेरे धोरै वो
कोनी जो मन्नै चाहिए, पर मन्नै यो सिख्या सै के मै जिन हालातां म्ह मै सूं, उस्से म्ह सब्र करुँ।
12 मन्नै कंगाली अर भरपूरी म्ह रहणा सीख लिया सै, हरेक हालातां अर हरेक बात म्ह मन्नै तृप्त
अर भूक्खा रहणा, बढ़णा अर घटणा सीख लिया सै। 13 मसीह मन्नै सामर्थ देवै सै उस म्ह मै सब
कुछ कर सकू सूं। 14 तोभी थमनै भला करया के मेरै क्लेश म्ह मेरे साझीदार होए। 15 हे फिलिप्पी
नगर के माणसों, थम आप भी जाणो सों के सुसमाचार कै शरुआत म्ह, जिब मै मकिदुनिया परदेस
तै बिदा होया, जब थारे अलावा किसे कलीसिया के बिश्वासी नै लेण देण कै बारें म्ह मेरी मदद न्ही
करी। 16 इसे ढाळ थिस्सलुनीके नगर म्ह मेरी जरूरतां नै पूरा करण म्ह थमनै दो बार रपिये भेजकै
मेरी मदद करी। 17 मै यो न्ही लिखता, के मै दान चाहूँ सूं पर मै चाहूँ सूं के थारे दान के बदले थमनै
आशीष मिलै। 18 मेरै धोरै सब कुछ सै, बल्के भोत घणाए सै, जो चीज थमनै इपफ्रुदीतुस कै हाथ
तै भेजी थी उननै पाकै मै तृप्त होग्या सूं, थारे दान तो मनमोहक सुगन्धित भेट की तरियां सै, अर
उस बलिदान की तरियां सै, जो याजक परमेसवर नै चढ़ावै सै, अर वे उसनै भावै सै। 19 म्हारा पिता
परमेसवर, अपणे अपार धन के मुताबिक जो महिमा समेत मसीह यीशु म्ह थारी हरेक जरूरत नै
पूरी करैगा। 20 म्हारै परमेसवर अर पिता की बड़ाई युगानुयुग होंदी रहवै। आमीन।

[illegible]

21 यीशु मसीह म्ह सभी पवित्र माणसां नै, मेरी ओड़ तै नमस्कार कहो। जो बिश्वासी भाई मेरै
गैल सै वे थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 22 सारे पवित्र माणस, जो मेरे साथ सै, अर खास करकै वे
माणस जो कैसर के घराने तै बिश्वासी बणे सै, थारे ताहीं नमस्कार कहवै सै। 23 म्हारै यीशु मसीह
का अनुग्रह थारी आत्मा कै गैल रहवै।

कुलुस्से नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की चिट्ठी

कुलुस्से नगर के माणसां ताहीं पौलुस प्रेरित की चिट्ठी एशिया माइनर के कुलुस्से नगर की कलीसिया ताहीं लिखी गई थी, जो इफिसुस नगर के पूरब दिशा म्ह था। इस कलीसिया ताहीं पौलुस नै कोनी बणाया, पर या उस जगहां म्ह थी जिसकी जिम्मेदारी पौलुस अपणे कान्धयां पै महसूस करै था, जिसा के हम पौलुस तै रोमी राज्य के एक परदेस, अखाया की राजधानी इफिसुस नगर सै, मसीह सेवकां ताहीं भेजदे होए पावां सां। पौलुस ताहीं यो बेरा लाग्या था के कुलुस्से नगर की कलीसिया म्ह कुछ गलत शिक्षा देणीये थे, जो इस बात पै जोर देवै थे के परमेसवर ताहीं जाणण अर पूरी तरियां मुक्ति पाण खात्तर एक आदमी ताहीं कुछ खास "आत्मिक प्रधानां अर अधिकारियां" की भगति करणी जरूरी था। इसकै साथ-साथ ये शिक्षा देणीये कहवै थे कै माणस ताहीं कुछ खास धर्म-विधियाँ जिस तरियां खतना करवाणा, खाणा, अर कई दुसरी बात्तां तै जुड़े कठोर नियमां का पालन करणा जरूरी सै। पौलुस इन सारी शिक्षा का बिरोध करण खात्तर सच्चे मसीह सन्देस कै साथ या चिट्ठी लिखै सै। उसके जवाब म्ह मर्म यो सै, के यीशु मसीह पूरी तरियां मुक्ति देण म्ह सामर्थी सै, अर दुसरा बिश्वास अर रीति-रिवाज सच म्ह माणस नै उसतै दूर कर देवै सै। मसीह के जरिये परमेसवर नै इस सृष्टि की रचना करी, अर इब उसके जरिये ए वो अपणे धोरै उल्टा ल्यावै सै। सिर्फ मसीह म्ह ए दुनिया ताहीं उद्धार की आशा सै। पौलुस जिब बिश्वासियाँ के जीवन खात्तर इस बड़ी शिक्षा का मतलब बतावै सै। तो या ध्यान देण आळी बात सै, के तुखिकुस, जो पौलुस की या चिट्ठी कुलुस्से नगर लेग्या था, के साथ म्ह उनेसिमुस भी था यो गुलाम जिसके पक्ष म्ह पौलुस नै फिलेमोन की चिट्ठी लिखी थी।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1-8
मसीह का सुभाव अर काम 1:9-2:19
मसीह म्ह नया जीवन 2:20-4:6
समापन 4:7-18

1 या चिट्ठी पौलुस अर म्हारे बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर की इच्छा
तै मसीह यीशु का प्रेरित सै। 2 मसीह म्ह उन पवित्र अर बिश्वासी भाईयाँ के नाम जो कुलुस्से
नगर म्ह रहवै सै: म्हारा पिता परमेसवर थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति देंदा रहवै।

3 जिब हम थारे खात्तर बिनती करां सां, तो हम अपणे प्रभु यीशु मसीह के पिता, यानी परमेसवर
का धन्यवाद करा सां। 4 क्यूँके हमनै सुण्या सै के यीशु मसीह पै थारा बिश्वास सै, अर सारे पवित्र
माणसां तै थम प्यार करो सों। 5 जो बिश्वास अर प्यार इन बिश्वासी भाईयाँ कै धोरै सै, वो उस आस
की बजह तै ए सै, जो थारे खात्तर सुर्ग म्ह धरी सै, जिसका वर्णन थमनै पैहले तै सुण राख्या सै। जिब
माणस थारे धोरै आए अर यीशु मसीह का सुसमाचार थारे ताहीं सुणाया, जो के परमेसवर का वचन
सै। 6 जो थारे धोरै पोहचा सै, अर जिसा दुनिया म्ह यो नतिज्जा ल्याण लागरया सै अर दुनिया म्ह
हरेक जगहां फैलण लागरया सै, उस्से तरियां जिस दिन तै थमनै उस ताहीं सुण्या अर या सच्चाई
आच्छी तरियां समझी के परमेसवर मुफ्त म्ह उन माणसां का पाप माफ करै सै जो यीशु पै बिश्वास
करै सै। थारे म्ह भी इसाए करै सै। 7 उस्से की शिक्षा थमनै म्हारे गैल काम करणीये प्यारे इपफ्रास
तै पाई, जो म्हारे खात्तर मसीह का बिश्वास लायक दास सै। 8 उस्से नै म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा
के प्यार के बारें म्ह बताया सै, जो परमेसवर नै म्हारै ताहीं दिया सै। 9 इस करकै जिस दिन तै हमनै

यो सुण्या सै, हम भी थारे खात्तर सदा प्रार्थना करां सां। के थम परमेसवर का आत्मा थारे ताहीं
आत्मिक ज्ञान अर समझ देवै, ताके थम उसकी इच्छा नै समझ सको। 10 थारा बरताव इसा होणा
चाहिए जिसा परमेसवर के माणसां का हो सै, ताके थम परमेसवर नै हरेक काम म्ह खुश कर सको,
ताके थम सारी हाण भले काम करते रहों अर थम परमेसवर की पिच्छाण म्ह बढ़ते जाओ। 11 उसकी
महिमा की शक्ति कै मुताबिक सारी ढाळ की सामर्थ तै शक्तिशाली होन्दे जाओ, ताके थम खुशी
अर धीरज कै गैल दुखां नै सह सको। 12 अर पिता परमेसवर का धन्यवाद करते रहो, जिसनै थारे
ताहीं इस लायक बणाया के थम उसके राज्य म्ह साझीदार हो सको, जो उसनै अपणे माणसां खात्तर
सुर्ग म्ह तैयार करया सै। 13 उस्से नै म्हारै ताहीं शैतान की सामर्थ तै छुड़ाकै अपणे प्यारे बेट्टे कै
राज्य म्ह दाखल कराया, 14 जिसतै अपणे बेट्टे की कुरबान्नी के जरिये म्हारे ताहीं छुटकारा दिया,
यानी पापां की माफी।

????? ?? ?????????? ?? ????? ???

15 परमेसवर नै कोए न्ही देख सकता, पर जिब उसका बेट्टा यीशु मसीह इन्सान की देह धारण
करकै इस धरती पै आया तो हम उसनै जाण पाए के परमेसवर किसा सै, वो बिलकुल उसके समान
सै। 16 क्यूँके मसीह नै परमेसवर कै साथ मिलकै सारी चिज्जां की सृष्टि करी, सुर्ग की हो या धरती
की, देखी या अनदेक्खी, के सिंहासन, के प्रभुताएँ, के प्रधानताएँ, के हक, सारी चीज उस्से कै जरिये
अर उस्से खात्तर बणाई गई। 17 सारी चिज्जां के बणण तै पैहला मसीह था, अर सारी चीज उस्से म्ह
मिलकै काम करै सै। 18 मसीह की देह कलीसिया नै चलावै सै, जिस तरियां सिर पूरे देह नै चलावै
सै, यानी मसीह कलीसिया का सिर सै, वोए शरुआत सै, अर मरे होया म्ह तै जी उठण आळा म्ह
जेट्ठा सै, ताके सारी बात्तां म्ह वोए प्रधान बणै। 19 क्यूँके पिता परमेसवर की खुशी इस्से म्ह सै
के मसीह म्ह परमेसवर की सारी भरपूरी रहवै। 20 अर उसके क्रूस पै बहे होए लहू कै जरिये मेळ-
मिलाप करकै, परमेसवर नै अपणे बेट्टे ताहीं भेज्जा, जिसनै अपणा लहू बहाया अर अपणी जाण
दे दी। परमेसवर नै यो इस खात्तर करया ताके उसका अर सारी चिज्जां तै दुबारा मेळ हो सकै। इस
तरियां तै उसनै अपणे बीच अर सारी चीज जो सुर्ग म्ह सै या अर सारी चीज जो धरती पै सै शान्ति
की स्थापना करी। 21 थम जो पैहले पराये थे अर बुरे काम्मां कै कारण मन तै बैरी थे। 22 परमेसवर
नै इब अपणे बेट्टे ताहीं इन्सान बणाकै भेज्जा ताके वो क्रूस पै मारया ज्या, जिसकी बजह तै थारा
भी मेळ करवाया ताके थमनै अपणे आग्गै पवित्र अर बिना कलंक अर बेकसूर बणाकै खडया करै।
23 जै थम मसीह म्ह बिश्वास करो सों, अर थारा बिश्वास उस घर की तरियां हो जो मजबूत नीम
पै खडया सै, अर उस सुसमाचार की आस नै ना छोड़ो, जिस ताहीं थमनै सुण्या सै, जिसका प्रचार
दुनिया के माणसां म्ह करया गया सै, उसका मै, पौलुस, वचन का सुणण आळा बण्या।

??????? ?? ?????-??????

24 मै उन दुखां कै कारण आनन्दित सूं, जो थारे खात्तर ठाऊँ सूं अर मसीह के क्लेश की कमी उसकी
देह कै खात्तर, यानी कलीसिया कै खात्तर, अपणे गात म्ह पूरी करूँ सूं, 25 इस्से कलीसिया कै खात्तर
मै थारे खात्तर परमेसवर के जरिये सौंपी गई सेवा कै मुताबिक दास चुण्या गया के मै परमेसवर के
आदेश नै पूरी तरियां प्रचार करूँ। 26 यानी उस राज नै जो बखत अर पीढ़ियाँ तै गुप्त रह्या, पर इब
उसके उन पवित्र माणसां पै दिख्या सै। 27 परमेसवर चाहवै सै के मसीह के धन अर महिमा नै गैर
यहूदियाँ के माणस जाणै सै, अर वो राज यो सै के मसीह थारे म्ह रहवै सै, यो थमनै परमेसवर की
महिमा नै साँझा करण की आस देवै सै। 28 इस खात्तर हम दुसरयां नै मसीह के बारें म्ह बतावां सां,
अर हरेक आदमी नै चेतावनी देवा सां अर परमेसवर के दिए गए ज्ञान तै हरेक आदमी नै सिखावा
सां, हरेक आदमी नै मसीह म्ह सिध्द करकै परमेसवर के स्याम्ही पेश करणा चाहवां सां। 29 इस्से
ताहीं पूरा करण खात्तर मै भोत मेहनत अर कष्ट सहु सूं। उस सामर्थ के जरिये जो मसीह देवै सै अर
जो मेरे म्ह काम करण लागरया सै।

2

1मै चाहूँ सूं के थम जाण ल्यो के थारे अर उनकै खात्तर जो लौदीकिया नगर म्ह सै अर उन सारया
खात्तर जिनतै मै न्ही मिला, मै उनकै खात्तर किसी मेहनत करुँ सूं। 2मै इस खात्तर मेहनत करुँ सूं
ताके मै उनकै बिश्वास नै मजबूत कर सकूँ। थारा एक-दुसरे कै खात्तर प्यार थारे ताहीं आप्पस म्ह
बाँधकै राक्खै, मै चाहूँ सूं के उननै पूरा भरोस्सा हो क्यूँके उन ताहीं परमेसवर की गुप्त योजना की पूरी
समझ सै, जो के मसीह सै ए। 3परमेसवर ए सै जो बुद्धि अर ज्ञान की समझ देवै सै जो छिपे होए
खजान्ने की ढाळ सै। 4यो मै इस करकै कहूँ सूं के कोए आदमी थमनै झूठ्ठी शिक्षा तै ना भरमावै।
5हालाकि मै थारे तै दूर सूं, तोभी मै थारे बारें म्ह सोचता रहूँ सूं, अर जिसा थमनै जीणा चाहिए उसा
जीवन अर थारे मजबूत बिश्वास नै देखकै जो मसीह म्ह सै, मै राज्जी होऊँ सूं।

[illegible]

6इस करकै जिस तरियां थमनै मसीह यीशु ताहीं प्रभु करकै मान लिया सै, उस्से तरियां उस ताहीं
मानते रहो। 7थारा मसीह पै बिश्वास उस जमीन म्ह लगाये गये पेड़ की तरियां हो, जिसकी जड़
गहरी अर मजबूत हो सै। बिश्वास म्ह मजबूत होन्दे जाओ, जिसा के थारे ताहीं सिखाया गया सै,
अर सदा परमेसवर का धन्यवाद करते रहो। 8इस कारण हम मानवीय शिक्षा का पालन न्ही करणा
चाहन्दे, ताके कोए थमनै उस बेकार ज्ञान अर धोक्खे कै जरिये अपणे बस म्ह ना करले, जो माणसां
के रिवाज अर दुनियावी शिक्षा के मुताबिक तो सै, पर मसीह के मुताबिक कोनी। 9थारे ताहीं ये लोग
धोक्खा ना देण पावै, जिब के मसीह नै मानव रूप धारण करया पर वो पूरी तरियां तै परमेसवर था।
10अर हरेक शक्ति अर प्रधानता पै उसका अधिकार सै। जै थम मसीह के कहलाओ हो, तो थमनै
किसे चीज की कमी कोनी। 11जिब थम मसीह म्ह बिश्वास करो सों, तो थारा माणसां के जरिये
खतना कोनी करया जान्दा, पर मसीह के जरिये करया जावै सै, जो के खुद ताहीं पापमय सुभाव तै
दूर करणा सै। 12जिब थारा बपतिस्मा होया (यो थारा पापमय सुभाव दिखावै सै) तो थम मसीह
की तरियां गाड़े गये, अर जिसा मसीह जिवाया गया, अर उस्से तरियां थम भी जिन्दा करे गए (नये
सुभाव तै)। यो इस खात्तर होया क्यूँके थम बिश्वास करो सों, के परमेसवर नै मसीह ताहीं अपणी
शक्ति तै मुर्दां म्ह तै जिवाया। 13थम जो अपणे कसूर अर अपणे पापमय सुभाव तै आजाद न्ही थे,
परमेसवर नै थारे ताहीं भी मसीह के गैल जिवाया, अर म्हारे सारे कसूर माफ कर दिए। 14अर इसा
लाग्गै सै जिसा परमेसवर नै म्हारे पापां का वो लेख मिटा दिया, जो म्हारे खिलाफ इल्जाम नै बतावै
थे। जिब मसीह ताहीं क्रूस पै कील्लां तै जकड़ा गया तो उसनै उस लेख ताहीं पूरी तरियां हटा
दिया। 15अर उसनै प्रधान्ता अर अधिकारां ताहीं हरा कै उनका खुल्लमखुल्ला तमाशा बणाया अर
क्रूस के जरिये उनपै जयजयकार की आवाज सुणाई। 16इस करकै थमनै कोए धोक्खा ना देवै, अर
ना कोए थमनै खाण-पीण या त्यौहार, नये चाँद अर आराम कै दिन के बारें म्ह परखै। 17क्यूँके ये
सारी आण आळी बात्तां की छाया सै, पर मूल चीज मसीह की सै। 18कोए आदमी झूठ्ठी विनम्रता
अर सुर्गदूत्तां की पूजा करा कै थारे ताहीं दौड़ के ईनाम तै राख ना दे। इसा आदमी देखी होड़ बात्तां
म्ह लाग्या रहवै सै अर अपणी शरीरिक समझ पै बेकार फुल्लै सै, 19उसनै बिश्वास अर मसीह का
सच्चा सन्देस सिखाणा छोड़ दिया सै, जो के देह म्ह सिर की तरियां सै। जिस तरियां एक सिर देह नै
निर्देश देवै सै, उस्से तरियां मसीह अपणे लोग्गां ताहीं निर्देश देवै के वे एक साथ अर एक जुट रहवै
जिस तरियां देह के जोड़ अर नस देह नै पकड़ै सै, अर यो बढ़ै सै, जिस तरियां परमेसवर उन ताहीं
बढ़ाणा चाहवै सै।

[illegible]

20जिब के थम मसीह के गैल दुनिया की पुराणी शिक्षा की ओड़ तै मरगे सों, तो फेर क्यूँ उनकी
तरियां जो दुनिया के सै जीवन बिताओ सों? थम इसी विधियाँ के बस म्ह क्यूँ रहों सों, 21के ना
तो "इसनै छुईये," ना "उस ताहीं खाकै देखिये," अर ना उसकै हाथ लगाईये? 22ये सारी चीज काम
म्ह लांदे-लांदे नाश हो जावैगी, क्यूँके ये माणस के हुकम अर शिक्षा कै मुताबिक सै। 23ये तीन

नियम बुध्दिमानी का राह दिखावै सै, जो ये सै, खुद ताहीं परमेसवर के प्रति समर्पित करणा, झूठ्ठी
विनम्रता अर अपणी देह कै गैल कठोरता तै बरताव करणा। पर माणस इन विधियाँ नै मान्नै सै,
तोभी पापमय सुभाव नै न्ही छोड़ पान्दा।

3

1 यो इसा सै, के मान्नो जणु परमेसवर नै थारे ताहीं मुर्दां म्ह तै जिवा दिया हो, जिस तरियां उसनै
मसीह ताहीं मुर्दां म्ह तै जिवाया, तो सुर्गीय चिज्जां की खोज म्ह रहों, जड़ै मसीह परमेसवर कै
साथ महिमामय जगहां म्ह बेठ्या होया सै। 2 धरती पै की न्ही पर सुर्गीय चिज्जां पै ध्यान लगाओ,
3 क्यूँके यो इसा सै थम तो मर गये जिब मसीह मारा गया अर थारा जीवन मसीह कै गैल परमेसवर
म्ह छिप्या होया सै। 4 जिब मसीह जो म्हारा जीवन सै, बोहड़ के आवैगा, तो थम भी उसकै गैल
दिखोगे अर उसकी महिमा म्ह शामिल होओगे।

[illegible]

5 इस करकै अपणे उन बुरे काम्मां नै छोड़ द्यो जो थारे पापमय सुभाव का कारण बणै सै, जो धरती
पै सै, यानी जारी, अशुद्धता, दुष्कामना, बुरी लालसा अर लालची ना बणो यो मूर्तिपूजा कै बराबर
सै। 6 क्यूँके माणस ये बुरे काम करै सै, इस कारण परमेसवर उन ताहीं बड्डा दण्ड देवैगा। 7 अर
थम भी, जिब इन बुराईयाँ म्ह जीवन बिताओ थे, तो इन बुरी लालसा कै मुताबिक जिओ भी थे।
8 पर इब थम भी इन सारया नै, यानी छो रोष, बैरभाव, बुराई अर मुँह तै गाळी बकणा ये सारी
बात छोड़ द्यो। 9 एक-दुसरे तै झूठ ना बोल्लो, क्यूँके थमनै बुरा सुभाव अर बुरे काम छोड़ दिये
सै। 10 अर इब थमनै नये सुभाव ताहीं धारण कर लिया सै, यो नया सुभाव ज्यादा तै ज्यादा म्हारे
रचण आळे कै मुताबिक बणण लागरया सै, ताके हम उसनै आच्छी तरियां जाण पावां। 11 इस नई
जिन्दगी म्ह कोए फर्क कोनी पड़ता चाहे यूनानी हो या यहूदी हो, खतना हो या खतनारहित हो,
जंगळी हो या असभ्य हो, दास हो या आजाद हो, पर मसीह ए सै, जो सब तै खास सै अर वो हम
सब म्ह बसै सै। 12 क्यूँके परमेसवर नै थारे ताहीं पवित्र माणस बणण खात्तर चुण्या सै, अर वो थारे
ताहीं प्यार करै सै, इस करकै बड़ी करुणा, भलाई, दीनता, नम्रता, अर सहनशीलता नै धारण करो।
13 अर जै किसे नै किसे पै दोष लगाण का कोए कारण हो, तो एक-दुसरे की सह ल्यो अर एक-दुसरे
के कसूर माफ करो, जिस तरियां प्रभु नै थारे कसूर माफ करे, उस्से तरियां थम भी करो। 14 इन सारा
तै बढ़कै थम जो काम कर सकों सों, वो यो सै, के थम एक-दुसरे तै प्यार करो, प्यार ही सै जो म्हारे
ताहीं एक-दुसरे कै गैल एकता म्ह जोड़े राक्खै सै। 15 जो शान्ति मसीह देवै सै, वा थारे दिलां पै राज
करैगी, क्यूँके थम सारे एक देह के अंग सों, इस करकै थारे ताहीं एक-दुसरे के साथ शान्ति तै रहण
कै खात्तर बुलाया गया सै, अर थम सदा उसका धन्यवाद करदे रहों। 16 हर बखत मसीह कै वचन कै
उप्पर ध्यान करते रहवों ताके थारा सोचणा अर काम करणा उसके मुताबिक हो, अर सिध्द ज्ञानसुधा
एक-दुसरे नै सिखाओ अर समझाओ, अर अपणे-अपणे मन म्ह धन्यवाद कै गैल परमेसवर कै खात्तर
भजन अर जै-जै कार अर आत्मिक गीत गाओ। 17 वचन म्ह या काम म्ह जो किमे भी करो, सारा
प्रभु यीशु मसीह कै नाम तै करो, अर उसकै जरिये परमेसवर पिता का धन्यवाद करो।

[illegible]

18 हे पत्नियों, जिसा प्रभु म्ह सही सै, उसाए अपणे-अपणे धणी कै अधीन रहो। 19 हे पतियों,
अपणी-अपणी घरआळी तै प्यार राक्खो, अर उनकै गैल नरमाई तै पेश आओ। 20 हे बाळकों, सारी
बात्तां म्ह अपणे-अपणे माँ बाप के हुकम नै मान्नो, क्यूँके प्रभु इसतै खुश होवै सै। 21 हे बाळकां
आळो, अपणे बाळकां नै तंग ना करो, इसा ना होके वे परेशान हो जावै। 22 हे सेवको, जो इस दुनिया
म्ह थारे माल्लिक सै, सारी बात्तां म्ह उनके हुकम का पालन करो, माणसां नै राज्जी करण आळा कै
समान दिखाण कै खात्तर न्ही, पर मन की सीधाई अर परमेसवर कै डर तै। 23 जो किमे थम करो सों,
पूरे मन तै करो, यो समझकै के माणसां कै खात्तर न्ही पर प्रभु कै खात्तर करो सों, 24 याद राक्खों

परमेसवर थमनै ईनाम देवैगा, या फेर वो थमनै आशीष म्ह साझीदार करैगा जो उसनै अपणे माणसां
कै खात्तर राक्खी सै, क्यूँके थम मसीह यीशु की सेवा करो सो। 25 जो बुरा काम करै सै, परमेसवर
हरेक ताहीं उसकी बुराई का उसनै दण्ड देवैगा, क्यूँके परमेसवर किसे कै गैल पक्षपात कोनी करदा।

4

1 हे मालिकों, अपणे-अपणे नौकरां कै गैल न्याय अर एक सा बरताव करो, या समझकै के सुर्ग
म्ह थारा भी एक माल्लिक सै।

[illegible]

2 प्रार्थना म्ह लाग्गे रहो, अर जिब प्रार्थना करो तो सावधान रहियो अर परमेसवर का धन्यवाद
हमेशा करते रहो। 3 अर उसकै गैल ए गैल म्हारे खात्तर भी प्रार्थना करते रहो के परमेसवर म्हारै
खात्तर वचन सुणाण का इसा द्वार खोल दे, के हम मसीह कै उस भेद का वर्णन कर सकां जिसकै
कारण मै कैद म्ह सूं, 4 प्रार्थना करो के मै स्पष्ट रूप तै अर खुल्ले तौर पै मसीह के भेद नै बता
पाऊँ। 5 अबिश्वासी कै गैल जिब बात करो तो उस मौक्कै का सही इस्तमाल करो। 6 थारा बोलणा
सदा अनुग्रह समेत सलोना हो ताके थमनै हरेक माणस ताहीं बढ़िया ढाळ तै जवाब देणा आ जावै।

[illegible]

7 प्यारे बिश्वासी भाईयो अर बिश्वास लायक दास तुखिकुस, जो प्रभु म्ह मेरै गैल दास सै, वो
थमनै सारी बात बता देगा। 8 उस ताहीं मन्नै इस खात्तर थारे धोरै भेज्जा, ताके थमनै म्हारे हाल
का बेरा पाट जावै अर वो थमनै उत्साहित करैगा। 9 उसकै गैल मन्नै उनेसिमुस ताहीं भी भेज्जा सै,
जो बिश्वास लायक अर प्रिय बिश्वासी भाई सै, अर वो भी थारे ए नगर का सै, ये थमनै याड़ै की
सारी बात बता देंगे। 10 मेरै गैल कैदी अरिस्तर्खुस अर मरकुस की ओड़ तै थमनै नमस्कार, मरकुस
जो बरनबास का चचेरा भाई सै, जिसके बारें म्ह थमनै चिट्ठी मिली सै, के जै वो थारे धोरै आवै, तो
उसतै आच्छी ढाळ बरताव करियो। 11 अर यीशु जो यूस्तुस कुह्वावै सै, थारे ताहीं नमस्कार कहवै
सै। यहूदी बिश्वासियाँ म्ह तै सिर्फ ये तीन माणस सै, जो परमेसवर कै राज्य कै खात्तर मेरै गैल काम
करणीये अर मेरे उत्साहित होण का कारण सै। 12 इपफ्रास, जो थारे नगर का सै, अर मसीह यीशु का
दास सै, थारे तै नमस्कार कहवै सै। वो सदा थारे खात्तर मन लगाकै प्रार्थना करै सै, अर परमेसवर तै
सदा बिनती करै सै, के परमेसवर थमनै मजबूत अर सिध्द बणावै, अर थमनै पूरा भरोस्सा हो के थम
परमेसवर की इच्छा का पालन करो सों। 13 मै उसका गवाह सूं, कै वो थारे खात्तर अर लौदीकिया
अर हियरपुलिस नगर के माणसां कै खात्तर बड़ी मेहनत करदा रहवै सै। 14 म्हारे प्रिय वैद लूका
अर देमास का थारे ताहीं नमस्कार। 15 लौदीकिया नगर के बिश्वासी भाईयाँ नै, अर नुमफास अर
उनकै घर की कलीसिया नै नमस्कार कहिये। 16 जिब या चिट्ठी थम पढ़ ल्यो तो इसा करियो के
लौदीकिया की कलीसिया म्ह भी या पढ़ी जावै, अर वा चिट्ठी जो लौदीकिया तै आवै उसनै थम भी
पढ़ईयो। 17 अर अरखिप्पुस तै कहिये के जो सेवा प्रभु म्ह तेरे ताहीं सौप्पी ग्यी सै, पक्का इरादा
करो के उस सेवकाई नै पूरा कर सको। 18 मै (पौलुस) अपणे हाथ्थां तै थमनै नमस्कार लिखूँ सूं। याद
राखियो के मै कैद म्ह सूं, अर मेरे खात्तर प्रार्थना करो। परमेसवर का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै।
आमीन।

थिस्सलुनीकियों नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की पैहली चिट्ठी

▯▯▯▯▯▯▯▯

रोमी राज म्ह घणेए परदेस थे, उन म्ह तै मकिदुनिया परदेस एक था अर थिस्सलुनीके नगर उसकी राजधानी था। फिलिप्पी शहर तै आण के बाद पौलुस नै याड़ै एक कलीसिया बणाई थी। याड़ै भी, तावळी ए उन यहूदिया गैल बिरोध शरु होग्या, जो गैर-यहूदियों म्ह पौलुस के मसीह सन्देस की कामयाबी तै जळै थे, जो के गैर यहूदी, यहूदी धर्म म्ह दिलचस्पी राक्खै थे। आखर म्ह पौलुस नै थिस्सलुनीके नगर छोड़णा पड्या, अर वो बिरीया नगर चला गया। बाद म्ह, जिब वो कुरिन्थुस नगर पोहचा, तो पौलुस नै अपणे साथी तीमुथियुस के जरिये व्यक्तिगत रूप तै थिस्सलुनीके नगर की कलीसिया कै मौजूदा हाल के बारै म्ह समाचार मिल्या। यो समाचार मिल्या पाच्छै थिस्सलुनीकियों नगर के नाम पौलुस प्रेरित की पैहली चिट्ठी बिश्वासियाँ म्ह हिम्मत बढ़ाण अर तसल्ली देण के खात्तर लिखी गई। वो उनके बिश्वास अर प्रेम के बारै म्ह सन्देस कै खात्तर आभार प्रगट करै सै। वो उननै अपणे जीवन की याद दुवावै सै, जो उसनै उनके साथ रहन्दे होए बिताया था। जिब वो मसीह के दुबारा आण तै जुड़े सवालां का जवाब देवै सै, जो उस कलीसिया म्ह उठरे थे। सवाल यो था, कै एक बिश्वासी, जो मसीह के दुबारा आण तै पैहल्याए मर जावै सै, उस जीवन का भागी होवैगा ताके जो उसके आण तै मिलण आळा सै? मसीह का दुसरा आगमन कद होवैगा? पौलुस इस मौक्कै पै उननै यो बतावै सै, के उस हालत म्ह जिब कै थम मसीह के दुसरे आगमन की आशा म्ह बाट देखण लागरे सों, चुपचाप अपणे काम म्ह लाग्गे रहो।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1
धन्यवाद अर बड़ाई 1:2-3:13
मसीह चाल-चलण तै जुड़े उपदेश 4:1-12
मसीह के दुसरा आगमन कै बारै म्ह शिक्षा 4:13-5:11
आखरी उपदेश 5:12-22
समापन 5:23-28

▯▯▯▯▯▯▯▯

1 या चिट्ठी पौलुस अर सिलवानुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै थिस्सलुनीकियों नगर की
कलीसिया के उन बिश्वासियाँ के नाम लिखी सै, जो परमेसवर पिता अर प्रभु यीशु मसीह म्ह
सै। परमेसवर का अनुग्रह अर शान्ति थारे ताहीं मिल्दी रहवै।

▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯▯ ▯▯ ▯▯▯▯▯▯▯▯

2 हम अपणी प्रार्थनायां म्ह थारे ताहीं याद करदे अर सारी हाण थम सारया कै बारै म्ह परमेसवर
का धन्यवाद करा सां। 3 अर अपणे परमेसवर अर पिता कै स्याम्ही जो काम बिश्वास तै करे, अर
बिश्वासियाँ खात्तर इतने प्यार तै मेहनत करी, अर प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण की आस के कारण
बड़ी धीरजता तै दुखां नै सहन्दे होए, सारी हाण थमनै याद करा सां। 4 हे बिश्वासी भाईयो, अर
परमेसवर के प्यारे माणसों हम जाणा सां, के परमेसवर नै थारे ताहीं अपणे माणस होण खात्तर छाटया
सै। 5 क्यूँके म्हारा सुसमाचार जो यीशु मसीह के बारें म्ह था, थारे धोरै ना सिर्फ बात्तां तै ए न्ही बल्के
पवित्र आत्मा की सामर्थ अर बड़े पक्के सबूत कै गैल पोंहच्या सै; जिसा थमनै बेरा सै, के थारे
कल्याण खात्तर थारे म्ह म्हारा बरताव किसा था। 6 थारे उप्पर बड़े क्लेश थे, पर थमनै पवित्र आत्मा
के जरिये दिए गये आनन्द कै गेल्या सुसमाचार ताहीं मान लिया, थमनै म्हारी अर प्रभु यीशु की
तरियां बरताव कराया। 7 उरै ताहीं के मकिदुनिया परदेस अर अखाया परदेस के सारे बिश्वासियाँ कै

खात्तर थम बढ़िया मिसाल बणै। 8 क्यूँके थारे उरै तै ना सिर्फ मकिदुनिया परदेस अर अखाया परदेस
म्ह प्रभु का वचन सुणाया गया, पर थारे बिश्वास की जो परमेसवर पै सै, हरेक जगहां जित्त भी हम
गये, तो हमनै माणसां तै थारे बिश्वास के बारें म्ह सुण्या, इस करकै हमनै माणसां ताहीं थारे बारें म्ह
बताण की जरूरत ए कोनी। 9 क्यूँके वे आप ए म्हारै बारै म्ह बतावै सै, के जिब हम थारे धोरै आये, तो
थमनै म्हारा स्वागत किस ढाळ कराया; अर थम किस ढाळ मूर्तियाँ तै दूर होकै, परमेसवर की ओड़
मुड़ गये, ताके जिन्दे अर सच्चे परमेसवर की सेवा करो। 10 अर परमेसवर के बेट्टे यीशु की सुर्ग तै
बोहड़ के आण की बाट देखदे होए, जिस ताहीं परमेसवर नै मरे होयां म्ह तै जिन्दा करया, जो म्हारै
ताहीं आण आळे न्याय तै बचावै सै।

2

1 हे बिश्वासी भाईयो, थमनै आप्पे बेरा सै, के म्हारा थारे धोरै आणा कितना फायदेमन्द था, 2 बल्के
थमनै खुद नै ए बेरा सै, के पैहल्या हमनै फिलिप्पी नगर म्ह दुख ठाया, के म्हारा नगर के माणसां नै
सख्त बिरोध करया, अर परमेसवर नै म्हारै तै इसी हिम्मत देई, के हम परमेसवर का सुसमाचार घणे
बिरोध्द होण के बावजूद भी थमनै सुणावां। 3 क्यूँके म्हारा उपदेश ना भ्रम तै सै, अर ना गलत इरादे
तै, अर ना छळ कै गैल सै; 4 पर परमेसवर नै म्हारै ताहीं लायक समझकै सुसमाचार सौंप्या, इस
करकै हम माणसां नै न्ही, पर जो म्हारै मनां नै जांच्चण आळे परमेसवर ताहीं राज्जी करण खात्तर
उपदेश देवा सां। 5 थमनै बेरा सै, परमेसवर गवाह सै, के हमनै कदे चापलूसी की बात कोनी करी, अर
ना ए लोभ के खात्तर हमनै कोए इसा काम करया, अर ना कुछ थारे तै छुपाया। 6 तोभी हम माणसां
तै आदर कोनी चाहवां थे, अर ना थारे तै, ना और किसे तै, हालाकि हम मसीह के प्रेरित होण कै
कारण थारी मदद पाणा म्हारा हक था। 7 पर जिस तरियां माँ अपणे बाळकां का पालन-पोषण करै
सै, उस्से तरियां ए हमनै भी थारे बिचाळै रहकै नरमाई दिखाई सै; 8 एक माँ की तरियां ए हम थारी
चाहना करदे होए, ना सिर्फ परमेसवर का सुसमाचार, पर अपणा-अपणा प्राण भी थारे ताहीं देण नै
त्यार थे, क्यूँके के हम थारे तै भोत प्यारे करां सां।

9 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारी कड़ी मेहनत नै याद राक्खो, हमनै ज्यांतै दिन-रात काम-धन्धा करदे
होए, परमेसवर का सुसमाचार प्रचार करया, के थारे म्ह तै किसे पै बोझ ना बण जावां। 10 थम अर
परमेसवर भी इस बात के गवाह सों, के सारे बिश्वासी भाईयाँ कै गैल म्हारा सुभाव कितना सच्चा,
धर्मी अर बेकसूर था। 11 थमनै बेरा सै के जिसा पिता अपणे बाळकां कै गेल्या बरताव करै सै, उस्से
तरियां ए हम भी थारे म्ह तै हरेक ताहीं उपदेश देन्दे, अर शान्ति देन्दे, अर समझावां थे 12 के थम
इसा जीवन जिओ, जिसा परमेसवर चाहवै सै, जो थमनै अपणे राज्य अर महिमा म्ह बुलावै सै।

13 ज्यांतै हम भी परमेसवर का धन्यवाद सारी हाण करा सां के जिब म्हारै जरिये परमेसवर के
सुसमाचार का वचन थमनै सुण्या, तो थमनै उस ताहीं माणसां का न्ही पर परमेसवर का वचन
समझकै अपणाया; अर सच म्ह यो परमेसवर का वचन सै भी, अर यो सुसमाचार थारे म्ह काम
करण लागरया सै, जो यीशु पै थम बिश्वास करो सो। 14 ज्यांतै थम, हे बिश्वासी भाईयो, परमेसवर
की उस कलीसियाओं कै स्याम्ही दुख सहण लाग्गे जो यहूदिया परदेस म्ह सै, अर मसीह यीशु पै
बिश्वास राक्खै सै, क्यूँके थमनै भी अपणे माणसां तै उसाए दुख पाया, जिसा उननै अपणे यहूदी
माणसां तै पाया था। 15 जिन नै प्रभु यीशु ताहीं अर नबियाँ ताहीं मार दिया। अर म्हारै ताहीं भी
सताया, अर परमेसवर उनतै राज्जी कोनी, अर वे सारे माणसां का बिरोध करै सै। 16 अर वे दुसरी
जात्तां म्ह उनकै उद्धार कै खात्तर बात करण तै हमनै रोक्कै सै, अर वे पाप पै पाप करते जावै सै, जिब
ताहीं के परमेसवर उननै दण्ड ना दे दे; अर इब परमेसवर उननै बड़ा भरी दण्ड देण आळा सै।

???????? ?? ????? ?? ?????????

17 हे बिश्वासी भाईयो, जिब हम थोड़े बखत खात्तर थारे धोरै न्ही थे, पर हम सदा थारे बारें म्ह
ए सोच्चा थे, तो हमनै और भी बड़ी लालसा तै थारे ताहीं मिलण की अर देखण की कोशिश करी।
18 ज्यांतै हमनै (यानिके मुझ पौलुस नै) एक बर न्ही बल्के दो या तीन बार आण की कोशिश करी,

पर शैतान हमनै रोक्के रहया। 19 भला! म्हारी आस, खुशी या बड़ाई का ताज कौण सै? वो थमे
होओगे जिब यीशु बोहड़ के आवैगें? 20 म्हारी बड़ाई अर खुशी थमे सो।

3

[illegible]

1 आखिर जिब हम थारे तै दूर ना रह पाए, तो मै पौलुस अर सीलास नै यो तय करया के एथेंस
नगर म्ह एक्ले रह जावां। 2 अर हमनै तीमुथियुस ताहीं जो मसीह कै सुसमाचार म्ह म्हारा भाई,
अर परमेसवर का सेवक सै, इस करकै भेज्या, के वो थारे ताहीं मसीह के बिश्वास म्ह मजबूत अर
उत्साहित करै। 3 ताके कोए इन क्लेशां कै कारण डगमगा न्ही जावै; क्यूँके थम जाणो सो, के म्हारे
ताहीं परमेसवर नै इसे तरियां सताये जाण खात्तर छाटचा सै। 4 क्यूँके पैहल्या भी, जिब हम थारे
साथ थे, तो थारे तै कह्या करा थे, के म्हारे ताहीं सताया जावैगा, अर इसाए होया सै, अर थम जाणो
भी सो। 5 इस कारण जिब मेरै तै और न्ही रहया गया, तो थारे बिश्वास का हाल जाणण कै खात्तर
मन्नै तीमुथियुस ताहीं भेज्या, मन्नै डर था, के परखण आळे शैतान नै थारे ताहीं परख्या ना हो, अर
म्हारी मेहनत बेकार ना होगी हो।

[illegible]

6 पर इब्बे तीमुथियुस नै जो थारे धोरै तै म्हारै उरै आकै थारे बिश्वास अर प्यार का सुसमाचार
सुणाया अर इस बात ताहीं भी सुणाया, के थम सारी हाण प्यार कै गेल्या म्हारै ताहीं याद करो सो,
अर म्हारै देखण की चाहना राक्खो सो, जिसा हम भी थमनै देखण की। 7 हे बिश्वासी भाईयो, हम
अपणी सारे दुख अर क्लेश म्ह उत्साहित सां, क्यूँके हमनै थारे बिश्वास के बारै म्ह सुण्या के थम इब
भी यीशु मसीह के बिश्वास म्ह मजबूत सों। 8 क्यूँके इब जै थम प्रभु म्ह मजबूत हो तो हम जिन्दे
सां। 9 अर थारे बारै म्ह जो खुशी हमनै मिली से, उसकी बजह तै हम परमेसवर का धन्यवाद किस
तरियां तै करा? 10 हम दिन-रात घणीए प्रार्थना करदे रहवां सां, के थमनै दुबारा देक्खां, अर थारे
मसीह पै मजबूती तै बिश्वास करण म्ह मदद करा।
11 हम प्रार्थना करां सां, के म्हारा परमेसवर अर पिता आप ए अर म्हारा प्रभु यीशु, थारे ताहीं
पोहचने म्ह म्हारी मदद करै। 12 हम प्रार्थना करां, के जिसा हम थारे तै प्यार करां सां; उस्से तरियां
ए थारा प्यार भी आप्पस म्ह, अर सारे माणसां कै गेल्या बधै, अर परमेसवर थारे प्यार म्ह बढ़ोतरी
करदा जावै। 13 हम प्रार्थना करां सां, के वो थारे मनां नै इसा मजबूत करै, के जिब म्हारा प्रभु
यीशु अपणे सारे पवित्र लोगां कै गैल बोहड़ के आवै, तो वे म्हारे परमेसवर अर पिता कै स्याम्ही
पवित्रता म्ह बेकसूर ठहरै।

4

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करा सां, अर थारे तै प्रभु यीशु म्ह समझावां सां, के इसे
जिओ के, परमेसवर ताहीं हम राज्जी करणा आळे बण सकां, जिसा हमनै थारे तै सिखाया सै, थम
इस्से तरियां जीण लागरे थे, अर थमनै उत्साहित करां सां के और भी ज्यादा इसा करते रहों। 2 क्यूँके
थमनै बेरा सै के हमनै प्रभु यीशु के हक तै थारे ताहीं कौण-कौण से आदेश* दिये सै। 3 परमेसवर की
मर्जी या सै के थम पवित्र बणो: अर जारी ना करो, 4 थारे म्ह तै हरेक माणस अपणी देह नै काब्बू
करणा जाणे क्यूँके थारी देह पवित्र अर सम्मान जोग्गी रहवै। 5 यो काम अभिलाषा तै न्ही, ना उन
जात्तां कै तरियां, जो परमेसवर नै न्ही जाणदी, 6 ताके इस बात म्ह कोए अपणे बिश्वासी भाई के
विरुध्द पाप ना करै, अर ना इसा मौक्का देक्खै के वो पाप करै, क्यूँके प्रभु यीशु उसनै दण्ड देवैगा,
जो इसे काम करै सै; जिसा के हमनै पैहल्याए थारे तै कह्या अर चिताया भी था। 7 क्यूँके परमेसवर
नै म्हारै ताहीं अपवित्र जीवन जीण खात्तर न्ही, पर पवित्र जीवन जीण खात्तर बुलाया सै। 8 इस

* **4:2** 4:2 आदेश-निर्देश

करकै जो इन हुकमां नै न्ही मानता, वो माणस नै न्ही, पर परमेसवर नै तुच्छ जाणै सै, जो अपणा
पवित्र आत्मा थारे ताहीं देवै सै।
9 पर बिश्वासी भाई-चारे के प्यार कै बारै म्ह यो जरूरी न्ही, के मै थारे धोरै कुछ लिक्खूँ, क्यूँके
आप्पस म्ह प्यार राखणा थमनै आप ए परमेसवर तै सिख्या सै; 10 थमनै पैहले ए अपणे बिश्वासी
भाईयाँ के प्यार ताहीं दिखाया सै, जो हर जगहां सारे मकिदुनिया परदेस म्ह सै। पर हे बिश्वासी
भाईयो, हम थारे तै बिनती करां सां, के थम और भी बढ़ते जाओ। 11 अर जिसी हमनै थारे ताहीं
हुकम दिया सै, के शान्ति तै जीवन जिओ अर दुसरे माणसां की बात्तां म्ह दखल ना दो, अर अपणे-
अपणे हाथ्थां तै कमाण की कोशिश करो। 12 ताके अबिश्वासी माणस देक्खै, के थारा रोज का जीवन
किसा सै, अर थारे बरताव नै देखकै थारा आदर करै, अर अपणी जरूरत कै खात्तर थम किसे के
मोहताज ना रहो।

[illegible]

13 हे बिश्वासी भाईयो, हम न्ही चाहन्दे के थम उनकै बारै म्ह जो मर लिये सै, अनजाण रहो; इसा
ना हो के थम दुसरयां की तरियां दुख करो जिन नै आस कोनी, के वो मरकै जिन्दा होवैगा। 14 क्यूँके
जै हम बिश्वास करा सां के यीशु मरया अर जिन्दा भी उठया, तो उस्से तरियां ए परमेसवर उननै भी
जो यीशु पै बिश्वास करते होए मरै सै, उन ताहीं भी वापिस ले आवैगा। 15 क्यूँके हम प्रभु यीशु
कै वचन कै मुताबिक थारे तै न्यू कह्वां सां के हम जो जिन्दे सां अर प्रभु कै दुबारा आण ताहीं बचे
रहवांगें, तो पक्के उनतै पैहले प्रभु तै न्ही मिलैगे जो मौत की नींद सो ग्ये सै। 16 क्यूँके प्रभु यीशु
आप ए सुर्ग तै उतरैगा; अर लोग उस बखत उसकी ललकार सुणैगें, अर प्रधान दूत का बोल नै भी
सुणैगें, अर सुर्गदूत्तां जरिये परमेसवर की तुरही फूँकी जावैगी; अर जो बिश्वासी लोग मसीह म्ह
मरे सै, वे पैहल्या जी उठैगें। 17 फेर हम जो जिन्दे अर बचे होड़े सां, उनकै गेल्या बादळां पै ठा लिए
जावांगें, ताके आसमान म्ह प्रभु यीशु तै मिला; अर इस तरियां तै हम हमेशा कै खात्तर प्रभु कै
गेल्या रहवांगें। 18 इस तरियां इन बात्तां तै एक-दुसरे ताहीं तसल्ली दिया करो।

5

[illegible]

1 पर हे बिश्वासी भाईयो, इसकी कोए जरूरत कोनी, के हम यीशु के दोबारा आण के बखत अर
काल्लां कै बारै म्ह थारे धोरै कुछ लिखां। 2 क्यूँके थम जाणो सों, के परमेसवर के आण का दिन, उस
चोर की तरियां होगा, जो रात नै चोरी करण आवै सै, अर थमनै बेरा भी कोनी लाग्गैगा के चोर
कद आवैगा। 3 जिब माणस कहन्दे होंगे, "राज्जी-खुशी सां, अर किमे डर कोनी," तो उनपै चाणचक
विनाश आण पड़ैगा, जिस ढाळ गर्भवती बच्चा जनन के दुख तै बच न्ही सकदी, उस्से तरियां वो भी
बच न्ही पावैंगें। 4 पर हे बिश्वासी भाईयो, थम तो अन्धकार के काम्मां तै अनजाण न्ही सो, के प्रभु
के आण का दिन थारे पै चोर की ढाळ आ पड़ै। 5 क्यूँके थम सारे चाँदणे की ऊलाद अर दिन की ऊलाद
सो; हम ना रात के सां, ना अन्धकार के सां। 6 ज्यांतै हम अबिश्वासी माणसां की तरियां सोन्दे ना
रहवां, पर जागदे अर चौकन्ने रहवां। 7 क्यूँके जो सोवैं सै, वे रात ए नै सोवैं सै, अर जो मतवाले होवै
सै वे रात ए नै मतवाले होवै सै। 8 पर हम जो दिन के सां, बिश्वास अर प्यार की झिलम पैहर कै अर
उद्धार की आस का टोप पैहर कै होशियार रहवां। 9 क्यूँके परमेसवर नै म्हारै ताहीं छो कै खात्तर न्ही,
पर ज्यांतै ठहराया सै, के हम अपणे प्रभु यीशु मसीह कै जरिये उद्धार पावां। 10 वो म्हारै खात्तर इस
कारण मरया, के हम चाहे जिन्दा हों, चाहे मर लिये हों, सारे मिलकै उस्से कै गेल्या जिवां। 11 इस
कारण एक-दुसरे ताहीं तसल्ली द्यो अर एक-दुसरे ताहीं बिश्वास म्ह मजबूत करो, जिसा के थम करो
भी सो।

[illegible]

12 हे बिश्वासी भाईयो, हम थारे तै बिनती करा सां, के जो थारे म्ह मेहनत करै सै, अर प्रभु म्ह
थारे अगुवें सै, अर थमनै शिक्षा देवैं सै, उनका आदर करो। 13 अर उनकै काम्मां कै कारण प्यार कै

गेल्या उन ताहीं घणाए आदर कै जोग्गा समझो। आप्पस म्ह मेळ-मिलाप तै रहो। 14 हे बिश्वासी
भाईयो, हम थारे तै बिनती करां सां के जो आलसी सै, उन ताहीं समझाओ, डरपोकां ताहीं हिम्मत
द्यो, कमजोरां ताहीं सम्भाळो, सारया की ओड़ सहनशीलता दिखाओ। 15 सावधान रहों! कोए किसे
तै बुराई कै बदले बुराई ना करै; पर सारी हाण भलाई करण खात्तर त्यार रहवै, आप्पस म्ह एक-दुसरे
खात्तर आच्छे काम करो, अर दुसरयां खात्तर भी। 16 सारी हाण राज्जी रहो। 17 लगातार प्रार्थना
म्ह लाग्गे रहो। 18 हरेक हालात म्ह धन्यवाद करो; क्यूँके थारे खात्तर मसीह यीशु म्ह परमेसवर की
याए मर्जी सै। 19 पवित्र आत्मा ताहीं माणसां के जीवन म्ह काम करण तै ना रोक्को। 20 परमेसवर
के जरिये जो भविष्यवाणीयाँ माणसां ताहीं बताई गई सै उननै तुच्छ ना जाणो। 21 इन सारी बात्तां
ताहीं परखो; जो आच्छी सै उसनै थाम्बे राक्खो। 22 सारी ढाळ की बुराई तै बचे रहो।

??????????

23 शान्ति देण आळा परमेसवर आप ए थमनै पूरी तरियां तै पवित्र करै; अर थारी आत्मा अर
प्राण अर देह म्हारै प्रभु यीशु मसीह कै बोहड़ण ताहीं पूरे-पूरे अर बेकसूर सुरक्षित रहवैं। 24 थारा
बुलाण आळा साच्चा सै, अर वो इसाए करैगा। 25 हे बिश्वासी भाईयो, म्हारै खात्तर प्रार्थना करो।
26 आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै मसीह के प्यार म्ह नमस्कार करो। 27 मै थारे ताहीं प्रभु
की हुकम देऊँ सूं के या चिट्ठी सारे बिश्वासी भाईयाँ नै पढ़कै सुणाई जावै। 28 म्हारे प्रभु यीशु
मसीह का अनुग्रह थारे पै होंदा रहवै।

थिस्सलुनीकियों नगर के माणसां ताहीं प्रेरित पौलुस की दुसरी चिट्ठी

[illegible]

मसीह का दुबारा आण तै जुड़ी उळझन के कारण थिस्सलुनीकियों की कलीसिया म्ह गड़बड़ी के हालात बणे होए थे। थिस्सलुनीकियों के नाम पौलुस प्रेरित की दुसरी चिट्ठी इस बिश्वास पै के प्रभु के आण का दिन पैहल्या आ लिया सै। विचार करण खात्तर लिखी गई सै। पौलुस यो बतान्दे होए इस विचार नै सुधारै सै, के मसीह के आण तै पैहल्या दुष्टता अर बुराई अपणी हद पार कर जावैगी। यो रहस्यमय राजा के अधीन म्ह होगा जिसनै "पाप का माणस मतलब नाश का बेट्टा" कह्या ग्या सै, जो मसीह का बिरोध करैगा। प्रेरित याड़ै इस जरूरत पै जोर देवै सै, के सारे दुखां अर कष्टां का होन्दे होए भी उसके पाठकां नै अपणे बिश्वास म्ह मजबूती तै बणे रहणा चाहिए, अपणी कमाई खात्तर काम करदे रहणा चाहिए, जिस तरियां पौलुस अर उसके साथी करै थे, अर भलाई करण म्ह लाग्गे रहणा चाहिए।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1,2
बड़ाई अर तारीफ 1:3-12
मसीह के दुबारा आण तै जुड़ी शिक्षा 2:1-17
मसीह चाल-चलण तै जुड़े उपदेश 3:1-15
समापन 3:16-18

[illegible]

1 या चिट्ठी हम पौलुस, सिलवानुस अर तीमुथियुस की ओड़ तै थिस्सलुनीकियों नगर की
कलीसिया के बिश्वासियाँ ताहीं लिखां सां, जो म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के सै।
2 म्हारै पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिलदी रहवै।

[illegible]

3 हे बिश्वासी भाईयो, थारे बारै म्ह हमनै हरेक बखत परमेसवर का धन्यवाद करणा चाहिये, अर
यो सही भी सै ज्यांतै के थारा बिश्वास यीशु मसीह म्ह घणा बढ़दा जावै सै, अर थारा एक-दुसरे कै
खात्तर आप्पस म्ह प्यार घणाए बढ़ता जावै। 4 इस करकै हम परमेसवर की कलीसिया के बिश्वासियाँ
के बारै म्ह गर्व करा सां, के जितने थम इम्तिहान अर मुसीबतां तै गुजरो सों, थम उननै धीरज तै सहण
लागरे सों, अर थम फेर भी यीशु मसीह पै बिश्वास राक्खों सों।
5 अर परमेसवर इन दुखां का इस्तमाल अपणे न्याय ताहीं दिखाण अर थारे ताहीं अपणे राज्य
के लायक बणाण खात्तर करैगा, जिस खात्तर थम दुख भी ठाओ सो। 6 क्यूँके परमेसवर हमेशा सही
न्याय करै सै, ताके जो थमनै दुख देवैं सै, उननै बदले म्ह वो दुख देवै। 7 अर थमनै वो इस दुख तै राहत
देवैगा, जो थम इब उठाण लागरे सों, अर म्हारे ताहीं भी राहत दे, यो उस बखत होगा जिब प्रभु
यीशु अपणे सामर्थी सुर्गदूत्तां कै गैल, धधकती होई आग म्ह सुर्ग तै आवैगा। 8 अर जो परमेसवर
नै न्ही पिच्छाणदे, अर जो म्हारे प्रभु यीशु कै बारें म्ह सुसमाचार ताहीं न्ही मानते उनतै वो बदला
लेवैगा। 9 वे परमेसवर तै हमेशा खात्तर अलग हो जावैंगे अर उसकी महिमामय शक्ति म्ह शामिल
न्ही हो पावैंगें अर वे अनन्त विनाश का दण्ड पावैंगें। 10 यो उस दिन होवैगा, जिब प्रभु यीशु मसीह
बोहड़कै आवैगा, ताके वो उन माणसां तै महिमा पावै जो उसके कहलावै सै, उन माणसां तै सम्मानित
करया जावैगा जो उसपै बिश्वास करै सै, अर उस दिन थम भी उनकी तारीफ करण आळा म्ह तै एक
होओगे, क्यूँके थमनै उसपै बिश्वास करा, जो हमनै थारे ताहीं बताया। 11 ज्यांतै हम सारी हाण थारे
बारै म्ह प्रार्थना भी करा सां, के म्हारा परमेसवर थारे ताहीं इसा करण म्ह काबिल बणावैगा, जिसकै

खात्तर उसनै म्हारे ताहीं बुलाया सै, अर वो थारी हरेक भली इच्छा नै सामर्थी रूप तै पूरा करै, अर
हर उस काम नै पूरा करा जो थम बिश्वास तै करो सों। 12 इस तरियां म्हारे प्रभु यीशु मसीह का
नाम थारे जरिये महिमा पावैगा, यो सब कुछ म्हारे परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के अनुग्रह तै
होवैगा।

2

[illegible]

1 हे बिश्वासी भाईयो, इब हम अपणे प्रभु यीशु मसीह कै बोहड़ण, अर जिब हम कठ्ठे होकै
उसतै मिलागें तो उस दिन के बारें म्ह थारे ताहीं बताणा चाहूँ सूं। 2 थम किसे भविष्यवाणी या किसे
उपदेश या किसे चिट्ठी नै म्हारी ओड़ तै लिखी होई मानकै चाणचक बोखळा ना जाइयो, अर ना ए
अपणे-आप म्ह घबराईयो के परमेसवर का दिन पैहले ए आ लिया सै। 3 किसे ढाळ तै भी किसे कै
धोक्खे म्ह ना आइयो, क्यूँके प्रभु यीशु के आण तै पैहले इसा बखत आवैगा, जिब भोत सारे लोग
परमेसवर के बिरोधी हो जावैंगे, अर वो अधर्मी माणस यानिके विनाश का बेट्टा दिखाई देवैगा,
जिस ताहीं परमेसवर सदा खात्तर खतम कर देवैगा। 4 वो अधर्मी माणस परमेसवर अर उन दुसरी
चिज्जां का बिरोध करैगा। जिनकी लोग भगति करै, वो दावा करैगा के वो उनतै भी घणा बड़ा सै,
उरै ताहीं के वो परमेसवर के मन्दर म्ह बैठकै अपणे-आप ताहीं ईश्वर बतावैगा। 5 के थमनै याद
कोनी के जिब मै थारे धोरै था, तो थारे तै ये बात कह्या करुँ था? 6 वो जो अधर्मी माणस इब ताहीं
दिख्या न्ही सै, क्यूँके इसा कुछ तो सै जिसनै उस ताहीं रोक राख्या सै, पक्का थम जाणो सों, के वो
के सै। इस करकै जिब परमेसवर का बखत आवैगा तो वो अधर्मी माणस दिख जावैगा। 7 अर उस
अधर्मी माणस की शक्ति पैहले तै गुप्त रूप तै इस दुनिया म्ह काम करण लागरी सै, पर वो सै जो
उस शक्ति नै रोक्कण लागरया सै, अर जिब ताहीं वो दूर ना हो जावै तब तक वो इस ताहीं रोकणा
जारी राक्खैगा। 8 फेर वो अधर्मी माणस दिख जावैगा, पर बाद म्ह जिब प्रभु यीशु आवैगा तो वो
अपणे मुँह की फूँक तै अधर्मी माणस ताहीं मार देवैगा, अर अपणे आगमन के तेज तै भस्म करैगा।
9 वो अधर्मी माणस शैतान की शक्ति गैल आवैगा, वो सारे ढाळ के झूठ्ठे चमत्कार, अर अचम्भे
के काम करैगा, जो हमनै यो सोच्चण कै खात्तर मजबूर करैगा के योए परमेसवर सै जो इननै करण
लागरया सै। 10 वो सारी ढाळ के बुरे तरिक्कें अपणावैगा उन माणसां खात्तर जो अनन्त विनाश
के राह की ओड़ जावै सै, क्यूँके उननै सच्चाई पै बिश्वास कोनी करया जिसतै उनका उद्धार हों सकै
सै। 11 इस्से कारण परमेसवर उन माणसां म्ह एक भटकाण आळी शक्ति नै भेज्जै सै, जो उन ताहीं
सच्चाई तै दूर ले जावैगी, ताके वे झूठ पै बिश्वास करै। 12 परमेसवर उन सब का न्याय करैगा जिननै
सच्चे सन्देस (यीशु मसीह के बारें म्ह) बिश्वास कोनी करया, अर जिननै अधर्म के काम्मां तै प्यार
करया।

[illegible]

13 हे बिश्वासी भाईयो, उरै थारे खात्तर परमेसवर कै स्याम्ही म्हारा हमेशा धन्यवाद देणा सही सै,
थम प्रभु के प्यारे सों, क्यूँके परमेसवर नै थारे ताहीं दुनिया की शरुआत तै ए उद्धार कै खात्तर चुण
लिया सै। ताके वो थमनै पवित्र आत्मा के काम के जरिये पवित्र बणावै, अर यीशु मसीह के सच्चे
सुसमाचार पै बिश्वास करण के जरिये थमनै बचाले। 14 म्हारे सुसमाचार के जरिये उसनै थारे ताहीं
बचाण खात्तर बुलाया सै, ताके थम उसकी महिमा म्ह हिस्सा ले सको, जो परमेसवर नै म्हारे प्रभु
यीशु मसीह ताहीं दी सै। 15 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, मजबूत रहो, अर जो-जो शिक्षा थमनै चाहे
वचन या चिट्ठी कै जरिये म्हारै जरिये सीक्खी सै, उननै थाम्बे राक्खो।

16 हम प्रार्थना करां सां के खुद म्हारा प्रभु यीशु मसीह, अर म्हारा पिता परमेसवर, जिसनै म्हारै
तै प्यार करया अर अनुग्रह तै अनन्त शान्ति अर घणी बढ़िया उम्मीद देई सै, 17 थारे मनां म्ह
शान्ति दे अर थमनै हरेक आच्छे काम अर वचन म्ह मजबूत करै।

3

[illegible]

1 इस करकै, हे बिश्वासी भाईयो, म्हारै खात्तर प्रार्थना करया करो के प्रभु के बारें म्ह सन्देस भोत
तावळा दुसरी जगहां म्ह भी सुणाया जा सकै, अर लोग उसपै बिश्वास करैगें जिसा थम बिश्वास
करो सों। 2 या भी प्रार्थना करया करो के परमेसवर हमनै बैरी अर बुरे माणसां के जरिये दिए जाण
आळे नुकसान तै भी बचावै, क्यूँके भोत-से लोग सुसमाचार पै बिश्वास कोनी करते। 3 पर प्रभु
भरोस्सेमंद सै, वो थमनै अन्दरूनी रूप तै मजबूत करैगा अर उसकी रक्षा करैगा, ताके बुराई, शैतान
थमनै नुकसान ना पंहुचा सकै। 4 हमनै प्रभु म्ह थारे उप्पर भरोस्सा सै हमनै जो कुछ थारे ताहीं
करण खात्तर कह्या सै थम उसाए करण लागरे सों अर करते भी रहोगे। 5 हम प्रार्थना करा सां के
प्रभु यीशु थमनै यो समझण कै काबिल बणावै के परमेसवर थमनै कितना प्यार करै सै, अर धीरज
राखणा सिखावै जिसा मसीह राक्खै सै।

[illegible]

6 हे बिश्वासी भाईयो, प्रभु यीशु मसीह नै जो हक म्हारे ताहीं दिया सै, उसके कारण हम थमनै
हुक्म देवां सां, के थम हरेक इसे बिश्वासी भाई तै न्यारे रहो जो कोए काम न्ही करदा, अर जो शिक्षा
उसनै म्हारै तै पाई उसकै मुताबिक न्ही करदा। 7 क्यूँके थम सारे अपणे-आपनै आच्छी तरियां जाणो
सों, के थमनै उस्से तरियां जीणा चाहिए जिस तरियां हम जिवां सां, क्यूँके जिब हम थारे बिचाळै रहण
लागरे थे, तो हम आलसी कोनी थे। 8 अर किसे की रोट्टी मुफ्त म्ह कोनी खाई, मेहनत अर कष्ट तै
दिन-रात काम-धन्धा करा थे, ताके हम अपणी जरूरतां खात्तर थारे भरोस्से ना रह्वां। 9 हालाकि थारे
तै आर्थिक मदद पाण का म्हारा हक बणै सै, फेर भी हम कड़ी मेहनत करा सां, पर ज्यांतै के अपणे-
आप ताहीं थारे खात्तर आच्छा नमूना बणावां ताके थम भी म्हारै जिसा जीवन जिओ। 10 क्यूँके जिब
हम थारे धोरै थे, तब भी योए कह्या करा थे, के जै कोए काम करणा ना चाहवै* तो उसका खाण का
भी हक कोनी। 11 हम सुणां सां के कुछ माणस थारे बिचाळै सुस्त सै अर वे कोए काम न्ही करदे, पर
दुसरयां कै काम म्ह रुकावट करै सै, अर उन ताहीं भी काम करण तै रोक्कै सै। 12 प्रभु यीशु मसीह
नै म्हारे ताहीं हक दिया सै, अर हम थमनै भी समझावां सां, के चुपचाप काम करकै अपणी ए कमाई
तै रोट्टी खाया कर। 13 पर हे बिश्वासी भाईयो, थम खुद वो काम करण तै पाच्छै ना हटियो, जो
सही अर भले सै। 14 जै कोए म्हारी इस चिट्ठी म्ह दी गई हिदायत† नै कोनी मान्नै तो सब जाण
ल्यो के वो कौण सै, अर उसकी संगति ना करो, जिसतै वो शर्मिन्दा होवै। 15 तोभी उस ताहीं दुश्मन
मतना समझो, पर बिश्वासी भाई जाणकै समझाओ।

[illegible]

16 मै प्रार्थना करुँ सूं, के प्रभु जो शान्ति का चोवा सै आप ए थारे ताहीं सारी हाण अर हरेक
तरियां तै शान्ति देवै। प्रभु थम सारया कै साथ रहवै। 17 मै, पौलुस, अपणे हाथ तै नमस्कार लिक्खूँ
सूं। इस्से तरियां तै मै अपणी सारी चिट्ठियाँ के अन्त म्ह न्यूए लिक्खूँ सूं, ताके थम जाण ल्यो के ये
मेरी ओड़ तै सै। 18 मै प्रार्थना करुँ सूं, के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का अनुग्रह थम सारया पै होंदा
रहवै।

* **3:10** 3:10 जै कोए काम करणा ना चाहवै जो कोए आलसी सै † **3:14** 3:14 हिदायत निर्देश

तीमुथियुस के नाम प्रेरित पौलुस की पैहली चिट्ठी

□□□□□□□

तीमुथियुस एक जवान बिश्वासी था, जो एशिया माइनर का रहणीया था, उसकी माँ यहूदी अर पिता यूनानी था। वो पौलुस के प्रचार के काम म्ह उसका साथी अर मददगार बणग्या था। तीमुथियुस के नाम पौलुस की पैहली चिट्ठी तीन खास बात्तां पै विचार करण खात्तर लिखी गई सै। सब तै पैहल्या, या चिट्ठी कलीसिया म्ह झूठ्ठी शिक्षा के खिलाफ एक चेतावनी सै। या शिक्षा, जो के यहूदी अर गैर यहूदी विचारां की मिलावट थी, इस सोच पै आधारित थी के भौतिक संसार ए बुरा सै। अर एक आदमी खास गुप्त ज्ञान अर थोड़े-से रीति-रिवाज, जिस तरियां कुछ खाण की चीज न्ही खाणा अर ब्याह न्ही करणा भोत सी बात्तां के मानण तै ए मुक्ति मिल सकै सै। इस चिट्ठी म्ह कलीसिया के प्रबन्ध अर आराधना तै जुड़े सुझाव भी सै, साथ म्ह चाल-चलण का भी जिक्र सै जो कलीसिया कै अगुवां अर सहायकां खात्तर जरूरी सै। आखर म्ह, तीमुथियुस तै या सलाह दी सै के वो किस तरियां यीशु मसीह का एक आच्छा सेवक बण सकै सै, अर कई और भी बिश्वासी झुण्डां कै खात्तर उसकी के-के जिम्मेदारी सै।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1,2
कलीसिया अर इसके अगुवां तै जुड़ी सलाह 1:3-3:16
तीमुथियुस ताहीं उसके काम तै जुड़ी सलाह 4:1-6:21

□□□□□□□

1 या चिट्ठी पौलुस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का प्रेरित सै, अर परमेसवर जो म्हारा
उद्धारकर्ता सै, अर यीशु मसीह जो म्हारी आस सै, उसनै मेरे ताहीं प्रेरित होण खात्तर बुलाया सै।
2 मै या चिट्ठी तीमुथियुस नै लिखूँ सूं, मसीह पै बिश्वास करण के नाते तू मेरे आत्मिक बेट्टे की
तरियां सै, मै प्रार्थना करुँ सूं, के पिता परमेसवर, अर म्हारै प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै
अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलदी रहवै।

□□□□□□ □□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□

3-4 जिसा के तू तीमुथियुस जाणै सै, इफिसुस नगर म्ह कई माणस सै जो झूठ्ठी शिक्षा देवै सै,
वे माणसां ताहीं लगातार झूठ्ठी कहाणियाँ अर पूर्वजां की लम्बी वंशावलियाँ नै सिखावै सै, जिसा
के मन्नै मकिदुनिया जान्दे बखत तेरे तै कह्या था, के इफिसुस नगर म्ह रहकै उन ताहीं कह के इसी
शिक्षा ना देवै, जिब वे इसी शिक्षा देवै सै, तो माणसां म्ह विवाद पैदा होवै सै, इसका नतिज्जा यो
सै के ये शिक्षक परमेसवर का काम न्ही करते जो परमेसवर नै उन ताहीं दिया सै, यो तो सिर्फ मसीह
पैए बिश्वास करण के जरिये करया जा सकै सै। 5 योए म्हारे हुकम का मकसद सै, के थम सच्चे
मन, शुद्ध अन्तरात्मा अर सच्चे बिश्वास तै एक-दुसरे कै गेल्या बिना कपट के प्यार करो। 6 झूठ्ठे
शिक्षकां नै इन सारी चिज्जां ताहीं छोड़ दिया सै, अर सिर्फ बेकार की चिज्जां पै बातचीत करै सै।
7 अर वकील तो बणणा चाहवैं सै, पर जो बात कहवै अर जिन ताहीं मजबूती तै बोल्लै सै, उन ताहीं
समझदे भी कोनी। 8 हम जाणा सां के मूसा के नियम-कायदा नै जै सही तरिक्कें तै सिखावै तो वो
भला सै। 9 हम यो जाणा सां, के मूसा नबी के नियम-कायदे धर्मी माणस कै खात्तर कोनी, पर उन
माणसां खात्तर सै जो परमेसवर के नियम-कायदा नै अणदेखा करै सै, अर उन ताहीं मानते कोनी,
अर उन माणसां खात्तर जो परमेसवर की आराधना कोनी करते, अर जो सारी हाण पाप करते रहवै
सै, जो माणस दुष्ट सै, अर परमेसवर का आदर कोनी करते, अर जो अपणे माँ-बाप नै, अर दुसरयां
नै मार देवै सै। 10 जारी करणीये, माणसां गैल कुकर्म करणीये, माणस नै बेचण आळे, झूठ बोल्लण

आळे, झूठ्ठी कसम खाण आळे, अर इनकै अलावा खरे उपदेश के सारे बिरोधियाँ कै खात्तर बणाई
गई सै। 11 या सही शिक्षा उस सुसमाचार पै आधारित सै, जो के धन्य परमेसवर की महिमा के बारें
म्ह सै, जिसकी मेरै ताहीं प्रचार करण की जिम्मेदारी दी गई सै।

[illegible]

12 मै अपणे प्रभु मसीह यीशु का जिसनै मेरै ताहीं सामर्थ दी सै, धन्यवाद करुँ सूं, के उसनै मेरै
ताहीं बिश्वास जोग्गा समझकै अपणी सेवा कै खात्तर चुण्या। 13 बिश्वास करण तै पैहले, मै बुराई
करण आळा, सताण आळा, अर अन्धेर करण आळा था, तोभी मेरै पै दया होई, क्यूँके यीशु मसीह
पै बिश्वास करण तै पैहले मन्नै अबिश्वास अर बिना सोच्चे-समझे ये काम करे थे। 14 अर परमेसवर
का अनुग्रह मेरे पै भोत-ए घणा होया, उसनै मेरे ताहीं बिश्वास अर प्यार दिया, क्यूँके मै मसीह
यीशु म्ह सूं। 15 या बात साच्ची अर हरेक तरियां तै मानण जोग्गी सै, के मसीह यीशु पापियाँ का
उद्धार करण खात्तर दुनिया म्ह आया, जिन म्ह सारया तै बड्ड़ा पापी मै सूं। 16 परमेसवर नै अपणी
दया मेरे पै दिखाई, उसनै यो इस कारण करया ताके मुझ माणस के जरिये, जिसनै दुसरे माणसां तै
ज्यादा बुरे काम करे सै, मसीह यीशु दिखा सकै सै, के वो मेरे खात्तर कितना धीरज राक्खै सै, या
उन माणसां खात्तर एक मिसाल सै जो बाद म्ह उसपै बिश्वास करैगें, अर वे अनन्त जीवन पावैंगें।
17 इब राजा जो सदा खात्तर जिन्दा सै, उस अविनाशी, अनदेक्खे, एकमात्र परमेसवर का आदर अर
उसकी महिमा युगानुयुग होंदी रहवै। आमीन। 18 हे बेट्टे तीमुथियुस, मै यो हुकम सौंपू सूं, जो उन
भविष्यवाणीयाँ कै मुताबिक सै, जो पैहल्या तेरे बारै म्ह करी गई थी, उनकै मुताबिक एक सिपाही
की तरियां आच्छी लड़ाई नै लड़ता रह। 19 थम मसीह पै लगातार बिश्वास करते रहो, ताके थारी
अन्तरात्मा साफ रहवै, कई माणसां नै अपणी साफ अन्तरात्मा ताहीं त्याग दिया सै, अर उनकी
मसीह पै बिश्वास करण की काबलियत भी खतम होगी सै, अर इब वे बिश्वास भी कोनी करते।
20 उन म्ह हुमिनयुस अर सिकन्दर भी शामिल सै, जिन ताहीं मन्नै शैतान की बुरी शक्तियाँ के हाथ
सौंप दिया सै, ताके वे परमेसवर की बुराई करणा छोड़ दे।

2

[illegible]

1 इब मै सारया तै पैहल्या यो आग्रह करुँ सूं, के बिनती, प्रार्थना, निवेदन, अर धन्यवाद सारे
माणसां कै खात्तर करे जावै। 2 राजयां अर सारे ऊँच्चे ओद्दा आळा कै खात्तर ज्यांतै ताके वो हमनै
आराम अर चैन कै गेल्या सारी भगति अर गम्भीरता तै जीवन बिताण देवै। 3 इसी प्रार्थना सही सै
अर म्हारै परमेसवर उद्धारकर्ता नै आच्छी लाग्गै सै। 4 वो चाहवै सै के हरेक इन्सान सच्चाई के ज्ञान
नै समझ ले अर वे बच जावै। 5 क्यूँके परमेसवर एके सै, अर परमेसवर अर माणसां कै बीच म्ह भी
एक ए बिचोल्ला सै, जो मसीह यीशु सै, जो मानव रूप धारण करकै आया। 6 मसीह नै अपणे-आप
ताहीं बलिदान कर दिया, ताके लोग्गां नै पाप अर मौत की शक्ति तै आजाद करै। मसीह की मौत के
जरिये, परमेसवर नै यो सबूत दिया के सही बखत पै सब लोग बच जावै। 7 इस कारण तै परमेसवर नै
मेरे ताहीं सुसमाचार का प्रचारक अर प्रेरित चुण्या सै, उसनै मेरे ताहीं गैर यहूदियाँ ताहीं बिश्वास
अर सच्चाई का सन्देस सुणाण आळा बणाया सै, मै झूठ न्ही बोल्दा, सच कहूँ सूं।

8 ज्यांतै मै चाहूँ सूं, के हरेक जगहां सभाओं म्ह माणस जो पवित्र जिन्दगी जीवै सै, वे हात्थां
नै ठाकै बिना छो अर विवाद के परमेसवर तै प्रार्थना करै। 9 इस्से तरियां मै चाहूँ सूं के मसीह
बिरबानियाँ नै भी सही तरियां के लत्ते पैहरणे चाहिए, जो के साद्दे हो, ना के भड़कीले। ना के खूबसूरती
तै बाळ गूँथणा, ना सोन्ने, मोतियाँ अर घणे महँगे लत्यां तै अपणे-आपनै सवारणा। 10 पर इसके
बजाए वो लोग्गां की भलाई करै, जो उननै खूबसूरत बणावै सै, क्यूँके परमेसवर की भगति करण
आळी बिरबानियाँ कै खात्तर योए सही सै। 11 जिब कोए, बिश्वासियाँ ताहीं सिखाण लागरया हो तो,
बिरबानियाँ नै चुपचाप रहकै पूरी शान्ति तै सिखणा चाहिये। 12 मै बिरबानियाँ ताहीं मर्दां नै सिखाण

या उसपै हावी होण की इजाजत कोनी देंदा, जिब थम आराधना म्ह मिलो हो, तो बिरबानियाँ नै
चुप रहणा चाहिए। 13 मै इस करकै कहूँ सूं, क्यूँके पैहल्या आदम, उसकै पाच्छै हव्वा बणाई गई।
14 आदम साँप के जरिये भकाया न्ही गया, पर बिरबान्नी भकाई म्ह आकै कसूरवार होई। 15 तोभी
बिरबान्नी बाळक पैदा करण कै जरिये उद्धार पावैगीं, जै वा मसीह पै बिश्वास करै, दुसरे तै प्यार,
अर पवित्र अर सही बरताव करै।

3

[illegible]

1 या बात सच्ची सै, के जो कलीसिया का अगुवां बणणा चाहवै सै, तो वो भले काम की चाह
करै सै। 2 यो जरूरी सै के अगुवां नै बेकसूर, अर एक ए बिरबान्नी का धणी, संयमी, सुशील, सभ्य,
मेहमान का आदर-सत्कार करणीया, अर सिखाण म्ह सही होणा चाहिए। 3 दारूबाज या मारपीट
करण आळा ना हो, बल्के नरम हो, अर ना रोळा करण आळा, अर ना धन का लोभ्भी हो। 4 अपणे
घर का सही इन्तजाम करण आळा हो, अर उसनै अपणे बाळ-बच्यां ताहीं हरेक काम म्ह आदरपूर्वक
उनका कहणा मानना सिखाणा चाहिए। 5 जिब कोए अपणे घर का ए इन्तजाम करणा ना जाण्दा
हो, तो परमेसवर की कलीसिया की रुखाळी किस ढाळ करैगा? 6 वो नया बिश्वासी ना हो, इसा ना
हो के घमण्ड करकै शैतान की तरियां सजा भुगतै। 7 अर कलीसिया के बाहर के माणसां म्ह भी वो
सम्मान लायक हो, ताके वो बदनामी अर शैतान कै फंदे म्ह ना फँस जावै।

[illegible]

8 उस्से तरियां ए कलीसिया के सेवकां नै भी गम्भीर होणा चाहिये, दोगली बात करण आळा,
दारूबाज अर नीच कमाई का लोभ्भी ना हो। 9 उनकै धोरै साफ अन्तरात्मा हो, क्यूँके वे मानते
रहवैंगे, के परमेसवर नै जो शिक्षाएँ जाहिर करी वे सच सै। 10 अर ये इन सारी बात्तां म्ह पैहले परखे
जावै, फेर जै बेकसूर लिकड़ै तो सेवक का काम करै। 11 इस्से तरियां तै बिरबानियाँ नै भी गम्भीर होणा
चाहिये, दोष लाण आळी ना हों, पर सचेत अर सारी बात्तां म्ह बिश्वास जोग्गी हों। 12 कलीसिया
का सेवक एक ए बिरबान्नी का धणी हों अर बाळ-बच्यां अर अपणे घरां का आच्छा इन्तजाम करणा
जाणदे हों। 13 क्यूँके जो कलीसिया के सेवक का काम आच्छी ढाळ तै कर सकै सै, वो माणसां म्ह
सम्मान लायक होगा, पर मसीह यीशु म्ह अपणे बिश्वास के बारें म्ह वो बड़ी दिलेरी तै बोल्लण
आळा हो।

[illegible]

14 मै तेरे धोरै तावळा आण की आस करते होए भी, ये बात तेरे तै ज्यांतै लिक्खूँ सूं, 15 ताके जै मेरै
ओड़ै आण म्ह देर हो भी जावै, तो मै चाहूँ सूं, थम इस बात नै जाण ल्यो, के परमेसवर का परिवार
जो के एक कलीसिया सै, उस म्ह हमनै एक-दुसरे तै किसा बरताव करणा चाहिए। जिन्दे परमेसवर
की कलीसिया के माणस सच्चाई की शिक्षा की नीम अर खम्भे की तरियां सै। 16 हम दावे के साथ
कह सका सां, के परमेसवर नै जो शिक्षाएँ जाहिर करी सै, वो पूरी तरियां तै सच सै, यानी, वो जो
देह म्ह जाहिर होया, वो पवित्र आत्मा के जरिये परमेसवर का बेट्टा साबित होया, अर उस ताहीं
सुर्गदूत्तां नै देख्या, दुनिया के माणसां नै उसपै बिश्वास करया, दुसरी जात्तां म्ह उसका प्रचार होया,
अर महिमा म्ह उप्पर ठाया गया।

4

[illegible]

1 पर पवित्र आत्मा साफ तौर पै कहवै सै, के अन्त के दिनां म्ह कुछ लोग मसीह शिक्षा ताहीं
मानना छोड़ देवैगें, वो ओपरी आत्मायाँ ताहीं अपणा लेवैंगे जो उन ताहीं भटका देवैगी, अर वो
उस झूठ्ठी शिक्षा पै मन लगावैंगे जो ओपरी आत्मा की ओड़ तै सै। 2 वे पाखण्डी झूठ्ठे लोग सै जो
झूठ्ठी शिक्षा सिखावै सै, उनकी अन्तरात्मा, जो सही या गलत के बीच का फैसला करै सै, वा मर

चुकी सै, जिस तरियां के एक गरम लोहे नै अन्तरात्मा ताहीं जळा दिया हो। 3-4 ये झूठ्ठे लोग सिखावै
सै, के ब्याह करणा अर कई चीज जो खाण-पीण की सै, वे गलत सै, पर परमेसवर नै इन खाण-पीण
की चिज्जां ताहीं बिश्वासियाँ खात्तर बणाया सै, जो सच्ची शिक्षा नै जाणै सै के परमेसवर की बणाई
हरेक चीज आच्छी सै, कोए भी चीज नकारन की कोनी, जै उस ताहीं धन्यवाद देकै खावै। 5 क्यूँके
परमेसवर के वचन अर प्रार्थना कै जरिये सब कबूल हो जावै सै।

[illegible]

6 जै तू लगातार बिश्वासी भाई-भाणा नै याद दुआन्दा रहवै, के जो मन्नै निर्देश दिए सै, अर तू जो
बिश्वास अर आच्छे शिक्षा के सन्देस के जरिये मजबूत बणाया गया सै, जिसका तन्नै पालन करया
सै, तो तू यीशु मसीह का एक आच्छा सेवक सै। 7 सांसारिक अर मनघडन्त कहाँनियाँ तै दूर रहों,
अर थम अपणे-आपनै ईश्वरीय जीवन जीण खात्तर अनुशासित कर ल्यो। 8 क्यूँके देह की कसरत
तै माड़ा सा फायदा होवै सै, पर भगति सारी बात्तां कै खात्तर फैयदेमन्द सै, क्यूँके यो इस धरती पै
जिन्दा रहन्दे होए अर मरण कै बाद भी एक ईनाम का वादा सै। 9 या बात सच्ची अर हरेक ढाळ तै
मानण जोग्गी सै। 10 क्यूँके हम मेहनत अर कोशिश इस्से खात्तर करा सां के म्हारी आस उस जिन्दे
परमेसवर पै सै, जो सारे माणसां अर खास करकै अपणे बिश्वासियाँ का उद्धार करणीया सै।
11 बिश्वासियाँ नै ये बात करणा अर उननै मानना सीखा। 12 छोट्टी उम्र के कारण कोए तन्नै
तुच्छ ना समझै पर वचन, अर चाल-चलण, अर प्यार, अर बिश्वास, अर पवित्रता म्ह बिश्वासियाँ
कै खात्तर बढ़िया नमूना बण जा। 13 जिब ताहीं मै न्ही जाऊँ, जिब तक बखत लिकाड़कै पवित्र
ग्रन्थ बिश्वासियाँ ताहीं पढ़कै सुणा, अर उन ताहीं उत्साहित अर वचन सिखाण म्ह लग्या रह।
14 उस आत्मिक वरदान कै बारै म्ह, जो तेरे म्ह सै, अर भविष्यवाणी कै जरिये कलीसिया के अगुवां
के हाथ धरदे बखत तन्नै मिल्या था, निश्चिन्त मतना रह। 15 इन बात्तां नै सोचदा रह अर इन्नै म्ह
अपणा ध्यान लाये रह, ताके तेरी बढ़ोतरी सारया पै दिख जावै। 16 यो ध्यान राक्खों के थम किस
तरियां जिन्दगी जिओ सों, अर के सिखाओ सों। इन बात्तां पै स्थिर रह, क्यूँके इसा करदा रहवैगा
तो तू अपणे अर अपणे सुणण आळा कै खात्तर भी उद्धार का कारण होगा।

5

[illegible]

1 किसे बूढ़े ताहीं छो म्ह ना धमका, पर उस ताहीं अपणा बाप जाणकै समझा दे, अर जवानां
नै अपणा भाई जाणकै समझा दे। 2 बूढ़ी बिरबानियाँ नै माँ जाणकै, अर जवान बिरबानियाँ नै पूरी
पवित्रता तै भाण मानकै समझा दे।
3 उन बिधवा बिरबानियाँ का, जिनकी देखभाळ करणीया कोए कोनी उनका आदर कर। 4 जै किसे
बिधवा के बाळक या नात्ती-पोत्ते हों, तो वे सब तै पैहल्या अपणे ए कुण्बे कै प्रति अपणे फर्ज
नै पूरा करकै परमेसवर का भगत बणणा सीखै, अर अपणे माँ-बाप के उपकारां का फळ दे, क्यूँके
यो परमेसवर नै भावै सै। 5 जो सच म्ह ए बिधवा सै, अर उसका मदद करण आळा कोए न्ही, वा
परमेसवर पै आस राक्खै सै, अर दिन-रात बिनती अर प्रार्थना म्ह लाग्गी रहवै सै। 6 पर जो बिधवा
भोगविलास म्ह पड़गी, वा जिन्दे जी मरगी सै। 7 इन बात्तां का भी हुकम दिया कर ताके कोए उनपै
दोष ना लगा सकै। 8 पर जै कोए अपणे रिश्तेदारां की अर खास करकै अपणे कुण्बे की फिक्र ना करै,
तो वो बिश्वास तै मुकर गया सै अर अबिश्वासी तै भी बुरा बण गया सै।
9 उस्से बिधवा का नाम लिख्या जावै जो साठ साल तै उप्पर की हो, अर जो एके धणी की बिश्वास
लायक रही हों। 10 अर भले काम म्ह आच्छी नाम्मी रही हो, जिसनै बाळकां का पालन-पोषण,
मेहमानां की सेवा, परमेसवर के माणसां की सेवा, दुखियाँ की मदद करी हो, अर हरेक भले काम म्ह
मन लगाया हो। 11 पर जवान बिधवा बिरबानियाँ कै नाम ना लिखिए, क्यूँके जिब उनकी शारीरिक
अभिलाषा मसीह की सेवा करण तै बढ़कै हो जावै सै, तो वा ब्याह करणा चाहवैं सै। 12 दुबारै ब्याह

करकै, वे खुद कसूरवार बणैगी, क्यूँके उननै अपणे पैहल्ड़े वादे ताहीं जो के ब्याह ना करण का था,
उस ताहीं तोड़ दिया सै। 13 इसकै गेल्या ए गेल्या वे घर-घर हाँड कै आलसी होणा सिक्खैं सै, अर
सिर्फ आलसी न्ही पर बकबक कर दी रहै सै, अर दुसरयां कै काम म्ह भी दखल देती रहवै सै, अर
चुगली कर दी रहवै सै। 14 ज्यांतै मै न्यू चाहूँ सूं के जवान बिधवां ब्याह करै, अर बाळक जामै अर
घर-बार सम्भाळै, अर किसे बिरोधी नै बदनाम करण का मौक्का ना देवैं। 15 मै इस करकै कहूँ सूं, के
उन म्ह तै कईयाँ नै प्रभु का कहणा मानना छोड़ दिया सै, अर शैतान कै पाच्छै चालणा शरु कर
दिया सै। 16 जै किसे बिश्वासी परिवार म्ह कोए बिधवां हों, तो वैए उनकी मदद करै के कलीसिया पै
बोझ ना हो, ताके कलीसिया उनकी मदद कर सकै जो साच्चए बिधवां सै।

17 कोए भी कलीसिया का अगुवां जो अपणा काम आच्छी तरियां करै सै उस ताहीं बड़ा सम्मान
अर पर्याप्त वेतन पाण के लायक मान्या जाणा चाहिए, खासकर जो लोग परमेसवर के सन्देस नै
पढ़ाण अर प्रचार करण म्ह कड़ी मेहनत करै सै। 18 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, “नाज
लिकाड़ण आळे बळध का मुँह ना बाँधिये,” क्यूँके “मजदूर अपणी मजदूरी का हकदार सै।” 19 किसे
भी कलीसिया के अगुवै के बिरुध्द दो या तीन गवाह के बिना कोए भी उसनै दोषी ना मान्नो।
20 पाप करण आळा नै सारया कै स्याम्ही समझा दे, ताके बाक्की के बिश्वासी भी डरै। 21 परमेसवर,
अर मसीह यीशु अर छाँटे होड़ सुर्गदूत्तां नै मौजूद जाणकै मै तन्नै हुकम देऊँ सूं, के बिना भेदभाव
के तू इन हुकमां नै पूरा कर, अर सब कै गैल एक जिसा बरताव कर। 22 किसे ताहीं जल्दबाजी म्ह
अगुवां ना बणाईये, अर जै तू इसा करै सै, तो उसका जिम्मेदार भी तू खुद होवैगा, तू यो तय करकै
मै कोए पाप न्ही करुँगा।

23 आण आळे बखत म्ह सिर्फ पाणी ए का पीण आळा ना रह, पर अपणे पेट के अर अपणे बार-बार
बीमार होण कै कारण माड़ा-माड़ा अंगूर का रस भी काम म्ह ल्याया कर। 24 मै कहूँ सूं, के किसे
ताहीं जल्दबाजी म्ह अगुवां ना बणाईये, क्यूँके कई लोग सब कै स्याम्ही पाप करै सै, इसतै पैहले
के उनका न्याय हो, बिश्वासियाँ कै स्याम्ही वे पापी बण चुके सै, दुसरे माणसां के पाप दिखाई न्ही
देन्दे, पर पाच्छै नजर आवै सै। 25 उस्से तरियां तै जिब माणस आच्छे काम करै सै तो दुसरे माणस
उसके काम्मां नै देक्खै सै, अर जै इब न्ही दिखदे तो बाद म्ह वे दिख जावै सै।

6

1 जितने बिश्वासी गुलाम सै, वे अपणे-अपणे माल्लिक का आदर करै, ताके दुसरे लोग परमेसवर
की अर म्हारी शिक्षा की बुराई ना करै। 2 जिनके माल्लिक बिश्वासी सै, वे अपणे माल्लिकां का
अपमान ना करै, यो जाणकै के इब तो वे उनके बिश्वासी भाई सै, बल्के वे उनकी सेवा और भी ज्यादा
मन तै करै, क्यूँके वे जो सेवा तै फायदा ठाण लागरे सै, अर उननै वे मसीह म्ह अपणे भाईयाँ की
तरियां प्यार करै, इन बात्तां का उपदेश देंदा रह, अर उन ताहीं मानण खात्तर भी उत्साहित करदा
रह।

[illegible]

3 जै कोए झूठ्ठी शिक्षा देवै सै अर खरी शिक्षा नै न्ही मानता, यानिके म्हारै प्रभु यीशु मसीह की
शिक्षा अर हुकम नै जिसतै परमेसवर नै महिमा मिलै सै। 4 तो वो घमण्डी सै, अर किमे न्ही जाण्दा,
बल्के इसा माणस फालतू के मुद्दे अर शब्दां के बारै म्ह बहस करणा चाहवै सै, जिसतै जळण, अर
झगड़े, अर बुराई की बात, भुन्डे-भुन्डे शक, 5 अर उन माणसां म्ह बेकार रगड़े-झगड़े पैदा होवै सै,
जिनकी अकल खराब हो जा सै, अर वे सच तै दूर हो गये सै, जो समझै सै, के परमेसवर की सेवा
करणा कमाई का साधन सै। 6 पर यो म्हारे खात्तर भला सै, के हम वो करा जिसतै परमेसवर खुश
होवै सै, अर उस्से म्ह सबर करा जो वो म्हारे ताहीं देवै सै। 7 क्यूँके ना हम दुनिया म्ह किमे ल्याए
सां, अर ना किमे लेकै जा सकां सां। 8 जै म्हारै धोरै खाण अर पैहरण नै हो, तो इन्नै म्ह सबर करणा
चाहिये। 9 पर जो साहूकार होणा चाहवैं सै, वे हर तरियां के पाप करण के जरिये धोक्खे म्ह पड़े सै,

वे एक जानवर की तरियां जाळ म्ह फँस जावै सै, वे उन चिज्जां नै करणा चाहवै सै जो उनकै खात्तर
बेकूफी अर खतरनाक सै अर येए इच्छा उनके नाश का कारण बण जावै सै। 10 क्यूँके रपियाँ का लोभ
सारे ढाळ की बुराई की जड़ सै, जिसनै पाण की कोशिश करदे होए घणखरयां नै मसीह की शिक्षा
पै बिश्वास करणा बन्द कर दिया सै, क्यूँके वे भोत पईसा चाहवै थे, अर उननै अपणे-आप ताहीं कई
ढाळ के दुखां तै छलनी कर लिया सै।

[illegible]

11 पर हे तीमुथियुस, परमेसवर के जन, तू इन बात्तां तै भाज, अर धर्म, बिश्वास, प्यार, धीरज,
अर नम्रता कै पाच्छै चाल। 12 एक आच्छे सिपाही की तरियां जो हार न्ही मानता, परमेसवर पै
बिश्वास करणा अर उसका कहणा मानना ना छोड़ै अर उस अनन्त जीवन नै पा ले, जिसकै खात्तर
तू बुलाया गया सै, अर भोत सारे माणसां के स्याम्ही तन्नै मान लिया सै, के तू मसीह पै बिश्वास
करै सै। 13 मै तेरे ताहीं परमेसवर नै, जो सब नै जीवन दे सै, अर मसीह यीशु नै गवाह मानकै जिसनै
पुन्तियुस पिलातुस कै स्याम्ही अपणे बारें म्ह बड़ी हिम्मत तै सच बोल्या, यो निर्देश देऊँ सूं, 14 के
जो परमेसवर नै तेरे ताहीं हुकम दिये सै, उन सब ताहीं दिल तै मान, ताके कोए भी तन्नै प्रभु यीशु
मसीह के बोहड़ण तक गलत काम म्ह दोषी ना बता सकै। 15 परमेसवर जो एकमात्र राजा सै, वोए
महिमा कै लायक सै, जो राजयां का राजा, अर प्रभुओ का प्रभु सै, वो मसीह ताहीं सही बखत
पै जाहिर करैगा। 16 वोए सै जो सदा खात्तर जिन्दा सै, अर वो उस चमकदार रोशनी म्ह रहवै सै,
जिसकै धोरै कोए न्ही आ सकदा, अर ना उस ताहीं किसे माणस नै देख्या अर ना कदे देख सकै सै।
उसकी प्रतिष्ठा अर राज्य युगानुयुग रहवैगा। आमीन।

17 इस दुनिया के साहूकारां नै आज्ञा दे, के वे घमण्डी ना हों अर अपणे धन पै भरोस्सा ना राक्खै,
जो के थोड़े दिन का सै, पर परमेसवर पै भरोस्सा राक्खै, जो उदारता तै सब कुछ देवै सै, जो हमनै
चाहिए, ताके हम उसका आनन्द उठा सका। 18 वे भलाई करै, अर भले काम्मां म्ह धनी बणै, अर
उदार अर मदद करण म्ह त्यार हों। 19 जै वे इसा करै सै, तो इसा लाग्गै सै, के वे सुर्ग म्ह अपणी
सम्पत्ति जमा करण लागरे सै, जो असलियत म्ह खू न्ही सकदी, अर उस ताहीं सच्चा जीवन भी
दिया जावैगा, जिसका मतलब सै सदा का जीवन। 20 हे तीमुथियुस, वो सब कुछ करण म्ह सावधान
रह, जो परमेसवर नै तेरे ताहीं दिया सै, अर अभगति, बेकूफी भरी बात, अर उस झूठ्ठी शिक्षा तै जो
सच्ची शिक्षा के बिरोध म्ह सै, जिन ताहीं वे ज्ञान की बात कहवै सै, उनतै दूर रह। 21 कई माणसां नै
इस झूठ्ठे ज्ञान ताहीं अपणालिया सै, अर कहवै सै, के हमनै ज्ञान सै, इसा करण तै वे सच्ची शिक्षा
तै दूर होगे सै, मै प्रार्थना करुँ सूं, के परमेसवर का अनुग्रह उनपै भी अर थारे पै भी होन्दा रहवै।

तीमुथियुस के नाम प्रेरित पौलुस की दुसरी चिट्ठी

????????

तीमुथियुस के नाम पौलुस प्रेरित की दुसरी चिट्ठी, पौलुस के एक जवान साथी अर मदद करणीये के रूप म्ह काम करणीया तीमुथियुस ताहीं पौलुस की व्यक्तिगत सलाह सै। इसकी खास बात सै धीरता। तीमुथियुस ताहीं सलाह अर होसला देवै सै, के सताव अर बिरोध होण के बाद भी वो बिश्वास योग्यता कै साथ यीशु मसीह की गवाही देन्दा रहवै, सुसमाचार अर पुराणे-नियम की सच्ची शिक्षा पै मजबूत बण्या रहवै, अर शिक्षक अर प्रचारक के रूप म्ह अपणे फर्ज का पालन करदा रहवै। तीमुथियुस ताहीं खास तौर पै "बेवकूफी अर बेकार की बातचीत" म्ह उळझन तै पैदा खतरा के बारें म्ह चेतावनी देई गई सै। इसतै किमे फायदा कोनी होन्दा, पर यो सुणण आळा खात्तर नाश का कारण हो जावै सै। इन सब म्ह, तीमुथियुस नै खुद लेखकां ताहीं अपणे जीवन अर मकसद, उसके बिश्वास, सहनशक्ति, प्रेम, धीरज, अर सताव के बखत दुख-के उदाहरण ताहीं याद दिलाया ग्या सै।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1,2
बड़ाई अर उपदेश 1: 3-2:13
सलाह अर चेतावनी 4: 6-18
समापन 4:19-22

????????

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, परमेसवर नै मेरे ताहीं मसीह यीशु का प्रेरित होण खात्तर
चुण्या सै, ताके मै यो सन्देस प्रचार कर सकू, के परमेसवर नै अनन्त जीवन देण का वादा करया सै,
जो यीशु मसीह पै बिश्वास करण तै मिलै सै। 2 मै तीमुथियुस ताहीं या चिट्ठी लिखूँ सूं, जिसतै मै
प्यार करुँ सूं, अर मै प्रार्थना करुँ सूं, के पिता परमेसवर अर म्हारै प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै
अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलदी रहवै।

???????? ?? ???????

3 मै परमेसवर का धन्यवाद करुँ सूं, जिसकी आराधना मै साफ अन्तरात्मा तै उस्से ढाळ करुँ सूं,
जिस तरियां मेरे पूर्वज करै थे, मै अपणी प्रार्थनायां म्ह तन्नै दिन रात याद करुँ सूं। 4 मन्नै याद
सै के जिब मन्नै थारे ताहीं छोड़कै जाणा पड्या था, तो थम मेरे खात्तर किस तरियां रोए थे। मै
दिन-रात तेरे तै मिलण की लालसा राक्खूँ सूं, ताके आनन्द तै भर जाऊँ। 5 मन्नै तेरी माँ यूनिके का
खरा बिश्वास भी याद सै, अर तेरी नानी लोइस का भी इसाए बिश्वास था, अर मन्नै पक्का बिश्वास
सै के थारा भी बिश्वास उसाए होगा सै। 6 इस्से कारण मै तन्नै याद दुवाऊँ सूं के तू परमेसवर कै उस
वरदान नै जो मेरै हाथ धरण कै जरिये तन्नै मिल्या सै प्रज्वलित करदे। 7 क्यूँके परमेसवर नै म्हारै
ताहीं डरपोक न्ही बणाया, बल्के उसका आत्मा म्हारे मन मजबूत बणावै सै, जो म्हारे ताहीं दुसरयां
तै प्यार करण म्ह मदद करै सै, अर म्हारे ताहीं अपणे-आप पै काब्बू राखणा सिखावै सै।
8 इस कारण म्हारै प्रभु यीशु मसीह के बारें म्ह लोग्गां ताहीं बताण म्ह शर्मिन्दा मत होओ,
अर शर्मिन्दा होणा भी न्ही चाहिए, क्यूँके मै उसकी सेवा करण कै कारण जेळ म्ह सूं, इसके बजाये
थमनै उस शक्ति का इस्तमाल करणा चाहिए जो परमेसवर थमनै देवै सै, अर सुसमाचार कै खात्तर
मेरै गेल्या दुख नै सह ल्यो। 9 परमेसवर नै म्हारा उद्धार करया सै, अर म्हारे ताहीं पवित्र जीवन
जीण खात्तर बुलाया सै। उसनै म्हारै ताहीं इस कारण कोनी चुण्या के हमनै आच्छे काम करे सै,
बल्के अपणी अनुग्रह अर इच्छा के मुताबिक चुण्या सै। उसनै यीशु मसीह ताहीं भेजकै म्हारे उप्पर
अनुग्रह दिखाण की योजना दुनिया बणाण तै पैहले ए बणा ली थी। 10 पर इब म्हारै उद्धारकर्ता

मसीह यीशु जाहिर होए, अर अपणी करुणा दिखाई, जिसनै मौत की शक्ति ताहीं हरा दिया अर
म्हारे ताहीं सुसमाचार कै जरिये दिखाया के अनन्त जीवन का एक ए रास्ता सै। 11 जिसकै खात्तर
परमेसवर नै मेरे ताहीं प्रचारक, प्रेरित, अर उपदेशक भी बणाया। 12 इस कारण मै जेळ म्हं इन
दुखां नै भी सहूँ सूं, पर सरमान्दा कोनी, क्यूँके मै मसीह नै जाणु सूं, जिसपै मन्नै बिश्वास करया सै,
अर मन्नै पक्का बिश्वास सै के मसीह मेरी उस धरोहर की रक्षा जिब तक करदा रहवैगा जिब तक के
वो आ ना ले, क्यूँके वो भरोस्सेमंद सै। 13 जो खरी बात तन्नै मेरै तै सुणी सै, उन ताहीं उस बिश्वास
अर प्यार कै गैल, जो मसीह यीशु म्हं सै, अपणा बढ़िया नमूना बणाकै राख। 14 अर उस धरोहर की
रक्षा करो जो पवित्र आत्मा कै जरिये थारे ताहीं सौप्या गया सै, जो म्हारै भित्तर रहवै सै। 15 तन्नै
बेरा सै के आसिया परदेस के भोत-से बिश्वासी भाईयाँ नै मेरै ताहीं छोड़ दिया सै, जिन म्हं फूगिलुस
अर हिरमुगिनेस भी शामिल सै। 16 उनेसिफुरुस कै कुण्बे पै प्रभु दया करै, क्यूँके वो कई बार मेरै
धोरै आया अर उसनै मेरे ताहीं उत्साहित करया अर जेळ म्हं भी मेरे तै मिलण खात्तर आण म्हं
शर्मिन्दगी महसूस कोनी करी। 17 पर जिब वो रोम नगर म्हं आया, तो उसनै मेरे ताहीं हरेक जगहां
ढूंढया, अर ढूँढ़ कै मेरै तै मिल्या।
18 (प्रभु करै के उस दिन उसपै प्रभु की दया हो)। जिब मै इफिसुस नगर म्हं था, तो उसनै वो सब
कुछ मेरे खात्तर करया जिसनै थम भी जाणो सों।

2

[illegible]

1 ज्यांतै हे मेरे बेट्टे तीमुथियुस, तू उस अनुग्रह म्हं जो मसीह यीशु म्हं सै, मजबूत हो जा।
2 थमनै मेरे ताहीं कई माणसां के स्याम्ही मसीह की शिक्षा के बारें म्हं सन्देस सिखान्दे देख्या होगा।
इस करकै मै चाहूँ सूं, के थम उन दुसरे बिश्वासियाँ ताहीं भी वोए सन्देस सिखाओ जिन माणसां पै
थम भरोस्सा करो सों, जो दुसरयां नै भी योए सन्देस सीखा सकै। 3 इस्से तरियां एक सैनिक धीरज तै
लड़ाई के मैदान म्हं सारे दुख सहवै सै, थमनै भी सारे दुख सहण करणे पड़ैगें, जिसा हम मसीह यीशु
खात्तर सहवां सां। 4 जिब कोए सैनिक लड़ाई पै जावै सै, तो उसका काम अपणे-आपनै दुनियादारी
के काम्मां म्हं फसाणा कोनी बल्के उसका काम अपणे भर्ती करण आळे नै खुश करणा सै। 5 जै दौड़
म्हं दौड़ण आळा सही तरीके तै न्ही दौड़ता तो वो ईनाम न्ही पा सकदा। 6 जो किसान मेहनत करै
सै, फसल के पैहले हिस्से पै हक उसका सै। 7 या सोच्चों के ये उदाहरण हमनै के सिखाणा चाहवै सै,
परमेसवर इन सारी बात्तां नै समझण म्हं थारी मदद करै। 8 यीशु मसीह नै याद राख, जो दाऊद की
पीढ़ी तै पैदा होया अर जिस ताहीं परमेसवर नै मरे होया म्हं तै जिन्दा करया, अर योए सुसमाचार सै
जिसका हम प्रचार करां सां। 9 क्यूँके मै सुसमाचार सुणाऊँ सूं, जिसकै खात्तर मै भुन्ड़े काम करणीये
की ढाळ दुख ठाऊँ सूं, उरै ताहीं के कैद भी सूं, पर कोए भी चीज परमेसवर का सुसमाचार प्रचार
करण तै लोग्गां नै रोक न्ही सकदी। 10 इस कारण मै छाँटे होए माणसां कै खात्तर सब कुछ सहूँ सूं,
ताके वे भी यीशु मसीह पै बिश्वास करकै बच सकै अर अनन्त महिमा नै हासिल कर पावैं। 11 या
बात साच्ची सै, के जै हम मसीह कै गेल्या मरगे सां, तो उसकै गेल्या जीवांगें भी। 12 जै हम उसकै
खात्तर दुख सहन्दे रहवांगें, तो उसकै गेल्या राज भी करागें, जै हम इन्कार करां, के हम उसनै न्ही
जाणते, तो वो भी कह देवैगा, के वो भी हमनै न्ही जाणता। 13 जै हम बिश्वासघाती भी हों, तोभी
वो भरोसेमन्द बणा रहवै सै, क्यूँके वो हमेशा अपणे सुभाव के मुताबिक काम कर करै सै।

[illegible]

14 बिश्वासियाँ नै ये बात समझा दे, अर प्रभु की मौजूदगी म्हं समझा दे, के शब्दां पै बहस-बाजी
ना करया करै, जिसतै कुछ फायदा कोनी होन्दा, क्यूँके यो उन माणसां के उस बिश्वास नै नुकसान
पुहचा सकै सै जो उननै सुणै सै। 15 अपणे-आपनै परमेसवर का अपनाण जोग्गा अर इसा काम करण
आळा बणाण की कोशिश कर, जो शर्मिन्दा न्ही होण पावै, अर जो सच कै वचन नै सही ढाळ तै

समझा सकै। 16 पर दुनियावी अर बेकार की बात्तां तै दूर रह, क्यूँके जो लोग दुनियावी अर बेकार की
बात्तां म्ह शामिल होवै सै, वे परमेसवर तै और घणे दूर हो जावै सै। 17 उनकी बातें सड़े घांव की ढाळ
फैलदी जावैगी, जो दुसरयां के बिश्वास नै कमजोर कर देंगी जो उन बात्तां नै सुणै सै, अर हुमिनयुस
अर फिलेतुस उनकी तरियां ए सै। 18 उननै सच्चाई पै बिश्वास करणा बन्द कर दिया सै, वे कहवै सै
के परमेसवर नै पैहले ए मरे होए बिश्वासियाँ ताहीं अनन्त जीवन कै खात्तर जिन्दा करया था, इस
करकै वे कुछ बिश्वासियाँ ताहीं कहवै सै, के मसीह पै बिश्वास ना करो। 19 परमेसवर के लोग इसी
नीम की ढाळ सै जो हालदी कोनी, अर उस नीम पै या छाप लागरी सै: "प्रभु अपणे माणसां ताहीं
पिच्छाणै सै," अर "जो कोए प्रभु का नाम लेवै सै, उसनै बुराई करणा छोड़ देणा चाहिए।"

20 एक बड़े घर म्ह ना सिर्फ सोन्ने-चाँदी ए के, पर काठ अर माट्टी के बासण भी होवै सै, कुछ खास
मौक्कै, अर कुछ रोज कै खात्तर इस्तमाल करे जावै सै। 21 इस्से तरियां जै कोए बिश्वासी अपणे-
आपनै नै इन बुरी चिज्जां तै दूर कर लेवैगा, तो वो माल्लिक के उस उपयोगी बासण की तरियां
होवैगा, जो खास मौक्का पै इस्तमाल करया जावै सै, वो पवित्र बण जावैगा, अर वो माल्लिक
कै जरिये हरेक भले काम कै खात्तर इस्तमाल करया जावैगा। 22 जवान्नी की अभिलाषाओं तै दूर
भाज्जो, अर उनकी संगति म्ह रहों जो धार्मिकता, बिश्वास, प्यार, अर शान्ति का सुभाव राक्खै सै,
जो साफ मन तै परमेसवर नै पुकारै सै। 23 पर बेकूफी अर अज्ञानता के बहस तै दूर रह, क्यूँके तन्नै
बेरा सै के इनतै झगड़े पैदा होवै सै। 24 प्रभु कै दास नै झगड़ालू न्ही होणा चाहिये, पर वो सब कै
गेल्या नरम अर शिक्षा म्ह निपुण अर सहनशील हो। 25 वो बिरोधियाँ नै नम्रता तै समझावै, के बेरा
परमेसवर उननै इसा मन देवै के वे पाप करणा छोड़ दे ताके वे भी सच नै पिच्छाणै। 26 अर ये लोग
आच्छी तरियां फेर तै सोच्चण अर शैतान के धोक्खे तै बचण के लायक हो जावैंगे, अर यो धोक्खा
एक फंदे के तरियां सै। शैतान नै उन ताहीं इस खात्तर पकड्या सै, ताके जो वो चाहवै सै वो उनतै
करवा सकै।

3

[illegible]

1 मै इब के कहूँ सूं, उन बात्तां पै ध्यान दे अन्त के दिनां म्ह कष्ट का बखत भी आवैगा। 2 क्यूँके
माणस स्वार्थी, लोभ्भी, डिंगमार, अभिमानी, बुराई करण आळे, माँ-बाप का हुकम टाळण आळे,
अहसान-फरमोस, अपवित्र, 3 निर्दयी, माफ ना करण आळे, दोष लाण आळे, असंयमी, कठोर, भले
के बैरी, 4 बिश्वासघाती, ढीठ, घमण्डी, अर परमेसवर के न्ही बल्के सुखविलास ए के चाहणआळे
होंगे। 5 वे भगति का भेष तो धरैगें, पर वे उस शक्ति नै अपणावै कोनी, जो उननै ईश्वरीय बणा सकै
सै, इसा तै परै रहियो। 6 इन्हे म्ह तै वे माणस सै जो घरां म्ह दबे पाँ बड़ जावै सै, अर उन लुगाईयाँ
ताहीं बस म्ह कर लेवैं सै, जो पापां तै दबी अर हरेक ढाळ की अभिलाषायां कै बस म्ह हो सै। 7 अर
वे हमेशा नई बात सिखदी तो रहवैं सै, पर सच की पिच्छाण तक कदे न्ही पोहोचदी। 8 जिस तरियां
यत्रेस अर यम्ब्रेस* नै मूसा नबी का बिरोध करया था, उस्से तरियां ए ये भी सच का बिरोध करै
सै, ये इसे माणस सै, जिनकी बुद्धि भ्रष्ट होगी सै अर वे बिश्वास कै बारै म्ह निकम्मे सै। 9 उनकी
कामयाबी थोड़े बखत की थी, क्यूँके जिस तरियां माणसां नै मान लिया के यत्रेस अर यम्ब्रेस बेकूफ
थे, अर हर कोए यो स्वीकार कर लेगा के वे बेकूफ सै।

[illegible]

10-11 पर तन्नै उपदेश, चाल-चलण, मनसा, बिश्वास, सहनशीलता, प्यार, धीरज, अर सताए
जाण, अर दुख ठाण म्ह मेरा साथ दिया, अर इसे दुखां म्ह भी जो अन्ताकिया नगर अर इकुनियुम
अर लुस्त्रा नगरां म्ह मेरै पै आण पड़े थे, अर दुसरे दुखां म्ह भी जो मन्नै ठाए सै, पर प्रभु नै मेरै
ताहीं उन सारया तै छुटा लिया। 12 पर जितने मसीह यीशु म्ह भगति कै गेल्या जीवन बिताणा

* **3:8** 3:8 यत्रेस अर यम्ब्रेस इनकै बारें म्ह निर्गमन की किताब पढ़े

चाहवैं सै वे सारे सताए जावैंगे। 13 पर दुष्ट अर भकाण आळे बिगड़दे चले जावैंगे, वे दुसरयां नै
धोक्खा देवैगें, अर खुद दुसरयां तै धोक्खा खावैंगे। 14 थमनै बिश्वास करते रहणा चाहिए जो हमनै
थारे ताहीं सिखाया सै, क्यूँके थम हमनै जाणो सों, अर म्हारे पै भरोस्सा कर सको सों जिननै थारे
ताहीं ये बातें सिखाई सै। 15 जिब थम छोट्टे बाळक थे, जिब तै ए थमनै अपणे पवित्र ग्रन्थां म्ह
सिख्या सै, जो थारे ताहीं या समझण म्ह मदद करै के जिब थम मसीह यीशु म्ह बिश्वास करो सों तो
परमेसवर थमनै बचावै सै। 16 साब्ता पवित्र ग्रन्थ परमेसवर की प्रेरणा तै रच्या गया, अर म्हारे
ताहीं सिखाण खात्तर उपयोगी सै, के सच के सै, अर म्हारे ताहीं यो महसूस करण खात्तर के म्हारी
जिन्दगी म्ह के गलत सै। यो म्हारी गलतियाँ नै सुधारै, जिब हम गलत होवां सां, अर वोए करणा
सिखावै सै जो सही सै। 17 ताके परमेसवर का जन हरेक भले काम करण खात्तर त्यार अर सिध्द बण
जावै।

4

1 जिब मसीह यीशु राजा के रूप म्ह शासन करण खात्तर आवैगा, तो वो उन जिन्दे अर मरे होए
माणसां का न्याय करैगा जो मर चुके सै, तो गवाह के रूप म्ह परमेसवर अर मसीह कै साथ, मै
ईमानदारी कै साथ थारे तै आग्रह करुँ सूं। 2 के तू परमेसवर के वचन का प्रचार कर, परमेसवर के
वचन ताहीं सुणाण खात्तर सदा तैयार रह, चाहे लोग इस ताहीं सुणणा चाहवै या ना चाहवै, ताके
थम माणसां नै दिखा सको, के जो उननै करया सै, वो गलत करया सै, अर उनके पापां खात्तर उन
ताहीं डाट सको, पर थम माणसां नै उत्साहित भी करो जिब थम उननै बड़े धीरज तै सिखाओ सों।
3 क्यूँके इसा बखत आवैगा जिब माणस खरयां उपदेश न्ही सह सकैगें, पर अपणी ए इच्छा पूरी करैगें
अर वे अपणे खात्तर कई उपदेशक कठ्ठे करैगें जो उपदेश वे सुणणा चाहवै सै उन ताहीं वे बतावैगें।
4 अर वे सच्चाई नै अणदेखा कर देवैगें, अर झूठ्ठी कथा-कहाँनियाँ पै मन लगावैंगे। 5 थमनै हरेक
बखत अपणे-आप पै काब्बू राखणा चाहिए, दुख ठा, सुसमाचार प्रचार का काम कर, अर परमेसवर
के जरिये दी गई सेवा नै पूरी कर।

6 जै वे मन्नै मार भी देवैगें, तो मेरी जिन्दगी परमेसवर ताहीं चढ़ाई गई एक भेट की तरियां होगी।
इस दुनिया ताहीं छोड़ण का इब मेरा बखत आ लिया सै। 7 मन्नै मसीह की सेवा करण खात्तर कड़ी
मेहनत करी सै, मन्नै अपणी दौड़ पूरी कर ली सै, मन्नै आखरी तक उसपै बिश्वास करया। 8 आण
आळे बखत म्ह प्रभु मेरै ताहीं मुकुट देवैगा, जो के धार्मिकता का मुकुट सै, वो जो सच्चा न्याय
करै सै, अर मन्नै वो ईनाम देवैगा जिब बोहड़ के आवैगा बल्के मेरे ताहीं ए न्ही उन सब ताहीं भी
देवैगा, जो उसके दुबारा आण की बाट बड़ी आस तै देखण लागरे सै।

????????? ?????

9 मेरै धोरै तावळा आण की कोशिश कर। 10 क्यूँके देमास नै इस दुनिया की चिज्जां तै प्यार करया
सै, अर मेरै ताहीं छोड़ दिया सै, अर वो थिस्सलुनीके नगर म्ह चल्या गया सै। क्रेसकेंस, गलातिया
नगर की ओड़ चल्या गया अर तीतुस दलमतिया परदेस कान्ही चल्या गया सै। 11 सिर्फ लूका मेरै
गैल सै। मरकुस नै लेकै चल्या आ, क्यूँके वो मेरे काम करण म्ह मेरी मदद करैगा। 12 तुखिकुस
ताहीं मन्नै इफिसुस नगर म्ह भेज्या सै। 13 जो चोल्ला, मै, त्रोआस नगर म्ह करपुस के घर छोड़
आया सूं, जिब तू आवै तो उस ताहीं अर उस किताब ताहीं भी लेंदे आईये, खास करकै चर्मपत्रों*
नै। 14 सिकन्दर ठठेरे नै मेरा बड़ा नुकसान करया सै, प्रभु उस ताहीं उसकै काम्मां कै मुताबिक
बदला देवैगा। 15 तू भी उसतै चौकन्ना रह, क्यूँके उसनै म्हारी शिक्षायां का घणाए बिरोध करया
सै। 16 पैहली बार मै खुद नै बचाण खात्तर अदालत गया, कोए भी मेरे गैल न्ही था, पर सब नै मेरे
ताहीं छोड़ दिया, परमेसवर इस बात का दण्ड उननै ना देवै, मै प्रार्थना करुँ सूं, मेरे ताहीं छोड़ण के
कारण उन ताहीं परमेसवर माफ करदे। 17 पर मेरे गैल मेरा प्रभु मददगार रहया, मेरे जरिये सन्देस

---

* **4:13** 4:13 चर्मपत्रों चमड़े की बणी चिट्ठियाँ सै

की घोषणा पूरी तरियां सम्पन्न हो जावै अर उरै जितने भी गैर यहूदी लोग मौजूद सै, ये बात सुण
ले, के उसनै मेरे ताहीं मौत के मुँह म्ह तै छुड़ाया। 18 अर प्रभु मन्नै हरेक भुन्डे काम तै छुड़ावैगा,
अर वो अपणे सुर्गीय राज्य म्ह सही-सलामत ले जावैगा। उस्से की महिमा युगानुयुग होन्दी रहवै।
आमीन।

[illegible]

19 प्रिसकिल्ला अर उसका धणी अक्विला अर उनेसिफुरुस कै कुण्बे नै मेरी ओड़ तै नमस्कार।
20 इरास्तुस कुरिन्थुस नगर म्ह रह गया, अर त्रुफिमुस ताहीं मन्नै मीलेतुस नगर म्ह बीमार छोड्या
सै। 21 जाड्डे तै पैहल्या चले आण की कोशिश कर। यूबूलुस, अर पूदेंस, अर लीनुस अर क्लौदीया,
अर सारे बिश्वासी भाईयाँ की ओड़ तै तन्नै नमस्कार। 22 मै प्रार्थना करुँ सूं, के प्रभु तेरी आत्मा
कै गैल रहवै। थारे पै अनुग्रह होंदा रहवै।

तीतुस के नाम प्रेरित पौलुस की चिट्ठी

[illegible]

तीतुस एक गैर यहूदी बिश्वासी था, जो पौलुस कै प्रचार के काम म्ह उसका साथी अर मददगार बणग्या था। तीतुस के नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी क्रेते म्ह रहणीये पौलुस के इस जवान साथी कै सम्बन्ध म्ह सै, जिसनै ओड़ै कलीसिया के काम की जाँच करण खात्तर छोड़ ग्या था। या चिट्ठी तीन भोत खास बात्तां नै दिखावै सै। पैहल्या, तीतुस नै यो याद करावै सै के कलीसिया के अगुवां का चाल-चलण किस तरियां का होणा चाहिए, खासकर भोत-से क्रेती माणसां के बुरे चाल-चलण नै देखदे होए उनतै यो सब कह्या ग्या सै। दुसरा, तीतुस नै या सलाह देवै सै, के कलीसिया म्ह हाजिर कई झुण्डां नै किस तरियां की शिक्षा दी जावै, मतलब बूढ़े माणस, बूढ़ी बिरबानियाँ नै (जो जवान बिरबानियाँ नै शिक्षा दे), जवान्ना नै, अर दास। तीसरा, लेखक तीतुस नै मसीह चाल-चलण के बारें म्ह सलाह देवै सै, खास करकै शांतिपूर्ण अर मित्तर बणण कै खात्तर, अर नफरत, वाद-विवाद अर कलीसिया म्ह दलबन्दी तै बचण खात्तर।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1-4
कलीसिया के अगुवें 1:5-16
उपदेश अर चेतावनी 3:1-11
समापन 3:12-15

[illegible]

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस की ओड़ तै सै, जो परमेसवर का दास अर यीशु मसीह का प्रेरित सै,
मै इस करकै भेज्जा गया सूं ताके उन माणसां कै बिश्वास नै स्थापित कर सकूँ जिन ताहीं परमेसवर
नै चुण्या सै, अर उन ताहीं सीखा सकूँ के वो उस सच्चाई नै जाण सकै, जो उन ताहीं दिखा सकै
के पवित्र जिन्दगी किस तरियां जीणी सै। 2 वे हमेशा के खात्तर परमेसवर के साथ रहण की आस
करै सै, क्यूँके परमेसवर, जो कदे झूठ न्ही बोल्दा, उसनै दुनिया बणाण तै पैहले वादा करया था के
उसके लोग हमेशा खात्तर जिन्दा रहवैंगे। 3 अर ठीक बखत पै परमेसवर नै यो सुसमाचार म्हारे पै
जाहिर करया, अर हमनै यो सुसमाचार सारया ताहीं सुणाया। परमेसवर जो म्हारा उद्धारकर्ता सै,
उसनै मेरे ताहीं या जिम्मेदारी दी सै, अर अपणा काम करण खात्तर मेरे ताहीं उसनै हुकम दिया सै।
4 मै या चिट्ठी तीतुस नै लिखूँ सूं, मसीह पै बिश्वास करण के नाते तू मेरे आत्मिक बेट्टे की तरियां
सै, मै प्रार्थना करुँ सूं, के पिता परमेसवर, अर म्हारै उद्धारकर्ता प्रभु मसीह यीशु की ओड़ तै तन्नै
अनुग्रह, दया अर शान्ति मिलदी रहवै।

[illegible]

5 मै इस करकै तन्नै क्रेते टापू म्ह छोड़ आया था, ताके तू ओड़ै उस काम नै खतम कर सकै जो
अधूरा रहग्या था, अर मेरै हुकम कै मुताबिक उस टापू के हरेक नगर म्ह कलीसिया के अगुवां नै
तैयार कर सकै, जिसा मन्नै कह्या सै। 6 अगुवां बेकसूर अर एके पत्नी का पति हो, जिनके बाळक
बिश्वासी हो, अर उन म्ह लुचपण अर निरंकुशता का दोष ना हो। 7 क्यूँके अगुवां, नै परमेसवर का
भण्डारी होण के कारण बेकसूर होणा चाहिए, ना जिद्दी, ना गुसेल, ना पियक्कड़, ना मारपीट करण
आळा, ना नीच कमाई का लोभी हो, 8 पर मेहमान का आदर करण आळा, भलाई का चाह्‌ण आळा,
अपणे-आप्पे म्ह रहण आळा, न्यायकारी, पवित्र अर अपणे मन नै काब्बू राक्खण आळा हो। 9 वो
यीशु मसीह के सन्देस के बारें म्ह मजबुत्ती तै बिश्वास करदा हो, जो हमनै थारे ताहीं सिखाया सै,
अर वो दुसरयां ताहीं उत्साहित कर सकै, ताके वे सही शिक्षा का पालन कर सकै, अर उन ताहीं भी
समझा सकै जो सही शिक्षा का बिरोध करै सै। 10 क्यूँके भोत-से माणस सही शिक्षा के बिरुध्द खड़े

होवैंगे, जो बेकार की बात सिखावै सै अर जो दुसरयां ताहीं धोक्खा देवै सै, उन म्ह तै कुछ लोग
यहूदी सै जो बिश्वासी बणगे सै। 11 इन माणसां ताहीं सिखाण का मौक्का न्ही देणा चाहिए, क्यूँके
वे इसी शिक्षा देवै सै जो उन ताहीं देणी न्ही चाहिए, अर ये पूरे घराने का बिश्वास खतम कर देवै सै,
अर वे यो इस खात्तर करै सै ताके उन ताहीं पईसे मिल सकै। 12 उन म्ह तै एक जण्ये नै, जो उनका
नबी सै, कह्या सै, "क्रेते नगर का माणस जिस ताहीं वे नबी मान्नै सै उसनै क्रेती के माणस के बारें
म्ह कह्या, के ये सदा झूठ बोल्लै सै, ये जंगली-जानवरां की तरियां बरताव करै सै, ये आलसी होवै
सै अर ये भोत पेट्टू सै।" 13 या बात क्रेती माणसां के बारें म्ह सच सै, इस करकै उननै सखताई तै
चेतावनी दिया कर, के वे यीशु मसीह की सच्ची शिक्षा पै बिश्वास करै। 14 अर यहूदिया की कथा
कहानियाँ अर माणसां के हुकम पै मन ना लगावै, जो सच तै भटक जावै सै। 15 वे माणस जिनकै
मन म्ह कोए पाप कोनी, उनकै खात्तर सारी चीज शुद्ध सै, पर उन माणसां खात्तर जो बुरे सै, अर जो
मसीह यीशु पै बिश्वास कोनी करते, उन खात्तर कोए भी चीज शुद्ध कोनी, वे हर बखत बुरे काम करै
सै, क्यूँके उनका मन पूरी तरियां अशुद्ध हो लिया सै। 16 ये झूठ्ठे शिक्षक कहवै सै, के हम परमेसवर
नै जाणा सां, पर उनके काम दिक्खै सै, के वो परमेसवर ताहीं न्ही जाणते क्यूँके वे घृणित अर हुकम
ना मानण आळे सै, अर किसे आच्छे काम कै लायक कोन्या।

2

????? ?? ??????? ???? ???????

1 पर तीतुस तेरे खात्तर योए सही सै के तू बिश्वासियाँ ताहीं वोए सीखा जो सच्ची शिक्षा कै
मुताबिक हो। 2 यानी के बूढ़े माणस शान्त गम्भीर अर संयमी हो, अर उनका बिश्वास, प्यार अर
धीरज पक्का हो। 3 इस ढाळ बूढ़ी बिरबानियाँ का बरताव इसा हो के परमेसवर नै महिमा मिलै,
वे लाच्छण लगाण आळी अर पियक्कड़ न्ही हो, पर आच्छी बात सिखाण आळी हो। 4 जवान
बिरबानियाँ नै तीतुस तै न्ही बल्के बूढ़ी बिरबानियाँ तै निर्देश पाणा चाहिए, ताके वो उन ताहीं
सीखा सकै किस तरियां अपणे धणी अर बाळकां तै प्यार करै। 5 अर वे मन पै काब्बू राक्खण आळी,
पतिव्रता, घर का कामकाज सम्भाळण आळी, भली अर अपणे-अपणे धणी कै प्रति बिश्वास लायक
हो, ताके कोए परमेसवर के वचन की बुराई ना कर सकै। 6 इसे तरियां जवान माणसां नै भी समझाया
कर, के वे खराई तै चाल्लण आळे हो। 7 हरेक काम म्ह तू अपणे आच्छे बरताव तै दुसरयां खात्तर
एक मिसाल बण जा, जिब तू बिश्वासियाँ ताहीं परमेसवर के बारें म्ह सिखावै सै, तो उन ताहीं आच्छे
मकसद तै सीखा, अर इसा सीखा ताके लोग तेरा आदर कर सकै। 8 तेरी शिक्षाओं म्ह हमेशा सच्चाई
हो, जिसकी आलोचना ना हो सकै, जिसतै बिरोधी नै म्हारै म्ह कोए दोष लगाण का मौक्का ना मिलै
अर वो खुद पै शर्मिन्दा हो जावै। 9 नौकरां नै समझा के अपणे-अपणे माल्लिक कै कह्ये म्ह रहवै,
अर सारी बात्तां म्ह उसनै राज्जी राक्खै, अर उल्ट कै जवाब ना दे। 10 चोरी चलाकी ना करो, अर
हमेशा यो दिक्खै के वो बिश्वास लायक सै, अर थारे आच्छे सुभाव नै देखकै, वे भी म्हारे उद्धारकर्ता
परमेसवर की शिक्षा ताहीं सुणणा चाहवैगें। 11 परमेसवर नै अपणा अनुग्रह इस बात म्ह जाहिर
करया के उसनै मसीह यीशु ताहीं म्हारा उद्धारकर्ता बणाकै भेज दिया, ताके हरेक माणस बचाए जा
सकै। 12 अपणी दया के कारण परमेसवर म्हारे ताहीं सिखावै सै, के हम उन तरिक्कां तै बरताव करणा
बन्द कर द्या, जो उस ताहीं खुश न्ही कर सकदे, अर इसी लालसा ना राक्खा जिसी अबिश्वासी
लोग राक्खै सै, पर बुध्दिमानी अर धार्मिकता तै बरताव करां, अर इसा बरताव करा जो परमेसवर
नै पसन्द हो, जिब तक हम दुनिया म्ह रहवां। 13 हम इस तरिक्कें तै बरताव करा, जिसा के हम उस
अदभुत दिन की बाट देखदे हो, जिसकी हम आस राक्खां सां, यो वो दिन सै जिब यीशु मसीह जो
म्हारा परमेसवर अर उद्धारकर्ता सै बड़ी महिमा म्ह इस दुनिया म्ह बोहड़ के आवैगा। 14 इस मसीह
यीशु नै अपणे-आप ताहीं म्हारे पापां खात्तर बलिदान कर दिया, ताके हम सारे पापां तै आजाद हो
जावां, अर म्हारे ताहीं शुद्ध करया ताके हम उसके अपणे खास माणस बण जावां, जो भले काम करण

की बड़ी इच्छ्या राक्खै सै। 15 पूरे अधिकार कै गैल इन सारी बात्तां की शिक्षा देते होए लोग्गां नै
समझा अर उत्साहित करदा रह, अर कोए तन्नै तुच्छ न्ही जाणण पावै।

3

[illegible]

1 बिश्वासियाँ नै याद दुआ के हाकिमां अर अधिकारियां का आदर कर, अर उनका हुकम मान्नै,
अर दुसरयां का भला करदे रहो। 2 किसे नै बदनाम ना करै, अर ना झगड़ालू बणै, पर दुसरे माणसां
कै खात्तर दया दिखाण आळे बणो, अर सारे माणसां कै गैल बड़ी नरमाई के गैल रहवै। 3 क्यूँके हम
भी पैहल्या बेअक्ल, परमेसवर का हुकम ना मानण आळे, भ्रम म्ह पड़े होए अर न्यारी-न्यारी ढाळ
की बुरी अभिलाषा अर सुखभोगण की गुलामी म्ह, अर बैरभाव अर माणसां के प्रति जळण करण
म्ह जीवन बिताण लागरे थे, हम घृणा के लायक माणस थे, अर हर कोए म्हारे तै घृणा करै था, अर
हम भी उनतै घृणा करा थे। 4 पर फेरभी परमेसवर जो म्हारा उद्धारकर्ता सै उसनै अपणी दया अर
प्यार हम माणसां पै दिखाया। 5 उसनै म्हारे ताहीं पापां के दण्ड तै बचाया, अर यो धार्मिक काम्मां
के जरिये न्ही होया जो हमनै खुद करे, पर उसनै म्हारे पै दया करी। उसनै म्हारे ताहीं पवित्र आत्मा
देण कै जरिये बचाया, जो म्हारे पापां नै माफ करै सै, अर हमनै नई जिन्दगी अर नया सुभाव देवै सै।
6 परमेसवर नै मुफ्त म्ह पवित्र आत्मा दिया ताके वो म्हारे म्ह सामर्थी रूप तै काम करै क्यूँके मसीह
यीशु म्हारे पापां खात्तर मरया अर म्हारा उद्धारकर्ता बण गया। 7 ताके हम अनन्त जीवन की आस
राक्ख सका, जिसका परमेसवर नै अपणे माणसां ताहीं देण का वादा करया सै, अर हमनै उसपै पूरा
भरोस्सा सै, क्यूँके वो अपणी करुणा के मुताबिक म्हारे ताहीं धर्मी बणावै सै। 8 या बात सच सै, अर
मै चाहूँ सूं, के तू इन बात्तां के बारें म्ह मजबूती तै बोल्लै इस करकै के जिननै परमेसवर पै बिश्वास
करया सै, वे भले काम करण खात्तर हमेशा ध्यान लगावैंगे। ये बात भली अर माणसां के फायदे की
सै। 9 पर बेवकूफी के विवादों, पीढियाँ, बिरोध अर झगड़ा तै जो मूसा नबी के नियम-कायदा के बारें
म्ह हो, इनतै बचा रह, क्यूँके वे फायदेमन्द कोनी बल्के बेकार सै। 10 तू उन माणसां नै एक दो बार
समझा जो कलीसिया म्ह फूट गेरै सै, अर उन ताहीं इसा करण तै मना कर, उसकै बाद उनपै और
बखत बरबाद ना करै। 11 तन्नै पक्का बेरा सै, के इस ढाळ का माणस भटक ग्या सै, अर अपणे काम्मां
के जरिये दोषी ठहराया जावैगा।

[illegible]

12 जिब मै तेरे धोरै अरतिमास या तुखिकुस नै भेज्जूँ तो मेरै धोरै निकुपुलिस नगर आण की कोशिश
करिये, क्यूँके मन्नै ओड़ैए जाड्डा लिकाड़ण का मन बणाया सै। 13 जेनास वकील अर अपुल्लोस
जै सफर खात्तर आग्गै जावै, तो जो मदद थम उनकी कर सको तो वा जरुर करियो। 14 इतणाए
न्ही बल्के तू बिश्वासियाँ नै यो सीखा, के वो अपणा ध्यान कड़ी मेहनत करण म्ह लगावै, ताके उन
माणसां खात्तर जिनकै धोरै सै कोनी उनकी जरूरत पूरी हो सकैं, अर वे एक आच्छे मकसद के साथ
जिन्दगी जी सकै। 15 मेरै सारे साथियाँ की ओड़ तै तेरे ताहीं नमस्कार। जो बिश्वास कै कारण म्हारै
तै प्यार करै सै, उननै भी नमस्कार। थारे सारया पै परमेसवर का अनुग्रह होंदा रहवै।

फिलेमोन के नाम प्रेरित पौलुस की चिट्ठी

□□□□□□□□

फिलेमोन एक खास बिश्वासी था, जो इसा लाग्गै सै के वो कुलुस्से की कलीसिया का सदस्य था, अर उनेसिमुस नाम का एक गुलाम का माल्लिक था। यो गुलाम अपणे माल्लिक कै धोरै तै भाग ग्या था, अर फेर किसे तरियां पौलुस ताहीं मिल्या, जो उस बखत जेळ म्ह था। पौलुस के जरिये, उनेसिमुस एक बिश्वासी बणग्या। फिलेमोन कै नाम पौलुस प्रेरित की चिट्ठी फिलेमोन सै यो बिनती कर सै, के वो अपणे दास तै दुबारा मेळ-जोळ करले, अर उसनै पौलुस फेर तै उसके धोरै भेज्जै सै, अर उस ताहीं माफ करे गए एक दास कै रूप म्ह ए न्ही पर एक बिश्वासी भाई के रूप म्ह उसका स्वागत करै।

रूप-रेखा

जानकारी 1-3 फिलेमोन की बड़ाई 4-7
उनेसिमुस कै खात्तर बिनती 8-22
समापन 23-35

□□□□□□□□

1 या चिट्ठी मुझ पौलुस, की ओड़ तै सै, जो मसीह यीशु का कैदी सै। हे फिलेमोन, मेरी अर
बिश्वासी भाई तीमुथियुस की ओड़ तै तन्नै नमस्कार। तू म्हारा प्यारा मित्तर अर मसीह के काम
करण म्ह म्हारा साझ्झीदार सै। 2 मै भाण अफफिया, अर अरखिप्पुस ताहीं जो परमेसवर की सेवा
एक सिपाही की तरियां करण लागरया सै, अर उस कलीसिया नै भी लिखूँ सूं, जो फिलेमोन के घर
म्ह कठ्ठी हो सै। 3 मै प्रार्थना करुँ सूं, के म्हारे पिता परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह की ओड़ तै
थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिलती रहवै।

4 मै जिब भी थारे खात्तर प्रार्थना करुँ सूं, तो मै सारी हाण थारे खात्तर परमेसवर का धन्यवाद
करुँ सूं। 5 मै प्रभु यीशु मसीह पै थारे बिश्वास अर परमेसवर के पवित्र माणसां के प्रति प्यार के
बारें म्ह सुणदा रहूँ सूं। 6 मै प्रार्थना करुँ सूं, के जो बिश्वासियाँ गैल थारी साझेदारी सै, उन भली
चिज्जां के जाणण के जरिये जो परमेसवर नै म्हारे ताहीं दी सै, वा और घणी बढ़ती जावै। अर या
म्हारे मसीह की महिमा खात्तर हो। 7 क्यूँके हे बिश्वासी भाईयो, मै भोत खुश सूं, अर मेरे प्रति थारे
प्यार तै मै घणा उत्साहित सूं, अर इस कारण पवित्र माणसां नै घणी खुशी मिली सै।

□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□ □□□□□□□

8-9 जो हक मेरे ताहीं मसीह नै दिया सै, उसकी बजह तै मै थमनै हुकम दे सकूँ सूं, के थमनै के
करण की जरूरत सै, पर मै इसा कोनी करुँ, मै पौलुस, बुजुर्ग माणस होण के नाते अर मसीह यीशु
का कैदी होण के कारण थारे तै प्यार तै बिनती करुँ सूं। 10 मेरी बिनती या सै के उनेसिमुस जो मेरै
बाळक की तरियां सै, वो मसीह म्ह मेरा आत्मिक बेट्टा जिब बण्या जिब मै कैद म्ह था, थम उसपै
दया करियो। 11 वो तो पैहला तेरे किमे काम का ना था, पर इब तेरे अर मेरै दोनुआ कै खात्तर बड़े
काम का सै। 12 उस्से नै यानी जो मेरै दिल का टुकड़ा सै, मै तेरे धोरै भेज्जू सूं। 13 उसनै मै अपणे
ए धोरै राखणा चाहूँ था, ताके वो तेरी जगहां मेरी मदद कर सकै, जिब के मै मसीह का सुसमाचार
सुणाण कै खात्तर कैद म्ह सूं। 14 पर मन्नै तेरी इच्छा बगैर कुछ भी न्ही करणा चाह्या। मै चाहूँ था
के तू मेरी मदद मजबूरी म्ह न्ही पर खुद की इच्छा तै खुशी तै करै। 15 हो सकै सै के परमेसवर नै
उनेसिमुस ताहीं, तेरे तै इस करकै थोड़े बखत खात्तर दूर जाण का मौक्का दिया, ताके वो मसीह पै
बिश्वास कर सकै, अर उसकी बजह तै तू सदा खात्तर उसनै पा लेवै। 16 पर इब वो तेरा दास ए कोनी
बल्के दास तै भी बढ़कै, यानी बिश्वासी भाई सै। मै उसतै भोत प्यार करुँ सूं, पर इब तू मेरे तै भी
ज्यादा उसतै प्यार कर, दास की तरियां न्ही, पर बिश्वासी भाई की तरियां। 17 इस करकै जै तू मन्नै

अपणा साझीदार समझै सै, तो उनेसिमुस जिब थारे धोरै बोहड़ के आवैगा, तो उसनै प्यार तै अपणा
लियो, जिस तरियां थम मन्नै अपणाओ सों। 18 जै उसनै तेरा कुछ भी नुकसान करया सै, या उसपै
तेरा कुछ कर्ज सै, तो आकै दे दियुँगा। 19 मै पौलुस अपणे हाथ तै लिखूँ सूं, के उसका कर्जा मै आप
दे दियुँगा, तू खुद जाणै सै, जै मै तेरी मदद न्ही करदा, तो तन्नै नई जिन्दगी न्ही मिलती, इस करकै
तू जिन्दगी भर मेरा कर्जदार सै। 20 हे मेरे प्यारे भाई, मेरे खात्तर योए कर क्यूँके हम बिश्वासी भाई
सां, अर तेरे इसा करण तै मै मसीह म्ह उत्साहित हो जाऊँगा। 21 मै तेरे पै भरोस्सा करकै तेरे तै
लिखूँ सूं, अर या जाणु सूं के जो कुछ मै कहूँ सूं, तू उसतै घणा बढ़कै करैगा। 22 अर या भी कै मेरै
खात्तर रुकण की जगहां तैयार राक्खै। मन्नै उम्मीद सै, के परमेसवर थारी प्रार्थनायां का जवाब
देवैगा, अर मै थारे धोरै आकै थमनै देख पाऊँगा।

[illegible]

23 इपफ्रास, जो मेरै गैल जेळ म्ह कैद सै, क्यूँके वो यीशु मसीह की सेवा करै सै थारे ताहीं
नमस्कार कहवै सै। 24 अर मरकुस, अरिस्तर्खुस, देमास अर लूका जो मेरे गैल परमेसवर का काम
करणीये सै, इनका भी तेरे ताहीं नमस्कार। 25 मै प्रार्थना करुँ सूं, के म्हारे प्रभु यीशु मसीह का
अनुग्रह थारे साथ होंदा रहवै। आमीन।

इब्रानियों के नाम चिट्ठी

इब्रानियों के नाम चिट्ठी बिश्वासियाँ के एक झुण्ड ताहीं लिखी गई सै, जो बढ़ते होए बिरोध कै कारण, अपणे मसीह बिश्वास नै छोड़ण के खतरे म्ह थे। लेखक उननै अपणे बिश्वास म्ह बणे रहण कै खात्तर हिम्मत बढ़ावै सै, खास तौर पै यो दिखान्दे होए के यीशु मसीह ही परमेसवर का सच्चा अर आखरी प्रकाशन सै। इसा करते बखत वो तीन सच्चाईयाँ पै जोर देवै सै: (1) यीशु ए परमेसवर का सच्चा बेट्टा सै, उसनै दुख ठा-ठाकै पिता की सच्ची आज्ञाकारिता सीक्खी। परमेसवर कै बेट्टे के रूप म्ह यीशु पुराणा-नियम के नबियों, सुर्गदूत्तां, अर खुद मूसा तै भी बढ़कै सै। (2) यीशु परमेसवर के जरिये अंत काल का महायाजक बणाया ग्या सै, पुराणे-नियम के महायाजक कै रूप म्ह सच्चा मुक्ति देणिया सै, यहूदी धर्म की धर्म-विधियाँ अर पशु बलि कै जरिये जिनका मात्र पैहले तै ए जिक्र मिलै सै। इस्राएली इतिहास के कुछ नाम्मी माणसां के बिश्वास के उदाहरणा नै पेश करदे होए (पाठ 11), लेखक अपणे पाठकां तै बिश्वास म्ह बणे रहण की बिनती करै सै, और 12 वे पाठ म्ह वो अपणे पाठकां तै बिनती कर सै, के अन्त ताहीं बिश्वास म्ह बणे रहो अर अपणी आँख यीशु पै लगाई राक्खो, अर जो दुख और सताव उनपै आवै सै उसनै धीरज तै सह ल्यो। या चिट्ठी कुछ सलाह अर चेतावनी के साथ खतम हो सै।

रूप-रेखा

जानकारी : मसीह, परमेसवर का पूर्ण प्रकाशन 1:1-3
मसीह, सुर्गदूत्तां तै भी श्रेष्ठ सै 1:2-18
मसीह, मूसा अर यहोशू तै श्रेष्ठ सै 3:1-4:13
मसीह के याजक के पद की श्रेष्ठता 4:14-7:28
मसीह के करार की श्रेष्ठता 8:1-9:28
मसीह की कुरबान्नी की श्रेष्ठता 10:1-39
बिश्वास की श्रेष्ठता 11:1-12:29
आखरी उपदेश अर समापन 13:1-25

1 पैहल्ड़े युग म्ह परमेसवर नै म्हारे पूर्वजां तै भोत बार अर अलग-अलग ढाळ तै नबियाँ के जरिये
बात करी। 2 पर इन आखरी के दिनां म्ह म्हारै तै, अपणे बेट्टे के जरिये बात करी। परमेसवर नै सारी
सृष्टि की रचना अपणे बेट्टे के जरिये करी अर उसनै उस ताहीं सारी चिज्जां का वारिस बणाया।
3 बेट्टा ए परमेसवर की महिमा का चाँदणा सै अर उस म्ह हम देक्खां सां, के वो किसा सै, अर सारी
चिज्जां नै अपणे शक्तिशाली हुकम तै सम्भाळै सै। वो माणसां के पापां की माफी का कारण बण्या,
अर ऊँच्ची जगहां पै महिमामय कै सोळी ओड़ जा बेठ्या, 4 इसा करण तै सुर्गदूत्तां तै उतनाए
बढ़िया ठैहराया, जितना उसनै बड़े ओद्दे का उसका पद सुर्गदूत्तां तै ऊँच्चा ठैहराया।

5 क्यूँके परमेसवर नै कदे किसे सुर्गदूत तै न्ही कह्या, के "तू मेरा बेट्टा सै, आज मै घोषणा करुँ सूं
के, तू मेरा बेट्टा सै" अर सुर्गदूत्तां म्ह तै उसनै कद किसे तै कह्या, के "मै उसका पिता होऊँगा, अर
वो मेरा बेट्टा होवैगा?" 6 अर जिब परमेसवर नै अपणे जेठ्ठे बेट्टे ताहीं इस दुनिया म्ह भेज्या,
तो कहवै सै, "परमेसवर के सारे सुर्गदूत उस ताहीं मोध्धे मुँह पड़कै प्रणाम करै।" 7 अर सुर्गदूत्तां कै
बारै म्ह न्यू कहवै सै, "वो अपणे सुर्गदूत्तां ताहीं हवा, अर अपणे सेवकां नै भड़कदी होई आग बणावै
सै।" 8 पर बेट्टे कै बारै म्ह कहवै सै, "हे परमेसवर, उसका राज युगायुग रहवैगा, तेरे राज्य का
राजदण्ड न्याय का राजदण्ड सै। 9 तन्नै धर्म तै प्यार अर अधर्म तै बैर राख्या, इस कारण परमेसवर,

तेरे परमेसवर नै, तेरे साथियाँ तै बढ़कै हर्षरूपी तेल तै तेरा अभिषेक करया।” 10 अर यो के, “हे
प्रभु, शरुआत म्ह तन्नै धरती अर जो कुछ अकास म्ह सै उन ताहीं बणाया, अर सुर्ग तेरे हाथ्थां की
कारीगरी सै। 11 वे तो नाश हो जावैंगे, पर तू सदा खात्तर जिन्दा रहवैगा, अर वे सारे लत्ते की ढाळ
पुराणे हो जावैंगे, 12 अर तू उन ताहीं चाद्दर की तरियां लपेटैगा, अर वे लत्ते की ढाळ बदल जावैंगे
पर तू कदे न्ही बदलैगा, अर तू सदा खात्तर जिन्दा रहवैगा।” 13 अर सुर्गदूत्तां म्ह तै उसनै किसतै
कद कह्या, “तू मेरै सोळी ओड़ बैठ, यानी के तू हक की जगहां पै बैठ। जिब ताहीं के मै तेरे बैरियाँ
नै पूरी तरियां तै हरा ना द्यूँ?” 14 के वे सारे परमेसवर की सेवा-पाणी करण आळी आत्मा कोनी, जो
उद्धार पाण आळा कै खात्तर मदद करण नै भेजी जावै सै?

2

[illegible]

1 इस करकै म्हारे ताहीं जो कुछ सिखाया गया था उसका पालन करण खात्तर हमनै और सावधान
रहणा चाहिए। तब हम सच्चाई तै दूर न्ही जावांगे। 2 क्यूँके जो वचन सुर्गदूत्तां कै जरिये कह्या गया
था। जिब वो सच साबित होया अर हरेक अपराध अर हुकम ना मानण का परमेसवर नै उन ताहीं
दण्ड दिया। 3 तो हम माणस इसे महान् उद्धार नै अणदेखा करकै किस तरियां बच सकां सां? इस
महान् उद्धार की पैहली बार प्रभु यीशु नै घोषणा करी थी, अर जिन चेल्यां नै उस ताहीं सुण्या, तो
चेल्यां नै म्हारे ताहीं साबित करकै दिखा दिया के यो सच सै। 4 अर गेल्या ए परमेसवर भी अपणी
मर्जी कै मुताबिक चमत्कार, अर अनोक्खे काम्मां, अर कई ढाळ के सामर्थ के काम्मां, अर पवित्र
आत्मा के वरदान्नां के बांडण के जरिये इन बात्तां नै सच साबित करदा रहया। 5 उसनै उस आण
आळी दुनिया ताहीं जिसका जिक्र हम करण लागरे सां, सुर्गदूत्तां कै अधीन न्ही करया, पर अपणे
बेट्टे के अधीन कर दिया। 6 पवित्र ग्रन्थ म्ह किते, किसे नै परमेसवर तै यो कह्या सै, के “माणस
के सै के तू उसकी सुधि लेवै सै? या माणस का बेट्टा के सै, के तू उसकी फिक्र करै सै? 7 तन्नै
उस ताहीं सुर्गदूत्तां तै थोड़ा ए कम महत्वपूर्ण बणाया, तन्नै उस ताहीं राजा की तरियां महिमा अर
सम्मान दिया, अर सब किमे उसके अधीन कर दी। 8 तन्नै उस ताहीं सारी चिज्जां पै हक दिया।”
इसा लाग्गै सै के परमेसवर नै सारा कुछ उसकै अधीन कर दिया सै, उरै ताहीं के कुछ भी न्ही बचा
जो उसके अधीन ना हो, पर हम देख सका सां, के सारी चिज्जें उसके अधीन म्ह न्ही।
9 पर हम यो देक्खां सां, के यीशु ताहीं कुछ बखत खात्तर सुर्गदूत्तां तै कम करया गया था, ताके
परमेसवर के अनुग्रह तै वो हरेक किसे खात्तर मर सकै, क्यूँके उसनै दुख ठाया अर मर ग्या, इस
करकै परमेसवर नै उस ताहीं महिमा अर सम्मान दिया। 10 परमेसवर नै जो कुछ भी बणाया सै, वो
सारा अपणे खात्तर सै, अर उस ताहीं योए आच्छा लाग्या के जिब वो भोत सारे माणसां ताहीं अपणी
महिमा म्ह साँझा करै, तो यीशु मसीह जो उनका उद्धारकर्ता सै, उसके दुख ठाण कै जरिये उन ताहीं
सिध्द बणा लेवैगा। 11 क्यूँके जो माणसां नै उनके पाप तै साफ करै सै, अर जिन माणसां के पाप साफ
होण लागरे सै, दोन्नु एक ए पिता परमेसवर की ऊलाद सै, इस्से कारण वो उननै भाई-भाण कहण
तै कोनी सरमान्दा। 12 अर वो (मसीह) परमेसवर तै कहवै सै, “मै अपणे भाईयाँ ताहीं बताऊँगा के
तन्नै मेरे खात्तर कितने भले काम करे सै, अर जिब आराधना करण खात्तर मण्डली म्ह कठ्ठे होंगे
तो मै तेरी महिमा करूँगा।” 13 अर वो दुबारा कहवै सै, के मै उन माणसां कै साथ सूं, “जो परमेसवर
नै मेरे ताहीं दिए सै।” 14 ज्यांतै जिब के परमेसवर के बच्चे सै, जो के माँस अर लहू तै बणे सै, अर
उसका बेट्टा (यीशु मसीह) भी इन्सान बण्या, इस करकै वो एक इन्सान के रूप म्ह ए मर सकै था,
अर सिर्फ मरण तै ए वो शैतान की शक्ति नै तोड़ सकै था, जिसकै धोरै मौत की शक्ति थी। 15 अर
इस तरियां यीशु नै उन सारे माणसां ताहीं मुक्त कर दिया जो हर बखत गुलाम्मां की तरियां जीवै
थे, अर वे मरण तै डरै थे। 16 क्यूँके मसीह यीशु तो सुर्गदूत्तां ताहीं न्ही बल्के अब्राहम की पीढ़ी नै
सम्भाळै सै। 17 इस कारण उस ताहीं चाहिये था, के वो हर बात्तां म्ह बिश्वासी भाईयाँ की तरियां

बणै, ताके वो परमेसवर का महायाजक बण सकै, जो दयालु अर बिश्वास जोग्गा सै, अर वो माणसां
के पापां की माफी खात्तर खुद नै बलिदान कर सकै। 18 क्यूँके यीशु का इम्तिहान हो लिया अर उसनै
खुद दुख ठाया सै, इस करकै वो इम्तिहान म्ह पड़े होए माणसां की मदद कर सकै सै।

3

[illegible]

1 ज्यांतै हे बिश्वासी भाईयो, थम जो परमेसवर के कुह्वाओ सों, सुर्ग म्ह साझ्झी होण खात्तर
बुलाये गये सों, यीशु पै ध्यान द्यों, जो म्हारे खात्तर परमेसवर की ओड़ तै भेज्जा गया प्रेरित अर
महायाजक सै, जिसपै हम बिश्वास करा सां। 2 यीशु परमेसवर कै प्रति वफादार था, जिस ताहीं
उसनै नियुक्त करया था, जिसा मूसा नबी नै भी वफादारी तै पूरा काम करया जो भी परमेसवर नै उस
ताहीं करण खात्तर कह्या था। 3-4 जिसा के घर बणाण आळे माणस नै घर तै बढ़कै सम्मान मिलै सै।
इस्से तरियां यीशु मूसा नबी तै घणा सम्मान जोग्गा सै। क्यूँके हरेक घर का कोए ना कोए बणाण
आळा होवै सै, पर जिसनै सारा किमे बणाया वो परमेसवर सै। 5 मूसा नबी तो परमेसवर के घर के
माणसां खात्तर सेवक की तरियां बिश्वास जोग्गा रहया। के जो मूसा नबी नै करया था, वो दिखावै
सै के परमेसवर आण आळा बखत म्ह के करण आळा सै। 6 पर परमेसवर के कुण्बे म्ह मसीह, तो एक
बेट्टे के रूप म्ह बिश्वास लायक सै, अर उस आस म्ह बिश्वास नै बणाए राक्खै सै, तो हमे उसका
कुण्बा सां। 7 जिसा परमेसवर अपणे पवित्र आत्मा के जरिये कहवै सै, "जै आज थम परमेसवर की
आवाज सुणो,
8 "तो अपणे मन ताहीं कठोर ना करो, जिसा के छो दुवाण के बखत अर इम्तिहान के दिन जंगळ
म्ह थारे पूर्वजां नै करया था। 9 थारे पूर्वजां नै चाळीस साल तक मेरे महान् काम देक्खण कै बाद भी
चुनौती देन्दे होए मेरे ताहीं परख्या था। 10 इस कारण मै उस बखत के माणसां तै गुस्सा रहया, अर
कह्या, 'उननै मेरे पाच्छै चालणा न्ही चाह्या, अर इसा करण तै इन्कार कर दिया जो मन्नै उन ताहीं
करण का आदेश दिया था।' 11 फेर मन्नै छो म्ह आकै कसम खाकै कह्या, के 'उस आराम की जगहां
म्ह थम बड़ण न्ही पाओगे, जित्त मै उननै आराम देऊँगा।' " 12 हे बिश्वासी भाईयो, चौक्कस रहो के
थारे म्ह इसा बुरा अर अबिश्वासी मन ना हो, जिसतै थम जिन्दे परमेसवर तै दूर हो जाओ। 13 जिब
भी थम पवित्र ग्रन्थ नै यो कहते सुणो, "आज का दिन" तो एक-दुसरे नै उत्साहित करते रहो,
इसा ना हो पाप थारे ताहीं धोक्खा देवै, अर थम परमेसवर कै खिलाफ जिद्दी हो जाओ। 14 क्यूँके जै
हम अन्त तक मजबुत्ती कै साथ अपणे शरुआती बिश्वास नै थाम्मे राक्खां सां, तो हम मसीह के
साझ्झीदार बण जावां सां। 15 जिसा पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, "जै आज थम परमेसवर का शब्द सुणो,
तो अपणे मनां नै कठोर ना करो, जिसा के छो दुवाण के बखत थारे पूर्वजां नै करया था।" 16 कौण थे
वे माणस जिननै परमेसवर की आवाज सुणकै भी उस ताहीं छो दुवाया? ये वे माणस थे जिन ताहीं
मूसा नबी मिस्र देश तै बाहर लेकै गया था। 17 चाळीस साल तक परमेसवर ताहीं इन माणसां नै
गुस्सा दुवाया, ये इस्राएल के माणस थे, जिननै मरुस्थल म्ह पाप करया अर वे मरगे, अर उनकी
लाश जंगळ म्ह पड़ी रहीं? 18 अर जिब परमेसवर नै कसम खाई के "वे उस आराम की जगहां म्ह
कदे न्ही बड़ पावैंगें, जित्त मै उननै आराम देऊँगा।" वो वास्तव म्ह उन माणसां के बारें म्ह बात करै
था जिननै उसका बिरोध करया था। 19 इस बात तै हमनै यो बेरा लाग्या सै, के वे अपणे अबिश्वास
कै कारण बड़ न्ही सके।

4

[illegible]

1 इस करकै परमेसवर नै म्हारे ताहीं वादा करया सै, के हम आराम की जगहां पै जावैंगे, क्यूँके
आराम की जगहां म्ह बड़ण का वादा इब भी सै, तो हमनै भोत सावधान रहणा चाहिए, इसा ना हो
के थारे म्ह तै कोए माणस आराम की जगहां जाण म्ह नाकामयाब हो जा, जिस ताहीं देण का वादा

परमेसवर नै म्हारे ताहीं करया सै। 2 जिस तरियां हमनै यीशु मसीह के बारें म्ह सुसमाचार सुण्या,
अर उन इस्राएल के माणसां नै भी जिन नै आराम की जगहां म्ह बड़ण के बारें म्ह सुसमाचार सुण्या
पर उननै उस सुसमाचार पै बिश्वास न्ही करया, इस कारण उनकै खात्तर संदेश बेकार ठैहराया। 3 पर
म्हारे ताहीं जो परमेसवर नै कह्या सै, हम उसपै भरोस्सा करां सां, अर हम आराम की जगहां म्ह
बडांगे। जिसा औरां खात्तर परमेसवर नै कह्या सै, "मन्नै अपणे छो म्ह कसम खाई के वे मेरी आराम
की जगहां म्ह बड़ण न्ही पावैंगें।" फेर भी उसके काम दुनिया के बणाण तै पैहल्याए पूरे हो लिए थे।
4 क्यूँके सातमै दिन कै बारै म्ह परमेसवर नै पवित्र ग्रन्थ म्ह न्यू कह्या सै, "परमेसवर नै सातमै दिन
अपणे सारे काम्मां ताहीं निपटा कै बिश्राम करया।" 5 हमनै यो भी पढ़या के उसनै बाद म्ह कह्या,
के "वे मेरै आराम की जगहां म्ह बड़ण न्ही पावैंगें।" 6 इस्राएल के वे माणस जिन ताहीं सुसमाचार
सुणाया गया था, वो आराम की जगहां म्ह बड़ण म्ह नाकामयाब रहे, क्यूँके उननै परमेसवर के हुकम
ताहीं कोनी मान्या था, पर उस आराम की जगहां म्ह जाण का इब भी मौक्का सै। 7 ज्यांतै उसनै
आराम की जगहां म्ह बड़ण का एक और मौक्का तय करया, अर वो मौक्का आज सै। म्हारे पूर्वजां
के बिद्रोह के कई साल्लां बाद, दाऊद के मुँह तै यो कह्या था, "जै आज थम उसकी आवाज सुणो,
तो उस ताहीं सुणकै इन्कार ना करो।"

8 हम यो भी जाणा सां के परमेसवर नै जो आराम की जगहां का वादा करया सै, वो कनान देश
कोनी, जिसपै यहोशू नै म्हारे पूर्वजां की अगुवाई करी थी, जै यो कनान देश होन्दा, तो परमेसवर नै
बाद म्ह यो न्ही कह्या होगा, के एक और मौक्का सै। 9 यो भी हो सकै सै, के परमेसवर के माणसां
नै इस तरियां के तरिक्कें तै आराम करणा पड़ै, जिस तरियां तै परमेसवर नै दुनिया बणाण के सातवे
दिन आराम करया था। 10 क्यूँके जो उसकै आराम की जगहां म्ह बड़या सै, उसनै भी परमेसवर की
ढाळ अपणे काम पूरे करकै बिश्राम करया सै। 11 इस करकै हम उस आराम की जगहां म्ह बड़ण की
कोशिश बड़ी मेहनत कै साथ करा, ताके कोए भी उन माणसां की तरियां ना बणे जिननै परमेसवर के
हुकम ताहीं मानण तै इन्कार कर दिया, फेर हम उसकी आराम की जगहां म्ह बड़ण पावांगे। 12 क्यूँके
परमेसवर का वचन जिन्दा, अर प्रभावशाली सै, अर वो एक दोधारी तलवार तै भी घणा पैना सै।
वो प्राण अर आत्मा ताहीं, अर गाँठ-गाँठ अर गुद्दे-गुद्दे ताहीं न्यारा करकै आरम-पार पाड़ दे सै अर
मन की भावनायां अर विचारां ताहीं परख ले सै। 13 जिस ताहीं लेखा देणा सै, उसकी नजर तै कोए
भी प्राणी छुप्या कोनी। सारी चीज उसके स्याम्ही साफ अर खुली होड़ सै।

[illegible]

14 ज्यांतै जिब म्हारा इसा बड्ड़ा महायाजक सै, जो सुर्ग म्ह चल्या गया सै, यानिके परमेसवर का
बेट्टा यीशु, तो आओ, हम बिश्वास म्ह पक्के बणे रहवां जो हमनै सारे माणसां के आग्गै स्वीकार
करया सै। 15 क्यूँके म्हारा यो महायाजक जो यीशु मसीह सै, म्हारी हरेक कमजोरियाँ नै जाणे सै,
बल्के वो सारी बात्तां म्ह म्हारै तरियां परख्या तो गया, फेर भी निष्पाप लिकड़या। 16 इस करकै
आओ, हम परमेसवर के स्याम्ही बिना डर के जावां जो करुणा तै भरा होया सै, फेर परमेसवर म्हारै
पै दया करैगा, अर जिब हमनै मदद की जरूरत होगी तो वो म्हारी मदद करैगा।

5

1 परमेसवर इस्राएल के माणसां म्ह तै एक महायाजक ताहीं चुणै सै, अर वो महायाजक ताहीं
नियुक्त करै सै, ताके वो उसकी सेवा भेट चढ़ाकै, अर माणसां के पापां की माफी कै खात्तर बलि चढ़ाकै
कर सकै। 2 वो बेअक्ले अर भूले भटक्यां कै गेल्या नर्मी तै बरताव कर सकै सै, ज्यांतै वो आप भी
कमजोरी तै घिरया सै। 3 उसकै खात्तर एक महायाजक के रूप म्ह अपणे अर माणसां कै पापां नै दूर
करण खात्तर बलि चढ़ाणा जरूरी सै। 4 कोए भी इन्सान अपणे-आपनै तै महायाजक होण का पद न्ही
ले सकता। एक माणस सिर्फ महायाजक जिब्बे बण सकै सै, जिब परमेसवर उस ताहीं याजक होण कै
खात्तर बुलावै सै, जिस तरियां हारुन ताहीं परमेसवर नै पैहला महायाजक होण खात्तर बुलाया था।

5 उस्से तरियां ए मसीह नै भी खुद ताहीं महायाजक बणाकै खुद का सम्मान करण का फैसला कोनी
करया, परमेसवर नै उस ताहीं यो सम्मान दिया जिब उसनै कह्या, के "तू मेरा बेट्टा सै, आज मन्नै ए
तेरे ताहीं पैदा करया सै।" 6 एक और जगहां परमेसवर उस ताहीं दुबारा कहवै सै, "तू मलिकिसिदक*
की रीत पै सारी हाण खात्तर याजक सै।" 7 जिब यीशु इस दुनिया म्ह रहवै था, तो ठाड्डू शब्दां तै
रुक्का मार-मारकै अर आँसू बहा-बहाकै परमेसवर तै प्रार्थनाएँ अर बिनती करी, जो उस ताहीं मौत
तै बचा सकै था, अर आदरपूर्ण समर्पण कै कारण परमेसवर नै उसकी सुण ली। 8 परमेसवर का बेट्टा
होण पै भी मसीह यीशु नै दुख ठा-ठाकै भी उसका हुकम मानना सिख्या। 9 फेर सिध्द हो जाणकै
बाद वो खुद उन सब खात्तर, जो उसके हुकमां नै मानणीयां कै खात्तर अनन्त काल के उद्धार का
कारण बणग्या। 10 अर उस ताहीं परमेसवर की ओड़ तै मलिकिसिदक की रीत पै महायाजक का पद
मिल्या।

[illegible]

11 इसकै बारै म्ह हमनै घणीए बात कहणी सै, पर उनके बारें म्ह खुलकै जिक्र करणा मुश्किल सै,
क्यूँके थम परमेसवर के वचन के बारें म्ह जाणण खात्तर आलसी होगे सों। 12 बखत कै विचार तै तो
थमनै शिक्षा देण आळा बण जाणा चाहिए था, पर थमनै तो इब भी इसे माणस की जरूरत सै, जो
थारे ताहीं नये सिरे तै परमेसवर की शिक्षा की शरुआती बात ए सिखावै, थम तो इब्बे भी उन छोट्टे
बाळक की ढाळ सों, जिन ताहीं दूध चाहिए, पर भारी खाणा न्ही। 13 याद राक्खों जो माणस इब
भी वचन की शरुआती शिक्षा नै सीखण लागरे सै, वे न्ही जाणदे, के परमेसवर धर्मी बणण के बारें म्ह
के कहवै सै, वो दूध पीन्दे बाळक की तरियां सै। 14 पर जिस माणस की तुलना श्याणे माणस तै करी
जा सै, जो ठीक तै खाण चबा-चबा कै खा सकै सै, वो यो माणस सै जिसका बिश्वास पक्का सै अर
जो खरी शिक्षा नै समझ सकै सै, उसनै आच्छे अर बुरे की पिच्छाण करणा सीखा लिया सै।

6

1 इस करकै जिब म्हारे ताहीं मसीह के बारें म्ह शरु म्ह सिखाया गया था, तो आओ हम उन ताहीं
छोड़ के खरी शिक्षा पै चर्चा करण खात्तर आग्गै बढ़दे जावां। शरुआती शिक्षा जिसा पाप तै भरे
काम तै जो मौत नै लेकै आवै सै, परमेसवर पै बिश्वास करण नै नीम की तरियां ना धरो, 2 अर
बपतिस्मा अर हाथ धरण, अर मरे होया के जिन्दा उठण, अर आखरी न्याय की शिक्षा रूपी नीम
दुबारा ना बणावां। 3 जै परमेसवर नै चाह्या तो मै थमनै खरी शिक्षा दिऊँगा। 4 क्यूँके जो माणस
अपणे बिश्वास नै खो दे सै, तो उन ताहीं फेर तै पश्चाताप करण कै खात्तर उलटा न्ही ल्याया जा
सकता। एक बार उननै परमेसवर की सच्चाई नै जाणा अर सुर्ग तै वरदान्नां ताहीं पाया, अर बाकियाँ
की तरियां पवित्र आत्मा भी पाया। 5 अर उननै अनुभव करया था के परमेसवर का वचन आच्छा
सै, अर वे परमेसवर की आण आळी शक्ति का अनुभव कर चुके थे। 6 उननै फेर तै उल्टा ल्याण का
कोए तरिक्का कोन्या, क्यूँके वे परमेसवर के बेट्टे ताहीं अपणे खात्तर दुबारा क्रूस पै चढ़ावैं सै, अर
सबके स्याम्ही उसपै कलंक लगावै सै। 7 जिन माणसां नै आच्छी शिक्षा मिलै सै, वे उस जमीन की
तरियां सै, जित्त बारिस होन्दी ए रहवै सै, जै जमीन बढ़िया सै, तो या किसान खात्तर बढ़िया फसल
देवै सै, अर उसपै परमेसवर की आशीष होवै सै। 8 पर दुसरे माणस उस जमीन की तरियां सै जो काण्डे
अर खरपतवार उगावै सै तो या बेकार सै। उस ताहीं परमेसवर के जरिये श्राप दिये जाण का खतरा
सै, अर वो आग तै नाश हो जावैगा।
9 हे प्यारे भाईयो, भलाए हम इस ढाळ की बात करण लागरे सां, पर हम असलियत म्ह बिश्वास
न्ही करते के यो थारे खात्तर लाग्गू होवै सै। हमनै बिश्वास सै के थम बढ़िया चिज्जां खात्तर बणाये
गये सों, जो उद्धार कै साथ आवै सै। 10 जिसा के थमनै आच्छे काम करे सै, अर इब थम परमेसवर के
नाम म्ह बिश्वासी भाईयाँ कै खात्तर प्यार तै, सेवा के काम करण लागरे सों, इसकी बजह तै परमेसवर
थारे ताहीं भुल्लैगा न्ही, क्यूँके वो धर्मी सै। 11-12 आलसी ना बणो। पर कड़ी मेहनत करण आळा की

* **5:6** 5:6 मलिकिसिदक अब्राहम के बखत का एक याजक अर सम्राट था। उत्पत्ति 14:17-24

तरियां थमनै इन प्रेमपूर्वक काम्मां ताहीं जारी राखणा चाहिए, ताके परमेसवर के वादे पाण खात्तर
थारी आस पक्की हो।

[illegible]

13 जिब परमेसवर नै अब्राहम तै करार करया, तो तब खुद परमेसवर तै बड्ड़ा कोए और न्ही था,
जिसकी कसम ली जा सकै, इस करकै अपणी खुद की कसम लेन्दे होए परमेसवर नै अब्राहम तै
कह्या, 14 “मै सचमुच तेरे ताहीं घणा आशीष दियुँगा, अर तेरे वंशां नै अनगिणत बणा दिऊँगा।”
15 अब्राहम नै भोत धीरज धरण कै बाद वादा का ईनाम मिल्या। 16 माणस तो अपणे तै किसे बड़े
का नाम लेकै कसम खाया करै सै, अर उन म्ह कसम के जरिये बात का फैसला होवै सै, अर सारा
विवाद खतम हो जावै सै। 17 योए कारण था, के परमेसवर नै भी कसम खाई थी। इस बात तै वो
उन माणसां नै साफ तरियां तै दिखाणा चाहवै था, के वो जो भी वादा करै सै, उस ताहीं वो पूरा करै
सै। 18 तो उरै दो बात सै उसका वादा अर उसकी कसम जो कदे बदल न्ही सकदे अर जिनकै बारै म्ह
परमेसवर कदे झूठ कोनी बोल सकता। इस करकै हम जो परमेसवर कै धोरै बचण आये सां अर जो
आस उसनै म्हारे ताहीं दी सै उस ताहीं थाम्मे होए घणे उत्साहित सां। 19 जिस तरियां किस्ती ताहीं
लंगर तै बाँधया जावै सै, जो किस्ती नै पकड़कै राक्खै सै, इस्से तरियां तै आस म्हारी जिन्दगी नै
मजबूत अर टिकाए राक्खै सै, अर म्हारी आस यीशु सै, वो परमेसवर कै धोरै सुर्ग म्ह पवित्र मन्दर
म्ह परदे कै पाच्छै पोहचा सै। 20 जित्त यीशु नै मलिकिसिदक* की रीत पै सारे हाण के बखत का
महायाजक बणकै, म्हारै खात्तर अगुवां के रूप म्ह दाखल होया सै।

7

[illegible]

1-3 यो मलिकिसिदक शालेम नगर का राजा अर परमप्रधान परमेसवर का याजक था, उनके नाम
का मतलब “राजा” सै जो नियम कै साथ न्याय करै सै, शालेम के राजा का मतलब सै “शान्ति का
राजा।” पवित्र ग्रन्थ म्ह उसके माँ-बाप, उसके पूर्वज, या उसकी मौत या जन्म के बारें म्ह, कुछ भी
न्ही लिख्या गया सै। वो हमेशा खात्तर एक याजक सै। इस करकै वो परमेसवर के बेट्टे की तरियां
सै। जिब अब्राहम नै चार राजां की हत्या कर दी थी, तो मलिकिसिदक नै उसतै मुलाकात करी, अर
उस ताहीं आशीर्वाद दिया। अब्राहम नै युध्द म्ह जीत हासिल करी, अर सारी चिज्जां का दसमां
हिस्सा भी दिया। 4 इब इसपै ध्यान करो के वो किसा महान् था जिस ताहीं पूर्वज अब्राहम नै दुश्मनां
की लूट के बढ़िया तै बढ़िया माळ का दसमां हिस्सा दिया। 5 मूसा नबी के नियम-कायदे बतावै सै के
लेवी के वंशज जो याजक का पद पावै सै, उननै इस्राएल के माणसां तै दसमां हिस्सा लेणा चाहिए,
यानिके उसके खुद के माणस तै, पर वे याजक अर दुसरे बिश्वासी भाईयाँ की तरियां सै, क्यूँके वे सब
अब्राहम के वंश के सै। 6 पर इसनै, जो लेवी-वंशी भी न्ही था, अब्राहम तै दसमां हिस्सा लिया,
फेर भी अब्राहम वो था जिसकै धोरै परमेसवर का वादा था, फेर भी मलिकिसिदक नै उस ताहीं
आशीर्वाद दिया। 7 इस म्ह कोए शक कोनी के जो आशीर्वाद देवै सै, वो उस माणस तै बड्डा हो सै
जिस ताहीं आशीर्वाद देवै सै। 8 उरै तो याजक दसमां हिस्सा लेवै सै, भलाए वो सिर्फ एक माणस
सै, जो जीवै सै अर फेर मर जावै सै, पर मलिकिसिदक, जिसनै अब्राहम तै दसमां हिस्सा लिया,
वो इब भी जिन्दा सै, जिसा के पवित्र ग्रन्थ कहवै सै। 9 के जिब अब्राहम नै मलिकिसिदक ताहीं
दसमां हिस्सा दिया, जिब ताहीं लेवी माणसां का जन्म अब्राहम के वंश म्ह न्ही होया था। पर इब
भी उसके वंश होण के कारण, यो इस तरियां सै के लेवी नै खुद ही अब्राहम के जरिये मलिकिसिदक
ताहीं दसमां हिस्सा दिया। 10 क्यूँके जिस बखत मलिकिसिदक उसकै पिता तै मिल्या, उस बखत वो
अपणे पिता की देह म्ह था।

[illegible]

---

* **6:20** 6:20 मलिकिसिदक अब्राहम के बखत का एक याजक अर सम्राट था। उत्पत्ति 14:17-24

11 माणसां ताहीं जिन याजकां के आधार पै नियम-कायदे दिए गये थे, जो हारुन के परिवार का अर
लेवी के गोत्र का था, पर ये याजक सिध्द न्ही बण सकै। इस करकै यो जरूरी था, के एक और याजक
आवै, जो हारुन जिसा न्ही, पर मलिकिसिदक जिसा हो। 12 क्यूँके इब एक्के तरियां का याजक कोनी,
तो नियम-कायदे का भी बदलना जरूरी सै। 13 क्यूँके हम मसीह के बारें म्ह ये बात करण लागरे सां,
जो एक अलग गोत्र तै थे। उस जनजात्ति म्ह तै किसे नै भी वेदी* पै एक याजक के रूप म्ह सेवा न्ही
करी, 14 सब जाणै सै, के म्हारा प्रभु यीशु यहूदा के गोत्र म्ह तै पैदा होया सै, मूसा नबी नै यहूदा
के किसी भी वंशज के बारें म्ह न्ही बताया, जो यहूदा के याजक बणगे अर यहूदा का कोए वंशज कदे
याजक न्ही बणा। 15 इब हम और भी आच्छी तरियां तै समझा सां, जिब मलिकिसिदक कै तरियां एक
और याजक पैदा होण आळा था, जो के यीशु मसीह सै। 16 यीशु का याजक बणणा, नियम-कायदा
नै पुगाण पै, या लेवी के वंश म्ह तै पैदा होण पै आधारित कोनी। पर वो अपणे अविनाशी जीवन की
शक्ति के कारण याजक बणग्या। 17 क्यूँके उसकै बारै म्ह पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, "तू मलिकिसिदक
की रीत पै युगानुयुग याजक सै।" 18 इस करकै, पैहल्डी आज्ञा कमजोर अर बेअसर होण कै कारण
बदलगी। 19 (ज्यांतै के नियम-कायदे नै किसे बात ताहीं सिध्द कोन्या करया), अर उसकी जगहां पै
एक बेहतर उम्मीद सै, जो के यीशु मसीह सै, जिसकै जरिये हम परमेसवर कै लोवै जा सकां सां।
20 जिब यीशु मसीह ताहीं परमेसवर नै याजक बणा दिया तो परमेसवर नै कसम खाई। 21 क्यूँके
लेवी के वंश तो बिना कसम याजक बणाए गये, पर यीशु मसीह बिना कसम के परमेसवर की ओड़ तै
नियुक्त करया गया, जिसनै उसकै बारै म्ह कह्या, "प्रभु नै कसम खाई, अर उसतै फेर ना पछतावैगा
के तू युगानुयुग याजक सै।" 22 इस करकै यीशु नै म्हारे ताहीं परमेसवर कै गैल सब तै आच्छे करार
का वादा करै सै।
23 यीशु के याजक होण का एक और फायदा से, पैहले तो घणी बड्डी गिणती म्ह याजक बणदे
आये, क्यूँके हरेक याजक की मौत के साथ उसकी सेवा खतम हो जावै थी। 24 यीशु युगानुयुग जिन्दा
रहवै सै, इस कारण उसके याजक का पद कोए न्ही ले सकता। 25 इस्से खात्तर जो यीशु कै जरिये
परमेसवर कै धोरै आवै सै, वो उनका पूरा-पूरा उद्धार कर सकै सै, क्यूँके वो उनकै खात्तर बिनती करण
ताहीं सारी हाण जिन्दा सै। 26 इसाए महायाजक म्हारी जरूरतां नै पूरा कर सकै सै, जो पवित्र, अर
बेकसूर, शुद्ध, अर पापमुक्त हो, अर सुर्ग तै भी जिस ताहीं ऊँच्चा करया होया हो। 27 जो महायाजक
हारुन के वंश तै सै, उसनै जरूरत कोनी के हरेक दिन पैहल्या अपणे पापां कै खात्तर बलिदान चढ़ावैं,
क्यूँके यीशु नै अपणे-आप ताहीं बलिदान चढ़ाकै उसनै एक ए बर म्ह पूरा कर दिया। 28 क्यूँके नियम-
कायदे तो कमजोर माणसां ताहीं महायाजक नियुक्त करै सै, पर कसम जो नियम-कायदा के बाद
आवै सै, उस बेट्टे नै नियुक्त करै सै जो युगानुयुग कै खात्तर सिध्द महायाजक सै।

8

[illegible]

1 इब जो बात हम कहण लागरे सां उन म्ह तै सारया तै बड्डी बात या सै म्हारे धोरै इस तरियां का
महायाजक सै, जो सुर्ग पै महामहीम के सिंहासन कै सोळी ओड़ सै, 2 म्हारा महायाजक सब तै घणी
पवित्र जगहां अर उस सच्चे तम्बू (सुर्ग म्ह) काम करै सै, जो के माणसां के जरिये न्ही, परमेसवर के
जरिये बणाया गया सै। 3 क्यूँके हरेक महायाजक पापां की माफी कै खात्तर बलिदान अर भेंट चढ़ावै
सै, इस कारण जरूरी सै के म्हारे महायाजक मसीह यीशु कै धोरै भी चढ़ाण खात्तर किमे हो। 4 जै
वो धरती पै होंदा तो कदे भी याजक न्ही होंदा, ज्यांतै के मूसा के नियम-कायदे कै मुताबिक भेंट
चढ़ाण खात्तर याजक सै। 5 वे सुर्ग म्ह की चिज्जां के नकल अर छाया की सेवा करै सै, जिसा जिब
मूसा नबी तम्बू बणाण पै था, तो उस ताहीं या चेतावनी मिली, "लखा, जो नमूना तेरे ताहीं पहाड़ पै
दिखाया गया था, उसकै मुताबिक सारा किमे बणाणा।" 6 पर जो काम यीशु ताहीं दिया गया सै, वो

* 7:13 7:13 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

दुसरे याजकां तै दिए गये काम तै ज्यादा बाध सै, क्यूँके वो जिस करार का बिचौलिया सै, वो पुराणे
करार तै बढ़िया सै, अर बढ़िया चिज्जां की कसमां पै आधारित सै।
7 क्यूँके जै वो पैहल्ड़ा करार बेकसूर होन्दा, तो दुसरे करार कै खात्तर मौक्का ना टोहया जान्दा।
8 पर प्रभु उनपै दोष लाकै कहवै सै, "प्रभु कहवै सै, लखाओ, वे दिन आवै सै के मै इस्राएल के
माणसां कै गेल्या, अर यहूदा के माणसां कै गेल्या नया करार करुँगा। 9 यो उस करार की तरियां न्ही
होवैगा, जिसा मन्नै उनकै पूर्वजां कै गेल्या उस बखत करया था, जिब मन्नै उनका हाथ मिस्र देश तै
लिकाड़ ल्याण खात्तर पकड्या था, क्यूँके प्रभु कहवै सै, के वे मेरे करार के बिश्वासी न्ही रहे, ज्यांतै
मन्नै उनतै मुँह फेर लिया। 10 फेर प्रभु कहवै सै, के जो करार मै आण आळे दिनां म्ह इस्राएल कै
माणसां कै गेल्या करुँगा, वो यो सै के मै अपणे नियमां नै उनके मनां म्ह गेरूँगा, मै उन ताहीं अपणे
नियमां कै बारें म्ह उननै याद दुआऊँगा, अर मै उनका परमेसवर ठहरूँगा अर वे मेरे माणस ठहरैंगें।
11 अर हरेक अपणे यहूदी भाई ताहीं अर अपणे सगे-सम्बन्धी ताहीं या शिक्षा न्ही देवैगा, के तू प्रभु
ताहीं पिच्छाण, क्यूँके छोट्टे माणसां तै लेकै बड़े माणसां ताहीं सारे मन्नै जाण लेवैगें। 12 मै उनकी
दुष्टता की ओड़ दया करुँगा, अर उनकै पापां नै दुबारा याद कोनी करुँगा।" 13 परमेसवर नै इस ताहीं
नया करार कह्या, इस करकै उसनै पैहल्ड़े करार ताहीं पुराणा ठहरा दिया, जो चीज पुराणी अर घिसी
होई सै उसका मिट जाणा जरूरी सै।

9

[illegible]

1 इब, उस पैहल्ड़े करार म्ह भी सेवा के नियम थे, अर इसी पवित्र जगहां थी, जो इस दुनिया
की थी। 2 यानी के एक तम्बू बणाया गया जिस म्ह दो कमरे थे, पैहले कमरे म्ह दीवट*, मेज अर
मेज कै उप्पर भेंट की चढ़ाई होई रोटियाँ थी, अर वा पवित्र जगहां कुह्वावै सै। 3 ओड़ै एक परदा
था उस परदे कै पाच्छै दुसरा कमरा था, जो परमपवित्र जगहां कुह्वावै सै। 4 उस दुसरे कमरे म्ह
सोन्ने की धूपदानी, अर चौगरदेकै सोन्ने तै मन्ढया होया करार का सन्दूक था, अर उस म्ह मन्ना तै
भरया होया सोने का मर्तबान भी था, अर हारुन की छड़ी जिस म्ह फूल फळ आ गये थे, अर करार
की पत्थर की पटियाँ भी थी। 5 इसकै अलावा सन्दूक कै उप्पर दोन्नु ओड़ तेजोमय करुब थे, जो
प्रायश्चित के ढक्कण जिस ताहीं प्रायश्चित के दिन पापबलि के लहू तै छिड़क दिया जावै था।
इनका एक-एक करकै जिक्र करण का इब्बै बखत न्ही सै।
6 ये चीज इस तरियां तै धरी गई थी। उस पैहल्ड़े कमरे म्ह परमेसवर की आराधना करण कै खात्तर
याजक हरेक दिन पैहले कमरे म्ह जाया करै था। 7 पर दुसरे कमरे म्ह यानी घणी पवित्र जगहां म्ह,
सिर्फ महायाजक साल भर म्ह एक ए बर जावै सै, अर बलिदान के जानवर का लहू लिये जाया करै
था, जिस ताहीं वो अपणे खात्तर अर माणसां की भूल-चूक म्ह करया पापां खात्तर भेंट चढ़ावै सै।
8 इसतै पवित्र आत्मा योए दिखावै सै, के पुराणे करार के मुताबिक दुसरा कमरा यानी घणी पवित्र
जगहां जो सुर्ग म्ह सै, जित्त परमेसवर रहवै था, ओड़ तक पुहचण का रास्ता बन्द था। 9 यो तम्बू
आज कै दिन का एक उदाहरण सै, जिस म्ह याजक भेंट अर बलिदान चढ़ावै सै, जिब माणस बलिदान
की भेट लेकै आवै थे, तो उनकी अन्तरात्मा समझ न्ही पावै थी, के इब उसके पाप माफ होए सै या
न्ही। 10 क्यूँके ये उपहार अर बलिदान सिर्फ खाण-पीण की चिज्जां, अर कई ढाळ की शुद्ध करण की
शारीरिक विधियाँ, तब तक थी, जिब तक परमेसवर कोए नई विधि न्ही देता।

[illegible]

11 पर जिब मसीह म्हारा महायाजक बणकै आया, तो अपणे साथ बढ़िया-बढ़िया चीज लेकै आया
जो इब भी मौजूद सै, जिब वो दिख्या तो वो परमेसवर की मौजूदगी म्ह चला गया, यो तम्बू हाथ
का बणाया होया कोनी यानिके इस सृष्टि का कोनी। 12 जिब मसीह तम्बू म्ह चला गया तो वो सब

* 9:2 9:2 दीवट भोत-से दीवे रखण का एक बरतन

खात्तर सब तै पवित्र जगहां म्ह दाखल होया, उसनै बलिदान के रूप म्ह बकरयां अर बाछड़याँ
का लहू न्ही लिया, बल्के उसनै अपणा लहू लिया, ताके हम अनन्त छुटकारा पा सकै। 13 क्यूँके जै
मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक जिब बकरयां अर बळधां का लहू अर बाछड़े की राख का
अपवित्र माणसां पै छिड़के जाण की विधि के मुताबिक, अशुद्धता दूर हो जावै सै। 14 तो मसीह
का बेकसूर लहू जो म्हारी अन्तरात्मा नै, म्हारे पाप, जो म्हारी मौत की बजह बणै सै, उनतै शुद्ध करै
सै, ताके हम जिन्दे परमेसवर की आराधना कर सका। पवित्र आत्मा की शक्ति के जरिये मसीह नै
म्हारे ताहीं अपणे पापां खात्तर एक सम्पूर्ण बलिदान के रूप म्ह परमेसवर ताहीं अपणे-आप ताहीं दे
दिया।
15 इस कारण मसीह परमेसवर अर माणसां के बीच म्ह नये करार का बिचोल्ला सै, ताके जो माणस
परमेसवर के जरिये बुलाये गये सै, वो सनातन आशीषें पा सकै, जिसका परमेसवर नै वादा करया सै,
क्यूँके पैहल्ड़े करार के अधीन रहन्दे होए जितने माणसां नै पाप कराया, उन ताहीं छुड़ाण खात्तर
यीशु नै अपणी जान दे दी। 16 करार एक वसियत के समान हो सै। एक वसियत के नियम नै लाग्गू
करण खात्तर यो साबित करणा जरूरी होवै सै, के जिसनै वा वसियत बणाई हो, वो मर चुक्या हो।
17 क्यूँके एक वसियत जिब्बे लाग्गू हो सकै सै, जिब उसके बणाण आळा की मौत होगी हो। वो जिब
तक लाग्गू न्ही होन्दी जिब ताहीं उसका बणाण आळा जिन्दा हो। 18 इस कारण पैहल्ड़ा करार का
नियम जानवरां के लहू ताहीं बहाए जाण पै लाग्गू होवै था। 19 क्यूँके जिब मूसा नबी सारे माणसां
नै नियम-कायदे का हरेक हुकम सुणा चुक्या तो उसनै बकरयां अर बाछड़याँ का लहू लेकै, पाणी म्ह
मिला लिया अर लाल ऊन अर जूफा (झाड़ी) की छड़ी कै गेल्या, उस नियम-कायदे की किताब अर
सारे माणसां पै छिड़क दिया 20 अर कह्या, "के यो लहू परमेसवर के साथ करे गये करार नै पक्का
करै सै, जिसका हुकम परमेसवर नै थारे खात्तर दिया सै।" 21 अर इस्से तरियां तै उसनै तम्बू अर सेवा
के सारे समान पै लहू छिड़क्या, जित्त सारे माणस आराधना करण लागरे थे। 22 सच तो यो सै के
नियम-कायदे कै मुताबिक आमतौर पै सारी चीज लहू कै जरिये शुद्ध करी जावै सै, मसीह नै जो लहू
बहाया उसके बगैर पापां की माफी कोन्या।

[illegible]

23 यो जरूरी सै के तम्बू अर उसकी सारी चीज, जो सुर्ग की चिज्जां का हुबहू सै, इन जानवरां का
लहू सै, जो शुद्ध करया जा, पर सुर्ग की चीज नै शुद्ध करण कै खात्तर बढ़िया बलिदानां की जरूरत
थी। 24 क्यूँके मसीह जिस पवित्र जगहां म्ह दाखल होया, वो माणसां के हाथ की बणाई होई न्ही
थी, वो असली तम्बू की सिर्फ एक नकल सै, बल्के वो सीध्धा सुर्ग गया अर इब म्हारी मदद करण
खात्तर परमेसवर कै साथ सै। 25 वो सुर्ग म्ह इस करकै दाखल होया के माणसां के पापां के कारण
बारबार अपणे-आपनै बलिदान करै, जिस तरियां महायाजक हरेक साल दुसरे का लहू लिए पवित्र
जगहां म्ह दाखल होया करै था, 26 जै इसा करणा जरूरी था तो दुनिया की शरुआत तै लेकै इब तक
उसनै बार-बार दुख ठाणा पड़दा, पर इब युग कै आखरी म्ह वो एक ए बर जाहिर होया सै, ताके अपणे
क्रूस पै बलिदान कै जरिये पाप ताहीं दूर कर देवै। 27 अर जिस तरियां माणसां कै खात्तर एक बर
मरणा अर उसकै पाच्छै न्याय का होणा तय सै, 28 उस्से तरियां ए मसीह भी माणसां के पापां की
माफी खात्तर एक बर धरती पै आया अर सूळी पै अपणी जान दे दी, अर जो माणस उसकी बोहड़ण
की बाट देक्खै सै, उनकै उद्धार कै खात्तर दुसरी बर बिना पाप उठाए होए दिखैगा।

10

[illegible]

1 मूसा नबी के नियम-कायदे, आण आळी असली चिज्जां की छाया सै, पर ये वो आळी असली
चीज कोनी, ज्यांतै नियम-कायदा की विधि के मुताबिक बलिदानां कै जरिये जो हरेक साल हर बार

चढ़ाए जावै सै, बलिदान चढ़ाण आळा, कदे भी माणसां नै पूरी तरियां तै शुद्ध न्ही कर सकदा। 2 जै
बलिदानां कै जरिये माणस पूरी तरियां शुद्ध हो जावै, तो उनका चढ़ाणा बन्द क्यांतै न्ही हो जान्दा?
बलिदान करण आळा, आराधना करण आळा अर सेवा करण आळे एक ए बर शुद्ध हो जान्दे, तो
उनका बलिदान चढ़ाण पै भी उनका मन उन ताहीं क्यूँ कहवै सै, के वे पापी सै। 3 उनके जरिये चढ़ाया
गया बलिदान उन ताहीं हर साल यो याद दुआवै सै, के उननै पाप करया सै। 4 क्यूँके या अनहोणी
बात सै, के बळधां अर बकरयां का लहू माणसां के पापां नै माफ करै।

5 इस्से कारण जिब मसीह इस दुनिया म्ह आया तो उसनै परमेसवर तै कह्या, "बलिदान अर भेंट
तन्नै कोनी चाही, पर मेरै खात्तर एक देह त्यार करी सै। 6 बलिदान के रूप म्ह चढ़ाये गये जानवरां
की भेट अर पाप के खात्तर चढ़ाये गये बलिदान तै तू खुश कोनी होया। 7 फेर मसीह नै कह्या, 'लखा,
परमेसवर मै तेरी इच्छा पूरी करण खात्तर आ ग्या सूं, जिसा पवित्र ग्रन्थ मेरै बारै म्ह कहवै सै।' "
8 पैहले तो मसीह कहवै सै, "बलिदान के रूप म्ह चढ़ाये गये जानवरां की भेट अर पाप कै खात्तर
चढ़ाया गया बलिदान कोनी मांग्या, अर ना ए उन भेटां तै तू खुश होया।" हालाकि ये बलिदान तो
नियम-कायदे कै मुताबिक चढ़ाए जावै सै। 9 फेर मसीह यो भी कहवै सै, "लखा, मै तेरी इच्छा पूरी
करण आ ग्या सूं," इस करकै पापां की माफी के पैहले तरिक्कें ताहीं, जो नियम-कायदा के मुताबिक
थे, उननै हटा के नये तरिक्कें तै जो मेरे लहू के जरिये माफ होवै सै, उन ताहीं लाग्गू करुँ। 10 परमेसवर
याए चाहवै था, के हम मसीह यीशु की देह के एके बार बलिदान चढ़ाए जाणकै जरिये पवित्र करे
जावां।

11 पैहले करार के मुताबिक हरेक याजक वेदी के स्याम्ही खड़े होकै रोज सेवा करै सै, अर एक
ए ढाळ के बलिदान नै, जो पापां नै कदे भी दूर न्ही कर सकदे, बार-बार चढ़ावै सै। 12 पर मसीह
जो म्हारा बड़ा याजक सै, उसनै माणसां के पापां कै खात्तर एक ए बलिदान के रूप म्ह, परमेसवर
के स्याम्ही सदा कै खात्तर अपणे-आप ताहीं चढ़ा दिया, अर परमेसवर कै सोळी ओड़ महिमामय
जगहां म्ह पै जा बेठ्या, 13 अर उस्से बखत तै मसीह इस बात की बाट देखण लागरया सै, के कद
परमेसवर उसके बैरियाँ नै पूरी तरियां तै हरावैगा। 14 क्यूँके क्रूस पै बलिदान के जरिये, परमेसवर नै
जिन माणसां ताहीं पवित्र करया, उन ताहीं सदा खात्तर सिध्द कर दिया सै। 15 अर पवित्र आत्मा
भी हमनै यीशु के बलिदान के बारें म्ह याए गवाही देवै सै, के यो सच सै, अर म्हारे ताहीं यो बतावै
सै के परमेसवर नै इस बलिदान के बारें म्ह के कह्या सै।

16 "प्रभु कहवै सै, के जो नया करार, मै आण आळे दिनां म्ह, उनतै करुँगा, वो यो सै, के मै अपणे
नियम उन ताहीं याद दुआऊँ, अर नियमां नै मानण म्ह उनकी मदद करुँगा।" 17 फेर यो भी कहवै
सै, "मै उनकै पापां नै अर उनकै अधर्म के काम्मां नै दुबारा याद कोनी करुँगा।" 18 अर जिब पापां
की माफी होग्यी तो पापां खात्तर बलिदान चढ़ाण की कोए जरूरत कोनी। 19 ज्यांतै हे बिश्वासी
भाईयो, यीशु कै सलीब पै लहू बहाण कै जरिये हम पिता कै धोरै बिना डरे घणी पवित्र जगहां म्ह
जा सका सां। 20-21 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, परमेसवर के परिवार म्ह म्हारे खात्तर एक सबतै
उत्तम याजक निर्धारित सै, यीशु कै सलीब पै लहू बहाण कै जरिये म्हारे खात्तर एक नया अर जिन्दगी
देण आळा राह खोल दिया सै। जिस ताहीं उसनै उस पड़दे, यानिके अपणी देह के बलिदान के जरिये
म्हारे ताहीं घणी पवित्र जगहां म्ह जाण का साहस होया सै। 22 तो आओ, हम सचे मन अर पूरे
बिश्वास कै गेल्या, अर अपणी अन्तरात्मा ताहीं पापां तै मुक्त करण खात्तर अर सच्चे मन तै, देह
ताहीं शुद्ध पाणी तै धोकै, परमेसवर कै लोवै जांवा। 23 अर इब हम बिना किसे शक के अपणी उस
आस म्ह मजबूत रहवां, जिस ताहीं हमनै मान्या सै, क्यूँके जिसनै वादा करया सै, वो बिश्वास जोग्गा
सै। 24 अर हम यो भी खास ध्यान राक्खां के हम आप्पस म्ह प्यार, अर भले काम्मां म्ह उकसाण कै
खात्तर हम एक-दुसरे की फिक्र करते रहवां। 25 अर हम आराधना सभायां म्ह लगातार कठ्ठे होण
म्ह सुस्त ना हो जावां, जिसा के भोत-से तो सुस्त हो भी लिये सै, पर एक-दुसरे नै उत्साहित करते
रहों, जिसा के थम जाणो सों, के यीशु का आण का बखत लोवै सै। 26 क्यूँके मसीह नै जाणण कै बाद

जै हम जाण-बुझकै पाप करदे रहवां, तो पापां की माफी खात्तर फेर कोए बलिदान बाकी न्ही बचा।
27 तो हाँ, परमेसवर के न्याय का दिन आवैगा, अर वो अपणे बिरोधियाँ नै नाश कर देवैगा, अर ये
सारी बात होण आळी सै। 28 जो माणस मूसा नबी के नियम-कायदा के मुताबिक दो या तीन माणसां
की गवाही पै, बिना दया कै मार दिया जावै सै, 29 तो सोच ल्यो के वो माणस और भी भारया दण्ड
कै जोग्गा ठहरैगा, जिसनै परमेसवर के बेट्टे की कदर न्ही जाणी अर मसीह के लहू ताहीं अपवित्र
जाण्या, जो उस ताहीं शुद्ध करै सै, अर उस पवित्र आत्मा का अपमान करै सै, जो हमनै अनुग्रह
देवै सै। 30 क्यूँके हम उसनै जाणा सा, जिसनै कह्या सै, "बदला लेणा मेरा काम सै, मै ए बदला
दियुँगा।" अर फेर यो भी कह्या के "प्रभु अपणे माणसां का न्याय करैगा।" 31 जिन्दे परमेसवर कै
हाथ्थां म्ह पड़णा भयानक (डरावणी) बात सै। 32 पर उन पाच्छले दिनां नै याद करो, जिब थमनै
पैहली बार मसीह पै बिश्वास करया अर परमेसवर कै खात्तर दुख ठाण म्ह पाच्छै न्ही हटे। 33 कदे-
कदे तो माणसां नै सब कै स्याम्ही थारी बुराई करी अर थारे ताहीं मारा पिटया भी, अर थमनै उन
माणसां कै गैल भी दुख सहया जो इसे दुख ठावै सै। 34 क्यूँके जो लोग कैद म्ह थे, उनकै दुख म्ह भी
थम दुखी होए, अर अबिश्वासी नै थारी सम्पत्ति ताहीं भी लूट ली, तो थम लुटण खात्तर भी तैयार
होगे, न्यू जाणकै के थारे गेल्या एक और भी सारया तै बढ़िया अर सारी हाण ठहरण आळी सम्पत्ति
सै। 35 ज्यांतै अपणे दुख म्ह भी बिश्वास म्ह बणे रहो क्यूँके उसका ईनाम बड्डा सै। 36 क्यूँके थारा
धीरज धरणा जरूरी सै, ताके थम परमेसवर की इच्छा नै पूरी करकै वो पा सको जो परमेसवर नै थारे
तै वादा करया सै। 37 "क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, घणाए थोड़ा बखत रहग्या सै, जिब के
आण आळा आवैगा अर वार न्ही करैगा। 38 पर मेरे धर्मी माणस बिश्वास तै जिन्दा रहवैंगे, जै वो
बिश्वास तै पाच्छै हट जावै तो मेरा मन उसतै राज्जी कोनी होवैगा।" 39 पर हम बिश्वास तै हटण
आळे कोनी के नाश हो जावै पर परमेसवर पै बिश्वास करण आळे सां ताके हम अनन्त मौत तै बचाएँ
जावां।

11

??????? ?? ??????

1 जो माणस परमेसवर म्ह बिश्वास करै सै, वो ये बात आच्छी तरियां जाणै सै, के परमेसवर वे
चीज उन ताहीं जरुर देवैगा, जिसकी आस वे राक्खै सै। उननै पूरा बिश्वास सै, के जो चीज उननै
इब्बे न्ही देक्खी, वो असलियत म्ह सै। 2 म्हारे पूर्वजां नै परमेसवर म्ह इस तरियां बिश्वास करया
था, इस करकै परमेसवर उनतै खुश थे। 3 बिश्वास तै ए हम जाणा सां, के सृष्टि परमेसवर के वचन
तै बणी सै। हम या भी जाणै सां, के जो चीज हम देख सका सां, वे अनदेक्खी चिज्जां म्ह तै बणी सै।
4 बिश्वास तै ए आदम के बेट्टे हाबिल नै, अपणे बड़े भाई कैन तै घणा बढ़िया बलिदान परमेसवर
कै खात्तर चढ़ाया, अर उस बलिदान के जरिये परमेसवर नै गवाही दी, के हाबिल एक धर्मी जन सै,
क्यूँके परमेसवर उसकी भेंट तै खुश था, इब हाबिल मर लिया सै, अर हमनै उसके जरिये परमेसवर पै
बिश्वास करणा सिख्या सै। 5 हनोक के बिश्वास के जरिये परमेसवर नै उस ताहीं जिन्दा ए सुर्ग पै उठा
लिया, इस बजह तै इब ताहीं किसे नै उसकी लाश न्ही मिली, सुर्ग म्ह जाण तै पैहले उसनै परमेसवर
ताहीं खुश करया था, जिसा के परमेसवर का पवित्र ग्रन्थ बतावै सै। 6 माणस परमेसवर नै खुश
कर सकै सै, जै वे उसपै बिश्वास करै तो। क्यूँके परमेसवर कै धोरै आणआळे माणस नै बिश्वास करणा
चाहिये के वो परमेसवर सै, अर वो पूरी सच्चाई तै अपणे टोह्ण आळे नै ईनाम देवै सै। 7 बिश्वास ए तै
नूह नै परमेसवर के जरिये बाढ़ की चेतावनी पाकै, जिस ताहीं उसनै देख्या भी कोनी था। परमेसवर का
डर मानते होए, अपणे कुण्बे नै बचाण कै खात्तर उसनै जहाज बणाया, नूह के बिश्वास के कारण उसनै
उस बखत के माणसां ताहीं जिननै बिश्वास न्ही करया था, उन ताहीं दोषी ठैहराया, अर वो डूबके
मरगे। नूह नै परमेसवर पै बिश्वास करया था, इस करकै परमेसवर नै उस ताहीं धर्मी ठैहराया था।
8 जिब परमेसवर नै अब्राहम ताहीं किते जाण खात्तर बुलाया था, तो उसनै बिश्वास तै ए परमेसवर
के हुकम ताहीं मानकै, एक इसी जगहां लिकड़ गया, जो जगहां परमेसवर अब्राहम ताहीं उसकी

जायदाद के तौर पै देण आळा था, पर वो या कोनी जाणै था के वो कित्त जावै सै, अर वो फेर भी चला
गया। 9 बिश्वास ए तै जिस देश ताहीं परमेसवर नै देण का वादा करया था, ओड़ अब्राहम नै एक
परदेशी की तरियां रहकै अपणे बेट्टे इसहाक अर अपणे पोत्ते याकूब सुधा तम्बुआ म्ह बसेरा करया,
जो उसकै गेल्या उस्से वादे के वारिस थे। 10 क्यूँके वो उस नगर की जो सुर्ग म्ह सै, अर जिसकी नीम
पक्की सै, उसकी बाट देक्खै था, जिसका रचण आळा अर बणाण आळा परमेसवर सै। 11 यो सिर्फ
बिश्वास ए सै, जिसकै जरिये अब्राहम बाप बण सका, हालाकि अब्राहम भोत बूढ़ा था, अर उसकी
पत्नी सारा भी बाळक न्ही पैदा कर सकै थी, परमेसवर वो जरुर करै सै, जो उन ताहीं वादा करया
था। 12 जिब अब्राहम इतणा बूढ़ा होग्या था, के मरण आळा ए था, तो अकास म्ह सुर्ग के तारां
अर समुन्दर के किनारे की बाळू की तरियां उसके अनगिणत वंश पैदा होए। 13 ये सारे माणस जिननै
परमेसवर पै बिश्वास करया था, वे उन चिज्जां नै पाए बिना मरगे, जिसका परमेसवर नै उन खात्तर
वादा करया था। वादा करी होई चीज न्ही पाई, पर उननै अपणे मन म्ह देखकै राज्जी होए अर मान
लिया के हम धरती पै परदेशी अर बाहर के सां। 14 ये उन माणसां के बारें म्ह सै, जो कहवै सै के वे
इस दुनिया म्ह अजनबी सै, वे दिखावै सै के अपणे देश की टोह् म्ह सै। 15 अर जिस देश तै वे लिकड़
आये थे, जै उसके बारें म्ह सोचते तो वे उल्टा जा सकै था। 16 पर वे एक घणा बढ़िया यानिके सुर्गीय
देश के चाहण आळे सै, इस्से खात्तर परमेसवर उनका परमेसवर कुह्वाण म्ह खुशी महसूस करै सै,
क्यूँके उसनै उनकै खात्तर एक नगर त्यार करया सै।

17 बिश्वास ए तै अब्राहम नै, परखे जाणकै बखत म्ह, अपणे बेट्टे इसहाक ताहीं बलिदान चढ़ाया,
उस्से नै परमेसवर के वादा ताहीं पाया, क्यूँके वो अपणे इकलौते बेट्टे की बलि देण खात्तर भी तैयार
होग्या था। 18 अर जिसतै न्यू कह्या गया था, "इसहाक तै तेरा वंश कुह्वावैगा," वोए अपणे एकलौते
बेट्टै ताहीं बलिदान चढ़ाण लाग्या। 19 क्यूँके उसनै मान लिया, के परमेसवर सामर्थी सै के इसहाक
ताहीं मरे होया म्ह तै जिन्दा कर सकै सै। यो इसाए था के उननै इसहाक ताहीं मौत के मुँह तै उल्टा
पा लिया हो, उदाहरण की रीत पै वो उस ताहीं फेर मिल्या। 20 बिश्वास ए तै इसहाक नै अपणे
दो बेट्टे याकूब अर एसाव ताहीं आण आळी बात्तां कै बारै म्ह आशीर्वाद दिया। 21 बिश्वास ए
तै याकूब नै मरदे बखत यूसुफ के दोन्नु बेटयाँ म्ह तै एक-एक ताहीं आशीर्वाद दिया, अर अपणी
लाठ्ठी का सहारा लेकै प्रभु की आराधना करी। 22 बिश्वास ए तै यूसुफ नै, जिब वो मरण पै था, तो
आत्मबिश्वास तै कह्या, के इस्राएल के माणस मिस्र देश छोड़ देंगे, हुकम देकै जिब वो मिस्र देश
छोड़ के जान्दे, तो उसकी हाड्डियाँ ले जान्दे। 23 तब मिस्र के राजा नै यो हुकम दिया था के सारे
इस्राएली छोरे पैदा होण पै मारे जावैंगे, तो बिश्वास के कारण ए तै मूसा नबी कै माँ-बाप नै उस
ताहीं, पैदा होए पाच्छै तीन महिन्ने ताहीं ल्हकोए राख्या, क्यूँके उननै देख्या के बाळक भोत सुथरा
सै, अर वे राजा कै हुकम मानण तै डरे कोनी थे। 24 मिस्र देश के फिरौन की बेट्टी नै मूसा ताहीं
अपणालिया था, जिब मूसा बड़ा होया, बिश्वास तै वो न्ही चाहवै था, के माणस उस ताहीं राजकुमारी
के बेट्टे कै रूप म्ह बुलावै। 25 ज्यांतै के उस ताहीं पाप म्ह माड़े-से दिन के सुख भोग्गण तै परमेसवर
के माणसां कै गेल्या दुख भोगणा घणा बढ़िया लाग्या। 26 उसनै मसीह कै कारण बदनाम होण ताहीं
मिस्र देश कै भण्डार तै बड्ड़ा धन समझया, क्यूँके वो जो करण लागरया था, उस ताहीं वो जाणै
था, के सुर्ग म्ह उसका ईनाम मिलैगा। 27 बिश्वास ए तै राजा कै छो तै ना डरकै उसनै मिस्र देश
ताहीं छोड़ दिया, क्यूँके वो समझ गया था, के उसनै इसा लाग्या, के मान्नो उसनै परमेसवर ताहीं
देख लिया हो, जो अदृश्य सै। 28 बिश्वास ए तै मूसा नबी नै फसह अर लहू छिड़कण का तरीका
मान्या, जिसतै के जेट्ठा का विनाशक दूत इस्राएलियाँ के जेठ्ठे बेट्टा पै हाथ न्ही गेरै।

29 बिश्वास ए तै इस्राएल के माणस लाल समुन्दर कै पार इसे उतरगे, जिस तरियां सूक्खी धरती
पर तै, अर जिब मिस्र देश नै उस्से तरियां ए करणा चाह्या तो समुन्दर उल्टा अपणी जगहां पै आ
ग्या अर बाढ़ आ गयी अर सब डूब मरे। 30 क्यूँके इस्राएल के माणस परमेसवर पै बिश्वास करै

थे, इस करकै वे यरीहो नगर की चारदीवारी के च्यारु ओड़ सात दिनां तक लगातार चालते रहे, तो
चारदीवारी पड़गी। 31 बिश्वास ए तै राहाब बेश्या परमेसवर का हुकम ना मानण आळा कै गेल्या
नाश न्ही होई, उसनै इस्राएली जासूसां का स्वागत करया जो यरीहो नगर नै छुप के देखण आये
थे। 32 इब और के कहूँ? क्यूँके बखत कोनी रहया के गिदोन का, अर बाराक का अर शिमशोन का, अर
यिफतह जिसा माणसां के बारें म्ह, अर दाऊद अर शमूएल का, अर नबियाँ का जिक्र करुँ। 33 इसे
बिश्वास कै जरिये राज्य जीत्ते, धर्म के काम करे, वादा करी होई चीज पाई, शेर उन ताहीं खा न्ही
सका। 34 आग की ज्वाला ताहीं शीळा करया, तलवार की धार तै बच लिकड़े, एक बार कमजोर होण
पै फेर तै ठाड्डे बणा दिया, वे लड़ाई म्ह वीर लिकड़े, उननै अपणे दुश्मनां की पलटन ताहीं खदेड़
दिया। 35 लुगाईयाँ नै अपणे मरे होया ताहीं दुबारा जिन्दा पाया, कितने तो मार खांदे-खांदे मरगे अर
वे अपणा बिश्वास न्ही छोड़णा चाहवै थे, ताके वे जेळ तै रिहा करे जा सकै, ज्यांतै के घणे मरण के
बाद फेर तै जिन्दा हो जावै, अर वे एक बढ़िया जिन्दगी पा सकै। 36 घणखरयां नै मखौल म्ह उड़ाया
गया, अर कई नै कोड़े खाणे पड़े, बल्के कई नै बेलां तै जुड़कै, जेळ म्ह गेरया गया। 37 कईयाँ पै
पत्थर बरसाए गए, आरै तै चीरे गये, कईयाँ ताहीं तलवार तै मौत के घाट उतार दिया गया, वे गरीब
थे, उन ताहीं यातनाए भी दी गई, अर उनकै गैल बुरा व्यवहार करया गया, वे भेड्डां अर बकरियाँ की
खाल ओढ़ कै आस्सै-पास्सै भटकदे रहे। 38 अर जंगळां, अर पहाड़ां, अर गुफायां म्ह, अर धरती की
दरारां म्ह भटकदे हाँडें। या बुरी दुनिया इन बिश्वासियाँ जोग्गी कोनी थी। 39 बिश्वास ए कै जरिये
इन सारया कै बारै म्ह परमेसवर नै उनके तारीफ करी सै, तोभी वादा करी होई उस चीज नै वो पा न्ही
सकै जो परमेसवर नै उन ताहीं वादा करया था। 40 क्यूँके परमेसवर कै धोरै सिर्फ उनकै खात्तर न्ही,
बल्के म्हारै खात्तर भी एक घणी बढ़िया तरकीब सै, परमेसवर उन ताहीं सिध्द बणाणा चाहवै सै, पर
सिर्फ म्हारै साथ मिलकै।

12

[illegible]

1 इस बजह तै जिब घणखरे माणसां के बिश्वास की गवाही जो उनकी जिन्दगी म्ह सै, म्हारे बारें म्ह
बड़े बाद्दळ की तरियां घेरे होए सै, तो आओ, हरेक रोकणआळी चीज अर उलझाण आळे पाप ताहीं
दूर करकै, अर राह पै हमनै चालणा सै, धीरज तै चाल्ला। 2 अर बिश्वास के कर्ता अर सिध्द करण
आळे यीशु की ओड़ लखान्दे रहवां, उस आनन्द कै खात्तर जो बिश्वास म्ह मिलण आळा था, शर्म की
कुछ परवाह न्ही करकै क्रूस का दुख सहया, अर परमेसवर कै सिंहासन कै सोळी ओड़ महिमामय
जगहां जा बेठ्या। 3 यीशु के उदाहरण कै बारें म्ह सोच्चो, जिसनै अपणे बिरोध म्ह पापियाँ का
इतणा बिरोध सह लिया ताके थम निराश होकै हिम्मत ना छोड़ द्यो। 4 पाप के बिरुध्द अपणे संघर्ष
म्ह थमनै उसतै इसी मुठभेड़ न्ही करी के थारा लहू बह्या हो, 5 अर थम उस उपदेश ताहीं, जो थारे
ताहीं बेट्टा की तरियां दिया जावै सै, भूल गये सो: “हे मेरे बेट्टे, प्रभु की ताड़ना नै हल्की बात
ना जाण, अर जिब वो तन्नै घुड़कै तो हिम्मत ना छोड्डै। 6 क्यूँके प्रभु जिसतै प्यार करै सै, उसकी
ताड़ना भी करै सै, अर जिस ताहीं बेट्टा बणा लेवै सै, उसकै कोड़े भी मारै सै, ताके अपणे बाळकां
नै सुधार सकै।”

7 थम दुख नै पिता की ताड़ना समझकै सह ल्यो, परमेसवर थारे ताहीं बेट्टा जाणकै थारे गेल्या
सलूक करै सै वो कौण सा बेट्टा सै, जिसकी ताड़ना पिता न्ही करदा? 8 जै वा ताड़ना जिसकै सब
भागी होवै सै, अर थारी कोनी होई, तो थम परमेसवर की ऊलाद कोनी। 9 फेर जिब के म्हारा शारीरिक
पिता भी म्हारी ताड़ना करया करै था अर हमनै उसका आदर-मान करया, तो यो और भी जरूरी सै
के अपणी आत्मायाँ के पिता के ओड़ तै अनुशासन स्वीकार करा सां, ताके म्हारे धोरै अनन्त जीवन
हो। 10 म्हारे धन्यवादी पिता तो, अपणी समझकै मुताबिक थोड़े-से बखत कै खात्तर म्हारी ताड़ना
करै सै, पर वो तो म्हारै फैयदे कै खात्तर करै सै, के हम भी उसके समान पवित्र बण जावां। 11 इस
बखत ताड़ना दी जावै सै, उस बखत ताड़ना आच्छी कोनी लाग्गै, बल्के वा दुख की बात दिखाई

देवै सै। तोभी जो उस ताहीं सहन्दे-सहन्दे पक्के होगे सै, बाद म्ह उननै चैन कै गेल्या धर्म का ईनाम
मिलै सै।

□□□□□□ □□ □□□□□□□□

12 इन सारी बात्तां के कारण सब मजबूत बणो अर उत्साहित होओ, 13 अर अपणे पायां कै खात्तर
सीध्धी राही बणाओ के लंगड़ा भटक ना जावै पर भला-चंगा हो जावै। 14 सारया तै मेळ-मिलाप
राक्खो, अर पवित्र होण खात्तर हरेक ढाळ की कोशिश म्ह रहो, जिसकै बिना कोए प्रभु ताहीं कदे
भी न्ही देक्खैगा। 15 सावधान रहो, इसा ना हो के कोए परमेसवर कै अनुग्रह तै दूर रह जावै या
कोए कड़वी जड़ फूटकै दर्द देवै, अर उसकै जरिये घणखरे माणस परमेसवर के सच्चे रास्ते तै भटक
जावै सै। 16 इसा ना हो के कोए माणस जार, या अब्राहम के पोत्ते एसाव की तरियां उस म्ह कोए
बुराई ना होवै, क्यूँके वो जेट्ठा बेट्टा था, उसनै खास उत्तराधिकारी होण का हक था, पर उसनै
अपणे जन्म सिध्द होण के पद का सम्मान न्ही करया, इस करकै उसनै अपणे छोट्टे भाई याकूब
ताहीं एक बर के खाणे कै बदले म्ह अपणा जन्म सिध्द होण का पद बेच दिया। 17 थमनै बेरा सै के बाद
म्ह जिब उसनै आशीष पाणी चाही तो उस ताहीं मना कर दिया गया, अर आँसू बहा-बहाकै आशीष
के मांग्गण पै भी वो पैहले जो कुछ भी करया था, उस ताहीं बदलण खात्तर कुछ भी न्ही कर सका।
18 थम आग की लपटे, अन्धेरे, काळी घटा जिसा असली पहाड़ पै न्ही आये सों, जिसा के इस्राएल
के माणस सीनै पहाड़ पै आये थे, जिब परमेसवर नै उन ताहीं अपणे नियम दिए थे। 19 थम तुरही
की आवाज कै धोरै कोनी सों, अर बोल्लण आळे के इसे शब्द कै धोरै न्ही आए, जिसकै सुणआळे
तै बिनती करी के इब म्हारै तै और बात ना करी जावै। 20 उननै इसा इस करकै कह्या, क्यूँके वे इस
हुकम नै बर्दाशत न्ही कर सकै, के परमेसवर नै उनतै कह्या था, "जै कोए पशु भी पहाड़ ताहीं छुवै तो
उसपै पत्थर बरसाये जावै।" 21 अर वो दर्शन इसा डरावणा था के मूसा नबी नै भी कह्या, "मै घणा
डरुँ अर काप्पू सूं।"

22 पर थम सिय्योन कै पहाड़ पै आये सों, जित्त सुर्गीय यरुशलेम सै, जो जिन्दे परमेसवर का नगर
सै, उसकै धोरै अर लाखों सुर्गदूत खुशी उत्सव मनावै सै। 23 थम उन परमेसवर के खास बाळकां की
सभा अर कलीसिया म्ह आये सों, जिनकै नाम सुर्ग म्ह लिक्खे होए सै, परमेसवर कै धोरै जो सब
का न्यायी सै, सुर्ग म्ह धर्मी माणसां की आत्मायाँ खात्तर जो इब सिध्द करे गये सै। 24 थम यीशु
कै धोरै आए सों, जो परमेसवर अर माणसां के बीच म्ह करार बणाया, अर छिड़काव का लहू जो
माफी के बारें म्ह बोल्लै सै, ना के न्याय के बारें म्ह, जो हाबिल कै लहू तै घणी बढ़िया बात कहवै सै।
25 सावधान रहो, परमेसवर के हुकम मान्नो, जो थारे तै बात करण लागरया सै, क्यूँके इस्राएल के
माणस जिब धरती पै मूसा नबी की चेतावनी पाकै बच पाए, क्यूँके उननै मूसा नबी की बात कोनी
मान्नी थी, तो हम सुर्ग पै तै चेतावनी देण आळे परमेसवर तै मुँह मोड़कै उसके छो तै किस तरियां
बच सकांगें? 26 जिब परमेसवर सीनै पहाड़ पै तै बोल्या, तो उसकै शब्द नै धरती ताहीं भी हला
दिया, पर इब उसनै यो वादा करा सै, "एक बर फेर मै ना सिर्फ धरती ताहीं बल्के अकास ताहीं भी
हला देऊँगा।" 27 अर यो बोल "एक बर फेर" इस बात ताहीं दिखावै सै के बणाई होई चीज हलाई,
अर हटा दी जावैंगी, ताके जो चीज हलाई न्ही जान्दी, वे पक्की तरियां बणी रहवैं। 28 हमनै जो
राज्य मिला सै वो न्ही हिलाया जा सकता, इस कारण हमनै उसका धन्यवादी होणा चाहिए, जिसकै
जरिये हम भगति, अर भय सुधा परमेसवर की इसी आराधना कर सकां सां जिसतै वो राज्जी होवै
सै, 29 क्यूँके म्हारा परमेसवर राख करण आळी आग सै।

13

□□□□□ □□□□□ □□□ □□ □□□□□□□□

1 एक-दुसरे तै भाण-भाई की तरियां प्यार करो। 2 अजनबी की भी सेवा पाणी करो, क्यूँके इसके
जरिये कई माणसां नै अनजाणे म्ह सुर्गदूत्तां का आदर-मान करया सै। 3 कैदियाँ का इस ढाळ बेरा

लेओ के मान्नो उनकै गैल थम भी कैद सो, अर जिन ताहीं पीड़ित करया जावै सै, जिसा के थम
अपणी देह म्ह दर्द महसूस करो सों। 4 ब्याह सारया म्ह आदर की बात समझी जावै, अर ब्याह होण
के बाद एक-दुसरे के प्रति वफादार रहों, क्यूँके परमेसवर जार, अर बिगान्नी लुगाई कै धोरै जाणीयां
का न्याय करैगा। 5 अपणी जिन्दगी नै धन के लालच तै मुक्त राक्खों, अर जो थारे धोरै सै उस्से पै
सन्तोष करो, क्यूँके उसनै आप्पे ए कह्या सै, "मै तन्नै कदे भी न्ही छोड़ूँगा, अर ना कदे भी त्यागूँगा।"
6 ज्यांतै हम बिना डरे कह्वां सां, "प्रभु मेरा मददगार सै, मै न्ही डरुँगा, माणस मेरा के करै सकै सै।"
7 जो थारे अगुवें थे, अर जिन नै थारे ताहीं परमेसवर का वचन सुणाया सै, उननै याद राक्खो,
अर गौर करो के किस तरियां जीणा अर मरणा सै, परमेसवर म्ह एके तरियां का बिश्वास दिखाओ
जो उननै दिखाया। 8 यीशु मसीह काल अर आज अर युगानुयुग एक सा सै, वो कदे न्ही बदलता।
9 क्यूँके यीशु मसीह कदे न्ही बदलता, इस करकै थम नई अर अलग शिक्षा ना अपणाओ। क्यूँके थारे
मनां खात्तर आच्छा सै, के वे अनुग्रह के जरिये मजबूत बणै, ना के उन खाण-पीण आळी चिज्जां के
जरिये, उन माणसां नै कोए फायदा न्ही होन्दा जो इसे काम करै सै। 10 म्हारै धोरै एक वेदी सै जिस
म्ह तै तम्बू के याजक नै खाण का कोए हक कोनी, जो तम्बू की सेवा करै सै। 11 क्यूँके पैहले करार
के मुताबिक हर साल जिन जानवरां का लहू महायाजक पापबलि कै खात्तर घणी पवित्र जगहां म्ह
पापां की माफी खात्तर ले जावै सै, उनकी देह छावणी कै बाहरणै जळाई जावै सै। 12 इस्से कै कारण,
यीशु नै भी माणसां ताहीं अपणे ए लहू कै जरिये पवित्र करण कै खात्तर यरुशलेम नगर के बाहरणै
दुख सहया अर मारा गया। 13 आओ हम यहूदी नियम-कायदा नै छोड़कै यीशु म्ह बिश्वास करां,
अर उसके साथ दुख ठावां। 14 क्यूँके इस दुनिया म्ह म्हारा कोए स्थाई घर कोनी, बल्के हम एक आण
आळे नगर की टोह् म्ह सां। 15 इस करकै हम प्रभु यीशु कै जरिये हम अपणे होठ्ठां तै परमेसवर
की स्तुति करणा जारी राक्खां, वो म्हारा बलिदान सै, यानिके उन होंठा का फळ जो उसकै नाम का
अंगीकार करै सै, परमेसवर ताहीं सारी हाण चढ़ाया करै। 16 भलाई करणा अर उदारता दिखाणा ना
भूलो, क्यूँके परमेसवर इसे बलिदानां तै राज्जी होवै सै।
17 अपणे अगुवां का हुकम मान्नो अर उनकै अधीन रहो, क्यूँके वे थमनै देक्खण लागरे सै, ताके
थम भटक ना जाओ, अर उन ताहीं अपणी सेवा के बारें म्ह परमेसवर ताहीं लेखा देणा सै, वे यो काम
राज्जी होकै करै, यो काम उदास्सी कै साथ कोनी करणा, क्यूँके इस हालत म्ह थमनै किमे फायदा
कोनी। 18 म्हारै खात्तर प्रार्थना करदे रहो, क्यूँके हमनै भरोस्सा सै के म्हारी अन्तरात्मा शुद्ध सै:
हम हर बखत भले काम करणा चाहवां सां। 19 प्रार्थना करण कै खात्तर मै थमनै और भी समझाऊँ
सूं के मै तावळा थारे धोरै दुबारा आ सकूँ। 20-21 अर इब शान्तिदाता परमेसवर, जिसनै म्हारै प्रभु
यीशु ताहीं मुर्दा म्ह तै जिन्दा करया, वो थारे ताहीं सब कुछ दे, जो उसकी इच्छा पूरी करण खात्तर
चाहिये सै, परमेसवर यीशु मसीह की शक्ति के जरिये वो सब थारे म्ह पूरा करै, जो उस ताहीं खुशी
दे सकै सै, यीशु मसीह भेड्डां का महान् रुखाळा सै, उसनै अपणे लहू कै जरिये सदा के करार नै
स्थापित करया सै, उस ताहीं सदा महिमा मिलती रहवै। आमीन। 22 हे बिश्वासी भाईयो, मै थारे
तै बिनती करुँ सूं, के उत्साहित करण आळे इन सन्देसां ताहीं धीरज तै सह ल्यो, क्यूँके मन्नै थारे
ताहीं थोड़े-से शब्दां म्ह लिख्या सै। 23 थमनै यो बेरा लाग्या हो के तीमुथियुस, म्हारा भाई जेळ
की कैद तै छुटग्या सै, अर जै वो तावळा आ ग्या तो मै उसकै गेल्या थारे तै भेंट करुँगा। 24 अपणे
सारे अगुवां अर सारे पवित्र माणसां ताहीं नमस्कार कहो। इटली देश के बिश्वासी थमनै नमस्कार
कहवै सै। 25 थम सारया पै परमेसवर का अनुग्रह होंदा रहवैं। आमीन।

याकूब की ओड़ तै चिट्ठी

[illegible]

याकूब की चिट्ठी दुनियादारी कै बारें म्ह हिदायतां की एक सूची सै, जो सारे दुनिया म्ह तित्तर-बितर होकै रहण आळे परमेसवर के माणसां खात्तर लिखी गई सै। लेखक मसीह बरताव अर चाल-चलण के खात्तर दुनियादारी ज्ञान अर मार्गदर्शण तै सम्बन्ध हिदायत नै पेश करण खात्तर कई जिन्दा मिसाल का इस्तमाल करै सै। वो कई तरियां की बात्तां नै मसीह नजरिये तै विचार करै सै, जिस तरियां अमीरी अर गरीबी, इम्तिहान, आच्छा चाल-चलण, पक्षपात, बिश्वास, अर कर्म, जीभ के काम, अकलमन्दी, लड़ाई-झगड़ा, घमण्ड अर दीनता, दुसरयां पै दोष लगाणा, डींग मारणा, धीरज धरणा, अर प्रार्थना करणा। या चिट्ठी मसीहयत का पालन करण म्ह बिश्वास के साथ कर्म करण कै उप्पर जोर देवै सै।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1 बिश्वास अर अकलमन्दी 1:2-8
गरीबी अर धन-दौलत 1:9-11
परख अर लोभ 1:12-18
सुणणा अर करणा 1:19-27
पक्षपात कै खिलाफ चेतावनी 2:1-13
बिश्वास अर कर्म 2:14-26
मसीह अर उसकी जीभ 3:1-18
मसीह अर संसार 4:1-5:6
कई तरियां कै आदेश 5:7-20

[illegible]

1 मै याकूब, परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह का दास सूं, मेरी ओड़ तै थम सारया नै मेरा नमस्कार।
मै या चिट्ठी इस्राएल के उन यहूदी मसीह बिश्वासियाँ नै लिखूँ सूं, जिनके बाराह गोत्र सारी दुनिया
म्ह तित्तर-बितर होकै रहण लागरे सै।

[illegible]

2 हे मेरै बिश्वासी भाईयो, जिब थम कई ढाळ की मुसीबतां का सामना करो सो, तो इसनै पूरे
आनन्द की बात समझो, 3 क्यूँके थम जाणो सों, के थारे बिश्वास कै परखे जाण तै धीरज बढ़ै सै।
4 हरेक बात म्ह धीरज धरणा सीखों, ताके थम आत्मिकता म्ह पूरे सिध्द हो जाओ, अर थारे म्ह किसे
बात की कमी ना रहवै। 5 पर थारे म्ह तै जै किसे नै बुद्धि की कमी सै, तो परमेसवर तै माँग्गै, जो
बिना उल्हाणा दिये, सारया नै बड़ी उदारता तै देवै सै, अर उस ताहीं दी जावैगी। 6 पर वो बिना शंका
के बिश्वास तै माँग्गै, अर कुछ शक ना करै, क्यूँके शक करण आळा माणस टिक्या न्ही रहन्दा जो
समुन्दर की उस लैहर की तरियां सै जो हवा के चाल्लण तै उच्छळै सै। 7 शक करण आळा माणस
या बात बिल्कुल ना सोच्चै, कै उसनै प्रभु तै कुछ मिलैगा, 8 वो माणस दोगला सै अर अपणी किसे
बात म्ह टिकता कोनी।

[illegible]

9 जो बिश्वासी भाई गरीब सै, उननै खुश होणा चाहिए, क्यूँके परमेसवर उनकी इज्जत करै सै,
10 अर धनवान अपणे ऊँच्चे पद पै घमण्ड ना करै, क्यूँके वो घास कै फूल की ढाळ सूख जावैगा।
11 सूरज लिकड़दे ए घणा घाम पड़ै सै, अर घास नै सुक्खा देवै सै, अर उसका फूल झड़ जावै सै, अर
उसकी खूबसूरती जान्दी रहै सै। इस ढाळ धनवान भी अपणे काम करदे-करदे माट्टी म्ह मिल ज्या
जावैगा।

[illegible]

12 धन्य सै वो माणस जो परखे जाण पै खरे उतरै सै, क्यूँके परखे जाणकै बाद ए जीवन का वो मुकुट
पावैंगें, जिसका वादा परमेसवर नै उन माणसां तै करया सै, जो परमेसवर तै प्यार करै सै। 13 जिब
किसे की परख हो सै, तो वो या ना कहवै के परमेसवर मन्नै परखण लागरया सै, क्यूँके परमेसवर बुरी
बात्तां की परख म्ह कोनी पड़ता, अर ना वो किसे की परख आप करै सै। 14 पर हरेक माणस अपणी
ए लालसा म्ह पड़कै अर फँसकै परख्या ज्या सै। 15 जिब बुरी इच्छा भोत घणी बढ़ ज्या सै, तो पाप
नै जन्म देवै सै, अर पाप जिब भोत घणा बढ़ जावै सै, तो अनन्त मौत नै जन्म देवै सै।
16 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, धोक्खे म्ह ना रहों। 17 क्यूँके हरेक आच्छा वरदान अर हरेक
उत्तम दान परमेसवर की ओड़ तै ए सै, जो सिध्द सै, जिसनै आसमान की ज्योतियाँ बणाई सै, अर वो
इनकी छाया की तरियां कदे बदलता कोनी। 18 उसनै अपणी ए इच्छा तै, म्हारै ताहीं सच के वचन
कै जरिये जन्म दिया, ताके हम उसकी बणाई होई रचना म्ह सब तै खास हो, जिस तरियां किसान
खात्तर फसल का पैहला हिस्सा नाज होवै सै।

[illegible]

19 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, या बात थम जाण ल्यो, हरेक माणस सुणण कै खात्तर तैयार अर
बोल्लण म्ह उतावळा ना हो, अर अपणे छो नै काब्बू म्ह करण आळा हो। 20 क्यूँके माणस जिब छो
म्ह हो सै तो वो धार्मिकता के काम न्ही कर सकता, जो परमेसवर उसतै करवाणा चाहवै सै। 21 इस
करकै सारे मन की गंदगी अर नफरत नै दूर करकै, परमेसवर के उस वचन नै नम्रता तै मान ल्यो,
जो मन म्ह बोया गया सै, अर जो थारे प्राणा का उद्धार कर सकै सै।
22 पर परमेसवर के वचन पै चाल्लण आळे बणो, अर सिर्फ सुणण आळे ए न्ही, जो अपणे-आपनै
धोक्खा देवै सै।
23 क्यूँके जो कोए परमेसवर के वचन का सुणण आळा हो, अर उसपै चाल्लण आळा ना हो, तो वो
उस माणस कै समान सै, जो अपणा मुँह शीशे म्ह देक्खै सै। 24 इस करकै के वो अपणे-आपनै देखकै
चाल्या जावै सै, पर जिब्बे भूल जावै सै, के मै किसा था। 25 पर जो माणस ध्यान तै परमेसवर के
सिध्द नियम-कायदा नै पढ़ता रहवै सै, जो हरेक माणसां नै पापां तै आजादी देवै सै, परमेसवर उसनै
आशीर्वाद देवैगा, क्यूँके वो सुणकै भूलता कोनी, पर उसाए करै सै।
26 जै कोए अपणे-आपनै परमेसवर का भगत समझै, अर अपणी जीभ पै लगाम ना लगावै, पर
अपणे मन नै धोक्खा दे, तो उसकी भगति बेकार सै। 27 म्हारे पिता परमेसवर की नजर म्ह सच्ची
अर शुद्ध भगति या सै, के अनाथ्थां अर विधवाया के क्लेश म्ह उसकी सुधि ले, अर अपणे-आपनै
दुनिया तै बेदाग राक्खै।

2

[illegible]

1 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, थम म्हारे महिमामय प्रभु यीशु मसीह के चेल्लें सों, इस करकै थारे म्ह
भेद-भाव की भावना ना हो। 2 जै एक माणस सोन्ने के छल्ले अर सुथरे लत्ते पहरे होए थारी मण्डली
म्ह आवै, अर एक कंगाल भी मैल्ले कुचेले लत्ते पहरे होए आवै, 3 अर थम उस सुथरे लत्ते आळे नै
इज्जत देकै कहो, "तू ओड़ै खास जगहां बैठ," अर उस कंगाल तै कहो, "तू ओड़ै खड्या रहै," या
"मेरै पायां धोरै बैठ।" 4 तो के थमनै भेद-भाव कोनी करया, अर बुरे विचार तै न्याय करण आळे न्ही
बणे?
5 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, सुणो। के परमेसवर नै इस दुनिया के कंगालां ताहीं न्ही छाटया,
के बिश्वास म्ह धनी हो जाओ, अर उस राज्य के अधिकारी हो जाओ, जिसका वादा उसनै उनतै
करया सै, जो उसतै प्यार करै सै? 6 पर थमनै उस कंगाल की बेजती करी सै। के धनी माणस ए थारे
पै जुल्म न्ही करदे, अर के वे थमनै कोट-कचेहड़ी म्ह न्ही घसीट-घसीट कै ले जान्दे? 7 ये वे धनी
माणस ए सै, जो प्रभु यीशु के महिमामय नाम की, जिसके थम कहवाओ सों, बेजती करै सै।

8 तोभी जै थम पवित्र ग्रन्थ के इस वचन कै मुताबिक के “तू अपणे पड़ोसी तै अपणे समान प्यार
कर” साच्चे उस राजसी नियम नै पूरा करो सों, तो आच्छा ए करो सों। 9 पर जै थम भेद-भाव करो
सों तो पाप करो सों, अर मूसा के नियम-कायदे थमनै कसूरवार बतावै सै। 10 क्यूँके जो कोए मूसा
के सारे नियम-कायदे नै पुगावै सै, पर एके बात म्ह चूक जावै, तो वो सारी बात्तां म्ह कसूरवार बण
लिया सै। 11 इस करकै के जिसनै यो कह्या, “तू जारी ना करिये” उस्से नै यो भी कह्या, “तू हत्या ना
करिये,” इस करकै जै तन्नै जारी तो कोनी करी, पर हत्या करी सै, तोभी तू नियम-कायदा का तोड़ण
आळा बणग्या।
12 इस करकै थारी कथनी अर करणी उनके समान हो, जिनका न्याय उस नियम-कायदा कै मुताबिक
करया जावैगा, जो म्हारे ताहीं आजादी देवै सै।
13 क्यूँके जिसनै दया न्ही करी, उसका न्याय बिना दया के होगा: जै थम दुसरयां पै दया न्ही करते,
तो न्याय के दिन परमेसवर भी थारे पै दया कोनी करैगा।

[illegible]

14 हे मेरै बिश्वासी भाईयो, जै कोए कहवै के मै प्रभु यीशु मसीह पै बिश्वास करुँ सूं, पर वो उसकै
मुताबिक आच्छे काम न्ही करदा हो, तो इसतै के फायदा? कै इसा बिश्वास उसका उद्धार कर सकै
सै? 15 जै कोए बिश्वासी भाई या भाण जिनकै धोरै पैहरण खात्तर भी लत्ते ना हो, अर उननै रोज
खाण नै भी ना मिलता हो, 16 मान ल्यो थारे म्ह तै कोए उनतै कहवै, “ठीक-ठाक जाओ, थम गरम
लत्ते पैहरो अर छिके रहों,” पर जो चीज देह खात्तर जरूरी सै, वा उनतै ना देवै, तो के फायदा?
17 उस्से तरियां बिश्वास भी, जै आच्छे कर्म सुधा ना हो, तो अपणे सुभाव म्ह मरया होया सै।
18 बल्के कोए या कह सकै सै, “तन्नै बिश्वास सै, अर मै कर्म करुँ सूं।” तू अपणा बिश्वास मन्नै
आच्छे कर्म बिना तो दिखां, अर मै अपणा बिश्वास तन्नै अपणे कर्मां कै जरिये दिखाऊँगा। 19 तन्नै
बिश्वास सै, के एके परमेसवर सै, तू आच्छा करै सै। ओपरी आत्मा भी बिश्वास करै सै, अर डर तै
थरथर काप्पै सै।
20 पर हे बिना अकल के माणस, के तू यो भी न्ही जाण्दा के बिना आच्छे कर्म बिश्वास बेकार
सै? 21 म्हारे पूर्वज अब्राहम नै अपणे बेट्टे इसहाक ताहीं (बलि खात्तर) वेदी* पै चढ़ाया, तो वो
आच्छे कर्मां तै धर्मी ठहरया गया। 22 थमनै देख लिया के उसके काम कै गैल बिश्वास नै मिलकै
असर करया, अर आच्छे काम के कारण उसका बिश्वास सिध्द होग्या। 23 अर पवित्र ग्रन्थ का यो
वचन पूरा होया: “के अब्राहम नै परमेसवर का बिश्वास करया,” अर इस खात्तर धर्मी बण गया,
अर वो परमेसवर का साथी कुह्वाया। 24 इस ढाळ थमनै देख लिया, के माणस सिर्फ बिश्वास तै ए
न्ही, पर भले कर्मां तै भी धर्मी मान्ना जावै सै।
25 उस्से तरियां राहाब बेश्या भी, जिब उसनै जासूसां ताहीं अपणे घर म्ह शरण दी अर दुसरे राह
तै बिदा करया, तो आच्छे कर्मां तै वा धर्मी बणी। 26 जिस तरियां देह आत्मा बिना मरी होई सै, उस्से
तरियां बिश्वास भी आच्छे कर्म बिना मरया होया सै।

3

[illegible]

1 हे मेरै बिश्वासी भाईयो, थारे म्ह तै कलीसिया म्ह घणे उपदेशक ना बणै, क्यूँके थम जाणो सों के
हम जो उपदेशक सां, म्हारा न्याय दुसरयां तै भी घणा सख्ताई तै करया जावैगा। 2 हम सब घणीए
बार चूक जावां सा, पर जो कोए मुँह तै गलत बात न्ही बोलता, वोए तो सिध्द माणस सै, अर वोए
सारी देह पै भी लगाम लगा सकै सै।
3 जिब हम बस म्ह करण खात्तर घोडया कै मुँह पै लगाम लगावा सां, तो हम उस घोड़े नै भी
काब्बू कर सकां सां। 4 चाहे हवा कितनी भी तेज क्यूँ ना हो, एक छोट्टी सी पतवार तै, एक माँझी
एक बड़े जहाज नै भी मोड़ सकै सै।

---

* **2:21** 2:21 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

5 उस्से तरियां जीभ भी एक छोट्टा सा अंग सै, अर वा बड़ी-बड़ी बात करण की डींग मारै सै।
देक्खों, छोट्टी सी चिंगारी तै कितने बड़े बण म्ह आग लाग ज्या सै। 6 हाँ, जीभ एक आग के समान
सै, या म्हारे देह का एक इसा खतरनाक हिस्सा सै, जो माणस तै अधर्म के काम करवा देवै सै, अर
उसकी पूरी जिन्दगी नै बरबाद कर देवै सै, या म्हारे जीवन नै नरक की आग के समान खतम कर सकै
सै।
7 हरेक ढाळ के जंगळी पशु, पंछी, रेंगण आळे जन्तु, अर पाणी के जीव, तो माणस कै बस म्ह
हो सकै सै, अर बस म्ह हो भी गये। 8 पर जीभ नै कोए भी बस म्ह न्ही कर सकता, या एक इसी
खतरनाक बला सै, जो कदे रूकती कोन्या, जो साँप के समान, जहर तै भरी होई सै।
9 जीभ तै ए हम पिता परमेसवर अर प्रभु की बड़ाई करा सां, अर इस्से तै जो परमेसवर कै रूप
म्ह बणाये गये माणसां नै श्राप देवां सां। 10 एके मुँह तै आशीष अर श्राप दोनु लिकड़ै सै। हे मेरे
बिश्वासी भाईयो, इसा न्ही होणा चाहिए। 11 धरती के एके चोवै[*] तै मिठ्ठा अर खारा पाणी दोनु
न्ही लिकड़ सकदे। 12 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, के अंजीर कै पेड़ म्ह जैतून, या अंगूर की डाळी म्ह
अंजीर लाग सकै सै? उस्से तरियां खारे चोवे तै मिठ्ठा पाणी न्ही लिकड़ सकता।

[illegible]

13 जै थम समझदार अर परमेसवर की बात्तां नै समझण आळे माणस सों, तो इस बात नै नरमाई
अर समझदारी तै एक आच्छा जीवन जी के, साबित करो। 14 पर जै थारे मन म्ह घणी जळण अर
मतलबीपण सै, तो अपणे ज्ञान का ज्यादा दिखावा ना करो, क्यूँके इसा करण तै थम सच नै छुपाओ
सों। 15 इसा ज्ञान परमेसवर की ओड़ तै न्ही, बल्के वो ज्ञान दुनियावी, शारीरिक अर शैतान की ओड़
तै सै। 16 क्यूँके जड़ै जळण अर मतलबीपण होवै सै, ओड़ै बखेड़ा अर हरेक ढाळ के बुरे काम भी होवै
सै।
17 पर जो ज्ञान परमेसवर देवै सै, वो पैहला तो पवित्र होवै सै, फेर शांतिप्रिय, सहनशील,
विनम्र, खियास राक्खण आळा, भले काम अर दया तै भरया होया परोपकारी अर बिना भेद-भाव
का, अर बिना कपट का होवै सै। 18 मेळ-मिलाप कराण आळा, किसान की तरियां सै, जो शान्ति का
बीज बोवै सै, अर धार्मिकता की फसल काटै सै।

4

[illegible]

1 थारे म्ह लड़ाई झगड़े का कारण के सै? के थारे भित्तर उन बुरी लालसा तै न्ही, जो थारे म्ह
लड़ै-भीड़ै सै? 2 थम लालसा राक्खो सों, पर थमनै मिलता कोनी, ज्यातै थम हत्या करण का भी
इरादा राक्खों सों। थम जळण करो सों, अर कुछ पान्दे कोनी, इस करकै थम लड़ो अर झगड़ो सों।
थमनै इस करकै न्ही मिलदा क्यूँके थम परमेसवर तै माँगते कोनी।
3 हालाकि थम माँग्गो सों, फेर भी थमनै मिलता कोनी, क्यूँके भुंडी इच्छा तै माँग्गो सों, ताके
अपणे ऐसो-आराम म्ह उड़ा द्यो।
4 हे बेईमान माणसों, के थम न्ही जाणते, दुनिया की चिज्जां तै प्यार करणा, परमेसवर तै बैर करणा
सै। इस करकै जो कोए संसार का साथी बणणा चाहवै सै, वो अपणे-आपनै परमेसवर का बैरी बणावै
सै। 5 के थम पवित्र ग्रन्थ म्ह लिखी होई इस बात नै बेकार समझों सों, जिस म्ह लिख्या सै, "जिस
पवित्र आत्मा ताहीं परमेसवर नै म्हारै भित्तर बसाया सै, वो बड़ी लालसा करै सै, के हम परमेसवर
तै प्यार करां।" 6 पर परमेसवर तो और भी अनुग्रह करै सै, ताके हम बुरी इच्छा तै लड़ सकां, इस
कारण पवित्र शास्त्र म्ह यो लिख्या सै, "परमेसवर घमण्ड करण आळा का बिरोध करै सै, पर दीन
माणसां पै अनुग्रह करै सै।"
7 इस करकै परमेसवर कै अधीन हो जाओ, अर शैतान का बिरोध करो, तो वो थारे धोरै तै भाग
ज्यागा। 8 परमेसवर कै धोरै आओ तो वो भी थारे धोरै आवैगा। हे पापियों, अपणे जीवन तै पाप दूर

[*] **3:11** 3:11 चोवै सोते

करो, अर हे दोगले माणसों अपणे मन नै पवित्र करो। 9 अपणे पापां के कारण दुखी होओ, अर शोक
करो, रोओ। थारी हाँसी शोक म्ह अर थारा आनन्द उदासी म्ह बदल जावै। 10 प्रभु कै स्याम्ही नरम
बणो तो वो थमनै आदर मान देवैगा।

[illegible]

11 हे बिश्वासी भाईयो, एक-दुसरे की बदनामी ना करया करो। जो अपणे बिश्वासी भाई की
बदनामी करै सै या उसपै दोष लगावै सै, वो मूसा के नियम-कायदा का बिरोध्द करै सै, अर जै तू
मूसा के नियम-कायदा का बिरोध्द करै सै, तो तू नियम-कायदा पै चाल्लण आळा कोनी, पर उसपै
न्याय करण आळा बणग्या। 12 मूसा के नियम-कायदे देण आळा अर न्याय करण आळा एके सै, जो
परमेसवर सै, जो बचाण अर नाश करण म्ह दोनुआ का हक राक्खै सै, पर तन्नै किसे पै इल्जाम
लगाण का कोए हक कोनी।

[illegible]

13 थम जो या कहो सों, "आज या तड़कै हम किसे और नगर म्ह जाकै ओड़ै एक साल बितावागें,
अर व्यापार करकै फायदा कमावागें।" 14 पर थम यो न्ही जाण्दे के कल के होवैगा? सुण तो ल्यो,
थारा जीवन सै ए के? थम तो धुंध की तरियां सों, जो थोड़ी देर दिक्खै सै फेर खू ज्या सै। 15 इसकी
बजाए थमनै या कहणा चाहिए, "जै प्रभु चाहवै तो हम जिन्दा रहवांगें, अर यो काम भी करागें।"
16 पर इब थम अपणे-आप पै घमण्ड करो सों, यो घमण्ड पाप सै। 17 इस करकै जो कोए भलाई करणा
जाणै सै, अर कोनी करदा, उसकै खात्तर यो पाप सै।

5

[illegible]

1 हे साहूकारों, सुण तो ल्यो, थम अपणे आण आळे दुखां पै किल्की मारकै रोओ। 2 थारा धन
खराब होग्या अर थारे लत्ता नै कीड़े खाँगे सै। 3 थारे सोन्ने चाँदी की कोए किम्मत कोनी रही, जिस
सोन्ना चाँदी ताहीं थमनै कठ्ठा करया सै, वाए थारी गवाही देंगे, अर थारी देह नै राख कर देगी।
थमनै अन्त के युग म्ह धन कठ्ठा करया सै। 4 देक्खों जिन मजदूरां नै थारे खेत काट्टे, उनकी वा
मजदूरी जो थमनै धोक्खा देकै राखली सै। वे मजदूर चिल्लावै सै, अर उनकी दुहाई सेनाओं के प्रभु
कै कान्ना तक पुँहच ग्यी सै। 5 थम धरती पै ऐसो-आराम म्ह लाग्गे रहै, अर बड्डा ए सुख भोग्या,
अर इसा करते-करते थम जानवरां की तरियां बणगे सों, जिन ताहीं काट्टण तै पैहले मोट्टा ताजा
करया जावै सै, उस्से तरियां थम न्ही जाणते के थम भी अपणे-आप ताहीं परमेसवर की सजा खात्तर
तैयार करण लागरे सों। 6 जो धर्मी जन थारा सामना न्ही कर सकै थे, थमनै उन ताहीं कसूरवार बणाकै
मार दिया।

[illegible]

7 इस करकै हे बिश्वासी भाईयो, प्रभु कै आण तक धीरज धरो। जिस तरियां जमीदार धरती की
कीमती फसल की आस धरकै पैहली अर आखरी बारिस होण तक धीरज धरै सै। 8 थम भी धीरज
धरो, अर अपणी आस नै ना खोओ, क्यूँके प्रभु का आणा लोवै सै। 9 हे बिश्वासी भाईयो, एक-दुसरे
पै कुड़कुड़ाओ ना, न्ही तो परमेसवर भी थमनै दण्ड देवैगा, क्यूँके लखाओ, न्याय करण आळा आण
खात्तर घणा लोवै सै।
10 हे बिश्वासी भाईयो, जिन नबियाँ नै प्रभु के नाम तै बात करी, उननै दुख उठाण अर धीरज
धरण का एक आदर्श समझों। 11 हम धीरज धरण आळे नै धन्य कह्वां सां। थमनै अय्यूब नामक
माणस कै धीरज कै बारें म्ह तो सुण्या ए सै, अर किस तरियां प्रभु नै उस ताहीं प्रतिफळ दिया,
जिसतै थमनै प्रभु ताहीं जाण भी लिया के किस तरियां प्रभु करुणा अर दया करै सै। 12 पर हे मेरे
बिश्वासी भाईयो, सारा तै बड्डी बात या सै कै कसम ना खाईयों, ना सुर्ग की, ना धरती की, ना
किसे और चीज की, पर थारी बात हाँ की हाँ ना की ना हो, ताके परमेसवर थमनै दण्ड ना देवै।

[illegible]

13 जै थारे म्ह तै कोए दुखी सै, तो वो प्रार्थना करै। जै आनन्दित सै, तो परमेसवर की बड़ाई के
भजन गावै। 14 जै थारे म्ह तै कोए रोग्गी सै, तो कलीसिया के अगुवां नै बुलावै, अर वे प्रभु कै
नाम तै उसपै तेल मल कै उसकै खात्तर प्रार्थना करै, 15 अर बिश्वास की प्रार्थना कै जरिये रोग्गी
बच ज्यागा अर प्रभु उस ताहीं ठीक करैगा, अर उसनै जै पाप भी करे हो, तो उनकी भी माफी हो
ज्यागी। 16 इस करकै थम एक-दुसरे कै बिरुध्द किये गये, अपणे-अपणे पापां नै मान ल्यो, अर एक-
दुसरे खात्तर प्रार्थना करो, जिसतै ठीक हो जाओ: धर्मी जन की प्रार्थना कै असर तै सब कुछ हो
सकै सै।

17 एलिय्याह नबी भी तो म्हारै समान दुख-सुख भोगी माणस था, अर उसनै मन लगाकै प्रार्थना
करी, के मिह ना बरसै, अर साढ़े तीन साल तक धरती पै मिह कोनी बरसा। 18 फेर उसनै प्रार्थना
करी, तो अकास तै बरसा होई, अर धरती पै फसल भी होई।

19 हे मेरे बिश्वासी भाईयो, जै थारे म्ह तै कोए सच की राह तै भटक जावै अर दुसरा कोए उसनै
बोहड़ के उस राह पै ले आवै सै, 20 तो वो यो सच जाण लेवै के जो कोए भटके होए पापी नै पाप
छोड़ण म्ह उसकी मदद करैगा, पाप छोड़ण आळे के अनेक पाप माफ हो जावैंगे अर उसकी जिन्दगी
अनन्त मृत्यु तै बचावैगा।

पतरस की पैहली चिट्ठी

[illegible]

पतरस की पैहली चिट्ठी उन बिश्वासियाँ के नाम लिखी गई थी, जिननै ओड़ै "परमेसवर कै चुणे होए माणस" कह्या ग्या सै, जो एशिया माइनर कै सारे उतरी इलाके म्ह तित्तर-बितर हो के रहवै थे। इस चिट्ठी का खास मकसद अपणे पाठकां ताहीं उत्साहित करणा सै, जो कै अपणे बिश्वास के कारण दु:ख अर सताव का सामना करण लागरे थे। लेखक अपणे पाठकां ताहीं यीशु मसीह के सुसमाचार की याद दुवा, कै इसा कर सै, क्यूँके यीशु का मरणा, जी उठणा, अर यीशु का दुबारै आण के बारै म्ह बेरा होणा उननै तसल्ली देवै सै। इस नजरिये तै उननै अपणे दुखां अपणाना अर सहण करणा था, इस बिश्वास कै साथ कै यो उनके बिश्वास की सच्चाई की परख सै, अर यो सै के "यीशु मसीह कै प्रगट होण" के दिन उननै इसका फळ मिलैगा। सताव कै बखत हिम्मत बढ़ाण के साथ, लेखकां नै या भी बिनती करै सै, कै उसके पाठक इसे माणसां की तरियां जीवन बितावै जो मसीह के जन सो।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1,2
परमेसवर के उद्धार नै याद करवाणा 1:3-12
पवित्र जीवन कै खात्तर उपदेश 1:13-2:10
दुखां के बखत बिश्वासी की जिम्मेदारियां 2:11-4:19
मसीह की दीनता अर सेवा 5:1-11
समापन 5:12-14

1 या चिट्ठी पतरस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का प्रेरित सै, मै या चिट्ठी परमेसवर के
चुणे होए माणसां कै खात्तर लिखण लागरया सूं, जो परदेशी होकै पुन्तुस, गलातिया, कप्पदूकिया,
आसिया अर बिथुनिया परदेसां म्ह तित्तर-बितर होकै रहवै सै। 2 परमेसवर पिता नै थारे ताहीं अपणे
माणस बणाण खात्तर, भोत पैहले चुण लिया था, ताके थमनै पवित्र आत्मा के काम के जरिये पवित्र
बणावै, यो उसनै इस खात्तर करया ताके थम यीशु मसीह का कहणा मान्नो, अर उसके लहू तै शुद्ध
हो जाओ। हम प्रार्थना करा सां के परमेसवर थमनै अनुग्रह अर शान्ति भोत-ए घणी दे। 3 म्हारे
मसीह यीशु के पिता अर परमेसवर का धन्यवाद हो, जिसनै म्हारे पै बड़ी दया करकै म्हारे ताहीं नई
जिन्दगी दी सै, क्यूँके परमेसवर नै यीशु मसीह ताहीं मुर्दां म्ह तै जिन्दा करया, उसनै म्हारे ताहीं
बड़े बिश्वास कै साथ जीण कै लायक बणाया, ताके हम उन चिज्जां की आस राक्खां जिसका देण
का उसनै वादा करया सै। 4 हम उस वसियत नै जो परमेसवर नै म्हारे खात्तर तैयार करी सै, उस
ताहीं लेण की हम बाट देक्खां सां, उसनै म्हारे खात्तर उस ताहीं सुर्ग म्ह राख्या सै, जित्त वा कदे गळ
न्ही सकदी, खराब न्ही हो सकदी, अर नाश न्ही हो सकदी। 5 परमेसवर नै अपणी महान शक्ति तै
थारे ताहीं सम्भाळ कै राख्या सै, क्यूँके थम मसीह पै बिश्वास करो सों, जिस दिन मसीह बोहड़कै
आवैगा, उस दिन तक मसीह थमनै सम्भाळ कै राक्खैगा, फेर थम जाणोगे के परमेसवर नै थारे ताहीं
पाप अर मौत तै बचा के राख्या सै। 6 थमनै इन सारी बात्तां तै खुश होणा चाहिए भलाए थम कुछ
बखत खात्तर कई ढाळ की मुसीबतां के कारण दुखी सो। 7 ये मुसीबत इस्से खात्तर आवै सै, ताके
देख्या जा सकै, के परमेसवर पै थारा पक्का बिश्वास सै के न्ही। थारा मसीह यीशु पै बिश्वास करणा
सोन्ने तै भी घणा कीमती सै, जिस तरियां नाशवान सोन्ना आग म्ह परख्या अर शुद्ध करया जावै
सै, उस्से तरियां जै थारा बिश्वास घणी मुसीबतां म्ह भी बण्या रहवै सै, तो जिब प्रभु यीशु मसीह
बोहड़ के आवैगें तो थारे ताहीं बड़ाई महिमा अर आदर मिलैगा। 8 थमनै मसीह ताहीं कदे न्ही देख्या,
उसतै थम बिन देक्खे प्यार करो सो, अर इब तो उसपै बिन देक्खे भी बिश्वास करकै इसे राज्जी अर
मग्न होवो सो, जिस ताहीं बताण खात्तर म्हारे धोरै शब्द कोनी। 9 थम इस खात्तर खुश सों, क्यूँके

परमेसवर नै थारे ताहीं पाप की सजा तै बचा लिया सै, अर योए मसीह पै बिश्वास करण का ईनाम
सै। 10 इस्से उद्धार कै बारै म्ह उन नबियाँ नै घणी खोज अर जाँच-पड़ताळ करी, जिननै उस अनुग्रह
कै बारै म्ह, जो थारे पै होण आळा था, भविष्यवाणी करी थी। 11 मसीह का आत्मा जो उन म्ह था अर
उन ताहीं बताण लागरया था, के मसीह किसा दुख ठावैगा अर उसकै पाच्छै उस बारै म्ह उस ताहीं
महिमा मिलैगी, इस कारण उननै यो बेरा पाड़ण खात्तर उसकी खोज करी, मसीह कौण होवैगा, अर
यो कद होवैगा। 12 पर परमेसवर नै इन नबियाँ ताहीं बताया था, के यो सन्देस उन खात्तर न्ही बल्के
थारे खात्तर सै, यो सन्देस मसीह यीशु के बारें म्ह खुशखबरी सै, जिसके बारें म्ह थम इब सुणो सों।
परमेसवर नै सुर्ग तै पवित्र आत्मा ताहीं भेज्या ताके वो माणसां नै सुसमाचार सुणाण म्ह मदद कर
सकै, यो इतणा अदभुत सै, के सुर्गदूत भी इन चिज्जां नै होन्दे होए देखणा चाहवै सै। 13 इस खात्तर
गौर तै सोच्चों के थम के करण आळे सों, अर अपणे-आप पै काब्बू राक्खों अर परमेसवर तै उद्धार
पाण का भरोस्सा राक्खों जो अनुग्रह तै मिलै सै, अर वो थमनै जिब देवैगा जिब मसीह यीशु सुर्ग तै
बोहड़कै आवैगा। 14 परमेसवर के आज्ञाकारी बणो जिस तरियां आच्छे बाळक अपणे पिता का हुकम
मान्नै सै, अर पुराणी जिन्दगी के मुताबिक मत जिओ, जिब थम बुरी लालसा नै पूरी करो थे। 15 पर
जिसा थारा बुलाण आळा पवित्र सै, उस्से तरियां ए थम भी अपणे सारे चाल-चलण म्ह पवित्र
बणो। 16 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ म्ह लिख्या सै, "पवित्र बणो, क्यूँके मै पवित्र सूं।" 17 अर जिब के
थम हे पिता कहकै परमेसवर तै प्रार्थना करो सो, जो बिना पक्षपात, हरेक कै काम कै मुताबिक
न्याय करै सै, तो इब जो थम, जिब इस धरती पै परदेशियाँ की तरियां जीण लागरे सों, तो थम
उसके प्रति बड़े आदर रखते होए अपणी जिन्दगी जीणी चाहिए। 18 क्यूँके थमनै बेरा सै, के थारा
निकम्मा चाल-चलण जो बाप-दाद्यां तै चल्या आवै सै, उस बेकार जिन्दगी तै थम बचगे सों, अर
थारा छुटकारा चाँदी-सोन्ने यानिके नाश होण आळी चिज्जां कै जरिये न्ही होया। 19 पर बेकसूर अर
बेदाग मेम्ने, यानिके मसीह के कीमती लहू कै जरिये होया। 20 दुनिया बणाण तै पैहल्याए परमेसवर
नै मसीह यीशु ताहीं उद्धारकर्ता करकै चुण लिया था, पर इब वो इन आखरी दिनां म्ह इस खात्तर
आया के थारी मदद कर सकै। 21 जो मसीह नै करया उसकी बजह तै थम परमेसवर पै बिश्वास करो
सो, अर अपणी आस अर बिश्वास परमेसवर पै राक्खो सो, क्यूँके उसनै मसीह ताहीं मुर्दा म्ह तै
जिन्दा करया, अर उस ताहीं बड़ी महिमा दी। 22 क्यूँके थम सच मानण के जरिये शुद्ध करे गये सों,
इस खात्तर थमनै बिश्वासी भाईयाँ तै सच्चे दिल तै प्यार करणा चाहिए, अर तन-मन लाकै एक-दुसरे
तै प्यार करो। 23 थम एक-दुसरे तै इस खात्तर प्यार करो, क्यूँके थमनै परमेसवर तै नई जिन्दगी पाई
सै, थमनै या जिन्दगी उसतै न्ही पाई जो नाशवान सै, पर उसतै पाई सै जो सदा कै खात्तर सै। या
नई जिन्दगी हमनै परमेसवर के वचन तै मिली सै, जो जीवित अर सदा रहण आळा सै। 24 क्यूँके
पवित्र ग्रन्थ यो कहवै सै, "हरेक जीव घास कै बरगा सै, अर उनकी शोभा जंगळी फूल्लां कै समान
सै। घास सूख जावै सै, अर फूल झड़ जावै सै। 25 पर प्रभु का वचन युगानुयुग स्थिर रहवैगा।" यो
वोए सुसमाचार का वचन सै जो थारे ताहीं सुणाया गया था।

2

1 इस करकै सारी ढाळ का बैरभाव अर छळ अर कपट अर जळण अर बुराई नै दूर करकै, 2 नये
जन्मे बच्चे की तरियां जो हमेशा माँ के निर्मल दूध की लालसा करै सै, उस्से तरियां थम भी परमेसवर
के वचन ताहीं सुणण की लालसा करो, ताके थारा परमेसवर पै बिश्वास मजबूत हो सकै, अर थारा
उद्धार हो जावै। 3 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के थमनै चख कै जाण लिया सै के प्रभु कितना भला
सै। 4-5 थम प्रभु यीशु मसीह कै धोरै आए हो, वो उस खास पत्थर की ढाळ सै जो नीम म्ह लगाया
जावै सै, पर वो जिन्दा पत्थर सै। भोत सारे माणसां नै उस ताहीं त्याग दिया, पर परमेसवर नै उस
ताहीं चुण्या, अर उस ताहीं कीमती बणाया, अर थम जो बिश्वासी लोग प्रभु यीशु कै धोरै आए हो,
ताके थम भी उसके जरिये जिन्दे पत्थरां की ढाळ हो जाओ, जो परमेसवर की आत्मिक आराधना
का घर बणण म्ह काम आ सकै। उसनै थारे ताहीं भी पवित्र याजक बणाया, जिस तरियां याजक

परमेसवर ताहीं भेट चढ़ावै सै, उस्से तरियां थम भी अपणे दिल नै भेट के रूप म्ह चढ़ा द्यो, अर याए
भेट परमेसवर नै आच्छी लाग्गै सै, क्यूँके थम यीशु मसीह के कहलाओ सों। 6 यो उस्से तरियां सै,
जिसा परमेसवर पवित्र ग्रन्थ म्ह कहवै सै: "देखों, मन्नै किसे ताहीं यरुशलेम नगर म्ह कोणे के
पत्थर की तरियां राख्या सै, वो उस पत्थर की तरियां सै, जो नीम पै धरया जावै सै, अर जो कोए
उसपै बिश्वास करैगा, वो किसे तरियां तै शर्मिन्दा कोनी होवैगा।" 7 यो पत्थर थारे खात्तर कीमती
सै, जो मसीह यीशु पै बिश्वास करो सों, पर पवित्र ग्रन्थ उन माणसां के बारें म्ह जो बिश्वास
न्ही करदे कहवै सै, "जिस पत्थर ताहीं राजमिस्त्रियाँ नै निकम्मा ठहराया था, वोए कोणे का पत्थर
हो गया।", 8 पवित्र ग्रन्थ यो भी कहवै सै, के "इस पत्थर तै लोग्गां कै ठोक्कर लाग्गैगी, या वा
चट्टान सै जिसतै लोग ठोक्कर खाकै गिर जावैंगे," वे इस खात्तर गिरै सै, क्यूँके उननै परमेसवर के
वचन पै बिश्वास कोनी करया, परमेसवर नै उन खात्तर याए योजना बणाई सै। 9 पर थारे म्ह इसा ना
हो, क्यूँके थम परमेसवर के चुणे होए माणस सो, थम परमेसवर के याजक सों, जो के राजा सै, थम
परमेसवर के समर्पित माणस सों, अर थम जो परमेसवर के कुह्वावै सों, उसनै थारे ताहीं अन्धकार म्ह
तै रोशनी म्ह बुलाया सै, ताके थम परमेसवर के उन अनोक्खे काम्मां के बारें म्ह माणसां ताहीं बता
सको। 10 पैहले थम परमेसवर के माणस न्ही थे, पर इब परमेसवर के माणस सो, पैहले थम परमेसवर
की दया नै कोनी जाणो थे, पर इब जाणो सों, क्यूँके उसनै अपणी दया पैहल्या तै थारे ताहीं दिखाई
सै। 11 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, मै थारे तै बिनती करुँ सूं, के थम अपणे-आपनै दुनिया म्ह परदेशी
अर मुसाफर जाणकै उन दुनियावी अभिलाषायां तै जो आत्मा तै युध्द करै सै, बचे रहो। 12 वे लोग
जो परमेसवर पै बिश्वास न्ही करदे, वे भी थारे आस्सै-पास्सै ए रहवै सै, अर वे भी कह सकै सै, के थम
बुरा काम करण लागरे हो। थमनै इसी आच्छी जिन्दगी जीणी चाहिए, ताके वो थारे भले काम्मां नै
देखकै परमेसवर की महिमा उस दिन कर सकै जिब मसीह बोहड़ के आवैगा। 13 प्रभु नै महिमा देण
खात्तर थम उन सारे माणसां का हुकम मान्नो जो इस दुनिया के शासक सै, जिस तरियां राजा, जो के
सब पै प्रधान शासक सै। 14 अर राज्यपालों के भी अधीन रहों, क्यूँके राजा उन बुरे काम करणीया
नै दण्ड देण अर आच्छे काम करणीया नै सम्मानित करण खात्तर इस्तमाल करै सै। 15 परमेसवर
चाहवै सै के थम भले काम करो ताके थम उन बेकूफ माणसां नै जो परमेसवर नै न्ही जाणदे, अर थारे
पै झूठ्ठे दोष लगावै सै, उन ताहीं रोक सको। 16 थारे खात्तर भी इसा कोए कोनी जो थारे ताहीं रोक
सकै, जो थम करणा चाहवो सों, क्यूँके यीशु मसीह के जरिये थम आजाद करे गये सों, पर इस बात
नै थम बुरे काम करण का बहाना ना बणाओ, पर अपणे काम्मां के जरिये दिखाओ के थम परमेसवर
के सच्चे दास सों। 17 सब का आदर करो, बिश्वासी भाईयाँ तै प्यार करो, परमेसवर तै डरो, राजा का
आदर करो 18 हे सेवको* थम जो घर म्ह काम करो सों, अर बिश्वासी भी सों, अपणे मालिकां का
कहणा मान्नो अर सदा उनका आदर करो, हरेक ढाळ के माल्लिक के साथ इसाए बरताव करो, चाहे
वो भले हो, नम्र हो, या फेर चाहे वे बुरे हो। 19 क्यूँके जै हम दुख ठान्दे, फेर भी जिब म्हारी कोए
गलती भी ना हो, तोभी हम इस खात्तर सह लेवां सां, क्यूँके हमनै बेरा सै, के परमेसवर सब कुछ
जाणै सै, परमेसवर इसतै ए खुश होवै सै। 20 क्यूँके जै थमनै अपराध करकै घूँसे खाए, अर धीरज
राख्या, तो इस म्ह के बड़ाई की बात सै? पर जै भला काम करकै दुख ठाया हो अर धीरज राख्या
हो, तो यो परमेसवर नै भावै सै। 21 अर थम इस्से कै खात्तर बुलाए भी गये सो, क्यूँके मसीह भी थारे
खात्तर दुख ठाकै थारे ताहीं एक बढ़िया नमूना दे ग्या सै, ताके थम भी उसके नक्शे-कदम पै चाल्लों।
22 पवित्र ग्रन्थ म्ह मसीह के बारें म्ह न्यू लिख्या सै, के "ना तो उसनै पाप करया अर ना उसकै मुँह
तै छळ-कपट की कोए बात लिकड़ी।" 23 वो गाळी सुणकै गाळी कोनी देवै था, अर दुख ठाकै किसे
ताहीं भी धमकी कोनी देवै था, पर अपणे-आप ताहीं परमेसवर कै हाथ म्ह सौंप दिया, जो धार्मिकता
तै न्याय करै सै। 24 वो आप ए म्हारै पापां नै अपणी देह पै लिये होए क्रूस पै चढ़ गया, जिसतै
हम पापां कै खात्तर मरकै धार्मिकता कै खात्तर जीवन बितावां, उस्से कै मार खाण तै थम चंगे होए।

* **2:18** 2:18 सेवको नौक्कर, गुलाम

25 क्यूँके थम पैहल्या भटकी होड़ भेड्डां कै बरगे थे, पर इब अपणे जीवन के रुखाळे अर पाळी कै
धोरै बोहड़ आए सों।

3

1-2 हे बिरबानियों, थम भी अपणे धणी कै अधीन रहो, अर जै थारे पिता परमेसवर के वचन पै
बिश्वास करण तै मना करै सै, तो जिस तरियां थम उनतै बरताव करो सों, उसकी बजह तै थारे
बिना कहे वे बिश्वास करैंगें, वो मसीह पै जिब बिश्वास करैंगें, जिब वो थारा शुद्ध अर भक्तिमय
जीवन नै देक्खैंगे। 3 बाहरली की खूबसूरती के बारें म्ह चिन्ता ना करै, जिस तरियां खूबसूरती तै बाळ
गूँथणा, महँगे गहणे, या सुथरे लत्तें पैहरणा। 4 पर थारा भीतरी माणसपण, नम्रता अर दीनता जिसे
अविनाशी गुणा तै सजा हो, क्यूँके परमेसवर की निगांह म्ह इसका मोल बड्ड़ा सै। 5 पैहल्ड़े बखत
म्ह पवित्र बिरबान्नी भी, जो परमेसवर पै बिश्वास अर आस राक्खै थी, वे अपणे-आपनै इस्से
तरियां तै सिंगारै थी, अर अपणे-अपणे धणी का हुकम मान्नै थी। 6 जिस तरियां सारा अब्राहम कै
हुकम म्ह रहवै थी, अर उसनै स्वामी कह्या करै थी। इस्से ढाळ थम भी जै दुसरयां की भलाई करो,
अर थमनै किसे बात का डर ना हो, तो थम सारा* की बेटियाँ की तरियां होओगी। 7 इस्से तरियां
ए हे पतियों, थम अपणी पत्नियाँ कै साथ मेळ-मिलाप कै साथ रहों, अर सोच्चों के उनकी मदद
किस तरियां करी जा सकै सै, थमनै यो बेरा होणा चाहिए के बिरबान्नी थारे तै कमजोर सै, इस करकै
थमनै उनका आदर करणा चाहिए, क्यूँके थम दोन्नु उस वरदान के साझेदार सों, जिसा के परमेसवर
नै थारे ताहीं दिया सै, जो के अनन्त जीवन सै, यो इस खात्तर करो ताके जिब थम परमेसवर तै
प्रार्थना करो तो वो थारी सुणै। 8 आखरी म्ह मै कहणा चाहूँ सूं, के थम एक मन हो जाओ, एक-दुसरे
तै भाई-भाण की तरियां प्यार करो, एक-दुसरे के बाबत दयालु रहो, अर नरम बणो। 9 बुराई कै बदले
बुराई ना करो अर ना गाळी कै बदले गाळी द्यो, पर इसकै उल्ट आशीष ए द्यो, क्यूँके परमेसवर नै
थारे ताहीं इस खात्तर बणाया सै, के थम दुसरयां कै खात्तर आशीष बण सको, जै थम इसा करोगे,
तो परमेसवर थारे ताहीं भी आशीष देवैगा। 10 क्यूँके पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के "जै कोए इन्सान
जिन्दगी का आनन्द ठाणा चाहवै सै, अर आच्छे दिन देखणा चाहवै सै, तो वो ध्यान राक्खे के बुरी
बातें अर जो बात सच न्ही उन ताहीं ना बोल्लो। 11 जो बुरे काम सै, उन ताहीं करणा छोड़ दे, इसकी
बजाए वो भले काम करै, अर एक-दुसरे के साथ शान्ति तै रहण का पूरा जतन करै। 12 क्यूँके प्रभु
की आँख धर्मियाँ पै लाग्गी रहवै सै, अर उसके कान उनकी बिनती की ओड़ लाग्गे रहवै सै, पर प्रभु
बुराई करण आळे तै दूर रहवै सै।" 13 जै थम सदा भले काम करो तो कोए थमनै नुकसान न्ही पुहुचा
सकदा। 14 जै थम धार्मिकता कै कारण दुख भी ठाओ, तो थम धन्य सो, पर माणसां के डराण तै
ना डरो, अर ना घबराओ, 15-16 पर अपणे-अपणे मन म्ह मसीह के प्रति आदर राक्खों, अर उस
ताहीं अपणा प्रभु जाणो। जो कोए थारे तै थारी आस कै बारै म्ह बुझ्झै, जो हम बिश्वासियाँ की सै,
तो उस ताहीं जवाब देण कै खात्तर सारी हाण त्यार रहो, पर नम्रता अर आदर कै गैल उस ताहीं
जवाब द्यो। जो सही सै वोए करो, जै माणस थारे बारें म्ह बुरा बोल्लै सै, तो वो खुद शर्मिन्दा होवैंगे,
जिब वो थारे आच्छे चाल-चलण नै देक्खैंगे, क्यूँके मसीह कै गैल थारा गहरा रिश्ता सै। 17 कई बार
परमेसवर म्हारे ताहीं दुख अर मुसीबतां तै गुजारै सै, भलाए हम भला काम करदे हो, पर यो म्हारे
खात्तर आच्छा सै, बजाए इसकै के हम बुरे काम्मां के कारण दुख अर मुसीबत ठावां। 18 मसीह नै
भी म्हारे पापां खात्तर एके बार अपणी जान दे दी, यानी के एक धर्मी नै सारे अधर्मियाँ खात्तर दुख
ठाया, ताके वो थमनै परमेसवर तक ले जावै, उसकी शारीरिक मौत तो होई पर परमेसवर की आत्मा
के जरिये वो जिन्दा करया गया। 19 तब उसकी आत्मा नै उन आत्मायाँ ताहीं सुसमाचार सुणाया,
अर प्रचार करया जो उस जगहां पै परमेसवर के जरिये कैद करी गई थी, जित्त मरे होए लोग्गां की
आत्मा रहवै सै। 20 ये वो आत्मा सै, जिननै परमेसवर का भोत पैहले कहणा न्ही मान्या। जिब नूह

* **3:6** 3:6 सारा अब्राहम की घरआळी

जहाज बणाण लागरया था, तो परमेसवर धीरज तै देखण लागरया था, के ये लोग माफी माँग्गै सै
के न्ही, पर पाणी नै पूरी दुनिया ताहीं नाश करया सिर्फ आठ माणस जो जहाज म्ह बचे थे। 21 उस्से
पाणी का उदाहरण भी, यानिके बपतिस्मा, यीशु मसीह कै जी उठण कै जरिये, इब थमनै बचावै सै,
इसतै देह का मैल दूर करण का मतलब न्ही सै, पर शुद्ध अन्तरात्मा तै परमेसवर कै पाच्छै हो जाणा
सै। 22 वो सुर्ग पै जाकै परमेसवर कै सोळी ओड़ बैठ गया, अर सुर्गदूत अर अधिकारी अर सामर्थी
उसके अधीन करे गये सै।

4

1 इस करकै मसीह नै दुख ठाया जिब उसनै देह रूप धारण करया, थारा भी रविया उस्से तरियां
दुख उठाण का होणा चाहिए, जिसा उसका था, क्यूँके जै थमनै मसीह खात्तर दुख ठाण की सोच ली
सै, तो थमनै पाप ना करण की भी सोच ली सै, ताके आग्गै तै कदे थम पाप ना करो। 2 उस कारण वो
इन्सान अपणी बाकी की जिन्दगी, इस दुनिया म्ह पापमय अभिलाषायां नै पूरी करण कै खात्तर न्ही
इस्तमाल करदा, पर वो, वो करै सै जो परमेसवर उस ताहीं करण कै खात्तर कहवै सै। 3 पैहले थमनै
भोत सारा बखत वो काम करण म्ह बेकार कर दिया जिस म्ह गैर बिश्वासी खुशी मनावै सै, जिस
तरियां लुचपण की बुरी अभिलाषाओ, मतवाळापण, लीलाक्रीड़ा, दारु-बाजी, जारी अर घृणित
मूर्तिपूजा जिसे काम्मां तै परमेसवर नफरत करै सै। 4 इस कारण थारे पुराणे मित्तर अचम्भा करै सै,
के थम इसे अंधाधुंध लुचपण म्ह उनका साथ न्ही देंदे, अर वे इब थमनै गाळी देवै सै। 5 पर वे उसनै
जो जिन्दयां अर मरे होए माणसां का न्याय करण नै त्यार सै, लेक्खा देवैगें। 6 योए कारण सै के
सुसमाचार उन माणसां ताहीं सुणाया गया, जो इब मर चुके सै, हालाकि वे सब माणसां की तरियां
मरण कै जोग्गे ए थे, इब वे आत्मा म्ह परमेसवर के साथ हमेशा कै खात्तर रहवै सै। 7 सारी बात्तां का
अन्त तावळा होणआळा सै, इस करकै सावधान रह अर शान्त मन राख ताके तू प्रार्थना कर सकै।
8 सारया म्ह बढ़िया बात या सै के एक-दुसरे तै घणा प्यार करो, क्यूँके जै थम माणसां तै प्यार करोगे
तो थम उन ताहीं माफ करण खात्तर तैयार रहोगे, जो थारा बुरा करै सै। 9 बिना कुड़कुड़ाए एक-दुसरे
की मेहमान-नवाजी करो। 10 हरेक इन्सान ताहीं परमेसवर के जरिये काबलियत मिली सै अर वो उस
काबलियत नै दुसरे लोग्गां की मदद करण खात्तर इस्तमाल करै, वो परमेसवर के आच्छे सेवक की
तरियां उसके अनुग्रह के जरिये दिए गए वरदानां का बढ़िया इस्तमाल करै। 11 जै थारे धोरै प्रचार
करण का वरदान सै, तो थमनै परमेसवर के वचन का प्रचार करणा चाहिए, जै थारे धोरै दुसरयां की
मदद करण का वरदान सै, तो उस शक्ति तै करो जो परमेसवर नै थारे ताहीं दी सै, फेर जो भी काम
करोगे, यीशु मसीह के जरिये परमेसवर नै महिमा मिलैगी, सारी महिमा अर सामर्थ युगानुयुग उस्से
का सै। आमीन। 12 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, उन दुखां कै खात्तर अचम्भा ना करो जो थम सहण
लागरे सों, क्यूँके थम मसीह के कुह्याओ सों, ये चीज इस खात्तर होण लागरी सै, क्यूँके सचमुच थम
यीशु पै बिश्वास करो सों, तो इसा ना समझो के अनोक्खी बात थारे ए गैल होण लागरी सै। 13 इस
बात खात्तर खुश होओ, के थम मसीह के दुख म्ह साझेदारी हो सके, उस बजह तै जिब मसीह बोहड़
के आवैगा, अपणी महिमा लोग्गां नै दिखाण खात्तर, तो थम खुशी तै भर जाओगे। 14 फेर जै मसीह
कै नाम कै खात्तर थारी बुराई करी जावै सै तो थम धन्य सो, क्यूँके परमेसवर की महिमामय आत्मा
सै जो थारे म्ह रहवै सै। 15 जै दुख ठाओ सों, तो यो दुख खून्नी, चोर, किसे बुरे काम, या किसे और
के काम म्ह दखलंदाजी करण के कारण न्ही होणा चाहिए। 16 पर जै मसीह होण कै कारण दुख पावै,
तो शर्मिन्दा ना होइयो, पर इस बात कै खात्तर परमेसवर की महिमा करो, क्यूँके थम उसके कुह्याओ
सों। 17 क्यूँके वो बखत आण पोंहच्या सै, के पैहल्या परमेसवर के माणसां का न्याय करया जावैगा,
अर जिब के न्याय की शरुआत म्हारै ए तै होगी, तो उनका के अन्त होगा जो परमेसवर के सुसमाचार
नै न्ही मानते? 18 जिसा पवित्र ग्रन्थ कहवै सै, के "जै धर्मी माणस ए मुश्किल तै उद्धार पावैगा,
तो भगतिहीन अर पापी का के ठिकाणा?" 19 ज्यांतै जो परमेसवर की मर्जी कै मुताबिक दुख ठावै
सै, उननै परमेसवर पै सदा बिश्वास करते रहणा चाहिए, जिसनै उन ताहीं बणाया सै। परमेसवर नै

जो भी वादा करया सै, उस ताहीं वो हमेशा पूरा करै सै, इस खात्तर हमनै हमेशा भलाई करदे रहणा
चाहिए।

5

1 थारे म्ह जो कलीसिया के अगुवें सै, मै थारे ताहीं कुछ बताणा चाहूँ सूं, क्यूँके मै थारी तरियां
बुजुर्ग सूं, मन्नै खुद वे दुख देक्खे सै, जो मसीह नै भोत पैहले सहे सै, जिब वो बोहड़ के आवैगा तो
मै भी उसकी महिमा म्ह शामिल होऊँगा। 2 जिस तरियां एक पाळी भेड्या की रुखाळी करै सै, उस्से
तरियां थमनै भी उन लोग्गां की रुखाळी करणी चाहिए, जिन ताहीं परमेसवर नै थारे ताहीं सौंप्या
सै, अर यो मजबूरी म्ह न्ही पर खुद की इच्छा तै राज्जी होकै करो, क्यूँके परमेसवर यो चाहवै सै
के थम इसाए करो, पर इसा काम पईसा कै खात्तर न्ही पर परमेसवर अर माणसां की सेवा करण
खात्तर करो। 3 उन माणसां पै हक ना जमाओ, जो थारे ताहीं सौंपे गये सै, पर उनकै खात्तर बढ़िया
मिसाल बणो। 4 जिब प्रभु यीशु मसीह जो के पाळीयाँ का प्रधान बोहड़ के आवैगा, तो थारे ताहीं
वो महिमा का मुकुट दिया जावैगा जिसकी चमक कदे न्ही जावैगी। 5 इस्से ढाळ हे जवान्नों, थम
भी कलीसिया के अगुवां का कहणा मान्नो, बल्के थम सारे के सारे दीनता तै एक-दुसरे की सेवा करते
रहो, क्यूँके हम पवित्र ग्रन्थ म्ह पढ़ा सां, के "परमेसवर घमण्डियाँ का बिरोध करै सै, पर दीन पै
अनुग्रह करै सै।" 6 इस करकै परमेसवर के स्याम्ही दीन बणो, जो थमनै बचा सकै, ताके वो थमनै
सही बखत आण पै बढ़ा सकै। 7 अपणी सारी चिन्ता परमेसवर ताहीं दे द्यो, क्यूँके उसनै थारा ध्यान
सै। 8 सावधान रहो, अर जागदे रहो, क्यूँके थारा बिरोधी शैतान गरजनआळे शेर की ढाळ इस टाह
म्ह रहवै सै, के किसनै पाड़ खावै, ताके थम परमेसवर की राह ना चाल सको। 9 बिश्वास म्ह मजबूत
होकै, अर न्यू जाणकै उसका सामना करो, के थारे भोत-से बिश्वासी भाई जो दुनिया म्ह इसेए दुख
सहण लागरे सै। 10 इब परमेसवर जो सारे अनुग्रह का दात्ता सै, जिसनै थारे ताहीं मसीह म्ह अपणी
अनन्त महिमा कै खात्तर बुलाया, थारे कुछ बखत तक दुख ठाण कै पाच्छै आप ए थमनै सिध्द अर
स्थिर अर मजबूत करैगा। 11 उस्से का साम्राज्य युगानुयुग रहवै। आमीन। 12 मन्नै या छोट्टी
चिट्ठी लिखकै सिलवानुस के हाथ थारे धोरै भेजी सै, जिस ताहीं मै मसीह म्ह बिश्वास जोग्गा भाई
समझूँ सूं, मेरे लिखण का यो मकसद सै के मै थारे ताहीं उत्साहित कर सकूँ, अर थारे ताहीं बिश्वास
दिला सकूँ, के जो थम अनुभव करण लागरे सों, वो असलियत म्ह परमेसवर की करुणा का हिस्सा सै,
थम उस कृपा म्ह बणे रहों। 13 जो बिश्वासी बेबीलोन नगर म्ह सै, उन ताहीं भी परमेसवर नै चुण्या
सै, जिस तरियां थारे ताहीं चुण्या, उनका अर मरकुस जो मेरे बेट्टे की तरियां सै, उसका थारे ताहीं
नमस्कार। 14 आप्पस म्ह एक-दुसरे ताहीं गळे मिलकै प्यार तै नमस्कार करो। थम सारया ताहीं, जो
मसीह म्ह हो, थमनै शान्ति मिलदी रहवै।

पतरस की दुसरी चिट्ठी

????????

पतरस की दुसरी चिट्ठी शरुआती बिश्वासियाँ के एक बड़े झुण्ड कै नाम लिखी गई सै। इस चिट्ठी की बड़ी चिन्ता की बात झूठ्ठे शिक्षकां के काम अर उनकी शिक्षा तै पैदा होण आळे गलत काम कै खिलाफ मुकाबला करणा सै। इन सारी समस्या का जवाब परमेसवर अर प्रभु यीशु मसीह के सच्चे ज्ञान म्ह बणे रहण म्ह मिलै सै। वो ज्ञान उन माणसां कै जरिये पोंहच्या गया सै, जिननै खुद यीशु मसीह ताहीं देख्या अर उसकी सारी शिक्षा ताहीं सुण्या सै। लेखक खास तौर पै उन माणसां की शिक्षा तै चिन्ता म्ह सै जो दावा कर सै के मसीह फेर बोहड़ के न्ही आवैगा। लेखक कहवै सै कै इसा लाग्गै सै, के मसीह के आण म्ह देर हो रही सै, पर सच म्ह इसा इस खात्तर सै क्यूँके परमेसवर "न्ही चाहन्दा के कोए नाश होवै, पर यो इस खात्तर सै ताके सब नै मन फिराण का मौक्का मिलै।"

रूप-रेखा

जानकारी 1:1,2
मसीह का बुलावा 1:3-21
झूठ्ठे शिक्षक 2: 1-22
मसीह का आखरी आणा 3:1-18

1 या चिट्ठी शमौन पतरस की ओड़ तै सै, जो यीशु मसीह का दास अर प्रेरित सै, उन माणसां
के नाम सै, जिन नै म्हारै परमेसवर अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह की धार्मिकता के जरिये म्हारी तरियां
बेसकिमती बिश्वास पाया सै। 2 मै प्रार्थना करुँ सूं, के परमेसवर थारे ताहीं ज्यादा तै ज्यादा अनुग्रह
अर शान्ति दे, जिस तरियां थम परमेसवर के ज्ञान अर म्हारै प्रभु यीशु मसीह म्ह बढ़ण लागरे सों।
3 परमेसवर जिसनै अपणी शक्ति के जरिये म्हारे ताहीं वो सब दिया सै, जो हमनै भगतिमय जिन्दगी
जीण खात्तर चाहिए, यो इस खात्तर मुमकिन सै, क्यूँके हम परमेसवर नै जाणा सां, अर उसनै अपणी
महिमा अर सद्गुणा के मुताबिक अपणे माणस होण खात्तर बुलाया सै। 4 अर उसकी महिमा अर
भलाई के कारण उसनै म्हारै ताहीं बड़े महान अर कीमती वादे करे सै, ताके इनकै जरिये थम इस
दुनिया की बुरी लालसा तै बच जाओ, जिन ताहीं वे लोग करणा चाहवै सै, जो मसीह पै बिश्वास
न्ही करदे, पर थम ईश्वरीय सुभाव के गैल-साझ्झी हो जाओ। 5 इस कारण थम सिर्फ मसीह पैए
बिश्वास करण आळे न्ही, पर हमेशा दुसरयां की भलाई करण म्ह लाग्गै रहों, अर सिर्फ भलाई ए न्ही
बल्के बुध्दिमानी तै बरताव करण आळे भी बणो। 6 थम सिर्फ बुध्दिमानी तै ए बरताव करण आळे
न्ही बल्के अपणे-आप पै काब्बू राक्खण आळे भी बणो, अर अपणे-आप पै काब्बू राक्खण आळे ए न्ही
बल्के दुखां नै धीरज तै सहण आळे भी बणो, अर दुखां नै धीरज तै सहण आळे ए न्ही बल्के भगति
म्ह जिन्दगी बिताण आळे भी बणो। 7 ना सिर्फ थम परमेसवर नै भावण आळी जिन्दगी जिओ, बल्के
बिश्वासियाँ तै भी अपणे परिवार के माणस की तरियां प्यार करो, एक-दुसरे ताहीं अपणे परिवार के
माणस की तरियां प्यार करण आळे ए न्ही बल्के सब नै प्यार करण आळे भी बणो। 8 जै थारे म्ह ये गुण
मौजूद सै अर जै थारे म्ह इनकी बढ़ोतरी होण लागरी सै तो इनकै कारण थम म्हारे प्रभु यीशु मसीह
के सम्पूर्ण ज्ञान म्ह ना तो निकम्मे अर ना बिना फळ के होओगे। 9 जै कोए इन्सान इसी जिन्दगी
न्ही बितान्दा, तो वो उस इन्सान की तरियां सै, जो सही तै न्ही देख पान्दा, अर वो आन्धा से। वो
भूल जावै सै के परमेसवर नै उसके पाप माफ कर दिये, जो उसनै मसीह पै बिश्वास करण तै पैहले करे
सै। 10 इस कारण हे बिश्वासी भाईयो, आच्छा करण की कोशिश करदे रहों, ताके थम अपणे-आपनै
अर दुसरे माणसां नै दिखा सको, के परमेसवर नै थारे ताहीं चुण्या सै, अर बुलाया सै। जै थम इसाए
करदे रहों, तो थम कदे भी परमेसवर तै अलग न्ही होओगे 11 बल्के इस तरियां तै थम म्हारै प्रभु
अर उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनन्त राज्य म्ह बड़े आदर कै गैल बड़ण पाओगे। 12 ज्यांतै हालाकि

थम ये बात जाणो सो, अर जो सच्चा वचन थारे ताहीं मिल्या सै उस म्ह बणे रहो सो, तोभी मै थारे
ताहीं ये बात याद दुवाण खात्तर सारी हाण त्यार रहूँगा। 13 मै यो जाणु सूं के जिब तक मै जिन्दा सूं,
यो सही सै, के मै उन बात्तां के बारें म्ह थारे तै बात करदा रहूँ, ताके थम इन बात्तां नै कदे भूल ना
जाओ। 14 क्यूँके मै जांणु सूं के मै तावळा मरण आळा सूं, अर प्रभु यीशु मसीह नै मेरै ताहीं इस
बारें म्ह बता दिया सै। 15 ज्यांतै मै इसी कोशिश करुँगा, के मेरे इस दुनिया तै जाये पाच्छै, थम इन
सारी बात्तां नै सारी हाण याद कर सको। 16 क्यूँके जिब हमनै थारे ताहीं, अपणे प्रभु यीशु मसीह
की सामर्थ अर बोहड़ण की खबर दी थी, तो हमनै श्याणपत तै गढ़ी होई कहाँनियाँ का सहारा कोनी
लिया, बल्के हमनै आप ए उसकै प्रताप ताहीं देख्या था। 17-18 क्यूँके जिब उसनै परमेसवर पिता
तै आदर अर महिमा पाई जो के प्रतापमय महिमा सै, हमनै उस ताहीं यो कहन्दे सुणा, "यो मेरा
प्यारा बेट्टा सै, जिसतै मै राज्जी सूं।" फेर हम उसकै गेल्या पवित्र पहाड़ पै थे, अर सुर्ग तै योए
बोल आन्दे सुण्या। 19 हम जाणा सां के जो वचन नबियाँ नै मसीह के बारें म्ह लिख्या सै, वो सच सै,
थम इन वचनां नै गौर तै सुणो, जिस तरियां अन्धकार म्ह दीवै का चाँदणा, माणसां नै राह दिखावै सै,
उस्से तरियां ये वचन भी सच्चाई नै जाणण म्ह थारी मदद करैगें, थम इन वचनां नै ध्यान तै सुणते
रहो, जिब तक के यीशु मसीह बोहड़कै ना आ जावै। उसका आणा एक नये दिन की सुबह की तरियां
सै, जो उजाळा लेकै आवै सै, अर वो सुबह के तारे की तरियां होगा। उस बखत उसका चाँदणा थारे
मन म्ह चमकैगा, अर परमेसवर नै साफ तौर पै थारे पै जाहिर करैगा। 20 पर सबतै पैहले यो जाण
ल्यो के पवित्र ग्रन्थ की कोए भी भविष्यवाणी, खुद नबियाँ का अपणा विचार कोनी 21 क्यूँके कोए
भी भविष्यवाणी माणस की मर्जी तै कदे न्ही होई, पर भगतजन पवित्र आत्मा के जरिये उभारे जाकै
परमेसवर की ओड़ तै बोल्लै थे।

2

1 जिस तरियां इस्राएली माणसां म्ह झूठ्ठे नबी थे, उस्से ढाळ थारे म्ह भी झूठ्ठे शिक्षक होंगे,
वे थारे ताहीं चुपके तै झूठ्ठी शिक्षा सिखावैंगे, जिसकी बजह तै लोग मसीह पै बिश्वास न्ही करैगें,
वे झूठ्ठे शिक्षक मसीह ताहीं अपणा प्रभु न्ही मान्नैगें, जिसनै उन ताहीं मोल लिया सै, अर पाप
की शक्ति तै आजाद करया सै, इस तरियां वे चाणचक अपणे-आप ताहीं नाश कर लेवैगें। 2 घणखरे
जो कहवैगें के हम बिश्वासी सां, वे उनकी ढाळ लुचपण के सुभाव नै अपणावैगे, अर उनके कारण
जो लोग बिश्वासी कोनी सच के राह की बुराई करैगें। 3 ये शिक्षक लालची होंगे, अर थारे तै धन
पाण कै खात्तर मनघडन्त कहाँनी सुणाकै थारे ताहीं धोक्खा देवैगें, परमेसवर नै भोत पैहले फैसला
ले लिया था, के वो उन ताहीं दण्ड देवैगा, अर वो यो करण आळा सै, वो सच म्ह उन ताहीं नाश
करण आळा सै। 4 क्यूँके जिब परमेसवर नै उन सुर्गदूत्तां ताहीं जिननै पाप करया था, उन ताहीं माफ
न्ही करया, पर उन ताहीं नरक म्ह भेजकै अँधेरे कुण्डां म्ह गेर दिया ताके न्याय कै दिन ताहीं कैदी
रहवै। 5 थम यो भी जाणो सों, के जो लोग भोत पैहले जिन्दा थे, उन म्ह परमेसवर का भय न्ही था,
परमेसवर नै उनकी बुराईयाँ ताहीं नजरअंदाज कोनी करया, जो उननै करी थी, पर उन ताहीं बाढ़ के
जरिये नाश कर दिया, उन म्ह तै परमेसवर नै आठ माणसां ताहीं बचाया जिस म्ह नूह भी था, जिसनै
धार्मिकता का प्रचार करया। 6 थम यो भी जाणो सों, के जो लोग भोत पैहल्या सदोम अर अमोरा
के नगर म्ह रहवै थे, परमेसवर नै उन ताहीं भी दण्ड दिया, क्यूँके उननै भोत बुरे काम करे थे, अर उन
ताहीं आग म्ह भस्म करकै राख बणा दिया। इसा करण के जरिये उसनै दिखा दिया, के उन माणसां
का के होगा जो उसका कहणा न्ही मानते। 7 सदोम नगर का नाश करण तै पैहले उसनै, लूत जो के
एक धर्मी माणस था, उस ताहीं उस नगर तै लिकाड़कै उस ताहीं बचा लिया। लूत दुखी था क्यूँके
सदोम नगर के लोग परमेसवर का कोए भी हुकम कोनी मान्नै थे, अर वे भोत बुरे काम करै थे। 8 वो
उन बुरे माणसां के बीच म्ह रहवै था, अर हरेक दिन उनके बुरे काम्मां नै देक्खै था जो वे करै थे, अर
बुरी बात्तां नै सुणै था जो वे बोल्लै थे, अर ये सारी बात उस ताहीं दुखी करै थी, क्यूँके वो धर्मी माणस

था। 9 वे सारी बात जो परमेसवर नै पुराणे बखत म्ह करी सै, वे ये दिखावै सै, के परमेसवर पवित्र
माणसां नै मुसीबतां तै किस तरियां बचावै सै, अर न्याय होण के दिन तक बुरे माणसां नै लगातार
दण्ड दिया जावै। 10 परमेसवर बुरे माणसां नै दण्ड देवैगा, खास करकै उन झूठ्ठे शिक्षकां नै जो
अशुद्ध अभिलाषायां कै पाच्छै देह कै मुताबिक चाल्दे, अर प्रभुता नै तुच्छ जाणै सै। वे ढीठ, अर
जिद्दी सै, अर सुर्गीय चिज्जां के बारें म्ह आच्छा-भुंडा कहण तै न्ही डरदे। 11 तोभी सुर्गदूत जो झूठ्ठे
शिक्षकां तै अर सामर्थ म्ह उनतै बड़े सै, प्रभु कै स्याम्ही जिब उन झूठ्ठे शिक्षकां पै दोष लगावै
सै तो वे अपमानजनक बात कहकै उनकी बुराई न्ही करदे। 12 पर ये झूठ्ठे शिक्षक जंगली-जानवरां
की तरियां सै, ये जानवर न्ही जाणते के किस तरियां सोचणा सै, अर उनका मकसद पकड़े जाणा अर
मरणा सै। ये लोग भी वोए काम करै सै जो इनकै मन म्ह आवै सै, अर उन चिज्जां के बारें म्ह बुराई
करै सै, जिसके बारें म्ह वे न्ही समझते, वे नाश हो जावैंगे। 13 दुसरयां का बुरा करण कै बदले उन्हे
का बुरा होवैगा। उननै दिन-दोफारी म्ह भोग-विलास करणा आच्छा लाग्गै सै। ये थारे पै कलंक अर
दोष सै, जिब वे थारे गेल्या प्रीति भोज म्ह शामिल होवै सै, तो अपणे छलावे का आनन्द ले सै।
14 वो हरेक जनानी नै देखकै उसके साथ जारी करणा चाहवै सै, अर पाप करण का मौक्का टोहवै सै,
ये उन माणसां ताहीं धोक्खा देवै सै जो परमेसवर पै पक्का बिश्वास कोनी राखदे, अर उन ताहीं पाप
करण खात्तर उकसावै सै, उनकी सदा बढ़दी रहण आळी लालसा के कारण परमेसवर उन ताहीं दण्ड
देवैगा। 15 उननै वो करणा छोड़ दिया सै, जो सही सै, अर उननै बओर के बेट्टे बिलाम की तरियां
बुरे काम करणे शरु कर दिए, जो उसनै भोत पैहले करे थे, क्यूँके उसनै बुरे काम्मां तै पईसा कमाणा
चाह्या। 16 पर परमेसवर नै बिलाम नबी की गधी के जरिये उस ताहीं डांटा-फटकारा जो बुरे काम वो
करण जावै था, हालाकि गधी जो बोल न्ही सकै थी, उसनै बिलाम नबी तै इन्सान की वाणी म्ह बात
करी, जिब वो राजा तै मिलण जाण लागरया था, तो गधी नै बिलाम नबी ताहीं उसकै बावळेपण तै
रोक्या। 17 ये झूठ्ठे शिक्षक उस बेकार पाणी के चोवै की तरियां सै जो सूख लिया सै, अर ये उस
बाद्दळ की तरियां भी सै जिस ताहीं बारिस तै पैहले हवा उड़ा ले जावै सै, परमेसवर नै उन खात्तर,
अनन्त अन्धकार म्ह जगहां राक्खी सै। 18 जिब वे माणसां नै सिखावै सै तो वो बेकार के अर घमण्डी
शब्दां नै इस्तमाल करै सै, वे माणसां नै समझावै सै के वो बुरे काम कर सकै सै जो उनकी देह करणा
चाहवै सै, अर उन माणसां तै भी दुबारा धोक्खें तै पाप करवाणा चाहवै सै, जो बुरी जिन्दगी तै बाळ-
बाळ बचे सै। 19 ये झूठ्ठे शिक्षक माणसां ताहीं कहवै सै के थम सारे काम करण खात्तर आजाद सों,
जो थम करणा चाहों सों, पर वो खुद गुलाम की तरियां सै, क्यूँके उनका पापी सुभाव उन ताहीं बुरे
काम करवावै सै, थम हर उस चीज के गुलाम सों जो थमनै काब्बू करै सै। 20 माणस इस दुनिया की
बुराईयाँ तै भाज्जै सै जिब वो मसीह यीशु नै अपणा उद्धारकर्ता मान लेवै सै, पर वे फेर तै बुरे काम
करण लाग्गै सै, अर वे बुरी चीज उन ताहीं काब्बू म्ह राक्खै सै, इब उनकी दशा जो के मसीह नै छोड़
देण तै सै, वो पैहल्ड़ी दशा तै भी भुंडी सै, जिब उननै मसीह पै बिश्वास करया था। 21 मेरे कहण का
मतलब यो सै, के परमेसवर उन माणसां ताहीं घणा दण्ड देवैगा जो मसीह ताहीं छोड़ देवै सै, उन
माणसां तै ज्यादा जो उस ताहीं कदे न्ही अपणादे, उन खात्तर यो ठीक होन्दा के वो कदे न्ही जाणते
के धार्मिकता का जीवन किस तरियां जीणा सै, उन ताहीं बेरा सै के सही के सै, पर वो परमेसवर के
हुकम नै कोनी मानते जो हम प्रेरितां नै उन ताहीं सिखाये सै। 22 उनपै ये दो कहावत सही बेठ्ठै
सै, के कुत्ता अपणी उलटी नै चाट्टै सै, अर नुहाई होई सुरी कीचड़ म्ह लोट्टण कै खात्तर फेर चली
जावै सै।

3

1 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, इब मै थारे ताहीं दुसरी चिट्ठी लिक्खूँ सूं, अर मै दोन्नु चिट्ठियाँ म्ह
थारे ताहीं कुछ चीज याद दुआ के थमनै सही ढंग तै सोच्चण खात्तर उत्साहित करण की कोशिश
करण लागरया सूं, जो थमनै पैहले तै सीख ली सै। 2 मै यो इस करकै करण लागरया सूं, क्यूँके मै
थमनै उन नबियाँ के शब्द याद दुवाणा चाहूँ सूं, जो उननै भोत पैहले कहे अर प्रभु यीशु मसीह जो

म्हारा उद्धारकर्ता सै, उसकी शिक्षा जो थमनै उन प्रेरितां तै सीखी जो थारे धोरै आए थे। 3 यो जाण
ल्यो के आखरी के दिनां म्ह मसीह के आण तै पैहल्या भोत-से इसे माणस होवैंगे जो थारा मजाक
उड़ावैंगे, क्यूँके थम बिश्वास करो सों के मसीह बोहड़ के आवैगा, अर वे बुरे तै बुरा काम करैगें जो
उन ताहीं खुश करै सै। 4 अर कहवैगें, "उसकै आण का वादा कित्त गया? क्यूँके जिब तै उनके पूर्वज
सो ग्ये सै, सारा किमे उस्से तरियां ए सै जिस तरियां सृष्टि की शरुआत तै था?" 5 वो इस करकै
कहवैंगें क्यूँके वो भूलणा चाहवै सै, के परमेसवर के वचन कै जरिये अकास पुराणे बखत तै विद्यमान
सै। उसनै धरती ताहीं भी पाणी म्ह तै बणाया अर पाणी तै न्यारा करया। 6 यो उनके मजाक का ए
नतिज्जा था, के बाद म्ह उसनै एक बड़ी बाढ़ के जरिये इस दुनिया ताहीं पाणी म्ह डूबो कै नाश
कर दिया। 7 पर परमेसवर नै इब के बखत का अकास अर धरती उस्से वचन कै जरिये ज्यांतै राख
राक्खे सै, के जळाए जावै, अर ये भगतिहीन माणसां के न्याय अर नाश होण कै दिन ताहीं इसेए धरे
रहवैंगे। 8 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, या बात थारे तै लुक्ही ना रहवै के प्रभु कै उरै एक दिन हजार
साल कै बराबर सै, अर हजार साल एक दिन कै बराबर सै, उसकै खात्तर दोन्नु एक्के सै। 9 प्रभु
अपणे वादे कै बारै म्ह वार न्ही करदा, जिसी देर कुछ माणस समझै सै, पर थारे बारै म्ह धीरज धरै
सै, अर न्ही चाहन्दा के कोए नाश हो, बल्के यो, के सारया ताहीं मन पलटन का मौक्का मिलै।
10 पर मसीह जरुर बोहड़ के आवैगा, उस दिन अकास म्ह बड़ा गरजण होगा अर अकास गायब हो
जावैगा, जो कुछ अकास म्ह सै जिस तरियां सूरज, चाँद अर तारे ये सब आग म्ह पूरी तरियां जळ
जावैंगे, उस दिन परमेसवर सब जाहिर करैगा, अर इस दुनिया म्ह होण लागरे सारे काम्मां का भी
न्याय करैगा। 11 जिब के ये सारी चीज इस तरियां तै पिंघळ के खतम होण आळी सै, तो थारे ताहीं
पवित्र चाल-चलण अर भगति म्ह किस ढाळ का माणस होणा चाहिये, 12 जिब थम उस दिन की
बाट देक्खो सों जिब परमेसवर इस दुनिया का न्याय करण आवैगा, तो उस दिन ताहीं तावळा ल्याण
खात्तर पूरी कोशिश करो, उस दिन आग अकास ताहीं जळा कै भस्म कर देवैगी अर जो कुछ अकास
म्ह सै उस ताहीं गर्मी पिंघळा देवैगी। 13 पर उसके वादे कै मुताबिक हम एक नये अकास अर नयी
धरती की आस देक्खां सां, जिस म्ह परमेसवर की धार्मिकता वास करैगी। 14 जिब के थम इन बात्तां
नै पूरा होण की बाट देक्खो सों तो थम इसी जिन्दगी जिओ जो परमेसवर नै पसन्द सै यानी थम
एक-दुसरे के साथ शान्ति तै उसकै स्याम्ही बेदाग अर बेकसूर रहो। 15 यो जाण ल्यो के, क्यूँ म्हारा
प्रभु धीरजवान सै? क्यूँके वो माणसां नै कुछ और बखत देणा चाहवै सै, ताके वो पाप करणा छोड़ दे,
अर वो उन ताहीं बचा सकै, जिब म्हारा संगी बिश्वासी भाई पौलुस जिसतै हम प्यार करां सां, उसनै
परमेसवर के ज्ञान के जरिये थारे ताहीं लिख्या सै, उसनै भी थारे ताहीं येए बात बताई सै, जो मन्नै
थारे ताहीं बताई सै। 16 उस्से तरियां ए उसनै अपणी सारी चिट्ठियाँ म्ह भी जो बिश्वासियाँ ताहीं
लिखी सै इन बात्तां का जिक्र करया सै, जिन म्ह कुछ बात इसी सै जिनका समझणा ओक्खा सै, अर
अनपढ़ अर चंचल माणस उनके मतलबां नै गलत तरिक्कें तै बतावै सै जिसा वो पवित्र ग्रन्थ की
दुसरे वचनां का गलत मतलब लिकाड़ै सै, इसा करकै वो परमेसवर नै मजबूर करै ताके वो उन ताहीं
नाश करदे। 17 ज्यांतै हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, थम जाणो सों, के ये सारी बात होवैंगी, तो ध्यान
राक्खों के जो लोग परमेसवर का हुकम ताहीं न्ही मानते वो झूठ के जरिये थारे ताहीं बहका ना दे,
अर उन बात्तां के बारें म्ह शक करण लागरे सों, जिनपै पैहले बिश्वास करो थे। 18 पर म्हारे प्रभु अर
उद्धारकर्ता यीशु मसीह के अनुग्रह अर ज्ञान की पहचान म्ह बढ़दे जाओ। उस्से की महिमा इब भी
हो, अर युगानुयुग होन्दी रहवै। आमीन।

यूहन्ना की पैहली चिट्ठी

यूहन्ना की पैहली चिट्ठी के दो खास मकसद सै: (1) अपणे पाठकां ताहीं परमेसवर अर उसके बेट्टे यीशु मसीह, की साझेदारी म्ह जीवन बिताण के खात्तर उत्साहित करणा सै। (2) अर उन झूठ्ठी शिक्षा के मानण तै, जिसतै या साझेदारी टूट जावैगी, इसके बिरुध्द चेतावनी देणा। यो झूठ्ठी शिक्षा इस धारणा पै आधारित थी के बुराई भौतिक दुनिया के साथ मिलण का नतिज्जा होवै सै, अर इस करकै यीशु परमेसवर का बेट्टा, सचमुच एक माणस होए न्ही सकदा। इन शिक्षकां का दावा था के मुक्ति पाण खात्तर एक माणस नै इस संसार म्ह जीवन तै जुड़ी बात्तां तै मुक्त होणा होगा। अर वे यो भी सिखावै थे कै शिष्टाचार अर अपणे भाई तै प्रेम राक्खण जिसी बात्तां का मुक्ति तै कोए रिश्ता कोनी। इस शिक्षा के बिरोध म्ह लेखक साफ तौर पै यो दिखावै सै कै यीशु मसीह सचमुच एक माणस था, अर वो इस बात पै जोर देवै सै, के जो यीशु मसीह म्ह बिश्वास करै सै, अर परमेसवर तै प्रेम करै सै तो जरूरी सै के वे आप्पस म्ह एक-दुसरयां गैल प्रेम करै।

रूप-रेखा

जानकारी 1:1-4 चाँदणा अर अन्धेरा 1:5-2:29
परमेसवर के बाळक अर शैतान के बाळक 3:1-24
सच अर झूठ 4:1-6
प्रेम का फर्ज 4:7-21
जीत देण आळा बिश्वास 5:1-21

1 हम उस जीवन देण आळे वचन कै बारें म्ह लिखण लागरे सां, जो शरु तै था, जिस ताहीं हमनै
सुण्या, अर जिस ताहीं हमनै अपणी आँखां तै देख्या, बल्के जिस ताहीं हमनै ध्यान तै देख्या अर
हाथ्थां तै छुआ। 2 (यो जीवन दुनिया म्ह आया अर हमनै इस ताहीं देख्या, अर हम उसके गवाह सां,
अर थमनै उस अनन्त जीवन की खबर देवां सां, जो पिता कै गैल था अर म्हारै पै जाहिर होया)।
3 जो किमे हमनै यीशु मसीह के बारें म्ह देख्या अर सुण्या सै उसकी खबर थमनै भी देवा सां, इस
करकै के थम भी म्हारै गैल संगति करो; अर म्हारी या संगति पिता अर उसकै बेट्टै यीशु मसीह कै
गैल सै। 4 अर ये बात हम इस करकै लिखा सां ताके थम खुशी तै भर जाओ।

5 जो खबर हमनै यीशु मसीह तै सुणी अर थमनै सुणावां सां, वो या सै के परमेसवर चाँदणे के
समान पवित्र सै, अर उस म्ह कुछ भी अन्धकार के समान कोए बुराई कोनी। 6 जै हम कहवां, के
परमेसवर कै गैल म्हारी संगति सै पर फेर भी अन्धकार म्ह चाल्लां, तो हम झूठ्ठे सां अर सच की
राह पै कोनी चाल्दे; 7 पर जिसा परमेसवर चाँदणे के समान सै, उसेए हम भी चान्दणा म्ह चाल्लां,
तो एक-दुसरे तै संगति राक्खा सां, अर उसकै बेट्टै यीशु मसीह का लहू हमनै सारे पाप तै शुद्ध करै
सै।
8 जै हम कहवां के म्हारै म्ह कोए भी पाप कोनी, तो अपणे-आपनै धोक्खा देवा सां, अर म्हारै म्ह
सच्चाई कोनी। 9 जै हम अपणे पाप नै परमेसवर के स्याम्ही मान ल्या, तो वो म्हारे पाप नै माफ
करण म्ह भरोसेमन्द अर धर्मी सै, अर वो हमनै सारे अधर्म तै शुद्ध करै सै। 10 जै हम कहवां के हमनै
पाप न्ही करया, तो परमेसवर नै झूठ्ठा बणावा सां, अर हम उसके वचन के मुताबिक जीवन कोनी
जिन्दे।

2

1 हे मेरै प्यारे बाळकों, मै ये बात थारे ताहीं इस करकै लिखूँ सूं, के थम पाप ना करो; अर जै कोए
पाप करै, तो परमेसवर पिता कै धोरै म्हारा एक मददगार सै, यीशु मसीह जो धर्मी सै,, जो म्हारे पापां
की माफी खात्तर पिता तै बिनती करै सै। 2 यीशु मसीह ए म्हारै पापां कै खात्तर प्रायश्चित बलि
सै, अर सिर्फ म्हारे ए न्ही बल्के सारी दुनिया के माणसां के पापां खात्तर भी।
3 जै हम परमेसवर के हुकम का पालन करांगे, उस्से तै हमनै बेरा लाग्गैगा के हम उस ताहीं
जाणागे सां। 4 जो कोए या कहवै सै, "मै उसनै जाण ग्या सूं," अर उसकै हुकम नै न्ही मानता, यो
वो माणस झूठ्ठा सै, उस म्ह सच कोन्या; 5 पर जो कोए परमेसवर कै वचन नै मान्नै सै, उस म्ह
सचमुच परमेसवर का प्यार सिध्द होया सै, परमेसवर म्ह म्हारे बणे रहण का सबूत योए सै, इस्से तै
हम जाणा सां के हम उस म्ह सां। 6 जो कोए या कहवै सै के मै मसीह यीशु म्ह बण्या रहूँ सूं, तो
उसकै खात्तर जरूरी सै, के जिसा मसीह यीशु जिया उसाए वो भी जीवै।

?? ?????

7 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, मै थमनै कोए नया हुकम न्ही, पर वोए पुराणा हुकम लिखूँ सूं, जो
शरु तै था, यो वाए हुकम सै, जिस ताहीं थमनै मसीह म्ह बिश्वास करते बखत सुण्या था। 8 फेर भी
मै थमनै नया हुकम लिखूँ सूं, उस हुकम की सच्चाई मसीह म्ह थी, अर वाए थारे म्ह भी सै; क्यूँके
अन्धकार मिटता जावै सै, अर सच का चान्दणा इब चमकण लाग्या सै।
9 जो कोए या कहवै सै, के मै चाँदणे म्ह रहूँ सूं, पर अपणे बिश्वासी भाई तै बैर राक्खै सै, तो वो
इब ताहीं अन्धकार म्ह ए रहण लागरया सै। 10 जो कोए अपणे बिश्वासी भाई तै प्यार करै सै, वो
चान्दणा म्ह रहवै सै, अर उस म्ह इसा कुछ कोनी के दुसरयां नै पाप करवावै। 11 पर जो कोए अपणे
बिश्वासी भाई तै बैर राक्खै सै, वो अन्धकार म्ह रहवै सै अर अन्धेरे म्ह चाल्लै सै, अर न्ही जाण्दा
के कित्त जावै सै, क्यूँके अन्धकार नै उसकी आँख आँधी कर दी सै।
12 हे बाळकों, मै थमनै इस करकै लिखूँ सूं के यीशु कै नाम तै थारे पाप माफ होए सै।
13 हे बुजुर्गों, मै थमनै इस करकै लिखूँ सूं के जो शरु तै सै, थम उसनै जाणो सों। हे गबरूओ, मै थमनै
इस करकै लिखूँ सूं के थमनै उस शैतान पै जीत पाई सै। हे लड़को, मन्नै थारे ताहीं इस करकै
लिख्या सै के थम पिता परमेसवर नै जाणगे सों।
14 हे बुजुर्गों, मन्नै थारे ताहीं इस करकै लिख्या सै, के जो शरु तै सै, थम पिता परमेसवर नै जाणगे
सों। हे गाबरूओं, मन्नै थारे ताहीं इस करकै लिख्या सै, के थम ताकतवर बणो, अर परमेसवर
का वचन थारे म्ह बणा रहवै सै, अर थमनै उस शैतान पै जीत पाई सै।

??????? ?? ?????? ?? ???

15 थम ना तो दुनिया तै अर ना दुनियावी चिज्जां तै प्यार राक्खो। जै कोए दुनिया तै प्यार राक्खै
सै, तो उस म्ह पिता परमेसवर का प्यार कोन्या। 16 क्यूँके जो किमे दुनिया म्ह सै, यानी देह की
अभिलाषा, आँखां की अभिलाषा अर रोजी रोटी का घमण्ड, वो पिता परमेसवर की ओड़ तै कोनी
पर दुनिया की ए ओड़ तै सै। 17 दुनिया अर उसकी अभिलाषा दोनु मिटते ज्या सै, पर जो परमेसवर
की मर्जी पै चाल्लै सै वो सदा बण्या रहवैगा।

????-???????

18 हे बाळकों, यो मसीह के आण का आखरी बखत सै; अर जिसा थमनै सुण्या सै, के मसीह का
बिरोधी भी आण आळा सै, उसकै मुताबिक इब भी घणेए मसीह बिरोधी उठ खड़े होए सै; इसतै हम
जाणगे सां, के यो आखरी बखत सै। 19 मसीह बिरोधी लिकड़ै तो म्हारी कलीसिया म्ह ए तै सै, पर
वे म्हारै थे ए कोनी; जै वे म्हारै होन्दे, तो हमनै छोड़ के ना जान्दे; उनका म्हारे ताहीं छोड़ के जाणा
ए यो साबित करै सै, के उन म्ह तै कोए भी म्हारा कोनी था।
20 पर थारे ताहीं तो पवित्र आत्मा मसीह के जरिये मिला सै, इस करकै थम सारी सच्चाई नै
जाणो सों। 21 मन्नै थारे ताहीं इस करकै न्ही लिख्या, के थम सच्चाई नै न्ही जाणदे, पर इस करकै
कै थम उस ताहीं जाणो सों, क्यूँके कोए भी झूठ, सच की ओड़ तै कोनी लिकड़ता। 22 झूठ्ठा कौण

सै? सिर्फ वो जो यीशु नै मसीह होण तै नाटै सै; अर मसीह का बिरोधी वोए सै, जो पिता परमेसवर
का अर बेट्टै का इन्कार करै सै। 23 जो कोए बेट्टे नै (मानण) तै नाटै सै उसकै धोरै पिता परमेसवर
भी कोनी जो बेट्टे नै मान ले सै, उसकै धोरै पिता परमेसवर भी सै।
24 जो संदेश थमनै शरु तै सुण्या सै, जिब थमनै मसीह पै बिश्वास करया, जै वो थारे म्ह बण्या
रहवै, तो थम भी बेट्टे म्ह अर पिता परमेसवर म्ह बणे रहोगे। 25 परमेसवर नै म्हारे तै वादा करया
सै, के वो हमनै अनन्त जीवन देवैगा।
26 मै थारे ताहीं उन माणसां कै बारें म्ह चेतावनी देऊ सूं, जो थमनै झूठ्ठी शिक्षा तै भरमावै सै;
27 अर थारे म्ह पवित्र आत्मा जो मसीह की ओड़ तै मिला सै, वो थारे म्ह रहवै सै; इस करकै यो
जरूरी कोनी, के कोए थमनै उस सच्चाई के बारें म्ह सिखावै, बल्के पवित्र आत्मा थारे ताहीं उन
बात्तां की सारी सच्चाई बतावै सै, अर पवित्र आत्मा जो थारे ताहीं सिखावैगा, वो बिल्कुल सच सै,
अर थारे तै झूठ कोनी बोल्लैगा, इस करकै मसीह म्ह बणे रह्वो, जिसा थारे ताहीं पवित्र आत्मा नै
सिखाया सै।

[illegible]

28 हे बाळकों, मसीह म्ह बणे रह्वो, के जिब वो दुबारा आवैगा, तो म्हारी हिम्मत बणी रहवै, ताके
मसीह कै आण पै उसकै स्याम्ही शर्मिन्दा ना होआ।
29 जै थम जाणो सों, के मसीह धर्मी सै, अर जो कोए धर्म का काम करै सै, वो परमेसवर की ऊलाद
सै।

3

1 सोच्चों तो सही के पिता परमेसवर नै म्हारै तै किसा प्यार करया, कै हम पिता परमेसवर की
ऊलाद कुहवाए; अर हम सां भी। पर इस कारण दुनिया के माणस हमनै कोनी जाणते, के हम परमेसवर
की ऊलाद सां, क्यूँके वे पिता परमेसवर नै भी कोनी जाणते। 2 हे मेरे प्यारे बिश्वासी भाईयो, इब
हम परमेसवर की ऊलाद सां अर इब ताहीं यो तय न्ही होया, के आण आळे बखत म्ह हम के बणागें!
इतणा जाणा सां के जिब यीशु मसीह आवैगा तो हम उसकै समान होवांगे, क्यूँके हम मसीह नै उसेए
दिक्खांगें जिसा वो सै। 3 अर जो कोए मसीह पै या आस राक्खै सै, वो अपणे-आपनै उसाए पवित्र
करै सै, जिसा वो पवित्र सै।
4 जो कोए बार-बार पाप करै सै, वो नियम-कायदा का बिरोध करै सै। अर हुकम ना मानना ए पाप
सै। 5 थम जाणो सों के मसीह इस खात्तर आया, ताके पाप नै दूर करै; अर उसकै म्ह कोए भी पाप
कोनी।* 6 जो कोए उस म्ह बण्या रहै सै, वो बार-बार पाप न्ही करदा: जो कोए बार-बार पाप करै सै,
वे कोनी जाणते के मसीह कौण सै, अर ना ए उसकै गैल कोए उनका रिश्ता सै।
7 हे बाळकों, किसे कै बहकावै म्ह ना आइयो। जो धर्म के काम करै सै, वोए मसीह कै समान धर्मी
सै। 8 जो कोए पाप करदा रहवै सै, वो शैतान की ओड़ तै सै, क्यूँके शैतान शरु तै ए पाप करदा आया
सै। परमेसवर का बेट्टा इस खात्तर आया के शैतान कै काम्मां का नाश करै। 9 जो परमेसवर की
ऊलाद सै, वो बार-बार पाप न्ही करदा; क्यूँके मसीह का सुभाव उस म्ह बण्या रहवै सै, अर वो पाप
कर ए न्ही सकता, क्यूँके वो परमेसवर की ऊलाद सै। 10 परमेसवर की अर शैतान की ऊलाद की
पिच्छाण इस्से तै हो ज्या सै: कोए भी माणस, जिसका जीवन धार्मिकता का कोनी, वो परमेसवर की
ओड़ तै कोनी, अर ना ए वो, जिसनै अपणे भाई तै प्यार न्ही करया।

[illegible]

11 जो खबर थमनै शरु तै सुणी, वो या सै के हम एक-दुसरे तै प्यार करां; 12 अर आदम के बेट्टे
कैन की ढाळ ना बणो, जो उस शैतान की ओड़ तै था, अर जिसनै अपणे भाई ताहीं मार दिया। अर
उस ताहीं क्यूँ मारया? क्यूँके उसके खुद के काम बुरे थे, अर उसके भाई के काम धर्म के थे। 13 हे
बिश्वासी भाईयो, जै दुनिया के माणस थारे तै बैर करै सै तो अचम्भा ना करो। 14 हम जाणा सां, के

* **3:5** 3:5 (यूह-1:29)

हम मौत के मुँह तै लिकड़कै जीवन म्ह दाखल होवा सां; क्यूँके हम बिश्वासी भाईयाँ तै प्यार राक्खा
सां। जो प्यार न्ही राखदा वो मृत्यु के सिकन्जे म्ह रहवै सै। 15 जो कोए अपणे बिश्वासी भाई तै बैर
राक्खै सै, वो हत्यारा सै; अर थम जाणो सों के हत्यारे म्ह अनन्त जीवन न्ही रहन्दा।
16 प्यार के सै? इस्से तै हमनै जाण लिया के यीशु मसीह नै म्हारै खात्तर अपणी जान दे दी;
इस करकै हमनै भी अपणे बिश्वासी भाईयाँ कै खात्तर जान देणी चाहिए। 17 पर जिस किसे कै धोरै
दुनिया की दौलत हो अर वो अपणे बिश्वासी भाई नै कंगाल देखकै उसपै तरस ना खावै, तो उस म्ह
परमेसवर का प्यार किस तरियां बण्या रहै सकै सै? 18 हे प्यारे बाळकों, म्हारे बोल्लण तै ए न्ही, पर
काम अर सच्चाई म्ह भी म्हारा प्यार दिखणा चाहिए।

[illegible]

19 जिब हम दुसरयां तै प्यार करां सां, तो हम जाण लेवां सां, के हम सच के सां; अर जिस बात म्ह
म्हारा मन हमनै दोष देवै सै, उसकै बारें म्ह हम परमेसवर कै आग्गै अपणे-अपणे मन नै होसला दे
सकां सां; 20 जै बुरे काम की बजह तै म्हारा मन हमनै दोषी बणावै तोभी हम परमेसवर के स्याम्ही
जा सकां सां, क्यूँके परमेसवर म्हारे मन तै बड़ा अर सब कुछ जाणण आळा सै। 21 हे प्यारे बिश्वासी
भाईयो, जै म्हारा मन हमनै दोष ना दे, तो हमनै परमेसवर कै आग्गै जाण म्ह होसला मिलै सै। 22 अर
जो कुछ हम परमेसवर तै माँग्गा सां, वो हमनै उसतै मिलै सै, क्यूँके हम उसकै हुकम नै मान्ना सां
अर जो उसनै आच्छा लाग्गै सै, वोए हम करा सां। 23 उसका हुकम यो सै के हम उसकै बेट्टे यीशु
मसीह पै बिश्वास करा, अर जिसा उसनै म्हारै ताहीं हुकम दिया सै उस्से कै मुताबिक हम आप्पस
म्ह प्यार करां। 24 जो परमेसवर के हुकम नै मान्नै सै, वो परमेसवर म्ह वास करे सै, अर वो उन म्ह
वास करे सै: अर इस्से तै, हम जाणा सां, के वो म्हारै म्ह रहवै सै उस पवित्र आत्मा के जरिये जो
उसनै म्हारै ताहीं दिया सै।

4

[illegible]

1 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, हरेक आत्मा का बिश्वास ना करो, बल्के आत्मायाँ नै परखो के वो
परमेसवर की ओड़ तै सै के न्ही; क्यूँके घणखरे झूठ्ठे नबी दुनिया म्ह उठ खड़े होए सै। 2 परमेसवर
की आत्मा थम इस रीति तै पिच्छाण सको सों: जो आत्मा मान ले सै के यीशु मसीह देह धारण
करकै आया सै, वो परमेसवर की ओड़ तै सै। 3 अर जो आत्मा यीशु नै न्ही मानती, वो परमेसवर की
ओड़ तै न्ही सै; अर वोए तो मसीह कै बिरोधी की आत्मा सै, जिसका जिक्र थमनै सुण्या सै के वो
आण आळा सै, अर इब भी दुनिया म्ह सै।
4 हे प्यारे बाळकों, थम परमेसवर के लोग सों, अर थमनै झूठ्ठे नबियाँ पै जीत पाई सै; क्यूँके
पवित्र आत्मा जो थारे म्ह बसै सै, वो शैतान तै बड्ड़ा सै, जो इस दुनिया म्ह सै। 5 झूठ्ठे नबी
दुनिया के लोग सै, इस कारण वे दुनिया की बात बोल्लै सै, अर लोग उनकी सुणै सै। 6 हम परमेसवर
के लोग सां। जो परमेसवर नै जाणै सै, वो म्हारी सुणै सै; जो परमेसवर नै न्ही जाणता वो म्हारी न्ही
सुणदा। इस ढाळ हम सच की आत्मा अर भ्रम की आत्मा नै पिच्छाण लेवां सां।

[illegible]

7 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, हम आप्पस म्ह प्यार करां; क्यूँके प्यार परमेसवर की ओड़ तै सै, जो
कोए प्यार करै सै, वो परमेसवर की ऊलाद सै, अर वो परमेसवर नै जाणै सै। 8 जो दुसरयां तै प्यार
न्ही करते, वो परमेसवर नै न्ही जाण्दा, क्यूँके परमेसवर प्यार सै। 9 जो प्यार परमेसवर म्हारै तै करै
सै, वो इसतै जाहिर होया के परमेसवर नै अपणे इकलौते बेट्टै ताहीं दुनिया म्ह भेज्जा सै, ताके
हम उसकै जरिये सच्चे जीवन नै पावां। 10 प्यार वो न्ही जो हमनै परमेसवर तै करया सै, बल्के प्यार
वो सै जो उसनै म्हारै तै करया, के म्हारे पापां कै प्रायश्चित कै खात्तर अपणे बेट्टै ताहीं भेज्जा।
11 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिब परमेसवर नै म्हारै ताहीं इसा प्यार करया, तो हमनै भी आप्पस

म्ह प्यार करणा चाहिए। 12 परमेसवर ताहीं भी किसे नै न्ही देख्या; जै हम आप्पस म्ह प्यार करां,
तो परमेसवर म्हारै म्ह बसा रहवै सै अर उसका प्यार म्हारै म्ह सिध्द होग्या।
13 इस्से तै हम जाणा सां के हम उस म्ह बणे रह्वा सां, अर वो म्हारै म्ह; क्यूँके उसनै अपणे पवित्र
आत्मा म्ह तै म्हारै ताहीं दिया सै। 14 हमनै देख भी लिया अर गवाही देवा सां के पिता परमेसवर नै
बेट्टे ताहीं दुनिया का उद्धारकर्ता बणाकै भेज्जा सै। 15 जो कोए या मान ले सै के यीशु परमेसवर का
बेट्टा सै, परमेसवर उस माणस म्ह वास करै सै, अर वो परमेसवर म्ह। 16 हम जाणगे सां, अर हमनै
बिश्वास सै के परमेसवर म्हारै तै प्यार करै सै। परमेसवर प्यार सै, अर जो प्यार म्ह बण्या रहवै सै, वो
परमेसवर म्ह वास करै सै, अर परमेसवर उस म्ह वास करै सै। 17 इस्से तै प्यार म्हारै म्ह सिध्द होया,
के न्याय कै दिन हमनै यो होसला मिलै, के परमेसवर हमनै दण्ड न्ही देगा। जिसा मसीह दुनिया म्ह
रहन्दे होए परमेसवर म्ह वास करै था, उसाए हम भी परमेसवर म्ह वास करां सां। 18 प्यार म्ह डर
न्ही होंदा, बल्के सिध्द प्यार डर नै दूर करदे सै; क्यूँके डर का सम्बन्ध दण्ड तै होवै सै, अर जो डरै
सै वो प्यार म्ह सिध्द न्ही होया।
19 हम इस करकै प्यार करा सां, के पैहले उसनै म्हारै तै प्यार करया। 20 जै कोए कहवै, "मै परमेसवर
तै प्यार करुँ सूं," पर अपणे बिश्वासी भाई तै बैर राक्खै तो वो झूठ्ठा सै; क्यूँके जो अपणे बिश्वासी
भाई तै जिस ताहीं उसनै देख्या सै प्यार न्ही कर सकता, तो वो परमेसवर तै भी जिस ताहीं उसनै
न्ही देख्या प्यार न्ही कर सकता। 21 परमेसवर तै हमनै यो हुकम मिल्या सै, कै जो कोए परमेसवर
तै प्यार राक्खै सै वो अपणे भाई तै भी प्यार राक्खै।

5

[illegible]

1 जिसका यो बिश्वास सै, के यीशु ही मसीह सै, वो परमेसवर पिता की ऊलाद सै; अर जो कोए
परमेसवर तै प्यार करै सै, वो उसके माणसां तै भी प्यार करैगा। 2 जिब हम परमेसवर तै प्यार करां सां
अर उसकै हुकम नै मान्ना सां, तो इस्से तै हम जाणा सां, के हम परमेसवर अर उसके माणसां तै प्यार
करां सां। 3 परमेसवर तै प्यार करण का मतलब यो सै के हम उसकै हुकमां नै मान्नै; अर उसके हुकम
मुश्किल कोन्या।* 4 क्यूँके जो परमेसवर पिता की ऊलाद सै, उसनै दुनिया पै जीत हासिल करी सै;
अर वा जीत दुनिया ताहीं हरा देवै सै, वो म्हारा बिश्वास ए सै। 5 दुनिया पै जीत पावैण आळा कौण
सै? सिर्फ वो जिसका यो बिश्वास सै के यीशु ए परमेसवर का बेट्टा सै।

[illegible]

6 मसीह यीशु ए सै, जिसनै बपतिस्मा लिया अर म्हारे खात्तर सूळी पै अपणा लहू भी बहाया।
7 गवाही देण आळे तीन सै। 8 आत्मा, पाणी अर लहू; ये तीन्नु एके बात पै सहमत सै। 9 जिब
हम माणसां की गवाही मान ल्यां सां, तो परमेसवर की गवाही तो उसतै बढ़कै सै; अर परमेसवर की
गवाही या सै के उसनै अपणे बेट्टै कै बारें म्ह गवाही दी सै। 10 जो परमेसवर कै बेट्टै पै बिश्वास करै
सै, वो अपणे मन म्ह ए बिश्वास राक्खै सै। जिसनै परमेसवर पै बिश्वास न्ही करया उसनै परमेसवर
ताहीं झूठ्ठा बताया, क्यूँके उसनै उस गवाही पै बिश्वास न्ही करया जो परमेसवर नै अपणे बेट्टै कै
बारें म्ह दी सै। 11 अर वा गवाही या सै के परमेसवर के बेट्टे के जरिये हमनै अनन्त जीवन पाया
सै, अर यो जीवन उसकै बेट्टै म्ह सै। 12 उसके बेट्टे तै म्हारा गहरा रिश्ता सै, उसकै धोरै अनन्त
जीवन सै; अर जिसका परमेसवर के बेट्टे तै रिश्ता कोनी, उसकै धोरै अनन्त जीवन भी कोनी।

[illegible]

13 मै या चिट्ठी थारे ताहीं लिखूँ सूं, जो परमेसवर कै बेट्टै कै नाम पै बिश्वास करो सों, ताके थम
जाणो के अनन्त जीवन थारा सै। 14 हमनै परमेसवर कै स्याम्ही यो होसला मिलै सै, वो होसला यो
सै, के जो हम उसकी इच्छा के मुताबिक माँग्गा सां, तो वो म्हारी सुणै सै। 15 जिब हम जाणा सां, के

* 5:3 5:3 मत्ती 11:30

जो कुछ परमेसवर तै मांग्या सै, वो म्हारी सुणै सै, तो यो भी जाणा सां, के जो कुछ हमनै परमेसवर तै मांग्या, वो पाया सै।
16 जै कोए अपणे बिश्वासी भाई नै इसा पाप करते देक्खै, जिसका नतिज्जा मौत ना हो, तो बिनती
करै, अर परमेसवर उस ताहीं उन खात्तर, जिन नै इसा पाप करया सै, जिसका कारण मौत
ना हो, जीवन देगा। जिस पाप का नतिज्जा मृत्यु सै; मै इसकै बारें म्ह बिनती करण खात्तर
न्ही कहन्दा 17 सारी ढाळ के बुरे काम तो पाप सै, पर इसा पाप भी सै जिसका नतिज्जा
मृत्यु कोनी।
18 हम जाणा सां, के जो कोए परमेसवर ऊलाद सै, वो बार-बार पाप न्ही करते; क्यूँके परमेसवर का
बेट्टा यीशु मसीह उसनै पाप तै बचाई राक्खैगा, अर शैतान उसनै छू भी न्ही पांदा। 19 हम
जाणा सां, के हम परमेसवर तै सां, अर सारी दुनिया उस शैतान कै बस म्ह पड़ी सै। 20 हम यो
भी जाणा सां, के परमेसवर का बेट्टा यीशु मसीह आ ग्या सै, उसनै म्हारे ताहीं उस सच्चे
परमेसवर नै पिच्छाणण की समझ दी सै; के म्हारा परमेसवर का करीबी रिश्ता सै, क्यूँके
म्हारा उसके बेट्टे कै गेल्या करीबी रिश्ता सै। सच्चा परमेसवर अर अनन्त जीवन योए सै।
21 हे बाळकों हरेक उस चीज तै दूर रहों जो थमनै परमेसवर तै दूर करै सै।

यूहन्ना की दुसरी चिट्ठी

[illegible]

यूहन्ना की दुसरी चिट्ठी “यूहन्ना” की ओड़ तै चुणी होई बिरबान्नी अर उसकै बाळकां के नाम लिक्खी गई सै, हो सके सै: उसका मतलब एक घरेलू कलीसिया अर उसकै सदस्य। साफ तौर तै इसका सन्देस सै, एक-दुसरयां तै प्यार करण की बिनती अर झूठ्ठी शिक्षकां अर उनकी झूठ्ठी शिक्षा के खिलाफ चेतावनी।

रूप-रेखा

जानकारी 1-3
प्यार की बड़ाई 4-6
झूठ्ठे रीति-रिवाजां के खिलाफ चेतावनी 7-11
समापन 12,13

[illegible]

1 या चिट्ठी मुझ यूहन्ना की ओड़ तै सै, जो कलीसिया का अगुवां सै, मै उस परमेसवर के जरिये
चुणी गई बिरबान्नी अर उसके बाळकां के नाम या चिट्ठी लिखण लागरया सूं, जिनतै मै सच्चा प्यार
करुँ सूं, अर सिर्फ मै ए न्ही बल्के वे सारे भी प्यार करै सै, जो सच्चाई नै जाणै सै। 2 हम थारे तै प्यार
करा सां, क्यूँके सच्ची शिक्षा म्हारे म्ह रहवै सै, अर म्हारे साथ सदा रहवैगी। 3 परमेसवर पिता, अर
उसके बेट्टे यीशु मसीह की ओड़ तै अनुग्रह, दया, शान्ति, ये सब उनकै साथ रहवैंगी, जो इस
सच्चाई नै मान्नै सै, अर एक-दुसरे तै प्यार करै सै।

[illegible]

4 मै घणा राज्जी होया के मन्नै तेरे कई बाळकां ताहीं उस हुकम कै मुताबिक, जो म्हारै पिता
की ओड़ तै मिल्या था, सच पै चाल्दे होए पाया। 5 इब हे नारी, मै तेरे तै बिनती करुँ सूं, के हमनै
एक-दुसरे तै प्यार करणा चाहिए, यो कोए नया हुकम कोनी, बल्के यो वो हुकम सै जिसनै हम उस
बखत तै जाणा सां, जिब हमनै मसीह कै पाच्छै चालणा शरु करया था। 6 अर सच्चा प्यार यो सै, के
हम परमेसवर के हुकमां कै मुताबिक चाल्लां, जिस दिन तै थमनै मसीह कै पाच्छै चालणा शरु करया
था, उस दिन तै थम जाणो सों, के परमेसवर नै म्हारे ताहीं हुकम दिया सै, के हम सदा एक-दुसरे तै
प्यार करा। 7 मै ज्यांतै कहूँ सूं, क्यूँके भोत-से लोग झूठ्ठी शिक्षा तै दुसरयां नै धोक्खा देण आळे, इस
दुनिया म्ह अलग-अलग जगहां तै लिकड़ आए सै, वे कहवै सै, के मसीह इस दुनिया म्ह इन्सान का
रूप धारण करकै न्ही आया, जै कोए माणस ये बात कहवै सै तो वो माणस यीशु मसीह का बिरोधी
सै, वो दुसरयां ताहीं भरमाण आळा सै। 8 थमनै चौक्कस रहणा चाहिए, के ये लोग थमनै धोक्खा
न्ही देण पावै, ताके परमेसवर की सेवा करण म्ह जो मेहनत थमनै करी सै, वा बेकार ना जावै, पर
परमेसवर थारी उस मेहनत का थमनै ईनाम देवैगा। 9 जै कोए माणस, मसीह नै जो शिक्षाएँ दी सै
उसका पालन न्ही करदा, अर अपणी ओड़ तै उन शिक्षा म्ह कुछ और जोडै सै, तो उसकी परमेसवर
कै गैल साझेदारी कोनी, पर जो कोए उसकी दी गई शिक्षा का पालन करदा रह सै, उसकी पिता
परमेसवर अर उसके बेट्टे यीशु मसीह कै गैल साझेदारी सै। 10 जै कोए थारे धोरै आवै अर वा शिक्षा
दे जो मसीह की शिक्षा तै न्यारी सै, तो उस ताहीं थम ना तो घर म्ह आण द्यो अर ना नमस्कार करो।
11 क्यूँके जो कोए इसे माणस नै नमस्कार करै सै, वो उसके भुन्डे काम्मां म्ह साझ्झी होवै सै।

[illegible]

12 मन्नै घणीए बात थारे ताहीं बताणी सै, पर मै उन बात्तां नै इस चिट्ठी म्ह लिखणा कोनी
चाहन्दा, अर उम्मीद सै के मै थारे धोरै आऊँगा, अर आम्ही-स्याम्ही थारे तै बात करुँगा, अर फेर

हम आच्छी ढाळ खुशी मनावांगे। 13 परमेसवर के जरिये चुणी गई बेब्बे के बाळकां का, थारे ताहीं
नमस्कार।

यूहन्ना की तीसरी चिट्ठी

[illegible]

यूहन्ना की तीसरी चिट्ठी “यूहन्ना” की ओड़ तै कलीसिया के एक अगुवें, गयुस, ताहीं लिखी गई थी। लेखक गयुस की इस करकै बड़ाई करै सै क्यूँके वो दुसरे बिश्वासियाँ की भोत मदद कर सै, साथ म्ह दियुत्रिफेस नाम के एक माणस तै चौक्कस रहण की चेतावनी भी चेतावनी भी देवै सै।

रूप-रेखा

जानकारी 1-4
गयुस की बड़ाई 5-8
दियुत्रिफेस ताहीं उल्हाणा 9,10
देमेत्रियुस ताहीं सराहया जाणा 11,12
समापन 13-15

[illegible]

1 या चिट्ठी मुझ यूहन्ना की ओड़ तै, जो कलीसिया का अगुवां सै, प्यारे मित्तर गयुस कै नाम सै,
जिसतै मै सच्चा प्यार करुँ सूं। 2 हे प्यारे मित्तर, मेरी या प्रार्थना सै, के जिसा तू आत्मिक बढ़ोतरी
करण लाग रह्या सै, उस्से तरियां तू सारी बात्तां म्ह बढ़ोतरी करै अर भला चंगा रहवै। 3 क्यूँके जिब
कुछ बिश्वासी भाईयाँ नै आणकै मेरे ताहीं बताया के तू ईमानदारी तै परमेसवर की सच्ची राह पै
चाल्लण लागरया सै, तो मै भोत-ए राज्जी होया। 4 मन्नै इसतै बढ़कै किसे और बात की खुशी कोनी
के जिब मै सुणु सूं, के वे लोग जो मेरे बाळकां की तरियां सै, वे परमेसवर की सच्ची राह पै चाल्लण
लागरे सै।

[illegible]

5 हे प्यारे मित्तर, तू म्हारे बिश्वासी भाईयाँ की मदद कै खात्तर ईमानदारी तै भोत कुछ करण
लागरया सै, तन्नै उनकी भी मदद करी जिन ताहीं तू न्ही जाणदा। 6 जिनकी तन्नै मदद करी थी, उन
म्ह तै कई माणसां नै, उरै की कलीसिया के बिश्वासी भाईयाँ ताहीं बताया, के तू अपणे बिश्वासी
भाईयाँ तै कितना प्यार करै सै, इब मै थमनै कहूँ सूं के तू इसे माणसां की हमेशा मदद करदा रहै, जिब
वे दुसरी जगहां सफर खात्तर जावै सै, क्यूँके योए परमेसवर नै आच्छा लाग्गै सै। 7 क्यूँके ये लोग
हरेक जगहां सफर करै सै, ताके मसीह का वचन सुणा सकै, अर गैर यहूदियाँ तै कुछ मदद न्ही लेंदे।
8 इस करकै हमनै अपणे घर म्ह, इसे माणसां का स्वागत करकै उनकी सेवा-पाणी करणी चाहिए,
अर उनकी हरेक जरूरत पूरी करणी चाहिए, ताके हम माणसां म्ह सच्चा सन्देस फैलाण म्ह उनके
साझ्झीदार हो सका।

[illegible]

9 मन्नै पैहले थारी कलीसिया के बिश्वासियाँ ताहीं एक चिट्ठी लिखी थी, पर दियुत्रिफेस नै मेरी
हिदायत मानण तै इन्कार कर दिया क्यूँके वो खुद हमेशा कलीसिया का अगुवां बणणा चाहवै था।
10 इस करकै जिब मै आऊँगा तो, थारे स्याम्ही उसके जरिये करे गये सारी बात्तां नै स्पष्ट कर देऊँगा,
यानी सारे बुरे-बुरे शब्दां का इस्तमाल करदे होए जो उसनै म्हारे पै दोष लगाए, इतणाए न्ही बल्के
वो ना ए तो किसे शिक्षक ताहीं स्वीकार करै सै, अर ना ए कलीसिया के किसे बिश्वासी ताहीं इसा
करण देवै सै, जो स्वीकार करणा चाहवै सै, उन ताहीं वो कलीसिया तै बाहर कर देवै सै। 11 हे प्यारे
मित्तर, बुराई करण आळे न्ही, पर भलाई करण आळे बणो। जो भलाई करै सै, वो परमेसवर की ओड़
तै सै, पर जो बुराई करै सै, वो परमेसवर ताहीं कोनी जाणदा। 12 कलीसिया म्ह हर कोए कहवै सै, के
देमेत्रियुस एक आच्छा माणस सै, क्यूँके उसका बरताव परमेसवर के सच्चे सन्देस के मुताबिक सै,
अर तू भी जाणै सै के जो हम कहवा सां वो सच सै।

???? ???????

13 मन्नै तेरे ताहीं भोत कुछ बताणा तो था, पर मै उन बात्तां नै इस चिट्ठी म्हं लिखणा कोनी
चाहन्दा। 14 पर मन्नै उम्मीद सै, के तेरे तै तावळा-ए मिलूँगा, फेर हम आम्ही-स्याम्ही बात करागें।
15 मै प्रार्थना करुँ सूं, के परमेसवर थमनै शान्ति देवै। ओड़ै के मित्तरां तै नाम ले-लेकै म्हारी ओड़
तै नमस्कार कह दिये।

यहूदा की चिट्ठी

[illegible]

यहूदा की चिट्ठी झूठ्ठी शिक्षा देणिया के खिलाफ चेतावनी देण खात्तर लिक्खी गई सै, क्यूँके वे बिश्वासी होण का दावा करै थे। इस छोट्टी सी चिट्ठी की कई बात पतरस की दुसरी चिट्ठी कै समान सै, इस म्ह लेखक अपणे पाठकां नै उत्साहित करै सै के "उस बिश्वास के खात्तर पूरी कोशिश करो जो पवित्र माणसां ताहीं एके बार सौप्या ग्या था।"

रूप-रेखा

जानकारी 1,2
झूठ्ठे शिक्षाकां का चाल-चलण, शिक्षा, अर अंत 3-16
बिश्वास म्ह बणे रहणे की चेतावनी 17-23
आशीष वचन 24,25

1 या चिट्ठी मुझ यहूदा की ओड़ तै सै, मै, मसीह यीशु का दास अर याकूब का छोट्टा भाई सूं।
मै या चिट्ठी उन माणसां ताहीं लिखण लागरया सूं, जिन ताहीं परमेसवर नै अपणे पै बिश्वास करण
खात्तर बुलाया सै। पिता परमेसवर थारे तै प्यार करै सै, अर मसीह यीशु म्ह थारे ताहीं सुरक्षित
राक्खै सै। 2 मै प्रार्थना करुँ सूं, के परमेसवर थारे ताहीं दया, शान्ति अर प्यार भोत-ए घणा देवै। 3 हे
प्यारे बिश्वासी भाईयो, जिब मै उस नई जिन्दगी के बारें म्ह लिखण म्ह घणी मेहनत करण लागरया
था, जो म्हारे ताहीं मसीह यीशु के जरिये परमेसवर तै मिलै सै, अर जिस म्ह हम सब साझीदार सां।
तो मन्नै महसूस होया के मै इस चिट्ठी के जरिये थमनै उत्साहित करुँ, ताके थम अपणे बिश्वास
की बढ़ोतरी खात्तर और भी मेहनत करो, परमेसवर नै यो बिश्वास सारे माणसां ताहीं सदा खात्तर
एके बार दे दिया सै, अर यो बदल्या न्ही जा सकदा। 4 क्यूँके परमेसवर का कहणा ना मानण आळे
भोत-से झूठ्ठी शिक्षा देण आळे लोग चुपचाप म्हारे बिना जाणे म्हारै म्ह आ मिले सै, ये वो लोग सै
जिनकै बारें म्ह परमेसवर नै सदियाँ पैहले पवित्र ग्रन्थ म्ह कह्या था, के उन ताहीं परमेसवर दण्ड
देवैगा। वे परमेसवर के अनुग्रह के सन्देस नै बिगाड़ के उस ताहीं भोग-विलास म्ह बदल देवै सै।
यीशु मसीह जो म्हारा एकमात्र माल्लिक अर प्रभु सै, वे उसका इन्कार करै सै। 5 हालांकि थमनै
सारी बात्तां का बेरा सै, फेर भी मै थमनै वे बात याद दुवाणा चाहूँ सूं, जिब प्रभु नै इस्राएली माणसां
ताहीं मिस्र देश की गुलाम्मी तै छुड़ाया था, तो उसकै बाद उन म्ह बिश्वास ना करणीया का प्रभु
नै जंगल-बियाबान म्ह नाश कर दिया। 6 यो भी याद राक्खों के परमेसवर नै उन सुर्गदूत्तां ताहीं भी
दण्ड दिया, जिननै अपणी प्रभुता बणाए न्ही राक्खी, बल्के अपणी खुद की रहण की जगहां जो के
सुर्ग थी छोड़ दी, परमेसवर नै उन ताहीं भी भीषण दिन कै न्याय खात्तर अन्धेरै म्ह, जो सदा काल कै
खात्तर सै, बेल्लां तै बाँधकै राख्या सै, जिन ताहीं कोए तोड़ न्ही सकदा। 7 उस्से तरियां उन माणसां
के बारें म्ह जो सदोम अर अमोरा नगर अर उसकै लोवै-धोवै के नगर के माणसां कै गैल के बणी थी। वे
माणस जार होगे थे, अर अप्राकृतिक यौन-सम्बन्धां कै पाच्छै लाग्गे थे, तो परमेसवर नै उन ताहीं
आग तै भस्म कर दिया, जो उनकै गैल होया वा दुसरयां खात्तर चेतावनी सै, क्यूँके वे भी अनन्त
आग के जरिये दण्ड पावैंगें। 8 इन बात्तां के बारें म्ह बेरा होन्दे होए, परमेसवर का कहणा ना मानण
आळे लोग इस्से तरियां तै पाप करै सै, उनका कहणा सै, के वे दर्शन देक्खै सै, वे अपणी-अपणी देह नै
अशुद्ध करै सै, अर वे परमेसवर की प्रभुता नै अस्वीकार करै सै, अर सुर्गदूत्तां की बुराई करै सै। 9 पर
परमेसवर के प्रधान सुर्गदूत मीकाईल नै, जिब शैतान तै मूसा नबी की लाश कै बारें म्ह वाद-विवाद
करया, तो मीकाईल सुर्गदूत नै भी उसतै आच्छा-भुंडा कहकै खोट लाण की हिम्मत कोनी करी, पर

सिर्फ इतणाए कह्या, के “प्रभु तन्नै फटकारै[*]।” 10 पर परमेसवर का कहणा ना मानण आळे ये लोग
उन बात्तां की आलोचना बुरे शब्दां तै करै सै, जिन ताहीं वे जाणदे ए कोनी, अर जिन बात्तां नै वे जाणै
सै, उन ताहीं वे बिना सोच्चे-समझे जंगली-जानवरां की तरियां करै सै, इसे काम्मां खात्तर परमेसवर
उन ताहीं दण्ड देवैगा। 11 धिक्कार सै उनपै! जो कैन की तरियां बुरी जिन्दगी जीवै सै, जिसनै अपणे
भाई का खून इस करकै करया था, क्यूँके परमेसवर नै उसकी भेट स्वीकार कोनी करी, अर उसके भाई
की कर ली थी, अर वो उस बिलाम की तरियां सै, जिसनै परमेसवर के माणसां ताहीं पाप करण खात्तर
उकसाया, ताके वो धन ले सकै जिसकी पेशकस उस ताहीं करी गई थी, अर जो कोरह की ढाळ मूसा
नबी के अधिकार का बिरोध करण के कारण नाश होगे। 12 जिब थम परमेसवर के प्यार नै, याद करण
कै खात्तर प्रीति भोज[†] म्ह कठ्ठे होओ सों, तो वे भी थारे म्ह शामिल हो जावै सै, तब वे उस समुन्दर
म्ह लुक्ही होए पत्थर की चट्टान की तरियां सै, जो थारे ताहीं डूबो सकै सै। वे उस पाळी की तरियां
सै जो सिर्फ अपणा पेट भरै सै, अर वे बिना पाणी के बादल सै, जिन ताहीं हवा उड़ा ले जावै सै, वे
पतझड़ के इसे दरखत सै, जिन म्ह कदे फळ कोनी लाग्दे, अर ये जड़ तै उखड़गे सै। 13 ये समुन्दर
की तेज झाल के हिलोरे सै, जो अपणी गंदगी का झाग उछाळै सै, ये लोग शर्मनाक काम करै सै,
ये उन राह तै भटके होए तारां की ढाळ सै, जो किसे नै सही राह न्ही दिखा सकदे, जिनकै खात्तर
परमेसवर नै सदा खात्तर घोर अन्धकार की जगहां तय कर राक्खी सै, जड़ै वो सदा खात्तर रहवैंगे।
14 हनोक नै भी जो आदम की सातवीं पीढ़ी म्ह तै था, इन माणसां कै बाबत या भविष्यवाणी करी
थी, “देक्खों, प्रभु अपणे लाखां पवित्र सुर्गदूत्तां कै गेल्या आवैगा, 15 तो उन सब माणसां का न्याय
करैगा, अर बुरे माणसां नै उनके बुरे काम्मां का अर दुष्ट माणसां नै जिननै परमेसवर के बिरोध म्ह
कड़वे शब्द इस्तमाल करे थे, उन ताहीं कसूरवार ठहरावैगा।” 16 ये तो बेसबरे, बड़बड़ाण आळे, अर
अपणी मर्जिया कै मुताबिक लगातार बुरे काम करै सै, अर अपणे मुँह तै घमण्ड की बात बोल्लै सै,
वे अपणे फायदे कै खात्तर चापलूस्सी की बात करै सै। 17 पर हे प्यारे भाईयो, थम इन बात्तां नै याद
राक्खो, जो म्हारे प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित भोत पैहल्याए कहगे सै। 18 वे थमनै कह्या करै थे,
“के प्रभु यीशु मसीह के बोहड़ण तै पैहले इसे माणस भी होवैंगे जो प्रभु का मजाक उड़ावैंगे, वे
इसे माणस सै, जो अपणी बुरी अभिलाषायां कै मुताबिक जिन्दगी जिवैंगे।” 19 ये वे माणस सै, जो
थारे म्ह फूट गेरै सै, अर जिन म्ह पवित्र आत्मा न्ही सै उनकी बुरी अभिलाषा, उन ताहीं अपणे
बस म्ह राक्खै सै। 20 हे प्यारे बिश्वासी भाईयो, थम लगातार एक-दुसरे की बढ़ोतरी करते जाओ,
अर आप्पस म्ह एक-दुसरे नै सच्ची शिक्षा जिसपै थम बिश्वास करो सों, उसतै उत्साहित करदे रहों,
अर जिस तरियां पवित्र आत्मा थारे ताहीं अगुवाई करै सै थम प्रार्थना करदे रहों। 21 थमनै यो
जाणकै जीवन जीणा चाहिए, के परमेसवर थारे तै प्यार करै सै, अर थम उस दिन की बाट देखदे रहो
जिस दिन म्हारा प्रभु यीशु मसीह बोहड़कै आवैगा ताके थमनै अनन्त जीवन मिलै, क्यूँके उसनै
म्हारे पै दया करी सै। 22 उन माणसां पै दया करो जिनका बिश्वास डामाडोल होरया सै। 23 घणखरे
माणसां नै न्याय की आग तै झपट्टा मारकै लिकाड़ो, अर दुसरे माणसां के प्रति दयालु रहों, पर
इसकै साथ चौक्कस भी रहों, उस लत्ते तै भी नफरत करो जो पाप तै भरे काम्मां तै कलंकित हो गया
सै। 24-25 वो एकमात्र सच्चा परमेसवर सै, जो थमनै ठोक्कर खाण तै बचा सकै सै, अर वो थमनै
बेकसूर अर मगन करकै अपणे महिमा म्ह अपणे स्याम्ही खडया करैगा। जो प्रभु यीशु मसीह नै
म्हारे खात्तर करया, उसकै जरिये परमेसवर नै म्हारे ताहीं बचाया सै। म्हारा प्रभु यीशु मसीह माणसां
म्ह, परमेसवर की तारीफ करण का कारण बणा, ताके वो पिच्छाण सकै, के शरुआत तै, इब अर सदा
कै खात्तर शक्ति अर अधिकार उस्से का सै। आमीन।

[*] **1:9** 1:9 फटकारैधमकावै [†] **1:12** 1:12 प्रीति भोज परमेसवर के लोग जो भाई चारे म्ह कठ्ठे हो कै खाणा खावै सै उस ताहीं प्रीति भोज कहवै सै

प्रकाशित वाक्य

[illegible]

यूहन्ना का प्रकाशित-वाक्य उस बखत लिख्या ग्या था, जिब बिश्वासियाँ ताहीं उनकै बिश्वास कै खात्तर तंग करया जाण लाग रहया था। यीशु मसीह पै प्रभु अर माल्लिक के रूप म्ह बिश्वास करण कै कारण। इसकै लेखक की चिन्ता की बड्डी बात या सै के अपणे पढ़णियां म्ह आसा अर हिम्मत देणा अर उन ताहीं या बिनती करणी थी के इस दु:ख अर सताव कै बखत बिश्वास म्ह बणे रहवै। इस किताब का घणखरा भाग प्रकाशनां अर दर्शणा की मालाओं कै रूप म्ह सै, जिस तरियां सांकेतिक भाषा म्ह दिखाया ग्या सै, हो सकै सै उस बखत कै बिश्वासियाँ की समझ म्ह आगी थी, पर दुसरे माणसां खात्तर यो भेद रह्या। जिस तरियां संगीत म्ह धुन होवै सै, उसे तरियां इस किताब म्ह कई चीज बार-बार कई तरियां तै न्यारे-न्यारे दर्शणा की मालाओं कै जरिये दुहराई जावै सै। पर इस किताब की व्याख्या म्ह उसकै बारै म्ह मतभेद सै। फेर भी जरूरी बात साफ सै: कै परमेसवर प्रभु यीशु मसीह कै जरिये अपणे सारे दुश्मनां नै जिन म्ह शैतान भी शामिल सै, सदा कै खात्तर पूरी तरियां तै हरा देवैगा। अर जिब या जीत पूरी हो ज्यागी तो वो अपणे बिश्वास लायक माणसां नै नया अकास अर नई धरती नै आशीषां तै भर देवैगा।

रूप-रेखा

जानकारी 1: 1-8
शरुआती दर्शन अर सात्तु कलीसिया ताहीं चिट्ठी 1:9-3:22
सात मोहर कै जरिये बन्द चमड़े की चिट्ठी 4:1-8:1
सात तुरही 8:2-11:19
अजगर अर दो पशु 12:1-13:18
और दर्शन 14:1-15:8
परमेसवर के छो के सात कटोरे 16:1-21
बेबीलोन का नाश, अर पशु, झूठ्ठे नबी, और शैतान की हार 17:1-20:10
आखरी न्याय 20:11-15
नया अकास, नई धरती, अर नया यरुशलेम 21:1-22:5 समापन 22:6-21

1 परमेसवर नै यीशु मसीह ताहीं वो गुप्त बातें दिखाई जो भोत तावळी होण आळी सै, ताके वो
अपणे दास्सां पै इन बात्तां नै जाहिर करै, उसकै बाद मसीह नै सुर्गदूत भेज्या, ताके अपणे दास
यूहन्ना ताहीं ये बात दिखावै। 2 यूहन्ना नै वो सब कुछ लिख लिया, जो उस ताहीं दिखाया गया
था, यानी वो वचन जो परमेसवर की ओड़ तै आया था, अर जो कुछ भी मसीह यीशु नै कह्या था।
3 धन्य सै वे जो इस भविष्यवाणी के वचन नै पढ़ै सै, अर वे जो सुणै सै अर इस म्ह लिक्खी होई
बात्तां नै मान्नै सै, क्यूँके ये बात तावळी होण आळी सै।

[illegible]

4 ये चिट्ठियाँ यूहन्ना की ओड़ तै आसिया परदेस की सात कलीसियाओं के नाम सै।
परमेसवर पिता की ओड़ तै थमनै अनुग्रह अर शान्ति मिलै, जो सै, अर जो था, अर जो आण
आळा सै, अर इन सात आत्मायाँ की ओड़ तै जो उसकै सिंहासन कै स्याम्ही सै। 5 अर यीशु मसीह
जो बिश्वास जोग्गा गवाह अर मरे होया म्ह तै जी उठण आळा म्ह तै जेट्ठा अर धरती के राजयां
का हाकिम सै, उसकी की ओड़ तै थारे ताहीं अनुग्रह अर शान्ति मिल्दी रहवै। वो म्हारै तै प्यार
करै सै, अर उसनै अपणे लहू कै जरिये म्हारै ताहीं पाप तै छुटाया सै। 6 उसनै म्हारे ताहीं वे माणस
बणा दिये सै, जिनका परमेसवर राजा सै, अर उसनै म्हारे ताहीं परमेसवर जो उसका पिता सै, उसका
याजक बणा दिया सै, उस्से की महिमा अर पराक्रम युगानुयुग रहवै। आमीन। 7 लखाओ, वो बादळां
कै गेल्या आण आळा सै, अर हरेक आँख उसनै देखैगी, बल्के जिननै उस ताहीं बेधा था, वे भी उस

ताहीं देखैंगें, अर धरती के सारे कुल उसकै कारण छात्ती पीट्टैंगें, जिब उस ताहीं देक्खैंगे। हाँ।
आमीन। 8 प्रभु परमेसवर यो कहवै सै, के वो जो सै, अर जो था, अर जो आण आळा सै, जो सब तै
शक्तिशाली सै, "मै अल्फा अर ओमेगा सूं।"

[illegible]

9 मै यूहन्ना, जो थारा बिश्वासी भाई अर मसीह कै खात्तर दुख सहण म्ह अर परमेसवर के राज्य
म्ह, अर धीरज तै दुख सहण म्ह साझ्झी सूं, जो दुख उन माणसां पै आया सै, जिनका उसके साथ
रिश्ता सै, मै पतमुस नाम कै टापू पै भेज दिया गया, क्यूँके मन्नै परमेसवर के वचन का प्रचार करया
था, अर मसीह यीशु के सच्चे सन्देस ताहीं सुणाया था। 10 प्रभु के दिन, पवित्र आत्मा मेरे पै आ
ग्या, अर मन्नै अपणे पाच्छै तुरही बरगा बड्ड़ा शब्द सुण्या। 11 उसनै उसतै कह्या, के "जो कुछ तू
देक्खै सै, उसनै किताब म्ह लिखकै सात्तु कलीसियाओं कै धोरै भेजदे, जो इन नगरां म्ह सै, यानिके
इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन, थुआतीरा, सरदीस, फिलदिलफिया, अर लौदीकिया ताहीं।"
12 फेर मन्नै उस ताहीं, जो मेरै तै बोल्लण लागरया था, देक्खण के खात्तर अपणा मुँह फेरया,
अर पाच्छै घूमकै मन्नै सोन्ने की सात दीवट देक्खी, 13 अर उन दीवटां* के बिचाळै माणस के बेट्टे
कै बरगा एक आदमी देख्या, जो पायां ताहीं के लत्ते पहरे, अर छात्ती पै सोन्ने का पटुका बाँधे होड़
था। 14 उसके सिर के बाळ धोळी ऊन बल्के बर्फ की ढाळ जमा धोळे थे, अर उसकी आँख आग की
तरियां धधकण लागरी थी। 15 अर उसके पैर भट्ठी म्ह तपा कै चमकाए होए पीत्तळ के जिसे थे,
अर उसका बोल घणे पाणी के गरजण जिसा था। 16 वो अपणे सोळे हाथ म्ह सात तारे लिए होड़
था, अर उसकै मुँह म्ह तै पैन्नी दोधारी तलवार लिकड़ै थी। उसका मुँह इस ढाळ बळै था, जिस ढाळ
सूरज करड़ी धूप के बखत चमकै सै। 17 जिब मन्नै उस ताहीं देख्या, तो उसके पायां पै मुर्दा की ढाळ
पड़ग्या। उसनै मेरै पै अपणा सोळा हाथ, धरकै कह्या, "मतना डरै, मै पैहल्ड़ा अर आखरी अर जिन्दा
सूं।" 18 मै मरग्या था, अर इब देख मै युगानुयुग जीऊँ सूं, अर मौत अर पाताळ लोक की ताळी मेरै
धोरै सै। 19 इस करकै जो बात तन्नै देक्खी सै अर जो बात होण लागरी सै अर जो बात इसकै पाच्छै
होण आळी सै, उन सारियां नै लिख ले। 20 इब मै उन सात तारां का भेद जिन ताहीं तन्नै मेरै सोळे
हाथ म्ह देख्या था अर उन सोन्ने की दीवटां का भेद तन्नै बताऊँ सूं, वे सात तारे सात्तु कलीसियाओं
के धोरै भेज्जे गये सुर्गदूत सै, अर वे सात दीवट, सात कलीसिया सै।

2

[illegible]

1 उसनै मेरे ताहीं यो भी कह्या के इफिसुस नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै न्यू लिख
के, "जो सात्तु तारे अपणे सोळे हाथ म्ह लिए होड़ सै, अर सोन्ने की सात्तु दीवटां *के बिचाळै
हाँडै सै, वो न्यू कहवै सै" 2 के मै तेरे काम, अर मेहनत, अर तेरा धीरज जांणु सूं, अर मै जाणु सूं, के
तू बुरे माणसां की शिक्षा नै सह न्ही सकदा, अर जो अपणे-आपनै प्रेरित कहवै सै, अर सै न्ही, उन
ताहीं तन्नै परख कै झूठ्ठा पाया। 3 अर तू धीरज धरै सै, अर मेरै नाम कै खात्तर दुख ठा-ठाकै भी
तन्नै मेरी सेवा करणा न्ही छोडया। 4 पर मन्नै तेरे खिलाफ म्ह न्यू कहणा सै, के तेरे म्ह वो प्यार
न्ही रह्या जो तू पैहले मेरे तै करै था। 5 यो याद कर के तन्नै शरु म्ह मेरे तै किसा प्यार करया था,
अर इब उसा प्यार न्ही करदा, तू पाप करणा छोड़ दे, अर जिसा तन्नै शरु म्ह मेरे तै प्यार करया था
उसाए प्यार कर, अर जै तू पाप करणा न्ही छोड़ैगा, तो मै तेरे धोरै आकै तेरी दीवट नै उस जगहां तै
हटा दियुँगा। 6 पर हाँ, तेरे म्ह या बात तो सै, के तू नीकुलइयों† के काम्मां तै नफरत करै सै, जिनतै
मै भी नफरत करुँ सूं। 7 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै

---

* **1:13** 1:13 दीवटां भोत-से दीवे रखण का एक बरतन * **2:1** 2:1 दीवट भोत-से दीवे रखण का एक बरतन † **2:6** 2:6 नीकुलइयों एक इसा धार्मिक टोळ था जो बिश्वासियाँ ताहीं यो सिखाया करदा के हम लुचपण अर मूर्तिपूजा कर सका सां

के कहवै सै: वे लोग जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै, मै जीवन कै दरखत म्ह तै जो जीवन देवै
सै, जो सुर्गलोक म्ह सै, उस ताहीं उस फळ म्ह तै खाण नै दियुँगा।

[illegible]

8 अर उसनै मेरे ताहीं स्मुरना नगर की कलीसिया के सुर्गदूत ताहीं यो लिखण खात्तर कह्या,
के, जो पैहल्ड़ा अर आखरी सै, जो मर लिया था अर इब जिन्दा होग्या सै, वो न्यू कहवै सै के, 9 मै
तेरे क्लेश अर गरीबी नै जाणु सूं, (पर तू साहूकार सै), अर जो माणस अपणे-आप ताहीं यहूदी कहवै
सै, अर सै न्ही, पर वो शैतान के झुण्ड म्ह तै सै, मै उनकी बुराई नै भी जाणु सूं। 10 जो दुख तन्नै
झेलणे होंगे, उनतै मत घबरा, क्यूँके देक्खो, शैतान अपणे माणसां के जरिये थारे म्ह तै कितन्याँ ताहीं
जेळखान्ने म्ह गेरैगा, ताके थम परखे जाओ, अर थारे ताहीं दस दिन तक क्लेश ठाणा पड़ैगा। जान
देण तक बिश्वासी रह, तो मै थारी जीत के कारण ईनाम के तौर पै थमनै अनन्त जिन्दगी देऊँगा।
11 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै, वे लोग
जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै, उसनै दुसरी मौत तै नुकसान कोनी होवैगा।

[illegible]

12 अर उसनै मेरे ताहीं पिरगमुन नगर की कलीसिया के सुर्गदूत ताहीं यो लिखण खात्तर कह्या,
के, "जिसकै धोरै दोधारी अर पैन्नी तलवार सै, वो न्यू कहवै सै" 13 के मन्नै न्यू तो बेरा सै, तू
ओड़ै रहवै सै जित्त शैतान का राज सै, अर मेरै नाम पै स्थिर रहवै सै, अर मेरै पै बिश्वास करण तै
उन दिनां म्ह भी पाच्छै न्ही हटया जिन म्ह मेरा बिश्वास जोग्गा गवाह अन्तिपास, तेरे नगर म्ह
उस जगहां पै मारया गया जित्त शैतान रहवै सै। 14 पर मन्नै तेरे खिलाफ म्ह न्यू कहणा सै, थम उन
माणसां का बिरोध कोनी करदे, जो पुराणे जमान्नै के नबी बिलाम की तरियां झूठ्ठी शिक्षा सिखावै
सै, बिलाम नै राजा बालाक ताहीं यो सिखाया, के इस्राएल के माणसां तै पाप करवाण कै खात्तर
के करणा चाहिए, के वे इम्तिहान म्ह पड़े, अर पाप कर बेठ्ठै। उसनै उन ताहीं मूर्तियाँ के आग्गै
चढ़ाई होड़ चिज्जां ताहीं खाणा अर अनैतिक जिन्दगी जीणा सिखाया। 15 उस्से तरियां-ए तेरे उरै
कितने तो इसे सै, जो नीकुलइयों की शिक्षा नै मान्नैं सै। 16 इस करकै पाप करणा छोड़ दे, न्ही तो
मै तेरे धोरै तावळा-ए आऊँगा, अर झूठ्ठी शिक्षा देण आळे उन माणसां के खिलाफ अपणे मुँह तै
लिकड़ण आळी उस तलवार तै लड़ूँगा, जो के मेरा वचन सै। 17 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण
ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै, वे लोग जो बुराई की ताकतां पै जीत पावै सै,
उस ताहीं मै गुप्त मन्ना म्ह तै दियुँगा, अर उस ताहीं एक धोळा पत्थर भी दियुँगा, अर उस पत्थर
पै एक नाम लिख्या होया होगा, जिस ताहीं उसकै पाण आळे कै सिवाए और कोए न्ही जाणैगा।

[illegible]

18 अर उसनै मेरे ताहीं थुआतीरा नगर की कलीसिया के सुर्गदूत ताहीं यो लिखण खात्तर कह्या,
के, मै परमेसवर का बेट्टा, जिसकी आँख आग की ज्वाला की तरियां, अर जिसके पैर बढ़िया
पीत्तळ कै जिसे सै, न्यू कहूँ सूं, के 19 मै तेरे काम, तेरे प्यार, बिश्वास, सेवा, अर धीरज नै जांणु सूं,
अर न्यू भी जांणु सूं, के तेरे पाच्छले काम पैहल्ड़ा तै बढ़कै सै, जिब तन्नै मेरे पै बिश्वास करया था।
20 पर मन्नै तेरे खिलाफ न्यू कहणा सै, के तू उस जनानी इजेबेल नै रहण देवै सै, जो अपणे-आपनै
नबी कहवै सै, अर मेरै दास्सां नै जारी करण, अर मूर्तियाँ के आग्गै चढ़ाई होड़ चीज नै खाणा सिखाकै
भकावै सै। 21 मन्नै उस ताहीं पाप छोड़ण का मौक्का दिया, पर वा अपणे जारीपणे के पाप नै छोड़णा
कोनी चाहन्दी। 22 मै उस ताहीं बीमार कर दियुँगा। अर जो उसकै गेल्या जारी करै सै, जै वे भी उसकै
बरगे काम्मां नै जो वा करै सै करणा न्ही छोड़ैगें, तो उननै मै भारया दण्ड दियुँगा। 23 अर मै उसके
चेल्यां नै मार दियुँगा, अर फेर सारी कलीसिया नै बेरा पाट जावैगा, के हृदय अर मन जाँचण आळा
मै ए सूं, अर मै थारे म्ह तै हरेक नै उसकै काम्मां कै मुताबिक बदला देऊँगा। 24 पर थम जो थुआतीरा
के बाकी लोग जिननै इस झूठ्ठी शिक्षा ताहीं न्ही मान्या, अर उन बात्तां नै जिन नै शैतान की गहरी
बात कहवै सै, उन म्ह भाग न्ही लेते, मै न्यू कहूँ सूं, के मै थारे ताहीं और हुकम कोनी दियुँगा, पर मै

जिब तक ना आ जाऊँ मेरे पै मजबुत्ती तै बिश्वास करते रहों। 25 पर हाँ, जो थारे धोरै सै उसनै मेरै
आण तक थाम्बे रहो। 26 वे लोग जो बुराई की ताकतां पै जीत पावै सै, अर मेरे काम्मां कै मुताबिक
आखरी ताहीं करदा रहवै, मै उसनै देश-देश के माणसां पै राज करण का हक देऊँगा। 27 मै उसनै
भी राज करण का वोए हक देऊँगा जो मेरे पिता नै मेरे ताहीं दिया सै, वो उनपै बिना दया के राज
करैगा, अर वो उन ताहीं चकणाचूर कर देवैगा, जिस ढाळ कुम्हार के माट्टी के बासण चकणाचूर हो
जावै सै। अर मन्नै भी इसाए हक अपणे पिता तै मिल्या सै। 28 अर मै उसनै भोर का तारा देऊँगा।
29 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै।

3

[illegible]

1 उसनै मेरे ताहीं यो भी कह्या के सरदीस नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै लिख, के "जिसकै धोरै
परमेसवर की सात आत्मा अर सात तारे सै, वो न्यू कहवै सै," के मै तेरे काम्मां नै जांणु सूं, के तू
मेरा बिश्वास लायक बिश्वासी तो कुह्वावै सै, पर असल म्ह तन्नै मेरा कहणा मानना छोड़ दिया सै।
2 इस करकै सावधान हो जा, अर अपणे बिश्वास नै जो मेरे पै सै उसनै मजबूत कर, क्यूँके तेरे म्ह
थोड़ा-सा ए बिश्वास बाक्की सै, ताके तेरा बचा होड़ बिश्वास भी ना जान्दा रहवै, मै जाणु सूं के तेरे
काम अधूरे सै, पर तेरे काम्मां तै, जो तू करण लागरया सै परमेसवर खुश कोनी। 3 इस करकै याद कर,
के तन्नै किस तरियां तै शिक्षा पाई अर सुणी थी, अर उस म्ह बण्या रह, अर पाप करणा छोड़ दे। जै
तू जागदा न्ही रहवैगा, तो मै चोर की ढाळ आ जाऊँगा अर तन्नै कदे भी न्ही बेरा पाट्टैगा, के मै
किस बखत तेरे पै आण पडूँगा। 4 पर हाँ, तेरे धोरै सरदीस म्ह कुछ लोग सै, जो पाप के जरिये अशुद्ध
कोनी होए, वे धोळे लत्ते पहरे होड़ मेरै गैल हाँडैगें क्यूँके वे इस लायक सै। 5 वे लोग जो बुराई की
ताकत पै जीत पावै सै, उस ताहीं इस्से ढाळ धोळे लत्ते पिहराए जावैंगे, अर मै उसका नाम जीवन
की किताब म्ह तै किसे तरियां तै भी न्ही काट्टूगाँ, पर उसका नाम अपणे पिता अर उसके सुर्गदूत्तां
कै स्याम्ही मान ल्यूँगा के ये मेरे लोग सै। 6 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण ले, के परमेसवर का
आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै।

[illegible]

7 अर उसनै मेरे ताहीं यो भी कह्या सै, के फिलदिलफिया नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै न्यू
लिख

के जो कहवै सै, मै पवित्र अर सच्चा सूं, अर मेरै धोरै वा ताळी सै, जो राजा दाऊद की सै, जिब
मै ताळी लेकै दरबाजा खोल्लू सूं, तो उसनै कोए बन्द न्ही कर सकता, जिब मै ताळी लेकै दरबाजा
बन्द करुँ सूं, तो उसनै कोए खोल न्ही सकता, वो तेरे तै न्यू कहवै सै के, 8 मन्नै तेरे काम्मां का बेरा
सै, देख, मै जाणु सूं के तेरे म्ह भोत कम काबलियत सै, पर तन्नै वा बात मान्नी सै जिसके बारें म्ह
मन्नै तेरे ताहीं कह्या था, अर तन्नै इस बात का इन्कार न्ही करया के तू मेरे पै बिश्वास करै सै, इस
करकै मन्नै एक दरबाजा खोल्या सै, जिसनै कोए बन्द न्ही कर सकदा। 9 देख, जो शैतान के झुण्ड म्ह
तै सै, अर खुद नै यहूदी कहवै सै, पर सै न्ही, बल्के झूठ बोल्लै सै, देख, मै इसा करुँगा, के वे आकै तेरे
पायां म्ह मोध्धे पड़ैंगें, अर न्यू जाण लेवैगें, के मन्नै तेरे तै प्यार करया सै। 10 क्यूँके जिब तेरे ताहीं
सताया जाण लागरया था, तो तन्नै मेरे वचन ताहीं धीरज तै पुगाया सै, उसकी बजह तै मै भी तन्नै
इम्तिहान कै उस बखत म्ह बचा के राक्खूँगा, जो धरती पै रहण आळे माणसां नै परखण कै खात्तर
साब्ती दुनिया पै आण आळा सै। 11 मै तावळा-ए आण आळा सूं, अपणे बिश्वास म्ह मजबूत बणो,
ताके कोए थमनै थारा ईनाम लेण तै रोक ना पावै। 12 वे लोग जो बुराई की ताकत पै जीत पावै सै,
उन ताहीं मै अपणे परमेसवर कै मन्दर म्ह खम्बा बणाऊँगा, वो फेर कदे बाहरणै न्ही लिकड़ैंगे, अर
मै अपणे परमेसवर का नाम, अर अपणे परमेसवर के नगर, यानिके नये यरुशलेम का नाम, जो मेरै

परमेसवर की ओड़ तै सुर्ग पै तै उतरण आळा सै, अर अपणा नया नाम उसपै लिखूँगा। 13 जिसकै
कान हों, ध्यान तै सुण ले के परमेसवर का आत्मा कलीसिया तै के कहवै सै।

[illegible]

14 अर उसनै मेरे ताहीं यो भी कह्या सै, के "लौदीकिया नगर की कलीसिया के सुर्गदूत नै न्यू
लिख"

के, जो आमीन, अर बिश्वास जोग्गा, अर सच्चा गवाह सै, अर परमेसवर की सृष्टि का खास कारण
सै, वो न्यू कहवै सै। 15 के मै तेरे काम्मां नै जाणु सूं के तू उस पाणी की ढाळ सै, जो ना तो शीळा सै
अर ना तात्ता, आच्छा था के तू इन म्ह तै एक होन्दा* 16 क्यूँके तू गुणगुणा सै, अर ना शीळा अर ना
तात्ता, मै तन्नै अपणे मुँह म्ह तै उगळण पै सूं। 17 तू जो कहवै सै, के मै धनी सूं, अर धनवान होग्या
सूं, अर मन्नै किसे चीज का घाट्टा न्ही, अर न्यू न्ही जाण्दा, के तू निरभाग, नीच, कंगाल, आन्धा,
अर उघाड़ा सै। 18 इस करकै मै तन्नै राय दियुँ सूं, के आग म्ह त्याया होड़ सोन्ना मेरै तै मोल ले,
के तू साहूकार हो जावै, अर धोळा लत्ता ले-ले के पहर कै तन्नै अपणे उघाड़ेपण पै शर्म न्ही आवै,
अर अपणी आँखां म्ह लाण कै खात्तर सुरमा ले, के तू देक्खण लाग्गै। 19 मै जिस-जिसतै प्यार राक्खूँ
सूं, उन सारया ताहीं उल्हाणा अर ताड़ना दियुँ सूं, इस करकै हिम्मत राख, अर पाप करणा छोड़ दे।
20 देख, मै दरबाजे पै खड्या होया खटखटाऊँ सूं, जै कोए मेरा बोल सुणकै दरबाजा खोल्लैगा, तो
मै उसकै धोरै भित्तर आकै उसकै गेल्या खाणा खाऊँगा, अर वो मेरै गेल्या। 21 जो जीत पावै, मै उस
ताहीं अपणे गेल्या अपणे सिंहासन पै बिठाऊँगा, जिसा मै भी जीत पाकै, अपणे पिता कै गेल्या उसकै
सिंहासन पै बैठ गया। 22 जिसके कान हों, वो ध्यान तै सुण लेवै के परमेसवर का आत्मा कलीसिया
तै के कहवै सै।

4

[illegible]

1 इन बात्तां कै पाच्छै जो मन्नै निगांह करी, तो के देक्खूँ सूं, के सुर्ग म्ह एक दरबाजा खुल्या होया
सै, अर ओड़ कोए था जो मेरे तै बात करण लागरया था, अर जो बात करण लागरया था, वो वोए था
जिसनै मेरे तै पैहले बात करी थी, अर जिसकी आवाज तुरही के शब्द की तरियां थी, अर उसनै मेरे
तै कह्या, के "उरै ऊपरान आ ज्या, अर मै वे बात तन्नै दिखाऊँगा, जिनका इन बात्तां कै पाच्छै पूरा
होणा जरूरी सै।" 2 अर जिब्बे पवित्र आत्मा मेरे पै आ ग्या, अर मै के देक्खूँ सूं, के एक सिंहासन
सुर्ग म्ह सै, अर उस सिंहासन पै कोए बेठ्या सै। 3 अर जो उसपै बेठ्या सै, उसकी चमक सूर्यकान्त
मणि अर माणिक्य पत्थर के समान थी, अर उस सिंहासन कै चौगरदेकै मेघ-धनुष था, उसकी चमक
पन्ने* के समान की थी। 4 अर उस सिंहासन कै चौगरदेकै चौबीस सिंहासन सै, अर इन सिंहासनां पै
चौबीस बुजुर्ग धोळे लत्ते पहरे होड़ बेठ्ठे सै, अर उनके सिरां पै सोन्ने के ताज सै। 5 अर उस सिंहासन
म्ह तै बिजळी चमकण की अर गरजण की आवाज आण लागरी थी, अर सिंहासन कै स्याम्ही आग
के सात दिवें जळण लागरे सै, जो के परमेसवर की सात आत्मा सै। 6 अर उस सिंहासन कै स्याम्ही
पारस था जो के समुंदर जिसा चौड़ा था, अर शीशे जिसा साफ था, सिंहासन कै बिचाळै अर सिंहासन
कै चौगरदेकै चार प्राणी सै, जिनकै आग्गै-पाच्छै आँखें-आँख सै। 7 पैहला प्राणी शेर कै बरगा सै,
अर दुसरा प्राणी का मुँह बळध कै बरगा सै, तीसरे प्राणी का मुँह माणस कै बरगा सै, अर चौथा
प्राणी उड़दे होड़ उकाब कै बरगा सै। 8 अर च्यारु प्राणियाँ कै छः, छः पंख सै, उनकै उप्पर अर
हरेक जगहां ए आँख थी, बल्के पंखां के तळै भी, अर वे दिन-रात बिना आराम करे न्यू कहवै सै, के
पवित्र, पवित्र, पवित्र प्रभु परमेसवर, जो सब तै शक्तिशाली था, अर जो था, जो सै, अर जो
आण आळा सै। 9 अर जिब वे प्राणी उसकी जो सिंहासन पै बेठ्या सै, अर जो युगानुयुग जीवै सै,
महिमा अर आदर अर धन्यवाद करैंगें, 10 फेर सब चौबीस बुजुर्ग सिंहासन पै बैठण आळे कै स्याम्ही

---

* **3:15** 3:15 आच्छा था के तू इन म्ह तै एक होन्दा जै तू मेरे पाच्छै चाल्लै सै तो सही तरियां चाल या फेर चाल्लै ए ना।

* **4:3** 4:3 पन्ना-एक कीमती पत्थर हो सै

पड़ जावैंगे, अर उस ताहीं जो युगानुयुग जीवै सै प्रणाम करैंगें, अर अपणे-अपणे ताज सिंहासन कै स्याम्ही न्यू कहन्दे होए धर देवैगें।

11 "हे म्हारे प्रभु अर परमेसवर, तू-ए महिमा, अर आदर, अर सामर्थ कै जोग्गा सै, क्यूँके तन्नै ए
सारी चिज्जां ताहीं बणाया अर वे तेरी-ए मर्जी तै थी अर रची गई।"

5

[illegible]

1 अर जो सिंहासन पै बेठया था, मन्नै उसकै सोळे हाथ म्ह एक किताब देक्खी, जो भीत्तर अर
बाहरणै लिक्खी होड़ अर वा सात मोंहर लाकै बन्द करी गई थी। 2 फेर मन्नै एक शक्तिशाली सुर्गदूत
ताहीं देख्या, जो जोर तै बोलण लागरया था, के इस किताब कै खोल्लण अर उसकी मोंहर तोड़ण कै
जोग्गा कौण सै? 3 पर ना सुर्ग म्ह, ना धरती पै, ना धरती कै तळै कोए उस किताब नै खोल्लण या
उस ताहीं पढ़ण लायक कोए कोनी लिकड़या। 4 अर मै फूट-फूटकै रोण लाग्या, क्यूँके उस किताब
ताहीं खोल्लण, या उस ताहीं पढ़ण लायक कोए न्ही मिल्या। 5 फेर उन बुजुर्गां म्ह तै एक नै मेरै तै
कह्या, मतना रोवै, लखा, यहूदा कै गोत्र का वो शेर, जो दाऊद का मूल सै, उस किताब नै खोल्लण
अर उसकी सात्तु मोंहर तोड़ण कै खात्तर जयवन्त होया सै। 6 फेर मन्नै उस सिंहासन अर च्यारु
प्राणियाँ अर उन बुजुर्गां कै बिच्चाळै, मान्नो एक मारया होड़ मेम्ना खडया देख्या जो पैहले मर
ग्या था, पर इब वो जिन्दा होग्या सै, उसकै सात सींग अर सात आँख थी, ये परमेसवर की सात्तु
आत्मा सै, जो साब्ती धरती पै भेज्जी गई सै। 7 उसनै आकै उसकै सोळे हाथ तै जो सिंहासन पै
बेठया था, वा किताब ले ली, 8 अर जिब उसनै किताब ले ली, तो वे च्यारु प्राणी अर सब चौबीस
बुजुर्ग उस मेम्ने कै स्याम्ही झुकगे, अर हरेक हाथ म्ह वीणा अर धूप तै भरे होड़ सोन्ने के कटोरे थे,
ये तो पवित्र माणसां की प्रार्थना सै। 9 अर वे यो नया गीत गाण लाग्गे, के तू इस किताब कै लेण,
अर उसकी मोहरां नै खोल्लण जोग्गा सै, क्यूँके तन्नै मरकै अपणे लहू तै हरेक कुल, अर भाषा, अर
माणस, अर जात म्ह तै परमेसवर कै खात्तर माणसां ताहीं मोल लिया सै। 10 अर उन ताहीं म्हारै
परमेसवर कै खात्तर एक राज्य अर याजक बणाया, ताके वो परमेसवर की सेवा करै, अर वे धरती पै
राज्य करै सै।

11 अर जिब मन्नै देख्या, तो उस सिंहासन अर उन प्राणियाँ अर उन बुजुर्गां कै चौगरदेकै
अनगिणत सुर्गदूत्तां का बोल सुण्या, जिनकी गिणती लाक्खां अर करोड़ां की थी। 12 अर वे ऊँच्ची
आवाज म्ह गाण लागरे थे, के मारया होया मेम्ना ए सामर्थ, धन, ज्ञान, ताकत, आदर, महिमा, अर
धन्यवाद कै लायक सै। 13 फेर मन्नै सुर्ग म्ह, धरती पै, अर धरती कै तळै, अर समुन्दर की सारी
बणाई होड़ चिज्जां नै, अर सारा किमे, जो उन म्ह सै, उन ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या, के "जो सिंहासन
पै बेठया सै, उसका, अर मेम्ने का धन्यवाद हो, मेम्ना ए सामर्थ, धन, ज्ञान, ताकत, आदर, महिमा
के लायक सै, अर उसका राज्य, युगानुयुग रहवै।" 14 अर च्यारु प्राणियाँ नै आमीन कह्या, अर
बुजुर्गां नै झुककै प्रणाम करया।

6

[illegible]

1 फेर मन्नै देख्या, के मेम्ने नै उन सात्तु मोहरां म्ह तै एक ताहीं खोल्या, अर उन च्यारु प्राणियाँ
म्ह तै एक का गरजण जिसा शब्द सुण्या, के आ जाओ। 2 अर मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, मन्नै
एक धोळा घोड़ा दिख्या, अर उसका सवार धनुष लिए होड़ सै, अर उस ताहीं एक ताज पिहराया
गया, अर वो सुर्ग तै चाल्या अर धरती पै लिकड़ा, जो पैहले तै ए जीत चुका सै, अर फेर तै वो जीत
जावैगा।

3 अर जिब मेम्ने नै दुसरी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै दुसरे प्राणी ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या, के आ।
4 फेर एकदम तै एक और घोड़ा लिकड़या, जो लाल रंग का था, उसकै सवार ताहीं यो हक दिया

गया, के धरती पै तै मेळ-मिलाप ठा ले, ताके माणस एक-दुसरे नै मारै, अर उस ताहीं एक बड्डी
तलवार दी गई थी।
5 अर जिब उसनै तीसरी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै तीसरे प्राणी ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या, के “आ”
अर मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, मन्नै एक काळे घोड़े ताहीं लिकड़दे देख्या, अर उसकै सवार कै
हाथ म्ह एक ताखड़ी* सै। 6 अर मन्नै उन च्यारु प्राणियाँ कै बिचाळै तै एक शब्द न्यू कहन्दे सुण्या,
के एक दीनार एक दिन की मजदूरी भोत सै, एक किलो गेहूँ, या तीन किलो जौ लेण खात्तर, पर तेल
अर अंगूर के रस की किम्मत ना बदलिये।
7 अर जिब मेम्ने नै चौथी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै चौथे प्राणी का बोल न्यू कहन्दे सुण्या, के
आ। 8 अर मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, एक पीळा-सा घोड़ा सै, अर उसकै सवार का नाम मौत
सै: अर अधोलोक उसकै पाच्छै-पाच्छै आण लागरया था, अर उन ताहीं धरती पै रहण आळे चार
माणस (या एक चौथाई माणसां) म्ह तै एक-एक ताहीं मारण का हक मिल्या, उननै तलवार, भूख,
बीमारी, अर धरती के जंगली-जानवरां कै जरिये माणसां ताहीं मार दिया। 9 अर जिब मेम्ने नै पाँचवी
मोंहर खोल्ली, तो मन्नै वेदी† कै तळै उनके प्राणां ताहीं देख्या, जो परमेसवर कै वचन कै कारण,
अर उसपै बिश्वास करण के कारण मारे गये थे। 10 अर उसनै जोर तै रुक्का मारकै परमेसवर तै कह्या,
हे माल्लिक, हे पवित्र, अर सच्चे प्रभु, तू इतनी बाट क्यूँ देखण लागरया सै, उन बुरे माणसां ताहीं
दण्ड देण खात्तर, जो इस धरती पै रहण लागरे सै? हम तेरे तै बिनती करां सां, के तू उन माणसां
तै बदला ले, जिननै म्हारे ताहीं जान तै मार दिया सै। 11 अर उन म्ह तै हरेक ताहीं धोळे लत्ते देकै,
परमेसवर नै उनतै कह्या, के और थोड़ी-देर ताहीं आराम करो, जिब ताहीं के थारे संगी दास, अर
बिश्वासी भाई, जो थारी तरियां मरण आळे सै, उनकी भी गिणती पूरी ना हो लेवै।
12 जिब मेम्ने नै छटी मोंहर खोल्ली, तो मन्नै देख्या, के एक बड्ड़ा हाल्लण होया, अर सूरज का
रंग मोट्टे काळे काम्बळ की ढाळ काळा पड़ग्या, अर पूरा चाँद लहू जिसा लाल होग्या। 13 अर
अकास के तारे धरती पै इस ढाळ पड़गे जिस तरियां आँधी तै हालकै अंजीर कै दरखत म्ह तै काच्चे
फळ झड़ैं सै। 14 आसमान पाटग्या अर एक किताब की ढाळ सुकड ग्या था, अर हरेक पहाड़, अर
टापू, अपणी-अपणी जगहां तै हटगे। 15 अर इसका नतिज्जां यो होया के, धरती के राजा, प्रधान,
सरदार, साहूकार, अर सामर्थी माणस, हरेक गुलाम, अर हरेक आजाद माणस, पहाड़ां की खोह म्ह,
अर चट्टानां म्ह जा लुह्के। 16 अर पहाड़ां, अर चट्टानां तै कहण लाग्गे, के “म्हारे ताहीं लह्को
ल्यो, अर म्हारै ताहीं उसकै मुँह तै जो सिंहासन पै बेठ्या सै, अर मेम्ने कै प्रकोप तै लह्को ल्यो।
17 क्यूँके उनकै प्रकोप के भयानक दिन जिब परमेसवर अर मेम्ना उन सारया का न्याय करैगा तो
कोए भी उननै दण्ड तै बचा न्ही पावैगा।”

7

[illegible] 1, 44,000 [illegible]

1-2 उसकै पाच्छै मन्नै दुनिया कै च्यारु कुणयां पै चार सुर्गदूत खड़े देक्खे, उन सुर्गदूत्तां नै परमेसवर
तै यो हक मिल्या था, के वे दुनिया के माणसां ताहीं मरी तै मारै, चाहे वे धरती पै हो या समुन्दर पै
हो, उननै हवा ताहीं धरती के च्यारु कुणयां पै तै रोक राख्या था, ताके हवा धरती, समुन्दर, या किसी
भी जंगल तै ना गुजरे, अर मन्नै एक और सुर्गदूत ताहीं पूरब दिशा की ओड़ आन्दे देख्या, उसके
हाथ म्ह परमेसवर की ओड़ तै एक मोंहर थी, जो युगानुयुग जिन्दा सै, उस सुर्गदूत नै ऊँच्ची आवाज
म्ह दुसरे चार सुर्गदूत्तां तै यो कह्या। 3 जिब ताहीं हम अपणे परमेसवर के दास्सां कै माथ्थै पै मोंहर
न्ही ला देवां, जद ताहीं धरती अर समुन्दर अर दरख्तां ताहीं नुकसान ना पोहोचाईयो। 4 अर जिब
सुर्गदूत्तां नै मोंहर लगा ली, तो किसे नै मेरे ताहीं बताया के एक लाख चवाळीस हजार पै मोंहर
लगा दी गई सै, ये सारे लोग इस्राएल के बारहां गोत्र म्ह तै सै। 5 यहूदा के गोत्र म्ह तै बारहा

* 6:5 6:5 ताखड़ी-तराज़ू † 6:9 6:9 वेदी-परमेसवर ताहीं भेट चढ़ाण खात्तर एक जगहां

हजार पै मोंहर दी गई, रूबेन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, गाद के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै।
6 अशेर के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, नप्ताली के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, मनश्शिह के गोत्र
म्ह तै बारहा हजार पै। 7 शमौन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, लेवी के गोत्र म्ह तै बारहा हजार
पै, इस्साकार के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै। 8 जबूलून के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै, यूसुफ के
गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै अर बिन्यामीन के गोत्र म्ह तै बारहा हजार पै मोंहर दी गई।

[illegible]

9 इसकै पाच्छै मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, हरेक जात, अर कुल, अर माणस अर भाषा म्ह तै
एक इसी बड्डी भीड़, जिस ताहीं कोए गिण न्ही सकै था धोळें लत्ते पैहरे, अर अपणे हात्थां म्ह
खजूर की डाळी लिए होए सिंहासन कै स्याम्ही अर मेम्ने कै स्याम्ही खड़ी सै। 10 अर जोर तै रुक्का
मारकै कहवै सै, के उद्धार म्हारे परमेसवर जो सिंहासन पै विराजमान सै, अर मेम्ने की ओड़ तै आवै
सै। 11-12 अर सारे सुर्गदूत, उस सिंहासन, बुजुर्गां अर च्यारु प्राणियाँ कै चौगरदेकै खड़े सै, फेर वे
सिंहासन कै स्याम्ही मुँह कै बळ पड़गे, अर परमेसवर ताहीं प्रणाम करकै कह्या, म्हारै परमेसवर की
बड़ाई, महिमा, ज्ञान, धन्यवाद, आदर, सामर्थ, अर ताकत युगानुयुग बणी रहवै। आमीन।
13 इसपै बुजुर्गां म्ह तै एक नै मेरै तै कह्या, के तू जाणै सै, के या धोळी पोशाक पैहरे होए कौण
सै? अर कित्त तै आये सै? 14 मन्नै उसतै कह्या, "हे माल्लिक, तन्नै ए बेरा सै।" उसनै मेरै तै कह्या,
"ये वे सै, जो उस बड़े क्लेश म्ह तै लिकड़कै आये सै, इन्नै अपणे-अपणे लत्ते मेम्ने कै लहू म्ह धोकै
धोळे करे सै।"
15 इस्से कारण वे परमेसवर कै सिंहासन कै स्याम्ही खड़े सै, अर परमेसवर कै घर म्ह दिन-रात
उसकी सेवा करै सै, अर जो सिंहासन पै बेठया सै, वो उन म्ह रहवैगा अर उन ताहीं बचावैगा। 16 वे
इब ना तो कदे भूक्खे होवैंगें अर ना तिसाए, अर ना तो सूरज की गर्मी उन ताहीं झुलसावैगी अर
ना कोए दुसरी गर्मी। 17 क्यूँके जो मेम्ना सिंहासन कै बिचाळै सै वो उनकी रुखाळी करैगा, अर उन
ताहीं जीवन रूपी पाणी के चोवै कै धोरै ले जाया करैगा, अर परमेसवर उनकी आँखां तै सारे आँसू
पुंज देवैगा।

8

[illegible]

1 अर जिब मेम्ने नै सातमी मोंहर खोल्ली, तो सुर्ग म्ह आध्धे घंटे ताहीं सन्नाटा छा गया। 2 अर
मन्नै उन सात्तु सुर्गदूत्तां ताहीं जो परमेसवर कै स्याम्ही खड़े रहवैं सै, देख्या, अर उन ताहीं सात
तुरही दी गई।
3 फेर एक और सुर्गदूत सोन्ने का धूपदान लिए होड़ आया, अर वेदी कै लोवै खड्या होया, अर उस
ताहीं भोत सारी धूप दी गई, ताके वो उस ताहीं सारे पवित्र माणसां की प्रार्थना कै साथ उस सोन्ने
की वेदी पै भेट चढ़ावै जो सिंहासन कै स्याम्ही सै। 4 अर सुर्गदूत्तां के हाथ म्ह लिये होए उस धूपदान
का धुम्मा, पवित्र माणसां की प्रार्थना के साथ परमेसवर कै धोरै उप्पर पोहच ग्या। 5 अर सुर्गदूत
नै धूपदान लेकै उस म्ह वेदी की आग भरी, अर उस ताहीं धरती पै गेर दी, अर गरजण गड़गड़ाहट,
बिजळी चमकी अर हाल्लण होण लाग्या।

[illegible]

6 फेर वे सात्तु सुर्गदूत जिनकै धोरै सात तुरही थी, उन ताहीं फुक्कण खात्तर त्यार होए। 7 पैहले
सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर लहू तै मिले होड़ ओळे अर आग पैदा होई, अर धरती पै गेरी गई, अर
धरती का एक तिहाई हिस्सा जळग्या, अर दरख्तां का तीसरा हिस्सा जळग्या, अर सारी हरी घास
भी जळगी।
8 जिब दुसरे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, तो मान्नो आग जिसा जळदा होया एक बड्डा पहाड़ समुन्दर
म्ह गेरया गया, अर समुन्दर का एक तिहाई हिस्सा लहू म्ह होग्या। 9 अर समुन्दर की एक तिहाई*

* **8:9** 8:9 एक तिहाई यानी के तीसरा हिस्सा

बणाई होड़ चीज जो जिन्दी थी मरगी, अर जहाज के तीसरे हिस्से का नाश होग्या।
10 अर तीसरे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर एक बड्ड़ा तारा जो मशाल की ढाळ जळै था, सुर्ग
तै टूटचा, अर नदियाँ कै तीसरे हिस्से पै, अर पाणी के चोवां पै आण पडचा। 11 उस तारे का नाम
नागदौना सै, अर एक तिहाई हिस्से का पाणी नागदौना† बरगा कड़वा होग्या, अर घणखरे माणस
उस पाणी कै कड़वे हो जाण तै मरगे।
12 अर चौथे सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, अर सूरज का एक तिहाई हिस्सा, अर चाँद का एक तिहाई
हिस्सा अर तारां कै एक तिहाई हिस्से पै आफ्फत आई, ताके उनका एक तिहाई हिस्सा अन्धेरै म्ह
डूब जावै, अर दिन कै एक तिहाई हिस्से म्ह चाँदणा न्ही रहया, अर उस्से तरियां एक तिहाई रात भी
बिना चाँदणे की हो गई।
13 जिब मन्नै फेर देख्या, तो अकास कै बिचाळै एक उकाब ताहीं उड़दे अर ऊँच्चे शब्द तै न्यू
कहन्दे सुण्या, "उन तीन सुर्गदूत्तां की तुरही के शब्दां कै कारण, जिनका फूंकणा इब्बे बाक्की सै,
धरती के बासिन्दयां पै धिक्कार सै, धिक्कार, धिक्कार।"

9

1 जिब पाँचमै सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, तो मन्नै सुर्ग तै धरती पै एक तारा पड़दा होड़ देख्या, अर
उस तारे ताहीं घणे अथाह कुण्ड की ताळी दी गई। 2 अर उसनै घणे अथाह कुण्ड ताहीं खोल्या, अर
कुण्ड म्ह तै बड्डी भट्ठी जिसा धुम्मा उठचा, अर कुण्ड कै धुम्मै तै सूरज अर आसमान म्ह अन्धेरा
छाग्या। 3 अर उस धुम्मै म्ह भोत सारी टिड्डी लिकड़ी अर वे सारी धरती पै फैलगी, अर उन ताहीं
बिच्छुआ की तरियां माणसां कै लड़ण की शक्ति दी गई। 4 अर उनतै कह्या गया, के ना धरती की
घास ताहीं, ना किसे हरियाली ताहीं, ना किसे दरखत ताहीं नुकसान पोहोचाओ, सिर्फ उन माणसां
ताहीं नुकसान पोहोचाओ, जिनकै माथ्थै पै परमेसवर की मोंहर कोनी। 5 अर उनकी जान लेण का तो
न्ही, पर पाँच महिन्ना तक माणसां ताहीं दर्द देण का हक दिया गया, अर उनका दर्द इसा था, जिसा
बिच्छु कै डंक मारण तै माणस का होवै सै। 6 उन पाँच महिन्ना म्ह माणस मरण के तरिक्कें टोहवैंगें,
वे मरणा तो चाहवैंगे, पर वे मर न्ही पावैंगें।
7 अर उन टिड्डियाँ के आकार लड़ाई कै खात्तर त्यार करे होए घोडचा कै जिसे थे, अर उनके सिरां
पै मान्नो सोन्ने के ताज थे, अर उनके मुँह माणसां बरगे थे। 8 अर उनके बाळ लुगाईयाँ कै जिसे,
अर दाँत शेरां कै जिसे थे। 9 अर उनका शरीर मान्नो लोहे के कवच तै ढक्या होया था, अर उनके
पंखां का शब्द इसा था जिसा रथां अर भोत-से घोडचा का जो लड़ाई म्ह भाज्जै सै। 10 अर उनकी
पूछ अर डंक बिच्छुआ के समान थी, अर उन ताहीं पाँच महिन्ना तक माणसां नै दुख पोहोचाण की
जो सामर्थ थी, वा उनकी पुन्झड़ां म्ह थी। 11 घणे अथाह कुण्ड का दूत उनपै राजा था, उसका नाम
इब्रानी म्ह अबद्दोन, अर यूनानी म्ह अपुल्लयोन सै।
12 पाँच महिन्ना बाद वा बिप्दा खतम हो जावैगी, लखाओ इब इनकै पाच्छै दो बिप्दा और आण
आळी सै। 13 अर जिब छटमै सुर्गदूत नै तुरही फूक्की तो जो सोन्ने की वेदी परमेसवर कै स्याम्ही
सै उसके सीन्गां म्ह तै मन्नै इसा शब्द सुण्या। 14 मान्नो कोए छटमै सुर्गदूत तै जिसकै धोरै तुरही
थी कहण लागरया सै, के "उन चार सुर्गदूत्तां नै जो बड्डी नदी फरात कै धोरै बन्धे होड़ सै, खोल
दे।" 15 अर वे च्यारु सुर्गदूत जो उस घड़ी, दिन, महिन्ने, या साल कै खात्तर एक तिहाई माणसां नै
मारण खात्तर छोड़ दिए गये थे। 16 उननै भोत बड़े घुड़सवारां की पलटन ताहीं कठ्ठा करया जिनकी
गिणती बीस करोड़ सै। 17 अर मन्नै अपणे दर्शन म्ह घोड़े अर उसके इसे सवार दिक्खे, उनकै धोरै
कवच था जो लाल, गहरा नीला अर गन्धक की तरियां पीळा था, अर उन घोडचा के सिर शेर कै
सिर बरगे थे, अर उनके मुँह तै आग, अर धुम्मा, अर गन्धक लिकड़ै थी। 18 इन तीन्नु महामारियाँ
तै, यानिके आग, अर धुम्मा, अर गन्धक तै जो उसके मुँह तै लिकड़ै थी, एक तिहाई माणस मारे गये।

† 8:11 8:11 नागदौना एक पौधा का सै, जिस म्ह तै भोत कड़वा प्रदार्थ लिकड़ै सै

19 क्यूँके उन घोडचा की ताकत उनकै मुँह, अर उनकी पुन्झड़ां म्ह थी, ज्यांतै के उनकी पुन्झड़ साँपां
जिसी थी, अर उन पुन्झड़ां के सिर भी थे, अर इन्हे तै वे दर्द देवैं थे। 20 अर बाकी माणस जो उन
महामारियाँ तै न्ही मरे थे, उननै अपणे बुरे काम करणे न्ही छोड्डे, जो के ये थे भुंडी ओपरी आत्मायाँ
की, अर सोन्ने, चान्दी, पीत्तळ, पत्थर, अर काठ की मूर्तियाँ की पूजा करणा, जो ना देख, ना सुण,
ना चाल सकै सै। 21 अर ना ए उननै खून करणा, जादू-टोणा, जारी, अर चोरी करणा छोडचा।

10

[illegible]

1 फेर मन्नै एक और शक्तिशाली सुर्गदूत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसनै बाद्दळां ताहीं लत्यां
के समान धारण करया होया था, उसकै सिर पै मेघ-धनुष था, अर उसका मुँह सूरज जिसा अर उसके
पाँ आग कै खम्भे बरगे थे। 2 उसनै अपणा सोळा पाँ समुन्दर पै, अर ओळा पाँ धरती पै धरया, अर
उसके हाथ म्ह एक छोट्टी सी खुली होड़ किताब थी,। 3 अर इतनी जोर तै चिल्लाया, जिस ढाळ
शेर गरजै सै, अर जिब वो चिल्लावै था तो गरजण के सात शब्द सुणाई दिए, जिननै मै समझ न्ही
पाया। 4 अर जिब सात्तु गरजण के शब्द सुणाई दे लिए, तो मै लिखण पै था, अर मन्नै सुर्ग तै यो
शब्द सुण्या, के जो बात गरजण के उन सात शब्दां तै सुणी सै, उननै ल्हकोए राख, अर लिखै ना।
5 अर जिस सुर्गदूत ताहीं मन्नै समुन्दर अर धरती पै खड़े होड़ देख्या था, उसनै अपणा सोळा हाथ
कसम खाण खात्तर सुर्ग कै कान्ही ठाया। 6 अर जो युगानुयुग जिन्दा रहवैगा, अर जिसनै सुर्ग अर
उस म्ह बसी होई चिज्जां ताहीं, अर धरती अर उस म्ह बसी होई चिज्जां ताहीं, अर समुन्दर उस म्ह
बसी होई चिज्जां ताहीं बणाया सै, उस्से की कसम खाकै बोल्या, "इब तो और वार न्ही होगी।"
7 जिब सातमै सुर्गदूत का तुरही फूंक्कण का बखत होगा, तो परमेसवर की योजना पूरी हो जावैगी,
जिस ताहीं उसनै अपणे नबियाँ ताहीं बताया, जो उसकी सेवा करै सै, पर वो योजना दुसरे माणसां
पै जाहिर कोनी करी थी। 8 अर जिस शब्द करण आळे ताहीं मन्नै सुर्ग तै बोलदे सुण्या था, वो फेर
मेरै गेल्या बात करण लाग्या, के जा, जो सुर्गदूत समुन्दर अर धरती पै खडचा सै, उसकै हाथ म्ह की
खुली होड़ किताब ले ले। 9 अर मन्नै सुर्गदूत कै धोरै जाकै कह्या, "या छोट्टी किताब मन्नै दे, अर
उसनै मेरै तै कह्या, 'ले इसनै खा ले,' या तेरे मुँह म्ह शहद जिसी मिठ्ठी लाग्गैगी, पर या तेरा पेट
कड़वा कर देगी।" 10 ज्यांतै मै वा छोट्टी किताब उस सुर्गदूत कै हाथ म्ह तै लेकै खाग्या, वा मेरै
मुँह म्ह शहद जिसी मिठ्ठी तो लाग्गी, पर जिब मै उसनै खाग्या, तो मेरा पेट कड़वा होग्या। 11 फेर
मेरै तै न्यू कह्या गया, "तन्नै घणेए माणसां, जात्तां, भाषा अर राजयां के बारें म्ह फेर तै भविष्यवाणी
करणी होगी।"

11

[illegible]

1 फेर मेरै ताहीं नाप्पण कै खात्तर एक सरकण्डा दिया, जो नाप्पण के यन्त्र जिसा था, अर किसे
नै मेरे तै कह्या, "उठ, परमेसवर के मन्दर अर वेदी ताहीं नाप ले, अर उस म्ह आराधना करण आळा
की गिणती करले। 2 अर मन्दर कै बाहर का आँगण छोड़दे, उसनै मतना नाप, क्यूँके वो गैर यहूदियाँ
ताहीं दिया गया सै, अर वे पवित्र नगर नै बियाळीस महिन्ने ताहीं रौंदैगी। 3 अर मै अपणे दो
गवाहां ताहीं यो हक देऊँगा, के टाट ओढ़ होए एक हजार दो सौ साठ दिन ताहीं भविष्यवाणी करै।"
4 ये वैए जैतून के दो दरखत अर दो दीवट की तरियां सै, जो धरती कै प्रभु कै स्याम्ही खड़े रहवैं
सै। 5 अर जै कोए उननै नुकसान पोहचावै सै, तो उनकै मुँह तै आग लिकड़कै उनके बैरियाँ ताहीं भस्म
करै सै, अर जै कोए उन ताहीं नुकसान पोहोचाणा चाहवैगा, तो जरुर इस्से ढाळ मारया जावैगा।
6 परमेसवर नै उन ताहीं हक दिया सै, के उनकी भविष्यवाणी के दिनां म्ह अकास तै मिह न्ही बरसै,
अर उननै यो भी हक सै, के जिब-जिब वे चाहवैं जद-जद वे पाणी नै लहू म्ह बदल दे, अर धरती पै
हरेक ढाळ की बिप्दा ल्यावै। 7 अर जिब वे अपणी गवाही दे लेवैगें, तो वो पशु जो घणे अथाह कुण्ड

म्ह तै लिकड़ैगा, उनतै लड़कै उन ताहीं जित्तैगा अर मार देवैगा। 8 अर उनकी लाश उस बड़े नगर कै
चौक म्ह पड़ी रहवैंगीं, जित्त उनका प्रभु भी क्रूस पै चढ़ाया गया था, जो आत्मिक तौर तै सदोम
अर मिस्र देश कुह्वावै सै। 9 अर सारे माणस, सारे कुल, सारी भाषा, अर सारी जात्तां के लोग उनकी
लाश साढ़े तीन दिन ताहीं देखदे रहवैंगें, अर उनकी लाश कब्र म्ह धरण न्ही देवैगें। 10 अर धरती
के बासिन्दे, उनके मरण तै राज्जी अर मग्न होवैंगें, अर एक-दुसरे कै धोरै तोप्फे भेज्जैगें, क्यूँके इन
दोनु नबियाँ नै धरती के बासिन्दयां ताहीं भोत सताया था 11 अर साढ़े तीन दिन कै पाच्छै परमेसवर
कै कान्ही तै जीवन का साँस उन म्ह आ ग्या, अर वे अपणे पायां कै बळ खड़े होग्ये, अर उनके देखण
आळे डरगे। 12 अर उननै सुर्ग तै एक बड्ड़ा बोल सुणाई दिया, के उरै ऊपरान आओ, न्यू सुण वे
बाद्दळां पै सवार होकै अपणे बैरियाँ के देखदे-देखदे सुर्ग पै चढ़गे। 13 फेर उस्से बखत एक बड्ड़ा
भूकम्प यरुशलेम नगर म्ह होया, अर नगर का दसमां हिस्सा पड़ग्या, अर उस भूकम्प तै सात हजार
माणस मरगे अर बाक्की बचे होड़ माणस डरगे, अर सुर्ग के परमेसवर की महिमा करी। 14 दुसरी
बिप्दा बीत ली, देक्खो, तीसरी बिप्दा तावळी आण आळी सै।

[illegible]

15 अर जिब सातमै सुर्गदूत नै तुरही फूक्की, तो सुर्ग म्ह इस बारै म्ह बड़े-बड़े शब्द होण लाग्गे, के
"दुनिया का राज्य म्हारै प्रभु का, अर उसके मसीह का होग्या सै, अर वो युगानुयुग राज्य करैगा।"
16 अर सब चौबीस बुजुर्ग जो परमेसवर कै स्याम्ही अपणे-अपणे सिंहासन पै बेठ्ठे थे, मुँह कै बळ
मोध्धे पड़कै परमेसवर की आराधना करैंगें।
17 न्यू कहण लाग्गे, "के हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, जो सै, अर जो था, हम तेरा धन्यवाद
करा सां, के तन्नै अपणी बड्डी सामर्थ के काम तै धरती पै राज करणा शरु करया। 18 अर दुसरी
जात्तां कै छो उठ्या, अर तेरा प्रकोप आण पड्या अर वो बखत आण पोंहच्या सै, के मरे होया का
न्याय करया जावै, अर तेरे दास नबियाँ अर पवित्र माणसां ताहीं अर उन छोट्टे-बड़ा ताहीं जो
तेरे नाम तै डरै सै, वो तेरी महिमा करै, अर धरती पै जो माणस दुसरे माणसां नै बिगाड़ै सै, उन ताहीं
नाश करा जावै।"
19 फेर परमेसवर का जो मन्दर सुर्ग म्ह सै वो खोल्या गया, अर उसकै मन्दर म्ह उसका करार का
सन्दूक दिख्या, बिजळियाँ, शब्द, गरजण अर भूकम्प होए अर बड़े ओळे पड़े।

12

[illegible]

1 फेर इन बात्तां कै बाद सुर्ग पै एक बड्ड़ा निशान दिख्या, यानिके एक जनानी जो सूरज नै ओढ़े
होड़ थी, अर चाँद उसकै पायां कै तळै था, अर उसकै सिर पै बारहा तारां का ताज था। 2 अर वा गर्भवती
थी, अर किल्की मारै थी, क्यूँके जाप्पै का दर्द उसकै होण लाग्या था, अर वा बाळक जाम्मण कै दर्द
म्ह थी। 3 अर एक और निशान सुर्ग पै दिख्या, अर देक्खो, एक भोत बड्ड़ा लाल अजगर था जिसकै
सात सिर अर दस सींग थे, अर उसकै सिरां पै सात राजमुकुट थे। 4 अर उसकी पुन्झड़ नै अकास
के एक तिहाई हिस्से के तारे खिंचकै धरती पै गेर दिए, अर वो अजगर उस जनानी के स्याम्ही जो
जच्चा थी, खड्या होया, के जिब वा बाळक जणै तो उसकै बाळक नै निगळ जावै। 5 अर उसकै छोरा
होया जो लोहे का राजदंड लिए होड़, सारी जात्तां पै राज करण पै था, अर उसका बाळक चाणचक
परमेसवर कै धोरै, अर उसकै सिंहासन कै धोरै ठा कै पोहोचा दिया गया। 6 अर वा जनानी उस बण
म्ह भाजगी, जित्त परमेसवर की ओड़ तै उसकै खात्तर एक जगहां त्यार करी गई थी, ताके ओड़ै एक
हजार दो सौ साठ दिन ताहीं उसकी देखभाळ अर उसका पालन-पोषण करया जावै।
7 फेर सुर्ग पै लड़ाई होई, मीकाईल अर उसके सुर्गदूत अजगर तै लड़ण नै लिकड़े, अर अजगर
अर उसके दूत उसतै लड़े। 8 पर अजगर हार ग्या अर सुर्ग तै लिकाड़ दिया गया, अर सुर्ग म्ह
उनकै खात्तर फेर जगहां कोनी रही। 9 अर वो बड़ा अजगर यानिके वोए पुराणा साँप, जो इब्लीस
अर शैतान कुह्वावै सै, अर साब्ती दुनिया नै भकाण आळा सै, धरती पै गेर दिया गया, अर उसके

दूत उसकै गैल गेर दिए गए। 10 फेर मन्नै सुर्ग पै तै यो बड्डा शब्द आन्दे होड़ सुण्या, के इब म्हारा
परमेसवर माणसां ताहीं बचा लेवैगा, अर वो अपणी शक्ति का इस्तमाल करैगा, अर राजा की तरियां
राज करैगा, इब उसका मसीह दुनिया पै अपणा हक जतावैगा, क्यूँके शैतान परमेसवर की हजुरी म्ह
खड़ा होकै, जो दिन रात उसके दास्सां पै दोष लाया करै था, वो सुर्ग तै गिरा दिया गया सै। 11 म्हारे
बिश्वासियाँ नै शैतान ताहीं हराया सै, अर वे मेम्ने कै लहू कै कारण, अर अपणी गवाही कै वचन कै
कारण, उसपै जीत्ते, अर उननै अपणे जी ताहीं प्यारा न्ही जाण्या, उरै ताहीं के मौत भी सहण कर
ली। 12 ज्यांतै, हे सुर्ग, अर उस म्ह रहण आळो आनन्दित होओ, अर हे धरती, अर समुन्दर म्ह रहण
आळो, थारे पै धिक्कार सै! क्यूँके शैतान घणे छो कै गेल्या थारे धोरै उतर आया सै, क्यूँके वो जाणै
सै, के उसका थोड़ा-ए बखत और बच रया सै।

13 अर जिब अजगर नै देख्या, के मै धरती पै गेर दिया गया सूं, तो उस जनानी ताहीं जिन नै बेट्टा
पैदा करया था, उसका पिच्छा करया। 14 अर उस जनानी ताहीं बड़े उकाब के दो पंख दिए गये, के
अजगर कै स्याम्ही तै उड़ कै बण म्ह उस जगहां पोहच जावै, जित्त उसकी एक बखत, अर समयों,
अर आध्धे बखत ताहीं देख-रेख करी जावै। 15 अर अजगर नै उस जनानी कै पाच्छै अपणे मुँह तै
नदी की तरियां पाणी बहाया, के उसनै नदी तै बहा दे। 16 पर धरती नै उस जनानी की मदद करी, अर
अपणा मुँह खोल कै उस नदी ताहीं जो अजगर नै अपणे मुँह तै बहाई थी, पी लिया। 17 फेर अजगर
नै जनानी पै गुस्सा करया, अर उसके वंशजां ताहीं, जो परमेसवर के हुकम नै मान्नै सै, अर यीशु की
गवाही देण पै अटल सै, उनतै लड़ण नै गया। 18 अर वो समुन्दर कै बालू पै जा खड्या होया।

13

□□ □□□

1 अर मन्नै एक पशु ताहीं समुन्दर म्ह तै लिकड़दे होड़ देख्या, जिसके दस सींग अर सात सिर
थे, उसके सीन्गां पै दस राजमुकुट अर उसके सिरां पै परमेसवर की बुराई के नाम लिक्खे होड़ थे।
2 अर जो पशु मन्नै देख्या, वो चित्तै बरगा था, अर उसके पाँ भाल्लू जिसे, अर मुँह शेर कै बरगा था,
अर उस अजगर नै अपणी सामर्थ, अर अपणा सिंहासन, अर बड्डा हक, उस ताहीं दे दिया। 3 अर
मन्नै उसके सिरां म्ह तै एक पै इसा जानलेवा घाव लाग्या होड़ देख्या, मान्नो वो मरण पै सै, फेर
उसका जानलेवा घाव ठीक होग्या, अर साब्ती धरती के माणस हैरान होगे अर उस पशु के भगत
बण जावैंगे। 4 अर उननै अजगर की पूजा करी, क्यूँके उसनै पशु ताहीं अपणा हक दे दिया था, अर
न्यू कहकै पशु की भी पूजा करी, के इस पशु कै बरगा कौण सै? कौण उसतै लड़ सकै सै?

5 उस ताहीं डींग मारण अर परमेसवर की बुराई करण का हक अर बियाळीस महिन्ने ताहीं राज
करण की इजाजत दी गई। 6 पशु नै, परमेसवर अर उसकै नाम, उसके रहण की जगहां यानी सुर्ग
अर उन सब की, जो सुर्ग म्ह रहवै सै, उनकी बुराई करणा शरु कर दिया। 7 अर उस ताहीं न्यू हक
दिया गया, के पवित्र माणसां तै लड़ै, अर उनपै जीत पावै, अर उस ताहीं हरेक कुल, अर माणस,
अर भाषा, अर जात पै हक दिया गया। 8 अर धरती पै रहण आळे वे सारे उस पशु की पूजा करैगें।
मतलब जिनका दुनिया की शरुआत के बाद के वे सारे माणस जिनके नाम उस मेम्ने की जीवन की
किताब म्ह लिक्खे न्ही गये सै। मेम्ना वोए सै जो मारया गया सै। 9 जिसके कान हों वो ध्यान तै
सुणै।

10 जिस ताहीं कैद म्ह पड़णा सै, वो कैद म्ह पड़ैगा, जो तलवार तै मारैगा, जरूरी सै के वो तलवार
तै मारया जावैगा। पवित्र माणसां का धीरज दुख ठाण अर उसपै बिश्वास करण म्ह सै।

11 फेर मन्नै एक और पशु ताहीं धरती म्ह तै लिकड़दे देख्या, उसके मेम्ने की ढाळ दो सींग थे,
अर वो अजगर की ढाळ बोल्लै था। 12 अर यो उस पैहल्ड़े पशु का सारा हक उसकै स्याम्ही काम
म्ह ल्यावै था, अर धरती अर उसके बासिन्दयां तै उस पैहल्ड़े पशु की जिसका जानलेवा घाव ठीक
होग्या था, पूजा करै था। 13 अर वो बड़े-बड़े निशान दिखावै था, उरै ताहीं के माणसां कै देखते-देखते

सुर्ग तै धरती पै आग बरसा देवै था। 14 अर उन चमत्कारां कै कारण जिन ताहीं उस पशु कै स्याम्ही
दिखाण का हक उस ताहीं दिया था, वो धरती के बासिन्दयां ताहीं इस तरियां भकावै था, के धरती
के बासिन्दयां तै कहवै था, के जिस पशु कै तलवार लागरी थी, वो जिन्दा होग्या सै, उसकी मूर्ति
बणाओ। 15 अर उस ताहीं उस पशु की मूर्ति म्ह जी घाल्लण का हक दिया गया, के पशु की मूर्ति
बोल्लण लाग्गै, अर जितने माणस उस पशु की मूर्ति की पूजा न्ही करै, उन ताहीं मरवा देवै। 16 अर
उसनै छोट्टे, बड़े, साहूकार, कंगाल, आजाद, गुलाम सारया कै सोळे हाथ या उनकै माथ्थै पै छाप
लगावाण खात्तर उन ताहीं मजबूर कर दिया। 17 के उस ताहीं छोड़ जिसपै छाप यानिके उस पशु
का नाम, या उसकै नाम का अंक हो, अर कोए लेण-देण न्ही कर सकै। 18 ग्यान इस्से म्ह सै: जिस
म्ह अकल हो वो इस पशु का अंक जोड़ ले, क्यूँके वो माणस का अंक सै, अर उसका अंक छः सौ
छियासठ सै।

14

[illegible]

1 पर उसकै बाद मन्नै कुछ और भी देख्या, वो मेम्ना सिय्योन पहाड़ पै खड्या सै, अर उसकै गेल्या
एक लाख चवाळीस हजार माणस सै, जिनकै माथ्थै पै उसका अर उसकै पिता का नाम लिख्या होड़
सै। 2 अर सुर्ग तै मन्नै एक इसा शब्द सुणाई दिया, जो पाणी की घणी धारा अर बड़े गरजण जिसा
शब्द था, अर जो शब्द मन्नै सुण्या, वो इसा था, मान्नो वीणा बजाण आळे वीणा बजान्दे हों। 3 अर
वे सिंहासन कै स्याम्ही अर च्यारु प्राणियाँ अर बुजुर्गां कै स्याम्ही मान्नो, एक नया गीत गाण लागरे
थे, अर उन एक लाख चवाळीस हजार माणसां ताहीं छोड़ जो धरती पै तै छुड़ाए गये थे, कोए वो
गीत न्ही सीख सकै था। 4 ये वे सै, जो जनानियाँ कै गेल्या अशुद्ध न्ही होए, पर कुवांरे सै। ये वैए
सै, के जित्त किते मेम्ना जावै सै, वे उसकै पाच्छै हो लेवैं सै। जिस तरियां लोग अपणी फसल म्ह तै
पैहला फळ परमेसवर ताहीं चढ़ावै सै, उस्से तरियां वो भी परमेसवर अर मेम्ने खात्तर पैहले फळ के
रूप म्ह चढ़ाए गए सै। 5 अर उनके मुँह तै झूठ न्ही लिकड़या था, वे बेकसूर सै।

[illegible]

6 फेर मन्नै एक और सुर्गदूत ताहीं अकास कै बिचाळै उड़दे होड़ देख्या जिसकै धोरै धरती पै के
बासिन्दयां की हरेक जात, अर कुल, अर भाषा, अर माणसां ताहीं सुणाण कै खात्तर घणा सनातन
सुसमाचार था। 7 अर उसनै ऊँच्ची आवाज म्ह कह्या, "परमेसवर तै डरो, अर उसकी महिमा करो,
क्यूँके उसकै न्याय करण का बखत आण पोंहच्या सै, अर उसकी आराधना करो, जिसनै सुर्ग अर धरती
अर समुन्दर अर पाणी के सोते बणाए।" 8 फेर इसकै पाच्छै एक और दुसरा सुर्गदूत न्यू कहन्दा होड़
आया, के पड़ग्या, वो बड्ड़ा बेबीलोन नगर पड़ग्या जिसनै अपणी जारी की कोपमय मदिरा सारी
जात्तां ताहीं पिलाई सै। 9 फेर इनकै पाच्छै एक और सुर्गदूत जोर तै न्यू कहन्दा होड़ आया, के जो
कोए उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा करै, अर अपणे माथ्थै या अपणे हाथ पै उसकी छाप ले।
10 तो वो परमेसवर के प्रकोप की निरी मदिरा जो उसकै खुन्दक कै कटोरे म्ह घाल्ली गई सै, पीवैगा
अर पवित्र सुर्गदूत्तां कै स्याम्ही, अर मेम्ने कै स्याम्ही आग अर गन्धक की पीड़ा म्ह पड़ैगा। 11 अर
उनकी पीड़ा का धुम्मा युगानुयुग उठदा रहवैगा, अर जो उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा करै सै,
अर जो उसकै नाम की छाप लेवैं सै, उन ताहीं दिन-रात चैन न्ही मिलैगा। 12 पवित्र माणसां का
धीरज इस्से म्ह सै, के धीरज तै दुख सहन्दे रहवै अर अन्त ताहीं मजबूत बणकै परमेसवर के हुकमां
नै मान्नै, अर यीशु पै बिश्वास राक्खैं। 13 फेर मन्नै सुर्ग तै यो शब्द सुण्या, के लिख, जो मुर्दे प्रभु
म्ह मरै सै, वे इब तै धन्य सै, आत्मा कहवै सै, हाँ, क्यूँके वे अपणी मैहनतां तै आराम पावैंगें, अर
उनकै काम उनकै गेल्या हो लेवैगें।

[illegible]

14 अर मन्नै निगांह करी, अर देक्खो, एक धोळा बाद्दळ सै, अर उस बाद्दळ पै माणस कै बेट्टे
बरगा कोए बेठ्या सै, जिसकै सिर पै सोन्ने का ताज अर हाथ म्ह तेज दराती सै। 15 फेर एक और
सुर्गदूत नै मन्दर म्ह तै लिकड़कै, उसतै जो बाद्दळ पै बेठ्या था, जोर तै रुक्का मारकै कह्या, "के
अपणी दराती ल्याकै लामणी कर, क्यूँके लामणी का बखत आण पोंहच्या सै, ज्यांतै के धरती की
खेत्ती पक ली सै।" 16 इस करकै जो बाद्दळ पै बेठ्या था, उसनै धरती पै अपणी दराती लाई, अर
धरती की लामणी करी गई। 17 फेर एक और सुर्गदूत उस मन्दर म्ह तै लिकड़या, जो सुर्ग म्ह सै,
अर उसकै धोरै भी तेज दराती थी। 18 फेर एक और सुर्गदूत जिस ताहीं आग पै हक था, वेदी म्ह तै
लिकड़या, अर जिसकै धोरै तेज दराती थी, उसतै जोर तै बोल्या,, "अपणी तेज दराती ल्याकै धरती
की दाखलता के गुच्छे काट ले, क्यूँके उसकी दाख पक ली सै।" 19 अर उस सुर्गदूत नै धरती पै अपणी
दराती लाई, अर धरती की दाखलता का फळ काटकै, अपणे परमेसवर के प्रकोप के बड़े रस के कुण्ड
म्ह घाल दिया। 20 अर नगर कै बाहरणै उस रसकुण्ड म्ह अंगूर रौंदे गये, अर रसकुण्ड म्ह तै इतणा
लहू लिकड़या के वो नदी म्ह तबदील होग्या, जो के तीन सौ किलो मीटर लम्बी अर इतनी गहरी
थी, के उस म्ह घोड़े भी समा जावै।

15

[illegible]

1 फेर इसकै बाद मन्नै सुर्ग म्ह एक और बड्ड़ा अर अदभुत निशान देख्या, यानिके सात सुर्गदूत
जिनकै धोरै सात आखरी बिप्दा थी, क्यूँके उनके खतम हो जाण पै परमेसवर के प्रकोप का अंत सै।
2 फेर मन्नै इसा लाग्या जणु मान्नो मै एक काँच के समुन्दर नै देखण लागरया सूं, जिस म्ह आग
मिली होई थी, मन्नै इस समुन्दर के किनारे पै उन माणस ताहीं खड़े देख्या, जिननै उस बड़े पशु ताहीं
हराया था, क्यूँके उननै उसकी मूर्ति की आराधना करण तै अर उसकै नाम की मोहर लगाण तै भी
मना कर दिया था, उन माणसां के हाथ म्ह परमेसवर के जरिये दी गई वीणा थी। 3 वे परमेसवर के
दास मूसा नबी का गीत, अर मेम्ने का गीत गा-गाकै कहवै थे, "हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर,
तेरे काम महान्, अर अनोक्खे सै, हे युग-युग के राजा, तेरी चाल सही अर सच्ची सै।" 4 "हे प्रभु,
कौण तेरे तै न्ही डरैगा अर तेरे नाम की महिमा न्ही करैगा? क्यूँके सिर्फ तू ए पवित्र सै। सारी जात
आकै तेरे स्याम्ही मोध्धे पड़कै प्रणाम करैगी, क्यूँके तेरे न्याय के काम दिखगे सै।"
5 जिब माणसां नै गाणा बन्द कर दिया, तो मन्नै सुर्ग म्ह मन्दर ताहीं खुल्या होया देख्या, जो
के परमेसवर के तम्बू की तरियां था। 6 अर वे सात्तु सुर्गदूत जिनकै धोरै सात्तु बिप्दा थी, शुद्ध अर
चमकदी होई मलमल के लत्ते पहरे होड़, छात्ती पै सुनहरे परणे बाँधे होड़ मन्दर तै लिकड़े। 7 अर उन
च्यारु प्राणियाँ म्ह तै एक नै उन सात सुर्गदूत्तां ताहीं परमेसवर के, जो युगानुयुग जीवै सै, प्रकोप
तै भरे होड़ सात सोन्ने के कटोरे दिए। 8 अर परमेसवर की महिमा अर उसकी सामर्थ कै कारण मन्दर
धुम्मै तै भर गया, अर जिब तक उन सात्तु सुर्गदूत्तां की सात्तु बिप्दा खतम न्ही होई तब तक कोए
मन्दर म्ह न्ही जा सक्या।

16

[illegible]

1 फेर मन्नै मन्दर म्ह किसे ताहीं जोर तै उन सात्तु सुर्गदूत्तां तै न्यू कहन्दे सुण्या के जाओ, परमेसवर
कै प्रकोप के सात्तु कटोरयां ताहीं धरती पै उंडेल द्यों। 2 इस करकै पैहल्ड़े सुर्गदूत नै जाकै अपणा
कटोरा धरती पै उंडेल दिया, अर उन माणसां का जिनपै पशु की छाप थी, अर जो उसकी मूर्ति की
पूजा करै थे, उनकै एक तरियां तै बुरा अर दुख देण आळा फोड़ा लिकड़या। 3 अर दुसरे सुर्गदूत नै
अपणा कटोरा समुन्दर पै उंडेल दिया, अर वो मरे होए माणसां के लहू जिसा होग्या, अर समुन्दर म्ह
रहण आळा हरेक प्राणी मर ग्या। 4 अर तीसरे सुर्गदूत नै अपणा कटोरा नदियाँ, अर पाणी के चोवां
पै उंडेल दिया, अर वो लहू बणग्या। 5 फेर मन्नै पाणी के अधिकारी सुर्गदूत ताहीं न्यू कहन्दे सुण्या,,

के हे पवित्र, जो सै, अर जो था, तू न्यायी सै, अर तन्नै यो न्याय करया। 6 क्यूँके उनन्नै पवित्र
माणसां, अर नबियाँ का लहू बहाया था, इस करकै तन्नै उनतै लहू पियाया, क्यूँके वे इस्से जोग्गे सै।
7 दुबारा मन्नै वेदी तै यो शब्द सुण्या, के हाँ! हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, तेरे फैसले सही अर
सच्चे सै।
8 अर चौथे सुर्गदूत नै अपणा कटोरा सूरज पै उंडेल दिया, तो सूरज ताहीं यो हक दिया गया के
वो माणसां नै अपणी गर्मी तै झुलसा दे। 9 अर माणस घणी तपण तै झुळसगे, अर वे परमेसवर कै
नाम की, जिन ताहीं इन मुसीबतां पै हक सै, उस ताहीं श्राप देण लाग्गे, अर ना ए पाप करणा
छोड्या, ना उसकी महिमा करी। 10 अर पाँचमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा उस पशु कै सिंहासन पै
उंडेल दिया अर उसके राज्य पै अन्धेरा छाग्या, अर माणस दर्द के मारे अपणी-अपणी जीभ चबाण
लाग्गे। 11 अर अपणे दर्दां अर फोड़यां कै कारण सुर्ग कै परमेसवर की बुराई करी, अर अपणे-अपणे
बुरे काम्मां ताहीं करणा न्ही छोड्या। 12 अर छटमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा बड्डी नदी फरात पै
उंडेल दिया, अर उसका पाणी सूख गया, ताके पूरब दिशा के राजयां के खात्तर राह त्यार हो जावै।
13 अर मन्नै उस अजगर कै मुँह म्ह तै, अर उस पशु कै मुँह म्ह तै, अर उस झूठ्ठे नबी कै मुँह म्ह तै
तीन भुंडी ओपरी आत्मायाँ ताहीं मेंढ़कां के रूप म्ह लिकड़दे देख्या। 14 ये चमत्कार दिखाण आळी
भोत सी भुंडी ओपरी आत्मा सै, जो साब्ती दुनिया के राजयां के धोरै तै लिकड़कै ज्यांतै जावै सै, के
उन ताहीं सर्वशक्तिमान परमेसवर के उस बड़े दिन की लड़ाई कै खात्तर कठ्ठे करै। 15 अर देक्खों,
मेरा आणा एक चोर की ढाळ होगा जो चुपके तै आवै सै, धन्य वो सै, जो जागदा रहवै सै, अर अपणे
लत्यां की चौकसी करै सै, के उघाड़ा कोनी हाँडै, अर माणस उसका उघाड़ापण ना देख पावै। 16 अर
उन भुंडी ओपरी आत्मायाँ नै सारे राजा ताहीं उस जगहां कठ्ठा करया, जो इब्रानी म्ह हर-मगिदोन
कुह्वावै सै।
17 अर सातमै सुर्गदूत नै अपणा कटोरा हवा पै उंडेल दिया, अर मन्दर के सिंहासन तै यो बड्ड़ा
शब्द होया, के, हो चुक्या। 18 फेर बिजलियाँ, अर शब्द, अर गरजण होए, अर एक इसा बड्ड़ा
हाल्लण होया, के जिब तै माणस धरती पै बणाया गया, जद तै इसा बड्ड़ा हाल्लण कदे न्ही होया
था। 19 अर उस बड़े नगर के तीन टुकड़े होगे, अर देश-देश के नगर पड़गे, क्यूँके परमेसवर नै बेबीलोन
नगर के माणसां ताहीं दण्ड देण का अपणा वादा पूरा करया, अर यो इसा होगा जिसा मान्नो के वो
अपणे छो की जळण की मदिरा उनन्नै प्याणा। 20 अर हरेक टापू अपणी जगहां तै टळ ग्या, अर
पहाड़ां का बेरा न्ही पाटया। 21 अकास तै माणसां पै मण-मण के बड़े ओळे पड़े, अर इस करकै के या
बिप्दा घणीए भारया थी, लोगां नै ओळयां की बिप्दा कै कारण परमेसवर की बुराई करी।

17

????? ??????

1 अर जिन सात सुर्गदूत्तां कै धोरै वे सात कटोरे थे, उन म्ह तै एक नै आकै मेरै तै न्यू कह्या, के
उरै आ, मै तन्नै उस बेश्या का दण्ड दिखाऊँ, जो घणेए पाणी पै बेठ्ठी सै। 2 जिसकै गेल्या धरती
के राजयां नै जारी करी, अर धरती के बासिन्दे उसकी जारी की मदिरा तै मतवाले होगे थे। 3 फेर
सुर्गदूत मेरी आत्मा नै एक जंगल-बियाबान म्ह लेग्या, ओड़ै मन्नै एक जनानी ताहीं लाल रंग के
एक पशु पै बेठ्ठे देख्या, वो पशु परमेसवर की बुराई करण आळे शब्दां तै ढक्या होड़ था, अर इसकै
सात सिर अर दस सींग थे। 4 या जनानी बैंजनी, अर लाल रंग के लत्ते पैहर-री थी, अर सोन्ने अर
घणी कीमती मणियाँ अर मोतियाँ के गहणा तै सजी होड़ थी, अर उसके हाथ्थां म्ह एक सोन्ने का
कटोरा था जो अश्लीलता की घृणित चिज्जां तै अर उसकी जारी की भुंडी चिज्जां तै भरया होड़
था। 5 अर उसकै माथ्थै पै एक रहस्यमय नाम लिख्या था, "बड्ड़ा बेबीलोन धरती की बेश्यायाँ अर
घृणित चिज्जां की माँ, अर सारी अश्लीलता नै जन्म देण आळी।" 6 अर मन्नै उस जनानी ताहीं
पवित्र माणसां कै लहू अर यीशु के गवाहां कै लहू पीण म्ह मतवाली देख्या अर उस ताहीं देखकै मै
हैरान होग्या।

7 उस सुर्गदूत नै मेरै तै कह्या, "तू क्यांतै हैरान होया?" मै इस जनानी, अर उस पशु का, जिसपै
वा चढ़री सै, अर जिसके सात सिर अर दस सींग सै, उसका तेरे ताहीं भेद बताऊँ सूं। 8 जो पशु तन्नै
देख्या सै, यो पैहल्या तो था, पर इब न्ही सै, अर घणे अथाह कुण्ड तै लिकड़कै विनाश म्ह पड़ैगा,
अर धरती के बासिन्दे जिनके नाम दुनिया कै बणण कै बखत तै जीवन की किताब म्ह लिक्खे न्ही
गये सै, इस पशु की या हाल्लत देखकै अचम्भा करैंगें, के पैहल्या था, अर इब कोनी, पर यो दुबारा
आवैगा। 9 यो समझाण कै खात्तर के एक ज्ञान्नी मन जरूरी सै: वे सात्तु सिर सात पहाड़ सै, जिनपै
वा जनानी बेठ्ठी सै। 10 अर वे सात राजा भी सै, पाँच तो मर लिये सै, अर एक बाक्की सै, अर एक
इब ताहीं आया कोनी, अर जिब आवैगा, तो कुछ बखत ताहीं उसका रहणा भी जरूरी सै। 11 अर जो
पशु पैहल्या था, अर इब न्ही, वो खुद आठमां राजा सै, अर उन सात्तुआ म्ह तै सै, जिसका विनाश
तय सै। 12 अर जो दस सींग तन्नै देक्खे सै, वे दस राज्जे सै, जिननै इब ताहीं राज्य न्ही मिल्या, पर
उस पशु कै गेल्या थोड़े-से बखत खात्तर राजयां बरगा हक दिया जावैगा। 13 ये सारे एक मन होवैंगें,
वे अपणी-अपणी सामर्थ अर हक उस पशु ताहीं देवैगें। 14 ये मेम्ने गैल लड़ैंगें, अर मेम्ना उनतै जीत
जावैगा, क्यूँके वो प्रभुओं का प्रभु, अर राजयां का राजा सै: अर जो बुलाए होड़, चुणे होड़, अर
बिश्वासी उसकै गैल सै, वे भी जीत पावैंगें।

15 फेर उसनै मेरै तै कह्या, के जो पाणी तन्नै देख्या, जिनपै बेश्या बेठ्ठी सै, वो देश, माणस,
जात्ति, अर भाषा सै। 16 अर जो दस सींग तन्नै देक्खे, वे अर पशु उस बेश्या तै बैर राक्खैंगें, अर
उस ताहीं लाचार अर उघाड़ी कर देवैगें, अर उसका माँस खा जावैंगे, अर उस ताहीं आग म्ह जळा
देवैगें। 17-18 वा जनानी, जिसनै तू देक्खै सै, वो बड्ड़ा नगर सै, जो धरती के राजयां पै राज करै सै।
ये सब बात उसकै गैल होवैंगी, क्यूँके यो परमेसवर ही सै, जो अपणे मकसद नै पूरा करण खात्तर
उनके मन नै उकसावैगा, ताके वे उसकी मनसा पूरी करै, योए कारण सै के वो अपणा हक पशु ताहीं
राज करण खात्तर दे देंगे, जिब तक के परमेसवर नै जो कह्या सै वो पूरा ना हो ले।

18

[illegible]

1 इसकै बाद मन्नै एक और सुर्गदूत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसकै धोरै बड्ड़ा अधिकार था,
अर धरती उसकै तेज तै चमक ग्यी। 2 उसनै जोर तै रुक्का मारकै कह्या, पड़ग्या, बड्ड़ा बेबीलोन
नगर पड़ग्या सै, अर भुंडी ओपरी आत्मायाँ का घर, हरेक भुंडी आत्मा का बसेरा, एक अशुद्ध अर
घृणित पंछी का बसेरा होग्या। 3 यो इस कारण होवैगा क्यूँके बेबीलोन नगर उस बिरबान्नी की
तरियां सै, जिसकी जारी की डरावणी मदिरा कै कारण सारी जात पड़गी सै, अर धरती के राजयां
नै उसकै गेल्या जारी करी सै, अर धरती के व्यापारी उसकै भोग-विलास के धन कै कारण साहूकार
होए सै। 4 फेर मन्नै सुर्ग तै किसे और का बोल सुण्या, के हे मेरे माणसों, उस म्ह तै लिकड़ आओ,
के थम उसके पापां म्ह साझ्झी न्ही होओं, अर उसकी मुसीबतां म्ह तै कोए मुसीबत थारे पै ना आण
पड़ै। 5 क्यूँके उसके पाप सुर्ग ताहीं पोंहोचगे सै, अर उसके अधर्म परमेसवर नै याद आये सै। 6 जिसा
उसनै थारे ताहीं दिया सै, उस्से तरियां ए उस ताहीं भी भर द्यो, अर उसके काम्मां कै मुताबिक उस
ताहीं दो गुणा बदला द्यो, जिस कटोरे म्ह उसनै भर दिया था उस्से म्ह उसकै खात्तर दो गुणा भर द्यो।
7 जितनी उसनै अपणी बड़ाई करी अर सुख-विलास करया, थम भी उसनै उतनाए दुख अर दर्द द्यो,
क्यूँके वा अपणे मन म्ह कहवै सै, मै राणी के सामान बण बेठ्ठी सूं, मै बिधवा कोनी, अर ना ए कदे
बिलाप करुँगी। 8 इस करकै एक ए दिन उसके अंहकार के कारण उसपै बिप्दा आण पड़ैंगी, यानिके
मौत, दुख, अकाळ, अर वा आग म्ह भस्म कर दी जावैगी, क्यूँके उसका न्याय करण आळा प्रभु
परमेसवर शक्तिशाळी सै। 9 अर धरती के राजा जिननै उसकै गेल्या जारी, अर भोगविलास करया,
जिब उसकै जळण का धुम्मा देखैंगें, तो उसकै खात्तर रोवैंगें, अर छात्ती पीट्टैंगें। 10 अर उसकै दर्द

कै डर नै याद करकै दूर खड़े होकै कहवैंगें, हाय! हाय! हे बड़े नगर, बेबीलोन, हे शक्तिशाली नगर,
थोड़ी-ए देर म्ह तेरे पै दण्ड आ लेवैगा।

11 अर धरती के व्यापारी उसकै खात्तर रोवैंगें अर कळपैंगें, क्यूँके इब कोए उनकी ये चीज मोल
लेण आळा कोन्या रह्या। 12 उन धोरै भोत सारी चीज थी यानिके सोन्ना, चान्दी, रत्न, मोत्ती, अर
मलमल, बैंजनी, रेशमी, लाल रंग लत्ते, अर हरेक ढाळ की खसबूदार लाकड़ी, अर हाथी दाँत की
हरेक ढाळ की चीज, घणी कीमती लाकड़ी, पीत्तळ, लोहा, अर संगमरमर के सारे ढाळ के बरतन।
13 अर दालचीनी, मसाले, धूप, गन्धरस, लोबान, अंगूर का रस, तेल, मैद्दा, गेहूँ, गऊँ, बळध, भेड़,
बकरियाँ, घोड़े, रथ, गुलाम, अर माणसां के प्राण का कोए खरीदार कोनी रह्या। 14 व्यापारी उस
ताहीं कहवैंगें, के जिन चिज्जां की तन्नै इच्छा करी थी, इब वा कोनी रही, अर एशो-आराम अर
शोहरत की चीज तेरे तै दूर होई सै, अर वे कदे भी न्ही मिलैगी। 15 इन चिज्जां के व्यापारी जो उसकै
जरिये साहूकार होगे थे, उसकै दर्द कै डर नै याद करकै दूर खड़े होकै रोन्दे अर कळपदे होए कहवैंगें,

16 "हाय! हाय! यो बड्ड़ा नगर जो मलमल, अर बैंजनी, अर लाल रंग के लत्ते पहरे था,
अर सोन्ने, अर रत्नां, अर मोतियाँ तै सज्या था,
17 थोड़ी-ए देर म्ह उसका इसा सारा धन नाश होग्या, अर हरेक माँझी, अर पाणी म्ह सफर करणीया,
किस्ती चलाणीए, अर जितने समुन्दर तै कमावैं सै, सारे दूर खड़े होकै।" 18 अर उस नगर के
जळण का धुम्मा देखदे होए रुक्का मारकै कहवैंगें, "कौण सा नगर इस बड़े नगर कै जिसा
सै?"

19 अर अपणे-अपणे सिरां पै धूळ गेरैंगें, अर रोन्दे होए अर कळपदे होए किल्की मार-मारकै
कहवैंगें, के, हाय! हाय! यो बड्ड़ा नगर जिसकी सम्पत्ति कै जरिये समुन्दर के सारे जहाज आळे
साहूकार होगे थे, इब थोड़ी-ए देर म्ह तू उजड़ ग्या। 20 हे थम जो सुर्ग म्ह रहण आळे, अर हे
पवित्र माणसों, प्रेरितों, अर नबियों, जो उसकै गैल होया सै, इस कारण थम खुशी मनाओ, क्यूँके
परमेसवर नै बेबीलोन नगर ताहीं दण्ड देकै उसतै थारा बदला लिया सै। 21 फेर एक ताकतवर सुर्गदूत
नै बड्डी चाक्की के पाट जिसा पत्थर ठाया, अर न्यू कहकै समुन्दर म्ह बगा दिया, के, "बड्ड़ा नगर
बेबीलोन इस्से ढाळ घणी ताकत तै गिराया जावैगा, अर फेर कदे भी उसका बेरा न्ही पाट्टैगा।
22 अर बेबीलोन नगर म्ह गायक, वीणा बजाण आळे, बाँसुरी बजाण आळे, अर तुरही फूंकण आळा
का शब्द फेर कदे भी तन्नै सुणाई न्ही देवैगा, अर किसे काम का भी कोए कारीगर तन्नै कदे न्ही
मिलैगा, अर चाक्की कै चाल्लण का शब्द फेर कदे भी तन्नै न्ही सुणैगा। 23 अर दीवै का चाँदणा
फेर कदे भी तेरे म्ह न्ही चमकैगा, अर बन्दड़ा-बन्दड़ी का शब्द फेर कदे भी तन्नै सुणाई न्ही देवैगा,
क्यूँके तेरे व्यापारी धरती के प्रधान थे, अर तेरे जादू-टूणे तै सारी जात भकाई गई थी। 24 परमेसवर
बेबीलोन नगर ताहीं इस कारण सजा देवैगा, क्यूँके नबियाँ, पवित्र माणसां, अर धरती पै सारे घात
करे होया का लहू उस्से म्ह पाया गया सै।"

19

1 इसकै बाद मन्नै सुर्ग म्ह मान्नो भीड़ ताहीं जोर तै न्यू कहन्दे सुण्या, के, हालेलूय्याह! उद्धार,
महिमा, अर सामर्थ, म्हारै परमेसवर ए की सै। 2 क्यूँके उसका न्याय सच्चा अर सही सै, ज्यांतै
के उसनै उस बड्डी बेश्या का जो अपणी जारी तै धरती के माणसां तै पाप करवाण लागरी थी,
परमेसवर नै उस ताहीं दण्ड देकै अपणे दास्सां कै लहू का बदला लिया सै। 3 फेर दुसरी बर उननै
कह्या, हालेलूय्याह! अर बेबीलोन नगर कै जळण का धुम्मा युगानुयुग उठदा रहवैगा। 4 सब चौबीस
बुजुर्ग अर च्यारु प्राणियाँ नै झुककै परमेसवर ताहीं प्रणाम करया, जो सिंहासन पै बेठ्या था, अर
कह्या, "आमीन! हालेलूय्याह!"

5 अर सिंहासन म्ह तै मन्नै एक आवाज सुणाई दी, के, हे म्हारे परमेसवर तै सारे डरण आळे दासों,
के छोट्टे, के बड़े, थम सारे उसकी जै-जै कार करो। 6 फेर मन्नै बड्डी भीड़ का शोर सुणाई दिया,
यो भोत घणे पाणी अर जबरदस्त गड़गड़ाहट बरगा शब्द था, हालेलूय्याह! प्रभु म्हारा परमेसवर,
सर्वशक्तिमान राज्य करै सै। 7 आओ, हम खुश अर मग्न होवां, अर उसकी जै-जै कार करा, क्यूँके
मेम्ने का ब्याह आण पोहोचा, अर उसकी बन्दड़ी नै अपणे-आप ताहीं त्यार कर लिया सै। 8 अर उस
ताहीं शुद्ध अर चमकदार सुथरे मलमल नै पैहरण का हक दिया गया, क्यूँके उस सुथरे मलमल का
मतलब पवित्र माणसां के धर्म के काम सै। 9 अर सुर्गदूत नै मेरै तै कह्या, न्यू लिख, के, धन्य वे सै,
जो मेम्ने के ब्याह के भोज म्ह न्योंदे गये सै, फेर उसनै मेरै तै कह्या, ये परमेसवर की कही गई सच्ची
बात सै। 10 अर मै उसनै पूज्जण कै खात्तर उसके पायां के म्ह पड़ग्या, उसनै मेरै तै कह्या, "देख,
इसा मतना करै, मै तेरे अर तेरे भाईयाँ की तरियां ए दास सूं, जो यीशु की गवाही देण पै अटल सै,
परमेसवर नै ए पूज, क्यूँके यीशु की गवाही भविष्यवाणी की आत्मा सै।"

[illegible]

11 फेर मन्नै सुर्ग ताहीं खुल्या होड़ देख्या, अर के देक्खूँ सूं, के एक धोळा घोड़ा सै, अर उसपै एक
सवार सै, जो बिश्वास जोग्गा, अर सच्चा कुह्वावै सै, अर वो धर्म कै साथ न्याय अर लड़ाई करै सै।
12 उसकी आँख आग की लपट की तरियां थी, अर उसके सिर पै भोत-से मुकुट थे, अर उसके माथ्थै पै
एक नाम लिख्या था, जिस ताहीं उसनै छोड़ और कोए न्ही जाणै था। 13 अर उसनै लहू म्ह ड्बोया
होड़ बाणा पैहरे राख्या था, अर उसका नाम परमेसवर का वचन था। 14 अर सुर्ग की पलटन धोळे
घोड्या पै चढ़कै अर धोळा अर शुद्ध मलमल के लत्ते पैहरे होड़ उसकै पाच्छै-पाच्छै चाल्लण लागरी
थी। 15 अर हरेक देश के माणसां ताहीं मारण कै खात्तर, उसके मुँह तै एक पैन्ही तलवार लिकड़ै थी,
अर वो लोहवै का राजदण्ड लिए होड़ उनपै राज करैगा, अर वो सर्वशक्तिमान परमेसवर के छो की
जलन की मदिरा के कुण्ड म्ह अंगूरां नै रौंदैगा। 16 अर उसके लत्ते अर जाँघ पै यो नाम लिख्या
था, राजयां का राजा अर प्रभुओं का प्रभु। 17 फेर मन्नै एक सुर्गदूत ताहीं सूरज पै खड्या देख्या,
अर उसनै जोर तै रुक्का मारकै अकास म्ह उड़ण आळे सारे पंछियाँ तै कह्या, "आओ, परमेसवर के
बड़े भोज कै खात्तर कठ्ठे हो जाओ। 18 ताके थम राजा, प्रधान, ताकतवर माणसां का, घोड्या का,
उनके सवारां का, अर सारे ढाल के आजाद, गुलाम, छोट्टे, बड़े, सारे माणसां का माँस खा सको।"
19 फेर मन्नै उस पशु जो समुन्दर म्ह तै लिकड्या था, धरती के राजयां अर उनकी पलटन ताहीं
उस धोळे घोड़े के सवार, अर उसकी पलटन तै लड़ण कै खात्तर कठ्ठे देख्या। 20 अर वो पशु अर
उसके गेल्या वो झूठ्ठा नबी पकड्या गया, जिसनै उसकै स्याम्ही इसे चमत्कार दिखाए थे, जिनकै
जरिये उसनै उन ताहीं भकाया, जिन नै उस पशु की छाप ली थी, अर जो उसकी मूर्ति की पूजा करै
थे, ये दोन्नु जिन्दे जी उस आग की झील म्ह जो गन्धक तै जळै सै, गेरे गये। 21 बाक्की लोग उस
घोड़े की तलवार तै, जो उसके मुँह तै लिकड़ै थी, मार दिए गये, अर सारे पंछी उनके माँस तै छिकगे।

20

[illegible]

1 फेर मन्नै एक सुर्गदूत ताहीं सुर्ग तै उतरदे देख्या, जिसके हाथ म्ह अथाह कुण्ड की ताळी, अर
एक बड्डी बेल थी। 2 अर उसनै उस अजगर, यानिके पुराणे साँप ताहीं, जो इब्लीस अर शैतान सै,
पकड़कै हजार साल कै खात्तर बाँध दिया। 3 अर उस ताहीं अथाह कुण्ड म्ह गेर कै मूंद दिया, अर
उसपै मोंहर ला दी, ताके वो हजार साल के पूरे होण तक देश-देश के माणसां ताहीं दुबारा न्ही भका
सकै, यो सब होण कै बाद यो जरूरी सै, के थोड़ी देर खात्तर वो दुबारा खोल्या जावैगा। 4 फेर मन्नै
सिंहासनां पै कई माणसां ताहीं बेठ्ठे देख्या, अर उन ताहीं न्याय करण का हक दिया गया, अर फेर
मन्नै उन माणसां की आत्मा ताहीं भी देख्या, जिनके सिर यीशु की गवाही देण अर परमेसवर के वचन
कै कारण धड़ तै अलग करे गये थे। उननै उस पशु अर उसकी मूर्ति की पूजा कोनी करी थी, अर ना

उसकी छाप अपणे माथ्थै अर हाथ्थां पै ली थी, वे जिन्दा होकै मसीह कै गेल्या हजार साल ताहीं
राज करदे रहे। 5 जिब तक ये हजार साल पूरे न्ही होए तब तक बाकी मरे होए जिन्दा न्ही होए, यो
तो पैहला पुनरुत्थान सै। 6 धन्य अर पवित्र सै वो माणस, जो इस पैहल्ड़े पुनरुत्थान* म्ह शामिल
होवैगा, इस्यां पै दुसरी मौत का किमे भी हक कोन्या, पर वे परमेसवर अर मसीह के याजक होंगे,
अर उसकै गैल हजार साल ताहीं राज्य करैंगें।

[illegible]

7 अर जिब हजार साल पूरे हो लेंगे, तो शैतान कैद तै छोड़ दिया जावैगा। 8 अर उन जात्तां
ताहीं जो धरती कै चौगरदेकै होंगी, यानिके गोग अर मगोग जिनकी गिणती समुन्दर की बाळू कै
बराबर होगी, उन ताहीं भकाकै, कठ्ठे करकै लड़ाई करण खात्तर लिकड़ैगा। 9 वे साब्ती धरती पै फैल
जावैंगी, अर पवित्र माणसां की छावणी अर प्यारे नगर नै घेर लेवैंगी, पर सुर्ग म्ह परमेसवर की
आग उतरकै उसकी सारी पलटन ताहीं भस्म कर देवैगी। 10 अर उनका भकाण आळा शैतान आग
अर गन्धक की उस झील म्ह गेर दिया, जिस म्ह वो पशु अर झूठ्ठा नबी भी होगा, अर वे दिन-रात
युगानुयुग दर्द तै तड़पदे रहवैंगें।

[illegible]

11 फेर मन्नै एक बड्ड़ा धोळा सिंहासन अर उसपै बेठ्ठे होए परमेसवर ताहीं देख्या, जिसकै
स्याम्ही तै धरती अर अकास भाजगे, अर उसकै बाद वे दिखाई न्ही दिए। 12 फेर मन्नै छोट्टे-बड़े
सारे मरे होया ताहीं परमेसवर के सिंहासन कै स्याम्ही खड़े होए देख्या, अर किताबें खोल्ली गई, अर
फेर एक और किताब खोल्ली गई, यानिके जीवन की किताब। मरे होया का न्याय उनके काम्मां कै
मुताबिक करया गया, जिनका बयान इन किताबां म्ह लिख्या होड़ था। 13 अर समुन्दर नै उन मरे
होए माणसां ताहीं उगळ दिया, जो उस म्ह थे, अर मौत अर अधोलोक नै भी उन मरे होए माणसां
ताहीं उगळ दिया, जो उस म्ह थे, अर हरेक का न्याय उनके काम्मां कै मुताबिक करया गया। 14 मौत
अर अधोलोक भी आग की झील म्ह गेरे गये, या आग की झील ए दुसरी मौत सै। 15 अर जिस किसे
का नाम जीवन की किताब म्ह लिख्या होया न्ही मिल्या, वो आग की झील म्ह गेर दिया गया।

21

[illegible]

1 फेर मन्नै नये अकास अर नयी धरती ताहीं देख्या, क्यूँके पैहला अकास अर पैहली धरती खतम
हो ली थी, अर समुन्दर भी न्ही रहया। 2 फेर मन्नै पवित्र नगर नये यरुशलेम ताहीं सुर्ग पै तै,
परमेसवर कै धोरै तै उतरदे देख्या, अर वो नगर उस बन्दड़ी की तरियां था, जो अपणे बन्दड़े खात्तर
सिंगार करकै सिंगरी हो सै। 3 फेर मन्नै सिंहासन म्ह तै किसे ताहीं जोर तै न्यू कहन्दे सुण्या, के,
देख, आज तै ए परमेसवर का डेरा माणसां कै बिचाळै होवैगा, वो उनकै गेल्या वास करैगा, अर वे
उसके माणस होंगे, अर परमेसवर खुद उनकै गेल्या रहवैगा, अर वो उनका परमेसवर होगा। 4 अर
वो उनकी आँखां तै सारे आँसू पुंज देवैगा, अर इसकै बाद ना मौत, ना दुख, ना बिलाप, अर ना दर्द
रहवैगा, क्यूँके पुराणी बात बीत ली सै।

5 अर जो सिंहासन पै बेठ्या था, उसनै कह्या, के देख, इब मै नई सृष्टि की रचना करण लागरया
सूं, फेर उसनै कह्या, के लिख ले, क्यूँके जो कुछ कह्या जाण लागरया सै, जो मै कहण लागरया सूं, तू
उसपै बिश्वास कर सकै सै, क्यूँके यो पक्का होवैगा। 6 फेर उसनै मेरै तै कह्या, “सब कुछ पूरा होग्या
सै, मै अल्फा अर ओमेगा, आदि अर अन्त सूं। जो तिसाए सै मै उन ताहीं उस पाणी के चोवै म्ह
तै जो अनन्त जिन्दगी देवै सै उस ताहीं मुफ्त म्ह प्याऊँगा। 7 जो बुराई की ताकतां पै जीत पावै,
वोए ये सारी आशीष मेरे तै पावैगा, अर मै उसका परमेसवर होऊँगा, अर वो मेरा बेट्टा होगा।

* **20:6** 20:6 पुनरुत्थान दुबारा जी उठणा

8 पर डरपोक, अबिश्वासी, घिनौणे, हत्यारे, जार, जादू-टूणे करणीये, मूर्ति पूजणीये, अर सारे झूठ्ठे
माणसां का भाग उस झील म्ह मिलैगा, जो आग अर गन्धक तै जळदी रहवै सै, या दुसरी मौत सै।"

[illegible]

9 फेर जिन सात सुर्गदूत कै धोरै आखरी सात मुसीबतां तै भरे होड़ कटोरे थे, उन म्ह तै एक मेरै
धोरै आया, अर मेरै गेल्या बात करकै कह्या, "उरै आ मै तन्नै बन्दड़ी यानिके मेम्ने की घरआळी
दिखाऊँगा।" 10 अर वो मन्नै आत्मा म्ह, एक बड़े अर ऊँच्चे पहाड़ पै लेग्या, अर पवित्र नगर
यरुशलेम ताहीं सुर्ग पै तै परमेसवर कै धोरै उतरदे दिखाया। 11 परमेसवर की महिमा उस म्ह थी,
अर उसकी चमक बेसकिमती पत्थर पारस कै समान अर पन्ने की ढाळ सुथरी थी। 12 अर उसकी
चारदीवारी घणी ऊँच्ची थी, अर उसके बारहा फाटक अर फाटकां पै बारहा सुर्गदूत थे, अर उनपै
इस्राएलियाँ के बारहा गोत्रां के नाम लिक्खे थे। 13 पूरब कान्ही तीन फाटक, उत्तर कान्ही तीन
फाटक, दक्खिन कान्ही तीन फाटक, अर पश्चिम कान्ही तीन फाटक थे। 14 अर नगर की चारदीवारी
की बारहा नीम थी, अर उनपै मेम्ने के बारहा प्रेरितां के बारहा नाम लिक्खे होड़ थे। 15 अर जो
सुर्गदूत मेरै गेल्या बात करण लागरया था, उसकै धोरै नगर, उसके फाटकां अर उसकी चारदीवारी
ताहीं नाप्पण कै खात्तर एक सोन्ने का सरकण्डा दिया गया था। 16 अर वो नगर चकोर बस्या होड़
था, अर उसकी लम्बाई अर चौड़ाई एक सी थी, अर उसनै उस सरकण्डे तै नगर ताहीं नाप्या, तो साढ़े
सात सौ कोस का लिकड़या, उसकी लम्बाई, चौड़ाई, अर ऊँचाई एक सी थी। 17 अर उसनै उसकी
चारदीवारी ताहीं माणस के, यानिके सुर्गदूत के नाप तै नाप्या, तो छियासठ मीटर लिकड़ी। 18 अर
उसकी चारदीवारी म्ह पन्ने जड़े थे, अर नगर इसे शुद्ध सोन्ने का था, जो कती शीशे बरगा साफ
था। 19 अर उस नगर की नीम हरेक ढाळ के घणे महँगे पत्थरां तै सजाई होड़ थी, पैहल्ड़ी नीम पन्ने
की थी, दुसरी नीलमणि की, तीसरी लालड़ी की, चौथी मरकत की। 20 पाँचमी गोमेदक की, छटी
माणिक्य की, सातमी पीतमणि की, आठमी पेरोज की, नौम्मी पुखराज की, दसमी लहसनिए की,
ग्यारमी धूम्रकान्त की, बाहरमी याकूत की। 21 अर बारहों फाटक, बारहा मोतियाँ के थे, एक-एक
फाटक, एक-एक मोत्ती का बण्या होड़ था, अर नगर की सड़क साफ-सुथरे काँच कै जिसे शुद्ध सोन्ने
की थी।

22 अर मन्नै उस म्ह कोए मन्दर न्ही देख्या, क्यूँके सर्वशक्तिमान प्रभु परमेसवर, अर मेम्ना
उसका मन्दर सै। 23 अर उस नगर म्ह सूरज अर चाँद के चाँदणे की जरूरत कोनी, क्यूँके परमेसवर
कै तेज तै उस म्ह चाँदणा होरया सै, अर मेम्ना उसका दीवा सै। 24 अर हरेक देश के माणस उसके
चाँदणे म्ह चाल्लै-फिरैंगे, अर धरती के राजा अपणी शानों-शोकत उस म्ह ल्यावैंगे। 25 अर उसके
फाटक दिन म्ह कदे भी न्ही मूंदे जावैंगे, अर ओड़ै रात न्ही होगी। 26 अर हरेक देश के माणस अपणी
शानों-शोकत उस म्ह ल्यावैंगे। 27 पर उस नगर म्ह कोए अशुद्ध चीज, या घृणित काम करण आळा,
या झूठ का गढ़नआळा किसे भी तरियां तै उस म्ह दाखल न्ही हो पावैगा, पर सिर्फ वे लोग दाखल
होवैगें जिनके नाम मेम्ने की जीवन की किताब म्ह लिक्खे सै।

22

1 फेर सुर्गदूत नै मेरै ताहीं पाणी दिखाया जो जीवन देण आळा पाणी कहलावै सै, अर वो पाणी
शीशे की तरियां साफ था, अर उसका चोवां परमेसवर का सिंहासन सै, जो के मेम्ने का भी सिंहासन
सै। 2 वो नदी नगर के बीचों बीच सड़क कै बिचाळै बहवै थी। अर नदी कै इस पार, अर उस पार,
उसके दोन्नु किनारां पै जीवन का दरखत था, जो जीवन देवै सै, उस म्ह बारहा ढाळ के फळ लाग्गै
थे, अर वो हरेक महिन्ने फळ ल्यावै था, अर उस दरखत के पत्त्यां तै हरेक देश के माणस चंगे होवै
थे। 3 अर फेर कोए श्राप न्ही होगा। परमेसवर अर मेम्ने का सिंहासन उस नगर म्ह होगा, अर उसके
दास उसकी सेवा करैंगें। 4 अर वे परमेसवर ताहीं आम्ही-स्याम्ही देखैंगें, अर परमेसवर का नाम उनके
माथ्यां पै लिख्या होया होगा। 5 अर फेर कदे रात न्ही होगी, अर ना ए उन ताहीं दीवै अर सूरज

के चाँदणे की जरूरत होगी, क्यूँके प्रभु परमेसवर उन ताहीं चाँदणा देवैगा, अर वे युगानुयुग राज
करैंगें।

[illegible]

6 फेर सुर्गदूत नै मेरै तै कह्या, "जो मै कहण लागरया सूं, तू उसपै बिश्वास कर सकै सै, क्यूँके
यो पक्का होवैगा, अर प्रभु जो नबियाँ की आत्मायाँ का परमेसवर सै, अपणे सुर्गदूत ताहीं ज्यांतै
भेज्या, के अपणे दास्सां ताहीं वे बात जिनका तावळा पूरा होणा जरूरी सै दिखावै।" 7 देख, मै
तावळा आण आळा सूं, धन्य सै वो, जो इस किताब की भविष्यवाणी की बात्तां नै मान्नै सै। 8 मै
वोए यूहन्ना सूं, जो ये बात सुणै, अर देक्खै था, अर जिब मन्नै सुण्या, अर देख्या, तो जो सुर्गदूत
मन्नै ये बात दिखावै था, मै उसके पायां म्ह प्रणाम करण कै खात्तर मोध्धा पड़ग्या। 9 अर उसनै मेरै
तै कह्या, "देख, इस ढाळ मतना करै, क्यूँके मै तेरा अर तेरे भाई नबियाँ का अर इस भविष्यवाणी की
अर इस किताब की बात्तां कै मानण आळा का जोड़ीदार दास सूं, परमेसवर नै ए पूज।" 10 फेर उसनै
मेरै तै कह्या, "इस किताब की भविष्यवाणी की बात्तां ताहीं बन्द मतना करै, क्यूँके बखत आ लिया
सै। 11 जो जुल्म करै सै, वो जुल्म ए करदा रहवै, अर जो बुरा सै, वो बुरा बण्या रहवै, अर जो धर्मी
सै, वो धर्मी बण्या रहवै, अर जो पवित्र सै, वो पवित्र बण्या रहवै।" 12 लखा, मै तावळा-ए आण
आळा सूं, अर हरेक के काम कै मुताबिक बदला देण कै खात्तर प्रतिफळ मेरै धोरै सै। 13 मै अल्फा
अर ओमेगा, पैहला अर आखरी, आदि अर अन्त सूं।

14 धन्य वे सै, जो अपणे लत्ते धो लेवै सै, क्यूँके उन ताहीं जीवन के दरखत कै लोवै आण का हक
मिलैगा, अर वे फाटकां तै हो कै नगर म्ह दाखल होवैंगे। 15 पर कुत्ते, अर जादू-टूणा करणीये, जार,
हत्यारे, मूर्ति पूजणीया, हरेक झूठ का चाहण आळा, अर झूठ गढ़ण आळा बाहरणै रहवैगा। 16 मुझ
यीशु नै अपणे सुर्गदूत ताहीं ज्यांतै भेज्या सै, ताके थारे आग्गै कलीसियाओं कै बारै म्ह इन बात्तां
की गवाही दियु, मै दाऊद का मूल, अर वंश, अर भोर का चमकदा होड़ तारा सूं। 17 अर आत्मा, अर
बन्दड़ी दोन्नु कहवै सै, "आ!" अर सुणण आळा भी कहवै, के "आ!" अर जो तिसाया हो, वो आवै
अर जो कोए चाहवै वो जीवन का पाणी मुफ्त म्ह ले।

[illegible]

18 मै हरेक ताहीं जो इस किताब की भविष्यवाणी की बात सुणै सै, गवाही दियुँ सूं, के जै कोए
माणस इन बात्तां म्ह किमे बधावै, तो परमेसवर उन मुसीबतां ताहीं जो इस किताब म्ह लिक्खी सै,
उसपै बढ़ावैगा। 19 अर जै कोए इस भविष्यवाणी की किताब की बात्तां म्ह तै किमे लिकाड़ै, तो
परमेसवर उस जीवन के दरखत अर पवित्र नगर म्ह तै जिसका जिक्र इस किताब म्ह सै, उसका
हिस्सा लिकाड़ देवैगा। 20 जो इन बात्तां की गवाही देवै सै, वो न्यू कहवै सै, "हाँ, मै तावळा आण
आळा सूं, आमीन। हे प्रभु यीशु आ!" 21 प्रभु यीशु का अनुग्रह पवित्र लोगां कै गैल रहवै।
आमीन।